# 1. Frumvarp til fjárlaga

fyrir árið 1943.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1942.)

## I. KAFLI

### Tekjur:

1. gr.

Árið 1943 er ætlazt til, að tekjur ríkisins verði svo sem talið er í 2.—5. gr., og að þeirra verði aflað með tekjugreinum, sem þar eru taldar.

2. gr.

Áætlað er, að þessir skattar og tollar nemi:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Fasteignaskattur | 750000 | |
| 2. Tekjuskattur og eignarskattur og stríðsgróðaskattur | 15000000 | |
| 3. Lestagjald af skipum | 55000 | |
| | | 15805000 |
| 4. Aukatekjur | 600000 | |
| 5. Erfðafjárskattur | 60000 | |
| 6. Vitagjald | 300000 | |
| 7. Leyfisbréfagjöld | 85000 | |
| 8. Stimpilgjald | 1200000 | |
| 9. Bifreiðaskattur | 800000 | |
| 10. Benzínskattur | 700000 | |
| | | 3745000 |
| 11. Útflutningsgjald | 1700000 | |
| 12. Vörumagnstollur | 5000000 | |
| 13. Verðtollur | 15000000 | |
| | | 21700000 |
| 14. Gjald af innlendum tollvörum | | 1000000 |
| 15. Veitingaskattur | | 250000 |
| Samtals ... | . . . | 42500000 |

3. gr.

Tekjur af rekstri ríkisstofnana eru áætlaðar:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | A. | | |
| 1. | Rekstrarhagnaður landssímans | 1429000 | |
| 2. | — áfengisverzlunar | 2000000 | |
| 3. | — tóbakseinkasölu | 1500000 | |
| 4. | — ríkisútvarps | 363000 | |
| 5. | — ríkisprentsmiðju | 150000 | |
| 6. | — landssmiðju | 100000 | |
| | | 5542000 | |
| | ÷ Tap á rekstri póstsjóðs | 160000 | 5382000 |
| | **Samtals** ... | . . . | 5382000 |
| | Sundurliðun. | | |
| | 1. Póstsjóður. | | |
| I. | Tekjur | | 2500000 |
| II. | Gjöld: | | |
| | 1. Póststjórnarkostnaður | 220000 | |
| | 2. Pósthúsið í Reykjavík | 940000 | |
| | 3. Önnur pósthús | 550000 | |
| | 4. Póstflutningar | 780000 | |
| | 5. Önnur gjöld | 160000 | |
| | 6. Fyrning | 10000 | 2660000 |
| | Mismunur (halli) ... | . . . | 160000 |
| | 2. Landssíminn. | | |
| I. | Tekjur | | 9000000 |
| II. | Gjöld: | | |
| | a. Til notendasíma í sveitum | 100000 | |
| | b. Til starfrækslu landssímanna m. m.: | | |
| | 1. Kostnaður af aðalskrifstofu landssímans 450000 | | |
| | 2. Ritsímastöðin í Reykjavík 1220000 | | |
| | 3. Loftskeytastöðin í Reykjavík 110000 | | |
| | 4. Stuttbylgjustöðin í Reykjavík 150000 | | |
| | 5. Bæjarsíminn í Reykjavík og Hafnarfirði 2100000 | | |
| | 6. Áhaldahúsið 120000 | | |
| | 7. Ritsímastöðin á Akureyri 250000 | | |
| | 8. Ritsímastöðin á Seyðisfirði 200000 | | |
| | 9. Ritsímastöðin á Ísafirði 110000 | | |
| | 10. Símastöðin á Borðeyri 65000 | | |
| | 11. Símastöðin í Vestmannaeyjum 100000 | | |
| | 12. Símastöðin á Siglufirði 140000 | | |
| | 13. Til annarra símstöðva og eftirlitsstöðva 600000 | | |
| | | 5615000 | |
| | Uppbót á laun greiðist eftir sömu reglum og 1941, enda færist þær greiðslur á framangreinda liði viðkomandi stöðva. | | |
| | **Flyt** ... | 5715000 | 9000000 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 5715000 | 9000000 |
| c. Eyðublöð, prentkostnaður, ritföng m. m. ..... | 200000 | |
| d. Viðbót og viðhald stöðva ..... | 350000 | |
| e. Kostnaður af ferðalögum etc. ..... | 18000 | |
| f. Viðhald landssímanna ..... | 1000000 | |
| g. Framhaldsgjald ..... | 160000 | |
| h. Til kennslu handa símamönnum ..... | 5000 | |
| i. Tillag til alþjóðaskrifstofunnar í Berne ..... | 6000 | |
| j. Ýmis gjöld ..... | 25000 | |
| Þar af 1000 krónur til fyrrv. símaverkstjóra, eftir tillögum símamálastjóra. | | |
| k. Fyrning á húsum og áhöldum ..... | 80000 | |
| l. Burðargjald ..... | 12000 | |
| | | 7571000 |
| Fært á 3. gr. A. 1 | . . . | 1429000 |
| Eignabreytingar. | | |
| Út. | | |
| I. Afborgun af lánum L. M. Ericsson, Marconi o. fl. ... | | 200000 |
| II. Til viðauka símakerfa, smærri efnis- og áhaldakaupa | | 250000 |
| III. Til talstöðva í báta og skip ..... | | 150000 |
| IV. Til loftskeytastöðva í skip ..... | | 50000 |
| V. Til birgðahúss í Reykjavík ..... | | 500000 |
| VI. Til póst- og símahúss á Akureyri ..... | | 200000 |
| Fært á 20. gr. Út I. 2. og II. 1 | . . . | 1350000 |
| 3. Áfengisverzlun ríkisins. | | |
| I. Tekjur (brúttó hagnaður) ..... | | 3000000 |
| II. Gjöld: | | |
| a. Laun starfsmanna og vinnulaun ..... | 524000 | |
| b. Útsvar ..... | 100000 | |
| c. Framlag til Menningarsjóðs ..... | 25000 | |
| d. Kostnaður við áfengisúthlutun ..... | 223000 | |
| e. Annar kostnaður ..... | 118000 | |
| f. Fyrning á fasteign og áhöldum ..... | 10000 | |
| | | 1000000 |
| Fært á 3. gr. A. 2 | . . . | 2000000 |
| 4. Tóbakseinkasalan. | | |
| I. Tekjur (brúttó hagnaður) ..... | | 2200000 |
| II. Gjöld: | | |
| a. Laun ..... | 375000 | |
| b. Annar kostnaður ..... | 225000 | |
| c. Útsvar, áætlað tap á skuldum o. fl. ..... | 100000 | |
| | | 700000 |
| Fært á 3. gr. A. 3 | . . . | 1500000 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| **5. Ríkisútvarpið.** | | | |
| I. Tekjur: | | | |
| a. Afnotagjöld | | 1260000 | |
| b. Aðrar tekjur | | 200000 | |
| | | | 1460000 |
| II. Gjöld: | | | |
| a. Starfræksla: | | | |
| 1. Starfsmannalaun | 450000 | | |
| 2. Útvarpsefni (þar með talin laun hljóðfæraleikara) | 265000 | | |
| 3. Til málvöndunar | 5000 | | |
| 4. Skrifstofukostnaður | 115000 | | |
| 5. Húsaleiga, ljós og hiti | 65000 | | |
| 6. Til útvarpsstöðva | 185000 | | |
| 7. Til hleðslustöðva, viðgerðarferða og til að greiða fyrir útvarpsnotum | 30000 | | |
| 8. Óviss gjöld | 25000 | | |
| | | 1140000 | |
| b. Vextir | | 23000 | |
| c. Fyrning á húsum og vélum | | 50000 | |
| | | | 1213000 |
| **Hagnaður** | | . . . | 247000 |
| III. Rekstur viðtækjaverzlunar: | | | |
| a. Tekjur | | 350000 | |
| b. Gjöld: | | | |
| 1. Laun starfsmanna | 154000 | | |
| 2. Annar kostnaður | 80000 | | |
| | | 234000 | |
| | | | 116000 |
| **Fært á 3. gr. A. 4** | | . . . | 363000 |
| Eignabreytingar: | | | |
| Afborgun af láni til stækkunar (sjá 20. gr. Út I. 2. b.) .. | | . . . | 91100 |
| **6. Ríkisprentsmiðjan.** | | | |
| I. Tekjur (prentvinna) | | | 1500000 |
| II. Gjöld: | | | |
| 1. a. Laun starfsmanna | 110000 | | |
| b. Vinnulaun og aðkeypt vinna | 800000 | | |
| | | 910000 | |
| 2. Efnivörur | | 275000 | |
| 3. Vélarekstur og viðhald | | 36000 | |
| 4. Vextir | | 7000 | |
| 5. Annar kostnaður | | 101000 | |
| 6. Fyrning | | 21000 | |
| | | | 1350000 |
| **Fært á 3. gr. A. 5** | | . . . | 150000 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| 7. Landssmiðjan. | | | |
| I. Tekjur: | | | |
| 1. Ágóði á vörum | | 65000 | |
| 2. — á járnsmíðadeild | | 305000 | |
| 3. — á trésmíðadeild | | 60000 | |
| 4. — á málmsteypu | | 10000 | |
| | | | 440000 |
| II. Gjöld: | | | |
| 1. Laun starfsmanna | | 140000 | |
| 2. Vextir | | 25000 | |
| 3. Afsláttur og skuldatöp | | 15000 | |
| 4. Annar kostnaður | | 105000 | |
| 5. Fyrning | | 55000 | |
| | | | 340000 |
| Fært á 3. gr. A. 6 | | . . . | 100000 |
| B. | | | |
| Tekjur af fasteignum ríkissjóðs eru taldar: | | | |
| 1. Tekjur af jarðeignum á Stokkseyri og Eyrarbakka o. fl. | | | 8000 |
| 2. Arnarhvoll: | | | |
| a. Tekjur | | 80000 | |
| b. Gjöld: | | | |
| 1. Vextir | 19911 | | |
| 2. Ýmiss konar rekstrarkostnaður | 56000 | | |
| 3. Fyrning hússins (sjá 20. gr.) | 3649 | | |
| | | 79560 | |
| | | | 440 |
| Samtals ... | | . . . | 8440 |

4. gr.

Tekjur af bönkum og vaxtatekjur eru áætlaðar:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Vextir af bankavaxtabréfum, jarðræktarbréfum og kreppulánasjóðsbréfum | 9000 | |
| 2. Vextir af stofnfé Landsbankans, 6% af 3000000 | 180000 | |
| 3. Vextir af veðd.bréfum Búnaðarbankans, 6% af 1150000 | 69000 | |
| 4. Aðrir vextir | 210000 | |
| | | 468000 |
| Frá dregst: | | |
| Vaxtatap vegna gjaldeyrisvarasjóðs | | 150000 |
| Samtals ... | . . . | 318000 |

5. gr.

Óvissar tekjur eru taldar 50000 kr.

## II. KAFLI

### Gjöld:

6. gr.

Árið 1943 eru veittar til gjalda fjárhæðir þær, sem tilgreindar eru í 7.—19. gr.

7. gr.

Vextir af lánum ríkissjóðs eru taldir:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Innlend lán | | 668312 |
| 2. Lán í dönskum krónum | | 65827 |
| 3. Lán í sterlingspundum | | 501147 |
| 4. Lán í dollurum | | 60694 |
| 5. Lausaskuldir | | 50000 |
| Samtals ... | . . . | 1345980 |

8. gr.

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Kostnaður við æðstu stjórn landsins | | 150000 |

9. gr.

Til alþingiskostnaðar og yfirskoðunar ríkisreikninga er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Til alþingiskostnaðar | | 540000 |
| 2. Til yfirskoðunar ríkisreikninga | | 11719 |
| 3. Fyrning á alþingishúsi (sjá 20. gr.) | | 2170 |
| Samtals ... | . . . | 553889 |

10. gr.

Til ríkisstjórnarinnar er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| I. Stjórnarráðið, ríkisféhirðir, ríkisbókhald o. fl. | | | |
| 1. Til ráðherra: | | | |
| a. Laun | 50000 | | |
| b. Til risnu | 6000 | | |
| | | 56000 | |
| 2. Stjórnarráðið: | | | |
| a. Laun: | | | |
| 1. Atvinnumálaráðuneytið | 74100 | | |
| 2. Dómsmálaráðuneytið | 50252 | | |
| 3. Fjármálaráðuneytið | 75474 | | |
| 4. Utanríkisráðuneytið | 27072 | | |
| 5. Aðrir starfsmenn | 28092 | | |
| | 254990 | | |
| b. Annar kostnaður | 100000 | | |
| | | 354990 | |
| 3. Ríkisféhirzla og bókhald: | | | |
| a. Laun | 57100 | | |
| b. Annar kostnaður | 30000 | | |
| | | 87100 | |
| 4. Pappír, prentun og hefting ríkisreikninga | | 15000 | |
| 5. Til þess að gefa út stjórnartíðindi: | | | |
| a. Þóknun fyrir ritstjórn tíðindanna o. fl. | 1200 | | |
| b. Til pappírs og prentunar | 70000 | | |
| c. Til kostnaðar af sendingu með póstum | 4500 | | |
| | | 75700 | |
| 6. Til umbóta og viðhalds á stjórnarráðshúsinu og ráðherrabústaðnum og til hitunar og lýsingar | | 50000 | |
| 7. Fyrning á stjórnarráðshúsi og ráðherrabústað (sjá 20. gr.) | | 2046 | |
| | | | 640836 |
| II. Hagstofan: | | | |
| 1. Laun ásamt verðlagsuppbót | | 175000 | |
| 2. Pappír, prentun og hefting hagskýrslna | | 60000 | |
| 3. Prentun eyðublaða | | 5000 | |
| 4. Húsaleiga, hiti og ljós m. m. | | 10000 | |
| 5. Annar kostnaður | | 4000 | |
| | | | 254000 |
| III. Utanríkismál o. fl. | | | |
| 1. Til sendiráðs í Kaupmannahöfn: | | | |
| a. Laun sendifulltrúa | 8000 | | |
| b. Húsaleiga | 8500 | | |
| c. Kostnaður við embættið | 7500 | | |
| d. Til skrifstofuhalds | 22000 | | |
| | | 46000 | |
| Áætluð staðaruppbót til starfsmanna vegna aukinnar dýrtíðar | | 16000 | |
| Flyt ... | | 62000 | 894836 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 62000 | 894836 |
| 2. | Til sendiráðs í Stokkhólmi: | | |
| | a. Laun sendifulltrúa ..... 8000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 25600 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 18000 | 51600 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 10500 | |
| 3. | Til sendiráðs í London: | | |
| | a. Laun sendiherra ..... 10000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 28000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 45000 | 83000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 42000 | |
| 4. | Til sendiráðs í Washington: | | |
| | a. Laun sendiherra ..... 10000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 40000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 46000 | 96000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 48000 | |
| 5. | Til aðalræðismannsskrifst. í New York: | | |
| | a. Laun aðalræðismanns ..... 8000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 35000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 34000 | 77000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 38000 | |
| | | | 508100 |
| 6. | Kostnaður vegna samninga við erlend ríki ..... | | 60000 |
| | Samtals ... | . . . | 1462936 |

11. gr.

Til dómgæzlu, lögreglustjórnar o. fl. er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | A. | | |
| | Dómgæzla og lögreglustjórn. | | |
| 1. | Hæstiréttur: | | |
| | a. Laun ..... | 32000 | |
| | b. Annar kostnaður ..... | 30000 | |
| | | | 62000 |
| 2. | Laun bæjarfógeta, sýslumanna og lögreglustjóra .... | | 173000 |
| 3. | Laun hreppstjóra ..... | | 45000 |
| 4. | Skrifstofukostnaður lögmannsins í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 55500 | |
| | b. Húsaleiga, hiti, ljós og ræsting ..... | 7000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 10000 | |
| | | | 72500 |
| 5. | Skrifstofukostnaður tollstjórans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun og aðstoð ..... | 220000 | |
| | b. Húsaleiga, ljós og hiti ..... | 35000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 65000 | |
| | | | 320000 |
| | Flyt ... | . . . | 672500 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 672500 |
| 6. | Skrifstofukostnaður lögreglustjórans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 21000 | |
| | b. Ljós, hiti og ræsting ..... | 19000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 20000 | |
| | | | 60000 |
| 7. | Skrifstofukostnaður sakadómarans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 45600 | |
| | b. Annar kostnaður ..... | 22950 | |
| | c. Húsaleiga, ljós, hiti og ræsting ..... | 15800 | |
| | | | 84350 |
| 8. | Toll- og löggæzla: | | |
| | a. Í Reykjavík: | | |
| | 1. Laun og aðstoð ..... 160000 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 110000 | | |
| | | 270000 | |
| | b. Utan Reykjavíkur: | | |
| | 1. Laun ..... 51000 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 45500 | | |
| | | 96500 | |
| | c. Eftirlit á vegum: | | |
| | 1. Laun ..... 5400 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 16000 | | |
| | | 21400 | |
| | | | 387900 |
| 9. | Bifreiðaeftirlit: | | |
| | a. Laun ..... 25000 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 30000 | | |
| | | 55000 | |
| | ÷ Prófgjöld og skoðunargjöld ..... | 25000 | |
| | | | 30000 |
| 10. | Hluti ríkissjóðs af lögreglukostnaði ..... | | 500000 |
| 11. | Skrifstofukostnaður sýslumanna, bæjarfógeta og lögreglustjóra ..... | | 200220 |
| 12. | Til landhelgisgæzlu ..... | | 500000 |
| 13. | Til hegningarhússins í Reykjavík og viðhaldskostnaðar fangahúsa ..... (Þar af fyrning 1770 kr., sjá 20. gr.). | | 26750 |
| 14. | Til vinnuhælisins á Litla-Hrauni: | | |
| | a. Rekstrarhalli ..... (Þar af fyrning 5300, sjá 20. gr.). | | 150000 |
| 15. | Kostnaður við sakamál og lögreglumál ..... | | 70000 |
| 16. | Borgun til sjódómsmanna ..... | | 2000 |
| 17. | Til setu- og varadómara ..... | | 8000 |
| | Flyt ... | . . . | 2691720 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 2691720 |
| 18. | Löggildingarstofan: | | |
| | a. Laun ..... 22800 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 8700 | | |
| | c. Til áhaldakaupa ..... 1000 | | |
| | | 32500 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 32500 | |
| 19. | Kostnaður við sáttatilraunir í vinnudeilum ..... | | 4000 |
| 20. | Kostnaður við félagsdóm ..... | | 17600 |
| 21. | Kostnaður við ungmennaeftirlit ..... | | 30000 |
| 22. | Kostnaður við útlendingaeftirlit ..... | | 6000 |
| | Samtals A. ... | . . . | 2749320 |
| | B. | | |
| | Sameiginlegur kostnaður við embættisrekstur. | | |
| 1. | Burðareyrir og embættisskeyti: | | |
| | a. Endurgjald handa embættismönnum fyrir burðareyri undir embættisbréf ..... | 65000 | |
| | b. Fyrir embættisskeyti ..... | 250000 | |
| | | | 315000 |
| 2. | Brunaábyrgðar- og fasteignagjald nokkurra ríkisfasteigna ..... | | 4500 |
| 3. | Til embættiseftirlitsferða ..... | | 10000 |
| 4. | Gjöld til skattanefnda, yfirskattanefnda, skattstofu Reykjavíkur og fyrir skattvirðingar: | | |
| | a. Skattstofan í Reykjavík ..... 149065 | | |
| | ÷ hluti bæjarsjóðs ..... 49686 | | |
| | | 99379 | |
| | b. Skattanefndir ..... | 150000 | |
| | c. Fasteignamat ..... | 20000 | |
| | | | 269379 |
| 5. | Til ríkisskattanefndar ..... | | 40000 |
| 6. | Eyðublöð, bókband, auglýsingar o. fl. ..... | | 150000 |
| | Samtals B ... | . . . | 788879 |

12. gr.

Til læknaskipunar og heilbrigðimála er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| 1. | Laun ..... | | 227300 |
| 2. | Til skrifstofukostnaðar landlæknis, eftir reikningi .... | | 8000 |
| 3. | Styrkur til læknisvitjana handa sveitum, sem eiga sérstaklega erfiða læknissókn, eftir reikningum ..... | | 13550 |
| | Flyt ... | . . . | 248850 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | | . . . | 248850 |
| Í Borgarneshéraði: | | | |
| Kolbeinsstaðahreppur ..... | 200 | | |
| Eyjahreppur ..... | 200 | | |
| Í Ólafsvíkurhéraði: | | | |
| Staðarsveit ..... | 200 | | |
| Breiðavíkurhreppur ..... | 300 | | |
| Neshreppur utan Ennis ..... | 300 | | |
| Í Stykkishólmshéraði: | | | |
| Eyrarsveit ..... | 500 | | |
| Miklaholtshreppur ..... | 200 | | |
| Skógarstrandarhreppur ..... | 250 | | |
| Í Dalahéraði: | | | |
| Skarðs- og Klofningshreppur, 150 kr. til hvors | 300 | | |
| Fellsstrandarhreppur ..... | 200 | | |
| Saurbæjarhreppur ..... | 200 | | |
| Í Reykhólahéraði: | | | |
| Gufudalssveit ..... | 250 | | |
| Í Flateyjarhéraði: | | | |
| Múlahreppur ..... | 250 | | |
| Í Patreksfjarðarhéraði: | | | |
| Rauðasandshreppur ..... | 150 | | |
| Barðastrandarhreppur ..... | 150 | | |
| Í Flateyrarhéraði: | | | |
| Suðureyrarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Ögurhéraði: | | | |
| Reykjarfjarðarhreppur, Nauteyrarhreppur og Snæfjallahreppur ..... | 750 | | |
| Styrkurinn skiptist milli nefndra hreppa í hlutfalli við kostnað þeirra við læknisvitjanir. | | | |
| Í Hesteyrarhéraði: | | | |
| Grunnavíkurhreppur ..... | 300 | | |
| Sléttuhreppur ..... | 300 | | |
| Í Reykjarfjarðarhéraði: | | | |
| Árneshreppur (sé héraðið læknislaust) .... | 600 | | |
| Í Hólmavíkurhéraði: | | | |
| Óspakseyrarhreppur ..... | 200 | | |
| Í Miðfjarðarhéraði: | | | |
| Bæjarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Blönduóshéraði: | | | |
| Vindhælishreppur fyrir norðan Björg ..... | 200 | | |
| Í Sauðárkrókshéraði: | | | |
| Skefilsstaðahreppur ..... | 200 | | |
| Í Hofsóshéraði: | | | |
| Haganeshreppur ..... | 150 | | |
| Holtshreppur ..... | 150 | | |
| Í Húsavíkurhéraði | | | |
| Flateyjarhreppur ..... | 200 | | |
| Flyt ... | 7300 | . . . | 248850 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 7300 | . . . | 248850 |
| Grímseyjarhreppur ..... | 400 | | |
| Í Öxarfjarðarhéraði: | | | |
| Fjallahreppur ..... | 200 | | |
| Kelduneshreppur ..... | 300 | | |
| Presthólahreppur, til læknisvitjana af Austur-Sléttu ..... | 300 | | |
| Styrkur til þess að hafa lækni á Raufarhöfn um síldveiðitímann ..... | 1000 | | |
| Í Þistilfjarðarhéraði: | | | |
| Sauðaneshreppur, vegna læknisvitjana frá Skálum og nágrenni þeirra ..... | 200 | | |
| Skeggjastaðahreppur ..... | 200 | | |
| Í Hróarstunguhéraði: | | | |
| Borgarfjarðarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Fljótsdalshéraði: | | | |
| Jökuld.hr. (vegna byggðar í Möðrudalsheiði) | 200 | | |
| Í Seyðisfjarðarhéraði: | | | |
| Loðmundarfjarðarhreppur ..... | 150 | | |
| Í Norðfjarðarhéraði: | | | |
| Mjóifjörður ..... | 300 | | |
| Í Fáskrúðsfjarðarhéraði: | | | |
| Stöðvarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Berufjarðarhéraði: | | | |
| Breiðdalshreppur ..... | 300 | | |
| Í Hornafjarðarhéraði: | | | |
| Hofshreppur ..... | 400 | | |
| Í Síðuhéraði: | | | |
| Skaftártunguhreppur ..... | 300 | | |
| Álftavershreppur ..... | 250 | | |
| Leiðvallarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Mýrdalshéraði: | | | |
| Austur-Eyjafjallahreppur ..... | 200 | | |
| Í Rangárhéraði: | | | |
| Vestur-Eyjafjallahreppur ..... | 200 | | |
| Í Eyrarbakkahéraði: | | | |
| Selvogshreppur og Hlíðarbæir í Ölfusi .... | 250 | | |
| Í Grímsneshéraði: | | | |
| Þingvallahreppur ..... | 200 | | |
| Samtals ... | 13550 | | |
| 4. Til augnlækningaferða samkv. l. nr. 12 1934 ..... | | | 2400 |
| 5. Styrkur til háls-, nef- og eyrnalæknis Ólafs Þorsteinssonar í Reykjavík ..... | | | 1000 |
| Styrkur Ólafs læknis Þorsteinssonar er bundinn því skilyrði, að hann segi stúdentum í læknadeild háskólans til í sinni sérfræði og veiti fátæku fólki ókeypis læknishjálp á tilteknum stað, ekki sjaldnar en 4 sinnum á mánuði, og gefi skýrslu um það. | | | |
| Flyt ... | | . . . | 252250 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 252250 |
| 6. | Landsspítalinn: | | |
| | A. Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 335000 | |
| | 2. Matvörur ..... | 480000 | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... | 38000 | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... | 62000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 99000 | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... | 50000 | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... | 30000 | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 25000 | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... | 15000 | |
| | 10. Skattar og tryggingar ..... | 10000 | |
| | 11. Röntgenfilmur og áhöld ..... | 75000 | |
| | 12. Ýmis gjöld ..... | 16000 | |
| | 13. Fyrning ..... | 25000 | |
| | | | 1260000 |
| | Þar frá dregst: | | |
| | 1. Daggjöld (45000 × 15 + 6000 × 12) .. | 747000 | |
| | 2. Geislalækningar ..... | 130000 | |
| | 3. Aðrar tekjur ..... | 10000 | |
| | | | 887000 |
| | Rekstrarhalli ... | | 373000 |
| | B. Til ljósmæðra- og hjúkrunarkvennaskólans, þar í fæði ljósmæðranema ..... | | 28000 |
| | | | 401000 |
| 7. | Geðveikrahælið á Kleppi: | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 190000 | |
| | 2. Matvörur ..... | 495000 | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... | 18000 | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... | 95000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 48000 | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... | 40000 | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... | 20000 | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 36000 | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... | 8000 | |
| | 10. Skattar og tryggingar ..... | 6000 | |
| | 11. Flutningskostnaður ..... | 10000 | |
| | 12. Ýms gjöld ..... | 15000 | |
| | 13. Fyrning ..... | 15000 | |
| | | | 996000 |
| | Tekjur: | | |
| | Daggjöld sjúklinga, 78000 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | | 936000 |
| | Rekstrarhalli ... | | 60000 |
| | Flyt ... | . . . | 713250 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 713250 |
| 8. | Heilsuhælið á Vífilsstöðum: | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... 162000 | | |
| | 2. Matvörur ..... 546000 | | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... 20000 | | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... 90000 | | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... 56000 | | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... 60000 | | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... 20000 | | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... 15000 | | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... 12000 | | |
| | 10. Skattar og tryggingar ..... 3000 | | |
| | 11. Flutningskostnaður ..... 10000 | | |
| | 12. Röntgenfilmur og áhöld ..... 4000 | | |
| | 13. Ýmis gjöld ..... 12000 | | |
| | 14. Fyrning ..... 15000 | | |
| | | 1025000 | |
| | Þar frá dragast þessar tekjur: | | |
| | Daggjöld sjúklinga, 71000 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | 852000 | |
| | Rekstrarhalli ... | | 173000 |
| 9. | Heilsuhælið í Kristnesi: | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... 70000 | | |
| | 2. Matvæli ..... 182000 | | |
| | 3. Lyf og hjúkrunargögn ..... 12000 | | |
| | 4. Ljós og hiti ..... 25000 | | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... 10000 | | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... 20000 | | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... 15000 | | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... 5000 | | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... 4000 | | |
| | 10. Flutningskostnaður ..... 7000 | | |
| | 11. Röntgenfilmur og áhöld ..... 2000 | | |
| | 12. Ýmis gjöld ..... 8000 | | |
| | 13. Fyrning ..... 7200 | | |
| | | 367200 | |
| | Þar frá dragast þessar tekjur: | | |
| | Daggjöld sjúklinga, 25400 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | 304800 | |
| | Rekstrarhalli ... | | 62400 |
| 10. | Holdsveikraspítalinn í Kópavogi: | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... 24000 | | |
| | 2. Matvörur ..... 40000 | | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... 2500 | | |
| | 4, Ljós og eldsneyti ..... 8000 | | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... 2000 | | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... 2000 | | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... 2000 | | |
| | Flyt ... 80500 | . . . | 948650 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 80500 | . . . | 948650 |
| 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 2000 | | |
| 9. Sími og skrifstofa ..... | 1200 | | |
| 10. Skattar og tryggingar ..... | 500 | | |
| 11. Flutningskostnaður ..... | 800 | | |
| 12. Ýmis gjöld ..... | 2500 | | |
| 13. Fyrning ..... | 2000 | | |
| | | 89500 | |
| Reksturshalli ... | | | 89500 |
| 11. Önnur gjöld: | | | |
| a. Styrkur til að reisa læknisbústaði og sjúkraskýli. Þar af til sjúkrahúss í Keflavík kr. 50000 ..... | | 80000 | |
| b. Til greiðslu vaxta af skuldum vegna læknisbústaða, í Reykhólahéraði 1200 kr., í Ögurhéraði, Dalahéraði, Hesteyrarhéraði og Hróarstunguhéraði 900 kr. til hvers ..... | | 4800 | |
| c. Bólusetningarkostnaður ..... | | 2000 | |
| d. Gjöld samkv. lögum nr. 66 19. júní 1933, um varnir gegn útbreiðslu næmra sjúkdóma ..... | | 15000 | |
| e. Gjöld samkv. lögum nr. 65 19. júní 1933, um varnir gegn því, að næmir sjúkdómar berist til Íslands .. | | 2000 | |
| f. Til kynsjúkdómalæknis ..... | | 5400 | |
| g. Kostnaður við heilbrigðieftirlit lækna með alþýðuskólum ..... | | 5000 | |
| h. Til annarra heilbrigðiráðstafana ..... | | 2000 | |
| i. Styrkur til heilsuverndarstöðva í kaupstöðum, gegn tvöföldu framlagi annars staðar að ..... Heilsuverndarstöð, sem styrks vill verða aðnjótandi, skal reka berklavarnarstarfsemi undir yfirstjórn og eftirliti berklayfirlæknis ríkisins og haga störfum sínum öllum eftir reglum, er heilbrigðistjórnin samþykkir. | | 50000 | |
| j. Styrkur til Súgfirðinga til að hafa lærða hjúkrunarkonu ..... | | 1000 | |
| k. Viðbótarlaun yfirsetukonu í Grímsey, gegn jafnmikilli launabót annars staðar að ..... | | 300 | |
| l. Til Halldórs Arnórssonar umbúðasmiðs ..... | | 3000 | |
| m. Til ýmissa sjúklinga, eftir úthlutun landlæknis .. | | 10000 | |
| | | | 180500 |
| 12. Hluti ríkissjóðs af launum ljósmæðra ..... | | | 120000 |
| Samtals ... | | . . . | 1338650 |

13. gr.

**Til samgöngumála er veitt:**

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **A.** | | |
| | **Vegamál.** | | |
| I. | Stjórn og undirbúningur vegagerða: | | |
| | 1. Laun vegamálastjóra ..... enda sé hann ráðunautur stjórnarinnar í vatnamálum. | 7200 | |
| | 2. Laun aðstoðarverkfræðings ..... | 7200 | |
| | 3. Laun skrifstofustjóra ..... | 7200 | |
| | 4. Til aðstoðarmanna og mælinga og ferðakostnaður verkfræðinga ..... | 125000 | |
| | 5. Skrifstofukostnaður ..... | 35000 | |
| | | | 181600 |
| II. | Þjóðvegir. | | |
| | a. Til nýrra akvega: | | |
| | 1. Hafnarfjallsvegur ..... 70000 | | |
| | 2. Lundarreykjadalsvegur ..... 5000 | | |
| | 3. Bæjarsveitarvegur ..... 12000 | | |
| | 4. Hálsasveitarvegur ..... 5000 | | |
| | 5. Álftaneshreppsvegur ..... 15000 | | |
| | 6. Hraunhreppsvegur ..... 8000 | | |
| | 7. Útnesvegur ..... 40000 | | |
| | 8. Ólafsvíkurvegur ..... 40000 | | |
| | 9. Stykkishólmsvegur ..... 40000 | | |
| | 10. Dalasýsluvegur ..... 30000 | | |
| | 11. Klofningsvegur ..... 8000 | | |
| | 12. Laxárdalsvegur ..... 8000 | | |
| | 13. Barðastrandarvegur ..... 25000 | | |
| | 14. Tálknafjarðarvegur ..... 8000 | | |
| | 15. Hjarðardalsvegur ..... 6000 | | |
| | 16. Súgandafjarðarvegur ..... 12000 | | |
| | 17. Súðavíkurvegur ..... 8000 | | |
| | 18. Strandasýsluvegur ..... 40000 | | |
| | 19. Vesturhópsvegur ..... 6000 | | |
| | 20. Húnvetningabraut í V.-Húnavatnss .. 20000 | | |
| | 21. Skagastrandarvegur ..... 30000 | | |
| | 22. Þverárfjallsvegur ..... 6000 | | |
| | 23. Vatnsskarðsvegur ..... 80000 | | |
| | 24. Gönguskarðsvegur ..... 8000 | | |
| | 25. Blönduhlíðarvegur ..... 10000 | | |
| | 26. Út-Blönduhlíðarvegur ..... 30000 | | |
| | 27. Hofsósvegur ..... 35000 | | |
| | 28. Fljótavegur og Siglufjarðarskarð .... 90000 | | |
| | 29. Stíflu- og Ólafsfjarðarvegur ..... 15000 | | |
| | 30. Öxnadalsheiðarvegur ..... 80000 | | |
| | 31. Ljósavatnsskarðsvegur ..... 15000 | | |
| | 32. Kinnarbraut ..... 15000 | | |
| | 33. Bárðardalsvegur ..... 8000 | | |
| | 34. Tjörnesvegur ..... 5000 | | |
| | Flyt ... 833000 | . . . | 181600 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 833000 | . . . | 181600 |
| 35. | Kelduhverfisvegur ..... | 12000 | | |
| 36. | Kópaskersvegur ..... | 10000 | | |
| 37. | Öxarfjarðarheiðarvegur ..... | 15000 | | |
| 38. | Brekknaheiðarvegur ..... | 15000 | | |
| 39. | Vopnafjarðarvegur ..... | 8000 | | |
| 40. | Hróarstunguvegur ..... | 7000 | | |
| 41. | Bakkafjarðarvegur ..... | 5000 | | |
| 42. | Upphéraðsvegur ..... | 6000 | | |
| 43. | Úthéraðsvegur ..... | 15000 | | |
| 44. | Borgarfjarðarvegur ..... | 6000 | | |
| 45. | Fjarðarheiðarvegur ..... | 25000 | | |
| 46. | Eskifjarðarvegur ..... | 12000 | | |
| 47. | Fáskrúðsfjarðarvegur ..... | 20000 | | |
| 48. | Beruness- og Breiðdalsvegur ..... | 30000 | | |
| 49. | Geithellnahreppsvegur ..... | 8000 | | |
| 50. | Austur-Skaftafellssýsluvegur ..... | 25000 | | |
| 51. | Skaftártunguvegur ..... | 20000 | | |
| 52. | Síðuvegur ..... | 15000 | | |
| 53. | Meðallandsvegur ..... | 8000 | | |
| 54. | Mýrdalsvegur ..... | 20000 | | |
| 55. | Eyjafjallavegur ..... | 20000 | | |
| 56. | Hvolhreppsvegur ..... | 25000 | | |
| 57. | Rangárvallavegur ..... | 8000 | | |
| 58. | Miðeyjarvegur ..... | 15000 | | |
| 59. | Landvegur ..... | 15000 | | |
| 60. | Hrunamannahreppsvegur ..... | 20000 | | |
| 61. | Gnúpverjahreppsvegur ..... | 20000 | | |
| | | | 1238000 | |
| b. | Viðhald og endurbætur ..... | | 3300000 | |
| c. | Til þjóðvega af benzínskatti: | | | |
| 1. | Til Hafnarfjallsvegar ..... | 30000 | | |
| 2. | — Stykkishólmsvegar ..... | 20000 | | |
| 3. | — Dalasýsluvegar ..... | 10000 | | |
| 4. | — Vestfjarðavegar ..... | 100000 | | |
| 5. | — Barðastrandarvegar ..... | 25000 | | |
| 6. | — Húnvetningabrautar ..... | 15000 | | |
| 7. | — Fljótavegar og Siglufjarðarskarðs | 60000 | | |
| 8. | — vega í Vestmannaeyjum ..... | 10000 | | |
| 9. | — Vatnsskarðsvegar ..... | 180000 | | |
| 10. | — Ljósavatnsskarðsvegar ..... | 25000 | | |
| 11. | — Öxnadalsheiðar- og Öxnadalsvegar | 180000 | | |
| 12. | — Austurlandsvegar ..... | 35000 | | |
| | | | 690000 | |
| | | | | 5228000 |
| III. | Til brúargerða ..... | | | 150000 |
| IV. | Fjallvegir ..... | | | 60000 |
| | Flyt ... | | . . . | 5619600 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 5619600 |
| V. 1. Til áhalda ..... | 400000 | |
| 2. Til bókasafns verkamanna ..... | 2000 | |
| | | 402000 |
| VI. Til sýsluvega: | | |
| 1. Tillög til akfærra sýsluvega, allt að ..... gegn að minnsta kosti jafnmiklu tillagi annars staðar að og öðrum þeim skilyrðum, sem atvinnumálaráðherra setur. | 50000 | |
| 2. Til akfærra sýsluvega af bifreiðaskatti ..... | 50000 | |
| 3. Til sýsluvegasjóða eftir lögum nr. 10 1923 ..... | 250000 | |
| | | 350000 |
| VII. Til malbikunar á vegum í kaupstöðum og verzlunarstöðum af bifreiðaskatti ..... | | 40000 |
| VIII. Til ferjuhalds, eftir úthlutun vegamálastjóra ..... | | 7000 |
| IX. Styrkur til þess að halda uppi vetrarflutningum: | | |
| a. Hellisheiði ..... | 15000 | |
| b. Holtavörðuheiði ..... | 5000 | |
| | | 20000 |
| X. Styrkur til þess að halda uppi byggð og gistingu handa ferðamönnum ..... Atvinnumálaráðuneytið veitir styrkinn ábúendum á afskekktum bæjum í þjóðbraut. | | 11000 |
| XI. Til fyrrverandi vegaverkstjóra, eftir tillögum vegamálastjóra ..... | | 3000 |
| XII. Iðgjöld til slysatryggingarinnar ..... | | 35000 |
| XIII. Fyrning áhaldahússins (sjá 20. gr.) ..... | | 552 |
| Samtals A. ... | . . . | 6488152 |
| B. Samgöngur á sjó. | | |
| 1. Til strandferða: | | |
| a. Ríkissjóðs ..... (Þar af fyrning kr. 105000, sjá 20. gr.). | 1000000 | |
| b. Eimskipafélags Íslands ..... enda haldi félagið uppi siglingum í sama horfi sem áður og með eigi minna skipastól, ef efnahagur þess leyfir. | 82000 | |
| c. Til vöruflutninga í Skaftafellssýslu ..... | 10000 | |
| | | 1092000 |
| Flyt ... | . . . | 1092000 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 1092000 |
| 2. Til bátaferða á flóum, fjörðum og vötnum ..... | | 136300 |
| Skipaútgerð ríkisins hefur yfirumsjón með ferðum flóabáta, sem fara eftir fastri áætlun. Skilyrði fyrir greiðslu styrksins er, að fyrir liggi efnahags- og rekstrarreikningur 1942 frá útgerð þessara báta, ef styrkupphæð til þeirra það ár hefur numið yfir 1000 kr. Ferðaáætlun 1943 og flutningsgjaldskrá sé samþykkt af póst- og símamálastjórninni og skipaútgerð ríkisins og reikningar ársins sendir henni, enda athugi hún, hversu rík sé þörf á ferðum hvers þess báts, er styrks nýtur úr ríkissjóði. Skip og bátar, sem njóta styrks úr ríkissjóði, eru skyldir til að flytja póst endurgjaldslaust, sé þess krafizt. | | |
| 3. Byggingarstyrkur til Djúpbátsins í Norður-Ísafjarðarsýslu, síðari greiðsla af framlagi ríkissjóðs, 150 þús. kr., þó ekki yfir 3/5 byggingarkostnaðar ..... | | 75000 |
| Stjórn fyrirtækisins skal kosin að meiri hluta af sýslunefnd Norður-Ísafjarðarsýslu og bæjarstjórn Ísafjarðarkaupstaðar, enda leggi báðir þessir aðiljar fram fé til byggingar bátsins. | | |
| Samtals B. ... | . . . | 1303300 |
| C. | | |
| Vitamál og hafnargerðir. | | |
| I. Stjórn og undirbúningur vita- og hafnarmála: | | |
| 1. Laun vitamálastjóra ..... | 7200 | |
| Þar af 1200 kr. persónuleg launaviðbót. | | |
| Hann sé umsjónarmaður vitamála og hafnargerða og ókeypis ráðunautur ríkisstjórnar, héraðsstjórna og bæja í öllu því, er varðar vitamál og hafna. | | |
| 2. Laun aðstoðarverkfræðings ..... | 7200 | |
| 3. Húsaleiga, ljós og hiti ..... | 14000 | |
| 4. Til skrifstofuhalds, eftir reikningi ..... | 18000 | |
| 5. Ferðakostnaður og fæðispeningar, eftir reikningi | 10000 | |
| 6. Til aðstoðarmanna og mælinga ..... | 18000 | |
| | | 74400 |
| II. Laun vitavarða, þar af uppbót á laun vitavarðar á Gróttu 300 kr. ..... | | 36000 |
| III. Rekstrarkostnaður vitanna ..... | | 300000 |
| IV. Viðhald og endurbætur ..... | | 75000 |
| V. Sjómerki, þar með talið viðhald sæluhúsa ..... | | 25000 |
| VI. Til áhaldakaupa ..... | | 100000 |
| Flyt ... | . . . | 610400 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 610400 |
| VII. Ýmislegt ..... | | 50000 |
| VIII. Til hafnargerða: | | |
| 1. Á Húsavík ..... | 18000 | |
| 2. — Skagaströnd ..... | 50000 | |
| 3. — Sauðárkróki, 9. greiðsla af 12 ..... | 25000 | |
| 4. — Raufarhöfn, til dýpkunar, 3. greiðsla af 9 .... | 10000 | |
| 5. — Dalvík ..... | 50000 | |
| 6. Í Hafnarfirði ..... | 100000 | |
| 7. Á Hofsósi lokagreiðsla ..... | 8000 | |
| | | 261000 |
| IX. Til brimbrjótsins í Bolungarvík ..... | | 3000 |
| X. Til sjómælinga ..... | | 75000 |
| XI. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | | 80000 |
| Samtals C. ... | . . . | 1079400 |
| D. | | |
| 1. Til flugmála ..... | | 50000 |
| Samtals D. ... | . . . | 50000 |

14. gr.

Til kirkju- og kennslumála er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| A. | | |
| Kirkjumál. | | |
| a. Biskupsdæmið: | | |
| 1. Laun biskups ..... | 7000 | |
| 2. Húsaleigustyrkur ..... | 3000 | |
| 3. Skrifstofukostnaður ..... | 12000 | |
| | | 22000 |
| Flyt ... | . . . | 22000 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 22000 |
| b. Önnur gjöld: | | |
| 1. Viðbót við eftirlaun þau, er fátækir uppgjafaprestar og prestsekkjur njóta samkvæmt lögum ..... | 8000 | |
| 2. Framlag til prestlaunasjóðs ..... | 320000 | |
| 3. Til dómkirkjuprestsins í Reykjavík, fyrir skýrslugerðir ..... | 1500 | |
| 4. Embættiskostnaður presta ..... | 65000 | |
| 5. Til húsabóta á prestssetrum ..... | 60000 | |
| 6. Til endurbóta á gömlum íbúðarhúsum á prestssetrum | 48000 | |
| 7. Kostnaður við kirkjuráð, samkv. lögum nr. 21 1931 | 500 | |
| 8. Til að gefa út ársskýrslu þjóðkirkjunnar ..... | 500 | |
| 9. Til söngmálastjóra þjóðkirkjunnar ..... | 9480 | |
| | | 512980 |
| Samtals A. ... | . . . | 534980 |
| B. Kennslumál. | | |
| I. Háskólinn: | | |
| 1. Laun ..... | 132000 | |
| Þar af til Júlíusar Sigurjónssonar og Kristins Stefánssonar 2400 kr. til hvors | | |
| 2. Til kennslu í augnlækningum (Kjartan Ólafsson) | 1000 | |
| 3. Til kennslu í réttarlæknisfræði ..... | 1000 | |
| 4. Til kennslu í söng ..... | 800 | |
| 5. Til móttöku erlendra vísindamanna ..... | 2000 | |
| 6. Til bókavörzlu ..... | 6000 | |
| 7. Til rannsóknarstofu í líffæra- og lífeðlisfræði .. | 11000 | |
| 8. Til áhaldakaupa handa læknadeild háskólans .. | 5000 | |
| 9. Námsstyrkur ..... | 35000 | |
| 10. Húsaleigustyrkur ..... | 15000 | |
| 11. Til kennslu í efnafræði ..... | 1600 | |
| 12. Hiti, ljós, ræsting og vélgæzla ..... | 64000 | |
| 13. Til kennslu í verkfræði ..... | 12000 | |
| 14. Til að setja á stofn rannsóknarstofu í eðlisfræði, lokagreiðsla ..... | 4000 | |
| 15. Ferðakostnaður vegna stúdentaskipta ..... | 750 | |
| 16. Ýmis gjöld ..... | 30000 | |
| 17. Til stúdentaráðs háskólans til þess að starfrækja leiðbeiningaskrifstofu undir stjórn Lúðvigs Guðmundssonar ..... | 3500 | |
| 18. Til dr. Símonar Jóh. Ágústssonar til að flytja fyrirlestra í uppeldisfræði og sálarfræði við háskólann ..... | 2000 | |
| 19. Til Björns Guðfinnssonar til kennslu í setningafræði og málfræði nútímaíslenzku ..... | 5500 | |
| 20. Til dr. Eiríks Albertssonar til fyrirlestrahalds við guðfræðideild ..... | 2000 | |
| Flyt ... | 334150 | |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 334150 | |
| 21. | Til sendikennara í þýzku ..... | 3000 | |
| 22. | Til sendikennara í frakknesku ..... | 3000 | |
| 23. | Til sendikennara í ensku ..... | 3000 | |
| 24. | Laun dyravarðar ..... | 3000 | |
| 25. | Til tímakennslu í viðskiptafræði ..... | 4000 | |
| 26. | Til rannsóknarstofu í lyfjafræði ..... | 3000 | |
| 27. | Til rannsóknarstofu í heilsufræði ..... | 3000 | |
| 28. | Til aukakennara í lögfræði ..... | 1800 | |
| 29. | Til íþróttakennslu ..... | 4000 | |
| 30. | Til greiðslu kostnaðar við að stofna til kennslu í náttúrufræðum ..... | 53000 | |
| | | | 414950 |
| II. | Námsstyrkur erlendis: | | |
| a. | Til íslenzkra stúdenta í erlendum háskólum .... | 90000 | |
| b. | Námsstyrkur samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs ..... | 12500 | |
| c. | Námsstyrkur samkv. þál. 3/4 1942 ..... | 100000 | |
| | | | 202500 |
| III. | Fræðslumálastjórnin: | | |
| 1. | Föst laun ..... | 27100 | |
| 2. | Skrifstofu- og ferðakostnaður ..... | 18000 | |
| | | | 45100 |
| IV. | Menntaskólinn í Reykjavík: | | |
| a. | Laun ..... | 60000 | |
| b. | Önnur gjöld: | | |
| 1. | Til bókasafns skólans ..... 2000 | | |
| 2. | Til eldiviðar, ljósa og ræstingar .... 40000 | | |
| 3. | Til viðhalds ..... 10000 | | |
| 4. | Til sundakennslu, allt að ..... 60000 | | |
| 5. | Náms- og húsaleigustyrkur ..... 4675 | | |
| 6. | Til kennslutækja ..... 3000 | | |
| 7. | Ýmisleg útgjöld ..... 10000 | | |
| 8. | Til verðlaunabók ..... 200 | | |
| 9. | Vegna kostnaðar við skólastjórn ... 2000 | | |
| 10. | Til bókasafnsins Íþöku ..... 200 | | |
| 11. | Fyrning (sjá 20. gr.) ..... 3540 | | |
| | | 135615 | |
| | | | 195615 |
| | Húsaleigustyrk og námsstyrk má aðeins veita efnilegum, reglusömum og efnalitlum nemendum. Húsaleigustyrkur sé venjulega aðeins veittur utanbæjarmönnum, og að námsstyrk gangi utanbæjarmenn fyrir innanbæjarmönnum, að öðru jöfnu. | | |
| V. | Menntaskólinn á Akureyri: | | |
| a. | Laun ..... | 53000 | |
| b. | Önnur gjöld: | | |
| 1. | Til aukakennara og stundakennslu . 45000 | | |
| 2. | Vegna kostnaðar við skólastjórn .... 2000 | | |
| | Flyt ... 47000 | 53000 | 858165 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 47000 | 53000 | 858165 |
| 3. Til bóka og kennsluáhalda ..... | 1200 | | |
| 4. Til eldiviðar og ljósa ..... | 20000 | | |
| 5. Námsstyrkur ..... | 2000 | | |
| Utanbæjarnemendur gangi fyrir innanbæjarnemendum, að öðru jöfnu. | | | |
| 6. Til dyravörzlu ..... | 2000 | | |
| 7. Til viðhalds og endurbóta ..... | 10000 | | |
| 8. Til ýmislegra gjalda ..... | 6500 | | |
| 9. Til verðlaunabóka ..... | 200 | | |
| 10. Kostnaður við aukið húsnæði ..... | 4000 | | |
| 11. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 3160 | | |
| | | 96060 | |
| VI. Kennaraskólinn: | | | 149060 |
| a. Laun ..... | | 26000 | |
| b. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Stundakennsla ..... | 24000 | | |
| 2. Eldiviður og ljós ..... | 7000 | | |
| 3. Bókakaup og áhöld ..... | 3000 | | |
| 4. Námsstyrkur ..... | 2500 | | |
| Utanbæjarnemendur gangi að styrk fyrir innanbæjarnemendum, að öðru jöfnu. | | | |
| 5. Til viðhalds ..... | 6000 | | |
| 6. Ýmisleg gjöld ..... | 10000 | | |
| 7. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 1090 | | |
| | | 53590 | |
| VII. Stýrimannaskólinn: | | | 79590 |
| a. Laun ..... | | 18100 | |
| b. Húsaleiga skólastjóra ..... | | 3000 | |
| c. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til stundakennslu ..... | 32900 | | |
| 2. Til eldiviðar og ljósa ..... | 4000 | | |
| 3. Til Sveinbjarnar Egilson, til fyrirlestra | 450 | | |
| 4. Ýmisleg gjöld ..... | 10000 | | |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 2000 | | |
| 6. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 700 | | |
| 7. Til námskeiða í siglingafræði utan Reykjavíkur ..... | 28000 | | |
| | | 78050 | |
| VIII. Vélstjóraskólinn: | | | 99150 |
| a. Laun ..... | | 13600 | |
| b. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til stundakennslu ..... | 12500 | | |
| 2. Húsnæði skólastjóra og skrifstofu skólans ..... | 3000 | | |
| Flyt ... | 15500 | 13600 | 1185965 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 15500 | 13600 | 1185965 |
| 3. Ljós, hiti og ræsting ..... | 2200 | | |
| 4. Ýmis gjöld ..... | 1000 | | |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 500 | | |
| 6. Kostnaður við burtfararpróf ..... | 1800 | | |
| | | 21000 | |
| | | | 34600 |
| IX. Bændakennsla: | | | |
| 1. Til bændaskólans á Hólum: | | | |
| a. Laun ..... | | 11200 | |
| b. Til smíða-, leikfimi- og dráttlistarkennslu .. | | 4000 | |
| c. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til verklegs náms ..... | 5000 | | |
| 2. Til kennsluáhalda ..... | 1500 | | |
| 3. Til eldiviðar og ljósa ..... | 12000 | | |
| 4. Til viðhalds ..... | 3000 | | |
| 5. Ýmisleg gjöld ..... | 3000 | | |
| | | 24500 | |
| d. Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... | | 1226 | |
| | | | 40926 |
| 2. Til bændaskólans á Hvanneyri: | | | |
| a. Laun ..... | | 10500 | |
| b. Til smíða- og leikfimikennslu ..... | | 1500 | |
| c. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til verklegs náms ..... | 6000 | | |
| 2. Til kennsluáhalda ..... | 1000 | | |
| 3. Til eldiviðar og ljósa ..... | 15000 | | |
| 4. Til viðhalds ..... | 5000 | | |
| 5. Ýmisleg gjöld ..... | 3500 | | |
| 6. Til byggingar kennarabústaða .... | 8000 | | |
| 7. Til verkfærasafns ..... | 1000 | | |
| | | 39500 | |
| d. Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... | | 2300 | |
| | | | 53800 |
| 3. Garðyrkjuskólinn á Reykjum: | | | |
| a. Laun ..... | | 10300 | |
| b. Til smíða-, leikfimi- og sundkennslu ..... | | 1600 | |
| c. Til matreiðslukennslu ..... | | 500 | |
| d. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til bókasafns ..... | 600 | | |
| 2. Til kennsluáhalda ..... | 2000 | | |
| 3. Til viðhalds ..... | 3000 | | |
| 4. Ýmis gjöld ..... | 3000 | | |
| 5. Vextir ..... | 2750 | | |
| | | 11350 | |
| e. Fyrning ..... | | 2800 | |
| | | | 26550 |
| Flyt ... | | . . . | 1341841 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 1341841 |
| X. Iðnfræðsla: | | |
| a. Til iðnaðarmannafélagsins í Reykjavík, til þess að reka iðnskóla í Reykjavík, undir yfirumsjón ríkisstjórnarinnar ..... | 6500 | |
| b. Til iðnaðarmannafélagsins á Akureyri, til kvöldskólahalds ..... | 2000 | |
| c. Til iðnaðarmannafélags á Ísafirði, til skólahalds | 1500 | |
| d. Til iðnaðarmannafél. á Akranesi, til skólahalds | 800 | |
| e. Til iðnaðarmannafélagsins í Hafnarfirði, til kvöldskólahalds ..... | 1700 | |
| f. Til iðnaðarmannafélagsins í Vestmannaeyjum, til kvöldskólahalds ..... | 1700 | |
| Styrkurinn til þessara 6 skóla má þó ekki fara yfir ⅘ rekstrarkostnaðar. Skólar þessir skulu senda ráðuneytinu skýrslu um starf sitt. | | |
| g. Til iðnaðarmannafél. á Siglufirði, til skólahalds | 1200 | |
| h. Til iðnaðarmannafélagsins á Seyðisfirði, til kvöldskólahalds ..... | 900 | |
| i. Til iðnaðarmannafél. á Eyrarbakka, til skólahalds | 800 | |
| j. Til verklegs framhaldsnáms erlendis ..... | 6000 | |
| | | 23100 |
| XI. Verzlunarskólar o. fl.: | | |
| a. Til verzlunarskóla Íslands ..... | 10000 | |
| b. Til samvinnuskólans ..... | 5000 | |
| c. Kostnaður við próf löggiltra endurskoðenda, sbr. lög nr. 9 1926 ..... | 500 | |
| | | 15500 |
| XII. Til kvennaskólans í Reykjavík: | | |
| a. Húsnæðisstyrkur ..... | 5000 | |
| b. Rekstrarstyrkur ..... | 39500 | |
| c. 60 kr. fyrir hverja námsmey, sem er allt skólaárið, allt að ..... | 7200 | |
| d. Námsstyrkur til sveitastúlkna ..... | 1000 | |
| e. Til viðgerðar á skólahúsinu ..... | 10000 | |
| f. Til nemendasambands skólans, í byggingarsjóð leikfimishúss ..... | 30000 | |
| Skólinn stendur undir yfirumsjón ríkisstjórnarinnar. | | |
| | | 92700 |
| XIII. Almenn barnafræðsla: | | |
| 1. Laun kennara í föstum skólum og dýrtíðaruppbót | 700000 | |
| 2. Laun farkennara og dýrtíðaruppbót ..... | 140000 | |
| 3. Til aukakennslu og eftirlits með heimafræðslu, með sömu skilyrðum sem verið hefur ..... | 15000 | |
| 4. Til kennslueftirlits ..... | 50000 | |
| 5. Styrkur til byggingar barnaskóla utan kaupstaða | 100000 | |
| 6. Til fyrrverandi barnakennara, eftir tillögum fræðslumálastjóra ..... | 4600 | |
| Flyt ... | 1009600 | 1473141 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 1009600 | 1473141 |
| 7. | Ráðskonukaup við heimavistarbarnaskóla .. | 24000 | |
| 8. | Styrkur til tímaritsins „Menntamál“ ..... | 1200 | |
| 9. | Til kennaranámskeiðs eða utanfara ..... | 2000 | |
| | | | 1036800 |
| XIV. | Unglinga- og alþýðuskólar: | | |
| 1. | Til alþýðuskólans á Eiðum: | | |
| a. | Laun ..... 9450 | | |
| | Þar af 700 kr. persónuleg launauppbót til núverandi skólastjóra. | | |
| b. | Til verklegs náms og aukakennslu 3000 | | |
| c. | Önnur gjöld: | | |
| | 1. Til kennsluáhalda .... 2000 | | |
| | 2. Til eldiviðar og ljósa .. 7000 | | |
| | 3. Ýmisleg gjöld ..... 3500 | | |
| | 4. Til viðhalds ..... 5000 | | |
| | ——— 17500 | | |
| d. | Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... 800 | | |
| | | 30750 | |
| 2. | Til héraðsskóla samkv. l. nr. 32 1929 ..... | 200000 | |
| 3. | Stofnkostnaður ..... | 20000 | |
| 4. | Til vaxtagreiðslu samkv. l. nr. 33 12. febr. 1940 | 20000 | |
| 5. | Til Snorragarðs í Reykholti ..... | 4000 | |
| 6. | Til gagnfræðaskóla samkv. l. nr. 48 1930 .... | 80000 | |
| 7. | Til gagnfræðaskóla Reykvíkinga ..... | 5000 | |
| 8. | Til unglingafræðslu utan kaupstaða, samkv. 20. gr. l. nr. 48 1930 ..... | 40000 | |
| | Þar af til skóla Sigurðar Greipssonar í Haukadal 2500 kr. | | |
| 9. | Til bókasafns við unglingaskóla ..... | 1600 | |
| 10. | Til alþýðuskólans í Reykjavík ..... | 4000 | |
| 11. | Til handíðaskólans ..... | 15600 | |
| 12. | Til námsflokkastarfsemi, undir eftirl. fræðslumálastjórnarinnar ..... | 4000 | |
| | | | 424950 |
| XV. | Húsmæðrafræðsla: | | |
| 1. | Styrkur til húsmæðraskóla samkv. lögum .. | 100000 | |
| 2. | Til húsmæðrafræðslu í Vesturskaftafellssýslu | 800 | |
| 3. | Til húsmæðrafræðslu Árnýjar Filippusdóttur | 5000 | |
| | | | 105800 |
| XVI. | Til kennslu heyrnar- og málleysingja: | | |
| 1. | Laun ..... | 12000 | |
| 2. | Annar kostnaður ..... | 50000 | |
| | Þar af fyrning húss kr. 550,00 (sjá 20. gr.). Stjórnin annast um, að vandamenn nemendanna eða nemendur sjálfir greiði kostnað, ef efni leyfa, samkv. tilsk. 26. febr. 1872, 2. gr. | | 62000 |
| XVII. | Til Blindravinafélags Íslands ..... | | 12000 |
| | Þar af 3000 kr. til að annast kennslu blindra barna. | | |
| | Flyt ... | . . . | 3114691 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 3114691 |
| XVIII. Sundkennsla: | | |
| 1. Laun Ólafs Pálssonar og Jóns Pálssonar .... | 3600 | |
| Styrkur þessi er bundinn þeim skilyrðum, að þeir kenni a. m. k. tvo mánuði að vorinu og einn mánuð að haustinu og að lærisveinar ríkisskólanna og skóla fyrir unglinga og fullorðna, sem styrktir eru af ríkisfé, njóti kennslunnar ókeypis. Einnig kenni þeir öðrum sundkennurum björgunarsund. | | |
| 2. Laun Lárusar Rist ..... | 2000 | |
| | | 5600 |
| XIX. Til sjóvinnunámskeiðs ..... | | 2000 |
| Atvinnumálaráðherra ráðstafar styrknum, að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands. | | |
| XX. Til Geirs Þormars tréskurðarmeistara á Akureyri, til að halda uppi kennslu á Norðurlandi í teikningu og tréskurði í þjóðlegum stíl ..... | | 900 |
| XXI. Til Helga Tryggvasonar, til hraðritunarkennslu .. | | 800 |
| XXII. Til Björns Jakobssonar á Laugarvatni, til leikfimikennaraskóla ..... | | 3600 |
| XXIII. Til menningar- og fræðslusambands alþýðu .... | | 5000 |
| XXIV. Til Axels Helgasonar, til að gera upphleypt kort af Íslandi ..... | | 1000 |
| XXV. Til Kristjáns Geirmundarssonar, til að setja upp fugla fyrir náttúrugripasafnið og skóla ..... | | 1000 |
| XXVI. Til íþróttasjóðs ..... | | 125000 |
| XXVII. Til skáksambands Íslands ..... | | 1600 |
| Samtals B. ... | . . . | 3261191 |

15. gr.

Til vísinda, bókmennta og lista er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Landsbókasafnið: | | |
| a. Laun ..... | 22500 | |
| b. Launabót til 2. bókavarðar ..... | 1000 | |
| c. Til aðstoðar ..... | 4200 | |
| d. Til þess að kaupa bækur og handrit og til bókbands | 50000 | |
| Þar af 1200 kr. til kaupa á handritasafni Hannesar Þorsteinssonar. | | |
| e. Til Þorsteins Konráðssonar ..... | 400 | |
| f. Til þess að semja spjaldskrá ..... | 800 | |
| g. Til þess að semja og prenta skrá um handrit .... | 2400 | |
| Flyt ... | 81300 | |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 81300 | |
| h. Til ritaukaskrár ... | 4800 | |
| i. Til Finns Sigmundssonar, til að gera skrá um efni íslenzkra blaða og handrita, enda sé skráin eign Landsbókasafnsins ... | 800 | |
| j. Brunaábyrgðargjald fyrir safnið ... | 360 | |
| k. Húsaleiga ... | 2000 | |
| l. Ýmisleg gjöld ... | 3000 | |
| | | 92260 |
| 2. Þjóðskjalasafnið: | | |
| a. Laun ... | 12500 | |
| b. Til bókbands, bóka- og handritakaupa og umbúnaðar skjala ... | 7000 | |
| c. Ýmis gjöld ... | 2000 | |
| d. Til Björns K. Þórólfssonar, enda vinni hann við safnið ... | 3000 | |
| | | 24500 |
| 3. Þjóðminjasafnið og verndun fornminja: | | |
| a. Laun þjóðminjavarðar (fornminjavarðar) ... | 7500 | |
| b. Til aðstoðar, eftir reikningi ... | 4900 | |
| c. Til þess að útvega gripi ... | 4000 | |
| d. Til áhalda og aðgerða ... | 2200 | |
| e. Til rannsókna og ferðakostnaðar ... | 1500 | |
| f. Til viðgerðar á Hólakirkju ... | 2000 | |
| g. Til sjóminjasafns ... | 3500 | |
| Þjóðminjasafnið sé opið 6 stundir á viku, eftir nánari fyrirmælum stjórnarráðsins. | | |
| | | 25600 |
| 4. Náttúrufræðifélagið: | | |
| a. Tillag ... | 6000 | |
| b. Til aðstoðarmanns ... | 2000 | |
| Styrkurinn veitist með því skilyrði, að safnið sé til sýnis almenningi, ekki sjaldnar en einu sinni í viku. | | |
| | | 8000 |
| 5. Safnahúsið: | | |
| a. Til eldiviðar, ljósa og ræstingar ... | 10000 | |
| b. Til viðhalds og áhalda ... | 5800 | |
| c. Fyrning (sjá 20. gr.) ... | 3639 | |
| | | 19439 |
| 6. Til kaupstaðarbókasafna, gegn eigi minna tillagi úr bæjarsjóði og sýslusjóði ... | | 1800 |
| 7. Aukastyrkur til átta bókasafna: | | |
| a. Til amtsbókasafnsins á Akureyri, að því tilskildu, að Davíð skáld frá Fagraskógi hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum auk verðstuðulsuppbótar | 2500 | |
| b. Til bókasafnsins á Ísafirði, að því tilskildu, að Guðmundur Gíslason Hagalín rithöfundur hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum auk verðstuðulsuppbótar ... | 2500 | |
| Flyt ... | 5000 | 171599 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 5000 | 171599 |
| | c. Til amtsbókasafnsins á Seyðisfirði ..... | 2500 | |
| | d. Til bókasafns Hafnarfjarðar, að því tilskildu að Magnús Ásgeirsson hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum, auk verðstuðulsuppbótar ... | 2500 | |
| | e. Til bókasafns Neskaupstaðar ..... | 800 | |
| | f. Til iðnbókasafnsins í Reykjavík ..... | 1000 | |
| | g. Til bókasafns Siglufjarðar ..... | 2500 | |
| | h. Til bókasafns Vestmannaeyjakaupstaðar ..... | 2500 | |
| | | | 16800 |
| 8. | Til bæjarbókasafns Reykjavíkur, þó ekki yfir ⅙ kostnaðar ..... | | 8000 |
| 9. | Til amtsbókasafnsins í Stykkishólmi ..... | | 1500 |
| 10. | Til sýslubókasafnsins á Sauðárkróki ..... enda hafi það opna lesstofu. | | 400 |
| 11. | Til héraðsbókasafns Suðurlands, gegn tvöföldu framlagi annars staðar að ..... | | 1200 |
| 12. | Til lesstofu byggingarfélags alþýðu ..... | | 500 |
| 13. | Til lesstofu sjómannaheimilis á Siglufirði ..... | | 1000 |
| 14. | Til lesstofu sjómannaheimilis á Raufarhöfn ..... | | 400 |
| 15. | Til lesstofu sjómannafélags Reykjavíkur ..... | | 1500 |
| 16. | Til lesstofu á Ísafirði ..... | | 500 |
| 17. | Til sjómannalesstofu K. F. U. M. í Vestmannaeyjum .. | | 500 |
| 18. | Til sýslubókasafna, gegn eigi minna tillagi frá sýslusj. | | 4500 |
| 19. | Til bókhlöðunnar á Húsavík ..... | | 500 |
| 20. | Til bókasafns Akraness ..... | | 300 |
| 21. | Til bókasafns í Flatey ..... | | 200 |
| 22. | Til kaupa á bókum handa konunglega bókasafninu í Stokkhólmi ..... | | 1000 |
| 23. | Til hins íslenzka bókmenntafélags ..... enda haldi það áfram útgáfu hins íslenzka fornbréfasafns sem að undanförnu. | | 8000 |
| 24. | Til þjóðvinafélagsins ..... | | 1400 |
| 25. | Til fornleifafélagsins ..... | | 1200 |
| 26. | Til sögufélagsins, til þess að gefa út alþingisbækur, landsyfirréttardóma o. fl. ..... | | 2400 |
| 27. | Til hins íslenzka fræðafélags, til að gefa út jarðabók Árna Magnússonar og Páls Vídalíns ..... | | 1000 |
| 28. | Til fornritaútgáfunnar, til útgáfu á Íslendingasögum .. | | 4000 |
| 29. | Til útgáfu á Heimskringlu ..... | | 4000 |
| 30. | Til stjórnar þjóðvinafélagsins og menntamálaráðs, til útgáfu 1. bindis Íslendingasögu ..... | | 6000 |
| 31. | Til útgáfu Norðurlandatímarits ..... | | 1000 |
| 32. | Til Steins Dofra, ættfræðings ..... Styrkurinn veitist með því skilyrði, að handritið að riti hans „Ættir Íslendinga“ verði eign landsbókasafnsins að honum látnum. | | 1200 |
| 33. | Til vísindafélags Íslendinga, til útgáfu rita ..... | | 2500 |
| 34. | Til samningar íslenzkrar samheitaorðabókar ..... | | 5000 |
| | Flyt ... | . . . | 248099 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 248099 |
| 35. Til leikfélags Reykjavíkur, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi úr bæjarsjóði Reykjavíkur ..... Styrkurinn er því skilyrði bundinn, að reikningar félagsins séu ávallt sendir Alþingi. | | 12000 |
| 36. Til leiklistarskóla Lárusar Pálssonar og Soffíu Guðlaugsdóttur, 1200 kr. til hvors ..... | | 2400 |
| 37. Til leikfélags Akureyrar, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi frá Akureyrarkaupstað ..... | | 1500 |
| 38. Til leikfélags Ísafjarðar, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi frá Ísafjarðarkaupstað ..... | | 800 |
| 39. Til norræna félagins ..... | | 3000 |
| 40. Til íslenzk-amerísk félagsins ..... | | 1000 |
| 41. Til tónlistarskólans, gegn að minnsta kosti 2000 kr. framlagi frá bæjarsjóði Reykjavíkur ..... | | 6500 |
| 42. Til hljómsveitar Reykjavíkur ..... | | 2000 |
| 43. Til Páls Ísólfssonar, til þess að veita kirkjuorgelleikurum og barnakennurum utan Reykjavíkur og guðfræðinemum háskólans ókeypis kennslu í orgelleik, tóni, hljómfræði og söngstjórn í kirkjum og barnaskólum | | 2000 |
| 44. Til Hallgríms Helgasonar, til útgáfu á þjóðlagasafni .. | | 2500 |
| 45. Til Ágústs Sigurðssonar, til að skipuleggja og stjórna námsflokkum ..... | | 2000 |
| 46. Til Sigurðar Skúlasonar, til aðstoðar við kennslu námsflokka, eftir fyrirlagi fræðslumálastjóra ..... | | 1500 |
| 47. Til sambands íslenzkra karlakóra ..... | | 6000 |
| 48. Til landssambands blandaðra kóra og kvennakóra .... | | 2500 |
| 49. Til dr. Jóns Dúasonar, vegna útgáfu rita hans ..... | | 5000 |
| 50. Styrkur til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna, samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs ..... | | 100000 |
| Þar af: | | |
| a. Til Árna Pálssonar, prófessors, til ritstarfa .. 1200 | | |
| b. Til Guðmundar Finnbogasonar, dr phil., til ritstarfa ..... 1000 | | |
| 51. Til íslenzkra stúdenta í Kaupmannahöfn, styrkur til útgáfu tímarits ..... | | 3500 |
| 52. Til jökulmælinga ..... | | 600 |
| 53. Til listasafns Einars Jónssonar ..... | | 3711 |
| Þar af fyrning 711 kr. (sjá 20. gr.). | | |
| 54. a. Til Einars Jónssonar myndhöggvara ..... enda hafi hann forstöðu og umsjón listasafns síns, er sé almenningi til sýnis endurgjaldslaust 4 stundir á viku. | 6500 | |
| b. Til sama, til aðstoðar ..... | 1000 | |
| | | 7500 |
| 55. Til Búnaðarbanka Íslands, níunda greiðsla vaxta og afborgana af viðlagasjóðslánum málaranna Ásgríms Jónssonar og Jóns Stefánssonar, með þeim skilyrðum, er segir í 57. lið 16. gr. fjárlaga 1934 ..... | | 3300 |
| Flyt ... | . . . | 417410 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 417410 |
| 56. Kostnaður við friðun Þingvalla, sbr. lög nr. 59 1928 .. | | 8000 |
| 57. Til eflingar menningarsambandi við Vestur-Íslendinga | | 3000 |
| 58. Til Þjóðræknifélags Íslendinga, til eflingar menningarsambands við Vestur-Íslendinga ..... | | 5000 |
| 59. Til útgáfu sænsk-íslenzkrar orðabókar ..... | | 2500 |
| 60. Til Bandalags íslenzkra listamanna ..... | | 1200 |
| Samtals ... | . . . | 437110 |

16. gr.

Til verklegra fyrirtækja er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Til framleiðslubóta og atvinnuaukningar ..... | | 200000 |
| 2. Til Búnaðarfélags Íslands, enda samþykki landbúnaðarráðherra fjárhagsáætlun félagsins ..... | | 500000 |
| 3. Til Búnaðarfélags Íslands, til kynnisferða bænda .... | | 2000 |
| 4. Til nýbýla og samvinnubyggða ..... | | 260000 |
| 5. Til lánadeildar smábýla, 2. greiðsla af 3 ..... | | 100000 |
| 6. Til sandgræðslu ..... | | 100000 |
| 7. Gjöld samkvæmt jarðræktarlögunum: | | |
| a. Jarðabótastyrkur ..... | 300000 | |
| b. Til verkfærakaupasjóðs ..... | 60000 | |
| | | 360000 |
| 8. Til búfjárræktar samkv. l. nr. 32 1931 ..... | | 75000 |
| 9. Til bygginga í sveitum: | | |
| a. Til byggingar- og landnámssjóðs ..... | 300000 | |
| b. Byggingarstyrkir ..... | 250000 | |
| | | 550000 |
| 10. Til jarðakaupasjóðs: | | 100000 |
| 11. Til ræktunarsjóðs, vaxtagreiðsla af jarðræktarbréfum | | 21231 |
| 12. Tillag til kreppulánasjóðs ..... | | 250000 |
| 13. Til kreppulánasjóðs bæjar- og sveitarfélaga, rekstrarhalli ..... | | 10000 |
| 14. Tillag til byggingarsjóða kaupstaða og kauptúna .... | | 250000 |
| 15. Til garðyrkjufélags Íslands ..... | | 2000 |
| 16. Til Ragnars Ásgeirssonar, til leiðbeiningarstarfsemi .. | | 4000 |
| 17. Til skógræktar: | | |
| a. Laun ..... | 10300 | |
| Þar af 600 kr. húsaleigustyrkur til Einars Sæmundsens. | | |
| b. Til skóggræðslu ..... | 130000 | |
| Flyt ... | 140300 | 2784231 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | | Flutt ... | 140300 | 2784231 |
| | c. Styrkur til skógræktarfélaga ..... | | 15000 | |
| | d. Styrkur til Vigfúsar Jakobssonar til skógræktarnáms | | 3600 | |
| | | | | 158900 |
| 18. | Tillag til mannvirkja á Flóaáveitusvæðinu, samkv. l. nr. 68 1918 og l. nr. 10 1926 ..... | | | 4000 |
| 19. | Til áveitufélags Ölfusinga, styrkur til að nota skurðgröfu við framræslu í Ölfusforum samkvæmt V. kafla jarðræktarlaga ..... | | | 10000 |
| 20. | Til fyrirhleðslu á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts .. | | | 125000 |
| 21. | Til dýralækna: | | | |
| | a. Laun handa 6 dýralæknum ..... | | 21800 | |
| | b. Styrkur til einstakra manna til þess að stunda dýralækningar, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að | | 4900 | |
| | c. Til Páls Pálssonar, til dýralækninganáms ..... | | 1200 | |
| | | | | 27900 |
| 22. | Til búreikningaskrifstofu ..... | | | 3000 |
| 23. | Til kláðalækninga ..... | | | 3000 |
| 24. | Til rannsóknarstofu atvinnuveganna (atvinnudeildar háskólans): | | | |
| | a. Iðnaðardeild: | | | |
| | 1. Laun ..... | 47460 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... | 26100 | | |
| | | | 73560 | |
| | ÷ Tekjur af rannsóknum ..... | | 45000 | |
| | | | 28560 | |
| | b. Fiskideild: | | | |
| | 1. Laun ..... | | 38310 | |
| | 2. Annar kostnaður ..... | | 17500 | |
| | | | 55810 | |
| | c. Landbúnaðardeild: | | | |
| | 1. Laun ..... | 79825 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... | 100500 | | |
| | | | 180325 | |
| | ÷ Tekjur af lyfjasölu o. fl. ..... | | 20000 | |
| | | | 160325 | |
| | d. Sameiginlegur kostnaður: | | | |
| | 1. Laun ..... | | 12365 | |
| | 2. Annar kostnaður ..... | | 37300 | |
| | | | 49665 | |
| | | | 294360 | |
| | ÷ Tekjur af happdrætti samkv. 20. gr. laga nr. 68 1940 ..... | | 25000 | |
| | | | | 269360 |
| 26. | Til rannsóknaráðs: Til náttúrurannsókna og áhaldakaupa | | | 46370 |
| 25. | Til rannsóknarstofu háskólans: | | | |
| | a. Laun ..... | | 60000 | |
| | b. Annar kostnaður ..... | | 100000 | |
| | | | 160000 | |
| | ÷ Tekjur ..... | | 160000 | |
| | | Flyt ... | . . . | 3431761 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 3431751 |
| 27. | Til veðurstofu Íslands: | | |
| | a. Laun forstöðumanns og fulltrúa ..... | 14800 | |
| | b. Til aðstoðar ..... | 27600 | |
| | c. Til veðurathugana utan Reykjavíkur, áhalda o. fl. | 45000 | |
| | d. Til veðurskeyta o. fl. ..... | 110000 | |
| | e. Til loftskeytatækja ..... | 2000 | |
| | f. Húsaleiga, ljós, hiti og ræsting ..... | 8000 | |
| | g. Eftirlit með veðurathugunarstöðvum o. fl. ..... | 2000 | |
| | | | 209400 |
| 28. | Rafmagnseftirlit ríkisins: | | |
| | a. Laun ..... 95000 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 90000 | | |
| | | 185000 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 150000 | |
| | Rekstrarhalli | | 35000 |
| 29. | Eftirlit með verksmiðjum og vélum: | | |
| | a. Laun og verðlagsuppbót ..... 41000 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 19000 | | |
| | | 60000 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 60000 | |
| 30. | Til landmælinga ..... | | 10000 |
| 31. | Til Fiskifélagsins (þar af til mótornámskeiðs samkvæmt lögum nr. 71 1936 kr. 4000), enda samþykki atvinnumálaráðuneytið fjárhagsáætlun fiskiþingsins og félagið sjái um á sinn kostnað útgáfu fiskimanna-almanaks | | 300000 |
| 32. | Kostnaður vegna laga nr. 61 1932, um lax- og silungsveiði | | 8400 |
| 33. | Til klaksjóðs, samkv. l. nr. 36 1937 ..... | | 5000 |
| 34. | Til loðdýraræktar, samkv. l. nr. 38 1937 ..... | | 20000 |
| 35. | Til matvælaeftirlits: | | |
| | a. Laun ..... 10400 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 25000 | | |
| | | 35400 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 35400 | |
| 36. | Laun yfirmatsmanna o. fl.: | | |
| | a. 5 fiskiyfirmatsmanna ..... | 22600 | |
| | b. 4 ullarmatsmanna ..... | 2500 | |
| | c. 3 kjötmatsmanna ..... | 2250 | |
| | d. lýsismatsmanns, samkv. l. nr. 42 1933 ..... | 2400 | |
| | e. Ferðakostnaður yfirmatsmanna ..... | 12000 | |
| | f. Launauppbót til fiskiyfirmatsmannsins í Vestmannaeyjum ..... | 800 | |
| | g. Kostnaður við síldarmat ..... | 12000 | |
| | | | 54550 |
| 37. | Til eftirlits með skipum og bátum og öryggi þeirra: | | |
| | a. Laun skipaskoðunarstjóra, enda hafi hann eftirlit með skipum ríkisins án sérstaks endurgjalds .... | 7200 | |
| | Flyt ... | 7200 | 4074111 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 7200 | 4074111 |
| b. Til skrifstofukostnaðar og aðstoðar ..... | 19400 | |
| c. Þóknun til eftirlitsmanna ..... | 3000 | |
| d. Ferðakostnaður skipaskoðunarstjóra og eftirlitsmanna, allt að ..... | 7600 | |
| | | 37200 |
| 38. Kostnaður vegna laga um fiskimatsstjóra ..... | | 12000 |
| 39. Til Landssambands iðnaðarmanna ..... | | 10000 |
| 40. Til sambands íslenzkra heimilisiðnaðarfélaga ..... | | 4000 |
| 41. Til skrifstofunnar „Íslenzkrar ullar" ..... | | 10000 |
| Fjárveitingin er bundin því skilyrði, að ríkisstjórnin láti endurskoða reikninga stofnunarinnar, og árlega sé gefin skýrsla um starfsemina, samþykkt af endurskoðanda eða endurskoðendum. | | |
| 42. Til Guðmundar Jónssonar frá Mosdal, til þess að halda uppi kennslu og námskeiðum í tréskurði og heimilisiðnaði ..... | | 900 |
| 43. Til Halldóru Bjarnadóttur, til þess að vinna að eflingu heimilisiðnaðar ..... | | 1800 |
| 44. Til Arndísar Þorsteinsdóttur garðyrkjukonu ..... | | 300 |
| 45. Til Guðmundar Kristinssonar myndskera ..... | | 500 |
| 46. Til kvenfélags Hvammshrepps í Vík í Mýrdal, til þess að halda uppi kennslu í handavinnu kvenna ..... | | 500 |
| 47. Til kvenfélagasambands Íslands ..... | | 2000 |
| 48. Til sambands norðlenzkra kvenna ..... | | 1000 |
| 49. Til kvenfélagasambands Austur-Húnavatnssýslu ..... | | 300 |
| 50. Til kvennasambands Vestur-Húnavatnssýslu ..... | | 300 |
| 51. Til sambands austfirzkra kvenna ..... | | 400 |
| 52. Til sambands sunnlenzkra kvenna ..... | | 400 |
| 53. Til sambands vestfirzkra kvenna ..... | | 400 |
| 54. Til kvenfélagasambands Mýra- og Borgarfjarðarsýslu, enda haldi það uppi námskeiðum fyrir húsmæður og húsmæðraefni ..... | | 1000 |
| 55. Til sambands breiðfirzkra kvenna ..... | | 400 |
| 56. Til kvenfélagasambands Gullbringu- og Kjósarsýslu .. | | 400 |
| 57. Til bandalags kvenna í Reykjavík ..... | | 400 |
| 58. Til sambands sunnlenzkra kvenna, styrkur til að halda uppi námskeiðum fyrir húsmæður og húsmæðraefni .. | | 3000 |
| 59. Til kvenréttindafélags Íslands ..... | | 400 |
| 60. Til vinnumiðlunar ..... | | 20000 |
| 61. Til mæðrastyrksnefndar ..... | | 3000 |
| 62. Til vörumerkjaskrárritara ..... | | 1600 |
| 63. Til Ungmennafélags Íslands: | | |
| a. Til skógræktar og bindindisstarfsemi ..... | 4000 | |
| b. Til ræktunarleiðbeininga ..... | 2000 | |
| Félagið gefi ríkisstjórninni skýrslu um, hvernig fénu er varið. | | 6000 |
| 64. Til bandalags skáta ..... | | 400 |
| 65. Til bandalags íslenzkra farfugla ..... | | 1500 |
| Flyt ... | . . . | 4194211 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 4194211 |
| 66. Til dýraverndunarfélags Íslands, til dýraverndunarstarfsemi ..... | | 1000 |
| 67. Til loðdýraræktarfélags Íslands ..... | | 3000 |
| 68. Til fiskiræktar ..... | | 5000 |
| 69. Til húsameistara ríkisins: | | |
| a. Laun (þar af persónuleg launaviðbót 2400) ..... | 8400 | |
| b. Skrifstofukostnaður ..... | 75000 | |
| | | 83400 |
| 70. Gjöld vegna laga um skipulag bæja- og sjávarþorpa, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að ..... | | 10000 |
| 71. Til verkstjóranámskeiðs undir eftirliti vegamálastjóra | | 3000 |
| 72. Til skuldaskilasjóðs útvegsmanna ..... | | 160000 |
| 73. Til mjólkurbúa og smjörsamlaga ..... | | 30000 |
| 74. Til iðnlánasjóðs ..... | | 65000 |
| 75. Til samábyrgðar Íslands á fiskiskipum l. nr. 37 1941 .. | | 50000 |
| 76. Kostnaður við eftirlit með opinberum sjóðum ..... | | 2200 |
| 77. Kostnaður vegna mæðiveikinnar: | | |
| A. Til varnar gegn útbreiðslu veikinnar ..... | 140000 | |
| B. Til stuðnings bændum á mæði- og garnaveikisvæðinu: | | |
| 1. Til að styrkja bændur ..... 400000 | | |
| 2. Nefndarkostnaður ..... 5000 | | |
| | 405000 | |
| | | 545000 |
| 78. Til rannsókna og varna gegn útbreiðslu garnaveikinnar | | 130000 |
| 79. Kostnaður við dómnefnd í verðlagsmálum ..... | | 240000 |
| 80. Kostnaður við skömmtunarskrifstofu ríkisins ..... | | 156000 |
| 81. Kostnaður við kauplagsnefnd ..... | | 8000 |
| 82. Kostnaður við húsaleigunefndir ..... | | 40000 |
| 83. Til alþjóðahafrannsókna ..... | | 10000 |
| 84. Til Íslandsdeildar norræna búfræðifélagsins ..... | | 500 |
| 85. Til Bálfararfélags Íslands ..... | | 35000 |
| 86. Til Baldurs Johnsen, héraðslæknis, til manneldisrannsókna ..... | | 2000 |
| 87. Til Haraldar Ásgeirssonar, til náms í sementsgerð .... | | 3600 |
| Samtals ... | . . . | 5776911 |

17. gr.

Til almennrar styrktarstarfsemi er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Kostnaður við berklavarnir: | | |
| a. Styrkur til berklasjúklinga | 1300000 | |
| b. Styrkur skv. 2. mgr. 19. gr. l. nr. 66 1939 | 5000 | |
| c. Annar kostnaður | 15000 | |
| | | 1320000 |
| 2. Styrkur til sjúklinga samkv. bráðabirgðaákvæði í lögum nr. 78 frá 1936 | | 550000 |
| 3. Gjöld samkv. l. nr. 39 frá 1935, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna | | 5000 |
| 4. Gjöld samkv. 19. og 21. gr. framfærslulaga, nr. 135 1935 | | 15000 |
| 5. Til alþýðutrygginga | | 2000000 |
| 6. Til jöfnunarsjóðs sveitar- og bæjarfélaga | | 700000 |
| 7. Til styrktarsjóðs verkamanna- og sjómannafélaganna í Reykjavík | | 4000 |
| 8. Til mæðrastyrksnefndarinnar, til sumarheimilis mæðra | | 2000 |
| 9. Til barnaheimila og barnaverndar, eftir ákvörðun ráðherra | | 30000 |
| 10. Til félagsins „Heyrnarhjálpar“ | | 5000 |
| 11. Til félagsins „Sjálfsbjargar | | 2000 |
| 12. Til sjúkra- og styrktarsjóðs vitavarða | | 1000 |
| 13. Til slysavarna | | 15000 |
| enda sé stjórnarráðinu send skýrsla um starfsemina. | | |
| 14. Til þess að hjálpa nauðstöddum Íslendingum erlendis | | 1000 |
| 15. Til Stórstúku Íslands, til bindindisstarfsemi | | 30000 |
| Þar af til bindindisfélaga í skólum landsins 3500 kr. | | |
| 16. Til áfengisráðunautar | | 3000 |
| 17. Til útbreiðslu bindindis | | 7500 |
| 18. Til Stórstúku Íslands: | | |
| Styrkur til húsbygginga, áttunda greiðsla af tíu | | 15000 |
| 19. Til sjúkrasjóðs Fellshrepps | | 300 |
| 20. Til sjúkrasjóðs Hofshrepps | | 300 |
| 21. Til sjúkrasjóðs Mývetninga | | 250 |
| 22. Til sjúkrasjóðs Súgfirðinga | | 300 |
| 23. Til styrktarsjóðs verklýðsfél. í Flatey á Breiðafirði | | 200 |
| 24. Til sjúkrasjóðs kvenfélagsins á Hellissandi | | 300 |
| 25. Til styrktarsjóðs verklýðsfélagsins á Patreksfirði | | 200 |
| 26. Til sjúkrasjóðs verkamannafélagsins á Þingeyri | | 300 |
| 27. Til sjúkra- og styrktarsjóðsins Líkn í Ögurhreppi | | 150 |
| 28. Til sjúkra- og styrktarsjóðsins Hjálp í viðlögum í Reykjarfjarðarhreppi | | 150 |
| 29. Til sjúkrasjóðs hjúkrunarfélags Ólafsvíkur | | 300 |
| 30. Til sjúkrasjóðs Þverárhrepps | | 200 |
| 31. Til starfsemi Rauðakrossins | | 4000 |
| 32. Til sambands íslenzkra berklasjúklinga | | 2000 |
| 33. Til ekknasjóðs Vestmannaeyja | | 800 |
| Fjárveitingarnar undir 19.—33. tölul. eru bundnar því skilyrði, að jafnmikið fé að minnsta kosti komi annars | | |
| Flyt ... | . . . | 4715250 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 4715250 |
| | staðar að og að stjórnarráðinu sé send skýrsla um starfsemina. | | |
| 34. | a. Til sjúkrasamlags Sauðárkróks ..... | 600 | |
| | b. Til sjúkrasamlags Stokkseyrarhrepps ..... | 400 | |
| | enda breyti þessi sjúkrasamlög samþykktum sínum samkvæmt lögum um alþýðutryggingar. | | 1000 |
| 35. | Til elliheimilisins Grundar í Reykjavík ..... enda greiði vistmenn, sem framfærslusveit eiga utan Reykjavíkur, ekki hærra daggjald en bæjarmenn. | | 5000 |
| 36. | Til hælisins á Sólheimum, byggingarstyrkur ..... | | 3000 |
| 37. | Til gamalmennahælis á Ísafirði ..... | | 1000 |
| 38. | Til gamalmennahælis á Seyðisfirði ..... | | 1000 |
| 39. | Til gamalmennahælis í Hafnarfirði ..... | | 1000 |
| 40. | Til gamalmennahælis á Akranesi ..... | | 500 |
| 41. | Til kostnaðar við sumardvöl barna í sveit ..... | | 150000 |
| | Samtals ... | . . . | 4877750 |

18. gr.

**Til eftirlauna og styrktarfjár er veitt:**

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | I. Samkvæmt eftirlaunalögum: | | | |
| | A. Embættismenn: | | | |
| 1. | Ari Arnalds, fv. bæjarfógeti ..... | 1260,00 | | |
| 2. | Árni Þorvaldsson, fv. yfirkennari ..... | 1106,67 | | |
| 3. | Bogi Brynjólfsson, fv. sýslum. ..... | 1160,00 | | |
| 4. | Guðm. Björnsson, fv. sýslum. ..... | 1565,00 | | |
| 5. | Guðm. Eggerz, fv. sýslum. ..... | 1558,52 | | |
| 6. | Guðm. Guðmundsson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 7. | Guðm. Hannesson, fv. prófessor ..... | 2266,67 | | |
| 8. | Guðm. Sveinbjörnsson, fv. skrifstofustj. .... | 1120,00 | | |
| 9. | Halldór Kr. Júlíusson, fv. sýslum. ..... | 1225,42 | | |
| 10. | Halldór Steinsson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 11. | Ingólfur Gíslason, fv. héraðsl. ..... | 1103,33 | | |
| 12. | Jóhannes Jóhannesson, fv. bæjarfógeti ..... | 6000,00 | | |
| 13. | Jónas Kristjánsson, fv. héraðslæknir ..... | 1000,00 | | |
| 14. | Karl Einarsson, fv. bæjarfógeti ..... | 1461,22 | | |
| 15. | Magnús Jónsson, fv. bæjarfógeti ..... | 4446,94 | | |
| 16. | Magnús Torfason, fv. sýslum. ..... | 2333,33 | | |
| 17. | Ólafur Daníelsson, fv. yfirkennari ..... | 1160,00 | | |
| 18. | Ólafur Finsen, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 19. | Ólafur Thorlacius, fv. héraðsl. ..... | 860,00 | | |
| 20. | Páll Einarsson, fv. hæstaréttard. ..... | 8000,00 | | |
| | Flyt ... | 40627,10 | . . . | . . . |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 40627,10 | |
| 21. | Sigurður Briem, fv. aðalpóstmeistari ..... | 6000,00 | |
| 22. | Sigurður Magnússon prófessor ..... | 1894,40 | |
| 23. | Sigurður Thoroddsen, fv. yfirkennari ..... | 1180,00 | |
| 24. | Sigurjón Jónsson, fv. héraðsl. ..... | 955,00 | |
| 25. | Sigvaldi Kaldalóns, fv. héraðsl. ..... | 855,00 | |
| 26. | Skúli Árnason, fv. héraðsl. ..... | 800,00 | |
| 27. | Steingr. Jónsson, fv. bæjarfógeti ..... | 5599,40 | |
| 28. | Steingr. Matthíasson, fv. héraðsl. ..... | 860,00 | |
| 29. | Þorbjörn Þórðarson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | |
| 30. | Þórður Sveinsson prófessor ..... | 1783,00 | |
| 31. | Þorvaldur Pálsson, fv. héraðsl. ..... | 440,00 | |
| | | | 61993,90 |
| | B. Embættismannaekkjur: | | |
| 1. | Aðalbjörg Jakobsdóttir læknisekkja ..... | 437,50 | |
| 2. | Aðalbjörg Sigurðardóttir, ekkja Har. Níelssonar próf. ..... | 340,00 | |
| 3. | Álfheiður Helga Briem, ekkja P. Briems .... | 625,00 | |
| 4. | Anna Gunnlaugsson, ekkja Halldórs Gunnlaugssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | |
| 5. | Anna Jónsson, ekkja Kl. Jónssonar fv. ráðh. | 750,00 | |
| 6. | Anna Jónsdóttir, ekkja St. Gíslasonar héraðsl. | 187,50 | |
| 7. | Cathinka Sigfússon, ekkja Jóhs. Sigfússonar kennara ..... | 240,00 | |
| 8. | Christophine Bjarnhéðinsson, ekkja Sæmundar Bjarnhéðinssonar prófessors ..... | 375,00 | |
| 9. | Guðrún Björnsdóttir, ekkja Þ. Pálssonar héraðslæknis ..... | 187,50 | |
| 10. | Guðrún Briem, ekkja E. Briems hæstaréttard. | 1100,00 | |
| 11. | Guðrún B. Gísladóttir, ekkja Jóns Sigurðssonar héraðsl. ..... | 189,37 | |
| 12. | Guðrún Tulinius, ekkja Axels Tulinius sýslum. | 469,15 | |
| 13. | Ingibjörg Magnúsdóttir, ekkja Júl. Halldórssonar héraðsl. ..... | 212,50 | |
| 14. | Ingibjörg Sigurðardóttir, ekkja Jóns Jónssonar héraðsl. ..... | 150,00 | |
| 15. | Ingileif S. Aðils, ekkja Jóns Aðils prófessors | 340,00 | |
| 16. | Jenny Forberg, ekkja O. Forbergs landssímastj. | 500,00 | |
| 17. | Kristín Þórarinsdóttir, ekkja Kr. Kristjánssonar héraðsl. ..... | 237,50 | |
| 18. | Lára Malvina Scheving, ekkja G. Schevings héraðslæknis ..... | 187,50 | |
| 19. | Margrét Árnadóttir, ekkja P. V. Bjarnasonar sýslum. ..... | 350,00 | |
| 20. | Margrét Björnson, ekkja G. Björnson landl. | 875,00 | |
| 21. | Margrét Lárusdóttir, ekkja G. Þorsteinssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | |
| 22. | Marie Helgason, ekkja Jóns Helgasonar biskups | 700,00 | |
| | Flyt ... | 8753,52 | 61993,90 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 8753,52 | 61993,90 | |
| 23. | Ragna Gunnarsdóttir, ekkja Ólafs Gunnarssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | | |
| 24. | Rannveig Tómasdóttir, ekkja Magnúsar Jóhannssonar héraðslæknis ..... | 187,50 | | |
| 25. | Sigríður Blöndal, ekkja B. Blöndals héraðsl. | 150,00 | | |
| 26. | Sigríður Hjaltadóttir Jensson, ekkja J. Jenssonar yfirdómara ..... | 500,00 | | |
| 27. | Sigríður Pálsson, ekkja Pálma Pálssonar yfirkennara ..... | 450,00 | | |
| 28. | Sigrún Bjarnason, ekkja Þorl. H. Bjarnasonar yfirkennara ..... | 400,00 | | |
| 29. | Sofia Guðmundsson, ekkja Magnúsar Guðmundssonar ráðherra ..... | 450,00 | | |
| 30. | Steinunn Frímannsdóttir, ekkja St. Stefánssonar skólameistara ..... | 715,82 | | |
| 31. | Súsanna Erlendsson, ekkja Hinriks Erlendssonar héraðsl. ..... kr. 187,50<br>Samkv. kgúrsk. ⅞ 1931, með hverju barni hennar til 16 ára aldurs:<br>1. Bjarni, f. ⅝ 1927 ..... — 100,00 | 287,50 | | |
| 32. | Theodóra Thoroddsen, ekkja Sk. Thoroddsens sýslumanns ..... | 535,17 | | |
| 33. | Vigdís G. Blöndal, ekkja Jóns Blöndals héraðsl. | 187,50 | | |
| 34. | Þóra Gísladóttir, ekkja Sig. Pálssonar héraðsl. | 212,50 | | |
| 35. | Þóra Magnússon, ekkja J. Magnússonar ráðh. | 1200,00 | | |
| 36. | Þórunn Hafstein, ekkja M. Hafsteins sýslum. | 315,00 | | |
| 37. | Þórunn Siemsen, ekkja Fr. Siemsens sýslum. | 391,90 | | |
| | | | 14886,41 | |
| | C. Prestsekkjur: | | | |
| 1. | Anna Kvaran frá Mælifelli ..... | 145,00 | | |
| 2. | Anna Stefánsdóttir frá Stað í Súgandafirði .. | 100,00 | | |
| 3. | Arnbjörg Einarsdóttir frá Breiðabólsstað ... | 118,43 | | |
| 4. | Ástríður Petersen frá Svalbarði ..... | 100,00 | | |
| 5. | Bergljót Blöndal frá Hvammi í Skagafirði .. | 100,00 | | |
| 6. | Björg Einarsdóttir frá Dvergasteini ..... | 256,84 | | |
| 7. | Björg Einarsdóttir frá Undirfelli ..... | 100,00 | | |
| 8. | Guðbjörg Hermannsdóttir frá Þingvöllum .. | 118,30 | | |
| 9. | Guðný Þorsteinsdóttir frá Nesi ..... | 126,44 | | |
| 10. | Guðrún Hermannsdóttir frá Breiðabólsstað .. | 212,94 | | |
| 11. | Guðrún J. Jóhannesdóttir frá Bergsstöðum .. | 107,54 | | |
| 12. | Guðrún Jónsdóttir frá Kolfreyjustað ..... | 183,78 | | |
| 13. | Guðrún Runólfsdóttir ..... | 164,47 | | |
| 14. | Guðrún Torfadóttir frá Hólmum ..... | 134,40 | | |
| 15. | Guðríður Helgadóttir frá Kvennabrekku ..... | 168,00 | | |
| 16. | Guðríður Ólafsdóttir frá Húsavík ..... | 135,74 | | |
| | Flyt ... | 2271,88 | 76880,31 | |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 2271,88 | 76880,31 | |
| 17. | Helga Jónsdóttir frá Eskifirði ..... | 193,00 | | |
| 18. | Helga Skúladóttir frá Kálfafellsstað ..... | 72,94 | | |
| 19. | Helga Stephensen frá Holti ..... | 184,36 | | |
| 20. | Ingibjörg Jónasdóttir frá Árnesi ..... | 125,30 | | |
| 21. | Ingibjörg Magnúsdóttir frá Laufási ..... | 142,10 | | |
| 22. | Ingveldur Einarsdóttir frá Raufarhöfn ..... | 100,00 | | |
| 23. | Jakobína Sigurgeirsdóttir frá Borg ..... | 142,56 | | |
| 24. | Jóhanna Magnúsdóttir frá Staðarhrauni .... | 224,00 | | |
| 25. | Kristín Ísleifsdóttir frá Eyrarbakka ..... | 500,00 | | |
| 26. | Líney Sigurjónsdóttir frá Görðum ..... | 314,81 | | |
| 27. | Margrét Jónasdóttir frá Stað ..... | 131,36 | | |
| 28. | Margrét Sigurðardóttir frá Höskuldsstöðum .. | 131,85 | | |
| 29. | María Elísabet Jónsdóttir frá Grenjaðarstöðum | 170,00 | | |
| 30. | Ólína Snæbjörnsdóttir frá Stað á Reykjanesi | 192,53 | | |
| 31. | Ragnheiður Magnúsdóttir frá Stað í Steing.f. | 131,36 | | |
| 32. | Sigríður Halldórsdóttir Jónsson frá Holti, Önf. | 184,36 | | |
| 33. | Sigríður Hansdóttir frá Djúpavogi ..... | 110,24 | | |
| 34. | Sigríður Helgadóttir frá Odda ..... | 215,70 | | |
| 35. | Sigríður Jóhannesdóttir frá Hruna ..... | 129,42 | | |
| 36. | Sigríður Jónasdóttir frá Melstað ..... | 188,06 | | |
| 37. | Sigurlaug Knudsen frá Breiðabólstað ..... | 133,00 | | |
| 38. | Sigrún Kjartansdóttir frá Mosfelli ..... | 147,50 | | |
| 39. | Steinunn Eiríksdóttir Stephensen frá Bjarnan. | 200,22 | | |
| 40. | Vigdís Einarsdóttir frá Stað í Grunnavík .. | 104,16 | | |
| 41. | Vilborg Jónsdóttir frá Prestsbakka ..... | 102,65 | | |
| 42. | Þóra Jónsdóttir frá Auðkúlu ..... | 82,72 | | |
| 43. | Þorbjörg Pálsdóttir frá Gilsbakka ..... | 100,00 | | |
| 44. | Þórhildur Sigurðardóttir frá Stöð ..... | 118,23 | | |
| | | | 6844,31 | |
| | D. Eftirlaun samkv. l. nr. 49 1923: | | | |
| | Einar Þorkelsson, fyrrv. skrifstofustjóri Alþingis .... | | 2500,00 | |
| | E. Framlag samkv. l. nr. 51 1921, 8. gr. | | | |
| 1. | Aldný Magnúsdóttir, ekkja Árna Kristjánssonar símritara ..... | 220,00 | | |
| 2. | Anna Þorgrímsdóttir læknisekkja ..... | 300,00 | | |
| 3. | Ásta Einarson, ekkja Magnúsar Einarssonar dýralæknis ..... | 250,00 | | |
| 4. | Ásta Halldórsdóttir, ekkja Óskars Jónssonar póstafgreiðslum. ..... kr. 240,00 | | | |
| | Börn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | 1. Edda, f. 5/6 1931 ..... — 100,00 | | | |
| | 2. Eva, f. 1/2 1934 ..... — 100,00 | | | |
| | | 440,00 | | |
| | Flyt ... | 1210,00 | 86224,62 | |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 1210,00 | 86224,62 | |
| 5. | Björg Jónsdóttir, ekkja Sig. Þórðarsonar prests ..... kr. 200,00 | | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | 2. Oddrún Valborg, f. 3/1 1928 .... — 100,00 | | | |
| | | 300,00 | | |
| 6. | Guðbjörg Árnadóttir, ekkja Jóns Karlssonar héraðslæknis ..... | 350,00 | | |
| 7. | Guðfinna Þórðardóttir vitavarðarekkja ..... | 90,00 | | |
| 8. | Harriet Jónsson, ekkja Magn. Jónssonar lagapr. | 450,00 | | |
| 9. | Hedvig Blöndal, ekkja Óla P. Blöndals póstr. | 350,00 | | |
| 10. | Hrefna Einarsdóttir læknisekkja ..... | 350,00 | | |
| 11. | Ida Stefánsdóttir, símam.ekkja ... kr. 220,00 | | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | Olga, f. 25/11 1931 ..... — 100,00 | | | |
| | | 320,00 | | |
| 12. | Ingibjörg Guðjónsdóttir, ekkja Sigurgríms Stefánssonar símritara ..... | 180,00 | | |
| 13. | Ingibjörg Ögmundsdóttir, ekkja Guðm. Eyjólfssonar símstjóra ..... | 180,00 | | |
| 14. | Kristín Guðmundsdóttir, ekkja Jóns Guðmundssonar vitavarðar ..... | 150,00 | | |
| 15. | Lára Bjarnadóttir, ekkja Gísla Lárussonar símritara ..... | 220,00 | | |
| 16. | Margrét Lárusdóttir, ekkja Guðm. Guðfinnssonar héraðslæknis ..... | 300,00 | | |
| 17. | Margrét Þórðardóttir, ekkja Guðna Hjörleifss. héraðslæknis ..... | 450,00 | | |
| 18. | María Guðmundsdóttir, ekkja Ásgr. Péturss. fiskimatsmanns ..... | 240,00 | | |
| 19. | María Jónsdóttir, ekkja Fr. Klemenssonar póstafgreiðslum. ..... | 240,00 | | |
| 20. | Marta Þórarinsdóttir, ekkja Viggós Snorrasonar símamanns ..... kr. 180,00 | | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | Helga, f. 21/7 1927 ..... — 100,00 | | | |
| | | 280,00 | | |
| 21. | Rigmor Ófeigsson, ekkja Jóns Ófeigssonar yfirkennara ..... | 340,00 | | |
| 22. | Þrúður Ingibjörg Jónsdóttir, ekkja Björns Magnússonar símstjóra .. kr. 260,00 | | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | Magnús, f. 1/11 1928 ..... — 100,00 | | | |
| | | 360,00 | | |
| | | | 6360,00 | |
| | | | | 92584,62 |
| 11. | Styrktarfé og eftirlaun, auk lögboðinna eftirlauna: | | | |
| | a. Embættismenn: | | | |
| | 1. Ari Arnalds, fyrrv. bæjarfógeti ..... | 2660,00 | | |
| | 2. Árni Þorvaldsson, fyrrv. yfirkennari .. | 1000,00 | | |
| | Flyt ... | 3660,00 | . . . | 92584,62 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 3660,00 | | 92584,62 |
| 3. Bogi Brynjólfsson, fyrrv. sýslumaður . | 640,00 | | |
| 4. Eggert Stefánsson, fyrrv. símafulltrúi Akureyri ..... | 1200,00 | | |
| 5. Einar Þorkelsson, fyrrv. skrifstofustjóri Alþingis ..... | 1000,00 | | |
| 6. Guðmundur Björnsson, fyrrv. sýslum. | 1000,00 | | |
| 7. Guðmundur Hannesson prófessor .... | 1200,00 | | |
| 8. Guðm. Sveinbjörnsson, fyrrv. skrifstofustjóri ..... | 3403,19 | | |
| 9. Halldór Steinsson, fyrrv. héraðslæknir | 600,00 | | |
| 10. Jónas Kristjánsson, fyrrv. héraðslæknir | 1000,00 | | |
| 11. Jósep Björnsson, fyrrv. skólastjóri .. | 1577,14 | | |
| 12. Kofoed-Hansen, fyrrv. skógræktarstjóri | 1546,80 | | |
| 13. Magnús Torfason, fyrrv. sýslumaður .. | 1826,67 | | |
| 14. Ólafur Daníelsson, fyrrv. yfirkennari . | 2000,00 | | |
| 15. Ólafur Finsen, fyrrv. héraðslæknir ... | 1000,00 | | |
| 16. Ólafur Thorlacius, fyrrv. héraðslæknir | 1000,00 | | |
| 17. Páll Halldórsson, fyrrv. skólastjóri .. | 1000,00 | | |
| 18. Sigurður Magnússon, fyrrv. yfirlæknir | 2000,00 | | |
| 19. Sigurður Thoroddsen, fyrrv. yfirkennari | 2000,00 | | |
| 20. Sigvaldi Kaldalóns, fv. héraðslæknir | 2067,12 | | |
| 21. Skúli Árnason, fyrrv. héraðslæknir .. | 535,00 | | |
| 22. Steingrímur Matthíasson, fyrrv. héraðsl. | 1000,00 | | |
| 23. Th. Krabbe, fyrrv. vitamálastjóri ..... | 1328,00 | | |
| 24. Þórður Sveinsson, fyrrv. yfirlæknir .. | 2000,00 | | |
| 25. Þorkell Þorláksson, fyrrv. aðstoðarm. | 1500,00 | | |
| 26. Þorvaldur Pálsson, fyrrv. héraðslæknir | 300,00 | | |
| | | 36383,92 | |
| b. Embættismannaekkjur og börn: | | | |
| 1. Aðalbjörg Jakobsdóttir læknisekkja .. | 500,00 | | |
| 2. Aðalbjörg Sigurðardóttir ..... | 1200,00 | | |
| 3. Anna Gunnlaugsson ..... | 900,00 | | |
| 4. Anna Jónsdóttir læknisekkja ..... | 500,00 | | |
| 5. Anna Jónsson, ekkja Kl. Jónssonar .. | 450,00 | | |
| 6. Anna Þorgrímsdóttir læknisekkja, 600 kr., auk 100 kr. með hverju barni hennar í ómegð ..... | 700,00 | | |
| 7. Ásta Einarson ..... | 600,00 | | |
| 8. Camilla Hallgrímsson ..... | 760,00 | | |
| 9. Cathinka Sigfússon ..... | 1000,00 | | |
| 10. Christophine Bjarnhéðinsson ..... | 1200,00 | | |
| 11. Dómhildur Jóhannesdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 12. Guðlaug Magnúsdóttir ..... | 2000,00 | | |
| 13. Harriet Jónsson ..... | 450,00 | | |
| 14. Helga Finnsdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 15. Hrefna Einardóttir ..... | 600,00 | | |
| 16. Ingibjörg Magnúsdóttir læknisekkja .. | 500,00 | | |
| Flyt ... | 13760,00 | 36383,92 | 92584,62 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 13760,00 | 36383,92 | 92584,62 |
| 17. | Ingileif Snæbjarnardóttir Aðils ..... | 400,00 | | |
| 18. | Jenny Forberg ..... | 600,00 | | |
| 19. | Júlíana Jónsdóttir, ekkja H. Jónssonar dýralæknis ..... | 500,00 | | |
| 21. | Kristín Vídalín Jacobson ..... | 1800,00 | | |
| 22. | Kristín Þórarinsdóttir læknisekkja ... | 400,00 | | |
| 23. | Magnea Ásgeirsson ..... | 200,00 | | |
| 24. | Margrét Árnadóttir ..... | 450,00 | | |
| 25. | Margrét Björnson ..... | 1000,00 | | |
| 26. | Margrét Lárusdóttir, ekkja Guðmundar Guðfinnssonar héraðslæknis ..... | 700,00 | | |
| 27. | Margrét Kr. Lárusdóttir læknisekkja .. | 400,00 | | |
| 28. | Margrét Þórðardóttir læknisekkja, 600 kr., auk 100 kr. með hverju barni í ómegð ..... | 1000,00 | | |
| 29. | Marie Helgason ..... | 2000,00 | | |
| 30. | Ragna Gunnarsdóttir læknisekkja .... | 600,00 | | |
| 31. | Ragnheiður Jónasson sýslumannsekkja | 800,00 | | |
| 32. | Rannveig Tómasdóttir ..... | 600,00 | | |
| 33. | Rigmor Ófeigsson ..... | 800,00 | | |
| 34. | Sigríður Blöndal ..... | 300,00 | | |
| 35. | Sigríður Finnbogadóttir ..... | 800,00 | | |
| 36. | Sigríður Fjeldsted ..... | 450,00 | | |
| 37. | Sigríður Hjaltadóttir Jensson ..... | 400,00 | | |
| 38. | Sigrún Bjarnason ..... | 600,00 | | |
| 39. | Sofia Guðmundsson ..... | 2000,00 | | |
| 40. | Soffía Hjaltested ..... | 600,00 | | |
| 41. | Steinunn Frímannsdóttir ..... | 450,00 | | |
| 42. | Súsanna Friðriksdóttir Erlendsson ... | 500,00 | | |
| 43. | Theodóra Thoroddsen ..... | 1200,00 | | |
| 44. | Þórhildur Eiríksdóttir Magnús ..... | 600,00 | | |
| 45. | Þórunn Hafstein sýslumannsekkja ... | 400,00 | | |
| 46. | Þrúður Ingibj. Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| | | | 34610,00 | |
| c. | Uppgjafaprestar: | | | |
| 1. | Árni Þórarinsson ..... | 280,00 | | |
| 2. | Ásmundur Gíslason ..... | 385,00 | | |
| 3. | Böðvar Bjarnason ..... | 1400,00 | | |
| 4. | Einar Pálsson ..... | 430,00 | | |
| 5. | Einar Thorlacius ..... | 355,00 | | |
| 6. | Halldór Bjarnarson ..... | 430,00 | | |
| 7. | Hallgrímur Thorlacius ..... | 295,00 | | |
| 8. | Ingvar Nikulásson ..... | 385,00 | | |
| 9. | Jón Árnason ..... | 445,00 | | |
| 10. | Jón Norðfjörð Johannessen ..... | 460,00 | | |
| 11. | Kjartan Kjartansson ..... | 400,00 | | |
| 12. | Kristinn Daníelsson ..... | 520,00 | | |
| 13. | Magnús Bjarnason ..... | 355,00 | | |
| | Flyt ... | 6140,00 | 70993,92 | 92584,62 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 6140,00 | 70993,92 | 92584,62 |
| 14. Matthías Eggertsson ..... | 465,00 | | |
| 15. Ófeigur Vigfússon ..... | 280,00 | | |
| 16. Ólafur Magnússon ..... | 420,00 | | |
| 17. Pálmi Þóroddsson ..... | 265,00 | | |
| 18. Runólfur Magnús Jónsson ..... | 430,00 | | |
| 19. Sigtr. Guðlaugsson ..... | 3000,00 | | |
| 20. Stefán Kristinsson ..... | 400,00 | | |
| 21. Theódór Jónsson ..... | 235,00 | | |
| 22. Vigfús Þórðarson ..... | 385,00 | | |
| 23. Þórður Ólafsson ..... | 370,00 | | |
| 24. Þorvaldur Jakobsson ..... | 1275,00 | | |
| 25. Þorvarður Þorvarðsson ..... | 475,00 | | |
| | | 14140,00 | |
| d. Prestsekkjur: | | | |
| 1. Anna Kvaran frá Mælifelli ..... | 155,00 | | |
| 2. Anna Stefánsdótir frá Stað ..... | 200,00 | | |
| 3. Ástríður Petersen frá Svalbarði ..... | 200,00 | | |
| 4. Auður Gísladóttir ..... | 300,00 | | |
| 5. Bergljót Blöndal ..... | 200,00 | | |
| 6. Björg Einarsdóttir frá Dvergasteini .. | 200,00 | | |
| 7. Björg Einarsdóttir frá Undirfelli ..... | 500,00 | | |
| 8. Björg Jónasdóttir frá Eskifirði ..... | 300,00 | | |
| 9. Björg Jónsdóttir frá Vallanesi ..... | 300,00 | | |
| 10. Dorothea Guðmundsson ..... | 300,00 | | |
| 11. Guðbjörg Guðmundsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 12. Guðbjörg Hermannsdóttir ..... | 181,70 | | |
| 13. Guðný Þorsteinsdóttir ..... | 173,56 | | |
| 14. Guðríður Helgadóttir ..... | 282,00 | | |
| 15. Guðríður Ólafsdóttir ..... | 164,26 | | |
| 16. Guðrún J. Jóhannesdóttir ..... | 500,00 | | |
| 17. Guðrún S. Jónsdóttir ..... | 250,00 | | |
| 18. Guðrún Runólfsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 19. Guðrún Torfadóttir ..... | 300,00 | | |
| 20. Helga Jónsdóttir frá Eskifirði ..... | 107,00 | | |
| 21. Helga Ketilsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 22. Helga Skúladóttir ..... | 227,06 | | |
| 23. Ingibjörg Jónasdóttir frá Árnesi .... | 300,00 | | |
| 24. Ingibjörg Magnúsdóttir ..... | 157,90 | | |
| 25. Ingveldur Einarsdóttir frá Raufarhöfn | 200,00 | | |
| 26. Jakobína Sigurgeirsdóttir ..... | 157,44 | | |
| 27. Jóhanna Magnúsdóttir prófastsekkja . | 300,00 | | |
| 28. Kristín Ísleifsdóttir frá Eyrarbakka .. | 119,00 | | |
| 29. Líney Sigurjónsdóttir ..... | 500,00 | | |
| 30. Margrét Jónasdóttir ..... | 300,00 | | |
| 31. María Elísabet Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 32. Margrét Sigurðardóttir prófastsekkja . | 500,00 | | |
| 33. Ólína Snæbjörnsdóttir frá Stað ..... | 300,00 | | |
| 34. Sigríður Halldórsdóttir Jónsson ..... | 300,00 | | |
| Flyt ... | 9274,92 | 85133,92 | 92584,62 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 9274,92 | 85133,92 | 92584,62 |
| 35. Sigríður Hansdóttir ..... | 385,00 | | |
| 36. Sigríður Helgadóttir ..... | 300,00 | | |
| 37. Sigríður Jóhannesdóttir ..... | 300,00 | | |
| 38. Sigríður Jónasdóttir frá Melstað ..... | 300,00 | | |
| 39. Sigríður Kjartansdóttir, 800 kr. auk 300 | | | |
| 40. kr. með hverju barna sinna ..... | 2000,00 | | |
| 41. Sigurlaug Knudsen ..... | 300,00 | | |
| 42. Sigrún Kjartansdóttir ..... | 300,00 | | |
| 43. Steinunn Eiríksdóttir Stephensen .... | 200,00 | | |
| 44. Steinunn Pétursdóttir ..... | 300,00 | | |
| 45. Vilborg Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 46. Þóra Jónsdóttir ..... | 217,28 | | |
| 47. Þórhildur Sigurðardóttir ..... | 300,00 | | |
| | | 14477,20 | |
| e. Kennarar, kennaraekkjur og börn: | | | |
| 1. Aðalbjörg Steinsdóttir ..... | 500,00 | | |
| 2. Anna Ásmundsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 3. Ásdís Þorgrímsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 4. Ásta Magnúsdóttir ..... | 200,00 | | |
| 5. Brynjólfur Þorláksson söngkennari ... | 1200,00 | | |
| 6. Einar Hávarðsson ..... | 150,00 | | |
| 7. Elísabet Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 8. Guðbjörg Kristjánsdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 9. Guðmundur Björnsson ..... | 400,00 | | |
| 10. Hólmfríður Gísladóttir kennslukona .. | 500,00 | | |
| 11. Ingivaldur Nikulásson kennari ..... | 400,00 | | |
| 12. Jón Strandfeld ..... | 150,00 | | |
| 13. Lárus Bjarnason skólastjóri ..... | 3600,00 | | |
| 14. Lárus Rist kennari ..... | 600,00 | | |
| 15. Ragnheiður Guðjónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 16. Ragnheiður Torfadóttir ..... | 400,00 | | |
| 17. Samúel Eggertsson ..... | 300,00 | | |
| 18. Sigurður Sigurðsson ..... | 400,00 | | |
| 19. Sigurjón Rögnvaldsson ..... | 200,00 | | |
| 20. Viktoría Bjarnadóttir ..... | 150,00 | | |
| 21. Vilborg Torfadóttir, ekkja Eyjólfs | | | |
| Sveinssonar kennara ..... | 300,00 | | |
| | | 11850,00 | |
| f. Póstmenn, póstar og ekkjur þeirra: | | | |
| 1. Anína Arinbjarnardóttir ..... | 300,00 | | |
| 2. Ásgeir Jónsson ..... | 400,00 | | |
| 3. Ásgerður Bjarnadóttir ..... | 200,00 | | |
| 4. Baldur Eyjólfsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 5. Björn Jónsson Vestfjarðapóstur ..... | 200,00 | | |
| 6. Böðvar Jónsson póstur ..... | 400,00 | | |
| 7. Eiríkur Sigfússon póstur ..... | 200,00 | | |
| 8. Eiríkur Steingrímsson póstur ..... | 300,00 | | |
| Flyt.... | 2300,00 | 111461,12 | 92584,62 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 2300,00 | 111461,12 | 92584,62 |
| 9. | Elínborg Vigfúsdóttir, ekkja Einars Runólfssonar póstafgreiðslumanns ... | 400,00 | | |
| 10. | Friðrik Jónsson póstur ..... | 450,00 | | |
| 11. | Guðbjörg Ólafsdóttir, ekkja G. Kristjánssonar pósts ..... | 300,00 | | |
| 12. | Guðjón Hermannsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 13. | Guðmundur Bergsson ..... | 1200,00 | | |
| 14. | Guðm. Kristjánsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 15. | Guðmundur Ólafsson póstur ..... | 500,00 | | |
| 16. | Hafliði Sveinsson ..... | 300,00 | | |
| 17. | Halla Árnadóttir póstsekkja ..... | 300,00 | | |
| 18. | Halldór Benediktsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 19. | Halldór Ólafsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 20. | Hedvig Blöndal, ekkja Óla Blöndals póstritara ..... | 300,00 | | |
| 21. | Jóhann B. Jensson póstur ..... | 300,00 | | |
| 22. | Jóhanna Þ. Jónsdóttir póstsekkja .... | 200,00 | | |
| 23. | Jóhanna Thorlacius póstmannsekkja .. | 300,00 | | |
| 24. | Jón Jónsson póstur í Galtarholti .... | 500,00 | | |
| 25. | Kjartan Þorkelsson, fyrrum póstafgrm. og matsmaður ..... | 300,00 | | |
| 26. | Kristján Albert Bjarnason póstur .... | 300,00 | | |
| 27. | Kristján Jónsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 28. | Loftur Ólafsson póstur ..... | 600,00 | | |
| 29. | Magnús Einarsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 30. | María Jónsdóttir, ekkja Fr. Klemenss. | 300,00 | | |
| 31. | Ólafía Finnbogadóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| 32. | Ólöf Gunnarsdóttir, ekkja Árna Sigbjörnssonar pósts ..... | 200,00 | | |
| 33. | Ragnheiður Bjarnadóttir, ekkja Þorleifs Jónssonar ..... | 1000,00 | | |
| 34. | Ragnheiður Straumfjörð ..... | 300,00 | | |
| 35. | Sigríður Guðmundsdóttir póstsekkja .. | 300,00 | | |
| 36. | Sigríður Sigurðardóttir póstsekkja ... | 200,00 | | |
| 37. | Sigríður Steingrímsdóttir, Árnanesi, ekkja Sigurðar Péturssonar pósts .... | 200,00 | | |
| 38. | Sigurjón Sumarliðason póstur ..... | 500,00 | | |
| 39. | Solveig Árnadóttir póstsekkja ..... | 300,00 | | |
| 40. | Stefán Þorvaldsson póstur ..... | 400,00 | | |
| 41. | Tryggvi Hallgrímsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 42. | Þóra Matthíasdóttir Skaftason ..... | 300,00 | | |
| 43. | Þórdís Ívarsdóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| 44. | Þorlákur Þorláksson póstur ..... | 200,00 | | |
| 45. | Þórunn Sigurðardóttir ..... | 300,00 | | |
| 46. | Þuríður Einarsdóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| | | | 15350,00 | |
| g. | Sigurður Nordal, samkvæmt samningi ..... | | 2000,00 | |
| h. | Ólafur Friðriksson ..... | | 1800,00 | |
| | | Flyt ... | 130611,12 | 92584,62 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 130611,12 | 92584,62 |
| i. | Dr. Helgi Péturss ..... | 5000,00 | |
| j. | Sigurjón Friðjónsson ..... | 1000,00 | |
| k. | Ekkjur og börn skálda og listamanna: | | |
| | 1. Anna Pálsdóttir ..... 600,00 | | |
| | 2. Arnbjörg Einarsdóttir ..... 300,00 | | |
| | 3. Eleanor Sveinbjörnsson ..... 1200,00 | | |
| | 4. Gíslína Kvaran ..... 600,00 | | |
| | 5. Guðrún Jónsdóttir Erlingsson ..... 600,00 | | |
| | 6. Ólína Þorsteinsdóttir ..... 300,00 | | |
| | 7. Sigríður Jónsdóttir frá Hvítadal ..... 500,00 | | |
| | 8. Sigríður Snæbjarnardóttir, ekkja Þór. B. Þorlákssonar málara ..... 500,00 | | |
| | 9. Sigurlaug G. Gröndal ..... 400,00 | | |
| | 10. Valborg Einarsson ..... 1000,00 | | |
| | 11. Valgerður Benediktsson ..... 2400,00 | | |
| | 12. Þórunn Pálsdóttir, ekkja Þorsteins Gíslasonar ..... 600,00 | | |
| | | 9000,00 | |
| l. | Ýmsir starfsmenn og ekkjur: | | |
| | 1. Ágústa Þ. Ólafsdóttir ..... 300,00 | | |
| | 2. Anna Bjarnadóttir, ekkja Hj. Láruss. 300,00 | | |
| | 3. Arndís Sigurðardóttir ..... 300,00 | | |
| | 4. Árni Gíslason yfirfiskimatsmaður .... 1000,00 | | |
| | 5. Árni G. Þóroddsson, fv. fiskimatsmaður 400,00 | | |
| | 6. Ásgeir Jónsson, Gottorp ..... 300,00 | | |
| | 7. Ásta Þorvaldsdóttir ..... 300,00 | | |
| | 8. Bjarni Grímsson, fyrrv. fiskimatsm. .. 400,00 | | |
| | 9. Bjarni Magnússon fangavörður ..... 200,00 | | |
| | 10. Björg Guðmundsdóttir ..... 400,00 | | |
| | 11. Davíð Gíslason ..... 600,00 | | |
| | 12. Einar Markússon, fyrrv. ríkisbókari .. 2000,00 | | |
| | 13. Einar Straumfjörð, fyrrv. vitavörður, vegna örorku ..... 400,00 | | |
| | 14. Eiríkur Eiríksson, fyrrv. fiskimatsm. 300,00 | | |
| | 15. Friðfinnur Guðjónsson leikari ..... 800,00 | | |
| | 16. Gestur Guðmundsson, fyrrv. vitavörður 400,00 | | |
| | 17. Gísli Jónsson, fyrrv. fiskimatsm. ..... 400,00 | | |
| | 18. Gróa Dalhoff ..... 800,00 | | |
| | 19. Guðbjörg Þorleifsdóttir, Múlakoti .... 400,00 | | |
| | 20. Guðbrandur Þorsteinsson vitavörður .. 400,00 | | |
| | 21. Guðfinna Þórðardóttir vitavarðarekkja 300,00 | | |
| | 22. Guðlaugur Hansson lýsismatsm. ..... 300,00 | | |
| | 23. Guðmundur Davíðsson, fv. umsjónarm. 1500,00 | | |
| | 24. Guðmundur Eiríksson á Þorfinnsstöðum 300,00 | | |
| | 25. Guðm. Gestsson, fv. dyrav. Menntaskól. 1200,00 | | |
| | 26. Guðmundur Gissurarson, fv. fiskimatsm. 400,00 | | |
| | 27. Guðmundur A. Guðmundsson, fv. fiskimatsmaður ..... 200,00 | | |
| | Flyt ... 14600,00 | 145611,12 | 92584,62 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 14600,00 | 145611,12 | 92584,62 |
| 28. | Guðmundur Kr. Guðmundsson, fyrrv. fiskimatsmaður ..... | 400,00 | | |
| 29. | Guðmundur Ólafsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 30. | Guðrún Egilson 2000 kr., auk 100 kr. með barni hennar í ómegð ..... | 2100,00 | | |
| 31. | Guðrún Káradóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 32. | Halldór Brynjólfsson blindi ..... | 350,00 | | |
| 33. | Halldóra Þórðardóttir ..... | 600,00 | | |
| 34. | Helgi Árnason, fyrrv. safnahúsvörður | 600,00 | | |
| 35. | Henriette Kjær, fv. yfirhjúkrunarkona | 600,00 | | |
| 36. | Hlín Johnson ..... | 1200,00 | | |
| 37. | Hólmfríður Björnsdóttir, ekkja G. Hjaltasonar ..... | 300,00 | | |
| 38. | Hólmgeir Jensson ..... | 300,00 | | |
| 39. | Ingibjörg Guðjónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 40. | Ingibjörg Loftsdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 41. | Jóhann Gíslason, fv. fiskimatsmaður . | 400,00 | | |
| 42. | Jóhannes Guðmundsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 43. | Jóhannes Jörundsson, Hrísey ..... | 1200,00 | | |
| 44. | Jón Jónsson, Munaðarhóli, fyrrv. fiskimatsmaður ..... | 400,00 | | |
| 45. | Jón Runólfsson, fyrrv. sýsluskrifari .. | 600,00 | | |
| 46. | Jón Sigurðsson fiskimatsmaður ..... | 300,00 | | |
| 47. | Jónas Jónsson fyrrv. fiskimatsmaður . | 300,00 | | |
| 48. | Jóney Guðmundsdóttir, ekkja Guðjóns Guðlaugssonar ..... | 600,00 | | |
| 49. | Jónína Marteinsdóttir, fyrrv. hjúkrunarkona ..... | 300,00 | | |
| 50. | Kristín Guðmundsdóttir, ekkja E. Helgasonar ..... | 600,00 | | |
| 51. | Kristín Pálsdóttir vitavarðarekkja .... | 300,00 | | |
| 52. | Kristján Ingimundarson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 53. | Kristjana Benediktsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 54. | Kristólína Kragh ..... | 300,00 | | |
| 55. | Lára Bjarnadóttir ..... | 400,00 | | |
| 56. | Magnús Magnússon, fv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 57. | Margrét Jónsdóttir vitavarðarekkja .. | 300,00 | | |
| 58. | Margrét Vigfúsdóttir vitavarðarekkja . | 300,00 | | |
| 59. | Marta Þórarinsdóttir símamannsekkja | 500,00 | | |
| 60. | Nielsína Ólafsdóttir, ekkja Daníels Daníelssonar ..... | 600,00 | | |
| 61. | Ólafur Guðmundsson, fyrrv. ferjum. .. | 600,00 | | |
| 62. | Ólafur Ísleifsson, Þjórsártúni ..... | 1000,00 | | |
| 63. | Ólöf Steingrímsdóttir, ekkja Páls Erlingssonar ..... | 500,00 | | |
| 64. | Petrea Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 65. | Ragnheiður Erlendsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 66. | Rósa Jónsdóttir vitavarðarekkja ..... | 200,00 | | |
| | Flutt ... | 33750,00 | 145611,12 | 92584,62 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flyt ... | 33750,00 | 145611,12 | 92584,62 |
| 67. | Runólfur Magnússon, fv. fiskimatsm. . | 300,00 | | |
| 68. | Runólfur Pétursson, innhm. ..... | 1200,00 | | |
| 69. | Sigmundur Finnsson fv. fiskimatsm. .. | 300,00 | | |
| 70. | Sigríður Gísladóttir 300 kr., og 100 kr. með hverju barni hennar til 16 ára aldurs ..... | 700,00 | | |
| 71. | Sigríður Magnúsdóttir hjúkrunarkona | 500,00 | | |
| 72. | Sigríður Sveinsdóttir, ekkja Jakobs Björnssonar síldarmatsmanns ..... | 300,00 | | |
| 73. | Sigurður Jóakimsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 74. | Sigurður Jónasson, fyrrv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 75. | Sigurður Jónsson, fyrrv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 76. | Sigurður Jónsson fyrrv. fiskimatsmaður, Hafnarfirði ..... | 400,00 | | |
| 77. | Sigurður Pétursson, fyrrv. fangav. .. | 1000,00 | | |
| 78. | Sigurjón Björnsson, fv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 79. | Soffía Ásgeirsdóttir hjúkrunarkona .. | 500,00 | | |
| 80. | Tómas Gunnarsson, fv. fiskimatsm. .. | 300,00 | | |
| 81. | Valgerður Steinsson, fv. spítalaráðsk. | 500,00 | | |
| 82. | Vigfús Sigurðsson, fyrrv. vitavörður | 300,00 | | |
| 83. | Þorsteinn Gíslason fiskimatsmaður .. | 300,00 | | |
| 84. | Þorvaldur Þorvaldsson fyrrv. fiskimatsmaður ..... | 300,00 | | |
| | | | 42050,00 | |
| | Á styrkveitingar í II. a.—l. greiðist dýrtíðaruppbót eftir sömu reglum sem á laun embættismanna. | | | |
| m. | Lífeyrir hjónanna á Staðarfelli ..... | | 3000,00 | |
| n. | Dr. Páll E. Ólason, enda semji hann ókeypis æfisögur Íslendinga fyrir bókmenntafélagið ..... | | 7200,00 | |
| | | | | 197861,12 |
| III. | Dýrtíðaruppbót ..... | | | 73000,00 |
| | Samtals ... | | . . . | 363445,74 |

19. gr.

Til óvissra útgjalda er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Verðlagsuppbót | 8000000 | |
| 2. Aukauppbætur á laun samkv. þál. 28/8 1942 | 1200000 | |
| 3. Til annarra útgjalda | 250000 | |
| | | 9450000 |
| Samtals ... | . . . | 9450000 |

## III. KAFLI

### Eignahreyfingar.

20. gr.

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| **Inn:** | | |
| I. Fyrningar: | | |
| 1. Samkvæmt 3. gr. A. | 226000 | |
| 2. — 3. — B. | 3649 | |
| 3. — 9. — | 2170 | |
| 4. — 10. — | 2046 | |
| 5. — 11. — | 7070 | |
| 6. — 12. — | 64200 | |
| 7. — 13. — | 185552 | |
| 8. — 14. — | 16166 | |
| 9. — 15. — | 4350 | |
| | | 511203 |
| II. Væntanlega útdregið af bankavaxtabréfum og veðdeildarbréfum | | 50000 |
| III. Endurgreiddar fyrirframgreiðslur | | 10000 |
| IV. Endurgreidd lán og andvirði seldra eigna | | 70000 |
| Samtals ... | . . . | 641203 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| **Út:** | | | |
| I. Afborganir lána ríkissjóðs og ríkisstofnana: | | | |
| 1. Ríkissjóðslán: | | | |
| a. Innlend lán | 816593 | | |
| b. Lán í dönskum krónum | 407402 | | |
| c. Lán í sterlingspundum | 510808 | | |
| d. Lán í dollurum | 433998 | | |
| | | 2168801 | |
| 2. Lán ríkisstofnana: | | | |
| a. Landssíminn (sjá 3. gr. A. 1.) | 200000 | | |
| b. Ríkisútvarpið (sjá 3. gr. A. 4.) | 91100 | | |
| | | 291100 | |
| | | | 2459901 |
| II. Til eignaaukningar ríkisstofnana: | | | |
| Landssíminn (ný símakerfi o. fl.) | | | 1350000 |
| III. Til að gera nýja vita | | | 200000 |
| IV. Til lögboðinna fyrirframgreiðslna | | | 10000 |
| Samtals ... | | . . . | 4019901 |

21.

I. Rekstr

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Tekjur:** | | |
| 2. gr. | Skattar og tollar ..... | | 4250000 |
| 3. gr. A. | Tekjur af rekstri ríkisstofnana ..... | 5382000 | |
| — B. | Tekjur af fasteignum ríkissjóðs ..... | 8440 | |
| | | | 539044 |
| 4. gr. | Tekjur af bönkum og vaxtatekjur ..... | | 31800 |
| 5. gr. | Óvissar tekjur ..... | | 5000 |
| | Samtals ... | . . . | 482584 |

II. Sjó

| | | kr. |
|---|---|---|
| | **Inn:** | |
| 2.—5. gr. | Rekstrartekjur samkvæmt rekstraryfirliti ..... | 482584 |
| | Aðrar innborganir og fyrningar[1]): | |
| 20. gr. I. | Fyrningar ..... | 5112 |
| — II. | Væntanlega útdregið af bankavaxtabréfum ..... | 500 |
| — III. | Endurgreiddar fyrirframgreiðslur ..... | 100 |
| — IV. | Endurgreidd lán og andvirði seldra eigna ..... | 700 |
| | Samtals ... | 488996 |

1) Fyrningar eru færðar hér til jafnaðar sömu fjárhæð, sem talin er í rekstrarútgjöldum.

Yfirlit.
yfirlit.

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Gjöld: | | |
| 7. gr. | Vextir | | 1345980 |
| 8. gr. | Kostnaður við æðstu stjórn landsins | | 150000 |
| 9. gr. | Til alþingiskostnaðar og yfirskoðunar ríkisreikninga | | 553889 |
| 10. gr. | Til ríkisstjórnarinnar | | 1462936 |
| 11. gr. A. | Til dómgæzlu og lögreglustjórnar | 2749320 | |
| — B. | Sameiginlegur kostnaður við embættisrekstur | 788879 | |
| | | | 3538199 |
| 12. gr. | Til læknaskipunar og heilbrigðimála | | 1338650 |
| 13. gr. A. | Vegamál | 6488152 | |
| — B. | Samgöngur á sjó | 1303300 | |
| — C. | Vitamál og hafnargerðir | 1079400 | |
| — D. | Flugmál | 50000 | |
| | | | 8920852 |
| 14. gr. A. | Kirkjumál | 534980 | |
| — B. | Kennslumál | 3261191 | |
| | | | 3796171 |
| 15. gr. | Til vísinda, bókmennta og lista | | 437110 |
| 16. gr. | Til verklegra fyrirtækja | | 5776911 |
| 17. gr. | Til almennrar styrktarstarfsemi | | 4877750 |
| 18. gr. | Til eftirlauna og styrktarfjár | | 363445 |
| 19. gr. | Óviss útgjöld | | 9450000 |
| | Rekstrarafgangur | | 6246547 |
| | Samtals ... | . . . | 48258440 |

yfirlit.

| | | kr. |
|---|---|---|
| | Út: | |
| 7.—19. gr. | Rekstrarútgjöld samkvæmt rekstraryfirliti | 42011893 |
| | Aðrar útborganir: | |
| 20. gr. I. | Afborganir lána | 2459901 |
| — II. | Til eignaaukningar ríkisstofnana | 1350000 |
| — III. | Til að gera nýja vita | 200000 |
| — IV. | Lögboðnar fyrirframgreiðslur | 10000 |
| | Greiðslujöfnuður | 2867849 |
| | Samtals ... | 48899643 |

22. gr.

Ríksstjórninni er heimilt:

I. Að verja fé úr ríkissjóði til launagreiðslu tveggja dómara í hæstarétti, ef dómurunum verður fjölgað á árinu 1942, samkvæmt lögum um hæstarétt, nr. 112 14. maí 1935.

II. Að greiða Páli Sveinssyni, fyrrverandi yfirkennara, full laun, enda vinni hann að því að fullgera hina frakknesk-íslenzku orðabók sína.

III. Að greiða Jakobi Smára ¾ adjunktslauna fyrir skólaárið 1941—1942, ef hann lætur af embætti og fær eigi lífvænlegt starf við sitt hæfi fyrir þann tíma.

IV. Að greiða Pétri Zophoníassyni, ættfræðingi, full laun ef hann lætur af starfi sínu á hagstofunni, og vinnur að ættfræðirannsóknum.

V. Að láta þeim ráðherra, sem fer með utanríkismál, sé hann ekki jafnframt forsætisráðherra, í té leigulausa íbúð, eða að öðrum kosti greiða honum úr ríkissjóði allt að 3000 kr. til húsaleigu.

VI. Að greiða á árinu 1943 dýrtíðaruppbót á laun embættismanna, eftir sömu reglum sem á árinu 1942.

VII. Að láta Blindravinafélag Íslands fá að láni allt að 10 útvarpstæki til afnota fyrir blinda menn, og sé kostnaður, er af þessu leiðir, færður á fjárhagsáætlun viðtækjaverzlunar ríkisins. Enn fremur að lána allt að þremur tækjum til sjúklinga, sem liggja rúmfastir árum saman í heimahúsum.

VIII. Að endurgreiða skemmtanaskatt af fé því, sem aflað er með samkomum og rennur til eflingar slysavörnum hér við land.

IX. Að ábyrgjast fyrir Tunnuverksmiðju Siglufjarðar allt að 150 þús. kr. rekstrarlán, enda sé lánið greitt fyrir áramót.

X. Að ábyrgjast fyrir Akureyrarkaupstað allt að 200 þús. kr. lán til rekstrar tunnuverksmiðju þar, enda greiðist lánið fyrir áramót.

XI. Að krefjast þeirra trygginga, sem stjórnin metur gildar, fyrir hverri ábyrgð, sem hún gengur í fyrir hönd ríkissjóðs, enda séu allar slíkar lántökur framkvæmdar af ráðuneytinu, eða Landsbanka Íslands eða Útvegsbanka Íslands í samráði við ráðuneytið. Þó getur ráðuneytið falið einstökum mönnum útvegun lánanna.

XII. Að greiða 12000 kr. til rekstrar húsmæðrakennaradeildar í sambandi við húsmæðraskóla í Reykjavík.

XIII. Að greiða 50000 kr. byggingarstyrk til gagnfræðaskólans í Reykjavík.

XIV. Að greiða 500 þús. kr. til byggingar sjómannaskóla.

XV. Að greiða Kvenfélagi Grindavíkur 1000 kr. fyrir afnot húseignar félagsins fyrir skólahald o. fl.

XVI. Að verja úr ríkissjóði allt að 50 þús. kr., að fengnum tillögum fiskimálanefndar, til þess að styrkja þá útgerðarmenn, er misst hafa báta sína frá ófriðarbyrjun, til þess að byggja nýja báta, þó ekki yfir 20% af byggingarkostnaði.

XVII. Að greiða Gústaf A. Sveinssyni hrm. allt að 2000 kr. fyrir samningu efnisyfirlits yfirréttardóma, enda takist samningur um útgáfu verksins.

XVIII. Að afskrifa skuld Neskaupstaðar við ríkissjóð vegna Fóðurmjölsverksmiðju Norðfjarðar.

XIX. Að lækka útgjöld ríkissjóðs, sem ekki eru bundin í öðrum lögum en fjárlögum, eftir jöfnum hlutföllum, um allt að 35%, ef ríkisstjórnin telur sýnilegt, að áhrif styrjaldarinnar verði þess valdandi, að tekjur ríkissjóðs lækki verulega.

XX. Að ábyrgjast kr. 150000.00 lán til byggingar stúdentagarðs við Háskóla Íslands.

23. gr.

Stjórn Landsbankans veitist heimild til að greiða Steinunni Kristjánsdótur, ekkju Alberts Þórðarsonar bankabókara, 500 kr. 1943, svo og uppbót á þá fjárhæð, eftir sömu reglum sem bankinn veitir hana á laun starfsmanna sinna.

Stjórninni er heimilt að greiða Þóru Beck, ekkju Þórólfs Becks skipstjóra, eftirlaun eftir svipuðum reglum sem Eimskipafélag Íslands greiðir ekkjum skipstjóra sinna, og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

Stjórn Búnaðarbankans veitist heimild til þess að greiða frú Önnu Klemensdóttur, ekkju Tryggva Þórhallssonar bankastjóra, 25% af launum manns hennar sem aðalbankastjóra Búnðarbanknas, og dýrtíðrauppbót að auk.

Stjórn sama banka veitist heimild til þess að greiða frá Aðalbjörgu Albertsdóttur, ekkju Þorsteins Sigurgeirssonar bankagjaldkera, 1000 kr., og til tveggja barna hennar innan 16 ára aldurs, 300 kr. til hvors.

Stjórn sama banka veitist heimild til að greiða Ólafíu Bjarnadóttur, ekkju Þórðar Sveinssonar bókara, 1800 kr.

Stjórninni er heimilt að greiða Sigurði Hjálmarssyni stýrimanni, 600 kr., og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

Stjórninni er heimilt að greiða Ólafíu Gísladóttur, ekkju Vilhjálms Þorsteinssonar stýrimanns, eftirlaun eftir svipuðum reglum sem Eimskipafélag Íslands greiðir ekkjum stýrimanna sinna, og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

24. gr.

Ef lög verða staðfest, er afgreidd hafa verið frá Alþingi 1942 og hafa í för með sér tekjur eða gjöld fyrir ríkissjóð, breytast fjárhæðirnar tekju- og gjaldamegin samkvæmt þeim lögum.

Allar þær fjárveitingar, sem eigi eru ákveðnar í lögum, öðrum en fjárlögum, tilskipunum, konungsúrskurðum eða öðrum gildandi ákvörðunum, gilda aðeins fyrir fjárhagstímabilið.

## Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

### TEKJUBÁLKURINN

Um 2. gr.

Skattar og tollar eru áætlaðir 23395000 kr. hærri en á núgildandi fjárlögum.

Helztu breytingar eru þessar:

Tekju- og eignarskattur, þar með talinn stríðsgróðaskattur, er áætlaður 15000000 kr. í stað 3150000 kr. Tekju- og eignarskattur og hluti ríkissjóðs af stríðsgróðaskatti nam í ár ca. 20000000 kr. og af fjárhagsafkomu almennings þ. á. má ráða, að, að óbreyttri skattalöggjöf, muni þessi tekjuliður ekki gefa mun minni tekjur næsta ár. Þó þykir ekki varlegt að áætla liðinn hærri en 15000000 kr.

Árið 1941 varð vörumagnstollurinn tæpar 7 millj. kr. og verðtollur rúml. 16½ millj. kr. Er fyrirsjáanlegt, að tollarnir verða enn meiri á þessu ári, enda hefur innflutningur verið með meira móti og verðlag erlendra vara farið hækkandi.

Með því að búast má við, að draga kunni úr innflutningi ýmsra vara á næsta ári, þykir ekki varlegt að áætla vörumagnstollinn hærri en 5 millj. kr. og verðtollinn hærri en 15 millj. kr.

Um 3. gr. A.

Tekjur af ríkisstofnunum eru áætlaðar 1663250 kr. hærri en á síðustu fjárlögum og er aðalhækkunin á tekjum af tóbakseinkasölunni og landssímanum.

Um 4. gr.

Tekjuliðir 4 (aðrir vextir) sundurliðast þannig:

| | | | |
|---|---|---|---|
| a. | Síldarverksmiðjur ríkisins (hluti af enska láninu 1930) 6,2% | ca. kr. | 67800.00 |
| b. | Arnarhvoll | — — | 20000.00 |
| c. | Ýmsir skuldunautar (dráttarvextir o. fl.) | — — | 122200.00 |
| | | Kr. | 210000.00 |

## GJALDABÁLKURINN

Um 7. gr.

Vextir af skuldum ríkissjóðs eru áætlaðir nokkru lægri en í núgildandi fjárlögum, vegna lækkunar á skuldunum.

Vextir og afborganir af föstum lánum 1943 sundurliðast þannig:

| | I. Innlend lán: | Vextir kr. | Afborganir kr. |
|---|---|---|---|
| 1. | Sáttmálasjóðslán 1919 (5%) uppsegjanlegt | 50000.00 | |
| 2. | Veðdeildarlán vegna Staðarfells | 39.62 | 143.60 |
| 3. | Gísli Björnsson, vegna Reykjatorfu, tekið 1929 til 25 ára (5%) | 1560.00 | 2600.00 |
| 4. | Landsbankinn, D-lán nr. 262 vegna Litla-Hrauns, tekið 1929 til 25 ára (6%) | 750.00 | 2500.00 |
| 5. | Lán vegna kaupa á Gimli | 2661.80 | 4333.11 |
| 6. | Lán vegna kaupa á Austurstræti 20 | 2895.75 | 5850.00 |
| 7. | Vega- og brúargerðalán, áætlað | 1500.00 | 20000.00 |
| 8. | Lán vegna styrkja til frystihúsa, samkv. lögum 1933 | 4086.50 | 4975.00 |
| 9. | Lán vegna styrkja til mjólkurbúa | 7013.57 | 15380.94 |
| 10. | Lán vegna kaupa á jarðeignum á Stokkseyri og Eyrarbakka | 10731.47 | 8483.28 |
| 11. | Lán vegna kaupa á Skálholti | 900.00 | 1000.00 |
| 12. | — — — – Bræðratungu | 155.00 | 1441.38 |
| 13. | — — — – Ólafsdal | 668.50 | 426.96 |
| 14. | — — — – Tjörnum I. | 194.99 | 79.43 |
| 15. | — — — – Tjörnum II. | 160.54 | 124.37 |
| 16. | — — — – Brúnum | 245.76 | 212.00 |
| 17. | — — — – Reykjakoti í Ölfusi | 162.37 | 140.02 |
| 18. | — — — – Varmahlíð í Skagafirði | 207.35 | 317.41 |
| 19. | — — — – Kaldaðarnestorfu | 4979.01 | 5507.11 |
| 20. | — — — – Syðra-Langholti í Reykjavík | 2506.19 | 9055.50 |
| 21. | — — — – sýslumannsbústað á Eskifirði | 489.97 | 438.90 |
| 22. | — — — – Keldum í Mosfellssveit | 585.00 | 195.00 |
| 23. | Lán vegna Skeiðaáveitu 1936 | 12574.33 | 15222.64 |
| 24. | Lán vegna kaupa á Suðurgötu 8, Hafnarfirði | 947.25 | 1750.00 |
| 25. | Skuldabréfalán innanríkis 1938 kr. 850000.00, tekið samkvæmt heimild 1938, til 22 ára (5½%) | 43243.75 | 42500.00 |
| 26. | Skuldarbréfalán innanríkis 1940 kr. 1409000.00, tekið samkvæmt heimild 1938, til 22 ára (5½%) | 75557.62 | 70450.00 |
| 27. | Lán vegna kaupa á Amtmannsstíg 1 | 2496.00 | 3466.62 |
| 28. | Skuldabréfalán innanríkis 1941 kr. 10000000.00, til 25 ára (4½%) | 441000.00 | 600000.00 |
| | | Kr. 668312.39 | 816593.27 |

| II. Lán í sterlingspundum: | Vextir kr. | Afborganir kr. |
|---|---|---|
| 1. Lán hjá Helbert, Wagg & Co., tekið 1921/1934. Hluti ríkissjóðs: Vextir £ 6980-19-10, afb. £ 12662-2-9, gengi 26/22 | 183041.60 | 332001.25 |
| 2. Lán hjá Hambros Bank Ltd., London, tekið 1935. Hluti ríkissjóðs: Vextir £ 12122-3-10, afb. £ 6819-8-2, gengi 26/22 | 318106.07 | 178806.85 |
| Kr. | 501147.67 | 510808.10 |

| III. Lán í dönskum krónum: | Vextir kr. | Afborganir kr. |
|---|---|---|
| 1. Lán hjá Bicuben til Vífilsstaðahælis 1909 (4½%): Vextir d. kr. 4035.75, afb. d. kr. 3464.25, gengi 125.78 | 5076.17 | 4357.33 |
| 2. Lán hjá Statsanstalten 1912 til bankavaxtabréfakaupa (4½%): Vextir d.kr. 93.75, afb. d. kr. 4166.66, gengi 125.78 | 117.92 | 5240.82 |
| 3 Lán hjá Mikla norræna. 1913, til símalagninga (5%): Vextir d. kr. 747.11, afb. d. kr. 28144.58 gengi 125.78 | 939.71 | 35400.25 |
| 4 Lán hjá sama 1917, til símalagninga (5%): Vextir d. kr. 6123.43, afb. d. kr. 26229.91, gengi 125.78 | 7702.05 | 32991.98 |
| 5 Lán hjá Aalborg Værft A/S, vegna kaupa á Esju: d. kr. 27555.00, afb. d. kr. 176000.00, gengi 125.78 | 34658.69 | 221372.80 |
| 6. Lán hjá Fredrikssunds og Omegns Bank A/S, vegna yfirtöku á skuldum vegna m/b Einis: Vextir d. kr. 38.44, afb. d. kr. 2562.50, gengi 125.78 | 48.35 | 3223.11 |
| 7. Lán hjá Den Danske Landmandsbank A/S, Köbenhavn, yfirtekið af Fiskveiðasjóði Íslands 1941 með eftirst. d. kr. 416666.67. Vextir d. kr. 13750.00, afb. d. kr. 83333.33 | 17284.75 | 104816.66 |
| Samtals kr. | 65827.64 | 407402.95 |

| IV. Lán í dollurum: | Vextir kr. | Afborganir kr. |
|---|---|---|
| 1. Lán hjá Export-Import Bank of Washington 1940 (3,6%), vextir $ 9313.90, afb. $ 66600.00, gengi 651.65 | 60694.00 | 433998.90 |

Vextir og afborganir af hluta Útvegsbankans af láni hjá Hambros Bank 1935 og af láni hjá Export-Import Bank eru ekki talin með í þessari skýrslu, og ekki heldur vextir og afborganir af eldri lánum, sem bankarnir annast sjálfir greiðslu á.

Um 8. gr.

Kostnaður við æðstu stjórn landsins er hækkaður úr kr. 75000.00 í kr. 150000.00 og er þar í innifalið laun ríkisstjóra og kostnaður við starfrækslu ríkisstjóraembættisins.

Um 9. gr.

Alþingiskostnaður er áætlaður kr. 540000.00, að mestu leyti eftir tillögu skrifstofustjóra Alþingis.

Um 10. gr.

I. 2. og 3. Áætlaður kostnaður við stjórnarráðið og ríkisféhirzlu er miðaður við þau laun, sem nú eru greidd.

III. Kostnaður við utanríkismál er hækkaður um 275 þús. kr. samkv. tillögum utanríkisráðuneytisins. Þessi hækkun stafar af því, að sett var á stofn síðastl. ár sendiráð í Washington og ákveðin hefur verið staðaruppbót á laun starfsmanna sendiráðanna vegna aukinnar dýrtíðar.

Um 11. gr. A.

2. Sýslumönnum og bæjarfógetum var greidd 2000 kr. launauppbót hverjum á s. l. ári. Gert er ráð fyrir, að svipuð uppbót verði greidd á laun þessara embættismanna framvegis og er því liðurinn hækkaður um 40000 kr.

Aðrar hækkanir á þessari grein eru miðaðar við raunverulegan kostnað og núgildandi verðlag.

Um 11. gr. B.

4. Þóknun til skattanefnda var hækkuð s. l. ár og á þessu ári. Störf skattanefnda jukust mikið árið sem leið, og má búast við, að svo verði einnig á næsta ári. Af téðum ástæðum hefur þessi kostnaðarliður verið áætlaður 50 þús. kr. hærri en á gildandi fjárlögum.

5. Kostnaður við ríkisskattanefnd hefur verið hækkaður um 22000 kr., aðallega vegna hækkunar á þóknun til nefndarmanna og aukins kostnaðar.

6. Eyðublöð, bókband, auglýsingar o. fl. Þessi kostnaðarliður er hækkaður um 85 þús. kr. vegna hækkunar á prentunar- og bókbandskostnaði.

Um 12. gr.

Rekstrarhalli ríkisspítalanna er áætlaður kr. 368400 hærri en á gildandi fjárlögum þrátt fyrir það, að daggjöld hafa verið hækkuð allverulega.

Styrkur til að reisa læknabústaði og sjúkraskýli er hækkaður úr kr. 18000 í kr. 80000 og styrkur til heilsuverndarstöðva úr kr. 30000 í kr. 50000 eftir tillögum landlæknis.

Um 13. gr. A.

Framlög til vegamála eru hækkuð um 3921800 kr. Mest er hækkunin á vegaviðhaldinu 2300000 kr., en miðað við útgjöldin s. l. ár þykir óvarlegt að áætla þenna lið lægri en hér er gert, 3300000 kr.

Að öðru leyti vísast til greinargerðar vegamálastjóra.

Um 13. gr. B.

Á s. l. ári varð ca. 800000 kr. tap á rekstri strandferðaskipa ríkisins, sem stafar af því, að flutningsgjöld hafa ekki verið hækkuð í nokkru samræmi við stórum aukinn útgerðarkostnað. Þó þetta hafi að nokkru leyti verið lagfært í ár mun ekki varlegt að áætla styrkinn til strandferða lægri en hér er gert, eða 1000000 kr.

Um 13. gr. C.

Útgjöld til vitamála og hafnargerða eru áætluð 150 þús. kr. lægri en á gildandi fjárlögum. Felldar hafa verið niður nokkrar fjárveitingar til hafnargerða, bryggjugerða og lendingabóta, sem ýmist eru fullgerðar eða kostnaður við þær greiddur að fullu.

Um 14. gr. A.

a. Skrifstofukostnaður biskups hefur verið hækkaður um kr. 7500.00 vegna biskupsritarastarfs.

b. 6. og 7. Vegna vaxandi dýrtíðar hefur þótt nauðsynlegt að hækka framlag til húsabóta á prestssetrum úr 24000 kr. í 60000 kr. og til endurbóta á gömlum íbúðarhúsum á prestssetrum úr 24000 kr. í 48000 kr.

b. 9. Bætt hefur verið við nýjum lið, laun og ferðakostnaður söngmálastjóra.

Um 14. gr. B.

I. Áætlaður kostnaður á þessum lið hækka um kr. 178500.00. Áætlað hefur verið fyrir kostnaði við nýjar kennslugreinir, auknum náms og húsaleigustyrkjum og auknum kostnaði við starfrækslu skólans. Enn fremur er tekin upp ný fjárveiting til undirbúnings kennslu í náttúrufræðum 53000 kr.

V.—X. Framlög til ríkisskólanna eru áætluð mun hærri en í núgildandi fjárlögum vegna hækkunar á verðlagi.

XII. Styrkur til Kvennaskólans er áætlaður 14000 kr. hærri en á gildandi fjárlögum, vegna fyrirhugaðrar aukinnar kennslu. Þá er einnig áætlað 10000 kr. einu sinni fyrir allt til viðgerðar á skólahúsinu og 30000 kr. til nemendasambands skólans í byggingarsjóð leikfimihúss.

XIII. 1. og 2. Kennaralaun eru áætluð 40000 kr. hærri en á gildandi fjárlögum, og laun farkennara eru hækkuð úr 78 þús. kr. í 140 þús. kr. vegna mikillar hækkunar á launum þeirra, sem kom til framkvæmda s. l. ár. Enn fremur er áætluð 30000 kr. hækkun á kostnaði við kennslueftirlit og 19000 kr. hækkun á ráðskonukaupi eftir tillögum fræðslumálastjóra.

XV. Styrkur til húsmæðrafræðslu er hækkaður um 40000 kr. vegna væntanlega aukinnar húsmæðrafræðslu í kaupstöðum.

XXVI. Framlag til íþróttasjóðs er hækkað um 50 þús. krónur, meðfram með tilliti til umsóknar um fjárframlag til sundlaugar á Eiðum.

Um 15. gr.

3. Kostnaðarliðurinn til áhalda og viðgerða hefur verið áætlaður 2000 kr. með það fyrir augum, að nauðsynleg viðgerð á bænahúsi í Gröf á Höfðaströnd verði látin fara fram á næsta ári. Til viðgerðar á Hólakirkju eru áætlaðar 2000 kr.

50. Styrkur til skálda, rithöfunda og listamanna er áætlaður 100000 kr. í stað 90000 kr. á síðustu fjárlögum.

Um 16. gr.

1. Til framleiðslubóta og atvinnuaukningar var varið rúmum 170000 kr. s. l. ár. Þykir ekki ástæða til að áætla þenna lið hærri en 200000 kr.

2. Framlag til Búnaðarfélags Íslands er áætlað 260 þús. kr. hærra en á gildandi fjárlögum vegna vaxandi dýrtíðar.

6. Framlag til sandgræðslu er hækkað um 45000 kr. eftir tillögu Búnaðarfélags Íslands.

17. Styrkur til skógræktar er tvöfaldaður.

20. Styrkur til fyrirhleðslu á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts er hækkaður úr 70 þús. kr. í 125 þús. kr.

24. Kostnaður við rannsóknarstofu atvinnuveganna er áætlaður 269360 kr. í stað kr. 107700 í núgildandi fjárlögum. Hækkunin stafar af aukinni starfsemi, einkum vegna tilraunastöðvarinnar á Keldum, en kostnaður við hana var áður að nokkru leyti talinn með útgjöldum rannsóknarstofu háskólans, en að nokkru leyti færður á 85. lið 16. gr. núgildandi fjárlaga.

27. Kostnaður við veðurstofuna hækkar úr kr. 84300 í kr. 204400. Aðalhækkun stafar, auk hækkandi verðlags, af auknum kostnaði við veðurathuganir utan Reykjavíkur og sendingu veðurskeyta, enda er þá felldur niður liðurinn í 16. gr. 38. núgildandi fjárlaga.

31. Framlag til Fiskifélags Íslands er hækkað úr 115 þús. kr. í 300 þús. kr. samkv. rekstraráætlun, er atvinnumálaráðuneytið hefur samþykkt.

69. Skrifstofukostnaður húsameistara er hækkaður úr kr. 18000 upp í kr. 83400 eftir tillögum hans, en þessi liður hefur áður verið áætlaður of lágt í fjárlögum.

75. Tekin er upp ný fjárveiting til samábyrgðar Íslands á fiskiskipum, 50000 kr., samkvæmt l. nr. 37 1941.

77.—78. Kostnaður við varnir gegn útbreiðslu sauðfjársjúkdóma og útrýmingu

þeirra er áætlaður hinn sami og á síðustu fjárlögum, enda hefur ráðuneytinu ekki borizt nein áætlun um þenna kostnað fyrir næsta ár.

70., 80., 81. og 82. Kostnaður við dómnefnd í verðlagsmálum, skömmtunarskrifstofu, kauplagsnefnd og húsaleigunefndir hefur verið áætlaður allmiklu hærri en í gildandi fjárlögum, miðað við reynslu s. l. árs.

85. Styrkur til Bálfararfélags Íslands er hækkaður um 15000 kr. í 35000 kr., enda er gert ráð fyrir tvöföldu framlagi annars staðar að.

86. Tekin er upp ný fjárveiting til Baldurs Johnsens héraðslæknis, 2000 kr. til manneldisrannsókna, en hann hefur haft með höndum slíkar rannsóknir undanfarin ár á sinn eigin kostnað.

Um 17. gr.

1. Styrkur til berklavarna er áætlaður 1300000 kr., eða 355 þús. kr. hærri en s. l. ár, og er þar byggt á reynslu ársins 1941.

5. Gjöld til alþýðutrygginga fara hraðvaxandi og þykir ekki verða komizt hjá að áætla þau 2000000 kr., samkv. skýrslu Tryggingarstofnunar ríkisins, og er það 1250000 þús. kr. hærra en á gildandi fjárlögum.

9. Styrkur til barnaverndar er hækkaður um 10000 kr., og má raunar gera ráð fyrir, að hér sé um of lága fjárhæð að ræða.

15. Styrkur til Stórstúku Íslands er hækkaður um 10000 kr. með tilliti til aukinnar dýrtíðar.

41. Tekinn er upp nýr liður, styrkur til sumardvalar barna í sveit kr. 150000, sem er sú fjárhæð, sem varið var til þessa síðastliðið ár.

Um 19. gr.

Verðlagsuppbót á laun starfsmanna ríkisins varð s. l. ár 3282265 kr. Meðalvísitala ársins 1941 varð 159,67, en vísitala októbermánaðar 1942 er 250. Ef gengið er út frá að vísitalan haldist óbreytt næsta ár eins og hún er nú, sem að vísu engin vissa er fyrir, má ætla að komizt verði af með hina áætluðu fjárhæð 8000000 kr.

Samkvæmt þál. 28. ágúst s. l. hefur verið greidd aukauppbót á grunnlaun frá 1. júlí til 30. sept. þ. á. samtals kr. 313451. Má því ganga út frá, að uppbót þessi nemi á næsta ári um kr. 1200000.

## Nd. 2. Frumvarp til stjórnarskipunarlaga

um breyting á stjórnarskrá konungsríkisins Íslands, 18. maí 1920, sbr. stjórnarskipunarlög 24. marz 1934 og 1. sept. 1942.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1942.)

1. gr.

Aftan við 3. málsgr. 75. gr. stjórnarskrárinnar bætist ný málsgr., svo hljóðandi:

Þegar Alþingi samþykkir þá breytingu á stjórnskipulagi Íslands, sem greinir í ályktunum þess frá 17. maí 1941, hefur sú samþykkt eins þings gildi sem stjórnskipunarlög, er meiri hluti allra kosningabærra manna í landinu hefur með leynilegri atkvæðagreiðslu samþykkt hana. Þó er óheimilt að gera með þessum hætti nokkrar aðrar breytingar á stjórnarskránni en þær, sem beinlínis leiðir af sambandsslitum við Danmörku og því, að Íslendingar taka með stofnun lýðveldis til fullnustu í sínar hendur æðsta vald í málefnum ríkisins.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Frv. þetta, sem er samhljóða frumvarpi, er samþykkt var á síðasta þingi, er lagt fyrir Alþingi samkvæmt ákvæðum 75. gr. stjórnarskrár ríkisins, 18. maí 1920, sbr. stjórnarskipunarlög nr. 22 24. marz 1934 og nr. 78 1. sept. 1942

Ályktanir Alþingis frá 17. maí 1941, þær er vitnað er til í 1. gr. frv., eru prentaðar hér á eftir sem fylgiskjöl:

**Fylgiskjal I.**

**Þingsályktun um sjálfstæðismálið.**

Alþingi ályktar að lýsa yfir því:

**að** það telur Ísland hafa öðlazt rétt til fullra sambandsslita við Danmörku, þar sem Ísland hefur þegar orðið að taka í sínar hendur meðferð allra sinna mála, enda hefur Danmörk ekki getað farið með þau mál, sem hún tók að sér að fara með í umboði Íslands með sambandssamningi Íslands og Danmerkur frá 1918.

**að** af Íslands hálfu verði ekki um að ræða endurnýjun á sambandslagasáttmálanum við Danmörku, þótt ekki þyki að svo stöddu tímabært, vegna ríkjandi ástands, að ganga frá formlegum sambandsslitum og endanlegri stjórnarskipun ríkisins, enda verði því ekki frestað lengur en til styrjaldarloka.

**Fylgiskjal II.**

**Þingsályktun um stjórnskipulag Íslands.**

Alþingi ályktar að lýsa yfir þeim vilja sínum, að lýðveldi verði stofnað á Íslandi jafnskjótt og sambandinu við Danmörku verður formlega slitið.

**Fylgiskjal III.**

**Þingsályktun um æðsta vald í málefnum ríkisins.**

Alþingi ályktar að kjósa ríkisstjóra til eins árs í senn, sem fari með það vald, er ráðuneyti Íslands var falið með ályktun Alþingis hinn 10. apríl 1940, um æðsta vald í málefnum ríkisins.

## Sþ. 3. Tillaga til þingsályktunar

um útvarpsfréttir.

Flm.: Gísli Jónsson.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að gera nú þegar nauðsynlegar ráðstafanir til þess, að útvarpið flytji engar þær fréttir, hvorki í frásögn né auglýsingum, er á nokkurn hátt megi gefa upplýsingar um innflutning, útflutning, viðskiptaveltu eða aðra afkomu þjóðarinnar, á meðan á ófriðnum stendur.

Greinargerð.

Þáltill. þessi var flutt á síðasta þingi, en dagaði uppi ásamt mörgum öðrum málum. Fjöldi sjómanna hefur látið í ljós þá skoðun við mig, að þeir harmi það mjög, að mál þetta skyldi ekki ná fram að ganga, og vænta þess, að ekki sé dregið lengur að gera þessar varúðarráðstafanir, sem vel mega fyrirbyggja ómetanlegt tjón á mannslífum og verðmætum. Að öðru leyti vísast til greinargerðar á þingskj. 115 frá síðasta þingi.

## Nd. 4. Frumvarp til laga

um breyting á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

Flm.: Sigfús Sigurhjartarson, Finnur Jónsson, Eysteinn Jónsson, Ingólfur Jónsson.

9. gr. laganna orðist svo:

Ríkisstjórninni er heimilt að setja á stofn útsölustaði áfengis, en þó aðeins í kaupstöðum og kauptúnum.

Áður en útsala er sett á stofn, skal fara fram atkvæðagreiðsla kosningabærra manna í því sýslu- eða bæjarfélagi, sem í hlut á, og þarf ⅗ hluta greiddra atkvæða til þess að útsala sé leyfð.

Nú hefur verið fellt með atkvæðagreiðslu að stofna útsölu samkvæmt framansögðu, og getur atkvæðagreiðsla þá ekki farið fram á ný, fyrr en að tveimur árum liðnum.

Hafi útsala verið stofnsett, verður hún ekki lögð niður aftur, nema því aðeins, að atkvæðagreiðsla fari fram og fellt sé að hafa áfengissölu með meiri hluta atkvæða. Skylt er að láta slíka atkvæðagreiðslu fara fram, þegar ⅓ kjósenda eða meiri hluti sýslunefndar eða bæjarstjórnar í viðkomandi sýslu- eða bæjarfélagi krefst þess.

Greinargerð.

Með Spánarundanþágunni svonefndri (l. nr. 3 4. apríl 1923) setti ríkið á stofn áfengisútsölur í kaupstöðum landsins, án þess að kjósendur væru að spurðir. Útsölur þessar hafa haldizt síðan, en í áfengislögunum frá 9. jan. 1935 er hins vegar kveðið svo á, að nýjar útsölur megi ekki stofnsetja, nema ⅗ hlutar greiddra atkvæða í viðkomandi bæjar- eða sýslufélagi óski þess.

Frumvarp það, sem hér liggur fyrir, stefnir að því að leiðrétta þetta misræmi í áfengislögunum með því að heimila almenna atkvæðagreiðslu um þær áfengisútsölur, sem þegar eru í kaupstöðum landsins, enda virðist sjálfsagt samkvæmt öllum lýðræðisreglum, að hvert bæjar- eða sýslufélag geti sjálft ákveðið, hvort þar skuli vera útsala áfengis eða ekki.

Nánar í framsögu.

## Nd. 5. Tillaga til þingsályktunar

um fullnaðarrannsókn hafnarskilyrða á Þórshöfn.

Flm.: Gísli Guðmundsson.

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta rannsaka til hlítar, hvort unnt sé að dýpka svo innsiglingu hafnarinnar á Þórshöfn, að stærstu skip, sem að jafnaði sigla hér við land, geti komizt þar að bryggjum.

Greinargerð

Árið 1935 fór flm. þess á leit við ríkisstjórnina, að rannsökuð yrðu skilyrði til hafnargerðar á Þórshöfn. Varð stjórnin við þeirri málaleitun, og var þá verkfræðingur frá vitamálaskrifstofunni sendur til Þórshafnar. Dvaldi hann þar um hríð að sumarlagi, mældi og kannaði höfnina og gerði síðan áætlun um hafnarmannvirki, er hann taldi henta með tilliti til niðurstöðu rannsóknarinnar. Var ný áætlun fullgerð vorið 1936. Á Alþingi 1937 voru sett hafnarlög fyrir Þórshöfn og á næstu árum

byggður öldubrjótur og hafnarbryggja. Var því verki lokið í stríðsbyrjun, og er til mikils hagræðis, en ekki var þó framkvæmdum að fullu lokið samkvæmt áætluninni.

Með nokkurri lengingu hafnarbryggjunnar mundi fást við hana nægilegt dýpi fyrir flest eða öll skip, sem til Þórshafnar koma. En eins og nú standa sakir, geta hin stærri skip ekki komizt að bryggju nema á háflóði, og er það vegna þess, að um miðbik hafnarinnar er skergarður, nokkru hærri en botninn innan við. Þegar verkfræðingur vitamálaskrifstofunnar rannsakaði höfnina, gat hann ekki fundið möguleika til að brjóta hlið í skergarðinn nema með svo miklum kostnaði, að tæpast kæmi til greina, og taldi sér þá ekki fært að gera tillögur um slíka framkvæmd.

Á Þórshöfn er nú talsverð vélbátaútgerð og hefur farið vaxandi síðan hafnarmannvirkin voru gerð. Undanfarin sumur hafa bátar úr öðrum landshlutum haft þar bækistöð sína. Þar hefur og verið komið upp hraðfrystihúsi. Samfelld lönd til ræktunar eru þarna meiri en víðast annars staðar við sjávarþorp, og hefur formaður framfærslumálanefndar ríkisins talið þessi lönd í fremstu röð þeirra staða, er til mála komi í sambandi við landnám ríkisins við sjávarsíðuna. Auk þess er Þórshöfn verzlunarstaður fyrir víðlenda byggð í tveim sýslum, og þorpið vex ört nú síðustu árin. Með tilliti til alls þessa er þarna mikið í húfi, og verður að telja æskilegt, að þeir dýpkunarmöguleikar hafnarinnar, sem hér er um að ræða, verði athugaðir nánar, og þá með fullkomnari tækjum en fyrir hendi voru sumarið 1935.

## Ed. 6. Frumvarp til laga

um heimild til þess að selja jarðeignirnar Stagley og Sperðlahlíð.

Flm.: Gísli Jónsson.

Heimilt skal ríkisstjórninni að selja eftirtaldar jarðeignir:

a. Stagley á Breiðafirði til Flateyjarhrepps.
b. Sperðlahlíð í Suðurfjarðahreppi til Magnúsar Kristjánssonar, ábúanda og eiganda að Langabotni í Arnarfirði.

Greinargerð.

Stagley á Breiðafirði er óbyggð eyja, sem liggur skammt suður af Bjarneyjum, en Bjarneyjar eru nú að hálfu leyti eign Flateyjarhrepps. Eignast ríkissjóður Stagley, er hann kaupir Reykhóla, en þeirri jörð hafði hún fylgt um langan aldur og jafnan nytjuð þaðan, þar til nú á seinni árum, að Flateyjarhreppur tekur hana á leigu handa bændum á Bjarneyjum, er nú nytja eyjuna. Varp er svo að segja ekkert á eyjunni, en slægjur góðar, sem þó ekki svarar kostnaði að nytja frá Reykhólum, en eru hins vegar Bjarneyingum ómissandi, ef þeir eiga að geta haldizt við búskap. Á eyjunni eru engin hús né önnur mannvirki.

Sperðlahlíð er lítið harðbalakot innst í Arnarfirði, sem verið hefur í eyði nú í nokkur ár, og engin líkindi til þess, að það verði byggt á ný, enda hafa hús öll verið rifin niður og flutt á brott, en jörðin leigð til beitar til bóndans á næsta bæ, Magnúsar Kristjánssonar í Langabotni. Með því að selja honum jörðina og leggja hana þannig sem aukið beitiland undir Langabotn, gæti sú jörð veitt bóndanum þar miklu betri afkomu.

Er þess vænzt, að háttvirt Alþingi fallist á að heimila að selja báðar þessar jarðeignir.

## Nd. 7. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts.

Flm.: Ingólfur Jónsson, Helgi Jónasson.

1. gr.

4. og 5. málsgr. 2. gr. laganna orðist svo:

Varnir fyrir innan Hlíðarenda í Fljótshlíð fyrir ágangi Þverár kostar ríkissjóður að öllu leyti. Enn fremur þær varnir, er annars staðar verða nauðsynlegar vegna aukins vatnsmagns af fyrirhleðslunni, svo og endurbætur á Seljalandsgarðinum, sem nauðsynlegar þykja.

Varnir og flóðgáttir annars staðar á þessu svæði kostar ríkissjóður að öllu leyti.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frumvarp þetta var flutt á sumarþinginu, en náði ekki fram að ganga vegna þess, hvað tíminn var naumur. Nú munu ýmsir þingmenn hafa kynnt sér nokkuð þýðingu þessa máls fyrir samgöngukerfi landsins, enda má fullyrða, að frumvarp þetta fær góðar undirtektir og verður að lögum á þessu þingi. — Greinargerð sú, sem var með frumvarpinu í sumar, fer hér á eftir með örlítilli breytingu á orðalagi:

Þverá hefur gert mikinn usla og brotið mikið af fögru og frjósömu landi. Þar sem áður voru grasgefin og fögur engja- og beitilönd, eru nú sandar og farvegur Þverár, sem látlaust vinnur að því að leggja undir sig eina fegurstu sveit landsins, Fljótshlíðina.

Með lögum frá 23. júní 1932 um fyrirhleðslu á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts var ákveðið að hefjast handa um að veita Þverá í Markarfljót og með því vernda það land, sem Þverá hefur frá því á dögum Gunnars á Hlíðarenda herjað á, brotið og lagt undir sig.

Það er flestum ljóst, að um leið og Þverá er veitt í Markarfljót, stafar nokkur hætta af því, að Markarfljót leiti að einhverju leyti úr sínum gamla farvegi, austur eða vestur. Seljalandsgarðurinn hefur verið byggður í því skyni að girða fyrir þá hættu, að vatnið renni austur. En til þess, að það megi teljast öruggt, verður að styrkja og e. t. v. lengja þann garð til muna. Einnig verður að hlaða garð vestan við fljótið, til þess að fyrirbyggja það, að vatnið flæði yfir þær jarðir, sem liggja vestan við það, enda er mjög mikil hætta á, að vatnið taki sér farveg vestur í Landeyjar, ef vesturbakki fljótsins er hafður varnarlaus.

Það er álit kunnugra manna á þessu svæði, að brýn þörf sé á því að hefjast handa með hleðslu á varnargarði vestanvert við fljótið og auk þess lengja og styrkja Seljalandsgarðinn.

Það er leitt, hvað fyrirhleðslu Þverár og Markarfljóts miðar hægt áfram. Nú er Þverá farin að meitla af túnunum í innanverðri Fljótshlíð. Verði ekki sýndur meiri dugnaður og harðfylgi í þessu máli eftirleiðis en hingað til, er ekki við öðru að búast en áin gleypi í sig alla Innhlíðina. Slíkt væri ekki einungis skaði, heldur einnig skömm. Hér er um það að ræða, hvort vernda skuli eina fegurstu og frjósömustu sögusveit landsins. Það er ekki einungis metnaðar- og tilfinningamál Fljótshlíðinga og allra góðra Rangæinga, heldur einnig allra Íslendinga, sem unna sögu og náttúrufegurð, landinu og þjóðinni.

Með frumvarpi þessu er ætlazt til, að ríkissjóður taki á sig allan þann kostnað, sem leiðir af fyrirhleðslu Þverár og Markarfljóts. Það er ekki á neinn hátt sanngjarnt

undir þeim kringumstæðum, sem hér um ræðir, að Rangæingar borgi nokkurn hluta af þeim kostnaði, sem fyrirhleðslan og fleiri mannvirki í sambandi við hana kunna að hafa í för með sér.

Það hefur margoft verið á það bent, að það væri nauðsyn að hefta vötnin á umræddu svæði. Það er nauðsyn og þjóðarmetnaður, að verkið komist sem fyrst í kring, svo hin skapandi og vinnandi hönd megi vinna bug á eyðingaröflunum.

Enginn, sem þekkir til hlítar inn í þessi mál, efast um, að það sé sanngjarnt, að ríkissjóður greiði allan kostnað af þeim framkvæmdum, sem nauðsynlegar eru á vatnasvæðinu.

Það má með réttu benda á það, að hér er ekki einungis um það að ræða að bjarga stóru landsvæði undan vatni og eyðileggingu, heldur er hér einnig um samgöngumál að ræða, enda vitað mál, að notin að Markarfljótsbrúnni væru engin, ef vatnið fengi að renna óhindrað og enginn varnargarður væri byggður.

Það er því, eins og áður hefur verið bent á, ekki einungis héraðsmál (fyrirhleðslan og öll mannvirki í sambandi við hana), heldur miklu fremur samgöngumál, sem varðar samgöngukerfi landsins og fleiri héruð. Fáist lögunum frá 1932 ekki breytt eins og þetta frumvarp fer fram á, má fullyrða, að á Rangæinga er lagður sá skattur, sem þeir vart fá undir risið, enda hefur sýslusjóður þegar fengið að kenna á því, hvað slíkar greiðslur gilda.

Flutningsm. frumvarpsins mun rökstyðja frekar í framsögu ástæðuna fyrir því, að frumvarp þetta er flutt, og sanna þeim, sem ókunnugir eru þessum málum, að það er aðeins sanngjarnt og sjálfsagt, að ríkissjóður taki að sér að greiða þann hluta kostnaðarins, sem Rangæingum var ætlað að standa straum af og hlýtur að verða einu sýslufélagi þungur baggi, en aðeins smámunir fyrir ríkissjóðinn.

## Nd. 8. Frumvarp til laga

um breyting á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Flm.: Gísli Sveinsson.

Á eftir A. 11. í 2. gr. laganna koma nýir liðir:

a. *Álftaversvegur:* Frá Suðurlandsvegi við Skálmarbrú á Mýrdalssandi að Þykkvabæjarklaustri í Álftaveri.
b. *Meðallands- og Landbrotsvegur:* Frá Meðallandsvegi við Langholt yfir Eldvatnsbrú og upp Landbrot austanvert að Suðurlandsvegi (Síðuvegi) við Skaftárbrú.
c. *Búlandsvegur:* Frá Suðurlandsvegi (Skaftártunguvegi) við Tungufljótsbrú að Búlandi.

Greinargerð.

Breytingar þær á vegalögum, sem í þessu frv. eru ráðgerðar, eru að miklu leyti aðkallandi vegna þeirra ráðstafana og framkvæmda, sem undanfarið hafa verið ákvarðaðar og nú er verið að gera í samgöngum þessara sveita. Um breytingarnar skal að öðru leyti eftirfarandi tekið fram:

Allir munu nú á einu máli um það, að Álftaver og Meðalland í Vestur-Skaftafellssýslu eiga að komast í beint akbrautarsamband við höfuðleiðina, Suðurlandsveginn, austur sýsluna. Það er nú ákveðið að því er Álftaver snertir, að fastar áætlunarferðir bifreiða (póstbílar) skulu framvegis hafa viðkomu þar í hverri ferð, eða eigi minna en vikulega að sumrinu, og er þangað stutt leið frá núverandi þjóðvegi við Skálmarbrú, er verður að gerast vel örugg. Er og nú verið að undirbúa brú á

eina vatnsfallið í byggð sveitarinnar, Hraunbæjarlæk, svo að með þessu á að vera allvel séð fyrir samgönguþörfum hennar. — Í Meðallandið er nú hafin vegagerð eftir leiðinni frá Ásabrú að Langholti, en hún var tekin í þjóðvegatölu 1936 undir nafninu Meðallandsvegur. Má og segja, að verið sé að byrja á hinni ákvörðuðu brú á Eldvatnið, sem er aðaltorfæran innan þeirrar sveitar, og því eðlilegt og sjálfsagt, að þjóðvegur haldi þar áfram, frá Langholti austur, og Landbrotið þá einnig tekið með, en þar er nú áætluð framtíðarleið með bæjum austan megin, svo að sem fyllstum notum komi, sem eigi hefur áður verið.

Loks er nokkuð sérstaklega ástatt um Búlandsveg í Skaftártungu. Honum er ætlað að liggja upp byggðina í sveitinni og tengja núverandi þjóðveg við „norðurleiðina“ eða Fjallabaksveg, milli Skaftafellssýslu og Rangárvallasýslu. Eins og kunnugt er, telst nokkur hluti þess vegar (sem allur er í tölu „fjallvega“), þ. e. úr Landsveit og austur eftir, þegar fær bifreiðum, og enginn vafi er á því, að öll leiðin verður með tímanum gerð akfær, eða svo fljótt sem kleift þykir. En er komið er til byggða austan fjalla, verður að taka við greiðfær vegur, sem eðlilegast er, að hið opinbera standi að, þótt aðrir aðilar hafi annazt um aðgerðir á honum að þessu. Er þessu og þannig farið vestan megin, þjóðvegur að efsta bæ á Landi. Mikilsvert atriði kemur hér og til mála, sem lítt hefur verið gaumgæft að þessu, sem sé að þetta hlýtur að verða þrautalendingarvegur og afkomuleið héraðsins, Skaftafellssýslu, þegar ógnir þær og eyðingar yfir dynja, er Kötlugos og jökulhlaup í sambandi við það valda, því að þá falla í rúst allar samgöngubætur, brýr og vegir sunnan jökla, þar er flóðið nær til. Stöðvast þá öll umferð á þeim slóðum og öllum flutningum ófært, þangað til allt verður aftur upp byggt, sem getur tekið ærið langan tíma. Er þá engin greið leið inn í héraðið og út úr því, meðan svo stendur, nema annaðhvort sjórinn, sem nú má kallast yfirgefinn af Skaftfellingum fyrir erfiðleika og hættu sakir, eða áður nefndur Fjallabaksvegur, sem áður en langt um líður gæti orðið alfaraleið, — ekki aðeins skemmtiferðamönnum, eins og nú er oftast, heldur einnig til nauðsynjaferða, eins og reyndar til forna tíðkaðist.

Fyrir þessum endurbótum öllum er skiljanlega áhugi mikill í héraði, enda umbætur þar að sumu leyti nú í fullum gangi. Verður því að ætla, að málið fái ákjósanlegan byr hjá ráðsmönnum landsins í þessu efni.

## Sþ. 9. Tillaga til þingsályktunar

um tilhögun flutninga á langleiðum.

Flm.: Gísli Sveinsson.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að láta hið allra fyrsta fara fram rækilega athugun á því, hvernig vöru- og nauðsynjaflutningum á langleiðum á landi verði sem bezt fyrir komið, einkanlega hvort hagkvæmara muni, að ríkið tæki slíka flutninga að sér vegna hagsmuna almennings eða ríkissjóður legði einstaklingum eða félögum beina fjárstyrki til þessa.

Greinargerð.

Tillaga áþekk þessari var borin fram á sumarþinginu síðasta, og var henni vísað til allsherjarnefndar sameinaðs Alþingis, en dagaði þar uppi eins og fleira vegna tímaskorts. Meðal þess, sem getið var í greinargerð till. og á einnig hér við, var eftirfarandi:

„Á fleirum stöðum á landi hér verður að flytja nauðsynjavörur, búsafurðir og hvað eina, alllangar leiðir eftir vegum á landi. Er nú mikil bót á þessu orðin, síðan

bifreiðar fara að ganga og eftir því sem samgöngubótum, vega- og brúargerðum miðar áfram, en það er vitaskuld aðalatriðið í þessu sambandi. Samt verða þessir flutningar tilfinnanlega dýrir, og standa héruðin óneitanlega misjafnt að vígi í þessu efni. Einstaklingarnir hafa orðið víðast hvar að bjarga sér sjálfir um þessa flutninga, eða verzlanirnar hafa um þá annazt, sem reynzt hefur upp og niður, eins og vænta má, bæði að því er snertir dýrleika og flutningakost, enda vilja ýmsir halda, að þar mætti yfirleitt betur vera. En öllu þessu verður almenningur að sæta, án þess að geta gert sér nokkra grein þess, hvort allt sé sanngjarnlega reiknað."

Og enn segir þar: „En eins og það er almennt viðurkennt og hefur verið, að þar sem yfirgripsmiklum nauðsynjafyrirtækjum, sem varða allan almenning, verður eigi af stað komið né þeim uppi haldið nema hið opinbera hafi með þær að gera — og má þar t. d. minna á póstgöngur, síma, siglingar og allar höfuðsamgöngubætur —, eins verður ávallt að gera þá kröfu, að heildin taki þar í tauma, er nauðsyn kann til að bera eða einstaklingum verður ofvaxið af einni eða annarri ástæðu.

Fyrir því er það áríðandi, að rannsakað sé, hvort eigi er nú svo komið um flutninga þá, er hér um ræðir, að þörf sé nýrrar skipulagningar í þágu þess almennings, er hlut á að máli.

Á undanförnum árum hefur oftar en einu sinni verið um það rætt, í nefndum og meðal þingmanna, hvort gerlegt væri að fara inn á beina styrkjaleið í þessum flutningamálum, og hefur þetta ávallt strandað á því, að engin leið hefur verið að gera til fulls eða sanngjarnlega upp á milli héraða, þegar á allt hefur verið litið, enda má oft segja, að eitt hérað þiggi styrk í þessari mynd, en annað í hinni."

Með alhliða rannsókn á öllum aðstæðum, eins og gert er ráð fyrir með þessari till., ætti að mega komast að öruggri niðurstöðu um það tvennt, hvað kleift er í þessum efnum af hálfu hins opinbera og hvað staðbezt muni reynast til frambúðar og til mestra hagsbóta sem flestum.

## Sþ. 10. Tillaga til þingsályktunar

um undanþágu á aðflutningstollum af efni til vatnsveitu Víkurkauptúns.

Flm.: Gísli Sveinsson.

Alþingi ályktar að heimila ríkisstjórninni að undanþiggja innflutt efni til vatnsveitu Víkurkauptúns aðflutningstollum.

Greinargerð.

Tillaga samhljóða þessari var borin fram á síðasta sumarþingi, og var henni vísað til fjárveitinganefndar, en eins og kunnugt er, vannst nefndinni enginn tími til afgreiðslu. Má ætla, að nefndin hefði viljað mæla með málinu, enda er þess vænzt, að háttv. Alþingi samþykki tillöguna. Svo hljóðandi greinargerð fylgdi till. áður, og mun hún í fullu gildi, nema hvað verðlag mun nú enn hærra en þá var:

„Stjórn vatnsveitu Víkurkauptúns í Vestur-Skaftafellssýslu hefur farið fram á það, að efni það, sem flytja þarf inn til endurbyggingar vatnsveitu í Víkurkauptúni, verði undanþegið hinum venjulegu aðflutningsgjöldum (verðtolli og vörumagnstolli), og er þessi ósk fyllilega réttmæt. Skulu nú gefnar hér nokkrar skýringar á málinu:

Árið 1939 var ráðizt í að leggja vatnsveitu til Víkurkauptúns og um þorpið, þannig að nægilegt vatn fengist fyrst og fremst til venjulegrar vatnsnotkunar og einnig til brunavarna. Til þess að fullnægja þessu, varð að nota 4 og 5 þuml. pípur fyrir allmikinn þrýsting. Með ráði verkfræðings voru keyptar trépípur til vatnsveitunnar frá Reykjavík. Veitan telst vera um 1200 m. á lengd og kostaði fullgerð nál. kr. 13000.00. Þótti þetta mikið í ráðizt í þessu litla kauptúni, þar sem ekki er teljandi atvinnu-

rekstur til þess að standa undir árlegum afborgunum og vöxtum af þessu fé, enda fasteignamat á afgjaldsskyldum eignum á þessum stað eigi hátt. Við þetta hefði þó mátt hlíta, ef efnið í vatnsveitunni hefði reynzt endingargott. En á síðast liðnu ári, eða á þriðja ári vatnsveitunnar, tekur hún að bila svo mjög, að ógerningur er að hugsa til þess að halda henni við, því að sú varð raunin á, að pípurnar eru orðnar svo fúnar, að þær þola alls ekki þann vatnsþunga, sem þeim er ætlað að bera og verður að vera, til þess að gagni komi m. a. til brunavarna.

Það ráð hefur því verið tekið, af óhjákvæmilegri nauðsyn, að afla til nýrrar og öflugri vatnsveitu fyrir kauptúnið, og hafa nú verið útvegaðar nýjar pípur frá Englandi, sem útflutningsleyfi hefur fengizt fyrir þar (Asbest sementspípur). Er þeirra von á næstunni. Hefur verið talið fyrr á þessu sumri, að þær kosti £550, eða yfir kr. 14400.00 (komið á Rvíkurhöfn), auk aðflutningsgjalda, uppskipunargjalds o. fl. Er þá eftir flutningur til Víkur, vinna við lagningu m. m. Og allt hækkar þetta ört, m. a. flutningsgjöld og vinnukaup. Kemur nú og hér til, að á gömlu vatnsveitunni hvíla enn kr. 7200.00, og mætti því reikna, að á fyrirtækinu hvíldu ef til vill upp undir 40 þús. krónur að verki loknu. Er þetta mikil fjárhagsleg byrði hinu fámenna kauptúni, en í verkið verður að ráðast.

Niðurfelling umrædds tolls munar því þennan fámenna hóp, er hér um ræðir, talsverðu til léttis aðsteðjandi erfiðleikum, en fyrir ríkissjóð er þetta vitaskuld hverfandi, svo að þess er vænzt, að háttvirtir alþingismenn snúist vel við máli þessu.“

## Nd. 11. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Helga Jónassyni og Ingólfi Jónssyni.

Framan við frvgr. kemur nýr liður:

Á eftir A. 11. í 2. gr. laga nr. 101 19. júní 1933 bætast nýir liðir:

a. *Hagabraut:* Frá vegamótum Fjallabaksvegar fyrir ofan Lýtingsstaði um Haga, Saurbæ, Stúfholt, Skammbeinsstaði á Fjallabaksveg neðan við Köldukinn.
b. *Þórsmerkurvegur:* Frá vegamótum Suðurlandsbrautar við Markarfljótsbrú að Stórumörk.
c. *Fljótsvegur:* Frá Hemlu um Akurey að Bergþórshvoli.
d. *Ásvegur:* Frá vegamótum Suðurlandsbrautar um Ás- og Háfshverfi að fyrirhuguðu brúarstæði á Hólsá.

## Nd. 12. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 71 28. nóv. 1919, um laun embættismanna.

Flm.: Sigurður Bjarnason.

1. gr.

14. gr. laganna orðist svo:

Dýralæknar hafa að byrjunarlaunum 3500 krónur, en launin hækka eftir hver 5 ár um 400, 300 og 300 kr. í þessari röð upp í 4500 kr.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, og taka dýralæknar laun samkvæmt þeim frá 1. janúar 1943.

Greinargerð.

Hér á landi eru nú starfandi 5 dýralæknar. Eru 4 þeirra embættisdýralæknar. Hafa þeir búsetu á þessum stöðum: 1 á Akureyri fyrir Norðurland, 1 á Eskifirði fyrir Austurland, 1 á Selfossi fyrir Suðurlandsundirlendið og 1 í Borgarnesi fyrir Suð-Vesturland. Í Reykjavík er svo einn praktiserandi dýralæknir.

Það er af þessu auðsætt, að einn landshluti er sérstaklega illa staddur um not af dýralækni, sem sé Vestfirðir. Bændum í þessum landshluta er með öllu ókleift að nálgast dýralækni, sem situr suður í Borgarnesi. Sú eina lausn, er til mála getur komið að fullnægi í þessum efnum fyrir Vestfirðinga, er búseta dýralæknis í landshluta þeirra sjálfum. Í frv. því, sem hér er flutt, er lagt til, að laun dýralækna séu hækkuð nokkuð. Að sú leið er farin til þess að skapa aukna möguleika fyrir Vestfirðinga til þess að fá dýralækni með búsetu á Vestfjörðum, byggist á þeirri staðreynd, að eins og kjörum dýralækna nú er háttað, hlýtur að verða örðugt fyrir afskekkt byggðarlög, þar sem samgöngur eru erfiðar á landi, að skapa dýralækni lífvænlegar tekjur. Er því hætt við, að slík byggðarlög verði út undan um afnot af dýralækni. Hefur og sú orðið raunin á um Vestfirði. Hækkun sú á byrjunarlaunum, sem hér er lögð til, nemur 1000 kr. frá því, sem nú er. Samkv. frv. þessu er lagt til, að hámarkslaun dýralækna verði 4500 kr., eða 1000 kr. hærri en nú er samkv. launalögunum.

Með þessari launahækkun eru skapaðir auknir möguleikar til þess, að landshluti eins og Vestfirðir fái dýralækni, sem hafi þar búsetu. Við annað verður heldur alls ekki unað. — Um þessa launahækkun dýralækna almennt má segja, að hún sé fjarri því að vera ósanngjörn. Dýralæknar vinna þýðingarmikið starf í þágu annars aðalatvinnuvegar þjóðarinnar. En þeir hafa unnið þau samkv. lágum töxtum og fyrir lág laun frá hinu opinbera.

Við dýralæknisnám erlendis munu nú vera tveir ungir menn. Ber nauðsyn til þess fyrir íslenzkan landbúnað að tryggja sér starfskrafta þeirra.

Í lögum um dýralækna, nr. 24 1939, er ráð fyrir því gert, að embættisdýralæknar skuli vera 6 hér á landi, en eins og áður er á drepið eru þeir nú aðeins 4. Er af því auðsætt, að breyting sú, sem hér er farið fram á til þess að tryggja bændum sem víðast á landinu aðgang að dýralækni, getur aðeins valdið ríkissjóði sáralitlum útgjaldaauka.

Aðalatriði þessa máls er það, að með því er stefnt að því að tryggja framleiðendum nauðsynlega aðstoð sérmenntaðra manna á sviði annars aðalatvinnuvegar þjóðarinnar. Frv. þetta er flutt samkv. beiðni margra bænda í Ísafjarðarsýslum.

## Ed. 13. Frumvarp til laga

um orlof.

Flm.: Guðmundur Í. Guðmundsson.

1. gr.

Lög þessi gilda um allt fólk, sem starfar í þjónustu annarra, hvort heldur einstaklinga eða hins opinbera. Undanteknir eru þó:

a. Iðnnemar, sbr. 9. gr. laga nr. 100 11. júní 1938, um iðnaðarnám.
b. Starfsmenn fiskiskipa, sem ráðnir eru eftir reglum um hrein hlutaskipti og hlutarmaður tekur þátt í útgerðarkostnaði að meira eða minna leyti. Þó skal, ef hlutarmaður óskar þess, greiða honum orlofsfé þannig, að helmingur þess sé tekinn af kaupi hans sjálfs, en hinn helminginn greiði útgerðarmaður.

2. gr.

Lög þessi rýra í engu orlofsrétt þeirra, sem samkvæmt samningi eða venju eiga eða kunna að eignast betri orlofsrétt en í lögum þessum er ákveðið.

Samningar um takmarkanir á orlofsrétti samkvæmt lögum þessum eru ógildir.

3. gr.

Sérhver, sem lög þessi ná til, hefur rétt og skyldu til orlofs ár hvert jafnmarga virka daga og hann hefur unnið marga almanaksmánuði samanlagt næsta orlofsár á undan, en orlofsár merkir í lögum þessum tímabilið frá 15. maí til 14. maí næsta ár á eftir.

Telst í þessu sambandi hálfur mánuður eða meira sem heill mánuður, en skemmri tími er ekki talinn með.

Það telst vinnutími samkvæmt þessari grein, þótt maður sé frá vinnu vegna veikinda eða slysa, meðan hann fær kaup greitt, eða hann er í orlofi.

4. gr.

Sá, sem fer í orlof, á rétt á að fá greitt sem orlofsfé 4% — fjóra af hundraði — af kaupi því, sem hann hefur borið úr býtum fyrir vinnu sína næsta orlofsár á undan.

Nú hefur maður unnið eftirvinnu, nætur- eða helgidagavinnu, og greiðist þá orlofsfé aðeins af þeirri upphæð, sem greidd hefði verið fyrir þá vinnu, ef það hefði verið dagvinna. Þó skulu farmenn fá greitt orlofsfé af eftirvinnukaupi eins og það er á hverjum tíma.

Orlofsfé greiðir sá eða þeir, sem orlofsrétthafi hefur unnið hjá á orlofsárinu, og fer greiðsla fram með orlofsmerkjum hvert skipti sem útborgun vinnulauna fer fram.

Ákvæði þetta gildir þó ekki um starfsmenn, sem eru í fastri stöðu, þegar þeir fara í orlof, og hafa unnið hjá sama vinnuveitanda samfellt næsta orlofsár á undan. Haldi þeir kaupi sínu óskertu orlofsdagana, jafnháu og þeir hefðu unnið venjulegan vinnutíma. Kaup fyrir orlofsdagana skulu þeir fá greitt næsta virkan dag áður en orlof hefst.

Nú fer maður úr fastri stöðu, og greiðir vinnuveitandi þá með orlofsmerkjum orlofsfé af kaupi því, er starfsmaðurinn vann fyrir á því orlofsári.

Starfsmaður, sem er í fastri stöðu, þegar hann fer í orlof, en hefur ekki unnið hjá sama vinnuveitanda samfellt næsta orlofsár á undan, fær greitt orlofsfé með orlofsmerkjum næsta virkan dag áður en orlof hefst, og miðast það við kaup það, er hann vann fyrir hjá núverandi vinnuveitanda á orlofsárinu.

Krafa um greiðslu orlofsfjár er forgangskrafa í dánar- eða þrotabúi vinnuveitanda til jafns við kröfur þær, sem um ræðir í 83. gr. b, 5. lið, skiptalaganna, nr. 3 12. apríl 1878.

5. gr.

Nú tekur maður ekki kaup beint frá vinnuveitanda, heldur fær kaupið greitt t. d. með þjórfé að öllu eða nokkru leyti, og skal upphæð orlofsfjár þá miðast við framtal tekna til skatts næsta ár á undan, eða áætlun skattanefndar um vinnutekjur, ef ekki var talið fram til skatts.

6. gr.

Eigi skal reikna orlofsfé af greiðslum, sem ætlaðar eru til borgunar á sérstökum kostnaði vegna starfsins, t. d. ferðakostnaði, og ekki teljast skattskyldar.

Sama gildir um áhættuþóknanir, sem greiddar eru vegna stríðshættu.

7. gr.

Nú er kaup greitt með fæði, húsnæði eða öðrum hlunnindum að öllu leyti eða einhverju, og greiðist þá orlofsfé af verðmæti þess, sem miðast við mat skattanefndar á hlunnindum þessum til tekna við síðustu ákvörðun tekjuskatts.

8. gr.

Ríkisstjórnin hlutast til um, að póststjórnin gefi út orlofsmerki og orlofsbækur á þann hátt, er fyrir er mælt í lögum þessum og reglugerð, er sett skal samkvæmt þeim.

Í reglugerðinni skal ákveðin gerð merkjanna, með hvaða upphæðum í aurum eða krónum þau skulu gefin út og hvernig sölu þeirra skuli hagað.

Orlofsmerki skulu vera til sölu og orlofsbækur til afhendingar í öllum póststöðvum, þar sem póstfrímerki eru seld.

Merkin skulu seld vinnuveitendum með ákvæðisverði og starfsmönnum afhentar ókeypis þær bækur, sem eru þeim nauðsynlegar.

Í bækurnar skal starfsmaður rita nafn sitt, stétt og heimili, um leið og bókin er afhent og í viðurvist þess, er afhendir honum bókina. Hver bók skal aðeins gilda fyrir eitt orlofsár, og skal það tilgreint fremst í bókinni, og má aðeins festa í þær orlofsmerki fyrir vinnu á því orlofsári. Í reglugerð skulu sett ákvæði um gerð bókanna og notkun, svo og um önnur atriði varðandi framkvæmd laga þessara, er þurfa þykir.

Allur kostnaður við orlofsmerki og orlofsbækur greiðist úr ríkissjóði.

Þegar kaupgreiðandi afhendir starfsmanni orlofsmerki, skal kaupgreiðandi sjálfur festa þau í orlofsbók starfsmannsins á þann hátt, er fyrir er mælt í reglugerð um orlof, og skrifa í bókina það, sem reglugerðin ákveður.

9. gr.

Orlof skal veitt í einu lagi á tímabilinu 1. júní til 15. september. Þó geta aðilar ákveðið með samkomulagi, bæði að orlofi skuli skipta og að það skuli veitt á öðrum tíma árs.

Ríkisstjórnin getur í reglugerð um orlof ákveðið, að víkja skuli frá ákvæðum þessarar greinar að því er snertir sérstakar starfsgreinar, er nauðsynlegt þykir, að aðrar reglur gildi um.

10. gr.

Nú er starfsmaður í starfi á þeim tíma, þegar hann vill fara í orlof, og ákveður vinnuveitandi þá, með a. m. k. viku fyrirvara, hvenær honum skuli veitt orlof, nema samkomulag verði um annað.

Ritar vinnuveitandi í orlofsbók starfsmanns vottorð um það, hvaða daga orlof hans skuli standa yfir.

11. gr.

Geti starfsmaður ekki vegna veikinda farið í orlof á þeim tíma, er vinnuveitandi ákveður samkv. 10. gr., skal hann sanna forföll sín með vottorði sjúkrasamlagslæknis síns, ef hann er í sjúkrasamlagi, en annars héraðslæknis. Læknisvottorð skal ritað í orlofsbók. Getur starfsmaður þá krafizt orlofs og greiðslu andvirðis orlofsmerkja á öðrum tímum en ákveðið er í 9. gr., en þó ekki síðar en svo, að orlofi hans sé lokið fyrir 31. maí næstan á eftir.

Geti starfsmaður ekki vegna veikinda farið í orlof fyrir þann tíma, á hann rétt á að fá greitt andvirði orlofsmerkja sinna, ef hann sannar veikindi sín á sama hátt og að ofan greinir.

12. gr.

Nú er maður ekki í starfi, þegar hann vill fara í orlof, eða er orðinn sjálfstæður atvinnurekandi eða hættur að starfa í þjónustu annarra af öðrum ástæðum, og skal hann þá snúa sér til oddvita, bæjar- eða borgarstjóra, þar sem hann er heimilis-

fastur, og gefa skriflega yfirlýsingu um, að hann ætli að fara í orlof tiltekna daga, en sá, sem við yfirlýsingunni tekur, ritar vottorð í orlofsbók hlutaðeigandi um, að hann hafi tekið við yfirlýsingunni, og um innihald hennar, enda sé yfirlýsingin geymd í hans vörzlum.

13. gr.

Þegar ritað hefur verið í orlofsbók vottorð samkvæmt því, sem segir í 10. og 12. gr., snýr starfsmaður sér til einhverrar póststöðvar og fær þar, hinn síðasta virka dag áður en orlof hefst eða síðar, greidda í peningum samanlagða upphæð orlofsmerkja, sem fest eru í orlofsbókina, gegn afhendingu bókarinnar með áritaðri kvittun fyrir móttöku upphæðarinnar.

Nú er orlofsbók ekki lögð fram í póststöð til innlausnar fyrir 15. september fyrir næsta orlofsár á undan, og fellur þá andvirði orlofsmerkjanna til ríkissjóðs, nema sérstök heimild sé í lögum þessum eða reglugerð samkvæmt þeim til þess að fresta innlausn bókarinnar. Þó getur ráðherra, þegar sérstaklega stendur á, veitt frest í þessu efni til loka yfirstandandi orlofsárs.

Andvirði orlofsmerkja greiðist dánarbúi manns, sé það sannað með dánarvottorði, rituðu í orlofsbók, að hann sé látinn.

14. gr.

Nú er orlofi skipt samkvæmt heimild í 9. gr. laga þessara, og skal þá stíla vottorð þau, sem um ræðir í 10. gr. og 12. gr., í samræmi við það. Verður síðan aðeins greiddur í það sinn sá hluti samanlagðrar upphæðar orlofsmerkja í orlofsbók, sem svarar til þess hluta orlofs, er vottorð ræðir um. Skal rita í orlofsbókina kvittun fyrir greiðslunni, en afhenda bókina síðan þeirri póststöð, sem greiðir eftirstöðvar orlofsmerkjanna.

15. gr.

Kröfur á hendur vinnuveitendum samkvæmt lögum þessum falla úr gildi fyrir fyrning, ef þær hafa ekki verið viðurkenndar eða lögsókn hafin innan loka næsta orlofsárs eftir að kröfurnar stofnuðust.

16. gr.

Óheimilt er manni að vinna fyrir kaupi í starfsgrein sinni meðan hann er í orlofi.

17. gr.

Framsal orlofsmerkja og flutningur orlofsmerkja milli ára er óheimill.

18. gr.

Það varðar sektum, er renna í ríkissjóð, ef:

1. Vinnuveitandi lætur starfsmann sinn ekki fá orlof eða orlofsfé samkvæmt lögum þessum, nema um ítrekað brot sé að ræða, því þá má dæma hann til varðhalds.
2. Ef vinnuveitandi gerir samning við starfsmann sinn, sem bannaður er í 2. gr. 2. mgr.
3. Ef starfsmaður brýtur ákvæði 16. og 17. gr., og skal þá jafnframt, ef brot er ítrekað, ákveða með dómi missi orlofsréttar næsta orlofsár eftir að dómur er kveðinn upp.

Mál út af brotum þessum skulu sæta meðferð almennra lögreglumála. Sökin fyrnist, ef mál er eigi höfðað áður en næsta orlofsári lýkur eftir að brot var framið.

19. gr.

Ef eigi er öðruvísi ákveðið í lögum þessum, skulu öll mál út af réttindum og skyldum samkvæmt þeim og til fullnægingar öllum kröfum í því sambandi heyra undir félagsdóm.

Greinargerð.

Frv. þetta er samið af meiri hluta milliþinganefndar, er skipuð var af félagsmálaráðuneytinu 17. okt. 1941, og var flutt á seinasta þingi af þingmönnum Alþýðuflokksins í efri deild. Vísast um frv. þetta til greinargerðar og fylgiskjala á þskj. 245 frá þinginu í sumar.

## Nd. 14. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Eysteini Jónssyni.

Aftan við frvgr. bætist:

Á eftir D. 9. í sömu grein laganna komi nýr liður:

*Stöðvarfjarðarvegur:* Frá Búðum um Hafnarnes og Stöðvarfjörð að Breiðdalsvík.

## Ed. 15. Frumvarp til laga

um breyting á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933, og lögum um breyting á þeim lögum, nr. 72 1936 og nr. 109 1940.

Flm.: Gísli Jónsson.

1. gr.

Staflið b. í XIV. tölulið laga nr. 72 23. júní 1936 skal orða svo:

*Barðastrandarvegur:* Frá Geirseyri um Kleifarheiði að Brjánslæk og þaðan póstleiðina að Kollabúðum í Þorskafirði.

2. gr.

Á eftir 12 B. í 2. gr. laga nr. 101 19. júní 1933 koma nýir stafliðir (d.—f.):

a. Frá Bíldudal um Suðurfirði að Brjánslæk.
b. Frá Bíldudal að Bakka í Dalahreppi.
c. Frá Geiradalsvegi að verzlunarstaðnum í Króksfjarðarnesi.

3. gr.

Með lögum þessum er úr gildi numinn stafliður d. í IX. tölulið laga nr. 109 14. maí 1940.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Með lögum nr. 72 23. júní 1936 er Barðastrandarvegur tekinn í þjóðvegatölu, frá Mikladalsvegi að Haga á Barðaströnd, og með lögum nr. 109 14. maí 1940 er Brjánslækjarvegur frá Haga að Brjánslæk tekinn í þjóðvegatölu. Þá er og tekinn í þjóðvegatölu vegurinn milli Bíldudals og Geirseyrar um Hálfdan og Mikladal, með lögum nr. 101 19. júní 1933. Þegar þetta var gert, höfðu ekki farið fram nákvæmar rannsóknir á vegarstæði á þessum leiðum, og með því að sterkar raddir komu frá sýslunefnd V.-Barðastrandarsýslu um það að láta Barðastrandarveginn koma inn með Patreksfirði, svo að byggðin þar gæti notið hans, var byrjað á vegarlagningunni þá leið, og er hann kominn nokkuð áleiðis inn með firðinum. Nú hafa þessar leiðir verið rannsakaðar nákvæmlega af vegamálastjóra, og hefur hann fallizt á, að réttast sé að halda áfram Barðastrandarveginum inn með Patreksfirði um

Kleifarheiði og inn Barðaströndina að Haga, en hætta við fjallleiðina frá Mikladal að Haga. Með því að vegarlagningin hefur verið þannig færð til í framkvæmd, er nauðsynlegt að samræma þetta í vegalögunum, og miðar 1. gr. frv. að því, auk þess sem hún kveður svo á, að póstleiðin frá Brjánslæk að Kollabúðum í Þorskafirði sé tekin upp í þjóðvegatölu. Á þessari leið liggja tvær sveitir alveg innilokaðar og út úr öllum samgöngum, bæði á sjó og landi, en það eru: Múlahreppur og Gufudalshreppur. Verður þessum hreppum ekki með nokkurri sanngirni neitað lengur um þessar nauðsynlegu samgöngubætur, enda horfir til stórvandræða með afkomu bænda þar, nema samgöngur komist þar í viðunandi horf hið bráðasta.

Þegar vegurinn milli Geirseyrar og Bíldudals var tekinn upp í þjóðvegatölu, var meðal annars gert ráð fyrir, að hann gæti orðið þjóðvegur fyrir Arnfirðinga til Barðastrandar og á Suðurlandsbrautina fyrirhuguðu, um Barðastrandarveg og Mikladal. Nú er þessum vegi er breytt, er óhjákvæmilegt að ætla Arnfirðingum samgönguleið til Barðastrandar inn með Suðurfjörðum og að Brjánslæk yfir fjallgarðinn þar, þar sem þeir annars yrðu að fara yfir 3 fjallgarða og meira en þrefalda vegalengd til þess að komast í samband við Barðaströndina og Suðurlandsbrautina, jafnframt því sem byggðin inn með Arnarfirði kæmist hér þá einnig í vegasamband. A.-liður 2. gr. miðar að því að samrýma þetta.

Dalahreppur er algerlega einangraður frá öllu vegakerfi, og hafnarskilyrði þar eru svo, að kaupfélagið, sem er eina verzlun hreppsbúa, á jafnan á hættu að koma hvorki frá sér vörum né að, nema í góðviðrum, og lá við t. d. á síðasta hausti, að mikill hluti kjötsins yrði ónýtur fyrir þessa einangrun sveitarinnar. B-liður 2. gr. fer fram á að bæta úr þessum erfiðleikum.

Frá Geiradalsvegi að verzlunarstaðnum í Króksfjarðarnesi er aðeins stutt vegalengd. En vegna staðhátta þarf að gera þar góðan veg á stuttum kafla, svo að unnt sé að koma bílum slysalaust að sláturhúsi bændanna og bryggju. Miðar c-liður 2. gr. að því að bæta úr þessu.

Er þess vænzt, að Alþingi meti nauðsyn þessa máls um vegabætur og samþykki frv. óbreytt.

## Nd. 16. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Pétri Ottesen.

Framan við frvgr. bætist:
Á eftir B. 3. í 2. gr. laganna koma nýir liðir:

a. *Akrafjallsvegur:* Af Akrafjallsvegi hjá Litlu-Fellsöxl fyrir Akrafjall um Klafastaði og Kúludalsá á þjóðveginn ofan við Akraneskaupstað.
b. *Melasveitarvegur:* Af Hafnarfjallsvegi hjá Skorholti um Melasveit á þjóðveginn austanvert við Höfn.
c. *Skorradalsvegur:* Af þjóðveginum hjá Ausu um Hálsa norðan Skorradalsvatns að Efstabæ.

## Nd. 17. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Skúla Guðmundssyni.

Við 1. gr. frv. bætist:
Á eftir C. 4 í 2. gr. laganna kemur nýr liður:
*Vatnsnesvegur:* Frá Hvammstanga um Hindisvík og Ósa á Vesturhópsveg.

## Sþ. 18. Tillaga til þingsályktunar

um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast fyrir Akureyrarbæ lán til aukningar Laxárvirkjuninni og raforkuveitu Akureyrar.

Flm.: Sigurður E. Hlíðar, Steingrímur Aðalsteinsson.

Ríkisstjórninni er heimilt, gegn þeim tryggingum, er hún metur gildar, að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 2½ milljón króna innlent lán fyrir Akureyrarkaupstað, til aukningar Laxárvirkjuninni og raforkuveitu Akureyrar, þó aldrei yfir 80% af stofnkostnaði aukningarinnar.

Greinargerð.

Ábyrgðarheimild sú, sem farið er fram á að fá hér samkvæmt ósk og samþykkt bæjarstjórnar Akureyrarkaupstaðar, hefur tvisvar verið flutt hér áður, á vetrarþinginu og á sumarþinginu á þessu ári, með þeirri breytingu þó, að nú er ábyrgðarupphæðin allt að 2½ milljón króna, en var áður allt að 2 milljónum króna. Þessi hækkun er talin nauðsynleg vegna þess, að verðlag hefur hækkað til muna frá því er mál þetta var flutt hér síðast.

Að öðru leyti vísast til fyrri greinargerðar um fjárreiður rafveitunnar og virkjunarinnar.

## Nd. 19. Tillaga til þingsályktunar

um fullnaðarundirbúning hafnargerðar í Bolungavík.

Flm.: Sigurður Bjarnason.

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta fram fara fullnaðarrannsókn til undirbúnings fullkominnar hafnargerðar í Bolungavík, með það fyrir augum, að þar geti þrifizt útgerð stærri báta og skipa en nú er möguleg á staðnum.

Greinargerð.

Bolungavík mun vera ein elzta verstöð á Íslandi. Þaðan hefur sjór verið sóttur allt frá landnámstíð. Og um langan aldur var Bolungavík ein stærsta verstöð landsins, en er nú meðal stærstu veiðistöðva á Vestfjörðum.

En þrátt fyrir það, að Bolungavík stendur föstum fótum í fortíð og nútíð sem verstöð, hefur sjósókn þaðan alla jafna átt við mikla örðugleika að etja. Hin ágæta lega staðarins fyrir opnu hafi við gjöfulum fiskimiðum hefur leitt af sér ótrygga lendingu og brimasama. En veruleg umbót tókst í þessum efnum með byggingu brimbrjóts, sem nú er orðinn 156 m. langur og smærri skip og bátar geta legið við, þegar kyrrt er í sjó.

Saga þessa hafnarmannvirkis verður ekki rakin hér, enda þótt hún sé hin merkilegasta. Á það er þó rétt að benda, að brimbrjótur Bolvíkinga mun vera meðal langfyrstu hafnarmannvirkja, er hafizt var handa um hér á landi. Sú staðreynd ein sannar, að auk þess, sem hagsmunir Bolvíkinga voru nátengdir þessari framkvæmd, hafði hún mikla almenna þýðingu fyrir þjóð, sem átti framtíð sína mjög undir aukinni sjósókn, en skorti víða hafnir og lendingarbætur. Kostnaður við þetta mannvirki mun nú samtals vera orðinn rúmlega ½ millj. króna. Hefur Hólshreppur lagt fram nær helming þess fjár. En enda þótt bygging brimbrjóts í Bolungavík væri stórkostlegt framfaraspor og skapaði útgerð þar á staðnum nýja möguleika, er nú svo komið, að

brýna nauðsyn ber til þess að lengra verði haldið. Þrátt fyrir þá hafnarbót, sem að brimbrjótnum er, er útgerð í Bolungavík enn þá skorinn mjög þröngur stakkur. Enn þá er þar lítt möguleg útgerð stærri báta en allt að 8—10 smálesta, þ. e. a. s. báta, sem hægt er að ráða til hlunns eftir hverja sjóferð. Má þó raunar fullyrða, að það gengur kraftaverki næst, hvernig Bolvíkingar setja stærstu báta sína upp og ofan. En slíkur setningur er nauðsynlegur vegna þess, að hvort tveggja er ókleift, að láta bátana liggja fyrir akkerum og hitt, að hafa þá bundna við brimbrjótinn. Svo mjög er þar ókyrrt í sjóinn, þegar brimar. Það, sem farið er fram á í þáltill. þessari, er það, að lokið verði undirbúningi fullkominnar hafnargerðar í Bolungavík.

Verulegur hluti nauðsynlegs undirbúnings hefur þegar farið fram, og telja verkfræðingar hafnargerð á staðnum mjög vel framkvæmanlega, t. d. verulega lengingu brimbrjótsins ásamt öðrum nauðsynlegum framkvæmdum til þess að gera trygga höfn. Ítrekaðar dýptarmælingar hafa verið gerðar og dýpkunarmöguleikar athugaðir. Framkvæmdi Axel Sveinsson, verkfræðingur, þá síðustu þeirra árið 1937. En það, sem ákvörðun verður að taka um, er það, hvernig framtíðarhöfn á staðnum verði fyrir komið, þannig að heilbrigð og nauðsynleg þróun útgerðarinnar sé ekki heft.

Fullnaðarrannsókn á öllum möguleikum verður að fara fram og niðurstöður þeirrar rannsóknar að liggja fyrir.

Það er skoðun flm., og hún er í samræmi við vilja og óskir Bolvíkinga í þessum efnum, að framtíð sjávarútvegs í Bolungavík sé undir því komin, hvernig snúizt verður við þessu máli í nánustu framtíð. Á því veltur, hvort ein elzta og stærsta verstöð landsins, við beztu fiskimið þess, á í framtíðinni að dragast aftur úr, þegar stór spor verða stigin í þróunarsögu íslenzks sjávarútvegs, eða það á að verða hlutskipti þess fólks, sem af harðfylgi hefur sótt sjó þaðan við örðugar aðstæður, að njóta í framtíðinni bættrar aðstöðu í baráttunni.

## Nd. 20. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

Flm.: Sigurður Kristjánsson.

1. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

a. Stofnfé sjóðsins er: Eignir fiskveiðasjóðs Íslands og skuldaskilasjóðs vélbátaeigenda eins og þær eru nú.

b. Tekjur sjóðsins eru:

1. Hundraðsgjald af útfluttum sjávarafurðum samkv. lögum nr. 47 19. maí 1930, um fiskveiðasjóðsgjald.
2. Útflutningsgjald af sjávarafurðum, sem ríkissjóður innheimtir samkv. lögum nr. 63 28. jan. 1935.
3. Vextir.

2. gr.

3. gr. laganna fellur niður.

3. gr.

A-liður 4. greinar laganna orðist svo:

Skipakaupa og skipabygginga. Hafi sjóðurinn ekki nægilegt fé til þess að fullnægja lánsþörfinni, skulu skip innan 150 smál. sitja fyrir lánum.

4. gr.

Aftan við 5. gr. laganna bætist ný málsgr., svo hljóðandi:

Sjóðurinn lánar aðeins gegn 1. veðrétti.

5. gr.

Í stað orðanna „4½% — fjórir og hálfur af hundraði“ í 7. gr. laganna kemur: 3% — þrír af hundraði.

6. gr.

Á eftir 7. gr. koma tvær nýjar greinar, er verða 7. og 8. gr., svo hljóðandi:

a. (7. gr.): Við fiskveiðasjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita styrki til byggingar fiskibáta innan 150 smálesta. Ríkissjóður leggur sjóði þessarar deildar 2 milljónir króna á árinu 1943, og auk þess ganga til hans frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu.

Úr sjóði þessum skal veita styrki til kaupa og byggingar nýrra skipa, sem fiskveiðasjóður veitir 1. veðréttar lán til og minni eru en 150 smálestir brúttó. Styrkur til hvers skips má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins og veitist til skipa, sem byggð eru að nokkru eða öllu leyti eftir árslok 1941.

b. (8. gr.): Útborgun lána samkv. 5. gr. laganna og styrkja samkv. næstu grein hér á undan skal haga svo, að ⅓ láns og styrks greiðist, þegar kjölur er lagður og meginhluti efnis er kominn á staðinn, ⅓, þegar skipið er byrt og þiljur lagðar og vél skipsins komin á staðinn. Lokagreiðsla fer fram, þegar skipið er fullsmíðað, virt og vátryggt.

7. gr.

Breytingar þessar skal fella inn í lög nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands, og gefa lögin síðan út svo breytt.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Fiskveiðasjóður hefur starfað í 37 ár. Á þessum árum hefur vöxtur hans orðið lítill. Allar eignir hans eru rúmar fjórar milljónir króna. Annað fé hefur sjóðurinn ekki til umráða.

Sjóðurinn hefur aldrei haft sérstaka stjórn. Útvegsbanki Íslands hefur stjórnað honum. Mönnum er tamast að hugsa sér sjóðinn sem smádeild í Útvegsbankanum. Að minnsta kosti vantar mikið á það enn, að menn skilji almennt, hvert hlutverk sjóðsins á að vera. En hlutverk hans verður að vera það að fullnægja stofnlánaþörf sjávarútvegsins.

Með frv. því, sem þessi greinargerð fylgir, eru gerðar þessar höfuðbreytingar á lögunum um fiskveiðasjóð Íslands:

1. Sjóðnum er samkv. frv. ætlað allt útflutningsgjald það af sjávarafurðum, sem ríkissjóður innheimtir til eigin þarfa, en nú fær sjóðurinn aðeins ¼ þessa útflutningsgjalds. Með þessum tekjum mundi sjóðurinn brátt rísa undir aðalhlutverki sínu, að fullnægja stofnlánabeiðnum til vélbátabyggingar.

2. Lagt er til, að 3. gr. laganna falli niður. En af því leiðir, að sjóðurinn starfar þá eingöngu með eigin fé.

Ef hins vegar yrði að því ráði horfið að láta sjóðinn nú þegar sjá fyrir stofnlánum til byggingar hinna stærstu fiskiskipa, yrði að sjálfsögðu að afla sjóðnum fjár með láni. Þeirri breytingu má koma fram, ef reynslan sýnir, að til sjóðsins verði leitað vegna slíkra stórframkvæmda.

3. Lagt er til að útlánsvextir sjóðsins verði 3% á ári.

Sjóðurinn getur vel haft útlánsvextina svona lága, ef hann starfar ekki með lánsfé. En á því er mikil nauðsyn, að vaxtakjörin séu létt, því að lán til skipabygginga, eru ekki veitt til langs tíma. Hjá fiskveiðasjóði er lengsti lánstími 15 ár. Afborganirnar leggjast því þungt á í erfiðum rekstrarárum, og mega þungar vaxtagreiðslur ekki bætast þar við.

4. Í 6. gr. er gert ráð fyrir, að í lögin bætist tvær nýjar greinar um bátabyggingarstyrki, og er ætlazt til, að ríkissjóður leggi þessum sérstaka sjóði tvær millj. króna á árinu 1943, en að sjóðurinn fái auk þess ½ af útflutningsgjaldinu.

Þetta er ekki algert nýmæli, því að styrkir til bátabygginga hafa verið veittir nokkrum sinnum. Skoðanir þeirra, sem vit hafa á, eru ekki skiptar um það, að byggingarstyrkir þessir hafi orðið til mikilla happa, þótt við nögl væru skornir.

Byggingarkostnaður vélbáta er varla undir 7—8 þús. kr. á smálest. Það verður því að afskrifa mjög ört. Þetta geta ekki aðrir en auðmenn, nema sérstakar ráðstafanir, eins og þessi sjóðsstofnun, komi til. En þá væri illa farið, ef dugandi útgerðarmenn, þótt eigi séu fésterkir, gætu ekki endurnýjað útgerð sína, án þess að hún lenti strax á fjárhagslega ótryggan grundvöll. Eða ef það ætti niður að leggjast, að efnilegir fiskimenn geti komið sér upp fleytum, án þess að gjaldþrot hangi yfir höfðum þeirra á fyrsta ári.

Enginn þarf heldur að sjá ofsjónum yfir því fé, sem hér um ræðir, því að það verður ekki tekið frá öðrum en útgerðinni sjálfri.

Til glöggvunar fer hér á eftir yfirlit um hag fiskveiðasjóðs og rekstur hans á árabilinu 1930—1942.

**Nokkrir liðir úr reikningum fiskveiðasjóðs Íslands árabilið 1930—1942.**

| | 1/8% Fiskv.-sjóðsgj. af útfl. sjávarafurðum[1]) | Lánveitingar á árinu | Tap á útlánum | Útlán í árslok | Höfuðstóll í árslok Stofnsjóður | Varasjóður |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 31. des. 1930 .. | „ | „ | „ | 368355.75 | 697856.30 | „ |
| 1931 .. | „ | 801012.00 | „ | 1082846.95 | 700791.30 | 8077.05 |
| 1932 .. | 40989.20 | 321200.00 | „ | 1215185.00 | 750670.76 | 12976.29 |
| 1933 .. | 48168.86 | 263000.00 | „ | 1290075.00 | 822517.44 | 39880.77 |
| 1934 .. | 51633.74 | 193200.00 | „ | 1357520.82 | 898302.79 | 67754.26 |
| 1935 .. | 48566.20 | 295350.00 | 1898.10 | 1565514.82 | 975159.18 | 102038.50 |
| 1936 .. | 45921.83 | 331100.00 | 1837.21 | 1723545.80 | 1042396.10 | 131174.64 |
| 1937 .. | 47077.93 | 47200.00 | 3190.40 | 1610250.80 | 1145656.87 | 163413.82 |
| 1938 .. | 57318.75 | 293050.00 | 5138.12 | 1738958.70 | 1307393.77 | 197450.85 |
| 1939 .. | 59401.07 | 503800.00 | „ | 2034901.90 | 1518077.42 | 228689.02 |
| 1940 .. | 68100.68 | 586660.00 | „ | 2211310.00 | 1954802.16 | 267313.09 |
| 1941 .. | 138441.19 | 782400.00 | „ | 2461245.00 | 3547213.42 | 313399.82 |
| 31. okt. 1942 .. | 203593.36 | 1224900.00 | „ | 3331311.80 | 4022336.84 | 313399.82 |

Aðrar aðaltekjur sjóðsins, auk vaxta á ofangreindu tímabili, hafa verið:

1. Framlag ríkissjóðs ..... kr. 1000000.00
2. Frá skuldaskilasjóði ..... — 850358.90
3. ¼ af útfl.gjaldi 1941 (½ árið), greitt á árinu 1942 ..... — 271530.06

## Nd. 21. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Jóni Sigurðssyni og Sigurði Þórðarsyni.

Aftan við frvgr. bætist:

Liður C. 9. í 2. gr. (Sauðárkróksvegur: Frá Sauðárkróki að vegamótum austan við Víðimýri) orðist þannig: *Sauðárkróksvegur:* Frá Sauðárkróki á Norðurlandsveg austan við Víðimýri að Goðdölum.

1) Fiskveiðasjóðsgjaldið kemur ári síðar í reikninga fiskveiðasjóðs en það er innheimt í ríkissjóð.

## Ed. 22. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933 og lögum um breyting á þeim lögum, nr. 72 1936 og nr. 109 1940.

Frá Þorst. Þorsteinssyni.

Framan við 1. gr. frv. bætist tveir nýir liðir:

I. Á eftir B. 8. í 2. gr. laga nr. 101 19. júní 1933 kemur nýr liður:
*Haukadalsvegur:* Frá vegamótum Vesturlandsvegar við Haukadalsá inn Haukadal að Krossi.

II. VII. liður laga nr. 109 14. maí 1940 orðist þannig.
*Klofningsvegur:* Frá Vesturlandsvegi hjá Ásgarði um Staðarfell og Skarðsstöð að Salthólmavíkurvegi hjá Tjaldanesi.

## Nd. 23. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 48 30. júní 1942, um verðlagsuppbót á laun embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins og ríkisstofnana.

Flm.: Páll Þorsteinsson.

1. gr.

Á eftir fyrri málsgrein 7. gr. laganna komi: Enn fremur á styrki þá til einstakra manna, sem veittir eru samkvæmt 13. gr. A. í fjárlögum.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Síðan stríðið hófst, hefur kaupgjald og verðlag í landinu farið síhækkandi, eins og kunnugt er. Fyrir því hafa opinberir starfsmenn fengið verðlagsuppbót á laun sín síðustu missirin.

Með lögum nr. 48 30. júní 1942 er ákveðið, að embættismenn og aðrir starfsmenn ríkisins og ríkisstofnana skuli fá verðlagsuppbót, er nemi fullri hækkun vísitölunnar, ef launin eru eigi yfir 650 kr. á mánuði.

Enn fremur greiðist samkvæmt sömu lögum verðlagsuppbót á eftirlaun og styrktarfé, sem veitt er samkv. 18. gr. fjárlaga.

Samkvæmt 13. gr. fjárlaga er nokkrum bændum, sem búa á afskekktum bæjum, sem þó eru við þjóðbraut, veittur lítils háttar styrkur til að halda uppi byggð á þeim stöðum og veita ferðamönnum gistingu. Er sá styrkur veittur sökum knýjandi nauðsynjar að halda uppi byggð á þessum stöðum.

Þar sem tilkostnaður þessara manna hefur stórhækkað, eins og allt verðlag í landinu, er óhjákvæmilegt og sjálfsagt að greiða verðlagsuppbót á styrk þann, sem hér um ræðir, eftir sömu reglum og uppbót er greidd á laun opinberra starfsmanna, enda eðlilegast, þar sem hér er um opinbera þjónustu að ræða að meira eða minna leyti. Þeirri reglu mun þó ekki hafa verið fylgt í framkvæmd enn þá. Frv. þetta mælir svo fyrir, að bændum, sem fá þennan styrk, skuli greidd verðlagsuppbót á hann, eftir sömu reglum, sem fylgt er almennt um launagreiðslur, og miðar að því að leiðrétta það ósamræmi gagnvart öðrum opinberum starfsmönnum og óréttlæti, sem ríkt hefur í framkvæmd um þetta mál.

## Nd. 24. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyting á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Páli Zóphóníassyni.

I. Við 1. gr.
1. Fyrir „laganna“ í upphafi greinarinnar komi: laga nr. 101 1933.
2. Aftan við greinina komi nýir liðir:
a. Á eftir D. 2. í lögum nr. 101 1933 komi nýr liður:
*Hafnarvegur:* Frá Stranda- og Jökulsárhliðarvegi við Bakkaá í Skeggjastaðahreppi að Hafnarkauptúni.
b. Á eftir XXIX. í lögum nr. 72 1936 komi nýr liður:
*Jökuldalsvegur:* Frá Austurlandsvegi við Gilsá í Jökuldal um Hákonarstaði og Brú að Aðalbóli.

II. Við fyrirsögnina bætist: og lögum nr. 72 23. júní 1936.

## Ed. 25. Tillaga til þingsályktunar

um skógræktarstöð í Hvammi í Dölum.

Flm.: Jónas Jónsson.

Efri deild Alþingis skorar á ríkisstjórnina að gera, í samráði við biskup landsins og skógræktarstjóra, ráðstafanir til þess, þegar næst verða prestaskipti í Hvammi í Dölum, að þá verði jörðin lögð undir skógrækt ríkisins, í því skyni, að þar verði friðað allt land fyrir ágangi búfjár og látið verða vaxið skógi. Jafnframt verði í Hvammi plöntuuppeldi fyrir Dalasýslu.

Greinargerð.

Hvammur í Dölum er í senn sögufrægur staður og kunnur fyrir náttúrufegurð og veðurmildi. Munu vera þar ein hin beztu skilyrði til skógræktar vestan lands. Þegar séra Kjartan Helgason var þar prestur, gerði hann tilraunir með að græða björk og barrviði, og sér þess enn merki. Má fullyrða, að ef hin skeifumyndaða landeign Hvamms væri fullfriðuð, mundi hún á einum mannsaldri verða fullvaxin fögrum skógi. Mundu þar verða ágæt skilyrði fyrir gróðrarstöð handa Dalamönnum. Tæplega er hugsanlegt, að skógrækt eflist í byggðum landsins, ef ekki er uppeldisstöð í hverri sýslu. Auk þess er nokkur nauðsyn að hlynna að þeim sögustað, þar sem Snorri Sturluson er í heiminn borinn. Þegar Hvammsland væri orðið samfellt skóglendi, mundi það vera heppilegur staður fyrir einhverja alþjóðlega starfsemi til eflingar andlegu lífi í landinu.

## Sþ. 26. Tillaga til þingsályktunar

um endurgreiðslu á fé þjóðleikhússjóðs.

Flm.: Jónas Jónsson.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að greiða nú þegar til þjóðleikhússjóðs allt það fé, með vöxtum og vaxtavöxtum, sem ríkissjóður hefur fengið að láni frá leikhússjóðnum síðan 1932.

## Greinargerð.

Þegar komið var að þingslitum vorið 1932, lagði þáverandi ríkisstjórn til, að Alþingi heimilaði með bráðabirgða-lagabreytingu, að ríkissjóður fengi um stundarsakir til sinna þarfa þær tekjur af skemmtanaskatti, sem lagðar höfðu verið til þjóðleikhúsbyggingar með lögum frá 1923 um skemmtanaskatt og þjóðleikhús.

Þegar þessi breyting var gerð á löggjöfinni um þjóðleikhússjóðinn, var því borið við, að ríkið væri í peningavandræðum og yrði að fá þetta fé að láni. Leikhúsið var þá orðið fokhelt, en annars ófullgert að innan og utan. Jón Þorláksson sá, að húsið mundi skemmast að utan, ef það stæði lengi óvarið, og fékk því til leiðar komið, að stjórnin skildi eftir smáupphæð til að steina húsið utan. Gerði húsameistari ríkisins þá uppgötvun þá, sem fræg er orðin, að klæða utan steypuveggi með margháttuðum íslenzkum bergtegundum.

Nú liðu nokkur ár þannig, að ríkisstjórnin tók alltaf til almannaþarfa allar tekjur leikhúsbyggingarinnar. Stóð húsið tómt og vanhirt að flestu leyti, samhliða því, að höfuðstaðurinn átti engan viðunandi samkomustað, hvorki fyrir leiksýningar, tónleika né annan þess háttar mannfagnað. Byrjaði nú að bera á minni háttar skemmdum innan húss, þó að húsið væri óvenjulega sterkbyggt og vandað.

Í fjárlögum fyrir árið 1940 var ákveðið á Alþingi, að ríkið skilaði nokkrum hluta hinna lögmæltu tekna leikhússjóðsins það ár, og yrði því fé varið til að fullgera nokkurn hluta hússins, til þess að koma þar fyrir nokkrum hluta þjóðminjasafnsins í algerlega eldtraustum húsakynnum. Var þetta hið mesta þjóðþrifamál, þar sem allar forminjar landsins voru þá geymdar undir timburþaki í miðbænum og gátu farizt á nokkrum mínútum, ef eldsvoða bar að höndum. Leit svo út um áramótin 1939—40, að hörmungasaga leikhúsbyggingarinnar færi að styttast úr þessu. En skömmu eftir að Alþingi hafði gert þessa ráðstöfun, kom nýr innflytjandi í bæinn til sögunnar og fann, að hið tóma hús gat verið gagnlegur staður, og þótti hins vegar sýnilegt, að hvorki bæjarfélagið né landið legðu mikla rækt við þessa hálfsmíðuðu stórbyggingu. Var leikhúsbyggingin um stundarsakir notuð til annarlegra hluta. Þarf húsið stórfelldra endurbóta við, þegar þar er komið málum, að byggingu þess verði lokið.

Þegar mér varð kunnugt um, að Bandaríkin mundu hafa hér setulið um stund, þótti mér uggvænt, að svo gæti farið, að herinn vildi nota það til sinna þarfa. Ég hitti þá að máli fyrsta ræðismann Bandaríkjamanna á Íslandi, Mr. Kuniholm, og fór þess á leit við hann, að Bandaríkjamenn sæktust ekki eftir leikhúsbyggingunni til sinna þarfa, vegna þess að það væri höfuðnauðsyn fyrir bæinn og landið að fá leikhúsbygginguna til sinna umráða. Ríkissjóður gæti nú goldið skuld sína til leikhússins og höfuðstaðurinn hefði aldrei haft meiri þörf en einmitt nú til að hafa þetta menntasetur til fullra afnota. Tók hann þessu vel og beitti áhrifum sínum í þá átt, sem um var beðið. Síðar tók sendiherra Bandaríkjanna sömu afstöðu.

Nú má segja, að á ríkisstjórn landsins hvíli tvenns konar skyldur í sambandi við þjóðleikhúsið. Í fyrsta lagi að endurgreiða að fullu hið lögþvingaða neyðarlán frá árunum eftir 1932, og í öðru lagi að gera ýtrustu ráðstafanir til þess að halda megi áfram aðgerð hússins, svo að það verði sem fyrst hæft til þeirrar notkunar, sem því er ætluð.

Engum getur komið til hugar, að Alþingi láti hjá líða að fela ríkisstjórninni að greiða þjóðleikhússjóðnum skyndilánið að fullu. Alþingi hefur með ráðnum hug búið til leikhússjóðinn, lagt fram dýrmæta lóð undir bygginguna og látið fullgera húsið hið ytra með þeim myndarskap, að það ber af öðrum húsum, sem þjóðin hefur látið reisa. Má segja, að nú sé hinn rétti tími til að láta hina gömlu og fremur leiðinlegu skuld við leikhússjóðinn hverfa úr sögunni.

## Sþ. 27. Tillaga til þingsályktunar

um kaup á kjarnfóðri og rannsókn á úthlutun síldarmjöls á síðastliðnu hausti.

Flm.: Páll Zóphóníasson, Skúli Guðmundsson, Sigurður Þórðarson.

Sameinað Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að gera nú þegar ráðstafanir til þess, að keypt verði og flutt til landsins nægilega mikið af kjarnfóðri til að tryggja fóðrun búpenings í landinu á þessum vetri.

Jafnframt ályktar Alþingi að kjósa fimm manna nefnd, er rannsaki til hlítar úthlutun síldarmjöls í haust, og leggi hún niðurstöður rannsóknarinnar fyrir Alþingi, ásamt tillögum um það, á hvern hátt verði bætt úr þeim misfellum, er orðið hafa á úthlutuninni.

### Greinargerð.

Það er öllum kunnugt, að á síðastliðnu sumri var færra fólk við heyskap en undanfarin ár. Ríkisstjórnin hafði ekki gert ráðstafanir til þess, að fækkað væri verkamönnum í setuliðsvinnu og við lítt þarfar húsabyggingar, eins og þó hafði verið gert ráð fyrir og ætlazt til. Vantaði því fólk til framleiðslustarfa, og varð heyfengur bænda miklu minni en undanfarin ár, einkum úthey, þar sem kaupafólk til heyvinnu var illfáanlegt. Ríkisstjórnin lagði til, að bændum væri selt síldarmjöl með sama verði og haustið 1941, og var það samþykkt af Alþingi. En mikið vantar til, að bændur hafi getað fengið allt það síldarmjöl, sem þeir hafa pantað og hafa þörf fyrir, og nú er enginn forði til af kjarnfóðri, er grípa megi til, ef vetur verður það harður, að fóður, sem til er á heimilunum, reynist ekki nægjanlegt.

Í þessu sambandi verður þess að geta, að þegar fóðagæzlulögunum var síðast breytt á Alþingi, var ætlunin sú, að Búnaðarfélag Íslands gæti seint í október ár hvert gefið ríkisstjórninni bendingar um það, hve miklu af síldarmjöli þyrfti að halda eftir óseldu í landinu, svo að nægjanlegt væri sem varaforði, ef hart yrði í ári. Um þetta hefur Búnaðarfélagið verið spurt undanfarin ár, og eftir bendingum frá því hefur verið haldið eftir óseldum 2000 til 4000 tonnum af síldarmjöli á haustnóttum og það ætlað sem varaforði. Nú er engu slíku til að dreifa. Ekkert af síldarmjöli er nú til óselt, og sá maís, sem fluttur hefur verið til landsins, hefur selzt jafnóðum, og vantar mikið á, að menn hafi fengið keypt af þeirri vöru eins og þeir hafa viljað. Allir hljóta því að sjá, að stefnt er í voða með þessu. Ef vetur yrði harður, gæti svo farið, að horfellir yrði í landinu. Það er ástæða til að minna á það, að auk þess, sem bændur kaupa og draga að sér af fóðurbæti að haustinu, er ætíð keyptur mikill fóðurbætir að vetrinum, og í hörðum vetrum hafa þessi kaup komizt upp í 5000 tonn. Af þessu er auðsætt, að það er mikið nauðsynjamál, að nú þegar sé gerð gangskör að því að kaupa og flytja til landsins fóðurbæti, sem hafa megi til vara, ef vetur verður harður. Einnig verður að taka tillit til þess, að síldarmjölinu hefur verið mjög misskipt í haust milli verzlana og einstaklinga. Sumar verzlanir hafa fengið afhent allt það síldarmjöl, er þær pöntuðu, en margar aðrar, sem þó sendu pantanir í septembermánuði, hafa aðeins fengið hluta af því, er þær báðu um. Í haust voru birtar opinberar tilkynningar í útvarpi og blöðum um að nóg væri til af fóðurmjöli í landinu. Munu því sumar verzlanir hafa afgreitt pantanir einstakra viðskiptamanna að fullu, í trausti þess, að þær gætu fengið allt það mjöl, er þær höfðu beðið um. En 20. október fengu landsmenn að vita, að ekki væri hægt að afgreiða nema hluta af því mjöli, er þeir höfðu pantað og töldu sig þurfa. Það virðist því nauðsynlegt, að rannsakað sé, hvernig síldarmjölinu hefur verið skipt milli landsmanna, og að réttur verði hlutur þeirra, sem hafa orðið afskiptir við þá úthlutun.

Þess má geta, að það hefur valdið erfiðleikum og tjóni, sérstaklega þeim bændum, sem þurfa um langan veg að sækja til verzlunar, að mikið af því mjöli, sem

verzlanirnar hafa nú fengið, fékkst ekki afgreitt og flutt frá síldarverksmiðjunum fyrr en eftir haustkauptíð.

Til nokkurrar glöggvunar á því, hvernig síldarmjölinu hefur verið skipt, er hér birt skýrsla, er sýnir, hvað nokkur kaupfélög seldu viðskiptamönnum sínum af síldarmjöli haustið 1941 og veturinn 1941—1942, hvað mikið þau sömu félög hafa fengið af síldarmjöli nú, og hvað mikið vantar til þess, að pantanir þeirra hafi verið afgreiddar að fullu.

**Síldarmjöl. Pantanir 1942.**

| | | Selt veturinn 1941-42 sekkir | Móttekið sekkir | Lofað, en óafgr. 27/11 sekkir | Vantar af pöntunum sekkir |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Kaupfél. A.-Skaftfellinga | 850 | 628 | 272 | „ |
| 2. | — Skaftfellinga | 815 | 800 | 400 | „ |
| 3. | — Þór | 1600 | 1500 | „ | 1000 |
| 4. | — Árnesinga | 5000 | 2574 | 2426 | 2000 |
| | — Árnesinga, fiskimjöl | 1200 | „ | „ | 1500 |
| 5. | — Borgfirðinga | 3000 | 5000 | 600 | „ |
| 6. | — Stykkishólms | 1300 | 1500 | 500 | „ |
| 7. | — Hvammsfjarðar | 800 | 1400 | „ | „ |
| 8. | — Ísfirðinga | 520 | 800 | „ | 200 |
| 9. | — Króksfjarðar | 351 | 467 | „ | 68 |
| 10. | — V.-Húnvetninga | 1200 | 1415 | 385 | 240 |
| 11. | — Húnvetninga | 1200 | 1384 | „ | 616 |
| 12. | — Skagfirðinga | 2000 | 1500 | „ | 2500 |
| 13. | — Eyfirðinga | 5580 | 3440 | „ | 3000 |
| | — Eyfirðinga, fiskimjöl | 1256 | 400 | „ | 1000 |
| 14. | — Þingeyinga | 2180 | 2400 | „ | 600 |
| 15. | — N.-Þingeyinga | 1338 | 1738 | 200 | „ |
| 16. | — Langnesinga | 1125 | 1320 | „ | 480 |
| 17. | — Vopnfirðinga | 905 | 1070 | „ | 430 |
| 18. | — Borgarfjarðar | 705 | 900 | „ | 100 |
| 19. | — Austfjarða | 310 | 400 | „ | 40 |
| 20. | — Héraðsbúa | 3500 | 3100 | „ | 1500 |
| 21. | — Fáskrúðsfjarðar | 280 | 200 | „ | 100 |
| 22. | — Stöðfirðinga | 370 | 520 | „ | 50 |
| 23. | — Berufjarðar | 550 | 600 | „ | „ |
| 24. | — Fram, Norðfirði | 400 | 500 | „ | 200 |
| | Alls | 38335 | 35556 | 4783 | 15624 |

Eins og skýrslan ber með sér, hafa sum kaupfélögin, sem hér eru talin, fengið allt það síldarmjöl, er þau pöntuðu. Önnur hafa ekki fengið nema nokkurn hluta af pöntunum sínum, og í heild hafa þessi félög fengið minna síldarmjöl nú en þau seldu viðskiptamönnum sínum í fyrra. Hér er því um mikið misrétti að ræða, og úr því þarf að bæta. Líklegt er, að frekari rannsókn málsins muni leiða í ljós, að mistök á úthlutun síldarmjölsins séu meiri en þau, sem hér er skýrt frá, enda hafa flutningsmenn tillögunnar aðeins aflað upplýsinga um málið frá um það bil helmingi af kaupfélögunum, en engar upplýsingar liggja fyrir frá kaupmannaverzlunum og fóðurbirgðafélögum.

Til þess er ætlazt, svo sem fyrr segir, að sérstök nefnd rannsaki þessi mál og hafi lokið rannsóknum sínum það snemma, að hún geti lagt fram niðurstöður þeirra síðar á þessu þingi. En nauðsynlegt er, að nú þegar verði gerðar ráðstafanir til innkaupa á fóðurvörum, þótt rannsókninni sé ekki lokið.

## Nd. 28. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Jóni Pálmasyni, Jóni Sigurðssyni og Sigurði Þórðarsyni.

Aftan við frvgr. bætist:
Liður C. 6. í 2. gr. (Svínvetningabraut frá Blönduósi að Svínavatni) orðist þannig:
*Svínvetningabraut:* Frá Blönduósi um Svínavatn að væntanlegri brú á Blöndu hjá Löngumýri á Norðurlandsveg norðan Svartárbrúar.

## Nd. 29. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Sigurði Bjarnasyni.

1. Fyrir „laganna“ í upphafi frvgr. komi: laga nr. 101 1933.
2. Aftan við frvgr. bætist nýr (rómv.) liður:
   Á eftir XVII. í lögum nr. 72 1936 koma nýir stafliðir:
   a. *Snæfjallastrandarvegur:* Frá Ármúla um Bæjahlíð og Snæfjallaströnd að Sandeyri.
   b. *Staðarheiðarvegur:* Frá Staðarbryggju í Grunnavík um Staðarheiði að Dynjanda.
   c. *Skorarheiðarvegur:* Frá Dynjanda um Skorarheiði í Furufjörð.
   d. *Látravegur:* Frá Heklu við Hesteyri um Hesteyrardal og Stokkadalsheiði til Látra í Aðalvík.
3. Við fyrirsögn frv. bætist: og lögum nr. 72 23. júní 1936.

## Nd. 30. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Jörundi Brynjólfssyni.

1. Framan við frumvarpsgreinina bætist nýr rómverskur liður:
   Stafliður IV. b. í lögum nr. 72 1936 orðist svo:
   *Villingaholtsvegur:* Frá Suðurlandsvegi hjá Hraungerði um Villingaholt suður með Þjórsá um Parta og Fljótshóla, Ragnheiðarstaði og Loftsstaði á Gaulverjabæjarveg.
2. Við 1. gr. Fyrir „laganna“ í upphafi greinarinnar komi: laga nr. 101 1933.
3. Við fyrirsögn frumvarpsins bætist: og laga nr. 72 23. júní 1936.

# Nd. 31. Frumvarp til laga

um virkjun Andakílsár í Borgarfjarðarsýslu.

Flm.: Pétur Ottesen, Bjarni Ásgeirsson.

1. gr.

Félaginu Andakílsárvirkjun skal heimilt að reisa og reka raforkuver við Andakílsá í Borgarfjarðarsýslu, til þess að vinna þar raforku til almenningsþarfa og leggja háspennutaugar til Akraness og Borgarness og þeirra staða annarra, er ákveðið kann að verða að leiða raforku til frá Andakílsá, svo og að gera afspennistöðvar og þau mannvirki önnur, er með þarf til þess að koma orkunni til notenda.

2. gr.

Áður en byrjað er á verkinu, skal senda atvinnumálaráðherra frumdrætti að hinum fyrirhuguðu mannvirkjum ásamt lýsingu á þeim. Getur ráðherra krafizt þeirra breytinga á fyrirhugaðri tilhögun verksins, sem nauðsynlegar kunna að þykja, að dómi sérfræðinga, vegna almenningshagsmuna.

3. gr.

Þegar félagið hefur reist raforkuver við Andakílsá og tekið hana í notkun, skal virkjunin rekin sem sjálfstætt fyrirtæki með sérstöku reikningshaldi samkvæmt reglugerð, er atvinnumálaráðherra staðfestir.

4. gr.

Raforkuverið við Andakílsá selur raforku til nota í Mýra- og Borgarfjarðarsýslum og á Akranesi. Þá roforku, sem umfram kann að verða þörf notenda á þessu svæði á hverjum tíma, er raforkuverinu skylt að láta í té öðrum byggðarlögum til almenningsnota frá stöðvarvegg orkuversins eða spennistöðvum á háspennulínum félagsins við kostnaðarverði að viðbættum 10%. Þetta verð má þó aldrei fara fram úr því, sem greitt er fyrir raforkuna í héruðunum, miðað við afhendingu á sama stað. Skal verð þetta, ef samkomulag næst eigi, ákveðið með mati samkv. 147. gr. 1. b. vatnalaganna frá 1923.

5. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt, gegn þeim tryggingum, er hún metur gildar, að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 6 milljón króna lán fyrir félagið Andakílsárvirkjun til rafvirkjunar samkvæmt lögum þessum, þar með taldar háspennulínur og afspennistöðvar.

6. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Um marga áratugi hafa íbúar Borgarfjarðarhéraðs haft virkjun Andakílsárfossa í hyggju. Fyrstu rannsóknir eru gerðar af Halldóri heitnum Guðmundssyni rafmagnsfræðingi, um 1907.

Á árunum 1920—1922 framkvæmir Steingrímur Jónsson ýtarlegar rannsóknir á virkjun fossanna og gerir kostnaðaráætlanir um 2400 hestafla orkuver, er hann áætlar á 1780000 kr. Þeirri virkjun reyndist ekki hægt að koma í framkvæmd vegna fjárhagserfiðleika, er þá voru miklir á þeim árum. Rannsóknir þessar voru birtar í tímariti V. F. Í. 1923.

Þótt virkjun kæmist þá eigi í framkvæmd, var mönnum ljós nauðsyn hennar, og náðu þá sýslurnar kaupum á vatnsréttindum fossanna árið 1930, en þau vatnsréttindi voru þá komin í eigu útlendinga.

Á kreppuárunum eftir 1930 var ókleift talið að ráðast í virkjun, en sterkur áhugi var ávallt ríkjandi fyrir því að hrinda þessu verki í framkvæmd strax og úr rættist.

Málið liggur því niðri fram að 1937. Þá gera báðar sýslunefndir Mýra- og Borgarfjarðarsýslu samþykktir um, að kostnaðaráætlanir verði gerðar að nýju um virkjun. Drógust þær rannsóknir þó enn um nær tvö ár, þar til 1939, að Árni Pálsson verkfræðingur gerir ýtarlegar áætlanir um virkjun, og er þeim lokið í ágústmánuði það ár. Er það greinargerð fyrir orkuþörf héraðanna og hentast talið að byggja fyrst um sinn háspennulínur til Akraness, Borgarness og Hvanneyrar, þar eð aðrar línur bera sig ekki að svo stöddu.

Á veitusvæði þessu búa um 2800 manns. Orkuþörf þeirra er talin 13000000 kwst. með þeim atvinnurekstri, sem nú er. Iðnaður er tiltölulega mikill, þegar miðað er við íbúatölu. Aðallega er það, auk vélarekstrar við járn- og trésmíðar, frysting kjöts, fiskjar, síldar- og fiskimjölsvinnsla og niðursuða mjólkur. Mjög þykir nú æskilegt að koma á auknum iðnaði, og þarf þá mun meiri orku en að framan getur.

Til að framleiða 13000000 kwst. er talið, að þurfi 5000 hestöfl. Það er auk þessa markmið með virkjuninni að sjá sem flestum héraðsbúum fyrir orku, og mun þá þurfa 6000—7000 hestöfl, þegar orkan nær til allra héraða Mýra- og Borgarfjarðarsýslu auk Akraness. Í því sambandi skal þess getið, að við fulla virkjun Andakílsárfossa fást 12000 hestöfl. Er af þessu ljóst, að þarna er afgangs mikið afl, sem vafalaust væri hagkvæmt að hagnýta til rafmagnsframleiðslu fyrir nærliggjandi héruð.

Af fjárhagsástæðum og vegna þeirrar dýrtíðar, sem nú ríkir, þykir þó ekki kleift að ráðast í 6000—7000 hestafla virkjun. Tiltækilegast þykir að hefja virkjun með 2400 hestöflum og fullnægja með þeim brýnustu þörfum atvinnuveganna, með hliðsjón af því, að sú virkjun geti borið sig fjárhagslega, en auka síðan virkjun eftir því, sem efni og ástæður leyfa, þar til náð er því marki að fullnægja öllum þörfum héraðsbúa. Fyrirhuguð fjárframlög af hálfu ríkisins til slíkra framkvæmda ættu að greiða götu þess í framtíðinni.

Kostnaður þessarar virkjunar er 1939 áætlaður 1673000 kr. og orkuverið talið kosta 960000 kr., en háspennukerfi, bæjarkerfi og kostnaður við sveitaveitur 716000 kr. Áætlunin um orkuverið er gerð af Árna Pálssyni verkfræðingi, en um háspennu- og bæjarkerfi af rafmagnseftirliti ríkisins. Rannsóknir leiddu í ljós, að hér er um mjög hagstæða virkjun að ræða, þegar borið er saman við aðrar virkjanir hér á landi. Á það rót sína að rekja til ágætra virkjunarskilyrða, er koma fram í mikilli fallhæð, — 51 m. á 570 metrum, samfara lítilli stíflugerð og ágætum miðlunarskilyrðum í Skorradalsvatni.

Tekjur virkjunar voru áætlaðar 254000 kr. Áætlanir voru gerðar með hliðsjón af virkjun Laxár, en þeirri virkjun var þá um það bil að verða lokið. Árni Pálsson gerði á sínum tíma allar áætlanir um Laxárvirkjunina, og reyndust þær mjög ábyggilegar. Felur sú reynsla í sér mikið öryggi um raunhæfni þeirra áætlana, sem hér um ræðir, sem einnig eru framkvæmdar af honum.

Jafnframt því sem þetta var gert voru athugaðir möguleikar á að leiða raforku frá Soginu til Akraness og Borgarness. Hafði rafmagnseftirlit ríkisins áætlað í ágúst 1939 háspennulínu til Akraness og Borgarness á 1150000 kr. með sveitaveitum til sömu staða og Andakílsárvirkjun. Með 254000 kr. árstekjum hefðu þá orðið afgangs 89000 kr. til orkukaupa.

Hér er um að ræða kaup á 8000000 kwst. eða 2400 hestöflum, en það er um ⅕ af framleiðslu og hestaflatölu Sogsvirkjunar. Það er langt frá því, að 89000 kr. séu nægar til slíkra orkukaupa og alveg óvíst, að Borgfirðingar eigi þess kost að kaupa afköst 2400 hestafla eða 6000—7000 hestafla síðar meir.

Þar eð sýnt þykir, að háspennulína frá Soginu geti ekki borið sig og héraðsbúar geta ekki ætlað öðrum að sjá þeim fyrir 6000—7000 hestöflum og virkjunarskilyrði eru hin allra ákjósanlegustu, hafa Borgfirðingar ákveðið að hefja þá virkjun Andakílsár, sem um áratugi hefur farizt fyrir vegna fjárskorts, enda er það einasta leiðin

til að útvega héraðsbúum ódýra, næga og trygga orku, og þeir óska að hafa í sínum höndum framleiðslu til sinna eigin þarfa.

Eftir að heimsstyrjöldin skall á, hefur tilboða verið leitað í vélar og annað efni til virkjunar. Bárust þau tilboð hingað í sumar og voru lögð til grundvallar við endurskoðun áætlana.

Samkvæmt síðustu áætlunum, sem gerðar eru í nóvember, nemur virkjunarkostnaður 5188000 kr., án bæjarkerfa. Heildartekjur af allri raforkusölu eru áætlaðar 680000 kr. og rekstri vel borgið með þeim tekjum.

Vegna þeirra breytinga, sem verðlag nú er undir orpið, þarf öryggis vegna ábyrgð fyrir nokkru hærri upphæð en áætlun nú gerir ráð fyrir.

Virkjun verður ekki komið á án ríkisábyrgðar. Er því farið fram á, að ríkissjóður greiði virkjuninni götu með því að veita ábyrgð. Er það sama fyrirgreiðsla sem öðrum oft hefur verið veitt, eins og t. d. við Sogsvirkjun, Laxárvirkjun o. fl., og þótt sjálfsögð og enda óhjákvæmileg.

Tilboða í vélar var leitað í nóvember 1941. Tilboðin eru gerð eftir mitt sumar, en bárust hingað um mánaðamótin sept.—okt. Þarf nú að vinda bráðan bug að því að taka afstöðu til þeirra.

Það hefði vel verið hægt að biðja um ábyrgð hjá einhverju hinna síðustu þinga, svo ábyrgðarheimildin væri fyrir hendi, er til hennar þarf að grípa, en við allan undirbúning þessa máls hefur verið lögð rík áherzla á að hafa tilboð í allar vélar og efni og miða áætlanir við þau tilboð. Því er það, að fyrst nú er farið fram á ábyrgð, er tilboðin eru fyrir hendi.

## Nd. 32. Frumvarp til laga

um heimild til þess að selja hluta úr landi jarðarinnar Viðvíkur í Skagafirði.

Flm.: Sigurður Þórðarson, Jón Sigurðsson.

Heimilt skal ríkisstjórninni að selja eiganda nýbýlisins að Kolkuósi í Skagafirði eftirtalda hluta úr landi jarðarinnar Viðvíkur:

a. Þann hluta beitilands, sem Viðvík á neðan Ásgarðslands, ca. 155 ha. að stærð.
b. Elínarhólma.

Greinargerð.

Frumvarp þetta er flutt samkvæmt beiðni eiganda og ábúanda nýbýlisins í Kolkuósi, Sigurmons Hartmannssonar.

Kolkuós er upphaflega reistur sem nýbýli úr landeignum jarðanna Viðvíkur og Ásgarðs. Af þessu landi á Viðvík ⅔ hluta, en landshluti Ásgarðs, ⅓, er nú lagður til Kolkuóss.

Með frumvarpi þessu er farið fram á, að landshluti Viðvíkur fáist keyptur til nýbýlisins. Land það, sem hér um ræðir, er ca. 55 ha. að stærð og talið dágott beitiland. Það er eingöngu nytjað frá Kolkuósi, og sakir fjarlægðar mun ekki vera hægt að hafa þess not frá Viðvík. Áður voru þar höfð beitarhús frá Viðvík, en nú eru þau löngu niður lögð, og eftir því, sem búskaparháttum er nú farið, má telja víst, að þau verði ekki endurreist, og er því skaðlaust vegna búrekstrar á Viðvík, þótt land þetta verði lagt undir Kolkuós, en Kolkuós getur aftur á móti ekki án þess verið, enda alltaf haft öll afnot þess. Sama er að segja um Elínarhólma. Hann hefur, síðan byggð hófst í Kolkuósi, verið nytjaður þaðan, og má því teljast sjálfsagt, að hann verði lagður undir það býli.

Í Kolkuósi voru byggð verzlunarhús og þar rekin verzlun af föður núverandi ábúanda. Nú er allri verzlun þar hætt, og hefur bóndinn þar, Sigurmon Hartmanns-

son, komið þar upp mjög myndarlegu nýbýli og stundar prýðilegan búskap. Hann er samkvæmt áður sögðu í þörf fyrir þetta land, sem hér um ræðir, að selt verði frá Viðvík, en heimajörðin hefur enga möguleika til þess að nota það. Það sýnist því sjálfsagt, að þessi sala verði heimiluð.

Hér fer á eftir bréf frá nýbýlastjórn ríkisins ásamt bréfi ábúanda Kolkuóss um þetta málefni, og mælir nýbýlastjórn með því, að land það, er þetta frumvarp ræðir um, verði heimilað til sölu.

**Fylgiskjal I.**

NÝBÝLASTJÓRN RÍKISINS

Reykjavík, 25. nóv. 1942.

Sigurmon bóndi Hartmannsson í Kolkuósi í Skagafirði hefur sent nýbýlastjórn ríkisins bréf, sem vér sendum yður hér með í afriti, þar sem hann óskar aðstoðar nýbýlastjórnarinnar til þess að Kolkuós fái aukið landrými frá því, sem nú er, úr kirkjujörðinni Viðvík.

Eins og fram er tekið í bréfi Sigurmons Hartmannssonar, er Kolkuós upphaflega reistur sem nýbýli í sameiginlegu landi Viðvíkur og Ásgarðs. Af þessu landi á Viðvík ⅔ hluta, en Ásgarður eða Kolkuós ⅓ hluta.

Það land, sem Sigurmon Hartmannsson óskar eftir að fá keypt frá Viðvík, er það, sem nú skal greina:

1. Þeir ⅔ hlutar, sem Viðvík á neðan Ásgarðslands af hinu sameiginlega landi Viðvíkur og Kolkuóss. Land þetta mun vera um 155 ha. að stærð, melar með dágóðu beitilandi á milli. Þá er og túnið í Kolkuósi ræktað í þessu landi.
2. Elínarhólmi, sem liggur örskammt undan landi í Kolkuósi. Þar er dálítið æðarvarp. Hólminn hefur um langan tíma verið nytjaður frá Kolkuósi. Hafa ábúendur Viðvíkur leigt Kolkuósbónda hólmann fyrir ákveðið árlegt gjald.
3. Engjastykki ofan við Ásgarð á mörkum Viðvíkur- og Ásgarðslands að stærð 4–5 ha.

Nýbýlastjórn ríkisins hefur á fundi sínum í gær tekið mál þetta til meðferðar og vill láta í té svo hljóðandi álit sitt um áðurnefnt erindi Sigurmons Hartmannssonar:

1. **Hið sameiginlega land Viðvíkur og Kolkuóss.** Þar sem land þetta er því nær eingöngu nytjað frá Kolkuósi og ekki virðist ástæða til þess að ætla, að Viðvík hafi þörf fyrir það framvegis, vill nýbýlanefnd mæla með því, að Kolkuós fái þetta land keypt.
2. **Elínarhólmi.** Nýbýlastjórn getur fyrir sitt leyti fallizt á, að Kolkuóseigandi fái hólmann keyptan, þar sem reynslan hefur leitt í ljós, að varp þar verður aldrei nytjað frá annarri jörð en Kolkuósi, og má því teljast eðlilegt, að hólminn verði lagður undir það býli.
3. **4—5 ha. engjastykki úr Viðvíkurengjum.** Þar sem umrætt engjastykki er ekki áfast Kolkuóslandi, verður að telja óeðlilegt, að það sé lagt til Kolkuóss. Nýbýlastjórn mælir þess vegna gegn því, að Kolkuóseigandi fái þessa engjaspildu keypta.

Sigurmon Hartmannsson óskaði eftir, að álitsgerð nýbýlastjórnarinnar varðandi þetta mál yrði send þingmönnum Skagfirðinga, og gerum vér það hér með.

Virðingarfyllst.

F. h. nýbýlastjórnar ríkisins.

Steingr. Steinþórsson.

Til alþingismanna Skagfirðinga,
herra Sigurðar Þórðarsonar og herra Jóns Sigurðssonar,
**Alþingi.**

**Fylgiskjal II.**

Kolkuósi, 15. júlí 1942

Nýbýlastjórn ríkisins, Reykjavík.

Hér á Kolkuósi hefur verið örlítil ræktun undanfarið og ekki verið hér sérstaklega metið til býlis fyrr en með síðasta mati.

Býlið er byggt á óskiptu landi Ásgarðs og Viðvíkur, og hef ég einnig fengið til þess blett af Brimneslandi.

Landshluti Ásgarðs hefur þegar verið lagður út til býlisins, en hluti Viðvíkur (sem er úr landinu óskiptu) er tilheyrandi heimajörðinni Viðvík (sem er þjóðjörð). Allt þetta land, sem Viðvík á hér við Kolkuós, er það langt frá heimajörðinni, að þess hefur hún engin not, þar sem landareign Ásgarðs er þar milli liggjandi.

Ég vil mælast til, að háttvirt nýbýlastjórn hlutist til um, að hér geti orðið lífvænlegt býli, þó ekki sæki ég um fjárhagslegan stuðning til þess.

Hús eru hér nægileg, og því aðeins landið er býlinu nauðsynlegt, sem ég vildi sameina til þess. Þar sem hér er byggt í upphafi með annað fyrir augum en rekstur landbúnaðar, krefst býlið nú nýs lands, er breytt er um atvinnuháttu. Hér við Kolkuós er enginn engjablettur, og er því nauðsyn á einhverjum ofurlitlum bletti, er Viðvík gæti látið af hendi, sér að skaðlausu, við Ásgarðsengi.

Ég óska því eftir, að býlinu verði séð fyrir, annaðhvort fyrir verð eða gegn leigu: Land það, sem Viðvík á sameiginlega við Ásgarð upp með Kolku, Elínarhólma og túnblett í Kolkuósi, og 4—5 hektara stóran engjablett við Ásgarðsengi.

Að þessu fengnu tel ég Kolkuós fulllífvænlegt býli, og vænti ég, að nýbýlastjórn vilji stuðla til þess.

Virðingarfyllst.

Sigurmon Hartmannsson

## Ed. 33. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 93 25. sept. 1942, um að reisa nýjar síldarverksmiðjur.

Flm.: Ingvar Pálmason.

**1. gr.**

Aftan við síðustu málsgrein 1. gr. laganna bætist: Er öðrum óheimilt að reisa slíka verksmiðju, nema leyfi Alþingis komi til.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Með lögum frá síðasta Alþingi var ákveðið, að ríkið láti reisa nýjar síldarverksmiðjur, er unnið geti úr samtals 39 þús. málum síldar á sólarhring. Í því sambandi var í sömu lögum enn fremur ákveðið, að ríkið láti reisa verksmiðju til herzlu síldarlýsis, þegar rannsóknir sýna, að það sé tímabært.

Þar sem ríkið hefur á þennan hátt ákveðið að annast framkvæmdir á þessu sviði, þykir eðlilegt, að gerðar séu ráðstafanir til að koma í veg fyrir, að aðrir hefji undirbúning, sem komið gæti í bága við fyrirætlanir ríkisins.

## Nd. 34. Tillaga til þingsályktunar

um dýpkunarskip ríkisins.

Flm.: Gísli Guðmundsson, Skúli Guðmundsson.

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að athuga möguleika á því, að ríkið eignist dýpkunarskip og önnur dýpkunartæki, er flytja megi milli hafna, þar sem dýpkunar er þörf. Athugun sé lokið svo snemma, að niðurstaða verði lögð fyrir Alþingi á þessum vetri.

Greinargerð.

Til þess að hafnargerðir og hafnarbætur komi að notum, hagar víða svo til, að hafnardýpkun er nauðsynleg, og sums staðar má búast við, að dýpkun þurfi að endurtaka öðru hverju, svo höfn haldist nothæf. Má því álíta, að verkefni sé ærið fyrir dýpkunarskip og dýpkunartæki í eigu ríkisins, enda nauðsynlegt, að séð verði fyrir svo fullkomnum útbúnaði til þessara framkvæmda sem tök eru á.

## Sþ. 35. Tillaga til þingsályktunar

um milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum.

Flm.: Eysteinn Jónsson, Bernharð Stefánsson, Gísli Guðmundsson, Skúli Guðmundsson, Ingvar Pálmason.

Alþingi ályktar að kjósa fimm manna milliþinganefnd, er endurskoði og geri tillögur um löggjöf, er sjávarútveginn varðar, og athugi, á hvern hátt stuðningi ríkisins við þann atvinnuveg verði heppilegast fyrir komið. Nefndin skal m. a. taka til athugunar félagsmál útvegsmanna, verzlunarmál þeirra, bæði kaup á nauðsynjum til rekstrarins og sölu afurðanna, möguleika til aukinnar vinnslu á afurðum sjávarútvegsins, starfsemi fiskimálanefndar og fiskimálasjóðs, hvernig bezt verði fullnægt lánaþörf útvegsins og tryggingarmál útgerðarinnar. Enn fremur hvernig heppilegast verði fyrir komið stuðningi við endurnýjun fiskiflotans, byggingu og viðgerð báta og skipa hér á landi og útvegun á vélum til þeirra, ásamt því, hvar mest sé þörf fyrir hafnargerðir og lendingarbætur vegna fiskveiðanna.

Nefndin leiti tillagna og aðstoðar Fiskifélags Íslands. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

Greinargerð.

Árið 1927 var sett milliþinganefnd í landbúnaðarmálum. Starfaði hún að endurskoðun löggjafar um landbúnaðarmálefni og gerði tillögur um ýmis mál, er þann atvinnuveg varða. T. d. var núverandi ábúðarlöggjöf byggð á tillögum hennar. Sams konar nefnd hefur aldrei verið sett til að framkvæma almenna athugun á málefnum sjávarútvegsins. Afskipti löggjafarvaldsins af sjávarútvegsmálum hafa hins vegar hingað til einkum beinzt að því að leysa til bráðabirgða einstök vandamál, sem borið hefur að höndum, sbr. lögin um skuldaskilasjóð vélbátaeigenda, gengisbreytinguna 1939 o. fl. Flm. þessarar tillögu telja nauðsynlegt, að löggjafarvaldið taki sjávarútvegsmálin til víðtækari meðferðar og þá einkum afskipti og stuðning ríkisins við þau mál. Er það álit flm., að slíkt verði naumast gert án athugunar í milliþinganefnd.

Í tillögunni sjálfri er í nokkrum aðalatriðum gerð grein fyrir þeim verkefnum, er flm. hugsa sér, að nefndin taki til meðferðar. Eru þar í fyrsta lagi nefnd félags-

mál útgerðarinnar. Til er gamall félagsskapur áhugamanna í sjávarútvegsmálum, Fiskifélag Íslands, og hefur það félag notið styrks úr ríkissjóði. Nýlega hefur verið stofnað annað félag á þessu sviði, Landssamband útgerðarmanna. Þá er og starfandi Félag ísl. botnvörpuskipaeigenda og félög smærri útvegsmanna í sumum verstöðvum. Væri athugunarefni, hvort ekki mundi heppilegt að gera Fiskifélagið að sams konar allsherjarfélagsskap sjávarútvegsins og Búnaðarfélag Íslands er fyrir landbúnaðinn. Ef horfið yrði að því ráði, virðist eðlilegt, að Fiskifélaginu væri falin svipuð umsjón og framkvæmd í sjávarútvegsmálum og Búnaðarfélagið hefur nú í landbúnaðarmálum.

Nátengd því viðfangsefni, sem hér hefur verið nefnt, eru verzlunar- og iðnaðarmál útvegsins, útvegun útgerðarvara, afurðavinnsla og afurðasala. Undanfarið hafa verið uppi ýmsar tillögur um það, á hvern hátt tryggja megi á hagkvæmastan hátt nægar beitubirgðir fyrir fiskiflotann allt árið. Er þetta óleyst mál víða á landinu og athugunarefni. Innkaup útgerðarinnar á olíu, salti og veiðarfærum mætti og eflaust færa í betra horf, og kemur þá einkum til athugunar víðtækari félagsskapur en nú er um útvegun þessara nauðsynja og veiðarfæraiðnaðurinn í landinu, enda sé hann samkeppnisfær við erlenda framleiðslu. Þá eru athugunarefnin sízt færri í sambandi við afurðasölu sjávarútvegsins. Þarf m. a. að athuga, hvað gera megi til að auka sölu hinna nýju útflutningsvara, svo sem freðfisks og ýmiss konar niðursuðuvara. Hagnýting sjávaraflans er enn engan veginn svo fullkomin sem skyldi, en mikið er undir því komið, að allt verðmæti þess, sem aflast, sé gert að söluhæfri vöru, svo sem tíðkast með þeim þjóðum, sem lengst eru komnar í hagnýtingu hráefna. Iðnaðarframleiðsla úr sjávarafurðum hefur farið mjög vaxandi á síðari árum og þá aðallega síldariðnaður. Niðursuðuverksmiðjur hafa verið reistar og hraðfrystihús með styrk af opinberu fé, og er athugunarefni fyrir nefndina, hvernig haga beri stuðningi við slíka starfsemi í framtíðinni og hverjir séu vaxtarmöguleikar hennar og fiskiðnaðarins yfirleitt. Þarf nefndin í því sambandi að gera sér grein fyrir þeim árangri, sem náðst hefur með lögunum um fiskimálanefnd og stofnun fiskimálasjóðs.

Komið var á fót fyrir alllöngu sérstakri lánsstofnun fyrir sjávarútveginn, Fiskveiðasjóði Íslands. Hefur lánsstofnun þessi verið efld talsvert á síðari árum og ætlazt til, að hún annist stofnlán til vélbátaflotans og smærri iðnaðarfyrirtækja í þágu sjávarútvegsins. Það er athugunarefni, ekki sízt á þeim tímum, sem nú eru, hvað hæfilegt sé, að stofnlán þessi nemi miklum hluta kostnaðarverðs. M. a. hafa komið fram tillögur um, að út á skip, sem rekin væru með sérstöku fyrirkomulagi, mætti veita hærri stofnlán en almennt gerist. Taka þarf til athugunar, hvernig bezt verði fullnægt allri stofnlánaþörf útvegsins og hvernig haga beri rekstrarlánum til útgerðar.

Þá eru tryggingarmál útgerðarinnar. Sett hafa verið lög um vátryggingarfélög fyrir vélbáta og Samábyrgð Íslands á fiskiskipum. Útgerðarmenn munu hafa ýmsar tillögur um endurbætur á þeirri löggjöf, og líka þarf að athuga möguleika til innlendrar tryggingar allra fiskiskipa, stærri og smærri.

Á undanförnum árum hafa verið til meðferðar á þingi tillögur um jöfnunarsjóð aflahluta, í þeim tilgangi að tryggja fiskimönnum viðunandi hlut, þegar illa árar. Það mál var fyrir nokkru falið ríkisstjórninni til undirbúnings, en sá undirbúningur hefur enn eigi fram farið, og athugun þess máls ætti því að vera eitt af verkefnum nefndarinnar.

Endurnýjun fiskiflotans er eitt af stærstu viðfangsefnum næstu ára, og þarf að athuga, á hvern hátt ríkið á að styðja það. Smíði báta og smærri skipa, svo og skipaviðgerðir, hafa farið mjög í vöxt hér á landi í seinni tíð. En stefna þarf að því, að a. m. k. smíði allra fiskiskipa og allar skipaviðgerðir geti farið fram hér á landi. Er þá mikilsvert, að útbúnaður allur, aðstaða og tæki sé sem fullkomnast og eigi lakara en gerist í öðrum löndum, svo að Íslendingar geti orðið samkeppnisfærir við aðra á þessu sviði. Þarf að taka til athugunar, hvernig bezt megi stuðla að því af hálfu hins opinbera, að svo megi verða. Í þessu sambandi verður að minna á það, sem er mörgum útvegsmönnum áhyggjuefni, að innflutningur véla til fiskiskipa er nú eftirlits-

laus, og vélategundirnar, sem inn eru fluttar, fleiri og misjafnari að gæðum en heppilegt er. Fyrir nokkrum árum komu fram á Alþingi tillögur um ríkiseinkasölu á mótorvélum, í því skyni að bæta úr nefndum ágöllum, og einnig er nokkur áhugi fyrir því að hefja smíði mótorvéla hér á landi. Er til þess ætlazt, að nefndin taki þessi mál til athugunar.

Eins og kunnugt er, leitar talsverður hluti vélbátaflotans á sumum tímum árs frá heimahöfnum sínum til annarra verstöðva, og mun þetta fremur fara vaxandi. Til þess að slíkar ferðir beri æskilegan árangur, þarf að vinna að því að bæta aðstöðu bátanna í þeim verstöðvum, sem hér koma helzt til greina. Þarf að athuga, hvern þátt ríkið á að eiga í nauðsynlegum framkvæmdum á slíkum stöðum og hverjar verstöðvar eru hentugastar með þetta fyrir augum. Komið gæti til mála, að hið opinbera þyrfti að tryggja sér lönd á þessum stöðum, til að koma í veg fyrir óþarfa verðhækkun þeirra.

Sjálfsagt virðist, að nefndin njóti við störf sín aðstoðar Fiskifélags Íslands. Til þess er ætlazt, að nefndin hraði störfum svo sem unnt er, og er þess vænzt, að hún geti skilað áliti, a. m. k. um einstaka þætti þessara mála, svo tímanlega, að næsta Alþingi geti tekið það til meðferðar.

## Ed. 36. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933, og l. um breyt. á þeim lögum, nr. 72 1936 og nr. 109 1940.

Flm.: Bernharð Stefánsson.

Aftan við 2. gr. frv. kemur ný gr., svo hljóðandi (og breytist greinatala samkv. því):

a. XX. liður í lögum nr. 101 1933 orðist svo:
*Laugalandsvegur:* Frá Norðurlandsvegi hjá Kaupangi að Laugalandsskóla og þaðan að Eyjafjarðarárbrú hjá Möðruvöllum.
b. Við XIV. a. í lögum nr. 109 1940 (Hörgárdalsvegur) bætist: og frá Hörgárbrú á Helguhyl um Hörgárdal, vestan Hörgár, að vegamótum hjá Möðruvöllum.
c. Við XXI. a. í lögum nr. 101 19. júní 1933 (Svarfaðardalsvegur) bætist: og frá vegamótum hjá Hreiðarsstöðum yfir brýr á Svarfaðardalsá og Skíðadalsá um Svarfaðardal, austan Svarfaðardalsár, að Dalvíkurvegi hjá Hrísum.

## Nd. 37. Frumvarp til laga

um virkjun Gönguskarðsár í Skagafirði.

Flm.: Jón Sigurðsson, Sigurður Þórðarson.

1. gr.

Sauðárkrókshreppi og Skagafjarðarsýslu heimilast að reisa og reka raforkustöð á Sauðárkróki með vatnsorku frá Gönguskarðsá, til þess að vinna þar raforku til almenningsþarfa, og leggja háspennutaugar fram héraðið að Varmahlíð, svo og að gera afspennistöðvar og þau mannvirki önnur, er með þarf til þess að koma orkunni til notenda.

2. gr.

Áður en byrjað er á verkinu, skal senda atvinnumálaráðherra frumdrætti að hinum fyrirhuguðu mannvirkjum ásamt lýsingu á þeim. Getur ráðherra krafizt

þeirra breytinga á fyrirhugaðri tilhögun verksins, sem nauðsynlegar kunna að þykja, að dómi sérfræðinga, vegna almenningshagsmuna.

3. gr.

Þegar Sauðárkrókshreppur og Skagafjarðarsýsla hafa reist orkuverið á Sauðárkróki og tekið það í notkun, skal virkjunin rekin sem sjálfstætt fyrirtæki með sérstöku reikningshaldi, samkvæmt reglugerð, er atvinnumálaráðherra staðfestir.

4. gr.

Raforkuverið á Sauðárkróki selur raforku til nota í kauptúninu og frá fyrirhugaðri háspennulínu til Varmahlíðar. Þá raforku, sem umfram kann að verða þörf notenda á þessu svæði á hverjum tíma, er raforkuverinu skylt að láta í té öðrum byggðarlögum til almenningsnota frá stöðvarvegg orkuversins eða háspennulínum til Varmahlíðar, við kostnaðarverði að viðbættum 10%. Þetta verð má þó aldrei fara fram úr því, sem greitt er fyrir raforkuna á Sauðárkróki, miðað við afhendingu á sama stað. Skal verð þetta, ef samkomulag næst eigi, ákveðið með mati samkvæmt 147. gr. 1. b. vatnalaganna frá 1923.

5. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt, gegn þeim tryggingum, er hún metur gildar, að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að tveggja milljón króna lán fyrir Sauðárkrókshrepp og Skagafjarðarsýslu til rafvirkjunar samkvæmt lögum þessum, þar með taldar háspennulínur og afspennistöðvar.

6. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Fyrir allmörgum árum réðst hreppsnefnd Sauðárkrókshrepps í að reisa raforkustöð við Sauðána, sem er lítil á innan við kauptúnið. Forráðamenn bæjarins hugðu, að rafveita þessi mundi nægja íbúum kauptúnsins um nokkurt árabil til ljósa og eitthvað til suðu og iðnrekstrar. Það kom þó fljótlega í ljós, að rafveitan var ófullnægjandi sérstaklega á vetrum, þegar vatnsrennsli árinnar var lítið og ljósanotkun mikil. Nú er svo komið, að stórmikið vantar til, að stöðin fullnægi ljósaþörf íbúa kaupstaðarins, hvað þá meira.

„Á þessu tímabili, sem rafveitan hefur starfað, hefur íbúum kauptúnsins fjölgað talsvert (eru nú um 1000), iðnaður hefur risið upp og fer vaxandi, sem krefst raforku. Reist hafa verið frystihús og hraðfrystihús, mjólkurvinnslustöð, byggð höfn með tilheyrandi mannvirkjum o. fl., er allt þarfnast stóraukins rafmagns. Auk þess hefur verið ákveðið, að síldarbræðslustöð yrði reist á Eyrinni norðan við kauptúnið, sem er mjög þýðingarmikið bæði fyrir Sauðárkrók og héraðið í heild, en í byggingu hennar verður tæplega ráðizt fyrr en kostur er á nægu rafmagni til vélarekstrar og annarra þarfa verksmiðjunnar. Allir forráðamenn kauptúnsins og aðrir, er bezt þekkja til, eru þess vegna sammála um, að afkoma og framtíð kauptúnsins og íbúa þess velti mjög mikið á, að bætt verði úr rafmagnsþörf kauptúnsins og á heppilegri lausn þess máls.

Byggðarlögin inn frá Sauðárkróki, meðfram Sauðárkróksbraut til Varmahlíðar, eru ein hin þéttbýlustu í héraðinu, auk þess liggja bæirnir yfirleitt mjög haganlega til lagningar háspennulínu og dreifingar rafmagnsins, eru t. d. víða í hverfum, þ. e. fleiri bæir saman. Þarna er allmikil ræktun, víða góð engjalönd og mikil framleiðsla.

Þessi byggðarlög eru illa sett að því leyti, að ár eða lækir eru þar engir nothæfir til heimilisvirkjunar, svo að bændum er fyrirmunað að fá rafmagn að þeim leiðum.

Í Varmahlíð er að rísa upp alþýðuskóli, er þarf á allmiklu rafmagni að halda,

er fram líða stundir, og verður ríkið að kosta þar að miklu leyti sérstaka rafstöð, ef þörfum skólans verður ekki fullnægt á annan hátt.

Mikill og almennur áhugi er fyrir því í þessum byggðarlögum, eins og víða í héraðinu, að fá rafmagn til heimilisþarfa. Um þörf sveitanna fyrir rafmagn þarf ekki að fjölyrða, reynslan hefur ótvírætt skorið úr því fyrir löngu.

Af því, sem hér er sagt, ætti mönnum að verða ljóst, hver knýjandi nauðsyn er á, að Sauðárkrókskauptún og nærsveitir þess geti fengið nauðsynlegt rafmagn. Í Skagafirði eru ekki til fallvötn á borð við Sogið eða Laxá í Þingeyjarsýslu, er hafa næga vatnsorku fyrir héraðið. Á undanförnum árum hefur farið fram rannsókn á, hvar heppilegust skilyrði væru til virkjunar fyrir Sauðárkrók og héraðið. Athygli manna hefur aðallega beinzt að tveim stöðum, Gönguskarðsá, er fellur til sjávar örskammt fyrir norðan kauptúnið, og Reykjafossi, sem er nokkuð fyrir innan Varmahlíð. Talið er, að á hvorum staðnum fáist 800—900 hestafla orka. Samkvæmt þessum rannsóknum og að öllu þessu athuguðu leggur Rafmagnseftirlit ríkisins til, að byrjað verði á virkjun Gönguskarðsár og aflstöðin sett í mitt kauptúnið. Jafnframt er haft í huga, að Reykjafoss verði virkjaður fyrir sveitirnar í nágrenni hans, svo fljótt sem ástæður leyfa, og háspennulínur orkuveranna tengdar saman.

Rafmagnseftirlit ríkisins vinnur nú að því að ganga til fulls frá teikningum og kostnaðaráætlun um virkjun Gönguskarðsár. Er ábyrgðarupphæðin sett samkvæmt lauslegri áætlun þess.

## Sþ. 38. Tillaga til þingsályktunar

um beitumál vélbátaútvegsins.

Flm.: Lúðvík Jósefsson.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að undirbúa, svo fljótt sem unnt er, í samráði við Fiskifélag Íslands, löggjöf um skipulagningu beitumála vélbátaútvegsins, og miði hún að því að tryggja, að ávallt sé til í landinu næg og góð beita við eðlilegu verði.

Greinargerð.

Vélbátaútgerð er aðalatvinnuvegur flestra þorpa og bæja á landinu. Alls staðar við strendur landsins eru fiskveiðar stundaðar á vélbátum, ýmist opnum og litlum bátum eða stórum og þiljuðum. Útgerð þessi er einkum línuútgerð, en frumskilyrði hennar er, að ávallt sé fyrir hendi næg og góð beita. Mjög hefur viljað bresta á, að svo væri, og oft hefur beituleysið orsakað veiðistöðvun í heilum verstöðvum og jafnvel landsfjórðungum. Slík veiðistöðvun, sem eingöngu stafar af skipulagsleysi þessara mála, er þungbær fyrir þá, sem þessa atvinnu stunda, og oft getur hún einnig bakað þjóðarheildinni tilfinnanlegt tjón. En vandræðin í beitumálum smáútvegsins hafa ekki eingöngu takmarkazt við beituvöntun, heldur hefur einnig allmikið borið á því, að sú beita, sem seld er, sé lítt nothæf eða ónothæf og eins því, að verðlagið sé í engu samræmi við gjaldþol útgerðarinnar. Augljóst dæmi um skipulagsleysi þessara mála er, að einmitt nú, eftir mesta síldveiðiárið, sem yfir landið hefur gengið, skortir allverulega beitu fyrir komandi vetrarvertíð. Og verðlag á þeirri beitu, sem fáanleg hefur verið, er svo hátt, að telja má ókleift að reka útgerð með þeirri beitu, nema landburður sé af fiski. Það getur orðið alvörumál, ef vélbátaflotinn, sem í vetur á að stunda veiðar, þarf að liggja tímunum saman óstarfhæfur vegna beituleysis eða allt of dýrrar beitu. Í sumar hefur beita víða um land verið svo dýr, að stappað hefur nærri, að útgerðin stöðvaðist af þeim sökum, og fullvíst er, að ekki hefur verið stundað af eðlilegum krafti vegna óhæfilegs beitukostnaðar.

Víða í fiskiþorpum úti um land eru engar beitugeymslur, og háir það eðlilega línuútgerðinni. Úr slíku þarf að bæta, og er rétt, að ríkið styrki félagssamtök útgerðarmanna til að koma upp beitugeymslum um leið og reynt verður að skipuleggja beitumál vélbátaútvegsins.

Öllum má vera það ljóst, að verulega breytingu verður hér á að gera. Ríkið getur ekki lengur látið þessi mál afskiptalaus og því hlýtur að bera skylda til að fá úr þessu bætt. Það eru hagsmunir þjóðarheildarinnar, að þessi atvinnugrein eins og aðrar geti gengið eðlilegan gang, og það er eðlilegt, að með löggjöf verði þýðingarmikil skipulagsmál hennar tryggð eins og ýmissa annarra atvinnugreina. Það verður að fela einhverjum aðila að fylgjast nákvæmlega með beitubirgðum á landinu á hverjum tíma og gera nauðsynlegar ráðstafanir til, að fryst verði í lok hverrar síldarvertíðar nægilega mikil síld til beitu. Einnig þarf að lögskipa, að öll beita, sem seld er, sé metin, svo tryggt sé, að beitan sé góð og ekki fylgi beitu, sem seld er eftir vigt, óeðlilega mikill klaki, eins og nú á sér mjög oft stað. Þá verður og að setja rammar skorður við okri á beitu.

Í tillögu þessari er gert ráð fyrir, að ríkisstjórnin láti semja lög, sem fái úr þessu bætt, og verði þau lög samin í samráði við Fiskifélag Íslands.

Fiskifélagið hefur margsinnis rætt þessi vandamál vélbátaútvegsins og t. d. skorað á Alþingi að setja lög um mat og sölu á beitusíld. Fiskifélaginu eru vel kunnug þessi mál, og virðist því sjálfsagt, að það leggi hönd að samningu laga hér um, enda hefur forseti Fiskifélagsins tjáð mér, að með þáltill. þessari væri stefnt í þá átt, er Fiskifél. óskaði.

## Sþ. 39. Tillaga til þingsályktunar

um flutningastyrk til hafnleysishéraða landsins.

Flm.: Sveinbjörn Högnason, Helgi Jónasson.

Sameinað Alþingi ályktar, að greiða skuli á þessu ári 200 þús. kr. í styrk úr ríkissjóði á landflutninga til hafnleysishéraða landsins.

Styrk þennan skal greiða á vöru- og afurðaflutninga á vegalengdum, sem eru yfir 80 km. frá innflutnings- eða útflutningshöfn, sölu- eða vinnslustað, og fer upphæðin eftir vegalengd og vörumagni í hverju einstöku tilfelli.

Nánari ákvæði um úthlutun styrks þessa skulu sett með reglugerð, er samin sé af fulltrúum kaupfélaga og verzlana í viðkomandi héruðum, og skal hún staðfest af ráðuneytinu.

Greinargerð.

Þingsályktunartillaga þessi var einnig flutt á sumarþinginu, en fékk þá ekki afgreiðslu. Fylgdi henni þá svo hljóðandi greinargerð:

„Flutningskostnaður með bifreiðum, þar sem um langar vegalengdir er að ræða, er að verða einn tilfinnanlegasti útgjaldaliður bænda. Allur tilkostnaður við rekstur bifreiða hefur hækkað svo gífurlega, að annað kemst þar vart í nokkurn samjöfnuð. Leiðir það af sjálfu sér, að þau héruð, sem þessi kostnaður kemur þyngst niður á, sem sé hafnleysishéruðin, verða vart samkeppnisfær við aðra landshluta um framleiðslu og lífskjör. Hins vegar ber á það að líta, að hið opinbera leggur árlega fram stórar upphæðir til að létta undir með öðrum héruðum um flutninga þeirra og aðdrætti, svo sem í margvíslegum hafnar- og lendingarbótum, styrkjum til strandferða og flóabáta, sem stöðugt er verið að hækka, og með öðrum framkvæmdum, sem styrkja flutninga á sjó beint og óbeint. Þau héruð, sem þessa verða aðnjótandi, hafa ekki hingað til gert minni kröfur um fjárframlög til vega- og samgöngubóta á landi hjá sér en hin, sem við hafnleysið búa, og verður því ekki annað séð en að hér sé

um jafnréttiskröfu að ræða, sem ekki snertir minna lífsafkomu einstaklinganna en mörg önnur svo kölluð „réttlætismál", sem hæst er talað um nú á tímum.

Upphæð sú, sem hér er farið fram á að veitt verði á þessu ári, mun sízt of há, miðað við þá aðstoð, sem öðrum er veitt í þessu efni, þótt ekki hafi unnizt tími til að reikna það nákvæmlega, en áður en fjárlög eru samin fyrir næsta ár, ætti að mega gera sér þess nokkurn veginn nákvæma grein, hvað hæfilegt er, svo að jafnréttisaðstaða náist."

## Sþ. 40. Tillaga til þingsályktunar

um undanþágu á aðflutningstollum á aðfluttu efni til rafvirkjana.

Flm.: Áki Jakobsson.

Alþingi ályktar að heimila ríkisstjórn að undanþiggja innflutt efni til rafvirkjana, sem nú er verið að reisa og reistar verða á næstunni, aðflutningstollum.

Greinargerð.

Vegna þess að nú hefur verið rýmra um erlendan gjaldeyri og lánsfé, hafa mörg sveitar- og bæjarfélög ákveðið að ráðast í virkjanir til rafmagnsframleiðslu. En eins og verðlag er nú, má búast við, að þessar framkvæmdir geti farið í allt að þrefalt verð við það, sem verið hefði fyrir stríð. Þau bæjar- og sveitarfélög taka því á sig allmikla áhættu. Að vísu má segja, að ríkissjóður tekur á sig sinn hluta af þessari áhættu, að minnsta kosti um stundarsakir, með því að veita ríkisábyrgð á virkjunarlánunum, en hann hlýtur þá jafnframt að hafa hag af því, að viðkomandi bæjar- og sveitarfélög geti sjálf staðið undir þessum virkjunum. Við stórar virkjunarframkvæmdir eru aðflutningstollar mikil upphæð, sem miklu munar fyrir viðkomandi bæjar- eða sveitarfélag að losna við að greiða. Þegar þess er líka gætt, að eins og sakir standa er ríkissjóður ekki í brýnni þörf fyrir allar tollatekjur sínar, þá ætti að vera hægt að veita þeim bæjar- og sveitarfélögum, sem eru það djörf að vilja leggja út í virkjunarframkvæmdir nú, þá aðstoð, sem gert er ráð fyrir í þáltill. þessari.

Nánar í framsögu.

## Nd. 41. Frumvarp til laga

um einkasölu á bifreiðum, bifhjólum, hjólbörðum, hjólbarðaslöngum og um úthlutun bifreiða.

Flm.: Sigurður Þórðarson, Finnur Jónsson.

### I. KAFLI
### Um einkasölu á bifreiðum o. fl.

1. gr.

Ríkið rekur verzlun, sem nefnist Bifreiðaeinkasala ríkisins. Skal hún hafa einkasölu á eftirtöldum vörum:

a. Bifreiðum alls konar og bifhjólum, hvort heldur er til mannflutninga eða vöruflutninga.
b. Bifreiða- og bifhjólabörðum (tires) ásamt tilheyrandi hjólbarðaslöngum (tiretubes).

Er því öllum öðrum en einkasölunni bannað að flytja framangreindar vörur til landsins frá gildistöku þessara laga.

2. gr.

Ríkisstjórnin leggur fram nauðsynlegt rekstrarfé til einkasölunnar, eftir því sem þykir þurfa, og er henni heimilt að taka það að láni.

3. gr.

Vörur þær, er Bifreiðaeinkasala ríkisins flytur inn samkvæmt 1. gr., selur hún yfirleitt beint til notenda. Þó skal heimilt að láta umboðsmenn annast söluna á fjarlægum stöðum, ef þörf þykir, og þá samkvæmt sérstökum samningum.

4. gr.

Einkasalan skal greiða tolla af vörum þeim, er hún flytur til landsins, svo sem lög mæla fyrir.

Af ágóða hvers árs skal leggja 15—25%, eftir ákvörðun ríkisstjórnarinnar, í varasjóð.

Ágóðinn af rekstri bifreiðaeinkasölunnar skal, að frá dregnu varasjóðstillagi, greiðast í ríkissjóð.

Af öllum ágóða hvers árs greiðir ríkissjóður bæjar- og sýslusjóðum 30%, þannig: 10% renna til bæjarsjóðs þess kaupstaðar, er einkasalan hefur aðsetur sitt í, en 20% skiptast eftir mannfjölda milli bæjarsjóða annarra kaupstaða og sýslusjóða. Skatt þennan greiðir ríkissjóður bæjar- og sýslufélögum 1. marz ár hvert af ágóða næstliðins árs.

Bifreiðaeinkasölu ríkisins ber eigi að greiða skatt samkvæmt 2. gr. laga nr. 74 4. júní 1924, um aukaútsvör ríkisstofnana.

5. gr.

Bifreiðaeinkasölu ríkisins skal heimilt að leyfa þeim mönnum, er búsettir hafa verið erlendis og átt hafa þar skrásetta bifreið eða bifhjól, kvaðalausan innflutning þessara farartækja, enda leggi þeir fram fullnægjandi skilríki fyrir búsetu og skrásetningu.

6. gr.

Ríkisstjórnin ákveður með reglugerð allt nánara skipulag einkasölunnar.

## II. KAFLI

### Um úthlutun bifreiða.

7. gr.

Kjósa skal í sameinuðu Alþingi, með hlutfallskosningu, 3 menn í nefnd, til tveggja ára í senn, og þrjá til vara, er hafi með höndum, þegar ekki er hægt að fullnægja eftirspurn, úthlutun allra bifreiða, sem fluttar eru til landsins. Eigi forstjóri Bifreiðaeinkasölu ríkisins ekki sæti í úthlutunarnefndinni, skal úthlutunarnefndin leita tillagna hans um úthlutunina, svo og um aðrar þær ákvarðanir, er nefndin kann að taka samkvæmt 10. gr.

8. gr.

Bifreiðaeinkasölu ríkisins er óheimilt að selja innanlands eða afhenda á annan hátt bifreiðar þær, er hún flytur inn, nema samþykki úthlutunarnefndarinnar komi til. Undanskildar eru þó þessu ákvæði þær bifreiðar, er einstakir menn kunna að hafa, fyrir gildistöku þessara laga, fest kaup á erlendis með samþykki fyrrverandi Bifreiðaeinkasölu ríkisins og gjaldeyris- og innflutningsnefndar.

9. gr.

Úthlutunarnefnd bifreiða skal haga úthlutun bifreiða með hliðsjón af þörf almennings og atvinnuveganna, enda skal henni heimilt að setja þau skilyrði fyrir afhendingu bifreiðanna, sem nauðsynleg verða að teljast til þess að þeim tilgangi verði

náð, þar á meðal að nefndin fái ráðstöfunarrétt á eldri bifreiðum þeirra, er fá bifreiðar sínar endurnýjaðar, og forkaupsrétt á þeim bifreiðum, sem úthlutað er, og fari verð þeirra eftir mati, ef ekki verður samkomulag.

Úthlutunarnefndin skal gefa Alþingi árlega skýrslu um störf sín. Hún skal og gefa Alþingi skýrslu um úthlutun bifreiða á árinu 1942 og þær umsóknir, er synjað hefur verið.

10. gr.

Úthlutunarnefndin skal sjálf kjósa sér formann og varaformann. Kostnaður við störf nefndarinnar greiðist af Bifreiðaeinkasölu ríkisins.

## III. KAFLI

11. gr.

Brot gegn lögum þessum varða sektum, frá 500—50000 kr., nema þyngri refsing liggi við eftir öðrum lögum. Hver sá hlutur, sem ræðir um í 1. gr. a—b og ólöglega er fluttur inn í landið, skal upptækur ger og andvirðið renna til einkasölunnar.

12. gr.

Með mál út af brotum gegn lögum þessum skal fara sem almenn lögreglumál.

13. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 30 9. janúar 1935, svo og öll önnur lög og fyrirmæli, er kunna að fara í bága við ákvæði þessara laga.

14. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Með lögum þessum er Bifreiðaeinkasala ríkisins, sem látin var hætta störfum 25. sept. 1942, endurreist. Skilanefnd hennar skal því hætta störfum þegar eftir að lög þessi hafa öðlazt gildi.

Ákvæði laga þessara um úthlutun bifreiða skulu taka til allra bifreiða, sem nú eru í eigu fyrrverandi Bifreiðaeinkasölu ríkisins, hér eða erlendis, og skal því óheimilt að ráðstafa eða láta af hendi þær bifreiðar nema eftir ákvörðun úthlutunarnefndarinnar eftir að lög þessi hafa öðlazt gildi.

Greinargerð.

Frumvarp þetta er fram komið í tilefni af þeirri ráðstöfun fjármálaráðherra að leggja niður Bifreiðaeinkasölu ríkisins og ráðstafa sjálfur þeim bifreiðum, er einkasalan hafði til sölu, þótt síðasta Alþingi hafi falið sérstakri nefnd að annast úthlutun bifreiðanna, og jafnframt, bæði með þeirri ráðstöfun og á annan hátt, ákveðið, að einkasalan skyldi halda áfram að starfa á svipuðum grundvelli og verið hafði.

Frumvarpinu, ef að lögum verður, er ætlað að tryggja endurreisn og áframhaldandi starfsemi Bifreiðaeinkasölu ríkisins og jafnframt það fyrirkomulag um úthlutun innfluttra bifreiða, er síðasta Alþingi ákvað.

Með því að vörur þær (nýjar bifreiðar og hjólbarðar), sem Bifreiðaeinkasala ríkisins annaðist um kaup á, eru nú með öllu ófáanlegar á erlendum markaði án þess að hið opinbera annist um þau kaup, og með tilvísun til þeirrar gagnrýni, sem úthlutun ráðherrans á bifreiðum hefur sætt, verður að teljast nauðsynlegt að setja lög um þessi atriði, er séu þannig úr garði gerð, að tryggt sé, að sú meðferð þessara mála, sem verið hefur nú um skeið, endurtaki sig ekki.

Með lögum nr. 30 9. jan. 1935 var ríkisstjórninni veitt heimild til þess að taka einkasölu á eftirtöldum vöruflokkum: Bifreiðum alls konar og bifhjólum, bifreiða- og bifhjólahlutum, rafvélum og rafáhöldum, svo og raflagningarefni.

Samkvæmt þessum heimildarlögum var Bifreiðaeinkasala ríkisins sett á stofn og jafnframt ákveðið, að hún ein skyldi hafa rétt til þess að flytja til landsins bifreiðar, bifhjól og hjólbarða ásamt tilheyrandi slöngum.

Einkasalan hóf starfsemi sína 1. maí 1935, samkvæmt nefndum heimildarlögum og reglugerð útgefinni 26. apríl sama ár, og hefur starfað óslitið síðan, eða þar til 25. sept. 1942, að reglugerðin um starfsemi hennar var úr gildi felld.

Frá 25. sept. 1942 tók skilanefnd, skipuð af fjármálaráðherra, við stjórn einkasölunnar, og frá sama tíma hætti stofnunin að sjálfsögðu að kaupa inn vörur. Hefur því starfsemi stofnunarinnar síðan takmarkazt við að selja þær vörur, er til voru, ásamt því að flytja inn og selja þær vörur, er hún hafði fest kaup á erlendis fyrir 25. sept. 1942.

Á síðasta Alþingi var lagt fram frumvarp til laga um að leggja niður Bifreiðaeinkasölu ríkisins, en hlaut ekki samþykki þingsins af þeirri ástæðu, að því er virtist, að slík ráðstöfun hafi ekki þótt hyggileg eins og á stóð, miðað við núverandi viðskiptaástand, enda þá þegar ljóst, að slík ráðstöfun mundi frekar verða til þess að torvelda kaup á umræddum einkasöluvörum en að greiða fyrir þeim.

Sama Alþingi afgreiddi þingsályktun um úthlutun bifreiða, sem bæði sagði raunverulega fyrir um, að einkasala skyldi vera á bifreiðum, og einnig mjög ákveðið, hvaða fyrirkomulag skyldi við haft um úthlutun þeirra bifreiða, sem til landsins væru komnar og inn yrðu fluttar.

Fjármálaráðherra hefur enga opinbera greinargerð látið í té til réttlætingar þeirri ráðstöfun sinni, sem kunn er orðin, að leggja niður Bifreiðaeinkasölu ríkisins og ráðstafa sjálfur þeim bifreiðum, sem Alþingi ákvað, samkvæmt áður nefndri þingsályktun, að gert skyldi af þar til kjörinni nefnd.

Með tilvísun til alls þessa má því segja, að frumvarp þetta sé aðeins staðfesting á gerðum og yfirlýstum meirihlutavilja síðasta Alþingis.

1. kafli frumvarps þessa er samansettur úr nefndum heimildarlögum og nefndri reglugerð um Bifreiðaeinkasölu ríkisins. Þó er sú efnisbreyting í þessum kafla frumvarpsins, að í stað heimildarlaga komi lög, er tryggi það, að Alþingi eitt ákveði hvort einkasala á bifreiðum, hjólbörðum o. fl. skuli rekin eða ekki. Virðist ekki sjáanlegt, að nauðsynlegt né eðlilegt sé, að önnur og lausari ákvæði gildi um einkasölu á bifreiðum og hjólbörðum en um aðrar þær einkasölur, er nú starfa samkvæmt sérstökum lögum.

II. kafli frumvarpsins fjallar um úthlutun þeirra bifreiða, sem fluttar eru og fluttar verða til landsins. Efnislega er þessi kafli í fullu samræmi við þingsályktun þá, sem samþykkt var í sameinuðu Alþingi 1. sept. 1942 með 28 atkv. gegn 7. Þingsályktunin gerir að vísu ráð fyrir, að allt að tveir þriðju innfluttra fólksflutningabifreiða fari til atvinnubifreiðarstjóra og bifreiðastöðva, en með því að ákvæði þetta, samkvæmt eðli málsins, á betur við sem starfsregla en sígilt fyrirmæli, getur ekki talizt rétt að binda slíkt með lögum. Um nauðsyn þess, að aðalákvæði nefndrar þingsályktunar fái lagagildi, vísast til greinargerðar þeirrar, er fylgdi tillögunni, svo og skýrslu þeirrar, er úthlutunarnefnd bifreiða, er kosin var samkvæmt þingsályktuninni, hefur sent Alþingi.

III. kafli frumvarpsins er almenns eðlis og þarf því ekki skýringa við.

„Ákvæði til bráðabirgða" samkvæmt frumvarpinu skýrir sig að mestu sjálft. Samkvæmt því er til þess ætlazt, að Bifreiðaeinkasala ríkisins, sem frá 25. sept. 1942 hefur aðeins annazt sölu vörubirgða sinna, verði látin taka til starfa að nýju, í stað þess að stofna nýja einkasölu á grundvelli hinna nýju laga. Mundi sú ráðstöfun, að endurreisa Bifreiðaeinkasölu ríkisins í svipuðu formi og hún var, ekki valda neinum truflunum í almennum viðskiptum, þar sem engir aðrir innflytjendur hafa enn hafið innflutning á þeim vörum, er einkasalan verzlaði með, sem meðal annars mun stafa

af því, eins og áður er sagt, að hér er um að ræða vörur, sem ekki eru fáanlegar erlendis fyrir milligöngu einkafyrirtækja eftir venjulegum viðskiptaleiðum. Enn fremur má á það benda, að enn er starfsemi bifreiðaeinkasölunnar á því stigi, að um raunverulega stöðvun fyrirtækisins er tæplega hægt að tala enn sem komið er, heldur aðeins truflun, sem að vísu kann að valda erfiðleikum í sambandi við áframhaldandi vörukaup, en útilokar engan veginn áframhaldandi starfsemi einkasölunnar, ef Alþingi fellst á að endurreisa hana.

Síðari málsgrein nefnds bráðabirgðaákvæðis, sem fjallar um ráðstöfun þeirra bifreiða, sem nú eru í eigu nefndrar bifreiðaeinkasölu, er í fullu samræmi við oft nefnda þingsályktun um úthlutun bifreiða frá síðasta Alþingi.

**Fylgiskjal.**

Hagnaður af Bifreiðaeinkasölu ríkisins hefur verið sem hér segir:

| | Til ríkissjóðs | Til bæjar- og sýslufélaga |
|---|---|---|
| Árið 1935 | kr. 4369.58 | kr. 1872.67 |
| — 1936 | — 51291.33 | — 21982.00 |
| — 1937 | — 101392.74 | — 34033.18 |
| — 1938 | — 77498.81 | — 18628.13 |
| — 1939 | — 117655.33 | — 42440.23 |
| — 1940 | kr. 125428.47 | |
| — 1941 | — 1011227.11 | |

## Sþ. 42. Breytingartillögur

við till. til þál. um undanþágu á aðflutningstollum af efni til vatnsveitu Víkurkauptúns.

Frá Sigurði Bjarnasyni.

1. Tillgr. orðist svo:
   Alþingi ályktar að heimila ríkisstjórninni að undanþiggja innflutt efni til vatnsveitna Vikur- og Bolungavíkurkauptúna aðflutningstollum.
2. Fyrirsögn till. orðist svo:
   Tillaga til þingsályktunar um undanþágu á aðflutningstollum af efni til vatnsveitna Víkur- og Bolungavíkurkauptúna.

## Nd. 43. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Bjarna Ásgeirssyni.

Framan við frvgr. kemur nýr liður:
Á eftir B. 5. í 2. gr. laganna koma nýir liðir:

a. *Kleifavegur:* Frá Borgarfjarðarbraut hjá Kláffossbrú, um Kleifar og Norðtungu, að Litlu-Þverá hjá Högnastöðum og þaðan út Þverárhlíð, um Arnbjargarlæk og Hjarðarholt á Borgarfjarðarbraut.
b. *Hvítársíðuvegur:* Af Kleifavegi inn Hvítársíðu að fyrirhuguðu brúarstæði hjá Bjarnastöðum.

## Nd. 44. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Páli Þorsteinssyni.

Framan við frvgr. bætist nýr rómverskur liður:
Fyrir orðið „Skeiðarársand" í 3. málslið A. 1. komi: Skeiðarársand yfir Skeiðará og yfir Skeiðarárjökul um Bæjarstaðarskóg að Skaftafelli.

## Nd. 45. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

Flm.: Skúli Guðmundsson.

2. málsgrein 62. gr. laganna orðist svo:
Sjóðfélagar í eftirlaunasjóði starfsmanna Landsbanka Íslands samkvæmt lögum nr. 10 15. apríl 1928, sjóðfélagar í eftirlaunasjóði Útvegsbanka Íslands h/f og sjóðfélagar í lífeyrissjóði Sambands íslenzkra samvinnufélaga skulu undanþegnir iðgjaldagreiðslum til Lífeyrissjóðs Íslands. Ef sjóðfélagi missir félagsréttindi sín, ábyrgist viðkomandi eftirlaunasjóður eða lífeyrissjóður fulla greiðslu til Lífeyrissjóðs Íslands á fjárhæð þeirri með vöxtum og vaxtavöxtum, er þeim manni hefði borið að greiða til Lífeyrissjóðs Íslands, ef hann hefði ekki notið þessarar undanþágu.

Greinargerð.

Með þessu frumvarpi er lagt til, að sjóðfélagar í Lífeyrissjóði Sambands íslenzkra samvinnufélaga fái undanþágu frá iðgjaldagreiðslum til Lífeyrissjóðs Íslands, á sama hátt og embættismenn ríkisins og starfsmenn Landsbankans og Útvegsbankans hafa nú.

Lífeyrissjóður S. Í. S. tók til starfa 1. jan. 1939. Starfsmenn Sambandsins, fyrirtækja þess og sambandsfélaganna geta orðið sjóðfélagar. Auk starfsmanna Sambandsins eru starfsmenn Kaupfélags Árnesinga í Sigtúnum, kaupfélagsins Fram á Norðfirði, Kaupfélags Skagstrendinga á Skagaströnd og Kaupfélags Reykjavíkur og nágrennis nú tryggðir hjá sjóðnum. Sjóðfélagar greiða ákveðinn hundraðshluta af launum sínum til lífeyrissjóðsins, en þau félög, er þeir vinna hjá, leggja fram jafnháa upphæð. Samkvæmt reglugerð sjóðsins veitir hann meiri rétt til lífeyris en Lífeyrissjóður Íslands.

Alþingi hefur áður samþykkt, að starfsmenn Landsbanka Íslands og Útvegsbanka Íslands h/f, sem greiða iðgjöld til sérstakra eftirlaunasjóða, skuli undanþegnir greiðslum til Lífeyrissjóðs Íslands. Svo er einnig um embættismenn og barnakennara, sem samkvæmt lögum eru tryggðir hjá sérstökum lífeyrissjóðum. Flm. telur rétt, að sama regla verði látin gilda fyrir þá, sem kaupa tryggingu hjá lífeyrissjóði S. Í. S.

## Ed. 46. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 115 19. nóv. 1936, um þingsköp Alþingis.

Flm.: Jónas Jónsson.

Aftan við 62. gr. laganna kemur ný málsgr., svo látandi:

Þó skal ekki prenta í Alþingistíðindum ræður þær, sem ræðumenn eða aðrir fyrir þeirra hönd hafa ekki yfirlesið í handriti innanþingsskrifara innan 6 vikna frá því er ræðuhandritið var lagt fram í lestrarsal þingsins, nema ekki valdi töf á prentun, að síðar sé gert. Geta skal þó ræðumanna í réttri röð í umræðuparti, þótt niður sé fellt að prenta ræðu. Handrit að öllum þingræðum skulu geymd í skjalasafni þingsins.

Greinargerð.

Um nokkur undanfarin ár hefur sú óvenja komizt á, að mikill hluti af þingræðum er ekki leiðréttur af þingmönnum eða umboðsmönnum þeirra. Að sjálfsögðu eru margar af ræðunum mjög færðar úr lagi og oft svo, að þær eru lítt skiljanlegar. Með þessum hætti eru þingræðurnar ekki lengur áreiðanleg frumheimild við túlkun laga eða um meðferð mála á þingi. Auk þess er það mjög óheppilegt fyrir tiltrú kjósenda til þingsins, þegar meginhlutinn af umræðunum kemur í hendur þeirra, er fá þingtíðindin, með merkinu: „óyfirlesið".

Aðstaða þingmanna hefur stórlega batnað hin síðari ár, síðan Alþingi fékk sitt eigið hús aftur til fullra umráða. Meðan þingmenn voru að kalla mátti húsvilltir við störf sín, höfðu þeir nokkra afsökun um þess háttar vansmíð á vinnubrögðum. Nú er þessi aðstaða stórlega breytt til batnaðar.

Ég hygg, að sú leið, sem hér er bent á, sé einfaldasta og heppilegasta úrræðið til að fá af öllum þingmönnum tekinn upp þann góða og gamla sið, að hver þingmaður búi ræður sínar undir prentun eða láti tiltekinn umboðsmann gera það í sinn stað.

## Ed. 47. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933, og l. um breyt. á þeim lögum, nr. 72 1936 og nr. 109 1940.

Flm.: Jónas Jónsson.

Aftan við 2. gr. frv. komi nýr rómverskur liður:

Á eftir 12. C. í sömu lagagrein komi tveir nýir töluliðir:

a. *Fnjóskdælabraut:* Frá Laufási vestan Fnjóskár, um Skóga að Reykjum í Fram-Fnjóskadal.
b. *Laugaskólavegur:* Frá Reykdælabraut vestan við Hóla í Reykjadal að héraðsskólanum á Laugum.

## Ed. 48. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933, og l. um breyt. á þeim lögum, nr. 72 1936 og nr. 109 1940.

Flm.: Hermann Jónasson.

Aftan við 1. gr. frv. komi nýr liður:
Á eftir XIII. tölulið sömu laga koma tveir nýir stafliðir:

a. *Trékyllisvíkurvegur:* Frá Reykjarfirði að Árnesi.
b. *Selstrandarvegur:* Úr Selárdal út Selströnd að Drangsnesi.

## Ed. 49. Frumvarp til laga

um greiðslu íslenzkra afurða.

Flm.: Gísli Jónsson.

1. gr.

Hver sá, sem kaupir íslenzkar afurðir, hvort heldur er sjávarafurðir, landbúnaðarafurðir eða íslenzkar iðnaðarvörur, skal greiða þær í peningum, þegar seljandi krefst þess, og má eigi greiða þær með skuldajöfnuði, nema svo hafi áður verið um samið.

2. gr.

Séu afurðir seldar á fastákveðnu verði, skal það verð greitt að fullu á þann hátt, er 1. gr. kveður á um. Séu þær hins vegar seldar á óákveðnu verði, með rétti til verðuppbótar síðar, eða í umboðssölu, hvort heldur er af kaupfélögum, samvinnufélögum eða öðrum aðilum, skal að minnsta kosti helmingur af gangverði afurðanna greitt samkvæmt ákvæðum 1. gr., en afgangurinn á sama hátt eigi síðar en 2 mánuðum eftir að lokasala og greiðsla andvirðisins hefur farið fram.

3. gr.

Gangverð afurða, sem greiðsluskipting miðast við samkvæmt 2. gr., telst það verð, sem eftir taldar stofnanir ákveða á hverjum tíma, nema öðruvísi sé ákveðið með lögum eða reglugerð, staðfestri af ríkisstjórn.

A. Fyrir sjávarafurðir:
   1. Viðskiptanefndin.
   2. Fiskimálanefndin.
   3. Sölusamband ísl. fiskframleiðenda.
   4. Lýsissamlag ísl. botnvörpunga.
   5. Verzlunarráð Íslands.
   6. Aðrar stofnanir, sem kunna að verða settar á stofn til þess að annast sölu sjávarafurða, enda hafi þær hlotið viðurkenningu ríkisstjórnar.

B. Fyrir landbúnaðarafurðir:
   1. Viðskiptanefndin.
   2. Samband ísl. samvinnufélaga.
   3. Verzlunarráð Íslands.
   4. Kjötverðlagsnefnd.
   5. Mjólkurverðlagsnefnd.
   6. Verðlagsnefnd Grænmetisverzlunar ríkisins.
   7. Aðrar stofnanir, sem kunna að verða settar á stofn til þess að annast sölu landbúnaðarafurða, enda hafi þær hlotið viðurkenningu ríkisstjórnarinnar.

C. Fyrir ísl. iðnaðarvörur:
1. Íslenzk ull.
2. Aðrar stofnanir, sem kunna að verða settar á stofn til þess að annast sölu á ísl. iðnaðarvörum, enda hafi þær hlotið viðurkenningu ríkisstjórnarinnar.

Séu mismunandi verðlagsákvæði á sömu vörutegund ákveðin af fyrrnefndum aðilum, skal meðalverðlag á milli hæsta og lægsta verðlagsákvæðis gilda sem mælikvarði fyrir greiðsluskiptingu, nema annað sé sérstaklega um samið við seljanda.

4. gr.

Það telst lokasala á afurðum, þegar kaupandi sá, sem keypt hefur af framleiðanda, hefur endurselt hana, hvort heldur er til útflutnings eða innanlands.

5. gr.

Heimilt er framleiðanda að krefjast þess, að mál út af greiðslu fyrir afurðir samkvæmt lögum þessum sæti meðferð einkalögreglumála. Má þá reka mál í þeirri þinghá, þar sem varan hefur verið afhent, þótt kaupandi kunni að eiga heimilisvarnarþing annars staðar.

Réttargjöld skulu eigi greidd í málum þessum.

6. gr.

Brot gegn lögum þessum varða 500—1000 króna sektum, nema um ítrekað brot sé að ræða. Skal það þá varða allt að 10 þús. króna sekt.

Sektirnar renna í ríkissjóð.

7. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Mikill hluti afurða landsmanna er nú venjulega seldur annaðhvort í umboðssölu af sölusamlögum og samvinnufélögum eða á föstu verði með rétti til verðuppbótar síðar. Þar sem svo er háttað, að umboðssalar eða kaupendur hafa aðeins á hendi sölu íslenzkra afurða, er framleiðanda ávallt greidd varan í peningum, og meginhluti hennar þá langoftast skömmu eftir að varan hefur verið afhent, þótt stundum dragist um of endanleg uppgerð, einkum á landbúnaðarafurðum. Séu umboðssalar eða kaupendur hins vegar jafnframt verzlunarrekendur, svo sem kaupmenn og kaupfélög, vill verða á því mjög mikill misbrestur, að afurðirnar séu greiddar út í peningum, eða reikningsskil gerð jafnskjótt og varan er seld, heldur venjulega látin dragast til næstu áramóta. Gengur þetta svo langt í sumum héruðum dreifbýlisins, þar sem lítil eða engin samkeppni er í verzlun, að fólkið sér aldrei eða sjaldan peninga. Með þessu fyrirkomulagi er framleiðandinn háður þeim aðila, sem hann selur afurðir sínar, meira en hollt er, ekki einasta um öll vörukaup, heldur og um margt annað, er útgjöld hefur í för með sér, og eins fyrir það, þótt það miði að bættum lífskjörum og betri afkomu.

Frumvarp þetta miðar að því að breyta hér úreltu og óheppilegu greiðslukerfi og koma á meira frjálsræði og meiri samgirni í viðskiptum á milli smáframleiðenda og verzlunaraðila. Er þess vænzt, að háttvirtir þingmenn verði fúsir til að ljá máli þessu fylgi og koma því fram þegar á þessu þingi.

## Nd. 50. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Jörundi Brynjólfssyni.

Aftan við frvgr. komi nýr liður: Á eftir VI. tölulið í lögum nr. 109 1940 komi nýr liður, sem hljóðar svo:

1. *Fróðárhreppsvegur:* Frá Eyrarsveitarvegi um Búlandshöfða eftir Fróðárhreppi á Ólafsvíkurveg hjá Fróðá.
2. Við fyrirsögn frv. bætist: og laga nr. 109 14. maí 1940.

## Nd. 51. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 106 1941, um húsaleigu, og lögum nr. 126 1941, um viðauka við og breyting á þeim lögum.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1942.)

1. gr.

Á tímabilinu frá 1. október 1942 til 14. maí 1943 getur bæjarstjórn Reykjavíkur tekið leigunámi handa húsnæðislausu fólki sumarbústaði og annað húsnæði í nágrenni bæjarins (Gullbringu-, Kjósar- og Árnessýslum), sem er eða gera má hæft til íbúðar, enda sé húsnæðisþörf eigenda (notenda) ekki skert með leigunáminu.

Húsaleigunefnd Reykjavíkur ákveður leigumála eftir húsnæði það, sem um ræðir í 1. mgr., nema samkomulag verði milli aðila.

2. gr.

Samkvæmt kröfu bæjarstjórnar Reykjavíkur skal húsaleigunefnd láta framkvæma útburð á þeim utanhéraðsmönnum, sem tekið hafa húsnæði á leigu án leyfis húsaleigunefndar, sbr. 2. gr. laga nr. 126 1941, og skal þessu húsnæði ráðstafað til afnota handa húsnæðislausum innanhéraðsmönnum.

3. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Um frumvarp þetta, sem lagt er fyrir Alþingi samkvæmt 23. gr. stjórnarskrárinnar, vísast til fylgiskjalsins hér á eftir.

**Fylgiskjal.**

**Bráðabirgðalög um breyting á lögum nr. 106 1941, um húsaleigu, og lögum nr. 126 1941, um viðauka við og breyting á þeim lögum.**

RÍKISSTJÓRI ÍSLANDS

*gjörir kunnugt:* Fjármálaráðherra hefur tjáð mér, að rannsókn hafi farið fram um núverandi húsnæðisvandræði í Reykjavík. Rannsókn þessi hefur leitt í ljós, að á annað hundrað fjölskyldur verði húsnæðislausar 1. október næstkomandi.

Til þess að ráða bót á þessu vandræðaástandi telur fjármálaráðherrann nauðsynlegt að breyta núgildandi húsaleigulögum í nokkrum atriðum.

Með því að ég fellst á, að brýna nauðsyn beri til að setja bráðabirgðalög samkvæmt 23. gr. stjórnarskrárinnar um framangreint efni, tel ég það rétt að gefa út bráðabirgðalög á þessa leið:

1. gr.

Á tímabilinu frá 1. október 1942 til 14. maí 1943 getur bæjarstjórn Reykjavíkur tekið leigunámi handa húsnæðislausu fólki sumarbústaði og annað húsnæði í nágrenni bæjarins (Gullbringu-, Kjósar- og Árnessýslum), sem er eða gera má hæft til íbúðar, enda sé húsnæðisþörf eigenda (notenda) ekki skert með leigunáminu.

Húsaleigunefnd Reykjavíkur ákveður leigumála eftir húsnæði það, sem um ræðir 1. mgr., nema samkomulag verði milli aðila.

2. gr.

Samkvæmt kröfu bæjarstjórnar Reykjavíkur skal húsaleigunefnd láta framkvæma útburð á þeim utanhéraðsmönnum, sem tekið hafa húsnæði á leigu án leyfis húsaleigunefndar, sbr. 2. gr. laga nr. 126 1941, og skal þessu húsnæði ráðstafað til afnota handa húsnæðislausum innanhéraðsmönnum.

3. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

Gjört í Reykjavík, 29. sept. 1942.

**Sveinn Björnsson.**
(L. S.)

Jakob Möller.

## Nd. 52. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Flm.: Páll Þorsteinsson.

Við 2. gr. laganna A. I. d. bætist:
Gljúfursá í Öræfum.
Kotá í Öræfum.
Stemma á Breiðamerkursandi.
Staðará í Suðursveit.
Smyrlabjargaá í Suðursveit.
Djúpá í Mýrahreppi.
Suðurfljót (við Svínafell).
Jökulsá í Lóni.
Laxá í Lóni.

Greinargerð.

Samgöngubætur á landi byggjast á tvenns konar framkvæmdum: annars vegar lagningu vega og hins vegar brúargerðum.

Þetta er svo nátengt hvort öðru, að önnur framkvæmdin er oftast gagnslítil, ef hina vantar. Framkvæmdir í brúargerðum og vega hafa og fylgzt að í mörgum héruðum landsins hin síðari ár. Fyrir því er nú kominn akvegur um mikinn hluta landsins, svo að bifreiðar fara nú frá Reykjavík um Vestur- og Norðurland til Austfjarða að sumri til og um Suðurland langleiðina að Skeiðarársandi.

Austur-Skaftafellssýsla ásamt nokkrum hluta Suður-Múlasýslu er sá kafli á þjóðleiðinni kringum landið, sem torveldastur er yfirferðar. Næsta skrefið á því að verða það að fylla í þetta skarð, sem enn er í akvegakerfinu kringum landið, svo sem bezt má verða.

Bak við Austur-Skaftafellssýslu rís hin stærsta jökulbreiða þessa lands. Undan rótum jökulsins koma margar ár, stórar og smáar. Í engri sýslu landsins munu vera fleiri ár en þessari. Þó eru varla nema tvær fremur smáar brýr í sýslunni enn sem komið er. Tala brúanna þar stendur enn í öfugu hlutfalli við tölu vatnanna. Á síðari árum hafa verið gerðar nokkrar vegabætur í sýslunni. Sem að líkum lætur, kemur það hvergi nærri að fullum notum, meðan vegurinn er sundurskorinn af óbrúuðum vötnum, sem ýmist eru ófær eða illfær bifreiðum. Röðin er því vissulega komin að Austur-Skaftafellssýslu um brúargerðir.

Með frv. þessu er mörkuð stefnan um þessar framkvæmdir í sýslunni á næstu árum. Brýr á ár þær, sem hér eru taldar, eru nauðsynlegur þáttur í þeirri framkvæmd að tengja saman akvegakerfi landsins, en mundu jafnframt skapa öruggt vegasamband frá mörgum bæjum í þremur sveitum við verzlunarstað sýslunnar, Höfn í Hornafirði.

Brýr á Gljúfursá og Kotá í Öræfum eru nauðsynlegur liður í vegi sveitarinnar, sem nú er verið að leggja, og mundu greiða mjög fyrir notkun bifreiða. Með brúm á Kotá og Gljúfursá væri og náð einum áfanga að því marki að tengja saman alla bæi sveitarinnar með öruggum akvegi.

Þegar Heinabergsvötn eru brúuð, sem væntanlega verður bráðlega, liggur næst fyrir að byggja smábrýr á Smyrlabjargaá og Staðará í Suðursveit, svo og Stemmu á Breiðamerkursandi.

Hornafjarðarfljót er eini farartálminn milli Mýrahrepps og Hafnar í Hornafirði. Til þess að bæta nokkuð úr því þarf brú á Suðurfljót við Svínafell.

Brúin á Jökulsá í Lóni verður langstærst þessara brúa. Jökulsá er líka mesta torfæran á þjóðveginum frá Austurlandi og í Hornafjörð og skapar mörgum bændum í Lóni mikla örðugleika um flutninga til og frá verzlunarstað. Það er augljóst kunnugum, að vel er kleift að brúa ána. Staðfesta það og athuganir, sem þegar hafa verið gerðar um brúarstæði á ánni.

Nánar í framsögu.

## Sþ. 53. Tillaga til þingsályktunar

um ráðstafanir til eflingar íslenzkum landbúnaði.

Flm.: Brynjólfur Bjarnason, Kristinn E. Andrésson, Sigurður Guðnason.

Alþingi ályktar að fela Búnaðarfélagi Íslands eftirfarandi verkefni:

1. Að láta fara fram rannsókn á því, hvar heppilegust eru skilyrði með tilliti til ræktunar, rafvirkjunar, samgangna o. s. frv. til landbúnaðarframleiðslu í ýmsum greinum með samfærslu byggðarinnar fyrir augum.
2. Að gera áætlun um rafvirkjun sveitabyggða og samgöngukerfi sveitanna með hliðsjón af rannsókn þeirri, er greinir í 1. lið, í samvinnu við aðrar hlutaðeigandi ríkisstofnanir.
3. Í sambandi við ofangreinda rannsókn að gera tillögur um stofnun fyrirmyndarbúa á ýmsum stöðum á landinu og um fyrirkomulag þeirra, og skulu verkefni þeirra vera m. a. að gera tilraunir í ræktun og búrekstri, halda námskeið fyrir bændur, útvega vélar o. s. frv.
4. Að undirbúa löggjöf um framkvæmdir og aðstoð við landbúnaðinn á grundvelli þess undirbúningsstarfs, sem að ofan greinir, og að endurskoða gildandi bún-

aðarlöggjöf, til að greiða fyrir þróun hans í samræmi við þær niðurstöður, sem rannsókn sú, er um getur í 1. lið, leiðir í ljós.
Kostnaður greiðist úr ríkissjóði.

## Greinargerð.

Undanfarna áratugi hefur ríkið árlega lagt fram nokkurt fé í því skyni að skapa betri lífsskilyrði í sveitum landsins. Þessu fé hefur aðallega verið varið til aukinnar ræktunar og til þess að gera mögulegt að nota vélar í stað handverkfæra við landbúnaðarstörf. Nokkuð hefur á unnizt við þetta, en langt er þó í land með sama hraða, að vélar verði notaðar við alla vinnu, þar sem hagkvæmt er að nota þær. Enn er verulegs hluta af heyfeng landsmanna aflað á þýfðum og rányrktum engjum. Á öðrum sviðum landbúnaðarins er breytingin þó víðast skemmra á veg komin. Enda munu tekjur smábænda, einkum þeirra, sem afskekkt búa, vera minni saman borið við erfiði en nokkurra annarra stétta landsins. Það horfir því svo enn, þrátt fyrir aðgerðir ríkisins, að fjöldi bænda hlýtur á næstunni að hverfa til annarra starfa, ef tækifæri býðst, nema kjör þeirra breytist að mun til batnaðar.

Enginn ágreiningur er um, að það sé hin mesta nauðsyn, að við framleiðum eins mikið af þeim landbúnaðarvörum, sem við þurfum að nota, og frekast er unnt. Eðlileg afleiðing þeirrar skoðunar er, að ríkið geri ráðstafanir til, að tekjur fólksins, sem að landbúnaði vinnur, verði viðunandi og lífsþægindi þess og menningaraðstaða eins góð og annarra landsbúa.

Kemur þá til álita, hvort byggja skuli á sama grundvelli og undanfarin ár um aðstöðu til landbúnaðarins, en auka fjárframlögin, eða hvort ætla má, að meira mundi vinnast með breyttu skipulagi byggðanna og breyttum búskaparháttum, og leggja þá megináherzluna á að vinna að því, að hið nýja byggðaskipulag komist á og þeir búskaparhættir, sem því fylgja, þó að áfram yrði veittur svipaður styrkur til þeirra, sem búa vilja í gamla horfinu.

Landbúnaður, sem rekinn er með rányrkju án véla, þarf á miklu landsvæði að halda saman borið við áhöfn, Þörf á flutningum til og frá framleiðslustað er tiltölulega lítil. Að búinu þarf aðeins flutning á neyzluvörum, sem búin framleiða ekki, og frá búunum aðeins flutning á afurðum, sem afgangs eru heimanotkun. Strjálbýli á því vel við rányrkjubúskap, enda hefur skipulag byggðanna hér á landi, strjálbýlið, fyrst og fremst myndazt sökum rányrkjubúskapar.

Allt öðruvísi horfir þar, sem landbúnaður er rekinn með vélum á ræktuðu landi. Þar er nauðsyn að búa í þéttbýli og sem næst markaðsstöðum. Flutningsþörfin er þá mikil. Auk neyzluvaranna þarf að flytja til búanna margs konar framleiðsluvörur, svo sem vélar, áburð o. s. frv., og samsvarandi þarf að flytja meira af afurðum frá búunum heldur en þar, sem rányrkja er stunduð. Búskapur á ræktuðu landi krefst því góðra og öruggra vega milli framleiðslustaðar og markaðsstaða og að vegalengdin milli framleiðenda og neytenda sé sem stytzt. Hins vegar krefst búskapur á ræktuðu landi ekki mikils landrýmis, því að vélyrktur lítill blettur gefur oft meiri arð en stór blettur illa yrktur. Þegar ræktun og vélabúskapur vex, hlýtur byggðin því að færast saman á þá staði, sem góðir eru til ræktunar eða búnir öðrum æskilegum landkostum og liggja vel við samgöngum. En afskekktu bæirnir og byggðirnar munu leggjast að meira eða minna leyti niður, nema miklu meiri fjölgun verði í sveitunum en nú er hægt að búast við.

Þegar byggðin færist til þéttbýlis úr strjálbýli, skapast margir möguleikar fyrir fólkið, sem að landbúnaðinum vinnur, til að veita sér ýmiss konar þægindi, sem það með núverandi skipulagi byggðanna getur alls ekki veitt sér eða þá með svo miklum kostnaði, að telja má ókleift. Aðstaða til samgangna batnar svo, að hægt verður að halda uppi góðum og reglubundnum áætlunarferðum um allar byggðir. Aðstaðan til að koma rafleiðslum heim á hvert sveitaheimili batnar, svo að sjálfsagt mun þykja, að á hverjum bæ verði lýst upp, hitað upp og eldað með rafmagni, og kostnaðurinn

af því yrði aðeins brot af þeirri óhemju upphæð, sem þyrfti til að leggja rafleiðslu heim á hvert býli, sem nú er byggt. Aðstaða til skólahalds og hvers konar menningarstarfsemi, svo sem íþrótta og sjónleika o. s. frv., yrði stórum betri. Við framleiðsluna gætu bændur komið við sameign eða samnotkun á vélum, sem þeir væru ekki megnugir að eignast hver fyrir sig. Virðist sjálfsagt, að ríkið komi upp eða hjálpi til að koma upp stöðvum fyrir slíkar vélar svo víða á landinu, að allir bændur geti auðveldlega náð til þeirra. Þar, sem tilraunabú verða, en þau þurfa að verða sem víðast, er sjálfsagt, að slíkar vélastöðvar verði í sambandi við þau. Þar, sem heppileg aðstaða er, gæti komið til mála, að bændur ræku stórbúskap í sameign, sem þeir ynnu að sjálfir. Væri eðlilegt, að ríkið styrkti til tilrauna eitt eða fleiri samyrkjubú. Einkabúskapur hlýtur þó áfram, undir núverandi þjóðskipulagi, að verða aðalbúskaparformið. En þéttbýlið skapar hins vegar einyrkjunum möguleika til margs konar samvinnu í búrekstri og útvegunum og býr í haginn fyrir hinn samvirka búskap framtíðarinnar.

Rannsókn á því, hvert heppilegast er, að byggðin færist, er yfirgripsmikil og þarf að gerast með samvinnu milli Búnaðarfél. Íslands, rafmagnseftirlits ríkisins, vegamálaskrifstofunnar og ef til vill fleiri stofnana, því að taka verður tillit til ræktunarskilyrða, aðstöðu til rafvirkjunar, jarðhita og hvers konar annarra náttúrugæða og hlunninda, svo og til legu og samgangna við markaðsstaði. Ber þá ekki einungis að taka tillit til núverandi samgöngukerfis, heldur fyrst og fremst fjarlægða frá markaðsstað og aðstöðu til vegalagningar. Þó að rannsóknin þurfi að gerast með samvinnu nokkurra stofnana, er sjálfsagt, að Búnaðarfél. Íslands hafi forystuna og beri ábyrgð á rannsókninni.

Þegar búið er að rannsaka, hvert eðlilegast er, að byggðin færist, þarf að gera áætlun um, hvernig hinni nýju byggð verði bezt fyrir komið og hvað gera þarf til þess, að þróunin verði fljótvirk, skipuleg og örugg. Þarf að setja um þetta yfirgripsmikla og vel undirbúna löggjöf. Er einnig eðlilegast, að búnaðarfélagið hafi forystu um undirbúning slíkrar löggjafar.

Verði unnið með alvöru og festu að þessum málum, er Sameiningarfl. alþýðu, sósialistafl. sannfærður um, að eins mikil not og unnt er verði af þeirri aðstoð, sem sjálfsagt er, að ríkið veiti landbúnaðinum. Lífskjör fólksins, sem í sveitunum býr, munu þá taka skjótum framförum og skilyrði þess til menningar og lífsþæginda gerbreytast til batnaðar. Sameiningarfl. alþýðu, sósialistafl. mun beita sér af alefli fyrir, að slíkt megi verða.

## Ed. 54. Frumvarp til laga

um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

Flm.: Bjarni Benediktsson, Brynjólfur Bjarnason, Haraldur Guðmundsson.

1. gr.

Jarðirnar Elliðavatn og Hólmur í Seltjarnarneshreppi, Grafarholt, Gufunes, Keldur og sá hluti Korpúlfsstaðatorfunnar, er Reykjavíkurbær hefur fest kaup á (Korpúlfsstaðir, Lambhagi, Varmá og hluti af Lágafellslandi) í Mosfellshreppi, ásamt öllum lóðum og löndum, sem seldar hafa verið frá þeim, skulu lagðar undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur frá 1. janúar 1943.

2. gr.

Frá sama tíma tekur Reykjavíkurbær að sér framfærslu allra þeirra þurfamanna, sem eru eða verða og framfærslurétt eiga eða mundu eignast, ef lög þessi yrðu ekki sett, vegna fæðingar eða dvalar á löndum þeim, er um ræðir í 1. gr.

3. gr.

Bæjarstjórn Reykjavíkur er heimilt að láta taka eignarnámi jörðina Grafarholt í Mosfellshreppi, ásamt nýbýlinu Engi og þeim lóðum og löndum, er seld hafa verið úr landi jarðarinnar.

4. gr.

Forkaupsréttur Mosfellshrepps, samkv. 2. gr. laga nr. 55 15. júní 1926, að löndum þeim úr Korpúlfsstaðatorfunni, er Reykjavíkurbær hefur fest kaup á, er úr gildi felldur.

5. gr.

Fyrir árslok 1943 skulu fara fram endanleg fjárskipti milli Reykjavíkurbæjar og Seltjarnarneshrepps annars vegar og Reykjavíkurbæjar og Mosfellshrepps hins vegar, þar á meðal væntanlegar skaðabótagreiðslur til hreppanna.

6. gr.

Allar fjárgreiðslur samkvæmt lögum þessum skulu ákveðnar af gerðardómi, og skal hann einnig skera úr öllum ágreiningi milli málsaðila út af lögum þessum. Gerðardóminn skipa 3 menn, er Hæstiréttur nefnir til þess. Skal einn þeirra vera dómari í hæstarétti, og er hann formaður gerðardómsins. Kostnað við gerðardóminn greiðir Reykjavíkurbær eftir ákvörðun dómsins.

7. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Forráðamenn Reykjavíkurbæjar hafa lengi talið það bæjarfélaginu mikla nauðsyn, að landrými fyrir bæjarbúa yrði aukið, og hafa oft átt sér stað umræður um það, hvaða jarðir í nágrenninu bærinn ætti að kaupa til þess að bæta úr þessari þörf.

Í framhaldi af þessum umræðum festi Reykjavíkurbær á s. l. vori kaup á eftirtöldum jarðeignum Thors Jensens í Kjósarsýslu: Korpúlfsstöðum, ásamt hluta úr Keldnalandi, Lambhaga, Lágafelli, að undanskildum íbúðarhúsum þar og h. u. b. 63 ha. landspildu, og Varmá í Mosfellssveit, Arnarholti með Brekku á Kjalarnesi og Þorlaksstöðum í Kjós.

Áður en afsal væri gefið, bauð seljandi hreppum þeim, er hlut áttu að máli, forkaupsrétt að landslögum. Kom þá í ljós, að hvorki Kjalarnes- né Kjósarhreppur hirtu um að nota forkaupsrétt sinn. Mosfellshreppur aftur á móti vildi neyta réttar síns, en þó einungis að nokkrum hluta jarðeigna þeirra, er innan endimarka hans eru og seldar voru. Hann krafðist sem sé einungis kaupa á jörðunum Varmá, Lágafelli og Lambhaga. Að gefnu þessu tilefni lýsti bæjarstjórn Reykjavíkur síðan yfir því, að af hennar hálfu hefði það verið ákveðin forsenda fyrir kaupum á jarðeignum Thors Jensens í Kjósarsýslu, að allar jarðeignirnar í Mosfellshreppi væru með í kaupunum, að undantekinni h. u. b. 63 ha. spildu úr Lágafellslandi, sem vitað var, að ekki yrði seld.

Var nú ljóst, að til vandræða og málaferla horfði, ef ekki væri að gert. Voru því hafin samtöl milli fulltrúa Mosfellshrepps annars vegar og borgarstjóra Reykjavíkur hins vegar. Af hálfu Mosfellshrepps var það boðið, að hreppurinn styddi að því, að Reykjavík eignaðist Grafarholt, gegn því að bærinn félli frá kaupum á Lambhaga, Lágafelli og Varmá, enda yrði Grafarholt, Gufunes, Keldur og Korpúlfsstaðir lögð undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. Þar sem bænum var það áhugamál að eignast Grafarholt og vildi, ef unnt væri, leiða málið í heild til friðsamlegra lykta, var rækilega athugað, hvort fært þætti að leysa það með þessum hætti.

Lét bærinn í því sambandi meta Grafarholt, og var það gert eftir sömu reglum og gert hafði verið um hinar jarðirnar áður en kaup væru fest á þeim. Áttu sér síðan

enn stað viðræður um málið, og lyktaði þeim með því, að með bréfi, dags. 26. nóv. s. l., voru eftirtalin atriði borin fram sem samningsgrundvöllur af hálfu hreppsins:

„1. Mosfellshreppur fái eignarumráð yfir jörðunum Lágafelli, Varmá og Lambhaga gegn því, að Reykjavíkurbær fái sem sína eign jörðina Grafarholt, þó að undanskildu því landi jarðarinnar, sem liggur neðan Norðurlandsbrautar, ásamt húsum, sem á því eru.

2. Hreppamörk milli Reykjavíkur og Mosfellshrepps verði ákveðin þannig, að undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur komi þær jarðeignir allar, sem bærinn eignast samkv. framanskráðu, enda taki hann að sér lögboðna framfærslu þeirra manna, sem heimilisfastir voru á jörðunum 1. jan. 1942. Það land, sem undanskilið er Grafarholti samkv. framansögðu, teljist þó til lögsagnarumdæmis hreppsins í næstu 10 ár.

Jarðir þær, sem fara undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur, njóti ekki afréttarlanda Mosfellshrepps eða annarra eigna hreppsins.

3. Reykjavíkurbær greiði Mosfellshreppi 100 þús. krónur eftir nánara samkomulagi.“

Í þessu tilboði er Grafarholtsland ofan Norðurlandsvegar lagt að jöfnu við Lambhaga, Varmá og þann hluta Lágafells, sem bærinn hefur fest kaup á, og eru þó hinar eftirtöldu jarðir að sams konar mati margfalt meira virði en hin fyrst talda.

Þegar af þeirri ástæðu taldi bæjarráð Reykjavkur ekki fært að ganga að þessu tilboði, enda er ljóst, að búskapur á Korpúlfsstöðum, sem m. a. er miðaður við hið mikla graslendi Lambhaga, Lágafells og Varmár, yrði mjög hæpinn, ef í þess stað ætti að koma hin lítt ræktanlegu holt í Grafarholtslandi. En húsakostur á Korpúlfsstöðum er svo mikill, að hann verður ekki nýttur til búskapar né arðbær, nema til meira landrýmis nái en hins upphaflega Korpúlfsstaðalands eins.

Þetta er þó eigi aðalatriði málsins, heldur hitt, að skapa verður þeim mikla mannfjölda, sem nú er saman kominn í Reykjavík, þ. e. h. u. b. þriðjungi allra landsmanna, olbogarými til ýmiss konar landsafnota, sem aldrei verða að fullu gagni, nema innan lögsagnarumdæmis sé, og er þá æskilegast, að bæjarfélagið hafi sjálft ráð á landinu.

Þess vegna er ekki unnt að falla frá kaupum á Lambhaga, Lágafelli og Varmá, sem hin síðari ár hafa algerlega verið nýttar frá Korpúlfsstöðum og eru því nú ekki annað en hluti Korpúlfsstaðatorfunnar. Því fer svo fjarri, að bærinn við kaup á þessari torfu allri saman fái of mikið landrými, að það er honum hvergi nærri fullnægjandi í framtíðinni. Ef bærinn aftur á móti jafnframt fær Grafarholt keypt og allar þessar jarðir lagðar undir lögsagnarumdæmi sitt ásamt eignarjörðum sínum, Gufunesi og Elliðavatni, og enn fremur Keldum og Hólmi, sem ríkið á, en hefur þó heitið að selja bænum hina síðari, þá má ætla, að úr brýnustu þörf bæjarins sé bætt.

Af þessum sökum gerði bæjarstjórn Reykjavíkur 3. des. 1942 svofellda ályktun, sem samþykkt var í einu hljóði:

„Jafnframt því, sem bæjarstjórn Reykjavíkur samþykkir að halda fast við kaup sín á Korpúlfsstaðatorfunni, ályktar hún að fela borgarstjóra og bæjarráði að gera ráðstafanir til þess, að Reykjavíkurbær fái eignarnámsheimild á Grafarholti ásamt lóðum þeim og löndum, sem úr því hefur verið skipt, svo og að framan greindar jarðeignir ásamt Gufunesi og Keldum í Mosfellshreppi og a. m. k. Hólmi og Elliðavatni í Seltjarnarneshreppi verði lagðar undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur.“

Frv. þetta er flutt samkv. þeirri áskorun, sem í ályktun bæjarstjórnar felst. Tekið skal fram, að flutningsmenn áskilja sér rétt til breytinga á einstökum atriðum frv.

Um einstakar greinar athugast þetta:

Um 1. gr.

Efni hennar er nægilega skýrt hér að framan.

Um 2. gr.

Samsvarandi ákvæði og venja er til í slíkum lögum.

Um 3. gr.

Ekki er deilt um nauðsyn Reykjavíkurbæjar á að eignast Grafarholt, heldur einungis um verðmæti þess. Virðist því rétt, að úr því verði skorið með eignarnámi.

Um 4. gr.

Sennilegt er, að Mosfellshreppur hafi þegar glatað forkaupsrétti sínum, þar sem hreppurinn hefur einungis óskað að neyta hans um nokkurn hluta þeirrar torfu, sem í mörg ár hefur verið nýtt í einni heild, og þar eð kaupin voru þeirri forsendu háð, að öll torfan væri bænum seld. Málaferli af þessum sökum mundu hins vegar mjög tefja fyrir hagnýtingu eignanna og hafa margs konar tjón í för með sér. Enda á forkaupsréttur hreppsins eigi framar við, ef jarðeignirnar allar verða lagðar undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. Loks verður eigi deilt um þörf bæjarins til þeirra allra.

Um 5. gr.

Fyrirmælin eru í samræmi við venju í slíkum tilfellum.

Um 6. gr.

Einu afbrigðin frá venju í þessum efnum er sú, að ætlazt er til, að yfirmatsmenn geri strax út um andvirði þeirra jarða eða landa, sem eignarnámi má taka, í stað þess að undirmat fari fyrst fram. Sýnist þetta engu ótryggara, en er greiðara í framkvæmd, og er þó sjálfsagt að færa það til venjulegs horfs, ef einhver aðila kynni að óska þess.

## Sþ. 55. Tillaga til þingsályktunar

um undirbúning verklegra framkvæmda eftir styrjöldina og endurskoðun á skipulagi stóratvinnurekstrar í landinu.

Flm.: Eysteinn Jónsson, Gísli Guðmundsson, Hermann Jónasson, Jörundur Brynjólfsson, Sveinbjörn Högnason.

Alþingi ályktar að kjósa fimm manna milliþinganefnd, til að gera áætlanir og tillögur um framkvæmdir í landinu, þegar stríðinu lýkur og herinn hverfur á brott. Í tillögunum verði að því stefnt, að þær framkvæmdir, sem veita skulu atvinnu fyrst í stað, verði jafnframt undirstaða að aukningu atvinnurekstrar og framleiðslu í landinu.

Nefndin skal enn fremur gera tillögur um fyrirkomulag á stóratvinnurekstri í landinu og afskipti ríkisvaldsins af þeim málum. Lögð verði áherzla á, að skipulag atvinnurekstrarins tryggi sem bezt, að stórfyrirtækin séu rekin með almenningshag fyrir augum og að þeir, sem að honum vinna, beri úr býtum endurgjald fyrir störf sín í samræmi við afkomu atvinnurekstrarins.

Nefndinni er heimilt að taka sér til aðstoðar sérfróða menn í einstökum verkefnum, sem henni eru falin til meðferðar í tillögu þessari. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

Nefndin velji sér formann.

Greinargerð.

Það er alkunna, að þúsundir landsmanna hafa nú um hríð haft atvinnu, beint eða óbeint, af viðskiptum við setuliðið eða við framkvæmdir þess í landinu. Fjöldi verkamanna og iðnaðarmanna hefur beinlínis starfað í þjónustu þess, og mörg fyrirtæki hafa verið stofnuð vegna viðskiptanna við það. Margir landsmenn hafa skipt um bústað af þessum ástæðum. Sumir bæir, einkum Reykjavík, hafa vaxið mjög vegna þessarar stundaratvinnu.

Þegar herliðið hverfur úr landi, verður, ef ekkert er að gert, mjög margt fólk atvinnulaust, sennilega svo að þúsundum skiptir. Fyrirtækin, sem stofnuð eru vegna setuliðsins, hljóta þá að hætta störfum að meira eða minna leyti. Sumir munu að vísu fá vinnu í þeim atvinnugreinum, sem nú skortir vinnuafl. En það væri fjarstæða að gera sér vonir um, að allur sá mannfjöldi, sem hér er um að ræða, geti horfið fyrirvara- og undirbúningslaust að slíkum störfum.

Fátæk þjóð eins og Íslendingar má ekki við því að láta vinnuafl sitt ónotað. Það tjón, sem atvinnuleysi hefur í för með sér, verður aldrei bætt. Hver ónotaður starfsdagur er glatað verðmæti, sem kemur aldrei aftur. Þess vegna er það eitt af höfuðviðfangsefnum þessara tíma að hafa til reiðu nauðsynlegt verkefni handa þeim, sem að stríðinu loknu eða jafnvel fyrr missa atvinnu sína og eigi komast að störfum við þann atvinnurekstur, sem til er í landinu. En það er seint að leita úrræða, þegar að því er komið, að ráðstafa þarf vinnuaflinu. Verkefnin verða að vera ákveðin fyrirfram, og það eiga að vera þau verkefni, sem þjóðinni er mest nauðsyn að leysa. Sú ógæfa má ekki henda þjóðina, að mönnum verði fengið verk í hönd **eingöngu til þess, að þeir séu ekki iðjulausir og hægt sé að greiða þeim kaup.** Hin nýju verkefni þarf að velja þannig, að þau miði að því að auka nauðsynlega framleiðslu í landinu, framleiðslu lífsnauðsynja fyrir landsmenn eða seljanlegra útflutningsvara. Að því verður að stefna, að sem allra flestir landsmenn geti stundað atvinnu við slíka framleiðslu.

Hið opinbera verður að hafa fyrirhyggju í þessu máli. En til þess að eitthvað verði aðhafzt, þarf að fara fram rannsókn á því, hver verkefni séu nauðsynlegust og að öðru leyti tiltækilegust, gera sér grein fyrir, hvort þau séu viðráðanleg vegna kostnaðar, hvenær einstökum framkvæmdum ætti að vera lokið o. s. frv. En til slíkrar rannsóknar og ráðagerða þarf tíma. Hér er lagt til, að þetta verði falið milliþinganefnd, og njóti hún aðstoðar sérfróðra manna eftir því, sem með þarf, og þá auðvitað fyrst og fremst starfsmanna ríkisins, sem sérþekkingu hafa sakir reynslu eða með öðrum hætti. En stranglega verður að gæta þess, að í þetta sinn fari ekki eins og stundum áður, að raunhæft starf kafni í skýrslusöfnun og skriffinnsku. Í nefndina og til starfa fyrir hana þurfa að veljast glöggir úrræðamenn, sem ekki hafa allt of margt í takinu á sama tíma.

Hér þykir hlýða að rifja upp stuttlega nokkur þeirra verkefna, sem nefndin bersýnilega þyrfti að taka til meðferðar. En tæmandi upptalningu á því, sem til mála kynni að koma í þessu sambandi, er auðvitað ekki hægt að gera á þessu stigi málsins.

Rétt er að minna á það, áður en lengra er farið, að nokkrir menn eru nú starfandi að því að gera tillögur um aukningu á raforkuframleiðslu landsins og miklar rafleiðslur um landið frá höfuðaflstöðvum. Sú nefnd, sem hér er um að ræða, ætti á sínum tíma að fella þær tillögur inn í áætlanir sínar um framkvæmdir næstu ára, eftir því sem tiltækilegt þykir. Stórhuga menn hafa lengi haft trú á því, að með því að breyta hagnýtasta vatnsafli landsins í raforku mætti gerbreyta högum þjóðarinnar og vinna stórvirki, sem settu Ísland á bekk með þeim löndum, sem fremst eru í verklegri menningu. Fátækt þjóðarinnar og mannfæð hefur lengi verið henni fjötur um fót og e. t. v. gert hana deigari til framtaks en málefni stóðu til. En mörgum þykir nú sem Íslendingum muni ekki fremur vera þetta átak ofurefli en öðrum þjóðum hin gífurlegu styrjaldarátök, sem ekkert gefa í aðra hönd nema tortímingu.

Nátengd raforkuframleiðslu í stórum stíl er aukning iðnaðarins í landinu. Um skeið hefur verið fyrirhugað að koma upp hér á landi verksmiðjum til að vinna sement og áburð á vegum ríkisins. Ríkið hefur líka haft með höndum áform um að byggja verksmiðju til að hreinsa og herða síldarlýsi. Á síldarverksmiðjum ríkisins er mikil aukning fyrirhuguð. Mikill áhugi er fyrir því að auka skipasmíði og skipaviðgerðir í landinu og smíða hér stærri skip en hingað til. Þannig mætti lengi telja, því að margar tillögur eru uppi, og fullkomlega athugunar þörf, hvað styðja beri og hvaða möguleikar séu fyrir hendi.

Í sveitum landsins er ávallt margt af ungu fólki, sem fær ýmist ekki jarðir til ábúðar eða treystir sér ekki til þess að mynda heimili í sveit, sökum hins mikla

stofnkostnaðar, sem því er samfara að byrja búskap á lítt eða óræktuðu landi eða illa hýstum jörðum.

Umhverfis flest kauptún og kaupstaði landsins er mikil þörf aukinnar ræktunar. Jens Hólmgeirsson, formaður framfærslumálanefndar ríkisins, sem manna mest hefur kynnt sér þessi mál, hefur komizt að þeirri niðurstöðu, að bezt hafi þau þorp og þeir bæir bjargazt í erfiðleikum kreppuáranna fyrir stríðið, sem nutu stuðnings af landbúnaði, er byggður var á heyskap á ræktuðu landi. Það er engum vafa undirorpið, að farsælast er fyrir fólkið í sjávarþorpunum að hafa, ásamt útgerðinni, stuðning af landbúnaði. En það þarf að koma málunum í það horf, að heyöflunin taki ekki of mikinn tíma frá aðalstarfinu, sjósókninni.

Eitt merkasta verkefnið, sem fyrir liggur, er nýtt landnám í sveitum og við sjó, aukin ræktun og stórfelldari en áður hefur þekkzt hér á landi.

Ýmsir hafa á það bent, að nýjar framkvæmdir þurfi að eiga sér stað í nýbýlamálunum, þannig, að reist verði nýbýlahverfi á heppilegum stöðum, þar sem landkostir eru góðir, og þurrkun á landi þurfi að eiga sér stað í stórum stíl. Vona menn, að skurðgröfur þær, sem nú er tekið að nota, reynist stórvirkar í þeim efnum.

Framræsla, lagning ræktunarvega og húsabyggingar á nýbýlum verða meðal þeirra verkefna, sem í fremstu röð koma, þegar rætt er um framkvæmdir hér á landi eftir stríðið. Til undirbúnings þarf m. a. að fást yfirlit um, hversu mikið er til af ræktanlegu og hentugu landi, sem ríki og sveitarfélög hafa ráð á, og gera gangskör að því að afla lands, ef skortur er á hentugum svæðum til nýbýlamyndunar eða ræktunar við sjóinn.

Þrátt fyrir miklar framfarir í vegamálum landsins á undanförnum árum er enn svo ástatt í mörgum byggðarlögum, að vegleysi háir framleiðslunni tilfinnanlega. Þetta er eðlilegt. Það er ekki hægt að ætlast til þess, að allir vegir séu lagðir á fáum árum. En hér er verkefni, sem krefst úrlausnar. Það þarf að rannsaka hlutlaust, hverra vega er mest þörf með tilliti til framleiðslunnar og gera áætlun um lagningu þeirra. Þá þarf sérstaklega að gera endurbætur á þeim vegum, sem ætlaðir eru til flutninga þungavöru langar leiðir, gera vegi þessa trausta og endingargóða og að öllu leyti þannig úr garði, að þeir þoli stór og þung flutningatæki.

Þá fyrst, þegar svo er komið, er hægt að búast við því, að landflutningarnir verði hæfilega ódýrir. Í nánu sambandi við vegamálin standa brúabyggingar, og verða þær að undirbúast og framkvæmast í sambandi við þau.

Víðs vegar um land er skortur á góðum bátahöfnum, og stendur það útgerðinni fyrir þrifum sums staðar. Mikið hefur að vísu verið unnið að umbótum á þessu sviði undanfarin ár, en mikið er ógert. Sérstaka athygli hlýtur að vekja, að engin bátahöfn skuli vera til við sunnanverðan Faxaflóa, í námunda við hin auðugustu fiskimið. Ekki verður með tölum talið það tjón, sem af þessu hlýzt fyrir útvegsmenn. Hafnargerðir og lendingarbætur hljóta að verða meðal þeirra verkefna, sem leysa þarf í náinni framtíð, enda er þar um að ræða mikilsverða undirstöðu að framleiðslu landsmanna. Víða er þörf endurbóta og víða verður að hefjast handa, en stærst einstakra framkvæmda í þessum málum yrði þó bygging framtíðarhafnar við Faxaflóa. Þörfin fyrir slíka framkvæmd er ákaflega brýn, en jafnframt stendur þannig á, að einmitt við Faxaflóann mun verða mest framboð á vinnuafli eftir styrjöldina.

Gera má ráð fyrir, að milliþinganefnd sú í sjávarútvegsmálum, sem væntanlega verður sett á þessu Alþingi, geti gefið góðar leiðbeiningar viðvíkjandi framkvæmdum í þessu efni og milliþinganefnd þessi stuðzt við eða byggt á athugunum sjávarútvegsnefndarinnar í þeim málum.

Hér að framan er minnzt á nokkur stórfyrirtæki, sem fyrirhugað hefur verið að ráðast í. Sú spurning hlýtur að vera ofarlega í huga hvers hugsandi manns, hvaða rekstrarfyrirkomulag hæfi bezt þessum fyrirtækjum, og í því sambandi hlýtur þeirri hugsun að skjóta upp, að brýn þörf er endurskoðunar á rekstrarfyrirkomulagi stærri atvinnurekstrar í landinu yfirleitt.

Gallar þess fyrirkomulags, sem verið hefur, liggja í augum uppi. Höfuðmeinið er í því fólgið, að þeir, sem við atvinnureksturinn vinna, finna ekki, að þeim sé ætlaður réttmætur hlutur af arði vinnunnar.

Viðhorfið er þvert á móti þannig, og fyrirkomulagið og reynslan gefa tilefni til þess að á því sé alið, að fyrirtækin séu rekin eingöngu með hagsmuni eigendanna fyrir augum, og þess vegna sé um að gera að vera sem harðsnúnastur í öllum skiptum við þau. Afleiðingin verður gagnkvæm tortryggni, og þegar atvinnuvegirnir eiga örðugt uppdráttar, gjalda þeir og þjóðin öll þessarar tortryggni, sem skapazt um stórrekstur, sem rekinn er á einhliða samkeppnisgrundvelli. Þessi tortryggni og hagsmunaárekstur gerir sum verkefni í atvinnu- og kaupgjaldsmálum lítt leysanleg og þvingar valdhafana stundum til þess að grípa til neyðarráðstafana, sem allir eru óánægðir með.

Reynsla Íslendinga í þessum efnum sýnir, að höfuðnauðsyn ber til að endurskoða fordóma- og hleypidómalaust fyrirkomulag stærri atvinnurekstrar í landinu — fyrst og fremst með það fyrir augum, að þeir, sem að fyrirtækjunum vinna, geti með réttu litið svo á, að fyrirtækin séu rekin til þess að gera almennt gagn og þeim sé ætlaður sanngjarn hlutur, í samræmi við það, sem atvinnureksturinn gefur í aðra hönd.

Er það skoðun flutningsmanna, að þessu marki verði svo bezt náð, að byggt verði á samvinnunni sem aðalgrundvelli við rekstur fyrirtækjanna.

Það hefur mikið verið rætt og ritað um þessi mál og ýmsar tillögur komið fram. Nú er einmitt tími kominn til þess að taka þessi mál fastari tökum en gert hefur verið, áður en hafizt verður handa um stórfelldar nýjar framkvæmdir og um leið og upplausnarástand það, sem nú er í atvinnumálum, knýr til nýrra aðgerða í þeim málum.

Alþingi samþykkti fyrir nokkru lög um að leggja verulegan hluta af tekjuafgangi ríkissjóðs á veltiárunum í framkvæmdasjóð ríkisins, sem varið yrði til framkvæmda að styrjöldinni lokinni. Í sambandi við önnur viðfangsefni ætti nefndin að gera tillögur um notkun þessa fjár. Einnig yrði hún að gera tillögur um öflun fjár, að svo miklu leyti, sem þess yrði þörf, til viðbótar því fjármagni, sem ríkið hefur yfir að ráða.

## Nd. 56. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 106 8. sept. 1941, um húsaleigu.

Flm.: Áki Jakobsson.

1. gr.

Í 3. og 4. gr. laganna falli niður orðið „fasteignamatsnefnd“.

2. gr.

1. mgr. 5. gr. laganna orðist svo:

Húsaleigunefnd skal í kaupstöðum skipuð 5 mönnum, en í hreppsfélögum 3. Húsaleigunefnd er kosin af viðkomandi bæjarstjórn eða hreppsnefnd til eins árs í senn. Samtímis skulu kosnir jafnmargir varamenn. Kosning er hlutbundin.

3. gr.

9. gr. falli niður. Greinatalan breytist samkvæmt því.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Samkvæmt gildandi húsaleigulögum er húsaleigunefnd aðeins í Reykjavík, en þar er hún skipuð af ríkisstjórninni og hæstarétti. Í öðrum kaupstöðum fela lögin fasteignamatsnefndum að gegna störfum húsaleigunefndar og loks eru í hreppsfélögum úttektarmönnum falin þessi mál. Reynslan hefur orðið sú, að þetta fyrirkomulag er með öllu óviðunandi, að minnsta kosti víða úti um land. Þau störf, sem húsaleigulögin fela þessum mönnum, eru mjög margvísleg og vandasöm og framar öllu eru þau mjög fjarskyld þeim störfum, sem fasteignamatsnefndir eða úttektarmenn almennt gegna. Menn, sem geta verið ágætlega til þess fallnir að eiga sæti í fasteignamatsnefnd eða vera úttektarmenn, geta verið með öllu óhæfir til þess að gegna hinum margbrotnu og erfiðu störfum, sem húsaleigulögin leggja þeim á herðar. Enda hefur það líka víða komið á daginn, einkum í kaupstöðunum, að fasteignamatsnefndirnar hafa verið til trafala og jafnvel hindrað það, að ýmis góð fyrirmæli húsaleigulaganna kæmu að notum.

Reynslan hefur orðið sú, að það lendir á bæjarstjórnunum og hreppsnefndunum að ráða bót á húsnæðisvandræðunum. Húsnæðislaust fólk getur auðvitað ekkert annað leitað. Það virðist því eðlilegt, að húsaleigunefndirnar séu kosnar af bæjarstjórnum og hreppsnefndum. Þá eru mestar líkurnar til þess, að í nefndirnar séu valdir hinir hæfustu og duglegustu menn, sem völ er á. Það kemur viðkomandi bæjarstjórn eða hreppsnefnd verst í koll sjálfri, ef hún velur óhæfa menn í þetta starf, af því að húsnæðislausa fólkið stendur eðlilega á henni.

Í þessu frumvarpi er gert ráð fyrir því, að bæjarstjórnir eða hreppsnefndir kjósi húsaleigunefndirnar hlutbundnum kosningum til eins árs í senn. Með þessu móti er bæjarstjórnum og hreppsnefndum veitt það mikið vald yfir nefndunum, að þær geta litið eftir því, að nefndirnar framfylgi húsaleigulögunum, en eins og kunnugt er, hefur verið mikill brestur á því. Reynist nefndirnar illa, er hægt að skipta um menn í þeim að ári liðnu.

Það er engin ástæða til að ætla það, að húsaleigunefndirnar gætu frekar misfarið með vald sitt, þó að þær yrðu myndaðar á þann hátt, sem farið er fram á í frv. þessu. Hitt er vafalaust, að þessi breyting á skipun húsaleigunefndanna mundi leiða til þess, að húsaleigulögin yrðu framkvæmd margfalt betur en nú á sér stað, með þeim afleiðingum, að mikið mundi draga úr húsnæðisvandræðunum.

Nánar í framsögu.

## Nd. 57. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 106 23. júní 1936, um útsvör.

Flm.: Áki Jakobsson.

1. gr.

a-liður 8. gr. laganna orðist svo:

Ef hann hefur heimilisfasta atvinnustofnun, svo sem útibú, eða ef hann hefur rekið atvinnu víðar en í einni sveit, enda má þá ekki leggja á hann að því leyti í heimilissveit hans. Löndun afla og útgerð línuveiðabáta frá verstöðvum utan heimilissveitar er ekki útsvarsskyld samkv. þessum staflið.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Með frumvarpi þessu er farið fram á það, að heimild verði gefin til þess að leggja útsvar á atvinnurekstur þar, sem hann raunverulega fer fram. Að vísu er í núgildandi útsvarslögum gefin heimild til þess að skipta útsvörum þeirra gjaldþegna, sem aflað hafa sér tekna sinna í fleiri sveitum en heimilissveit. Þessi ákvæði eru þó mjög ópraktisk og hafa tæpast verið notuð nema ef um launatekjur eða hlutartekjur er að ræða. Ef hins vegar atvinnurekstur, svo sem síldarsöltun á í hlut, koma þessi ákvæði að litlum sem engum notum. Ástæður til þessa eru margvíslegar. Niðurjöfnunarnefnd sú, sem útsvarið leggur á, er oft svo ókunnug atvinnurekstri viðkomanda, þeim hluta hans, sem fram fer í öðrum sveitum, að hún er ekki dómbær um afkomu hans og getur því ekki gert sér réttar skoðanir, ef gjaldþegn heldur upplýsingum fyrir nefndinni eða gefur rangar og villandi upplýsingar. Þá er það og ekki óalgengt, að tekjuþörfin í heimilissveit er svo lítil, að útsvarsupphæðin verður of lág til þess að það borgi sig að krefjast skiptingar. Það hefur líka lengi viðgengizt, að ýmsir atvinnurekendur teldu sig til heimilis í fámennum hreppum, þó þeir hefðu allan atvinnurekstur sinn í kaupstöðunum, til þess eins að komast undan réttmætum gjöldum. Það er í sjálfu sér ekki nema eðlilegt, að lítil hreppsfélög gleypi við slíkum óvæntum tekjustofnum, og eru oft mjög „sanngjörn" í útsvarsálagningu, til þess að eiga það ekki á hættu, að gjaldþegninn flytjist á brott aftur. Skipting útsvaranna útilokar það alls ekki, að menn geti á þennan hátt að miklu leyti sloppið undan lögmætum gjöldum.

Siglufjarðarkaupstaður er sem kunnugt er aðalheimkynni síldariðnaðarins. Þar er oft saltað meira af síld heldur en á öllum öðrum stöðum á landinu samanlagt. Þessi miklu síldarsöltun og síldariðnaður er auðvitað undirrót þess, að kaupstaðurinn varð til. En það segir sig auðvitað sjálft, að bæjarfélagið þarf að leggja í ýmsar framkvæmdir vegna þessa síldariðnaðar, byggja götur og mannvirki og ýmislegt fleira. Það er því eðlilegast, að allur þessi mikli atvinnurekstur, sem þarna fer fram, sé útsvarsskyldur á staðnum. Verulegur hluti síldarsöltunarinnar er hins vegar í höndum manna, sem ekki eiga heimili á Siglufirði og Siglufjörður hefur því ekki fengið útsvar af. Það virðist vera í fyllsta máta sanngjarnt, að atvinnurekstur sé útsvarsskyldur þar, sem hann fer fram. Þess er því að vænta, að háttvirtir þingmenn geti fallizt á þessa breytingu, sem hér er farið fram á.

Það er vert að geta þess hér, að það er orðin skoðun flestra þeirra, sem hafa með álagningu útsvara að gera og annast sveitarstjórnarmál, að það sé með öllu óviðunandi, hve útsvör í hinum einstöku bæjar- og sveitarfélögum eru mishá. Menn með sömu tekjur, sinn í hvoru bæjar- eða sveitarfélaginu, greiða mjög mishá útsvör. Þetta verður til þess, að menn hyllast til að flytja sig að nafninu til í önnur sveitarfélög, til þess að forða sér frá háu útsvari, en slíkur flótti eykur vitanlega mismuninn enn meir. Það er bráðnauðsynlegt, að útsvarslöggjöfin verði öll endurskoðuð, sérstaklega með það fyrir augum að leiðrétta þetta ranglæti. Þess er að vænta, að nú á næstunni verði ráðizt í að endurskoða frá grunni útsvarslöggjöfina.

Þessu frumvarpi er ekki ætlað að leiðrétta þetta. Með því er aðeins, ef að lögum verður, afnumið það óeðlilega ástand, að atvinnurekstur skuli ekki vera útsvarsskyldur þar, sem hann fer fram.

Til þess að fyrirbyggja það, að þessi breyting við útsvarslögin, ef að lögum yrði, geti orðið til þess, að farið væri að leggja útsvör á skip þar, sem þau landa afla sinn, eða línuveiðabáta þar, sem þeim er haldið út, hefur verið sett sérstakt ákvæði í frv. Það væri í fyllsta máta óréttmætt, eins og ástatt er hér á landi um fiskveiðar og verstöðvar, ef hægt væri að leggja útsvör á eigendur skipa og báta þar, sem þau legðu upp afla sinn eða væri haldið út í þann og þann svipinn.

Nánar í framsögu.

## Nd. 58. Frumvarp til laga

um virkjun Tungufoss í Rangárvallasýslu.

Flm.: Ingólfur Jónsson, Jóhann Jósefsson, Helgi Jónasson.

1. gr.

Rangárvallasýslu og Vestmannaeyjakaupstað heimilast að reisa og reka raforkustöð við Tungufoss í Rangárvallasýslu, til þess að vinna þar raforku til almenningsþarfa, og leggja háspennutaugar um Rangárvallasýslu og streng til Vestmannaeyja, svo og gera afspennistöðvar og þau mannvirki önnur, er með þarf til þess að koma orkunni til notenda.

2. gr.

Áður en byrjað er á verkinu, skal senda atvinnumálaráðherra frumdrætti að hinum fyrirhuguðu mannvirkjum ásamt lýsingu á þeim. Getur ráðherra krafizt þeirra breytinga á fyrirhugaðri tilhögun verksins, sem nauðsynlegar kunna að þykja, að dómi sérfræðinga, vegna almenningshagsmuna.

3. gr.

Þegar Rangárvallasýsla og Vestmannaeyjar hafa reist orkuverið við Tungufoss og tekið það í notkun, skal virkjunin rekin sem sjálfstætt fyrirtæki með sérstöku reikningshaldi, samkvæmt reglugerð, sem atvinnumálaráðherra staðfestir.

4. gr.

Raforkuverið við Tungufoss selur raforku til nota í Rangárvallasýslu og Vestmannaeyjum frá fyrirhuguðum háspennulínum á fyrr nefndum stöðum.

5. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt, gegn þeim tryggingum, er hún tekur gildar, að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 5 milljón króna lán fyrir Rangárvallasýslu og Vestmannaeyjar til rafvirkjunar samkvæmt lögum þessum, þar með taldar háspennulínur og afspennistöðvar.

6. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

### Greinargerð.

Tungufoss hefur verið mældur og gerð áætlun um virkjun þar. Kemur verkfræðingum saman um, að skilyrði til virkjunar þar séu sérstaklega góð. Aflið er um 6 þús. hestöfl. Má fullyrða, að það er nóg afl fyrir Rangárvallasýslu og Vestmannaeyjar um langa framtíð, enda þótt ráð sé fyrir því gert, að iðnaður rísi upp í þessum byggðarlögum og fólksfjölgun þar eigi sér stað í stórum stíl.

Það hefur oft verið talað um erfiðleika í sambandi við raflýsingu í sveitum og það ekki að ástæðulausu. En erfiðleikarnir mega ekki vaxa mönnum svo í augum, að þess vegna verði ekkert hafzt að í þessu efni. Framtíð sveitanna er undir því komin, hvaða skilning hv. alþm. og allur almenningur í landinu hefur á þessum málum. Það er kostnaðarsamt að reisa orkuver og leiða rafmagnsnet um allar helztu byggðir landsins, en það er mögulegt og framkvæmanlegt, og m. a. þess vegna er frumvarp þetta flutt.

Byggðin í Rangárvallasýslu liggur að mörgu leyti mjög vel til þess að rafmagnsnetið geti með tiltölulega léttu móti spennt greipar um flesta bæi þar. Þar eru þéttbyggðar sveitir með margs konar skilyrði, frjósamar sveitir, sem liggja vel við samgöngum, sveitir með óteljandi framtíðarmöguleika, enda oft talað um sérstaka möguleika þar fyrir býlafjölgun vegna góðra ræktunarskilyrða. Í sýslunni eru að rísa upp

þorp í sambandi við kaupfélögin, enda munu þau þorp fá góð vaxtarskilyrði þegar rafmagnið er komið, í sambandi við ýmiss konar iðnað. Þá er þar nokkuð stórt sveitaþorp, Þykkvibærinn, með sín góðu framleiðsluskilyrði vegna Safamýrar. Vestmannaeyjar munu nota mikið afl til ljósa og hitunar, auk þess mun þurfa mikið afl þar til ýmiss konar iðnaðar.

Virkjun Tungufoss er fyrirtæki, sem mun bera sig fjárhagslega. Það er því áhættulaust að gefa ríkisábyrgð fyrir þeirri upphæð, sem farið er fram á í frumvarpinu, enda verða eignir fyrirtækisins sem baktrygging fyrir upphæðinni. Nú er unnið að fullkomnari og enn nákvæmari fullnaðarteikningum og kostnaðaráætlun fyrir virkjun á Tungufossi en hinni, sem áður var fengin, og mun þeirri áætlun verða lokið á þessum vetri. Ábyrgðarupphæðin er sett samkvæmt niðurstöðum og áætlun, sem mun vera mjög nærri því, sem verða mun eftir þeirri áætlun, sem nú er verið að vinna að.

## Nd. 59. Frumvarp til laga

um ráðstafanir til þess að tryggja húsnæðislausu fólki húsnæði og um stóríbúðaskatt.

Flm.: Sigfús Sigurhjartarson, Einar Olgeirsson, Sigurður Guðnason.

### I. KAFLI

### Ráðstafanir til þess að tryggja húsnæðislausu fólki húsnæði.

1. gr.

Bæjarstjórnum og hreppsnefndum er heimilt að skylda fólk, sem býr í óhæfilega stóru húsnæði, til þess að láta af hendi nokkurn hluta þess til afnota fyrir þá, sem vantar húsnæði.

2. gr.

Nú ákveður bæjarstjórn eða hreppsnefnd að notfæra sér heimildina í 1. gr. hér að framan, og kjósa þær þá, hlutbundnum kosningum, nefnd, í kaupstöðum 5 manna, en í hreppsfélögum 3 manna, sem fer með vald bæjarstjórna og hreppsnefnda í þessum málum og annast framkvæmdir. Þessi nefnd úrskurðar allan ágreining, sem upp kann að rísa við framkvæmd I. kafla þessara laga. Úrskurðum hennar má þó skjóta til bæjarstjórna og hreppsnefnda, sem leggja fullnaðarúrskurð á deiluatriðið.

Þessi nefnd, sem nefnist húsnæðisnefnd, hefur fógetavald til þess að framkvæma úrskurði sína. Verði slíkum úrskurðum áfrýjað til hæstaréttar, er skylt að fara með þá áfrýjun svo sem fyrir er mælt í 198. sbr. 199. gr. laga nr. 85 23. júní 1936, um meðferð einkamála í héraði.

3. gr.

Ef fólk býr ekki við meira húsnæði, mælt í fermetrum gólfs, en hér segir, er óheimilt að skylda það til þess að láta hluta þess af hendi:

| | |
|---|---|
| Einhleypur maður yfir 16 ára, allt að | 20 m² |
| Hjón (barnlaus), allt að | 30 — |
| Hjón með 1 barn innan 16 ára, allt að | 35 — |
| Hjón með 2 börn innan 16 ára, allt að | 45 — |
| Hjón með 3 börn innan 16 ára, allt að | 50 — |
| Hjón með 4 börn innan 16 ára, allt að | 55 — |
| Hjón með 5 börn innan 16 ára, allt að | 65 — |
| Hjón með 6 börn innan 16 ára, allt að | 65 — |

Í gólfflatarmáli eru aðeins talin íbúðarherbergi.

4. gr.

Nú hefur húsnæði verið tekið til notkunar samkv. þessum lögum, og fer þá um ákvörðun á leiguupphæð og leigumála samkv. ákvæðum laga um húsaleigu, nr. 106 8. sept. 1941.

5. gr.

Bæjarstjórnir og hreppsnefndir geta sett húsnæðisnefndum nánari starfsreglur, ef þurfa þykir.

Hverjum manni eða konu eldri en 21 árs og yngri en 60 ára, með fullri heilsu, er skylt að gegna störfum í húsnæðisnefnd.

## II. KAFLI
## Um stóríbúðaskatt.

6. gr.

Heimilt er bæjarstjórnum og hreppsnefndum að leggja á stóríbúðaskatt samkv. því, er segir í þessum kafla.

7. gr.

Þeir einstaklingar eða fjölskyldur, sem ekki búa í stærra húsnæði en segir í 3. gr. hér að framan, að viðbættum 25% af gólfflatarmáli, þar í talið eldhús, baðherbergi og gangar innan íbúðar, eru undanþegnir stóríbúðaskatti samkvæmt lögum þessum.

Sá greiðir stóríbúðaskatt, sem íbúð notar, hvort sem hann er eigandi eða leigir hana af öðrum.

8. gr.

Stóríbúðaskattur miðast við gólfflöt íbúða, sem fram yfir er það, sem um getur í 7. gr. hér að framan, og skal árlega vera sem hér segir:

| | | | |
|---|---|---|---|
| Af fyrstu 20 m² | kr. | 5.00 | pr. m² |
| Af næstu 20 m² | — | 20.00 | — — |
| Af næstu 20 m² | — | 30.00 | — — |
| Af næstu 20 m² | — | 50.00 | — — |

Þar fyrir ofan kr. 75.00 pr. m².

9. gr.

Stóríbúðaskattur skal lagður á í byrjun hvers árs, og skulu bæjarstjórnir eða hreppsnefndir leggja fram skrá yfir skattinn, almenningi til sýnis, ekki síðar en 1. febrúar ár hvert. Um það, hve langan tíma stóríbúðaskattskrár skuli liggja frammi, um kærur yfir skattinum og úrskurði á þeim kærum fer samkv. lögum um tekju- og eignarskatt og reglugerð í sambandi við þau lög.

10. gr.

Nú ráðstafar gjaldþegn hluta af húsnæði sínu til húsnæðislauss fólks, eða bæjarstjórn eða hreppsnefnd notar sér heimild 1. gr. laga þessara, og skal þá stóríbúðarskattur lækka eða falla niður, eftir því sem við á, frá og með 1. næsta mánaðar eftir að flutt hefur verið inn í þann hluta íbúðarinnar.

11. gr.

Stóríbúðaskattur rennur í viðkomandi bæjar- eða hreppssjóð.

Gjalddagar skattsins eru 12, síðasta virkan dag hvers mánaðar.

Innheimta má stóríbúðaskatt með lögtaki.

12. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Húsnæðisvandræðin, einkum í Reykjavík og í öðrum kaupstöðum landsins, hafa nú um langt skeið verið eitt erfiðasta viðfangsefnið. Hér í Reykjavík er ástandið með öllu óviðunandi, þrátt fyrir það, þótt mikið hafi verið byggt að undanförnu. Á síðast liðnu sumri var safnað skýrslum um húsnæðislaust fólk í Reykjavík. Samkvæmt þeim skýrslum var húsvillt fólk sem hér segir:

| | |
|---|---|
| Fjölskyldur alls | 691 |
| Börn á þeirra vegum | 854 |
| Einhleypingar | 188 |
| Húsvilltir einstaklingar að meðt. börnum og einhl. | 2592 |

Þetta fólk hírðist á hinum margvíslegustu stöðum, í útihúsum, sumarbústöðum, í herbúðum, á hótelum og jafnvel í tjöldum. Það þarf engra frekari orða við til þess að öllum skiljist, hversu gersamlega óþolandi ástand þetta er.

Síðan í sumar virðist nokkuð hafa dregið úr húsnæðisskortinum, enda hefur mikið verið byggt. Þó er enn langt frá því, að þetta vandamál sé leyst, þannig að við sé hlítandi.

Á fundi bæjarráðs Reykjavíkur, sem haldinn var föstudaginn 4. des. s. l., voru húsnæðisvandræðin í Reykjavík til umræðu, þar eð bæjarstjórn hafði vísað til þess tillögum, er Sósíalistaflokkurinn og Alþýðuflokkurinn höfðu lagt þar fram, um hagnýtingu lítt notaðs og ónotaðs húsnæðis og um skömmtun húsnæðis. Á þeim fundi upplýstist, að 120 manns hefðu nú leitað aðstoðar bæjarins um útvegun íbúða, án þess að fá úrlausn. Af þeim eru 40 fjölskyldur algerlega húsnæðislausar, og flestar af þeim tvístraðar. Sjö þessara fjölskyldna búa í búningsklefum íþróttavallarins. Þeir eru, svo sem kunnugt er, óvönduð skýli, eingöngu ætluð til notkunar að sumri til. Útveggir eru þannig, að bárujárn er klætt á grindina, og síðan þiljað með panel innan á grindina, og sér hver maður, að slíkt hús er engan veginn íbúðarfært yfir veturinn.

Það liggur nú fyrir að bæta úr húsnæðisvandræðum þessa fólks í Reykjavík fyrst og fremst. Það er eftirtektarvert, að þessir 120, sem enn eru húsnæðislausir, hafa ekki getað fengið húsnæði, þrátt fyrir ýmis ákvæði í gildandi húsaleigulögum, sem sett hafa verið til hjálpar húsvilltu fólki. Bráðabirgðalögin, sem gefin voru út í haust og heimiluðu leigunám sumarbústaða, hafa að vísu bætt úr vandræðunum, en ekki leyst þau. Það liggur nú fyrir að útvega þessu húsvillta fólki húsnæði og það strax. Hér duga ekki neinar bollaleggingar um að byggja nýjar íbúðir, það er óhjákvæmilegt að gera ráðstafanir, sem koma hinum húsnæðislausu að gagni nú þegar. Tilgangur frv. þessa er einmitt sá að koma húsvilltu fólki að gagni strax með því að fá því til afnota hluta af íbúðum þeirra, er búa í óhæfilega stórum íbúðum. Bærinn er nú sem stendur að byggja 48 íbúðir, sem búizt er við, að geti orðið tilbúnar næstkomandi sumar, enn fremur er mikið af íbúðarhúsum í byggingu, svo að búast má við, að eitthvað af hinu húsvillta fólki geti fengið húsplass bráðlega aftur og þá flutt úr þeim íbúðum, sem það fengi samkv. þessu frv., ef að lögum yrði. Þess ber þó að gæta, að margt af því fólki, sem ekki er beinlínis talið húsvillt og ekki er talið með í nýjustu tölum um húsnæðisvandræðin í Reykjavík, býr í íbúðum, sem ekki eru íbúðarhæfar, allt of köldum og heilsuspillandi kjöllurum og útihúsum. Meðal þessa fólks eru margir þeirra, sem fengu húsnæði í sumarbústöðunum í nágrenni Reykjavíkur í haust, því að margir sumarbústaðanna eru léleg sumarskýli, sem ekki er hægt að búa í yfir veturinn, þó að húsvillt fólk hafi þegið þá til íbúðar í neyð sinni. Með því að skammta húsnæði svipað því, sem gert er ráð fyrir í þessu frv., væri hægt að rýma verstu vistarverurnar, sem fólk hefur orðið að gera sér að góðu að búa í nú í húsnæðisvandræðunum.

Þó að hér hafi eingöngu verið rætt um Reykjavík og húsnæðisvandræðin þar, þá er þó vitað, að í ýmsum öðrum kaupstöðum og kauptúnum er hin mesta húsnæðis-

ekla, þó ekki sé hún eins óhærileg og hér í Reykjavík. Frv. þetta, ef að lögum yrði, mundi víða geta bætt alveg úr húsnæðisvandræðunum og jafnvel gert kleift að leggja niður íbúð í verstu vistarverunum, sem nú eru notaðar þar.

Frumvarp þetta er byggt á þeirri sanngirniskröfu, að sumum einstaklingum þjóðfélagsins verði ekki leyft að búa í óhóflega stóru húsnæði á sama tíma, sem aðrir þegnar ráfa um á götunni, verða að leysa upp heimili sín eða sætta sig við að búa í íbúðum, sem ekki eru mönnum boðlegar eða sæmandi. Húsnæðiseklan er ein af orsökum stríðsástandsins, sem þjóðin á að mæta með sameiginlegum aðgerðum. Þjóðin má ekki láta það viðgangast, að húsnæðiseklan niðurlægi suma einstaklinga þjóðfélagsins meðan fjöldi manna býr við húsnæði, sem þeir hafa ekkert með að gera.

Vandræði hinna húsvilltu verða ekki leyst nema því aðeins, að farið verði inn á þær brautir, sem frv. þetta er á, þ. e. að taka húsnæði af þeim, sem mest hafa og óhóflegast, og afhenda það þeim húsnæðislausu og vinna jafnframt gegn því, að menn vilji búa við óhóflega mikið húsnæði, með stóríbúðaskatti.

Flm. munu að sjálfsögðu fúsir að taka til athugunar allar breytingar til hins betra á þessu frv.

Hér fara á eftir skýringar við hinar einstöku greinar frv.

Um 1. kafla.

Þessi kafli fjallar um skömmtun húsnæðis. Þessi kafli frv. gerir ráð fyrir því, að skömmtun húsnæðis sé aðeins heimild, sem sveitar- og bæjarfélög geti gripið til, ef þess yrði talin þörf. Húsvillt fólk hlýtur að sjálfsögðu að leita til viðkomandi bæjarstjórna eða hreppsnefnda, og þessir valdhafar eru því bezt dómbærir um það, hvort þörf sé á því að skammta húsnæði. Það er auðvitað líka eðlilegast, að einmitt sá aðilinn, sem hinir húsvilltu leita til með vandræði sín, hafi vald til þess að gera þær ráðstafanir, sem nauðsynlegar eru til þess að hjálpa þeim, án þess að vera hindraðir af öðrum. Þar sem tekið yrði til heimilda þessa frv., ef að lögum yrði, mundi að sjálfsögðu verða byrjað á að taka af húsnæði þeirra, sem stærst hafa húsnæðið.

Um 1. og 2. gr.

Í þessum greinum er kveðið á um heimild bæjarstjórna og hreppsnefnda til að skammta húsnæði, ef þær telja þess þörf. Enn fremur er þar talað um, hvernig framkvæmdum skuli hagað. Það verður að teljast óhjákvæmilegt, að þær nefndir, sem falið yrði að sjá um framkvæmdir, séu kosnar af viðkomandi hreppsnefnd eða bæjarstjórn. Það er eina tryggingin fyrir því, að til starfans verði valdir hæfir og duglegir menn, enda er í lok 2. gr. ákveði, sem gefur bæjarstjórnum og hreppsnefndum vald til þess að hafa hönd í bagga með framkvæmdinni, bæði með hag hinna húsvilltu og þeirra, sem húsnæði er tekið af, fyrir augum.

Um 3. gr.

Það er nauðsynlegt að ákveða, hve mikið húspláss megi teljast forsvaranlegt, að fólk hafi. Flutningsmenn væru þó fúsir til þess að taka til athugunar breytingartillögu um endurbætur á þessum stiga. Það getur líka verið mikið álitamál, hvað rétt sé í þessu efni.

Um 4. gr.

Það virðist ástæðulaust að gera þessi mál flóknari en nauðsyn krefur. Þess vegna er talið rétt að halla sér að ákvæðum húsaleigulaga um ákvörðun leiguupphæðar og leigumála eftir húsnæði, sem tekið væri handa húsvilltu fólki.

Í þessu sambandi vilja flutningsmenn benda á, að það væri ef til vill bezt, að sama nefndin hefði með höndum framkvæmd þessa frv., ef að lögum yrði, og húsaleigulaga, en þó því aðeins, að skipun húsaleigunefndanna yrði breytt

frá því, sem nú er, í það horf, sem gert er ráð fyrir í 2. gr. þessa frv., að þær verði kosnar af viðkomandi bæjarstjórn eða hreppsnefnd.

Um 5. gr.

Það getur verið þægilegt að setja nefndum þeim, er framkvæma eiga þessi lög, nánari starfsreglur, einkum til þess að fyrirbyggja óþarfa ágang á þá, sem búa í stóru húsnæði.

Um II. kafla.

Þessi kafli fjallar um stóríbúðaskatt. Tilgangur stóríbúðaskattsins er að vinna á móti því, að menn búi í stærra húsnæði en þeir hafa þörf fyrir. Þeir menn, sem vilja endilega búa við stærra húsnæði en þeir hafa þörf fyrir, verða þá að sætta sig við að greiða sérstakan skatt af því húsnæði, sem þeir hafa umfram það, sem nauðsynlegt getur talizt.

Um 6. gr.

Stóríbúðaskatturinn er aðeins heimild, sem bæjarstjórnir þurfa ekki að innheimta nema þær telji þörf á að vinna gegn því, að menn búi í stórum íbúðum. í sumum bæjarfélögum og sveitarfélögum er ef til vill ekki ástæða fyrir hendi til þess að framkvæma stóríbúðaskattinn.

Um 7. gr.

Greinin þarf engra skýringa við.

Um 8. gr.

Í þessari gr. er skattstiginn. Um þennan stiga gildir sama og sagt er um 3. gr., að það er auðvitað álitamál, hvernig hann á að vera. Flutningsmenn taka feginsamlega öllum breytingum, sem horfa til hins betra.

Um 9. gr.

Þarf ekki skýringa við.

Um 10. gr.

Tilgangur stóríbúðaskattsins felur það í sér, að honum sé létt af jafnskjótt og skattgreiðandi hefur minnkað við sig húspláss.

Um 11. gr.

Allar framkvæmdir skv. þessu frv. eru faldar bæjarstjórnum og hreppsnefndum. Verði frv. að lögum, er nauðsynlegt, að bæjarstjórnir og hreppsnefndir hafi sem mesta hvöt til þess að notfæra sér heimildir þess, og því þykir rétt, að stóríbúðaskatturinn renni í viðkomandi bæjar- eða hreppssjóð.

Um 12. gr.

Þarf ekki skýringa við.

Frumvarp þetta er hugsað sem bráðabirgðaráðstöfun aðeins, til þess að bæta úr húsnæðisþörfinni þegar í stað. Þess er því vænzt, að þessu máli verði vel tekið af þingmönnum og að það fái fljóta afgreiðslu.

## Nd. 60. Frumvarp til laga

um búfjártryggingar.

Flutningsm.: Jón Sigurðsson, Sigurður Bjarnason.

1. gr.

Stofna skal sérstaka deild við Brunabótafélag Íslands og undir stjórn þess, er nefnist Búfjártryggingardeild.

2. gr.

Verkefni Búfjártryggingardeildar er að taka að sér vátryggingu búfjár gegn vanhöldum og slysum, allt eftir þeim nánari reglum, sem lög þessi og reglugerð setja.

3. gr.

Skylt er að tryggja í deildinni gegn venjulegum vanhöldum:

a. Kynbótanaut og kynbótahesta, er styrks njóta af opinberu fé og eru til félagslegra afnota.
b. Bústofn sauðfjárkynbótabúa og annarra kynbótabúa, sem rekin eru með opinberum styrk og undir opinberu eftirliti.

Ekki má vátryggja undir þessum lið eldri gripi en hér segir: Kynbótanaut 12 vetra, kynbótahesta 18 vetra, hrúta og ær 6 vetra.

4. gr.

Heimilt er að tryggja í deildinni:

a. Gegn vanhöldum: Kýr og hrúta.
b. Gegn slysum af völdum illviðra og sjávarflæðar: Tiltekið búfé eða hópa búfjár.

5. gr.

Vátryggingarupphæð gripa skal ákveðin fyrir fram og með hliðsjón af skattmati á hverjum tíma. Verðmæti kynbótagripa má þó vera allt að tvöfalt skattmat, eftir því sem vátryggjanda og umboðsmanni Búfjártryggingarsjóðs kemur saman um.

Eindagi á iðgjöldum er samtímis því, er tryggingarnar eru skráðar.

6. gr.

Vátryggingarsjóður bætir ⅘ vátryggingarverðs og því aðeins, að vanhöldin eða slysin séu ekki um að kenna fóðurskorti, hirðuleysi eða handvömm eigenda gripanna eða umráðenda, þjónum þeirra eða nánustu erfingjum.

Frá bótum dragast nytjar fjárins eftir hæfilegu mati.

7. gr.

Til vanhalda og slysa samkv. 3. og 4. gr. teljast dauðsföll af sjúkdómum og slysum á meðan hinir vátryggðu gripir eru í gæzlu, hvort sem er í húsi eða í heimahögum, eftir því sem nánar verður tiltekið í reglugerð.

8. gr.

Allir þeir, sem vátryggja í Búfjártryggingardeild, eru félagsmenn hennar og ábyrgjast, að sjóður hennar geti staðið í skilum. Ábyrgðin er þó takmörkuð við það, að vátryggjendum það ár, er iðgjöldin hrökkva ekki til bóta, er skylt að greiða viðbótariðgjöld allt að 100%. Viðbótariðgjöldin má taka lögtaki í eignum vátryggjanda. Nú verður eitthvert ár svo mikið tjón af slysum samkv. 4. gr. b., að iðgjöldin hrökkva ekki til, og skal þá ríkissjóður greiða það, sem á vantar, og er það ekki afturkræft.

Ríkissjóður er í bakábyrgð fyrir varasjóð deildarinnar, en endurgreiða skal

ríkissjóði það, sem hann á þann hátt kynni að leggja fram, þó með þeirri undantekningu, er að framan greinir.

9. gr.

Ríkissjóður leggur fram 300 þús. kr., þegar Búfjártryggingardeildin er stofnuð, og er það stofnfé deildarinnar og nefnist Búfjártryggingarsjóður.

10. gr.

Vátryggingar á búfé gilda til þess tíma, sem tiltekið er í vátryggingarskírteininu.

11. gr.

Umboðsmenn Brunabótafélags Íslands skulu vera umboðsmenn Búfjártryggingardeildar. Þeir skrá tryggingarnar, gefa út vátryggingarskírteini, innheimta iðgjöld og aukaiðgjöld og gera á þessu öll skil til félagsins. Þeir skulu vera umboðsmenn deildarinnar við mál um skyldu til bóta og um upphæð bótanna.

Brunabótafélagið getur þó tekið sér sérstaka trúnaðarmenn fyrir Búfjártryggingardeildina.

Nú verður ágreiningur milli umboðsmanns og tjónþola um rétt og skyldu til bóta eða um upphæð bótanna, og skal ágreiningnum þá skotið til gerðardóms þriggja manna. Nefni til sinn mann hvor aðili, en viðkomandi dómari oddamanninn. Úrskurður gerðardómsins er fullnaðarúrskurður. Skaðabætur greiðast ekki af hendi fyrr en tjón er að fullu sannað og metið.

12. gr.

Nú er búfé, sem vátryggt er samkvæmt lögum þessum, veðsett, og nær þá veðrétturinn einnig til vátryggingarfjárins.

13. gr.

Landbúnaðarráðherra ákveður iðgjöld vegna búfjártrygginga í samráði við forstjóra Brunabótafélags Íslands og stjórn Búnaðarfélags Íslands, og skal þá leggja til grundvallar vanhaldaskýrslur þær, er fyrir liggja, og aðrar upplýsingar um vanhöld og fjárskaða, er lög þessi ná til og þessir aðilar geta aflað sér á annan hátt.

14. gr.

Landbúnaðarráðherra ákveður nánar með reglugerð verksvið Búfjártryggingardeildar, stjórn, reikningshald, virðingar, iðgjöld, gjalddaga, endurtryggingu, hvernig meta skuli skaða af vanhöldum, hvað telst til vanhalda, sem skylt er að bæta, ábyrgð félagsmanna og annað varðandi búfjártryggingarnar, er þörf krefur, að ýtarlegar sé kveðið á um.

15. gr.

Brjóti vátryggjandi lög þessi eða reglugerð og skilyrði, sem sett eru samkvæmt þeim, varðar það réttindamissi til skaðabóta eftir málavöxtum, svo sem reglugerð tiltekur nánar. Í reglugerð má ákveða sektir fyrir brot á ákvæðum hennar, 10—500 kr., er renni í Búfjártryggingarsjóð.

16. gr.

Með mál út af brotum á lögum þessum skal farið sem almenn lögreglumál.

17. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi felld lög nr. 28 7. maí 1928, um búfjártryggingar.

## Greinargerð.

Árið 1928 samþykkti Alþingi lög um búfjártryggingar, þar sem hreppum var heimilað að stofna vátryggingarsjóði, ef fullnægt væri ákveðnum skilyrðum. Lög þessi hafa ekki komið til framkvæmda, þótt nú séu 14 ár liðin síðan þau voru sam-

þykkt á Alþingi. Mun þar mestu um valda skortur á almennum áhuga hjá bændum fyrir slíkum tryggingum og þar af leiðandi örðugleikar á að fá nægan meiri hluta í hreppnum til þess að stofna vátryggingarsjóðina. Lög þessi hafa því steytt á sama skerinu og lögin um vátrygging sveitabæja meðan framkvæmd þeirra var háð samþykktum hreppanna.

Þótt þannig hafi til tekizt, er ýmsum ljóst, að hér er um að ræða eitt af nauðsynjamálum landbúnaðarins. Bætt meðferð og kynbætur hafa stóraukið verðmæti einstakra gripa og heilla búfjárgreina. Valdir kynbótagripir og góðar mjólkurkýr eru t. d. ávallt í svo háu verði, að það er hverjum búanda tilfinnanlegt tjón að missa slíka gripi. Fátækir bændur hafa ekki heldur ráð á að kaupa dýra kynbótagripi nema þeir geti jafnframt vátryggt þá.

Flesta vetur berast fréttir um, að búfé bænda, fleira eða færra, hafi farizt af illviðrum eða sjávarflæði. Er hér skemmst að minnast, er bændur við norðanvert Ísafjarðardjúp misstu nú í haust um fjögur hundruð fjár, sem ýmist fennti eða hrakti í sjó í ofviðri. Tjón bænda, sem missa þannig t. d. nær allt sauðfé sitt á einum sólarhring, er oft enn þá tilfinnanlegra en þó öll bæjarhúsin brynnu óvátryggð.

Alþingi hefur fyrir löngu séð hættuna, sem því er samfara að hafa húsin óvátryggð, og lögleitt skyldutryggingu á íbúðarhúsum, en enn þá eiga bændur þess engan kost að tryggja búfé sitt fyrir slysum.

Eins og nú er komið búnaði hér á landi, verður tæplega um það deilt, að full þörf sé á því, að bændur eigi þess kost að tryggja búfénað sinn fyrir vanhöldum og slysum. Um hitt getur orðið ágreiningur, hvaða leið skuli valin.

Hér er lagt til, að stofnuð verði búfjártryggingardeild fyrir land allt með skyldutryggingu, er nái aðeins til kynbótagripa og kynbótabúa, sem njóta opinbers styrks. Er það gert meðfram til þess, að deildin fái strax fastan stofn, svo hún komist þegar á fót. Að öðru leyti séu tryggingarnar frjálsar, líkt og lausafjártryggingar Brunabótafél. Íslands. Ekki hefur þó þótt fært að taka upp vanhaldatryggingu fyrir allt sauðfé og hross framar en í núgildandi lögum, meðan fóðurtryggingar eru ekki almennt komnar á og mæðiveiki og garnaveiki herja á sauðfjárstofninn.

Brunabótafélag Íslands er að öðrum þræði tryggingarstofnun fyrir sveitirnar, og er því hagfelldast og kostnaðarminnst að fela því einnig alla framkvæmd og stjórn þessara tryggingarmála.

Samkvæmt núgildandi lögum átti ríkissjóður að leggja fram 300 þús. kr. sem stofnfé Búfjártryggingarsjóðs. Þessi sjóður varð þó aldrei til nema á pappírnum, því að á kreppuárunum var framkvæmd laganna frestað að þessu leyti. Hér er lagt til, að ríkissjóður greiði þessa upphæð til Búfjártryggingarsjóðs.

Flutningsmenn hafa við samning þessa frv. notið aðstoðar framkvæmdarstjóra Brunabótafélags Íslands og fengið hjá honum ýmsar mikilsverðar bendingar.

## Sþ. 61. Nefndarálit

um tillögu til þingsályktunar um tilhögun flutninga á langleiðum.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað málið og leggur einróma til, að tillagan verði samþykkt.

Alþingi, 8. des. 1942.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Sveinsson, form., frsm. | Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. | Jón Sigurðsson. |
| Páll Zóphóníasson. | Gísli Jónsson. | Ásgeir Ásgeirsson. |
| | Sigurður Þórðarson. | |

## Nd. 62. Frumvarp til laga

um heimild fyrir ríkisstjórnina til að innheimta skemmtanaskatt með viðauka árið 1943.

Frá fjárhagsnefnd.

1. gr.

Skemmtanaskatt samkvæmt lögum nr. 56 31. maí 1927 skal árið 1943 heimilt að innheimta af kvikmyndasýningum með 200% álagi og af öðrum skemmtunum með 20% álagi. Þó skulu leiksýningar, hljómleikar og söngskemmtanir innlendra manna undanþegnar álagningunni.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frv. er flutt eftir tilmælum dóms- og kirkjumálaráðuneytisins. Einstakir nefndarmenn hafa óbundnar hendur um breytingartillögur.

Frumvarp þetta er samhljóða lögum nr. 46 1942, sem heimila að innheimta skemmtanaskatt með viðauka árið 1942, en þetta frumvarp veitir sömu heimild fyrir árið 1943.

## Nd. 63. Frumvarp til laga

um jöfnunarsjóð aflahluta.

Flm.: Sigurður Kristjánsson, Sigurður E. Hlíðar, Sigurður Bjarnason.

1. gr.

Af óskiptum afla hvers íslenzks veiðiskips, sem hefur hlutarráðningu (þ. e.: skipshöfnin tekur kaup sitt í hlutdeild í afla), skal í lok hverrar vertíðar greiða 1% af verðmæti aflans í óverkuðu ástandi, eftir að sameiginlegur kostnaður hefur verið dreginn frá. Útgerðarmaður stendur skil á gjaldinu, og skoðast það geymslufé, eftir að skipti hafa farið fram. Gjald þetta innheimta hreppstjórar og bæjarfógetar, hver í sínu umdæmi, og rennur það óskipt í sjóð, er nefnist jöfnunarsjóður aflahluta. Skal það sent sjóðstjórninni að loknum skiptum eftir hverja vertíð.

2. gr.

Ríkissjóður leggur jöfnunarsjóði fyrsta ár eftir stofnun hans jafnháa fjárhæð og tekjur sjóðsins voru af aflahlutum það ár. Eftir það leggur ríkissjóður sjóðnum árlega fjárhæð, sem jafngildir tekjum hans af aflahlutum frá byrjun, deildum með tölu ára frá stofnun hans.

3. gr.

Skip, sem gerð eru út í sama kaupstað eða sama hreppi, geta myndað sérstaka deild í jöfnunarsjóði, ef útgerðarmenn og starfandi sjómenn í kaupstaðnum eða hreppnum óska þess, og skal þá halda fjárreiðum þeirra deilda aðskildum, þó því aðeins, að deildir þessar hafi með sérstökum samþykktum ákveðið hærri iðgjöld en þau almennu eða aflað sérsjóðum sínum annarra tekna. Framlag ríkissjóðs til þeirra miðast þó ávallt við 1% af afla samkvæmt ákvæðum 1. og 2. gr.

Stjórn jöfnunarsjóðs getur við úthlutun hlutaruppbóta úr sérsjóðum þessum vikið frá hinni almennu reglu, ef ástæða þykir til og óskir koma fram um það frá þeim, sem hlut eiga að máli.

4. gr.

Sjóðnum skal varið þannig: Þegar hlutir á veiðiskipi verða ekki yfir 66% af meðalhlut skipsins 5 síðustu ár, miðað við fullan úthaldstíma, skulu hlutir skips og skipshafnar bættir upp eftir eftirfarandi reglum, meðan fé sjóðsins endist, sbr. þó síðustu málsgrein þessarar greinar:

Hafi aflahlutur orðið 60—66% af meðalhlut 5 síðustu ára, skal hann bættur úr jöfnunarsjóði með 30% af því, sem á vantar meðalhlut. Hafi aflahlutur orðið lægri en 60% af meðalhlut, hækkar uppbótin við hvern hundraðshluta, sem aflahluturinn lækkar, um 1% af því, sem á vantar meðalhlut, þar til uppbótin er orðin 50%, sem er hámark uppbótar.

Hafi skip gengið til veiða skemur en 5 ár, þegar til uppbótar kemur, skal miðað við meðalhlut sambærilegra skipa í sömu eða næstu veiðistöð.

Við úthlutun úr sjóðnum til hlutaruppbóta má aldrei ganga nær honum en svo, að úthlutað sé 80% af þáverandi eignum hans.

5. gr.

Stjórn sjóðsins skipa 3 menn, kosnir hlutbundinni kosningu í sameinuðu Alþingi til þriggja ár í senn. Fiskveiðasjóður Íslands annast daglegar framkvæmdir og reikningshald sjóðsins, fyrir þóknun, er stjórnum sjóðanna kemur saman um. Ráðherra sá, er fer með sjávarútvegsmál, ákveður, hver stjórnarnefndarmanna skal vera formaður stjórnarinnar. Hann ákveður stjórninni þóknun fyrir störf hennar.

6. gr.

Stjórn jöfnunarsjóðs geymir fé sjóðsins, og skal það ávallt geymt í banka.

7. gr.

Í reglugerð jöfnunarsjóðs aflahluta má setja ákvæði um stjórn sjóðsins og starfrækslu, eins og nauðsynlegt þykir, þótt ekki sé sérstaklega ráð fyrir þeim gert í lögum þessum, þó svo, að þau fari ekki í bág við nein ákvæði laganna.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Frumvarp um sama efni og þetta hefur þrisvar áður verið flutt í þessari deild. Það var fyrst flutt á þinginu 1939 af 1. flutningsmanni þessa frumvarps. Það frumvarp var samþ. í neðri deild, en „dagaði uppi“ í efri deild. Sami flutningsmaður flutti frumvarpið aftur, lítið breytt, á þinginu 1940. Þá var því vísað til ríkisstjórnarinnar með fyrirmælum um, að hún léti undirbúa og semja fyrir næsta Alþingi frumvarp um hlutatryggingar. Það frumvarp kom ekki fram á þingi 1941, og flutti því hinn sami flutningsmaður, ásamt þm. Akureyrar, enn frumvarp um þetta efni á fyrsta þingi þessa árs. Því frumvarpi var einnig vísað til ríkisstjórnarinnar.

Vegna margendurtekinna tilmæla fiskimanna víðsvegar af landinu, höfum við flutningsmenn þessa frumvarps ráðizt í að flytja það nú í fjórða sinn. Um rökstuðning þykir nægilegt að vísa til greinargerða fyrir hinum fyrri frumvörpum, einkanlega greinargerðarinnar, er fylgdi frumvarpinu 1939. 1. flutningsmaður þessa frumvarps hafði þá með aðstoð Fiskifélags Íslands reiknað út, hverjar tekjur sjóðsins af aflahlutum yrðu á ári, miðað við aflabrögð næsta ár á undan, árið 1938. Samkvæmt aflabrögðum og verðlagi það ár hefðu tekjur þessar orðið 140 þús. kr. Enga þýðingu getur haft að reikna þessar tekjur út eftir aflamagni og verðlagi stríðsáranna, því byggja verður á venjulegu árferði.

Að lokum skal fram tekið, að allur landslýður mun sammála um það, að nota beri hinar miklu tekjur stríðsáranna til þess að tryggja svo sem unnt er afkomu manna á komandi árum. Frumvarp þetta, ef að lögum verður, er einn þátturinn í þeim tryggingarráðstöfunum, auk þess tilgangs, sem frá er skýrt í greinargerðinni 1939.

## Sþ. 64. Tillaga til þingsályktunar

um flugmál Íslendinga.

Flm.: Sigurður Bjarnason, Ingólfur Jónsson, Gunnar Thoroddsen.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að láta fram fara, í samráði við Flugfélag Íslands, rækilega athugun á því, hvernig og hvar byggingu flugvalla og flugskýla verði fyrir komið, þannig að flugsamgöngur geti í nánustu framtíð hafizt með reglubundnum og tryggum hætti við alla landshluta. Verði unnið að því að koma upp ákveðnu kerfi lendingarstaða fyrir landflugvélar og flugskýla og dráttarbrauta fyrir sjóflugvélar. Skal undirbúningur þessi framkvæmdur með það fyrir augum, að ríkissjóður veiti Flugfélagi Íslands og flugmálunum í heild öflugan stuðning.

Greinargerð.

Flugtækninni hefur á s.l. árum fleygt örar fram en nokkru sinni fyrr. Ríkastan þáttinn í þessari öru þróun á það, hve mikilvægt hlutverk flugvélar vinna í styrjöld þeirri, sem nú geisar. En enda þótt flugvélar séu nú, m. a. af þessum sökum, einkar mikilvægar, bendir þó allt til þess, að í framtíðinni, þegar friður ríkir á ný, hafi þær stórkostlega þýðingu fyrir samgöngur landanna og því meiri sem fullkomnun tækninnar hefur skapað stóraukið öryggi í þessum efnum.

Í flestum löndum Norðurálfu var einnig svo komið, áður en styrjöldin brauzt út, að reglubundnum og kerfisbundnum flugsamgöngum hafði verið komið á. Hér á Íslandi er þessum málum skammt komið. Má þó óhikað fullyrða, að allir staðhættir í þessu landi séu slíkir, að öruggar flugsamgöngur væru ein stórkostlegasta samgöngubót, sem þjóðinni yrði veitt. Ber því brýna nauðsyn til þess að hefjast handa um undirbúning slíkrar samgöngubótar.

Tillaga sú til þingsályktunar, sem hér er flutt, byggist á trú flm. á þá framtíðarþýðingu flugsamgangna, sem hér hefur verið lýst. Þar er lagt til, að framkvæmd verði ýtarleg athugun á því, hvar heppilegastir staðir séu fyrir lendingarstaði flugvéla á sjó og landi. Við ákvörðun slíkra staða verði stefnt að því, að flugsamgöngunum verði komið í ákveðið kerfi og landsmönnum þar með tryggðar eins reglubundnar og öruggar flugferðir til farþega- og póstflutnings og veðurfar landsins frekast leyfir.

Þær framkvæmdir, sem fylgja þurfa í kjölfar slíkra staðaákvarðana, er bygging flugvalla, flugskýla og dráttarbrauta fyrir sjóflugvélar á þeim stöðum, er flugvallagerð væri ókleif. Sýnist eðlilegt og sjálfsagt, að ríkið annaðist slíkar framkvæmdir eins og vega-, síma- og brúargerðir.

Aðalatriði þessa máls er það, að litið verði á slíkar framkvæmdir í þágu flugsamgangnanna í sambandi við heildarlausn samgöngumála landsmanna. Flugið er að vísu yngsti þáttur samgangnanna. En þrátt fyrir það er þessi þáttur ef til vill sá merkilegasti. Með auknum hraða í þjóðlífinu hafa þarfirnar til greiðleika samgangnanna stórvaxið. Þessar þarfir þjóðlífsins uppfyllir flugið öllum samgönguleiðum betur. Með tillögu þessari er hvatt til þess, að þessi mál verði tekin fastari tökum en hingað til og þeirri staðreynd gefinn nánari gaumur, að flugið hlýtur að verða einn mikilsverðasti þátturinn í samgöngumálum Íslendinga í framtíðinni, í senn innanlands og jafnvel landa á milli.

Flugmálum Íslendinga hefur lítið verið sinnt á síðustu árum, nema af einstökum áhugamönnum, sem þar hafa unnið mikilsvert brautryðjandastarf við þröngar aðstæður. Ræðir hér fyrst og fremst um Flugfélag Íslands, sem nú mun vera orðið ríflega 5 ára gamalt. Hefur það félag notið styrks úr ríkissjóði, sem þó verður að teljast mjög óverulegur. Ber nauðsyn til þess, að félagið verði framvegis styrkt öflugar. Til fróðleiks skal á það bent hér, að síðan Flugfélagið hóf farþegaflug hér, hafa flugvélar þess farið hátt á þriðja þúsund flugferðir til ýmissa staða á landinu. Á þessum ferðum hafa verið flognir yfir ½ milljón km, 4500 farþegar verið fluttir og nær 9 þús. kg af pósti. Auk þess hafa flugvélar félagsins flogið í síldarleit og orðið síldarútgerð landsmanna að miklu liði. Félagið á nú tvær flugvélar, litla sjóflugvél og tveggja hreyfla landflugvél.

Áhugi landsmanna fyrir flugsamgöngum fer mjög vaxandi. Skortir því mjög á, að Flugfélagið geti rækt hlutverk sitt eins og æskilegt væri. Lendingarstaðir á landi eru fáir og ófullkomnir og flugskýli fyrir sjóflugvélar vantar.

Það er tilgangur flm., að með samþykkt þessarar þingsályktunartillögu komist aukinn skriður á þetta þarfa framfaramál. Með henni er stefnt að aukinni markvísi í einum þýðingarmesta þætti í samgöngumálum þjóðarinnar. Hinar miklu fjarlægðir milli afskekktra byggða og landshluta hafa á liðnum öldum skapað Íslendingum margs konar örðugleika. Flugtæknin hefur sigrað þá. Hún hefur fært hina afskekktu landshluta í þjóðbraut og gefið framtíðinni glæsileg fyrirheit.

## Sþ. 65. Nefndarálit

um till. til þál. um útvarpsfréttir.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin var sammála um, að varast bæri eftir megni að útvarpa nokkru því á þessum tímum, er draga mætti athygli óvinaþjóða að siglingum að eða frá landinu og á þann hátt, ef til vill, stuðla að aukinni áhættu íslenzkra farmanna og íslenzkra skipa, en sá er einn tilgangur með flutningi þáltill. á þskj. 3.

Nefndin kom sér því saman um, eftir að hafa kynnt sér bréf útvarpsstjóra til Alþ., dags. 27. f. m., og þó sérstaklega með tilliti til tillögu hans í niðurlagi bréfsins, að afgreiða málið til ríkisstjórnarinnar með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í því trausti, að ríkisstjórnin, í samráði við ríkisútvarpið og aðra viðkomandi aðila, setji um þetta mál þau ákvæði, er hún telur nauðsynleg og framkvæmanleg, tekur þingið fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 8. des. 1942.

Gísli Sveinsson, form. Gísli Jónsson, frsm. Jón Sigurðsson. Sigurður Þórðarson.

Páll Zóphóníasson. Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. Ásgeir Ásgeirsson.

## Nd. 66. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Gunnari Thoroddsen.

Aftan við frvgr. bætist nýir liðir sem hér segir:

1. Á eftir B. 8 í 2. gr. vegalaga, nr. 101 1933, komi nýr liður:
   *Hnappadalsvegur:* Frá Stykkishólmsvegi um Hnappadal og Heydal að Bílduhóli á Skógarströnd.
2. Í stað orðanna í VI. lið laga nr. 109 1940: „*Eyrarsveitarvegur:* Frá Stykkishólmsvegi um Helgafellssveit og Eyrarsveit að Gröf í Grundarfirði", komi:
   *Eyrarsveitarvegur:* Frá Stykkishólmsvegi um Helgafellssveit og Eyrarsveit út fyrir Búlandshöfða.
3. Á eftir VI. lið laga nr. 109 1940 komi nýr liður:
   *Fróðárhreppsvegur:* Frá Ólafsvíkurvegi um Fróðárhrepp að Búlandshöfða.
4. 8. liður í vegal., nr. 101 1933, 2. gr. B., orðist svo:
   *Hellusandsvegur:* Frá Ólafsvík, undir Ólafsvíkur-Enni, til Hellusands.
5. Aftan við fyrirsögn frv. bætist: og lögum nr. 109 14. maí 1940.

## Nd. 67. Frumvarp til laga

um breyting á hafnarlögum fyrir Hafnarfjarðarkaupstað, nr. 30 14. júní 1929.

Flm.: Emil Jónsson.

1. gr.

1. málsl. 1. gr. laganna orðist svo:
Til hafnargerðar í Hafnarfirði veitast úr ríkissjóði allt að 1000000.00 kr.

2. gr.

2. gr. laganna orðist svo:
Stjórnarráði Íslands veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 2000000.00 kr. lán, er bæjarstjórn Hafnarfjarðar kann að fá til hafnargerðar.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Með frumvarpi þessu er lagt til, að sú ein breyting verði gerð á hafnarlögum fyrir Hafnarfjörð, að framlag ríkissjóðs og ábyrgðarheimild vegna hafnargerðar þar verði þrefölduð, framlagið hækkað úr 333000.00 kr. í 1000000.00 kr. og ábyrgðarheimildin hækkuð úr 667000.00 kr. í 2000000.00 kr.

Þegar hafnarlögin voru sett, árið 1929, var gert ráð fyrir aðeins einum hafnargarði til skjóls frá suðurlandinu og innsiglingu milli norðurenda hans og lands. Var garður þessi þá áætlaður um kr. 1000000.00 og hafnarlögin miðuð við þá upphæð. Við síðari athuganir kom í ljós, að heppilegra mundi vera að hafa garðana tvo, og hefur nú verið ákveðið að byggja þá svo. Snemma á síðastliðnu ári var hafizt handa á hafnargerðinni. Var byrjað á norðurgarðinum, og hefur verið unnið við hann síðan. Garðurinn er nú kominn um 165 m fram og hefur kostað um 800000.00 kr., eftir því sem

næst verður komizt. Vantar enn 85 m á, að garðurinn nái 250 m lengd, eins og upphaflega var áætlað, og með núverandi verðlagi má ætla, að hann kosti þá allur fullbyggður um 1,5 millj. kr. Er þá suðurgarðurinn eftir, en gert hefur verið ráð fyrir, að hann kostaði svipaða upphæð og norðurgarðurinn.

Nokkuð af hækkun þessari stafar, eins og vænta má, af hinni almennu verðhækkun, en að nokkru leyti stafar hækkunin af því, að garðarnir hafa nú verið ákveðnir tveir, í stað eins áður, sem að vísu var áætlaður lengri en hvor þessara um sig, en hins vegar styttri en þeir báðir til samans.

Þó að skjólgarðar þessir verði byggðir, er samt langt frá, að hafnarbyggingu í Hafnarfirði sé þar með lokið. Innri hafnarvirki, svo sem bátahöfn, aukið leguplass fyrir stærri skip og dýpkun á nokkrum hluta hafnarsvæðisins, eru mál, sem bíða úrlausnar.

Frumvarp þetta er flutt samkvæmt einróma tilmælum hafnarnefndar Hafnarfjarðar.

## Nd. 68. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 58 28. jan. 1935, um hafnargerð á Hornafirði.

Flm.: Páll Þorsteinsson.

1. gr.

1. gr. laganna orðist svo:

Til hafnargerðar á Hornafirði veitist úr ríkissjóði ⅔ kostnaðar, eftir áætlun, sem ríkisstjórnin hefur samþykkt, þegar fé er veitt til þess í fjárlögum, allt að kr. 200000.00 — tvö hundruð þúsund kr. — gegn ⅓ úr hafnarsjóði Hafnarkauptúns. Með kostnaði við hafnargerð teljast nauðsynlegar dýpkanir á höfninni og innsiglingaleiðinni.

2. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að kr. 300000.00 — þrjú hundruð þúsund kr. — lán, er hafnarsjóður Hafnarkauptúns kann að fá til hafnargerðar, gegn ábyrgð Nesjahrepps og sýslunefndar Austur-Skaftafellssýslu, enda sé lánið tekið fyrir milligöngu Landsbankans, ef það er tekið erlendis. Tillagið úr ríkissjóði og ábyrgð ríkissjóðs er bundin því skilyrði, að yfirumsjón með verkinu og reikningshald sé falið manni, sem atvinnumálaráðuneytið samþykkir.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Þótt Höfn í Hornafirði sé mikil útgerðarstöð og eini afgreiðslustaður strandferðaskipanna við suðurströnd landsins, þegar Vestmannaeyjar eru frá teknar, er höfnin þar engan veginn svo örugg fyrir afgreiðslu skipa sem vera þyrfti.

Það er því óhjákvæmilegt að gera þar allmiklar hafnarbætur, enda er fyrirhugað að hefjast handa um það mjög bráðlega. Lögin um hafnargerð í Hornafirði, sem sett voru 1935, mæla svo fyrir, að ríkissjóður greiði kostnað við hafnarbæturnar að ⅔ hlutum á móti framlagi hafnarsjóðs að ⅓ hlutum. Þar sem kaupgjald og verðlag í landinu hefur gerbreytzt frá því að lögin voru samin, er augljóst, að

upphæð sú, sem ákveðin er í lögunum, hrekkur hvergi nærri til að standast kostnað við þær hafnarbætur, sem fyrirhugaðar eru og gera þarf á þessum stað.

Sökum þess er frv. þetta, sem gerir ráð fyrir verulegri hækkun á fjárframlögum til umbóta á höfninni, flutt.

## Ed. 69. Fyrirspurn

til forsætisráðherra um friðhelgi ríkisstjóra Íslands.

Frá Kristni E. Andréssyni.

Nýtur ríkisstjóri Íslands engrar sérstakrar verndar að lögum gegn aðkasti í dagblöðum? Eru viðeigandi um ríkisstjóra ummæli eins og þau, sem viðhöfð eru af Jónasi Jónssyni í grein í Tímanum 8. þ. m. undir fyrirsögninni „Nýtt kaupkröfufélag og ríkisstjóri“, þar sem ríkisstjóri er m. a. talinn „verndari sérstakra uppivöðsluseggja í þjóðfélaginu“?

## Nd. 70. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 45 13. júní 1937, um dragnótaveiði í landhelgi.

Flm.: Sigurður Þórðarson, Jón Sigurðsson, Garðar Þorsteinsson, Páll Zóphóníasson.

1. gr.

Fyrsta málsgr. 1. gr. laganna orðist svo:

Innan íslenzkrar landhelgi á svæðinu frá Geirólfsgnúpi á Ströndum, austur um land að Bjarnarey norður af Héraðsflóa skulu veiðar með dragnótum bannaðar á tímabilinu frá 1. janúar til 30. júní og frá 1. september til 31. desember ár hvert, og á svæðinu frá Bjarnarey sunnan um land að Geirólfsgnúpi frá 1. janúar til 15. maí og frá 1. til 31. desember. Einnig eru dragnótaveiðar á skipum, sem eru að stærð 35 smálestir brúttó eða meira, bannaðar allt árið.

Heimilt er sýslunefndum og bæjarstjórnum, með samþykktum, er birta skal í Lögbirtingablaðinu, að banna með öllu dragnótaveiðar innan afmarkaðra löggiltra hafnarsvæða í viðkomandi héruðum. Enn fremur er sýslunefndum Skagafjarðarsýslu, Eyjafjarðarsýslu og Norður-Múlasýslu heimilt á sama hátt að banna með öllu dragnótaveiði á Skagafirði innan línu úr Selnesi á Skaga um norðurenda Málmeyjar í Hrollleifshöfða, á Eyjafirði innan línu þvert yfir fjörðinn um norðurenda Hríseyjar, og í Norður-Múlasýslu a) á Bakkafirði innan við línu frá Gunnólfsvík í Svartsnes og b) á Vopnafirði innan við línu, sem dregin er milli Hámundarstaðatungu og Böðvarsdals.

2. gr.

Á eftir orðunum „möskvastærð dragnóta“ í 8. gr. laganna bætist: lengd dráttarlína.

3. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 26 12. febr. 1940, um breyting á lögum nr. 45 13. júní 1937, um dragnótaveiði í landhelgi.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Á síðustu þingum hafa flutt verið frumvörp, er hniga í svipaða átt og þetta frv. gerir, að takmarka dragnótaveiði í landhelgi. Þessi frv. hafa þó ekki orðið að lögum. Það er kunnara en frá þurfi að segja, að dragnótaveiðar í landhelgi hafa löngum verið óvinsælar meðal sjómanna víða um land. Formælendur slíkra veiða hafa haldið því fram, að úr mundi rakna um óvinsældirnar, er tímar liðu. En því fer þó fjarri, að svo sé. Mest og almennust mun þó óánægjan vera meðal sjómanna á Norðurlandi, einkum í Skagafirði og Eyjafirði, þar sem sótt er mest á innfjarðamið á opnum vélbátum og árabátum. Þeir, sem slíkan útveg stunda, telja dragnótina valda sér svo miklum búsifjum í aflatjóni og veiðarfæra, að til auðnar horfi um atvinnuveg þeirra, nema úr verði bætt. Mörg rök hníga í þá átt, að með þeim ákvæðum, sem nú gilda, gangi dragnótaveiðin of nærri flatfiskstofninum við strendur landsins, og væri þetta eitt ærin ástæða til þess, að friðun væri aukin. En fleira kemur til. Á fjörðum inni eru uppeldisstöðvar allra nytjafiska vorra, og er því augljóst mál, hvers virði það er, að ránsveiði verði ekki liðin þar. Í fjörðunum er botni þannig farið, að víða má koma dragnót við, og þegar þar er þéttskipað dragnótabátum, má ljóst vera, að af því leiðir hinn mesta ránskap, þar sem hvorki er þyrmt ungfiski né sézt fyrir um veiðivon þeirra manna, sem leita á sömu fiskistöðvar með öðrum og smátækari veiðarfærum.

Í fjölmennu áskorunarskjali til Alþingis frá sjómönnum í Skagafirði segir svo:

„Vér undirritaðir sjómenn og alþingiskjósendur í Skagafjarðarsýslu leyfum oss hér með að skora á þingmenn kjördæmisins að flytja á næsta Alþingi frumvarp um bann við dragnótaveiðum á Skagafirði. Vér erum þess fullvissir, að verði ekki dragnótaveiðar hér á Skagafirði bannaðar með lögum, þá er lokið öllum smábátaútvegi hér. Það er ekkert eftirlit hægt að hafa með veiðum þessara dragnótabáta, og stunda margir þeirra veiðar sínar á ólöglegan hátt, toga við land og hafa botnvörpu. Það má segja, að á meðan dragnótaveiði er ekki bönnuð með öllu, þá sé nokkurs konar botnvörpuveiði liðin inni á fjörðum og flóum, og vita allir, hvaða afleiðingar slíkt hefur fyrir fiskveiðar á innfjörðum."

Á þingi 1941 fluttu þingmenn þeir úr Norðlendingafjórðungi, er þá áttu sæti í Nd., frv. um sama efni og þetta. Var þar ákveðið að banna dragnótaveiðar í íslenzkri landhelgi á tímabilinu frá 1. sept. til 1. júní ár hvert. En við meðferð málsins var því mjög haldið upp, að slíkt bann mundi ganga nærri hagsmunum útgerðarmanna á Austurlandi og Vestfjörðum, einkum fyrir þá sök, að þar var þá talin tundurduflahætta á djúpmiðum. Með tilliti til þessa var á Alþingi 1942, vetrarþinginu, flutt frv. um þetta sama efni og þar látið að mestu sitja við sama og verið hefur um dragnótaveiði fyrir öðrum landshlutum en Norðurlandi. Svo er og gert hér í þessu frv. Þó er sá háttur upp tekinn með frv. þessu, ef að lögum verður, að sýslunefndum Skagafjarðar-, Eyjafjarðar- og Norður-Múlasýslna er gefin heimild til þess að banna dragnótaveiði í fjarðabotnum Skagafjarðar, Eyjafjarðar, Bakkafjarðar og Vopnafjarðar, innan tiltekinnar línu, er um getur í frv. Er þetta gert vegna þess, að á þessum svæðum er mikið um sandbotn og því hægt að gersópa þar upp allri veiði með dragnót og taka þannig bitann frá munni smábátaeigenda, er búa við fjarðarbotnana. T. d. er það svo, að á þessu svæði í Skagafirði eru gerðir út 40—50 smátrillubátar til fiskveiða, og er augljóst af því, hversu mikill fjöldi manna það er, sem byggir afkomu sína á þessari útgerð, sem nú bregzt stórlega vegna hinna óþolandi miklu dragnótaveiða, sem viðhafðar eru á fiskistöðum smábátanna og vafalaust verður þess valdandi, að smábátaútgerð þessi leggst niður með öllu, ef frv. þetta nær ekki fram að ganga.

# Nd. 71. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 98 3. maí 1935, um virkjun Fljótaár.

Flm.: Áki Jakobsson, Finnur Jónsson, Garðar Þorsteinsson.

1. gr.

Aftan við 5. gr. laganna komi ný grein, er verði 6. gr., svo hljóðandi:

Ríkisstjórninni er heimilt, gegn þeim tryggingum, er hún metur gildar, að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs sex millj. króna lán fyrir Siglufjarðarkaupstað til virkjunar samkvæmt lögum þessum, þar með taldar háspennulínur og afspennistöðvar.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Efni frv. þessa er það sama og þáltill., sem flutt var af Áka Jakobssyni, Garðari Þorsteinssyni, Finni Jónssyni og Einari Árnasyni í sameinuðu þingi í sumar. Þáltill. þessi varð ekki afgreidd á því þingi. Þingmaður Siglfirðinga, Áki Jakobsson, hefur ritað fjárveitinganefnd bréf og farið þess á leit, að nefndin flytti ábyrgðarheimild þá, sem felst í þessu frv., sem breytingartillögu við fjárlagafrv. Eftir að það bréf var skrifað, hafa ýmsar beiðnir um ríkisábyrgðir svipaðar þessari, sem hér um ræðir, komið fram í frv.formi, auk þess verður að telja það eðlilegt, að til séu lagafyrirmæli, þegar veittar eru stórar ríkisábyrgðir. Með þessu frv. er ætlazt til þess, að ábyrgðarheimildin verði felld inn í lögin um virkjun Fljótaár í Skagafirði.

Hvað viðvíkur rökstuðningi fyrir beiðni Siglufjarðarkaupstaðar um, að ríkisstjórninni verði heimilað að ábyrgjast f. h. ríkissjóðs 6 millj. króna lán til virkjunar Fljótaár í Skagafirði, vísast til greinargerðarinnar fyrir þáltill. frá síðasta þingi og þeirra fylgiskjala, sem henni fylgja.

Siglufjarðarkaupstaður hefur, í fullu trausti þess, að hann fengi þá ábyrgðarheimild, sem farið er fram á í þessu frv., þegar gert samning um kaup á vélum og efni til virkjunarinnar og síðar gert samning við A/S Höjgaard & Schultz um framkvæmd virkjunarinnar, og eru undirbúningsframkvæmdir þegar hafnar.

Til enn frekari upplýsinga um, hvernig nú horfir með virkjun Fljótaár, er birt hér sem fylgiskjal álitsgerð Steingríms Jónssonar rafmagnsstjóra um málið.

**Fylgiskjal.**

### Varðandi virkjun Skeiðsfoss.

Kostnaðaráætlun um virkjun Skeiðsfoss í Fljótum var endurskoðuð í maí 1942 og leiðrétt samkv. þáverandi verðlagi. Samkvæmt þeirri áætlun átti virkjunarkostnaður á aflstöð með tvennum vélum, háspennulínu til Siglufjarðar og aðalspennistöð þar að kosta 5 milljón krónur, og var þetta talin gætileg áætlun, þannig að með óbreyttu verðlagi átti ekki að vera hætta á auknum kostnaði. Auk þess var kostnaður við aukningu innanbæjarkerfisins, lántökukostnaður og vaxtatap á byggingartíma áætlað 1 millj. krónur, og átti fjárhæðin, er tiltekin var um kostnað bæjarkerfisins, einnig að vera rífleg, svo að ekki þótti líklegt, að heildarkostnaður færi fram úr áætlunum.

Síðan hafa orðið miklar breytingar á verðlaginu hér innanlands, verkalaun og flutningskostnaður stigið allmikið, svo og farmgjöld á vörum til landsins.

Samkvæmt nýrri endurskoðun nú í okt.—nóv. 1942 nemur hækkun á verkalaunum, farmgjöldum og flutningskostnaði innanlands nærri 750000 kr. En hins

vegar hefur ekki fengizt leyfi hjá Bandaríkjastjórn nema fyrir annarri vélasamstæðunni, og nemur það um 750000 kr., sem kostnaðarverðið lækkar við það að kaupa aðeins aðra samstæðuna.

Er því engin breyting á kostnaðarverðinu, 6 millj. kr., en breytingin er aðeins sú, að nú er það ein vélasamstæða, sem fæst í stöðina, það er 2350 hestafla vélasamstæða, í stað tveggja á samtals 4700 hestöfl. Reiknað í kilowöttum fæst nú 1600 kw. út úr stöðinni með fullnotuðu vélaafli. Að öðru leyti verða vatnsvirki stöðvarinnar byggð óbreytt fyrir tvennar vélasamstæður, og allt útbúið til þess, að setja megi þær upp undireins og þörf verður á þeim og hægt er að fá þær, en það mun ekki verða fyrr en eftir núverandi styrjöld. Með tvennum vélum, eins og ráðgert var í sumar, verður þá kostnaður stöðvarinnar ekki hærri en 6750000 kr., eða 12,5% hærri en áætlað var í sumar. Með 6 millj. kr. stofnkostnaði og 1600 kw. afli er stofnkostnaður 3750 kr. á hvert kilowatt til jafnaðar, og árlegur rekstrarkostnaður um 375 kr. á hvert kilowatt. Til samanburðar við þessa tölu má geta þess, að núverandi rafveita Siglufjarðar hefur nú 700 kr. árstekjur á hvert kilowatt til jafnaðar, og Rafmagnsveita Reykjavíkur hafði árið 1940 um 260 kr. heildartekjur á hvert kw. mestu notkun í stöð, árið 1941 360 kr. og yfirstandandi ár yfir 400 kr. Með núverandi verðlagi er því ekki hætta á, að virkjun Skeiðsfoss geti ekki staðið á tryggum fótum fjárhagslega, þótt aflið sé ekki meira en 1600 kw.

Sé reiknað með 3000 manns í Siglufirði, svarar aflið til 533 watta á mann til jafnaðar og með núverandi stöð (300 kw.) 633 wött á mann. Til samanburðar við þetta má geta þess, að Reykjavík og Hafnarfjörður saman, með 44000 manns, hafa nú 270 wött á mann til jafnaðar, og eftir næstu aukningu (væntanlega haustið 1943) 377 wött á mann. Verður því Siglufjörður mun betur staddur með rafmagn með einni vélasamstæðu en Reykjavík og Hafnarfjörður nú.

Reykjavík, 16. nóv. 1942.

Steingr. Jónsson.

## Nd. 72. Frumvarp til laga

um lendingarbætur í Bakkagerði í Borgarfirði.

Flm.: Páll Zóphóníasson.

1. gr.

Til lendingarbóta í Bakkagerði í Borgarfjarðarhreppi í Norður-Múlasýslu skal úr ríkissjóði veittur helmingur kostnaðar, eftir áætlun, sem atvinnumálaráðherra hefur samþykkt, þegar fé er til þess veitt í fjárlögum, allt að 150 þús. kr., gegn jafnmiklu tillagi annars staðar að. Fjárhæð þessi greiðist lendingarsjóði Borgarfjarðarkauptúns að jafnri tiltölu og lendingarsjóðurinn leggur fram til lendingarbótanna.

2. gr.

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 150 þúsund króna lán, er hreppsnefnd Borgarfjarðarhrepps kann að taka í innlendri lánsstofnun til lendingarbótanna. Lánsábyrgðin skal bundin því skilyrði, að umsjón verksins og reikningshald sé falið manni, er atvinnumálaráðuneytið telur til þess færan.

3. gr.

Sérhver er skyldur að láta af hendi mannvirki og land, er þarf til að gera lendingarbæturnar, eða undir brautir og vegi í þarfir þeirra, svo sem leyfa, að tekið

verði í landi hans, hvort heldur er grjót, möl eða önnur jarðefni, og þola þær eignakvaðir, óhagræði eða takmörkun á afnotarétti, sem lendingarbæturnar hafa í för með sér, allt gegn því, að fullar bætur komi fyrir. Náist ekki samkomulag um bæturnar, skulu þær ákveðnar með mati tveggja dómkvaddra manna, að tilkvöddum báðum málsaðilum. Kostnaðurinn við matið greiðist úr lendingarsjóði Borgarfjarðarkauptúns. Nú vill annar hvor málsaðili ekki una mati, og getur hann heimtað yfirmat, en gera skal hann það innan 14 daga frá því að matsgerð er lokið. Yfirmatið skal framkvæmt á sama hátt af 4 dómkvöddum mönnum. Kostnaðinn við yfirmatið greiðir sá, er þess hefur krafizt, ef matsfjárhæðinni verður ekki breytt meira en sem nemur 10% af hinni ákveðnu endurgjaldsfjárhæð, ella greiðist kostnaðurinn úr lendingarsjóði.

4. gr.

Meðfram strandlengju kauptúnsins, eftir því sem nánar verður ákveðið í reglugerð, má ekki gera neitt mannvirki til lendingarbóta, né heldur halda þar úti bátum til útgerðar, nema samþykki hreppsnefndar Borgarfjarðarhrepps komi til.

Brot gegn þessum ákvæðum varða sektum 1000—10000 kr.

5. gr.

Framkvæmd lendingarmála og eftirlit með lendingunni hafa þrír menn, er hreppsnefnd Borgarfjarðarhrepps kýs. Skulu þeir kosnir hvert sinn að afloknum hreppsnefndarkosningum, og gildir kosning þeirra til loka kjörtímabils hreppsnefndarinnar. Til sama tíma skulu kosnir jafnmargir varamenn. Hreppsnefnd Borgarfjarðarhrepps fer með framkvæmd þessara mála, unz hreppsnefndarkosningar fara næst fram.

6. gr.

Eignum lendingarsjóðs má aðeins verja í þarfir lendingarinnar. Hreppssjóður Borgarfjarðarhrepps ábyrgist skuldir sjóðsins, og hreppsnefndin er ábyrg fyrir eignum lendingarinnar.

7. gr.

Hreppsnefnd má ekki án leyfis atvinnumálaráðuneytisins selja eða veðsetja fasteignir lendingarsjóðs, kaupa nýjar fasteignir eða taka lán til lengri tíma en svo, að þau verði greidd af tekjum næsta árs, né endurnýja slík lán, og ekki heldur gera mannvirki við lendinguna, svo stórvaxin, að árstekjur hrökkvi ekki til að koma þeim í framkvæmd.

8. gr.

Til þess að standa straum af kostnaði við byggingu og viðhald lendingarvirkjanna og til árslegs rekstrarkostnaðar lendingarinnar er heimilt að innheimta í lendingarsjóð Borgarfjarðarkauptúns allt að 6% af brúttóverði afla hvers báts, er haldið er úti til fiskveiða frá Borgarfirði, vörugjald af vörum, sem fluttar eru í land eða úr landi innan takmarka Borgarfjarðarlendingar, svo og önnur gjöld, er ákveðin kunna að verða í reglugerð samkvæmt 12. gr. Heimilt er að innheimta gjöld í lendingarbótasjóð, þegar byrjað er á verkinu.

Gjöld þessi má taka lögtaki, og ganga þau fyrir sjóveðum.

9. gr.

Reikningsár lendingarsjóðs er almanaksárið.

10. gr.

Fyrir 1. dag desembermánaðar ár hvert ber stjórn lendingarsjóðs að semja áætlun um tekjur og gjöld sjóðsins næsta ár og senda hana atvinnumálaráðuneytinu til samþykktar.

11. gr.

Fyrir lok febrúarmánaðar ár hvert skal stjórn lendingarsjóðs gera reikning yfir tekjur og gjöld sjóðsins á liðnu ári. Reikninginn skal endurskoða og úrskurða á sama hátt og sveitarsjóðsreikninga.

12. gr.

Í reglugerð, sem hreppsnefnd Borgarfjarðarhrepps semur og atvinnumálaráðuneytið staðfestir, skal kveða á um allt það, er lýtur að stjórn lendingarsjóðs, viðhaldi lendingarbóta, umferð og góðri reglu í lendingunni, báta- og bryggjugjöld og fleira, ef þurfa þykir.

Í reglugerð má ákveða sektir fyrir brot gegn henni, 20—10000 kr. Sektir renna í lendingarsjóð.

13. gr.

Með mál út af brotum gegn lögum þessum og reglugerðum, er settar kunna að verða samkvæmt þeim, skal fara sem almenn lögreglumál.

14. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Á Bakkagerðis- og Bakkalandi í Borgarfjarðarhreppi er Borgarfjarðarkauptún reist. — Íbúar þess lifa mest á sjósókn, en eiga þó flestir nokkrar skepnur, enda hefur verið gert meira að því þar en í flestum öðrum kauptúnum að auka ræktun og útvega þorpsbúum ræktað land. Þótt landbúnaður þannig sé nokkur og hafi meðal annars mjög stutt að því að bæta afkomu manna, sérstaklega í misjöfnum aflaárum, þá er sjósókn eða fiskiveiðar fyrst og fremst aðalatvinnuvegur þorpsbúa. Mjög háir það þó þeim atvinnuvegi, að lendingarskilyrði eru eins og þau geta verst verið. Fjörðurinn er stuttur og liggur beint við úthafinu, og fyrir flæðarmáli kauptúnsins er ekkert var, svo kvikan brotnar jafnt fyrir allri strandlengjunni. Innan við sjálft kauptúnið er þó vogur — Fiskivogur —, og er þar meira aðdýpi. Þar hefur verið gerð bryggja, er ríkissjóður hefur styrkt með 2000 kr., sem bátar geta lagzt að í sléttum sjó. En annars verður að lenda í fjörunni og draga skip öll á land, milli róðra, ef hætta er á, að sjór ókyrrist. Hins vegar eru fiskimið góð, og fjörðurinn einn sá aflasælasti á Norðausturlandi, þegar hægt er að róa. Nú eru tæpir 20 bátar í þorpinu, og eru það allt litlir bátar, enda ekki möguleikar til sjósóknar á stærri bátum. Vegna þessarar aðstöðu verða róðrardagar fáir, þó misjafnt sé eftir árferði.

Vitamálastjóri hefur athugað möguleika til lendingarbóta og telur, að með því að steypa bryggju, sem þá jafnframt verði nokkurs konar brimbrjótur, megi gera mögulegt fyrir bátana að róa, þó að ylgja sé nokkur, svo róðrardagar gætu mjög fjölgað, afli aukizt og afkoma manna batnað. Telur hann í fyrra, að bryggja sú, er hann hefur gert áætlun um, muni kosta um 190 þús. kr. En síðan hafa allir kostnaðarliðir hækkað, og má nú gera ráð fyrir, að hún kosti 250—300 þús. krónur.

Í frumvarpi því, sem hér er flutt, er gert ráð fyrir, að ríkið beri hálfan kostnað við bryggjugerðina og að það ábyrgist auk þess lán, sem hreppurinn kynni að taka til að standast hinn hluta kostnaðarins.

Annars mundi verða reynt að framkvæma verkið á mörgum árum og taka kostnaðinn heima fyrir sem mest með gjafavinnu, svo lántöku yrði sem minnst þörf, enda vafasamt, undir hve miklum lánum lendingarbótasjóður gæti staðið.

## Nd. 73. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Jörundi Brynjólfssyni.

Framan við frvgr. bætist nýr rómverskur liður:
Á eftir staflið b IV. í lögum nr. 72 23. júní 1936 komi nýr stafliður, c, svo hljóðandi:
*Kiðjabergsvegur:* Frá Suðurlandsvegi hjá Hraungerði um brú á Hvítá hjá Kiðjabergi að Biskupstungnabraut hjá Fossi.

## Sþ. 74. Tillaga til þingsályktunar

um brúargerð á Hvítá hjá Iðu í Árnessýslu.

Flm.: Eríkur Einarsson.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að láta gera brú á Hvítá hjá Iðu, svo fljótt sem nokkur kostur er á framkvæmd slíks mannvirkis, og heimilar fé úr ríkissjóði, er nægi til þeirrar brúargerðar.

Greinargerð.

Tillaga til þingsályktunar í samræmi við þá, sem hér er flutt, var borin fram á Alþingi fyrr á þessu ári, en varð þá ekki útrædd. Vísast hér til greinargerðar, er fylgdi þeirri tillögu. Er þar í aðalatriðum tilgreind ástæða fyrir því, að brúargerð þessi er sérstaklega aðkallandi.

## Nd. 75. Frumvarp til laga

um notkun byggingarefnis.

Flm.: Finnur Jónsson, Stefán Jóh. Stefánsson.

1. gr.

Meðan örðugleikar eru á innflutningi byggingarefnis til landsins, má aðeins nota það, sem til er í landinu eða inn verður flutt af timbri, sem hæft er til húsabygginga, steinlími og steypustyrktarjárni, svo sem hér segir:

1. Til íbúðarhúsabygginga, er miðast við meðalþarfir hverrar fjölskyldu til sjávar og sveita eftir stærð hennar.
2. Bygginga í þarfir framleiðslunnar, sem nauðsynlegar teljast.
3. Opinberra framkvæmda og bygginga, svo sem brúargerða, hafnargerða, vitabygginga, sjúkrahúsa, skólahúsa, sundlauga o. þ. h.

Undanþegið þessu ákvæði er timbur það, sem notað er til nýbygginga skipa eða til viðhalds þeirra.

2. gr.

Hvers konar bygging óhófsíbúða og verzlunarbúða er bönnuð, unz fullnægt hefur verið eftirspurn eftir byggingarefni skv. 1. gr.

3. gr.

Íbúðarhús, sem eru í byggingu þegar lög þessi öðlast gildi og eru að íbúðarstærð svo sem segir í 1. gr., svo og byggingar verkamannabústaða samkv. lögum um verkamannabústaði og byggingar í sveitum, sem styrkur er veittur til úr Byggingar- og landnámssjóði, skulu að öðru jöfnu ganga fyrir með byggingarefni.

4. gr.

Starfandi húsaleigunefndir í kaupstöðum skulu hafa með höndum úrskurð um úthlutun byggingarefnis, og má ekkert byggingarefni afhenda án samþykkis húsaleigunefndar, annað en það, sem nauðsynlegt er til viðhalds húsa þeirra, sem fyrir eru. Sýslunefndir skulu, þar sem svo hagar til, kjósa 3 manna nefnd til þessara sömu starfa. Úrskurðum nefnda þessara má skjóta til viðkomandi bæjar- eða sýslunefnda. Laun nefndanna greiðist af viðkomandi bæjar- eða sýslusjóði. Þar sem svo hagar til, að sveitabúar sækja verzlun í kaupstað, skal húsaleigunefnd taka hæfilegt tillit til þarfa sveitarinnar til húsabygginga.

5. gr.

Ríkisstjórnin felur gjaldeyris- og innflutningsnefnd að úthluta byggingarefni milli hinna einstöku sveitarfélaga, að undangenginni rannsókn á þörf hvers sveitarfélags.

6. gr.

Öll keðjuverzlun með byggingarefni er stranglega bönnuð, svo og sala á leyfum fyrir byggingarefni.

7. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt að setja nánari fyrirmæli um framkvæmd laga þessara með reglugerð.

Brot gegn lögum þessum eða reglugerð, sem sett kann að verða samkvæmt þeim, varða sektum, allt að 50 þús. krónum. Sömu refsingu varðar að brjóta skilyrði, sem nefndirnar, er starfa samkv. lögum þessum, kunna að hafa sett um notkun byggingarefnis. Mál vegna brota skulu sæta meðferð almennra lögreglumála.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Þar eð miklir örðugleikar eru á innflutningi byggingarefnis til landsins, og það svo, að til vandræða horfir með húsnæði víða um land, telja flm. brýna nauðsyn til, að hið opinbera hafi aukna íhlutun um notkun þess umfram það, sem nú gerist. Í frv. er gert ráð fyrir, að byggingarefni það, sem fæst, sé fyrst og fremst notað til byggingar íbúðarhúsa til sjávar og sveita, og stærð hverrar íbúðar miðuð við þarfir meðalfjölskyldu, þá sé það notað til bygginga í þágu framleiðslunnar og loks til opinberra bygginga, sem nauðsynlegar teljast, en hvers konar óhófs- og verzlunarbyggingar séu bannaðar.

Enn fremur er í frv. gert ráð fyrir, að sérstakar nefndir starfi til þess að hafa með höndum úrskurð um úthlutun byggingarefnis innan sveita, og að hvers konar keðjuverzlun með það sé stranglega bönnuð, en gjaldeyris- og innflutningsnefnd skipti byggingarefni milli hinna einstöku héraða.

Frv. er ætlað að koma í veg fyrir, að byggingarefni sé varið til ónauðsynlegra bygginga, þar eð fjöldi manna hefur nú ekkert skýli yfir höfuðið, og gildi lög þessi meðan vandkvæði eru á um innflutning byggingarefnis.

# Nd. 76. Frumvarp til laga

um eignarnámsheimild fyrir Siglufjarðarkaupstað á jörðunum Höfn, Nyrðri-Skútu, Syðri-Skútu, Neðri-Skútu og Staðarhóli í Siglufirði.

Flm.: Áki Jakobsson, Garðar Þorsteinsson, Finnur Jónsson.

1. gr.

Siglufjarðarkaupstað er heimilt að taka eignarnámi eftirfarandi jarðir í Siglufirði:

1. Höfn, þann hluta, er kaupstaðurinn á ekki þegar.
2. Staðarhól.
3. Nyrðri-Skútu.
4. Neðri-Skútu.
5. Syðri-Skútu.

Enn fremur nær eignarnámsheimildin til allra lóða og landa, sem seld hafa verið úr löndum þessara jarða og bæjarstjórn telur bænum nauðsynlegt að eiga.

2. gr.

Eignarnám það, sem um ræðir í 1. gr. hér að framan, skal framkvæmt samkvæmt lögum nr. 61 14. nóv. 1917, um framkvæmd eignarnáms.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frv. þetta er flutt skv. beiðni bæjarstjórnar Siglufjarðar, sem telur bæjarfélaginu mikla nauðsyn á því að eignast þessar jarðir, og var samþykkt gerð um þetta í bæjarstjórninni 6. des. s. l. Með þessu frv., ef að lögum verður, getur bæjarstjórn eignazt allar jarðir innan Siglufjarðar.

Í landi jarðarinnar Hafnar stendur suðurhluti kaupstaðarins, eða frá svokölluðum Tynesarkróki og suður á takmörk kaupstaðarlóðarinnar. Höfn er að $^{15}/_{16}$ hlutum í eign einstaklinga, en Siglufjarðarbær á $^{1}/_{16}$, en hefur auk þess keypt nokkurn hluta af sjávarréttindum jarðarinnar, með stækkun hafnarinnar fyrir augum. Það hefur sýnt sig, að það er bæjarfélaginu til hins mesta gagns að eiga landið, sem bærinn standa á. Kaupstaðirnir hafi mikið betri aðstöðu til þess en ella að ráða því, hvernig bærinn byggist, einkum með tilliti til þess að geta lagt að nýjum húsum götur, rafmagnsleiðslur og vatnsæðar. Verði stækkuð höfnin í Siglufirði, með byggingu garðs út í svokallað „Anlegg“ og dýpkun hafnarinnar þar fyrir norðan og tilheyrandi uppfyllingu á svæðinu fyrir sunnan, er óhjákvæmilegt, að bæjarfélagið eignist það, sem eftir er af sjávarréttindum jarðarinnar Hafnar.

Jarðirnar Efri- og Neðri-Skúta og Staðarhóll eru einu jarðirnar í sjálfum Siglufirði, að Höfn undanskildri, sem kaupstaðurinn á ekki þegar. Siglufjarðarbær hefur smám saman verið að kaupa upp jarðirnar í firðinum og er nú eigandi jarðanna Hóls, Leynings, Skarðdals, Skarðdalskots og Saurbæjar. Á Hóli rekur bærinn kúabú með yfir 40 mjólkandi kúm. Hólsland er of lítið fyrir það bú, og því hefur bærinn tekið fleiri jarðir til afnota fyrir það.

Í frv. þessu er farið fram á það, að Siglufjarðarkaupstaður fái eignarnámsheimild á þessum þrem jörðum, svo að bæjarfélagið eigi allan innfjörðinn. Bæjarstjórnin — en samkvæmt hennar beiðni er frv. þetta flutt — óskar þess að geta með því að eiga landið í innfirðinum búið það til ræktunar, ýmist á þann hátt, að það verði notað af bæjarfélaginu sjálfu, og þá í sambandi við kúabú þess á Hóli, eða afhent einstaklingum til ræktunar og nýtingar.

Siglufjörður er umluktur háum fjöllum á alla vegu og hefur engar samgöngur við önnur héruð nema sjóleiðis. Ræktun í firðinum er því mjög nauðsynleg einmitt vegna þess, hve samgöngur eru örðugar.

Nánar í framsögu.

## Sþ. 77. Tillaga til þingsályktunar

um endurgreiðslu á fé byggingarsjóðs verkamanna.

Flm.: Þóroddur Guðmundsson, Sigurður Guðnason.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórn að greiða nú þegar til byggingarsjóðs verkamanna þann hluta af ágóða af rekstri tóbakseinkasölu ríkisins, með vöxtum og vaxtavöxtum, sem samkv. 14. gr. l. nr. 58 8. sept. 1931 átti að renna til byggingarsjóðs verkamanna, en ríkissjóður hefur fengið að láni.

Greinargerð.

Samkv. 14. gr. laga nr. 58 8. sept. 1931, um tóbakseinkasölu ríkisins, er ákveðið, að helmingur af tekjum tóbakseinkasölunnar skuli renna til byggingarsjóðs verkamanna. Það var ein af aðalforsendum fyrir því að stofna til tóbakseinkasölunnar, að helmingurinn af tekjum hennar átti að renna til byggingarsjóðs verkamanna og hinn helmingurinn til byggingar- og landnámssjóðs. En þrátt fyrir þetta hefur þessu ákvæði ekki verið framfylgt í mörg ár, en hagnaðurinn af tóbakseinkasölunni verið tekinn í ríkissjóð. Lagafyrirmælin, sem sett hafa verið í því skyni að áskilja ríkissjóði þessar tekjur, hafa verið nefnd lög um bráðabirgðabreytingu nokkurra laga, og hafa slík lög verið samþykkt hvað eftir annað.

Þessi bráðabirgðaákvæði eru raunverulega ekki annað en það, að ríkissjóður fær þetta fé til afnota sem bráðabirgðaráðstöfun, þ. e. að láni, vegna þeirra fjárhagsörðugleika, sem ríkissjóður hefur verið í síðan árið 1932 fram að stríðinu. Nú eru hins vegar ástæður ríkissjóðs góðar, en hins vegar brýn nauðsyn fyrir því að byggja nýja verkamannabústaði víða á landinu. Það er því ekkert eðlilegra en að ríkissjóður greiði nú þetta fé aftur til byggingarsjóðs verkamanna.

## Ed. 78. Frumvarp til laga

um framkvæmd á IV. kafla laga nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

Flm.: Brynjólfur Bjarnason.

1. gr.

Frá ársbyrjun 1943 skal Lífeyrissjóður Íslands greiða fullan elli- og örorkulífeyri samkvæmt IV. kafla laga nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar (elli- og örorkutryggingar), og nánari fyrirmælum þessara laga.

2. gr.

Árlegur elli- og örorkulífeyrir (grunnlífeyrir) skal vera sem hér segir:

Í Reykjavík: Fyrir einstakling 1500 kr.; fyrir hjón 2200 kr.

Í kaupstöðum: Fyrir einstakling 1400 kr.; fyrir hjón 2100 kr.

Í kauptúnum með yfir 300 íbúum: Fyrir einstakling 1200 kr.; fyrir hjón 1800 kr.

Annars staðar: Fyrir einstakling 1000 kr.; fyrir hjón 1500 kr.

Lífeyririnn greiðist mánaðarlega, að viðbættri fullri verðlagsuppbót vegna þeirrar hækkunar, sem orðið hefur á framfærslukostnaði síðan jan.—marz 1939 samkvæmt vísitölu kauplagsnefndar.

3. gr.

Bæjar- og sveitarsjóðir greiða Lífeyrissjóði Íslands árlega upphæð, sem fæst með því að margfalda tölu þeirra gamalmenna og öryrkja í bæjar- eða sveitarfélaginu, sem rétt hafa til lífeyris samkvæmt IV. kafla laga um alþýðutryggingar, með ¼ hluta elli- og örorkulífeyris fyrir einstakling, að viðbættri fullri verðlagsuppbót samkvæmt 2. gr.

Ríkissjóður greiðir Lífeyrissjóði árlega jafnháa upphæð og bæjar- og sveitarfélögin samanlagt.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frumv. þetta var flutt í Ed. á vetrarþinginu 1942, og fylgdi því þá eftirfarandi greinargerð:

„Síðan lögin um alþýðutryggingar gengu í gildi, hefur aðbúð gamalmenna og öryrkja aldrei verið eins óviðunandi og nú, er hin mikla breyting hefur orðið á þjóðarhag landsmanna vegna styrjaldarinnar. Aldrei hafa kjör þessa fólks verið jafnbágborin, að svo miklu leyti sem kemur til kasta hins opinbera. Og aldrei hafa verið jafngóðar ástæður til að búa vel að þessu fólki og einmitt nú.

Það er því vissulega tími til þess kominn, að Lífeyrissjóður Íslands verði látinn koma til fullra framkvæmda og gamalmennunum og öryrkjunum tryggður skilyrðislaus réttur til ákveðins lífeyris. Og lífeyririnn verður að vera svo hár, að þeim, sem hans nýtur, sé að minnsta kosti með ýtrasta sparnaði gert kleift að framfleyta lífinu. Annars eru tryggingarnar kák eitt. Og það eru þær með því fyrirkomulagi, sem nú er á þeim.

Með frv. þessu er lagt til, að mjög veruleg breyting verði á öllu tryggingakerfinu. Þegar lögin um alþýðutryggingar voru sett, voru elli- og örorkutryggingarnar hugsaðar fyrst og fremst sem persónutrygging, þar sem ætlazt er til, að hinir tryggðu kosti trygginguna að mestu sjálfir, en njóti þó stuðnings hins opinbera. Með þessu móti verður tryggingin hvorki fugl né fiskur. Fyrir þeirri kynslóð, sem nú er komin á fullorðinsár, verður að sjá með sérstökum hætti. Reynslan hefur nú þegar sýnt, hvers virði sú forsjá er. Hitt hefur reynslan líka sýnt, að þeir, sem greiða iðgjöld frá 16 ára aldri, geta ekki vænzt þess að fá boðlegan lífeyri í ellinni samkvæmt þeim reglum, sem ellitryggingin er byggð á. Það fyrirkomulag að safna sjóðum, sem ætlazt er til, að standi undir tryggingunni í fjarlægri framtíð, er svo óheppilegt, að það ber tafarlaust að hverfa frá því með öllu.

Með þessu frv. er ætlazt til þess, að horfið verði af þessari braut og elli- og örorkutryggingarnar færðar í það horf, að þær verði fyrst og fremst þjóðfélagstryggingar, bornar uppi af þjóðfélagsheildinni og með ákveðnum og skýlausum þjóðfélagslegum réttindum til handa þeim, sem þeirra eiga að njóta. Það er að vísu nauðsynlegt, að nokkur sjóðssöfnun eigi sér stað, ekki til þess að standa undir tryggunni í fjarlægri framtíð, þegar sjóðurinn kann að vera orðinn einskis virði, heldur til þess að nægilegur varasjóður sé jafnan fyrir hendi.

Framlög ríkissjóðs og bæjar- og sveitarsjóða eru að vísu allhá samkvæmt frumv. þessu, eins og nú standa sakir nokkuð hátt á þriðju milljón króna, að viðbættri verðlagsuppbót frá hvorum aðila. En með því ætti líka að vera séð fyrir framfærslu alls þess fólks, sem hlut á að máli. Er þá að athuga, hvort tekjur lífeyrissjóðs mundu nægja til að standa undir skuldbindingum hans og fyrir hæfi-

legri aukningu sjóðsins. Það liggur í hlutarins eðli, að úr þessu getur reynslan ein skorið. En þessar tekjur ættu að nægja til þess að greiða í lífeyri upphæð, sem svarar því, að allt að 70% allra öryrkja og gamalmenna 67 ára og eldri fengju greiddan fullan lífeyri, eins og nánar mun skýrt í framsögu. Á árunum 1937—1939 fengu aðeins 59,7%—62,6% gamalmennanna nokkurn styrk, og mikill meiri hluti þeirra aðeins lítils háttar glaðning samkv. 1. lið 80. gr. alþýðutryggingalaganna. Svo virðist því, sem þessar tekjur ættu vel að nægja. Hins vegar er sjálfsagt, að tækifærið sé notað til þess að safna sem mestu í sjóð, þegar fjárhagur hins opinbera og þjóðarhagurinn yfirleitt stendur með blóma. En að sjálfsögðu verður að endurskoða ákvæðin um tekjuhliðina jafnskjótt og reynsla er fengin."

## Sþ. 79. Tillaga til þingsályktunar

um verðuppbætur á útflutt refa- og minkaskinn.

Flm.: Sigurður Þórðarson, Jón Sigurðsson.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að greiða úr ríkissjóði verðuppbót á útflutt refa- og minkaskinn af framleiðslu áranna 1941 og 1942 eftir neðanskráðum grunntölum, að viðbættri meðal-verðlagsvísitölu fyrir hvort ár.

| | |
|---|---|
| Silfurrefaskinn, 1. flokkur (úrvalsskinn) | kr. 40.00 |
| Silfurrefaskinn, 2. flokkur (meðalgóð skinn) | — 20.00 |
| Silfurrefaskinn, 3. flokkur (léleg skinn) | — 10.00 |
| Blárefaskinn, 1. flokkur (úrvalsskinn) | — 20.00 |
| Blárefaskinn, 2. flokkur (meðalgóð skinn) | — 10.00 |
| Blárefaskinn, 3. flokkur (léleg skinn) | — 5.00 |
| Hvítrefaskinn, 1. flokkur (úrvalsskinn) | — 10.00 |
| Hvítrefaskinn, 2. flokkur (meðalgóð skinn) | — 5.00 |
| Hvítrefaskinn, 3. flokkur (léleg skinn | — 3.00 |
| Minkaskinn, 1. flokkur (úrvalsskinn) | — 10.00 |
| Minkaskinn, 2. flokkur (meðalgóð skinn) | — 5.00 |
| Minkaskinn, 3. flokkur (léleg skinn) | — 3.00 |

Söluverð skinnanna erlendis sé lagt til grundvallar fyrir flokkuninni.

Greinargerð.

Það hefur þegar verið samþykkt að greiða verðuppbætur á aðrar landbúnaðarvörur eða ákveða innanlandsverð á þeim, sem gengur í sömu átt. Virðist ekki sanngjarnt að ganga fram hjá loðskinnaframleiðslunni, sem á nú mjög í vök að verjast vegna verðbólgunnar og er háð verðlagi því á landbúnaðarvörum, sem gildir fyrir innanlandsmarkaðinn. Getur atvinnugrein þessi naumast staðið undir þeirri verðhækkun á fóðurvörum, sem leiðir af hinu lögskipaða verði landbúnaðarafurða, auk annarra útgjaldahækkana, svo sem vinnulauna o. fl., enda er talið, að loðdýrabúin muni nú mjög mörg leggjast niður og hætta rekstri í vetur. Verður frekara hrun ekki stöðvað, nema með verulegum styrk úr ríkissjóði.

Loðdýraræktinni má telja það til gildis, að hún styður annan landbúnað með því að kaupa meira og minna háu verði mikið af kjöti, sem ekki er manneldishæft og ella yrði ekki neins virði. Hún notar einnig fiskúrgang frá hraðfrystihúsunum og fleiri fóðurefni, sem annars fengist lítið eða ekkert verð fyrir. Erlendis er loðdýraræktin mikils metin fyrir þá atvinnu, sem hún veitir, og það útflutningsverðmæti, sem hún skapar, og virðist geta orðið það líka hér, ef henni væri nægilegur sómi sýndur. Má í því sambandi benda á Noreg, sem síðustu árin fyrir stríð flutti út refa- og minka-

skinn fyrir tugi milljóna króna og veitti, að því er talið er, 20 þúsund manns atvinnu við þessa framleiðslu.

Fyrir framleiðslu ársins 1940 var veittur styrkur út „Bretasjóði", er nam kr. 10.00 fyrir hvert silfurrefaskinn og kr. 20.00 fyrir hvert blá- og hvítrefaskinn, og er litið svo á, að úr því að þessi styrkur var talinn hæfilegur þá, þá megi að miklu leyti leggja hann til grundvallar fyrir styrkveitingu yfir það tímabil, sem síðan er liðið. — Minkaskinn voru ekki verðbætt úr „Bretasjóði, en mjög hefur þrengt að þessari framleiðslu síðan, vegna takmarkaðs framboðs á ódýru fiskmeti, og svo mun mikill hluti eða mestur hluti minkaskinnanna frá 1941 seljast fyrir lægra verð en áður.

Þegar verðuppbótin úr „Bretasjóði" var veitt, þá var greidd sama upphæð á hvert skinn án tillits til gæða. Þetta álítum vér fráleita aðferð, af því að hún örvar ekki til vöruvöndunar. Íslenzk refa- og minkaskinn geta til jafnaðar ekki farið fram úr því að vera 3. flokks vara á heimsmarkaðinum. Sem rök fyrir því máli skal geta þess, að íslenzk silfurrefaskinn voru á árunum 1939 til 1940 skýrslufærð í Bandaríkjum Norður-Ameríku sem verðlægst allra innfluttra silfurrefaskinna, eins og sjá má í erlendum blöðum frá þeim tíma. Einstakar ættir innan íslenzka silfurrefastofnsins munu þó vera nægilega góðar til framleiðslu á fyrsta flokks vöru eftir erlendum mælikvarða. — Mestur hluti íslenzka blárefastofnsins er alls ekki undaneldishæfur, og mestur hluti þeirra minka, sem notaðir eru í innanlandsframleiðslunni, gefa verðminni skinn en talið er erlendis, að geti á nokkurn hátt borgað sig lengur að framleiða. Eru þeir út af minkunum, sem fluttir voru inn um áramótin 1931 til 1932, fyrstu minkum, sem komu til landsins. Þó eru til dágóðar minkaættir, sem síðan hafa verið fluttar inn, en þó eru ekki hæfar til meira en góðrar 2. flokks framleiðslu, þegar miðað er við erlendar markaðskröfur. Eru þá taldir sem fyrsti flokkur minkar þeir, sem nú eru að breiðast út í Ameríku og þegar hafa náð til Svíþjóðar. Hafa þeir fegurra hárafar og betri skinn en minkar hér á landi nú.

Af framansögðu ætti að vera ljóst, að þörf er hvatningar og uppörvunar til vöruvöndunar með því að veita fyrsta flokks vöru meiri viðurkenningu en lakari, því á hinni fyrr nefndu hlýtur framtíð íslenzkrar loðdýraræktar vitanlega að byggjast. Hefur því verið horfið að því ráði í tillögunni að skipta loðskinnaframleiðslunni niður í þrjá flokka til verðuppbóta eftir þeim gæðum, sem um getur verið að ræða innanlands, úrvalsskinn, meðalgóð skinn og léleg skinn. Má reikna með, að minnst verði af úrvalsskinnum og að framleiðslan 1942 hafi sérstaklega mikið af lélegum skinnum. Er því talið, að grunntala meðal-verðuppbótar muni ekki reynast fjarri því, sem uppbótin úr „Bretasjóði" var á sínum tíma.

Rétt er að geta þess hér, að nýlega hefur verið ákveðin í Kanada nokkur verðuppbót úr ríkissjóði fyrir framleidd silfurrefaskinn, og er veitt full uppbót fyrir úrvalsskinn (choice quality), en aðeins hálf uppbót fyrir venjuleg skinn (regular quality).

Það hefði verið æskilegt, að flokkun loðskinna til verðuppbótar hefði getað farið fram áður en skinnin eru send úr landi (framleiðslan 1942), en þar sem hér er ekki til neinn fagmaður í flokkun loðskinna, sem skinnasölufirmu erlendis mundu taka tillit til, virðist réttast og umsvifaminnst eins og til hagar að flokka skinnin eftir erlenda söluverðinu. Að úthluta verðuppbót, sem væri í ósamræmi við raunverulegt söluverð, gæti orðið til að vekja óánægju og jafnvel tortryggni meðal seljenda.

Orsakirnar til þess, að hér er aðeins framleidd 3. flokks skinnavara, eru þær, að þekking loðdýraeigenda á atvinnu sinni er enn á mjög lágu stigi. Þeir fylgjast alls ekki með þeirri öru framþróun, sem á sér stað í þessum málum erlendis. Vita blátt áfram ekkert um, hvað er að gerast þar, af því að ekkert birtist um slíkt á prenti hér á landi, og útlend tímarit sjá þeir ekki. Til samanburðar má benda á, að í Ameríku er talið sjaldgæft að hitta loðdýraeiganda, sem ekki er kaupandi að a. m. k. tveimur loðdýraræktartímaritum, og er því aðstaða þessara tveggja aðila næsta ólík til framleiðslu sinnar.

## Nd. 80. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 71 28. nóv. 1919, um laun embættismanna.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur orðið sammála um að leggja til, að frv. verði samþ. óbreytt.

Alþingi, 12. des. 1942.

Bjarni Ásgeirsson, form. Sigurður Guðnason, frsm. Jón Pálmason, fundaskr.

Emil Jónsson. Jón Sigurðsson.

## Ed. 81. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna.

Flutningsm.: Bernharð Stefánsson.

1. gr.

Á eftir fyrri málsgr. 2. gr. laganna komi ný málsgr., svo hljóðandi:

Ríkisstjórnin sér hverjum þeim þingmanni, sem búsettur er utan Reykjavíkur, fyrir leigulausum bústað á meðan á þingi stendur, ef hann óskar þess. Þeir utanbæjarþingmenn, sem sjálfir sjá sér fyrir húsnæði, skulu fá húsaleigustyrk eftir mati þingfararkaupsnefndar. Ríkisstjórninni er heimilt að láta reisa hús eða kaupa hús fyrir þingmannabústað og að verja nægilegu fé úr ríkissjóði til þess. Rekstrarkostnaður þingmannabústaðar telst með alþingiskostnaði. Til bráðabirgða er og ríkisstjórninni heimilt að leigja húsnæði til þessara nota.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Með frv. þessu er í fyrsta lagi lagt til að lögfesta þá venju, sem komst á fyrir nokkrum árum, fyrir forgöngu þingfarkaupsnefndar, að Alþingi greiddi, að minnsta kosti að nokkru, húsaleigu utanbæjarþingmanna yfir þingtímann (húsaleigustyrkurinn). Að utanbæjarþingmenn fái leigulausan bústað meðan á þingi stendur, er auðvitað alveg sjálfsagt réttlætismál, og verða þó kjör þeirra samt sem áður miklu lakari á allan hátt heldur en þeirra þingmanna, sem búsettir eru í Reykjavík. En framangreind venja hefur ekki tvímælalausa stoð í lögum, og virðist því sjálfsagt að lögfesta hana.

Í öðru lagi er lagt til í frv., að utanbæjarþingmönnum verði tryggður bústaður yfir þingtímann. Er það brýn nauðsyn, því á undanförnum þingum hefur það oft legið við borð, að sumir utanbæjarþingmenn gætu ekki setið á þingi sökum þess, að þeir fengu ekki húsnæði, og þó að vinir þeirra og vandamenn hafi að nokkru leyst vandræðin með því að hafa þá sem gesti í íbúðum sínum og sýnt þeim hina mestu gestrisni, þá geta þingmenn ekki á þann hátt fengið þau starfsskilyrði, sem nauðsynleg eru. Auk þess er afar óviðkunnanlegt, að þingmenn þurfi þannig að nota sér gestrisni einstakra heimila og þrengja að heimilisfólki.

Aukaþinginu s. l. sumar voru ljós þessi vandkvæði, og ályktaði það „að skora á ríkisstjórnina að tryggja alþingismönnum þeim, sem eiga heima utan Reykjavíkur, húsnæði yfir þingtímann framvegis". En mistök urðu á framkvæmd þessarar ályktunar, t. d. urðu ýmsir þingmenn að bíða alllengi eftir að fá húsnæði samkv. henni. Þá mun og í fyrstu hafa staðið til, að sumir þeir þingmenn, sem útvegað var húsnæði, yrðu að greiða allmikið af húsaleigunni úr eigin vasa, en það var auðvitað þvert á móti tilgangi þingsályktunarinnar. Virðist því auðsætt, að einföld ályktun þingsins um þetta nægi ekki, heldur þurfi lagaákvæði um rétt þingmanna til húsnæðis.

Vera má, að núverandi húsnæðisvandræðum í Reykjavík létti fljótlega. En þótt svo færi, sem óskandi er, munu alltaf verða ýmis vandkvæði á því fyrir utanbæjarþingmenn að fá sér viðunandi húsnæði. Er því samþykkt þessa frv. eða aðrar aðgerðir í sömu átt nauðsynlegar, einnig vegna framtíðarinnar.

## Ed. 82. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Flm.: Steingrímur Aðalsteinsson.

1. gr.

Á eftir 7. gr. laganna komi tvær nýjar greinar, er verði 8. og 9. gr., svo hljóðandi (og breytist greinatalan samkvæmt því):

a. (8. gr.) Þegar sveitar-, bæjar- eða sýslufélög reisa sjúkrahús samkvæmt lögum þessum, skal ríkissjóður leggja fram að hálfu stofnkostnað þeirra, enda hafi verið veitt til þess fé í fjárlögum og uppdráttur sjúkrahúss og útbúnaður samþykktur af viðkomandi trúnaðarmönnum ríkisins.

b. (9. gr.) Nú er sjúkrahús, sem sveitar-, bæjar- eða sýslufélög reka, sótt að verulegu leyti af sjúklingum, sem ekki eiga heimili í viðkomandi sveitar-, bæjar- eða sýslufélagi, og skal þá ríkissjóður taka þátt í rekstrarkostnaði viðkomandi sjúkrahúsa, þannig, að hann greiði fyrir hvern legudag þeirra sjúklinga, sem ekki eiga lögheimili í sveitar-, bæjar- eða sýslufélagi því, er sjúkrahúsið rekur, sem svarar ⅓ hluta daggjalds viðkomandi sjúkrahúss, enda mega þá eigi daggjöld utansveitarsjúklinga vera hærri en innansveitar.

Ákvæði þetta rýrir eigi greiðsluskyldu ríkissjóðs vegna sérstakra sjúkdóma samkvæmt öðrum lögum.

Rekstrarstyrkur þessi úr ríkissjóði skal greiddur ársfjórðungslega, eftir á, samkvæmt endurskoðuðum skýrslum sjúkrahúsanna um legudaga utansveitarsjúklinga.

2. gr.

Þegar lög þessi hafa hlotið staðfestingu, skal fella meginmál þeirra inn í texta laga nr. 30 19. júní 1933 og gefa þau út svo breytt.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Breyting sú á lögum um sjúkrahús o. fl., sem frumvarp þetta felur í sér, er annars vegar, að lagt er til, að þátttaka ríkissjóðs í stofnkostnaði sjúkrahúsa, sem reist eru af sveitarfélögum, bæjar eða sýslu, sé bundin í lögum, sem eigi hefur verið, og jafnframt aukin úr ⅓ hluta stofnkostnaðar, sem venja hefur verið, í það, að ríkissjóður greiði stofnkostnaðinn að hálfu móti viðkomandi bæjar- eða sveitarfélagi. Hins

vegar sú, að ríkissjóður létti undir með rekstri þeirra sjúkrahúsa, sem mikið eru sótt af utansveitarsjúklingum, með því að greiða sem svarar ⅓ hluta daggjalds viðkomandi sjúkrahúss fyrir hvern legudag þessara sjúklinga.

Flm. lítur svo á, að með þeim búskaparháttum þjóðarbúsins, sem nú eru hér, sé eðlilegt, að kostnaður við að koma upp slíkum nauðsynjastofnunum fyrir almenning, sem sjúkrahús eru, skiptist að jöfnum hlutum milli sameiginlegs sjóðs þjóðarbúsins og þess héraðs, sem sjúkrahúsið er sérstaklega reist fyrir. Það mundi líka greiða nokkuð fyrir, að þau héruð landsins, þar sem mikil þörf er sjúkrahúsa, kæmu byggingu þeirra í framkvæmd, ef aðstoð ríkisins til þess væri aukin þannig.

Svo sem kunnugt er, hefur rekstur sjúkrahúsa hér verið byggður á því aðallega, að sjúklingar greiddu daggjöld fyrir kostnaði af sjúkrahúsvist sinni. Þessi daggjöld þurfa að vera mjög há, ef þau eiga að nægja fyrir rekstrarkostnaði sjúkrahúsanna, enda mun venjan sú, að meiri eða minni rekstrarhalli verði á almennum sjúkrahúsum. Þannig er t. d. í fjárlagafrumvarpi því, sem nú liggur fyrir Alþingi, reiknað með rekstrarhalla, sem nemur hátt á sjöunda hundrað þús. kr., á þeim sjúkrahúsum ríkisins, sem þó taka daggjöld fyrir sjúklinga.

Nú er í frumvarpi þessu gert ráð fyrir, að héruð þau, sem sjúkrahús reka, beri eftir sem áður rekstrarhalla, sem verða kann vegna innanhéraðssjúklinga. En þar sem sjúkrahús eru mikið sótt af sjúklingum utan héraðs, verður naumast talið sanngjarnt, að hérað það, sem sjúkrahúsið rekur, beri fjárhagslega byrði vegna þessara sjúklinga, og er því lagt til, að ríkissjóður taki þátt í rekstrarkostnaði í hlutfalli við aðsókn utanhéraðssjúklinga að hverju sjúkrahúsi.

## Nd. 83. Frumvarp til laga

um bráðabirgðafjárgreiðslur í janúar 1943.

Flm.: Finnur Jónsson, Pétur Ottesen, Eysteinn Jónsson, Lúðvík Jósefsson.

1. gr.

Þar til samþykkt hafa verið og staðfest fjárlög fyrir árið 1943, er ríkisstjórninni heimilt að greiða úr ríkissjóði til bráðabirgða, í samræmi við ákvæði fjárlaga fyrir árið 1942, öll venjuleg rekstrargjöld ríkisins og önnur gjöld, er talizt geta til venjulegra fastra greiðslna þess, þótt ákvæðin séu eða heimiluð til eins árs í senn.

Með sama hætti er framlengd heimild til handa stjórnum Landsbankans og Búnaðarbankans til lífeyrisgreiðslna.

Heimild þessi gildir þó eigi lengur en til 1. febr. 1943.

2. gr.

Lög þessi öðlast gildi 1. jan. 1943.

Greinargerð.

Með því að sýnt þykir, að eigi vinnst tími til þess að afgreiða fjárlög fyrir árið 1943 fyrir áramót, en heimild skortir til greiðslu á nauðsynlegum útgjöldum eftir áramót, meðan þau eru ekki samþykkt, hefur fjárveitinganefnd ákveðið að beita sér fyrir frv. þessu, í samráði við þingflokkana. Hins vegar hefur verið talið sjálfsagt að hraða afgreiðslu fjárlaga svo sem unnt er, og er því heimildin um bráðabirgðafjárgreiðslur eigi látin gilda lengur en til 1. febr. 1943.

## Ed. 84. Nefndarálit

um till. til þál. um skógræktarstöð í Hvammi í Dölum.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur aflað sér upplýsinga um aðstöðu til skógræktar og trjáplöntuuppeldis á prestssetursjörðinni Hvammi í Dölum. Hefur skógræktarstjóri mætt á fundi með nefndinni og látið þar uppi álit sitt um þau atriði. Að fengnum þeim upplýsingum hefur nefndin orðið sammála um að leggja til, að till. verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Tillgr. skal orða svo:

Efri deild Alþingis skorar á ríkisstjórnina að gera, í samráði við biskup landsins og skógræktarstjóra, ráðstafanir til þess, þegar næst verða prestaskipti í Hvammi í Dölum, að þá verði hæfilegur hluti jarðarinnar, sá sem bezt er til skóggræðslu fallinn, lagður undir skógrækt ríkisins. Jafnframt verði þar trjáplöntuuppeldi fyrir Dalasýslu.

Alþingi, 12. des. 1942.

Páll Hermannsson, form. Þorst. Þorsteinsson, frsm. Eiríkur Einarsson, fundaskrifari.
H. Guðmundsson. Kristinn Andrésson.

## Sþ. 85. Tillaga til þingsályktunar

um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast fyrir Reyðarfjarðarhrepp lán til aukningar raforkuveitu hreppsins.

Flm.: Eysteinn Jónsson, Ingvar Pálmason.

Ríkisstjórninni er heimilt, gegn þeim tryggingum, er hún metur gildar, að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 500000 króna innlent lán fyrir Reyðarfjarðarhrepp til aukningar raforkuveitu hreppsins.

Greinargerð.

Raforkuveita Reyðarfjarðarhrepps er nú orðin alveg ófullnægjandi. Verður ekki hjá því komizt að ráðast í stækkun hennar svo fljótt sem frekast er unnt. Hreppurinn hefur undanfarið lagt kapp á að borga stofnkostnaðarskuldir rafveitunnar og hefur því ekki yfir handbæru fé að ráða til þess að leggja í framkvæmd þessa. Hins vegar mundi raforkuveitan öll standa til tryggingar því láni, sem gert er ráð fyrir, að ríkið ábyrgðist samkvæmt þingsályktun þessari.

Nánar í framsögu.

## Ed. 86. Fyrirspurn

til ríkisstjórnarinnar í sambandi við hlutleysi Íslands og aukna ófriðarhættu.

Frá Jónasi Jónssyni.

Er það í samræmi við yfirlýsta hlutleysisstefnu Íslendinga og eðlilega varúð í styrjaldarmálum, ef valdhafar landsins lýsa yfir vanþóknun á stjórnarstefnu annars stríðsaðilans og jafnframt vilja sínum til að taka virkan þátt í baráttunni með hinum stríðsþjóðunum?

Greinargerð.

Íslendingar hafa lýst yfir ævarandi hlutleysi sínu. Þeir mótmæltu með fullri einurð hernámi Breta 1940 og sömdu síðan um hervernd Bandaríkjanna, meðan sú þjóð var eina friðarríkið meðal stórþjóða heimsins. Á þann hátt hefur íslenzka þjóðin fyrr og síðar viðurkennt vilja sinn, um leið og getuleysi sitt til að standa í styrjaldarframkvæmdum.

Nú er hafin stefnubreyting í þessu efni af hinum svokallaða sósialista- eða kommúnistaflokki. Þeir hafa opinberlega auglýst í blaði sínu, að þeir mundu gera þrjú atriði í utanríkismálum að „skilyrðum" fyrir ábyrgri þátttöku um stjórnmál landsins.

Fyrsta skilyrðið er, að íslenzka ríkið lýsi yfir andúð sinni á stjórnarstefnu Þjóðverja. Annað skilyrðið er, að Íslendingar taki virkan þátt í styrjöldinni með andstæðingum Þjóðverja. Þriðja skilyrðið er, að Íslendingar biðji Rússa um vernd fyrir sjálfstæði þjóðarinnar.

Um tvö fyrstu skilyrðin er það að segja, að framkvæmd þeirra mundi vera um það bil sama og stríðsyfirlýsing gagnvart einhverju mesta herveldi, sem nokkurn tíma hefur verið uppi í heiminum. Þetta mætti kallast furðuleg ráðstöfun, ef til framkvæmda kæmi, þar sem ófriður þessi væri hafinn af þjóð, sem lýst hefur yfir ævarandi hlutleysi, er auk þess algerlega vopnlaus og án allra þeirra skilyrða og undirbúnings, sem stríðsþjóð þarf að hafa. Auk þess kemur ekki í ljós í yfirlýsingu kommúnista nokkur ástæða, sem réttlætti hið umtalaða framferði, jafnvel þó að Ísland hefði verið fært um þátttöku í styrjöld, sem allir vita, að ekki er um að ræða.

Um virka þátttöku Íslendinga í styrjöldinni með Bandamönnum er það að segja, að þar er jafnt til fyrirstöðu eldri ákvörðun um hlutleysi og algert undirbúningsleysi þjóðarinnar í styrjaldarmálum. Krafa kommúnista um virka þátttöku Íslendinga í stríði með Bandamönnum er því furðulegri, þar sem kommúnistar hafa tveim sinnum hindrað atvinnustarfsemi Íslendinga á fullkomlega hlutlausum grundvelli, en það starf mátti telja fremur til hagsbóta Bandamönnum, án þess að Íslendingar brytu hlutleysi sitt. Í fyrra skiptið reyndu kommúnistar að koma til leiðar vinnustöðvun meðal íslenzkra verkamanna, sem unnu fyrir setuliðið. Síðara átakið er nýafstaðið. Þar hafa leiðtogar Sósialistaflokksins átt meginþátt í því, að framleiðslan við sjóinn ber sig ekki, hraðfrystihúsin eru lokuð og veiðiskipin bundin við hafnargarðinn. Íslenzka þjóðin er á þennan hátt svipt bjargræði sínu og getur ekki staðið við eldri ráðagerðir um fasta sölu úr landi til landa Bandamanna. Það er lítt samræmanlegt, krafa sósialistanna um virka aðstoð við andstæðinga Þjóðverja og aðgerðir sömu manna til að lama framleiðslu landsmanna á matvörum, sem eru í góðu verði í löndum Bandamanna.

Krafan um, að Ísland eigi að biðja Rússland um vernd, er líka furðuleg, þegar þess er gætt, að Rússar eiga fullt í fangi með að verja sín eigin lönd. Íslendingar hafa auk þess örugga verndarsáttmála við þau ríki, sem ráða yfir Atlantshafinu, en þar á Ísland allra sinna hagsmuna að gæta. Enn fremur má segja, að krafan um verndarþón til Rússlands sé ekki undirbyggð með sögulegum rökum. Rússland hefur ekki reynzt hentugur verndari smáþjóða. Dæmin eru deginum ljósari, þar sem Rússar réðust svo að segja samtímis, fyrirvaralaust og tilefnislaust og ofan í gerða samninga, á sex ríki frá Svartahafi og norður að Íshafi, lögðu þrjú af þeim undir veldi sitt, en innlimuðu mikinn hluta hinna þriggja.

Mér hefur þótt rétt, að þessar nýstárlegu kenningar yrðu ræddar opinberlega, þar sem það er tilætlun Sósialistaflokksins, að tilvonandi ríkisstjórn framkvæmi þessar óvenjulegu óskir kommúnistanna.

# Ed. 87. Frumvarp til laga

um kaup á Vesturheimsblöðunum Heimskringlu og Lögbergi.

Flm.: Jónas Jónsson.

1. gr.

Meðan lög þessi eru í gildi, skulu allir skólar, sem ríkið starfrækir eða styrkir, allar skrifstofur ríkis og bæjarfélaga, öll samvinnufélög, allir kaupmenn og skrásett hlutafélög kaupa annað hvort íslenzku blaðanna, sem gefin eru út í Winnipeg, Heimskringlu eða Lögberg.

2. gr.

Skrifstofa fræðslumálastjóra hefur yfirumsjón með þessum blaðakaupum og stillir svo til, að jafnmikið sé selt og borgað af þessum tveim blöðum. Andvirði blaðanna skal á hverjum stað innheimt um leið og tekju- og eignarskattur ríkisins. Skólar og skrifstofur telja útgjöld þessi með almennum rekstrarkostnaði.

Greinargerð.

Einn af kunnustu leiðtogum Íslendinga vestan hafs, Ásmundur Jóhannsson í Winnipeg, hefur látið í ljós þá skoðun, að mikla nauðsyn beri til, að íslenzku blöðin í Vesturheimi verði lesin og keypt miklu meira heldur en gert hefur verið, bæði til að auka kynningu manna hér á landi á högum Íslendinga í Vesturheimi og jafnframt til að styðja blöðin fjárhagslega.

Eftir að hafa ferðazt milli flestra byggða Íslendinga í Ameríku, hef ég komizt að þeirri niðurstöðu, að starf landa okkar vestan hafs sé glæsilegt þrekvirki og til varanlegrar sæmdar fyrir íslenzka kynstofninn. Dugnaður og myndarskapur landa í Vesturheimi hefur vitaskuld fyrst og fremst komið fram í atvinnubaráttu einstaklinganna, yfirburðum þeirra við nám og stórmiklum myndarskap við þátttöku í félagslífi og borgaralegum störfum í hinum nýju heimkynnum. En jafnframt þessu hafa þeir haldið áfram víðtækri íslenzkri menningarstarfsemi. Um eitt skeið reistu landar vestra og starfræktu milli 70 og 80 kirkjur með frjálsum framlögum. Auk þess hafa þeir haldið uppi hinum tveim kunnu blöðum, Lögbergi og Heimskringlu, í meira en hálfa öld, jafnframt margháttaðri annarri menntastarfsemi. Óhætt er að fullyrða, að kirkjan og blöðin hafa verið líftaug og undirstaða hinnar víðtæku íslenzku menningar- og þjóðræknisstarfsemi landa í Vesturheimi.

Einstaka menn hér á landi hafa talið sig hafa minni áhuga fyrir því að kaupa Vesturheimsblöðin af því, að allmikið af lesmáli þeirra snerist um efni, er snerti Ísland fyrst og fremst. En þetta er einmitt ein af meginástæðum þess, að Austur-Íslendingar þurfa að kynnast þessum blöðum. Meðan landar í Vesturheimi hafa svo mikla samúð með gamla landinu og allri lífsbaráttu þjóðarinnar, að þeir vilja láta blöð sín fjalla að mjög verulegu leyti um austur-íslenzk efni, þá er auðséð, hve römm er sú taug, sem tengir landa vestra við hið gamla ættland og málefni þess. Ef menn hér á landi lesa með athygli vestanblöðin, þá getur ekki hjá því farið, að menn fyllist lotningu og aðdáun fyrir þeirri sterku ættjarðarást gagnvart Íslandi, sem endurspeglast í þessum blöðum. Sterk hlýtur sú tilfinning að vera, sem kemur fólki af íslenzkri ætt, sem tæplega getur búizt við að koma nokkurn tíma aftur til landsins, til að fylgjast þó nákvæmlega með öllum hreyfingum þjóðlífsins í hinu fjarlæga ættlandi.

Önnur og þó meiri ástæða er sú, að styðja Vesturheimsblöðin með því að afla þeim allmargra kaupenda hér á Íslandi. Bæði blöðin eiga erfitt uppdráttar og eru árlega studd mjög myndarlega af þjóðlegum forgöngumönnum vestan hafs. Þau skipulagsbundnu kaup, sem hér er farið fram á, eru frá okkar hálfu vottur um aukinn

skilning og þakkarhug okkar til landa í Vesturheimi fyrir hina þýðingarmiklu útvarðarstarfsemi þeirra fyrir íslenzka menningu.

Eftir stríðið munu haldast beinar skipaferðir milli Íslands og Norður-Ameríku og stóraukin viðskipti og kynning á báðar hliðar. Námsmenn og viðskiptaforkólfar munu fara vestur, og Íslendingar vestan hafs munu heimsækja gamla landið miklu meira en áður hefur verið. Þá mun þýðing íslenzku byggðarinnar vestan hafs verða ómetanleg fyrir hið litla íslenzka þjóðveldi.

Lögberg og Heimskringla eru meginvirki í andlegri baráttu landa í Vesturheimi. Við eigum að senda þeim liðsauka, og við getum, með því að lesa þessi blöð, fengið einhverja órækustu sönnunina, sem til er, fyrir lífsmætti íslenzks þjóðernis og íslenzkrar menningar.

## Nd. 88. Nefndarálit

um frv. til laga um heimild til þess að selja hluta úr landi jarðarinnar Viðvík í Skagafirði.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og leggur til, að það verði samþykkt.

Alþingi, 11. des. 1942.

Bjarni Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr. Jón Sigurðsson, frsm.
Sigurður Guðnason. Emil Jónsson.

## Ed. 89. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim.

Flm.: Gísli Jónsson.

1. gr.

Í stað orðanna „Landssamband iðnaðarmanna einn, Alþýðusamband Íslands einn“ í 1. málsl. 1. gr. laganna komi: Landssamband iðnaðarmanna og Alþýðusamband Íslands tilnefna í sameiningu einn, Verzlunarráð Íslands einn.

2. gr.

a. Aftan við fyrri málsl. 2. gr. laganna bætist: Heimilt skal henni einnig að ákveða, hvaða verð skuli greitt til framleiðenda á hverjum tíma, ef kjötið er keypt af þeim með föstu verði, með eða án verðuppbótar.
b. Á eftir síðari málsl. 2. gr. komi nýr málsl., svo hljóðandi: Þegar kjötverðið er ákveðið til framleiðenda, skal þess gætt, að ákveða það sem jafnast, hvar sem kjötið er framleitt á landinu.

3. gr.

Í stað 3. gr. laganna komi ný grein, svo hljóðandi:

Enginn má slátra sauðfé til sölu né kaupa fé til slátrunar eða verzla með kjöt af því í heildsölu, án leyfis kjötverðlagsnefndar. Heimilt skal þó sauðfjáreigend-

um, er reykja kjöt á heimilum sínum, að selja það beint til neytenda, enda greiði þeir af því verðjöfnunargjald um leið og afhending fer fram.

Leyfi til slátrunar skal veitt fyrir eitt ár í senn og eigi síðar en 15. júlí ár hvert. Leyfi skal veita hverjum þeim aðila, sem fengið hefur verzlunarleyfi, rekur útgerð, frystihús eða iðnað þess eðlis, að honum sé hagkvæmt að kaupa kjötið beint af framleiðanda, enda uppfylli hann eftirfarandi skilyrði:

a. Eigi sjálfur eða hafi aðgang að sláturhúsi, sem fullnægir ákvæðum laga um kjötmat o. fl., frá 19. júní 1933, eða eins og þeim kann að verða breytt síðar.
b. Eigi sjálfur eða hafi aðgang að frystihúsi, ef kjötið er ætlað til útflutnings eða til sölu eða notkunar sem frystað kjöt innanlands.
c. Eigi sjálfur eða hafi aðgang að niðursuðuverksmiðju eða reykhúsi, ef kjötið er ætlað til niðursuðu eða reykingar.
d. Hafi öll skilyrði til þess að salta kjötið til útflutnings eða til sölu eða notkunar innanlands, samkvæmt fyrirmælum um kjötmat og kjötverkun á hverjum tíma.

Einnig er heimilt að veita slátrunarleyfi þeim einstaklingum, er vegna sérstakra staðhátta eiga svo örðugt um rekstur eða flutning fjárins til sláturhúss, að illfært sé að dómi nefndarinnar.

Leyfisbeiðandi skal jafnan geta þess í beiðni sinni, fyrir hvaða markað og á hvaða hátt hann ætlar sér að verka kjötið, og lætur jafnframt fylgja beiðninni skilríki fyrir því, að hann uppfylli skilyrði þau, sem sett eru fyrir slátrunarleyfi, hvað snertir magn það, er hann óskar að fá leyfi fyrir.

Í leyfi getur nefndin ákveðið, ef nauðsynlegt er vegna framboðs eða eftirspurnar, fjártölu þá að hámarki, sem leyfishafi má slátra til útflutnings, sölu eða notkunar innanlands og til iðnaðar, enda sé þá tekið tillit til aðstöðu á þeim stað, sem slátrunin er leyfð.

4. gr.

Í stað c-liðar 6. gr. laganna komi 2 nýir liðir, c. og d., svo hljóðandi:

c. Til verðuppbótar á því kjöti innanlands, sem vegna flutningserfiðleika eða annarra ástæðna skilar lægra framleiðsluverði til bænda.
d. Til verðuppbótar á útflutt dilkakjöt. Verðuppbótin má þó aldrei verða svo há, að nettóverð þess kjöts, sem upp er bætt, verði hennar vegna hærra en nettóverð sömu tegundar af kjöti, sem selt er í heildsölu á verðhæsta markaði innanlands.

Í stað orðanna: „Sá verðmismunur, sem nefndin hefur ákveðið, raskist ekki“ í síðasta málsl. sömu lagagr. komi: Verðmismunur til framleiðanda verði sem minnstur.

5. gr.

Orðin „af útfluttu dilkakjöti“ í 7. gr. laganna falli burtu.

6. gr.

Aftan við 9. gr. laganna bætist: samanber þó síðasta málsl. 2. gr.

7. gr.

Breytingar þessar skal fella inn í lög nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim, og gefa lögin síðan út svo breytt.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Með lögum nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim, er sett víðtækari takmörkun

um slátrun sauðfjár og sölu á sláturafurðum en nokkru sinni fyrr og miklu víðtækari en hollt er, þar sem beint er stefnt að einokun í afurðasölu með 3. gr. laganna. En þar er fyrirskipað, „að leyfi til slátrunar skuli veita lögskráðum samvinnufélögum, sem nú eru starfandi, svo og þeim samvinnufélögum, sem stofnuð kunna að verða á viðskiptasvæði félaga, sem hætta störfum, án þess að bændur á viðskiptasvæðinu gerist meðlimir annarra félaga".

Þá er og kjötverðlagsnefnd heimilt að veita sláturleyfi samvinnufélögum bænda, er stofnsett kunna að verða, eftir að lög þessi öðlast gildi, á svæði, þar sem ekki eru starfandi samvinnufélög fyrir, svo og þeim verzlunum öðrum, sem árið 1933 áttu eða starfræktu sláturhús.

Með þessum ákvæðum er ekki verið að greiða fyrir sölu sláturafurða, eins og þó er megintilgangur laganna, heldur er beinlínis verið að gera það erfiðara að koma fram sem mestri sölu á sem hagkvæmastan hátt. Tilgangurinn með lögunum, eins og þau eru nú, er bersýnilega fyrst og fremst sá, að veita viðskiptum bænda að ákveðnum verzlunarfyrirtækjum, alveg án tillits til þess, hvort þeim er það ljúft eða leitt, hagkvæmt eða óhagstætt. Það eru hvergi í lögunum sett nein skilyrði fyrir því að fá sláturleyfi, að viðkomandi aðili uppfylli lágmarkskröfu um aðstöðu til slátrunar, geymslu á kjöti eða meðferð á því, ef um samvinnufélög er að ræða, og þó sýndist svo, að sú krafa ætti að vera fyrsta skilyrði fyrir sláturleyfi.

Frumvarpi því, sem hér um ræðir, er ætlað að bæta úr þessum ágöllum á gildandi lögum, og nái það fram að ganga, er meira öryggi fengið um meðferð sláturafurða, víðtækara sölusvæði og þar með möguleiki fyrir hæsta verði, auk meira frjálsræðis og réttlætis í viðskiptum, en það mun þjóð vorri jafnan hollast.

## Ed. 90. Frumvarp til laga

um skólasetur á Reykhólum.

Flm.: *Gísli Jónsson.*

1. gr.

Ríkið lætur reisa skólasetur á Reykhólum í Reykhólahreppi í Austur-Barðastrandarsýslu. Leggur það skólasetrinu til jörðina Reykhóla endurgjaldslaust, ásamt öllum hlunnindum, hjáleigum, búpeningi og réttindum, allt eins og ríkið eignaðist þessar eignir á sínum tíma. Undanskildar eru þó Hvammshlíð og Stagley.

Tekjur af eignum þessum renna óskiptar til skólasetursins frá gildistöku þessara laga.

2. gr.

Ríkisstjórnin skipar nú þegar 3 manna nefnd til þess að undirbúa og skipuleggja byggingar og rekstur skólaseturs á Reykhólum samkv. 1. gr. Skal nefndin skipuð þannig: Einn samkvæmt tillögu frá Búnaðarfélagi Íslands, einn samkvæmt tillögu frá Breiðfirðingafélaginu í Reykjavík og svo húsameistari ríkisins, og er hann jafnframt formaður nefndarinnar.

Nefndin gerir tillögur til ríkisstjórnarinnar um eftirfarandi atriði og skilar þeim eigi síðar en 1. sept. 1943:

a. um stærð, starfssvið og fyrirkomulag skólans, og sé þar tekið fullt tillit til þensluþarfa hans í framtíðinni. Hér fylgi og með teikning af fyrirhuguðum húsum og kostnaðaráætlun.
b. um skipulagningu á jörðinni og hlunnindum hennar í samræmi við stafl. a. Hér fylgi og með skipulagsteikning.
c. um endurbyggingu núverandi bæjarhúsa í sama stíl og þau eru í, og hvort

nota megi þau síðar þannig sem byggðasafn eða á annan hátt í sambandi við skólasetrið. Hér með fylgi teikning af bæjarhúsunum og kostnaðaráætlun.

Kostnaður við nefndina greiðist úr ríkissjóði.

3. gr.

Jafnskjótt og nefnd sú, sem um getur í 2. gr., hefur skilað áliti, skal ríkið láta hefja framkvæmdir um byggingu skólasetursins, í samræmi við tillögur nefndarinnar.

4. gr.

Gerðar séu nú þegar ráðstafanir til þess að leysa Reykhóla úr ábúð, svo að allt jarðnæði og öll hlunnindi séu til fullra afnota fyrir skólasetrið, hvenær sem þess er þörf.

5. gr.

Ríkisstjórnin semur reglugerð fyrir skólasetrið í samráði við fræðslumálastjóra og Búnaðarfélag Íslands.

6. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Þegar ríkinu var heimilað að kaupa höfuðbólið Reykhóla, var það fyrst og fremst gert til þess að reisa það við úr þeirri fádæma niðurníðslu, sem jörðin var komin í, og jafnframt til þess að tryggja Vestfirðingafjórðungi glæsilegt skólasetur í framtíðinni. En þó að nú séu liðin um 4 ár síðan ríkið eignaðist jörðina, hefur ekkert verið gert til þess að koma þar á endurbótum. Má við svo búið ekki standa degi lengur.

Breiðfirðingafélagið í Reykjavík hefur sýnt lofsverðan áhuga á því, að Reykhólar yrðu sem fyrst reistir við og gerðir aftur að höfuðbóli og menntasetri fyrir Vestfirðingafjórðung. Hefur félagið leitað álits allra hreppsnefnda og sýslunefnda í Vestfirðingafjórðungi, sem einróma mæla með því, að komið sé upp skólasetri á Reykhólum. Hafa skjöl þessi öll verið send Alþingi.

1. gr. frumvarpsins miðar að því að tryggja það, að Reykhólar verði gerðir að skólasetri, og að jörðin öll með hjáleigum og hlunnindum verði lögð til skólasetursins. Á þennan hátt eru skólanum skapaðar nokkrar tekjur.

2. gr. miðar að því að undirbúa þetta mál sem bezt að unnt er, áður en framkvæmdir eru hafnar. Þetta er einkum og sér í lagi nauðsynlegt fyrir þá sök, að komið hafa fram ýmsar raddir um það, hvers konar skóla skuli reisa þar upp, þótt langflestir hafi fallizt á, að æskilegast væri, að komið yrði þar upp fyrst og fremst vinnuskóla, sem veitti kennslu í öllum venjulegum sveitastörfum, utan húss og innan, bæði fyrir konur og karla. Er helzt hugsað, að kennslan gæti farið fram á námskeiðum, sem stæðu um 3 mán. hvert, og þá allt árið. Jafnframt væri bókleg kennsla í sambandi við námskeiðin að vetri til. Þá hafa einnig komið fram óskir um það, að komið væri upp þar barna- og unglingakennslu, og mætti það vera sérstæð stofnun á setrinu. Nefndinni er ætlað að athuga öll þessi mál og gera tillögur um fyrirkomulag, stærð og starfssvið. Jafnskjótt og hún hefur lokið störfum er ætlazt til, að hafizt sé handa um framkvæmdir. Það er út af fyrir sig ekkert atriði, að byggingum öllum sé komið upp í einu lagi, heldur hitt, að unnið sé skipulega að viðreisn staðarins og að hafizt sá handa um viðreisnina nú þegar. Áhugi manna fyrir því er nú það mikill, að talað er um það í alvöru að nota þar tjaldbúðir að sumri til, þar til nauðsynlegum byggingum hafi verið komið upp.

Þá er einnig ætlazt til þess, að nefndin athugi möguleika fyrir því að endurreisa núverandi bæjarhús í sama stíl, og nota þau síðan fyrir byggðasafn eða annað í sambandi við skólann. Bærinn mun vera einn af elztu bæjum þessa lands,

meira en aldargamall. Hann var á sínum tíma tákn þess stórhuga, sem þá ríkti á þessu höfuðbóli, en nú er horfinn.

4. gr. miðar að því að fá jörðina leysta nú þegar úr ábúð. Því miður hefur ríkið látið parta hana í sundur og byggt hana þannig, og auk þess látið annan bónda koma þar upp bæjarhúsi að mestu á sinn kostnað. Þessu þarf að kippa aftur í lag. Bóndann þarf að sjálfsögðu að gera skaðlausan, og húsið má efalaust nota í sambandi við væntanlegar framkvæmdir. En jarðnæðið verður að tryggja setrinu að fullu og öllu.

Reykhólar hafa fleiri hlunnindi en flestar jarðir á Íslandi. Þetta höfuðból hefur of langi verið vanrækt, það verður nú að endurreisast og verða menningarsetur fyrir Vesturland. Þangað eiga ungir menn og konur að sækja nauðsynlega undirbúningsmenntun undir dagleg störf í þágu lands og þjóðar, þangað eiga Vestfirðingar að sækja stórhug og styrk til framkvæmda og dáða.

## Sþ. 91. Tillaga til þingsályktunar

um bætur vegna fjárskaða í Norður-Ísafjarðarsýslu.

Flm.: Barði Guðmundsson.

Alþingi ályktar að heimila ríkisstjórninni að greiða bændum þeim í Norður-Ísafjarðarsýslu, sem urðu fyrir fjártjóni í fárviðrinu 7. okt. s. l., bætur úr ríkissjóði eftir þeim reglum, sem fylgt er við greiðslu bóta samkvæmt lögum nr. 75 frá 27. júní 1941.

Greinargerð.

Hinn 7. október s. l. skall á eitt hið versta hríðarveður, sem menn muna á Vestfjörðum. Við innanvert Ísafjarðardjúp var veðurhæðin svo mikil, að hinir röskustu karlmenn réðu sér varla á hersvæði, og kafaldið var svo svart sem verst má verða um hávetur. Einkum var þó veðurofsinn geigvænlegur á Snæfjalla- og Langadalsströnd. Flestir bændur þar á slóðum munu hafa haft fé sitt heima á túnum eða í hagagirðingum, þá er óveðrið brast á, enda var hjá sumum þeirra slátrun ekki hafin. Í Nauteyrar- og Snæfjallahreppi munu alls hafa farizt um 470 fjár. Fyrir þungbærustum skaða urðu þeir Helgi Guðmundsson í Unaðsdal og Þórður Halldórsson á Laugalandi, og mjög tilfinnanlegt tjón biðu einnig Pétur Pálsson í Hafnardal og Ingvar Ásgeirsson í Lyngholti. Helgi, Pétur og Þórður eru allir barnamargir dugnaðarmenn, sem um áratugi hafa unnið fyrir sér og sínum af óvenjulegri atorku og þreki.

Það er allra dómur, þeirra er til þekkja, að varúðarleysi hafi á engan hátt valdið nokkru um fjárskaðann. Virðist því sanngjarnt, að þjóðfélagið hlaupi hér undir bagga, ekki síðar en þegar um er að ræða tjón af mæðiveiki.

## Nd. 92. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Jóni Pálmasyni, Sigurði Þórðarsyni og Jóni Sigurðssyni.

Aftan við frvgr. komi nýr rómv. liður:

Tölul. 7. C. í 2. gr. laga nr. 101 1933 skal orða svo:

*Skagavegur:* Frá Blöndubrú við Blönduós um Skagaströnd, Hafnir, Hraun og Skefilsstaði á Þverárfjalls- og Gönguskarðsveg fram við Skíðastaði.

Jafnframt fellur niður XVIII. liður í lögum nr. 72 1936.

# Nd. 93. Tillaga til þingsályktunar

um rannsókn nýrra vinnuaðferða í vegagerð og símalagningu.

Flm.: Gísli Guðmundsson, Páll Zóphóníasson, Helgi Jónasson, Skúli Guðmundsson, Páll Þorsteinsson

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að láta rannsaka möguleika til:

1. Að auka vélanotkun í vegagerð hér á landi;
2. Að vegagerð ríkisins verði a. m. k. að einhverju leyti framkvæmd í ákvæðisvinnu;
3. Að símalínur, einkum til afskekktra staða, verði lagðar með minna tilkostnaði en nú tíðkast.

Greinargerð.

Vinnuaðferðir við opinberar framkvæmdir (og raunar víðar) hér á landi munu vera orðnar talsvert á eftir tímanum, samanborið við þau lönd, sem fremst standa í verklegri tækni. Það var t. d. staðfest af vitamálastjóra í umræðum á Alþingi um dýpkunarskip fyrir nokkrum dögum, að tæki þau, sem notuð eru til hafnargerða, væru algerlega ófullnægjandi, og vinnubrögð úrelt, svo að áberandi væri, samanborið við tilsvarandi framkvæmdir erlendra manna.

En það, sem þarna var sagt um úreltar aðferðir í hafnargerð, mun eiga víðar við. Veldur því sjálfsagt að miklu féleysi þjóðarinnar og þar af leiðandi vanmáttur til að eignast dýrar vélar og tæki, og hins vegar þess e. t. v. ekki gætt nægilega að veita íslenzkum mönnum aðstöðu til að fylgjast með verklegum framförum erlendis.

Vélanotkun við vegagerð hér á landi hefur fram að þessu verið lítil. Fyrir utan bifreiðar til malarflutnings eru hér að verki síðustu árin nokkrir vegheflar, sem gert hafa mikið gagn og þyrftu að vera fleiri, en þá má líka heita upp talið. En það dylst ekki þeim, er séð hafa vinnubrögð ameríska setuliðsins hér í vegagerð, að vélar geta unnið stórvirki í þessum framkvæmdum. Það mætti hugsa sér, að notkun slíkra vinnuvéla hér mundi geta skapað hliðstæða möguleika í vegagerðinni og dráttarvélar og nýtízku áhöld hafa þegar gert í jarðræktinni. Verkefni þjóðarinnar í vegagerð eru hins vegar svo stórkostleg, að seint mun þar sjá fyrir endann, ef mannshöndin og rekan eiga þar að vera að verki einar eða aðallega. En nú er einmitt rétti tíminn til að hefjast handa um að hagnýta sér þá möguleika, sem fyrir hendi kunna að vera.

Það er margra mál, að það mundi verða notadrýgra á ýmsan hátt, ef vegagerð væri framkvæmd í ákvæðisvinnu. Þetta hefur verið reynt t. d. í Þingvallaveginum um 1930, og mun hafa gefizt vel og verið vinsælt hjá verkamönnum. Er og auðsætt, að það getur verið hentugt, svo misviðrasamt sem hér er, að vegavinnumenn geti sjálfir ráðið, hvenær þeir eru að verki, og njóti þess, sem þeir vilja á sig leggja. En í þessu sambandi þarf m. a. að rannsaka, með hverjum hætti eftirlit hins opinbera með slíkri vegavinnu þyrfti að vera, svo að í lagi væri.

3. liður tillögunnar fjallar um rannsókn á möguleikum til að leggja símalínur með minna tilkostnaði en nú tíðkast. Það er hverjum auðsætt, að stauralínur eins og þær, sem tíðkazt hafa, eru mjög dýrar, einkum þar, sem flutningur er erfiðastur. Flm. er kunnugt, að í Vesturheimi hafa verið gerðar athyglisverðar tilraunir til að leggja símalínur án staura um strjálbýl svæði, en einangrun og vernd línunnar þarf þá auðvitað að vera með þeim hætti, að ódýrara sé en staurarnir. Væri æskilegt, að þessi möguleiki væri rannsakaður til hlítar.

## Ed. 94. Frumvarp til laga

um breyting á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942.

Flm.: Brynjólfur Bjarnason, Kristinn E. Andrésson.

1. gr.

11. gr. laganna orðist svo:

Búnaðarfélag Íslands skal halda spjaldskrá yfir jarðræktarstyrk hvers býlis og skal skrásetja það, er greitt hefur verið síðan jarðræktarlög, nr. 43 23. júní 1923, gengu í gildi. Skrásetning þessi tekur og til þjóð- og kirkjujarða, að því er snertir upphæðir þær, er farið hafa til afgjaldsgreiðslu býlanna, og skal telja aðeins þann hluta afgjaldsins, er nemur venjulegum jarðabótastyrk, miðað við þá dagsverkatölu, er jarðarafgjöldin voru reiknuð eftir. Samhliða þessari spjaldskrá skal Búnaðarfélag Íslands gera aðra spjaldskrá, er sýni stærð á véltæku túni hvers býlis samkvæmt jarðamati og þau mannvirki býlisins, sem styrkhæf eru samkvæmt 9. gr. I. og V. og bæti síðan inn á þá skrá þeirri viðbót, sem verður með árlegum umbótum jarðanna.

Styrkur sá til jarðræktar og húsabóta, er 9. gr. ákveður, skal þessum breytingum háður:

a. Býlum, sem hafa minna en 8 hektara af véltæku túni, greiðist til túnræktar samkvæmt 9. gr. II., III. og IV. 100% hærri styrkur en sú grein ákveður.
b. Býlum, sem fengið hafa samtals minna en 2000 kr., greiðist til húsabóta samkvæmt 9. gr. I. og V. 30% hærri styrkur en sú grein ákveður.
c. Býlum, sem fengið hafa samtals 6000—7500 kr., skal greiða 30% minna fyrir hvert verk.
d. Býlum, sem fengið hafa samtals meira en 7500 kr., skal greiða 50% minna fyrir hvert verk.

Býlum, sem hafa 8—10 hektara af véltæku túni og hafa fengið 2000—6000 kr., skal greiða styrk til jarðræktar og húsabóta samkvæmt 9. gr., en býlum, sem hafa meira en 10 hektara af véltæku túni, greiðist enginn styrkur samkvæmt 9. gr. II., III. og IV., og býlum, sem hafa komið sér upp mannvirkjum þeim, er greind eru í 9. gr. I. og V. og að mati Búnaðarfélags Íslands fullnægja þörfum býlis, sem hefur 10 hektara af véltæku túni eða meira, greiðist enginn styrkur samkv. 9. gr. I. og V.

Ekki nær ákvæði d-liðs þessarar greinar svo og ákvæðin, sem takmarka rétt býlis til styrks, til þeirra búa, er bæjarfélög reka og starfrækt eru vegna þess að ókleift er, sakir erfiðleika og dýrleika, að flytja nauðsynlega neyzlumjólk til bæjarins handa íbúunum, að dómi Búnaðarfélags Íslands.

Sama gildir um hámark það, sem ákveðið er í 9. gr. III. j. um styrk til grjótnáms, að því er snertir býli við kaupstaði, þar sem svo stendur á sem að ofan greinir og ekki er kostur á ræktun, nema í mjög grýttum jarðvegi.

Hækkunar á styrk þeim, er 9. gr. ákveður, njóti aðeins jarðir samkvæmt skilgreiningu 1. gr. ábúðarlaga, nr. 87 19. júní 1933, svo og nýbýli, sem rekinn er sjálfstæður búrekstur á sem aðalatvinna, að dómi Búnaðarfélags Íslands.

2. gr.

13. gr. laganna orðist svo:

Búnaðarfélag Íslands ákveður árlega, hver hámarksstyrkurinn fyrir hvert býli skal vera á árinu.

Greinargerð.

Á tveim þingum áður, árið 1939 og 1941, var flutt frumvarp nærri samhljóða þessu, og á þingi 1942 breytingartillaga, sem gekk í sömu átt, við frumvarp til laga um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 101 frá 23. júní 1936. Við getum því látið nægja hér

að visa til þeirra greinargerða, sem fylgdu frumv. áður. Rétt er aðeins að minna á það, að á þá styrki, sem greindir eru í frumv., greiðist verðlagsuppbót samkvæmt 10. gr. jarðræktarlaganna, og telst sú uppbót þá ekki með við útreikning hámarksupphæða þeirra, sem um getur í 11. gr. (sbr. jarðræktarlögin nýju, nr. 54 4. júlí 1942).

## Nd. 95. Frumvarp til laga

um einkarétt bæjarstjórnar Siglufjarðar til kvikmyndasýninga í Siglufjarðarkaupstað.

Flm.: Áki Jakobsson.

1. gr.

Frá 1. janúar 1944 eru engum heimilar kvikmyndasýningar í Siglufjarðarkaupstað nema bæjarstjórn Siglufjarðar.

2. gr.

Heimilt er bæjarstjórn, með leyfi dómsmálaráðherra, að framselja einkarétt sinn til kvikmyndasýninga.

3. gr.

Skylt er dómsmálaráðherra að útnefna mann í Siglufirði, er hafi eftirlit með kvikmyndasýningum og banni þær sýningar, sem hann telur rétt, að bannaðar verði. Úrskurði eftirlitsmanns má skjóta til dómsmálaráðherra. Kostnaðinn við eftirlitið greiði leyfishafi eftir ákvörðun dómsmálaráðherra.

Greinargerð.

Frv. þetta er samið af bæjarstjórn Siglufjarðar og er flutt samkv. beiðni hennar. Frv. fylgdi frá bæjarstjórn Siglufjarðar svo hljóðandi greinargerð:

„Undanfarin ár hefur talsverður áhugi vaknað fyrir því í Siglufirði að fá upp betra kvikmyndahús en Siglfirðingar eiga nú við að búa og betra myndaval. En í jafnfámennum bæ og Siglufjörður er verður þess ekki að vænta, að kvikmyndasýningar geti borið sig, ef 2 kvikmyndahús ættu að keppa um reksturinn. Til þess að losna úr því ófremdarástandi, sem kvikmyndasýningar nú eru í í Siglufirði, er því engin fær leið nema sú, að bæjarstjórn fái einkarétt til kvikmyndasýningar í bænum, enda ekki óeðlilegt, að sá arður, sem fæst af slíkum rekstri, renni til bæjarfélagsins, hverja skoðun sem menn hafa um einkarekstur almennt.

Kvikmyndasýningar eru æ meir og meir að verða áhrifaríkur þáttur í menningu og uppeldi þjóða, og ætti því markmiði að verða betur náð með opinberum rekstri. Hitt er þá ekki heldur nema eðlilegt, að ríkisvaldinu gefist kostur á íhlutun, ef slíkra sjónarmiða er ekki gætt sem skyldi, eða sýningar notaðar til áróðurs, sem fjandsamlegur væri ríkinu, eða þeim hugsjónum, sem ríkið vill í heiðri halda.“

## Ed. 96. Stjórnarskipunarlög

um breyting á stjórnarskrá konungsríkisins Íslands, 18. maí 1920, sbr. stjórnarskipunarlög 24. marz 1934 og 1. sept. 1942.

(Afgreidd frá Ed. 15. des.)

Samhljóða þskj. 2.

## Nd. 97. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Gísla Sveinssyni.

Framan við upptalninguna í frv. (á eftir „Við 2. gr. A. I. d.“) komi: Ásakvíslar (Skorur) á Meðallandsvegi. Eldvatn í Meðallandi.

## Nd. 98. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 52 27. júní 1925, um verzlunaratvinnu.

Flm.: Gísli Sveinsson.

Við 10. gr. 2. málsgr. bætist nýr málsl., svo hljóðandi:
Leyfi til þess að reka útibú frá aðalverzlun má veita með sömu skilyrðum og almenn verzlunarleyfi, þótt eigi sé það stofnsett í löggiltum verzlunarstað.

Greinargerð.

Með þróun samgöngumálanna á landi hér, og í þeim héruðum, þar sem breytingar hafa orðið með þeim hætti, að sjóferðir til aðdrátta hafa lagzt niður, en allir flutningar fara nú fram eftir vegum landleiðina, hefur það sýnt sig, að ákvæði verzlunaratvinnulaganna eru orðin ófullnægjandi, er þau setja það skilyrði fyrir leyfi til almennrar verzlunar, að hún sé rekin í „löggiltum verzlunarstað“. Er það ekki sízt, þegar aðalverzlun þarf, vegna viðskipta sinna og til hægðarauka almenningi, að setja á stofn útibú á hentugum stað með tilliti til samgangna og annars, að ekki verður nú kleift að hlíta við sama og áður: að reka verzlanir alls staðar við sjó fram, enda slíkt aftekið fyrir löngu í öðrum löndum. Hafa og allvíða verið löggiltir „verzlunarstaðir“ hér við land, þar sem hreinar eyðimerkur eru, langt frá mannabyggðum, sem aldrei hafa verið nema nafnið tómt og nú mega teljast úr sögunni, svo að eigi er hér miklu fyrir að fara. — Í einu héraði er nú t. d. svo komið, að verzlun (kaupfélag), sem áður hafði fengið verzlunarleyfi til útibúsrekstrar við „löggiltan“ lendingarstað, hefur nú orðið að flytja þennan útsölustað upp í sveitina og reist þar hús til þessa. Gæti að því rekið, að taka yrði af verzluninni þetta leyfi, því að „skilyrðin“ fyrir því að lögum eru brostin (útibúið meira að segja komið í annan hrepp en upphaflega); en slíkt er vitanlega fullkomið óyndisúrræði, sem ekki má koma til. — Leiðin til þess að bæta úr þessu yfirleitt er því breyting sú, er frv. þetta fer fram á.

## Nd. 99. Frumvarp til laga

um viðauka við lög nr. 80 7. sept. 1942, um kosningar til Alþingis.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1942.)

1. gr.

Við alþingiskosningar þær, er fram eiga að fara 18. og 19. okt. 1942, skulu öll framboð í kjördæmum tilkynnt hlutaðeigandi yfirkjörstjórn skriflega og eigi síðar en 28 dögum fyrir kjördag. Þegar landslistar eru bornir fram, skulu þeir tilkynntir landskjörstjórn á sama hátt og eigi síðar en 27 dögum fyrir kjördag.

2. gr.

Þeir kjósendur, er neyta vilja kosningarréttar síns utan kjörfundar við alþingiskosningar 18. og 19. okt. 1942, eiga rétt á að greiða atkvæði úr því að 25 dagar eða styttri tími er til kjördags, en fari kosningin fram fyrir þann tíma, er hún ógild. Atkvæði telst greitt þann dag, sem fylgibréfið er dagsett.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta.

Um frumvarp þetta, sem lagt er fyrir Alþingi samkvæmt 23. gr. stjórnarskrárinnar, vísast til fylgiskjalsins hér á eftir:

**Fylgiskjal.**

**Bráðabirgðalög um viðauka við lög nr. 80 7. sept. 1942, um kosningar til Alþingis.**

RÍKISSTJÓRI ÍSLANDS

*gjörir kunnugt:* Dómsmálaráðherra hefur tjáð mér, að nauðsyn beri til að stytta fresti þá, er um ræðir í 26. og 66. gr. laga nr. 80 7. sept. 1942, um kosningar til Alþingis, við kosningar þær, er fram eiga að fara 18. og 19. okt. 1942.

Með því að ég fellst á, að brýna nauðsyn beri til að setja bráðabirgðalög samkvæmt 23. gr. stjórnarskrárinnar um framangreint efni, tel ég rétt að gefa út bráðabirgðalög á þessa leið:

1. gr.

Við alþingiskosningar þær, er fram eiga að fara 18. og 19. okt. 1942, skulu öll framboð í kjördæmum tilkynnt hlutaðeigandi yfirkjörstjórn skriflega og eigi síðar en 28 dögum fyrir kjördag. Þegar landslistar eru bornir fram, skulu þeir tilkynntir landskjörstjórn á sama hátt og eigi síðar en 27 dögum fyrir kjördag.

2. gr.

Þeir kjósendur, er neyta vilja kosningarréttar síns utan kjörfundar við alþingiskosningar 18. og 19. okt. 1942, eiga rétt á að greiða atkvæði úr því að 25 dagar eða styttri tími er til kjördags, en fari kosningin fram fyrir þann tíma, er hún ógild. Atkvæði telst greitt þann dag, sem fylgibréfið er dagsett.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Gjört á Þingvöllum, 15. sept. 1942.

**Sveinn Björnsson.**
(L. S.)

Jakob Möller.

## Ed. 100. Frumvarp til laga

um breyting á jarðræktarlögum, nr. 54 frá 4. júlí 1942.

Flm.: Þorsteinn Þorsteinsson, Eiríkur Einarsson, Pétur Magnússon.

1. gr.

17. grein laganna falli burt.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Undireins og jarðræktarlagafrumvarp það, er samþykkt var og staðfest 1936, kom fram, hraus mörgum búandmanni hugur við ákvæðum 17. greinar þess. Töldu þeir, að þau skilyrði, sem þar voru sett fyrir jarðræktarstyrknum, drægju úr höndum landeiganda að nokkru þann óvéfengda eignarrétt, er hann áður hafði yfir jörð sinni. Þótt jarðræktarlög þessi veittu stórum meira fé til jarðabóta en áður hafði verið, náði það skammt til þess að kefja kurr þann, sem þegar var orðinn í sveitum landsins gegn ákvæðum nefndrar greinar. Kvað svo rammt að þeirri óánægju, að ýmsir tryggustu fylgismenn annars þess flokks, sem aðallega stóð að kvaðagrein þessari, gerðu ágreining og létu líklega, að þeir mundu slíta af sér flokksböndin, ef ekki yrði ráðin þar bót á. Hafa ýmsir bændur kosið heldur að verða án þess styrks, er þeim bar fyrir unnar jarðabætur, en leggja haft á eignarjörðina. Margt hefur verið rætt og ritað um þessa illræmdu lagagrein, og helzt enn fullkomlega sú gremja, er greinin vakti í öndverðu; þykir mörgum þrengra fyrir dyrum, þegar meiri eða minni hluti jarðar þeirra er sérmetinn í fasteignabókum og þeir eru ekki framar óvéfengdir eigendur hans. Þá hafa margir þeirra, er framarlega stóðu í formælendaflokki 17. greinarinnar, lýst því yfir, að ákvæði greinarinnar hefðu ekki náð þeim tilgangi, sem þeim í upphafi var ætlað að ná. Var og milliþinganefnd sú, er búnaðarþingið kaus 1939, sammála um að fella greinina niður, en þegar á búnaðarþing kom 1941, skiptust leiðir þingmanna um það, hver ákvæði skyldu koma um fasteignir í stað hennar eða hvort nokkrar hömlur bæri að leggja á fasteign, þótt ríkisstyrkur væri veittur á umbætur, sem á henni væru framkvæmdar. Varð því hvorki þar né á Alþingi samþykkt að afmá hina óvinsælu lagagrein.

Í sveitakjördæmum kom það fram í sumar á þingmálafundum, að áhugi bænda fyrir því að fá 17. gr. jarðræktarlaganna numda úr lögum er víða meiri en nokkurn tíma áður, og að andstaða Framsóknarflokksmanna gegn þessari breytingu er nú minni en áður var, og er nokkur ástæða til þess að ætla, að þingmenn flokksins berjist nú ekki gegn frumvarpi þessu, en verði því hliðhollir og láti það ekki hefta framgang þess, að engar nýjar kvaðir eru um leið lögfestar á jarðeignir landsmanna.

Flm. hafa ekki talið nauðsynlegt að fara í greinargerð þessari nákvæmlega inn á efni greinar þeirrar, er frv. þetta fellir burtu, ef að lögum verður, þar sem það hefur verið margsinnis þrautrætt og alþjóð vel kunnugt.

## Ed. 101. Þingsályktun

um skógræktarstöð í Hvammi í Dölum.

(Afgreidd frá Ed. 16. des.).

Efri deild Alþingis skorar á ríkisstjórnina að gera, í samráði við biskup landsins og skógræktarstjóra, ráðstafanir til þess, þegar næst verða prestaskipti í Hvammi í

Dölum, að þá verði hæfilegur hluti jarðarinnar, sá sem bezt er til skóggræðslu fallinn, lagður undir skógrækt ríkisins. Jafnframt verði þar trjáplöntuuppeldi fyrir Dalasýslu

## Nd. 102. Frumvarp til laga

um framlenging á gildi laga nr. 33 7. maí 1928, um skattgreiðslu h/f Eimskipafélags Íslands.

Frá fjárhagsnefnd.

1. gr.

Lög nr. 33 7. maí 1928, um skattgreiðslu h/f Eimskipafélags Íslands, skulu gilda árin 1943 og 1944.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frv. er flutt fyrir tilmæli Eimskipafélags Íslands h/f, en einstakir nefndarmenn áskilja sér að hafa óbundnar hendur um efni þess.

## Nd. 103. Nefndarálit

um frv. til l. um einkasölu á bifreiðum, bifhjólum, hjólbörðum, hjólbarðaslöngum og um úthlutun bifreiða.

Frá 1. minni hl. fjárhagsnefndar.

Nefndarmenn hafa ekki orðið sammála um afgreiðslu málsins. Tveir af nefndarmönnunum, IngJ og JPálm, vilja láta fella frv. Einn nefndarmaður, EOl, hefur lýst yfir, að hann vilji gera breytingar á frumvarpinu. Undirritaðir leggja til, að frumvarpið verði samþykkt, en áskilja sér rétt til að flytja breytingartillögur við það eða fylgja brtt., sem fram kunna að koma.

Alþingi, 16. des. 1942.

| | |
|---|---|
| Ásgeir Ásgeirsson, form. | Skúli Guðmundsson, frsm. |

## Sþ. 104. Þingsályktun

um tilhögun flutninga á langleiðum.

(Afgreidd frá Sþ. 16. des.).

Samhljóða þskj. 9.

## Ed. 105. Frumvarp til laga

um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar.

Flm.: Ingvar Pálmason.

1. gr.

Sá hluti jarðarinnar Ormsstaða í Norðfjarðarhreppi, sem nú er eign bæjarsjóðs Neskaupstaðar, skal lagður undir lögsagnarumdæmi Neskaupstaðar frá 1. janúar 1943.

2. gr.

Frá sama tíma tekur Neskaupstaður að sér framfærslu allra þeirra þurfamanna, sem eru eða verða og framfærslurétt eiga eða mundu eignast, ef lög þessi yrðu ekki sett, vegna fæðingar eða dvalar á landi því, er um ræðir í 1. gr.

3. gr.

Bætur fyrir tekjurýrnun Norðfjarðarhrepps, er leiðir af ákvæðum 1. gr., skulu ákveðnar af gerðardómi, skipuðum 3 mönnum. Tilnefna aðilar sinn manninn hvor í dóminn, en atvinnumálaráðherra tilnefnir oddamann, og er hann formaður dómsins. Vanræki annar hvor aðila eða báðir að tilnefna mann í dóminn, skal atvinnumálaráðherra tilnefna, svo að dómurinn verði fullskipaður.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Fyrir nokkrum árum keypti bæjarsjóður Neskaupstaðar ⅓ úr jörðinni Ormsstöðum í Norðfjarðarhreppi, sem liggur að landi bæjarins. Með landskiptagerð, er fram fór 16. sept. 1940, að tilkvöddum ráðunaut Búnaðarfélags Íslands, Pálma Einarssyni, var hluta kaupstaðarins skipt úr jörðinni og greinileg landamerki ákveðin. Liggur það land, sem kom í hlut Neskaupstaðar, að takmörkum bæjarlandsins. Er því auðsætt, að full ástæða er fyrir því, að land þetta verði lagt til lögsagnarumdæmis kaupstaðarins. Á þessum hluta landsins eru tvö býli og hafa verið um alllangt skeið. Eru því ákvæði 2. og 3. gr. frv. nauðsynleg.

## Nd. 106. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 67 31. des. 1939, um dómsmálastörf, lögreglustjórn, gjaldheimtu o. fl. í Reykjavík.

Flm.: Sigurður Bjarnason, Gunnar Thoroddsen, Garðar Þorsteinsson.

1. gr.

3. málsliður 1. gr. laganna falli niður.

2. gr.

Þegar lög þessi öðlast gildi, skal auglýsa lögreglustjóraembættið í Reykjavík laust til umsóknar með hæfilegum fyrirvara.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Með breytingu þeirri, sem gerð var 1939 á lögum um dómsmálastörf o. fl. í Reykjavík, var svo ákveðið, að lögmaður, sakadómari og tollstjóri skyldu fullnægja almennum dómaraskilyrðum, þar á meðal hafa lokið lagaprófi. Um lögreglustjórann í Reykjavík var hins vegar heimiluð undanþága frá þessum skilyrðum. Í ársbyrjun 1940 var svo settur til starfans, án þess að embættið væri auglýst til umsóknar, ólöglærður maður og hefur gegnt því síðan.

Ráðstöfun þessi hefur eðlilega sætt mikilli gagnrýni. Í störfum lögreglu og lögreglustjóra koma fyrir fjölmörg tilvik, sem gera það fullkomlega nauðsynlegt, að yfirmaður lögreglunnar hafi trausta lögfræðilega þekkingu. Sérstaklega verður að telja slíka þekkingu stjórnanda lögreglunnar á höfuðstað landsins nauðsynlega.

Til réttlætingar því, að fyrrgreindur embættismaður þyrfti ekki lögfræðiþekkingu, hefur því stundum verið haldið fram, að slík þekking væri honum ekki nauðsynleg vegna þess, að honum væri séð fyrir löglærðum fulltrúa. En veilurnar í þessari afsökun eru auðsæjar. Samkvæmt henni mætti t. d. segja, að skipstjóra væri óþörf siglingamenntun, ef stýrimaður hans hefði slíka menntun. Auk þess væri sú regla óhafandi í embættaveitingum, að þekkingarskortur embættismanna skyldi bættur upp af undirmönnum þeirra.

Með slíkri reglu væri stefnt út á hina háskasamlegustu braut og fullkomnasta öryggisleysi fyrir almenning.

Flm. þessa frv. telja, að við svo búið verði ekki unað í þessum efnum. Þess vegna er hér lagt til, að numin sé úr gildi undanþáguheimildin um lögreglustjórann í Reykjavík og þess krafizt, að hann fullnægi sömu skilyrðum og allir aðrir lögreglustjórar landsins. Er og auðsætt, hvílíkt ósamræmi er í því, að lagaþekkingar skuli krafizt af lögreglustjórum í smákauptúnum úti um land, en lögreglustjórinn í sjálfri höfuðborg landsins, þar sem þriðjungur þjóðarinnar býr, skuli ekki þurfa að fullnægja slíkum skilyrðum. Má í þessu sambandi benda á, að meðal lögfræðingastéttar landsins er slíkur háttur, sem hér er á hafður, almennt talinn óhafandi.

## Nd. 107. Breytingartillögur

við frv. til l. um einkarétt bæjarstjórnar Siglufjarðar til kvikmyndasýninga í Siglufjarðarkaupstað.

Frá Emil Jónssyni og Lúðvík Jósefssyni.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Frá 1. janúar 1944 er bæjarstjórnum í kaupstöðum og hreppsnefndum í kauptúnum og sveitum heimilt að taka í sínar hendur allar kvikmyndasýningar, hverri innan síns lögsagnarumdæmis.
2. 2. gr. Greinin orðist svo:
   Nú hefur bæjarstjórn eða hreppsnefnd ákveðið að taka í sínar hendur kvikmyndasýningar samkvæmt 1. gr., og falla þá um leið niður leyfi þau, er einstaklingum kunna að hafa verið veitt til kvikmyndasýninga innan lögsagnarumdæmisins. Óheimilt er bæjarstjórn eða hreppsnefnd að framselja einkarétt sinn til kvikmyndasýninga, hafi hún tekið hann í sínar hendur.
3. Við 3. gr. Greinin orðist svo:
   Um eftirlit með kvikmyndasýningum bæjarstjórna og sveitarstjórna fer eftir gildandi lögum.
4. Fyrirsögn frv. orðist þannig: Frumvarp til laga um heimild fyrir bæjarstjórnir og hreppsnefndir til að taka í sínar hendur kvikmyndasýningar allar innan síns lögsagnarumdæmis.

## Sþ. 108. Tillaga til þingsályktunar

um innflutning efnis til símalagninga og talstöðva.

Sigurður Bjarnason, Ingólfur Jónsson, Gunnar Thoroddsen.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að hlutast til um það, svo sem verða má, að greitt verði fyrir innflutningi efnis til símalagninga. Enn fremur, að greitt verði eftir fremsta megni fyrir innflutningi efnis til talstöðva, þannig að ávallt verði fyrir hendi nægilegt af talstöðvum í báta- og skipaflota landsmanna og til afnota á afskekktum stöðum, sem ekki eru enn þá komnir í símasamband.

Greinargerð.

Miklir örðugleikar eru nú á innflutningi efnis til símalagninga. Hefur það leitt til þess, að nýbyggingar símalína hafa nær algerlega stöðvazt. Útlit er fyrir, að á næsta ári muni enn þrengjast að í þessum efnum.

Svipuðu máli gegnir um innflutning efnis til talstöðva í báta- og skipaflota landsmanna. Örðugleikarnir á að ná slíku efni til landsins fara stöðugt vaxandi.

Mestallt það efni, sem hér um ræðir, er nú flutt inn frá Ameríku. Byggjast örðugleikarnir á innflutningnum þaðan bæði á því, að erfitt er um vik að festa kaup á þessum vörum, og eins hinu, að skiprúm er af skornum skammti til flutninganna. En efni til símalagninga, svo sem staurar, er rúmfrekt og verður naumast flutt með almennum nauðsynjavarningi, svo sem matvöru.

Það er því auðsætt, að sérstakar ráðstafanir verður að gera af hálfu hins opinbera til þess að tryggja þennan innflutning. Fjöldi símalína bíður lagningar, og til viðhalds og endurbóta er einnig mikils efnis þörf. Ríka nauðsyn ber einnig til þess, að hægt verði að tryggja bátaflota landsmanna talstöðvar. Enn fremur verður að hafa í huga, að á mörgum afskekktum stöðum, sem litla von hafa um síma í bili, er mikil bót að talstöðvum. Talstöðvarnar hafa skapað vélbátaflota landsmanna stóraukið öryggi. Verður því að leggja á það allt kapp, að til þess komi ekki, að nýir bátar, sem bætast í flotann, þurfi að vera án þessa öryggistækis vegna þess að innflutningur efnis til þeirra stöðvist. Það er tilætlan flm. þessarar þingsályktunartillögu, að með samþykkt hennar stuðli Alþingi að því, að sem flestra ráða verði leitað til þess að tryggja innflutning þess efnis, sem þar um ræðir og ríka nauðsyn ber til, að fáist til landsins.

## Ed. 109. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 115 19. nóv. 1936, um þingsköp Alþingis.

Flm.: Haraldur Guðmundsson, Steingrímur Aðalsteinsson, Bernh. Stefánsson, Bjarni Benediktsson.

1. gr.

Á eftir orðunum „5) iðnaðarnefnd“ í 16. gr. laganna kemur: 6) heilbrigðis- og félagsmálanefnd.

Breytist liðatalan á eftir samkvæmt því.

2. gr.

Lög þessi komi til framkvæmda í byrjun reglulegs Alþingis 1943.

Greinargerð

fyrir frv. þessu felst í bréfi því frá landlækni, sem prentað er hér á eftir sem fylgiskjal.

**Fylgiskjal.**

LANDLÆKNIRINN

Reykjavík, 12. desember 1942.

Í samráði við ráðherra heilbrigðismálanna og með tilvisun til samtals við yður, hæstvirti forseti, leyfi ég mér að beina þeim tilmælum til yðar, að þér gangizt fyrir þeirri breytingu á þingsköpum Alþingis, að skipaðar verði fastar nefndir í báðum deildum Alþingis, er sérstaklega fái til meðferðar heilbrigðismál, er koma til kasta þingsins. Með hverju ári, sem líður, fer meira og meira fyrir slíkum málum á meðal þingmála, en um mörg þeirra gildir jafnvel fremur en flest önnur mál, að menn þurfa að eiga kost á að kynna sér þau mjög rækilega, ef þeir eiga að geta tekið skynsamlega afstöðu til þeirra. Á fjárlagafrumvarpi því, er nú liggur fyrir Alþingi, er áætlað að verja til heilbrigðismála og ýmissar styrktarstarfsemi, sem til heilbrigðismála má telja, rúmlega 4½ millj. króna. Til samanburðar má geta þess, að til kennslumála, vísinda og lista, sem sérstakar menntamálanefndir fjalla um að meira eða minna leyti, er einungis gert ráð fyrir að verja liðlega 3 millj. króna. Ýmsar aðrar hliðstæðar fastanefndir Alþingis þola þó enn miður samanburð að þessu leyti, svo sem samgöngumálanefndir og iðnaðarnefndir, sem enginn efast þó um, að eigi fullan rétt á sér.

Á döfinni eru nú ýmis heilbrigðismál, sem þetta og hin næstu Alþingi hljóta að taka afstöðu til og áríðandi er, að löggjafar- og fjárveitingarvaldið athugi af velvild, áhuga og gaumgæfni. Má þar til nefna ýmsar mjög aðkallandi byggingarframkvæmdir Landsspítalans og á Vífilsstöðum, aukningu sjúkrahúsrýmis fyrir geðveikt fólk, sjúkrahúsbyggingar á Akureyri, í Keflavík og á Akranesi auk læknisbústaða- og sjúkraskýlisbygginga í ýmsum sveitahéruðum, ýmsar nýjar hjúkrunar- og líknarstofnanir, sem of lengi hefur dregizt, að upp væri komið (fávitahæli, drykkjumannahæli, örkumlamannahæli, hæli fyrir vandræðabörn og unglinga o. s. frv.), margvísleg heilsuverndarmál, sem lítillega hefur verið byrjað á að rækja (berklavarnir, ungbarnavernd, manneldisrannsóknir) og mjög þyrfti að auka, gagngerð endurskoðun á ljósmæðralöggjöfinni til tryggingar því, að dreifbýlið verði ekki ljósmæðralaust, frekari ráðstafanir en gerðar hafa verið til tryggingar læknisþjónustu í sveitum o. s. frv.

Ef skipaðar yrðu sérstakar heilbrigðismálanefndir, má gera ráð fyrir, að talið yrði eðlilegt að vísa til þeirra ýmsum málum, sem ekki teldust beinlínis heilbrigðismál, og þá einkum ýmiss konar félagsmálum. Færi þá ef til vill betur á að gefa nefndunum heiti samkvæmt því og kalla þær heilbrigðis- og félagsmálanefndir.

Vilm. Jónsson.

Forseti sameinaðs Alþingis,
Reykjavík.

## Ed. 110. Lög

um heimild fyrir ríkisstjórnina til að innheimta skemmtanaskatt með viðauka árið 1943.

(Afgreidd frá Ed. 17. des.).

Samhljóða þskj. 62.

## Ed. 111. Lög

um bráðabirgðafjárgreiðslur í janúar 1943.

(Afgreidd frá Ed. 17. des.).

Samhljóða þskj. 83.

## Nd. 112. Frumvarp til laga

um heimild fyrir ríkisstjórnina til að innheimta ýmis gjöld 1943 með viðauka.

Frá fjárhagsnefnd.

1. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt til ársloka 1943 að innheimta með 40% viðauka vitagjald, þær aukatekjur ríkissjóðs, sem taldar eru í lögum nr. 27 27. júní 1921, I.—VI. kafla, og stimpilgjald samkvæmt lögum nr. 75 27. júní 1921.

2. gr.

Viðaukann skal reikna þannig, að hver gjaldeining hækki um 40%, en broti úr eyri, sem myndast við viðbót þessa, skal sleppt.

Rísi ágreiningur um það, hvort reikna skuli gjald með 40% viðauka eða ekki, sker fjármálaráðuneytið úr.

3. gr.

Lög þessi öðlast gildi 1. janúar 1943.

Greinargerð.

Frv. þetta var flutt af fjhn. Ed. eftir tilmælum fjármálaráðherra á aðalþingi þessa árs, en dagaði þá uppi í Nd., og er það því tekið upp nú. Nefndarmenn áskilja sér óbundin atkvæði um einstök atriði frumvarpsins. Frv. fylgdu svo hljóðandi ástæður:

Frv. þetta er samhljóða lögum, sem gilda fyrir árið 1942, að öðru leyti en því, að hér eru ákvæðin látin gilda árið 1943.

Ástæður fyrir frv. þessu eru þær sömu sem fyrir samhljóða frumvörpum undanfarin ár.

## Ed. 113. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Flm.: Gísli Jónsson.

1. gr.

Við 2. gr. A.I.a. bætist nýir töluliðir:

a. Ósá við Patreksfjörð.
b. Haukabergsá, Arnarbýla og Móra á Barðaströnd.
c. Hnoðardalsá, Músará og Þorskafjarðará í Reykhólahreppi.

Greinargerð.

Á síðasta þingi flutti ég þáltill. um að skora á ríkisstjórnina að láta þegar brúa árnar Haukabergsá, Arnarbýlu og Móru, en ár þessar allar eru á Barðaströnd, og vísast til greinargerðar á þskj. 44 frá síðasta þingi, en þar er mjög ákveðið bent á óhjákvæmilega nauðsyn á byggingu þessara brúa.

Á fjárlagafrumvarpi fyrir 1943 er gert ráð fyrir töluverðu framlagi til Barðastrandarvegar, en Ósá, sem um getur í þessu frumvarpi, er á þessari leið og því nauðsynlegt að brúa hana samtímis.

Hnoðardalsá er á þjóðveginum til Kinnarstaða og Músará er á Vesturlandsveginum, rétt við Kollabúðir. Er nauðsynlegt að brúa þessar ár nú, er bílferðir eru að verða tíðar eftir þessari leið. Þá er Þorskafjarðará einnig skammt frá Kollabúðum. Nú, þegar fyrir liggur að ryðja bílveg vestur í Gufudalssveit, er óhjákvæmilegt að hefjast handa um að brúa þessa á, svo að hún verði ekki þröskuldur á leið þessari, sem hið allra fyrsta þarf að verða bílfær. Er þess vænzt, að háttvirt Alþ. samþykki greiðlega frumvarp þetta.

## Sþ. 114. Tillaga til þingsályktunar

um kaup og innflutning á heyvinnuvélum og öðrum nauðsynlegum landbúnaðarvélum fyrir næsta sumar.

Flm.: Ingólfur Jónsson, Jón Sigurðsson.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að hlutast til um eftir ýtrustu getu, að fluttar verði til landsins nauðsynlegar heyvinnuvélar, svo sem sláttuvélar, rakstrarvélar og aðrar vélar, sem nauðsynlegar eru til þess að viðhalda landbúnaðarframleiðslunni.

Greinargerð.

Síðan stríðið hófst, hafa miklir örðugleikar verið á því að fá til landsins nægilegar vélar, sem nauðsynlegar eru íslenzkum landbúnaði. Bar mest á vöntun slíkra véla á síðast liðnu sumri, enda mikið af heyvinnuvélum, sem flutt var frá Norðurlöndum fyrir stríð, orðið slitið og úr sér gengið. Það hefur mikla þýðingu fyrir hag og afkomu bóndans og landbúnaðarins yfirleitt, að bændur hafi þær nauðsynlegustu vélar, sem nota þarf við heyöflun. Verði ekki með einhverjum ráðum bætt úr því ástandi, sem nú er að verða meðal bænda í þessu efni, er sýnt, að búin hljóta að ganga saman og allur búrekstur að vera dýrari en hollt er. Þess vegna er það nauðsynlegt, að ríkisstjórnin beiti sér fyrir því, að útflutningur fáist á nauðsynlegum búvélum í Bandaríkjunum eða Kanada og feli viðskiptanefndinni að vinna með dugnaði og festu í þessu máli, svo að þeir bændur, sem nú eiga aðeins gamlar og ónýtar búvélar, geti endurnýjað þær.

## Nd. 115. Breytingartillaga

við frv. til l. um framlenging á gildi l. nr. 33 7. maí 1928, um skattgreiðslu h/f Eimskipafélags Íslands.

Frá Páli Zóphóníassyni.

Við 1. gr. Í stað orðanna „árin 1943 og 1944“ komi: árið 1943.

## Nd. 116. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 24 12. júní 1939, um dýralækna.

Frá landbúnaðarnefnd.

1. gr.

1. gr. laganna orðist svo:

Dýralæknar skulu vera sex, tveir í Sunnlendingafjórðungi, og skal annar hafa búsetu í Reykjavík, tveir í Vestfirðingafjórðungi, einn í Norðlendingafjórðungi og einn í Austfirðingafjórðungi.

Atvinnumálaráðherra skipar þá og kveður á um bústað þeirra að öðru leyti en ákveðið er í lögum þessum.

2. gr.

Á eftir 1. gr. laganna kemur ný grein, svo hljóðandi (og breytist greinatalan samkvæmt því):

Dýralæknirinn í Reykjavík skal vera yfirdýralæknir. Hann skal vera ráðunautur ríkisstjórnarinnar í heilbrigðismálum búpenings, hafa eftirlit með embættisfærslu annarra dýralækna, yfirumsjón með sóttvörnum næmra búfjársjúkdóma og innflutningi búfjár og búfjárafurða.

3. gr.

Aftan við 2. gr., sem verður 3. gr., bætist: yfirdýralæknir fær auk þess greiddan nauðsynlegan skrifstofukostnað samkvæmt reikningi

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frumvarp þetta er flutt samkvæmt beiðni Dýralæknafélags Íslands. Aðalbreytingin, sem í því felst frá núgildandi lögum, er sú, að dýralæknirinn í Reykjavík verði jafnframt yfirdýralæknir, er hafi umsjón með störfum annarra dýralækna og sé sérstakur ráðunautur ríkisstjórnarinnar í heilbrigðismálum búpenings.

Nú hefur störfum dýralæknisins í Reykjavík á ýmsa lund verið þannig háttað á undanförnum árum, og virðist ekki óeðlilegt, að sú tilhögun verði lögfest. Virðist þetta hagkvæmt fyrirkomulag og í samræmi við aðra læknaskipun og erlendar fyrirmyndir, en hefur ekki í sér fólgin aukin útgjöld önnur en skrifstofukostnað yfirdýralæknis.

## Nd. 117. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 100 14. maí 1940, um skógrækt.

Frá landbúnaðarnefnd.

1. gr.

Á eftir 19. gr. laganna komi ný grein, svo hljóðandi.

Nú er verðmætt skóglendi í bersýnilegri hættu af gróðureyðingu, sem ekki verður stöðvuð nema með fullri friðun skóglendisins, en friðunin svo kostnaðarsöm, að eigendur og notendur landsins treystast eigi til þess samkv. þeim skilyrðum um framlag, sem sett eru í 19. gr., og er ráðherra þá heimilt, að fengnum tillögum skógrækt-

arstjóra, að kosta slíka girðingu að öllu leyti, gegn því, að eigendur og nothafar ábyrgist viðhald girðingarinnar og friðun landsins fyrir ágangi. Gera skal um það samning, sbr. 19. gr., enda taka ákvæði síðustu málsgr. þeirrar greinar einnig til þess skóglendis

Verði eigandi eða nothafi sannur að sök um endurtekna vanrækslu, getur ríkið tekið hið girta skóglendi til fullrar umsjár í allt að 20 ár á kostnað eiganda.

Alþingi heimilar fé í þessu skyni með sérstakri fjárveitingu, enda liggi fyrir fjárveitinganefnd tillögur skógræktarstjóra um þessar girðingar ásamt kostnaðaráætlun.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frumvarp þetta er flutt samkvæmt ósk skógræktarstjóra og Skógræktarfélags Íslands, sem hefur í erindi til nefndarinnar gert eftirfarandi grein fyrir nauðsyn þeirra breytinga, sem hér um ræðir.

„Það hefur margoft verið á það bent, að skóglendi víðsvegar um land eru að ganga til þurrðar. Er þetta mjög áberandi þar, sem ofgrisjað hefur verið og litt takmörkuð beit rekin. Hins vegar hafa margir jarðeigendur um land allt mikinn áhuga fyrir því að bæta og auka skóglendi sín, enda hefur skógarfriðunin á Vöglum, Hallormsstað og víðar sýnt, að víða hér á landi má hafa eigi minni arð af skógrækt en annarri jarðyrkju.

Efnahagur bænda og jarðeigenda hér á landi er yfirleitt þannig, að þeim er eigi kleift að verja fé til jarðræktar, sem gefur eigi arð um langt árabil. Af þeim ástæðum er eigi nema sanngjarnt, að ríkissjóður hjálpi ríflega til að skapa ný gróðurverðmæti, enda er eigi um annað að gera, ef mikið af þeim skógargróðri, sem enn er til, á ekki að ganga til þurrðar á næstu árum.

Þykir því bæði rétt og sjálfsagt að gefa áhugasömum einstaklingum kost á ríflegum styrk til þess að græða skóg að nýju.

Til þess að sem minnst mistök yrðu við framkvæmd slíks verks og þessa, og enn fremur til þess að hjálpin berist skjótast þangað, sem hættan á gróðureyðingu er mest, ætti að haga framkvæmdum eitthvað á þessa leið: Sá jarðeigandi, sem vildi friða skóglendi, sendi umsókn til skógræktar ríkisins, er síðan léti skoða staðhætti alla, og yrði skógræktarstjóri að veita samþykki til þess, að skóglendi yrði friðað, áður en styrks væri að vænta. Myndi skógræktarstjóri þá láta haga framkvæmdum þannig, að þær þyrftu ekki að fara fram úr áætluðu fé í fjárlögum hvers árs. Reglur þær, sem farið væri eftir við ákvörðun um það, hvaða skóglendi kæmu fyrst til greina, myndu vera í þá átt, að þau skóglendi sætu jafnaðarlega fyrir friðun, sem mest hætta vofði yfir.

Upphæð styrks miðað við heildarkostnað friðunargirðinga yrði að vera nokkuð há, en kvaðir á skóglendi þær, að girðingaviðhald væri greitt af eiganda, og ábyrgð hans og síðari eigenda fyrir því, að friðun væri alltaf fullkomin.“

## Ed. 118. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 7 12. apríl 1928, um menntamálaráð Íslands.

Flm.: Kristinn E. Andrésson.

Fyrsti málsliður 1. gr. orðist svo:

Eftir alþingiskosningar skal í sameinuðu Alþingi kjósa með hlutbundnum kosningum fimm menn í nefnd, er starfar allt kjörtímabilið og kallast menntamálaráð

Íslands, en auk þess skipar ríkisstjórnin í ráðið fjóra menn, tilnefnda af sambandsfélögum í Bandalagi íslenzkra listamanna, einn frá hverju félagi, en þau eru þessi: Félag íslenzkra rithöfunda, Félag íslenzkra tónlistarmanna, Félag íslenzkra myndlistamanna og Félag íslenzkra leikara.

Greinargerð.

Starfssvið menntamálaráðs hefur mjög verið aukið frá því ráðið var fyrst kosið árið 1928. Með lögum 1936 fékk það í hendur stjórn bókaútgáfu Menningarsjóðs og úthlutun allra ríkislauna til rithöfunda, skálda og listamanna með lagabreytingu á Alþingi 1939. Það ráðstafar öllu fé, sem ríkið ver árlega til kaupa á listaverkum, og hefur eitt með höndum val listaverka, sem keypt eru handa væntanlegu listasafni ríkisins. Er augljóst af þessu, þótt ekki sé fleira greint af verkefnum menntamálaráðs, að störf þess krefjast sérþekkingar á sviði bókmennta og lista.

Störf og starfsaðferðir menntamálaráðs hafa vakið mikla óánægju, og hefur hún sífellt farið vaxandi. Í rauninni er svo ástatt, að menntamálaráð, sem sérstaklega skyldi til þess kjörið að gæta hagsmuna listamanna, hefur átt í stöðugum erjum við þá, svo að þeir hafa jafnvel neyðzt til að senda umkvartanir til Alþingis. Félag íslenzkra myndlistamanna hefur sérstaklega gert kröfu til þess, að fulltrúi frá félaginu sé látinn vera með í ráðum, þegar gerð eru kaup fyrir ríkissafnið, og hefur bent á í skjali til Alþingis, að allar menningarþjóðir, að Íslendingum einum undanskildum, krefjast manna með sérþekkingu til að annast slík kaup handa listasöfnum. Úthlutun fjár til skálda og listamanna hefur farið menntamálaráði illa úr hendi. Listamannaþing, sem nýlega var háð, lýsti vantrausti á menntamálaráði, eins og það nú er skipað, og hefur sent Alþingi tillögur um nýja skipun ráðsins, sem eru einmitt samhljóða þeirri breytingu, sem felst í þessu frumvarpi.

Að vorum dómi getur Alþingi ekki, svo framarlega sem það vill halda virðingu sinni og telur sér skylt að vernda bókmenntir og listir í landinu, annað en orðið við jafneinróma og ákveðnum kröfum listamanna, sem jafnframt eru orðnar almennar kröfur þjóðarinnar, um breytingu á skipun menntamálaráðs. Er þá ekkert eðlilegra en listamenn sjálfir fái íhlutunarrétt um sín mál, og gæti jafnvel virzt eðlilegast, að þeir hefðu þau algerlega með höndum. En vér teljum samt ekki rétt að svo stöddu, enda hafa listamenn ekki óskað þess, að Alþingi afsali sér meirihlutavaldi í menntamálaráði, heldur sé farin sú millileið, sem ætlazt er til með þessu frumvarpi, að Alþingi kjósi eins og áður fimm menn í menntamálaráð, en félögin í Bandalagi íslenzkra listamanna tilnefni fjóra að auki, hvert þeirra einn mann, og verði menntamálaráð þannig skipað níu mönnum. Vér erum sannfærðir um, að verði þessi leið farin, muni bæði Alþingi og listamenn geta vel við unað.

## Nd. 119. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 79 frá 1. sept. 1942, um dómnefnd í verðlagsmálum.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1942.)

1. gr.

5. gr. laga nr. 79/1942 orðist svo:

Ríkisstjórnin getur ákveðið með auglýsingu, að ekki megi frá útgáfudegi auglýsingar og þar til nánar verður ákveðið, selja almenningi á landi hér nokkra vöru innlenda eða erlenda við hærra verði en lægst var á henni á hverjum stað á útgáfudegi auglýsingar. Sams konar bann við hækkun verðlags má og láta taka til farmgjalds og flutninga á landi, sjó og í lofti, viðgerða, smíða, saumaskapar, prentunar og annars

slíks. Ef ágreiningur eða vafi verður um það, við hvaða verðlag skuli miða, sker dómnefnd úr.

Dómnefnd skal hafa eftirlit með öllu verðlagi, og hefur hún bæði af sjálfsdáðum og að fyrirlagi ráðuneytisins vald og skyldu til að ákveða hámarksverð á hvers konar vöru og verðmæti, sem í 1. málsgrein segir, þar á meðal hámark álagningar, umboðslauna og annarrar þóknunar, sem máli skiptir um verðlag í landinu. Svo getur dómnefnd og úrskurðað um aðra kostnaðarliði, sem máli skipta um verðlagningu á vöru. Þá getur dómnefnd ákveðið greiðslu fyrir flutninga, viðgerðir, smíðar, saumaskap, prentun og því um líkt.

Ákvæði 1. og 2. málsgr. taka ekki til vörutegunda, sem verðlagðar eru samkvæmt sérstökum lögum, né til vöru, sem seld er úr landi, eða launa fyrir verk, sem ákveðin hafa verið með samningum milli réttra aðila.

2. gr.

1. málsliður 3. málsgr. 12. gr. laganna orðist svo:

Brot gegn öðrum ákvæðum laga þessara, reglugerð, er sett kynni að verða samkvæmt þeim, eða ákvæðum auglýsingar samkvæmt 1. mgr. 5. gr., varða sektum frá 100—100000 krónum.

3. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta.

Eins og tekið er fram í stefnuskrárræðu forsætisráðherra, telur ráðuneytið það höfuðverkefni sitt að vinna bug á dýrtíðinni, með því fyrst og fremst að setja skorður við frekari verðlagsbólgu meðan leitazt er við að lækna meinsemdina og vinna bug á erfiðleikunum.

Sú lagabreyting, sem í 1. málsgrein getur, er sett fram í samræmi við þessa yfirlýsingu.

Nú er dómnefnd í verðlagsmálum ekki háð fyrirmælum ríkisstjórnarinnar. Ráðuneytið telur hins vegar nauðsyn bera til, að það hafi vald til að gefa dómnefndinni fyrirmæli um framkvæmd verðlagsmálanna. Þess vegna er fram borin sú breyting, sem fram kemur í 2. málsgrein.

Að öðru leyti þykir ekki skýringa þörf.

## Ed. 120. Frumvarp til laga

um afnám laga nr. 127 9. des. 1941, um viðauka við lög nr. 13 20. okt. 1905, um ritheimundarétt og prentrétt.

Flm.: Kristinn E. Andrésson.

1. gr.

Lög nr. 127 9. des. 1941 skulu numin úr gildi.

2. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

Greinargerð.

Alkunnugt er, af hvaða tilefni þessi lög voru sett. Útgáfa af Laxdæla sögu, færðri til nútíma stafsetningar, hafði orðið hitamál í dagblöðum, áður en hún kom fyrir

augu nokkurs manns. Frumvarp til laga, sem skyldi fela í sér bann við útgáfunni, var samið í miklum flýti og hraðað svo afgreiðslu frumvarpsins, að hvorki var leitað um það álits neinna manna, sem dómbærastir hlutu að vera á slíkt mál, né alþingismönnum gefinn tími til að átta sig á því, eins og umræður bera greinilega með sér. Hefur því komið í ljós, síðan lögin voru sett, að þau eru mjög vanhugsuð.

Í fyrsta lagi mun mjög orka tvímælis, að það samrýmist ákvæðum stjórnarskárinnar um prentfrelsi, að ríkið taki með löggjöf einkarétt á rituðu orði á Íslandi og geri kennslumálaráðuneytið að nokkurs konar ritskoðunarstofnun.

Í öðru lagi getur íslenzka ríkið ekki tekið einkarétt á útgáfu íslenzkra fornrita nema með samningum við önnur ríki, svo að utan Íslands eru lög þessi dauður bókstafur, og verða þá Íslendingar einir samkvæmt þeim réttlausari en hver útlendingur sem vera skal, og má gera þau algerlega marklaus, ef Íslendingar vilja fara í kringum þau með aðstoð útlendinga, sem þau ná ekki til.

Í þriðja lagi er ekki til nein „samræmd stafsetning forn", heldur aðeins tilraunir síðari tíma manna að samræma stafsetningu á fornum ritum, en hún er, eins og kunnugt ætti að vera, mjög á reiki í handritum. Er og undarleg fjarstæða að vilja lögbjóða hér á landi forna stafsetningu á fornritunum og engu fremur ástæða til þess en lögbjóða fornan framburð, er þau eru lesin í heyranda hljóði.

Af þessum ástæðum og öðrum fleiri, sem greindar verða í framsögu, þykir hlýða að nema úr gildi þessi mjög svo hæpnu og umdeildu lög.

## Ed. 121. Nefndarálit

um frv. til l. um heimild til þess að selja jarðeignirnar Stagley og Sperðlahlíð.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. á fundum sínum og m. a. rætt það þar við hr. fulltrúa Friðgeir Björnsson, sem hefur til umsjónar meginhlutann af jarðeignum ríkisins. Samkomulag hefur orðið um það, að nefndin mælti með því, að ríkisstjórninni heimiladist að selja Flateyjarhreppi Stagley á Breiðafirði.

Hins vegar mælir nefndin ekki með sölu Sperðlahlíðar, þegar af þeirri ástæðu einni, að fullnægjandi upplýsingar liggja ekki fyrir um þá jörð.

Nefndin leggur því til, að frv. verði samþ. með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Frvgr. orðist svo:
   Heimilt er ríkisstjórninni að selja Flateyjarhreppi Stagley á Breiðafirði.
2. Fyrirsögn frv. orðist svo: Frumvarp til laga um heimild til að selja Stagley.

Alþingi, 19. des. 1942.

| | | |
|---|---|---|
| Páll Hermannsson, form., frsm. | Eiríkur Einarsson, fundaskr. | Þorst. Þorsteinsson. |
| Kristinn E. Andrésson. | H. Guðmundsson. | |

## Nd. 122. Tillaga til þingsályktunar

um ráðstafanir til útbreiðslu og eflingar skógræktinni.

Frá landbúnaðarnefnd.

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að hlutast til um, að kennsla í sáning trjáfræs, uppeldi trjáplantna og gróðursetning verði komið á við kennaraskólann, búnaðarskólana og húsmæðraskólana, enda sjái skógrækt ríkisins skólunum fyrir kunnáttumönnum til kennslu í þessari grein.

Greinargerð.

Stjórn Skógræktarfélags Íslands hefur óskað þess, að landbúnaðarnefnd Nd. flytti þetta mál, og fer hér á eftir greinargerð félagsstjórnarinnar.

„Bezta aðferðin til þess að vekja almennan áhuga á trjárækt og skógrækt er, að unglingum og æskulýð landsins verði kennd handtök við sáningu fræs, uppeldi plantna og gróðursetningu. Trjárækt við heimili landsbúa er allmikið menningaratriði, og slík trjárækt verður eigi almenn fyrr en nægilega mikill fjöldi landsbúa kann að fara þannig með fræ og ungviði, að sæmilegur árangur fáist af starfi flestra. Eins og nú standa sakir, er þekking almennings á þessu mjög af skornum skammti, en af því hljótast ótrúlega mikil vanhöld á fræi og plöntum, sem nú er dreift víðsvegar um land. Meðferð trjáfræs og plantna geta allir lært á fáum dögum, og því getur hér ekki verið um kostnaðaratriði að ræða.“

## Ed. 123. Lög

um breyting á lögum nr. 71 28. nóv. 1919, um laun embættismanna.

(Afgreidd frá Ed. 19. desember.)

Samhljóða þskj. 12.

## Ed. 124. Framhaldsgreinargerð

fyrirspurnar til ríkisstjórnarinnar í sambandi við hlutleysi Íslands og aukna öfriðarhættu.

Frá Jónasi Jónssyni.

Eftir að útvarpið hafði tekið til meðferðar vegna almennings fyrirspurn mína á þskj. 86, um aukna stríðshættu, hefur Brynjólfur Bjarnason lesið upp í efri deild, utan dagskrár, skýringar af hálfu flokks síns, er snerta efni fyrirspurnar minnar, í því skyni að koma mótmælum sínum í útvarpið. Neitar leiðtogi sósíalista hverjum einstökum lið í yfirlýsingu flokks síns, eins og frá málinu var skýrt í Þjóðviljanum 25. nóv. 1942.

Ef afneitun sósíalista á yfirlýsingu flokksins væri raunveruleg, svo að henni mætti treysta, þá gæti komið til mála, að ekki þyrfti vitnanna við, en að valdhafar landsins lýstu yfir, að Sósíalistaflokkurinn hefði tekið aftur öll þau ummæli, sem hægt var að óttast, að settu þjóðina í vanda utan lands.

En því er ekki að heilsa. Skilyrði sósíalista um utanríkismálin eru frá þeirra hálfu óhagganlegur grundvöllur í sambandi við stjórnarmyndun, þar sem sósíalistar væru þátttakendur.

1. Miðvikudaginn 25. nóv. birtir Þjóðviljinn með stærsta auglýsingaletri sínu á framhlið blaðsins þessa fyrirsögn: Skilyrði Sósíalistaflokksins fyrir þátttöku í ríkisstjórn. Síðan fylgja 16 atriði. Eitt af þeim varðar utanríkismálin. Blaðið segir, að skilyrðin hafi verið samþykkt einróma á nýafstöðnu þingi flokksins. Daginn eftir áréttar Þjóðviljinn í fleiri en einni grein, að hér sé um óhagganleg „skilyrði“ að ræða.
2. Í tíunda liðnum í þessum grundvallarkröfum sósíalista, ef þeir eigi að láta þjóðina njóta návistar þeirra í ráðherrastólunum, er tekið skýrt fram, að þjóðin eigi að taka upp ákveðna stefnu „móti fasismanum“. Ríkisstjórnin á að gefa út samúðaryfirlýsingu með Bandamönnum og stuðla að „virkri aðstoð Íslendinga við landvarnir Íslands í samvinnu við hernaðaryfirvöldin“.

   Hér duga engin mótmæli. 25. nóv. birtir flokksblað kommúnista skilyrðin fyrir þátttöku í ríkisstjórn. Og þar er bent á tvö meginatriði. Annars vegar að taka upp ákveðna stefnu gegn fasisma og síðar að taka virkan þátt í hernaðaraðgerðum með her Bandamanna á Íslandi. Samhengið er skiljanlegt. Eftir að Íslendingar hefðu byrjað að vinna móti fasisma, sem gat varla verið með öðru móti en að gefa út yfirlýsingar í anda Þjóðviljans fyrir hönd þjóðarinnar, þá gat hæglega skapazt sú aðstaða þegar í stað, að Íslendingum bæri skylda til að taka virkan þátt í bardögum hér á landi.

   Öllum hlýtur að vera ljóst, að ef ný ríkisstjórn, ef til vill með utanríkisráðh. úr flokki sósíalista, var nýtekin við völdum og farin að starfa í anda „skilyrðanna“ um viðhorf til stórveldanna, þá var um leið kastað fyrir borð allri hinni fornu hlutleysispólitík. Yfirlýsing um óvináttu Íslendinga við annan stríðsaðilann hlaut að vera í einu hættuleg og bera vott um frámunalega vöntun á vitsmunum og dómgreind valdhafa í vopnlausu landi.
3. Næsta skilyrði er það, að Íslendingar endurnýi beiðni um stríðsvernd við Bretland og Bandaríkin og bæti síðan við sams konar bæn til Rússa „um öryggi Íslands og tryggingu fyrir friðhelgi þess og algerðu sjálfstæði, er friður verður saminn í styrjaldarlok“.

   Allir sjá, að það er fjarstæða frá hálfu íslenzkra stjórnarvalda að biðja England og Bandaríkin um aukna vernd nú eða við friðarsamningana, þar sem tryggir sáttmálar eru um þetta efni við stjórnir þessara stórvelda beggja. Ef ríkisstjórn Íslands byrjaði að hreyfa þessu „skilyrði“ sósíalista í London og Washington, hlytu stjórnir þessara ríkja að telja slíka málaleitun meiri háttar ókurteisi af hálfu Íslendinga og auk þess bera vott um þekkingarleysi, sem ekki er venja að láta mikið bera á í milliríkjaskiptum. Tilgangur sósíalista með þessari kröfu gat ekki verið annar en sá að koma Íslandi í verndaraðstöðu gagnvart Rússlandi. Þegar þess er gætt, að Rússar hafa aldrei haft hér nein skipti, eru mjög fjarskyldir þjóðinni, hafa engan flota á Atlantshafi, sem nafn er gefandi, og hafa misst allt að því helminginn af landi sínu í hendur óvinveittrar herþjóðar, sem er þó hálfu fámennari heldur en sú þjóð, sem ætlazt er til, að við biðjum um vernd, þá hlýtur hverjum Íslendingi að verða ljóst, hversu vanþekking sósíalista er takmarkalaus í þessu efni sem öðrum.
4. Sósíalistar finna, að það er veila í rökleiðslu þeirra um „virkan stuðning við Bandamenn“, þar sem þeir stefndu að því að koma á verkfalli í því, sem þeir kalla nú „landvarnavinnu“. Sjálfsagt vita sósíalistar, að Rússar mundu hegna grimmilega hverjum þeim manni, sem egndi verkamenn til að gera vinnustöðvun við flugvallargerð, eins og stóð á fyrir Bandamönnum hér á landi. Hernaðaryfirvöldin sýndu líka í verki vanþóknun sína á þessu framferði sósíalista, m. a. með því að banna útkomu Þjóðviljans um langa stund.
5. Sósíalistar finna, að þeir hafa ekki stutt málstað Íslendinga né Bandamanna með

því að stöðva veiðiskip landsmanna og hraðfrystihúsin. Hvor tveggja stöðvunin er hermdarverk móti atvinnulífi Íslendinga, auk þess sem þessi stöðvun veldur því, að nauðsynleg verzlun fellur að mestu niður milli Íslands og Englands, til gagnkvæms tjóns fyrir báða aðilana.

Ég hef nú rakið lið fyrir lið hin fráleitu og ekki alveg hættulausu „skilyrði" sósíalista. Hvert atriði í fyrsta rökstuðningi mínum er nú sannað með orðréttum tilvitnunum í flokksþingsályktun sósíalista, sem þeir segja, að hafi verið samþykkt einróma. Öll íslenzka þjóðin hefur nú fengið vitneskju um tilgang sósíalista í utanríkismálum. Óhætt mun að fullyrða, að allur þorri af kjósendum kommúnistaflokksins frá í haust fordæmi einum rómi það fáránlega skilyrði, sem hér hefur verið gert að umtalsefni. Sama gera að sjálfsögðu allir aðrir landsmenn. Ekki verður heldur sagt, að það veki almennt traust meðal Íslendinga gagnvart pólitík Rússa, þegar þess er minnzt, að þeir gengu sama árið á grið og gefin heit við Finnlendinga, Esta, Letta, íbúana í Lithaugalandi, Pólverja og Rúmena. Um það má segja, að sporin hræða.

## Nd. 125. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 79 frá 1. sept. 1942, um dómnefnd í verðlagsmálum.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin mælir með, að frv. verði samþykkt með eftirfarandi breytingu. Þó áskilja nefndarmenn sér að fylgja breytingum, er fram kunna að koma.

BREYTINGARTILLAGA.

Við 1. gr.

Fyrsti málsl. 1. efnismálsgr. orðist þannig:

Ríkisstjórnin getur ákveðið með auglýsingu, að ekki megi frá útgáfudegi auglýsingar og þar til nánar verður ákveðið, þó ekki lengur en til loka febrúarmánaðar 1943, selja nokkra vöru í heildsölu eða smásölu, innlenda eða erlenda, við hærra verði en lægst var á henni á hverjum stað hinn 18. des. 1942.

Alþingi, 19. des. 1942.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr., frsm. Jörundur Brynjólfsson.

Gunnar Thoroddsen. Áki Jakobsson.

## Nd. 126. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 79 frá 1. sept. 1942, um dómnefnd í verðlagsmálum.

Frá Sigurði Kristjánssyni.

Við 1. gr. Orðin í 3. málsgrein greinarinnar „vörutegunda, sem verðlagðar eru samkvæmt sérstökum lögum, né til" falli burt.

## Nd. 127. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 79 frá 1. sept. 1942, um dómnefnd í verðlagsmálum.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

5. gr. laga nr. 79/1942 orðist svo:

Ríkisstjórnin getur ákveðið með auglýsingu, að ekki megi frá útgáfudegi auglýsingar og þar til nánar verður ákveðið, þó ekki lengur en til loka febrúarmánaðar 1943, selja nokkra vöru í heildsölu eða smásölu, innlenda eða erlenda, við hærra verði en lægst var á henni á hverjum stað hinn 18. des. 1942. Sams konar bann við hækkun verðlags má og láta taka til farmgjalda og flutninga á landi, sjó og í lofti, viðgerða, smíða, saumaskapar, prentunar og annars slíks. Ef ágreiningur eða vafi verður um það, við hvaða verðlag skuli miða, sker dómnefnd úr.

Dómnefnd skal hafa eftirlit með öllu verðlagi, og hefur hún bæði af sjálfsdáðum og að fyrirlagi ráðuneytisins vald og skyldu til að ákveða hámarksverð á hvers konar vöru og verðmæti, sem í 1. málsgr. segir, þar á meðal hámark álagningar, umboðslauna og annarrar þóknunar, sem máli skiptir um verðlag í landinu. Svo getur dómnefnd og úrskurðað um aðra kostnaðarliði, sem máli skipta um verðlagningu á vöru. Þá getur dómnefnd ákveðið greiðslu fyrir flutninga, viðgerðir, smíðar, saumaskap, prentun og því um líkt.

Ákvæði 1. og 2. málsgr. taka ekki til vörutegunda, sem verðlagðar eru samkvæmt sérstökum lögum, né til vöru, sem seld er úr landi, eða launa fyrir verk, sem ákveðin hafa verið með samningum milli réttra aðila.

2. gr.

1. málsliður 3. málsgr. 12. gr. laganna orðist svo:

Brot gegn öðrum ákvæðum laga þessara, reglugerð, er sett kynni að verða samkvæmt þeim, eða ákvæðum auglýsingar samkvæmt 1. mgr. 5. gr., varða sektum frá 100—100000 krónum.

3. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

## Ed. 128. Lög

um heimild fyrir ríkisstjórnina til að innheimta ýmis gjöld 1943 með viðauka.

(Afgreidd frá Ed. 19. des.).

Samhljóða þskj. 112.

## Ed. 129. Lög

um breyting á lögum nr. 79 frá 1. sept. 1942, um dómnefnd í verðlagsmálum.

(Afgreidd frá Ed. 19. des.).

Samhljóða þskj. 127.

# Ed. 130. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 93 25. sept. 1942, um að reisa nýjar síldarverksmiðjur.

Frá minni hluta sjávarútvegsnefndar.

Nefndarmenn gátu ekki orðið sammála um afgreiðslu málsins. Einn nefndarmanna (GÍG) lýsti yfir því, að hann vildi gera breyt. á frv., og með því að annar nefndarmaður (IngP) taldi sig mundu geta fellt sig við þær breyt., má vænta þess, að þeir skili sameiginlegu meirihlutaáliti. Minni hlutinn vill hins vegar benda á, að ef frv. er samþykkt, er með því settur óþarfur fjötur á framtak einstaklinga, sem líklegt er, að valdi aðeins erfiðleikum þeim, sem nú eða síðar binda fé og starfskrafta í þessum atvinnurekstri, en slíkt er þjóðinni engan veginn hollt.

Nefndin hafði aflað sér ýmissa gagna snertandi þetta mál, svo sem skýrslna og áætlana sérfræðinga viðvíkjandi byggingu og rekstri lýsisherzlustöðva, og sýna gögn þessi, að það væri engan veginn óeðlilegt, að hér risu upp fleiri en ein slík stöð. Hins vegar bera þau það með sér, að ófrávíkjanleg nauðsyn sé til þess, að eftirfarandi meginskilyrði séu fyrir hendi, áður en slík stöð sé reist og henni valinn staður:

1. Nægilegt hráefni á þeim stað, sem stöðin er reist, svo að milliflutningar á hráefni þurfi ekki að eiga sér stað.
2. Nægilegt ódýrt rafmagn til vetnisframleiðslu og vélarekstrar, t. d. ekki hærra rafmagnsverð en 4 aura hver kw-stund.
3. Að unnt sé að sameina sem mest rekstrarfé, mannahald, olíugeyma, hús, vélar og önnur útgjöld við hráefnisstöðina, sem framleiðir lýsið.

Þeir sérfræðingar, sem athugað hafa þetta mál, fullyrða einnig, að sé ekki unnt að uppfylla 1. og 2. atriðið, þá sé ekki gerlegt að reisa stöðina á þeim stað, þar sem þau skilyrði eru ekki fyrir hendi. Hvað snertir nægilegt hráefnismagn, telja þeir, að 7500 smálestir af lýsi sé nægilegt til þess, að reisa megi þar upp og reka stöð, sem hreinsi 25 smálestir á sólarhring og vinni þá allt árið. Slíkar stöðvar hafi verið reistar víða, m. a. einar þrjár í Danmörku, og gefizt vel. Miðað við, að þessi skilyrði öll séu til staðar, er kostnaðurinn við lýsishreinsunina áætlaður 145 kr. á hverja smálest, og er þá gengið út frá kostnaðarverði eins og það var 1939, en umbúðir, flutningsgjöld, útflutningsgjald o. fl. er áætlað 135 kr. á smálest, svo að allur kostnaður við hreinsun og útflutning er talinn nema 280 kr. á smálest. Á sama tíma var mismunur á hreinsuðu og hertu hvallýsi aðeins 307 kr. í Englandi, eða kr. 27.00 hærra en hreinsunar- og útflutningskostnaður samanlagt. Er þetta ljósasta dæmi þess, að engir milliflutningar mega eiga sér stað á hráefnum innanlands, og að allrar varúðar ber að gæta um undirbúning, ef mögulegt á að vera að reka slíka stöð með nokkrum hagnaði.

Eins og stendur eru hér aðeins tveir staðir, sem hafa nægilegt magn fyrir lýsisherzlustöðvar, þ. e. Siglufjörður með um 13000 smálestir og því nægilegt fyrir 50 smálesta stöð, og Hjalteyri með rúmar 7200 smálestir og því nægilegt fyrir 25 smálesta stöð. Hvorugur þessara staða hefur enn sem komið er rafmagn til vetnisframleiðslu, og koma því ekki til greina fyrr en það atriði er leyst. Gera má ráð fyrir því, að fyrst um sinn verði ekki unnt að fá nægilegt og ódýrt rafmagn á Siglufirði til slíkrar iðju. Hins vegar er ekki ólíklegt, að bæði á Hjalteyri og Raufarhöfn skapist þessir möguleikar áður en langt um líður, og yrðu þeir staðir þá að sjálfsögðu valdir fyrir herzlustöðvar, ef eigi væru til staðar betri sameiginleg skilyrði annars staðar.

Með því að athuga áætlanir, sem gerðar hafa verið um byggingu og rekstur herzlustöðva, kemur berlega fram, að unnt er að spara mikið fé, bæði í stofn- og rekstrarkostnaði, með því að reisa herzlustöð við síldarverksmiðju, ef áður nefnd skilyrði eru til staðar, eða með því að sambyggja þær frá byrjun. Og þegar það einnig er tekið með, að það er eitt af hinum mest aðkallandi málum í atvinnurekstri þjóðarinnar að geta lengt starfstíma síldarverksmiðjanna, þá ber að sjálfsögðu fyrst og fremst að stefna að því, að sérhver síldarverksmiðja, sem framleiðir yfir 7500 smá-

lestir af lýsi árlega, geti einnig komið upp herzlustöð, svo framarlega sem fyrrnefnd skilyrði eru fyrir hendi á staðnum, og alveg án tillits til þess, hvort hún þá er eign ríkisins eða einstaklinga, en verði frv. þetta að l., torveldar það að ná þessum sjálfsagða og þýðingarmikla áfanga í útgerðar- og fiskiðnaðarmálunum.

Gildandi innflutnings- og gjaldeyrislög takmarka nú nægilega mikið framkvæmdir einstaklinga, ef þeim er beitt, og virðist engin knýjandi ástæða til þess að bæta þar nokkru við. Minni hlutinn leggur því til, að frv. verði fellt.

Alþingi, 28. des. 1942.

Gísli Jónsson.

## Ed. 131. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 63 28. jan. 1935, um útflutningsgjald.

Flm.: Gísli Jónsson.

1. gr.

Við 3. gr. laganna bætist nýr málsliður, svo hljóðandi: Ef skip flytur út eigin afla, skal miða gjaldið við útflutningsverð fiskjarins komins um borð í skip (fob), ef það er skrásett í landinu, annars við kaupverð frystihúsanna á sams konar fiski.

Magn fiskjarins reiknast eins og það vigtast upp úr skipi á sölustaðnum.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

3. gr. laga nr. 63 28. jan. 1935 mælir svo fyrir, að útflutningsgjald skal miða við söluverð afurðanna með umbúðum, fluttra um borð í skip (fob) á hverri höfn, er þær fyrst fara frá, eða við söluverð erlendis (cif), að frádregnum flutnings- og ábyrgðargjaldi til útlanda og miðilsgjaldi. Með því að lögin segja ekkert frekar um það, hvernig skuli reikna gjaldið af eigin afla, er skip flytja sjálf á erlendan markað, hefur fjármálaráðuneytið ákveðið að reikna það af söluandvirði fiskjarins, að frádreginni ákveðinni fjárhæð á dag fyrir skipið meðan á ferðinni stendur. Hefur þetta að sjálfsögðu valdið óánægju, þar sem á þennan hátt er engan veginn fundinn réttur mælikvarði á fob-verð aflans, en verð þetta hins vegar skráð fast hér, eftir að samningurinn við brezku herstjórnina var gerður og sama fiskverð sett um land allt. Lög nr. 98 9. júlí 1941 mæla einnitt einnig skýrt svo fyrir, að 10% útflutningsgjaldið skuli reikna af fob-verði vörunnar, og getur þá ekki átt við annað verð en það verð, sem fiskur er seldur hér á til útflutnings á hverjum tíma.

Frumvarp þetta er því aðeins til þess að færa þetta atriði í það horf, að eigi verði deilt um, hvernig reikna beri útflutningsgjald af þessari vöru.

## Nd. 132. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Sigurði Bjarnasyni.

Framan við frvgr. komi ný grein:
Við 2. gr. laganna A. I. a. bætist:
Langadalsá í Nauteyrarhreppi.

## Ed. 133. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 93 25. sept. 1942, um að reisa nýjar síldarverksmiðjur.

Frá meiri hluta sjávarútvegsnefndar.

Nefndin hefur ekki getað orðið sammála um afgreiðslu þessa frv. Minni hl. nefndarinnar (GJ) tjáir sig ekki fylgjandi frv. og mun leggja til, að það verði fellt, en meiri hl. hefur orðið ásáttur um að leggja til, að það verði samþykkt með þessari

BREYTINGU:

Við 1. gr. Í stað orðsins „Alþingis“ komi: atvinnumálaráðherra.

Alþingi, 30. des. 1942.

Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Ingvar Pálmason, frsm.

## Nd. 134. Frumvarp til laga

um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Ríkisstjórnin skipar fimm manna nefnd, er nefnist Viðskiptaráð, og jafnmarga varamenn, er sæti taki í ráðinu í forföllum aðalmanna, eða ef sæti verður laust um stundarsakir.

2. gr.

Viðskiptaráð hefur þessi verkefni með höndum:

1. Ákveður hvaða vörur skuli flytja til landsins.
2. Ráðstafar farmrými í skipum, er annast eiga vöruflutninga til landsins og eru eign íslenzkra aðila eða á vegum þeirra.
3. Ráðstaðar gjaldeyri til vörukaupa erlendis og annarra nauðsynja.
4. Úthlutar innflutningi á vörum til innflytjenda og setur þau skilyrði um hann, sem nauðsynleg kunna að vera eða verða vegna ófriðarástands eða viðskiptaskilyrða.
5. Annast innflutning brýnna nauðsynja, ef sýnilegt þykir, að innflytjendur sjái ekki þörfum þjóðarinnar borgið.
6. Fer með verðlagseftirlit og vöruskömmtun lögum samkvæmt, svo og önnur þau mál, er ríkisvaldið kann að fela því.

Ráðherra getur sett Viðskiptaráði starfsreglur.

3. gr.

Engan erlendan gjaldeyri má láta af hendi án leyfis Viðskiptaráðs, nema séu greiðslur vegna ríkissjóðs og banka eða vextir og afborganir bæjar- og sveitarfélaga. Landsbanki Íslands hefur einn kauprétt á erlendum gjaldeyri og þeir bankar, sem hann gefur umboð til þess. Slíkt umboð skal falið Útvegsbanka Íslands h/f. Skylt er að afhenda til bankanna þann gjaldeyri, sem menn eiga eða eignast.

Þeim gjaldeyri, sem bankinn kaupir, skal skipta milli hans og Útvegsbanka Íslands h/f þannig, að hinn síðarnefndi fái einn þriðja hluta alls gjaldeyrisins fyrir innkaupsverð, hlutfallslega af hverri mynt, sem keypt er á mánuði hverjum, ef hann

óskar þess. Hlutfalli því, sem hvor banki fær, getur ráðherra breytt, ef báðir bankarnir samþykkja. Enginn hefur rétt til að selja erlendan gjaldeyri nema Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f. Þó er póststjórninni heimil slík verzlun innan þeirra takmarka, sem ráðherra setur. Bannað er að flytja erlendan gjaldmiðil úr landi.

4. gr.

Ríkisstjórnin getur sett nánari fyrirmæli í reglugerð um efni þau, er í lögum þessum greinir, þar á meðal um úthlutun innflutnings- og gjaldeyrisleyfa, um gjaldeyrisverzlun, um eftirlit tollmanna til varnar við útflutningi erlends og innlends gjaldeyris og til tryggingar því, að íslenzk útflutningsverðmæti verði greidd með erlendum gjaldeyri og að honum verði ráðstafað samkvæmt settum reglum.

5. gr.

Hver sá, er innflutningsleyfi fær, greiði Viðskiptaráði ½% af upphæð þeirri, sem leyfi hljóðar um, þó aldrei minna en 1 krónu fyrir hvert einstakt leyfi. Skal gjaldi þessu varið til að standast kostnað af Viðskiptaráði.

6. gr.

Brot á lögum þessum eða reglum settum samkvæmt þeim, þar á meðal skilyrðum um leyfi, er Viðskiptaráð setur, varða sektum allt að 100000 kr. Ef miklar sakir eru eða brot er ítrekað, má og svipta sökunaut með dómi rétti til verzlunar. Upptaka eignar samkvæmt 69. gr. almennra hegningarlaga skal og heimil vera.

7. gr.

Mál út af brotum samkvæmt 6. gr. fara að hætti opinberra mála.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi. Frá gildistöku laga þessara falla lög nr. 99/1942 og önnur lög, sem fara í bág við þau, úr gildi.

Lög þessi falla úr gildi í síðasta lagi sex mánuðum eftir að núverandi Evrópustyrjöld er lokið.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Gjaldeyris- og innflutningsnefnd skal starfa þangað til Viðskiptaráð hefur tekið við þeim störfum, sem nefndin hefur nú.

## Athugasemdir við lagafrumvarp þetta.

Þau lög, sem nú eru í gildi um íhlutun og eftirlit með innflutningsverzlun landsins, gefa ekki ríkisstjórninni þær ráðstöfunarheimildir, sem nauðsynlegar eru eins og nú standa sakir. Um nokkurn tíma hefur skipakostur sá, er landsmenn ráða yfir, ekki nærri fullnægt innflutningsþörf landsins. Mikið af vörum hefur því safnazt fyrir í höfnum vestan hafs, sem ekki hefur verið unnt að flytja hingað til lands. Verður því ekki hjá því komizt að takmarka vörukaup við þann skipakost, sem landsmenn ráða yfir, og að því farmrými sé varið til flutnings á þeim vörum, sem nauðsynlegastar eru fyrir afkomu þjóðarinnar.

Í frumvarpinu er gert ráð fyrir stofnun Viðskiptaráðs, er hafi á hendi úthlutun gjaldeyris, innflutnings og farmrýmis, einnig verðlagseftirlit og vöruskömmtun og geri aðrar þær ráðstafanir, sem nauðsynlegar kunna að verða vegna ófriðarins, þar með talið að hafa umsjón með innkaupum ýmsra vörutegunda í Bandaríkjunum, sem nú eru falin viðskiptanefnd. Enn fremur að taka í sínar hendur innflutning brýnna nauðsynja, ef sýnilegt þykir, að innflytjendur sjái ekki þörfum þjóðarinnar borgið.

Um leið og Viðskiptaráð tekur til starfa, hættir gjaldeyris- og innflutningsnefnd störfum.

Í frumvarpinu er gerð sú breyting á gjaldeyrisverzluninni, að Landsbanki Íslands hefur einn leyfi til að kaupa erlendan gjaldeyri og bankar þeir eða stofnanir, sem hann gefur umboð til þess. Jafnframt er Útvegsbanka Íslands h/f tryggður ákveðinn hluti af öllum gjaldeyri, sem keyptur er.

Þar sem heimildir þær, sem um ræðir í frumvarpi þessu, eru sérstakar styrjaldarráðstafanir, þykir rétt, að lögin falli úr gildi sex mánuðum eftir að núverandi Evrópustyrjöld er lokið.

## Ed. 135. Nefndarálit

um frv. til laga um orlof.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur orðið sammála um að leggja til, að frv. verði samþ. með tveim breytingum, en einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til að flytja frekari breytingartillögur við frumvarpið og fylgja brtt., sem fram kunna að koma. Einn nefndarmanna (HermJ) áskilur sér rétt til, að fylgi hans við frumvarpið verði undir því komið, hvernig tekið verður þeim breytingartillögum, sem hann hefur boðað, að hann muni flytja við frumvarpið. — Breytingar þær, sem nefndin leggur til, að gerðar verði á frv., eru leiðrétting á setningaskipun 4. málsgr. 4. gr., og efnisbreyting á 9. gr. frv. til tryggingar því, að ekki verði hægt að krefjast orlofs þeirra, sem við sveitavinnu eða síldveiði eru, á þeim tíma árs, sem þessum atvinnugreinum er óhentugast að missa fólk frá störfum.

BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Við 4. gr. 4. málsgr. orðist svo:
   Ákvæði þetta gildir þó ekki um starfsmenn, sem eru í fastri stöðu. Þegar þeir fara í orlof og hafa unnið hjá sama vinnuveitanda samfleytt næsta orlofsár á undan, halda þeir kaupi sínu óskertu orlofsdagana, jafnháu og þeir hefðu unnið venjulegan vinnutíma. Kaup fyrir orlofsdagana skulu þeir fá greitt næsta virkan dag áður en orlof hefst.
2. Við 9. gr. Greinin orðist svo:
   Orlof skal veitt í einu lagi á tímabilinu 1. júní til 15. september. Þó skal þeim, er vinna við sveitavinnu eða síldveiði, veitt orlof á öðrum tímum árs eftir því, sem nánar verður ákveðið í reglugerð, og er ríkisstjórninni með sama hætti heimilt að ákveða, að víkja skuli frá ákvæðum í upphafi greinarinnar um fleiri starfsgreinar, er nauðsynlegt þykir, að aðrar reglur gildi um.
   Aðilar geta með samkomulagi ákveðið, að orlofi skuli skipta og að það skuli veitt á öðrum tímum árs en í 1. mgr. segir.

Alþingi, 5. janúar 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr., frsm. Lárus Jóhannesson.

Brynjólfur Bjarnason. Hermann Jónasson.

## Nd. 136. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 106 23. júní 1936, um útsvör.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. rækilega og komið sér saman um að mæla með því, að það verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Á eftir a-lið 8. gr. komi nýr liður, er verði b-liður, svo hljóðandi (liðatalan breytist samkv. því):
   Ef hann hefur rekið síldarverkun eða síldarvinnslu og verzlun með þær afurðir utan heimilissveitar, og má þá ekki leggja á hann að því leyti í heimilissveit hans.
2. Á eftir 1. gr. kemur ný grein, sem verður 2. gr., svo hljóðandi:
   a. Í stað „8. gr., a—c-liðir“, í 9. gr. 1. a. laganna komi: 8. gr., a—d-liðir.
   b. Orðin „síldarkaup, síldarsala, síldarverkun eða síldarbræðsla“ í sömu lagagr. 1. lið c. falli niður.
   c. Á eftir kemur nýr stafliður, sem verður d-liður, svo hljóðandi:
      Ef útsvar er á lagt utan heimilissveitar samkv. 8. gr. b-lið, skal heimilissveit aldrei fá minna en ¼ hluta af samanlögðu útsvari þess gjaldþegns það ár.
3. 2. gr. verður 3. gr.

Alþingi, 5. janúar 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. — Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr., með fyrirvara. — Áki Jakobsson, frsm.

Gunnar Thoroddsen, með fyrirvara. — Jörundur Brynjólfsson, með fyrirvara.

## Nd. 137. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

Frá meiri hluta allsherjarnefndar.

Nefndin hefur rætt mál þetta ýtarlega, en ekki getað orðið sammála um afgreiðslu þess. Nefndin hefur leitað umsagnar utanríkismálaráðuneytisins, sem telur frv. ekki í samræmi við milliríkjasamning, er það telur enn vera í gildi. Minni hl. nefndarinnar vill afgreiða málið með rökstuddri dagskrá. Meiri hlutinn leggur til, að málið verði samþykkt með eftirtöldum

BREYTINGUM.

1. Frvgr. verður 1. gr. og orðast svo:
   9. gr. laganna orðist svo:
   Ríkisstjórninni er heimilt að setja á stofn útsölustaði áfengis, en þó aðeins í kaupstöðum og kauptúnum.
   Áður en útsala er sett á stofn, skal fara fram atkvæðagreiðsla kosningabærra manna í því sýslu- eða bæjarfélagi, sem í hlut á, og þarf meiri hluta greiddra atkvæða til þess að útsala sé leyfð.

Hafi útsala verið stofnsett, verður hún ekki lögð niður aftur, nema því aðeins, að atkvæðagreiðsla fari fram og samþykkt sé að loka áfengisútsölunni með meiri hluta atkvæða.

Atkvæðagreiðslur, sem um getur í 2. og 3. mgr., skulu fram fara, er ⅓ hluti kjósenda eða meiri hluti sýslunefndar eða bæjarstjórnar í viðkomandi sýslu- eða bæjarfélagi krefst þess.

Nú hefur verið fellt með atkvæðagreiðslu að stofna útsölu eða loka útsölu, og getur atkvæðagreiðsla þá ekki farið fram á ný, fyrr en að tveimur árum liðnum.

2. Á eftir frvgr. kemur ný gr., er verður 2. gr., svo hljóðandi:

Ríkisstjórn skal, er lög þessi hafa verið samþykkt, gera ráðstafanir til þess að segja upp milliríkjasamningum þeim, sem lög þessi kunna að brjóta í bága við, og öðlast lögin gildi, er þeir samningar hafa verið felldir úr gildi og ríkisstjórn birt um það tilkynningu.

Alþingi, 5. jan. 1943.

| Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. | Áki Jakobsson, frsm. | Jörundur Brynjólfsson. |
|---|---|---|

## Nd. 138. Nefndarálit

um frv. til l. um einkasölu á bifreiðum, bifhjólum, hjólbörðum, hjólbarðaslöngum og um úthlutun bifreiða.

Frá 2. minni hl. fjárhagsnefndar.

Undirritaður leggur til, að frv. verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Við 7. gr. Greinina skal orða svo:

Þriggja manna nefnd skal hafa með höndum, þegar ekki er hægt að fullnægja eftirspurn, úthlutun allra bifreiða, sem fluttar eru til landsins. Sameinað Alþingi kýs með hlutfallskosningu tvo menn í nefndina og tvo til vara, en hinn þriðja skipar ríkisstjórnin eftir tilnefningu bifreiðastjórafélagsins Hreyfils í Reykjavík og varamann hans eftir tilnefningu Þróttar, félags vörubifreiðastjóra í Reykjavík, og taki hann sæti í nefndinni, þegar ákveðin er úthlutun vörubifreiða. Nefndin skal fylgja þeirri reglu við úthlutun fólksflutningsbifreiða, að tveir þriðju þeirra bíla, sem fluttir eru inn árlega, fari til atvinnubílstjóra og bifreiðastöðva.

Afstaða mín til frumvarpsins mun fara eftir þeim undirtektum, er breytingartillaga þessi fær.

Alþingi, 6. jan. 1943.

Einar Olgeirsson.

## Sþ. 139. Tillaga til þingsályktunar

um raforkumálaábyrgðir í Suður-Þingeyjarsýslu.

Flm.: Jónas Jónsson.

Alþingi heimilar ríkisstjórninni að ganga í ábyrgð fyrir kr. 1200000.00 — einni milljón og tvö hundruð þúsundum króna — vegna nýrra raforkulagna frá Laxárfossum til Húsavíkur, um Reykjahverfi, Grenjaðarstaðar- og Múlatorfu og byggðina hjá Einarsstöðum og Breiðamýri í Reykjadal.

Greinargerð.

Á Alþingi því, sem háð var síðast liðið sumar, bar ég fram tillögu um ríkisábyrgð fyrir Húsavík og þéttbýlið hjá Laxárfossum. Í það sinn tók Alþingi engar ákvarðanir um raforkuábyrgðir, sennilega í þeirri von, að með raforkusjóði yrði hægt að beina öllu málinu inn á nýja braut. Ég tel sjálfsagt, að svo framarlega sem Alþingi veitir nokkra heimild um raforkumálaábyrgðir, þá verði Húsavík og þær byggðir í Suður-Þingeyjarsýslu, sem liggja svo að segja við orkuverið eða leiðslur þaðan, ekki látnar mæta afgangi.

## Sþ. 140. Tillaga til þingsályktunar

um áætlun um kostnað við raforkuveitur í Suður-Þingeyjarsýslu.

Flm.: Jónas Jónsson.

Alþingi felur ríkisstjórninni að láta kunnáttumenn gera áætlun um, hvað stofnkostnaður mundi hafa orðið sumarið 1939 við raforkuleiðslu frá Laxárfossum til allra heimila í Suður-Þingeyjarsýslu, að frátöldum Flateyjardal og Flatey á Skjálfanda. Miða skal við það, að hvert heimili hefði fengið næga raforku til ljósa, hitunar, suðu og til iðnþarfa. Enn fremur skal áætla, hve mikla stækkun og hve dýra hefði þurft að gera á Laxárvirkjuninni vegna framan greindra raforkuframkvæmda í Þingeyjarsýslu.

Greinargerð.

Á Alþingi síðast liðið sumar var raforkumáli landsmanna beint inn á nýjar brautir með þingsályktun, sem var byggð á þeirri hugsun, að ríkið yrði með tíð og tíma aðalframleiðandi raforku á Íslandi og seldi öllum heimilum raforku með lægsta framleiðsluverði þéttbýlisins. Tillaga þessi var samþykkt með öllum greiddum atkvæðum. Með því var af hálfu Alþingis mörkuð ný og merkileg stefna í málinu. Verði henni framfylgt, eins og til stendur, verður raforka með viðráðanlegu verði til sölu til heimilisþarfa hvarvetna á landinu. Myrkur og húskuldi heyrði þá til horfnum tíma. Auk þess mundi raforkan gerbreyta vinnubrögðum og heimilisháttum allra landsmanna.

Nefnd sú, sem Alþingi kaus í sumar sem leið til að gera tillögur og athugun um raforkumál, hefur nú þegar starfað allmikið, þó að ekki séu frá henni komnar opinberar skýrslur. Eitt af þeim viðfangsefnum, sem hún hefur haft með höndum, er það, hvort betur muni henta að hafa raforkuverin mörg og smá eða fá og stór og leiða orkuna um stór svæði á landinu.

Það má telja fullvíst, að víða á landinu verður að grípa til stórvirkjana. Svo er háttað á Norðurlandi. Líkur benda til, að ef fullnægja ætti allri hita- og orkuþörf

Norðlendinga bæði í byggðum og bæjum, þá mundi verða að leiða meginhluta aflsins frá Laxá í Þingeyjarsýslu. Í Húnaþingi, Skagafirði, Eyjafirði og Norður-Þingeyjarsýslu eru ekki hentug virkjunarskilyrði, ef mikils þarf með, nema í Jökulsá á Fjöllum, en sú á er ekki hentug nema fyrir virkjun vegna stóriðnaðar.

Laxá í Þingeyjarsýslu og Sogið eru þau fallvötn á Íslandi, sem auðveldast er að virkja með hóflegum tilkostnaði, og er aðstaðan frábærlega góð á báðum stöðum. Frá Laxárfossum er einkar hentugt að leiða raforku um alla Suður-Þingeyjarsýslu. Orkuverið er svo að segja á krossgötum í miðri sýslunni. Þar mætast fjórir dalir: Laxárdalur, Reykjadalur, Aðaldalur og Reykjahverfi. Raforkulínan úr Reykjahverfi liggur síðan til Húsavíkur og um Tjörnes og á sama hátt frá efstu bæjum í Laxárdal kringum Mývatn. Raforkulína Akureyrar liggur yfir Skjálfandafljót, þar sem mætast Bárðardalur og Kaldakinn, síðan um Ljósavatnsskarð og yfir miðjan Fnjóskadal, þaðan yfir Vaðlaheiði á Svalbarðsströnd. Frá þessari aðaltaug yrðu síðan lagðar orkuveitur um Bárðardal, Kinn, Fnjóskadal og eftir Svalbarðsströnd um Höfðahverfi til Grenivíkur.

Engin sýsla á landinu liggur frá náttúrunnar hendi jafnvel við rafveitu um allar byggðir og Suður-Þingeyjarsýsla. Þar sem raforkumálið er nú komið á dagskrá og stefnt að framkvæmdum í náinni framtíð, hefur mér þótt henta, að gerð væri af rafmagnseftirliti ríkisins yfirlitsáætlun um, hve mikið mundi hafa kostað rétt fyrir stríðið að byrgja þessa sýslu með rafmagni eins og frekast var þörf til. Af þeirri athugun geta menn annars staðar á landinu gert sér nokkra grein fyrir kostnaði við slíkar veitur um heil byggðarlög.

Um eina af þeim sveitum, sem hér ræðir um, Mývatnssveitina, má segja, að það hefði alveg sérstaka þýðingu, ef unnt væri sem allra fyrst að leiða raforku á öll heimili. Unga fólkið vill ekki fara burt úr sveitinni, en ræktunarskilyrði eru þar víðast hvar mjög erfið. Hins vegar er ekki annað sýnilegt en að margbreyttur iðnaður mundi rísa upp við Mývatn, ef þar væri fáanleg raforka á öllum heimilum. Tækist að efna til iðnrekstrar á heimilum í einni sveit, mundi því fordæmi fylgt víðar, eftir því sem raforkan kæmi til fleiri héraða. Með því móti mætti létta á öðrum stöðum hér á landi, þar sem fólk hefur þyrpzt saman án þess að nægileg atvinnuskilyrði væru fyrir hendi.

## Ed. 141. Tillaga til þingsályktunar

um heimildasöfnun frá útlöndum um framlög úr ríkissjóði í nokkrum löndum til skálda og listamanna.

Flm.: Jónas Jónsson.

Efri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að útvega sem allra fyrst áreiðanlegar skýrslur frá Noregi, Svíþjóð, Danmörku, Englandi, Bandaríkjunum og Kanada um eftirfarandi atriði:

1. Hve mikið fé veitti hvert af þjóðþingum þessara ríkja ákveðnum skáldum og listamönnum í fjárlögum ársins 1939, og hve margir urðu þvílíkrar aðhlynningar aðnjótandi í hverju þessara landa?
2. Eru í þessum löndum ákveðin stéttarfélög skálda og listamanna, sem gera kröfur til ríkissjóðanna um föst laun handa félagsmönnum?
3. Má segja, að stéttarfélög skálda og listamanna í þessum löndum hafi pólitíska umboðsmenn frá félagsdeildum, sem hafi lagalegt vald til að fyrirskipa persónuleg útgjöld af almannafé til einstaklinga í félögunum?

Greinargerð.

Tillaga þessi er fram borin til þess, að Alþingi geti sem allra fyrst, fyrir milligöngu ríkisstjórnarinnar, fengið áreiðanlega vitneskju um það, hversu mikið fé var veitt í nokkrum löndum úr ríkissjóði sem persónuframlag til skálda og listamanna síðasta friðarárið. Jafnframt er ástæða til að vita með fullri vissu, hvort listamenn og skáld í þessum löndum hafa myndað með sér kaupkröfufélagsskap í því skyni að tryggja með þeim hætti framlög af almannafé, meira en annars væri kostur á að fá. Í þriðja lagi gæti skipt máli að vita með fullri vissu, hvort sá siður tíðkast í þessum löndum, að félög skálda og listamanna hafi fasta fulltrúa hjá fjárveitingarvaldinu til að tryggja með því meiri ríkissjóðsgreiðslur sér til handa. Í Rússlandi var það mikill siður, þar til fyrir nokkrum mánuðum, að bolsévikaflokkurinn hafði umboðsmenn í hernum, hjá herforingjunum, til að tryggja það, að foringjarnir tækju nægilega mikið tillit til flokksviljans. Eftir að her Þjóðverja hafði unnið af Rússum mikið af beztu héruðum landsins, með 60 milljónum íbúa, neyddist einvaldsstjórnin til að kalla heim þessa „aftursætabílstjóra“ úr hernum. Hefur Rússum vegnað til muna betur í stríðinu síðan þessu yfireftirliti stjórnarflokksins var létt af. Nú hefur af hálfu þess þingflokks hér á landi, sem sækir mjög fyrirmyndir sínar til Rússa, verið borið fram frumv., sem gengur í sömu átt og hið rússneska eftirlit með herforingjum rauða hersins. Alþingi hefur um nokkurra ára skeið falið þingkosinni nefnd að úthluta allmiklu fé úr ríkissjóði milli manna, sem fást við skáldskap og listir með mismunandi árangri. Uppbótarþingmaður úr þessum flokki flytur frumv. um skipun nokkurs konar „kommissjonera“ frá stéttarfélagi, sem kennir sig við listir og skáldskap. Tilgangurinn er hinn sami og í Rússlandi. Utanaðkomandi menn eiga að koma og segja nefnd, sem Alþingi kýs, fyrir verkum, alveg eins og pólitískir trúnaðarmenn bolsévika áttu að stjórna herforingjunum.

Óhætt mun að fullyrða, að ekkert af þeim löndum, sem nefnd eru í framanskráðri þingsályktunartillögu, veitir nándar nærri eins mikið fé, miðað við auð og fólksfjölda, til manna, sem fást við skáldskap og listiðju, eins og Íslendingar. Sömuleiðis er ósennilegt, að viðtakendur þvílíks fjár hafi tekið sér fyrir hendur að mynda kaupkröfufélag móti ríkissjóði þjóðar sinnar, nema á Íslandi. Að síðustu má telja það fullvíst, að hvergi nema í Rússlandi þekkist sá siður, sem nú er talað um að koma á hér á landi, að sérstakir umboðsmenn styrkþiggjenda fái húsbóndavald yfir Alþingi um fjárveitingar. En þar sem öll þessi atriði eru um deild, en hins vegar auðvelt fyrir ríkisstjórnina að fá þessa vitneskju frá sendimönnum erlendra ríkja hér á landi, eða fyrir milligöngu íslenzkra sendimanna erlendis, þá er þessu máli beint til ríkisstjórnarinnar.

Mér þykir rétt að nota þetta tækifæri til að sýna bæði alþingismönnum og öðrum borgurum, hversu menntamálaráð hefur skipt ríkisfé, er heimilað var til skálda og listamanna. Er þar tekið til samanburðar árið 1939, þegar Alþingi skipti sjálft fénu, við síðustu úthlutun menntamálaráðs, 1942. Kemur þá í ljós, að nefndarúthlutunin hefur náð til fleiri hinna þekktustu manna og ekki ósjaldan orðið ríflegri heldur en tíðkaðist áður fyrr. Sýnir samanburðurinn þetta mjög glögglega. Á þessum árum hefur Halldór Kiljan fallið út af „línunni“. Telur hann sig hafa fengið of lítið, skilað aftur fénu og lýst hátíðlega yfir, að hann vildi ekki þiggja fé úr ríkissjóði að óbreyttum kringumstæðum. Áður en kom til algerðrar neitunar frá hans hálfu, sendi hann styrk sinn aftur til menntamálaráðs. Var því fé þá skipt milli nokkurra listamanna og rithöfunda. Fékk Þórbergur Þórðarson fjórða hluta fjárins og þótti ekki óbragð að. Kommúnistar munu þó hafa áfellt Þórberg fyrir að taka á móti brauði Laxness, því að árið eftir gaf hann mér 25% af sínu ritfé, en ég afhenti sjóðinn biskupi handa Hallgrímskirkju, með ósk um, að prestar safnaðarins biðji fyrir sál Þórbergs Þórðarsonar.

Fylgiskjal.

**Veiting styrkja til listamanna, skálda, rithöfunda og vísindamanna á fundi Menntamálaráðs Íslands þann 30. des. 1941.**

(Aftan við nöfn viðtakenda er í svigum tala, sem sýnir framlag til hans á fjárl. 1939.)

**Kr. 3000 hlutu:**

Ásgrímur Jónsson, listmálari (3000).
Ásmundur Sveinsson, myndhöggvari (3000).
Davíð Stefánsson, skáld (2400).
Guðmundur Friðjónsson, skáld (1800).
Guðmundur Hagalín, skáld (2400).
Gunnar Gunnarsson, skáld (ekkert).
Guðmundur Kamban, skáld (1800).
Kristmann Guðmundsson, skáld (1800).
Jón Stefánsson, listmálari (3000).
Jóhannes Kjarval, listmálari (ekkert).
Ríkarður Jónsson, myndhöggvari (3000).
Tómas Guðmundsson, skáld (1000).

**Kr. 2400 hlutu:**

Jón Leifs, tónskáld (2500).
Magnús Ásgeirsson, skáld (2500).

**Kr. 1800 hlutu:**

Gunnlaugur Blöndal, listmálari (1200).
Finnur Jónsson, listmálari (ekkert).
Jakob Thorarensen, skáld (1800).
Jóhannes úr Kötlum, skáld (2000).
Magnús Stefánsson, skáld (1000).
Þórbergur Þórðarson, rithöfundur (2500).
Þorkell Jóhannesson, dr. phil. (1500).

**Kr. 1600 hlaut:**

Skúli Þórðarson, sagnfræðingur (ekkert).

**Kr. 1200 hlutu:**

Steinn Dofri, ættfræðingur (1000).
Hallgrímur Helgason, tónskáld (ekkert).

**Kr. 1000 hlutu:**

Elinborg Lárusdóttir, skáldkona (800).
Guðmundur Daníelsson, skáld (ekkert).
Jón Magnússon, skáld (1000).
Kristín Sigfúsdóttir, skáldkona (1000).
Kristján Albertsson, rithöfundur (1000).
Leifur Ásgeirsson, skólastjóri (1000).
Pétur Á. Jónsson, óperusöngvari (ekkert).
Indriði Þorkelsson, skáld (500).
Theódór Friðriksson, rithöfundur (1500).
Sigurður Jónsson, skáld, Arnarvatni (1000).

Unnur Bjarklind, skáldkona (1000).
Þorkell Þorkelsson, dr. (1000).
Guðmundur Böðvarsson, skáld (ekkert).
Guðmundur Ingi Kristjánsson, skáld (ekkert).
Þórunn Magnúsdóttir, skáldkona (ekkert).
Steinn Steinarr, skáld (ekkert).
Guðfinna Jónsdóttir, skáldkona (ekkert).
Sigvaldi Kaldalóns, tónskáld (ekkert).
Björgvin Guðmundsson, tónskáld (ekkert).
Margeir Jónsson, fræðimaður (500).
Karl Ó. Runólfsson, tónskáld (ekkert).

**Kr. 800 hlutu:**

Björn Guðfinnsson, mag. art. (ekkert).
Eiríkur Albertsson, dr. theol. (ekkert).
Guðni Jónsson, mag. art. (ekkert).
Einar Ól. Sveinsson, dr. (ekkert).
Sigurður Skagfield, söngvari (1200).
Kristinn Pétursson, listmálari (1000).
Eggert Stefánsson, söngvari (1200).
Guðbrandur Jónsson, próf. (1800).

**Kr. 600 hlaut:**

Sig. Júl. Jóhannesson, skáld, Winnipeg (ekkert).

**Kr. 500 hlutu:**

Guðmundur Davíðsson, rithöf. (500).
Jóhann Kúld, rithöf. (ekkert).
Jóhann Sveinsson, cand. mag. (500).
Jón Þorsteinsson, Arnarvatni (500).
Sigurjón Friðjónsson, skáld (1000).
Kristleifur Þorsteinsson, fræðimaður (500).
Svafa Jónsdóttir, leikkona (ekkert).
Halldór Helgason, skáld (400).

**Kr. 300 hlutu:**

Guðmundur Kristinsson, myndskeri (300).
Þorsteinn Bjarnason, fræðimaður (300).

## Ed. 142. Frumvarp til laga

um breyting á hafnarlögum fyrir Húsavík, nr. 38 19. júní 1933.

Flm.: Jónas Jónsson.

1. gr.

1. gr. laganna skal orða svo:

Til hafnargerðar á Húsavík veitast úr ríkissjóði $^2/_5$ kostnaðar, eftir áætlun, sem ríkisstjórnin hefur samþykkt, þegar fé er veitt til þess í fjárlögum, allt að kr. 1000000.00 — einni milljón króna —, gegn $^3/_5$ hlutum frá hafnarsjóði Húsavíkur.

2. gr.

Upphaf 2. gr. laganna skal orða svo:

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að kr. 2100000.00 — tveggja milljóna og eitt hundrað þúsund króna — lán.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Húsavík fékk sín hafnarlög árið 1933. Var þá þegar hafizt handa um framkvæmdir og gerð mikil bryggja fram á víkina. Er það mikið mannvirki, sem hefur gerbreytt til bóta allri aðstöðu við uppskipun á Húsavík og getur auk þess verið skjólgarður móti sunnan- og suðvestanátt, þegar byggður hefur verið hafnargarður norðvestan við væntanlega báta- og skipalegu.

Húsavíkurbryggjan hefur kostað um hálfa milljón króna, og er kauptúnið að vonum í allmikilli skuld fyrir sínu framlagi. En engu að síður er hinn mesti áhugi fyrir því að fá reistan skjólgarð með bryggju til að loka höfninni móti verstu veðraáttinni. Vonir Þingeyinga hafa glæðzt í þessu efni við það, að stjórn síldarverksmiðja ríkisins telur Húsavík einn hinn bezta stað á landinu fyrir síldarbræðslustöð og hefur gert samning þar að lútandi við stjórn Húsavíkurhrepps. Er sá samningur birtur hér sem fylgiskjal með frumvarpinu.

Húsavíkurhöfn er nú sem stendur lík þeirri hlöðu á sveitabæ, þar sem veggir eru fullgerðir, en vantar þakið. Bryggjan nýgerða er til mikils léttis við afgreiðslu báta og skipa. En fiskiflota Húsvíkinga vantar skjól, og á vetrum verða Húsvíkingar að flytja þá báta, sem ekki er auðvelt að draga á land, til Akureyrar, af því að á sjálfri höfninni eru þeir í stöðugri hættu, þegar fárviðri geisa. Af þessum ástæðum getur útvegur á Húsavík ekki vaxið, svo að heitið geti, nema skjólgarður verði byggður úr Höfðanum norðan við höfnina, eftir skerjaklasa norðvestanvert við skipa- og bátaleguna. Er það hin bezta undirstaða. En skjólgarðurinn þarf að liggja nokkuð lengra fram á dýpið, og er það dýrasti hluti verksins.

Vitamálastjóri telur að vonum erfitt, eins og verðlag er hvikult á efni og vinnu, að gera örugga áætlun um kostnað við þetta mannvirki, en álítur þó vonlaust að gera ráð fyrir minni tilkostnaði en 2 milljónum króna við þennan hafnargarð, og er frv. þetta byggt á því að hækka hin eldri hafnarlög sem því svarar. Mundu Húsvíkingar vilja byrja bryggjugerðina á sumri komanda, ef þess væri nokkur kostur. En til þess þarf að fá samþykkta þá breytingu á hinum eldri hafnarlögum og auk þess framlag frá ríkinu til framkvæmdanna.

Þegar búið er að reisa þennan skjólvegg fyrir skipalegu Húsvíkinga, eru öll skilyrði fyrir hendi til þess, að kauptúnið verði mikill útvegsstaður og að þar verði reist ein af stærstu síldarbræðslum landsins. Ræktunarskilyrði eru betri á Húsavík en við flesta kaupstaði landsins. Má óhætt fullyrða, að Húsavík gæti tekið á móti miklu af nýjum landnemum, auk þeirra, sem fyrir eru, ef unnt er að bæta úr skjólleysi hafnarinnar.

Meðfylgjandi bréf sýna, hversu Húsvíkingar hafa tryggt hafnarmálaframkvæmd sína með samningum við stjórn síldarverksmiðja ríkisins.

**Fylgiskjal.**

**Endurrit úr gerðabók hafnarnefndar Húsavíkurhrepps, 29. og 30. júlí 1942.**

Ár 1942, miðvikudaginn 29. júlí, hélt hafnarnefnd Húsavíkur fund. Mættir voru hafnarnefndarmennirnir: Júlíus Havsteen, Sigurður Jónsson og Þorsteinn Gunnarsson. Enn fremur voru mættir oddviti Karl Kristjánsson og varaoddviti Einar

Guðjohnsen. Fundur þessi var haldinn til viðræðu við stjórn síldarverksmiðja ríkisins. Mætti hún á fundinum: Þormóður Eyjólfsson, Sveinn Benediktsson og Þorsteinn M. Jónsson — en það er meiri hluti stjórnarinnar. Auk þess mætti framkvæmdarstjóri verksmiðjanna, Jón Gunnarsson.

Á fundinum gerðist:

1. Rætt um byggingu síldarverksmiðju í Húsavík, og athuguðu fundarmenn aðstöðu þar. Eftir alllangt fundarhald og umræður lýstu fulltrúar síldarverksmiðja ríkisins yfir eftirfarandi:
   a. Síldarverksmiðjur ríkisins eru skuldbundnar til þess að reisa 10 þús. mála síldarverksmiðju í Húsavík strax og Húsavíkurhreppur hefur látið byggja hafnargarð suður frá Húsavíkurhöfða, svo langan og fullkominn, að hann veiti minnst 60 metra legukant fyrir skip, og við kantinn sé minnst 6 m. dýpi.

      Jafnframt skuldbinda fulltrúarnir stjórn síldarverksmiðja ríkisins til þess að vinna að því við Alþingi og stjórnarvöld landsins, að hreppurinn fái samþykki þessara aðila til þessarar framkvæmdar, svo og að leggja lið við lánsútvegun.
   b. Síldarverksmiðjurnar séu skuldbundnar til þess að standa straum af greiðslu á ¾ hlutum vaxta af skuldum þeim, sem hvíla á fyrirtækinu þann tíma, sem dragast kynni að síldarverksmiðjan tæki til starfa eftir að hafnargarðurinn er svo upp kominn, að hann veiti nothæfa aðstöðu.

   Framanritaðar yfirlýsingar eru þó gefnar að því tilskildu:
   a. Að Alþingi heimili byggingu síldarverksmiðjunnar og ríkisstjórn samþykki bygginguna.
   b. Að Húsavíkurhreppur leggi til ókeypis lóð fyrir síldarverksmiðjuna upp af hafnargarðinum. Takmarkast lóðin að norðan af beinni línu frá sjávarbakka eftir ytri jaðri íþróttavallar, en að austan aftur á móti af línu ca. 25 m. vestan við og samhliða Höfðavegi. Þó má lóðin skerðast í norðausturhorni um þríhyrning, og sé norðurhlið hans ca. 50 m. og austurhlið ca. 120 m. Öll sé lóðin ca. 50 þús. fermetrar.

   Hafnarnefndin lýsti yfir því, að hún mæli með því við hreppsnefnd Húsavíkurhrepps, að ráðizt verði í byggingu hafnargarðsins og að öðru leyti orðið við framanrituðu tilboði stjórnarinnar og skilyrðum.

   Fundargerð lesin og samþykkt. – Fundi slitið.

| | | |
|---|---|---|
| Sigurður Jónsson. | Júl. Havsteen. | Þorsteinn Gunnarsson. |
| Karl Kristjánsson. | Einar Guðjohnsen. | Þormóður Eyjólfsson. |
| Sveinn Benediktsson. | J. Gunnarsson. | Þorsteinn M. Jónsson. |

Ár 1942, fimmtudaginn 30. júlí, hélt hafnarnefndin fund.

Mættir voru, auk formannsins, hafnarnefndarmennirnir Sigurður Jónsson og Þorsteinn Gunnarsson.

Þetta gerðist á fundinum:

1. a. Í framhaldi fundarins í gær um hafnargarð suður af Húsavíkurhöfða og byggingu 10 þúsund mála síldarverksmiðju á Höfðanum, vill hafnarnefndin leggja svo hljóðandi tillögu eða bókun f. hreppsnefnd Húsavíkurhrepps til samþ.: „Þar eð meiri hluti stjórnar síldarverksmiðja ríkisins hefur á fundi hafnarnefndar Húsavíkurhrepps í gær lýst yfir því, að reist verði 10 þúsund mála síldarverksmiðja í Húsavík (á Höfðanum) strax og Húsavíkurhreppur hefur látið byggja hafnargarð suður frá Húsavíkurhöfða, svo langan og fullkominn, að hann veiti minnst 60 metra legukant fyrir skip, og að við kantinn sé minnst 6 metra dýpi, fellst hreppsnefndin á og samþykkir, að ráðizt sé í byggingu þessa hafnargarðs.

Jafnframt felur hreppsnefndin oddvita sínum og hafnarnefnd formanni sínum að fara þess á leit við vitamálaskrifstofuna, að sem fyrst sé gerð ýtarleg og nákvæm áætlun um kostnaðinn við umræddan hafnargarð með hliðsjón af uppdrætti þeim og bráðabirgðaáætlun þeirri, sem gerð var af garðinum 1935 í desember, sbr. uppdr. B. nr. 362. — Einnig er þeim falið að fara þess á leit við ríkisstjórnina, að hún leyfi, að þetta mannvirki sé gert og að ríkissjóður greiði ⅖ kostnaðarins við það og ábyrgist lán þau, sem hafnarsjóður Húsavíkur þarf að fá til þess að standa straum af ⅗ kostnaðarins, og sé einnig fengin bakábyrgð sýslunefndar Suður-Þingeyjarsýslu, sbr. l. nr. 38/1933, um hafnargerð í Húsavík.

b. Þá fallist og hreppsnefnd Húsavíkurhrepps á að afhenda ókeypis lóð undir síldarverksmiðjuna, eins og tilskilið er af síldarverksmiðjustjórninni á fundi í gær, sbr. atr. b. í fyrirvara stjórnarinnar.

c. Hafnarnefndin gefur formanni sínum hér með fullt umboð til þess, bindandi fyrir hafnarsjóð Húsavíkurhrepps, að taka nauðsynleg lán til þess að koma fram hafnargarðinum og leggur til, að hreppsnefndin gefi honum og oddvita sínum sams konar umboð.

Hafnarnefndin tekur fram, að framanskráðar tillögur eru gerðar í trausti þess, að verkið reynist ekki óframkvæmanlegt sökum þess kostnaðar, sem samfara er núverandi og yfirvofandi dýrtíð.

---

Frekara ekki tekið fyrir.
Fundi slitið.

Sigurður Jónsson. Þorsteinn Gunnarsson. Júl. Havsteen.

Rétt eftirrit vottar:

Júl. Havsteen.

## Nd. 143. Frumvarp til laga

um viðauka við lög nr. 106 8. sept. 1941, um húsaleigu.

Flm.: Lúðvík Jósefsson.

1. gr.

Öll ákvæði húsaleigulaganna, nr. 106 8. sept. 1941, um húsnæði, gilda einnig um leigu eftir verbúðir, þ. e. leigu eftir bryggjur, palla, sjómannabústaði og sjóhús.

2. gr.

Hafi leiga eftir verbúðir verið greidd með aflahlut, getur leigutaki krafizt mats á leigunni, og skal þá ákveða leiguna fast gjald og með tilliti til þess, að leigan hækki ekki nema sem svarar hækkun almennrar húsaleigu.

Óheimilt er leigusala að áskilja sér nokkur fríðindi auk leigugjaldsins.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Eins og kunnugt er, þá hefur dýrtíðarflóðið og verðbólgan skollið hvað þyngst yfir smáútgerðarmenn og sjómenn. Hver útgjaldaliður útgerðarinnar af öðrum hefur farið síhækkandi, en fiskverðið hefur hins vegar verið fastbundið með samningi. Af-

leiðingar þessa hafa þegar orðið þær, að smáútgerðin á orðið erfitt með eðlilegan rekstur. Einn af þeim útgjaldaliðum útgerðarinnar, sem farið hefur allmjög hækkandi sums staðar á landinu, er leiga eftir verstöðvar. Verstöðvaeigendur hafa sumir hverjir notað óspart aðstöðu sína og selt afnotarétt stöðvanna á okurverði. Okur þetta kemur svo sameiginlega niður á útgerðarmönnum og sjómönnum, sem almennt greiða af óskiptum afla leigu eftir verstöðvarnar.

Það mun að vísu vera rétt, að leiga eftir útgerðaraðstöðu hefur verið mjög misjöfn á hinum ýmsu stöðum, og í einstökum tilfellum má segja, að leigan hafi verið sanngjörn. En á öðrum stöðum hefur aftur á móti alveg keyrt um þverbak. Sem dæmi þar um vil ég taka Hornafjörð. Á Hornafirði er eina vetrarvertíðarstöðin á öllu Austurlandi. Þangað sækir því meginhluti austfirzkra báta á hverjum vetri. Kaupfélagið á staðnum á verbúðirnar og hefur tekið ákveðinn aflahlut í leigu. Húsaleiga fyrir beitingahús og sjómannaíbúðir hefur verið 5% af brúttóaflasölu. Auk þess hefur hver bátur greitt 1½ skp. í ljósagjald. Auk þessa áskildi kaupfélagið sér að annast alla sölu aflans og njóta fyrir það ekki minna en 3% í umboðslaun, sem fiskflutningaskipin borga. Stærstu bátarnir, sem þarna gerðu út síðast liðna vetrarvertíð, greiddu í húsaleigu og ljós um 8000 kr., auk þess hefur kaupfélagið fengið í umboðsþóknun vegna sölu á afla hvers þessa báts um 5000 kr. Ef þessar tölur eru bornar saman við leigu á verplássum í Sandgerði s. l. vetur, þá sést bezt, að hér hefur fram farið hið herfilegasta okur. Í Sandgerði greiddi hver bátur fast gjald, 2400 kr., fyrir húsnæði ásamt ljósi, og er húsnæðið þó í Sandgerði mun meira, þar sem þar fylgir með söltunarpláss.

Með frumvarpi þessu er ætlað að reyna að koma í veg fyrir óeðlilega háa leigu verbúða, og virðist þá eðlilegast að láta leigu á þeim fylgja leigu annars húsnæðis og leyfa ekki aðra hækkun en þá, sem stafar af hækkandi viðhaldskostnaði.

## Nd. 144. Frumvarp til laga

um eignarnámsheimild handa Neskaupstað á jörðinni Nesi í Norðfirði.

Flm.: Lúðvík Jósefsson.

1. gr.

Bæjarstjórn Neskaupstaðar er heimilt að taka eignarnámi þann hluta jarðarinnar Ness í Norðfirði, sem ekki er þegar í eigu bæjarins.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Flestir kaupstaðir landsins munu nú orðið eiga land það, er bæirnir eru byggðir á, og með lögum um jarðakaup ríkisins vegna kauptúna og sjávarþorpa frá 1941 hefur Alþingi einnig ákveðið að stefna að því, að kauptún öll eignist allar lóðir og lendur innan sinna umdæma.

Neskaupstaður er einn þeirra kaupstaða, sem enn þá ræður ekki yfir bæjarlandi sínu. Kaupstaðurinn er byggður í svo nefndu Neslandi, sem er um 29 hundruð að stærð. Af því á bæjarfélagið nú um 18 hundruð, í óskiptu landi, en um 11 hundruð eru í eigu 6—7 manna. Þessir fáu landeigendur ráða algerlega útlánum og leigukjörum á bæjarlandinu og njóta í ýmsu sérstakra hlunninda, sem þeir sjálfir veita sér.

Langur rökstuðningur fyrir þörf og réttmæti þess, að bæjarstjórnir ráði að fullu yfir landi bæjanna, er óþarfur. Sú röksemd ein skal nefnd hér, að bæjarfélögin og eins ríkið auka verðmæti lóða og lendna í kaupstöðum með margvíslegum fram-

kvæmdum, og sjá allir, hve óeðlilegt er, að einstaklingar skuli njóta þeirra verðhækkana lóðanna, sem þannig verða til.

Hið háa verð lóðanna, sem hið opinbera hefur á þennan hátt skapað, verður síðan beinlínis fjötur um fót bæjarfélaganna við ýmiss konar nauðsynlegar framkvæmdir á bæjarlandinu.

Frumvarp þetta er flutt samkvæmt beiðni bæjarstjórnar Neskaupstaðar, sem hefur æ ofan í æ rekið sig á vandkvæði þess að ráða ekki yfir landi því, er bærinn er byggður á.

## Nd. 145. Frumvarp til laga

um útgáfurétt að uppdráttum af Íslandi.

Frá menntamálanefnd.

1. gr.

Kennslumálaráðuneytið skal hafa einkarétt til að gefa út uppdrætti, sem ætlaðir eru til sölu sérstakir, af landinu öllu eða einstökum hlutum þess.

Undanskildir ákvæðum 1. mgr. eru þó uppdrættir, sem út eru gefnir í sérstöku vísindalegu skyni, svo sem sögulegir uppdrættir, jarðfræðiuppdrættir og aðrir þess konar uppdrættir.

2. gr.

Einkarétt þann, sem um ræðir í 1. gr., er ráðuneytinu heimilt að afhenda sérstökum stofnunum um allt að 10 ára tímabil í senn.

Skal í samningi um útgáfuréttinn tryggja, að tilhögun útgáfunnar verði sem heppilegust og uppdrættir allir vandaðir að gerð.

Skylt er þeim, er slíkan einkarétt fær, að sjá um, að uppdrættir þeir, er hann hefur fengið einkarétt til útgáfu á, séu jafnan fáanlegir til kaups, og skal söluverð þeirra ákveðið með samþykki ráðuneytisins.

3. gr.

Sá, sem gefur út uppdrætti eða flytur hingað til lands uppdrætti, sem gefnir hafa verið út erlendis, án heimildar samkvæmt þessum lögum, í þeim tilgangi að hafa þá á boðstólum hér á landi, svo og sá, sem vísvitandi hefur útsölu á uppdráttum, sem gefnir hafa verið út hér á landi eða fluttir hingað gegn ákvæðum þessara laga, skal sæta 20—1000 kr. sektum og greiði þeim, sem misboðið er, fullar bætur fyrir allt það tjón, sem leitt hefur af broti hans. Uppdrættir, sem út hafa verið gefnir gegn ákvæðum laga þessara, skulu gerðir upptækir, svo og áhöld þau, sem notuð hafa verið til þess að drýgja brot gegn lögum þessum, svo sem plötur, mót o. þ. h. Sama gildir eftir því, sem við verður komið, um þá uppdrætti, sem innfluttir hafa verið án heimildar.

4. gr.

Mál út af brotum gegn lögum þessum skulu sæta meðferð opinberra lögreglumála.

5. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

### Greinargerð.

Menntamálanefnd Nd. flytur frv. þetta eftir ósk vegamálastjóra, og fylgdu því frá honum svo hljóðandi athugasemdir og skýringar:

Þar sem nú er lokið mælingum Íslands, er danska landmælingastofnunin hefur unnið að síðan laust eftir aldamót, er unnt að gera fullkomna uppdrætti af

öllu landinu. Er augljóst, að mjög er þörf uppdrátta af ýmsri gerð bæði af öllu landinu og einstökum landshlutum, Frumrit af öllum mælingum og uppdráttum eru geymd hjá greindri stofnun, og er mér kunnugt um, að hún telur heimildir þessar eign Íslands, enda hefur stofnunin annazt þetta starf fyrir Íslands hönd.

Enn eru ekki til hér á landi nauðsynlegar vélar og tæki til að prenta landsuppdrætti. Hefur verið litið svo á, að sjálfsagt væri og eðlilegt, að danska mælingastofnunin annaðist prentun uppdráttanna meðan svo er. Hins vegar væri það eðlileg þróun þessara mála, að öll heimildarrit yrðu afhent hingað þegar er við yrðum færir um að notfæra þau og halda áfram nauðsynlegu mælingastarfi.

Meðan núverandi ófriðarástand helzt, höfum við því ekki aðgang að öðrum heimildum til útgáfu nýrra uppdrátta en uppdráttum, er þegar hafa verið prentaðir, og ljósmyndum af frumdráttum, sem geymdar eru á vegamálaskrifstofunni, en ég hef undanfarin 12 ár farið með þessi mál fyrir hönd ráðuneytisins.

Uppdrættir þessir allir njóta verndar laga nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt, sbr. lög nr. 11 22. okt. 1912, um breytingu á fyrr greindum lögum, og má því ekki endurprenta þá í sama mælikvarða eða öðrum eða nota til þess að gera eftir þeim aðra uppdrætti, nema með leyfi eiganda, sem hér er íslenzka ríkið.

Þetta mun þó ekki vera öllum ljóst, og enda nægir ekki til þess að tryggja það, að ekki séu gefnir út og seldir hér á landi óvandaðir og óheppilegir uppdrættir. Síðan landið var hernumið, hafa allir uppdrættir gengið mjög til þurrðar og mega nú heita ófáanlegir. Var því í fyrra vetur tekið það ráð að teikna í landmælingadeild vegamálaskrifstofunnar og undirbúa til prentunar hentugan yfirlitsuppdrátt. Voru teikningarnar sendar til Washington, og er uppdrátturinn væntanlegur bráðlega úr prentun þaðan, en amerikönsk stjórnarskrifstofa tók góðfúslega að sér að annast prentun. Mjög er þörf að endurprenta þá uppdrætti, sem útseldir eru, svo og að gefa út fleiri nýja heildaruppdrætti.

Til þess að eiga ekki framkvæmd þessarar útgáfu undir öðrum, eða jafnvel hinum og þessum útgefendum erlendum, sem erfitt yrði að hafa eftirlit með, meðal annars um nafnsetningu, sem eðlilegast er að fela örnefnanefnd umsjón með, þykir eðlilegast að setja sérstök lög um útgáfu uppdrátta af Íslandi. Má geta þess, að t. d. í Danmörku hefur landmælingastofnunin ein rétt til útgáfu uppdrátta af Danmörku.

Frumvarp það, er hér liggur fyrir, er samið af próf. Ólafi Lárussyni og vegamálastjóra. Einstakar greinar þess þykja ekki þurfa frekari skýringa.

## Nd. 146. Frumvarp til laga

um stofnun embættis háskólabókavarðar við Háskóla Íslands.

Frá *menntamálanefnd.*

1. gr.

Við Háskóla Íslands skal stofna embætti háskólabókavarðar. Menntamálaráðherra veitir embættið samkvæmt tillögum háskólaráðs.

2. gr.

Háskólabókavörður skal njóta sömu launakjara sem prófessorar við Háskóla Íslands.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Rektor Háskóla Íslands hefur ritað menntamálanefnd svofellt bréf, dags. 6. jan. þ. á.:

„Hér með leyfi ég mér fyrir hönd háskólaráðs að fara fram á það við háttvirta menntamálanefnd neðri deildar, að hún flytji frumvarp þess efnis, að háskólabókavarðarstarfið verði gert að föstu embætti við háskólann, er veitt sé samkvæmt tillögum háskólaráðs.“

Menntamálanefnd vill fúslega verða við þessum tilmælum og tekur fram eftirfarandi atriði til skýringar og rökstuðnings:

Þegar háskólinn flutti í hina nýju byggingu, varð unnt að setja á einn stað allan bókakost hans, og var hann allmikill, eða um 30 þús. bindi. Hér við bættist svo bókasafn dr. Benedikts S. Þórarinssonar, sem hann gaf háskólanum. Í lögum nr. 33 27. júní 1941 var svo fyrir mælt, að háskólabókasafnið skyldi fá eitt eintak af öllu því, sem prentað er á Íslandi. Var bókasafnið þegar í upphafi svo umfangsmikið, að ekki varð hjá því komizt að hafa sérstakan mann til að annast vörzlu þess. Þetta hefur bæði háskólaráði, ríkisstjórn og Alþingi verið ljóst, og hefur sérstakur bókavörður, dr. phil. Einar Ól. Sveinsson, verið starfandi við safnið síðan um haustið 1940. Ákveðin upphæð í þessu skyni hefur verið veitt í fjárlögum fyrir 1941 og 1942 og í fjárlagafrumvörpum frá síðasta ári. Á þessa upphæð, 6000 kr., hefur að sjálfsögðu verið greidd verðlagsuppbót.

Það er ástæðulaust að hafa þetta nauðsynlega starf lengur þannig í lausu lofti, að það sé ekki lögfest. Samþykkt þessa frv. hefur sáralítil aukin útgjöld í för með sér frá því, sem nú er.

Einn nefndarmanna, Páll Þorst., áskilur sér rétt til að flytja eða fylgja brtt.

## Nd. 147. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 100 14. maí 1940, um skógrækt.

Frá landbúnaðarnefnd.

Við 1. gr. Fyrir orðin „enda liggi fyrir fjárveitinganefnd“ komi: enda liggi fyrir Alþingi.

## Ed. 148. Frumvarp til laga

um breytingar á og viðauka við lög nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

Flm.: Haraldur Guðmundsson, Guðmundur Í. Guðmundsson.

1. gr.

Auk þeirra örorkubóta, sem ákveðnar eru í 10. gr. laga nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar, skal greiða kr. 22000.00 fyrir fulla örorku og hlutfallslega lægra fyrir minni örorku. Örorkubætur þessar greiðast ekki fyrir minni örorku en 5%. Örorkubætur samkvæmt þessum lögum má greiða sem árlegan lífeyri, ef örorkan er metin 50% eða meiri.

2. gr.

Auk þeirra dánarbóta, sem ákveðnar eru í 11. gr. fyrrnefndra laga, greiðast dánarbætur samkvæmt eftirfylgjandi töflu:

| | Ekkja (ekkill) | Börn innan 16 ára | Foreldrar | Samt. |
|---|---|---|---|---|
| Ekkja (ekkill) | 12000 | „ | „ | 12000 |
| — með 1 barn | 12000 | 5000 | „ | 17000 |
| — með 2 börn eða fleiri | 12000 | 9000 | „ | 21000 |
| — og foreldri(ar) | 12000 | „ | 9000 | 21000 |
| — foreldri og 1 barn | 12000 | 5000 | 4000 | 21000 |
| — foreldri og 2 börn eða fleiri | 12000 | 6000 | 3000 | 21000 |
| — foreldrar og 1 barn | 12000 | 3000 | 6000 | 21000 |
| — foreldrar og 2 börn eða fleiri | 12000 | 5000 | 4000 | 21000 |
| 1 barn | „ | 12000 | „ | 12000 |
| 2 börn | „ | 17000 | „ | 17000 |
| 3 börn eða fleiri | „ | 21000 | „ | 21000 |
| 1 barn og foreldri(ar) | „ | 12000 | 9000 | 21000 |
| 2 börn eða fleiri og foreldri(ar) | „ | 17000 | 4000 | 21000 |
| Foreldri(ar) | „ | „ | 12000 | 12000 |

Börn hljóta því aðeins bætur, að þau hafi verið á framfæri hins látna, eða ef þau falla undir ákvæði næstu málsgreinar. Fósturbörn hafa sama rétt til bóta og börn.

Ef hinn látni eftirlætur sér engan af framantöldum vandamönnum eða erfingjum, greiðist erfingjum hans eða dánarbúi kr. 12000.00 samtals.

3. gr.

Nú eru greiddar bætur samkvæmt lögum nr. 66 7. maí 1940, um stríðsslysatryggingar sjómanna, og falla þá niður bætur samkvæmt 1. og 2. gr. þessara laga.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Bráðabirgðaákvæði.**

Meðan vísitala kauplagsnefndar er 150 eða hærri, skal greiða bætur samkvæmt 1. gr. og 2. gr. með verðlagsuppbót, er svarar til þess hluta vísitölunnar, sem er umfram 150 stig.

Greinargerð.

Mönnum hefur lengi verið það ljóst, að einn af aðalgöllum alþýðutryggingarlaganna er það, hversu lágar dánar- og örorkubætur eru greiddar fyrir slysatryggða menn. Hefur það verið almenn skoðun þeirra, sem til þekkja, að þessi þáttur tryggingannna þyrfti að vera með því fyrsta, sem tekinn væri til gagngerðrar endurskoðunar.

Þegar slysahætta sjómanna margfaldaðist í byrjun stríðsins, kom öllum saman um, að eigi yrði unað við hinar lágu bætur alþýðutryggingarlaganna, og varð þá að samkomulagi að taka hér upp svipaðar stríðsslysabætur sem þá tíðkuðust á Norðurlöndum. Var þó ekki tekið tillit til verðlagsmismunar hér og á Norðurlöndum. Samt sem áður varð þessi breyting til þess, að bæturnar urðu 3—4 sinnum hærri en þær höfðu verið áður. Síðar voru bæturnar enn hækkaðar með frjálsu samkomulagi, þannig að teknar voru upp lífeyristryggingar fyrir sjómenn á farskipum og hinum stærri fiskiskipum.

Það skipulag, sem nú er á bótagreiðslunum, hefur aðallega 3 galla:

1. Hinar almennu dánar- og örorkubætur eru allt of lágar.
2. Það er oft miklum vafa bundið að úrskurða, hvaða slys beri með réttu að telja stríðsslys og hver ekki, og geta úrskurðir um þetta atriði oft valdið mikilli óánægju.
3. Hinn stórkostlegi munur, sem gerður er á bótum fyrir stríðsslys og önnur slys, er alveg óeðlilegur og ósanngjarn. Þörf hinna slösuðu og aðstandenda þeirra á

slysabótum fer ekki eftir því, hvaða orsakir hafa valdið slysinu, hún er hin sama, hvort sem hernaðaraðgerðir valda því eða ekki.

Úr þessum annmörkum er frumvarpi þessu ætlað að bæta. Er aðalatriði þess, að dánar- og örorkubætur samkvæmt alþýðutryggingarlögunum eru hækkaðar til samræmis við þær bætur, sem greiða ber samkvæmt lögum nr. 66 7. maí 1940, um stríðsslysatryggingar sjómanna.

Flutningsmönnunum er það ljóst, að ýmis vandamál eru í sambandi við þessa breytingu og að hún getur varla talizt annað en aðkallandi bráðabirgðalausn þessa máls og að löggjöf þessi öll þarf vandlegrar endurskoðunar áður en mjög langt líður.

Eitt af þeim vandamálum, sem upp koma í þessu sambandi, er það, hvernig heppilegt sé að haga bótagreiðslunum, svo þær megi koma að sem mestum notum. Víðast hvar á Norðurlöndum mun nú vera greiddur lífeyrir, en ekki fastar upphæðir í eitt skipti fyrir öll. Má segja, að hvort tveggja skipulagið hafi ýmislegt til síns gildis. Flutningsmenn vilja þó ekki að svo stöddu víkja frá þeirri aðalreglu, sem gilt hefur í hinni íslenzku slysatryggingu, að greiða bæturnar í einu lagi. Á síðasta reglul. Alþ. var samþ. ályktun um endurskoðun alþýðutryggingarlaganna, og athugun á þessu atriði sérstaklega. Hins vegar telja flutningsmenn svo brýna þörf á að lagfæra það misræmi, sem nú er ríkjandi í þessum málum, að eigi verði beðið eftir slíkri endurskoðun.

Um þann kostnaðarauka, sem af frumvarpi þessu mundi leiða, er ekki unnt að segja með nákvæmni að svo stöddu, en að því atriði mun verða vikið í framsögu.

## Ed. 149. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 3 9. jan. 1935, um verkamannabústaði.

Flm.: Guðmundur Í. Guðmundsson, Bjarni Benediktsson.

1. gr.

Aftan við 4. gr. laganna komi ný málsgr., svo hljóðandi:

Af lánum þeim, sem greidd eru úr sjóðnum til byggingar verkamannabústaða frá því vísitala kauplagsnefndar var 150 stig og þar til vísitalan fellur aftur niður í þá upphæð, skal árlegt gjald af lánsupphæðinni vera 3%, en lánsskilmálar að öðru leyti hinir sömu og verið hafa síðan lögin komu til framkvæmda.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Í 4. gr. laga nr. 3 9. jan. 1935 var svo ákveðið, að árlegt afgjald af lánum úr Byggingarsjóði verkamanna skyldi vera 5% og lánstími 42 ár. Í ársbyrjun 1941, þegar allar byggingarframkvæmdir samkvæmt lögunum um verkamannabústaði höfðu stöðvazt, vegna vaxandi dýrtíðar, ákvað Alþingi með lögum nr. 81 9. júlí 1941 að færa árgjaldið niður í 4%, en afborgunartíminn skyldi haldast óbreyttur. Þessi breyting var gerð á lögunum samkv. ósk frá byggingarfélögunum, sem töldu meðlimum sínum fært þrátt fyrir dýrtíðina að greiða bæði hina tilskildu 15% útborgun af byggingarkostnaðinum og síðan hina árlegu afborgun af eftirstöðvunum, ef hún fengist lækkuð úr 5% í 4%.

Þegar lög nr. 81 9. júlí 1941 voru sett, var vísitala kauplagsnefndar innan við 150% og nokkur bjartsýni í mönnum um, að takast mundi að stöðva vöxt dýrtíðarinnar. Þetta hefur þó farið á annan veg, svo sem kunnugt er, og á meðan hús þau,

sem byggingarfélögin hófu smíði á eftir setningu laga nr. 81 frá 1941, hafa verið í byggingu, hefur allur tilkostnaður vaxið úr hófi fram. Upphaflega var talið, að þriggja herbergja íbúð mundi kosta kr. 27000.00, en reynslan ætlar að verða sú, að kostnaðurinn verður ekki undir kr. 40000.00. Afleiðingin af þessu er sú, að útborgun fyrir íbúðina hækkar um 15% af kr. 13000.00 og árleg afborgun eftir íbúðina um 4% af sömu upphæð í 42 ár.

Með þeirri afkomu, sem undanfarið hefir verið hjá almenningi í landinu, má telja vafalaust, að verðhækkun íbúða þeirra, sem nú eru í smíðum hjá byggingarfélögunum, valdi ekki óviðráðanlegum erfiðleikum að því er sjálfa útborgunina varðar. Öðru máli gegnir með hina árlegu afborgun; hún er baggi, sem menn eiga eftir að burðast með í 42 ár og sennilega þegar í nánustu framtíð við önnur afkomuskilyrði en verið hafa í seinni tíð. Stjórn Byggingarsjóðs verkamanna hefur mjög réttilega komið auga á þá hættu, sem þarna er, og viljað girða fyrir hana a. m. k. að nokkru leyti með því að hækka útborgunina úr 15% af kostnaðarverðinu í 25% og lækka þannig eftirstöðvar þær, sem hin árlega afborgun reiknast af. Væri að sjálfsögðu mjög æskilegt, að hægt væri að fara þessa leið, en athuganir hafa leitt í ljós, að slíkt mundi verða til þess, að margir þeir, sem þegar hafa fest kaup á íbúð, mundu ekki geta haldið henni, og það einmitt fólk, sem frekasta þörfina hefur fyrir íbúðirnar. Þess vegna hafa nokkur byggingarfélög óskað eftir því, að leitað yrði eftir því við Alþingi, að árleg afborgun af lánum úr Byggingarsjóði verkamanna fengist færð úr 4% í 3%, en að lánstíminn og lánskjörin héldust að öðru leyti óbreytt frá því, sem verið hefur síðan lögin um verkamannabústaði voru sett. Er miðað við, að þetta ástand haldist á meðan vísitala kauplagsnefndar er hærri en 150%. Ætti þessi breyting að vera fullnægjandi til þess að komast hjá vandræðum.

## Ed. 150. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

Flm.: Brynjólfur Bjarnason. Guðm. Í. Guðmundsson.

1. gr.

1. málsgr. 35. gr. laganna orðist svo:

Ríkissjóður og hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóðir greiða hver um sig í sjóð sjúkrasamlaga ⅓ greiddra iðgjalda, þó ekki yfir 12 kr. fyrir hvern tryggðan mann.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, en koma til framkvæmda frá 1. jan. 1943.

Greinargerð.

Sjúkrasamlag Reykjavíkur hefur ákveðið iðgjöld sín í trausti þess, að framlög hins opinbera yrðu aukin. Í tilefni af því er frumv. þetta fram borið.

Ríkissjóður hefur varið tugum milljóna króna til þess að vinna móti dýrtíðinni. Virðist þá sjálfsagt, að tækifærið sé notað til þess að endurbæta alþýðutryggingarnar og lækka á þann hátt framfærslukostnað manna. Það er þó síður en svo, að farið sé fram á stór fjárframlög með frumv. þessu.

Sjúkrasamlag Reykjavíkur er langstærsti aðilinn, sem hér kemur til greina. Framlög hins opinbera til þess eru nú í hámarki, sem er 10 kr. að viðbættri verðlagsuppbót frá hvorum aðila. Hækkunin til S. R. mundi því nema 2 kr. frá hvorum aðila, að viðbættri verðlagsuppbót, eða nokkuð á annað hundrað þúsund krónur

á ári, miðað við núgildandi vísitölu. En tekjuaukning samlagsins mundi alls nema nokkuð yfir 250 þúsund kr.

Hækkunin úr 25% greiddra iðgjalda upp í ⅓ mundi ekki koma til greina að því er snertir S. R., þar sem framlög til þess mundu ná hámarki, 12 kr., fyrir hvern tryggðan mann. Hins vegar er nauðsynlegt að hækka hundraðshlutann, til þess að samlagið þurfi ekki að hafa iðgjöldin óeðlilega há til þess að ná hámarkinu.

## Nd. 151. Nefndarálit

um frumv. til l. um breyt. á l. nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað þetta frumv. Enn fremur leitaði nefndin álits stjórnar tryggingarstofnunar ríkisins um frumv. Álit tryggingarráðs um málið er á þessa leið:

„Tryggingarráð mælir eindregið gegn því, að frumvarpið verði samþykkt, og telur, að ef það verði gert, verði raskað mjög verulega grundvelli Lífeyrissjóðs Íslands. Jafnframt vill tryggingarráð benda á, að það telur tímabært að taka löggjöfina um ellitryggingar til endurskoðunar með tilliti til þeirrar reynslu, sem fengin er."

Nefndin telur, að ekki muni vert að þessu sinni að breyta lögunum og rétt sé, að lögin um alþýðutryggingar verði tekin til rækilegrar endurskoðunar fyrir næsta Alþingi.

Nefndin leggur til, að málið verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í því trausti, að ríkisstjórnin láti endurskoða lög nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar, þar á meðal það atriði, er frumv. þetta fjallar um, og að þeirri endurskoðun verði lokið fyrir næsta Alþingi, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 7. jan. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Garðar Þorsteinsson, form. | Jörundur Brynjólfsson, frsm. | Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. |
| Gunnar Thoroddsen. | Áki Jakobsson. | |

## Nd. 152. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Eysteini Jónssyni.

Aftan við frvgr. bætist nýr liður, svo hljóðandi:

Á eftir tölulið D. 4 (Upphéraðsvegur) í 2. gr. laganna komi:

*Skriðdalsvegur:* Frá Austurlandsvegi við Grímsá á Völlum um Skriðdal, norðan ár, um brýr á Geitdalsá og Múlaá eða brú á Grímsá í Skriðdal á Austurlandsveg skammt frá Arnhólsstöðum.

## Sþ. 153. Breytingartillaga

við till. til þál. um flugmál Íslendinga.

Frá Bjarna Benediktssyni og Gísla Jónssyni.

Tillögugreinin orðist svo:

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina:

1. að láta fram fara, í samráði við Flugfélag Íslands, rækilega athugun á því, hvernig og hvar byggingu flugvalla og flugskýla verði fyrir komið, þannig að flugsamgöngur geti í nánustu framtíð hafizt með reglubundnum og tryggum hætti við alla landshluta. Verði unnið að því að koma upp ákveðnu kerfi lendingarstaða fyrir landflugvélar og flugskýla og dráttarbrauta fyrir sjóflugvélar.
2. að láta með sama hætti athuga, hvort tiltækilegt sé að kaupa nú þegar hingað til lands millilandaflugvél, eina eða fleiri, þannig að unnt verði að koma á flugferðum fyrir landsmenn til Englands og Bandaríkja Norður-Ameríku. En ef athugun leiðir í ljós, að slík flugvélakaup séu nú eigi gerleg, þá verði leitað samninga við fulltrúa fyrrgreindra ríkja um, að meðan á ófriðnum stendur verði af þeirra hálfu haldið uppi föstum flugferðum hingað til lands frá þessum löndum, með þeim hætti, að landsmenn hafi not af til ferðalaga og póstsendinga.

Skulu athuganir þessar og undirbúningur framkvæmd með það fyrir augum, að ríkissjóður veiti Flugfélagi Íslands og flugmálum landsins í heild öflugan stuðning.

## Nd. 154. Þingsályktun

um ráðstafanir til útbreiðslu og eflingar skógræktinni.

(Afgreidd frá Nd. 7. jan.).

Samhljóða þskj. 122.

## Nd. 155. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 100 14. maí 1940, um skógrækt.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

Á eftir 19. gr. laganna komi ný grein, svo hljóðandi.

Nú er verðmætt skóglendi í bersýnilegri hættu af gróðureyðingu, sem ekki verður stöðvuð nema með fullri friðun skóglendisins, en friðunin svo kostnaðarsöm, að eigendur og notendur landsins treystast eigi til þess samkv. þeim skilyrðum um framlag, sem sett eru í 19. gr., og er ráðherra þá heimilt, að fengnum tillögum skógræktarstjóra, að kosta slíka girðingu að öllu leyti, gegn því, að eigendur og nothafar ábyrgist viðhald girðingarinnar og friðun landsins fyrir ágangi. Gera skal um það samning, sbr. 19. gr., enda taka ákvæði síðustu málsgr. þeirrar greinar einnig til þess skóglendis.

Verði eigandi eða nothafi sannur að sök um endurtekna vanrækslu, getur ríkið tekið hið girta skóglendi til fullrar umsjár í allt að 20 ár á kostnað eiganda.

Alþingi heimilar fé í þessu skyni með sérstakri fjárveitingu, enda liggi fyrir Alþingi tillögur skógræktarstjóra um þessar girðingar ásamt kostnaðaráætlun.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 156. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin sendi vegamálastjóra frv. þetta til athugunar, og er umsögn hans um það birt hér. Í samræmi við tillögur hans leggur nefndin til, að frumvarpið verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

I. Við 1. gr. Greinin orðist svo:

1. gr. laganna verði þannig:

Til þess að bæta samgöngur um vatnasvæði Þverár og Markarfljóts í Rangárvallasýslu og varna skemmdum af ágangi vatns, skal gera þessi mannvirki:

1. Nauðsynlegar fyrirhleðslur til þess að veita Markarfljóti, Álum, Affalli og Þverá að Markarfljótsbrú.
2. Nauðsynlegar endurbætur og lenging varnargarðsins hjá Seljalandi til varnar landspjöllum undir Eyjafjöllum.
3. Varnargarð fyrir innan Barkarstaði, ef nauðsynlegt þykir.
4. Nauðsynlegar fyrirhleðslur og önnur mannvirki til varnar yfirvofandi stórfelldum skemmdum á vatnasvæðinu að dómi atvinnumálaráðherra.
5. Flóðgáttir til áveitu, þar sem öruggt er og nauðsyn þykir.

II. Á eftir 1. gr. frv. komi ný grein, sem verður 2. gr., svo hljóðandi (og breytist greinatala frumv. eftir því):

4. og 5. málsgr. 2. gr. laganna orðist svo:

Ríkissjóður kostar að öllu leyti mannvirki þau, sem talin eru í 1. gr. 1. og 2. lið.

Ríkissjóður kostar að ⅞ hlutum mannvirki þau, sem talin eru í 3. lið, en sýslufélag Rangárvallasýslu að ⅛ hluta.

Ríkissjóður kostar að ¾ hlutum fyrirhleðslur og önnur mannvirki, sem talin eru í 4. og 5. lið, og sýslufélag Rangárvallasýslu að ¼ hluta.

Alþingi, 7. jan. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Ásg. Ásgeirsson, form. | Jón Pálmason, fundaskr. | Ingólfur Jónsson, frsm. |

Einar Olgeirsson. Skúli Guðmundsson.

Fylgiskjal I.

VEGAMÁLASTJÓRINN
Reykjavík, 14. des. 1942.

Með bréfi, dags. 26. f. m., sendi háttvirt fjárhagsnefnd neðri deildar Alþingis mér til umsagnar frumvarp til laga um breyting á lögum nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts.

Síðan lög þessi voru sett, hafa, auk brúnna á Markarfljót, Ála, Affall og Þverá, verið gerð þessi mannvirki:

1. Varnargarður fyrir Markarfljót úr Dímon að Markarfljótsbrú, 2000 m. langur.
2. Varnargarður austan Markarfljótsbrúar, 160 m. langur.
3. Varnargarður fyrir Ála norðan við Dímon, 660 m. langur.
4. Varnargarður fyrir Ála norðar á eyrunum, 1150 m. langur.
5. Varnargarður fyrir Affall, 380 m., fullgerður að mestu og 160 m. að nokkru leyti. Garður þessi á að verða 2000 m. langur.
6. Varnargarður fyrir Þverá hjá Háamúla, gerður efsti kaflinn, 200 m. langur. Fullgerður á þessi garður að verða 2300 m. langur.
7. Seljalandsgarður lengdur um 300 metra. Er hann nú 1520 m. langur, en fyrirhugað að lengja hann enn um 1200 metra.
8. Nokkrar endurbætur á Djúpósfyrirhleðslu.

Kostnaður við fyrirhleðslur þessar er greiddur þannig:

| | | |
|---|---|---|
| Ríkissjóður | kr. | 387 156.58 |
| Sýslufélag Rangárvallasýslu | — | 13 872.34 |
| Samtals | kr. | 401 028.92 |

Aðaltilgangur laganna er að bæta samgöngur um vatnasvæðið og varna skemmdum af ágangi vatns með því að veita Þverá, Affalli, Álum og Markarfljóti að Markarfljótsbrúnni.

Til þess að ná honum eru þessi mannvirki enn ógerð:

1. Affallsgarður um 1600 metrar.
2. Þverárgarður um 2100 metrar.
3. Seljalandsgarður um 1200 metrar.
4. Flóðgáttir í Þverár-, Affalls- og Álagarða.

Með verðlagi á vinnu og efni 1939 nemur kostnaðaráætlun um þessi mannvirki um 450 þús. kr. Samkvæmt gildandi lögum á sýslan að greiða ⅛ hluta kostnaðar Þverárgarðs og Seljalandsgarðs og ¼ hluta kostnaðar flóðgáttanna, og var sá kostnaður með sama verðlagi áætlaður um 35 þús. kr. Þá ber og sýslunni að greiða viðhaldskostnað sömu mannvirkja í sama hlutfalli.

Með núgildandi verðlagi má vænta, að kostnaðurinn allt að því fimmfaldaðist eða yrði yfir 2 millj. kr., og kæmi þá í hlut sýslufélagsins nálægt 175 þús. kr.

Eins og nú er komið verðlagi á vinnu, verður að leggja áherzlu á að vinna verkið með vélum meir en verið hefur, og má þá vænta, að beinn kostnaður geti þá orðið nokkru lægri.

Þar sem hvorki verðlag á fasteignum eða tekjur sýslusjóðs hafa vaxið neitt svipað og áætlaður kostnaður, er sýnt, að grundvöllurinn undir þátttöku sýslufélagsins hefur algerlega raskazt.

Þá bætist og hér við, að svo getur farið, að mjög æskilegt þyki að gera frekari varnir til þess að forðast skemmdir af ágangi vatns á vatnasvæðinu en þær, sem hér hafa verið taldar, til þess að verja einstakar jarðir, og er þá sérstaklega átt við Fljótshlíðina innan Háamúla eða jafnvel vestan Markarfljóts neðan við brúna. Varnargarð vestan Markarfljóts tel ég þó lítt framkvæmanlegan vegna kostnaðar, að

minnsta kosti fyrst um sinn, miðað við verðmæti þeirra jarða, sem verða í hættu vegna vatnságangs, og verði því að bíða, þar til öðrum varnarmannvirkjum er lokið.

Í frumvarpi því, er liggur fyrir, er sýslusjóður losaður við allar kvaðir um greiðslu kostnaðar við nýbyggingar og viðhald, en ríkissjóði gert að greiða hann að öllu. Mér þykir hér fulllangt gengið, en vil fallast á, að ríkissjóður greiði að öllu kostnað við Þverárgarð og Seljalandsgarð, svo sem þegar var ákveðið um Affallsgarðinn í lögum nr. 71 7. maí 1940.

Kemur þá til um þátttöku sýslunnar í greiðslu kostnaðar við flóðgáttir og varnargarða, sem annars staðar kynnu að verða gerðir til varnar skemmdum, svo sem í Ínn-Hlíðinni, svo og viðhald Djúpósfyrirhleðslunnar. Legg ég til, að greiðsla sýslunnar verði ákveðin ¼ hluti kostnaðar við þessi mannvirki, og er það sama hlutfall og venja hefur verið að hlutaðeigendur greiði, er svipað stendur á og hér. Mun sá hlutur ekki verða mjög tilfinnanlegur.

Í samræmi við þessa tillögu mína hef ég endursamið frumvarp það, er fyrir liggur. Tel ég rétt að breyta 1. og 2. gr. laganna frá 1932 og fella úr ákvæðin um byggingu brúa og vega, sem síðan eru komin í vegalög og því óþörf hér.

Legg ég til, að frv. verði þannig:

1. gr.

1. gr. laganna orðist svo:

Til þess að bæta samgöngur um vatnasvæði Þverár og Markarfljóts í Rangárvallasýslu og varna skemmdum af ágangi vatns skal gera þessi mannvirki:

1. Nauðsynlegar fyrirhleðslur til þess að veita Markarfljóti, Álum, Affalli og Þverá að Markarfljótsbrú.
2. Nauðsynlegar endurbætur og lenging varnargarðsins hjá Seljalandi til varnar landspjöllum undir Eyjafjöllum.
3. Nauðsynlegar fyrirhleðslur og önnur mannvirki til varnar yfirvofandi stórfelldum skemmdum á vatnasvæðinu að dómi atvinnumálaráðherra.
4. Flóðgáttir til áveitu, þar sem öruggt er og nauðsyn þykir.

2. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

Ríkissjóður kostar að öllu mannvirki þau, sem talin eru í 1. gr. 1. og 2. lið. Ríkissjóður kostar að ¾ hlutum fyrirhleðslur og önnur mannvirki, sem talin eru í 3. og 4. lið, en sýslufélag Rangárvallasýslu að ¼ hluta.

Geir G. Zoëga.

**Fylgiskjal II.**

VEGAMÁLASTJÓRINN

Reykjavík, 15. des. 1942.

**Þverárfyrirhleðsla.**

Í framhaldi af bréfi mínu, dags. 14. þ. m., skal ég að gefnu tilefni upplýsa þetta:

Innan Háamúla í Fljótshlíð eru aðeins 2 jarðir, Barkarstaðir og Fljótsdalur, og liggja þær báðar, en þó eins og nú er komið sérstaklega Barkarstaðir, undir skemmdum af landbroti frá Þverá. Var í haust gerð mæling og áætlun um fyrirhleðslu til varnar frekara landbroti á Barkarstöðum. Þarf þar minnst 280 m. langan varnargarð um svonefnt Viðargil, svipaðan eins og stúf þann, sem gerður var 1939 fram af Háamúla og kostaði þá 200 m. langur um 18 þús. kr.

Næst undanfarin ár hefur orðið mikið landbrot, sérstaklega á Barkarstöðum, og horfir nú svo, að ef bjarga á þar því landi, sem enn er óeytt, verði að gera garð þennan þegar í vetur eða vor, þar eð ella má vænta þess, að það verði of seint. En

jafnvel þó hætt verði á að spara nokkuð grjót á hann fyrst í stað, vegna þess hve verkalaun eru nú há, þá mun kostnaður fara nokkuð fram úr 100 þús. kr. Samkvæmt tillögu minni í fyrra bréfi mundi hlutur sýslunnar fara nokkuð fram úr 25 þús. kr. Þessi eina jörð getur vitanlega ekki borið nema lítinn hluta þessa framlags og yrði því að jafna honum að mestu á sýslufélagið. Hvernig sýslunefnd tæki í það, læt ég ósagt, en með tilliti til þess, að sýslufélagið er leyst undan framlagi til allra aðalvarnanna, má þó telja ekki ólíklegt, að sýslan og Fljótshlíðarhreppur sérstaklega féllist á, að þetta væri ekki ósanngjarnt.

Nefndinni til athugunar vil ég þó skjóta því hér fram, að hugsanlegt væri að fara hér meðalveg og bæta við 2. gr. eins og hún er orðuð hjá mér: „... þó skulu sömu aðilar greiða kostnað við varnargarð innan við Barkarstaði, ef til kemur, að ⅞ og ⅛“.

Um aðrar sérstakar landvarnir er ekki að ræða, að minnsta kosti á næstunni, og því síður ef unnið verður með ríflegum fjárveitingum að aðalvörnunum á næstu árum.

Að því er flóðgáttirnar snertir, þá eiga þar svo margar jarðir hlut að máli, að ekki ætti að valda örðugleikum að jafna þeim kostnaði á hlutaðeigendur, jafnvel þó hann færi upp í 15—20 þús. kr. í hlut sýslufélagsins.

Virðingarfyllst,

Geir G. Zoëga.

Fjárhagsnefnd neðri deildar Alþingis, Reykjavík.

## Nd. 157. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

Frá minni hluta allsherjarnefndar.

Aðalbreytingin, sem frv. þetta felur í sér frá gildandi lögum, er sú, að leggja skuli niður útsölu áfengis, ef við atkvæðagreiðslu hefur verið fellt, með meiri hluta atkvæða, að hafa þar útsölu. Er hér því um að ræða hin svokölluðu héraðabönn.

Á þingi 1939 var flutt frv., er fól í sér sams konar breytingu. Því var vísað til allshn., og eftir að hún hafði leitað umsagnar utanríkismálaráðuneytisins, lagði hún einróma til, að frv. yrði vísað frá með svofelldri rökstuddri dagskrá:

„Þar sem upplýst er af utanríkismáladeild stjórnarráðsins, að aðalefni þessa frv. sé ýmist í ósamræmi við gildandi milliríkjasamninga eða virðist brot á þeim, telur deildin eigi tilhlýðilegt að samþykkja það að svo stöddu og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.“

Þessi rökstudda dagskrá var síðan samþykkt af Alþingi.

Nú ber þetta mál aftur fyrir Alþingi. Allshn., sem fékk málið til meðferðar, leitaði enn álits utanríkismálaráðuneytis Íslands, til þess að ganga úr skugga um, hvort viðhorfið hefði nokkuð breytzt. Ráðuneytið svaraði með bréfi, dags. 10. des. f. á., þar sem segir svo:

„Ráðuneytið vísar til bréfs háttvirtrar allsherjarnefndar, dags. 8. þ. m., með fyrirspurn til þess, vegna fram komins frumvarps til laga um breyting á áfengislögum, nr. 33 9. janúar 1935, og verður að vísa til bréfs síns 28. nóvember 1939 til háttvirtrar nefndar, er skýrir skilning þess á frumvörpum, er ganga í svipaða átt og það, er fylgir fyrr nefndu bréfi allsherjarnefndar, með hliðsjón af gildandi milliríkjasamningum.“

Samkv. svari þessu lítur ráðuneytið því nú eins á þetta mál og 1939. Er því rétt til skýringar að birta hér svarbréf þess frá þeim tíma, dags. 28. nóv. 1939, sem er á þessa leið:

„Ráðuneytið hefur móttekið bréf háttvirtrar allsherjarnefndar neðri deildar Alþingis, dags. 24. þ. m., þar sem óskað er upplýsinga um það, hvort ákvæði meðfylgjandi frumvarps til laga um breyting á áfengislögum, nr. 35 9. janúar 1935, kunni að koma í bága við milliríkjasamninga.

Út af þessu vill ráðuneytið taka fram eftirfarandi:

Þeir milliríkjasamningar, sem helzt koma til greina í þessu sambandi, eru samningur sá milli Íslands og Portúgals, er felst í bréfaskiptum ríkisstjórna beggja landanna frá 9. apríl og 9. maí 1923, sbr. auglýsingu nr. 62 30. des. 1924 í A-deild Stjórnartíðindanna, og samningurinn milli Íslands og Spánar frá 23. júlí 1923, birtur í A-deild Stjórnartíðindanna með auglýsingu nr. 63 30. des. 1924.

Samkvæmt samningum þessum, sem báðir eru enn í gildi (sbr. viðskiptasamkomulagið milli Íslands og Spánar frá 1934, 7. liður erindanna, birt í A-deild Stjórnartíðindanna með auglýsingu nr. 66 12. des. 1934), nýtur Ísland ýmissa hlunninda að því er snertir tolla í þessum löndum, þar á meðal ber sérstaklega að nefna, að íslenzkur saltfiskur nýtur beztukjarameðferðar að því er tolla snertir í báðum löndunum. Til þess að ná þessum samningum, varð Ísland að skuldbinda sig til þess að undanþiggja innflutning á spönskum og portúgölskum vínum, sem ekki er í meira en 21% af vínanda, frá aðflutningsbanninu á áfengi samkvæmt lögum nr. 91 14. nóv. 1917, og var þessi undanþága gerð með lögum nr. 3 4. apríl 1923. Í 3. gr. hinna síðastnefndu laga var svo fyrir mælt, að ákvæði, sem sett kynnu að verða til varnar misbrúkun við sölu og veitingu þessara vína, megi ekki ganga svo langt, að þau geri að engu undanþágu vínanna frá ákvæðum aðflutningsbannslaganna. Enn fremur segir svo í samningnum milli Íslands og Spánar frá 23. júlí 1923, 2. gr., að Ísland njóti beztukjarameðferðar að því er snertir toll á fiski, „gegn því að Ísland veiti vínum frá Spáni, sem ekki innihalda meira en 21% af vínanda (alkohol), undanþágu frá ákvæðum íslenzkra laga frá 14. nóv. 1917 um bann gegn innflutningi áfengra drykkja, og gegn því að Ísland ekki með reglugerð um misbrúkun vína setji ákvæði, sem koma í bága við undanþágu spánskra vína frá ákvæðum nefndra laga."

Í 1. mgr. 2. gr. frv. um breyting á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935, segir, að „í þeim kaupstöðum, þar sem nú eru áfengisútsölur, skal, þegar meiri hluti bæjarstjórnar eða ¼ hluti kjósenda í hlutaðeigandi kaupstað krefst þess, fara fram atkvæðagreiðsla kosningabærra manna í kaupstaðnum um það, hvort útsölunni skuli haldið áfram. Einfaldur meiri hluti atkvæða ræður þá úrslitum". Frumvarp þetta felur því í sér ákvæði, sem eru í ósamræmi við samninginn við Portúgal og virðist brot á samningnum við Spán, samanber framansagt, að því er tekur til vína, sem ekki innihalda meira en 21% af vínanda, með því að í því felast möguleikar til þess að koma algerlega í veg fyrir sölu og væntanlega þá einnig innflutning á þessum vínum.

Stefán Jóh. Stefánsson."

Þar sem því er þannig eindregið haldið fram af utanríkisráðuneytinu, að frv. sé í ósamræmi við samninginn við Portúgal og virðist brot á samningnum við Spán, og að þessir samningar séu enn í gildi, teljum við undirritaðir ekki fært né viðeigandi að samþ. frv. og leggjum til, að það verði afgr. á sama hátt og allshn. lagði einróma til 1939 og þá var samþ. á þingi, en það er með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Þar sem upplýst er af utanríkisráðuneytinu, að meginefni þessa frv. sé ýmist í ósamræmi við gildandi milliríkjasamninga eða virðist brot á þeim, telur deildin eigi tilhlýðilegt að samþykkja það að svo stöddu og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 7. janúar 1943.

| | |
|---|---|
| Garðar Þorsteinsson, form. | Gunnar Thoroddsen, frsm. |

## Ed. 158. Frumvarp til laga

um heimild til að selja Stagley.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

Heimilt er ríkisstjórninni að selja Flateyjarhreppi Stagley á Breiðafirði.

## Ed. 159. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 93 25. sept. 1942, um að reisa nýjar síldarverksmiðjur.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

Aftan við síðustu málsgrein 1. gr. laganna bætist: Er öðrum óheimilt að reisa slíka verksmiðju, nema leyfi atvinnumálaráðherra komi til.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Sþ. 160. Tillaga til þingsályktunar

um nefndarskipun til að gera tillögur um framtíðarbyggingar á lóðum ríkisins við Lækjartorg og Lækjargötu.

Flm.: Jónas Jónsson.

Alþingi ályktar að kjósa átta menn í nefnd til að gera, í samráði við ríkisstjórnina og húsameistara ríkisins, tillögur um notkun ríkislóðanna við Lækjartorg og Lækjargötu fyrir opinberar byggingar. Nefndin kýs sér sjálf formann, starfar launalaust og skal leggja tillögur sínar fyrir Alþingi 1944.

Greinargerð.

Um langan tíma hefur almenningi verið ljóst, að ekki væri við hlítandi til lengdar þann húsakost, sem stjórn Íslands á við að búa. Nú sem stendur mun stjórnarráðið starfa í fimm aðskildum byggingum, auk fjölmargra af þeim skrifstofum, sem ættu í raun réttri að starfa í stjórnarráðshúsinu. Um sjálfa stjórnarráðsbygginguna er það að segja, að hún er að vonum mjög óhentug fyrir nútímastarfrækslu. Danir reistu húsið í upphafi sem fangelsi. Síðan hefur því oft verið breytt, án þess að nokkurn tíma hafi verið hægt að láta það fullnægja kröfum, sem gera verður til húsakynna handa æðstu stjórn landsins. Dæmi, er sýna þetta, eru fjölmörg. Eitt af þeim er það, að biðgestir hjá skrifstofustjórunum hafa stundum nokkrir saman orðið að standa innan um skrifstofufólk, sem var önnum kafið að starfa í herbergi, sem lá næst vinnuherbergi skrifstofustjórans. Þó að stjórnarráðshúsið sjálft sé steinhús, þá eru gólf öll úr timbri. Mikið af skjalasafni stjórnarráðsins er á lofthæðinni undir timburþaki. Ef eldur kæmi upp í húsinu, gætu öll skjöl, sem geymd eru þar, brunnið á svipstundu. Væri það óbætanlegt tjón fyrir landið.

Ríkið keypti auk þess fyrir nokkrum árum lóðir þær, sem liggja að Lækjargötu austanverðri, milli stjórnarráðshússins og menntaskólans, fyrir nálega hálfa milljón króna. Verðlítil hús eru á þessari eign, enda var hún keypt eingöngu í því skyni að tryggja ríkinu olnbogarúm á þessum stað í bænum fyrir framtíðarbyggingar til almenningsþarfa.

Þegar Arnarhvoll var byggður, var það gert til að bæta úr aðkallandi þörf. Þangað voru fluttar mjög margar skrifstofur, sem áður voru dreifðar víða um bæinn, en áttu flestar að vera í stjórnarráðsbyggingunni. Með því að reisa Arnarhvol í nánd við stjórnarráðið, en að öðru leyti sem venjulegt skrifstofuhús, var hægt að bæta úr aðkallandi þörf til bráðabirgða og til úrbóta í framtíðinni, án þess að grípa á nokkurn hátt inn í þær aðgerðir, sem framkvæma þarf í sambandi við varanlegt meginaðsetur íslenzku ríkisstjórnarinnar. Til slíkrar byggingar þarf mjög að vanda, bæði um útlit og þá ekki síður um allt, er lýtur að skipulagi og hentugri starfrækslu. Þess vegna er eðlilegt, að fulltrúar þingflokkanna vinni að undirbúningi málsins með ríkisstjórninni og húsameistara landsins.

Ríkissjóður mun væntanlega innan skamms hafa lagt fram nálega eina milljón króna til að gera Bessastaði að hæfilegu nútímaaðsetri fyrir ríkisstjóra og væntanlegan forseta, og er þó allmikið ógert, sem síðar verður bætt úr. En ef svo miklu hefur þurft að fórna til að gera Bessastaði hæfa til þeirra nota, sem þeim er ætlað, þá er augljóst, að eigi þurfi síður að vanda til þeirra bygginga, þar sem ríkisstjórnin vinnur með fjölmörgu starfsliði. Kemur þar ekki eingöngu til greina, að slíkar byggingar séu hentugar til daglegra starfa, heldur að þær hafi það svipmót, sem segir til, án allra yfirskrifta, að þar sé starfsheimili fyrir framkvæmdastjórn ríkisins.

Það er eftirtektarvert í þingsögu Íslendinga, að ekki liðu nema nokkur missiri frá því Alþingi fékk vald yfir fjármálum landsins og þar til ákveðið var að reisa þinghúsið. Engin bein nauðsyn knúði þingið til að stíga þetta spor. Latínuskólahúsið stóð autt á þeim tíma árs, þegar þing skyldi háð, og það gat farið mjög vel um þingið í því húsrúmi, sem þar stóð til boða. En þingmenn þeirra tíma höfðu þann metnað, að þeir vildu, að hið nýja þjóðþing hefði bústað, sem væri í samræmi við hið nýfengna frelsi. Þinghúsið var reist með þeim skörungsskap, sem raun ber vitni um, af því að það er varanlegt tákn um mikinn þjóðarsigur.

Íslenzka þjóðin hefur ástæðu til að gera ráð fyrir, að henni auðnist innan fárra ára að stíga síðasta sporið í hinu pólitíska frelsismáli sínu. Þá hæfir þjóðinni að hafa nú þann metnað að reisa nýtt og veglegt heimkynni fyrir stjórn landsins, til að tákna einnig á þann hátt endurreisn hins forna þjóðveldis.

## Nd. 161. Nefndarálit

um frv. til laga um búfjártryggingar.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. allrækilega og orðið sammála um að leggja til, að það verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Við 6. gr. Í stað orðanna „erfingjum“ í lok fyrri málsgr. komi: vandamönnum.
2. Við 8. gr.
   a. Síðasti málsl. fyrri málsgr. orðist þannig: Nú verður eitthvert ár svo mikið tjón af slysum samkv. 4. gr. b., að iðgjöldin hrökkva ekki til, og skal þá það, sem á vantar, greiðast að jöfnu úr Búfjártryggingarsjóði deildarinnar og ríkissjóði, og er það ekki afturkræft.

b. Í stað orðanna „varasjóð deildarinnar“ í 2. málsgr. komi: Búfjártryggingarsjóð.

3. Við 9. gr. Greinin orðist þannig:
Ríkissjóður leggur fram 300 þúsund krónur, er greiðist með jöfnum greiðslum á 3 árum eftir að Búfjártryggingardeildin er stofnuð, og er það varasjóður deildarinnar og nefnist Búfjártryggingarsjóður. Í Búfjártryggingarsjóð rennur árlegur tekjuafgangur deildarinnar, enda standi hann straum af útgjöldum deildarinnar, þegar tekjur hrökkva ekki til, sbr. þó 8. gr.

Alþingi, 8. jan. 1943.

Bjarni Ásgeirsson, form. Jón Sigurðsson, frsm. Jón Pálmason, fundaskr.
Sigurður Guðnason. Emil Jónsson.

## Ed. 162. Breytingartillaga

við frumv. til laga um orlof.

Flm.: Gísli Jónsson.

Við 16. gr. Orðin „í starfsgrein sinni“ falli í burtu.

## Ed. 163. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933, og l. um breyt. á þeim lögum, nr. 72 1936 og nr. 109 1940.

Flm.: Kristinn E. Andrésson.

Aftan við 2. gr. frv. komi nýr liður:
Á eftir 12. C. í sömu lagagrein komi nýr töluliður:
*Reykjahverfisvegur:* Frá þjóðveginum við Laxamýri að Hveravöllum.

## Nd. 164. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

Frá meiri hl. sjávarútvegsnefndar.

Nefndin hefur haft mál þetta til ýtarlegrar athugunar. Hún hefur sent það til umsagnar og fengið um það tillögur frá stjórn fiskveiðasjóðs Íslands, stjórn Fiskifélagsins, stjórn Farmannasambands Íslands og fiskimálanefnd. Síðan hefur nefndin rætt frumvarpið á nokkrum fundum og borið það vandlega saman við núgildandi lög um fiskveiðasjóð. Á síðasta fundi, sem haldinn var í dag um þetta mál, varð einn nefndarmanna (GG) viðskila við hina nefndarmennina, og mun hann skila sérstöku áliti. Hinir nefndarmennirnir hafa orðið sammála um að leggja til, að frumvarpið verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Við 2. gr. Greinin falli niður.
2. Við 3. gr. Aftan við greinina bætist ný málsgr., svo hljóðandi:
   Aftan við greinina bætist nýr stafliður, er hljóðar svo:
   c. Til dráttarbrauta.
3. Á eftir 4. gr. komi ný grein, svo hljóðandi:
   Í stað orðsins „b-lið“ í 6. gr. laganna komi: b-lið og c-lið.
4. Við 6. gr. Í stað síðari málsgr. a-liðar komi 3 málsgr., svo hljóðandi:
   Úr sjóði þessum skal veita styrki til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Styrkur þessi veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Styrkur til hvers skips má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins, þó aldrei yfir 75000 kr. á skip.
   Við úthlutun styrksins skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi hefur áður stundað sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Styrkur þessi veitist til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun fjárhæðar styrkja taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda, og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt, og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið.
   Ríkisstjórnin setur reglugerð um styrkveitingar úr sjóðnum í samráði við sjóðsstjórnina og að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands og fiskimálanefndar. Þar skulu sett ákvæði til tryggingar því, að styrkirnir verði ekki misnotaðir með því að verzla með þá, eða á annan hátt, og um refsiákvæði fyrir brot á styrkskilyrðum og reglugerð, sem sett er um þetta efni.

Lúðvík Jósefsson áskilur sér rétt til að fylgja brtt., sem fram kunna að koma.

Alþingi. 8. jan. 1943.

Finnur Jónsson, form. Sigurður Kristjánsson, frsm. Lúðvík Jósefsson.

Sigurður Bjarnason.

## Nd. 165. Frumvarp til laga

um nýbyggingarsjóð fiskiskipa.

Frá minni hluta sjávarútvegsnefndar (GG).

1. gr.

Stofna skal sjóð, er nefnist nýbyggingarsjóður fiskiskipa og er undir umsjón ríkisstjórnarinnar fyrst um sinn.

2. gr.

Tekjur sjóðsins eru útflutningsgjald af sjávarafurðum, sem ríkissjóður innheimtir samkvæmt lögum nr. 63 28. jan. 1935. Undanskilinn er þó sá hluti útflutningsgjaldsins, sem sérstaklega er ráðstafað í lögum nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

3. gr.

Tilgangur sjóðsins er að styðja með fjárframlögum og á annan hátt endurnýjun og aukningu fiskiskipaflota landsmanna, eftir reglum, er settar verða á Alþingi.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi. En tekjur þær, er um ræðir í 2. gr., renna í nýbyggingarsjóð fiskiskipa frá 1. jan. 1943.

Greinargerð.

Það er ein af lífsnauðsynjum þjóðarinnar, að fiskiskipaflotinn verði endurnýjaður og aukinn svo fljótt, að skipakostur standi ekki fiskveiðum landsmanna fyrir þrifum, þegar atvinnulíf og viðskipti færast í venjulegt horf. Er ríkisvaldinu skylt að hafa fyrirhyggju í þessu efni, og er þá eðlilegast að afla nokkurs fjár í því skyni.

Samkvæmt lögum, sem lengi hafa verið í gildi, er greitt til ríkissjóðs útflutningsgjald af sjávarafurðum. Á fóðurmjöli og síld er gjald þetta miðað við þunga, en á öðrum vörum yfirleitt við útflutningsverðmæti, og er nú 1½%. En Alþingi 1941 ákvað, að ¼ hluti þessa fjár skyldi renna í fiskveiðasjóð Íslands, og hefur svo verið síðan, en ¾ hlutar upphæðarinnar teljast enn með öðrum tekjum ríkissjóðs og er ekki sérstaklega ráðstafað í þarfir sjávarútvegsins.

Því hefur oftar en einu sinni verið hreyft á Alþingi, að fé þetta ætti ekki að renna í ríkissjóðinn, heldur ætti að verja því sérstaklega sjávarútveginum til eflingar. Hingað til hefur Alþingi þó ekki þótt fært að svipta ríkissjóðinn þessum tekjustofni. Nú er hins vegar margt breytt frá því, sem áður var, og ríkissjóði hefur nú undanfarið orðið gott til tekna. Virðist því tími til kominn, að ríkissjóður láti tekjustofn þennan af hendi, og það því fremur, sem þörf er á að afla fjár með einhverjum hætti til að tryggja framtíð sjávarútvegsins. Telur flm. bezt fara á því, að útflutningsgjaldið verði á árinu 1943 og framvegis lagt í sérstakan sjóð, sem varið verði til að stuðla að nýbyggingu fiskiskipa. Er þá fé fyrir hendi, þegar á því þarf að halda, og það er aðalatriðið í þessu sambandi.

Í þessu frv. eru engin nánari ákvæði um starfsaðferðir sjóðsins í þágu nýbygginga fiskiskipa. Á þessu þingi hefur verið borin fram tillaga um milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum, sem ætla má, að samþykkt verði, og væri þá eðlilegt, að sú nefnd legði ráð á um, hversu fénu skuli verja. Koma þar ýmsar aðferðir til greina, svo sem vaxtalækkun á stofnlánum til fiskiskipa, áhættulán gegn 2. og 3. veðrétti í skipum, byggingarstyrkir eða vaxtalaus lán til skipa og e. t. v., að sjóðurinn láti sjálfur byggja skip, sem seld yrðu eða leigð bæjar- og sveitarfélögum eða fiskimönnum og félögum þeirra. Vill flm. ekki að svo stöddu gera tillögur um, hverjar af þessum leiðum skuli fara, enda mætti vel svo fara, að á næsta Alþingi (síðar á þessum vetri) yrði ýmislegt í því sambandi auðsærra en nú.

Fyrir Alþingi því, er nú situr, liggur frv. um breyting á lögum um fiskveiðasjóð Íslands. Er þar lagt til, að útflutningsgjald sjávarafurða verði látið renna í fiskveiðasjóð og að verulegu leyti notað þar til höfuðstólsaukningar, en nokkrum hluta þess sé þó varið til að „veita styrki til kaupa og byggingar nýrra skipa, sem fiskveiðasjóður veitir 1. veðréttar lán til og minni eru en 150 smálestir brúttó.“ Í því frv. eru einnig ákvæði um vaxtakjör í fiskveiðasjóði og að fella niður lántökuheimild sjóðsins (4 millj. kr.), sem draga mundi úr möguleikum hans til að auka starfsemi sína. Sjávarútvegsnefnd neðri deildar hefur haft þetta frv. til meðferðar. Hefur nefndin í því sambandi leitað umsagnar fiskveiðasjóðs, Fiskifélags Íslands, fiskimálanefndar, Farmanna- og fiskimannasambands Íslands og Landssambands útgerðarmanna. Fjórar þessara stofnana, fiskveiðasjóður, Fiskifélagið, fiskimálanefnd og Farmanna- og fiskimannasambandið, hafa svarað bréfum nefndarinnar. Eru stofnanir þessar í ýmsum atriðum mótfallnar frumvarpinu og gera sjálfar tillögur, sem eru a. m. k. athygli verðar. Sýnir þetta m. a., að full ástæða er til að gefa væntanlegri milliþinganefnd kost á að rannsaka málið og gera sínar tillögur um, á hvern hátt bezt megi og haganlegast styðja nýbyggingu fiskiflotans.

Vel má svo fara, að nýbyggingasjóður fiskiskipa, ef stofnaður verður samkv. þessu frv., þyrfti á meira starfsfé að halda en útflutningsgjaldinu. Kæmi þá til greina að leggja fram fé í þessu skyni úr framkvæmdasjóði ríkisins, sem nú á að geyma hluta af tekjuafgangi ríkisins á s. l. tveim árum.

Nánari ákvæði um starfsemi nýbyggingarsjóðs fiskiskipa yrðu væntanlega sett á næsta Alþingi síðar á þessum vetri. En fyrir flm. vakir, að starfsemi sjóðsins verði a. m. k. fyrst um sinn miðuð við fiskiskip, sem minni eru en 150 smálestir brúttó.

Útflutningsgjald ríkissjóðs af sjávarafurðum er í fjárlagafrumvarpi fyrir árið 1943 áætlað 1 millj. 700 þús. kr.

Þess skal getið, að samkvæmt opinberum upplýsingum í árslok 1939 voru þá hér á landi 615 skrásett fiskiskip (þilbátar og þilskip), samtals 26432 rúmlestir. Í árslok 1942 eru fiskiskipin talin 526, samtals 25990 rúmlestir.

## Sþ. 166. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 153 (Flugmál Íslendinga).

Frá Gísla Guðmundssyni og Helga Jónassyni.

Aftan við síðari málsgr. 2. tölul. bætist: enda eignist ríkið meiri hluta hlutafjár í félaginu og tilsvarandi atkvæðisrétt um málefni félagsins.

## Nd. 167. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 98 9. júlí 1941, um heimild fyrir ríkisstjórnina til ráðstafana og tekjuöflunar vegna dýrtíðar og erfiðleika atvinnuveganna.

Frá fjárhagsnefnd.

1. gr.

Í stað orðanna „til ársloka 1942“ í 1. lið 3. gr. laganna komi: til ársloka 1943.

2. gr.

4. gr. laganna orðist svo:

Í því skyni, er í lögum þessum greinir, er ríkisstjórninni heimilt að verja af tekjum ríkissjóðs áranna 1941, 1942 og 1943 5 milljónum króna af tekjum hvers árs.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Fjárhagsnefnd flytur frv. eftir beiðni ríkisstjórnarinnar, en einstakir nefndarmenn áskilja sér óbundið atkvæði um efni þess. Frv. fylgdu svolátandi skýringar:

„Heimild sú, sem ríkisstjórninni var veitt í 3. gr. laga nr. 98/1941 til að fella niður aðflutningsgjöld af kornvörum, lækka tolla af sykri og hækka um helming tolla af áfengi og tóbaki, er niður fallin frá síðustu áramótum. Þar sem téð heimild var notuð á síðast liðnu ári að því er snertir aðflutningsgjöld á kornvörum og sykri, en innheimta þessara gjalda samkvæmt tollskránni mundi hafa í för með sér verðlagshækkun á téðum vörum, þykir rétt að framlengja þessa heimild til ársloka 1943.

Í 4. gr. nefndra laga var gert ráð fyrir, að verja mætti úr ríkissjóði 5 milljónum króna af tekjum ársins 1941, sem að nokkru leyti hefur þegar verið notað. Þar sem gera má ráð fyrir, að verja þurfi allmiklu fé úr ríkissjóði á þessu ári til framkvæmda á þeim ráðstöfunum, sem lögin gera ráð fyrir, er með frv. farið fram á, að heimilað verði að verja 5 milljónum króna af tekjum ríkissjóðs hvort árið 1942 og 1943 í sama tilgangi.“

## Ed. 168. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Ingvari Pálmasyni.

Aftan við frvgr. bætist:
Á eftir A. I. c. 8. sömu greinar laganna komi 3 nýir töluliðir:
a. Múlaá og Geitdalsá eða Grímsá í Skriðdal.
b. Eyrarteigsá í Skriðdal.
c. Sléttuá í Reyðarfirði.

## Sþ. 169. Nefndarálit

um till. til þál. um flugmál Íslendinga.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað þáltill. á þskj. 64 og brtt. á þskj. 153. Í brtt. kemur fram allt það, sem felst í aðaltill., og auk þess er þar um að ræða víðtækari athugun á flugmálum landsins. Er nefndin því sammála um að leggja til, að þáltill. verði samþykkt með orðalagi brtt. á þskj. 153 og málið afgreitt þannig.

Alþingi, 9. jan. 1943.

Gísli Sveinsson, form. Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. Gísli Jónsson, frsm.
Sigurður Þórðarson. Páll Zóphóníasson. Jón Sigurðsson. Ásg. Ásgeirsson.

## Sþ. 170. Nefndarálit

um till. til þál. um beitumál vélbátaútvegsins.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað málið og leggur einróma til, að tillagan verði samþykkt með þessari

BREYTINGU:

Tillgr. orðist svo:
Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að undirbúa svo fljótt sem unnt er, í samráði við Fiskifélag Íslands, löggjöf um beitumál vélbátaútvegsins, er miði að því að tryggja, að ávallt sé til í landinu næg og góð beita við eðlilegu verði.

Alþingi, 9. jan. 1943.

Gísli Sveinsson, form. Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. Sigurður Þórðarson, frsm.
Gísli Jónsson. Páll Zóphóníasson. Jón Sigurðsson. Ásg. Ásgeirsson.

# Nd. 171. Nefndarálit

um frv. til laga um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur rætt málið á nokkrum fundum og náð samkomulagi um breytingartillögur. Nefndin hefur og rætt við fjármálaráðherra um væntanlega framkvæmd laganna. Einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til að bera fram aðrar breytingartillögur, og tekur Einar Olgeirsson sérstaklega fram, að hann hafi óbundnar hendur um ákvæði 1. gr. frv.

Með frv., sem er flutt af ríkisstjórninni, er lagt til, að skipuð verði fimm manna nefnd, er nefnist viðskiptaráð, og er því ætlað að koma í stað gjaldeyris- og innflutningsnefndar. Eftir núgildandi lögum eru tveir af nefndarmönnum í gjaldeyris- og innflutningsnefnd skipaðir eftir tilnefningu Landsbanka Íslands og Útvegsbanka Íslands h/f, en samkvæmt þessu frv. hafa bankarnir ekki rétt til áhrifa á nefndarskipunina. Auk þeirra verkefna, sem gjaldeyris- og innflutningsnefnd hefur haft með höndum að undanförnu, er ætlazt til, að viðskiptaráðið annist einnig verðlagseftirlit og vöruskömmtun, sem nú er framkvæmt af dómnefnd í verðlagsmálum og skömmtunarskrifstofu ríkisins.

Það nýmæli er í frumvarpinu, að þar er farið fram á heimild til þess að setja á stofn landsverzlun, undir stjórn viðskiptaráðs, ef sýnilegt þykir, að þess sé þörf.

Viðskiptaráði er ætlað að ráðstafa farmrými í skipum, er annast vöruflutninga til landsins. Má segja, að sá ráðstöfunarréttur sé nú í raun og veru í höndum gjaldeyris- og innflutningsnefndar, þar sem hún ræður yfir öllum vöruinnflutningi til landsins.

Í 3. gr. frv. er ákvæði um skiptingu erlends gjaldeyris milli bankanna. Slík fyrirmæli eru ekki í gildandi lögum. Þá er svo ákveðið í 5. gr. frv., að innflytjendur skuli greiða viðskiptaráði ½% gjald af upphæðum innflutningsleyfa, en nú er gjald þetta aðeins 2 af þúsundi.

Að öðru leyti en því, sem hér hefur nefnt verið, hefur ríkisstjórnin heimildir í gildandi lögum til þeirra ráðstafana, sem frv. fjallar um, og er hér meir um að ræða samfærslu skyldra starfa en auknar heimildir fyrir ríkisstjórnina.

Leggur nefndin til, að frv. verði afgreitt með þessum

BREYTINGUM:

1. Við 2. gr. 6. töluliður orðist svo:
   6. Fer með verðlagsákvarðanir og verðlagseftirlit samkv. lögum nr. 79/1942 eða öðrum lögum, sem sett verða í þeirra stað, og vöruskömmtun lögum samkvæmt.
2. Við 4. gr. Greinin orðist svo:
   Engan erlendan gjaldeyri má láta af hendi án leyfis viðskiptaráðs, nema séu greiðslur vegna ríkissjóðs og banka eða vextir og afborganir bæjar- og sveitarfélaga. Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f hafa einir kauprétt á erlendum gjaldeyri.
   Þeim gjaldeyri, sem bankarnir kaupa, skal skipt milli Landsbanka Íslands og Útvegsbanka Íslands h/f, þannig að hinn síðarnefndi fái einn þriðja hluta alls gjaldeyris, ef hann óskar, fyrir innkaupsverð, hlutfallslega af hverri mynt, sem keypt er á mánuði hverjum. Hlutfalli því, sem hvor banki fær, getur ráðherra breytt, ef báðir bankarnir samþykkja. Enginn hefur rétt til að selja erlendan gjaldeyri nema Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f. Þó er póststjórninni heimil slík verzlun innan þeirra takmarka, sem ráðherra setur.
   Með reglugerð er heimilt að setja þau ákvæði, er þurfa þykir, til að tryggja

það, að íslenzkar afurðir og aðrar vörur, sem fluttar eru til útlanda, verði greiddar með erlendum gjaldeyri, er renni til bankanna. Enn fremur ákvæði um það, að allur annar erlendur gjaldeyrir, sem menn eiga eða eignast, renni til þeirra. Bannað er að flytja íslenzkan eða erlendan gjaldmiðil úr landi, nema nauðsynlegan farareyri eftir reglum, sem ráðherra setur.

3. Við 5. gr. Aftan við greinina bætist: og framkvæmd þessara laga.
4. Við 8. gr. Í stað orðanna „Frá gildistöku ... úr gildi“ komi: Jafnframt eru úr gildi numin lög nr. 99/1941, svo og önnur ákvæði, sem fara í bág við lög þessi.

Í sambandi við væntanlega reglugerð um úthlutun innflutnings- og gjaldeyrisleyfa, sem um getur í 4. gr. frv., vill Skúli Guðmundsson taka fram, að hann leggur áherzlu á, að jafnframt því, sem skipting innflutningsins milli innflytjenda verði ákveðin með hliðsjón af innflutningi þeirra á undanförnum árum og vöruþörfinni á einstökum verzlunarsvæðum, verði svo fyrir mælt í reglugerð, að kaupfélögin fái yfirleitt leyfi til vöruinnflutnings hlutfallslega eftir tölu félagsmanna og heimilismanna þeirra, miðað við fjölda landsmanna. og að innflutningsleyfi þeirra handa félagsmönnum breytist til hækkunar eða lækkunar með breyttri tölu félagsmanna og heimilismanna þeirra, til þess að tryggja það, að menn geti haft viðskipti sín hjá kaupmönnum eða kaupfélögum eftir því, hvort þeir vilja heldur.

Alþingi, 11. janúar 1943.

Ásgeir Ásgeirsson, form., frsm. Jón Pálmason, fundaskr. Skúli Guðmundsson.
Einar Olgeirsson. Ingólfur Jónsson.

## Ed. 172. Nefndarálit

um frv. til laga um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

Frá meiri hl. allsherjarnefndar.

Nefndin hefur sent frv. þetta, sem flutt er að tilhlutan bæjarstjórnar Reykjavíkur, til umsagnar sýslunefndar Kjósarsýslu og hreppsnefndanna á Seltjarnarnesi og í Mosfellssveit. Enn fremur hefur nefndinni borizt um það umsögn eiganda Grafarholts, hr. Björns Birnis. Allir þessir aðilar leggja á móti samþykkt frv.

Þrátt fyrir mótmæli þessi leggur meiri hluti nefndarinnar til, að frv. verði samþykkt með nokkrum breytingum.

Um það verður ekki deilt, að Reykjavíkurkaupstaður og íbúar hans þarfnast meira landrýmis en þeir nú hafa.

Í Reykjavík býr nú h. u. b. þriðjungur allra landsmanna. Hæfilegt landrými er óhjákvæmileg undirstaða afkomu, heilsu og menningar þeirra fjörutíu þúsunda, sem höfuðstaðinn byggja.

Á erfiðleikaárum getur lítils háttar grasnyt og garðrækt verið ómetanleg stoð fyrir hverja einstaka fjölskyldu. Fyrir þessari þörf verður bezt séð með því, að bæjarfélagið geti látið öllum þeim, er þessa óska, í té hæfilegt land með góðum kjörum.

Það hefur um mörg ár verið áhugamál mikils fjölda bæjarbúa, að bæjarfélagið kæmi upp fyrirmyndar kúabúi, sem einkum gæti framleitt heilnæma barnamjólk og þannig bætt úr brýnni þörf.

Með hverju ári, sem líður, fjölgar þeim, er koma sér upp sumarbústöðum. Ef almenningur á að eiga þessa kost, verður með sæmilegum kjörum að láta honum í té

land í þessu skyni á fögrum stöðum í nágrenni bæjarins. Stendur engum nær að greiða fyrir þessu en bæjarfélaginu, ef það er um það fært.

Fyrir innisetumenn mun torfundin ódýrari og hollari hressing en gönguferðir. Almenningur verður að eiga kost slíkra ferða á fjölbreytta vegu í nágrenni bæjarins. Til skamms tíma hafa slíkar ferðir í nágrenni höfuðstaðarins verið ýmsum erfiðleikum háðar, eins og fram kemur í þessum ummælum eins mætasta fræðimanns þjóðarinnar, prof. Ólafs Lárussonar, í Árbók ferðafélagsins 1936: „Mosfellssveitin er nú lokað land fyrir göngumenn, því dómsmálaráðuneytið hefur fyrir nokkrum árum staðfest samþykkt, sem leggur allt að 1000 kr. sekt við því að ganga þar utan vega „án leyfis landráðanda". Gildir það jafnt uppi á heiði sem niðri í byggð og jafnt á sumri sem vetri. Getur orðið tafsamt að ná í leyfi hjá „landráðendum" að morgni, áður en lagt er af stað í gönguferðina, enda vita menn og sjaldan með vissu fyrirfram, um hvaða landareignir þeir muni eiga leið, og flestir eru líka ókunnugir landamerkjum þar í sveitinni." Samþykkt sú, sem hér er vísað til, er lögreglusamþykkt fyrir Mosfellshrepp, staðfest 29. marz 1932 (nr. 16/1932).

Möguleikar til sand- og malartekju til bygginga og vegalagninga eru höfuðnauðsyn fyrir svo stóran bæ og vaxandi sem Reykjavík. Jafnframt sem þess ber að gæta, að með slíku jarðraski verði eigi framin jarðspjöll, sem til mikils tjóns og óprýði geta leitt.

Eru þá talin nokkur dæmi þeirrar nauðsynar, sem Reykjavíkurkaupstað er á að auka landrými sitt frá því, sem nú er. Andmælendur þessa frv. viðurkenna að vísu þessa þörf, en segja, að úr henni eigi að bæta með öðrum hætti en í frv. er ráðgert, án þess þó að benda á aðrar hagkvæmari leiðir, og fullyrða þó einkum, að vegna ákvæða laga nr. 64 frá 1941 hefði átt að bera undir Búnaðarfélag Íslands, hvernig úr þessari þörf skyldi bætt. Þetta er hinn mesti misskilningur. Tilvitnuð lög fjalla samkv. heiti sínu um „jarðakaup ríkisins vegna kauptúna og sjávarþorpa", og skilyrði þess, að þeim sé beitt, er að „hlutaðeigandi hreppur sé ekki fjárhagslega fær um að standa undir kaupunum", sbr. 2. gr. Reykjavík er hvorki kauptún né sjávarþorp, heldur kaupstaður, og hefði því ekki átt rétt á stuðningi ríkisins samkv. lögunum þegar af þeirri ástæðu. Auk þess, sem engum hefur dottið í hug, að Reykjavík hefði ekki efni á að kaupa nú nauðsynlegt landrými í þessu skyni né hún mundi fara þess á leit við ríkið, að það stæði undir kostnaðinum við þessar ráðstafanir.

Lög nr. 64 1941 koma þessu máli því ekkert við, en auk þess er hér um að ræða miklu víðtækari þarfir en svo, að Búnaðarfélag Íslands sé sérstaklega bært um þær að dæma, enda þótt því sé sleppt, að formaður þess hefur gerzt einn aðili þessa máls. Eftir beinum fyrirmælum 2. gr. sveitarstjórnarlaganna annars vegar og 62. gr. stjórnarskrárinnar hins vegar heyrir mál þetta undir Alþingi, og þess er úr því að skera, hvort með frv. þessu séu fram bornar ósanngjarnar kröfur til hagsbóta fyrir þriðjung landsmanna.

Segja mætti að vísu, að landþörf Reykvíkinga mætti fullnægja með því að bæjarsjóður eignaðist jarðir þær, er í frv. eru taldar og hann ekki þegar á. En reynslan hefur nú þegar skorið úr því, að jarðir þær, sem bærinn á í nágrenni sínu utan kaupstaðarins, verða ekki hagnýttar svo sem skyldi einmitt af þeim sökum. Lýsti hreppsfundur Mosfellshrepps því og yfir þegar 8. júní s. l., að hann teldi það hreppsfélaginu eigi hættulaust, að annað hreppsfélag eignaðist svo mikil lönd í hreppnum sem hér væri um að ræða. Sama meginhugsun kemur raunar fram í 6. gr. laga nr. 64 frá 1941, og geta þau að því leyti verið til leiðbeiningar, þótt þau að öðru leyti komi þessu máli ekki við.

Einstök ákvæði þessa frv. hvíla og á því, að lögsagnarumdæmi kaupstaðarins nái a. m. k. yfir þær landareignir, sem hann á í næsta nágrenni bæjarins. Skal því stuttlega rakið, af hverju frv. er takmarkað við þær jarðeignir, sem í því eru taldar, og meiri hluti nefndarinnar telur að til Reykjavíkur verði a. m. k. að leggja, jafnframt því sem einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til að bera fram brtt. um enn meiri stækkun lögsagnarumdæmisins.

Reykjavík er nú þegar eigandi Elliðavatns og Gufuness. Því er að vísu haldið fram af hreppsnefnd Mosfellshrepps, að skv. frv. eigi hvorki að leggja Eiði né Geldinganes undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur og sé þó hvort tveggja í eigu bæjarins. Þetta er misskilningur. Í síðasta prentaða jarðamati er Eiði ekki sérstaklega talið, heldur metið með Gufunesi. Var því ekki ástæða til að geta þess sérstaklega í frv. Athugasemdin um Geldinganes hefur meira til síns máls, og til að fyrirbyggja frekari misskilning er lagt til að breyta frv. svo, að eigi verði um deilt, að hvort tveggja falli undir lögsagnarumdæmi bæjarins. Sama er þá einnig rétt að taka berum orðum fram um Knútskot.

Jörðin Hólmur er að vísu enn eigi eign Reykjavíkurbæjar, heldur ríkisins. En skv. lögum nr. 70 frá 1942 er ríkisstjórninni heimilað að selja Reykjavíkurbæ jörðina. Úr þessari sölu hefur enn eigi orðið vegna þess, að bæði Seltjarnarneshreppur og ábúandi jarðarinnar hafa krafizt forkaupsréttar, ef jörðin verði seld. Verður eigi annað sagt en þessi krafa, einkum hreppsins, lýsi lítilli vinsemd í garð Reykjavíkur. Bæjarfélagið óskaði að eignast Hólm fyrst og fremst vegna þess, að með svipaðri nýtingu jarðarinnar og verið hefur er vatnsbóli bæjarins, Gvendarbrunnum, mikill voði búinn. Enn fremur stendur til, að verulegur hluti lands jarðarinnar leggist til Heiðmerkur, hins fyrirhugaða friðlands Reykvíkinga. Nokkur hluti Seltjarnarneshrepps nýtur vatns úr vatnsveitu bæjarins, og mætti því ætla, að hreppsnefndinni væri áhugamál, að tryggilega væri um þetta vatnsból búið. Er því ekki að efa, að hreppsnefndin mundi sjá um, að svo yrði, ef hún fengi eignarumráð jarðarinnar. En úr því að Reykjavíkurbær býðst til þess að bera einn allan kostnað af þessum ráðstöfunum, virðist ástæðulaust að meina honum það, enda á hann mest í húfi. Enda er forkaupsréttarkrafa hrepps og ábúanda meira en hæpin, þar sem söluheimildin í lögunum nr. 70 frá 1942 er bundin við bæjarsjóð Reykjavíkur einan.

Ástæðurnar fyrir því, að lögsagnarumdæmið nái yfir Grafarholt og Korpúlfsstaðatorfuna, eru ýtarlega raktar í greinargerð frv., og skulu þær ekki endurteknar hér.

En þess skal getið, að sízt ber að saka Reykjavíkurbæ um, að hann hafi eigi lagt sig nægilega í framkróka um samninga við hreppsnefnd Mosfellshrepps og eiganda Grafarholts, því að þeim samningum var haldið áfram þar til sýnt var, að samningar, a. m. k. á því stigi, voru vonlausir, þar sem svo mikið bar á milli.

Svo sem getur í grg. frv., er ágreiningur um það, hvort forkaupsréttarkrafa Mosfellshrepps að hluta af Korpúlfsstaðatorfunni hafi við lög að styðjast. Meiri hluti nefndarinnar telur, að svo sé ekki. En hvað sem um það er, þá lítur meiri hluti nefndarinnar svo á, að mestu máli skipti, að Reykjavík hefur meiri þörf fyrir þessar eignir en Mosfellshreppur og því séu þær betur komnar í lögsagnarumdæmi bæjarins og eigu hans en hreppsins. Þess vegna eigi Alþingi hið bráðasta að gera ráðstafanir til þess, að svo geti orðið.

Úr því að bæjarstjórn hafði náð kaupum á Korpúlfsstaðatorfunni með svo hagkvæmum kjörum, sem raun varð á, hefði verið lítt verjandi að láta verulegan hluta hennar á ný ganga úr greipum bæjarins. Játa má þó, að skiljanlegt sé, að bæjarstjórn reyndi að ná friðsamlegum samningum við hreppinn og prófaði því til þrautar, hvort tilboð hans væri aðgengilegt.

Svo sem í grg. frv. segir, vildi hreppsnefndin jafna málið með því að hafa skipti á Grafarholti eða miklum hluta þess og verulegum hluta Korpúlfsstaðatorfunnar. Bæjarstjórn lét því fara fram sams konar mat á hvoru tveggja.

Eftir því, sem næst verður komizt um stærð þeirra landa, sem skipta átti á, og er þá eftir tölum matsnefndar bæjarins farið um heildarstærð Grafarholts, þá vildi hreppsnefndin fá í sinn hlut af Korpúlfsstaðatorfunni: 688 ha af óræktuðu landi, 120 ha. af ræktuðu landi, fjós og hlöðu á Lágafelli og 100 þús. kr. í milligjöf. Gegn þessu átti bærinn að fá úr Grafarholtslandi: 700 ha af óræktuðu landi og 8 af ræktuðu landi, allt húsalaust. Lætur þá nærri, að óræktaða landið sé jafnstórt beggja vegna, það, sem bærinn átti að fá, þó 12 ha meira en hann lét. Munar þá

fullum 100 ha. af ræktuðu landi, fjósi og hlöðu á Lágafelli og 100 þús. kr. í reiðufé, sem bærinn átti að láta umfram það, sem hann fengi.

Ef farið er eftir heildarmati matsnefndar bæjarins á Korpúlfsstaðatorfunni, mun láta nærri, að sá hluti, sem hreppurinn vildi fá, verði með húsum metinn á rösk 500 000 kr., og er þó eigi til neinnar hlítar hægt að segja, hvernig nokkurn hluta slíkra heildarkaupa beri að meta, en minna en þetta verður þessi hlutinn vart metinn. Eftir sömu aðferð er sá hluti Grafarholts, sem bænum var boðinn, metinn á tæpar 80 000 kr. Þ. e. bærinn átti að hafa jöfn skipti á 80 þúsundum og hálfri milljón. Eða bænum er boðið Grafarholt fyrir rúmlega sex sinnum hærra verð hlutfallslega en hann samdi um að gefa fyrir Korpúlfsstaðatorfuna.

Er þá alveg sleppt þeim 100 000 kr., sem bærinn auk alls þessa átti að gefa í milligjöf. Eftir því, sem næst verður komizt, mun heldur eigi af hreppsins hálfu hafa verið meiningin að skoða nema helming þess sem eiginlega milligjöf í þessu sambandi. Hitt átti að líta á sem bætur fyrir gjaldendamissi. Þær 50 000 kr., sem í milligjöfina áttu að fara, má aftur á móti láta vega á móti því, sem eigandi Grafarholts telur matsnefndina hafa vantalið stærð þessa hluta lands síns og hann telur sér einmitt 50 þúsund króna virði.

Þessi samanburður ætti til fullnustu að sýna, að bæjarstjórn Reykjavíkur var eigi láandi, þótt hún gæfist upp við samninga við hreppsnefndina og eiganda Grafarholts og hlutaðist í þess stað til um, að málið væri þegar borið undir Alþingi, sem hvort eð er varð að fá málið til meðferðar.

Um eignarnám Grafarholts er óþarft að fjölyrða. Þörf bæjarins til þess er viðurkennd af öllum, núverandi eiganda þess ekki síður en öðrum. Hitt er annað mál og skiljanlegt, að honum er sárt um þessa eign sína og á erfitt með að sætta sig við að láta hana af hendi. Sjálfsagt er því að gera í alla staði vel til hans, en landslögum verður hann að lúta sem aðrir, og úr því að honum og bænum kemur ekki saman um kaupverðið og þörf bæjarins er óumdeild, er eigi annað fyrir hendi en láta eignarnám fara fram með venjulegum hætti, og þar eð hann óskar, að unnt sé að láta bæði undir- og yfirmat fram fara, þykir rétt að breyta frv. í samræmi við það.

Loks er að minnast á Keldur, sem lagt er til, að lagðar verði undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur, þótt bærinn hvorki eigi þær né hafi hug á að eignast. En þar sem þær eru eign ríkisins og hreppsnefnd Mosfellshrepps á sjálf tillöguna að því, að þær séu lagðar undir Reykjavík, og það er vegna legu þeirra eðlilegast, þykir sjálfsagt að gera það.

Hefur þá verið sýnt fram á, að frv. fer hvergi fram yfir það, sem full sanngirni er til og ríkar ástæður eru til um hverja einstaka eign, sem þar er talin, að leggja hana til Reykjavíkur. Hið sama á einnig við um þann hluta Vatnsendalands, sem til Heiðmerkur á að leggjast og bærinn þegar hefur fengið eignarnámsheimild til. Er því lagt til að breyta frv. svo, að það land komi einnig undir Reykjavík.

Meiri hluti nefndarinnar leggur því til, að frv. verði samþykkt með eftirtöldum

BREYTINGUM.

1. Við 1. gr. Greinina skal orða svo:

Frá 1. marz 1943 skal leggja undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur jarðirnar Elliðavatn og Hólm í Seltjarnarneshreppi ásamt lóðum og löndum, sem úr þeim hafa verið seldar, svo og spildu þá úr landi jarðarinnar Vatnsenda í sama hreppi, er bæjarstjórn Reykjavíkur kann að taka eignarnámi samkv. heimild í lögum nr. 57 4. júlí 1942. Enn fremur skal leggja undir lögsagnarumdæmið frá sama tíma jarðirnar Grafarholt, Gufunes, Keldur, Eiði, Knútskot og þann hluta Korpúlfsstaðatorfunnar, er Reykjavíkurbær hefur fest kaup á (Korpúlfsstaðir, Lambhagi, Varmá og hluti af Lágafellslandi) í Mosfellshreppi, ásamt öllum lóðum og löndum, sem seldar hafa verið úr þeim, að því landi undanteknu, er þegar

hefur verið selt úr landi jarðarinnar Varmár undir þingstað á Brúarlandi og verksmiðjuhverfi á Álafossi.

2. Við 3. gr. Aftan við greinina bætist: Eignarnámið skal framkvæmt samkv. lögum nr. 61 14. nóv. 1917.
3. Við 6. gr. Upphaf greinarinnar skal orða svo:
   Allar fjárgreiðslur samkv. lögum þessum, aðrar en endurgjald fyrir Grafarholt samkv. 3. gr., skulu ákveðnar af gerðardómi o. s. frv.

Alþingi, 10. janúar 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Brynjólfur Bjarnason. Lárus Jóhannesson.

## Sþ. 173. Tillaga til þingsályktunar

um aukauppbót á styrki til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna.

Flm.: Barði Guðmundsson, Gunnar Thoroddsen, Gísli Sveinsson, Páll Þorsteinsson, Sigfús Sigurhjartarson.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að greiða aukauppbót á styrk þann til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna, sem Menntamálaráð Íslands úthlutar samkvæmt ákvæðum fjárlaga, eftir reglum þeim, er greinir í þingsályktun frá 28. ágúst 1942 um sérstakar launabætur embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins.

Greinargerð.

Árði 1939 fól Alþingi menntamálaráði Íslands að annast úthlutun fjár, sem veitt var í fjárlögum fyrir árið 1940 til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna, og hefur sú skipan haldizt síðan. Með þingsályktun frá 28. ágúst 1942 er ákveðið, að greiða skuli 25—30% aukauppbót á laun embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins. Munu þær uppbætur hafa verið látnar ná einnig til fjárveitinga samkvæmt 18. gr. fjárlaga. Nú er máli þannig háttað, að fjárveitingar til rithöfunda og listamanna voru flestar á þessari fjárlagagrein áður en menntamálaráði var falin úthlutunin (sbr. g-lið 18. gr. fjárlaga fyrir árið 1940). Má þannig auðsætt vera, að nýskipanin á veitingu styrkjanna hefur orðið rithöfundum og listamönnum til tjóns, þar sem þeir annars mundu sjálfsagt hafa notið aukauppbótarinnar. Öll sanngirni virðist þannig mæla með því, að þeir rithöfundar, skáld, vísindamenn og listamenn, sem menntamálaráð veitti styrki á síðastliðnu ári, njóti þeirrar uppbótar, sem greind þingsályktun fjallar um. Þarf naumast að taka það fram, að dýrtíðin mæðir ekki síður á þeim mönnum, sem hér eiga hlut að máli, en starfsmönnum ríkisins.

## Nd. 174. Nefndarálit

um frv. til laga um einkasölu á bifreiðum, bifhjólum, hjólbörðum, hjólbarðaslöngum og um úthlutun bifreiða.

Frá 3. minni hluta fjárhagsnefndar.

Við athugun í fjárhagsnefnd kom í ljós, að nefndin klofnaði í þrennt. Tveir nefndarmenn, Ásgeir Ásgeirsson og Skúli Guðmundsson, vilja samþykkja frumvarpið óbreytt. Einar Olgeirsson vill breyta því verulega, en við undirritaðir leggjum til, að það verði fellt.

Þegar heimildarlögin um einkasölu á bifreiðum, rafvélum, rafáhöldum o. fl. voru til umræðu á Alþingi 1934, þá stóðu um þau harðar deilur, og þau voru keyrð í gegn í andstöðu við Sjálfstæðisflokkinn. Meðhaldsmenn þessara laga færðu einkasölum á þessum vörum þrennt til gildis, og var það varðandi bifreiðarnar einkum þetta:

1. Að hægra mundi vera að hafa jafnan fyrirliggjandi nægar birgðir af þessari vöru.
2. Að hægt væri að fækka innfluttum tegundum og gera reksturinn tryggari með nægum varahlutabirgðum.
3. Að bifreiðarnar yrðu ódýrari en ella.

Nú hefur reynslan afsannað öll þessi rök og tvö þau fyrr töldu svo rækilega sem verða má. Það hefur frá því fyrsta að einkasalan tók til starfa verið skortur á bifreiðum, sem ekki bar á áður. Að fá bifreið hefur síðan einkasalan tók til starfa verið skoðað sem eins konar náðarbrauð, og um náðarbrauðin verður ævinlega einhver togstreita.

Tegundum bifreiða hefur fjölgað í landinu, síðan einkasalan tók til starfa, úr 75 1936 í 102 1941, og örðugleikar með varahluti stöðugt farið vaxandi. Þó hafa önnur fyrirtæki en einkasalan bjargað því máli eftir beztu getu, en haft til þess stórum verri aðstöðu en ella, af því að þeim hefur verið bannað að verzla með bifreiðarnar.

Um þriðja atriðið, verð bifreiðanna, er ekki hægt að koma eins óyggjandi sönnunum að, af því að frjáls sala hefur ekki komið til greina, en allar líkur og öll reynsla, sem fengin er um verzlun með aðrar vörur, bendir í þá átt, að bifreiðarnar hefðu verið til muna ódýrari, ef verzlunin með þær hefði verið frjáls.

Þá er þess að geta, að sú röksemd, sem færð er fyrir því að endurreisa þessa einkasölu, að með því séu ríki og sveitarfélögum tryggðar tekjur, sem ella fáist ekki, hún fær ekki heldur staðizt, því að ekkert er auðveldara en að ná jafnmiklum eða meiri tekjum af þessari verzlun með því að hafa ekki einkasölu.

Við teljum samkvæmt framansögðu, að bifreiðaeinkasalan hafi með starfsemi sinni sannað rækilega alla ókosti einkasöluverzlunar og því sé fjarri lagi að endurreisa þessa stofnun.

Alþingi, 7. janúar 1943.

Jón Pálmason, frsm. Ingólfur Jónsson.

## Sþ. 175. Tillaga til þingsályktunar

um rannsókn á virkjun Lagarfoss.

Flm.: Lúðvík Jósefsson, Sigurður Thoroddsen.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að láta fram fara á sumri komanda ýtarlega rannsókn á virkjun Lagarfoss og dreifingu orkunnar með tilliti til raforkuþarfar Austurlands.

Greinargerð.

Á Austurlandi er raforkumálum illa komið. Í þeim þorpum, sem rafmagn hafa, eru rafstöðvar og veitur gamlar og ófullnægjandi, og má heita, að í sumum þeirra sé nú sem næst rafmagnslaust.

Á Seyðisfirði er gömul og ónóg vatnsorkustöð, og stendur fyrir dyrum allveruleg aukning á henni.

Í Neskaupstað er olíuhreyfilstöð algerlega ófullnægjandi.

Á Eskifirði er ein elzta vatnsaflsstöð á landinu mjög úr sér gengin, svo að þorpið verður rafmagnslaust, ef ekki verður bráðlega ráðin á þessu bót.

Frá Reyðarfirði liggur nú fyrir þinginu beiðni um allmikla ábyrgðarheimild til óverulegrar aukningar á rafveitunni þar.

Fáskrúðsfjörður á við allt of litla raforku að búa, sem tæplega nægir til ljósa.

Héraðið allt er rafmagnslaust, nema hvað Eiðaskóla og Hallormsstaðaskóla viðvíkur, auk einstakra bæja.

Eins og þessi lýsing ber með sér, verður innan skamms að gera einhverjar ráðstafanir til verulegra endurbóta í öllum þorpum þar eystra. Við þau flest háttar þannig til, að möguleikar eru þar til smávirkjana, sem þó gera ekki meira en að fullnægja þörfinni í bili, ef í þær er ráðizt, hvað þá að vera til frambúðar.

Sú skoðun ryður sér nú æ meira og meira til rúms, að stefna beri að fáum en stórum virkjunum, en hverfa frá hinum mörgu og dreifðu smávirkjunum. Fyrir Austurland er ekki um að ræða til slíkrar virkjunar nema eitt fallvatn, þar sem er Lagarfljót.

Þrátt fyrir þetta hefur engin nákvæm rannsókn farið fram um virkjun Lagarfoss. Að vísu er til ágizkun um virkjanlegt afl í fossinum og það talið um 30 000 hö., en um aðstöðu til virkjunar og dreifingar orkunnar til byggða og þorpa austanlands eru engar áreiðanlegar heimildir til. Má segja, að Austurland hafi hér verið sniðgengið, því að í öðrum fjórðungum landsins hafa verið gerðar allverulegar athuganir um þessi atriði.

Á síðasta Alþingi var kosin milliþinganefnd í raforkumálum. Átti hún einkum að gera tillögur um fjáröflun til þess að koma upp rafveitum, sem gætu komið nægri raforku út um allar byggðir landsins. Þá var og ríkisstjórninni falið að láta rannsaka skilyrði til vatnsaflsvirkjana í fallvötnum landsins.

Þessi tillaga, sem hér liggur fyrir, er fram borin þrátt fyrir þessar fyrri samþykktir, til þess að ákveða það skýlaust, að rannsókn á virkjunaraðstöðu fyrir Austurland, í Lagarfossi, fari fram á sumri komanda.

Þorp og sveitir eystra bíða nú eftir að fá úr því skorið, hvort kleift sé að virkja sameiginlega á einum stað eða hvort þau eigi að ráðast í sína virkjunina hvert. Rannsókn þessi er því aðkallandi nauðsynjamál, sem engan drátt þolir.

Það fer ekki hjá því, að ef þessi rannsókn leiðir það í ljós, eins og flutningsmenn búast við, að stórvirkjun í Lagarfossi sé heppilegri leið en sú, sem hingað til hefur verið farin, muni með henni skapast nýir og stórfelldir möguleikar fyrir Austfirðinga til margháttaðrar atvinnu og menningarskilyrði einnig stóraukast.

## Nd. 176. Breytingartillaga

við frv. til laga um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

Frá Skúla Guðmundssyni, Ásgeiri Ásgeirssyni og Einari Olgeirssyni.

Við 2. gr. 5. töluliður orðist svo:

5. Annast innflutning brýnna nauðsynja eftir ákvörðun ríkisstjórnarinnar, ef hún telur sýnilegt, að innflytjendur sjái ekki þörfum þjóðarinnar borgið, eða aðrar ástæður gera slíkar ráðstafanir nauðsynlegar að dómi ríkisstjórnarinnar.

## Nd. 177. Tillaga til þingsályktunar

um rannsókn á skilyrðum fyrir rafleiðslu frá Akureyri til Dalvíkur.

Flm.: Garðar Þorsteinsson.

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta sérfræðinga sína rannsaka og gera grein fyrir möguleika á því að leiða rafmagn frá Akureyri til Dalvíkur, um Dagverðareyri og Hjalteyri.

Greinargerð.

Eins og kunnugt er, hefur Akureyrarkaupstaður virkjað Laxárfossa í Suður-Þingeyjarsýslu. Stöðin gefur 2000 hestöfl. Nú hefur Akureyrarbær í hyggju að stækka stöðina um 4000 hestöfl, upp í 6000 hestöfl, og hefur þegar leitað til Alþingis um ábyrgð ríkissjóðs vegna kostnaðar við þessa stækkun aflstöðvarinnar. Auk þess framleiðir Glerárstöðin 300 hestöfl.

Þingsályktunartill. sú, er hér kemur fram, fer fram á, að ríkisstjórnin láti kunnáttumenn sína rannsaka möguleika á því að leiða rafmagn frá Akureyri út um Eyjafjörð til Dalvíkur. — Á leiðinni frá Akureyri eru þrjár síldarverksmiðjur, Krossanesverksmiðjan, Dagverðareyrarverksmiðjan og Hjalteyrarverksmiðjan. Allar þessar verksmiðjur mundu, ef þess væri kostur, nota við síldarvinnsluna rafmagn frá Laxárvirkjuninni um Akureyri. Það má gera ráð fyrir verulegri stækkun þessara verksmiðja í náinni framtíð, auk þess sem herzla lýsis verður væntanlega framkvæmd strax og möguleikar eru á, og eykur það allt notkun raforku. Dalvík er allfjölmennt þorp, með um 400 íbúa. Má gera ráð fyrir, að þar mundi rísa upp iðnaður í sambandi við fiskvinnslu og síldarvinnslu, ef rafmagn væri leitt þangað. Svarfaðardalur er fjölmenn og blómleg sveit, sem einnig mundi leiða til sín rafmagn, ef það þegar væri komið til Dalvíkur. Á leiðinni frá Akureyri til Dalvíkur eru tvö þorp, Litli-Árskógssandur og Hauganes, og er þaðan rekin útgerð í allstórum stíl. Mundi þar einnig geta risið upp nokkur iðnaður, ef rafmagn væri leitt þar um. Möguleikar mundu einnig vera á að leggja rafmagn frá aðallínunni frá Litla-Árskógssandi til Hríseyjar.

Mér virðist, að gera megi ráð fyrir, að ódýrara hljóti að vera að leiða rafmagn frá Akureyri þessa leið heldur en virkja vatnsföll og leiða síðan rafmagn þaðan til þessara staða, en það hlýtur að reka að því fyrr en síðar, að atvinna og lífsafkoma manna á þessum stöðum geri það óumflýjanlegt, að rafmagn verði leitt til þessara byggðarlaga.

Nú stendur fyrir aukning orkuversins við Laxárfossa, og er því tillaga þessi borin fram nú, svo rannsakaðir verði til fullnustu möguleikar á frekari aukningu orkuversins, ef með þarf, svo að hægt verði að leiða rafmagn út um Eyjafjörð.

## Nd. 178. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

1. gr. laganna verði þannig:

Til þess að bæta samgöngur um vatnasvæði Þverár og Markarfljóts í Rangárvallasýslu og varna skemmdum af ágangi vatns, skal gera þessi mannvirki:

1. Nauðsynlegar fyrirhleðslur til þess að veita Markarfljóti, Álum, Affalli og Þverá að Markarfljótsbrú.

2. Nauðsynlegar endurbætur og lenging varnargarðsins hjá Seljalandi til varnar landspjöllum undir Eyjafjöllum.
3. Varnargarð fyrir innan Barkarstaði, ef nauðsynlegt þykir.
4. Nauðsynlegar fyrirhleðslur og önnur mannvirki til varnar gegn yfirvofandi stórfelldum skemmdum á vatnasvæðinu að dómi atvinnumálaráðherra.
5. Flóðgáttir til áveitu, þar sem öruggt er og nauðsyn þykir.

2. gr.

4. og 5. málsgr. 2. gr. laganna orðist svo:

Ríkissjóður kostar að öllu leyti mannvirki þau, sem talin eru í 1. gr. 1. og 2. lið.

Ríkissjóður kostar ⅞ hlutum mannvirki þau, sem talin eru í 3. lið, en sýslufélag Rangárvallasýslu að ⅛ hluta.

Ríkissjóður kostar að ¾ hlutum fyrirhleðslur og önnur mannvirki, sem talin eru í 4. og 5. lið, og sýslufélag Rangárvallasýslu að ¼ hluta.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 179. Frumvarp til laga

um orlof.

(Eftir 2. umr. í Ed.).

1. gr.

Lög þessi gilda um allt fólk, sem starfar í þjónustu annarra, hvort heldur einstaklinga eða hins opinbera. Undanteknir eru þó:

a. Iðnnemar, sbr. 9. gr. laga nr. 100 11. júní 1938, um iðnaðarnám.
b. Starfsmenn fiskiskipa, sem ráðnir eru eftir reglum um hrein hlutaskipti og hlutarmaður tekur þátt í útgerðarkostnaði að meira eða minna leyti. Þó skal, ef hlutarmaður óskar þess, greiða honum orlofsfé þannig, að helmingur þess sé tekinn af kaupi hans sjálfs, en hinn helminginn greiði útgerðarmaður.

2. gr.

Lög þessi rýra í engu orlofsrétt þeirra, sem samkvæmt samningi eða venju eiga eða kunna að eignast betri orlofsrétt en í lögum þessum er ákveðið.

Samningar um takmarkanir á orlofsrétti samkvæmt lögum þessum eru ógildir.

3. gr.

Sérhver, sem lög þessi ná til, hefur rétt og skyldu til orlofs ár hvert jafnmarga virka daga og hann hefur unnið marga almanaksmánuði samanlagt næsta orlofsár á undan, en orlofsár merkir í lögum þessum tímabilið frá 15. maí til 14. maí næsta ár á eftir.

Telst í þessu sambandi hálfur mánuður eða meira sem heill mánuður, en skemmri tími er ekki talinn með.

Það telst vinnutími samkvæmt þessari grein, þótt maður sé frá vinnu vegna veikinda eða slysa, meðan hann fær kaup greitt, eða hann er í orlofi.

4. gr.

Sá, sem fer í orlof, á rétt á að fá greitt sem orlofsfé 4% — fjóra af hundraði — af kaupi því, sem hann hefur borið úr býtum fyrir vinnu sína næsta orlofsár á undan.

Nú hefur maður unnið eftirvinnu, nætur- eða helgidagavinnu, og greiðist þá orlofsfé aðeins af þeirri upphæð, sem greidd hefði verið fyrir þá vinnu, ef það hefði verið dagvinna. Þó skulu farmenn fá greitt orlofsfé af eftirvinnukaupi eins og það er á hverjum tíma.

Orlofsfé greiðir sá eða þeir, sem orlofsréttháfi hefur unnið hjá á orlofsárinu, og fer greiðsla fram með orlofsmerkjum hvert skipti sem útborgun vinnulauna fer fram.

Ákvæði þetta gildir þó ekki um starfsmenn, sem eru í fastri stöðu. Þegar þeir fara í orlof og hafa unnið hjá sama vinnuveitanda samfleytt næsta orlofsár á undan, halda þeir kaupi sínu óskertu orlofsdagana, jafnháu og þeir hefðu unnið venjulegan vinnutíma. Kaup fyrir orlofsdagana skulu þeir fá greitt næsta virkan dag áður en orlof hefst.

Nú fer maður úr fastri stöðu, og greiðir vinnuveitandi þá með orlofsmerkjum orlofsfé af kaupi því, er starfsmaðurinn vann fyrir á því orlofsári.

Starfsmaður, sem er í fastri stöðu, þegar hann fer í orlof, en hefur ekki unnið hjá sama vinnuveitanda samfellt næsta orlofsár á undan, fær greitt orlofsfé með orlofsmerkjum næsta virkan dag áður en orlof hefst, og miðast það við kaup það, er hann vann fyrir hjá núverandi vinnuveitanda á orlofsárinu.

Krafa um greiðslu orlofsfjár er forgangskrafa í dánar- eða þrotabúi vinnuveitanda til jafns við kröfur þær, sem um ræðir í 83. gr. b, 5. lið, skiptalaganna, nr. 3 12. apríl 1878.

5. gr.

Nú tekur maður ekki kaup beint frá vinnuveitanda, heldur fær kaupið greitt t. d. með þjórfé að öllu eða nokkru leyti, og skal upphæð orlofsfjár þá miðast við framtal tekna til skatts næsta ár á undan, eða áætlun skattanefndar um vinnutekjur, ef ekki var talið fram til skatts.

6. gr.

Eigi skal reikna orlofsfé af greiðslum, sem ætlaðar eru til borgunar á sérstökum kostnaði vegna starfsins, t. d. ferðakostnaði, og ekki teljast skattskyldar.

Sama gildir um áhættuþóknanir, sem greiddar eru vegna stríðshættu.

7. gr.

Nú er kaup greitt með fæði, húsnæði eða öðrum hlunnindum að öllu leyti eða einhverju, og greiðist þá orlofsfé af verðmæti þess, sem miðast við mat skattanefndar á hlunnindum þessum til tekna við síðustu ákvörðun tekjuskatts.

8. gr.

Ríkisstjórnin hlutast til um, að póststjórnin gefi út orlofsmerki og orlofsbækur á þann hátt, er fyrir er mælt í lögum þessum og reglugerð, er sett skal samkvæmt þeim.

Í reglugerðinni skal ákveðin gerð merkjanna, með hvaða upphæðum í aurum eða krónum þau skulu gefin út og hvernig sölu þeirra skuli hagað.

Orlofsmerki skulu vera til sölu og orlofsbækur til afhendingar í öllum póststöðvum, þar sem póstfrímerki eru seld.

Merkin skulu seld vinnuveitendum með ákvæðisverði og starfsmönnum afhentar ókeypis þær bækur, sem eru þeim nauðsynlegar.

Í bækurnar skal starfsmaður rita nafn sitt, stétt og heimili, um leið og bókin er afhent og í viðurvist þess, er afhendir honum bókina. Hver bók skal aðeins gilda fyrir eitt orlofsár, og skal það tilgreint fremst í bókinni, og má aðeins festa í þær orlofsmerki fyrir vinnu á því orlofsári. Í reglugerð skulu sett ákvæði um gerð bókanna og notkun, svo og um önnur atriði varðandi framkvæmd laga þessara, er þurfa þykir.

Allur kostnaður við orlofsmerki og orlofsbækur greiðist úr ríkissjóði.

Þegar kaupgreiðandi afhendir starfsmanni orlofsmerki, skal kaupgreiðandi sjálfur festa þau í orlofsbók starfsmannsins á þann hátt, er fyrir er mælt í reglugerð um orlof, og skrifa í bókina það, sem reglugerðin ákveður.

9. gr.

Orlof skal veitt í einu lagi á tímabilinu 1. júní til 15. september. Þó skal þeim, er vinna við sveitavinnu eða síldveiði, veitt orlof á öðrum tímum árs eftir því, sem nánar verður ákveðið í reglugerð, og er ríkisstjórninni með sama hætti heimilt að ákveða að víkja frá ákvæðum í upphafi greinarinnar um fleiri starfsgreinar, er nauðsynlegt þykir, að aðrar reglur gildi um.

Aðilar geta með samkomulagi ákveðið, að orlofi skuli skipta og að það skuli veitt á öðrum tímum árs en í 1. mgr. segir.

10. gr.

Nú er starfsmaður í starfi á þeim tíma, þegar hann vill fara í orlof, og ákveður vinnuveitandi þá, með a. m. k. viku fyrirvara, hvenær honum skuli veitt orlof, nema samkomulag verði um annað.

Ritar vinnuveitandi í orlofsbók starfsmanns vottorð um það, hvaða daga orlof hans skuli standa yfir.

11. gr.

Geti starfsmaður ekki vegna veikinda farið í orlof á þeim tíma, er vinnuveitandi ákveður samkv. 10. gr., skal hann sanna forföll sín með vottorði sjúkrasamlagslæknis síns, ef hann er í sjúkrasamlagi, en annars héraðslæknis. Læknisvottorð skal ritað í orlofsbók. Getur starfsmaður þá krafizt orlofs og greiðslu andvirðis orlofsmerkja á öðrum tímum en ákveðið er í 9. gr., en þó ekki síðar en svo, að orlofi hans sé lokið fyrir 31. maí næstan á eftir.

Geti starfsmaður ekki vegna veikinda farið í orlof fyrir þann tíma, á hann rétt á að fá greitt andvirði orlofsmerkja sinna, ef hann sannar veikindi sín á sama hátt og að ofan greinir.

12. gr.

Nú er maður ekki í starfi, þegar hann vill fara í orlof, eða er orðinn sjálfstæður atvinnurekandi eða hættur að starfa í þjónustu annarra af öðrum ástæðum, og skal hann þá snúa sér til oddvita, bæjar- eða borgarstjóra, þar sem hann er heimilisfastur, og gefa skriflega yfirlýsingu um, að hann ætli að fara í orlof tiltekna daga, en sá, sem við yfirlýsingunni tekur, ritar vottorð í orlofsbók hlutaðeiganda um, að hann hafi tekið við yfirlýsingunni, og um innihald hennar, enda sé yfirlýsingin geymd í hans vörzlum.

13. gr.

Þegar ritað hefur verið í orlofsbók vottorð samkvæmt því, sem segir í 10. og 12. gr., snýr starfsmaður sér til einhverrar póststöðvar og fær þar, hinn síðasta virka dag áður en orlof hefst eða síðar, greidda í peningum samanlagða upphæð orlofsmerkja, sem fest eru í orlofsbókina, gegn afhendingu bókarinnar með áritaðri kvittun fyrir móttöku upphæðarinnar.

Nú er orlofsbók ekki lögð fram í póststöð til innlausnar fyrir 15. september fyrir næsta orlofsár á undan, og fellur þá andvirði orlofsmerkjanna til ríkissjóðs, nema sérstök heimild sé í lögum þessum eða reglugerð samkvæmt þeim til þess að fresta innlausn bókarinnar. Þó getur ráðherra, þegar sérstaklega stendur á, veitt frest í þessu efni til loka yfirstandandi orlofsárs.

Andvirði orlofsmerkja greiðist dánarbúi manns, sé það sannað með dánarvottorði, rituðu í orlofsbók, að hann sé látinn.

14. gr.

Nú er orlofi skipt samkvæmt heimild í 9. gr. laga þessara, og skal þá stíla vottorð þau, sem um ræðir í 10. gr. og 12. gr., í samræmi við það. Verður síðan aðeins greiddur í það sinn sá hluti samanlagðrar upphæðar orlofsmerkja í orlofsbók, sem svarar til þess hluta orlofs, er vottorð ræðir um. Skal rita í orlofsbókina kvittun fyrir greiðslunni, en afhenda bókina síðan þeirri póststöð, sem greiðir eftirstöðvar orlofsmerkjanna.

15. gr.

Kröfur á hendur vinnuveitendum samkvæmt lögum þessum falla úr gildi fyrir fyrning, ef þær hafa ekki verið viðurkenndar eða lögsókn hafin innan loka næsta orlofsárs eftir að kröfurnar stofnuðust.

16. gr.

Óheimilt er manni að vinna fyrir kaupi í starfsgrein sinni meðan hann er í orlofi.

17. gr.

Framsal orlofsmerkja og flutningur orlofsmerkja milli ára er óheimill.

18. gr.

Það varðar sektum, er renna í ríkissjóð, ef:

1. Vinnuveitandi lætur starfsmann sinn ekki fá orlof eða orlofsfé samkvæmt lögum þessum, nema um ítrekað brot sé að ræða, því þá má dæma hann til varðhalds.
2. Ef vinnuveitandi gerir samning við starfsmann sinn, sem bannaður er í 2. gr. 2. mgr.
3. Ef starfsmaður brýtur ákvæði 16. og 17. gr., og skal þá jafnframt, ef brot er ítrekað, ákveða með dómi missi orlofsréttar næsta orlofsár eftir að dómur er kveðinn upp.

Mál út af brotum þessum skulu sæta meðferð almennra lögreglumála. Sökin fyrnist, ef mál er eigi höfðað áður en næsta orlofsári lýkur eftir að brot var framið.

19. gr.

Ef eigi er öðruvísi ákveðið í lögum þessum, skulu öll mál út af réttindum og skyldum samkvæmt þeim og til fullnægingar öllum kröfum í því sambandi heyra undir félagsdóm.

## Nd. 180. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts.

Frá Sveinbirni Högnasyni.

Við 1. gr. lið 3. Liðurinn orðist svo: Varnargarða innan Háamúla í Fljótshlíð og sunnan Markarfljótsbrúar undir Eyjafjöllum, eftir því sem þurfa þykir til að verjast eyðingu gróðurlendis á þessum slóðum.

## Sþ. 181. Breytingartillaga

við till. til þál. um ráðstafanir til eflingar íslenzkum landbúnaði.

Frá Páli Þorsteinssyni.

Í stað orðanna „samfærslu byggðarinnar“ í 1. tölulið tillögunnar komi: fjölgun býla.

## Nd. 182. Breytingartillaga

við frumv. til l. um stofnun embættis háskólabókavarðar við Háskóla Íslands.

Flm.: Páll Zóphóníasson.

2. gr. orðist svo:
Háskólabókavörður skal njóta sömu launakjara og landsbókavörður.

## Nd. 183. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

Frá minni hluta sjávarútvegsnefndar.

Í frumvarpi þessu felast fjórar aðalbreytingar á lögunum um fiskveiðasjóð.

1. Að fiskveiðasjóður fái útflutningsgjald það af sjávarafurðum, sem nú rennur í ríkissjóð.
2. Að heimild fiskveiðasjóðs til lántöku, allt að 4 millj. kr., falli niður.
3. Vextir af lánum úr sjóðnum lækki úr 4½% niður í 3%.
4. Þriðjungi af útflutningsgjaldi fiskveiðasjóðs, og auk þess 2 millj. kr. sérstöku framlagi úr ríkissjóði árið 1943, sé varið til að veita styrki til skipakaupa og skipabygginga, allt að ¼ kostnaðarverðs (til minni skipa en 150 smál. brúttó). Fiskveiðasjóður úthluti styrkjum þessum.

Einnig er ákvæði um, að lán megi greiða í þrennu lagi, meðan á byggingu skips stendur, og að eingöngu 1. veðréttar lán séu heimil úr sjóðnum.

Lögunum um fiskveiðasjóð var síðast breytt á Alþingi 1941, eða fyrir ca. hálfu öðru ári. Þá var sjóðnum fenginn ¼ hluti af útflutningsgjaldi ríkissjóðs, lántökuheimild hans hækkuð úr 1½ millj. kr. upp í 4 millj., lánstími lengdur úr 12 í 15 ár og útlánsvextir lækkaðir úr 5½ niður í 4½%. Í því sambandi má nefna, að vextir af landbúnaðarlánum eru nú 4—5%. Höfuðstóll sjóðsins var um síðustu áramót nálega 4.7 millj. kr., og þar af átti hann í útlánum nálega 3.4 millj. Lánveitingar á árinu 1942 voru nálega 1560 þús. kr. Eins og kunnugt er, hefur sjóðurinn aðallega lánað til fiskiskipa, en þó nokkuð til frystihúsa og lifrarbræðslustöðva.

Sjávarútvegsnefnd hefur um frumvarp þetta leitað umsagnar fiskveiðasjóðs, Fiskifélags Íslands, fiskimálanefndar, Farmanna- og fiskimannasambands Íslands og Landssambands útgerðarmanna. Frá hinum síðast nefnda aðila hafa nefndinni eigi borizt svör. Hinir fjórir aðilarnir, sem svarað hafa, æskja allir meiri og minni breytinga á frv. Yfirleitt eru þeir því mótfallnir að fella niður lántökuheimild fiskveiðasjóðs, eins og lagt er til í frv., enda mun vafalaust fremur vera ástæða til að hækka hana en lækka. Fiskveiðasjóður telur ekki að svo stöddu ástæðu til frekari vaxtalækkunar en orðin er. Allir þessir aðilar telja miður heppilegt, að lánsstofnun hafi með höndum úthlutun styrkja, og Farmannasambandið og fiskveiðasjóður leggja

meiri áherzlu á annars veðréttar lán en styrki, en slík lán eru bönnuð í frv. Í stað þess að borga lánin út í þrennu lagi, eins og frv. gerir ráð fyrir, vill fiskveiðasjóður heimild til bráðabirgðalána. Farmannasambandið gerir tillögu um sérstaka vátryggingu gegn sjóveðshættu til að auka veðhæfi skipa. Það vill, að lánað sé til skipa allt að 200 smál. Loks gerir það sérstakar tillögur um, að skipaðar verði nefndir til að athuga, hvaða stærðir og tegundir fiskiskipa séu landsmönnum hentugastar og hvaða tegundir mótorvéla séu heppilegastar fyrir fiskiflotann.

Við athugun þessara umsagna og annarra málavaxta hefur minni hluti nefndarinnar komizt að þeirri niðurstöðu, að rétt sé að slá hinum umdeildu atriðum frv. á frest, til frekari athugunar. Nú vill svo til, að á Alþingi því, er nú situr, er fram komin till. til þál. um milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum, og má þykja eðlilegt og líklegt, að hún hljóti samþykki þingsins. Virðist þá sjálfsagt, að milliþinganefndin fái þessi atriði til rannsóknar, og er eigi ólíklegt, að hún geti lagt fram tillögur sínar um þau á næsta Alþingi, síðar á þessum vetri. Væri óheppilegt að hrapa að því að gera breytingar nú, ef svo kynni að fara, að tillögur milliþinganefndarinnar gengju í aðra átt.

Minni hlutinn telur það hins vegar mikils vert, ef Alþingi teldi sér fært nú þegar að afsala ríkissjóði útflutningsgjaldinu, svo að verja mætti því á þann hátt, er haganlegast kann að þykja til endurnýjunar og aukningar fiskiflotans. Vill minni hlutinn vinna að því nú þegar og hefur í því skyni lagt fram sérstakt frv. um nýbyggingarsjóð fiskiskipa.

Minni hlutinn leggur því til, að frv. verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að Alþingi samþykki frv. til laga um nýbyggingarsjóð fiskiskipa og till. til þál. um milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 12. jan. 1943.

Gísli Guðmundsson.

## Nd. 184. Frumvarp til laga

um sölu á jarðeignum ríkisins.

Flm.: Jón Pálmason, Gísli Sveinsson, Gunnar Thoroddsen.

1. gr.

Ríkisstjórninni veitist heimild til að selja ábúendum, er á jarðeignum ríkisins sitja, ábýli þeirra með þeim takmörkunum, sem lög þessi mæla fyrir.

2. gr.

Heimild þessi nær eigi til þeirra jarða, sem að áliti sýslunefndar þar, er jörð liggur, eru hentugar til embættisseturs, skóla, sjúkrahæla eða til annarra almennra nota. Nú er kauptún, þorp eða verksmiðjuiðnaður fyrir á jörð, sem lög þessi ná til, eða sýslunefnd telur líklegt, að slíkt komi þar upp innan skamms, eða sýslunefnd hyggur jörðina sérstaklega fallna til sundurskiptingar milli fleiri nýbýla, og má þá eigi selja jörðina án sérstakrar lagaheimildar í hvert skipti.

3. gr.

Þegar jörð er seld samkvæmt lögum þessum, skal ávallt undanskilja náma, sem vera kunna í jörðu eða finnast þar síðar, svo og rétt til að nota þá. Ábúanda ber þó fullar bætur eftir óvilhallra manna mati fyrir átroðning og jarðarusla, er af því leiðir, að þeir eru notaðir.

4. gr.

Nú er fleirbýli á jörð, sem lög þessi ná til, og má þá selja einum ábúanda alla jörðina, ef hinir samþykkja.

5. gr.

Ef jörð, sem lög þessi ná til, er komin í eyði, má selja hana þeim, er tekur hana til eigin nytja, þó eigi taki hann þar aðsetur þegar.

6. gr.

Sá, er leitar kaupa á jörð samkvæmt lögum þessum, semur beiðni um það, stílaða til ríkisstjórnar, og sendir hana til oddvita sýslunefndarinnar. Ef umsækjandi fullnægir skilyrðum fyrir því að geta fengið jörðina keypta eftir lögum þessum, leggur sýslumaður beiðni hans fyrir sýslunefnd á næsta fundi hennar, og skal hún láta uppi, hvort hún telur jörðina til þeirra jarða, sem um getur í 2. gr. Einnig skal sýslunefnd láta uppi álit sitt um, hvort hún telji rétt að undanskilja sölunni skóglendi, fossa eða önnur jarðargögn en náma.

7. gr.

Nú telur sýslunefnd, að jörðin falli ekki undir ákvæðin í 2. gr., og skal þá sýslumaður senda umsóknina ríkisstjórn ásamt meðmælum nefndarinnar.

Söluverð jarðar skal vera fasteignamatsverð, að frádregnu matsverði þeirra umbóta, sem ábúandi hefur gert á jörðinni og eigi fengið greiðslu fyrir. Kaupandi tekur að sér greiðslu skulda, sem á jörðinni hvíla, en greiðir jarðarverðið að öðru leyti í peningum um leið og sala fer fram.

8. gr.

Það skal vera aðalregla, að jarðir, sem seldar eru samkvæmt lögum þessum, séu jafnframt gerðar að ættaróðali samkvæmt lögum nr. 8 1. febr. 1936, um erfðaábúð og óðalsrétt. Sjái kaupandi sér eigi fært að ganga að þeim skilmálum, getur salan eigi að síður farið fram. En ef kaupandi eða nánustu ættmenn hans hætta ábúð á jörðinni næstu 10 ár eftir að sala fer fram, fellur jörðin til ríkisins með sama verði og hún er keypt fyrir, að viðbættu matsverði þeirra umbóta, sem gerðar hafa verið frá því, er sala átti sér stað. Sala á jörðinni má eigi heldur eiga sér stað á því tímabili, nema við sama verði sé og aðeins til nánustu ættmanna.

Þau skilyrði, sem um ræðir í þessari grein, skulu sett í afsalsbréf, er sýslumaður gefur út í umboði ríkisstjórnar um leið og jarðarverðið er greitt.

9. gr.

Með lögum þessum er úr gildi felld 27. gr. laga nr. 8 1. febr. 1936, um erfðaábúð og óðalsrétt.

10. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Þegar fjárkreppan eftir 1930 fór að þrengja að bændastétt landsins, komust margir í mjög miklar skuldir, og lá við borð, að margir bændur yrðu að hrökklast frá jörðum sínum og búum. Með stofnun jarðakaupasjóðs ríkisins var að því stefnt að koma sem flestum jarðeignum undir ríkið á meðan skuldirnar þrengdu að bændum, þar sem flestir mundu heldur kjósa að vera áfram á jörðunum við góð leigukjör heldur en hverfa burtu og selja hæstbjóðanda eignina. Þetta hefur og reynzt svo. En þar eð hagur bænda hefur nú um skeið talsvert rýmkazt, þar sem ekki eru verstar ástæðurnar vegna fjárpesta, þá er mörgum þeim, sem selt hafa jörðina sína til ríkisins, áhugamál að fá hana aftur með svipuðum kjörum. Flutningsmönnum þessa máls virðist rétt-

mætt að verða við þessum óskum, og ber það til fyrst og fremst, að þeir telja heppilegra, að jarðir séu yfirleitt í sjálfsábúð. Hefur reynslan sýnt ótvírætt, að sjálfseignarjarðir eru betur setnar en leigujarðir. Auk þessa virðist réttmætt, að bændur, sem af ósjálfráðum ástæðum lentu í kröggum og neyddust til að selja jarðir sínar, séu ekki látnir gjalda þessa, og því sé þeim gefinn kostur á að fá jarðirnar aftur með svipuðu verði. Þess vegna er fasteignamat lagt til grundvallar í frumvarpi þessu. Að öðru leyti er það í aðalatriðum byggt á þjóðjarðasölulögunum gömlu. Þó eru tvö veigamikil atriði á annan veg. Í fyrsta lagi það, að verð jarðanna sé greitt að fullu um leið og sala fer fram, með yfirfærslu áhvílandi skulda og á annan hátt. Hitt atriðið er það, að sala er bönnuð næstu 10 árin nema milli nánustu ættingja og fyrir sama verð. Sé þó aðalreglan sú, að jarðirnar séu gerðar að ættaróðulum samkvæmt lögum nr. 8 1. febr. 1936, um erfðaábúð og óðalsrétt. Ætlazt er til, að söluheimild laganna nái til allra jarðeigna ríkisins, með þeim takmörkunum, sem 2. gr. ákveður, þannig, að þjóðjarðir, kirkjujarðir og jarðir jarðakaupasjóðs komi hér allar til greina.

Nánar í framsögu.

## Ed. 185. Frumvarp til laga

um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi.

Flm.: Eiríkur Einarsson, Brynjólfur Bjarnason.

1. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt að selja eiganda Ness í Selvogi, fyrir það verð og með þeim greiðsluskilmálum, er um semur, þann hluta jarðarinnar, er ríkissjóður á og liggur vestan við merkjalínu úr Hellisþúfu sjónhending til sjávar í Viðarhelli.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Á Alþingi 1941 flutti Jörundur Brynjólfsson, 1. þm. Árnesinga, frv. samhljóða því, sem hér er skráð. Náði frv. það samþykki Nd., en varð ekki útrætt, er til Ed. kom. Fyrrnefndu frumv. JörB fylgdi greinargerð og skýring málsins af hálfu flutningsmanns, og með því málsástæður við flutning frumvarpsins þá og nú mega teljast óbreyttar, þykir rétt að skrá þá greinargerð hér, og er hún svo hljóðandi:

„Frv. þetta er flutt eftir ósk Guðmundar Jónssonar, eiganda og ábúanda jarðarinnar Ness í Selvogi.

Fyrri hluta sumars árið 1934 fóru fram samningsumleitanir við eigendur jarða þeirra, er land eiga á sandsvæðinu frá ósum Ölfusár vestur til Selvogs, um sandgræðslu á þessu svæði og friðun landsins. Hafði sýslumaður Árnessýslu forgöngu í málinu.

Sýslumanni og eigandanum að Nesi kom ásamt um, hvaða landsvæði skyldi friða af Neslandi, en það var austan frá Hlíðarendalandi um sandmótin vestur í Hellisþúfu og þaðan sjónhending til sjávar í Viðarhelli. Um haustið 1934 var til fulls gengið frá þessum samningum og var þá ákveðið, hvað mikið land skyldi friða, og var það hvað Nesland snertir svæði austan þeirrar markalínu, er að ofan getur.

Þegar til þess kom að girða landið, vildi sandgræðslustjóri, að girðingin lægi vestur við byggð í Selvogi. Frá því var þó horfið að lokum og girðingin sett dálítið austar, en þó miklu vestar en upphaflega var um samið.

Með þessari framkvæmd var land jarðarinnar stórlega skert og langt umfram það, sem upphaflega var um talað. Landspilda sú, sem hér er farið fram á að fá keypta,

er að kalla gróin, og var það þegar girðingin var sett, enda nú ekki farið fram á að fá meira af landinu keypt en upphaflega átti að vera utan sandgirðingarinnar. Það er útilokað, að nokkur minnsta hætta sé á uppblæstri af þessu landi, þó að það sé ekki friðað. Landið var áður örfoka, en er nú að kalla gróið.

Sýslumaður Árnesinga hafði glöggt auga og góðan kunnugleik á gróðri landsins og ásigkomulagi þess, þegar samningar fóru fram við hann um, hvað friða skyldi, og hefði verið bezt og sanngjarnast að fara eftir því, er hann lagði til.

Nú hagar svo til í Selvogi, að bændur verða nær eingöngu að lifa af sauðfjárrækt. Og þar sem nær enginn heyskapur er þar utan túns og sauðféð verður mikið að lifa af beit, þarf mikið landrými. Nú herjar mæðiveikin á í næstu sveitum. Til þess að verjast henni hefur bóndinn í Nesi lagt mikið fé í kostnað við girðingar og heldur fénu þar árið um kring. Eykur þetta á þörfina fyrir aukið landrými. Auk ábúanda og eiganda jarðarinnar hefur annar bóndi not af landi jarðarinnar. Bóndinn á Nesi á fjóra sonu uppkomna. Þeir eru að mestu heima og vinna hjá föður sínum, en einn þeirra bræðra hefur nú um nokkurt skeið stundað sjó, af því að land skortir heima fyrir til þess að hann gæti byrjað þar búskap. Fái faðir hans land þetta keypt, er hann óskar nú eftir, leikur honum hugur á að hverfa heim aftur og fara að búa. Mætti þá svo fara, að bræðurnir allir gætu búið á jörð föður síns, og væri vel þess vert að greiða fyrir því.

Menn eru hvattir til að starfa í sveitunum og hverfa þaðan ekki. Er slíkt af fullri nauðsyn gert, og má þó vera, að enn sjáist það betur síðar. Margir álíta, að mikil nauðsyn sé á því, að fólkinu fjölgi þar fremur en fækki. En ef svo á að verða, verður að skipta jörðunum í fleiri býli og stofna nýbýli, þar sem skilyrði eru fyrir hendi. Að þarflausu ætti þá ekki heldur að hindra þá ungu menn frá því að lifa og starfa í sveitunum áfram, sem hafa á því fullan hug.“

Því skal hér bætt við, að Guðmundi Jónssyni, bónda í Nesi, er enn sem fyrr hið mesta áhugamál að fá nokkra rétting mála sinna með samþykkt frumvarps þess, sem hér er flutt. Er Guðmundur kappsmaður mikill, hinn áreiðanlegasti og óljúgfróður. Unir hann því illa, að samkomulag, sem orðið var um jarðeign hans við undirbúning sandgræðslu í Selvogi, skuli vera að engu haft, og æskir íhlutunar Alþingis til sanngjarnrar úrlausnar.

Eftir því, sem þörf krefur, verður nánar gerð grein fyrir frv., er það kemur til umræðu á Alþingi.

## Nd. 186. Breytingartillögur

við frv. til laga um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

Frá fjárhagsnefnd.

1. Við 3. gr. Orðin „Með reglugerð ... renni til þeirra“ í 3. málsgr. falli niður.
2. Við 4. gr. Greinin orðist svo:

   Ríkisstjórnin setur nánari fyrirmæli í reglugerð um efni þau, er í lögum þessum greinir, þar á meðal um úthlutun innflutnings og um gjaldeyrisleyfi, um gjaldeyrisverzlun, um eftirlit tollmanna til varnar við útflutningi innlends og erlends gjaldmiðils og til tryggingar því, að íslenzk útflutningsverðmæti verði greidd með erlendum gjaldeyri, er renni til bankanna. Enn fremur ákvæði um það, að allur annar gjaldeyrir, sem menn eiga eða eignast, renni til þeirra.

# Nd. 187. Frumvarp til laga

um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

Ríkisstjórnin skipar fimm manna nefnd, er nefnist Viðskiptaráð, og jafnmarga varamenn, er sæti taka í ráðinu í forföllum aðalmanna eða ef sæti verður laust um stundarsakir.

2. gr.

Viðskiptaráð hefur þessi verkefni með höndum:

1. Ákveður hvaða vörur skuli flytja til landsins.
2. Ráðstafar farmrými í skipum, er annast eiga vöruflutninga til landsins og eru eign íslenzkra aðila eða á vegum þeirra.
3. Ráðstafar gjaldeyri til vörukaupa erlendis og annarra nauðsynja.
4. Úthlutar innflutningi á vörum til innflytjenda og setur þau skilyrði um hann, sem nauðsynleg kunna að vera eða verða vegna ófriðarástands eða viðskiptaskilyrða.
5. Annast innflutning brýnna nauðsynja, ef sýnilegt þykir, að innflytjendur sjái ekki þörfum þjóðarinnar borgið.
6. Fer með verðlagsákvarðanir og verðlagseftirlit samkv. lögum nr. 79/1942 eða öðrum lögum, sem sett verða í þeirra stað, og vöruskömmtun lögum samkvæmt.

Ráðherra getur sett Viðskiptaráði starfsreglur.

3. gr.

Engan erlendan gjaldeyri má láta af hendi án leyfis Viðskiptaráðs, nema séu greiðslur vegna ríkissjóðs og banka eða vextir og afborganir bæjar- og sveitarfélaga. Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f hafa einir kauprétt á erlendum gjaldeyri.

Þeim gjaldeyri, sem bankarnir kaupa, skal skipt milli Landsbanka Íslands og Útvegsbanka Íslands h/f, þannig að hinn síðarnefndi fái einn þriðja hluta alls gjaldeyris, ef hann óskar, fyrir innkaupsverð, hlutfallslega af hverri mynt, sem keypt er á mánuði hverjum. Hlutfalli því, sem hvor banki fær, getur ráðherra breytt, ef báðir bankarnir samþykkja. Enginn hefur rétt til að selja erlendan gjaldeyri nema Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f. Þó er póststjórninni heimil slík verzlun innan þeirra takmarka, sem ráðherra setur.

Með reglugerð er heimilt að setja þau ákvæði, er þurfa þykir, til að tryggja það, að íslenzkar afurðir og aðrar vörur, sem fluttar eru til útlanda, verði greiddar með erlendum gjaldeyri, er renni til bankanna. Enn fremur ákvæði um það, að allur annar erlendur gjaldeyrir, sem menn eiga eða eignast, renni til þeirra. Bannað er að flytja íslenzkan eða erlendan gjaldmiðil úr landi, nema nauðsynlegan farareyri eftir reglum, sem ráðherra setur.

4. gr.

Ríkisstjórnin getur sett nánari fyrirmæli í reglugerð um efni þau, er í lögum þessum greinir, þar á meðal um úthlutun innflutnings- og gjaldeyrisleyfa, um gjaldeyrisverzlun, um eftirlit tollmanna til varnar við útflutningi erlends og innlends gjaldeyris og til tryggingar því, að íslenzk útflutningsverðmæti verði greidd með erlendum gjaldeyri og að honum verði ráðstafað samkvæmt settum reglum.

5. gr.

Hver sá, er innflutningsleyfi fær, greiði Viðskiptaráði ½% af upphæð þeirri, sem leyfi hljóðar um, þó aldrei minna en 1 krónu fyrir hvert einstakt leyfi. Skal gjaldi þessu varið til að standast kostnað af Viðskiptaráði og framkvæmd þessara laga.

6. gr.

Brot á lögum þessum eða reglum settum samkvæmt þeim, þar á meðal skilyrðum um leyfi, er Viðskiptaráð setur, varða sektum allt að 100000 kr. Ef miklar sakir eru eða brot er ítrekað, má og svipta sökunaut með dómi rétti til verzlunar. Upptaka eignar samkvæmt 69. gr. almennra hegningarlaga skal og heimil vera.

7. gr.

Mál út af brotum samkvæmt 6. gr. fara að hætti opinberra mála.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi. Jafnframt eru úr gildi numin lög nr. 99/1941, svo og önnur ákvæði, sem fara í bág við lög þessi.

Lög þessi falli úr gildi í síðasta lagi sex mánuðum eftir að núverandi Evrópustyrjöld er lokið.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Gjaldeyris- og innflutningsnefnd skal starfa þangað til Viðskiptaráð hefur tekið við þeim störfum, sem nefndin hefur nú.

## Nd. 188. Nefndarálit

um till. til þál. um fullnaðarrannsókn hafnarskilyrða á Þórshöfn.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað tillöguna og leitað um hana umsagnar vitamálastjóra. Er umsögnin prentuð með nál. sem fylgiskjal.

Nefndin leggur til, að tillagan verði samþykkt með svofelldri

BREYTINGU:

Tillgr. orðist svo:

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta rannsaka til hlítar, hvort unnt sé að dýpka innsiglingu hafnarinnar á Þórshöfn með viðráðanlegum kostnaði, svo að stærstu skip, sem að jafnaði sigla hér við land, geti komizt þar að bryggjum.

Alþingi, 12. janúar 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form. | Gísli Guðmundsson, fundaskr., frsm. | Sigurður Kristjánsson. |
| Sigurður Bjarnason. | Lúðvík Jósefsson. | |

Fylgiskjal.

VITAMÁLASTJÓRINN

Reykjavik, 4. des. 1942.

**Viðvíkjandi tillögu til þingsályktunar um fullnaðarrannsókn hafnarskilyrða á Þórshöfn.**

Verzlunarhúsin á Þórshöfn og aðalkauptúnið standa á lágu nesi eða eyri, en innan við (austan við) eyrina er lítil og fremur grunn vík (dýpi 2—3 metrar), sem er í góðu vari. Þar voru hinar fyrstu bátabryggjur. Fram af eyrinni að vestan (utan) er hlein, en fram af henni og í boga fyrir eyrina og víkina er skergarður sá eða rimi,

sem nefndur er í greinargerðinni. Liggur hann um 250 metra framan við eyrina. Þar, sem rimi þessi er lægstur, er dýpið um 3,5 metrar. Á hlein þessari er öldubrjóturinn, um 100 m. langur garður, sem liggur á ca. 1,0 m. dýpi. Innan við hleinina (og rimann) er eins konar lón með 4,0 til 5,0 metra dýpi, og liggur hafnarbryggjan, sem er vönduð steinsteypt bryggja, fram í lónið. Er dýpið við bryggjuhausinn tæpir 4,0 metrar. Ef bryggjan væri lengd nokkuð og jafnframt gerð rás í gegnum rimann með ca. 5,0 m. dýpi, væru fengin skilyrði fyrir því, að hin stærri skip gætu lagzt að bryggju á Þórshöfn. Þær rannsóknir, sem gerðar hafa verið á rima þessum eða skergarði, hafa leitt í ljós, að í honum er grjót, bæði stórt og smátt, samanpakkað í leir og fínum sandi. Er þar um að ræða efni, sem ekki er áhlaupaverk að losa með þeim dýpkunartækjum, sem völ er á hér á landi. Sú tilgáta hefur komið fram, að rimi þessi væri leifar af gamalli skriðjökulöldu og að hugsanlegt væri, að smærra efni væri í honum innar (möl eða sandur), þótt grjót sé á yfirborði. En hvort þessi tilgáta hefur við rök að styðjast eða ekki, var ekki unnt að leiða í ljós með þeim tækjum, sem fyrir hendi voru, þegar botnrannsókn var gerð.

Til slíkrar rannsóknar þyrfti að nota kafara. Losa þyrfti um grjótið með sprengiefni, eða mjög sterkri dælu (eða hvoru tveggja) og hafa við höndina nauðsynleg tæki til þess að geta náð upp eða fært til grjót. Yrði slík rannsókn að vísu allumfangsmikið verk, en mundi að sönnu svara kostnaði, ef árangurinn leiddi í ljós, að efnið í rimanum yrði viðráðanlegra, þegar inn í hann kemur.

Sú dýpkun, sem framkvæma þyrfti til þess að gera viðunandi hlið í rimann, svo hin stærri skip gætu komizt að bryggju, mundi nema fimm til sex þúsund rúmmetrum, en þess ber að geta, að dýpkunin mundi aðeins leiða það af sér, að skilyrði væru fengin fyrir því að gera bryggjuna að hafskipabryggju, en hins vegar ekki opnuð leið inn í góða legu fyrir stærri skip, því til þess er djúpa lónið allt of lítið. Mun láta nærri, að pollurinn með 4,0 metra dýpi eða meira sé tveir hektarar, en með 5,0 metra dýpi eða meira aðeins ⅓ úr hektara.

Emil Jónsson.

## Nd. 189. Nefndarálit

um till. til þál. um fullnaðarundirbúning hafnargerðar í Bolungavík.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað tillöguna og leitað um hana umsagnar vitamálastjóra. Fylgir umsögn hans hér með.

Nefndarmenn eru sammála um að leggja til, að tillagan verði samþykkt með þessari

BREYTINGU:

Tillgr. orðist svo:

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta gera uppdrætti og áætlanir um hafnargerð í Bolungavík, með það fyrir augum, að þar geti þrifizt útgerð stærri báta og skipa en nú er möguleg á staðnum.

Alþingi, 12. janúar 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form. | Gísli Guðmundsson, fundaskr. | Sigurður Bjarnason, frsm. |

Sigurður Kristjánsson. Lúðvík Jósefsson.

Fylgiskjal.

VITAMÁLASTJÓRINN

Reykjavík, 22. des. 1942.

Með bréfi, dags. 8. þ. m., hefur háttvirt sjávarútvegsnefnd óskað umsagnar minnar um tillögu til þingsályktunar um fullnaðarundirbúning hafnargerðar í Bolungavík, og skal ég í því tilefni leyfa mér að taka þetta fram:

Ástandið í hafnarmálum Bolungavíkur er hvergi nærri gott og þyrfti að breytast til batnaðar undireins og tök eru á. Nálega allar nauðsynlegar mælingar fyrir framhaldshafnarvirkjun þar á staðnum hafa þegar verið gerðar, og að ekki var hafizt handa á árinu næst á undan stríðinu, hefur vafalaust stafað af því, að Hólshreppur átti nógu örðugt með að standa undir áföllnum kostnaði vegna endurbóta og viðhalds á gamla brimbrjótnum.

Af mælingum og athugunum á undanförnum árum hefur það komið í ljós, að stórskipahöfn í Bolungavík verður mjög kostnaðarsöm, og það svo, að næsta ólíklegt verður að telja, að í þau mannvirki verði ráðizt í náinni framtíð.

Um höfn fyrir smærri skip gegnir öðru máli, og það hafa lengi hér á skrifstofunni verið til athugunar ýmis úrræði. Einna líklegustu lausnina tel ég vera þá að framlengja gamla öldubrjótinn fram á eða fram fyrir boðann, eða um 70—100 m. Í skjóli þessa framhaldsöldubrjóts yrði svo byggður grjótgarður svo stór, að hafnarkví myndaðist milli hans og brjótsins. Þessa kví má dýpka svo, að mestur hluti hennar verði nokkuð á 4. m. um fjöru, og ef enn fremur yrði byggð þarna traust bryggja, væru sköpuð mjög sæmileg skilyrði til afgreiðslu og geymslu á bátum, og auk þess gætu minni háttar vöruskip fermt þar og affermt. Aðeins þyrftu skip með um eða yfir 10 feta djúpristu að sæta sjávarföllum, enda er þarna mjúkur sandbotn, svo að ekki kæmi að sök, þó að skip tækju niðri lítils háttar um fjöru.

Ég tel því rétt, að uppdrættir verði gerðir af þessum hafnarmannvirkjum undireins og tími vinnst til, og tel ég það megi gera hér á skrifstofunni án nokkurra verulegra mælinga fram yfir þær, sem fyrir hendi eru, svo að áætlanir þessar þyrftu ekki að kosta neitt fé að ráði fyrir ríkissjóðinn.

Virðingarfyllst.

Emil Jónsson.

## Nd. 190. Breytingartillaga

við frv. til laga um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

Frá Jóni Pálmasyni og Ingólfi Jónssyni.

Við 2. gr. 5. tölulið.

Aftan við málsgreinina bætist: enda komi samþykki ríkisstjórnarinnar til.

## Nd. 191. Breytingartillaga

við frv. til l. um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

Frá Einari Olgeirssyni.

Við 1. gr. Greinin orðist svo:

Ríkisstjórnin skipar fimm manna nefnd, er nefnist Viðskiptaráð, og jafnmarga varamenn, er sæti taki í ráðinu í forföllum aðalmanna eða ef sæti verður laust um stundarsakir. Fjórir nefndarmanna séu skipaðir eftir tilnefningu þingflokkanna, einn eftir tilnefningu hvers þeirra, en fimmti maðurinn sé skipaður án tilnefningar, og sé hann formaður nefndarinnar.

## Ed. 192. Frumvarp til laga

um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Ríkisstjórnin skipar fimm manna nefnd, er nefnist Viðskiptaráð, og jafnmarga varamenn, er sæti taka í ráðinu í forföllum aðalmanna eða ef sæti verður laust um stundarsakir.

2. gr.

Viðskiptaráð hefur þessi verkefni með höndum:

1. Ákveður, hvaða vörur skuli flytja til landsins.
2. Ráðstafar farmrými í skipum, er annast eiga vöruflutninga til landsins og eru eign íslenzkra aðila eða á vegum þeirra.
3. Ráðstafar gjaldeyri til vörukaupa erlendis og annarra nauðsynja.
4. Úthlutar innflutningi á vörum til innflytjenda og setur þau skilyrði um hann, sem nauðsynleg kunna að vera eða verða vegna ófriðarástands eða viðskiptaskilyrða.
5. Annast innflutning brýnna nauðsynja eftir ákvörðun ríkisstjórnarinnar, ef hún telur sýnilegt, að innflytjendur sjái ekki þörfum þjóðarinnar borgið, eða aðrar ástæður gera slíkar ráðstafanir nauðsynlegar að dómi ríkisstjórnarinnar.
6. Fer með verðlagsákvarðanir og verðlagseftirlit samkv. lögum nr. 79/1942 eða öðrum lögum, sem sett verða í þeirra stað, og vöruskömmtun lögum samkvæmt. Ráðherra getur sett Viðskiptaráði starfsreglur.

3. gr.

Engan erlendan gjaldeyri má láta af hendi án leyfis Viðskiptaráðs, nema séu greiðslur vegna ríkissjóðs og banka eða vextir og afborganir bæjar- og sveitarfélaga. Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f hafa einir kauprétt á erlendum gjaldeyri.

Þeim gjaldeyri, sem bankarnir kaupa, skal skipt milli Landsbanka Íslands og Útvegsbanka Íslands h/f, þannig að hinn síðarnefndi fái einn þriðja hluta alls gjaldeyris, ef hann óskar, fyrir innkaupsverð, hlutfallslega af hverri mynt, sem keypt er á mánuði hverjum. Hlutfalli því, sem hvor banki fær, getur ráðherra breytt, ef báðir bankarnir samþykkja. Enginn hefur rétt til að selja erlendan gjaldeyri nema Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f. Þó er póststjórninni heimil slík verzlun innan þeirra takmarka, sem ráðherra setur.

Bannað er að flytja íslenzkan eða erlendan gjaldmiðil úr landi, nema nauðsynlegan farareyri eftir reglum, sem ráðherra setur.

4. gr.

Ríkisstjórnin setur nánari fyrirmæli í reglugerð um efni þau, er í lögum þessum greinir, þar á meðal um úthlutun innflutnings og um gjaldeyrisleyfi, um gjaldeyrisverzlun, um eftirlit tollmanna til varnar við útflutningi innlends og erlends gjaldmiðils og til tryggingar því, að íslenzk útflutningsverðmæti verði greidd með erlendum gjaldeyri, er renni til bankanna. Enn fremur ákvæði um það, að allur annar gjaldeyrir, sem menn eiga eða eignast, renni til þeirra.

5. gr.

Hver sá, er innflutningsleyfi fær, greiði Viðskiptaráði ½% af upphæð þeirri, sem leyfi hljóðar um, þó aldrei minna en 1 krónu fyrir hvert einstakt leyfi. Skal gjaldi þessu varið til að standast kostnað af Viðskiptaráði og framkvæmd þessara laga.

6. gr.

Brot á lögum þessum eða reglum settum samkvæmt þeim, þar á meðal skilyrðum um leyfi, er Viðskiptaráð setur, varða sektum allt að 100000 kr. Ef miklar sakir eru eða brot er ítrekað, má og svipta sökunaut með dómi rétti til verzlunar. Upptaka eignar samkvæmt 69. gr. almennra hegningarlaga skal og heimil vera.

7. gr.

Mál út af brotum samkvæmt 6. gr. fara að hætti opinberra mála.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi. Jafnframt eru úr gildi numin lög nr. 99/1941, svo og önnur ákvæði, sem fara í bág við lög þessi.

Lög þessi falla úr gildi í síðasta lagi sex mánuðum eftir að núverandi Evrópustyrjöld er lokið.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Gjaldeyris- og innflutningsnefnd skal starfa þangað til Viðskiptaráð hefur tekið við þeim störfum, sem nefndin hefur nú.

## Ed. 193. Breytingartillaga

við frv. til l. um orlof.

Frá Hermanni Jónassyni.

Á eftir 18. gr. frv. kemur ný grein, er verður 19. gr., svo hljóðandi (og breytist greinartalan á eftir samkvæmt því):

Ríkissjóður greiði árlega fjárhæð, er nemur 10 af hundraði af útborguðum jarðræktarstyrk það ár. Fjárhæð þessari skal verið til að styrkja kynnisferðir sveitafólks. Búnaðarfélag Íslands skal skipta styrk þessum milli búnaðarsambanda landsins, aðallega með hliðsjón af tölu býla á sambandssvæðunum.

Búnaðarfélag Íslands setur nánari reglur um notkun fjárins, er ráðherra staðfestir.

# Nd. 194. Frumvarp til laga

um virkjun Fossár í Ólafsvíkurhreppi í Snæfellsnessýslu.

Flm.: Gunnar Thoroddsen.

1. gr.

Ólafsvíkurhreppi og Neshreppi utan Ennis í Snæfellsnessýslu skal heimilt að reisa og reka raforkustöð við Fossá á Snæfellsnesi, til þess að vinna úr henni raforku til almenningsþarfa, og leggja háspennutaugar til Ólafsvíkur og Hellissands og þeirra staða annarra, er ákveðið kann að verða að leiða raforku til frá Fossá, svo og að gera afspennistöðvar og þau mannvirki önnur, er með þarf til þess að koma orkunni til notenda.

2. gr.

Áður en byrjað er á verkinu, skal senda atvinnumálaráðherra frumdrætti að hinum fyrirhuguðu mannvirkjum ásamt lýsingu á þeim. Getur ráðherra krafizt þeirra breytinga á fyrirhugaðri tilhögun verksins, sem nauðsynlegar kunna að þykja, að dómi sérfræðinga, vegna almenningshagsmuna.

3. gr.

Þegar Ólafsvíkur- og Neshreppur hafa reist raforkustöð við Fossá og tekið hana í notkun, skal virkjunin rekin sem sjálfstætt fyrirtæki með sérstöku reikningshaldi, samkvæmt reglugerð, er atvinnumálaráðherra staðfestir.

4. gr.

Raforkustöðin við Fossá selur rafmagn til Ólafsvíkur og Hellissands. Þá raforku, sem umfram kann að verða þörf notenda í Ólafsvík og Neshreppi á hverjum tíma, er raforkustöðinni skylt að láta í té öðrum byggðarlögum til almenningsnota frá stöðvarvegg í orkuverinu og frá spennistöðvum á háspennulínum frá Fossá til Hellissands, við kostnaðarverði, að viðbættum 10%. Þetta verð má þó aldrei fara fram úr því, sem greitt er fyrir raforkuna í Ólafsvík og Hellissandi, miðað við afhendingu á sama stað. Skal verð þetta, ef samkomulag næst eigi, ákveðið með mati samkvæmt 147. gr. 1. b. vatnalaganna frá 1923.

5. gr.

Nú óska nærliggjandi sveitir að fá meira rafmagn en unnt er að láta þeim í té af þeirri orku, er við fyrstu virkjun fæst, og er hreppsnefndum Ólafsvíkur og Neshrepps þá heimilt, að fengnu samþykki atvinnumálaráðherra, að auka virkjunina.

6. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt, gegn þeim tryggingum, er hún metur gildar, að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 1700000 króna lán fyrir Ólafsvíkurhrepp og Neshrepp til rafvirkjunar samkvæmt lögum þessum, þar með taldar háspennulínur og afspennistöðvar.

7. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Kauptúnin Ólafsvík og Hellissand á Snæfellsnesi vantar algerlega raforku til almenningsnota. Við rannsókn, sem fór fram fyrir rúmum tveim árum á Fossá nálægt Ólafsvík, kom í ljós, að fallvatn þetta er mjög hentugt til rafvirkjunar og staðhættir afar góðir. Var í fyrstu ætlað að vinna 700 hestöfl úr ánni, en síðan var sú áætlun hækkuð í 1000 hestöfl. Sú virkjun mundi samkv. nýrri áætlun kosta 1½

milljón króna, orkuverið sjálft með háspennulínum; verða það um 1500 kr. á hestafl, sem verður að teljast hagstætt eftir núverandi verðlagi. Íbúar Sands, Ólafsvíkur og Fróðárhrepps eru um 1000 að tölu, og mundi þessi virkjun fullnægja þörfum þeirra og hinna tveggja hraðfrystihúsa, sem þar eru nú upp risin. En Fossá felur í sér mikla framtíðarmöguleika, þar sem talið er, að vinna megi úr henni 2000 hestöfl. Lágspennukerfið er áætlað að kosti um 200 þús. kr.

Nákvæmar áætlanir liggja nú fyrir um virkjun þessa. Á síðastliðnu vori, í maí 1942, var útboð gert um virkjun Fossár. Hafa borizt nokkur tilboð, en tími ekki unnizt til þess enn þá að vinna úr þeim.

Með frumv. þessu er farið fram á heimild til handa Ólafsvík og Neshreppi til að ráðast í virkjun Fossár, og enn fremur að heimila ríkisstjórninni að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs lán í þessu skyni, allt að einni milljón og 700 þús. krónum. Á sínum tíma verður svo væntanlega sótt um styrk úr raforkusjóði, sem stofnaður var með lögum frá síðasta þingi.

## Ed. 195. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

1. gr. laganna verði þannig:

Til þess að bæta samgöngur um vatnasvæði Þverár og Markarfljóts í Rangárvallasýslu og varna skemmdum af ágangi vatns, skal gera þessi mannvirki:

1. Nauðsynlegar fyrirhleðslur til þess að veita Markarfljóti, Álum, Affalli og Þverá að Markarfljótsbrú.
2. Nauðsynlegar endurbætur og lenging varnargarðsins hjá Seljalandi til varnar landspjöllum undir Eyjafjöllum.
3. Varnargarða innan Háamúla í Fljótshlíð og sunnan Markarfljótsbrúar undir Eyjafjöllum, eftir því sem þurfa þykir til að verjast eyðingu gróðurlendis á þessum slóðum.
4. Nauðsynlegar fyrirhleðslur og önnur mannvirki til varnar gegn yfirvofandi stórfelldum skemmdum á vatnasvæðinu að dómi atvinnumálaráðherra.
5. Flóðgáttir til áveitu, þar sem öruggt er og nauðsyn þykir.

2. gr.

4. og 5. málsgr. 2. gr. laganna orðist svo:

Ríkissjóður kostar að öllu leyti mannvirki þau, sem talin eru í 1. gr. 1. og 2. lið.

Ríkissjóður kostar að ⅞ hlutum mannvirki þau, sem talin eru í 3. lið, en sýslufélag Rangárvallasýslu að ⅛ hluta.

Ríkissjóður kostar að ¾ hlutum fyrirhleðslur og önnur mannvirki, sem talin eru í 4. og 5. lið, og sýslufélag Rangárvallasýslu að ¼ hluta.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 196. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 98 9. júlí 1941, um heimild fyrir ríkisstjórnina til ráðstafana og tekjuöflunar vegna dýrtíðar og erfiðleika atvinnuveganna.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Í stað orðanna „til ársloka 1942“ í 1. lið 3. gr. laganna komi: til ársloka 1943.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Athugasemd við lagafrumvarp þetta:

Heimild sú, sem ríkisstjórninni var veitt í 3. gr. laga nr. 98/1941 til að fella niður aðflutningsgjöld af kornvörum, lækka tolla af sykri og hækka um helming tolla af áfengi og tóbaki, er niður fallin frá síðustu áramótum. Þar sem téð heimild var notuð á síðast liðnu ári að því er snertir aðflutningsgjöld á kornvörum og sykri, en innheimta þessara gjalda samkvæmt tollskránni mundi hafa í för með sér verðlagshækkun á téðum vörum, þykir rétt að framlengja þessa heimild til ársloka 1943.

## Ed. 197. Breytingartillögur

við frv. til laga um orlof.

Frá allsherjarnefnd.

1. Við 8. gr.
   a. Í stað orðsins „póststöðvum“ í 3. málsgr. komi: póstafgreiðslustöðvum.
   b. Í stað orðsins „ákvæðisverði“ í 4. málsgr. komi: nafnverði.
2. Við 13. gr. Orðin „til loka yfirstandandi orlofsárs“ í 2. málsgr. falli burt.
3. Við 15. gr. Greinin orðist svo:
   Óheimilt er manni að vinna fyrir kaupi í starfsgrein sinni eða skyldum starfsgreinum meðan hann er í orlofi, og skulu sett um þetta nánari ákvæði í reglugerð.

## Ed. 198. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin mælir með, að frv. þetta verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Við 1. gr. Í stað orðanna „ef hann óskar þess“ í 1. mgr. komi: enda hafi hann borið fram ósk um það með hæfilegum fyrirvara.

Alþingi, 13. jan. 1943.

Pétur Magnússon, form. Bernh. Stefánsson, frsm. Lárus Jóhannesson.
Steingr. Aðalsteinsson. Haraldur Guðmundsson.

## Ed. 199. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 115 19. nóv. 1936, um þingsköp Alþingis.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og er því sammála, að nauðsynlegt sé, að ráðstafanir séu til þess gerðar, að ræður þingmanna svo sem þær eru prentaðar í Alþingistíðindum verði öruggari heimildir um það, sem raunverulega gerist á þingi, en þær nú eru. Hins vegar virðist nefndinni hæpið, að úrræði það, sem í frv. felst, bæti til nokkurrar hlítar úr þeim vandræðum, sem nú eru í þessum efnum. Nefndin telur því nauðsynlegt, að frekari athugun fari fram á því, hver tilhögun á ritun og prentun þingræðna sé heppilegust og líklegust til öryggis. Sýnist eðlilegast, að forsetar Alþingis, í samráði við skrifstofustjóra þess, láti slíka athugun fara fram og undirbúi síðan frv. um breytingar á þingsköpum á grundvelli þeirrar athugunar. Þar sem nefndin er sammála um, að hér sé umbóta þörf, leggur hún til, að frv. verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í því trausti, að forsetar Alþingis, í samráði við skrifstofustjóra þess, láti fram fara ýtarlega athugun á því, með hverjum hætti ritun og prentun þingræðna verði fyrir komið á öruggari og heppilegri veg en nú, og undirbúi síðan breytingar á þingsköpum á grundvelli þeirrar athugunar, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 14. jan. 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Brynjólfur Bjarnason. Lárus Jóhannesson.
Guðm. Í. Guðmundsson. Hermann Jónasson.

## Ed. 200. Nefndarálit

um frumv. til l. um breyt. á l. nr. 24 12. júní 1939, um dýralækna.

Frá landbúnaðarnefnd.

Við athugun frumvarps þessa hefur nefndin án ágreinings fallizt á að mæla með því, að frumv. verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 14. jan. 1943.

Páll Hermannsson, form. Eiríkur Einarsson, fundaskr., frsm. Þorsteinn Þorsteinsson.
Kristinn Andrésson. Haraldur Guðmundsson.

## Nd. 201. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 52 27. júní 1925, um verzlunaratvinnu.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv., borið það saman við lögin og vill mæla með því, að það verði samþykkt.

Alþingi, 14. jan. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form., frsm. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Áki Jakobsson.
Gunnar Thoroddsen. Jörundur Brynjólfsson.

## Nd. 202. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Flm.: Stefán Jóh. Stefánsson, Eysteinn Jónsson, Gunnar Thoroddsen, Sigurður Thoroddsen, Ásgeir Ásgeirsson, Gísli Guðmundsson, Sigurður Bjarnason, Sigfús Sigurhjartarson.

1. gr.

1. gr. laganna orðist svo:

Höfundur hver á eignarrétt á því, er hann hefur samið eða gert. Hann hefur því innan þeirra takmarka, sem lög þessi setja, einkarétt á:

a. að birta og gefa út rit sín, skrifuð, prentuð eða margfölduð á hvern hátt sem er, þýða þau, sýna þau á leiksviði eða í kvikmynd, lesa þau upp, flytja í útvarp eða hagnýta þau eða koma á framfæri með öðrum hætti; þetta gildir jafnt um allt ritað mál, ræður og erindi (sbr. þó 2. málsgr. 8. gr. og niðurlag 13. gr.), svo og tónsmíðar allar,
b. að gera eftirlíkingar (kopíur), ljósmyndir eða aðrar eftirmyndir af verkum sínum, svo sem höggmyndum, skurðmyndum, málverkum, teikningum og hvers konar uppdráttum, ljósmyndum, listsmíði, fyrirmyndum og hverju því verki, sem höfundarréttur getur fylgt, svo og að margfalda slíkar eftirmyndir til sölu, auglýsinga eða hagnaðar á nokkurn hátt,
c. að sýna opinberlega slík verk, sem í b-lið greinir, í hvaða skyni sem er, séu þau í einkaeign; þetta gildir þó ekki um einkasöfn, sem opin eru almenningi samkvæmt staðfestri reglugerð.

2. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

Nú hefur stéttarfélag eða stéttarsamband höfunda fengið almenna aðild um flutningsrétt á ritverkum og tónsmíðum og reglur verið settar um það efni, og skal þá heimilt, án sérstaks leyfis hverju sinni, að lesa upp og flytja í útvarp einstök kvæði, smásögur, ritgerðir eða kafla úr ritum, svo og að syngja eða leika einstök lög og tónverk, sem út hafa verið gefin, eða kafla úr þeim, enda sé þá fullnægt settum skilyrðum um rétt höfundar og greiðslu til hans. Nú er höfundur ekki í stéttarfélagi, og nýtur hann þó sama réttar og áskilinn er í hinum almennu reglum eða samningum, en hvorki meiri né minni; sama er, ef höfundarréttur er kominn öðrum í hendur.

Einstök kvæði, sögur, ritgerðir og kafla úr ritum, svo og einstök lög og kafla úr tónverkum, sem út hafa verið gefin, má hafa um hönd án allra kvaða á samkomum,

sem haldnar eru í góðgerðaskyni, eða til þess eingöngu að kynna menntir þjóðarinnar, eða til mannfagnaðar aðeins, enda komi þá engin greiðsla fyrir flutninginn; svo og á samkomum félaga eða skóla, enda sé ekki greitt fyrir flutninginn og aðgöngueyrir ekki hærri en svarar beinum tilkostnaði. Danslag má leika kvaðalaust á slíkum samkomum, þó að hljóðfæraleikari taki venjulega þóknun, nema félagsbundin eða föst hljómsveit leiki.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi og koma til framkvæmda, þá er settar hafa verið reglur samkvæmt fyrri málsgr. 2. gr. og menntamálaráðherra hefur staðfest þær.

4. gr.

Lög nr. 11 22. okt. 1912 eru úr gildi felld.

5. gr.

Þegar lög þessi hafa hlotið staðfestingu, sbr. 3. gr., skal fella meginmál þeirra inn í texta laga nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt, og gefa þau út svo breytt með fyrirsögninni: Lög um höfundarétt og prentrétt.

## Greinargerð.

Frv. þetta er flutt eftir ósk Bandalags íslenzkra listamanna og samkvæmt ályktunum listamannaþingsins 1942, í því skyni að bæta til bráðabirgða úr þeim ágöllum höfundarlaganna, sem bersýnilegastir eru og ekki verður lengur við unað.

Svo má að orði kveða, að íslenzkir höfundar séu nær réttlausir með öllu, jafnvel í sínu eigin landi. Þetta er enn ljósara eftir að útvarpið kom til sögunnar. Það er að vísu efasamt, lögfræðilega séð, hvort heimildina í rithöfundalögunum um að „lesa upp“ úr ritum megi nú skilja svo, að hún nái einnig til þess að lesa upp í útvarp, sem engan óraði fyrir, að til mundi verða, þegar rithöfundalögin voru sett. Slíkur „upplestur“ er engan veginn í eðli sínu sambærilegur við að lesa upp úr riti fyrir tiltölulega fámennum hóp eða innan fjögurra veggja, eins og átt er við í lögunum. Sama er um tónsmíðar. Um þetta mikilsverða atriði hefur ekki dómur gengið enn sem komið er.

Það mun og mega telja, að legið hafi við borð undanfarið, að einhverjir samningar yrðu gerðir milli höfunda og yfirstjórnar útvarpsins um heimil afnot þess af ritsmíðum og tónverkum, með tilteknum skilyrðum, eins og gert er ráð fyrir í 3. gr. En slíkt skipulag er löngu komið á t. d. í nágrannalöndum vorum, og hið sama eða svipað um öll siðuð lönd. Flestum mun og verða það æ ljósara, að slíkt réttleysi sem íslenzkir höfundar eiga nú við að búa sé með öllu ósæmandi siðmannaðri þjóð.

Fyrir nokkrum árum voru bornar fram á Alþingi breytingartillögur við rithöfundalögin, einkum með það fyrir augum, að Ísland gæti gengið í Bernarsambandið. Þetta atriði er ágreiningsmál, enda er því ekki hreyft hér. Má því vænta, að þessar sjálfsögðu réttarbætur megi ganga fram, íslenzkum höfundum til handa í sínu eigin landi. Allir fá nú störf sín vel goldin og framleiðslu sína. Hvernig má það þá standast, að andleg framleiðsla ein sé nú svo „verðlaus“ og réttlaus í landinu sem í lögum er fyrir mælt?

Til þess að koma í veg fyrir það, að þessi lagasetning gæti haft nokkra óvissu í för með sér í þessum efnum, þó ekki væri nema um tíma, er það ákvæði sett í 4. gr. frv., að lögin komi ekki í gildi fyrr en um leið og full skipan er komin á málin og staðfest af menntamálaráðherra.

Efni laga nr. 11 1912, um höfundarrétt á myndum og uppdráttum, er tekið upp í 2. gr. þessa frv., og verða hin því óþörf.

Hér er aðeins um breytingar að ræða til bráðabirgða, eins og áður segir, en á yfirstandandi Alþingi mun verða borin fram tillaga til þingsályktunar um undirbúning heildarlöggjafar um höfundarétt og listvernd.

## Nd. 203. Breytingartillaga

við brtt. í nál. á þskj. 137 [Áfengislög].

Frá Jakob Möller.

Við tölul. 1. Í stað orðanna „meiri hluta“ í annarri og þriðju efnismálsgrein komi á fyrri staðnum: 66 af hundraði, — og á síðari staðnum: 66 af hundraði greiddra.

## Nd. 204. Breytingartillögur

við brtt. á þskj. 137 [Áfengislög].

Frá Gísla Guðmundssyni.

Við 2. lið.

a. Í stað „segja upp“ komi: fá breytt.
b. Í stað „er þeir samningar hafa verið felldir úr gildi“ komi: er þeim samningum hefur verið breytt.

## Nd. 205. Frumvarp til laga

um breyting á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

9. gr. laganna orðist svo:

Ríkisstjórninni er heimilt að setja á stofn útsölustaði áfengis, en þó aðeins í kaupstöðum og kauptúnum.

Áður en útsala er sett á stofn, skal fara fram atkvæðagreiðsla kosningabærra manna í því sýslu- eða bæjarfélagi, sem í hlut á, og þarf meiri hluta greiddra atkvæða til þess að útsala sé leyfð.

Hafi útsala verið stofnsett, verður hún ekki lögð niður aftur, nema því aðeins, að atkvæðagreiðsla fari fram og samþykkt sé að loka áfengisútsölunni með meiri hluta atkvæða.

Atkvæðagreiðslur, sem um getur í 2. og 3. mgr., skulu fram fara, er ⅓ hluti kjósenda eða meiri hluti sýslunefndar eða bæjarstjórnar í viðkomandi sýslu- eða bæjarfélagi krefst þess.

Nú hefur verið fellt með atkvæðagreiðslu að stofna útsölu eða loka útsölu, og getur atkvæðagreiðsla þá ekki farið fram á ný, fyrr en að tveimur árum liðnum.

2. gr.

Ríkisstjórn skal, er lög þessi hafa verið samþykkt, gera ráðstafanir til þess að fá breytt millirikjasamningum þeim, sem lög þessi kunna að brjóta í bága við, og öðlast lögin gildi, er þeim samningum hefur verið breytt og ríkisstjórn birt um það tilkynningu.

## Nd. 206. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Hafnarfjarðarkaupstað, nr. 30 14. júní 1929.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og leggur til, að það verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

a. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
1. málsl. 1. gr. laganna verði svo hljóðandi:
Til hafnargerðar í Hafnarfirði veitast úr ríkissjóði allt að 1000000 kr., gegn tvöföldu framlagi úr hafnarsjóði kaupstaðarins.
b. Við 2. gr. Fyrir „Stjórnarráði Íslands“ komi: Ríkisstjórninni.

Alþingi, 15. jan. 1943.

Finnur Jónsson, form., frsm. Gísli Guðmundsson, fundaskr. Sigurður Bjarnason.
Sigurður Kristjánsson. Lúðvík Jósefsson.

## Ed. 207. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 115 19. nóv. 1936, um þingsköp Alþingis.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og vill mæla með því, að það verði samþykkt.

Alþingi, 15. jan. 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Brynjólfur Bjarnason, frsm. Guðm. Í. Guðmundsson.
Hermann Jónasson. Lárus Jóhannesson.

## Ed. 208. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 44 19. júní 1933, um stofnun happdrættis fyrir Ísland.

Frá fjárhagsnefnd.

1. gr.

a. B-liður 1. gr. laga nr. 44 19. júní 1933 hljóði svo:
Hlutina má selja bæði í heilu lagi og hálfu og enn fremur skipta þeim í fjórðunga, ef reynslan sýnir, að það sé hentugra. Iðgjald fyrir hvern hlut ákveður fjármálaráðherra, samkvæmt tillögum happdrættisstjórnarinnar og að fengnum tillögum happdrættisráðs, fyrir eitt ár í senn.
b. Á undan tölunni „5000“ í c-lið sömu lagagreinar komi orðin: ekki færri en.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, og jafnframt falla úr gildi lög nr. 48 27. júní 1941, um breyting á lögum nr. 44 19. júní 1933, um stofnun happdrættis fyrir Ísland.

Greinargerð.

Frv. þetta er flutt samkv. tilmælum stjórnar Happdrættisins. Einstakir nefndarmenn hafa áskilið sér rétt til að flytja eða fylgja brtt. við það. Frv. fylgdu svo látandi athugasemdir og skýringar:

„Eins og kunnugt er, var verð happdrættismiða hækkað árið 1941 úr kr. 60.00 í kr. 80.00, var þetta gert vegna aukins kostnaðar við happdrættið, aðallega vegna þess að umboðsmennirnir, sem hafa 7% umboðslaun af seldum miðum, þurftu vegna aukins rekstrarkostnaðar að fá hækkun umboðslauna, en ekki þótti fært að hækka þann hundraðshluta, sem þeir höfðu af seldum miðum.

Sömu ástæður liggja til þess nú, að stjórn happdrættisins telur nauðsynlegt að hækka verð happdrættismiðanna. Allur kostnaður við rekstur happdrættisins hefur aukizt gífurlega, bæði kaupgjald og annað. Öll umboðslaun voru árið 1939 81600 kr. og 1941 119000 kr., en verða örlitlu hærri þetta ár vegna aukinnar sölu. Ef bæta ætti umboðsmönnum af tekjum happdrættisins eitthvað í áttina við það, sem kaupgjald og annar kostnaður hefur hækkað, er það ljóst, að allverulega yrði skert það fé, er happdrættið skilar í byggingarsjóð háskólans, og með áframhaldandi hækkun mundi það hverfa með öllu.

Með því að það er ekki ósennilegt, að síðar þurfi á ný að breyta verði miðanna, en óhentugt er að gera lagabreytingu í hvert sinn, er þarf að breyta verði happdrættismiða, er með frumvarpi þessu gerð sú breyting á happdrættislögunum, að fjármálaráðherra ákveði verð happdrættismiðanna samkvæmt tillögum stjórnar happdrættisins og að fengnu áliti happdrættisráðs."

**Fylgiskjal.**

HAPPDRÆTTI HÁSKÓLA ÍSLANDS
Reykjavík, 8. jan. 1943.

Til stjórnar Happdrættis Háskóla Íslands.

Með skírskotun til bréfs míns 12. okt. s.l. um horfur happdrættisins á næstu árum, skal ég leyfa mér að taka þetta fram til viðbótar því, sem þar er sagt:

Tekjur af rekstri happdrættisins frá upphafi hafa orðið:

| | | |
|---|---|---|
| 1934 | kr. | 116772.99 |
| 1935 | — | 210142.26 |
| 1936 | — | 158474.51 |
| 1937 | — | 141655.50 |
| 1938 | — | 211638.00 |
| 1939 | — | 186143.63 |
| 1940 | — | 208963.13 |
| 1941 | — | 301129.21 |
| 1942 áætlað | — | 240000.00 |
| | kr. | 1774919.23 eða 1775 þús. kr. |

Af þessu fé rennur tíundi hluti til atvinnudeildarinnar, kr. 177500.00.

| | | |
|---|---|---|
| Til byggingar háskólans handbært | kr. | 1597500.00 |
| Áhvílandi byggingarskuldir | — | 510000.00 |
| | kr. | 2107500.00 |

| | | |
|---|---|---|
| Greitt til byggingar atvinnudeildar ..... | kr. | 200000.00 |
| Til byggingar háskólans hefur því verið varið ..... | kr. | 1907500.00 |
| | Kr. | 1907500.00 |

Með þeirri hækkun á veltu happdrættisins, sem farið er fram á, og óbreyttri sölu happdrættismiða, fengi happdrættið fyrir selda miða kr. 2.5 millj. Í bréfi mínu 12. okt. gerði ég ekki ráð fyrir, að menn mundu kippa að sér hendinni um kaup á happdrættismiðum við þessa hækkun. Síðan virðast mér þær breytingar hafa orðið, að varlegra mundi þó að gera ráð fyrir einhverri lækkun. Ég get þó ekki hugsað mér, að um meiri en 5% lækkun geti orðið að ræða, sennilega minni, en sé gengið út frá því, yrði velta happdrættisins kr. 2375000.00. Af þessari upphæð renna 23% til happdrættisins, þegar sölulaun umboðsmanna hafa verið dregin frá, eða um 545 þús. kr. Rekstrarkostnað áætlaði ég kr. 190000.00, og var þá miðað við vísitölu 250, og er rétt að hækka þá áætlun nokkuð og áætla hreinar tekjur kr. 330000.00, þar af kr. 300000.00 í hlut háskólans. Á 4 árum yrði þetta 1200 þús. kr. En þegar tekið er tillit til þess, að almennt er búizt við fjárhagsvandræðum og samdrætti í öllum efnum áður en þessi 4 ár eru liðin, og getur jafnvel til þess komið, að lækka þurfi veltu happdrættisins, má varla gera ráð fyrir meiri tekjum en 1 milljón kr. samtals, það sem eftir er af sérleyfistímanum.

Skuldir háskólabyggingarinnar eru nú, eins og áður segir, 510 þús. kr. Þegar þær eru að fullu greiddar, yrði um ½ millj. kr. eftir til ráðstöfunar. Því fé yrði varið sem hér segir:

1. Til þess að fullgera háskólann. Enn er eftir að ganga frá því húsnæði, sem ætlað er til tannlæknakennslu, og öllum kjallaranum undir útbyggingunni, sem er ætlaður til bókageymslu. Þá hefur verið gert ráð fyrir að setja lyftu í húsið o. fl.
2. Til greiðslu vaxta.
3. Til þess að ganga frá háskólalóðinni. Stærð lóðarinnar er 6.7 ha. Lóðina þarf að girða gripheldri girðingu, og þarf að vanda til girðingarinnar, svo að hún sómi sér vel. Lengd girðingarinnar mun verða nál. 1 km. Lóðin er mjög óslétt og dældótt, og liggur auk þess í halla. Þarf að flytja afar mikið til á lóðinni og auk þess að flytja þangað mikið af gróðrarmold, tyrfa yfir eða sá grasfræi, planta trjám, leggja gangstíga og margt fleira. Mjög mikil vinna er óunnin við skálina fyrir framan háskólann, að slétta hana og laga og tyrfa, hlaða upp skálarveginn eða steypa. Loks þarf að gera vandaðan akveg, macadamiseraðan eða steyptan, frá fyrirhuguðum vegi suður mýrina, í hálfhring upp að háskólanum, í sveig utan um skálina og aftur niður á veginn. Sá vegur yrði allbreiður og um 300 m langur að minnsta kosti. Eg get ekki gert mér neina grein fyrir kostnaði við allt þetta. Þó tel ég fullvíst, að með því verðlagi, sem nú er, og vinnulaunum, en þau eru langmestur hluti kostnaðarins, mundi ½ millj. hvergi nærri hrökkva til þess, og væri þá vel, ef framanrituð tekjuáætlun reyndist varlega gerð. Ég býst við því, að öllu muni til skila haldið, að auðið verði að framkvæma það nauðsynlegasta á lóðinni af tekjum þeirra 4 ára, sem eru eftir af sérleyfistímanum.

Að lokum skal ég ítreka það, sem ég gat um í bréfi mínu 12. okt., að engin von er til þess, að umboðsmenn happdrættisins sætti sig við að starfa áfram með sömu kjörum sem áður, ef þeim verður ekki séð fyrir auknum tekjum með því að hækka veltu þeirra. Ef bæta ætti þeim upp dýrtíðina, þó ekki væri nema með 100%, miðað við 1939, af tekjum happdrættisins, án hækkunar á verði miðanna, mundi það kosta happdrættið um 40000 kr. á ári, en við það mundu tekjur happdrættisins lækka niður í um 150000 kr., að öllu öðru óbreyttu.

Virðingarfyllst

Pétur Sigurðsson.

## Nd. 209. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

Frá Jörundi Brynjólfssyni.

Við 2. gr. Greinina skal orða svo:

Nú telur ríkisstjórnin, að lög þessi kunni að brjóta í bága við milliríkjasamninga, og skal hún þá gera þær ráðstafanir, er hún álítur nauðsynlegar til þess að samrýma þá samninga ákvæðum laganna. Að því loknu öðlast lögin gildi, enda birtir ríkisstjórnin um það tilkynningu.

## Nd. 210. Nefndarálit

um frv. til l. um jöfnunarsjóð aflahluta.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin mælir með því, að frumvarpið verði samþykkt með þeirri breytingu, sem hér fer á eftir.

Þrír nefndarmanna, FJ, GG og LJós, áskilja sér rétt til að flytja eða fylgja brtt. við frumvarpið.

BREYTINGARTILLAGA.

Við 5. gr. Í stað orðanna „Fiskveiðasjóður Íslands“ kemur: Tryggingarstofnun ríkisins.

Alþingi, 15. jan. 1943.

Finnur Jónsson, form. Sigurður Kristjánsson, frsm. Gísli Guðmundsson, fundaskr.

Sigurður Bjarnason. Lúðvík Jósefsson.

## Sþ. 211. Tillaga til þingsályktunar

um undirbúning heildarlöggjafar um höfundarétt og listvernd.

Flm.: Stefán Jóh. Stefánsson, Eysteinn Jónsson, Gunnar Thoroddsen, Sigurður Thoroddsen.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að láta undirbúa heildarlöggjöf um höfundarétt og listvernd. Við undirbúning málsins skal leitað tillagna frá Bandalagi íslenzkra listamanna, og málinu hraðað eftir því, sem frekast eru föng á, og leggi ríkisstjórnin síðan frumvarp til laga um þessi málefni fyrir Alþingi.

Greinargerð.

Lög um rithöfundarétt og prentrétt eru frá 1905 og hefur verið breytt með lögum frá 1912. Lög þessi eru hin einu, er á nokkurn verulegan hátt veita höfundum rétt til verka sinna, en þó er sá réttur næsta takmarkaður og ófullkominn. Búa íslenzkir höfundar við minni rétt í þessum efnum en höfundar annarra menn-

ingarríkja. Á yfirstandandi Alþingi er að vísu borið fram frv. til l. um breyt. á rithöfundalögunum frá 1905, en þær breytingar eru aðeins til þess að skera verstu annmarkana af núgildandi löggjöf um höfundarétt. En þrátt fyrir þá breytingu, þó samþykkt yrði, mundi löggjöf vor um höfundarétt vera næsta ófullkomin, og því eftir sem áður nauðsyn á fullkominni heildarlöggjöf um þessi efni.

Listamannaþing, er háð var hér í haust, samþykkti einróma ályktun um þetta efni, og sýnist næsta eðlilegt, að leitað sé til Bandalags íslenzkra listamanna við undirbúning löggjafar um þessi málefni.

## Ed. 212. Breytingartillaga

við till. til þál. um heimildasöfnun frá útlöndum um framlög úr ríkissjóði í nokkrum löndum til skálda og listamanna.

Frá Kristni E. Andréssyni.

Í stað 2. og 3. tölul. tillgr. koma 3 tölul., svo hljóðandi:

2. Hver eru framlög ríkisins og einstakra bæjarfélaga til ýmissa listgreina, svo sem hljómlistar og leiklistar, og liststofnana (listasafna, listaskóla, listaháskóla)?

3. Hve miklar tekjur hafa rithöfundar og aðrir listamenn af verkum sínum (verð á listaverkum, ritlaun fyrir bækur o. s. frv.)?

4. Jafnframt séu fengnar upplýsingar um sjóðstofnanir, er veita fé til listamanna og listastarfsemi þessara ríkja.

## Ed. 213. Breytingartillaga

við frv. til l. um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

Frá Gísla Jónssyni.

Við 4. gr. bætist: Undanskilið er þó það fé, sem greitt er í erlendri mynt til nýbyggingarsjóða, svo og vátryggingarfé, sem greitt er í erlendri mynt fyrir skip, enda sé sett full trygging fyrir því, að féð sé notað eingöngu til byggingar nýrra skipa fyrir þjóðina.

## Ed. 214. Nefndarálit

um frv. til laga um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og rætt við fjármálaráðherra um efni þess. Samkomulag varð um að mæla með frv. með breytingu á 1. gr. þess. Einn nefndarmanna (BSt) tekur fram, að hann er sömu skoðunar og fram kom frá þm. V.-Húnv. í niðurlagi nefndarálits á þskj. 171. Einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til að fylgja breytingartillögum, ef fram koma.

Samkvæmt þessu leggur nefndin til, að frv. verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Við 1. gr. Aftan við greinina bætist ný málsgr., svo hljóðandi:

Eigi má skipa í viðskiptaráð fulltrúa sérstakra stétta eða félaga né heldur menn, er eiga beinna hagsmuna að gæta í sambandi við störf ráðsins eða eru í þjónustu aðila, sem svo er ástatt um.

Alþingi, 15. jan. 1943.

Pétur Magnússon, formaður. Haraldur Guðmundsson, fundaskrifari, frsm. Bernharð Stefánsson.

Steingr. Aðalsteinsson. Lárus Jóhannesson.

## Nd. 215. Frumvarp til hafnarlaga

fyrir Keflavík.

Flm.: Ólafur Thors.

1. gr.

Til hafnargerðar í Keflavík veitast úr ríkissjóði $^2/_5$ kostnaðar, eftir áætlun, sem ríkisstjórnin hefur samþykkt, þegar fé er veitt til þess í fjárlögum, allt að kr. 480000 — fjögur hundruð og áttatíu þúsund kr. — gegn $^3/_5$ frá hafnarsjóði Keflavíkurhrepps.

2. gr.

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að kr. 480000 — fjögur hundruð og áttatíu þúsund kr. — lán, er hafnarsjóður Keflavíkurhrepps kann að fá til hafnargerðarinnar, gegn ábyrgð sveitarsjóðs og sýslunefndar Gullbringusýslu. Tillagið úr ríkissjóði og ábyrgð ríkissjóðs er bundin því skilyrði, að yfirumsjón með verkinu og reikningshald sé falið manni, sem atvinnumálaráðuneytið samþykkir.

3. gr.

Sérhver er skyldur að láta af hendi mannvirki og land, er þarf til að gera höfnina, eða undir brautir og vegi í þarfir hafnarinnar, svo sem leyfa, að tekið verði í landi hans, hvort heldur er grjót, möl eða önnur jarðefni, og þola þær eignakvaðir, óhagræði eða takmörkun á afnotarétti, sem hafnargerðin hefur í för með sér, allt gegn því, að fullar bætur komi fyrir. Náist ekki samkomulag um bæturnar, skulu þær ákveðnar með mati tveggja dómkvaddra manna, að tilkvöddum báðum málsaðilum. Kostnaður við matið greiðist úr hafnarsjóði Keflavíkur. Nú vill annar hvor málsaðili ekki una mati, og getur hann heimtað yfirmat, en gera skal hann það innan 14 daga frá því að matsgerð er lokið. Yfirmatið skal framkvæmt á sama hátt af 4 dómkvöddum mönnum. Kostnaðinn við yfirmatið greiðir sá, er þess hefur krafizt, ef matsupphæðinni verður ekki breytt meira en sem nemur 10% af hinni ákveðnu endurgjaldsupphæð, ella greiðist kostnaðurinn úr hafnarsjóði Keflavíkur.

4. gr.

Hafnarmerki skulu ákveðin í reglugerð.

5. gr.

Meðfram strandlengjunni umhverfis höfnina má ekki gera í sjó fram neina bryggju eða önnur mannvirki, né fylla upp eða dýpka út frá landi, nema eftir tillögum hafnarnefndar og með samþykki hreppsnefndar Keflavíkur. Sá, sem vill gera eitthvert slíkt mannvirki, skal senda hafnarnefndinni beiðni um það, og skal beiðn-

inni fylgja lýsing á því, svo og uppdráttur, ef með þykir þurfa í tvennu lagi, og heldur hafnarnefnd öðru eintakinu. Hafnarnefnd afgreiðir síðan málið til hreppsnefndar.

Sá, sem fengið hefur slíkt leyfi, skal skyldur að halda mannvirkinu svo við, að engin hætta stafi af því. Þessi ákvæði gilda og um þær bryggjur og önnur mannvirki, sem þegar hafa verið gerð á hafnarsvæðinu.

Brot gegn þessari grein varða sektum, frá 500—20000 kr., og hafnarnefnd getur látið nema burt mannvirkið á kostnað eiganda.

6. gr.

Hreppsnefnd Keflavíkur hefur á hendi stjórn hafnarmálefnanna undir yfirumsjón atvinnu- og samgöngumálaráðuneytisins.

7. gr.

Framkvæmd hafnarmála og eftirlit með höfninni skal fela hafnarnefnd. Í hafnarnefnd sitja 3 menn. Skal nefndin kosin á sama hátt og til sama tíma og aðrar fastanefndir, er hreppsnefnd kýs. Heimilt er þó að kjósa í nefndina menn, er ekki eiga sæti í hreppsnefnd.

8. gr.

Eigum hafnarsjóðs má aðeins verja í þarfir hafnarinnar. Sveitarsjóður ábyrgist skuldir hafnarsjóðs, og hreppsnefnd hefur ábyrgð á eignum hafnarinnar.

9. gr.

Hreppsnefnd má ekki án leyfis ráðuneytisins selja eða veðsetja fasteignir hafnarsjóðs, eða kaupa nokkrar nýjar fasteignir, taka stærri lán eða lán til lengri tíma en að þau verði borguð aftur af tekjum þess árs, sem fer í hönd, né endurnýja slík lán eða fresta borgunartímanum, og ekki heldur gera nein þau mannvirki við höfnina, sem eru svo stórvaxin, að árstekjurnar hrökkvi ekki til að koma þeim í framkvæmd.

10. gr.

Til þess að standa straum af kostnaði við byggingu og viðhald hafnarvirkja og til árlegs rekstrarkostnaðar hafnarinnar er heimilt að innheimta gjöld þau, er hér segir:

1. Árlegt gjald af bryggjum og öðrum mannvirkjum, sem gerð eru samkvæmt 5. gr.
2. Af skipum og bátum, er hafna sig á Keflavíkurhöfn, og farmi þeirra:
   a. Lestagjald.
   b. Vitagjald.
   c. Vörugjald. — Undanskildar skulu þó vörur þær, er samkvæmt farmskrá skipsins eiga að fara til annarra hafna á landinu, ef þær eru ekki settar á land.
   d. Bryggjugjald af skipum, er leggjast við bryggjur hafnarinnar.
   e. Festargjald af skipum, sem nota festar hafnarsjóðs.
   f. Allt að 1% af andvirði afla þeirra skipa og báta, sem heimili eiga í kauptúninu og leggja þar afla á land eða hafa þar uppsátur.

Gjöld þessi, sem og gjöld fyrir afnot af öðrum eignum hafnarinnar, skulu ákveðin í reglugerð, sem hreppsnefnd Keflavíkur semur og atvinnu- og samgöngumálaráðuneytið staðfestir, og skal í henni ákveða, hver skuli greiða þau og innheimta.

Herskip og skemmtiskip skulu undanþegin gjöldum til hafnarinnar samkvæmt tölulið 2 a og b.

11. gr.

Nú má álíta, að tekjur af gjaldstofnum þeim, sem heimilaðir eru í 10. gr., hrökkvi ekki fyrir árlegum útgjöldum hafnarinnar, og getur þá hreppsnefnd, með sérstöku samþykki atvinnumálaráðuneytisins fyrir hvert ár, ákveðið, að leggja megi aukatoll á aðflutningsgjaldskyldar og útflutningsgjaldskyldar vörur. Gjaldið

má þó aldrei fara fram úr 4% af tolli þeim, er greiða ber í ríkissjóð. Gjald þetta innheimtir hafnarnefnd. Gjald þetta, sem og gjöldin samkvæmt 10. gr., má taka lögtaki.

12. gr.

Reikningsár hafnarsjóðs er almanaksárið.

13. gr.

Fyrir 1. nóvember ár hvert ber hafnarnefnd að leggja fyrir hreppsnefnd frumvarp til áætlunar um tekjur og gjöld hafnarinnar á komandi ári. Hreppsnefnd skal hafa fullsamið áætlunina fyrir lok nóvembermánaðar og senda hana síðan atvinnu- og samgöngumálaráðuneytinu til samþykktar fyrir árslok, ásamt nauðsynlegum skýringum á einstökum gjalda- og tekjuliðum.

14. gr.

Nú hefur hreppsnefnd í hyggju einhverjar meiri háttar aðgerðir við höfnina, eða hún vill gera einhverjar þær ráðstafanir, er samþykki atvinnumálaráðuneytisins þarf til, og skal hún þá senda ráðuneytinu sérstaka tillögu um það efni. Skal það gert svo tímanlega, að samþykki ráðuneytisins geti komið til áður en hún lætur fjárhagsáætlun hafnarinnar fara frá sér.

15. gr.

Komi það í ljós, þegar fram á árið líður, að óumflýjanlegt sé að sinna einhverjum aðgerðum utan áætlunar eða fara fram úr áætluðum fjárhæðum, ber hafnarnefnd að tilkynna það hreppsnefnd í tæka tíð. Fallist hún á tillögur hafnarnefndar, skal þegar leitað samþykkis ráðuneytisins til þess að víkja megi frá áætluninni. Fyrr má ekki framkvæma verkið né stofna til tekjuhallans.

16. gr.

Við lok hvers reikningsárs, og ekki síðar en fyrir febrúarlok, skal hafnarnefnd gera reikning yfir tekjur og gjöld hafnarinnar á hinu liðna ári og efnahagsreikning hennar. Reikningana skal endurskoða og úrskurða á sama hátt og reikninga sveitarsjóðs.

17. gr.

Að öðru leyti skal ákveða með reglugerð, er hreppsnefnd semur og ráðuneytið staðfestir, allt það, er lýtur að greiðri og hættulausri umferð um höfnina, góðri reglu og öðru höfninni viðvíkjandi, er við þykir eiga. Í reglugerðinni má ákveða sektir fyrir brot gegn henni, 20—1000 kr.

Sektir samkvæmt lögum þessum renna í hafnarsjóð.

18. gr.

Með mál þau, sem rísa út af brotum á lögum þessum og reglugerðum, sem settar verða samkvæmt þeim, skal fara sem almenn lögreglumál.

19. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Eins og flestir vita, hefur Keflavík nú um nokkurt árabil verið ein af stærstu verstöðvum landsins. Hefur útgerð þaðan farið ört vaxandi, enda hefur mjög fjölgað aðkomubátum, sem þar leggja afla sinn á land yfir vertíðina.

Því fer enn mjög fjarri, að hafnarskilyrði séu viðunandi í Keflavík, og verður að viðurkenna, að nokkru mun um valda, að eigi hefur ríkt full eining um, hvar höfnina

skyldi byggja, og málinu því eigi verið fylgt eftir eins og ella mundi gert hafa verið. Hafa Keflvíkingar fram að þessu helzt búið að því, að fyrir nokkrum árum hófst kunnur dugnaðarmaður handa upp á sitt eindæmi og byggði þar hafskipabryggju og stuttan skjólgarð. Var að þessu hin mesta bót, en þó hvergi fullnægjandi, einkum ef litið er til aukningar á útgerðinni frá Keflavík.

Í fyrra réðst Keflavíkurhreppur í að kaupa þessi hafnarmannvirki fyrir um 400 þús. kr., enda var þá talið, að eigi yrði með öðrum hætti tryggt sæmilegt viðhald þeirra. En áður en kaupin yrðu ráðin, fékk hreppurinn fyrirheit þáverandi ríkisstjórnar og fjárveitinganefndar Alþingis um framlag af hálfu ríkissjóðs til móts við kaupverð eignanna, og skyldi því fé varið til að lengja fyrrnefndan skjólgarð.

Var nú hafizt handa undir stjórn vitamálastjóra um byggingu þriggja steinsteypukerja, og er þegar lokið við að byggja tvö þeirra, en það þriðja í undirbúningi. Eru þau 10 metrar á breidd hvert um sig, en ætlazt til, að þau verði sett niður með nokkru millibili og fyllt á milli, þannig að garðurinn með þessum hætti lengist um 40 metra, og er það talin mikil úrbót.

Kostnaður við þetta er talinn muni verða um 7—800 þús. kr., og yrði þá allur kostnaður við téð mannvirki um 11—12 hundruð þús. kr. Yrði þá framlag ríkissjóðs til móts við hærri upphæðina kr. 480 þús., og er við þá upphæð miðað í þessu frv. um framlag og ábyrgð, enda þótt sennilega verði eigi þörf fyrir svo háa ábyrgð. Þörfin fyrir þessar hafnarbætur er á vitund flestra og viðurkennd af þeim aðilum Alþingis, er um þessi mál fjalla öðrum fremur. Þykir því ástæðulaust að fjölyrða um það stórkostlega beina og óbeina fjártjón, er oft og í vaxandi mæli hefur orsakazt af lélegum hafnarmannvirkjum í Keflavík, sem og hitt, er kunnugir þekkja, að ef nokkuð er að veðri, bíða verstu örðugleikar keflvísku sjómannanna, þegar að landi kemur, því þá þarf oft bæði útsjónarsemi og þrek til að verja bát og afla áföllum í þrengslunum, jafnlítið skjól sem hafnarmannvirkin enn veita.

Er þess því vænzt, að Alþingi afgreiði þetta mál fljótt og vel.

## Nd. 216. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

a. Stofnfé sjóðsins er: Eignir fiskveiðasjóðs Íslands og skuldaskilasjóðs vélbátaeigenda eins og þær eru nú.

b. Tekjur sjóðsins eru:
   1. Hundraðsgjald af útfluttum sjávarafurðum samkv. lögum nr. 47 19. maí 1930, um fiskveiðasjóðsgjald.
   2. Útflutningsgjald af sjávarafurðum, sem ríkissjóður innheimtir samkv. lögum nr. 63 28. jan. 1935.
   3. Vextir.

2. gr.

A-liður 4. greinar laganna orðist svo:

Skipakaupa og skipabygginga. Hafi sjóðurinn ekki nægilegt fé til þess að fullnægja lánsþörfinni, skulu skip innan 150 smál. sitja fyrir lánum.

Aftan við greinina bætist nýr stafliður, er hljóðar svo:

c. Til dráttarbrauta.

3. gr.

Aftan við 5. gr. laganna bætist ný málsgr., svo hljóðandi:
Sjóðurinn lánar aðeins gegn 1. veðrétti.

4. gr.

Í stað orðsins „b-lið“ í 6. gr. laganna komi: b-lið og c-lið.

5. gr.

Í stað orðanna „4½% — fjórir og hálfur af hundraði“ í 7. gr. laganna kemur: 3% — þrír af hundraði.

6. gr.

Á eftir 7. gr. koma tvær nýjar greinar, er verða 7. og 8. gr., svo hljóðandi:

a. (7. gr.): Við fiskveiðasjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita styrki til byggingar fiskibáta innan 150 smálesta. Ríkissjóður leggur sjóði þessarar deildar 2 milljónir króna á árinu 1943, og auk þess ganga til hans frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu.

Úr sjóði þessum skal veita styrki til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Styrkur þessi veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Styrkur til hvers skips má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins, þó aldrei yfir 75000 kr. á skip.

Við úthlutun styrksins skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi hefur áður stundað sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Styrkur þessi veitist til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun fjárhæðar styrkja taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt, og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið.

Ríkisstjórnin setur reglugerð um styrkveitingar úr sjóðnum í samráði við sjóðsstjórnina og að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands og fiskimálanefndar. Þar skulu sett ákvæði til tryggingar því, að styrkirnir verði ekki misnotaðir með því að verzla með þá, eða á annan hátt, og um refsiákvæði fyrir brot á styrkskilyrðum og reglugerð, sem sett er um þetta efni.

b. (8. gr.): Útborgun lána samkv. 5. gr. laganna og styrkja samkv. næstu grein hér á undan skal haga svo, að ⅓ láns og styrks greiðist, þegar kjölur er lagður og meginhluti efnis er kominn á staðinn, ⅓, þegar skipið er byrt og þiljur lagðar og vél skipsins komin á staðinn. Lokagreiðsla fer fram, þegar skipið er fullsmíðað, virt og vátryggt.

7. gr.

Breytingar þessar skal fella inn í lög nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands, og gefa lögin síðan út svo breytt.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 217. Frumvarp til laga

um búfjártryggingar.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

Stofna skal sérstaka deild við Brunabótafélag Íslands og undir stjórn þess, er nefnist Búfjártryggingardeild.

2. gr.

Verkefni Búfjártryggingardeildar er að taka að sér vátryggingu búfjár gegn vanhöldum og slysum, allt eftir þeim nánari reglum, sem lög þessi og reglugerð setja.

3. gr.

Skylt er að tryggja í deildinni gegn venjulegum vanhöldum:

a. Kynbótanaut og kynbótahesta, er styrks njóta af opinberu fé og eru til félagslegra afnota.
b. Bústofn sauðfjárkynbótabúa og annarra kynbótabúa, sem rekin eru með opinberum styrk og undir opinberu eftirliti.

Ekki má vátryggja undir þessum lið eldri gripi en hér segir: Kynbótanaut 12 vetra, kynbótahesta 18 vetra, hrúta og ær 6 vetra.

4. gr.

Heimilt er að tryggja í deildinni:

a. Gegn vanhöldum: Kýr og hrúta.
b. Gegn slysum af völdum illviðra og sjávarflæðar: Tiltekið búfé eða hópa búfjár.

5. gr.

Vátryggingarupphæð gripa skal ákveðin fyrir fram og með hliðsjón af skattmati á hverjum tíma. Verðmæti kynbótagripa má þó vera allt að tvöfalt skattmat, eftir því sem vátryggjanda og umboðsmanni Búfjártryggingarsjóðs kemur saman um.

Eindagi á iðgjöldum er samtímis því, er tryggingarnar eru skráðar.

6. gr.

Vátryggingarsjóður bætir ½ vátryggingarverðs og því aðeins, að vanhöldin eða slysin séu ekki um að kenna fóðurskorti, hirðuleysi eða handvömm eigenda gripanna eða umráðenda, þjónum þeirra eða nánustu vandamönnum.

Frá bótum dragast nytjar fjárins eftir hæfilegu mati.

7. gr.

Til vanhalda og slysa samkv. 3. og 4. gr. teljast dauðsföll af sjúkdómum og slysum á meðan hinir vátryggðu gripir eru í gæzlu, hvort sem er í húsi eða í heimahögum, eftir því sem nánar verður tiltekið í reglugerð.

8. gr.

Allir þeir, sem vátryggja í Búfjártryggingardeild, eru félagsmenn hennar og ábyrgjast, að sjóður hennar geti staðið í skilum. Ábyrgðin er þó takmörkuð við það, að vátryggjendum það ár, er iðgjöldin hrökkva ekki til bóta, er skylt að greiða viðbótariðgjöld allt að 100%. Viðbótariðgjöldin má taka lögtaki í eignum vátryggjanda. Nú verður eitthvert ár svo mikið tjón af slysum samkv. 4. gr. b., að iðgjöldin hrökkva ekki til, og skal þá það, sem á vantar, greiðast að jöfnu úr Búfjártryggingarsjóði deildarinnar og ríkissjóði, og er það ekki afturkræft.

Ríkissjóður er í bakábyrgð fyrir Búfjártryggingarsjóð, en endurgreiða skal ríkissjóði það, sem hann á þann hátt kynni að leggja fram, þó með þeirri undantekningu, er að framan greinir.

9. gr.

Ríkissjóður leggur fram 300 þúsund krónur, er greiðist með jöfnum greiðslum á 3 árum eftir að Búfjártryggingardeildin er stofnuð, og er það varasjóður deildarinnar og nefnist Búfjártryggingarsjóður. Í Búfjártryggingarsjóð rennur árlegur tekjuafgangur deildarinnar, enda standi hann straum af útgjöldum deildarinnar, þegar tekjur hrökkva ekki til, sbr. þó 8. gr.

10. gr.

Vátryggingar á búfé gilda til þess tíma, sem tiltekið er í vátryggingarskírteininu.

11. gr.

Umboðsmenn Brunabótafélags Íslands skulu vera umboðsmenn Búfjártryggingardeildar. Þeir skrá tryggingarnar, gefa út vátryggingarskírteini, innheimta iðgjöld og aukaiðgjöld og gera á þessu öll skil til félagsins. Þeir skulu vera umboðsmenn deildarinnar við mál um skyldu til bóta og um upphæð bótanna.

Brunabótafélagið getur þó tekið sér sérstaka trúnaðarmenn fyrir Búfjártryggingardeildina.

Nú verður ágreiningur milli umboðsmanns og tjónþola um rétt og skyldu til bóta eða um upphæð bótanna, og skal ágreiningnum þá skotið til gerðardóms þriggja manna. Nefni til sinn mann hvor aðili, en viðkomandi dómari oddamanninn. Úrskurður gerðardómsins er fullnaðarúrskurður. Skaðabætur greiðast ekki af hendi fyrr en tjón er að fullu sannað og metið.

12. gr.

Nú er búfé, sem vátryggt er samkvæmt lögum þessum, veðsett, og nær þá veðrétturinn einnig til vátryggingarfjárins.

13. gr.

Landbúnaðarráðherra ákveður iðgjöld vegna búfjártrygginga í samráði við forstjóra Brunabótafélags Íslands og stjórn Búnaðarfélags Íslands, og skal þá leggja til grundvallar vanhaldaskýrslur þær, er fyrir liggja, og aðrar upplýsingar um vanhöld og fjárskaða, er lög þessi ná til og þessir aðilar geta aflað sér á annan hátt.

14. gr.

Landbúnaðarráðherra ákveður nánar með reglugerð verksvið Búfjártryggingardeildar, stjórn, reikningshald, virðingar, iðgjöld, gjalddaga, endurtryggingu, hvernig meta skuli skaða af vanhöldum, hvað telst til vanhalda, sem skylt er að bæta, ábyrgð félagsmanna og annað varðandi búfjártryggingarnar, er þörf krefur, að ýtarlegar sé kveðið á um.

15. gr.

Brjóti vátryggjandi lög þessi eða reglugerð og skilyrði, sem sett eru samkvæmt þeim, varðar það réttindamissi til skaðabóta eftir málavöxtum, svo sem reglugerð tiltekur nánar. Í reglugerð má ákveða sektir fyrir brot á ákvæðum hennar, 10—500 kr., er renni í Búfjártryggingarsjóð.

16. gr.

Með mál út af brotum á lögum þessum skal farið sem almenn lögreglumál.

17. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi felld lög nr. 28 7. maí 1928, um búfjártryggingar.

## Ed. 218. Frumvarp til laga

um breyting á sveitarstjórnarlögum, nr. 12 31. maí 1927, og um afnám laga nr. 43 27. júní 1941, um breyting á þeim lögum.

Flutningsm.: Bernh. Stefánsson.

1. gr.

23 gr. laga nr. 12 31. maí 1927 orðist svo:

Oddviti skal hafa að launum um árið eina krónu fyrir hvern mann í hreppnum samkvæmt manntali þess árs, er hann tekur laun fyrir, og auk þess minnst 2% — tvo af hundraði — af innheimtum útsvörum.

Á laun oddvita, önnur en innheimtulaun, greiðist verðlagsuppbót eftir almennri vísitölu samkvæmt lögum nr. 48 1942, um verðlagsuppbót á laun embættismanna og annara starfsmanna ríkisins og ríkisstofnana.

2. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 43 27. júní 1941.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, og taka oddvitar laun samkvæmt þeim frá 1. janúar 1942.

Greinargerð.

Upplýst er, að svo er litið á af ráðuneyti því, sem sveitarstjórnarmál heyra undir, að hreppsnefndaroddvitar hafi ekki rétt til að reikna sér dýrtíðaruppbót á hin lítilfjörlegu föstu laun sín, nema hreppsnefnd óski þess og viðkomandi sýslunefnd samþykki. Fá oddvitar því sums staðar þessar uppbætur, en annars staðar ekki. Sjá allir, hvílíkt misrétti þetta er. Virðist sjálfsagt, að þessir lægst launuðu starfsmenn hins opinbera fái dýrtíðaruppbót eins og allir aðrir opinberir starfsmenn og launamenn, og er í þessu frv. lagt til að lögfesta það. Þá er og lagt til, að oddvitar fái að launum eina krónu fyrir hvern mann í hreppnum í stað „10 krónur á hvern fullan tug hreppsbúa". Virðist þetta að vísu ekki skipta miklu máli, en óeðlilegt er þó, að þessu gjaldi sé sleppt af þeim íbúum, sem eru fram yfir heilan tug. Hefur þetta ákvæði og valdið ágreiningi.

Þar sem sumir oddvitar hafa fengið verðlagsuppbót fyrir árið 1942, virðist eðlilegt og rétt, að þeir verði allir þeirra réttinda aðnjótandi. Er því lagt til, að oddvitar taki laun samkv. frv. þessu frá 1. jan. 1942.

Frv. þetta er flutt í samráði við eftirlitsmann sveitarstjórnarmála.

## Nd. 219. Frumvarp til laga

um húsaleigu.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943).

1. gr.

Leigusala er óheimilt að segja upp leigusamningum um íbúðarhúsnæði, nema honum sé, að dómi húsaleigunefndar (fasteignamatsnefndar), þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig eða skyldmenni í beinni línu, kjörbörn og fósturbörn, enda hafi hann og eignazt hús það, sem íbúðin er í, fyrir 9. sept. 1941. Þegar sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) þó leyft aðfluttum opinberum starfsmanni, sem eignazt hefur hús á starfssvæði sínu eftir 8. sept. 1941, að segja upp

leigusamningum um húsnæði í húsinu, verði honum talin þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig.

Heimilt skal leigusala að skipta á íbúð sinni og íbúð leigutaka í húsi sínu, enda komi íbúð leigusala leigutaka að sömu eða svipuðum notum, að dómi húsaleigunefndar (fasteignamatsnefndar).

Uppsagnir á leigusamningum um annað húsnæði skulu og teljast gildar, ef fullnægt er skilyrðum fyrstu málsgreinar þessarar greinar, en uppsagnir á leigusamningum um slíkt húsnæði til annarra nota en íbúðar skulu því aðeins teljast gildar, að leigusala sjálfum verði, að dómi húsaleigunefndar (fasteignamatsnefndar), talin þess brýn þörf til slíkra nota.

Uppsagnir framleigusala á leigusamningum framleigutaka lúta einnig ákvæðum þessarar greinar, eftir því sem við á, þó þannig, að ekki skiptir máli, hvenær framleigusali öðlaðist rétt yfir hinu leigða.

Uppsagnir samkvæmt framansögðu má meta gildar að öllu leyti eða nokkru, verði það talið hentara, enda á þá húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) úrskurð þess, til hverra herbergja uppsögnin nær.

2. gr.

Þrátt fyrir ákvæði 1. gr. heldur leigusali (framleigusali) óskertum rétti sínum til að slíta leigumála vegna vanskila á húsaleigu eða annarra samningsrofa af hálfu leigutaka (framleigutaka), svo og ef leigutaki (framleigutaki) hagar sér þannig eða fremur eitthvað það, er að mati húsaleigunefndar (fasteignamatsnefndar) gerir leigusala verulega óþægilegt að hafa hann í húsum sínum.

3. gr.

Leigusala (framleigusala) er óheimilt að leigja öðrum en heimilisföstum innanhéraðsmönnum íbúðarhúsnæði, og eru slíkir leigusamningar ógildir.

Þegar alveg sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) veitt undanþágu frá upphafsákvæði þessarar greinar um tiltekinn eða ótiltekinn tíma.

Utanhéraðsmönnum er óheimilt að flytja í hús, er þeir kunna að kaupa eftir gildistöku laga þessara í kaupstöðum eða kauptúnum landsins, nema þeim sé þess brýn þörf að dómi húsaleigunefndar (fasteignamatsnefndar).

Húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) getur látið framkvæma útburð á þeim utanhéraðsmönnum, sem ólöglega hafa tekið húsnæði á leigu eða flutt í það samkvæmt framansögðu, og skal þessu húsnæði ráðstafað handa húsnæðislausum innanhéraðsmönnum.

4. gr.

Íbúðarherbergi má ekki taka til annarrar notkunar en íbúðar, og íbúðarhús má ekki rífa, nema heilbrigðisnefnd banni að nota þau til íbúðar. Húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) getur þó veitt sérstakt leyfi til þessa og sett það skilyrði, að húseigandi sjái um jafnmikla aukningu á húsnæði til íbúðar annars staðar í hlutaðeigandi kaupstað, kauptúni eða sveit.

Ef íbúðarhúsnæði er heimildarlaust tekið til annarrar notkunar en íbúðar, er húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) rétt að skylda húseiganda, að viðlögðum allt að 200 kr. dagsektum í ríkissjóð, að taka upp fyrri notkun húsnæðisins. Hefur húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) síðan heimild til að ráðstafa húsnæðinu samkvæmt reglum þeim, er segir í 5. gr.

5. gr.

Húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) er heimilt að taka til umráða auðar íbúðir og ráðstafa þeim til handa húsnæðislausu innanhéraðsfólki, enda komi fullt endurgjald fyrir. Á sama hátt er húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) heimilað að taka til sinna umráða annað ónotað húsnæði og útbúa það til íbúðar.

Í samráði við hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarstjórn, getur húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) og tekið til sams konar ráðstöfunar tiltekinn hluta af íbúðarhús-

næði, sem afnotahafi getur, að mati nefndarinnar, án verið og unnt er að skipta úr. Þó getur afnotahafi ráðstafað þessum hluta húsnæðisins til handa þeim innanhéraðsmanni, er hann kýs, og hefur húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) þá sams konar ráðstöfunarrétt á því húsnæði, sem þannig losnar.

Taki húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) húsnæði leigunámi samkvæmt ákvæðum þessarar greinar, ákveður hún leiguupphæð, leigutíma og annað, sem þörf þykir að taka ákvörðun um og málsaðilum kemur ekki saman um. Úrskurður nefndarinnar um þessi atriði, að undanteknu matinu um leiguupphæð (sbr. 2. málsgr. 11. gr.), er fullnaðarúrskurður.

Ríkissjóður og hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóður ábyrgjast annar fyrir báða og báðir fyrir annan greiðslu leigu eftir húsnæði, sem tekið er samkvæmt þessari lagaheimild, svo og greiðslu skaðabóta fyrir spjöll á hinu leigunumda, er leigutaki eða fólk á hans vegum telst eiga sök á.

6. gr.

Óheimilt er að hækka húsaleigu eftir húsnæði frá því, sem goldið og umsamið var hinn 14. maí 1940, nema samkvæmt eftirfarandi ákvæðum:

Félagsmálaráðherra ákveður, að fengnum tillögum kauplagsnefndar, hlutfallið milli húsaleigu og viðhaldskostnaðar, miðað við 4. apríl 1939. Kauplagsnefnd skal, með aðstoð hagstofunnar, reikna út hækkun viðhaldskostnaðar fjórum sinnum á ári, 1. marz, 1. júní, 1. sept. og 1. des., miðað við mánuðina jan.—marz 1939. Síðan reiknar nefndin út húsaleiguvísitölu samkvæmt framansögðu. Er heimilt að hækka húsaleigu í samræmi við vísitölu þessa frá fyrsta næsta mánaðar eftir að húsaleiguvísitalan hefur verið reiknuð út hverju sinni, enda sé leigumálinn staðfestur af húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd).

Enn fremur er heimilt að hækka eftir mati húsaleigunefndar (fasteignamatsnefndar) leigu eftir húsnæði sökum verðhækkunar á eldsneyti eða lýsingu, sem innifalið er í leigunni, vaxtahækkunar af fasteignum og annars þess háttar, þó ekki vegna skattahækkunar af fasteignum, svo og húsnæði, sem leigt hefur verið lægra en sambærilegt húsnæði á þeim stað (kaupstað, kauptúni eða sveit). Verði hækkun metin á leigu, kemur hún til framkvæmda fyrsta næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

7. gr.

Nú vanrækir leigusali (framleigusali) viðhaldsskyldu sína, eða húsnæði telst af öðrum ástæðum leigt óhæfilega hátt vegna ásigkomulags þess, þá getur leigutaki (framleigutaki) beiðzt mats húsaleigunefndar (fasteignamatsnefndar) á húsaleigunni. Eigi er nefndinni þó skylt að taka slíka beiðni til greina, nema leigutaki (framleigutaki) leiði líkur að því, að málaleitunin hafi við rök að styðjast. Meti nefndin leiguna lægri en umsamið hefur verið, skal færa hana niður í samræmi við matið, og gildir lækkunin frá 1. næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

8. gr.

Í Reykjavík skal skipa húsaleigunefnd. Eiga sæti í henni fimm menn, tveir kosnir af bæjarstjórn Reykjavíkur, tveir skipaðir af ríkisstjórninni, en hæstiréttur skipar þann fimmta, og er hann formaður nefndarinnar. Fimm varamenn skulu skipaðir á sama hátt. — Formaður og varaformaður nefndarinnar skulu vera lögfræðingar.

Úrskurð um gildi uppsagnar og önnur þau atriði, er greinir í lögum þessum, að undanteknu mati á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, skulu formaður og tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, kveða upp. Skulu þeir allir vera á fundi, er úrskurður er upp kveðinn, og taka þátt í atkvæðagreiðslu, og getur þá varamaður komið í stað aðalmanns. Afl atkvæða ræður úrslitum máls.

Tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, skulu framkvæma mat það á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, er í lögum þessum greinir, undir eftirliti formanns, og getur þar einnig komið varamaður í stað aðalmanns.

Skylt er málsaðilum að koma á fund nefndarinnar, ef hún krefst þess, og gefa upplýsingar um málsatriði.

Skylt skal nefndinni, að viðlögðum dagsektum, að hafa lokið við afgreiðslu eða kveðið upp úrskurð um ágreiningsatriði, sem til nefndarinnar er skotið, innan 14 daga frá því að málið var afhent nefndinni til afgreiðslu eða það lagt undir úrskurð hennar.

Kostnaður við störf nefndarinnar greiðist úr ríkissjóði.

9. gr.

Utan Reykjavíkur skulu fasteignamatsnefndir í bæjum og úttektarmenn í hreppum, ásamt hreppsnefndaroddvita, gegna þeim störfum, sem með lögum þessum eru falin húsaleigunefndinni í Reykjavík, og haga sér í störfum sínum svo sem fyrir er mælt í lögum þessum um húsaleigunefndina. — Eftir beiðni hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarstjórnar getur ríkisstjórnin þó með reglugerð gert aðra skipan á nefndum þessum.

10. gr.

Húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) ber að fella úrskurð um ágreining út af uppsögn á leigusamningi um húsnæði samkvæmt 1. gr. laga þessara. Skjóta má þeim úrskurði nefndarinnar til dómstólanna, en hlíta skal honum, unz dómur fellur.

11. gr.

Skylt er að leggja fyrir húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) til samþykktar alla leigumála, sem gerðir hafa verið eftir 14. maí 1940. Skal nefndin gæta þess, að leigan sé ekki ákveðin hærri en hún áður var (sbr. 6. gr.), og hefur hún vald til að úrskurða um upphæð leigunnar, ef þörf gerist. Þá er og skylt að láta nefndina meta leigu eftir ný hús og húsnæði, sem ekki hefur verið leigt áður, og er leigusala (framleigusala) óheimilt að áskilja sér eða taka hærri leigu en nefndin metur. Nefndinni ber einnig að framkvæma mat á leigu samkvæmt 5., 6. og 7. gr. laga þessara.

Úrskurðum húsaleigunefndar (fasteignamatsnefndar) um mat á húsaleigu má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, er í eiga sæti fimm menn, og skulu þrír þeirra skipaðir af ríkisstjórninni, en tveir af hæstarétti, og sé að minnsta kosti annar þeirra lögfræðingur og formaður nefndarinnar. Sé matsgerðum utan Reykjavíkur skotið til yfirhúsaleigunefndar, getur nefndin við mat sitt lagt til grundvallar skýrslur trúnaðarmanna á staðnum um ásigkomulag hins leigða. Ríkisstjórnin setur að öðru leyti yfirhúsaleigunefnd nánari starfsreglur, og greiðist kostnaður af störfum hennar úr ríkissjóði.

12. gr.

Við mat á húsaleigu skulu húsaleigunefnd (fasteignamatsnefnd) og yfirhúsaleigunefnd kynna sér, svo sem föng eru á, allt það, er áhrif getur haft á leiguna, svo sem verð húsnæðisins, viðhald þess, ásigkomulag og legu, og taka jafnframt tillit til húsaleigu almennt í sambærilegu húsnæði á þeim stað.

13. gr.

Ef samið hefur verið um hærri leigu en heimilt er að taka samkvæmt lögum þessum, skal sá samningur ógildur að því er fjárhæðina snertir, og er afturkræft það, sem leigutaki kann að hafa ofgreitt samkvæmt slíkum samningi.

14. gr.

Fari leigutaki (framleigutaki) úr húsnæði að undangengnum úrskurði, sem byggzt hefur á því, að leigusali (framleigusali) og vandamenn hans þurfi á húsnæðinu að halda (sbr. 1. gr.), og síðan kemur í ljós, að þeir taka ekki húsnæðið til afnota, þá á fyrri leigutaki (framleigutaki) rétt til að fá húsnæðið aftur á leigu með sömu kjörum, ef hann kýs.

15. gr.

Sá, sem áskilur sér hærri leigu en heimilt er samkvæmt lögum þessum, tekur við hærri leigu eða brýtur ákvæði þeirra á annan hátt, skal sæta sektum frá 10—10000 krónum.

Sektirnar renna í ríkissjóð. Með mál út af brotum á lögum þessum skal farið sem almenn lögreglumál.

16. gr.

Meðan lög þessi eru í gildi skal stimpilgjald af húsaleigusamningum ekki reiknast samkvæmt 39. gr. laga nr. 75 1921, heldur vera fast gjald, 2 kr. fyrir hvern samning. Í Reykjavík annast húsaleigunefnd stimplun slíkra samninga.

17. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað, og falla þá jafnframt úr gildi eftirtalin lög um húsaleigu, með viðaukum og breytingum: lög nr. 106 1941, lög nr. 126 1941, lög nr. 35 1942, svo og önnur ákvæði, er brjóta í bág við lög þessi.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta.

Frumvarp þetta er í meginatriðum samhljóða tillögum, er ríkisstjórninni hafa borizt í frumvarpsformi frá nefnd, sem skipuð var 9. nóvember f. á. af fyrrverandi ríkisstjórn.

Í nefndinni áttu sæti þeir Árni Tryggvason cand. juris, fulltrúi lögmanns, Sigurjón Á. Ólafsson, fyrrum alþingismaður, og Gunnar Þorsteinsson hæstaréttarlögmaður. Hlutverk nefndarinnar var að athuga og endurskoða gildandi húsaleigulög og koma fram með tillögur um breytingar á þeim, ef þurfa þætti.

Nefndin var sammála um mörg atriði, en í öðrum greindi hana á, og skilaði Gunnar Þorsteinsson hæstaréttarlögmaður sérstöku áliti og tillögum.

Frumvarp þetta er, sem fyrr segir, að mestu samhljóða nefndarálitinu, en um þau atriði, er ollu ágreiningi í nefndinni, er fylgt tillögum meiri hlutans, þeirra Árna Tryggvasonar og Sigurjóns Á. Ólafssonar. Breyting sú, er ríkisstjórnin hefur talið rétt að gera á frumvarpinu, er fólgin í því, að lagt er til, að hækkanir skatta af fasteignum vegna hins nýja fasteignamats skuli ekki hafa áhrif á húsaleiguna, og verður gerð nánari grein fyrir því atriði í framsögu.

Fer hér á eftir hluti af greinargerð nefndarinnar, en síðan athugasemdir meiri hluta hennar (Á. T. og S. Á. Ó.) um einstakar greinar frumvarpsins.

Nefndin hefur eftir föngum aflað sér gagna um núverandi ástand í húsnæðismálum í kaupstöðum og kauptúnum hér á landi. Upplýsingar þessar hafa borizt nefndinni sumpart munnlega, í viðtölum við hlutaðeigandi stjórnarvöld á hverjum stað, og sumpart bréflega, og fylgja skýrslu þessari eftirrit af bréfum þessum. Af upplýsingum þessum verður að teljast ljóst, að mjög verulegur húsnæðisskortur er nú í svo að segja öllum kaupstöðum og kauptúnum landsins og ekki líklegt, að úr rætist að þessu leyti, án sérstakra aðgerða af hálfu hins opinbera. Orsakir þessa húsnæðisskorts munu vera ýmsar, en þessar helzt:

Stöðugur straumur fólks úr sveitunum til kaupstaðanna, skortur á efni og vinnuafli til aukinna húsbygginga og stórkostlega aukinn kostnaður við slíkar framkvæmdir vegna sívaxandi dýrtíðar, aukin velmegun veldur því, að fólk eykur við sig húsnæði, ef það á þess kost, o. fl. o. fl. — Til þess að ráða varanlega bót á þessu ástandi, þ. e. húsnæðisskortinum í kaupstöðum og kauptúnum, þarf því m. a. að reyna að finna ráð til að stöðva flótta fólks úr sveitunum, dreifa vinnuaflinu í landinu, ráðstafa því litla byggingarefni, sem fáanlegt er, á þann hátt, að úr húsnæðisbölinu verði bætt, eftir því sem frekast er fært, svo og að gera aðrar almennar ráðstafanir til lækkunar á dýrtíðinni. Það er ekki innan verksviðs

nefndarinnar að gera tillögur í þessum efnum, heldur aðeins um það, með hverjum hætti húsaleigulöggjöf geti orðið að gagni til þess að bæta úr núverandi vandræðum í málum þessum.

Það er samhljóða álit allra nefndarmanna, að eins og nú horfir í þessum efnum, geti ekki verið um það að ræða að nema burtu allar takmarkanir um ráðstöfun húseiganda og annarra á afnotum húsnæðis. Viðeigandi lagaákvæði í þessu efni, svo og örugg framkvæmd laganna, verða að teljast nauðsynleg til að tryggja það, að allt húsnæði á hverjum stað og tíma notist sem bezt. Í annan stað verður og að telja, að lagaákvæði um upphæð húsaleigu, á tímum sem þessum, séu nauðsynleg sem einn liður í ráðstöfunum þess opinbera til þess að hafa hemil á vaxandi dýrtíð og verðbólgu. Rétt þykir þó að benda á, að takmarkanir á ráðstöfun húsnæðis kunna einnig að geta haft áhrif sem dýrtíðarráðstöfun, þar sem reynt er að koma í veg fyrir óhóf af hálfu fólks að þessu leyti og viðeigandi ákvæði um upphæð leigu kunna að hafa áhrif í þá átt, að leigusali stuðli frekar að því, að húsnæði það, er hann ræður yfir, komi að auknum notum, alveg eins og of ströng ákvæði gagnvart þessum aðila geta gert alla framkvæmd húsaleigulaga örðugri að þessu leyti.

Um einstakar greinar frumvarpsins vísast til þess, sem hér fer á eftir.

Um 1. gr.

Meiri hluti nefndarinnar (Á. T. og S. Á. Ó.) telur, að ákvæði 1. gr. laga nr. 126 1941, sem eru tekin hér upp í 1. málsgrein svo að segja óbreytt að því er snertir íbúðarhúsnæði, hafi gefizt svo vel í framkvæmd, að rétt sé að hafa þau í gildi, meðan húsnæðisvandræðin í kaupstöðum og kauptúnum minnka ekki, enda verður að telja, að öll hreyfing, sem nýjar tilslakanir í þessu efni tvímælalaust hafa í för með sér, sé mjög varhugaverð, eins og á stendur. — 2. setning 1. málsgreinar er óbreytt úr lögum nr. 35 1942, enda verður það ákvæði að teljast sanngjarnt.

Lagaheimild vantar til að láta skipti á húsnæði, eins og greinir í 2. mgr., koma til framkvæmda, en reynslan hefur hins vegar sýnt, að öll sanngirni getur mælt með því, að slík skipti séu heimil í þeim tilfellum, sem greinin segir (sem væntanlega munu vera fá).

Ákvæði 1. gr. laga nr. 126 1941 ná einnig til annars húsnæðis en íbúðarhúsnæðis, þannig, að húseigandi, sem á hús með slíku leiguhúsnæði, getur ekki sagt upp leigumálanum um það, nema hann hafi þess brýna þörf til íbúðar fyrir sig eða hina tilteknu vandamenn sína. Af umræðum um þetta ákvæði á Alþingi er ljóst, að því hefur verið ætlað að koma í veg fyrir, að leigusali, sem vildi stofnsetja nýjan og jafnvel óheilbrigðan atvinnurekstur, geti bolað burtu leigutaka, sem hefði haft þar góðan og gamlan atvinnurekstur. Það getur haft nokkuð til síns máls, að rétt sé að hafa ákvæði í lögunum í þessum tilgangi, en nefndarmenn telja, að ákvæðið eins og það er nú gangi þó of langt, og leggur meiri hlutinn (Á. T. og S. Á. Ó.) því til, að það verði orðað eins og segir í 3. mgr. 1. gr. Það virðist sem sé mjög ósanngjarnt, ef leigusali, sem t. d. vegna ófyrirsjáanlegra atvika verður húsnæðislaus með atvinnurekstur sinn, geti ekki slitið leigumála um slíkt húsnæði í eigin húsi, til að geta stundað þar atvinnu sína.

Ákvæði 4. mgr. 1. gr. er staðfesting á þeim skilningi, sem húsaleigunefnd Reykjavíkur og dómstólar hafa lagt í húsaleigulögin að þessu leyti, en rétt þykir, að bein lagaákvæði séu til um þetta, svo að um ekkert verði villzt.

5. málsgr. 1. gr. er nýmæli, sem telja verður bráðnauðsynlegt, að komist í lög. Leigusali, sem hefur t. d. sagt upp leigumála um margra herbergja íbúð, með eldhúsi, kann að vera talinn hafa brýna þörf fyrir eitt eða tvö herbergi íbúðarinnar, en alls ekki meira, og nær því engri átt, eins og ástandið er nú, að hann fái til frjálsra umráða þann hluta íbúðar leigutaka, sem af gengur.

Um 2. gr.

Ákvæði þessi eru svo að segja óbreytt frá því, sem segir í síðari hluta 2. gr. laga nr. 106 1941. Rétt þykir að benda á, að þrátt fyrir þessi og önnur ákvæði laganna halda uppsagnir af hálfu leigutaka (framleigutaka), loforð af þeirra hendi um brottflutning og samningsákvæði um fyrir fram ákveðinn leigutíma fullu gildi, eins og staðfest hefur verið með ótal úrskurðum og dómum, en óþarft verður að teljast að taka þetta fram í þessum lögum um húsaleigu.

Um 3. gr.

1. og 2. málsgr. þessarar greinar eru efnislega samhljóða 2. gr. laga nr. 126 1941 og verða að teljast fullnægjandi um þetta efni.

3. málsgr. er nýmæli, sem rétt þykir að leiða í lög til samræmis við fyrri ákvæði greinarinnar.

Síðasta málsgr. er samhljóða 2. gr. bráðabirgðalaganna frá 29. sept. s. l., nema hvað rétt þykir, að heimild þessi nái til alls landsins og framkvæmd þessara mála sé á einni hendi, þar sem annað veldur töfum.

Um 4. gr.

1. málsgr. er samhljóða 3. gr. laga nr. 106 1941. — Fyrri setning 2. málsgr. er samhljóða 3. gr. laga nr. 126 1941, nema hvað hámark dagsekta er ákveðið hærra en þar, en eftir þeirri reynslu, sem fengizt hefur í þessu efni í Reykjavík, verður slíkt að teljast nauðsynlegt.

Síðasta setning greinarinnar er nýmæli. Meiri hluti nefndarinnar (Á. T. og S. Á. Ó.) lítur svo á, að þeir húseigendur, sem brjóta svo gróflega ákvæði húsaleigulaganna að breyta íbúð heimildarlaust í annað, eða halda húsnæði auðu, eigi þar með ekki kröfu til ráðstöfunar á húsnæðinu, enda kom það í ljós á síðastliðnu hausti hér í Reykjavík, að húseigendur, er þannig höguðu sér, ráðstöfuðu þessu húsnæði á slíkan hátt, að ekkert bætti úr húsnæðisleysinu, en skv. gildandi lögum getur húsaleigunefnd ekki við slíku gert.

Um 5. gr.

1. málsgr. 5. gr. er að mestu samhljóða 4. gr. laga nr. 106 1941. Af ástæðum þeim, sem greinir í athugasemdum um næstu grein hér á undan (lokaákvæðið), leggur meiri hluti nefndarinnar (Á. T. og S. Á. Ó.) til, að ekki þurfi fyrst að gefa húseiganda kost á að ráðstafa húsnæðinu. Í húsaleigulögunum nr. 45 1919 var húseigendum og ekki veittur slíkur réttur.

2. málsgr. er nýmæli. Meiri hluti nefndarinnar (Á. T. og S. Á. Ó.) telur fulla nauðsyn á að hafa heimild sem þessa í lögum, enda muni þetta vel framkvæmanlegt, án þess að mikil óþægindi hljótist þar af.

3. málgr. er að mestu samhljóða tilsvarandi ákvæðum 4. gr. laga nr. 106 1941.

4. málsgr. er nýmæli. Það verður að líta svo á, að bær og ríki verði að vinna saman að lausn þessara mála, enda báðum í hag, að lagfæring fáist í þessum efnum. Þykir því rétt, að þessir aðilar ábyrgist, að leigusalar verði fjárhagslega skaðlausir af aðgerðum þessum.

Um 6. gr.

Í nefndinni náðist ekki samkomulag um þetta ákvæði. Meiri hluti nefndarinnar (Á. T. og S. Á. Ó.) leggja til, að greinin orðist eins og hér segir. Er hún að meginefni til samhljóða 1. gr. laga nr. 106 1941. Nefndarmenn þessir telja þó réttlátt, að húsaleiguvísitalan verði reiknuð út oftar en segir í núgildandi lögum og hækkun komi fyrr til framkvæmda en áður. Fellt hefur verið niður það ákvæði í síðari málsgr., að leigu megi því aðeins hækka, að hún „af sérstökum ástæðum“ sé lægri en sambærilegt sé um tilsvarandi húsnæði. Hefur þetta ákvæði valdið óþarfa örðugleikum í framkvæmd.

Við athugun hefur komið í ljós, að hlutfallið milli viðhaldskostnaðar og húsaleigu (15%), sem félagsmálaráðherra ákvað á sínum tíma, virðist ekki hafa raskazt neitt verulega síðan. Hins vegar mun hlutfallið milli vinnu og efnis hafa raskazt mjög mikið, eins og athugun Ragnars Þórarinssonar, húsasmíðameistara, sýnir. (Bréf hans fylgir hér með.) Virðist því nauðsynlegt, að endurskoðun fari fram á húsaleiguvísitölunni að þessu leyti. (Um útreikning húsaleiguvísitölu sjá Hagtíðindi, sept. 1941, 26. árg. nr. 9.)

Rétt þykir að benda á, að hið nýja fasteignamat hlýtur að hækka mjög húsaleigu, ef það kemur til framkvæmdar. Er því athugandi, hvort ekki muni fært að fresta gildistöku þess fyrst um sinn, því óeðlilegt virðist, að ríkisvaldið standi fyrir hækkun að þessu leyti, nema brýna nauðsyn beri til. Einnig þykir rétt að benda á, að skv. meðfylgjandi skýrslum skattstofunnar í Reykjavík eru um 300 aðilar, sem hafa þar framfærslu af húsaleigutekjum að helmingi eða meiru. Hagur flestra þessara manna og annarra, sem líkt er ástatt um annars staðar á landinu, hlýtur að vera mjög bágborinn, og virðist athugandi, hvort ekki sé unnt að bæta þeim það á einhvern hátt.

Um 7. gr.

Greinin er mjög svipuð 7. gr. laga nr. 106 1941, aðeins skýrar kveðið á um, að heimilt sé að lækka húsaleigu, ef leigusali vanrækir viðhaldsskyldu sína, og má ætla, að þessi ákvæði séu fullnægjandi til að ráða bót á slíku.

Um 8. gr.

1., 2. og 3. málsgr. eru nýmæli. — Eins og m. a. sést af meðfylgjandi skýrslu húsaleigunefndarinnar í Reykjavík hefur starf hennar upp á síðkastið verið svo umfangsmikið, að nauðsynlegt má teljast, að bætt sé þar við starfskröftum. Meiri hluti nefndarinnar (Á. T. og S. Á. Ó.) telur heppilegast, að húsaleigunefndin verði skipuð af þeim aðilum, er hér segir, og allir nefndarmenn eru sammála um að starfsskipting sú, sem stungið er upp á, sé líkleg til að stuðla að öruggari og fljótari framkvæmd laganna. — Með tilvísun til þess, er segir í athugasemd um 4. málsgr. 5. gr., þykir rétt að bær og ríki eigi einnig hér saman hlut að máli.

4., 5. og 6. málsgr. eru svo að segja óbreyttar frá því sem er í 5. gr. laga nr. 106 1941.

Um 9. gr.

Óbreytt frá því, sem segir í 9. gr. laga nr. 106 1941, nema hvað ríkisstjórnin getur gert aðra skipun í þessum efnum utan Reykjavíkur, ef hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarstjórn óskar þess. Stofnun sérstakra húsaleigunefnda í kaupstöðum og kauptúnum úti um allt land hlýtur að hafa aukinn kostnað í för með sér, sem óþarft þykir að leggja á ríkið, nema þeir, sem mál þetta snertir, telji þess þörf.

Um 10. gr.

Samhljóða gildandi lagaákvæðum (sbr. 6. gr. laga nr. 106 1941).

Um 11. gr.

1. málsgr. er að meginefni til samhljóða 6. gr. laga nr. 106 1941.

2. málsgr. er að mestu samhljóða 4. gr. laga nr. 126 1941. Önnur setningin er nýmæli, sem verður að teljast nauðsynlegt eins og á stendur.

Um 12. gr.

Samhljóða 8. gr. laga nr. 106 1941.

Um 13. gr.

Samhljóða 10. gr. laga nr. 106 1941.

Um 14. gr.

Grein þessi er nýmæli. — Það hefur komið nokkrum sinnum fyrir, að úrskurðir um gildi uppsagnar hafa fengizt fyrir rangar upplýsingar. Slíkt varðar refsingu samkvæmt hegningarlögum, en rétt þykir, að auk þess sé fyrir hendi ótvíræð lagaheimild um þess háttar tilvik á þá leið, sem í greininni segir.

Um 15. gr.

Samhljóða 11. gr. laga nr. 106 1941, nema hvað viðurlög eru þyngd.

Um 16. gr.

Samhljóða 12. gr. laga nr. 106 1941.

Um 17. gr.

Meiri hluti nefndarinnar (Á. T. og S. Á. Ó.) vill ekki binda gildi þessara laga við fyrirfram ákveðinn tíma. Slíkt hefur oft verið gert í breytingum á húsaleigulögum að undanförnu, en ávallt hefur orðið að framlengja gildi þeirra laga. Enn verður ekki séð, hvenær úr rætist í þessum málum, og þykir því rétt að lögin gildi ótiltekinn tíma. Hins vegar verður að sjálfsögðu að treysta því, að höft þau, er í lögunum felast, verði ekki látin haldast lengur en tilefni er til.

## Ed. 220. Breytingartillaga

við frv. til l. um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

Frá Brynjólfi Bjarnasyni.

Við 1. gr. Greinin orðist svo:

Ríkisstjórnin skipar fimm manna nefnd, er nefnist Viðskiptaráð, og jafnmarga varamenn, er sæti taki í ráðinu í forföllum aðalmanna eða ef sæti verður laust um stundarsakir. Fjórir nefndarmanna séu skipaðir eftir tilnefningu þingflokkanna, einn eftir tilnefningu hvers þeirra, en fimmti maðurinn sé skipaður án tilnefningar, og sé hann formaður nefndarinnar.

## Ed. 221. Frumvarp til laga

um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

Ríkisstjórnin skipar fimm manna nefnd, er nefnist Viðskiptaráð, og jafnmarga varamenn, er sæti taki í ráðinu í forföllum aðalmanna eða ef sæti verður laust um stundarsakir.

Eigi má skipa í Viðskiptaráð fulltrúa sérstakra stétta eða félaga né heldur menn, er eiga beinna hagsmuna að gæta í sambandi við störf ráðsins eða eru í þjónustu aðila, sem svo er ástatt um.

2. gr.

Viðskiptaráð hefur þessi verkefni með höndum:

1. Ákveður, hvaða vörur skuli flytja til landsins.
2. Ráðstafar farmrými í skipum, er annast eiga vöruflutninga til landsins og eru eign íslenzkra aðila eða á vegum þeirra.

3. Ráðstafar gjaldeyri til vörukaupa erlendis og annarra nauðsynja.
4. Úthlutar innflutningi á vörum til innflytjenda og setur þau skilyrði um hann, sem nauðsynleg kunna að vera eða verða vegna ófriðarástands eða viðskiptaskilyrða.
5. Annast innflutning brýnna nauðsynja eftir ákvörðun ríkisstjórnarinnar, ef hún telur sýnilegt, að innflytjendur sjái ekki þörfum þjóðarinnar borgið, eða aðrar ástæður gera slíkar ráðstafanir nauðsynlegar að dómi ríkisstjórnarinnar.
6. Fer með verðlagsákvarðanir og verðlagseftirlit samkv. lögum nr. 79/1942 eða öðrum lögum, sem sett verða í þeirra stað, og vöruskömmtun lögum samkvæmt. Ráðherra getur sett Viðskiptaráði starfsreglur.

3. gr.

Engan erlendan gjaldeyri má láta af hendi án leyfis Viðskiptaráðs, nema séu greiðslur vegna ríkissjóðs og banka eða vextir og afborganir bæjar- og sveitarfélaga. Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f hafa einir kauprétt á erlendum gjaldeyri.

Þeim gjaldeyri, sem bankarnir kaupa, skal skipt milli Landsbanka Íslands og Útvegsbanka Íslands h/f, þannig að hinn síðarnefndi fái einn þriðja hluta alls gjaldeyris, ef hann óskar, fyrir innkaupsverð, hlutfallslega af hverri mynt, sem keypt er á mánuði hverjum. Hlutfalli því, sem hvor banki fær, getur ráðherra breytt, ef báðir bankarnir samþykkja. Enginn hefur rétt til að selja erlendan gjaldeyri nema Landsbanki Íslands og Útvegsbanki Íslands h/f. Þó er póststjórninni heimil slík verzlun innan þeirra takmarka, sem ráðherra setur.

Bannað er að flytja íslenzkan eða erlendan gjaldmiðil úr landi, nema nauðsynlegan fararеyri eftir reglum, sem ráðherra setur.

4. gr.

Ríkisstjórnin setur nánari fyrirmæli í reglugerð um efni þau, er í lögum þessum greinir, þar á meðal um úthlutun innflutnings og um gjaldeyrisleyfi, um gjaldeyrisverzlun, um eftirlit tollmanna til varnar við útflutningi innlends og erlends gjaldmiðils og til tryggingar því, að íslenzk útflutningsverðmæti verði greidd með erlendum gjaldeyri, er renni til bankanna. Enn fremur ákvæði um það, að allur annar gjaldeyrir, sem menn eiga eða eignast, renni til þeirra.

5. gr.

Hver sá, er innflutningsleyfi fær, greiði Viðskiptaráði ½% af upphæð þeirri, sem leyfi hljóðar um, þó aldrei minna en 1 krónu fyrir hvert einstakt leyfi. Skal gjaldi þessu varið til að standast kostnað af Viðskiptaráði og framkvæmd þessara laga.

6. gr.

Brot á lögum þessum eða reglum settum samkvæmt þeim, þar á meðal skilyrðum um leyfi, er Viðskiptaráð setur, varða sektum allt að 100000 kr. Ef miklar sakir eru eða brot er ítrekað, má og svipta sökunaut með dómi rétti til verzlunar. Upptaka eignar samkvæmt 69. gr. almennra hegningarlaga skal og heimil vera.

7. gr.

Mál út af brotum samkvæmt 6. gr. fara að hætti opinberra mála.

8. gr.

**Lög þessi öðlast þegar gildi. Jafnframt eru úr gildi numin lög nr. 99/1941, svo og önnur ákvæði, sem fara í bág við lög þessi.**

**Lög þessi falla úr gildi í síðasta lagi sex mánuðum eftir að núverandi Evrópustyrjöld er lokið.**

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Gjaldeyris- og innflutningsnefnd skal starfa þangað til Viðskiptaráð hefur tekið við þeim störfum, sem nefndin hefur nú.

## Nd. 222. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 87 9. júlí 1941, um viðauka við lög nr. 84 6. júlí 1932, um bifreiðaskatt o. fl.

Flm.: Eysteinn Jónsson, Páll Zóphóníasson.

1. gr.

a. Fyrir „4/5“ og „1/5“ í 1. málsgr. 2. gr. laganna komi: 3/5 og 2/5.
b. Fyrir „4/5“ í 3. málsgr. sömu greinar komi: 3/5.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, og skal ráðstafa samkvæmt þeim því innflutningsgjaldi af benzíni, sem innheimt er eftir 1. jan. 1943.

Greinargerð.

Það er efni þessa frumvarps, að framvegis verði lagðir í brúarsjóð tveir aurar af lítra af innflutningsgjaldi af benzíni, í stað eins eyris af lítra, er í sjóðinn hefur verið lagður fram að þessu.

Eins og nú er komið byggingarkostnaði brúa, þykir ekki viðunandi, að til sjóðsins verði minna lagt en 2 aurar af lítra.

Sjóður þessi er stofnaður til þess að bera kostnað við byggingu stórbrúa, og þykir sýnt, að hann verði ekki megnugur þess að standa undir verulegum framkvæmdum nema hann verði efldur frá því, sem nú er ákveðið í lögum.

Nánar í framsögu.

## Nd. 223. Nefndarálit

um frv. til l. um lendingarbætur í Bakkagerði í Borgarfirði.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frumvarpið, borið það saman við gildandi lög um lendingarbætur og mælir með, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 16. jan. 1943.

| Finnur Jónsson, form. | Gísli Guðmundsson, fundaskr. | Lúðvík Jósefsson, frsm. |
|---|---|---|
| Sigurður Bjarnason. | Sigurður Kristjánsson. | |

## Nd. 224. Lög

um innflutning og gjaldeyrismeðferð.

(Afgreidd frá Nd. 16. jan.)

Samhljóða þskj. 221.

## Nd. 225. Breytingartillögur

við frv. til laga um búfjártryggingar.

Frá landbúnaðarnefnd.

1. Við 3. gr.
   a. A-lið skal orða svo:
      Kynbótanaut og kynbótahesta, sem notaðir eru í félögum, sem styrks njóta af opinberu fé.
   b. Síðari málsgr. b-liðar orðist þannig:
      Ákvæði um aldur búfjár, sem tekið er í tryggingu, skal setja í reglugerð.
2. Við 4. gr. Orðin „af völdum illviðra og sjávarflæðar“ falli burtu.

## Sþ. 226. Nefndarálit

um till. til þál. um kaup á kjarnfóðri og rannsókn á úthlutun síldarmjöls á síðast liðnu hausti.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað till. á þskj. 27 og rætt hana á fundum sínum. Leggur nefndin til, að málið verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að ríkisstjórnin geri nú þegar ráðstafanir til þess að keypt verði og flutt til landsins kjarnfóður, svo sem nauðsyn kann til að bera, jafnframt og rannsakað verði, hvort síldarmjöl liggur fyrir í landinu, sem ætlað væri til annars en fóðrunar búpenings, tekur þingið fyrir næsta mál á dagskrá.

Tveir nefndarmenn, þeir PZ og SÞ, áskilja sér rétt til að bera fram breytingartill. við dagskrána.

Alþingi, 18. jan. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Sveinsson, form., frsm. | Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. | Jón Sigurðsson. |
| Ásgeir Ásgeirsson. | Gísli Jónsson. | Páll Zóphóníasson, með fyrirvara. |
| | | Sigurður Þórðarson, með fyrirvara. |

## Sþ. 227. Breytingartillaga

við rökstudda dagskrá á þskj. 226 [Úthlutun síldarmjöls].

Frá Páli Zóphóníassyni og Sigurði Þórðarsyni.

Niðurlag till., á eftir orðunum „ætlað væri til annars en fóðrunar búpenings“, skal orða svo: og hvernig verði bætt úr því misrétti, er fram kom við úthlutunina, tekur þingið fyrir næsta mál á dagskrá.

## Nd. 228. Þingsályktun

um fullnaðarundirbúning hafnargerðar í Bolungavík.

(Afgreidd frá Nd. 18. jan.)

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta gera uppdrætti og áætlanir um hafnargerð í Bolungavík, með það fyrir augum, að þar geti þrifizt útgerð stærri báta og skipa en nú er möguleg á staðnum.

## Nd. 229. Þingsályktun

um fullnaðarrannsókn hafnarskilyrða á Þórshöfn.

(Afgreidd frá Nd. 18. jan.)

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta rannsaka til hlítar, hvort unnt sé að dýpka innsiglingu hafnarinnar á Þórshöfn með viðráðanlegum kostnaði, svo að stærstu skip, sem að jafnaði sigla hér við land, geti komizt þar að bryggjum.

## Nd. 230. Frumvarp til laga

um breyting á hafnarlögum fyrir Hafnarfjarðarkaupstað, nr. 30 14. júní 1929.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

1. málsl. 1. gr. laganna verði svo hljóðandi:

Til hafnargerðar í Hafnarfirði veitast úr ríkissjóði allt að 1000000 kr., gegn tvöföldu framlagi úr hafnarsjóði kaupstaðarins.

2. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 2000000.00 kr. lán, er bæjarstjórn Hafnarfjarðar kann að fá til hafnargerðar.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 231. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 193 [Orlof].

Frá Eiríki Einarssyni.

Breytingartillagan orðist svo:
Aftan við frv. kemur svo látandi

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Þar til sérstök lög verða sett um fjárveitingar úr ríkissjóði til að styrkja kynnisferðir sveitafólks greiðir ríkissjóður árlega fjárhæð, er nemur 10 af hundraði af útborguðum jarðræktarstyrk það ár. Fjárhæð þessari skal varið til að styrkja kynnisferðir sveitafólks. Búnaðarfélag Íslands skal skipta styrk þessum milli búnaðarsambanda landsins, aðallega með hliðsjón af tölu býla á sambandssvæðunum.

Búnaðarfélag Íslands setur nánari reglur um notkun fjárins, er ráðherra staðfestir.

## Ed. 232. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

Á eftir fyrri málsgr. 2. gr. laganna komi ný málsgr., svo hljóðandi:

Ríkisstjórnin sér hverjum þeim þingmanni, sem búsettur er utan Reykjavíkur, fyrir leigulausum bústað á meðan á þingi stendur, enda hafi hann borið fram ósk um það með hæfilegum fyrirvara. Þeir utanbæjarþingmenn, sem sjálfir sjá sér fyrir húsnæði, skulu fá húsaleigustyrk eftir mati þingfararkaupsnefndar. Ríkisstjórninni er heimilt að láta reisa hús eða kaupa hús fyrir þingmannabústað og að verja nægilegu fé úr ríkissjóði til þess. Rekstrarkostnaður þingmannabústaðar telst með alþingiskostnaði. Til bráðabirgða er og ríkisstjórninni heimilt að leigja húsnæði til þessara nota.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 233. Frumvarp til laga

um jöfnunarsjóð aflahluta.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

Af óskiptum afla hvers íslenzks veiðiskips, sem hefur hlutarráðningu (þ. e.: skipshöfnin tekur kaup sitt í hlutdeild í afla), skal í lok hverrar vertíðar greiða 1% af verðmæti aflans í óverkuðu ástandi, eftir að sameiginlegur kostnaður hefur verið dreginn frá. Útgerðarmaður stendur skil á gjaldinu, og skoðast það geymslufé, eftir að skipti hafa farið fram. Gjald þetta innheimta hreppstjórar og bæjarfógetar, hver í sínu umdæmi, og rennur það óskipt í sjóð, er nefnist jöfnunarsjóður aflahluta. Skal það sent sjóðsstjórninni að loknum skiptum eftir hverja vertíð.

2. gr.

Ríkissjóður leggur jöfnunarsjóði fyrsta ár eftir stofnun hans jafnháa fjárhæð og tekjur sjóðsins voru af aflahlutum það ár. Eftir það leggur ríkissjóður sjóðnum árlega fjárhæð, sem jafngildir tekjum hans af aflahlutum frá byrjun, deildum með tölu ára frá stofnun hans.

3. gr.

Skip, sem gerð eru út í sama kaupstað eða sama hreppi, geta myndað sérstaka deild í jöfnunarsjóði, ef útgerðarmenn og starfandi sjómenn í kaupstaðnum eða hreppnum óska þess, og skal þá halda fjárreiðum þeirra deilda aðskildum, þó því aðeins, að deildir þessar hafi með sérstökum samþykktum ákveðið hærri iðgjöld en þau almennu eða aflað sérsjóðum sínum annarra tekna. Framlag ríkissjóðs til þeirra miðast þó ávallt við 1% af afla samkvæmt ákvæðum 1. og 2. gr.

Stjórn jöfnunarsjóðs getur við úthlutun hlutaruppbóta úr sérsjóðum þessum vikið frá hinni almennu reglu, ef ástæða þykir til og óskir koma fram um það frá þeim, sem hlut eiga að máli.

4. gr.

Sjóðnum skal varið þannig: Þegar hlutir á veiðiskipi verða ekki yfir 66% af meðalhlut skipsins 5 síðustu ár, miðað við fullan úthaldstíma, skulu hlutir skips og skipshafnar bættir upp eftir eftirfarandi reglum, meðan fé sjóðsins endist, sbr. þó síðustu málsgrein þessarar greinar:

Hafi aflahlutur orðið 60—66% af meðalhlut 5 síðustu ára, skal hann bættur úr jöfnunarsjóði með 30% af því, sem á vantar meðalhlut. Hafi aflahlutur orðið lægri en 60% af meðalhlut, hækkar uppbótin við hvern hundraðshluta, sem aflahluturinn lækkar, um 1% af því, sem á vantar meðalhlut, þar til uppbótin er orðin 50%, sem er hámark uppbótar.

Hafi skip gengið til veiða skemur en 5 ár, þegar til uppbótar kemur, skal miðað við meðalhlut sambærilegra skipa í sömu eða næstu veiðistöð.

Við úthlutun úr sjóðnum til hlutaruppbóta má aldrei ganga nær honum en svo, að úthlutað sé 80% af þáverandi eignum hans.

5. gr.

Stjórn sjóðsins skipa 3 menn, kosnir hlutbundinni kosningu í sameinuðu Alþingi til þriggja ára í senn. Tryggingarstofnun ríkisins annast daglegar framkvæmdir og reikningshald sjóðsins, fyrir þóknun, er stjórnum sjóðanna kemur saman um. Ráðherra sá, er fer með sjávarútvegsmál, ákveður, hver stjórnarnefndarmanna skal vera formaður stjórnarinnar. Hann ákveður stjórninni þóknun fyrir störf hennar.

6. gr.

Stjórn jöfnunarsjóðs geymir fé sjóðsins, og skal það ávallt geymt í banka.

7. gr.

Í reglugerð jöfnunarsjóðs aflahluta má setja ákvæði um stjórn sjóðsins og starfrækslu, eins og nauðsynlegt þykir, þótt ekki sé sérstaklega ráð fyrir þeim gert í lögum þessum, þó svo, að þau fari ekki í bág við nein ákvæði laganna.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 234. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 54 frá 4. júlí 1942.

Frá minni hl. landbúnaðarnefndar.

Nefndin hefur klofnað í málinu. Við undirritaðir nefndarmenn leggjum til, að frv. verði samþykkt óbreytt. Einn nefndarm. (KA) var ekki viðstaddur á fundinum, en tveir nefndarmenn (HG og PHerm) lýstu því yfir, að þeir væru andstæðir frv., enda hafði annar þeirra (HG) lýst því yfir við 1. umræðu frv., að hann vildi þá þegar fella það frá 2. umræðu. Munu hinir þrír nefndarmenn skila áliti sínu í einu eða fleiri nefndarálitum eftir því, sem efni standa til.

Alþingi, 18. jan. 1943.

Þorst. Þorsteinsson, frsm. Eiríkur Einarsson.

## Nd. 235. Nefndarálit

um frv. til l. um eignarnámsheimild fyrir Siglufjarðarkaupstað á jörðunum Höfn, Nyrðri-Skútu, Syðri-Skútu, Efri-Skútu og Staðarhóli í Siglufirði.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og aflað sér upplýsinga frá bæjarstjóranum á Siglufirði, Óla Hertervig, um það, hvaða tilraunir bæjarstjórn Siglufjarðar hefur gert til þess að fá jarðir þessar keyptar með frjálsum samningum. Nefndin er þeirrar skoðunar, að bæjarstjórnin hafi ekki nægilega reynt að fá keyptar jarðirnar Efri-, Nyrðri- og Syðri-Skútu og Staðarhól til þess að ástæða sé til að veita kaupstaðnum eignarnámsheimild á þeim jörðum að svo stöddu. Samkvæmt þessu leggur nefndin til, að frv. verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Siglufjarðarkaupstað er heimilt að taka eignarnámi jörðina Höfn í Siglufirði (þann hluta, sem ekki er þegar í eigu kaupstaðarins), ef ekki næst samkomulag við eigendur um kaup.
2. Fyrirsögn frv. verði:
   Frumvarp til laga um eignarnámsheimild fyrir Siglufjarðarkaupstað á jörðinni Höfn í Siglufirði.

Alþingi, 19. jan. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Áki Jakobsson, frsm.

Jörundur Brynjólfsson. Gunnar Thoroddsen.

## Nd. 236. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 58 28. jan. 1935, um hafnargerð á Hornafirði.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og leitað um það álits vitamálastjóra. Er umsögn hans prentuð sem fylgiskjal með nál. Nefndin leggur til, að frv. verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 19. jan. 1943.

Finnur Jónsson, form. Gísli Guðmundsson, fundaskr., Sigurður Kristjánsson, frsm.
Lúðvík Jósefsson. Sigurður Bjarnason.

**Fylgiskjal.**

VITAMÁLASTJÓRINN

Reykjavík, 30. des. 1942.

Með bréfi, dags. 17. þ. m., hefur háttvirt sjávarútvegsnefnd sent mér til umsagnar frumvarp til laga um breyting á lögum um hafnargerð í Hornafirði, á þingskjali 68, og skal ég út af því leyfa mér að taka þetta fram:

Eina breytingin, sem frumvarpið gerir ráð fyrir frá núverandi lögum, er, að framlag úr ríkissjóði er hækkað úr 52 þús., eins og nú er í lögunum, í 200 þús. kr., og ábyrgðarheimild ríkisins er hækkuð úr 78 þús. kr. upp í 300 þús. kr., eða með öðrum orðum, gert ráð fyrir, að kostnaður við framkvæmdir verði ½ millj. kr., í stað 130 þús. kr. áður.

Undanfarið hefur farið fram hér á skrifstofunni nokkur athugun á því, hvernig hægt væri að bæta hafnarskilyrði fyrir Hornafjörð, og hafa þá ýmsar leiðir komið til álita, og hefur enn ekki verið gengið að fullu úr skugga um, hver þeirra verði farin.

Ein leiðin er sú að dýpka álinn inn, alla leið inn að núverandi uppfyllingu eða bólverki, sem er fyrir framan kaupfélagshúsin. Ef fara ætti þessa leið, yrði að framkvæma geysimikla dýpkun, því að mikill hluti leiðarinnar er svo grunnur, að þar fljóta ekki, eins og er, nema smæstu bátar, auk þess þyrfti þá einnig að endurnýja og endurbyggja legupláss fyrir skip, þar sem núverandi afgreiðslupláss er.

Önnur leiðin er sú að gera bryggjuna út í Álaugarey og gera akvegarsamband inn í kauptúnið. Þetta hefur þann kost, að bryggjan yrði tiltölulega ódýr, því að aðdýpi er mikið við Álaugarey að austanverðu. Vegarsamband úr eyjunni yfir Óslandið og yfir álinn, sem skilur það frá kauptúninu, mundi að vísu kosta nokkuð mikið fé, en sennilega verður þó þessi leið ódýrari og að ýmsu leyti heppilegri heldur en sú, er fyrr var nefnd.

Fyrir nokkrum árum var gert fyrirstöðuþil úr Heppu út í Standey, og hefur ofan við þetta þil safnazt nokkur fylling af framburði fljótsins. Þriðji möguleikinn er svo að byggja bryggju út í Standey og leggja akveginn yfir þessa uppfyllingu, sem myndazt hefur, inn í kauptúnið. Er þessi leið ekki ósvipuð því, ef bryggja yrði byggð í Álaugarey, nema hvað þá lokast ekki sundið á milli Óslandsins og kauptúnsins.

Niðurstöðutölur yfir kostnaðinn eru enn ekki fyrir hendi, enda má segja, að þær breytist dag frá degi. Ég tel mjög sennilegt, að ef einhver manrvirki verði gerð þarna svo um munar, eitthvað í áttina við það, sem nefnt er hér að ofan, þá muni kostnaður með núverandi verðlagi ekki verða undir því, sem gert er ráð fyrir í frumvarpinu.

Hornafjörður er eina höfnin á mjög stóru svæði, þar sem möguleikar eru til,

með viðráðanlegum kostnaði, að gera höfn, sem því nafni má nefna. Því ég tel, að skilyrði til beirra hluta séu betri á þeim stað en nokkurs staðar annars staðar í grenndinni.

Ég skal leyfa mér að taka fram, að s. l. sumar áttum við Jón Ívarsson, fyrrv. alþingismaður, tal við hafnarstjórann í Reykjavík um leigu á dýpkunarskipi Reykjavíkurhafnar til að annast þar nauðsynlegan uppgröft, og lá þá fyrir eindregið vilyrði hafnarstjóra um að leigja skipið.

Ég vil því eindregið leyfa mér að leggja til, að frumvarpið verði samþykkt.

Emil Jónsson.

Til sjávarútvegsnefndar Nd. Alþingis.

## Ed. 237. Frumvarp til laga

um búfjártryggingar.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Stofna skal sérstaka deild við Brunabótafélag Íslands og undir stjórn þess, er nefnist Búfjártryggingardeild.

2. gr.

Verkefni Búfjártryggingardeildar er að taka að sér vátryggingu búfjár gegn vanhöldum og slysum, allt eftir þeim nánari reglum, sem lög þessi og reglugerð setja.

3. gr.

Skylt er að tryggja í deildinni gegn venjulegum vanhöldum:

a. Kynbótanaut og kynbótahesta, sem notaðir eru í félögum, sem styrks njóta af opinberu fé.
b. Bústofn sauðfjárkynbótabúa og annarra kynbótabúa, sem rekin eru með opinberum styrk og undir opinberu eftirliti.

Ákvæði um aldur búfjár, sem tekið er í tryggingu, skal setja í reglugerð.

4. gr.

Heimilt er að tryggja í deildinni:

a. Gegn vanhöldum: Kýr og hrúta.
b. Gegn slysum: Tiltekið búfé eða hópa búfjár.

5. gr.

Vátryggingarupphæð gripa skal ákveðin fyrir fram og með hliðsjón af skattmati á hverjum tíma. Verðmæti kynbótagripa má þó vera allt að tvöfalt skattmat, eftir því sem vátryggjanda og umboðsmanni Búfjártryggingarsjóðs kemur saman um.

Eindagi á iðgjöldum er samtímis því, er tryggingarnar eru skráðar.

6. gr.

Vátryggingarsjóður bætir ⅘ vátryggingarverðs og því aðeins, að vanhöldin eða slysin séu ekki um að kenna fóðurskorti, hirðuleysi eða handvömm eigenda gripanna eða umráðenda, þjónum þeirra eða nánustu vandamönnum.

Frá bótum dragast nytjar fjárins eftir hæfilegu mati.

7. gr.

Til vanhalda og slysa samkv. 3. og 4. gr. teljast dauðsföll af sjúkdómum og slysum á meðan hinir vátryggðu gripir eru í gæzlu, hvort sem er í húsi eða í heimahögum, eftir því sem nánar verður tiltekið í reglugerð.

8. gr.

Allir þeir, sem vátryggja í Búfjártryggingardeild, eru félagsmenn hennar og ábyrgjast, að sjóður hennar geti staðið í skilum. Ábyrgðin er þó takmörkuð við það, að vátryggjendum það ár, er iðgjöldin hrökkva ekki til bóta, er skylt að greiða viðbótariðgjöld allt að 100%. Viðbótariðgjöldin má taka lögtaki í eignum vátryggjanda. Nú verður eitthvert ár svo mikið tjón af slysum samkv. 4. gr. b., að iðgjöldin hrökkva ekki til, og skal þá það, sem á vantar, greiðast að jöfnu úr Búfjártryggingarsjóði deildarinnar og ríkissjóði, og er það ekki afturkræft.

Ríkissjóður er í bakábyrgð fyrir Búfjártryggingarsjóð, en endurgreiða skal ríkissjóði það, sem hann á þann hátt kynni að leggja fram, þó með þeirri undantekningu, er að framan greinir.

9. gr.

Ríkissjóður leggur fram 300 þúsund krónur, er greiðist með jöfnum greiðslum á 3 árum eftir að Búfjártryggingardeildin er stofnuð, og er það varasjóður deildarinnar og nefnist Búfjártryggingarsjóður. Í Búfjártryggingarsjóð rennur árlegur tekjuafgangur deildarinnar, enda standi hann straum af útgjöldum deildarinnar, þegar tekjur hrökkva ekki til, sbr. þó 8. gr.

10. gr.

Vátryggingar á búfé gilda til þess tíma, sem tiltekið er í vátryggingarskírteininu.

11. gr.

Umboðsmenn Brunabótafélags Íslands skulu vera umboðsmenn Búfjártryggingardeildar. Þeir skrá tryggingarnar, gefa út vátryggingarskírteini, innheimta iðgjöld og aukaiðgjöld og gera á þessu öll skil til félagsins. Þeir skulu vera umboðsmenn deildarinnar við mál um skyldu til bóta og um upphæð bótanna.

Brunabótafélagið getur þó tekið sér sérstaka trúnaðarmenn fyrir Búfjártryggingardeildina.

Nú verður ágreiningur milli umboðsmanns og tjónþola um rétt og skyldu til bóta eða um upphæð bótanna, og skal ágreiningnum þá skotið til gerðardóms þriggja manna. Nefni til sinn mann hvor aðili, en viðkomandi dómari oddamaninn. Úrskurður gerðardómsins er fullnaðarúrskurður. Skaðabætur greiðast ekki af hendi fyrr en tjón er að fullu sannað og metið.

12. gr.

Nú er búfé, sem vátryggt er samkvæmt lögum þessum, veðsett, og nær þá veðrétturinn einnig til vátryggingarfjárins.

13. gr.

Landbúnaðarráðherra ákveður iðgjöld vegna búfjártrygginga í samráði við forstjóra Brunabótafélags Íslands og stjórn Búnaðarfélags Íslands, og skal þá leggja til grundvallar vanhaldaskýrslur þær, er fyrir liggja, og aðrar upplýsingar um vanhöld og fjárskaða, er lög þessi ná til og þessir aðilar geta aflað sér á annan hátt.

14. gr.

Landbúnaðarráðherra ákveður nánar með reglugerð verksvið Búfjártryggingardeildar, stjórn, reikningshald, virðingar, iðgjöld, gjalddaga, endurtryggingu, hvernig meta skuli skaða af vanhöldum, hvað telst til vanhalda, sem skylt er að bæta, ábyrgð

félagsmanna og annað varðandi búfjártryggingarnar, er þörf krefur, að ýtarlegar sé kveðið á um.

15. gr.

Brjóti vátryggjandi lög þessi eða reglugerð og skilyrði, sem sett eru samkvæmt þeim, varðar það réttindamissi til skaðabóta eftir málavöxtum, svo sem reglugerð tiltekur nánar. Í reglugerð má ákveða sektir fyrir brot á ákvæðum hennar, 10—500 kr., er renni í Búfjártryggingarsjóð.

16. gr.

Með mál út af brotum á lögum þessum skal farið sem almenn lögreglumál.

17. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi felld lög nr. 28 7. maí 1928, um búfjártryggingar.

## Nd. 238. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

Frá Lúðvíki Jósefssyni.

1. Við 6. gr., a-lið, 3. málsgr. Í stað orðanna „hefur áður stundað“ komi: stundar.
2. Við 6. gr. Aftan við a-lið komi ný málsgrein svo hljóðandi:
   Styrkjum samkvæmt ákvæðum þessarar greinar úthlutar 3 manna nefnd, skipuð af ráðherra eftir tilnefningu Fiskifélags Íslands, Farmanna- og fiskimannasambands Íslands og Alþýðusambands Íslands.

## Ed. 239. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

a. Stofnfé sjóðsins er: Eignir fiskveiðasjóðs Íslands og skuldaskilasjóðs vélbátaeigenda eins og þær eru nú.
b. Tekjur sjóðsins eru:
   1. Hundraðsgjald af útfluttum sjávarafurðum samkv. lögum nr. 47 19. maí 1930, um fiskveiðasjóðsgjald.
   2. Útflutningsgjald af sjávarafurðum, sem ríkissjóður innheimtir samkv. lögum nr. 63 28. jan. 1935.
   3. Vextir.

2. gr.

A-liður 4. greinar laganna orðist svo:

Skipakaupa og skipabygginga. Hafi sjóðurinn ekki nægilegt fé til þess að fullnægja lánsþörfinni, skulu skip innan 150 smál. sitja fyrir lánum.

Aftan við greinina bætist nýr stafliður, er hljóðar svo:

c. Til dráttarbrauta.

3. gr.

Aftan við 5. gr. laganna bætist ný málsgr., svo hljóðandi:
Sjóðurinn lánar aðeins gegn 1. veðrétti.

4. gr.

Í stað orðsins „b-lið“ í 6. gr. laganna komi: b-lið og c-lið.

5. gr.

Í stað orðanna „4½% — fjórir og hálfur af hundraði“ í 7. gr. laganna kemur: 3% — þrír af hundraði.

6. gr.

Á eftir 7. gr. koma tvær nýjar greinar, er verða 7. og 8. gr., svo hljóðandi:

a. (7. gr.): Við fiskveiðasjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita styrki til byggingar fiskibáta innan 150 smálesta. Ríkissjóður leggur sjóði þessarar deildar 2 milljónir króna á árinu 1943, og auk þess ganga til hans frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu.

Úr sjóði þessum skal veita styrki til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Styrkur þessi veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Styrkur til hvers skips má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins, þó aldrei yfir 75000 kr. á skip.

Við úhlutun styrksins skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi stundar sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Styrkur þessi veitist til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun fjárhæðar styrkja taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt, og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið.

Ríkisstjórnin setur reglugerð um styrkveitingar úr sjóðnum í samráði við sjóðsstjórnina og að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands og fiskimálanefndar. Þar skulu sett ákvæði til tryggingar því, að styrkirnir verði ekki misnotaðir með því að verzla með þá, eða á annan hátt, og um refsiákvæði fyrir brot á styrkskilyrðum og reglugerð, sem sett er um þetta efni.

Styrkjum samkvæmt ákvæðum þessarar greinar úthlutar 3 manna nefnd, skipuð af ráðherra eftir tilnefningu Fiskifélags Íslands, Farmanna- og fiskimannasambands Íslands og Alþýðusambands Íslands.

b. (8. gr.): Útborgun lána samkv. 5. gr. laganna og styrkja samkv. næstu grein hér á undan skal haga svo, að ⅓ láns og styrks greiðist, þegar kjölur er lagður og meginhluti efnis er kominn á staðinn, ⅓, þegar skipið er byrt og þiljur lagðar og vél skipsins komin á staðinn. Lokagreiðsla fer fram, þegar skipið er fullsmíðað, virt og vátryggt.

7. gr.

Breytingar þessar skal fella inn í lög nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands, og gefa lögin síðan út svo breytt.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 240. Framhaldsnefndarálit

um frv. til laga um orlof.

Frá allsherjarnefnd.

Allsherjarnefnd Ed. hefur að nýju athugað ofangreint frv., sérstaklega í sambandi við brtt. á þskj. 193.

Meiri hluti nefndarinnar álítur, að ákvæði brtt. eigi ekki heima í frumvarpi þessu, þar sem í henni er ætlazt til styrks úr ríkissjóði til vissrar stéttar atvinnurekenda, til kynnisfara, en ekki orlofsuppbótar launaþega eins og frv. fjallar um og ætlazt er til, að atvinnuvegirnir sjálfir standi undir.

Hins vegar lítur nefndin með velvilja á hugmynd þá, sem kemur fram í breytingartillögunni, og eru nefndarmenn fúsir til að stuðla að verulega auknum styrk til kynnisfara atvinnurekenda í sveit á fjárlögum, þar til sérstök lög hafa verið um þetta sett.

Einn nefndarmanna (HermJ) heldur fast við breytingartillögu sína.

Alþingi, 19. jan. 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr., frsm. Lárus Jóhannesson.

Brynjólfur Bjarnason. Hermann Jónasson, með fyrirvara.

## Ed. 241. Frumvarp til laga

um jöfnunarsjóð vinnulauna.

Flm.: Gísli Jónsson.

1. gr.

Skylt skal hverjum þeim, sem atvinnu rekur og kaupir 3000 dagsverk árlega eða meira, að stofna jöfnunarsjóð vinnulauna í sambandi við atvinnurekstur sinn og greiða til hans sem svarar 2% — tveim af hundraði — af þeirri upphæð, er hann greiðir í vinnulaun. Heimilt skal þó vinnuveitanda að greiða í jöfnunarsjóð allt að 10% — tíu af hundraði —, ef hann sjálfur æskir þess. Skulu iðgjöldin greidd til sjóðsins á sama tíma og vinnulaunin.

Undanþegin þessu ákvæði eru ríkisstofnanir og sveitar- og bæjarfélög, nema að því leyti, sem þessir aðilar kynnu að reka atvinnufyrirtæki, svo sem síldarverksmiðju, útgerð, iðnað eða slíka atvinnu.

2. gr.

Sjóðinn skal geyma og ávaxta í tryggri peningastofnun eða verðbréfum, er sjóðsstjórnin ákveður, og stendur hann þar á nafni atvinnurekandans. Má aldrei téna fé hans í áhættufyrirtæki eða binda það svo, að það sé ekki jafnan handbært til jöfnunar vinnulauna, er þess telst þörf að dómi sjóðsstjórnar.

Fjármálum sjóðsins skal haldið aðskildum frá fjármálum atvinnurekandans. Iðgjöld öll færir hann þó árlega sem rekstrargjöld og sjóðinn sjálfan sem sérstakan lið á efnahagsreikningi. Skal hann láta fylgja með ársreikningum sínum til skattanefnda sérstakan rekstrar- og efnahagsreikning yfir tekjur og gjöld sjóðsins, undirritaðan af sjóðsstjórn og endurskoðendum. Iðgjöld til jöfnunarsjóðs eru frádráttarhæf til skatts og eignir hans eru skattfrjálsar.

3. gr.

Stjórn jöfnunarsjóðs skal skipa í hverju bæjar- og sveitarfélagi, eftir því sem þörf krefur. Skal hún skipuð 3 mönnum til 3 ára í senn þannig: einum samkvæmt tillögum stéttarfélaga vinnuveitanda, einum samkvæmt tillögum stéttarfélaga vinnuþiggjenda, einum stjórnskipuðum af félagsmálaráðherra, og er hann jafnframt formaður sjóðsstjórnarinnar.

Þóknun til sjóðsstjórnarmanna greiðist úr ríkissjóði.

4. gr.

Þegar deila rís á milli vinnuveitenda og vinnuþiggjenda út af kaupgjaldi og eigi næst samkomulag, svo að atvinnufyrirtæki stöðvast af þeim ástæðum, skal þetta tilkynnt sjóðsstjórn viðkomandi atvinnufyrirtækis, er þá þegar greiðir úr sjóðnum mismun þann, sem er á milli þess, sem atvinnuveitandi hefur boðið, og hins, er vinnuþiggjandi hefur krafizt, þar til samkomulag hefur náðst á milli aðila. Ef deilan hefur staðið það lengi, að ¼ sjóðsins hefur farið í að greiða mismun þann, sem að ofan greinir, skal sjóðsstjórnin færa hámarksgreiðslur til vinnuþiggjanda niður í þurftarlaun og greiða úr því aðeins mismun á milli þeirra og þess, er vinnuveitandi hefur boðizt til að greiða. Sjóðsstjórnin ákveður hámark þurftarlauna. Sé nokkur ágreiningur um það innan sjóðsstjórnarinnar, sker Hagstofa Íslands úr um þau atriði.

Ekki er heimilt að stöðva vinnu vegna kaupdeilu svo lengi sem sjóðurinn innir af hendi miðlunargreiðslu eins og að ofan getur.

5. gr.

Þegar ástand það, sem um getur í 4. gr., ríkir á milli vinnuveitanda og vinnuþiggjanda, ber sjóðsstjórninni að kynna sér rekstrarafkomu þess fyrirtækis, sem rekið er með greiðslum úr jöfnunarsjóði. Komi það í ljós, að rekstrarafkoma vinnuveitanda er það góð, að dómi sjóðsstjórnar, að hann geti sjálfur innt af hendi hinar nauðsynlegu greiðslur, skal hann skyldur að lúta þeim úrskurði.

6. gr.

Svo lengi sem fé er greitt úr jöfnunarsjóði samkvæmt 4. gr., greiðir viðkomandi vinnuveitandi ekki iðgjald til sjóðsins, en jafnskjótt og tekizt hafa samningar um kaupgjald, er hann aftur iðgjaldsskyldur samkvæmt 1. gr., enda stöðvast þá um leið greiðslur úr sjóðnum.

7. gr.

Þegar atvinnurekandi, sem á innieign í jöfnunarsjóði, hættir rekstri að fullu, fellur upphæðin öll í sameiginlegan jöfnunarsjóð vinnulauna. Leggur þá ríkissjóður þeim sjóði til jafnháa upphæð. Stendur sjóður sá að öllu leyti undir stjórn ráðuneytisins, og getur það leyft að nota fé úr honum til launauppbóta, ef viðkomandi jöfnunarsjóðir megna ekki að standa undir nauðsynlegum greiðslum til þess að forðast vinnustöðvun. Semur ríkisstjórnin reglugerð um það, hvernig fé skuli varið úr honum.

8. gr.

Fé má aldrei greiða úr jöfnunarsjóði eins atvinnurekanda til þess að forðast vinnustöðvun annarra aðila.

9. gr.

Eignir jöfnunarsjóða má ekki selja eða veðsetja né heldur gera í þeim fjárnám eða taka þær lögtaki fyrir skuldum atvinnurekanda.

10. gr.

Atvinnurekanda er heimilt að stofna jöfnunarsjóð samkvæmt lögum þessum af tekjum ársins 1942, en þá skulu greiðslur allar hafa farið fram fyrir 1. júní n. k.

Heimilt er og atvinnurekanda, ef hann æskir þess, að stofna jöfnunarsjóð samkvæmt 1. gr., þótt hann kaupi færri en 3000 dagsverk árlega.

11. gr.

Brot á lögum þessum varða sektum frá 1000–10000 kr. Sektirnar renna í hinn sameiginlega jöfnunarsjóð vinnulauna. Mál út af brotum á lögum þessum skal farið með sem almenn lögreglumál.

12. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Þjóðinni er að verða það æ ljósara, hversu mikið tjón verkstöðvun leiðir yfir atvinnuvegina og landið í heild. Þegar slíkt ástand ríkir, eru það ekki einasta hinir stríðandi aðilar, atvinnuveitandinn og atvinnuþiggjandinn, sem verða bæði fyrir tjóni og margvíslegum óþægindum, heldur oft og mörgum sinnum einnig fjöldi annarra aðila, sem enga sök eiga á ástandinu og engu fá um það ráðið, hvort deilan leysist fyrr eða síðar, eða á hvern hátt hún leysist. Má t. d. benda á allan þann fjölda manna, sem líður fyrir brauðskort, ef verkstöðvun er á meðal brauðgerðarmanna, eða fyrir almennan skort á öllum sviðum, ef langvarandi verkstöðvun er á meðal þeirra manna, sem annast flutninga, bæði á sjó og landi, og þó er einmitt stefnt sem mest að því að fá sem flestar stéttir til þess að taka þátt í verkstöðvun af samúð með meðbræðrum sínum, þegar allt annað bregzt, og er þá hámarkinu náð, að deilan nái til sem flestra óviðkomandi aðila og geri þeim tjón.

Nú er það einnig ljóst, að vinnudeilur hér á landi hafa staðið vikum og mánuðum saman út af smámunum einum í samanburði við það tjón, sem þær hafa valdið, og að það hefur oft tekið hvorn aðila ár eða meira að vinna upp tapið vegna deilunnar, þótt einhverjar kjarabætur hafi fengizt. Hitt hefur engum dulizt, að þjóðin hefur aldrei fengið sitt tjón endurgoldið. Þá er hitt og ljóst, að eftir að vinnustöðvun hefur skollið á, hefur oft verið mjög erfitt að fá aðila til þess að ræða málin af skilningi, einmitt vegna þess tjóns, sem vinnustöðvunin ávallt bakar þeim og verður því tilfinnanlegra, því lengur sem deilan stendur.

Frumvarpi því, sem hér er borið fram, er ætlað að bæta úr þessu óþolandi ástandi í atvinnulífi voru. Miðar það að því, að vinnuveitanda sé skylt að leggja fram árlega ákveðið gjald í sérstakan sjóð, sem nota skal til þess að greiða úr mismun þann, sem vinnuþiggjandi og vinnuveitandi koma sér ekki saman um og orsakar að öðrum kosti verkstöðvun, þegar ekki hefur náðst samkomulag. Sjóð þennan má á engan hátt nota til nokkurs annars, ekki taka hann lögtaki upp í skuldir né veðsetja hann fyrir nokkrum gjöldum. Hann er því raunverulega ekki eign fyrirtækisins nema að því leyti, sem nota má hann til tryggingar því, að rekstrinum sé haldið áfram, þegar það ástand ríkir, sem um er rætt í 4. gr., enda mælir 7. gr. svo fyrir, að sjóðurinn falli að fullu og öllu í sameiginlegan jöfnunarsjóð vinnulauna, þegar fyrirtæki hættir að fullu rekstri sínum. Leiðir af þessum fyrirmælum þá sjálfsögðu ákvörðun, að tillög til sjóðsins séu undanþegin skatti til ríkis og bæja.

Það er ljóst, að það er nokkur vandi á því að ákveða, hvernig sjóðnum skuli varið í hinum einstöku tilfellum, en eftir nákvæmar athuganir má telja réttast, að á fyrsta stigi málsins sé sjóðurinn notaður til þess að greiða allan mismun þann, sem um er deilt á milli vinnuþiggjenda og vinnuveitenda. Hins vegar er þá jafnframt nauðsynlegt að fyrirbyggja það, að gerðar séu alveg sérstakar tilraunir til þess að eyða sjóðnum þannig, og miða kröfuna við það eitt, og því þykir rétt að takmarka þessar greiðslur við það, að eigi eyðist úr sjóðnum þannig meira en ¼ eigna hans, og síðan sé upphæðin til vinnuþiggjenda færð niður í þurftarlaun, er

ákveðin séu af sjóðsstjórninni sameiginlega og af Hagstofu Íslands, ef um nokkurn ágreining er að ræða. Þá þykir og rétt að ákveða, að þegar slíkt ástand ríkir, sé sjóðsstjórninni heimilt að kynnast rekstrarafkomu vinnuveitanda, ekki einasta til þess á þann hátt að vernda sjóðinn, heldur og til þess að fyrirbyggja alla tortryggni frá hálfu vinnuþiggjenda um rekstrarafkomu fyrirtækisins.

Það þykir og nauðsynlegt að heimila iðgjöld til sjóðsins af tekjum ársins 1942, einkum og sér í lagi með tilliti til þess, að algerlega óvíst er um afkomu fyrirtækja í framtíðinni, en hins vegar fullvíst, að ýmsir erfiðleikar munu verða fram undan vegna árekstra í atvinnumálum.

Það þykir og rétt að benda á, að þrátt fyrir góðæri til lands og sjávar eru nú frystihúsin, sem er einn meginatvinnuvegur landsmanna, stöðvuð sem stendur, af þeim ástæðum, að atvinnurekendur þykjast ekki geta staðizt undir þeim útgjöldum, sem vinnuþiggjendur hafa tryggt sér með samningum, og mætti öllum vera ljóst, hve mikil þjóðargæfa það væri nú, ef þessi fyrirtæki hefðu átt sér slíkan sjóð, til þess með honum að komast yfir erfiðleikana og þannig forðast það stórkostlega tap, sem þjóðin líður við þessa stöðvun. En þetta er því miður aðeins eitt af mörgum dæmum, sem vænta má, að mæti þessum aðilum að stríðinu loknu, eða jafnvel miklu fyrr.

Með tilvísun til þess, að mál þetta er svo aðkallandi, er þess vænzt, að háttvirt Alþingi sjái sér fært að hraða framgangi þess, svo að það geti orðið að lögum á þessu þingi.

## Nd. 242. Breytingartillögur

við frv. til l. um jöfnunarsjóð aflahluta.

Frá Skúla Guðmundssyni.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Útgerðarmenn, sem gera út skip til fiskveiða með hlutarráðningu (þ. e. skipshöfnin tekur kaup sitt í hluta af afla), geta orðið þátttakendur í jöfnunarsjóði aflahluta. Skulu þeir þá, í lok hverrar vertíðar, greiða sjóðnum af óskiptum afla skipanna 1% af verðmæti hans í óverkuðu ástandi, eftir að sameiginlegur kostnaður hefur verið dreginn frá. Útgerðarmenn standa skil á gjaldinu, og skoðast það geymslufé, eftir að skipti hafa farið fram. Fé þetta innheimta hreppstjórar og bæjarfógetar, hver í sínu umdæmi, og hefur gjaldið lögtaksrétt. Skal það sent sjóðsstjórninni að loknum skiptum eftir hverja vertíð.
2. Við 5. gr. Í stað orðanna „stjórnum sjóðanna“ komi: stjórnum þeirra.
3. Við 8. gr. bætist: Jafnframt falla úr gildi ákvæði 7. gr. laga nr. 45 12. febr. 1940 um framlög frá bæjar- og hreppsfélögum í tryggingarsjóði hlutarútgerðarfélaga

## Nd. 243. Frumvarp til laga

um verðlag.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Viðskiptaráð, sem skipað er samkvæmt lögum um innflutning og gjaldeyrismeðferð, frá 16. jan. þ. á., skal hafa eftirlit með öllu verðlagi, og hefur það bæði af sjálfsdáðum og að fyrirlagi ráðuneytisins vald og skyldu til að ákveða hámarksverð á hvers konar vörur og verðmæti, þar á meðal hámark álagningar, umboðslauna og

annarrar þóknunar, sem máli skiptir um verðlag í landinu. Svo getur Viðskiptaráð og úrskurðað um aðra kostnaðarliði, sem máli skipta um verðlagningu á vörum. Þá getur og Viðskiptaráð ákveðið gjöld fyrir flutning á landi, sjó og í lofti, þar með talin farmgjöld og afgreiðslugjöld, enn fremur greiðslur til verkstæða og annarra verktaka fyrir alls konar verk, svo sem pípu- og raflagningar, smíðar, málningu og veggfóðrun, saumaskap, prentun og því um líkt. Þá getur Viðskiptaráð og ákveðið hámarksverð á greiðasölu, veitingum, fæði, snyrtingu, fatapressun og aðgöngumiðum að almennum skemmtunum og öðru slíku. Ákvæði þessarar greinar taka ekki til vörutegunda, sem verðlagðar eru samkvæmt sérstökum lögum, né til vöru, sem seld er úr landi, eða launa fyrir verk, sem ákveðin hafa verið með samningum stéttarfélaga.

2. gr.

Ríkisstjórnin skipar verðlagsstjóra, sem gerir tillögur til Viðskiptaráðs um verðlagsákvæði og hefur á hendi framkvæmd þeirra og eftirlit með að þeim sé hlýtt. Hann skipar trúnaðarmenn um land allt til verðlagseftirlits. Hann hefur á hendi allan daglegan rekstur í sambandi við verðlagseftirlitið. Ef upp rís ágreiningur um skilning á verðlagsákvæðum, sker Viðskiptaráð úr.

Þeir, sem með verðlagseftirlit fara samkvæmt lögum þessum, geta krafið hvern sem er allra þeirra upplýsinga, skýrslna og annarra gagna, er þeir telja nauðsynleg í starfi sínu.

3. gr.

Þegar Viðskiptaráð fjallar um verðlagsmál, skulu tveir nefndarmenn jafnan víkja úr ráðinu samkvæmt ákvörðun ríkisstjórnar í skipunarbréfum þeirra, og skulu í þeirra stað koma verðlagsstjóri og annar maður, er ríkisstjórnin skipar, með atkvæðisrétti um verðlagsákvarðanir.

Í Viðskiptaráði ræður afl atkvæða og eru úrskurðir þess og ályktanir fullnaðarúrslit verðlagsmála. Þó má taka mál til meðferðar að nýju, ef ástæður hafa breytzt eða nýjar skýrslur komið fram, er máli skipta. Viðskiptaráð er ekki ályktunarfært um verðlagsmál nema það sé fullskipað.

4. gr.

Sala á vörum milli heildverzlana innbyrðis eða smásöluverzlana innbyrðis (keðjuverzlun), er bönnuð, nema slík verzlun sé gerð án álagningar, eða að heildarálagning vörunnar sé innan þeirra takmarka í heildsölu og smásölu, sem heimiluð er. Bannað er að halda vörum úr umferð í því skyni að fá hærri verzlunarhagnað af þeim síðar.

5. gr.

Allar verðlagsákvarðanir, sem samþykktar eru af Viðskiptaráði, skulu birtar af verðlagsstjóra þegar í stað, og ganga þær í gildi jafnskjótt og gilda þar til öðruvísi er ákveðið. Ákvarðanirnar skulu birtar á þann hátt, að þær verði kunnar almenningi á því verðlagssvæði, er þær ná til.

6. gr.

Viðskiptaráði, verðlagsstjóra, starfsmönnum eða öðrum, sem afskipti hafa um framkvæmd þessara laga, er bannað, að viðlagðri ábyrgð eftir ákvæðum almennra hegningarlaga um opinbera starfsmenn, að skýra óviðkomandi mönnum frá þeim atriðum, er þeir verða áskynja um af skýrslum þeim, sem um getur í 5. gr., að því leyti, sem þau varða einstaka menn eða einstök fyrirtæki.

7. gr.

Eftir gildistöku þessara laga má verðlag ekki hækka á neinu því, sem háð er verðlagseftirliti samkvæmt 1. gr., nema með leyfi Viðskiptaráðs.

8. gr.

Kostnaður við framkvæmd verðlagseftirlitsins greiðist af ríkissjóði, að svo miklu leyti sem tekjur Viðskiptaráðs ekki hrökkva til þess, þegar greiddur er allur kostnaður Viðskiptaráðsins.

9. gr.

Sá, sem vanrækir skyldur þær, er um ræðir í 5. gr., skal sæta 10—100 kr. dagsektum. Sá, sem gefur rangar skýrslur til verðlagsstjóra, skal sæta refsingu samkvæmt ákvæðum almennra hegningarlaga.

Brot á lögum þessum eða reglum, settum samkvæmt þeim, varða sektum allt að 100 000 kr. Ef miklar sakir eru eða brot ítrekað, má og svipta sökunaut með dómi rétti til verzlunar.

10. gr.

Mál út af brotum samkvæmt 9. gr. fara að hætti opinberra mála.

11. gr.

Með reglugerð má setja nánari ákvæði um framkvæmd laga þessara. Með lögum þessum eru lög nr. 79 frá 1. sept. 1942 numin úr gildi.

12. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Allar verðlagsákvarðanir um hámarksverð og hámarksálagningu, sem í gildi eru við gildistöku laganna, skulu haldast fyrst um sinn, þar til Viðskiptaráð hefur afnumið þær eða sett ný ákvæði í stað þeirra.

Athugasemd við lagafrumvarp þetta:

Með frumvarpi þessu eru lög um verðlag færð til samræmis við lög um innflutning og gjaldeyrismeðferð og framkvæmd verðlagseftirlitsins nokkuð breytt frá því sem nú er, þar sem gert er ráð fyrir sérstökum verðlagsstjóra, er hafi framkvæmdina á hendi. Ákvæði um verðlagseftirlit eru gerð mun víðtækari en áður og ná nú raunverulega til allra vara og verðmæta, sem almenning varða, nema vörutegunda, sem verðlagðar eru samkvæmt sérstökum lögum eða seldar eru úr landi.

## Ed. 244. Frumvarp til laga

um breyting á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

9. gr. laganna orðist svo:

Ríkisstjórninni er heimilt að setja á stofn útsölustaði áfengis, en þó aðeins í kaupstöðum og kauptúnum.

Áður en útsala er sett á stofn, skal fara fram atkvæðagreiðsla kosningabærra manna í því sýslu- eða bæjarfélagi, sem í hlut á, og þarf meiri hluta greiddra atkvæða til þess að útsala sé leyfð.

Hafi útsala verið stofnsett, verður hún ekki lögð niður aftur, nema því aðeins, að atkvæðagreiðsla fari fram og samþykkt sé að loka áfengisútsölunni með meiri hluta atkvæða.

Atkvæðagreiðslur, sem um getur í 2. og 3. mgr., skulu fram fara, er ⅓ hluti kjósenda eða meiri hluti sýslunefndar eða bæjarstjórnar í viðkomandi sýslu- eða bæjarfélagi krefst þess.

Nú hefur verið fellt með atkvæðagreiðslu að stofna útsölu eða loka útsölu, og getur atkvæðagreiðsla þá ekki farið fram á ný, fyrr en að tveimur árum liðnum.

2. gr.

Nú telur ríkisstjórnin, að lög þessi kunni að brjóta í bága við milliríkjasamninga, og skal hún þá gera þær ráðstafanir, er hún álítur nauðsynlegar til þess að samrýma þá samninga ákvæðum laganna. Að því loknu öðlast lögin gildi, enda birtir ríkisstjórnin um það tilkynningu.

## Ed. 245. Nefndarálit

um frv. til l. um framkvæmd á IV. kafla laga nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og leitað álits Tryggingarstofnunar ríkisins um það. Samkvæmt skýrslum þeim, sem úthlutun ellilauna og örorkubóta fyrir 1942 er byggð á, ættu að vera til úthlutunar samkv. frumvarpinu ca. 18,64 millj. króna, og svarar það til, að 62,2% af öllum gamalmennum og öryrkjum gætu fengið fullan lífeyri. Er þá miðað við tekjur Lífeyrissjóðs Íslands árið 1942 og vísitöluna 272.

Tryggingarstofnunin telur vafamál, hvort tekjur Lífeyrissjóðs samkv. frumv. mundu nægja til þess að standa við skuldbindingar hans samkv. frv. án þess að grípa þyrfti til höfuðstólsins, ef frádráttarreglur IV. kafla alþýðutryggingalaganna yrðu látnar gilda áfram óbreyttar.

Nefndin er sammála um að mæla með því, að Alþingi geri ráðstafanir til að færa elli- og örorkutryggingarnar í það horf, sem felst í meginsjónarmiðum frumvarpsins, en telur, að jafnframt þurfi að gera frekari breytingar á þessari grein tryggginganna. M. a. þurfi að endurskoða frádráttarreglur IV. kafla alþýðutryggingalaganna og jafnframt að taka til athugunar, hvaða breytingar þurfi að gera á framfærsluskyldu aðstandenda og hvernig hægt væri að gera fyrirkomulag hennar haganlegra og meira í samræmi við þær aðstæður, sem skapazt hafa á síðari árum.

Ríkisstjórnin hefur nú tilkynnt, að hún hafi ákveðið að láta endurskoða lögin um alþýðutryggingar. Er þess að vænta, að þeirri endurskoðun verði lokið það snemma, að Alþingi geti afgreitt málið til fullnustu á þessu ári. Nefndin hefur því orðið sammála um að leggja til, að ofangreind endurskoðun á elli- og örorkutryggingunum verði látin fara fram í sambandi við þá heildarendurskoðun á lögunum, sem stjórnin hefur í hyggju að láta gera, enda þótt flutningsm. (BrB) vilji taka það fram, að hann hefði talið æskilegra, ef þess hefði verið kostur, að frumv. yrði samþ. nú með nokkrum nauðsynlegum breytingum, og þannig fengin nokkur reynsla um framkvæmd þess, áður en frekari endurskoðun á IV. kafla alþýðutryggingalaganna yrði látin fram fara.

Samkvæmt ofansögðu leggur nefndin því til, að frumv. verði afgreitt með eftirfarandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ.

Í trausti þess, að ríkisstjórnin láti endurskoða IV. kafla laga um alþýðutryggingar, nr. 74 31. des. 1937, í sambandi við þá heildarendurskoðun laganna, sem hún

hefur í hyggju að láta fram fara, og að elli- og örorkutryggingarnar verði þá jafnframt tærðar í það horf, sem felst í meginsjónarmiðum frumv. á þingskj. 78, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Reykjavík, 20. jan. 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Brynj. Bjarnason, frsm.
Hermann Jónasson. Lárus Jóhannesson.

## Nd. 246. Breytingartillögur

við frv. til l. um jöfnunarsjóð aflahluta.

Frá Gísla Guðmundssyni.

1. Við 1. gr. Í stað „jöfnunarsjóður aflahluta“ komi: hlutatryggingarsjóður íslenzkra fiskiskipa og kallast í lögum þessum hlutatryggingarsjóður.
2. Við 2. gr. Í stað „jöfnunarsjóði“ komi: hlutatryggingarsjóði.
3. Við 3. gr. Í stað „jöfnunarsjóði“ og „jöfnunarsjóðs“ komi: hlutatryggingarsjóði og hlutatryggingarsjóðs.
4. Við 4. gr. Í stað „jöfnunarsjóði“ komi: hlutatryggingarsjóði.
5. Við 5. gr. Greinin orðist svo:
   Stjórn sjóðsins skipa þrír menn, kosnir hlutbundinni kosningu í sameinuðu Alþingi til tveggja ára í senn. Stjórnin velur sér formann. Tryggingarstofnun ríkisins annast daglegar framkvæmdir og reikningshald sjóðsins fyrir þóknun, er ráðherra ákveður. Ráðherra ákveður stjórninni þóknun fyrir störf hennar.
6. Við 6. gr. Í stað „jöfnunarsjóðs“ komi: hlutatryggingarsjóðs.
7. Við 7. gr. Greinin orðist svo:
   Ráðherra sá, er fer með sjávarútvegsmál, setur með reglugerð nánari ákvæði um hlutatryggingu íslenzkra fiskiskipa samkvæmt lögum þessum. Í reglugerð skal m. a. ákveða, hvað telja skuli „hlutarráðningu“ og „sameiginlegan kostnað“ samkv. 1. gr. Ákvæði laganna um greiðslur til sjóðsins taka gildi frá og með útgáfudegi reglugerðar samkv. þessari grein.
8. Við 8. gr. Aftan við greinina bætist: sbr. þó síðasta málslið 7. gr.
9. Fyrirsögn frv. verði:
   Frumvarp til laga um hlutatryggingu íslenzkra fiskiskipa.

## Nd. 247. Frumvarp til laga

um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Flm.: Hermann Jónasson, Gísli Jónsson, Haraldur Guðmundsson, Guðmundur Í. Guðmundsson.

1. gr.

Ríkissjóður greiði árlega til að styrkja kynnisferðir sveitafólks, sem ekki nýtur orlofs samkvæmt sérstökum lögum eða samningum, upphæð, er nemur 10% af útborguðum jarðræktarstyrk það ár, þó aldrei lægri upphæð en sem svarar til 10 króna á hvert sveitabýli.

2. gr.

Ríkisstjórnin setur með reglugerð nánari reglur um skiptingu og notkun fjárins, að tengnum tillögum Búnaðarfélags Íslands.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Það þykir tilhlýðilegt, að það sama þing, sem tryggir með lögum orlof til verkalýðsins og annarra launþega í landinu, tryggi einnig með sérstöku fjárframlagi möguleika þess fólks, sem í sveitum landsins býr, að geta einnig orðið þátttakendur í orlofsréttindum, þótt á annan hátt sé. Er tilgangur þessa frumvarps að tryggja þessu fólki einnig þessi friðindi, að svo miklu leyti sem unnt er.

Nánar í framsögu.

## Nd. 248. Breytingartillaga

við frv. til l. um einkasölu á bifreiðum, bifhjólum, hjólbörðum, hjólbarðaslöngum og um úthlutun bifreiða.

Frá Jóni Pálmasyni og Ingólfi Jónssyni.

Við ákvæði til bráðabirgða. Ákvæðið orðist þannig:

Skilanefnd Bifreiðaeinkasölu ríkisins skal ljúka uppgerð á fjárreiðum hennar. En þegar lög þessi hafa öðlazt gildi, skulu hinni nýju einkasölu afhentar vörubirgðir hinnar gömlu. Einnig húsgögn og önnur áhöld. Ef þær eignir reynast ekki skuldlausar, skal skilanefnd greitt það, sem á kynni að skorta.

## Nd. 249. Frumvarp til laga

um orlof.

(Eftir 3. umr. í Ed.).

1. gr.

Lög þessi gilda um allt fólk, sem starfar í þjónustu annarra, hvort heldur einstaklinga eða hins opinbera. Undanteknir eru þó:

a. Iðnnemar, sbr. 9. gr. laga nr. 100 11. júní 1938, um iðnaðarnám.
b. Starfsmenn fiskiskipa, sem ráðnir eru eftir reglum um hrein hlutaskipti og hlutarmaður tekur þátt í útgerðarkostnaði að meira eða minna leyti. Þó skal ef hlutarmaður óskar þess, greiða honum orlofsfé þannig, að helmingur þess sé tekinn af kaupi hans sjálfs, en hinn helminginn greiði útgerðarmaður.

2. gr.

Lög þessi rýra í engu orlofsrétt þeirra, sem samkvæmt samningi eða venju eiga eða kunna að eignast betri orlofsrétt en í lögum þessum er ákveðið.

Samningar um takmarkanir á orlofsrétti samkvæmt lögum þessum eru ógildir.

3. gr.

Sérhver, sem lög þessi ná til, hefur rétt og skyldu til orlofs ár hvert jafnmarga virka daga og hann hefur unnið marga almanaksmánuði samanlagt næsta orlofs-

ár á undan, en orlofsár merkir í lögum þessum tímabilið frá 15. maí til 14. maí næsta ár á eftir.

Telst í þessu sambandi hálfur mánuður eða meira sem heill mánuður, en skemmri tími er ekki talinn með.

Það telst vinnutími samkvæmt þessari grein, þótt maður sé frá vinnu vegna veikinda eða slysa, meðan hann fær kaup greitt eða hann er í orlofi.

4. gr.

Sá, sem fer í orlof, á rétt á að fá greitt sem orlofsfé 4% — fjóra af hundraði — af kaupi því, sem hann hefur borið úr býtum fyrir vinnu sína næsta orlofsár á undan.

Nú hefur maður unnið eftirvinnu, nætur- eða helgidagavinnu, og greiðist þá orlofsfé aðeins af þeirri upphæð, sem greidd hefði verið fyrir þá vinnu, ef það hefði verið dagvinna. Þó skulu farmenn fá greitt orlofsfé af eftirvinnukaupi eins og það er á hverjum tíma.

Orlofsfé greiðir sá eða þeir, sem orlofsrétthafi hefur unnið hjá á orlofsárinu, og fer greiðsla fram með orlofsmerkjum hvert skipti sem útborgun vinnulauna fer fram.

Ákvæði þetta gildir þó ekki um starfsmenn, sem eru í fastri stöðu. Þegar þeir fara í orlof og hafa unnið hjá sama vinnuveitanda samfleytt næsta orlofsár á undan, halda þeir kaupi sínu óskertu orlofsdagana, jafnháu og þeir hefðu unnið venjulegan vinnutíma. Kaup fyrir orlofsdagana skulu þeir fá greitt næsta virkan dag áður en orlof hefst.

Nú fer maður úr fastri stöðu, og greiðir vinnuveitandi þá með orlofsmerkjum orlofsfé af kaupi því, er starfsmaðurinn vann fyrir á því orlofsári.

Starfsmaður, sem er í fastri stöðu, þegar hann fer í orlof, en hefur ekki unnið hjá sama vinnuveitanda samfellt næsta orlofsár á undan, fær greitt orlofsfé með orlofsmerkjum næsta virkan dag áður en orlof hefst, og miðast það við kaup það, er hann vann fyrir hjá núverandi vinnuveitanda á orlofsárinu.

Krafa um greiðslu orlofsfjár er forgangskrafa í dánar- eða þrotabúi vinnuveitanda til jafns við kröfur þær, sem um ræðir í 83. gr. b, 5. lið, skiptalaganna, nr. 3 12. apríl 1878.

5. gr.

Nú tekur maður ekki kaup beint frá vinnuveitanda, heldur fær kaupið greitt t. d. með þjórfé að öllu eða nokkru leyti, og skal upphæð orlofsfjár þá miðast við framtal tekna til skatts næsta ár á undan, eða áætlun skattanefndar um vinnutekjur, ef ekki var talið fram til skatts.

6. gr.

Eigi skal reikna orlofsfé af greiðslum, sem ætlaðar eru til borgunar á sérstökum kostnaði vegna starfsins, t. d. ferðakostnaði, og ekki teljast skattskyldar.

Sama gildir um áhættuþóknanir, sem greiddar eru vegna stríðshættu.

7. gr.

Nú er kaup greitt með fæði, húsnæði eða öðrum hlunnindum að öllu leyti eða einhverju, og greiðist þá orlofsfé af verðmæti þess, sem miðast við mat skattanefndar á hlunnindum þessum til tekna við síðustu ákvörðun tekjuskatts.

8. gr.

Ríkisstjórnin hlutast til um, að póststjórnin gefi út orlofsmerki og orlofsbækur á þann hátt, er fyrir er mælt í lögum þessum og reglugerð, er sett skal samkvæmt þeim.

Í reglugerðinni skal ákveðin gerð merkjanna, með hvaða upphæðum í aurum eða krónum þau skulu gefin út og hvernig sölu þeirra skuli hagað.

Orlofsmerki skulu vera til sölu og orlofsbækur til afhendingar í öllum póstafgreiðslustöðvum, þar sem póstfrímerki eru seld.

Merkin skulu seld vinnuveitendum með nafnverði og starfsmönnum afhentar ókeypis þær bækur, sem eru þeim nauðsynlegar.

Í bækurnar skal starfsmaður rita nafn sitt, stétt og heimili, um leið og bókin er afhent og í viðurvist þess, er afhendir honum bókina. Hver bók skal aðeins gilda fyrir eitt orlofsár, og skal það tilgreint fremst í bókinni, og má aðeins festa í þær orlofsmerki fyrir vinnu á því orlofsári. Í reglugerð skulu sett ákvæði um gerð bókanna og notkun, svo og um önnur atriði varðandi framkvæmd laga þessara, er þurfa þykir.

Allur kostnaður við orlofsmerki og orlofsbækur greiðist úr ríkissjóði.

Þegar kaupgreiðandi afhendir starfsmanni orlofsmerki, skal kaupgreiðandi sjálfur festa þau í orlofsbók starfsmannsins á þann hátt, er fyrir er mælt í reglugerð um orlof, og skrifa í bókina það, sem reglugerðin ákveður.

9. gr.

Orlof skal veitt í einu lagi á tímabilinu 1. júní til 15. september. Þó skal þeim, er vinna við sveitavinnu eða síldveiði, veitt orlof á öðrum tímum árs eftir því, sem nánar verður ákveðið í reglugerð, og er ríkisstjórninni með sama hætti heimilt að ákveða að víkja frá ákvæðum í upphafi greinarinnar um fleiri starfsgreinar, er nauðsynlegt þykir, að aðrar reglur gildi um.

Aðilar geta með samkomulagi ákveðið, að orlofi skuli skipta og að það skuli veitt á öðrum tímum árs en í 1. mgr. segir.

10. gr.

Nú er starfsmaður í starfi á þeim tíma, þegar hann vill fara í orlof, og ákveður vinnuveitandi þá, með a. m. k. viku fyrirvara, hvenær honum skuli veitt orlof, nema samkomulag verði um annað.

Ritar vinnuveitandi í orlofsbók starfsmanns vottorð um það, hvaða daga orlof hans skuli standa yfir.

11. gr.

Geti starfsmaður ekki vegna veikinda farið í orlof á þeim tíma, er vinnuveitandi ákveður samkv. 10. gr., skal hann sanna forföll sín með vottorði sjúkrasamlagslæknis síns, ef hann er í sjúkrasamlagi, en annars héraðslæknis. Læknisvottorð skal ritað í orlofsbók. Getur starfsmaður þá krafizt orlofs og greiðslu andvirðis orlofsmerkja á öðrum tímum en ákveðið er í 9. gr., en þó ekki síðar en svo, að orlofi hans sé lokið fyrir 31. maí næstan á eftir.

Geti starfsmaður ekki vegna veikinda farið í orlof fyrir þann tíma, á hann rétt á að fá greitt andvirði orlofsmerkja sinna, ef hann sannar veikindi sín á sama hátt og að ofan greinir.

12. gr.

Nú er maður ekki í starfi, þegar hann vill fara í orlof, eða er orðinn sjálfstæður atvinnurekandi eða hættur að starfa í þjónustu annarra af öðrum ástæðum, og skal hann þá snúa sér til oddvita, bæjar- eða borgarstjóra, þar sem hann er heimilisfastur, og gefa skriflega yfirlýsingu um, að hann ætli að fara í orlof tiltekna daga, en sá, sem við yfirlýsingunni tekur, ritar vottorð í orlofsbók hlutaðeiganda um, að hann hafi tekið við yfirlýsingunni, og um innihald hennar, enda sé yfirlýsingin geymd í hans vörzlum.

13. gr.

Þegar ritað hefur verið í orlofsbók vottorð samkvæmt því, sem segir í 10. og 12. gr., snýr starfsmaður sér til einhverrar póststöðvar og fær þar, hinn síðasta virka dag áður en orlof hefst eða síðar, greidda í peningum samanlagða upphæð orlofsmerkja, sem fest eru í orlofsbókina, gegn afhendingu bókarinnar með áritaðri kvittun fyrir móttöku upphæðarinnar.

Nú er orlofsbók ekki lögð fram í póststöð til innlausnar fyrir 15. september fyrir næsta orlofsár á undan, og fellur þá andvirði orlofsmerkjanna til ríkissjóðs, nema sérstök heimild sé í lögum þessum eða reglugerð samkvæmt þeim til þess að fresta innlausn bókarinnar. Þó getur ráðherra, þegar sérstaklega stendur á, veitt frest í þessu efni til loka yfirstandandi orlofsárs.

Andvirði orlofsmerkja greiðist dánarbúi manns, sé það sannað með dánarvottorði, rituðu í orlofsbók, að hann sé látinn.

14. gr.

Nú er orlofi skipt samkvæmt heimild í 9. gr. laga þessara, og skal þá stíla vottorð þau, sem um ræðir í 10. gr. og 12. gr., í samræmi við það. Verður síðan aðeins greiddur í það sinn sá hluti samanlagðrar upphæðar orlofsmerkja í orlofsbók, sem svarar til þess hluta orlofs, er vottorð ræðir um. Skal rita í orlofsbókina kvittun fyrir greiðslunni, en afhenda bókina síðan þeirri póststöð, sem greiðir eftirstöðvar orlofsmerkjanna.

15. gr.

Kröfur á hendur vinnuveitendum samkvæmt lögum þessum falla úr gildi fyrir fyrning, ef þær hafa ekki verið viðurkenndar eða lögsókn hafin innan loka næsta orlofsárs eftir að kröfurnar stofnuðust.

16. gr.

Óheimilt er manni að vinna fyrir kaupi í starfsgrein sinni eða skyldum starfsgreinum meðan hann er í orlofi, og skulu sett um þetta nánari ákvæði í reglugerð.

17. gr.

Framsal orlofsmerkja og flutningur orlofsmerkja milli ára er óheimill.

18. gr.

Það varðar sektum, er renna í ríkissjóð, ef:

1. Vinnuveitandi lætur starfsmann sinn ekki fá orlof eða orlofsfé samkvæmt lögum þessum, nema um ítrekað brot sé að ræða, því þá má dæma hann til varðhalds.
2. Ef vinnuveitandi gerir samning við starfsmann sinn, sem bannaður er í 2. gr. 2. mgr.
3. Ef starfsmaður brýtur ákvæði 16. og 17. gr., og skal þá jafnframt, ef brot er ítrekað, ákveða með dómi missi orlofsréttar næsta orlofsár eftir að dómur er kveðinn upp.

Mál út af brotum þessum skulu sæta meðferð almennra lögreglumála. Sökin fyrnist, ef mál er eigi höfðað áður en næsta orlofsári lýkur eftir að brot var framið.

19. gr.

Ef eigi er öðruvísi ákveðið í lögum þessum, skulu öll mál út af réttindum og skyldum samkvæmt þeim og til fullnægingar öllum kröfum í því sambandi heyra undir félagsdóm.

# Ed. 250. Nefndarálit

um frv. til laga um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

Frá minni hl. allsherjarnefndar.

Nefndin hefur ekki getað orðið sammála um afgreiðslu þessa máls. Meiri hluti nefndarinnar (BBen, LJóh og BrB) vill samþykkja frumvarpið lítið breytt, en minni hlutinn (GÍG og HermJ) getur ekki fallizt á þessa tillögu meiri hlutans.

Á meðan allsherjarnefnd hafði frumvarpið til athugunar, leitaði nefndin eftir umsögn sýslunefndar Kjósarsýslu og hreppsnefnda Mosfellshrepps og Seltjarnarneshrepps. Barst nefndinni ýtarleg, rökstudd umsögn um frumvarpið frá þessum aðilum öllum, þar sem þeir mótmæla því, að frumvarpið nái fram að ganga, og auk þess hefur Björn Birnir í Grafarholti sent nefndinni rökstudd mótmæli gegn frumvarpinu. Þykir rétt að birta umsagnir sýslunefndarinnar og hreppsnefndanna með nefndaráliti þessu, þar eð í þeim felst mikil fræðsla um ýmis atriði þessa máls, sem virðist hvergi nærri vel undirbúið af hálfu Reykjavíkurbæjar og alls ekki svo upplýst sem skyldi um jafnstórt mál og hér er á ferðinni.

Af hálfu flutningsmanna frv. er því haldið fram, að íbúa Reykjavíkur vanti aukið landrými, og á það bent, að í Reykjavík búi h. u. b. þriðjungur landsmanna. Flutningsmenn frv. telja Reykjavík vanta landrými til að geta úthlutað bæjarbúum land til grasræktar og garðræktar, til að bærinn geti komið upp fyrirmyndar kúabúi, sem einkum gæti framleitt heilnæma barnamjólk, til að bærinn geti úthlutað almenningi í Reykjavík land á fögrum stað í nágrenni bæjarins undir sumarbústaði, til sand- og malartekju vegna bygginga í Reykjavík, og loks vantar Reykjavík olnbogarúm fyrir gönguferðir íbúa sinna. Til þess að fullnægja þessum þörfum Reykjavíkurbæjar vilja flutningsmenn frumvarpsins leggja 2 jarðir úr Seltjarnarneshreppi og 7 jarðir úr Mosfellshreppi ásamt öllum lóðum og löndum, sem frá þessum jörðum hafa verið seldar, undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. Mun láta nærri, að úr öðrum hreppnum, Mosfellshreppi, eigi að taka um helming landverðs jarða og helming íbúatölu. Er fram á það farið í frumvarpinu, að með innlimuninni í Reykjavíkurbæ fylgi hið myndarlega skóla- og samkomuhús Mosfellssveitarmanna á Brúarlandi, ásamt þingstað sveitarinnar, skólastjóra, hreppstjóra, oddvita svo og íþróttaskólanum á Álafossi og hluta af verksmiðjuhverfinu. Við nánari athugun hefur þó verið fallið frá því að innlima Brúarlandshúsið og verksmiðjuhverfið í Reykjavíkurbæ.

Á það skulu ekki bornar brigður hér, að þarfir Reykjavíkurbæjar fyrir landrými kunna að vera miklar. Hins vegar er það víst, að með frv. því, er hér liggur fyrir, er mjög nærri gengið tveim hreppum í nágrenni bæjarins og með öllu órannsakað mál, hvort þessir tveir hreppar geta staðið áfram, án sérstakra aðgerða, ef frumvarpið nær fram að ganga. Þegar lífshagsmunir byggðarlaganna rekast þannig á, verður að gera alveg sérstaka kröfu til þess, að ekki sé flanað að neinu og að málið sé rækilega undirbúið, áður en það er tekið til endanlegrar afgreiðslu á Alþingi.

Fulltrúar Reykjavíkurbæjar telja bænum nauðsynlegt að fá 9 jarðir, með öllum lóðum og löndum, er úr þeim hafa verið seldar, innlimaðar í lögsagnarumdæmi bæjarins, til þess að olnbogarúmsþörfum bæjarbúa sé fullnægt. Engin frekari greinargerð fylgir þessari fullyrðingu. Engin athugun óvilhallra manna hefur farið fram á þessum þörfum bæjarins og mjög vafasamt, að fyrir liggi hjá bænum nokkur fullnægjandi athugun á því, hversu mikið land bærinn þarf til viðbótar því, sem hann þegar hefur. Það er t. d. á það bent í umsögn hreppsnefndar Seltjarnarneshrepps um frumvarpið, að í Seltjarnarneshreppi á Reykjavíkurbær þá bújörðina í hreppnum, sem áður var ein af þeim stærstu og beztu, en er nú í mestri niðurníðslu allra jarða í hreppnum. Virðist því, eftir þessari umsögn að dæma, að full ástæða sé til að athuga nákvæmlega, hversu mikið land Reykjavíkurbæ vantar til viðbótar því, sem fyrir er, áður en frumvarp þetta er afgreitt. Og alveg sérstaklega virðist þessi athug-

un óhjákvæmileg, þegar þess er gætt, hversu nærri frv. gengur lífshagsmunum tveggja nágrannahreppa bæjarins.

Alþingi hefur með ákvæðum laga nr. 64 frá 1941, um jarðakaup ríkisins vegna kauptúna og sjávarþorpa, tekið upp þá stefnu að gera það að skilyrði fyrir jarðakaupum handa kauptúnum og sjávarþorpum, að fyrir liggi tillögur og álit frá Búnaðarfélagi Íslands um landið og nauðsyn viðkomandi kauptúns á að fá það til notkunar. Þetta skilyrði er sett til að tryggja það, að ekki sé að nauðsynjalausu gengið á hlut sveitanna og að kaupstaðirnir geti ekki að óþörfu sölsað undir sig stærra land en þeir hafa þörf fyrir. Það er að vísu rétt, að lögin taka ekki beinlínis til Reykjavíkurbæjar eftir orðum sínum, en eðli málsins samkvæmt verður ekki bent á neina þá sérstöðu hjá Reykjavíkurbæ í þessum efnum, er heimili honum umfram kauptúnin og sjávarþorpin rétt til landnáms eftir eigin geðþótta og án minnsta rökstuðnings fyrir þörfum bæjarins og það á sama tíma, sem nágrannahreppsnefndir bæjarins fullyrða, að Reykjavíkurbær láti jarðir, er hann á í þeim hreppum, níðast niður. Er langeðlilegast, að um Reykjavíkurbæ fylgi Alþingi sömu reglum í þessum efnum og það hefur sett um kauptúnin og sjávarþorpin. Virðist því einsætt, að fyrir verði að liggja umsögn Búnaðarfélags Íslands um þörf Reykjavíkurbæjar fyrir aukið landrými, áður en frumvarp þetta verður afgreitt. Sú fullyrðing flutningsmanna frv., að ekki sé hægt að byggja á umsögn Búnaðarfélags Íslands um málið vegna þess, að í stjórn þess eigi sæti einn hreppsnefndarmaður í Mosfellshreppi, er auðvitað fjarstæða almennt séð, en þó alveg sérstaklega þegar þess er gætt, að þarfir Reykjavíkurbæjar fyrir aukið landrými eru eingöngu byggðar á órökstuddri fullyrðingu flutningsmanna frv., en þeir eru allir þrír þingmenn Reykjavíkur, borgarstjóri, bæjarfulltrúar og bæjarráðsmenn, og því ólíkt vilhallari dómarar í málinu en stjórn Búnaðarfélags Íslands mundi vera, ef málinu væri vísað til hennar, og það þótt í henni eigi sæti einn hreppsnefndarmaður í Mosfellshreppi.

Að því er vikið í umsögn sýslunefndar Kjósarsýslu, að athuga verði, hvort ekki þurfi að endurskoða skiptingu á milli sýslufélaga innan Gullbringu- og Kjósarsýslu, ef frumvarp þetta nær fram að ganga. Virðist óhjákvæmilegt, að þetta sé athugað áður en frv. þetta er afgreitt, og teljist nauðsynlegt að gera einhverja breytingu hér á, þá er sjálfsagt, að um það sé flutt frv. samhliða frv. því, er hér liggur fyrir. Þyrfti slíkt auðvitað nokkurn undirbúning og meiri en svo, að við verði komið nú þegar.

Þá er þess að geta, að með öllu verður að teljast óverjandi að afgreiða þetta mál hér á Alþingi, án þess að áður færi fram fullkomin tilraun til að koma á samkomulagi á milli málsaðila, en eins og frá er skýrt í umsögn hreppsnefndar Mosfellshrepps um frumvarpið, vantar mikið á, að svo hafi verið gert, og tilboð, sem fram kom á fundi á Brúarlandi í sumar frá forsætisráðherra um persónulega tilraun af hans hálfu til að koma á samkomulagi um deilumálið, hefur alls ekki verið notað, enda þótt ekkert verði vitað um það fyrir fram, nema sættir hefðu getað tekizt.

Að öllu þessu athuguðu virðist eðlilegt, að ríkisstjórnin feli Búnaðarfélagi Íslands að athuga og gera tillögur um þarfir Reykjavíkurbæjar fyrir lönd frá nágrannahreppum sínum með það sjónarmið fyrir augum, að hvergi sé lengra gengið á hreppana en nauðsynlegt teljist, og að síðan verði reynt að koma á frjálsu samkomulagi aðila um þá niðurstöðu, sem Búnaðarfélag Íslands telur heppilegasta, en að ríkisstjórnin undirbúi að öðru leyti frv. um málið og leggi fyrir Alþingi.

Við leggjum því til, að deildin afgreiði málið með svofelldri

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að ríkisstjórnin beiti sér fyrir lausn þessa máls og leggi fyrir næsta Alþingi frv. til lausnar á því, að svo miklu leyti, sem það leysist ekki með frjálsu samkomulagi aðila, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 21. jan. 1943.

Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr., frsm. Hermann Jónasson.

Fylgiskjal I.

**Athugasemdir og mótmæli**

frá hreppsnefnd Mosfellshrepps gegn frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur (37. mál, þskj. 61, Alþingi 1942, haustþing).

Frumvarp þetta inniheldur heimild til handa Reykjavíkurbæ til að taka eignarnámi jörðina Grafarholt í Mosfellshreppi ásamt nýbýlinu Engi, býlinu Baldurshaga, landeigninni Selás og Ásheimum, sem öll eru byggð úr Grafarholtslandi, og innlima þau í lögsagnarumdæmi Reykjavíkur, ásamt 6 jörðum öðrum, svo og mestum hluta af verksmiðjuþorpinu Álafossi. Þá felur og frumvarp þetta það í sér, þó þess sé ekki sérstaklega getið, að skóla- og fundahús sveitarinnar flyzt yfir í lögsagnarumdæmi Reykjavíkur, ef frumvarpið verður óbreytt að lögum, og í ofanálag þrír af forustumönnum hreppsins, skólastjóri, hreppstjóri og oddviti hreppsnefndar.

Nú viljum vér ekki bera brigður á, að þarfir Reykjavíkurbæjar í þessum efnum kunni að vera ærið miklar. En vér teldum betur við eiga, að úr þeim væri bætt með venjulegum og eðlilegum aðferðum og á þann hátt, sem almenn lög í landinu mæla fyrir um. En með frumvarpi þessu á að nema úr gildi ákvæði laga um forkaupsrétt jarða, sniðganga sveitarstjórnarlögin, og með því er algerlega brotið í bága við ákvæði laga um jarðakaup ríkisins vegna kauptúna og sjávarþorpa, er samþykkt voru á þinginu 1941, — allt til þess eins, að herferð þessi gegn Mosfellshreppi megi lánast.

Í lögunum um jarðakaup ríkisins vegna kauptúna og sjávarþorpa (lög nr. 64 frá 27. júní 1941) setti Alþingi skýr ákvæði um það, eftir hvaða reglum skuli fara, þegar kauptúnum eru afhent lönd til ræktunar frá nærliggjandi sveitarfélögum. Er kauptúnunum þar gefinn ríkur réttur til landnáms þess, sem þeim telst nauðsyn á, en um leið er viðkomandi sveitarfélögum veitt nokkur trygging fyrir því, að ekki sé að nauðsynjalausu á hlut þeirra gengið. Og þó að aðstoð sú, sem þar er áskilin kauptúnum af hálfu ríkisins, nái máske ekki til kaupstaðanna, getur það engan veginn verið tilætlun löggjafans að heimila hinum stærri kaupstöðum fram yfir kauptúnin ótakmarkaðan rétt til að sölsa undir sig lönd frá einstökum mönnum og öðrum sveitarfélögum eftir eigin geðþótta. En í áður nefndum lögum eru þau skilyrði sett fyrir landnámi sem þessu, að fyrir liggi tillögur og álit frá Búnaðarfélagi Íslands um landið og nauðsyn viðkomandi kauptúns á að fá það til notkunar, svo og um eignarnám, ef til kemur. Þá er þar einnig svo fyrir mælt, að áður en eignarnámið er leyft, skuli fram fara samningsumleitanir um landið við sveitarfélag það, er í hlut á, og reyna fyrst að fá málið leyst á þann hátt. Fram hjá fyrra atriðinu, um tillögur Búnaðarfélags Íslands, hefur algerlega verið gengið í máli þessu. Mun þó Búnaðarfélag Íslands ætíð hafa brugðizt vel við og sýnt fullan skilning á þörfum kauptúna og kaupstaða fyrir ræktunarlönd, þegar til þess hefur verið leitað í þeim málum, og mundi vafalaust einnig hafa verið gert hér. Seinna atriðinu, samkomulagsumleitunum við hlutaðeigandi hreppsfélag, teljum vér einnig að hvergi nærri hafi verið fullnægt, og skal hér rakin nokkuð saga þess máls.

Síðast liðið vor, þegar samningar Reykjavíkurbæjar við Thor Jensen voru kunnir, krafðist Mosfellshreppur forkaupsréttar á þrem hinna seldu jarða: Lágafelli, Varmá, Lambhaga. Seljandi jarðanna taldi hreppinn ekki geta krafizt forkaupsréttar á jörðum þessum út af fyrir sig, heldur yrðu þá einnig að fylgja þeim Korpúlfsstaðirnir og aðrar þær eignir í Kjósar- og Kjalarneshreppi, sem voru með í samningunum við Reykjavíkurbæ. Þessum skilningi á forkaupsréttarlögunum vildi þó ekki Mosfellshreppur hlíta og ákvað að leita réttar síns í málinu fyrir dómstólunum.

Málið var nú nokkuð rætt í blöðum landsins á síðast liðnu vori og meðal annarra af borgarstjóranum í Reykjavík, Bjarna Benediktssyni. Var þar á honum að skilja, að hann mundi beita sér fyrir því, að samkomulags yrði leitað við Mosfellshrepp um málið. Þessi ummæli borgarstjórans urðu þess valdandi, að hreppurinn treystaði því að leggja málið fyrir dómstólana og sendi í þess stað fulltrúa á fund

borgarstjóra til viðræðna um það, ef ske kynni, að á því fengist lausn með friðsamlegu móti. Borgarstjóri tók málaleitan þessari vel í fyrstu og kvaðst viðbúinn að taka upp samninga við hreppinn um jarðakaupin, og drógust þá inn í umræðurnar hugsanlegar hreppamarkabreytingar á milli Reykjavíkurbæjar og Mosfellshrepps. Þó að Mosfellshreppur hafi ekki, án samkomulags við Kjósarsýslu, vald né heimild til að ákveða neitt í því efni, töldu fulltrúar hreppamörk, ef samkomulag gæti orðið í jarðakaupamálunum. Í því sambandi gat borgarstjóri þess, að hann legði á það mikla áherzlu í sambandi við lausn þessara mála, að samningar næðust um það, að Reykjavíkurbær eignaðist Grafarholt í Mosfellshreppi. Eigandi Grafarholts, Björn Birnir, sem þar var viðstaddur af hálfu hreppsins, svaraði því, að til greina gæti komið að hann léti jörð sína af hendi við Reykjavíkurbæ, ef það gæti orðið til að greiða fyrir samningum við hreppinn um mál þessi í heild, en hins vegar væri sér jörðin ekki útföl. Borgarstjóri kvaðst þá mundu vilja láta fulltrúa frá Reykjavíkurbæ meta landið til verðs, áður en til samninga kæmi, sem Björn Birnir taldi eðlilegt, þótt hann hins vegar á engan hátt áliti mat þetta bindandi fyrir sig.

Leið nú sumarið án þess að mat þetta af bæjarins hálfu væri framkvæmt, þó að eftir því væri ýtt af fulltrúum Mosfellshrepps. Loksins í októbermánaðarlok tjáði borgarstjórinn fulltrúum Mosfellshrepps, að matinu væri lokið og að matsmenn teldu hæfilegt söluverð á Grafarholti 150 þúsund krónur. Á þessu tímabili hafði það gerzt, um mitt sumar, að B. Birnir hafði fengið fast kauptilboð í Grafarholtið 600 þúsund krónur. Hafði Björn allan þennan tíma beðið með að svara tilboðinu, að gefnu tilefni frá borgarstjóranum, með því að líklegt þótti, að það kynni að greiða fyrir samkomulagi við Reykjavíkurbæ í málum þessum, að bærinn en ekki einstaklingar yrðu eigendur Grafarholts. Frá þessu var svo borgarstjóranum skýrt, og taldi hann, eftir að fram hafði farið áður nefnt mat á Grafarholti, að verð þetta, 600 þúsund kr., væri langsamlega of hátt fyrir jörðina. Hins vegar var hann ófáanlegur til að leggja fram tilboð af bæjarins hálfu, en óskaði tilboðs eða tillagna frá hreppnum í málinu. Á þessum grundvelli og með þessari forsögu gerði svo Mosfellshreppur tilboð það, sem um getur í greinargerð frumvarpsins, en það var í aðalatriðum sem hér segir:

1. Að Mosfellshreppur tryggi Reykjavíkurbæ eignarheimild á meginhluta Grafarholtslands, en fái gegn því í sinn hlut jarðirnar Varmá, mikinn hluta Lágafells og Lambhaga.
2. Mosfellshreppur féllist á fyrir sitt leyti, að hreppamörk breyttust þannig, að Reykjavík fengi inn í lögsagnarumdæmi sitt jarðirnar Grafarholt og Engi, Gufunes og Korpúlfsstaði ásamt landeignunum Eiði og Geldinganesi og auk þess jörðina Keldur, sem er eign ríkisins, en liggur inn á milli áður taldra jarða.
3. Til jafnaðar reikningum þessum öllum greiddi svo Reykjavíkurbær til Mosfellshrepps kr. 100 þúsund í eitt skipti fyrir öll, og væru þar með niður fallnar frekari kröfur af hálfu Mosfellshrepps fyrir það að láta þessi stóru lönd og verðmæti af hendi til Reykjavíkur.

Í þessu sambandi skal þess getið, að þegar Mosfellshreppur lét af hendi undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur jarðirnar Ártún og Árbæ, fyrir rúmum tug ára, greiddi Reykjavíkurbær hreppnum fyrir það fimmtíu og tvö þúsund krónur. Hér með hafði þá Mosfellshreppur lagt af sinni hálfu samningsgrundvöll til frekari umræðna, samkvæmt tilmælum borgarstjórans í Reykjavík. Þá gerðist það einkennilega fyrirbrigði, að samtölum um málið er skyndilega slitið af hálfu forráðamanna Reykjavíkurbæjar og jafnframt lagt fyrir Alþingi frumvarp það, sem hér um ræðir. En tilgangur þess er þetta þrennt í senn:

a. Að svipta Mosfellshrepp forkaupsrétti að jörðum þeim, sem hann óskar að eignast og telur sig hafa rétt til samkvæmt gildandi lögum.
b. Að innlima tæpan helming af sveitarfélagi Mosfellshrepps í lögsagnarumdæmi Reykjavíkur með hreinu ofbeldi.
c. Að svipta eiganda Grafarholts umráða- og ráðstöfunarrétti yfir jarðeign sinni og jafnvel að „frysta“ þessa eign fyrir honum um óákveðinn tíma.

Rétt er í þessu sambandi að vekja athygli á því, að ef hreppsnefnd Mosfellshrepps hefði ekki treyst því, að hugur fylgdi máli borgarstjórans um vilja hans og annarra forráðamanna Reykjavíkur til að leysa mál þetta með samkomulagi við Mosfellshrepp, þá væri deilumálið um forkaupsréttinn nú langt komið til úrslita fyrir dómstólunum. En vegna samkomulagstilrauna af hálfu Mosfellshrepps var þeim úrslitum frestað, en málið svo dregið á langinn fyrir aðgerðaleysi af hálfu forráðamanna Reykjavíkurbæjar. Síðan er hlaupið til og reynt að svipta hreppsfélagið rétti sínum áður en hann geti nokkrum vörnum við komið og án þess að samkomulagsleiðir séu ræddar til þrautar.

Einnig má á það benda, að hefði ekki eigandi Grafarholts í þessu sama trausti, að gefnu tilefni frá borgarstjóranum, dregið að svara framkomnu kauptilboði í jörð hans, þá gæti nú þessum kaupum verið að fullu og löglega lokið. Nú á að nota þennan drátt til að fyrirmuna honum söluna og festa eign hans þangað til einhvern tíma síðar meir að Reykjavíkurbær sæi sér hag í að láta fara fram mat á henni, þegar von væri um, að matið gæti orðið nógu lágt af einhverjum stundarástæðum.

Þessi leiftursókn forráðamanna Reykjavíkurbæjar á hendur Mosfellshreppi og eiganda Grafarholts, eftir að vera búnir að draga alla samninga á langinn í allt lið langt sumar, minnir óþægilega á milliríkjaviðskipti sumra stórþjóðanna á undanförnum árum, — viðskipti, sem ekki hafa verið talin til neinnar fyrirmyndar hér á landi allt til þessa.

Þó að hreppsnefnd Mosfellshrepps telji sig ekki bera neina ábyrgð á söluverði Grafarholts, þá verður ekki komizt hjá að fara hér um það nokkrum orðum, þar sem það hefur verið notað sem tilefni þess, að öllum umræðum um málið var slitið af hálfu Reykjavíkurbæjar.

Eftir að sýnt var, að eigandi Grafarholts mundi ekki ná samkomulagi við Reykjavíkurbæ um sölu á jörð sinni, taldi hann enga ástæðu að bíða lengur með sölu hennar samkvæmt áður fram komnu tilboði, en bauð þó Mosfellshreppi forkaupsrétt að henni lögum samkvæmt. Þannig gat hreppsnefnd Mosfellshrepps tryggt Reykjavíkurbæ eign þessa og gerði það með fyrrnefndu tilboði. Verðið var í fullu samræmi við tilboð það, sem hreppnum hafði borizt, en það var 600 þúsund krónur fyrir jörðina alla, og til svarandi lægra eftir því, sem undan henni væri tekið. Verð þetta byggðist á kauptilboði því í jörðina, sem fyrir hafði legið mánuðum saman, og er hreppsn. kunnugt um, að það er fullkomið og raunverulegt tilboð, og er það sannanlegt hvenær sem vera skal. Hreppsnefnd Mosfellshrepps gat hér því ekkert annað gert en að vera milligöngumaður um að tryggja Reykjavík eign þessa, sem vitað var, að forráðamenn hennar töldu höfuðskilyrði fyrir því, að samkomulag gæti náðst í áðurnefndum ágreiningsmálum. Þá verðum vér einnig að telja, að eins og nú háttar sé verð þetta engan veginn ósanngjarnt, en að mat fulltrúa Reykjavíkurbæjar nái engri átt, hvort heldur miðað er við verð það, sem sett hefur verið á eignir Thors Jensens, eða almennt verðlag á löndum í úthverfum Reykjavíkurbæjar eða næsta nágrenni hans. Grafarholtsland er um átta hundruð ha. að stærð, en allt landið, sem selt er undan Varmá, Lambhaga og Lágafelli, um 780 ha., og af því um 200 ha. fjalllendi. Grafarholtsland liggur upp að bæjarlandinu, en sumar hinar áður nefndu jarðir í mikilli fjarlægð frá því. Í landi Grafarholts eru hinar beztu sand- og malarnámur, sem til eru í nágrenni Reykjavíkur, og nær óþrjótandi að magni. Því hefur verið haldið fram, að Grafarholtið væri næstum allt gróðurlausir melar. En í landi jarðarinnar hafa að staðaldri gengið 3—400 fjár á vetri hverjum, næstum gjafalaust í öllum meðalvetrum, auk þess sem þar hefur verið allstórt kúabú og mörg hross í högum árið í kring. Það ætti ekki að þurfa að upplýsa um það, að fénaður þessi lifir ekki á grjóti. Sannleikurinn er sá, að í landi Grafarholts skiptast á þurrlendir móar og melar, og verður því tæpast fengið hentugra land til notkunar þeirrar, sem Reykjavík helzt þarfnast, þ. e. til útskiptingar í garðlönd fyrir íbúa hennar og lönd fyrir sumarhús. Hefur líka eftirspurn eftir slíkum löndum verið mikil og vaxandi þarna hin síðari árin. Eru þessi lönd ólíkt heppilegri fyrir íbúa Reykjavíkur, bæði vegna nálægðar og jarðvegs, heldur en mýrar-

lönd þau, sem bærinn sækist eftir ofar í sveitinni. Vér teljum því með öllu ástæðulaust fyrir forráðamenn Reykjavíkurbæjar að gera sér nokkra von um það, úr því sem komið er, að bærinn geti orðið eigandi Grafarholts fyrir lægra verð en það, sem hann nú átti kost á að fá það fyrir, svo að af þeim ástæðum var ekkert tilefni að slíta þeim samkomulagsumleitunum, sem hafnar voru um ágreiningsmál þessi. Það kemur að sjálfsögðu ekki þessu máli við, að hið háa verð á Grafarholti stafar vitanlega að miklu leyti af því, hve nærri það liggur Reykjavík. Á meðan engar ráðstafanir eru gerðar af hálfu ríkisins til þess að innbyrða í almannasjóði verðhækkanir af þessum ástæðum hvar sem er á landinu, þá er ekki hægt að svipta eiganda Grafarholts fram kominni verðhækkun af þessum völdum fremur en eigendur annarra landa í námunda Reykjavíkur og annarra kaupstaða eða kauptúna, eða fremur en eigendur landa og lóða í sjálfri Reykjavík.

Hitt má ekki heldur láta villa sér sýn í þessu máli, að fyrr nefnt verð á Grafarholti byggist ekki á skilyrðum til venjulegs búrekstrar á jörðinni. Hið sama gegnir að sjálfsögðu um aðrar þær jarðir, sem bærinn hefur sótzt eftir í nágrenni bæjarins.

Þá skal hér farið nokkrum orðum um þá breytingu á mörkum á lögsagnarumdæmum milli Reykjavíkur og Mosfellshrepps, sem hreppsnefnd hans gat fyrir sig fallizt á. Ef Reykjavík hefði eignazt Grafarholt, eins og forráðamenn hennar óskuðu eftir og hún átti kost á, en Mosfellshreppur þær jarðir ofar í hreppnum, sem hann óskaði forkaupsréttar á, þá virtist hreppsnefnd Mosfellshrepps vera kominn eðlilegur grundvöllur undir breytingu á lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. Bærinn var þá búinn að eignast samfellda spildu frá núverandi mörkum sínum að Blikastöðum í Mosfellshreppi, takmarkaðri frá Korpúlfsstaðaá af þjóðveginum annars vegar og hins vegar af sjónum. Með því hvoru tveggja, að óeðlilegt verður að teljast, að eitt sveitarfélag eigi umfangsmikil landsvæði innan lögsagnarumdæmis annars, svo og að hér virtust liggja fyrir hrein og eðlileg landamerki, þá féllst hreppsnefndin á, að rétt mundi vera fyrir hreppinn að bjóðast til að láta lönd þessi af hendi, ef hann um leið gæti tryggt sér og íbúum sínum full yfirráð yfir löndum þeim, sem þá væru eftir innan sveitarinnar. Þessum tilboðum af hreppsins hálfu hefur nú verið hafnað. Í þess stað er nú farið fram á að breyta hreppamörkum þessum með lagaboðum. Samkvæmt tillögu frumvarpsins á að hola hreppinn að innan á hinn afkáralegasta hátt. Þannig á Reykjavíkurbær að teygja angana alla leið upp undir Reyki í Mosfellssveit og leggja undir sig meginhlutann af verksmiðjuþorpinu Álafoss (þó ekki allt) og mestan hluta af 9 jörðum, og sumar þeirra meðal stærstu og beztu jarða sveitarinnar.

Innan þessa nýja lögsagnarumdæmis Reykjavíkur á Mosfellshreppur svo að eiga nokkra umflotna hólma, svo sem jörðina Blikastaði, þann hluta Lágafells, sem Thor Jensen ætlar ekki að selja, svo og eyðibýlið Eiði og Geldinganes.

Vér teljum mjög hæpið, að hreppsfélagið fái staðizt til langframa, ef frumvarp þetta verður óbreytt að lögum, og þarf ekki að taka það fram, að vér teljum síður en svo leiðréttingu í þess garð, þó að sú breyting yrði á frumvarpinu gerð að bæta við Reykjavík þeim blómlegu „eyjum“, sem hreppnum eru nú samkvæmt því eftir skildar í lögsagnarumdæmi hennar.

Verðum vér því harðlega að mótmæla öllum þessum aðförum gegn hreppnum og getum fullyrt, að bak við þau mótmæli standa allir hreppsbúar sem einn maður.

Að endingu viljum vér nú leggja áherzlu á það, að máli þessu verði ekki til lykta ráðið á Alþingi, fyrr en fyrir liggja tillögur og álit á því frá Búnaðarfélagi Íslands, sem Alþingi hefur þegar löggilt sem ráðgjafa sinn og leiðbeinanda í málum sem þessum. Vér höfum þegar viðurkennt þörf Reykjavíkurbæjar fyrir aukið landsvæði til ræktunar og annarrar notkunar og boðið fram af vorri hálfu samkomulag í þeim efnum. Virðist sjálfsagt, þar sem því samkomulagi var hafnað, að óvilhöllum aðila, sem þekkingu hefur í þessum efnum, verði falið að dæma um hina raunverulegu þörf Reykjavíkurbæjar fyrir ræktunarland í næstu framtíð.

Í því sambandi viljum vér benda á það, að Grafarholtsland eitt, sem að mjög miklu leyti er ræktanlegt, er það stórt, að úr því er hægt að fá land, sem svarar til

1000 fermetra fyrir hverja 5 manna fjölskyldu í Reykjavík, miðað við 40 þúsund íbúa. Auk þess á bærinn nú þegar Gufunes, Eiði, Geldinganes, Árbæ, Ártún, Breiðholt, Elliðavatn og hefur fengið kaupaheimild á Hólmi og nokkrum hluta af Vatnsenda og á kost á að kaupa Korpúlfsstaðina. Er hér um svo miklar lendur að ræða, að oss virðist, að Reykjavík hafi þar úr svo miklu að moða í næstu framtíð, að hana muni ekki land skorta til vaxtar og þroska.

Virtist oss fróðlegt að heyra álit þeirra, er betur vita, hvort hér muni viðbóta þörf, og þá hver lönd þeir teldu til slíks landnáms fallin.

Vér skorum því á Alþingi að vísa máli þessu frá á þessu stigi og hlutast til um, að fram fari athugun sú, sem hér hefur verið bent á, og málið ekki afgreitt fyrr en hún liggur fyrir. Annað teljum vér ekki sæmandi, hvorki fyrir höfuðstað Íslands né hið háa Alþingi.

Virðingarfyllst.

Í hreppsnefnd Mosfellshrepps, 4. janúar 1943.

Kristinn Guðmundsson, Mosfelli. Bjarni Ásgeirsson, Reykjum. Magnús Sveinsson, Leirvogstungu.

Níels Guðmundsson, Helgafelli. Björn Birnir, Grafarholti.

Til allsherjarnefndar efri deildar.

**Fylgiskjal II.**

ODDVITI SELTJARNARNESSHREPPS

Helgafelli, 16. des. 1942.

Á fundi hreppsnefndar Seltjarnarnesshrepps þann 14. þ. m. gerðist:

I. „Út af fram komnu frumvarpi á Alþingi um að leggja jarðirnar Elliðavatn og Hólm í Seltjarnarnesshreppi undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur samþykkir hreppsnefndin að mótmæla þessari fyrirhuguðu skerðingu á hreppnum. Var oddvita falið að koma þessum mótmælum á framfæri við Alþingi og sýslunefnd Kjósarsýslu."

Jafnframt því að senda yður, herra sýslumaður, þessa samþykkt hreppsnefndarinnar, þá vil ég hér með geta nokkurra þeirra atriða, er fram komu á fundi nefndarinnar og samþykktin byggist á.

Í greinargerð fyrir umræddu frumvarpi er engin sérstök ástæða færð fyrir nauðsyn Reykjavíkur til þessarar ásælni til þessara tveggja jarða önnur en þörfin á olbogarúmi Reykjavíkurbúa til landsafnota.

Þessa þörf getur hreppsnefndin ekki talið réttmæta ástæðu fyrir þessari ásælni, og það sérstaklega af því, að Elliðavatn hefur nú um margra ára skeið verið í eign Reykjavíkurbæjar, en sú jörð er að landverði meira en sjö sinnum dýrari en Hólmur. Elliðavatn hefur bærinn getað notað eftir vild sinni sem olbogarúm (Lebensraum) borgara sinna alla þá stund, er bærinn hefur átt jörðina. Aldrei hefur komið til neinna árekstra milli hreppsins og bæjarins út af hagnýtingu bæjarins á þessari eignarjörð sinni. Gjöld þau, er hreppurinn hefur haft af rekstri einstaklinga á jörðinni, hafa verið svo hverfandi lítil, að þau geta í þessu efni ekki haft hina minnstu þýðingu. Þarna hefur bærinn sem sagt getað notað hið mikla landrými eftir vild sinni og eftir þörfum sínum. Hitt er svo aftur annað mál, að þessi bújörð, sem er — eða öllu heldur var — ein af þeim stærstu í hreppnum, er nú í mestu niðurníðslu allra jarða í hreppnum, sem þó á ekkert skylt við það, að bærinn hafi ekki getað notað hana eftir vild sinni og þörfum.

Eftir því, sem í greinargerðinni segir, telur bærinn sig einnig munu eignast Hólm, og kæmi þá til að gilda nákvæmlega það sama um þá jörð og Elliðavatn. Not jarð-

anna hefði bærinn eftir þörfum, jafnt hvort sem þær væru í lögsagnarumdæmi Reykjavíkur eða í hreppnum. Sú eina ástæða, sem að einhverju leyti gæti réttlætt þá þvingunarlöggjöf, sem hér um ræðir, væri sú, að einhverjir árekstrar hefðu átt sér stað milli hreppsins annars vegar og bæjarins hins vegar um afnot bæjarins af jörð sinni Elliðavatni. Slíkir árekstrar kynnu að geta sýnt fram á einhverja þörf, en naumast nauðsyn til þess að færa jarðirnar í annað lögsagnarumdæmi. Árekstrana ætti að mega jafna á annan hátt. En slíkir árekstrar hafa ekki átt sér stað, eins og að ofan er fram tekið. Er því ástæðulaust að fjölyrða þar um.

Um þessa nýju ásælni Reykjavíkur á hreppinn er svo enn fremur þetta að segja. Ef þessar tvær jarðir væru teknar undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur, þá yrði Seltjarnarneshreppur enn bútaður í smærri búta en áður. Tvær efstu jarðir hreppsins, Lækjarbotnar (Lögberg) og Gunnarshólmi, yrðu algerlega fráskildar öðrum hlutum hreppsins. Slík sundurlimun á hreppnum virðist vera svo fáránleg, að til hennar þyrfti að vera einhver knýjandi nauðsyn, sem réttlætt gæti slíkan verknað. Þar sem hér er ekki um neina samninga að ræða né samkomulag, og samkomulag frá hreppsnefndarinnar hálfu virðist í þessu efni ógerlegt, þá teljum vér, að ekki sé unnt að verja þetta fyrirhugaða ofbeldisverk. Til þess að unnt væri að verja slíkt verk gagnvart Seltjarnarneshreppi, þá verður ljóslega að vera hægt að sýna fram á, hvaða voði væri í húfi fyrir Reykjavíkurbæ, ef ofbeldisverkið er látið ógert. Vér komum ekki auga á nokkurn slíkan voða fyrir bæinn, þótt frá ásælni þessari væri horfið. Enda fullyrðum vér, að þær ástæður eru ekki fyrir hendi, sem réttlætt geti innlimun greindra jarða í lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. Vér treystum því þá einnig að óreyndu, að hið háa Alþingi muni ekki ljá þessu ofbeldisverki fylgi sitt.

Virðingarfyllst

Sigurj. Jónsson.

Til sýslumanns Gullbringu- og Kjósarsýslu, Hafnarfirði.

Framan og ofanritað afrit af bréfi mínu til sýslumannsins í Hafnarfirði frá 16. þ. m. sendi ég hér með háttv. allsherjarnefnd efri deildar Alþingis sem svar við bréfi hennar frá 12. þ. m. varðandi þetta mál.

Helgafelli, 18. des. 1942.

Virðingarfyllst

Sigurj. Jónsson.

Fylgiskjal III.

Hafnarfirði, 29. des. 1942.

Þegar eftir móttöku bréfs hinnar háttv. allshn., dags. 12. þ. m., þar sem óskað er eftir umsögn sýslunefndar Kjósarsýslu um frv. til laga um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur, boðaði ég aukafund sýslunefndar, sem haldinn var 17. s. m. Á fundinum mættu allir aðalsýslunefndarmenn Kjósarsýslu, og samþykkti sýslunefndin einróma að mæla á móti samþykkt framan greinds frv. og fól mér að gera grein fyrir rökum þeim, sem nefndin reisir mótmæli sín á.

Samkv. 1. gr. frv. er ákveðið að leggja 2 jarðir úr Seltjarnarneshreppi og 7 jarðir úr Mosfellshreppi, ásamt öllum lóðum og löndum, sem seldar hafa verið frá þeim, undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. Er hér um afar mikla skerðingu á 2 hreppum Kjósarsýslu að ræða, með því að láta mun nærri, að úr öðrum hreppnum, Mosfellshr., eigi að taka um helming landverðs jarða og um helming íbúatölu.

Þegar um er að ræða breytingu á lögsagnarumdæmum, eða á landamerkjum milli sýslufélags og bæjarfélags, er eðlilegast að ætla, að við það væri miðað, að land hvors umdæmis um sig yrði samfelld heild. Svo er þó eigi að þessu sinni. Seltjarnarneshreppur verður enn þá klofnari eftir en áður, með því að efstu jarðir hreppsins,

Lækjarbotnar (Lögberg) og Gunnarshólmi, verða allmiklu fjarlægari öðrum jörðum hreppsins heldur en nú er. Enn fremur verða eftir 3 „eyjar“ í Mosfellshreppi, þ. e. Eiði (með Geldinganesi), Blikastaðir og ca. 63 ha. úr Lágafellslandi. Tilgangur frv. er heldur ekki sá, samkvæmt því, sem fram kemur í greinargerð frv., að koma á nýrri og eðlilegri mörkum á milli bæjarfélags Reykjavíkur og Kjósarsýslu. Tilgangurinn er sýnilega fyrst og fremst sá, sem felst í ákvæðum 3. og 4. gr. frv., að fá eignarnámsheimild á jörðinni Grafarholti og brjóta á bak aftur með lagasetningu lögákveðinn forkaupsrétt Mosfellshr. að jörðunum Varmá, Lágafelli og Lambhaga. Þetta sést berlega á greinargerð frv., sem svo að segja eingöngu fjallar um kaup Reykjavíkurbæjar á jarðeignum Thors Jensens í Kjósarsýslu og samningaumleitanir á milli bæjarfélagsins og Mosfellshrepps í sambandi við þau kaup. Ber þar aðallega tvennt á milli. Mosfellshr. hefur viljað halda fast á forkaupsrétti sínum að jörðum, sem innan hreppsins liggja, en bærinn eigi viljað hlíta landslögum um það atriði, og í öðru lagi er ágreiningur um verðmæti Grafarholtslands. Skýrslu um mál þetta mun hið háa Alþingi fá frá Mosfellshreppi, og vísast til hennar til fyllri upplýsinga um þau viðskipti og viðtöl. Hér munu aðeins verða gerðar fáar athugasemdir á grundvelli þess, sem fyrir liggur.

Þess er getið í greinarg., að áður en afsal hafi verið gefið út fyrir jarðeignum Thors Jensens, hafi seljandi boðið hreppum þeim, er hlut áttu að máli, forkaupsrétt að landslögum. Nú eru jarðir þessar í 3 hreppum Kjósarsýslu, flestar í Mosfellshreppi, en aðeins sín hvor jörðin í Kjósarhreppi og Kjalarneshreppi. Samt var hverjum hinna 3ja hreppa boðinn forkaupsréttur að öllum jarðeignunum. Kjósarhreppur afsalaði sér forkaupsrétti að Þorlaksstöðum í Kjós og Kjalarneshr. að Arnarholti á Kjalarnesi, en auðvitað kom ekki til greina, að þeir gerðu kröfu um forkaupsrétt að jörðum, sem utan hrepps lágu, þótt boðinn væri. Mosfellshr. vildi hins vegar halda fast við forkaupsrétt sinn að sumum jörðunum, sem þar eru innan hrepps, en taldi sig eigi frekar en hinir hrepparnir geta krafizt forkaupsréttar að utanhreppsjörðum. Þessi einkennilega aðferð við framboð forkaupsréttar er í samræmi við þá skoðun, sem virðist vera byggt á í greinarg., að allar þessar jarðir séu ordnar samfelld heild, líkt og ein jörð, sem metin er sér til dýrleika, fyrir það eitt, að einn og sami maður er eigandi jarðanna allra. Er þessi nýja jörð kölluð Korpúlfsstaðatorfa. Væri gaman að vita, hvernig við því hefði verið snúizt, ef hver hinna 3ja hreppa hefði krafizt forkaupsréttar á allri „torfunni“.

Eins og málið lá fyrir, að fengnum svörum hreppanna, lá beinast við fyrir bæinn að leita úrskurðar dómstóla um það, hvort Mosfellshr. bar að lögum forkaupsréttur að þeim 3 jörðum, sem hann gerði kröfu til, úr því að réttur hreppsins er vefengdur, eins og greinargerð og athugasemdir frv. sýna. Í stað þess að fara þá sjálfsögðu leið, ógna flutningsmenn hreppnum með þingvaldi og bera fram frumvarp um að fella forkaupsréttinn úr gildi. Verður ekki betur séð en að hér stappi mjög nærri stjórnarskrárbroti, ef það er ekki beinlínis tvímælalaust. Að vísu skal eigi lagður dómur á það hér, hver úrslit þess máls yrðu, en hitt er tvímælalaust, að Mosfellshr. á skýlausa kröfu til þess að fá úr því skorið af dómstólum, hvort forkaupsréttarkrafa hans er lögleg. Mun það sennilega einsdæmi í löggjöf hér á landi, að hindrað sé með ofríki í lagasetningu, að menn fái skorið úr rétti sínum samkvæmt lagasetningu. Er því treyst, að Alþingi fari eigi að nauðsynjalausu að taka upp slíka löggjafaraðferð.

Aðalatriði þessa máls er það, samkv. skoðun sýslunefndarinnar, að ekki sé hrapað að stórfelldri skerðingu á sýslufél. Kjósarsýslu, án þess að brýna nauðsyn beri til. En ekkert liggur fyrir, sem bendir til þess, að nokkur slík nauðsyn sé fyrir hendi. Svo er sagt í greinarg. frv., að aðalatriði málsins sé það, að skapa þurfi íbúum Reykjavíkur **olbogarými til ýmiss konar landsafnota**, og er jafnframt tekið fram, að landsafnotin verði aldrei að fullu gagni, nema innan lögsagnarumdæmis sé, og sé því æskilegast, að bæjarfélagið hafi sjálft ráð á landinu. Það er síður en svo, að sýslunefndin vilji á nokkurn hátt aftra því, að Reykjavík fái nauðsynlegt „olbogarými“ eða aukið landrými fyrir íbúa sína. Hins vegar verður eigi séð, að sýslufélagið né einstakir

hreppar innan þess hafi hindrað Reykjavík í því að nota það landrými, sem hún hefur öðlazt, á þann veg, sem hún telur hagfelldast fyrir íbúa sína. Reykjavíkurbær á Elliðavatn í Seltjarnarneshreppi. Bærinn hefur getað og getur framvegis notað þá jörð að vild, eftir því sem bezt þykir henta, án þess hreppurinn sé þar til tálmunar. Sama ætti að gilda um allar þær jarðir, sem bærinn kynni að eignast innan sýslufélags Kjósarsýslu. Bæjarfélagið fær auðvitað öll ráð á þeim jörðum, alveg án tillits til þess, hvort jarðirnar halda áfram að vera í lögsagnarumdæmi Gullbringu- og Kjósarsýslu og í sýslufélagi Kjósarsýslu eða eru lagðar undir lögsagnarumdæmi og bæjarfélag Reykjavíkur. Þá fyrst, ef til þess kæmi, að Kjósarsýsla eða einstakir hreppar innan sýslunnar hindruðu eða reyndu að hindra afnot Reykjavíkur af landi bæjarfélagsins, þau sem bæjarfélagið teldi sér bezt henta, væri ástæða til að heimta innlimun í bæjarfélagið eða lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. En mjög ólíklegt er, að til slíks geti komið.

Í máli þessu virðist verða að greina í sundur 3 atriði, sem athugalítið virðist ruglað saman í frv.

1. Hvernig á Reykjavík að fá nægilegt landrými til afnota fyrir íbúa sína?
2. Hver takmörk eiga að vera á milli lögsagnarumdæmis Reykjavíkur og lögsagnarumdæmis Gullbringu- og Kjósarsýslu?
3. Hver skipting er hagkvæmust og eðlilegust á milli bæjarfélags Reykjavíkur og sýslufélags Kjósarsýslu.

**Um atr. 1.** Þótt Reykjavík sé stórum fjölmennari en önnur héruð landsins, ber að gæta sams konar reglna við útvegun landrýmis fyrir hana og önnur héruð. Engin ástæða er til þess, að Reykjavík heimti forkaupsrétt hreppsfélaga eða annarra fyrir borð borin, án þess að úr ágreiningi sé skorið af dómstólum, ef til ágreinings kemur. Að minnsta kosti verður að rannsaka til fullnustu þörf hennar og gagnaðila hennar til umþráttaðs lands, áður en löggjafarvaldinu er beitt til þess að skakka leikinn. Ef Reykjavík telur sig þurfa á sérstöku landi að halda og er óánægð með verð það, sem krafizt er, verður Alþingi að skera úr því út af fyrir sig, hvort eignarnámsheimild beri að veita.

**Um atr. 2.** Um það atriði koma allt önnur sjónarmið til greina heldur en um atr. 1. Hér verður að athuga það út af fyrir sig, hvernig heppilegast sé fyrir komið dómgæzlu, löggæzlu o. s. frv. Annars er rétt að geta þess, að slík samvinna er á milli hlutaðeigandi embættismanna í Reykjavík og Hafnarfirði, að engin ástæða virðist til breytinga.

**Um atr. 3.** Gullbringu- og Kjósarsýslu er skipt í 2 sýslufélög. Nær Gullbringusýsla yfir 8 hreppa, en Kjósarsýsla 4 hreppa. Ef mikil og óskipulagsbundin (fálmkennd) skerðing á að fara fram á Kjósarsýslu, þarf jafnframt að athuga, hvort eigi þurfi að endurskoða skiptinguna á milli sýslufélaganna. Í þessu sambandi er rétt að benda á það, að mjög vafasamt er, hvort það er nokkuð hagsmunamál fyrir bæjarfélag Reykjavíkur, að takmörk bæjarfélagsins séu þanin meira út heldur en þegar er orðið. Auðvitað mundu hinir nýju borgarar bæjarfélagsins krefjast sömu þæginda og aðrir bæjarbúar njóta, og mun ærið miklum vafa undirorpið, hvort bæjarfélaginu reyndist sér hagur að innlimuninni. Framkvæmdin við veizlu rafmagns, vatns, fyrirhugaðrar hitaveitu, gatnagerð, holræsi o. s. frv. mun vafalaust nógu kostnaðarsöm þegar, fyrir hið víðáttumikla land, sem nú er innan endimarka Reykjavíkur, þótt eigi sé á bætt. Er rétt fyrir þingmenn og aðra forráðamenn Reykjavíkur að athuga þá hlið málsins vel, en leggja ekki einhliða stund á slagorð s. s. „olbogarými“ o. s. frv. Er athyglisvert í þessu sambandi að benda á það, að frumvarp þetta virðist hafa myndað hin ótrúlegustu hugsanasambönd í hugum sumra manna og jafnvel innblásið þá með fjálglegri fornaldardýrkun og hugarórum. Í dagblöðum í Reykjavík hafa birzt greinar um málið, og er í einu þeirra rætt um frv. þetta og það metið sem liður í þeirri merkilegu hugsjón „eða draumsjón“, að allt landnám Ingólfs Arnarsonar ætti að verða samfellt lögsagnarumdæmi frá Brynjudalsá að Soginu. Er bent á þetta bæði í gamni og alvöru til þess að sýna, hversu gjálfuryrði eða slagorð svo sem „ol-

bogarými“ (Lebensraum) sem röksemdir þingmanna fyrir löggjafarmálefni geta firrt einstaka menn, sem ef til vill eru greindir menn og gegnir hversdagslega, allri skynsamlegri takmörkun á birtingu hugarflugs augnablikshrifningar.

Að lokum skal þetta tekið fram. Til þess að unnt sé að ætlast til þess, að hið háa Alþingi lögfesti framangreint frumvarp, þyrfti að hafa legið fyrir rækileg rökfærsla fyrir knýjandi nauðsyn þess. Með frv. er nágrannahreppur Reykjavíkur, Mosfellssveit, ekki aðeins sviptur lögákveðnum rétti sínum til þess að nota forkaupsrétt að jörðum innan endimarka sinna, enda þótt honum hafi verið boðinn forkaupsrétturinn, reynt að svipta eigendur Grafarholts eignarrétti þeirra, með því að heimta eignarnámsheimild, án þess að gengið hafi verið úr skugga um þörfina á slíkri ráðstöfun, og Mosfellshreppur ekki aðeins sviptur um helmingi íbúa sinna og um helmingi jarða að landverði, heldur er því einnig við bætt að hrifsa Brúarland, með þinghúsi, barnaskóla með heimavist og aðalsamkomustað hreppsbúa, frá honum og Álafoss með stórri klæðaverksmiðju, sundlaug og íþróttaskóla og stærsta heimili hreppsins. Til þess að Alþingi lögfesti svo ofbeldisfulla limlestingu á tiltölulega litlum nágrannahreppi höfuðstaðarins og þar með á einum af 4 hreppum smárrar sýslu, er sízt til of mikils mælzt, að forráðamenn höfuðstaðarins og flm. frv. sýni með rökum fram á einhverja knýjandi nauðsyn, sem réttlæti verkið. En því fer fjarri, að nokkur slík rök komi fram í greinarg. flm. Slagorðið „olbogarými“, sem vafalaust hefur þó í sér fólgið nokkurt réttmæti, er notað án rökfastrar greinargerðar um réttlætingu þeirrar leiðar, sem lagt er til, að farin sé í frv. Samkvæmt þessu, sem nú hefur sagt verið, og með skírskotun til ofanritaðs að öðru leyti, eru það eindregin tilmæli sýslunefndar, að frv. þetta verði ekki samþykkt á þinginu, en jafnframt vill sýslunefndin taka fram, að eðlilegt sé, að Alþingi feli ríkisstjórninni að rannsaka mál þetta, sem með frv. er komið inn á allvíðtækan grundvöll, til hlítar, því að það er síður en svo, að sýslunefndin sé því mótfallin, að málið sé tekið til rækilegrar athugunar og undirbúin vönduð afgreiðsla málsins á þeim grundvelli, sem Reykjavíkurbær og aðrir aðilar, sem málið snertir, geti vel við unað.

Virðingarfyllst

f. h. sýslunefndar Kjósarsýslu
Bergur Jónsson.

Til allshn. Ed. Alþingis.

## Ed. 251. Lög

um breyting á lögum nr. 24 12. júní 1939, um dýralækna.

(Afgreidd frá Ed. 21. jan.)

Samhljóða þskj. 116.

## Ed. 252. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 112 18. maí 1935, um hæstarétt, og lögum nr. 71 28. nóv. 1919.

Flm.: Guðmundur Í. Guðmundsson, Lárus Jóhannesson.

1. gr.

Aftan við 4. gr. laga nr. 112 1935 bætist:

Forseti hæstaréttar hefur að launum 17000 krónur á ári og hæstaréttardómarar 15000 krónur hver. Hæstaréttardómarar eru undanþegnir greiðslu tekjuskatts til ríkissjóðs og útsvars til bæjarsjóðs af launum sínum og dýrtíðaruppbót á þau.

2. gr.

1. mgr. 5. gr. laga nr. 112 1935 hljóði svo:
Eigi má dóm setja með færri dómendum en 5.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi. Skal þegar auglýsa 2 lausu embættin með hæfilegum fyrirvara og veita þau, svo að dómurinn geti tekið til starfa fullskipaður eigi síðar en 1. sept. 1943.

4. gr.

Með lögum þessum er úr gildi felld 1. mgr. 10. gr. laga nr. 71 28. nóv. 1919 og 2. málsl. 1. mgr. 57. gr. laga nr. 112 18. maí 1935.

## Greinargerð.

Þegar Íslendingar endurheimtu æðsta dómsvald inn í landið árið 1920, fagnaði þjóðin því sem einu stærsta skrefi í sjálfstæðisbaráttu sinni. Var þá hæstiréttur skipaður 5 dómendum, í stað 3 dómenda í landsyfirrétti. En þá voru dómendum því miður hvorki tryggð sæmileg launakjör né húsnæði, og var hvort tveggja alls kostar ósambærilegt við æðstu dómstóla annarra fullvalda þjóða. Með lögum nr. 37 frá 1924 var dómendum fækkað niður í 3. Með lögum nr. 112 frá 1935 var ákveðið að fjölga dómendum aftur upp í 5, er fé yrði veitt til þess í fjárlögum, en eins og kunnugt er, hefur fjölgun enn ekki komið til framkvæmda.

Flm. þessa frv., sem hafa góð skilyrði til þess að dæma um kjör dómenda hæstaréttar, vilja neyta þess færis, sem þeim gefst hér á Alþingi, til þess að bera fram frv. þetta um efling dómsvaldsins og bætt kjör dómenda. Telja þeir rétt, að hæstiréttur sé skipaður 5 mönnum, enda þótt ekki felist í því nein gagnrýni á hendur þeim dómendum, sem nú eru fyrir.

Um launakjörin skal eftirfarandi tekið fram:

Hæstaréttardómarar eru samkvæmt stjórnarskránni æðstu handhafar eins af þremur þáttum ríkisvaldsins, dómsvaldsins. Þeir eru í starfi sínu bundnir framar öllum öðrum þegnum þjóðfélagsins. Með stjórnarskrárákvæði eru þeir sviptir kjörgengi og þannig óheimil seta á Alþingi. Athafnafrelsi þeirra til þátttöku í atvinnulífinu er einnig miklu þrengri skorður settar en nokkurra annarra þjóðfélagsþegna, því að þátttaka þeirra í atvinnufyrirtækjum mundi oft ekki samrýmast dómarastöðu þeirra. Gegn þessari athafnaskerðingu ætlast flm. frv. til, að komi sæmileg launakjör og skattfrelsi til ríkis og bæjar af laununum. Starf hæstaréttardómenda er svo mikilvægt bæði inn á við og út á við, að stöðurnar verða að vera eftirsóknarverðar hæfustu mönnum, sem eiga kost á öðrum vel launuðum stöðum eða starfi. Um skattfrelsið vilja flm. leggja áherzlu á það, að hér skapast ekkert fordæmi um skattfrelsi öðrum til handa, því að hvort tveggja er, að hæstaréttardómendur eru æðstu handhafar eins þáttar ríkisvaldsins og staða þeirra að því leyti sambærileg stöðu ríkisstjóra, og svo hitt, að þeim einum allra þjóðfélagsþegna er varnað frelsis á sviði stjórnmála og atvinnumála. Hins vegar verða hæstaréttardómarar skattskyldir, ef þeir eiga eignir eða hafa tekjur af þeim.

Verði frv. þetta að lögum, telja flm. skipun æðsta dómsvaldsins vera komna í það horf, sem fullnægjandi sé.

## Nd. 253. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 9. júlí 1941, um heimild fyrir ríkisstjórnina til ráðstafana og tekjuöflunar vegna dýrtíðar og erfiðleika atvinnuveganna.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frumvarp þetta og mælir með, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 21. jan. 1943.

Ásg. Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr., frsm. Einar Olgeirsson. Skúli Guðmundsson.
Ingólfur Jónsson.

## Ed. 254. Nefndarálit

um frv. til l. um framlenging á gildi l. nr. 33 7. maí 1928, um skattgreiðslu h/f Eimskipafélags Íslands.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og leggur til, að það verði samþykkt óbreytt. Einn nefndarmanna (HG) telur, að undanþáguna eigi aðeins að veita til eins árs. Steingrímur Aðalsteinsson tók ekki þátt í nefndarstörfum sökum sjúkleika.

Alþingi, 22. jan. 1943.

Pétur Magnússon, form. Lárus Jóhannesson, frsm. H. Guðmundsson, fundaskr., með fyrirvara.
Bernh. Stefánsson.

## Nd. 255. Nefndarálit

um frv. til hafnarlaga fyrir Keflavík.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur borið frumvarpið saman við hafnarlög, þar sem skilyrði eru svipuð og í Keflavík. Frumvarpið er í samræmi við þau hafnarlög, og mælir nefndin með því, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 22. jan. 1943.

Finnur Jónsson, form. Sig. Kristjánsson, frsm. Sigurður Bjarnason.
Gísli Guðmundsson, fundaskr., með fyrirvara. Lúðvík Jósefsson.

## Nd. 256. Breytingartillaga

við frv. til l. um útgáfurétt að uppdráttum af Íslandi.

Frá Emil Jónssyni.

Aftan við 2. málsgr. 1. gr. bætist: og enn fremur sjókort.

## Nd. 257. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Frá menntamálanefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta, borið það saman við gildandi lög og komizt að þeirri niðurstöðu, að í því felist réttmætar og nauðsynlegar réttarbætur fyrir höfunda. Leggur hún því til, að frv. verði samþykkt.

Alþingi, 22. jan. 1943.

Barði Guðmundsson, form. Gunnar Thoroddsen, fundaskr., frsm. Gísli Sveinsson.
Páll Þorsteinsson. Sigfús Sigurhjartarson.

## Nd. 258. Breytingartillaga

við frumv. um jöfnunarsjóð aflahluta.

Frá Lúðvíki Jósefssyni.

1. Við 1. gr.
   a. Í stað „1%“ komi: ¾%.
   b. Niður falli úr greininni orðin „eftir að sameiginlegur kostnaður hefur verið dreginn frá“.
2. Við 5. gr. Í stað orðanna „er stjórnum sjóðanna kemur saman um“ komi: er stjórnum sjóðsins og Tryggingarstofnunar ríkisins kemur saman um.

## Ed. 259. Nefndarálit

um frv. til laga um greiðslu íslenzkra afurða.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur sent frv. þetta til umsagnar Sambands íslenzkra samvinnufélaga og Verzlunarráðs Íslands. Mælir Sambandið á móti frv., en Verzlunarráðið með því að meginstefnu til.

Nefndin telur mjög mikilsvert, að löggjöfin stuðli að því, að framleiðendur fái eftir föngum greiðslu í reiðu fé fyrir vörur sínar svo fljótt sem verða má, og þar sem nefndin lítur svo á, að frv. þetta greiði fyrir því, að svo geti orðið, mælir hún með því, að frv. verði samþykkt með eftirtöldum

BREYTINGUM.

1. Við 1. gr. Niðurlag gr. orðist svo: nema svo hafi áður verið sérstaklega um samið.
2. Við 2. gr. Greinin orðist svo:
   Nú eru afurðir seldar fastákveðnu verði, og skal þá greiða verð þeirra að fullu á þann hátt, sem 1. gr. kveður á um. En ef afurðir eru seldar óákveðnu verði með rétti til verðuppbótar síðar eða afhentar í umboðssölu, hvort sem til kaupmanna, samvinnufélaga eða annarra er, þá skal greiða að minnsta kosti helming af gangverði afurðanna svo sem í 1. gr. segir, en afganginn á sama hátt eigi síðar en 2 mánuðum eftir að unnt var að ákveða verðuppbót eða umboðssali fékk í sínar hendur andvirði þeirra vara, sem hann hefur selt.
3. Við 3. gr. Greinin orðist svo:
   Hagstofa Íslands skal ákveða gangverð afurða samkv. 2. gr. eftir því, sem nánar verður fyrir mælt í reglugerð, sem ráðherra setur.
4. Við 4. gr. og 5. gr. Greinarnar falli niður (og breytist greinatalan á eftir samkvæmt því).
5. Við 7. gr. (sem verður 5. gr.). Greinina skal orða svo:
   Lög þessi öðlast gildi 1. jan. 1944.

Einn nefndarmanna, Hermann Jónasson, áskilur sér rétt til að hafa óbundnar hendur um frv.

Alþingi, 23. jan. 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Brynj. Bjarnason.

Hermann Jónasson, með fyrirvara. Lárus Jóhannesson.

## Ed. 260. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 54 frá 4. júlí 1942.

Frá meiri hluta landbúnaðarnefndar.

Nefndin hefur klofnað um mál þetta. Minni hlutinn, þeir ÞÞ og EE, vilja, að frv. verði samþ., en undirritaðir eru því mótfallnir.

Allt frá því er jarðræktarlögin frá 1936 voru sett, hafa verið uppi miklar deilur um ýmis ákvæði í þeim lögum, en þó alveg sérstaklega um 17. greinina. Sú grein á að koma í veg fyrir verðhækkun bújarða, er beinlínis stafi af jarðræktarstyrknum, en stuðla að hinu, að allir ábúendur bújarðar í nútíð og framtíð njóti sér að tilkostnaðarlausu þeirra umbóta, er jarðræktarstyrkurinn einn hefur orsakað. Lög nr. 25 1. febr. 1936, um nýbýli og samvinnubyggðir, og lög nr. 40 13. júní 1937, um framlög ríkisins til endurbygginga á sveitabýlum, ætlast til hins sama um fjárframlög ríkisins eftir þeim lögum.

Að undanförnu hafa árlega verið borin fram á Alþingi lagafrumvörp í því augnamiði að nema burtu 17. grein jarðræktarlaganna. En lagafrumvörp um breyting eða afnám á fylgifjárákvæðum nýbýlalaganna eða laga um endurbyggingu sveitabýla hafa enn ekki sézt þar. Flokkadrættir voru á Alþingi, þegar jarðræktarlögin voru sett, en samstarf með öllum þingflokkum um setningu hinna laganna. Skoðanamunur hefur að sjálfsögðu valdið miklu um deilur þær, er orðið hafa um 17. gr. jarðræktarlaganna, en þegar háreystin um 17. greinina er borin saman við þögnina um hin lagaákvæðin, vaknar sú hugsun hjá sumum mönnum, að skoðanamunurinn sé ekki svo

mikill sem virðast mætti í fljótu bragði. Hitt hefði máske ráðið nokkru um, að einhverjir menn hafi í byrjun haldið, að mál þetta kynni að reynast hentugt áróðursmál.

Meiri hl. landbúnaðarn. er samþykkur tilgangi 17. gr. jarðræktarlaganna og því andvígur þessu frv. Hins vegar teljum við þörf á athugun og umbótum, ekki aðeins á 17. gr. jarðræktarlaganna, heldur einnig og engu síður á fylgifjárákvæðum nýbýlalaganna og laga um framlög úr ríkissjóði til endurbygginga á sveitabýlum, í því augnamiði, að þessi lagaboð nái framvegis enn betur tilgangi sínum en orðið hefur til þessa. Teljum við sjálfsagt, að slík athugun fari fram samtímis. Þá verður það að teljast eðlilegt og sjálfsagt, að búnaðarþingi gefist þess kostur að gera tillögur til Alþingis um þær breytingar. Leggjum við til, að málið verði afgreitt með svofelldri

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Þar sem telja verður eðlilegt og rétt, að ákvæði um styrk úr ríkissjóði til stofnunar nýbýla, til endurbygginga sveitabýla og ákvæði 17. gr. jarðræktarlaganna verði öll athuguð og umbætt samtímis, svo fljótt sem verða má, til þess að tryggja betur en nú er gert, að nefnd ákvæði nái tilgangi sínum, og þar sem jafnframt verður að telja eðlilegt, að búnaðarþingi gefist þess kostur að láta Alþingi í té álit sitt og tillögur um slíkar breytingar, telur deildin ekki ástæðu til frekari afgreiðslu málsins á þessu þingi og tekur fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 23. jan. 1943.

Páll Hermannsson, form., frsm. H. Guðmundsson. Kristinn Andrésson.

## Ed. 261. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 100 14. maí 1940, um skógrækt.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og borið það saman við gildandi lög. Er hún sammála um að leggja til, að það verði samþykkt eins og það nú liggur fyrir.

Alþingi, 25. jan. 1943.

Páll Hermannsson, form. Eiríkur Einarsson, fundaskr. Þorst. Þorsteinsson, frsm.

Kristinn Andrésson. Haraldur Guðmundsson.

## Ed. 262. Nefndarálit

um frv. til laga um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og er sammála um að mæla með, að það verði samþykkt. Einstakir nefndarmenn áskilja sér þó rétt til að bera fram eða fylgja breytingartillögum við frv.

Alþingi, 25. jan. 1943.

Páll Hermannsson, form. Eiríkur Einarsson, fundaskr. Haraldur Guðmundsson, frsm.

Kristinn Andrésson. Þorst. Þorsteinsson.

## Ed. 263. Nefndarálit

um frv. til laga um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar.

Frá meiri hluta allsherjarnefndar.

Nefndin hefur athugað frv. þetta, og fellst meiri hluti hennar á að leggja til, að það verði samþykkt með breytingartillögum þeim, sem síðar greinir.

Tveir nefndarmanna (HermJ og GÍG) óska fyllri upplýsinga, áður en þeir taka afstöðu til þess.

BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Við 1. gr. Í stað „1. janúar 1943“ komi: 1. apríl 1943.
2. Við 3. gr. Í stað „atvinnumálaráðherra“ á 2 stöðum komi: hæstiréttur.

Alþingi, 25. jan. 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Brynjólfur Bjarnason. Lárus Jóhannesson.

## Ed. 264. Frumvarp til laga

um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

(Eftir 2. umr. í Ed.).

1. gr.

Frá 1. marz 1943 skal leggja undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur jarðirnar Elliðavatn og Hólm í Seltjarnarneshreppi ásamt lóðum og löndum, sem úr þeim hafa verið seldar, svo og spildu þá úr landi jarðarinnar Vatnsenda í sama hreppi, er bæjarstjórn Reykjavíkur kann að taka eignarnámi samkv. heimild í lögum nr. 57 4. júlí 1942. Enn fremur skal leggja undir lögsagnarumdæmið frá sama tíma jarðirnar Grafarholt, Gufunes, Keldur, Eiði, Knútskot og þann hluta Korpúlfsstaðatorfunnar, er Reykjavíkurbær hefur fest kaup á (Korpúlfsstaðir, Lambhagi, Varmá og hluti af Lágafellslandi) í Mosfellshreppi, ásamt öllum lóðum og löndum, sem seldar hafa verið úr þeim, að því landi undanteknu, er þegar hefur verið selt úr landi jarðarinnar Varmár undir þingstað á Brúarlandi og verksmiðjuhverfi á Álafossi.

2. gr.

Frá sama tíma tekur Reykjavíkurbær að sér framfærslu allra þeirra þurfamanna, sem eru eða verða og framfærslurétt eiga eða mundu eignast, ef lög þessi yrðu ekki sett, vegna fæðingar eða dvalar á löndum þeim, er um ræðir í 1. gr.

3. gr.

Bæjarstjórn Reykjavíkur er heimilt að láta taka eignarnámi jörðina Grafarholt í Mosfellshreppi, ásamt nýbýlinu Engi og þeim lóðum og löndum, er seld hafa verið úr landi jarðarinnar. Eignarnámið skal framkvæmt samkv. lögum nr. 61 14. nóv. 1917.

4. gr.

Forkaupsréttur Mosfellshrepps, samkv. 2. gr. laga nr. 55 15. júní 1926, að löndum þeim úr Korpúlfsstaðatorfunni, er Reykjavíkurbær hefur fest kaup á, er úr gildi felldur.

5. gr.

Fyrir árslok 1943 skulu fara fram endanleg fjárskipti milli Reykjavíkurbæjar og Seltjarnarneshrepps annars vegar og Reykjavíkurbæjar og Mosfellshrepps hins vegar, þar á meðal væntanlegar skaðabótagreiðslur til hreppanna.

6. gr.

Allar fjárgreiðslur samkv. lögum þessum, aðrar en endurgjald fyrir Grafarholt samkv. 3. gr., skulu ákveðnar af gerðardómi, og skal hann einnig skera úr öllum ágreiningi milli málsaðila út af lögum þessum. Gerðardóminn skipa 3 menn, er hæstiréttur nefnir til þess. Skal einn þeirra vera dómari í hæstarétti, og er hann formaður gerðardómsins. Kostnað við gerðardóminn greiðir Reykjavíkurbær eftir ákvörðun dómsins.

7. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 265. Nefndarálit

um frumv. til l. um breyt. á l. nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur orðið sammála um að mæla með, að frumvarp þetta gangi fram óbreytt

Alþingi, 25. jan. 1943.

Ásgeir Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr., frsm. Skúli Guðmundsson.

Ingólfur Jónsson. Einar Olgeirsson.

## Nd. 266. Frumvarp til laga

um heimild handa ríkisstjórn Íslands til þess að stofna til útgáfu tímarits til rökræðna um landsmál.

Flutningsm.: Jón Pálmason, Emil Jónsson.

1. gr.

Ríkisstjórn Íslands er heimilt að stofna til útgáfu tímarits til rökræðna um stjórnmál, hagkerfi landsmanna, meðferð mála á Alþingi og annað það, er horfa má til aukins þroska og aukinnar hæfni almennings til áhrifa á stjórn landsins og atvinnuþróun.

2. gr.

Veita skal stjórnmálaflokkum, þeim er eiga a. m. k. þrjá fulltrúa á Alþingi, kost þess, eftir ákveðnum reglum, að fá prentaðar í tímaritinu ritgerðir um ákveðin málefni, er alla landsmenn varða og orðið hafa að deilumáli milli flokka. Samtímis skal öllum hliðstæðum stjórnmálaflokkum í landinu gefinn kostur þess að fá í sama hefti birtar ritgerðir um sama efni og af jafnri lengd, miðað við orðafjölda. Skulu allar ritgerðirnar sendar ritnefnd tímaritsins fyrir tilsettan tíma, í innsigluðum umslögum. Opna skal þau öll samtímis og birta síðan ritgerðirnar samtímis, enda séu þær birtingarhæfar að dómi ritnefndar. Um sama efni má birta þrjár ritgerðir í röð frá hverj-

um aðila, en hinar síðari tvær skulu vera styttri en sú fyrsta; önnur að jafnaði helmingi styttri, en hin þriðja aðeins einn fjórði af lengd aðalritgerðarinnar, miðað við orðafjölda. Undanþágu frá þessum ákvæðum má ritnefnd þó veita, ef hún telur þess brýna þörf, en fulls jafnréttis skal jafnan gæta milli flokka.

Í sama hefti skal aldrei vera nema ein aðalritgerð (fyrsta ritgerð) frá hverjum flokki.

Auk greindra ritgerða, sem ákveða skal stað í ritinu sem órofinni heild, má einnig birta þar ávörp æðsta manns ríkisins, svo og ávörp ráðherra, er flutt hafa verið opinberlega.

3. gr.

Ritstjórn skipa þar til kjörnir menn, einn af hverjum stjórnmálaflokki, þeirra er þess eiga kost að birta ritgerðir í tímaritinu og tjáð hafa sig fúsa til samstarfs á þessum vettvangi, í þeim tilgangi að skýra viðhorf stjórnmálaflokkanna til einstakra þjóðmála, er tekin séu til umræðu samkvæmt framkominni ósk frá einhverjum þeirra og með samþykki meiri hluta ritnefndar.

Menn þeir, er ritnefndina skipa, skoðast fulltrúar þeirra stjórnmálaflokka, er þá hafa kjörið, í öllu því, er að útgáfu tímaritsins lýtur.

Hver stjórnmálaflokkur ber ábyrgð á þeim ritgerðum, er hann fær birtar í tímaritinu.

4. gr.

Tímaritið skal að jafnaði eigi koma út sjaldnar en fjórum sinnum á ári. Skal afgreiða það ókeypis til sérhvers heimilisföður í landinu, er öðlazt hefur kosningarrétt til Alþingis. Bæjarstjórar og hreppsnefndaroddvitar skulu tilkynna afgreiðslu tímaritsins tölu þeirra manna í bæ eða hreppi, er rétt eiga þess að fá tímaritið afhent. Þeir skulu og veita ritinu móttöku á næstu höfn eða póstbílaafgreiðslustöð og dreifingu, skal greiða þannig:

5. gr.

Kostnaðurinn við útgáfu tímaritsins, þ. e. útgáfustjórn, efni, útsendingu og dreifingu, greiðist þannig:

Stjórnmálaflokkarnir kosta sjálfir til ritgerða sinna og bera kostnað af störfum ritnefndar, hver að sínum hluta.

Bæjarsjóðir og hreppssjóðir skulu greiða nauðsynlegan kostnað við flutning og dreifingu ritsins, eftir að það kom á næstu höfn eða næsta póstbílaviðkomustað.

Ríkissjóður greiðir kostnað við prentun ritsins og útsendingu í pökkum til næstu hafnar eða pósbílaviðkomustaðar við heimili viðtakanda.

6. gr.

Til þess að afla fjár upp í þann kostnað, sem af prentun og útsendingu tímaritsins leiðir, skal veita móttöku auglýsingum til birtingar í því, aftan við ritgerðalesmál þess. Þar skulu og verzlanir og iðnfyrirtæki, sem rekin kunna að vera af ríkinu eða á þess ábyrgð, birta auglýsingar sínar.

7. gr.

Setja skal með reglugerð nánari ákvæði um stærð tímaritsins (brot) og annað það, er að gerð þess og tilhögun lýtur.

8. gr.

Brot gegn lögum þessum varða 50—500 króna sektum. Með mál út af slíkum brotum skal fara að hætti lögreglumála.

9. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Nokkuð mörg undanfarin ár hefur mjög á því borið, að menn hafi hér á landi og erlendis dregið í efa, að lýðræðisskipulagið væri hið ákjósanlegasta stjórnskipulag. Forðast skal í þessu sambandi að minnast á þau átök, er nú eiga sér stað í heiminum milli einræðis og lýðræðis. Slíkt kynni að verða metið sem áreitni. En þess er ekki að dyljast, að svo er um lýðræðisskipulagið sem um önnur mannanna verk, að sitthvað má að því finna. Menn hafa einkum bent á vangetu lýðræðisþjóðanna til þess að sjá öllum borgurum sínum fyrir atvinnu. Menn benda á, að hagsmunastreita einstakra héraða og einstakra stétta gangi oft lengra en góðu hófi gegnir. Má vera, að meira sé úr þessu gert en efni standa til. En vissulega mundi þó ekki saka að gera alvarlega tilraun til þess að auka landsmálaþekkingu kjósenda, ef þess væri kostur. Núlifandi kynslóð hefur séð og heyrt stjórnmálamenn andstæðra flokka ár eftir ár og meir að segja áratug eftir áratug deila um sama málið, án þess að yfirgnæfandi meiri hluti kjósenda vissi frekara eftir en áður full deili á því, enda hvergi átt þess kost að sjá á einum stað sett fram á aðgengilegan hátt sjónarmið allra aðila, svo að kjósandinn gæti sjálfur borið saman málflutning þeirra og rök og myndað sér skoðun á málinu, óhlutdrægt, af eigin athugun. Mjög mikill fjöldi kjósenda les aðeins blöð síns stjórnmálaflokks og lítur ekki á rök andstæðinganna. Er þá annað tveggja, að kjósandinn lifir sæll „í pólitískri trú“ og vill ekki láta tæla sig til „villutrúar“, eða hitt, sem ekki mun ótítt, að menn kinoki sér við að styrkja andstöðuflokk fjárhagslega með því að kaupa blöð hans. En hver sem ástæðan er, geta menn tæplega annað en orðið sammála um, að það sé óheppilegt, að kjósandinn leggi dóm á mál eða málstað með atkvæði sínu við kjörborðið, án þess að hafa kynnt sér rök þess, bæði með og móti. Dómari, sem slíkt gerði, mundi verða talinn bregðast skyldu sinni. En í lýðræðisríki tekur kjósandinn sæti dómarans, er hann gengur að kjörborðinu. Ef hann dæmir eftir rökum og eigin athugun, sýnir hann fullan þegnskap og trúnað við lýðræðið. En hlaupi hann gagnrýnislaust eftir orðum þess, sem hæst galar, sezt hann á bekk með þeim mönnum, sem hirða eigi um rök, en láta hendur skipta. Með því er stefnt í einræðisátt. Það er sannarlega ekkert hégómamál, hvernig menn nota atkvæðisrétt sinn. Á fáum atkvæðum getur það oltið — og jafnvel einu —, hversu hinum mikilvægustu málum er til lykta ráðið. Sé það talið eðlilegt og réttmætt, að afstaða hins almenna kjósanda sé slík til þjóðmálanna, að nægilegt sé að kynna sér þau frá sjónarmiði eins stjórnmálaflokks, er ekki að undra, þó braki í lýðræðisskipulaginu. Þá vantar sjálfa undirstöðu lýðræðisins, vilja og getu hins almenna kjósanda til þess að eiga með atkvæði sínu, sem dómari í dómarasæti, óhlutdrægan þátt í stjórn landsins, þannig að hagsmunir alþjóðar séu hvarvetna settir ofar öllu öðru.

Tímariti því, sem hér er lagt til, að stofnað verði til, ef stjórnmálaflokkarnir fást til samstarfs um það, er ætlað það hlutverk að gefa kjósendum landsins þess kost að fá mál þau, sem á hverjum tíma eru efst á baugi með þjóðinni, rökstudd á einum stað, án óþarfa málalenginga og, að því er ætla má, án persónulegra móðgana, rangfærslna og jafnvel beinna ósanninda, sem oft vill við brenna á þingmálafundum og í flokksblöðum. Verður að telja, að oss beri nokkur skylda til að reyna að losna við þessa þrenningu, ef vér á annað borð viljum teljast til menningarþjóða.

Vér Íslendingar væntum þess, að nú sé þess skammt að bíða, að vér öðlumst fullkomið sjálfstæði, með fullri stjórn allra vorra mála. Vér erum stundum kallaðir elzta lýðræðisþjóð heimsins og þykjumst af því. En hvað viljum vér gera og hverju viljum vér fórna til þess að varðveita það lýðræði, sem yfirgnæfandi meiri hluti þjóðarinnar aðhyllist og vill viðhalda, þrátt fyrir sýnilegar veilur? Til þess þarf vafalaust fleira en eitt. Og þess er því ekki að vænta, að útgáfa tímarits þess, sem hér er gert ráð fyrir, megni ein sér að bæta úr öllu, sem áfátt þykir. En útgáfa þess mætti orka því, ef vel er á haldið og af heilindum unnið, að kjósendur landsins öðl-

uðust mjög miklu haldbetri þekkingu á landsmálum en þeir hafa haft. Hagsmunatogstreita milli stétta kynni að þverra til mikilla muna, og andlegur vopnaburður mundi færast í viðunanlegra horf, því þekkingunni mundi ekki verða boðið hið sama sem vanþekkingunni áður. Slíkur árangur, ef hann næðist, er áreiðanlega þess virði, að tilraun sé gerð til að öðlast hann. Er mál þetta borið fram í því trausti, að um það geti menn þó að minnsta kosti orðið sammála.

## Nd. 267. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 44 19. júní 1933, um stofnun happdrættis fyrir Ísland.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og leggur til, að það verði samþykkt með svofelldri

BREYTINGU:

Við 1. gr. a. Síðari málsliður orðist svo: Iðgjald fyrir hvern hlut ákveður fjármálaráðherra, að fengnum tillögum happdrættisráðs og happdrættisstjórnar Háskólans.

Alþingi, 25. jan. 1943.

Ásgeir Ásgeirsson, form., frsm. Jón Pálmason, fundaskr. Skúli Guðmundsson.

Einar Olgeirsson. Ingólfur Jónsson.

## Sþ. 268. Nefndarálit

um frv. til fjárlaga fyrir árið 1943.

Frá fjárveitinganefnd.

Afgreiðsla fjárlagafrumvarpsins er að þessu sinni með nokkuð óvenjulegum hætti, þar sem henni varð eigi lokið á aðalþinginu og aukaþing var eigi kvatt saman til afgreiðslu fjárlaga fyrr en 15. nóvember. Kosning fjárveitinganefndar fór eigi fram fyrr en 23. nóvember, og var því þegar í upphafi sýnt, að eigi mundi vera unnt að ljúka afgreiðslu fjárlaga fyrir áramót. Ríkisstjórnin hafði sagt af sér þegar í byrjun þings og engin tekið við í hennar stað fyrr en 16. desember og því allt í óvissu um, hvaða stefna yrði tekin í fjármálunum. Þá varð jólafríið til þess að stytta starfstímann, þannig að fjárveitinganefnd hefur haft aðeins 37 vinnudaga til starfa. Á þessum tíma hefur nefndin haldið 53 fundi og athugað fjárlagafrumvarpið svo vel sem kostur var á.

Hinar miklu breytingar, sem orðið hafa á öllu verðlagi, urðu þess valdandi, að ógerningur var að styðjast við ríkisreikninginn frá árinu 1940, en ríkisreikningurinn fyrir árið 1941 var eigi tilbúinn, þegar nefndin hóf starf sitt, en henni var ljóst, að nauðsynlegt var að hafa hann að einhverju leyti til hliðsjónar. Eftir að nefndin hafði starfað nokkra daga, fékk hún ríkisreikninginn frá 1941 í handriti og hefur að nokkru stuðzt við hann um áætlanir. Launalistar frá ríkisstofnunum og skrifstofum lágu eigi heldur fyrir, og tók langan tíma að afla þeirra. Sundurliðaðar upplýsingar lágu eigi fyrir um verðlagsuppbót og aukauppbætur við einstaka liði

fjárlagafrumvarpsins, og varð þetta, ásamt þeim tíma, sem það tók fyrir nefndina að afla ýmissa annarra nauðsynlegra gagna, til að tefja mjög störf hennar.

Eins og að líkum lætur, hafa hinar öru breytingar á öllu verðlagi valdið miklum glundroða í öllum áætlunum og öllum rekstri landsmanna og þá ekki síður hjá ríkinu heldur en öðrum. Verður því erfitt að gera áætlanir, þótt eigi sé nema nokkra mánuði fram í tímann. Nefndin hefur athugað rekstraráætlanir fyrir skrifstofur ríkisins og ríkisstofnana og flytur þar talsvert margar breytingartillögur til hækkunar á ýmsum liðum. Nema þær samtals umfram lækkun kr. 6834325.19, en af þessu er þó til aukinna framkvæmda h. u. b. kr. 1800000.00.

Nefndin hefur athugað um fjárframlög til verklegra framkvæmda, svo sem hafnargerða, brúargerða, framlög til opinberra bygginga o. fl., og gert drög að tillögum þar að lútandi, en leggur þær tillögur eigi fyrir Alþingi við þessa umræðu, vegna þess að eigi er að fullu lokið athugun á tekjuliðum fjárlagafrumvarpsins. Eru tekjurnar að sjálfsögðu eins og allt annað, sem þarf að áætla á þessum tímum, mjög í óvissu. Má þar t. d. nefna, að tekjurnar árið 1941 af sköttum og tollum urðu sem næst 42.5 millj. kr., en árið 1942 ca. 76 milljónir. Þá hefur ríkisstjórnin enn eigi gert Alþingi grein fyrir, hverjar ráðstafanir hún hyggst að gera í dýrtíðarmálunum eða hver áhrif þær væntanlegu ráðstafanir kynnu að hafa á fjáröflun og fjárframlög, en þetta hvort tveggja gæti haft veruleg áhrif á afgreiðslu fjárlaga. Varð það því ofan á í nefndinni að fresta að mestu leyti til 3. umræðu að leggja fram tillögur um verklegar framkvæmdir og nokkra aðra útgjaldaliði, sem óhjákvæmilegir virðast, en verða að nokkru að fara eftir tekjuöfluninni og þeirri stefnu, sem væntanlega verður tekin, eftir að tillögur ríkisstjórnarinnar hafa komið fram. Nefndin telur nauðsynlegt, að þetta liggi fyrir, áður en 3. umræða fjárlagafrumvarpsins fer fram.

Nefndin telur ástæðu til að leiða athygli að því, að ýmsum embættismönnum hafa verið greidd laun og uppbætur án heimilda frá Alþingi. Má þar til nefna sýslumenn og bæjarfógeta, prófessora, lækna og presta. Stærsti liðurinn, sem greiddur hefur verið á þennan hátt, er uppbót til lækna og presta, og er áætluð af fjármálaráðuneytinu, miðað við vísitöluna 250 á þessu ári, 738 þús. kr., og mun þessi uppbót hafa verið greidd með tilliti til þess, að taxtar fyrir aukaverk yrðu eigi hækkaðir. Nefndin hefur eigi talið ástæðu til að taka þetta sem áætlun á fjárlagafrumvarpið, þar sem eins og áður er sagt engin heimild er til þessarar greiðslu frá Alþingi, og stjórnin hefur eigi heldur ákveðið, hvort hún ætlar að leita hennar eða ekki.

Hækkanir þær, er nefndin leggur til umfram lækkanir, skiptast í höfuðatriðunum þannig:

| | | |
|---|---|---|
| 11. gr. Dómgæzla og lögreglustjórn | kr. | 980150.00 |
| 12. gr. Heilbrigðismál | — | 233100.00 |
| 13. gr. Samgöngumál | — | 835000.00 |
| 14. gr. Kirkju- og kennslumál | — | 697725.00 |
| 15. gr. Vísindi, bókmenntir og listir | — | 140600.00 |
| 16. gr. Verklegar framkvæmdir | — | 1094200.00 |
| 17. gr. Almenn styrktarstarfsemi | — | 976000.00 |
| 18. gr. Eftirlaun og styrktarfé | — | 12552.19 |
| 19. gr. Óviss útgjöld | — | 1844500.00 |
| Samtals | kr. | 6813827.19 |
| Frá dregst lækkun á 10. gr. | — | 99502.00 |
| Hækkun umfram lækkun | kr. | 6714325.19 |
| Lækkun á tekjum (ríkisútvarpið) | — | 120000.00 |
| Eignabreytingar á 20. gr. | — | 50000.00 |

Útgjöld ríkisins samkvæmt þeim tillögum nefndarinnar, er fyrir liggja, verða þá, talin í heilum þúsundum, 48726000 kr., en tekjur 48138000 kr., að óbreyttri tekjuáætlun frumvarpsins að útvarpinu undanskildu, og verður þá halli á rekstraryfirliti

588000 kr., en greiðsluhalli á sjóðsyfirliti 4016000 kr., en svo sem áður segir, hefur nefndin geymt til 3. umræðu að gera tillögur um breytingar við tekjuhlið frumvarpsins o. fl.

Verður þá vikið að tillögum við einstakar greinar frumvarpsins.

3. gr.

Í áætlun ríkisútvarpsins er í fjárlagafrv. miðað við 60 kr. gjald af hverju viðtæki, en nefndin hefur talið, að eftir ástæðum væri óþarft að hafa afnotagjaldið hærra en 50 kr., og er brtt. miðuð við það, Aðrar tekjur eru áætlaðar eftir því, sem ætla má, að þær verði miðað við tekjur ársins 1942.

Brtt. n. við útgjöld ríkisútvarpsins eru gerðar eftir samtali við útvarpsstjóra. Í liðnum „skrifstofukostnaður" eru innifalin innheimtulaun fyrir afnotagjöld, sem lækka við það, að afnotagjaldið minnkar.

10. gr.

Laun í stjórnarráðinu eru færð til leiðréttingar í samræmi við launalista, sem lágu fyrir nefndinni.

Í áætlun hagstofunnar var í frv. meðtalin verðlagsuppbót á laun, en nefndin telur rétt að færa þetta til samræmis við aðra liði fjárlaganna.

11. gr.

Í 11. gr. er hækkaður kostnaður við ýmsar skrifstofur og embætti vegna aukinnar dýrtíðar og með hliðsjón af kostnaðinum eins og hann reyndist 1942. Breytingar, sem gerðar eru á launum, eru samkvæmt launalistum, sem lágu fyrir nefndinni.

Kostnaður við landhelgisgæzlu varð á árinu 1941 813000 kr., en árið 1942 hefur hann orðið yfir eina millj. kr., og verður þessi upphæð því eigi áætluð lægri en hér er gert.

Endurgreiðsla á sameiginlegum kostnaði við embættisrekstur er hækkuð í samræmi við hækkun þá, sem búið er að gera á póst- og símagjöldum.

Kostnaður við fasteignamat er hækkaður samkvæmt tillögu formanns yfirfasteignamats ríkisins.

Liðurinn „Eyðublöð, bókband og auglýsingar" er hækkaður vegna vaxandi kostnaðar og með hliðsjón af útgjöldum ársins 1942.

12. gr.

Lagt er til, að tveir nýir liðir verði teknir upp: Til vinnuskólans á Kleppjárnsreykjum og til athugunarstöðvar barnaverndar, sem hvort tveggja er óhjákvæmilegt vegna þess ástands, sem nú ríkir í landinu.

Þá er lagt til, að styrkur til að reisa læknisbústaði og sjúkraskýli verði hækkaður um 80 þús. kr., eftir tillögum landlæknis, og styrkur til heilsuverndarstöðva í kaupstöðum verði hækkaður úr 50 þús. kr. í 80 þús. kr., enn fremur, að nokkrir aðrir liðir í þessari grein verði færðir til samræmis vegna dýrtíðar.

Hluti ríkissjóðs af launum ljósmæðra er í frv. of hátt reiknaður um 50 þús. kr., og er lagt til, að það verði leiðrétt.

Þá hefur það komið í ljós, að halli hefur orðið á nokkrum sjúkrahúsum í landinu, og verður sá halli að greiðast af viðkomandi sveitarsjóði. En þar sem allmargir utanhéraðssjúklingar dvelja í sjúkrahúsum þessum, hefur nefndin, eftir tillögum landlæknis, ákveðið að mæla með því, að ríkið styrki þessi sjúkrahús að nokkru, og þá einkum með það fyrir augum, að hver fjórðungur hafi starfandi fjórðungssjúkrahús, sem ríkissjóður hlynni sérstaklega að. Þess skal getið um sjúkrahúsið á Seyðisfirði, að nefndin hefur lagt til, að það verði styrkt sem fjórðungsspítali, meðan eigi er reist annað vandaðra sjúkrahús á Austfjörðum.

13. gr.

Nefndin telur, að framlag ríkissjóðs til strandferða sé of lágt áætlað í frumvarpinu, miðað við kostnað ríkissjóðs vegna strandferða árið 1942. Leggur hún því til, að liðurinn verði hækkaður um 600 þús. kr.

Nefndinni hafa enn eigi borizt tillögur frá samvinnunefnd samgöngumála um styrki til flóabáta, en væntanlega liggja þær fyrir við 3. umræðu

Byggingarstyrkur til Djúpbátsins í Norður-Ísafjarðarsýslu mun hafa verið greiddur af tekjum ársins 1942, og telur nefndin því eigi ástæðu til að áætla fjárveitingu í þessu skyni.

Rekstrarkostnaður vitanna er of lágt áætlaður samkvæmt upplýsingum vitamálastjóra, og leggur nefndin því til, að hann verki hækkaður í samræmi við þær.

Þá hefur nefndin lagt til, að liðurinn „Til áhaldakaupa" verði hækkaður um 100 þús. kr., einnig eftir tillögum vitamálastjóra, og telur hann þessa hækkun nauðsynlega til þess að geta séð vitunum fyrir ýmsum nýtízku áhöldum til vinnusparnaðar.

14. gr.

Nefndin hefur fengið launalista frá ríkisféhirði og borið saman við frumvarpið. Hefur komið í ljós, að nokkrar skekkjur eru á ýmsum launaliðum greinarinnar, og leggur nefndin til, að þær séu lagfærðar.

Nefndinni hafa borizt umsóknir frá fólki, sem ætlar að stunda nám erlendis, svo sem framhaldsnám í búfjárrækt, verksmiðjufræði, hljómfræði, málaralist o. s. frv. Telur nefndin rétt að veita þessum umsóknum nokkra úrlausn eftir ákvörðun menntamálaráðs og leggur til, að námsstyrkur samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs verði hækkaður úr 12500 kr. í 100000 kr. í þessu skyni.

Er hér eingöngu um að ræða styrki til náms í Bretlandi og Ameríku, og er námskostnaður þar mun dýrari en á Norðurlöndum, en fyrir þeim, sem þar dvelja, er séð á annan hátt skv. þál.

Þá hefur nefndin talið nauðsynlegt að hækka ýmsa útgjaldaliði í áætlunum skólanna, sem reikningar ársins 1941 augljóslega sýna, að hafa verið of lágt áætlaðir.

Þá leggur nefndin til, að bændaskólarnir á Hólum og Hvanneyri fái 7500 kr. hvor til nauðsynlegra áhaldakaupa, enn fremur, að tekinn verði upp nýr liður: Til garðyrkjuskólans á Reykjum til gróðurhúsbyggingar, 20 þús. kr. Efni til byggingarinnar var keypt á síðasta ári, og munu tekjur skólans aukast að mun, ef byggingu þessari verður komið upp nú á þessu ári.

Nefndin leggur til, að tekinn verði upp styrkur til iðnaðarmannafélagsins í Neskaupstað og á Patreksfirði og hækkað framlag til iðnskólans á Akranesi úr 800 kr. í 1200 kr. Þá leggur nefndin til, að styrkur til Verzlunarskóla Íslands og Samvinnuskólans sé jafnhár, svo sem verið hefur.

Sundskyldan, sem lögleidd hefur verið í barnaskólum, hefur óhjákvæmilega nokkur útgjöld í för með sér, og leggur nefndin til, að tekin sé upp fjárveiting í þessu skyni, 25 þús. kr., eftir tillögum íþróttafulltrúa, og enn fremur til umferðakennslu í íþróttum 6 þús. kr., enda hefur fé verið veitt úr ríkissjóði á síðasta ári í þessu skyni.

Þá telur nefndin óhjákvæmilegt að hækka styrk til byggingar barnaskóla utan kaupstaða úr 100 þús. kr. í 190 þús. og einnig að hækka styrk til fyrrverandi barnakennara eftir tillögum fræðslumálastjóra úr 4 þús. kr. í 10 þús. kr.

Á síðast liðnu sumri var byggt leikfimishús og sundlaug við alþýðuskólann á Eiðum. Til þessarar framkvæmdar er enn vangreitt kr. 50 þús., sem var tekið að láni til byggingarinnar, og leggur nefndin til, að þessi upphæð verði tekin upp í fjárlagafrumvarpið.

Styrkur til héraðsskóla samkvæmt lögum nr. 32 1929 nam árið 1941 kr. 88 þús., og telur nefndin því eigi ástæðu til að áætla hann hærri nú en 100 þús. kr.

Nefndin leggur til, að stofnkostnaður héraðsskólanna verði hækkaður úr 20 þús. kr. í 140 þús. með tilliti til þess, að ríkissjóði ber að greiða framlag til nýbyggingar héraðsskólans í Varmahlíð, Núpi í Dýrafirði og til viðbyggingar við héraðsskólann á Reykjanesi.

Þar sem ríkissjóður hefur greitt stofnlán héraðsskólanna samkvæmt lögum nr. 33 12. febr. 1940, leggur nefndin til, að framlag til vaxtagreiðslu falli niður.

Þá ber nefndin fram tillögu um, að framlag til gagnfræðaskóla samkvæmt lögum nr. 48 1930 hækki úr kr. 80 þús. í 100 þús., samkvæmt reynslu fyrra árs, og enn fremur, að til byggingar gagnfræðaskóla verði tekinn upp nýr liður, kr. 70 þús., þar sem byrjað er nú á byggingu gagnfræðaskóla Akureyrar.

Tillagan um að hækka framlag til sjóvinnunámskeiðs úr kr. 2 þús. í kr. 4 þús. er vegna aukinnar dýrtíðar.

Nefndin telur óhjákvæmilegt að hækka framlagið til íþróttasjóðs, m. a. með tilliti til byggingar sundlauga á Akranesi, Hafnarfirði, Ísafirði, Neskaupstað og víðar.

15. gr.

Nefndin taldi óhjákvæmilegt að hækka útgjöld vegna Safnahússins vegna dýrtíðar, og enn fremur nokkra styrki til bókasafna, sem hafa verið tiltölulega lágir í samanburði við framlög til annarra bókasafna.

Þá hefur nefndin talið rétt, að tekin verði upp fjárveiting til verndunar fornra bæjarhúsa á Keldum, Glaumbæ og Grenjaðarstað, 10 þús. kr. til hvers, þar sem hún telur, að þarna sé um merkilegar fornminjar að ræða.

Nefndin telur rétt, að styrkirnir til Bókmenntafélagsins, Fornleifafélagsins, Þjóðvinafélagsins og félags íslenzkra stúdenta í Kaupmannahöfn til útgáfu tímarits séu hækkaðir vegna hækkaðs útgáfukostnaðar.

Þá hefur nefndin lagt til, að Jóni Norðfjörð á Akureyri verði veittur 1200 kr. styrkur til leiklistarkennslu, hækkaður verði styrkurinn til leikfélaganna á Ísafirði og Akureyri og nýr liður verði tekinn upp, 1500 kr., til leikfélagsins á Sauðárkróki, sem hefur starfað þar í mörg undanfarin ár.

Enn fremur leggur nefndin til, að styrkur til Norræna félagsins verði hækkaður um 2 þús. kr. og teknir verði upp tveir nýir liðir, annar um styrk til alþýðufræðslu Alþýðusambands Íslands, kr. 8 þús., og hinn til útgáfu héraðssagnarita, er skiptist eftir tillögum fræðslumálastjóra, kr. 5 þús.

Nefndin hefur fengið upplýsingar um, að listasafn Einars Jónssonar liggi undir skemmdum, vegna þess að húsið lekur á nokkrum stöðum og einnig af því, að það hefur eigi verið hitað upp. Telur nefndin, að slíkt sé eigi vansalaust fyrir þjóðina gagnvart þessum ágæta listamanni og leggur til, að veittar verði samtals 52 þús. kr. til viðgerðar á safnahúsinu og upphitunar á því.

Höskuldur Björnsson listmálari hefur áður fengið nokkurn styrk úr ríkissjóði til húsbyggingar í heimahögum sínum í Hornafirði, og leggur nefndin til, að hann fái nú 2 þús. kr. til þess að geta lokið við bygginguna.

Þá leggur nefndin til, að veittar verði 5 þús. kr. til hvors þeirra próf. Stefáns Einarssonar og próf. Richards Becks til útgáfu íslenzkrar bókmenntasögu á ensku.

16. gr.

Þar sem til er ætlazt, að samvinnubyggðir komi undir lög um landnám ríkisins, leggur nefndin til, að 4. liður verði orðaður eins og segir í breytingartillögunni. Einnig leggur nefndin til, að jarðabótastyrkur verði hækkaður úr 300000 kr. í 500000, eftir tillögum búnaðarmálastjóra skv. nýjustu upplýsingum, og framlag til búfjárræktar hækkað um kr. 75 þús.; eru báðir liðirnir áætlun á lögboðnu framlagi.

Þá leggur nefndin til, að tekinn verði upp nýr liður, 60 þús. kr., til tilraunastarfsemi í þágu landbúnaðarins.

Eftir upplýsingum, sem nefndin hefur aflað sér, er framlag til byggingarsjóða kaupstaða og kauptúna áætlað of lágt um 190 þús. kr., og leggur hún því til, að það verði hækkað um þá upphæð.

Nefndin leggur til, að framlag til skógræktar verði hækkað um 100 þús. kr. vegna nauðsynlegra framkvæmda til þessa þjóðnytjastarfs, og að framlög til skógræktarfélaga verði hækkuð um 15 þús. kr.

Nefndin leggur til, að teknir verði upp nokkrir nýir liðir til áveitu- og landþurrkunarfélaga, samtals 122800 kr. Telur nefndin þetta nauðsynlega fjárveitingu í sambandi við hinar nýju mikilvirku skurðgröfur.

Þá leggur nefndin til, að framlag vegna kostnaðar við fyrirhleðslu Þverár og Markarfljóts verði hækkað eftir till. vegamálastjóra um 55 þús. kr., og að tekin verði upp 4 þús. kr. fjárveiting til fyrirhleðslu í Virkisá, 1500 kr. til fyrirhleðslu Steinavatna og 5 þús. kr. til fyrirhleðslu í Hjaltadalsá. Eru þetta nauðsynlegar fjárveitingar vegna landvarna.

Nefndin leggur til, að veittar verði 255 þús. kr. til kaupa á skurðgröfum og dráttarvél í sambandi við þær. Er sameiginlegt álit þeirra, er til þekkja, að slíkar vélar geti sparað landsmönnum árlega stórfé og flýtt mjög fyrir ræktun landsins.

Aðrar breytingar við þessa grein eru smávægilegar hækkanir og leiðréttingar, og verður gerð nánar grein fyrir þeim í framsögu.

17. gr.

Um stærstu hækkunarliðina í þessari grein er það að segja, að það eru leiðréttingar, sem nefndin hefur framkvæmt eftir upplýsingum um útgjöld í þessu skyni árin 1941 og 1942.

Framlag til slysavarna hefur nefndin talið rétt, að væri hækkað úr 15 þús. kr. í 35 þús. kr., og styrkur til Stórstúkunnar úr 30 í 40 þús. kr., og ætlast nefndin til, að bindindisfélög í skólum fái 5 þús. kr. af þeirri síðar nefndu upphæð.

Þá hefur nefndin lagt til, að styrkur til hælisins á Sólheimum verði hækkaður úr 3 þús. í 12 þús. kr. með tilliti til vaxandi dýrtíðar og erfiðleika á að reka slík hæli.

Styrkir til gamalmennahæla eru hækkaðir um helming og teknir upp tveir nýir liðir, gamalmennahæli í Neskaupstað og gamalmennahæli í Skjaldarvík við Eyjafjörð, 2 þús. kr. til hvors.

18. gr.

Við 18. gr. hefur nefndin gert nokkrar breytingar vegna þeirra, sem látizt hafa á árinu, og auk þess lagt til, að inn í greinina verði teknir nokkrir menn til viðbótar, og einnig gerðar nokkrar breytingar til samræmis, og verður nánar gerð grein fyrir því í framsögu.

19. gr.

Við endurskoðun á frumvarpinu hefur komið í ljós, að 1. liður, verðlagsuppbót, kr. 8 millj., hefur verið of lágt áætlaður um 1294500 kr., og er þó eigi reiknað með hærri vísitölu en 250, svo sem gert hefur verið annars staðar í frumvarpinu. Þá hefur einnig komið í ljós, að aukauppbót á laun samkvæmt þál. 2⅝ 1942, kr. 1200 þús., er of lágt áætluð um 550 þús. kr., og leggur nefndin til, að þetta sé leiðrétt í frumvarpinu. Um síðari liðinn skal tekið fram, að aukauppbótin er áætluð aðeins fyrir hálft árið 1943, þar sem heimild þingsályktunarinnar nær eigi lengra. Hins vegar hefur fjármálaráðherra tjáð nefndinni, að ríkisstjórnin muni leita framlengingar á þál. fyrir síðari hluta ársins, og þarf þá að hækka þennan lið um 1750 þús. kr., ef Alþingi veitir heimildina.

20. gr.

Nefndin leggur til, að framlag til byggingar nýrra vita verði hækkað um 50 þús. kr., og er sú hækkun óhjákvæmileg samkvæmt upplýsingum vitamálastjóra.

22. gr.

Nefndin leggur til, að ríkisstjórninni sé heimilað að endurgreiða nokkrum starfsmönnum ríkisins, er hætt hafa störfum í þágu þess opinbera, fé það, er þeir hafa greitt í lífeyrissjóði, svo sem venja hefur verið.

Þá leggur nefndin til, að ríkisstjórninni sé heimilað að láta Íþróttasambandi Íslands í té lóð undir íþróttaheimili í Reykjavík til leigulausra afnota. Í. S. Í. ætlar að reisa þetta íþróttaheimili, og er ætlazt til, að heimili þetta verði miðstöð íþróttamanna þeirra, er sækja til Reykjavíkur, og einnig þeirra, er þar eiga heima. Telur nefndin nauðsynlegt, að Alþingi aðstoði Íþróttasamband Íslands á þennan hátt til að koma þessu stórmerka máli í framkvæmd.

Loks hefur nefndin lagt til fyrir mjög eindregin tilmæli loðdýraræktarráðunautar og búnaðarmálastjóra, að ríkisstjórninni sé heimilað að kaupa hluta af loðdýrabúi á Hvanneyri fyrir 35 þús. kr. ásamt búrum, girðingum o. fl., og verði bú þetta rekið sem tilraunabú í refarækt í sambandi við búnaðarskólann á Hvanneyri. Taldi loðdýraræktarráðunautur kaup þessi nauðsynleg til að varðveita einn bezta refastofn landsins. Nefndin telur rétt, að verð á dýrum, sem væntanlega verða seld frá búi þessu, sé ákveðið í samráði við loðdýraræktarráðunaut.

Tveir nefndarmenn, Lúðvík Jósefsson og Þóroddur Guðmundsson, undirrita nefndarálitið með þeim fyrirvara, að þeir eru því andvígir, að afgreiðsla á tekjuáætlun og framlögum til verklegra framkvæmda er látin bíða 3. umr., og nokkrum öðrum tillögum, er þeir munu gera grein fyrir undir umræðum.

Alþingi, 25. jan. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form., frsm. | Helgi Jónasson, fundaskrifari. | Páll Zóphóníasson. |
| Lúðvík Jósefsson. | Jónas Jónsson. | Þorst. Þorsteinsson. |
| Pétur Ottesen. | Sig. E. Hlíðar. | Þóroddur Guðmundsson. |

## Sþ. 269. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943.

Frá fjárveitinganefnd.

1. Við 3. gr. A. Sundurliðun 5. (Ríkisútvarpið).
   a. Við I. a. (Afnotagjöld)
      Fyrir „1260000“ kemur ..... 1050000
   b. Við I. b. (Aðrar tekjur).
      Fyrir „200000“ kemur ..... 350000
   c. Við II. a. 1 (Starfsmannalaun).
      Fyrir „450000“ kemur ..... 530000
   d. Við II. a. 4. (Skrifstofukostnaður).
      Fyrir „115000“ kemur ..... 95000

2. — 10. — I. 2. a. (Stjórnarráðið. Laun).
   a. Við 1. (Atvinnumálaráðuneytið).
      Fyrir „74100“ kemur ..... 69850
   b. Við 2. (Dómsmálaráðuneytið).
      Fyrir „50252“ kemur ..... 53852
   c. Við 3. (Fjármálaráðuneytið).
      Fyrir „75474“ kemur ..... 85374

d. Við 4. (Utanríkisráðuneytið).
Fyrir „27072“ kemur ..... 32000
e. Við 5. (Aðrir starfsmenn).
Fyrir „28092“ kemur ..... 32412

3. Við 10. gr. II. 1. (Hagstofan. Laun).
Fyrir „175000“ kemur ..... 57000
4. — 11. — A. 2. (Laun bæjarfógeta, sýslumanna og lögreglustjóra).
Fyrir „173000“ kemur ..... 150400
5. — 11. — A. 4. b. (Lögmaður. Húsaleiga, hiti, ljós, ræsting).
Fyrir „7000“ kemur ..... 9000
6. — 11. — A. 7. b. (Sakadómari. Annar kostnaður).
Fyrir „22950“ kemur ..... 33000
7. — 11. — A. 8. b. 1. (Toll- og löggæzla utan Reykjavíkur. Laun).
Fyrir „51000“ kemur ..... 54400
8. — 11. — A. 9. (Bifreiðaeftirlitið).
a. Við a-lið. (Laun).
Fyrir „25000“ kemur ..... 28500
b. Við b-lið (Annar kostnaður).
Fyrir „30000“ kemur ..... 40000
c. Frádráttur. (Prófgjöld og skoðunargjöld).
Fyrir „25000“ kemur ..... 40000
9. — 11. — A. 10. (Hluti ríkissjóðs af lögreglukostnaði).
Fyrir „500000“ kemur ..... 550000
10. — 11. — Við 11. gr. A. 12. (Landhelgisgæzla).
Fyrir „500000“ kemur ..... 1250000
11. — 11. — A. 13. (Hegningarhúsið).
Fyrir „26750“ kemur ..... 30000
12. — 11. — A. 15. Nýr liður:
Til byggingar fangahúss á Akranesi ..... 15000
13. — 11. — A. 16. (Borgun til sjódómsmanna).
Fyrir „2000“ kemur ..... 4000
14. — 11. — A. 17. (Til setu- og varadómara).
Fyrir „8000“ kemur ..... 15000
15. — 11. — A. 19. (Sáttatilraunir í vinnudeilum).
Fyrir „4000“ kemur ..... 12500
16. — 11. — B. 4. c. (Fasteignamat).
Fyrir „20000“ kemur ..... 100000
17. — 11. — B. 6. (Eyðublöð, bókband, auglýsingar o. fl.).
Fyrir „150000“ kemur ..... 200000
18. — 12. — 10. Nýir liðir:
a. Til vinnuskólans á Kleppjárnsreykjum ..... 59000
b. Til athugunarstöðvar barnaverndar ..... 45000
19. — 12. — 11. a. Liðurinn orðist svo:
Styrkur til að reisa læknisbústaði og sjúkraskýli ..... 160000
20. — 12. — 11. b. Nýr liður:
Rekstrarstyrkur til sjúkrahúsa:
1. Til sjúkrahúsanna á Ísafirði, Akureyri og Seyðisfirði 100 kr. á rúm ..... 12900
2. Til sömu sjúkrahúsa og sjúkrahússins á Siglufirði .. 30000
Upphæð þessi skiptist á milli sjúkrahúsanna í hlutfalli við eðlilegan halla af vist innlendra utansveitarsjúklinga, enda samþykki heilbrigðisstjórnin daggjöld þeirra.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 21. | Við 12. gr. | c. (Bólusetningarkostnaður). Fyrir „2000“ kemur | 7000 |
| 22. | — 12. | 11. d. (Varnir gegn útbreiðslu næmra sjúkdóma) Fyrir „15000“ kemur | 25000 |
| 23. | — 12. | 11. f. (Til kynsjúkdómalæknis). Fyrir „5400“ kemur | 6600 |
| 24. | — 12. | 11. g. (Kostnaður við heilbrigðiseftirlit lækna). Fyrir „5000“ kemur | 9000 |
| 25. | — 12. | 11. i. (Heilsuverndarstöðvar). Fyrir „50000“ kemur | 80000 |
| 26. | — 12. | 11. j. Nýr liður: Styrkur handa Flatey á Skjálfanda til þess að hafa lærða hjúkrunarkonu | 1000 |
| 27. | — 12. | 11. m. (Til ýmissa sjúklinga). Fyrir „10000“ kemur | 15000 |
| 28. | — 12. | 12. (Hluti ríkissjóðs af launum ljósmæðra). Fyrir „120000“ kemur | 70000 |
| 29. | — 13. | B. 1. a. (Strandferðir ríkissjóðs). Fyrir „1000000“ kemur | 1600000 |
| 30. | — 13. | B. 3. (Byggingarstyrkur til Djúpbátsins). Liðurinn fellur niður. | |
| 31. | — 13. | C. III. (Rekstrarkostnaður vitanna). Fyrir „300000“ kemur | 350000 |
| 32. | — 13. | C. VI. (Til áhaldakaupa). Fyrir „100000“ kemur | 200000 |
| 33. | — 14. | B. I. (Háskólinn). | |
| | | a. Við 1. (Laun). Fyrir „132000“ kemur | 137000 |
| | | b. Við 18. (Símon Jóh. Ágústsson). Fyrir „2000“ kemur | 2500 |
| | | c. Við 19. (Björn Guðfinnsson). Fyrir „5500“ kemur | 6600 |
| | | d. Við 29. Liðurinn orðist svo: Til íþróttakennslu (áhöld og húsnæði) | 4000 |
| 34. | — 14. | B. II. b. (Námsstyrkur samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs). Fyrir „12500“ kemur | 100000 |
| 35. | — 14. | B. III. 1. Nýr liður: Persónuleg launauppbót til fræðslumálastjóra og skrifstofustjóra, kr. 1500 til hvors | 3000 |
| 36. | — 14. | B. IV. (Menntaskólinn í Reykjavík.) | |
| | | a. Við a-lið (Laun). Fyrir „60000“ kemur | 75525 |
| | | b. Við b. 3. (Til viðhalds). Fyrir „10000“ kemur | 15000 |
| | | c. Við b. 8. (Til verðlaunabóka). Fyrir „200“ kemur | 400 |
| 37. | — 14. | B. V. (Menntaskólinn á Akureyri). | |
| | | a. Við a-lið (Laun). Fyrir „53000“ kemur | 70600 |
| | | b. Við b. 1. (Aukakennsla og stundakennsla). Fyrir „45000“ kemur | 50000 |
| | | c. Við b. 3. (Bækur og kennsluáhöld). Fyrir „1200“ kemur | 2500 |
| | | d. Við b. 4. (Til eldiviðar og ljósa). Fyrir „20000“ kemur | 40000 |
| | | e. Við b. 5. (Námsstyrkir). Fyrir „2000“ kemur | 3000 |
| | | f. Við b. 6. (Dyravarzla). Fyrir „2000“ kemur | 3000 |
| | | g. Við b. 8. (Ýmisleg gjöld). Fyrir „6500“ kemur | 10000 |
| | | h. Við b. 9. (Verðlaunabækur). Fyrir „200“ kemur | 400 |

38. Við 14. gr. B. VI. (Kennaraskólinn).
a. Við a. (Laun). Fyrir „26000“ kemur ..... 30600
b. Við b. 2. (Eldiviður og ljós). Fyrir „7000“ kemur .. 10000
c. Við b. 4. (Námsstyrkur). Fyrir „2500“ kemur ..... 3000
d. Við b. 6. (Ýmisleg gjöld). Fyrir „10000“ kemur ..... 14000

39. — 14. — B. VII. a. (Stýrimannaskólinn. Laun).
Fyrir „18100“ kemur ..... 19100

40. — 14. — B. VIII. b. 3. (Vélstjóraskólinn. Ljós, hiti og ræsting).
Fyrir „2000“ kemur ..... 3000

41. — 14. — B. IX. 1. (Hólaskóli).
a. Við c. 3. (Eldiviður og ljós). Fyrir „12000“ kemur .. 15000
b. Við c. 4. Nýr liður:
Til áhaldakaupa ..... 7500

42. — 14. — B. IX. 2. (Hvanneyrarskóli).
a. Við c. 3. (Eldiviður og ljós). Fyrir „15000“ kemur .. 20000
b. Við c. 4. Nýr liður:
Til áhaldakaupa ..... 7500
c. Við c. 5. (Ýmisleg gjöld). Fyrir „3500“ kemur ..... 5000

43. — 14. — B. IX. 3. d. 5. Nýr liður:
Til gróðurhúsbygginga ..... 20000

44. — 14. — B. X. (Iðnfræðsla).
a. Við d. (Iðnaðarmannafél. á Akranesi). Fyrir „800“ kemur ..... 1200
b. Við f. Aths. (2. mgr.) fellur niður.
c. Við i. Nýir liðir:
1. Til iðnaðarmannafélagsins í Neskaupstað, til iðnskólahalds ..... 1200
2. Til iðnaðarmannafélagsins á Patreksfirði, til iðnskólahalds ..... 800
d. Aftan við liðinn bætist athugasemd:
Styrkur til þessara 11 skóla má þó ekki fara yfir ⅓ rekstrarkostnaðar.
Skólar þessir skulu senda ráðuneytinu skýrslu um starf sitt.

45. — 14. — XI. (Verzlunarskólar o. fl.).
a. Við a. (Verzlunarskóli Íslands). Fyrir „10000“ kemur 7500
b. Við b. (Samvinnuskólinn). Fyrir „5000“ kemur .... 7500

46. — 14. — B. XII. (Kvennaskólinn í Rvík).
a. Við b. (Rekstrarstyrkur). Fyrir „39500“ kemur .... 50000
b. Við d. (Námsstyrkur til sveitastúlkna). Fyrir „1000“ kemur ..... 2500

47. — 14. — B. XIII. (Almenn barnafræðsla).
a. Við 4. Nýir liðir:
1. Til framkvæmda sundskyldu í barnaskólum samkvæmt tillögum íþróttafulltrúa ..... 25000
2. Til ferðakennslu í íþróttum ..... 6000
b. Við 5. (Byggingar barnaskóla utan kaupstaða). Fyrir „100000“ kemur ..... 190000
c. Við 6. (Til fyrrv. barnakennara). Fyrir „4600“ kemur 10000

48. — 14. — B. XIV. 1. (Eiðaskóli).
a. Við a. (Laun). Fyrir „9450“ kemur ..... 10400
b. Við b. (Verkl. nám og aukakennsla). Fyrir „3000“ kemur ..... 4000

c. Við c. 3. (Ýmisleg gjöld). Fyrir „3500“ kemur .... 5000
d. Við d. Nýr liður:
Til leikfimihúss (lokagreiðsla) ..... 50000

49. Við 14. gr. B. XIV. 2. (Til héraðsskóla).
Fyrir „200000“ kemur ..... 100000
50. — 14. — B. XIV. 3. (Stofnkostnaður).
Fyrir „20000“ kemur ..... 140000
51. — 14. — B. XIV. 4. (Til vaxtagreiðslu).
Liðurinn fellur niður.
52. — 14. — B. XIV. 6. (Til gagnfræðaskóla).
Fyrir „80000“ kemur ..... 100000
53. — 14. — B. XIV. 7. Nýr liður:
Til byggingar gagnfræðaskóla ..... 70000
54 — 14. — B. XVI. 2. (Kennsla heyrnar- og málleysingja. Annar kostnaður).
Fyrir „50000“ kemur ..... 60000
55. — 14. — B. XVIII. 1. Liðurinn orðist svo:
Laun Ólafs Pálssonar, til eftirlits með sundkennslu og prófdómarastarfa ..... 2250
56. — 14. — B. XIX. (Sjóvinnunámskeið).
Fyrir „2000“ kemur ..... 4000
57. — 14. — B. XXVI. (Íþróttasjóður).
Fyrir „125000“ kemur ..... 300000
58. — 15. — 1. (Landsbókasafnið).
a. Við f. (Til að semja spjaldskrá). Fyrir „800“ kemur .. 1200
b. Við j. (Brunaábyrgðargjald). Fyrir „360“ kemur .. 720
59. — 15. — 3. f. Nýr liður:
Til viðhalds og verndunar fornra bæjarhúsa á Keldum, Grenjaðarstað og Glaumbæ, 10000 kr. til hvers ..... 30000
60. — 15. — 5. (Safnahúsið).
a. Við a. (Eldiviður, ljós, ræsting). Fyrir„10000“ kemur 18000
b. Við b. (Viðhald og áhöld). Fyrir „5800“ kemur .... 10000
61. — 15. — 7 e. (Bókasafn Neskaupstaðar).
Fyrir „800“ kemur ..... 1500
62. — 15. — 9. (Amtsbókasafnið í Stykkishólmi).
Fyrir „1500“ kemur ..... 1800
63. — 15. — 10. (Sýslubókasafnið á Sauðárkróki).
Fyrir „400“ kemur ..... 1200
64. — 15. — 19. (Bókhlaðan á Húsavík).
Fyrir „500“ kemur ..... 1200
65. — 15. — 20. (Bókasafn Akraness).
Fyrir „300“ kemur ..... 1500
66. — 15. — 21. (Bókasafnið í Flatey).
Fyrir „200“ kemur ..... 500
67. — 15. — 23. (Bókmenntafélagið).
Fyrir „8000“ kemur ..... 12000
68. — 15. — 25. (Fornleifafélagið).
Fyrir „1200“ kemur ..... 2000
69. — 15. — 26. (Sögufélagið).
Fyrir „2400“ kemur ..... 4000
70. — 15. — 30. (Til stjórnar þjóðvinafélagsins og menntamálaráðs, til útgáfu 1. bindis Íslendingasögu).
Fyrir „6000“ kemur ..... 10000

71. Við 15. gr. 32. (Steinn Dofri).
Fyrir „1200“ kemur ..... 1500
72. — 15. — 36. Liðurinn orðist svo:
Til leiklistarskóla Lárusar Pálssonar, Soffíu Guðlaugsdóttur og Jóns Norðfjörðs, 1200 kr. til hvers ..... 3600
73. — 15. — 37. (Leikfélag Akureyrar).
Fyrir „1500“ kemur ..... 3000
74. — 15. — 38. (Leikfélag Ísafjarðar).
a. Fyrir „800“ kemur ..... 1500
b. Nýr liður:
Til leikfélags Sauðárkróks, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að ..... 1500
75. — 15. — 39. (Norræna félagið).
Fyrir „3000“ kemur ..... 5000
76. — 15. — 45. Nýir liðir:
a. Til alþýðufræðslu Alþýðusambands Íslands ..... 8000
b. Til útgáfu héraðssagnarita, eftir tillögum fræðslumálastjóra ..... 5000
77. — 15. — 51. (Til ísl. stúdenta í Khöfn).
Fyrir „3500“ kemur ..... 5000
78. — 15 — 54. b.
a. Liðurinn orðist svo:
Til sama, til aðstoðar og upphitunar ..... 7000
b. Nýr liður:
Til viðgerðar á húsinu ..... 45000
79. — 15. — 54. Nýr liður:
Byggingarstyrkur til Höskuldar Björnssonar málara, lokagreiðsla ..... 2000
80. — 15. — 58. Nýr liður:
Til próf. dr. Steláns Einarssonar og próf dr. Richards Becks, til útgáfu íslenzkrar bókmenntasögu á ensku, kr. 5000 til hvors ..... 10000
81. — 16. — 4. Liðurinn orðist svo:
Til nýbýla ..... 260000
82. — 16. — 7. a. (Jarðabótastyrkur).
Fyrir „300000“ kemur ..... 500000
83. — 16. — 8. (Til búfjárræktar).
Fyrir „75000“ kemur ..... 150000
84. — 16. — 11. Nýr liður:
Til tilraunastarfsemi í þágu landbúnaðarins ..... 60000
85. — 16. — 14. (Byggingarsjóðir kaupstaða og kauptúna).
Fyrir „250000“ kemur ..... 440000
86. — 16. — 17. (Til skógræktar).
a. Við a. (Laun). Fyrir „10300“ kemur ..... 20400
b. Við b. (Skóggræðsla). Fyrir „130000“ kemur ..... 220000
c. Við c. (Skógræktarfélög). Fyrir „15000“ kemur .... 30000
87. — 16. — 19. Liðurinn orðist svo:
Til áveitu- og landþurrkunarfélaga, allt að ⅓ kostnaðar:
a. Til áveitufélags Ölfusinga, þar með talið framlag til ríkisjarða ..... 55000
b. Til landþurrkunarfélags Safamýrar ..... 12800
c. Til framræslu- og áveitufélags Staðarbyggðar ..... 25000
d. Til landþurrkunar í Akraneskaupstað og nágrenni .. 30000

88. Við 16. gr. 20. (Fyrirhleðsla á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts).
a. Fyrir „125000“ kemur ..... 180000
b. Nýir liðir:
1. Til fyrirhleðslu í Virkisá, gegn ⅓ annars staðar að 4000
2. Til fyrirhleðslu Steinavatna, gegn ⅓ annars staðar að ..... 1500
3. Til Fyrirhleðslu í Hjaltadalsá ..... 5000
4. Til kaupa á skurðgröfum og dráttarvél í sambandi við þær ..... 255000

89. — 16. — 21. c. Nýr liður:
Til Guðbrands Hlíðar til dýralækninganáms ..... 1200

90. — 16. — 22. (Til búreikningaskrifstofu).
Fyrir „3000“ kemur ..... 5000

91. — 16. — 28. (Rafmagnseftirlit ríkisins).
a. Við b. (Annar kostnaður). Fyrir „90000“ kemur .... 60000
b. Við „Tekjur“. Fyrir „150000“ kemur ..... 120000

92. — 16. — 32. (Lax- og silungsveiði).
Fyrir „8400“ kemur ..... 15000

93. — 16. — 33. (Klaksjóður).
Fyrir „5000“ kemur ..... 10000

94. — 16. — 36. e. (Ferðakostnaður yfirmatsmanna).
Fyrir „12000“ kemur ..... 8000

95. — 16. — 39. (Landssamband iðnaðarmanna).
Fyrir „10000“ kemur ..... 15000

96. — 16. — 68. (Til fiskiræktar).
Liðurinn fellur niður.

97. — 16. — 71. Liðurinn orðist svo:
Til verkstjóranámskeiðs, eftir ráðstöfun vegamálastjóra og vitamálastjóra ..... 3000

98. — 17. — 1. (Kostnaður við berklavarnir).
a. Við a. (Berklasjúklingar). Fyrir „1300000“ kemur .. 1750000
b. Við c. (Annar kostnaður). Fyrir „15000“ kemur .... 30000

99. — 17. — 2. (Styrkur til sjúklinga skv. l. 78/1936).
Fyrir „550000“ kemur ..... 1000000

100. — 17. — 3. (Gjöld samkv. l. 39/1935).
Fyrir „5000“ kemur ..... 12000

101. — 17. — 4. (Gjöld samkv. 19. og 21. gr. framfærslulaga).
Fyrir „15000“ kemur ..... 20000

102. — 17. — 13. (Til slysavarna).
Fyrir „15000“ kemur ..... 35000

103. — 17. — 15. (Stórstúkan).
a. Fyrir „30000“ kemur ..... 40000
b. Fyrir „3500“ í aths. kemur: 5000.

104. — 17. — 32. (Samband íslenzkra berklasjúklinga).
Fyrir „2000“ kemur ..... 3000

105. — 17. — 34. Liðurinn (a.—b. ásamt aths.) fellur niður.

106. — 17. — 36. Liðurinn orðist svo:
Til hælisins á Sólheimum ..... 12000

107. — 17. — 37. (Gamalmennahæli á Ísafirði).
Fyrir „1000“ kemur ..... 2000

108. — 17. — 38. (Gamalmennahæli á Seyðisfirði).
Fyrir „1000“ kemur ..... 2000

109. Við 17. gr. 39. (Gamalmennahæli í Hafnarfirði).
Fyrir „1000“ kemur ..... 2000
110. — 17. — 40. (Gamalmennahæli á Akranesi).
a. Fyrir „500“ kemur ..... 2000
b. Nýir liðir:
1. Til gamalmennahælis í Neskaupstað ..... 2000
2. Til gamalmennahælis í Skjaldarvík í Eyjafirði .. 2000
111. — 18. — I. B. 10. (Guðrún Briem).
Liðurinn fellur niður.
112. — 18. — I. C. 25. (Kristín Ísleifsdóttir).
Fyrir „500“ kemur ..... 119
113. — 18. — I. C. 32. (Sigríður Halldórsdóttir).
Liðurinn fellur niður.
114. — 18. — II. a. 9. (Halldór Steinsson).
a. Fyrir „600“ kemur ..... 1000
b. Nýr liður:
Ingólfur Gíslason, fyrrv. héraðslæknir ..... 1000
115. — 18. — II. b. 12. Nýr liður:
Guðrún Björnsdóttir læknisekkja ..... 600
116. — 18. — II. b. 30. Nýr liður:
Ragnheiður Einarsdóttir sýslumannsekkja ..... 600
117. — 18. — II. b. 33. Nýr liður:
Sigríður Arnljótsdóttir læknisekkja ..... 600
118. — 18. — II. c. 3. (Böðvar Bjarnason).
Fyrir „1400“ kemur ..... 600
119. — 18. — II. d. 1. (Anna Kvaran).
Fyrir „155“ kemur ..... 300
120. — 18. — II. d. 16. Nýr liður:
Guðrún Jónsdóttir 800 kr., auk 300 kr. með hverju barni hennar í ómegð ..... 2600
121. — 18. — II. d. 20. (Helga Jónsdóttir).
Fyrir „107“ kemur ..... 300
122. — 18. — II. d. 24. (Ingibjörg Magnúsdóttir).
Fyrir „157.90“ kemur ..... 300
123. — 18. — II. d. 25. (Ingveldur Einarsdóttir).
Fyrir „200“ kemur ..... 300
124. — 18. — II. d. 28. (Kristín Ísleifsdóttir).
Fyrir „119“ kemur ..... 500
125. — 18. — II. d. 34. (Sigríður Halldórsdóttir).
Liðurinn fellur niður.
126. — 18. — II. f. 1. Nýr liður:
Árni Sigurðsson bréfberi ..... 200
127. — 18. — II. f. 15. Nýr liður:
Guðrún Snorradóttir póstsekkja ..... 200
128. — 18. — II. f. 19. (Halldór Ólafsson póstur).
Liðurinn fellur niður.
129. — 18. — II. f. 20. Nýr liður:
Ingibjörg Sigurðardóttir póstafgreiðslukona ..... 400
130. — 18. — II. f. 37. Nýr liður:
Sigurður Sumarliðason póstur ..... 200
131. — 18. — II. f. 40. Nýr liður:
Sumarliði Guðmundsson póstur ..... 500
132. — 18. — II. l. 5. Nýr liður:
Ásdís M. Sigurðardóttir ljósmóðir ..... 200

133. Við 18. gr. II. l. 9. (Bjarni Magnússon).
Fyrir „200“ kemur ..... 300
134. — 18. — II. l. 10. Nýir liðir:
a. Björn Einarsson ..... 2000
b. Björn Eymundsson hafnsögumaður ..... 1000
135. — 18. — II. l. 13. (Einar Straumfjörð).
Fyrir „400“ kemur ..... 1000
136. — 18. — II. l. 14. Nýr liður:
Erlendur Erlendsson, fyrrv. fiskimatsmaður ..... 300
137. — 18. — II. l. 16. Nýr liður:
Gestur Sigurðsson leiðsögumaður ..... 300
138. — 18. — II. l. 18. Nýr liður:
Guðbjörg Jónsdóttir ljósmóðir ..... 200
139. — 18. — II. l. 31. (Guðrún Káradóttir).
a. Liðurinn fellur niður.
b. Nýr liður:
Guðrún Ragúelsdóttir ..... 300
140. — 18. — II. l. 34. (Helgi Árnason).
Fyrir „600“ kemur ..... 700
141. — 18. — II. l. 39. Nýr liður:
Ingibjörg Jakobsdóttir ..... 300
142. — 18. — II. l. 40. (Ingibjörg Loftsdóttir).
Liðurinn fellur niður.
143. — 18. — II. l. 44. (Jón Jónsson, Munaðarhóli).
Liðurinn fellur niður.
144. — 18. II. l. 46. Nýr liður:
Jón Sverrisson, fyrrv. yfirfiskimatsmaður ..... 1000
145. — 18. — II. l. 52. Nýr liður:
Kristján Þorlaksson vitavörður ..... 400
146. — 18. — II. l. 55. Nýr liður:
Magnús Magnússon dyravörður ..... 300
147. — 18. — II. l. 56. Nýr liður:
Margrét Ásmundsdóttir ..... 400
148. — 18. — II. l. 68. (Runólfur Pétursson).
Fyrir „1200“ kemur ..... 600
149. — 18. — II. l. 70. Nýir liðir:
a. Sigríður Gísladóttir ..... 300
b. Sigríður Jónasdóttir ljósmóðir ..... 200
c. Sigríður Jónsdóttir ljósmóðir ..... 200
150. — 18. — II. l. 80. Nýr liður:
Tómas Jónsson, fyrrv. fiskimatsmaður ..... 300
151. — 18. — II. l. 82. Nýr liður:
Þóra Sigurðardóttir ..... 300
152. — 19. — 1. (Verðlagsuppbót).
Fyrir „8000000“ kemur ..... 9294500
153. — 19. — 2. (Aukauppbætur).
Fyrir „1200000“ kemur ..... 1750000
154. — 20. — Eignahreyfingar. Út. III. (Nýir vitar).
Fyrir „200000“ kemur ..... 250000
155. — 22. — IV. Nýr liður:
Að endurgreiða án vaxta þeim Unni Jónsdóttur og Soffíu E. Ingólfsdóttur stjórnarráðsriturum og Önnu Guðmundsdóttur, Valdísi Halldórsdóttur og Helga Gíslasyni barnakennurum fé það, er þau hafa greitt í lífeyrissjóði embættismanna og barnakennara.

156. Við 22. gr. X. Nýr liður:
Að láta Íþróttasambandi Íslands í té lóð undir íþróttaheimili í Reykjavík til leigulausra afnota.

157. — 22. — XVI. Nýr liður:
Að kaupa 30 úrvalsrefi ásamt búrum, girðingum o. fl. fyrir allt að 35 þús. kr. af Loðdýraræktarfélagi Andakílshrepps, enda verði refabúið lagt undir ríkisbúið á Hvanneyri, sem hafi um það sérstakt reikningshald.

## Nd. 270. Breytingartillögur

við brtt. á þskj. 242 [Jöfnunarsjóður aflahluta].

Frá Pétri Ottesen.

Við tölul. 1. Meginmál liðarins orðist svo:

Sjóður, sem stofnaður kann að verða samkvæmt heimild laga þessara, nefnist jöfnunarsjóður aflahluta og tekur til skipa, er gerð eru út á fiskveiðar með hlutarráðningu (þ. e. skipshöfnin tekur kaup sitt í hluta af afla).

Til þess að geta orðið þátttakendur í jöfnunarsjóði þarf skipshöfn og útgerðarmaður að ákveða með samþykkt að ganga undir ákvæði laga þessara, en þó nægir til þess að slík samþykkt öðlist gildi, að meiri hluti hlutarráðinna manna hvers veiðiskips gjaldi henni jákvæði sitt. Samþykkt, sem gerð hefur verið, skal vera í gildi, þótt eigandaskipti verði að skipi eða það leigt öðrum, svo og þótt breyting verði á skipshöfn að einhverju leyti eða öllu, nema ný ákvörðun aðila komi til um að nema samþykktina úr gildi.

Nú hefur samþykkt verið löglega gerð, og skulu þá útgerðarmenn í lok hverrar vertíðar greiða sjóðnum af óskiptum afla 1% af verðmæti hans í óverkuðu ástandi, eftir að sameiginlegur kostnaður hefur verið dreginn frá. Ef ekki hefur farið fram sala á aflanum í vertíðarlok, skal hann metinn til peninga og það mat lagt til grundvallar fyrir gjaldi til sjóðsins. Stjórn Fiskifélags Íslands annast matið eða felur öðrum framkvæmd þess.

Útgerðarmenn standa skil á gjaldinu, og skoðast það geymslufé, eftir að skipti hafa farið fram. Fé þetta innheimta hreppstjórar og bæjarfógetar, hver í sínu umdæmi, og hefur gjaldið lögtaksrétt. Skal það sent sjóðsstjórninni að loknum skiptum eftir hverja vertíð.

## Nd. 271. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 246 [Jöfnunarsjóður aflahluta].

Frá Gísla Guðmundssyni.

Við 7. lið. Orðin „og sameiginlegan kostnað“ falli niður.

## Nd. 272. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 44 19. júní 1933, um stofnun happdrættis fyrir Ísland.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

a. B-liður 1. gr. laga nr. 44 19. júní 1933 hljóði svo:
Hlutina má selja bæði í heilu lagi og hálfu og enn fremur skipta þeim í fjórðunga, ef reynslan sýnir, að það sé hentugra. Iðgjald fyrir hvern hlut ákveður fjármálaráðherra, að fengnum tillögum happdrættisráðs og happdrættisstjórnar Háskólans.

b. Á undan tölunni „5000“ í c-lið sömu lagagreinar komi orðin: ekki færri en.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, og jafnframt falla úr gildi lög nr. 48 27. júní 1941, um breyting á lögum nr. 44 19. júní 1933, um stofnun happdrættis fyrir Ísland.

## Ed. 273. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á sveitarstjórnarlögum, nr. 12 31. maí 1927, og um afnám laga nr. 43 27. júní 1941, um breyting á þeim lögum.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og leggur til, að það verði samþ. með þessum

BREYTINGUM:

1. Við 1. gr. Orðin „nr. 48 1942“ í annarri meginmálsgrein falli burt.
2. Við 2. gr. Fyrir „nr. 43“ komi: nr. 34.
3. Við fyrirsögn: Fyrir „nr. 43“ komi: nr. 34.

Alþingi, 26. jan. 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Hermann Jónasson, frsm.

Lárus Jóhannesson. Brynjólfur Bjarnason.

## Ed. 274. Breytingartillaga

við frv. til l. um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá Brynjólfi Bjarnasyni og Kristni E. Andréssyni.

1. gr. orðist svo:

Ríkissjóður greiði árlega til að styrkja kynnisferðir sveitafólks, sem ekki nýtur orlofs samkvæmt sérstökum lögum eða samningum, upphæð, er nemur 50 þús. kr. að viðbættri dýrtíðaruppbót samkvæmt vísitölu kauplagsnefndar.

## Ed. 275. Frumvarp til laga

um útgáfurétt að uppdráttum af Íslandi.

(Eftir 3. umr. í Nd.).

1. gr.

Kennslumálaráðuneytið skal hafa einkarétt til að gefa út uppdrætti, sem ætlaðir eru til sölu sérstakir, af landinu öllu eða einstökum hlutum þess.

Undanskildir ákvæðum 1. mgr. eru þó uppdrættir, sem út eru gefnir í sérstöku vísindalegu skyni, svo sem sögulegir uppdrættir, jarðfræðiuppdrættir og aðrir þess konar uppdrættir, og enn fremur sjókort.

2. gr.

Einkarétt þann, sem um ræðir í 1. gr., er ráðuneytinu heimilt að afhenda sérstökum stofnunum um allt að 10 ára tímabil í senn.

Skal í samningi um útgáfuréttinn tryggja, að tilhögun útgáfunnar verði sem heppilegust og uppdrættir allir vandaðir að gerð.

Skylt er þeim, er slíkan einkarétt fær, að sjá um, að uppdrættir þeir, er hann hefur fengið einkarétt til útgáfu á, séu jafnan fáanlegir til kaups, og skal söluverð þeirra ákveðið með samþykki ráðuneytisins.

3. gr.

Sá, sem gefur út uppdrætti eða flytur hingað til lands uppdrætti, sem gefnir hafa verið út erlendis, án heimildar samkvæmt þessum lögum, í þeim tilgangi að hafa þá á boðstólum hér á landi, svo og sá, sem vísvitandi hefur útsölu á uppdráttum, sem gefnir hafa verið út hér á landi eða fluttir hingað gegn ákvæðum þessara laga, skal sæta 20—1000 kr. sektum og greiði þeim, sem misboðið er, fullar bætur fyrir allt það tjón, sem leitt hefur af broti hans. Uppdrættir, sem út hafa verið gefnir gegn ákvæðum laga þessara, skulu gerðir upptækir, svo og áhöld þau, sem notuð hafa verið til þess að drýgja brot gegn lögum þessum, svo sem plötur, mót o. þ. h. Sama gildir eftir því, sem við verður komið, um þá uppdrætti, sem innfluttir hafa verið án heimildar.

4. gr.

Mál út af brotum gegn lögum þessum skulu sæta meðferð opinberra lögreglumála.

5. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

## Nd. 276. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 138 (Einkasala á bifreiðum o. fl.).

Frá Gísla Guðmundssyni.

Meginmál brtt. orðist svo:

Fimm manna nefnd skal hafa með höndum, þegar ekki er hægt að fullnægja eftirspurn, úthlutun allra bifreiða, sem fluttar eru til landsins. Sameinað Alþingi kýs með hlutfallskosningu fjóra menn í nefndina og fjóra til vara, en hinn fimmta skipar ríkisstjórnin eftir tilnefningu landssambands fólksflutningsbifreiðarstjóra og varamann hans eftir tilnefningu landssambands vörubifreiðarstjóra, og taki

hann sæti í nefndinni, þegar ákveðin er úthlutun vörubifreiða. Á meðan eigi er stofnað landssamband, annast sams konar stéttarfélag bifreiðarstjóra í Reykjavík tilnefningu í þess stað. Nefndin skal fylgja þeirri reglu, að a. m. k. tveir þriðju þeirra fólksflutningabifreiða, sem fluttar eru inn árlega, fari til atvinnubílstjóra og bifreiðastöðva.

## Nd. 277. Tillaga til þingsályktunar

um athugun á rafvirkjun til almenningsþarfa í Vestur-Skaftafellssýslu.

Flutningsm.: Gísli Sveinsson.

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta fram fara hið fyrsta rækilega athugun á því, hvernig bezt megi koma í framkvæmd allsherjar rafvirkjun í sveitum Vestur-Skaftafellssýslu, og hvort hagkvæmara muni, að þessi sýsla verði tengd við aðalrafvirkjunarstöðvar Suðurlandsins eða fallvötn virkjuð til almenningsþarfa í sjálfu héraðinu eða í nánd við það.

Greinargerð.

Eins og kunnugt er, fer nú fram í milliþinganefnd og hjá rafmagnseftirliti ríkisins rannsókn á tilhögun á allsherjar rafvirkjun í landinu, einkanlega miðað við, hvernig leiða megi rafmagn frá hinum stóru fallvötnum, sem þegar er byrjað að virkja, svo sem Soginu sunnanlands og Laxárfossum norðanlands. Er eðlilega enn þá óvíst, hversu víðtækt slíkt kerfi gæti orðið eða hvernig séð yrði fyrir fullnægingu raforkuþarfa sem flestra landsbúa yfirleitt, samkvæmt tilgangi þeirra ákvæða, er Alþingi samþykkti á síðasta ári.

Í Vestur-Skaftafellssýslu er, eins og margir vita, fyrir löngu byrjað á einstaklingsvirkjun fallvatna til heimilisþarfa fyrir þau býli, er aðstöðu hafa haft til slíks, sem sérstaklega er í uppsveitum (fjallasveitum) sýslunnar. En eftir eru þó fjölmörg býli og einnig framsveitirnar austan Mýrdalssands, Meðallandið og Álftaverið, þar sem eigi eru fallvötn tiltæk til stærri virkjunar, eða a. m. k. möguleikar til hennar órannsakaðir. Sama er að segja um Mýrdalssveitirnar að miklu leyti, því að fossar eru þar af næsta skornum skammti, en sá hluti héraðsins er landfræðilega áframhald af Eyjafjallasveitunum, með hinum alkunnu fossum, Skógafossi og Seljalandfossi, og liggja auk þess næstar sjálfu Suðurláglendinu, sem mun vera í ráði, að njóti að mestu leyti Sogsvirkjunar. Er mjög áríðandi, að allt þetta sé athugað í samhengi, svo að vel og haganlega verði komið fyrir öllum framkvæmdum hér að lútandi þegar í upphafi. Til þess að stuðla að því, að svo mætti verða, er tillaga þessi borin fram.

## Nd. 278. Frumvarp til laga

um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Sérhver farþegi eða starfsmaður á skipi, sem siglir í íslenzkri landhelgi, skal afhenda skipstjóra, þegar er hann er kominn á skip eða er skip siglir inn í íslenzka landhelgi ljósmyndavélar, er hann kann að hafa í vörzlu sinni, og skal skipstjóri geyma þær, þar til aðili stígur af skipsfjöl eða skip siglir út úr landhelgi Íslands.

2. gr.

Inn á svæði þau, sem greind eru eða verða í auglýsingu þar um, má enginn fara með ljósmyndavél, nema hún hafi verið innsigluð tryggilega af réttu stjórnvaldi.

3. gr.

Bannað er án leyfis réttra aðila að taka ljósmyndir af herstöðvum eða hertækjum, svo sem flugvöllum, fallbyssustæðum, loftvarnastöðvum, strandvarnafallbyssustöðvum, höfnum eða skipalægjum eða loftskeytastöðvum á öllum þeim svæðum, sem bannað er þegar eða bannað kann að verða að taka ljósmyndir.

4. gr.

Ef maður raskar innsigli á ljósmyndavél, sbr. 2. gr., þá varðar það við 113. gr. almennra hegningarlaga, nr. 19 12. febr. 1940.

Brot á öðrum ákvæðum laga þessara varða sektum eða varðhaldi, ef miklar sakir eru.

Ljósmyndavélar, sem notaðar eru eða farið er með andstætt fyrirmælum laga þessara, má gera upptækar með dómi.

5. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum sæta meðferð opinberra mála.

Athugasemd við lagafrumvarp þetta:

Frumvarp þetta á, ef það verður að lögum, að bæta úr vöntun ákvæða um þau efni, sem þar greinir og ástand það, sem nú ríkir í landinu, gerir nauðsynlegt að bæta úr.

## Nd. 279. Frumvarp til laga

um vernd barna og ungmenna.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

I. KAFLI

**Inngangur.**

1. gr.

Vernd barna og ungmenna tekur yfir:

1. Almennt eftirlit með aðbúð og uppeldi á heimili.
2. Eftirlit með hegðun og háttsemi utan heimilis.
3. Ráðstöfun í vist, í fóstur, til kjörforeldra eða á sérstakar uppeldisstofnanir.
4. Eftirlit með uppeldisstofnunum, svo sem barnahælum, dagheimilum, leikskólum, sumardvalarheimilum, fávitahælum o. s. frv.
5. Eftirlit með börnum og ungmennum, líkamlega, andlega eða siðferðislega miður sín. Koma hér einkum til greina börn og ungmenni, blind, málhölt, fötluð, fávita og á annan hátt vangefin, svo og börn og ungmenni, sem framið hafa lögbrot eða eru á annan hátt á siðferðislegum glapstigum.
6. Heilsu- og vinnuvernd.
7. Eftirlit með skemmtunum.
8. Fræðslu- og leiðbeiningarstarfsemi varðandi uppeldismál.

2. gr.

Starf til verndar börnum og ungmennum rækja samkvæmt lögum þessum:

barnaverndarnefndir,
barnaverndarráð og

ungmennadómur, svo og
hæstiréttur sem áfrýjunardómur í tilteknum málum.

3. gr.

Barnaverndarnefndarmenn, barnaverndarráðsmenn, ungmennadómendur, fulltrúar þessara aðila og annað starfslið á vegum þeirra eru opinberir starfsmenn og hljóta þá vernd, sem slíkum mönnum er tryggð, sbr. einkum XII. kafla laga nr. 19 1940, og bera skyldur samkvæmt því, sbr. einkum XIV. kafla sömu laga. Ber þeim að sýna börnum og ungmennum, sem þeir fjalla um mál þeirra, alla nærgætni og gæta fyllstu varúðar um að skýra ekki óviðkomandi mönnum frá því, sem þeir verða vísir í starfa sínum um einkamál manna og heimilisháttu.

## II. KAFLI
## Um barnaverndarnefndir.

4. gr.

Barnaverndarnefnd skal vera í hverjum kaupstað landsins. Utan kaupstaða vinnur skólanefnd störf barnaverndarnefndar og hefur að því leyti réttindi hennar og skyldur.

5. gr.

Barnaverndarnefnd (skólanefnd) hefur eftirlit með uppeldi og hegðun barna og ungmenna innan 18 ára, svo og eldri ungmenna, ef þau eru líkamlega, andlega eða siðferðislega miður sín, og þá allt að 21 árs aldri.

6. gr.

Bæjarstjórn í kaupstað kýs 5 manna barnaverndarnefnd. Skulu nefndarmenn vera kunnir að grandvarleik og bera sem bezt skyn á mál þau, sem barnaverndarnefnd fjallar um. Um kjörgengi í barnaverndarnefnd fer eftir sömu reglu og um kjörgengi í bæjarstjórn. Kjósa skal með sama hætti varamenn í barnaverndarnefnd.

Í Reykjavík skal leitazt við að haga skipun barnaverndarnefndar svo, að í henni eigi sæti kennari eða uppeldisfræðingur, lögfræðingur og læknir.

7. gr.

Kjörtími barnaverndarnefndar er hinn sami og bæjarstjórnar. Fyrsta kosning samkvæmt lögum þessum gildir þó einungis þangað til bæjarstjórnarkosningar fara næst fram.

8. gr.

Það er borgaraskylda að taka kosningu í barnaverndarnefnd. Þó geta skorazt undan kosningu þeir, er átt hafa sæti í nefnd allt síðasta kjörtímabil. Maður eldri en 65 ára getur skorazt undan kosningu fyrir fullt og allt.

Bæjarstjórn (bæjarráð) ákveður þóknun nefndarmanna, enda greiðist kostnaður af nefndarstörfum úr bæjarsjóði.

9. gr.

Barnaverndarnefndarmenn skipta með sér störfum og kjósa formann, varaformann og ritara. Ritari heldur nákvæma fundarbók um störf nefndar og sendir barnaverndarráði skýrslu um þau fyrir miðjan febrúar ár hvert.

10. gr.

Í Reykjavík skal bæjarráð, að fengnum tillögum barnaverndarnefndar, ráða fulltrúa, er annast skal dagleg störf barnaverndarnefndar í umboði hennar. Skal hann vera kunnáttumaður um uppeldismál og önnur mál, er barnaverndarnefnd fer með.

Barnaverndarnefnd ræður annað starfsfólk samkvæmt tillögum fulltrúa og að fenginni heimild bæjarráðs.

Barnaverndarnefnd utan Reykjavíkur er heimilt að ráða sér fulltrúa og starfsfólk eftir samsvarandi reglum.

11. gr.

Um störf og starfsháttu barnaverndarnefnda fer að öðru leyti eftir V. kafla þessara laga.

## III. KAFLI
## Um barnaverndarráð.

12. gr.

Ráðherra skipar barnaverndarráð til 4 ára í senn. Skal það skipað 3 mönnum og eiga heima í Reykjavík. Einn barnaverndarráðsmanna skal vera kunnáttumaður um uppeldismál eða í uppeldisfræði og skipaður að fengnum tillögum fræðslumálastjóra. Annar skal vera lögfræðingur og skipaður að fengnum tillögum hæstaréttar. Hinn þriðji skal vera læknir og skipaður að fengnum tillögum landlæknis. Á sama hátt skulu skipaðir jafnmargir varamenn. Barnaverndarráðsmenn skipta með sér störfum og velja sér formann, varaformann og ritara. Ritari heldur fundarbók um störf barnaverndarráðs.

Ráðherra ákveður þóknun barnaverndarráðsmanna, og greiðist hún ásamt kostnaði af ráðinu úr ríkissjóði.

Um störf og starfsháttu barnaverndarráðs fer eftir VI. kafla þessara laga.

## IV. KAFLI
## Um ungmennadóm.

13. gr.

Ungmennadóm skipa héraðsdómari ásamt tveimur samdómendum, er barnaverndarnefnd sú, sem í hlut á, nefnir í dóminn úr sínum hópi. Héraðsdómari er forseti ungmennadóms.

Ráðherra ákveður þóknun samdómenda, og greiðist hún úr ríkissjóði ásamt öðrum kostnaði af dómi. Þóknun má miða við ársstarf eða einstök mál.

Um störf og starfsháttu ungmennadóms fer eftir VII. kafla þessara laga.

## V. KAFLI
## Um störf og starfsháttu barnaverndarnefnda.

14. gr.

Barnaverndarnefnd er ályktunarhæf, þegar fullur helmingur nefndarmanna situr fund, enda sé formaður eða varaformaður á fundi. Ef svipta á forráðamenn barns umráðarétti yfir því, skulu fjórir hverra fimm barnaverndarnefndarmanna gjalda ráðstöfuninni jákvæði.

Nú hamlar nauðsyn barnaverndarnefndarmanni fundarsókn, og skal hann þá gera formanni viðvart með fyrirvara, ef unnt er. Boðar þá formaður varamann í hans stað.

15. gr.

Ef bráðan bug þarf að vinda að ráðstöfun, sem ber undir barnaverndarnefnd, getur formaður, eða fulltrúi í umboði hans, framkvæmt hana, en leggja skal málið til fullnaðarákvörðunar fyrir barnaverndarnefnd, svo fljótt sem kostur er.

16. gr.

Ef lögfræðingur á ekki sæti í barnaverndarnefnd, er héraðsdómara skylt að veita henni lögfræðilega aðstoð, eftir því sem samrýmist embættisstörfum hans.

17. gr.

Barnaverndarnefndarmönnum, fulltrúa barnaverndarnefndar, starfsmönnum og öðrum, er barnaverndarnefnd kann að fela það sérstaklega, er heimilt að fara á heimili og hæli til rannsóknar á högum barns og ungmennis, taka skýrslur af foreldrum eða forráðamönnum þess og kveðja fyrir sig til yfirheyrslu hvern þann í umdæmi hennar, er um kann að bera. Svo getur hún og krafizt þess, að menn séu kvaddir vættis fyrir dómi til skýringar máli.

18. gr.

Barnaverndarnefndir skulu veita hver annarri atbeina til skýringar málum og við framkvæmd hvers konar barnaverndarráðstafana.

19. gr.

Ef kennari, prestur, hreppsnefndaroddviti, framfærslunefnd (framfærslufulltrúi), læknir, ljósmóðir, hjúkrunarkona eða opinber starfsmaður verður í starfa sínum var við misfellur á uppeldi og aðbúð barna og ungmenna, er honum skylt að gera barnaverndarnefnd viðvart. Sérstaklega er kennurum, prestum og þeim, sem fara með framfærslumál, skylt að fylgjast eftir föngum með hegðun og uppeldi þeirra barna og ungmenna, sem á vegi þeirra verða, og hafa náið samstarf við barnaverndarnefnd.

Um tilkynningarskyldu annarra manna fer svo sem segir í 51. gr.

20. gr.

Skylt er löggæzlumanni að aðstoða barnaverndarnefndir og gera þeim viðvart, ef hann verður þess vís, að ábótavant sé framferði, uppeldi eða aðbúð barns eða ungmennis.

Ef brot eru framin, sem börn innan 16 ára eru viðriðin, ber löggæzlumanni og dómara þegar í stað að tilkynna það barnaverndarnefnd og veita henni þess kost að fylgjast með rannsókn máls og láta nefndarmenn, fulltrúa eða annan starfsmann vera viðstaddan yfirheyrslu. Getur dómari krafizt þessa, ef honum þykir þörf.

Í máli barns eða ungmennis samkvæmt lögum þessum eða í máli vegna siðferðisbrots, sem barn eða ungmenni er viðriðið, getur dómari eða rannsóknarlögregla lagt fyrir barnaverndarnefnd eða fulltrúa hennar að annast yfirheyrslur og rannsaka einkahagi og heimilisháttu barns eða ungmennis til afnota í málinu.

21. gr.

Jafnan skal leita, ef þess er kostur, umsagnar foreldra eða forráðamanna barns eða ungmennis, áður en framkvæmdar eru meiri háttar ráðstafanir, svo sem taka barns af heimili.

22. gr.

Barnaverndarnefnd skal kosta kapps um að fylgjast sem bezt með framferði, uppeldi og aðbúð barna og ungmenna í umdæmi sínu og hafa stöðugt samband við aðra þá aðila, sem stöðu sinnar vegna öðlast vitneskju um þessi efni.

23. gr.

Nú verður barnaverndarnefnd þess vís, að heimilishögum, uppeldisháttum, framferði foreldra, forráðamanna eða annarra heimilismanna, aðbúnaði eða hegðun barns sé ábótavant, og skal hún þá láta málið til sín taka á þann hátt, er bezt þykir við eiga, eftir því sem á stendur.

24. gr.

Ef barn verður munaðarlaust, skal barnaverndarnefnd aðstoða þá, er láta sig hag þess varða, eða hreppsnefnd eða framfærslunefnd við að koma því í fóstur á gott heimili, enda er óheimilt að vista slík börn á öðrum heimilum en þeim, sem barnaverndarnefnd sú, er í hlut á, samþykkir, sbr. 17. gr. laga nr. 52 1940.

25. gr.

Ef fjárhagur foreldra barns eða forráðamanna er svo bágborinn, að það nýtur ekki sómasamlegrar aðbúðar og uppeldis, skal barnaverndarnefnd hlutast til um, að ráðin verði bót á örbirgð heimilis. Ef barn líður skort vegna örbirgðar, skal barnaverndarnefnd þegar í stað gera hreppsnefnd eða framfærslunefnd viðvart, og er þeim skylt að sinna tafarlaust slíkum málum.

Ekki má taka barn af heimili eingöngu vegna örbirgðar foreldra eða forráðamanna, nema samþykki þeirra komi til, enda telji barnaverndarnefnd það fóstur, sem barni er fengið, viðunandi.

26. gr.

Nú stafar heilsu barns eða ungmennis hætta af sjúkdómi, er aðrir heimilismenn hafa tekið, eða það er sjúkt og fær ekki viðunandi hjúkrun og læknishjálp, og skal þá barnaverndarnefnd, í samráði við heimalækni eða héraðslækni, gera þær ráðstafanir, sem nauðsynlegar þykja til verndar heilsu barnsins eða ungmennisins.

27. gr.

Nú verður barnaverndarnefnd þess vís, að uppeldi barns eða ungmennis, aðbúnaði eða atlæti er ábótavant vegna hirðuleysis foreldra eða forráðamanna, vankunnáttu þeirra, andlegra eða siðferðislegra annmarka, líkamlegs eða andlegs heilsuleysis, drykkjuskapar, eiturlyfjanautnar, lauslætis eða annars siðleysis, refsiverðs athæfis o. s. frv., og skal þá barnaverndarnefnd gera viðeigandi ráðstafanir. Kemur þá m. a. til greina að leiðbeina foreldrum og forráðamönnum og áminna þá, skipa heimili eftirlitsmann, eiga hlut að því, að sjúklingi eða annmarkamanni verði komið brott af heimili, eða taka barn af heimili, ef það þykir bezt henta, og má þá fela öðrum foreldravaldið. Ef ungmenni yfir 16 ára á í hlut, skal barnaverndarnefnd fara eftir ákvæðum 32. gr., eftir því sem við á.

Það er borgarakvöð að taka skipun sem eftirlitsmaður heimilis samkvæmt ákvæðum þessarar greinar.

28. gr.

Ef það kemur upp, að barni eða ungmenni sé háski búinn af háttsemi eða framferði heimamanns, svo sem vegna ofdrykkju eða annars ósæmilegs athæfis, en því gæti annars liðið vel á heimilinu, er barnaverndarnefnd skylt, ef umvandanir og aðrar ráðstafanir koma ekki að haldi, að kæra málið fyrir valdsmanni þeim, er í hlut á. Er honum þá skylt að gera ráðstöfun, sem tryggi hag barnsins eða ungmennisins að þessu leyti, og í því skyni jafnvel heimilt að víkja manni brott af heimili um stundarsakir eða til frambúðar, ef hann bætir ekki ráð sitt, sbr. 52. gr.

29. gr.

Ef barnaverndarnefnd verður þess vís, að hegðun barns sé ábótavant, svo sem vegna ódælsku og óknytta, slæpingsháttar, flækings, betls, vanrækslu á námi, drykkjuskapar eða annarrar óreglu, lauslætis eða lögbrota, skal barnaverndarnefnd hefjast handa um viðeigandi aðgerðir. Skal hún þá ráðgast um við foreldri eða forráðamenn, áminna barnið og reyna eftir föngum að leiða það á rétta braut. Ef barn er í skóla eða við nám, skal barnaverndarnefnd ráðgast við kennara eða meistara um betrun á hegðun þess, en við dómara, ef um lögbrot er að tefla. Ef nauðsyn þykir bera til, skal barnaverndarnefnd taka barn brott af heimili og fá því góðan

samastað á heimili til umsjár eða í vist, sbr. lög nr. 22 1928, á hæli eða uppeldisstofnun, enda sé höfð hliðsjón af annmörkum þess, sbr. 27. gr., og skulu þeim, sem við því taka, veittar leiðbeiningar um, hvernig með það skuli fara. Sá, sem tekur við slíku barni, skal ekki láta það frá sér fara án vitundar barnaverndarnefndar þeirrar, er í hlut á.

Þegar annmarkabarn eða ungmenni, sbr. 32. gr., er vistað á heimili, skal þess gætt, að á heimilinu séu ekki önnur börn eða ungmenni, sem stafað geti hætta af sambúð við það.

Jafnframt ákvæðum þessarar greinar skulu haldast ákvæði 267. gr. laga nr. 19 1940 um ráðstöfun vegna lögbrota barna yngri en 15 ára.

Nú verður barn 16 ára á heimili, hæli eða uppeldisstofnun, þar sem barnaverndarnefnd hefur komið því fyrir, og skal þá sú ákvörðun barnaverndarnefndar haldast, nema ungmennadómur ákveði annað. Rétt er aðila, þegar hann er orðinn 16 ára, eða lögráðamanni hans að bera málið undir ungmennadóm, og framvegis eftir reglum þeim, sem getur í VII. kafla þessara laga.

30. gr.

Ef barnaverndarnefnd ráðstafar barni eða ungmenni, sbr. 32. gr., til dvalar í umdæmi annarrar barnaverndarnefndar, skal hún að jafnaði tilkynna það þeirri barnaverndarnefnd, sem þá ber að láta fyrr greinda barnaverndarnefnd fylgjast með högum þess.

31. gr.

Þegar barni er ráðstafað brott af heimili, sbr. 27. og 29. gr., skal leggja áherzlu á, að því sé séð fyrir lögskipaðri fræðslu eða fræðslu við sitt hæfi, ef annmarkabarn á í hlut. Nú er barn fullra 14 ára, og skal þá barnaverndarnefnd leitast við að ráðstafa því til þess starfa eða náms, er bezt svarar til hæfi þess og því má að gagni koma í lífinu. Kostnað af þessu má leggja á foreldra eða framfærslumenn, séu þeir aflögufærir, en ella leitar barnaverndarnefnd aðstoðar hreppsnefndar eða framfærslunefndar.

32. gr.

Ef ungmenni eldra en 16 ára er haldið annmörkum þeim, er í 29. gr. getur, skal barnaverndarnefnd reyna að bæta hegðun og framferði þess með leiðbeiningum og áminningum, viðræðum við venzlafólk, húsbændur, kennara, meistara o. s. frv.

Ef ungmenni lætur skipast við áminningar barnaverndarnefndar og fellst á, að því sé komið í vist, sbr. lög nr. 22 1928, eða til náms, er barnaverndarnefnd skylt að veita atbeina sinn til þess, enda ráðstafi dómari eða ráðherra ekki á annan veg ungmenni, sem framið hefur lögbrot og eldra er en 15 ára. Jafnframt skulu gilda áfram ákvæði 30. gr. laga nr. 19 1940.

Ef úrræði þessi koma ekki að haldi, skal barnaverndarnefnd vísa máli til ungmennadóms, sbr. VII. kafla þessara laga.

Nú hefur ungmenni lokið vist, sem því hefur verið fengin, samkvæmt ákvæðum þessara laga, á heimili, hæli eða uppeldisstofnun, og skal þá barnaverndarnefnd sú, sem í hlut á, veita því atbeina sinn til þess að komast í vist, í atvinnu eða til náms við þess hæfi.

33. gr.

Enginn má koma barni í fóstur né taka barn í fóstur, nema hann hafi til þess leyfi barnaverndarnefndar. Áður en barnaverndarnefnd veitir slíkt leyfi, skal hún kynna sér heimilishagi og fá það stutt vottorðum kunnugra og trúverðugra manna, ef þurfa þykir, að umsækjandi sé fullhæfur til að taka barn í fóstur og fósturbarni sé vel borgið á heimili hans. Krefjast skal læknisvottorðs um fullnægjandi heilbrigði á heimilinu.

Barnfóstursleyfi skal að jafnaði einungis veita hjónum, sem sjálf hafa ekki mikla ómegð, og að jafnaði skal ekki vista fleiri en þrjú börn í stað, nema syst-

kin séu. Þessi takmörkun tekur þó ekki til barnahæla. Að jafnaði skal ekki veita fólki yfir sextugt leyfi til barnfósturs. Einhleypum konum má veita leyfi til að taka telpur í fóstur, en drengi, þegar sérstaklega stendur á, einkum á ungbarnsaldri. Einhleypum körlum skal ekki veitt barnfóstursleyfi, nema þeir eigi heimili, þar sem börnin njóta umsjár kvenna.

Þegar venzlafólk á í hlut, má víkja frá framan greindum ákvæðum, enda þyki hag fósturbarns ekki miður borgið.

Ef barni er komið í fóstur utan umdæmis barnaverndarnefndar, þar sem barn átti heima, skal hún tilkynna það barnaverndarnefnd þeirrar sveitar, þar sem barninu er fengið fóstur.

Ef barn fer úr fóstri, eða annað fósturforeldra eða bæði andast eða skilja samvistir, þá skal það tilkynnt barnaverndarnefnd þeirri, er í hlut á.

Brot gegn grein þessari varðar sektum eða varðhaldi allt að 4 mánuðum.

34. gr.

Áður en ættleiðingarleyfi er veitt, skal ráðherra leita umsagnar barnaverndarnefndar, og skal ættleiðingarleyfi ekki veitt, nema fullnægt sé, eftir því sem við getur átt, ákvæðum 33. gr. um barnfóstursleyfi.

35. gr.

Barnaverndarnefnd er skylt að fylgjast með högum fósturbarna til 14 ára aldurs, enda ber barnaverndarnefnd að halda skrá um þau. Rétt er að skrásetja einnig þau önnur börn og ungmenni, sem sérstök ástæða er til að fylgjast með högum þeirra vegna umkomuleysis eða annmarka aðila.

36. gr.

Ef barnaverndarnefnd kemst að raun um, að þeir, sem hafa á vegum sínum fósturbarn eða tökubarn, vanræki uppeldi þess, atlæti eða aðbúnað, þá er henni, auk annarra ráðstafana, er lög leyfa, heimilt að leggja bann við, að þeir taki vandalaus börn framvegis.

37. gr.

Áður en ráðherra veitir heimild til stofnunar eða rekstrar barnahælis eða annarrar uppeldisstofnunar samkvæmt lögum nr. 30 1933, skal hann leita umsagnar barnaverndarráðs. Ekki má fela forstöðu slíks hælis eða stofnunar öðrum en þeim, sem barnaverndarnefnd sú, er í hlut á, telur þar til hæfa, eða barnaverndarráð, ef hæli er ætlað til viðtöku börnum eða ungmennum hvaðanæva af landinu.

Barnaverndarnefnd ber að hafa eftirlit með barnahælum og uppeldisstofnunum í umdæmi sínu og fylgjast með högum og aðbúð barna þar. Skal hún gæta þess vandlega, að ekki séu rekin í umdæmi hennar önnur hæli eða stofnanir en þær, sem hlotið hafa löggildingu samkvæmt lögum nr. 30 1933.

Ef uppeldi, aðbúnaður eða atlæti barns á barnahæli eða uppeldisstofnun er vanrækt eða rekstri slíks hælis eða stofnunar á annan hátt ábótavant, skal barnaverndarnefnd með leiðbeiningum og áminningum leitast við að bæta úr því, sem áfátt er. En komi það ekki að haldi, skal hún leggja málið fyrir barnaverndarráð. Ef barnaverndarráð fær eigi úr bætt, getur það svipt forstöðumann starfanum, og ráðherra svipt hæli eða stofnun rétti til rekstrar áfram, að fengnum tillögum barnaverndarráðs og barnaverndarnefndar. Bera má mál þessi undir dómstóla, en ekki frestar það framkvæmd úrskurðar barnaverndarráðs eða ráðherra.

38. gr.

Áður en ráðstafað er samkvæmt lögum þessum barni eða ungmenni, sem er líkamlega, andlega eða siðferðislega miður sín, sbr. 5. tölul. 1. gr., skal barnaverndarnefnd, barnaverndarráð eða ungmennadómur, ef unnt er, láta kunnáttumann rannsaka barnið eða ungmennið og segja til, hvernig með skuli fara.

Í Reykjavík skal barnaverndarnefnd á kostnað bæjarsjóðs séð fyrir athugunarstöð í þessu skyni. Þar skal þess kostur að vista til bráðabirgða börn og ungmenni, sem framið hafa lögbrot eða eru á annan hátt á siðferðislegum glapstigum, unz athugun þeirra er lokið og þeim ráðstafað til frambúðar.

Barnaverndarnefnd semur reglur um starfsháttu þessarar stöðvar, er barnaverndarráð og bæjarráð samþykkja.

39. gr.

Ríkið rekur hæli, þar sem vistuð skulu börn og ungmenni, sem framið hafa lögbrot eða eru á annan hátt á siðferðislegum glapstigum, sbr. 29. og 62. gr. Skulu hæli þessi a. m. k. vera tvö, annað handa stúlkum, en hitt handa piltum. Ráðherra setur reglur um vist barna og ungmenna á hælum þessum, fræðslu, uppeldi og aga þar. Skal leitazt við að greina börn og ungmenni eftir kynferði, aldri, andlegum þroska og heilsu og siðferði.

Um greiðslur fyrir börn og ungmenni á hælum þessum og öðrum hælum og stofnunum handa börnum og ungmennum, sem í 37. gr. getur, fer samkvæmt lögum nr. 78 1936. Þegar leitað er samninga um vist á slíkum hælum eða stofnunum, sbr. 2. mgr. 4. gr. nefndra laga, skal það gert í samráði við barnaverndarráð.

40. gr.

Rétt er barnaverndarnefnd að leita í samráði við oddvita eða framfærslunefnd samninga um meðlag með barni eða ungmenni, sem ráðstafað er samkvæmt lögum þessum gegn meðlagi. Ágreiningi má skjóta til hreppsnefndar eða bæjarstjórnar (bæjarráðs), er skal tafarlaust leggja úrskurð á málið. Skjóta má úrskurði sveitarstjórnar til æðra stjórnvalds.

Þá er barni eða ungmenni er ráðstafað svo sem nú var sagt, skal framfæranda, sbr. lög nr. 52 1940, skylt, eftir því sem hann er megnugur, að bera kostnað af því. Nú telur framfærandi sér kostnað um megn, og skal þá valdsmaður sá, sem í hlut á, kveða upp úrskurð um meðlagsskyldu, er hann hefur rannsakað efni og ástæður aðila. Má skjóta þeim úrskurði til ráðherra.

Að öðru greiðist kostnaður úr sveitarsjóði, sbr. þó 39. gr. laga þessara.

41. gr.

Barnaverndarnefnd skal hafa eftirlit með því, að barni eða ungmenni sé ekki ofþjakað við þunga eða óholla vinnu með löngum vinnutíma, vökum eða óreglulegum vinnuháttum. Ekki má ráða barn yngra en 14 ára til vinnu í verksmiðju, enda hafi það lokið fullnaðarprófi barnafræðslu. Sama gildir um ráðningu barns til vinnu á skipi. Til iðnaðarnáms má ekki ráða barn innan 16 ára. Rétt er ráðherra að setja reglugerðir, er taki yfir landið í heild, ef við á, en annars einstök umdæmi, þar sem nánar er kveðið á um aldur barna og ungmenna, hvíld, vinnutíma, aðbúð, orlof og önnur vinnuskilyrði í tilteknum starfsgreinum og við tiltekin störf starfsgreinar. Í reglugerð má ekki setja vægari ákvæði til verndar barni eða ungmenni en fyrir eru í eldri lögum.

Rétt er, að ákvæði reglugerða um vinnuvernd barna og ungmenna taki m. a. yfir: vernd sendisveina í starfa, þar á meðal útbúnað flutningatækja þeirra; takmörkun á blaðasölu barna og ungmenna og annarri verzlunarstarfsemi þeirra; starfa barna og ungmenna á veitingahúsum og opinberum skemmtistöðum og þátttöku þeirra í opinberri skemmtistarfsemi.

Brot gegn ákvæðum greinar þessarar, svo og brot gegn ákvæðum reglugerða, er settar eru samkvæmt henni, varðar sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að 3 árum. Auk refsingar má svipta mann réttindum samkvæmt 68. gr. laga nr. 19 1940.

42. gr.

Barnaverndarnefnd skal veita atbeina sinn til, að almenn heilsuvernd barna og ungmenna í umdæmi hennar sé rækt sem bezt. Sérstaklega skal hún gefa gaum

skólaeftirliti og annarri lögskipaðri heilsuverndarstarfsemi meðal barna og ungmenna, styðja lækna og aðra heilbrigðisstarfsmenn í þeim starfa og stuðla að því, að farið sé eftir réttmætum ráðleggingum þeirra og fyrirskipunum.

43. gr.

Rétt er að setja með reglugerð ákvæði, er banna í umdæmi barnaverndarnefndar sölu á tóbaki til barna yngri en 16 ára, banna að setja sælgætisverzlanir og tóbaks á stofn í námunda við barnaskóla, leikvelli eða aðra samkomustaði barna, banna umferðasölu sælgætis og tóbaks og takmarka eða banna með öllu einstakar sælgætistegundir, sem talizt geta beinlínis eða óbeinlínis hættulegar börnum, o. s. frv.

Svo er og rétt að fela í reglugerð barnaverndarnefnd að hafa eftirlit með leikföngum barna og leggja bann við eða heimila barnaverndarnefnd að banna hættulegar tegundir leikfanga. Sjá auk þess lög nr. 24 1936.

Brot gegn ákvæðum reglugerðar, sem sett er samkvæmt grein þessari, varðar sektum.

44. gr.

Barnaverndarnefnd skal vinna gegn áfengisneyzlu barna og ungmenna og aðstoða í því efni áfengisvarnarnefnd í umdæmi sínu, sbr. V. kafla laga nr. 33 1935.

45. gr.

Barnaverndarnefnd er skylt að hafa í umdæmi sínu eftirlit með kvikmyndasýningum, leiksýningum og öðrum opinberum sýningum. Er þeim, sem veita slíkum sýningum forstöðu, skylt að veita barnaverndarnefnd kost á því að kynna sér efni sýningar á undan almenningi. Ef barnaverndarnefnd telur sýningu skaðsamlega eða óholla sálarlífi barna, getur hún bannað, að börn innan ákveðins aldurs fái aðgang að henni. Skulu þá forstöðumenn sýningar geta þess á sinn kostnað í auglýsingum um hana.

Í Reykjavík er ráðherra heimilt að skipa eftirlitsmann kvikmynda og annan til vara, að fengnum tillögum barnaverndarráðs. Annast hann skoðun allra kvikmynda, sem þar eru sýndar, og úrskurðar um þær með sama hætti og áður segir um barnaverndarnefnd. Úrskurð sinn stimplar eftirlitsmaður á hverja mynd, og gildir hann um þá mynd, hvar sem er á landinu. Kvikmyndahús greiðir eftirlitsmanni eða varaeftirlitsmanni þóknun þá, er ráðherra ákveður, fyrir hverja mynd.

Ef forstöðumaður brýtur gegn reglum, sem honum eru settar samkvæmt ákvæðum greinar þessarar, varðar það sektum eða varðhaldi allt að 4 mánuðum.

46. gr.

Barnaverndarnefnd stuðlar að fræðslu um meðferð og uppeldi barna, svo sem með því að láta flytja erindi fyrir almenningi um slík efni og veita leiðbeiningar þeim, sem þess æskja.

47. gr.

Rétt er að setja með reglugerð ákvæði til verndar börnum og ungmennum gegn siðspillandi áhrifum, vondum fordæmum og freistingum.

Rétt er að takmarka í reglugerð útivistir barna og ungmenna á kvöldum og nóttum, ferðir út í skip og banna þeim aðgang að opinberum knattborðsstofum og öðrum skemmtistöðum, sem eru ekki við barna og ungmenna hæfi.

Í reglugerð má leggja bann við starfa kvenna innan 21 árs á veitingahúsum og skemmtistöðum, þar sem ætla má, að siðferði þeirra sé sérstök hætta búin.

Rétt er að takmarka í reglugerð heimild manna til að fela börnum og ungmennum fjárhæðir í vörzlu eða til umráða og hafa tiltekin verzlunarviðskipti við börn.

Brot gegn ákvæðum reglugerðar, sem sett er samkvæmt grein þessari, varðar sömu viðurlögum og brot gegn ákvæðum 41. gr.

48. gr.

Ef maður viðhefur í návist barns eða ungmennis ósiðlegt, ruddalegt eða ósæmilegt orðbragð eða athæfi, ertir það eða dregur dár að því eða særir það á ósæmilegan hátt eða beitir það refsingum, ógnunum eða hótunum, og slíkt orðbragð eða athafnir má telja því skaðsamlegar andlega eða líkamlega, þá varðar það sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að 3 árum.

49. gr.

Ef maður leiðir barn eða ungmenni allt að 21 árs á hættulega siðferðislega glapstigu eða lætur saurlífi viðgangast í húsum sínum, bifreiðum eða öðrum þeim stöðum, sem hann ræður yfir, varðar það sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að 4 árum. Auk refsingar má svipta hann réttindum samkvæmt 68. gr. laga nr. 19 1940.

50. gr.

Ef foreldrar, forráðamenn, forstöðumaður eða starfsmaður barnahælis eða uppeldisstofnunar, kennari, meistari eða aðrir, sem forsjá barna eða ungmennis allt að 21 árs er falin, leiða það á siðferðislega glapstigu, misbjóða því eða vanrækja á annan hátt uppeldi þess svo mjög, að líkamlegri eða andlegri heilsu þess eða þroska sé mikil hætta búin, þá varðar það refsingu samkvæmt 191. gr. laga nr. 19 1940. Þegar maður er dæmdur til refsingar eftir grein þessari, má beita hann ákvæðum 64., 65. og 68. gr. sömu laga.

51. gr.

Hver, sem verður þess vís, að foreldrar, forráðamenn, kennari, meistari eða aðrir þeir, sem forsjá barns eða ungmennis er falin, leiða það á siðferðislega glapstigu, misbjóða því eða vanrækja á annan hátt uppeldi þess svo mjög, að líkamlegri eða andlegri heilsu þess eða þroska sé mikil hætta búin, skal skyldur að tilkynna það barnaverndarnefnd þeirri, þar sem barnið er.

Ósæmileg vanræksla í þessu efni varðar sektum eða varðhaldi allt að 3 mánuðum. Refsimál skal ekki höfða, nema barnaverndarnefnd sú, er í hlut á, eða barnaverndarráð krefjist þess.

Annars er hverjum manni rétt að gera barnaverndarnefnd viðvart um hvert það tilvik, sem telja má, að barnaverndarnefnd eigi að láta sig skipta.

52. gr.

Það varðar mann sektum eða varðhaldi allt að 3 mánuðum, ef hann heimsækir gegn forboði barnaverndarnefndar, barnaverndarráðs eða dómara barn eða ungmenni, sem ráðstafað hefur verið samkvæmt lögum þessum. Hver, sem á brott nemur barn eða ungmenni, er ráðstafað hefur verið samkvæmt lögum þessum, tælir það til brotthlaups, leynir því eða aðstoðar það við að strjúka, skal sæta sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að 2 árum.

Sömu refsingu varðar það mann, ef hann óhlýðnast úrskurði valdsmanns að víkja brott af heimili samkvæmt 28. gr. eða sækir á heimili, eftir að honum hefur verið vikið þaðan. Beita má hér ákvæðum 64. og 65. gr. laga nr. 19 1940.

Hver, sem annars tálmar rannsókn eða framkvæmd, sem fram á að fara samkvæmt lögum þessum, gefur ranga eða villandi skýrslu þeim, sem slíka rannsókn eða framkvæmd á að annast, eða hlýðir ekki því, sem lagt er fyrir hann samkvæmt heimild í lögunum, skal sæta sektum eða varðhaldi allt að 4 mánuðum, enda varði brotið ekki þyngri refsingu samkvæmt ákvæðum þessara laga eða annarra.

## VI. KAFLI
### Um störf og starfsháttu barnaverndarráðs.

53. gr.

Barnaverndarráð er ályktunarhæft, ef allir ráðsmenn sitja fund og tveir þeirra fylgjast að máli.

Nú hamlar nauðsyn barnaverndarráðsmanni fundarsókn, og skal hann þá gera formanni viðvart með fyrirvara, ef unnt er. Boðar þá formaður varamann í hans stað.

54. gr.

Hlutverk barnaverndarráðs er að hafa yfirumsjón starfa allra barnaverndarnefnda á landinu. Skal það veita barnaverndarnefndum hvers konar leiðbeiningar um starfa þeirra, skilning á lagaákvæðum, er þær varða, o. s. frv.

55. gr.

Nú verður barnaverndarráð þess víst, að barnaverndarnefnd rækir ekki störf þau, sem henni eru falin í lögum, og skal barnaverndarráð þá krefja hana skýrslna og halda henni til að rækja skyldu sína.

56. gr.

Ef barnaverndarráði þykir ástæða til, getur það tekið mál í umdæmi barnaverndarnefndar til meðferðar, hvort sem hún hefur áður um fjallað eða ekki. Fer um tilhögun þeirrar rannsóknar, eftir því sem við á, á sama hátt sem um starfa barnaverndarnefnda.

57. gr.

Barnaverndarráð heimtir ársskýrslur frá barnaverndarnefndum og gefur út útdrátt úr þeim, ásamt skýrslu um störf sín, ekki sjaldnar en annað hvert ár. Ráðherra getur, að fengnum tillögum barnaverndarráðs, beitt dagsektum, 5—20 kr. á dag, ef barnaverndarnefnd vanrækir að standa skil á fyrirskipuðum skýrslum.

58. gr.

Barnaverndarráð hefur yfirumsjón allra barnahæla og uppeldisstofnana á landinu. Skal það fela einum ráðsmanna eða sérstökum fulltrúa að vitja til eftirlits hvers hælis eða stofnunar, svo oft, sem þurfa þykir, og eigi sjaldnar en tvisvar á ári. Er forráðamanni þeirrar stofnunar, er í hlut á, skylt að greiða fyrir eftirliti og veita eftirlitsmanni eða lækni, sbr. 59. gr., færi á að rannsaka börn og ungmenni, sem þar eru vistuð, húsakynni þeirra, þrif, heilsufar, eldi, aðbúnað og þroska, veita honum aðgang að skýrslum, bókum og reikningum stofnunarinnar o. s. frv.

Tálmanir gegn framkvæmd eftirlits varða refsingu að lögum, sbr. 3. gr. og 52. gr., 3. mgr.

59. gr.

Barnaverndarráð getur lagt þeim, sem rekur barnahæli eða uppeldisstofnun, þá skyldu á herðar að ráða sérstakan heimalækni, er barnaverndarráð samþykkir. Barnaverndarráð getur krafið hann skýrslna og læknisumsagnar um atriði þau, er um getur í 58. gr.

Hæli eða uppeldisstofnun ber kostnað af læknseftirliti.

60. gr.

Aðili, sem ráðstöfun barnaverndarnefndar varðar hagsmuni hans, getur borið málið undir barnaverndarráð, og er því skylt að taka málið til skjótrar meðferðar og úrlausnar. Slík áfrýjun frestar ekki framkvæmd ráðstöfunar barnaverndarnefndar. Úrskurður barnaverndarráðs er fullnaðarúrskurður, nema málið beri að lögum undir önnur stjórnvöld eða dómstóla.

## VII. KAFLI
### Um störf og starfsháttu ungmennadóms.

61. gr.

Nú hefur barn yfir 15 ára framið lögbrot, eða ungmenni 16—18 ára er haldið annmarka, sem getur í 29. gr. þessara laga, en aðgerðir barnaverndarnefndar samkvæmt 32. gr. koma ekki að haldi eða eiga ekki við, og skal þá ungmennadómur taka málið til rannsóknar og úrskurðar. Rannsókn máls skal rekin að hætti almennra lögreglumála, eftir því sem við á, en þó í svo miklum kyrrþey, sem unnt er, sbr. 3. gr. Gæta skulu löggæzlumenn þess, að ungmenni, sem tekið er í gæzlu samkvæmt grein þessari, sbr. 38. gr., sé leitt án undandráttar fyrir ungmennadóm, er úrskurðar, áður en sólarhringur er liðinn, hvort því skuli haldið lengur í gæzlu. Mál fyrir ungmennadómi skal nefna: Ungmennaverndarmál N. N., og skal hraða því, svo sem kostur er. Í úrskurði, sem birtur er almenningi, skal ekki greina nöfn aðila.

Nú er héraðsdómari búsettur í annarri sveit en samdómendur, og getur hann þá falið þeim rannsókn máls og kveðið upp úrskurð, án þess að þeir séu viðstaddir, enda hafi hann áður borið sig saman við þá og þeir greitt atkvæði skriflega eða í símskeyti um niðurstöðu.

62. gr.

Rétt er ungmennadómi að úrskurða ungmenni til vistar á góðu heimili, skóla, hæli eða uppeldisstofnun, og má vist á slíkum stað koma í stað refsivistar, ef framferði ungmennis er refsivert.

Um vistun ungmenna á heimili, hæli eða uppeldisstofnun gilda ákvæði 29. og 31. gr., eftir því sem við getur átt.

Barnaverndarnefnd þeirri, er í hlut á, er skylt að aðstoða við framkvæmd úrskurðar ungmennadóms, svo sem við vistun ungmennis á heimili, hæli eða uppeldisstofnun og flutning þess þangað.

63. gr.

Úrskurður um vistun ungmennis á hæli eða uppeldisstofnun samkvæmt 62. gr. skal gilda um ótiltekinn tíma. Greind vist má þó ekki fara fram úr 2 árum, nema nýr úrskurður sé kveðinn upp.

Ungmennadómur leysir ungmenni úr hælisvist eða heimilis, þegar slíkrar vistar þykir ekki lengur þörf.

Aðili eða lögráðamaður getur krafizt nýs úrskurðar, þegar 6 mánuðir eru liðnir frá uppkvaðningu síðasta úrskurðar.

Nú verður ungmenni 18 ára, á meðan það dvelst á heimili, hæli eða uppeldisstofnun samkvæmt úrskurði ungmennadóms, og er ungmenni eftir sem áður háð ráðstöfunarrétti ungmennadóms, unz það er 21 árs.

Um börn, sem verða 16 ára á heimili, hæli eða uppeldisstofnun, fer eftir síðustu mgr. 29. gr.

64. gr.

Skjóta skal úrskurði ungmennadóms um vist á heimili, hæli eða uppeldisstofnun til hæstaréttar, ef aðili eða lögráðamaður hans krefst þess innan 4 vikna frá birtingu úrskurðar. Að öðru leyti fer um áfrýjun slíks úrskurðar, þar á meðal um heimild dómsmálaráðherra til málskots, svo og um meðferð máls í hæstarétti að hætti opinberra mála. Áfrýjun frestar þó ekki framkvæmd úrskurðar

## VIII. KAFLI
### Niðurlagsákvæði.

65. gr.

Mál samkvæmt 48., 49. og 50. gr. þessara laga skulu rekin að hætti sakamála, en önnur refsimál samkvæmt þeim að hætti almennra lögreglumála.

66. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, og eru þá úr gildi numin lög nr. 43 23. júní 1932, um barnavernd, lög nr. 76 19. júní 1933, um breyting á þeim lögum, og önnur þau lög, er fara í bág við þessi lög.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Frumvarp þetta hafa samið að tilhlutun ráðherra þeir Gissur Bergsteinsson, hæstaréttardómari, dr. Símon Jóhann Ágústsson, uppeldisfræðingur, og Vilmundur Jónsson, landlæknir, og láta þeir fylgja frumvarpinu svolátandi greinargerð:

Áður en lög nr. 43 frá 1932 voru sett, voru engin heildarlög um barnavernd hér á landi, en í ýmsum lögum voru ákvæði, sem vörðuðu forráð yfir börnum og meðferð þeirra, sbr. tilskipun 3. júní 1746 um húsagann á Íslandi, lög nr. 46 1921, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna, lög nr. 57 1921, um afstöðu foreldra til skilgetinna barna, lög nr. 39 1921, um stofnun og slit hjúskapar, sem kveða á um rétt barna, er foreldrar slíta hjúskap. Þá má geta laga nr. 39 1907, um skilorðsbundna hegningardóma og hegningu barna og unglinga, en lög þessi hafa nú verið afnumin með lögum nr. 19 1940, sem hafa samsvarandi ákvæði. Enn má greina fátækralög, nr. 43 1927, sem geymdu ýmis barnaverndarákvæði, en nú eru í þeirra stað komin framfærslulög, nr. 52 1940. Í lögum um iðnaðarnám, nr. 11 1927, nú nr. 100 1938, hjúalögum, nr. 22 1928, sjómannalögum, nr. 41 1930, og lögum um verzlunarnám, nr. 45 1909, eru ákvæði til verndar börnum og ungmennum í vist og starfi. Þá eru í lögreglusamþykktum ýmis ákvæði, sem varða sérstaklega eftirlit með börnum og ungmennum.

Með lögum nr. 76 1933 voru gerðir nokkrir viðaukar og breytingar á áður nefndum lögum um barnavernd, nr. 43 1932. Loks var með bráðabirgðalögum nr. 122 1941 kveðið sérstaklega á um eftirlit með ungmennum allt að 20 ára aldri og settur á stofn sérstakur ungmennadómur til að dæma mál út af lögbrotum og öðru misferli ungmenna. Bráðabirgðalög þessi voru staðfest með lögum nr. 62 1942, þó þannig, að ungmennadómur dæmdi einungis mál þeirra, sem brotlegir urðu fyrir 18 ára aldur.

Barnaverndarnefndir hafa nú starfað hér á landi í tíu ár. Á þessu tímabili hafa bæir vaxið ört vegna innflutnings manna þangað úr sveitum landsins. Jafnframt hafa lögbrot barna og ungmenna og annað misferli þeirra aukizt, enda hafa ýmis uppeldismistök, t. d. eftirlitsleysi, miklu alvarlegri afleiðingar fyrir siðferði barna í þéttbýli en í dreifbýli. Við þetta bætist svo siðferðishætta sú, sem börnum og ungmennum, einkum telpum, stafar nú sem stendur af fjölmennu, erlendu setuliði í Reykjavík og víða annars staðar. Af þessum ástæðum hafa störf barnaverndarnefnda aukizt mjög í öllum kaupstöðum landsins, og hafa þær látið ýmis uppeldismál til sín taka, eins og ráða má t. d. af því, að ekki hafa færri en 13 sveitarfélög sett og fengið staðfestar reglugerðir um barnavernd. Þessi sveitarfélög eru: Reykjavík, Hafnarfjörður, Akranes, Borgarnes, Hvammstangi, Sauðárkrókur, Siglufjörður, Ólafsfjörður, Dalvík, Akureyri, Seyðisfjörður, Neskaupstaður og Vestmannaeyjar. Vafalaust hafa þessar aðgerðir komið að nokkru gagni.

Starf barnaverndarnefndar Reykjavíkur er, sem vænta má, langumsvifamest. Vaxa verkefni hennar sífellt og verða æ fjölþættari, vegna breyttra þjóðfélagshátta og uppeldisskilyrða, sem hér verða ekki nánar rakin. Barnaverndarnefnd Reykja-

víkur tekur árlega til meðferðar fjölda mála, sem varða börn og ungmenni, sakir lögbrota þeirra og annars misferlis, margvíslegrar vanrækslu og ágalla á uppeldi þeirra í heimahúsum, óhollra áhrifa utan heimilis og freistinga, sem leiða þau á siðferðislega glapstigu. Nefndin hefur nú skrifstofu, sem er opin daglega, og leita menn þangað með málefni sín. Hjúkrunarkona, sem nefndin hefur í þjónustu sinni, hefur eftirlit með uppeldi og aðbúð barna og lætur heimilum í té margs konar hjálp og aðstoð. Sérfróður maður annast rannsókn á börnum og ungmennum og veitir foreldrum leiðbeiningar um uppeldi þeirra og meðferð. Nýlega var komið á fót eftirliti með hegðun barna og ungmenna, sem sérstakt lögreglulið annast. Er eftirlitsstarf þetta í nánum tengslum við barnaverndarnefnd Reykjavíkur og hefur bækistöð í sama húsi og hún. Jafnframt réð barnaverndarnefnd Reykjavíkur fulltrúa til að annast dagleg störf nefndarinnar í umboði hennar. Af þessum staðreyndum má ráða, hve starf til verndar börnum og ungmennum í Reykjavík hefur aukizt mjög hin síðustu ár. Má gera ráð fyrir, að eftir ófriðinn verði verkefnin þó enn meiri, einkum að því er tekur til pilta. Verður þeim sérstök hætta búin, ef atvinnuleysi steðjar að eftir þá fjárveltu, sem nú er.

Með því að skorta hefur þótt á, eins og áður er að vikið, að lög nr. 43 1932, um barnavernd, væru nógu rækileg, og ástæða þótti auk þess til að samræma þau ákvæðum laga nr. 62 1942, um eftirlit með ungmennum o. fl., hefur ríkisstjórnin hlutazt til um, að lagafrumvarp þetta væri samið. Hefur þetta frumvarp margs konar ákvæði að geyma, sem ekki eru í eldri lögum. Við samningu þess hefur verið stuðzt við reynslu þá, sem fengizt hefur við framkvæmd barnaverndar undanfarinn áratug, og að nokkru við erlend lög, og loks hafa höfundar frumvarpsins leitazt við að setja sér fyrir sjónir ýmis tilvik, sem fyrir kunna að koma og helzt krefjast úrlausnar við framkvæmd þessarar löggjafar.

Við lestur þessa frumvarps verða menn einkum að hafa í huga það, sem hér segir: Samkvæmt 14. gr. laga nr. 19 1940 skal manni eigi refsað fyrir verknað, sem hann hefur framið, áður en hann varð 15 ára. Gagnvart yngri mönnum verður að beita uppeldisráðstöfunum, svo sem nánar greinir í frumvarpinu og 267. gr. laga nr. 19 1940, og gagnvart ungmennum 15—18 ára getur einnig komið til álita að beita sams konar aðgerðum í stað refsingar. Samkvæmt 2. gr. laga nr. 60 1917 verður maður sjálfráða 16 ára. Ræður hann því verustað sínum og er ekki lengur háður valdi foreldra sinna eða forráðamanna um annað en fé sitt. Rétt hefur því þótt að svipta ekki sjálfráða mann frjálsræði sínu, nema með dómsathöfn, sbr. þó 30. gr. laga nr. 19 1940. Áður mátti að vísu dæma menn 15 ára og eldri til refsivistar fyrir lögbrot, en með lögum nr. 62 1942 er ungmennadómi fengið vald til að dæma mann til vistar á heimili, hæli eða uppeldisstofnun, bæði fyrir lögbrot og ýmiss konar misferli, er ekki varðar við refsilög, en þykir gefa efni til uppeldisráðstafana og frelsissviptingar í sambandi við þær. Til frekara öryggis því, að menn 16 ára eða eldri séu ekki að ófyrirsynju sviptir sjálfræði, er heimilt að skjóta úrskurði ungmennadóms til hæstaréttar. Hins vegar er gert ráð fyrir því, að barnaverndarnefnd hafi fullt vald áfram samkvæmt nánari ákvæðum laganna til að ráðstafa barni yngra en 16 ára, enda eigi ekki í hlut barn 15—16 ára, sem framið hefur lögbrot. Verkaskipting sú, er frumvarpið gerir ráð fyrir milli barnaverndarnefndar og ungmennadóms, veldur því að vísu, að ráðstafanir verða flóknari í framkvæmd, en vegna réttaröryggis þótti ekki verða hjá þessu komizt. En til þess að bæta að nokkru úr þessu og gera framkvæmd laganna liðlegri, hefur verið gert ráð fyrir þeirri breytingu á skipun ungmennadóms, að menn úr barnaverndarnefnd tækju sæti í honum sem samdómendur. Jafnframt þótti ástæða til að tryggja að lögum betur en áður, að barnaverndarnefnd Reykjavíkur, sem langmestum störfum hefur að sinna, yrði skipuð kunnáttumönnum.

Nú skal minnzt á þær greinir, sem ástæða þykir að gera athugasemdir um.

Um 3. gr. Rétt þykir að taka fram, að starfsmenn þeir, er greinin getur, séu opinberir starfsmenn, og minna á hin helztu lagaákvæði, er opinbera starfsmenn varða.

Um 5. gr. Hér skal á það minnt, að barnaverndarnefnd hefur ekki ráðstöfunarrétt á ungmenni eldra en 16 ára, þó að andlega miður sín sé, nema það hafi verið svipt sjálfræði. En vald hefur hún til að fara á heimili, athuga slíkt ungmenni og fylgjast með líðan þess og aðbúð. Gera má og ráð fyrir, að aðstoð barnaverndarnefndar til líknar og umönnunar fávitum og öðrum ungmennum andlega miður sín verði almennt vel þegin af aðilum. Í þessu sambandi þykir ástæða til að benda á, að ákvæði laga nr. 60 1917 um sviptingu sjálfræðis og fjárræðis eru mjög ófullkomin. Þannig vantar í lögin ákvæði um, hverjir eigi að hefjast handa um sviptingu sjálfræðis manns, og hvaða meðferð mál skuli hlíta í héraði. Auk þess eiga ákvæði laganna ekki alls kostar við, þegar fávitar, geðveikir menn, ofdrykkjumenn og eiturlyfjaneytendur eiga í hlut.

Um 6. og 10. gr. Breytingar þær, sem felast í þessum greinum, hafa þegar verið skýrðar að nokkru. Fækkun nefndarmanna í Reykjavík miðast við það, að gert er ráð fyrir, að nefndin hafi á að skipa fulltrúa ásamt öðru starfsliði, sem annist dagleg störf nefndarinnar. Hefur þessari skipun þegar að mestu verið komið á.

Um 12. gr. Leitazt hefur verið við með ákvæðum greinar þessarar að tryggja sem bezt hæfi þeirra, sem skipa barnaverndarráð. Oft mun barnaverndarráðsmönnum þörf, auk þekkingar á uppeldismálum, kunnáttu í lögfræði og læknisfræði.

Um 13. gr. Skipun ungmennadóms hefur verið hagað þannig, að sem bezt yrðu samrýmd störf hans og barnaverndarnefndar, sbr. það, sem áður segir.

Um 20. gr. Ákvæði síðustu málsgr. þessarar greinar miða að því, að börn verði fyrir sem minnstu hnjaski í sambandi við opinber mál, einkum þau, er varða siðferðisbrot.

Um 25. gr. Það getur bagað barnaverndarnefnd í starfi, ef hana skortir fé til að bæta úr brýnustu þörfum þeirra, sem henni ber að aðstoða, og til framkvæmdar ráðstöfunum, sem ekki þola bið. Ákvæðum þessarar greinar er ætlað að ráða nokkra bót á þessu, án þess að farið sé inn á verksvið þeirra, sem veita framfærslumálum forstöðu.

Um 33. gr. Ákvæði greinarinnar eru sett með hliðsjón af erlendri reynslu, sem ætla verður, að eigi eins við hér á landi. Ákvæði greinarinnar um barnfóstursleyfi taka ekki til þess, þótt barni sé komið fyrir um stundarsakir, t. d. til sumardvalar.

Um 37. gr. Samkvæmt lögum nr. 30 1933 teljast hvers konar barnahæli til þeirra stofnana, sem ráðherra veitir leyfi til að reka.

Um 38. gr. Hér er gert ráð fyrir rekstri athugunarstöðva á vegum barnaverndarnefndar í Reykjavík. Verður að telja fulla nauðsyn slíkrar stöðvar, ef fullnægja á þar fyrirmælum laga um vernd barna og ungmenna. Rekstur athugunarstöðvar í Reykjavík er þegar hafinn, án sérstakra ákvæða í lögum, enda skortir enn mikið á, að tilhögun hennar sé komin í fastar skorður.

Um 39. gr. Í lögum nr. 62 1942 var ráðherra veitt heimild til að láta reisa hæli og uppeldisstofnanir handa ungmennum þeim, sem ráðstafa þarf samkvæmt ákvæðum þeirra laga. Hefur nú verið komið upp einu hæli að Kleppjárnsreykjum í Borgarfirði, og er það ætlað ungum stúlkum. Jafnmikil nauðsyn er að setja á stofn hæli handa piltum. Er því kveðið svo á, að slíku hæli skuli einnig komið upp. Með þessu er þó engan veginn séð fyrir allri þörf í þessum efnum, og gerir því frumvarpið ráð fyrir, að ráðherra hafi áfram heimild til að reisa fleiri hæli.

Ætlazt er til, að um greiðslur fyrir vist barna og ungmenna á þessum hælum og öðrum hælum fari samkvæmt lögum nr. 78 1936, um ríkisframfærslu sjúkra manna

og örkumla. Fyrir úrskurðuð styrkhæf börn og ungmenni yrðu þá greiddir úr ríkissjóði ⅘ hlutar vistgjaldsins, en ⅕ hluta ber aðila sjálfum að greiða, nema hann biði við það tilfinnanlegt tjón á efnahag sínum, en þá greiðist þessi hluti úr sjóði framfærslusveitar hans.

Um 40. gr. Oft munu börn og ungmenni, sem ráðstafað er samkvæmt barnaverndarlögum, vera á einhvern hátt miður sín, og má því gera ráð fyrir, að meðalmeðlag nægi oft ekki þeim til framfærslu. Eru því ákvæði 14. gr. laga nr. 43 1932 starfi barnaverndarnefnda til trafala. Tilætlunin með 40. gr. frumvarpsins er að tryggja samvinnu barnaverndarnefndar og hreppsnefndar (framfærslunefndar) um vistun barna og ungmenna og ákvörðun meðlags með þeim.

Um 41. gr. Grein þessi fjallar um vinnuvernd barna og ungmenna. Erfitt þótti að setja almenn lagaákvæði um þessi efni, með því að staðhættir og vinnuhættir eru að mörgu leyti ólíkir hér á landi.

Um 42. gr. Misbrestur mun á því vera, að heilbrigðiseftirlit í skólum komi að fullu haldi, vegna þess að of lítið er sinnt fyrirmælum og ráðleggingum skólalækna um bætta heilbrigðisháttu. Tilætlunin með grein þessari er, að barnaverndarnefndir veiti atbeina sinn til þess, að þetta megi betur fara.

Um 47. gr. Athygli skal vakin á því, að þegar hafa verið sett í ýmsar lögreglusamþykktir ákvæði, sem miða að sama marki og ákvæði tveggja fyrstu málsgreina þessarar greinar. En rétt þótti engu að síður að minna á þessi ákvæði hér til gleggra yfirlits.

Um 48.—50. gr. Refsiákvæði greina þessara eru sett til aukinnar verndar barna og ungmenna, einkum siðferði þeirra, og er ætlazt til, að þeim sé beitt auk ákvæða XXI. og XXII. kafla laga nr. 19 1940.

Um 51. gr. Börn á ungum aldri eru ekki þess umkomin að leita réttar síns vegna misferlis, sem þau verða fyrir, og börn og ungmenni eru annars oft svo háð þeim, sem veita eiga þeim forsjá, að þau geta ekki borið sig upp undan meðferð þeirri, er þau sæta. Þykir því rétt að leggja kæruskyldu á þriðja mann.

Um 52. gr. Reynsla hefur sýnt, að þörf er á ákvæðum þessarar greinar.

Um 56. gr. Rétt þykir að taka það fram til glöggvunar, þótt segja megi, að það leiði af eðli málsins, að barnaverndarráð geti tekið mál upp, ef barnaverndarnefnd sú, er í hlut á, gerir því ekki skil.

Um 61.—64. gr. Ákvæði greina þessara um ungmennadóm eru í höfuðatriðum í samræmi við lög nr. 62 1942. Samkvæmt 13. gr. er tilætlunin að breyta skipun dómsins, svo sem áður segir.

## Ed. 280. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 52 27. júní 1925, um verzlunaratvinnu.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frumvarp þetta og borið það saman við gildandi lög. Fellst hún á, að í frumvarpinu sé farið fram á eðlilegar og tímabærar breytingar á lögunum, og leggur til, að það verði samþykkt.

Alþingi, 26. jan. 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Brynjólfur Bjarnason, frsm.

Lárus Jóhannesson. Hermann Jónasson, með fyrirvara.

## Ed. 281. Frumvarp til laga

um greiðslu íslenzkra afurða.

(Eftir 2. umr. í Ed.).

1. gr.

Hver sá, sem kaupir íslenzkar afurðir, hvort heldur er sjávarafurðir, landbúnaðarafurðir eða íslenzkar iðnaðarvörur, skal greiða þær í peningum, þegar seljandi krefst þess, og má eigi greiða þær með skuldajöfnuði, nema svo hafi áður verið sérstaklega um samið.

2. gr.

Nú eru afurðir seldar fastákveðnu verði, og skal þá greiða verð þeirra að fullu á þann hátt, sem 1. gr. kveður á um. En ef afurðir eru seldar óákveðnu verði með rétti til verðuppbótar síðar eða afhentar í umboðssölu, hvort sem til kaupmanna, samvinnufélaga eða annarra er, þá skal greiða að minnsta kosti helming af gangverði afurðanna svo sem í 1. gr. segir, en afganginn á sama hátt eigi síðar en 2 mánuðum eftir að unnt var að ákveða verðuppbót eða umboðssali fékk í sínar hendur andvirði þeirra vara, sem hann hefur selt.

3. gr.

Hagstofa Íslands skal ákveða gangverð afurða samkv. 2. gr. eftir því, sem nánar verður fyrir mælt í reglugerð, sem ráðherra setur.

4. gr.

Brot gegn lögum þessum varða 500—1000 króna sektum, nema um ítrekað brot sé að ræða. Skal það þá varða allt að 10 þús. króna sekt.

Sektirnar renna í ríkissjóð.

5. gr.

Lög þessi öðlast gildi 1. jan. 1944.

## Ed. 282. Breytingartillögur

við frv. til laga um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

Frá Guðm. Í. Guðmundssyni og Hermanni Jónassyni.

1. Við 1. gr. Á milli orðanna „Grafarholt, Gufunes“ komi: að svo miklu leyti, sem eignarnámsheimild 3. gr. tekur til.
2. Við 3. gr. Við greinina bætist nýr málsliður: Eignarnámsheimild þessi tekur þó ekki til þess hluta Grafarholtslands, sem er neðan við þjóðveginn.

## Nd. 283. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna.

Frá Gísla Guðmundssyni, Páli Zóphóníassyni og Helga Jónassyni.

Við 1. gr. Í stað orðanna „Ríkisstjórninni er heimilt .... til þessara nota“ komi: Er ríkisstjórninni heimilt að leigja húsnæði til þessara nota. Kostnaður af ráðstöfunum samkv. þessari grein telst með alþingiskostnaði.

## Nd. 284. Frumvarp til laga

um verzlun með kartöflur o. fl.

Frá landbúnaðarnefnd.

1. gr.

Ríkið rekur innflutnings- og heildverzlun, sem heitir Grænmetisverzlun ríkisins. Er hlutverk hennar að annast innflutning og verzlun með kartöflur og annað grænmeti samkv. því, sem lög þessi ákveða, svo og að greiða fyrir sölu á innlendum garðávöxtum með því meðal annars að lána framleiðendum markaðsskála til almennrar sölu garðávaxta, ef það þykir henta.

Eignir Grænmetisverzlunar ríkisins samkv. lögum nr. 34 frá 1. febr. 1936, eins og þær verða er lög þessi koma til framkvæmda, eru stofnfé verzlunarinnar.

2. gr.

Engum öðrum en Grænmetisverzlun ríkisins er heimilt að flytja til landsins kartöflur og nýtt grænmeti. Bann þetta nær þó eigi til skipa, sem koma í landhelgi og hafa innanborðs kartöflur og grænmeti, ef birgðirnar eru, að áliti viðkomandi tollyfirvalds, eigi meiri en svo, að hæfilegur forði sé handa skipverjum og farþegum.

3. gr.

Grænmetisverzlun ríkisins skal ávallt fylgjast vel með því, hve miklar birgðir af kartöflum eru til í landinu, og gæta þess að flytja ekki inn erlendar kartöflur fyrr en hin innlenda framleiðsla er svo til þurrðar gengin, að öruggt sé, að innflutningurinn torveldi ekki sölu hennar. Til þess að greiða fyrir þessu skal skýrslusöfnun Búnaðarfélags Íslands og Hagstofu Íslands um kartöfluuppskeru vera framkvæmd í samráði við Grænmetisverzlun ríkisins og hagað þannig, að hún verði að sem beztum notum við rekstur verzlunarinnar.

4. gr.

Grænmetisverzlun ríkisins kaupir innlenda framleiðslu af kartöflum og öðru grænmeti eftir því, sem ástæður leyfa. Skal hún, eftir því sem fært þykir, láta þá framleiðendur sitja fyrir um kaup að haustlagi, sem erfiðast eiga um flutning að vetrarlagi. Verzlunin birtir mánaðarlega útsöluverð sitt á vörum þessum til leiðbeiningar öðrum verzlunum, framleiðendum og neytendum.

5. gr.

Ákveða skal á hverju hausti verðlag það á helztu innlendum garðávöxtum, er gilda skal um uppskerutímann, frá 15. sept. til 1. nóv. Eftir það skal verðið fara hækkandi, svo fullt tillit sé tekið til geymslukostnaðar þeirra garðávaxta, sem síðar verða seldir. Nýir, innlendir garðávextir, sem koma á markaðinn fyrir 15. sept., skulu skráðir hærra verði, því fyrr sem þeir eru afhentir til sölu. Skal verðlagið miða að því, að tryggð verði framleiðsla snemmvaxinna garðávaxta. Verðskráning garðávaxta skal aðallega miða við markaðsverð garðávaxta í nálægum löndum, að viðbættum flutningskostnaði. Þó skal þess gætt jafnframt, að framleiðendum sé tryggt hæfilegt framleiðsluverð.

Innflutta garðávexti má aldrei selja lægra verði en innlenda, miðað við sama tíma og sömu gæði.

Við ákvörðun útsöluverðs þeirra garðávaxta, sem Grænmetisverzlun ríkisins verzlar með, skal álagningin miðuð við það, að geymslu og verzlunarkostnaður fáist greiddur.

6. gr.

Allar kartöflur, sem seldar eru í verzlunum á helztu markaðsstöðum landsins, skulu aðgreindar í flokka: úrvalsflokk, I. flokk og II. flokk. Í úrvalsflokki séu aðeins beztu tegundir af matarkartöflum, sem fullnægja ströngustu kröfum um aðgreiningu, heilbrigði og meðferð. Í I. flokki sé allur meginþorri hreinna kartöflutegunda, sem eru vel aðgreindar, heilbrigðar og vel með farnar. Í II. flokki séu lökustu tegundirnar og aðrar þær kartöflur, sem ekki geta komið í úrvalsflokk eða I. flokk, ef þær annars teljast söluhæfar til manneldis.

Hin mánaðarlega verðskráning Grænmetisverzlunar ríkisins skal vera þannig, að nægilegur verðmunur sé á úrvalsflokki kartaflna og I. og II. flokki til þess, að framleiðendur kjósi að hafa sem bezta vöru á boðstólum.

Á tímabilinu frá því uppskera hefst og til 20. sept. ár hvert er heimilt að selja kartöflur af nýrri uppskeru án mats eða flokkunar, nema annað sé ákveðið af matsnefnd (sbr. 7. gr.).

7. gr.

Landbúnaðarráðherra skipar þriggja manna nefnd, og sé einn maðurinn tilnefndur af Grænmetisverzlun ríkisins, annar af Búnaðarfélagi Íslands og þriðji af Alþýðusambandi Íslands. Ráðherra skipar formanninn. Tilnefni einhver aðili ekki nefndarmann, skipar ríkisstjórnin mann í hans stað.

Verkefni nefndarinnar er:

a. að ákveða verðskráningu samkv. 4. gr.
b. að hafa eftirlit með því, að ákvæðum um flokkun á kartöflum sé framfylgt og veita leiðbeiningar um flokkunina.

Nefndin ræður matsmann í Reykjavík og á öðrum helztu markaðsstöðum á landinu, eftir því sem þörf krefur, og starfa þeir í umboði hennar. Þóknun til nefndarinnar og matsmanna og gjöld fyrir matsvottorð ákveður ráðuneytið.

8. gr.

Óheimilt er verzlunum, að viðlögðum sektum, að selja kartöflur í öðrum flokki en þeim, sem matsreglur ákveða. Leiki vafi á því, í hvaða flokki skuli selja kartöflur, skal leita um það úrskurðar viðkomandi matsmanns, en selja þær ella sem II. flokks

vöru. Í smásöluverzlunum skal greinilega auðkennt við kartöflur þær, sem eru á boðstólum, hvaða flokki þær tilheyra og einnig tegundarnafn þeirra, þegar um úrvalsflokk er að ræða. Ákvæði þessarar greinar ná þó aðeins til þeirra staða á landinu, þar sem flokkun og mat á kartöflum er fyrirskipað samkvæmt reglugerð.

9. gr.

Þegar mikið framboð er af innlendum kartöflum, getur landbúnaðarráðherra, eftir tillögum Grænmetisverzlunar ríkisins, bannað verzlunum sölu á II. flokks kartöflum til manneldis á öllum helztu markaðsstöðum landsins.

10. gr.

Grænmetisverzlun ríkisins skal sjá um, eftir því sem unnt er, að árlega sé völ á heilbrigðu, völdu, innlendu útsæði. Skal hún þess vegna koma á fót stofnræktun úrvalskartöflutegunda (eliteræktun) og semja við einstaka kartöfluframleiðendur um framleiðslu útsæðis af þessum tegundum, og sé þessi ræktun háð ströngu heilbrigðiseftirliti.

11. gr.

Landbúnaðarráðherra skipar forstöðumann Grænmetisverzlunar ríkisins og endurskoðendur.

Hagnaði þeim, er verða kann á rekstri verzlunarinnar, má hún verja til eflingar matjurtaræktar, sbr. 10. gr., svo og til þess að tryggja framtíð stofnunarinnar með því að koma upp nauðsynlegum varasjóði.

12. gr.

Ráðherra setur reglugerð um framkvæmd laganna, svo sem að því er snertir ákvæði 6. gr. um flokkun kartaflna og verðmismun á flokkum, svo og um annað, er þurfa þykir.

13. gr.

Brot gegn lögum þessum varða sektum frá 10 til 1000 kr., ef ekki liggur þyngri refsing við samkvæmt lögum.

Kartöflur og annað grænmeti, sem flutt kann að vera inn í bága við lög þessi, skal gert upptækt og afhent Grænmetisverzlun ríkisins.

Með mál út af lögum þessum skal fara sem almenn lögreglumál.

14. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 34 frá 1. febr. 1936.

15. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Með bréfi, dags. 8. maí 1940, skipaði landbúnaðarráðherra 5 manna nefnd til þess að gera tillögur um breytingar á lögum nr. 34 1. febr. 1936, um verzlun með kartöflur og aðra garðávexti o. fl., og enn fremur að gera tillögur um ýmislegt, er viðkemur kartöfluræktinni og verzlun með kartöflur yfirleitt, svo sem möguleika fyrir aukinni vöruvöndun, mati, ræktun útsæðis o. fl.

Nefndin samdi frumvarp til laga um verzlun með kartöflur o. fl. Frv. þetta sendi landbúnaðarráðh. landbn. Nd. til athugunar og flutnings. Hefur nefndin haft það til íhugunar á undanförnum þingum og hefur nú orðið sammála um að flytja það með nokkrum breytingum og viðaukum. Hér fara á eftir aðalkaflarnir úr greinargerð þeirri, er fylgdi frv.

Þegar um það er að ræða að koma betri skipun á framleiðslu og verzlun með garðjurtir og þá alveg með sérstöku tilliti til kartaflnanna, þá verðum við fyrst að

gera okkur ljóst, hverju er ábótavant í þessum efnum. Kemur þá aðallega tvennt til greina. Í fyrsta lagi virðast bæði framleiðendurnir og þeir, sem verzla með kartöflur, gera allt of lítinn mun á góðri og lélegri vöru. Aragrúi af tegundum, misjöfnum að útliti og gæðum, eru ræktaðar í landinu, stundum meira og minna blandaðar, og boðnar til sölu í mjög misjafnlega söluhæfu ástandi, án nokkurs verðmunar. Þetta ástand hlýtur óhjákvæmilega að stórspilla allri verzlun með kartöflur. Í öðru lagi er svo hættan á offramleiðslu, fyrst og fremst vegna þess, að neyzlan er of lítil og misjöfn og framleiðslan of einskorðuð við neyzluþörfina.

Við getum hugsað okkur tvær leiðir, sem fara mætti til þess að bæta úr þessum ágöllum: Beinar þvingunarráðstafanir, er taki beinlínis fram fyrir hendur framleiðendanna, svo sem algerða einkasölu, lögverndað verðlag, bann við ræktun vissra tegunda o. s. frv., eða þá óbeinar ráðstafanir, sem miða að því að gera það æskilegt frá sjónarmiði framleiðandans að framleiða góða og vandaða vöru, og styðja hann í þeirri viðleitni. Í frumvarpi því, er hér um ræðir, eru þessi síðast töldu sjónarmið lögð til grundvallar, en áður en hinar einstöku greinar frumvarpsins eru ræddar nánar, skal lítils háttar vikið að því, hvers vegna ekki þykir fært að mæla með hinum róttækari beinu ráðstöfunum.

Algerð einkasala á kartöflum, þannig að sala hinnar innlendu framleiðslu sé öll á einni hendi, verður að teljast nær óframkvæmanleg. Slík einkasala yrði óhjákvæmilega mjög mikið bákn, yrði að koma upp mörgum og dýrum geymslum og hafa mörg útibú, til þess að óþarfur aukaflutningur á kartöflum yrði sem minnstur. Stofn- og rekstrarkostnaður mundi því verða mjög mikill og í engu samræmi við verðmæti vörunnar og viðskiptamagn. Vegna þess, hve kartöflur og þá ekki síður aðrir garðávextir þola takmarkaða geymslu, yrði áhættan við slíka verzlun mjög mikil. Samflutningur vörunnar á fáa geymslustaði mundi auka þessa áhættu, bæði vegna sýkingar og ekki síður vegna þess, að varan yrði flutt á óheppilegum tíma, þegar hún þolir verst flutning. Ætti að tryggja slíkri stofnun skynsamlega fjárhagsafkomu, mundi það þýða mjög lágt verð til framleiðendanna eða stórhækkað verð til neytenda.

Algerð einkasala á kartöflum mundi verða til þess að brjóta að miklu leyti niður alla verzlun með innlendar kartöflur eftir þeim leiðum, sem nú eru notaðar í þeirri verzlun. Þótt stórmiklu sé áfátt um kartöfluverzlunina, er hægra að styðja en reisa og því hæpið að gera neinar þær ráðstafanir, er hnekki því, sem bezt er og heilbrigðast á því sviði. Það er t. d. kunnugt, að einstök samvinnufélög flokka kartöflur og selja fyrir framleiðendur þar, sem þau ná til. Engin ástæða er til þess að amast við því, að það af þessari vöru, sem kemur til kasta slíkra félaga, seljist um hendur þeirra og S. Í. S., án þess að nein einkasala grípi þar inn í. Hið sama gildir auðvitað um þá kaupmenn og heildsala, er hafa haft sæmilega heilbrigð afskipti af kartöfluverzlun. Þótt mikils muni við þurfa til þess að koma kartöfluverzluninni í gott horf, virðist eðlilegra að vinna að því með almennum reglum um mat og vöruvöndun og með eftirliti heldur en að grípa til algerðrar einkasölu. Með mati og eftirliti er hægt að eyða áhrifum þeirra, er nú hafa óheppileg afskipti af kartöfluverzluninni, án þess að þröngva á neinn hátt kosti þeirra, er vel vinna að henni.

Það, sem gildir um kartöflurnar, gildir enn þá frekar um aðra garðávexti. Það er varla hugsanlegt að stofna til neinnar einkasölu á þeim, þegar svo er sem raun er á orðin, að garðyrkjumenn vinna að sölunni með samvinnusamtökum.

Af þessum ástæðum og fleirum, sem hér verða ekki taldar, er ekki hægt að mæla með algerðri einkasölu á kartöflum og öðrum garðávöxtum, þar sem ekki verður heldur séð, að á þann hátt verði náð betri árangri heldur en unnt er að ná með einfaldari og viðráðanlegri ráðum.

Þau ár, sem Grænmetisverzlun ríkisins hefur starfað, hefur verið reynt að hafa verðlag á kartöflum nokkuð bundið — lágmarksverð. — Það hefur gengið allsæmilega þau ár, sem framleiðslan var of lítil, og átt sinn þátt í því að jafna og bæta verðlag á kartöflum til hags fyrir framleiðendur. Uppskeruárið 1939—1940, þegar framleiðslan óx skyndilega, kom glögglega í ljós, eins og við mátti búast, hve erfitt er að framfylgja

slíkum ákvæðum, svo viðvinunandi sé. Þegar um jafnmisjafna vöru er að ræða eins og kartöflur, vill lögverndað verðlag jafnvel verða til meiri framdráttar fyrir lélega vöru en þá, sem vel er vönduð. Eitt og sama verðlag, hvar sem er á landinu, er hæpin ráðstöfun og getur verið algerlega óeðlileg. Koma þar til greina mismunandi skilyrði, mismunandi veðrátta, flutningur á markaðsstað o. fl.

Að lögbjóða ræktun ákveðinna tegunda af kartöflum mun ekki heldur vera fært. Bæði verður val tegunda að fara nokkuð eftir skilyrðunum á hverjum stað og erfitt að gera upp á milli margra tegunda, auk þess, sem slíkt lagaboð mundi verða að teljast mjög ófrjálslegt. Hins vegar ætti að vera fært með flokkun, verðmismun og mati að sveigja ræktunina inn á heilbrigðari grundvöll heldur en hún byggir á hvað þetta atriði áhrærir.

Skal nú vikið nokkuð að hinum einstöku greinum frumvarpsins:

Um 1. gr.

Þótt algerð einkasala á kartöflum þyki ekki ráðleg, getur takmörkuð einkasala, þ. e. einkasala á innfluttum kartöflum og öðru grænmeti, verið fyllilega réttmæt. Það er augljóst, að nauðsynlegt er að vernda innlendu framleiðsluna fyrir samkeppni af erlendri framleiðslu á vissum tímum árs, sem ella gæti orðið þess valdandi að draga stórlega úr ræktun matjurta, til mikils tjóns fyrir þjóðarheildina. Til þess að hægt sé að tryggja þetta og hafa fullt vald á innflutningi garðávaxta, er nauðsynlegt, að slíkur innflutningur sé á einni hendi, og er þá eðlilegast, að Grænmetisverzlun ríkisins starfi framvegis og annist þennan innflutning, eins og verið hefur undanfarið. Telja má, að það fyrirkomulag hafi gefizt vel, og er því sjálfsagt að byggja á þeirri reynslu, sem fengin er.

Um 3. gr.

Þar sem innflutningur kartaflna er lagður í hendur einnar stofnunar, í þessu tilfelli Grænmetisverzlunar ríkisins, verður að krefjast þess, að hún gæti þess vandlega að flytja ekki inn kartöflur svo til tjóns verði fyrir innlenda framleiðslu, en hins vegar verður að tryggja það, að vöruna skorti ekki, ef unnt er. Til þess að hægt sé að leysa þetta hlutverk af hendi, er nauðsynlegt að eiga á hverjum tíma aðgang að sem nákvæmustum upplýsingum um framleiðslu kartaflna og fyrirliggjandi birgðir af þeirri vöru.

Hagstofa Íslands safnar skýrslum um uppskeru garðávaxta, en það hefur viljað við brenna, að þær skýrslur bærust bæði seint og illa. Búnaðarfélag Íslands hefur og fengizt nokkuð við hliðstæða skýrslusöfnun, en með litið betri árangri. Hugsanlegt er, að eitthvað mætti úr þessu bæta, ef þessir aðilar, ásamt Grænmetisverzlun ríkisins, legðust á eitt og hefðu með sér samvinnu um að kippa þessu í lag. Upplýsinga, er að gagni mættu verða fyrir kartöfluverzlunina, mætti afla á 3 vegu:

1. Strax að vorinu mætti fá upplýsingar um landstærð, sem kartöflur eru settar í, og útsæðismagn. Með hliðsjón af veðráttu sumarsins mætti byggja á þessum skýrslum áætlun um uppskeruna. Trúnaðarmenn Búnaðarfélags Íslands hefðu ef til vill aðstöðu til að afla þessara upplýsinga.
2. Upplýsinga um uppskeruna yrði að afla á haustin og fyrri hluta vetrar, svo sem verið hefur, en nauðsynlegt er að skerpa ákvæðin um skyldur forráðamanna sveitar- og bæjarfélaga til að láta slíkar skýrslur í té.
3. Að lokum yrði svo að krefjast þess, að verzlanir þær, sem verzla með kartöflur, einkum í þeim héruðum, þar sem mest er framleitt af þessari vöru, gefi Grænmetisverzlun ríkisins upplýsingar um fyrirliggjandi birgðir innan héraðs á hverjum tíma, eftir því sem við verður komið.

Um 6. gr.

Það er augljóst, að eigi nokkuð að verða ágengt um vöruvöndun á kartöflum, þarf að koma á þær mati eða flokkun. Til þess að skilja nauðsyn þessa, verðum við

að gera okkur ljósa grein fyrir ástandinu eins og það er nú, en það mun í stórum dráttum vera þannig, að árlega berst mikið á markaðinn af kartöflum sem smælki, skaddaðar eða skemmdar kartöflur hafa ekki verið hreinsaðar úr, sem enginn veit með vissu, hverrar tegundar er, eða er jafnvel samsafn fleiri ólíkra tegunda. Allt er þetta selt eða boðið fram á sama verði, án tillits til bragðgæða eða þeirrar meðferðar, sem varan hefur fengið. Þetta hlýtur að spilla stórlega fyrir sölu á kartöflum og er líka ranglátt gagnvart þeim, sem leggja sig fram við að rækta góðar tegundir og vanda vöruna. Einstaka verzlunarfyrirtæki mun hafa greitt eitthvað misjafnt fyrir kartöflur eftir tegundum, og er það spor í rétta átt, en þó ófullnægjandi nema fleiri atriði séu tekin til greina. Þarf með reglugerð að setja nákvæmar og glöggar reglur um flokkun, svo að hver og einn, sem verzlar með kartöflur, geti auðveldlega séð, í hvaða flokki hann má telja þá vöru, sem hann hefur á boðstólum. Nauðsynlegt er að gera verulegan verðmun á flokkunum, því yfirleitt má telja, að ræktun hinna beztu kartöfluafbrigða sé örðugri en hinna lakari, og auk þess verða allar kröfur um greiningu og meðferð kartaflnanna strangari eftir því, sem þær koma í hærri flokk. Ekki virðist ástæða til að krefjast flokkunar eða matsskyldu nema á helztu markaðsstöðum landsins. Ef um einhverja sölu á kartöflum er að ræða annars staðar frá, hlýtur hún ósjálfrátt að verða að laga sig eftir því, sem gildir á helztu markaðsstöðunum.

Um 7. gr.

Þótt það sé æskilegast, að mat og flokkun kartaflna geti verið sem mest sjálfvirkt, þá er þó óhjákvæmilegt, að til sé í landinu opinber matsstofnun eða matsstarfsemi, sem veitt geti nægilegt aðhald um, að matinu sé framfylgt, og veitt leiðbeiningar og aðstoð, þegar þess er þörf.

Reynslan verður að skera úr því, hve mikið starf matið er, en ekki verður komizt hjá því að hafa matsmenn á þeim stöðum, þar sem sala á kartöflum fer aðallega fram.

Búast má við því, að af matinu leiði nokkurn kostnað, og virðist óhjákvæmilegt, að ríkissjóður beri hann. Ef til vill mætti þó gera ráð fyrir nokkrum tekjum af matinu, sem kæmu á móti kostnaði, t. d. gjöld fyrir matsvottorð og sektarfé vegna brota á matsreglum.

Matsreglur og nánari ákvæði um allt, er að matinu lýtur, verður að ákveða með reglugerð.

Um 10. gr.

Frumskilyrði þess, að hægt sé að koma betri skipun á ræktun kartaflna og unnt sé að samræma og tryggja vörugæðin, er, að völ sé á hreinu, heilbrigðu útsæði af þeim tegundum, sem meginframleiðslan á að byggjast á. Fjöldi ræktunarmanna veit ekki, hvaða kartöflutegundir þeir rækta, víða eru margar tegundir ræktaðar í einum hrærigraut og sums staðar gera kvillar, sem bundnir eru við útsæðið, stórtjón bæði í görðum og geymslum, sem lítið mundu gera vart við sig, ef hægt væri að setja heilbrigt útsæði niður. Af þessum ástæðum verður það að teljast nauðsynlegt, að til sé í landinu stofnun, sem framleiðir eða útvegar algerlega heilbrigt og hreint útsæði af helztu ræktunartegundum kartaflna, og er eðlilegt, að Grænmetisverzlun ríkisins hafi forgöngu í þessum efnum. Getur bæði komið til greina, að hún reki sérstaka útsæðisræktun og semji við einstaka garðræktarmenn um framleiðslu útsæðis undir fullkomnu eftirliti. Er sennilegt, að grípa verði til beggja þessara ráðstafana, Grænmetisverzlun ríkisins verði að reka hina eiginlegu stofnræktun (eliteræktun) útsæðis, en hafi einnig hönd í bagga með ræktun góðs útsæðis til framleiðslu hjá nokkrum framleiðendum.

Um leið og Grænmetisverzlun ríkisins er falin forganga í þessu máli, verður að sjálfsögðu að búa svo um, að verzlunin hafi fjárhagslega getu til þess að hrinda málinu áleiðis, því óhugsandi er, að stofnræktun kartaflna geti borið sig fjárhagslega. Kemur þá til þess, að þannig sé búið að Grænmetisverzlun ríkisins, að hún geti haft þann ágóða af verzlunarrekstri sínum, er þarf til þess að standa straum af útsæðisræktinni. Í þessu sambandi er vert að vekja athygli á því, hve hinir háu tollar á kart-

öflum og grænmeti eru í raun og veru andstæðir þeim forsendum, sem eru fyrir rekstri Grænmetisverzlunar ríkisins. Svo er til ætlazt, að Grænmetisverzlun ríkisins vinni beint og óbeint að eflingu garðyrkjunnar í landinu. Að verzla eingöngu með innlendar kartöflur gefur engri heildsölu þær tekjur, er valdi rekstrinum. Tekjurnar verða að fást af innflutningnum. Hinir háu tollar loka hins vegar þeirri leið til tekjuöflunar svo mjög, að það er lítil sem engin von til þess, að rekstur Grænmetisverzlunar ríkisins verði hallalaus, ef innflutningurinn dregst mjög saman, eins og þó er til ætlazt og stefnt að. Með því að lækka toll á kartöflum og grænmeti og leyfa Grænmetisverzlun ríkisins þeim mun meiri álagningu, mætti sjá rekstrinum borgið, jafnvel þótt innflutningurinn yrði nokkuð lítill. Ef full alvara er með eflingu garðyrkjunnar, er rökrétt að leyfa, að þær tekjur, sem sá litli innflutningur, sem ekki verður hjá komizt, gefur, renni til eflingar garðyrkjunni, en ekki sem tollur í ríkissjóð.

## Nd. 285. Frumvarp til laga

um bráðabirgðafjárgreiðslur í febrúar 1943.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Þar til samþykkt hafa verið og staðfest fjárlög fyrir árið 1943, er ríkisstjórninni heimilt að greiða úr ríkissjóði til bráðabirgða, í samræmi við ákvæði fjárlaga fyrir árið 1942, öll venjuleg rekstrargjöld ríkisins og önnur gjöld, er talizt geta til venjulegra fastra greiðslna þess, þótt ákvæðin séu eða heimiluð til eins árs í senn.

Með sama hætti er framlengd heimild til handa stjórnum Landsbankans og Búnaðarbankans til lífeyrisgreiðslna.

Heimild þessi gildir þó eigi lengur en til 15. febr. 1943.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Með því að sýnt er, að afgreiðslu fjárlaga muni ekki verða lokið fyrir 1. febrúar þ. á., en til þess tíma nær heimild sú til bráðabirgðafjárgreiðslna, sem veitt er með lögum frá 29. des. 1942, ber nauðsyn til að afla ríkisstjórninni og öðrum þeim aðilum, er fyrrgreind lög taka til, heimildar til fjárgreiðslna með sama hætti sem í þeim lögum segir, fram í miðjan næsta mánuð, en þá þykir mega ganga að því vísu, að fjárlög hafi verið samþykkt og staðfest.

## Nd. 286. Nefndarálit

um till. til þál. um rannsókn nýrra vinnuaðferða í vegagerð og símalagningu.

Frá samgöngumálanefnd.

Nefndin hefur athugað og rætt á fundum sínum till. þá, sem hér liggur fyrir. Var leitað umsagnar vegamálastjóra og póst- og símamálastjóra um efni hennar. Hafa þeir báðir gefið skýrslu um málið, og eru bréf þeirra prentuð hér á eftir sem fylgiskjöl þessa nefndarálits.

Nefndin hefur orðið ásátt um að leggja til, að till. nái fram að ganga með eftir farandi

BREYTINGU.

Tillgr. skal orða svo:

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að láta rannsaka með aðstoð vegamálastjóra og póst- og símamálastjóra:

1. Hvernig auka megi vélanotkun í vegagerð hér á landi meir en nú er;
2. að hve miklu leyti komið verði við eða hagkvæmt sé að nota ákvæðisvinnu í vegagerð ríkisins;
3. hvort eigi sé kleift að leggja símalínur til afskekktra staða með minni tilkostnaði en nú tíðkast.

Alþingi, 27. jan. 1943.

Gísli Sveinsson, form., frsm. Sveinbjörn Högnason, fundaskr. Barði Guðmundsson.

Þóroddur Guðmundsson. Sigurður Bjarnason.

**Fylgiskjal I.**

VEGAMÁLASTJÓRINN

Reykjavík, 12. jan. 1943.

Formaður samgöngumálanefndar Nd. Alþingis, hr. alþingism. Gísli Sveinsson.

Með bréfi, dags. 19. f. m., senduð þér ásamt meðnefndarmanni yðar, þingmanni Norður-Ísfirðinga, tillögu til þingsályktunar um rannsókn nýrra vinnuaðferða í vegagerð og báðust umsagnar minnar. Greinargerð mín fer hér á eftir og er skipt í 2 kafla.

**I. Vélanotkun í vegagerð.**

Það er rétt, að vélanotkun hér á landi við ýmsar framkvæmdir er orðin nokkuð á eftir tímanum, sérstaklega ef borið er saman við þau lönd, sem lengst eru komin. Til þess liggja ýmsar ástæður. Næstu árin áður en ófriðurinn skall á var gjaldeyrir af svo skornum skammti, að neita varð um leyfi fyrir nauðsynlegustu vélum og tækjum, og varð vegagerð ríkissjóðs að gjalda þess eins og aðrir. Meðan kaup var hér lágt og atvinnuleysi, var og ekki heldur eins knýjandi nauðsyn og nú að útvega afkastamiklar vélar, enda voru fjárveitingar svo litlar og dreifðar á marga vegi, að naumast var hagkvæmt að nota slíkar vélar, sem bæði kosta mikið og eru dýrar í rekstri. Vél, sem kostar 50 þús. krónur eða jafnvel 100 þús. krónur, þarf að nota sem flesta vinnudaga ársins og samfellt um lengri tíma á sama stað, með því að flutningar þeirra eru og víða bæði torveldir og dýrir, en vélar þessar, sem aðallega koma til greina við vegagerðir, vigta frá 7 tonn upp í 10—12 tonn.

Vinnu að almennri vegagerð má aðallega skipta í 3 flokka, undirbyggingu nýrra vega, malarvinnu við slitlagið og loks viðhald slitslagsins með nýrri möl.

Vil ég fyrst víkja að viðhaldinu. Það hefur orðið kostnaðarsamara með hverju árinu, svo sem eðlilegt er með svo aukinni þungaumferð, sem orðið hefur síðasta áratug. Benzíneyðslan var lítt vaxandi síðustu árin fyrir stríð, 5000—6000 tonn, en hefur 1942 komizt upp í um 27000 tonn að meðtalinni eyðslu herliðsins, eða nálega 5-faldast, og má telja, að umferðin hafi vaxið að sama skapi.

Auknum kröfum af þessum sökum og til bætts viðhalds hefur verið leitazt við að fullnægja með því að velja eftir atvikum beztu fáanlega möl, þó langt þurfi oft að flytja hana. Hefur því kerruflutningur á möl til viðhalds að mestu þokað fyrir bifreiðaflutningi.

Til þess að halda veginum sléttum hafa verið notaðir vegheflar, og fengum við þá fyrstu um svipað leyti (árið 1925) og notkun þeirra var tekin upp í Noregi, en þar í landi hagar að mörgu leyti svipað til um vegagerð og hér.

Í ársbyrjun 1940 átti vegagerðin 7 hefla, norska, og flesta nokkuð slitna, svo talsverðar frátafir voru orðnar vegna aðgerða. Var þá látið sitja fyrir öðrum véla-

kaupum að útvega fleiri hefla, og hafa nú bætzt við 12, sem kostað hafa um 250 þús. krónur, og einum betur, sem herstjórnin hefur lánað. Þegar fengnar eru nýjar vélar í norsku heflana, sem nú eru í pöntun, verða þannig 20 heflar, sem ég tel nokkuð viðunandi.

Þá átti og vegagerðin 3 mulningsvélar, til þess að mylja grjót og möl í slitlag vega. Vorið 1941 voru pantaðar 2 svipaðar vélar frá Englandi, sem komu loks á síðast liðnu hausti. Góð möl er víða vandfundin, og oft með henni ýmist of mikill eða of lítill leir, eða mölin of grófgerð. Er vandbætt úr þessu, en bezt hefur reynzt að mylja grófu mölina, og þarf til þess vélar, en þessi betur mulda möl er dýru verði keypt og getur því naumast komið til greina, nema á þeim vegum, þar sem umferð er langmest, nema kostað sé enn allmiklu meira til viðhaldsins en nú, en vitanlega yrðu þá vegirnir betri. Ég legg mikið upp úr því að bæta viðhaldið með betri möl og nota vélar til mulnings og aðgreinings mölinni, þar sem það er hagkvæmt. Væri þörf nokkurra fleiri véla í þessu skyni. Þessar 2, sem fengnar eru, kostuðu samtals um 27 þús. krónur.

Það hefur verið venja hér að moka mölinni á bifreiðarnar með skóflum. Þessi aðferð hefur verið furðu hagkvæm meðan verkalaun voru lág, miðað við rekstrarkostnað vélskóflna eða grafvéla. Nú er aðstaða, eins og fyrr greinir, að þessu leyti breytt. Vélar af þessari tegund, eins og ameríkanska herstjórnin hefur notað hér, eru stórvirkar, en þarf þó góða aðstöðu að ýmsu leyti til þess að afköstin samsvari rekstrarkostnaði. Þær hafa þann galla, að þær eru erfiðar í flutningi vegna fyrirferðar og þyngsla. Hins vegar eru malargryfjur okkar margar og langt á milli þeirra. Er því ekki nema á fáum stöðum unnt að vinna með þeim með hagnaði. Ég leitaði í sumar og haust tilboða í Englandi og Bandaríkjunum í slíkar vélar. Fékk algera neitun frá Englandi, en er nú að festa kaup á 3 slíkum grafvélum í Bandaríkjunum, og kostar hver þeirra hingað komin ásamt nokkrum varahlutum nær 100 þús. kr. Fyrir stríð voru búnar til í Þýzkalandi svipaðar vélar, en nokkru minni og, að ég hygg, hagkvæmari fyrir okkur til almennari notkunar.

Að því, er snertir möl til nýbyggingar vega, gegnir svipuðu máli og hér hefur verið gerð grein fyrir, en þó mun lengst af hagkvæmast að flytja fyrstu mölina ofan á undirbygginguna á hestkerrum; bæði er, að til hennar þarf ekki eins að vanda, og er hún því venjulega nærtækari, enda ekki gott að nota önnur farartæki á nýundirbyggðum vegi úr uppstungu úr skurðum eða öðrum lausum jarðvegi. Þá eru og hestarnir ódýrir, en jafnframt hagræði eigendum þeirra að geta leigt þá í vegavinnu, sem stundum þarf að taka tillit til.

Til þess að gera veg í melum, holtum eða jafnvel hallalitlum skriðum eru til mjög hentugar vélar, sérstaklega í Bandaríkjunum, og hefur herstjórnin mikið notað þær hér. Er það aðallega dráttarvél á beltum með áföstum einhliða plóg að framan, til þess að grafa sig inn í jarðveg og ýta í veginn eða þar sem á að nota hann til fyllingar. Er þegar fengin reynsla fyrir, að slíkar vélar henta hér einkar vel til vegagerða. Hef ég tvívegis fengið þær lánaðar í haust hjá herstjórninni; fyrr var það ekki hægt, vegna þess hve fáar voru til hér og mikið fyrir þær að vinna.

Eftir þessa tilraun ákvað ég í september síðast liðnum að festa kaup á 3 slíkum vélum, sem ég vænti að fá í vor. Þær kosta samtals um 150 þús. kr. Valdi ég þær í samráði við ameríkönsku vegaverkfræðingana, sem hér eru. Þær eru nokkuð stórar, vigta um 7½ tonn.

Ég hafði gert mér vonir um að ná þessum vélum hingað til lands fyrir áramót og fengið samþykki ráðuneytisins fyrir umframeyðslu á fjárveitingunni til áhalda 1942 í þessu skyni, en vegna dráttar á útflutningsleyfi hefur orðið dráttur á afgreiðslu vélanna. Samtímis þessum vélum festi ég og kaup á 2 stórum vögnum, er þær geta dregið og eru þannig gerðir, að vélamaður getur með sérstöku átaki beitt þeim þannig, að vagninn skefur fylli sína af möl eða öðrum jarðvegi, en með öðru átaki má tæma vagninn, þá er vélin hefur dregið hann þangað, sem nota á fyllinguna. Taka vagnar þessir nær 4 teningsmetra, eða fyllilega 2 bílhlöss, og þykja mjög

hentugir þar, sem stutt þarf að flytja, allt upp í hálfan kílómetra t. d., ofaníburð í veg. Kosta vagnar þessir báðir um 45 þús. kr.

Jarðýtur af þessari gerð henta vitanlega bezt við umfangsmikla vegagerð, svo sem t. d. á Vatnsskarði, Siglufjarðarskarði, Öxnadalsheiði og Norðurárdal í Skagafirði, þær eru dýrar í rekstri, þegar nauðsynleg afskrift bætist við, og þarf því riflega fjárveitingu. Á vetrum má nota þessar vélar til þess að ryðja snjó af vegum. Ég hygg, að okkur mundi og henta að fá slíkar dráttarvélar með jarðýtu af minni tegund en þær, sem ég hef þegar keypt.

Í þessu sambandi má og geta þess, að nokkuð víða hefur á síðari árum orðið að sprengja klappir eða grjót, þar sem vegir eru lagðir. Fyrir stríð átti vegagerðin 2 loftþjöppur með tilheyrandi áhöldum til borunar í grjót, en síðan hafa bætzt við 2 stórar vélar og 1 lítil, sem kostuðu samtals um 45 þús. kr., og enn er ein stór í pöntun, en fyrstu vélar til loftþjöppunar, er fluttust hingað til lands, þegar frá eru teknar stórvélar hafnargerðar Reykjavíkur, keypti ég fyrir vegagerðina fyrir æðimörgum árum.

Loks er undirbygging veganna. Hún hefur að heita má eingöngu fram að þessu verið unnin með handverkfærum. Meðan vegir eru hér gerðir jafnmjóir og nú er (3,5—5,0 metrar) og fyllingarefnið að mestu tekið úr skurðum meðfram veginum, þannig að ekki þarf að jafnaði meir en 2—4 teningsmetra fyllingar í hvern lengdarmetra, hefur undirbyggingin, sérstaklega í mýrlendi, orðið mjög ódýr, hver teningsmetri venjulega fyrir einnar klukkustundar kaup verkamanns eða nokkru minna. Ódýrar vélar og hagkvæmar í notkun til slíks verks hef ég ekki getað spurt uppi, og ekki voru þær notaðar í Noregi eða Svíþjóð fyrir stríð. Ekki hafa heldur þeir amerískanskir vegaverkfræðingar, sem hér dveljast, getað bent mér á, að þær væru til í Bandaríkjunum. Hins vegar eru vitanlega til ýmsar tegundir grafvéla til skurðgraftar. Eina þeirra og þá fyrstu, sem kom hingað til lands, keypti ég í för minni til Bandaríkjanna ásamt 2 fyrstu (belta)dráttarvélunum, er hingað komu og síðan voru notaðar við jarðræktarvinnu. Skurðgrafan gróf alla stóru skurðina í Skeiða- og Flóaáveitunni og reyndist vel. Önnur tegund af mjög hagkvæmum skurðgröfum eru þær 2, sem fengnar voru hingað til lands í fyrra vor og notaðar með ágætum árangri til þess að grafa nokkuð stóra fráræsluskurði. Stóð til að fá aðra þeirra lánaða í haust til þess að fá fyrstu reynslu um notkun hennar til vegagerðar, en af því gat þó ekki orðið þá. Nú hef ég ráðið kaup á 2 svipuðum vélum frá Bandaríkjunum, af því ég hef örugga trú á nothæfni þeirra, þar sem sérstaklega hagar til. Þær eru þó talsvert dýrari en frá Englandi. Kostar hvor þeirra nær 80 þús. kr. Er fyrirhugað að nota aðra til þess að gera með fyllingu í fyrirhleðslugarðana fyrir Affall og Þverá, svo sem ég gerði grein fyrir í tillögum mínum fyrir fjárveitingum til þeirra framkvæmda í ár, er nú liggja fyrir fjárveitinganefnd. Er og fyrirhugað að nota þar eina grafvélina sem sveiflugálga til hleðslu og afhleðslu grjóts af bifreiðum, sérstaklega ef ekki fæst önnur tegund af vélknúnum sveiflugálga, sem ég hygg enn hentugri og hafði fengið tilboð í frá Englandi, en mjög hæpið er, að útflutningsleyfi fáist fyrir.

Èg hef með framan ritaðri greinargerð viljað nota tækifærið til þess að skýra hæstvirtu Alþingi frá, hvert álit mitt er um vélanotkun til vegagerða, svo og hvað ég hef aðhafzt í þeim málum, síðan möguleikar opnuðust til innflutnings stórvirkra vegavinnuvéla. Þá vil ég og bæta því við, að ég þykist hafa fyllstu ástæðu til að vænta þess, að herstjórnin gefi okkur kost á að eignast vélar þær, við okkar hæfi, er hér hafa verið notaðar, með hagkvæmum kjörum að ófriðnum loknum. Þá hefur og herstjórnin lofað mér að lána til vegagerða vélar, þegar á næsta sumri, eftir því, sem við yrði komið, ef þá um hægist um framkvæmdir hennar.

Í tillögum mínum um fjárveitingar 1943 til áhalda gerði ég nokkra grein fyrir vélaþörf okkar og fór fram á 400 þús. kr. fjárveitingu, sem ríkisstjórn tók upp í fjárlagafrumvarp það, er liggur fyrir Alþingi.

Ég hef jafnan gert mér far um að fylgjast með nýjungum á þessu sviði, er mættu hér koma að notum, og hef nokkrum sinnum haft tækifæri til þess að fylgjast með þróun þessara mála í siglingum til nágrannalanda okkar, en vitanlega fæst einmitt bezt og öruggust vissa um véltækni á þessu sviði sem öðrum við eigin sýn erlendis, þar sem véltækni allri fleygir mjög fram. Má og sérstaklega vænta, að margar nýjungar, einnig við okkar hæfi, komi þar fram á ófriðarárunum, en flest af því tagi verður okkur naumast tiltækilegt fyrr en að ófriðnum loknum. Verður þá sérstaklega nauðsynlegt að vera við því búinn að velja úr það, sem hér má koma að gagni bæði til vegagerða og annarra framkvæmda, því hagnýting beztu véltækni, er okkar högum hentar, er mjög mikilsverð. Vitanlega mun það þó fara eftir efnum okkar, hvers við verðum megnugir að afla okkur af þessu tagi. Það fer því miður stundum svo, að menn hafa ekki efni á að útvega sér slíkt, jafnvel þó hagkvæmt sé í raun og veru. Þannig eru ekki mörg ár síðan við urðum að nota hestakerrur til malarflutnings í vegi, jafnvel þó það gerði verkið dýrara, en þá var bæði gjaldeyrisskortur og atvinnuleysi. Varð því að spara bifreiðarnar. Þannig á og véltæknin sín takmörk, og ekki er alltaf mest undir því komið að geta afkastað sem mestu á sem stytztum tíma, jafnvel þó það verði ódýrara.

Þó talsvert hafi áunnizt um bættar samgöngur undanfarandi áratugi, eru enn verkefni óþrjótandi fram undan, og mun þá fara eftir atvinnuháttum og afkomu framleiðslunnar, hve mikil þörf er að skapa atvinnu við vegagerðir og hve mikið fé við verðum megnugir að leggja fram í því skyni. En mikilli vélanotkun fylgir yfirleitt mikill kostnaður jafnhliða auknum afköstum, og mun ég siztur manna letja þeirrar þróunar.

## II. Ákvæðisvinna í vegagerð.

Ákvæðisvinna hefur ýmsa kosti, en til þess að hún svari tilgangi sínum, þarf verkið, sem vinna á, að leggjast glöggt og vel afmarkað í hendurnar á verktaka, svo hann geti einnig verðlagt það. Þetta útheimtir við vegagerðir jafnan allverulega verkfræðings- og verkstjóravinnu. Ákvæðisvinna í vegagerð hér hefur venjulega verið þannig, að ákveðinn flokkur verkamanna hefur tekið að sér ákveðið verk, og skipta verkamennirnir þá milli sín greiðslum eftir tölu dagsverka hvers eins. Stundum er þó sérstaklega malarakstur látinn í ákvæðisvinnu fyrir ákveðna greiðslu hvert hlass eða hver teningsmetri, og kemur þá fyrir, að sá, er verkið tekur að sér, greiðir þeim, er hann ræður til verksins með sér, tímakaup, en hitt er algengast, enda hefur þann kost, að allir eiga að hafa sama áhuga fyrir, að vinnan sækist sem bezt, en enginn einn getur hagnazt á vinnu annarra, svo sem algengast mun um ákæðisvinnu á öðrum sviðum, t. d. þar, sem menn taka hús eða önnur mannvirki í ákvæðisvinnu. Fyrirkomulag það, sem tíðkazt hefur í vegavinnu, tel ég heppilegt og sanngjarnt gagnvart verkamönnunum. Ákvæðisvinna hefur þó aldrei náð að verða algeng í vegavinnu, og valda því ýmsar ástæður.

Vegavinnan er mjög dreifð um land allt og eftirlit verkfræðinga því erfitt í framkvæmd, en bæði þeir og verkstjórar þurfa góða verklega menntun og reynslu á þessu sviði til þess að geta hlutað út verkefnum og metið til verðs, svo vel fari og þannig, að verði hagur beggja aðila, svo og litið eftir, að verkið sé framkvæmt eins og tilskilið er. Getur það orðið eitt af verkefnum námskeiða þeirra, sem Alþingi hefur nú veitt nokkurn styrk, fyrir forgöngu mína og Verkstjórafélags Íslands, að búa verkstjórana betur undir þessa grein starfs þeirra.

Eins og í greinargerð þingsályktunarinnar getur, var unnið í ákvæðisvinnu í Þingvallavegínum fyrir 1930. En svo hefur og verið í ýmsum öðrum vegum, en þessi tilhögun mætti frekar andúð verkamanna og sérstaklega fulltrúa verkalýðsfélaganna, og lá við verkfalli í Sogsveginum af þeim sökum 1933. Það ár var unnið í vegagerð í ákvæðisvinnu fyrir samtals 95 þús. kr. og 1934 fyrir 179 þús. kr. En þá tókst fulltrúum verkamanna að fá inn í kaupsamning þann, er gerður var við ríkisstjórnina í maí 1935, að í ákvæðisvinnu skyldi verkamönnum og bifreiðum tryggð sömu daglaun og

í almennri vinnu. Þetta ákvæði, ásamt fyrrgreindri andúð og tortryggni í garð verksala, olli því, að ákvæðisvinna minnkaði til muna, og var þannig hvort árið 1935 og 1936 unnið fyrir aðeins um 60 þús. kr. Þá féll og niður að mestu að láta malarflutning að vetri til í ákvæðisvinnu, því með þessari kvöð gat vinnan orðið óþarflega dýr. Það er vitanlega sanngjarnt og til þess ætlazt, að verkamenn beri meira úr býtum, er þeir leggja meira að sér í ákvæðisvinnu, en þegar tímakaup er greitt. Hins vegar er það ekki heppilegt að slá því föstu, að þeir skuli þó aldrei hafa minna upp úr vinnu sinni en algengt tímakaup. Með því er um of hallað á hinn aðilann og jafnframt numið burt nokkuð af hvatningu þeirri, sem á að fá verkamanninn til að leggja sig sem bezt fram til verksins. Þá á og flokkur með liðléttingum jafnan víst sitt dagkaup, en einmitt ekki sízt vegna þeirra er þörf ákvæðisvinnunnar. Það verður og ekki heldur sanngjarnt hlutfall milli þess, sem duglegur flokkur, er vinnur hliðstætt verk, ber úr býtum og þess, sem liðléttingarnir fá. Þetta rýrir áhugann hjá þeim, sem duglegir eru.

Árið 1937—39 minnkaði enn ákvæðisvinnan, en til þess lá þá jafnframt sú ástæða, að mjög var þá algengt, að nota varð vegavinnuna til atvinnubóta í sveitunum, og var því vinnunni iðulega jafnað niður á heimili eða einstaklinga, sem fengu vinnu oft aðeins stuttan tíma eða fáa daga í einu. Varð þá illgerlegt að koma ákvæðisvinnu við, sérstaklega þegar tryggja átti öllum venjulegt dagkaup. Árið 1940 var unnið fyrir 59 þús. kr. og 1941 fyrir 76 þús. kr. í ákvæðisvinnu og 1942 líklega eitthvað svipað. Eins og komið var eftirsókn eftir verkamönnum til vegavinnu, jafnframt allháu kaupi, sérstaklega í sumar, hefur verið örðugt að fá verkamenn til þess að ráðast í ákvæðisvinnu, en þeir, sem fúsir hafa verið til „akkorðsvinnu", sérstaklega í undirbyggingu vega í mýrlendi, hafa jafnan átt kost á henni, ef mæling hefur verið gerð fyrir veginum og áætlun.

Til dæmis um vandkvæði á því að halda uppi þessari tilhögun, má benda á, að í nýbyggingum er það aðallega undirbyggingin, sem er þess eðlis, að unnt er að verðleggja verkefnið fyrir fram með góðri nákvæmni, en miklu síður malarakstur, oft úr óþekktum gryfjum, eða ræsagerð. Þá kemur það fyrir, að þeir, sem vinna í tímavinnu, þykjast afskiptir, er þeir bera sig saman við hina, sem hafa verið í ákvæðisvinnu og borið úr býtum meira en tímakaup. Getur þannig skapazt óánægja meðal vinnuflokka sama verkstjóra.

Það er nú mikið um það rætt, að menn séu almennt farnir að vinna verr en áður, og mun því miður nokkuð hæft í því og víða mikil brögð, en þó vil ég ekki viðurkenna, að verulega beri á þessu í vegavinnu, að minnsta kosti þegar fjær dregur Reykjavík. Er því eðlilegt, að leitað sé einhverra bóta á því meini, og vitanlega er ákvæðisvinnan ein leiðin og sjálfsögð, þar sem henni verður við komið, svo sem ég hef bent á í tillögum mínum um fjárveitingar 1943, er nú liggja fyrir Alþingi. Það hefur verið mín reynsla, að einna mest velti á verkstjórninni um góð afköst, því verkamennirnir hafa verið að upplagi samvizkusamir og vinnusamir að starfi sínu, og sækir væntanlega aftur í það horf, þó út af bregði nú nokkuð víða.

Til þess að gera ákvæðisvinnu almennari í vegagerðum, þarf fyrst og fremst stöðugt eftirlit með verkinu, öruggari og umfangsmeiri undirbúning verkefna en tök hafa verið á, svo sem fyrr er getið, enda undanfarið ekki fáanleg nægileg verkfræðileg aðstoð, og horfir þó sízt betur nú, er 2 verkfræðingar hafa horfið frá starfi á vegamálaskrifstofunni og engir fáanlegir í þeirra stað. Þá þurfa og verkstjórarnir yfirleitt meiri verklega menntun, sem þarf að fást með sérstakri kennslu á námskeiðum, og vil ég því jafnframt ítreka meðmæli mín með nokkrum styrk úr ríkissjóði til slíks námskeiðs í fjárlögum þessa árs, svo sem veitt var 1942, en komst þá ekki í framkvæmd, með því að enginn virtist geta séð af neinum tíma frá vinnunni til þess að sækja námskeiðið. Verkamenn eru að vísu, eins og nú standa sakir, yfirleitt ófúsir til ákvæðisvinnu, en ég hygg þó, að það muni, að breyttum ástæðum, ekki standa fyrir til lengdar, að heilbrigð ákvæðisvinna geti orðið allmjög almennari en undanfarin ár hafa verið tök á.

Geir G. Zoëga.

Fylgiskjal II.

PÓST- OG SÍMAMÁLASTJÓRNIN

Reykjavík, 31. des. 1942.

Póst- og símamálastjórnin hefur meðtekið heiðrað bréf yðar, herra samgöngumálanefndarformaður, dags. 19. þ. m., þar sem óskað er umsagnar póst- og símamálastjórnarinnar um framkomna tillögu til þingsályktunar (Þskj. 93), meðal annars varðandi rannsókn á möguleikum til þess að símalínur, einkum til afskekktra staða, verði lagðar með minni tilkostnaði en nú tíðkast.

Í þessu tilefni leyfir póst- og símamálastjórnin sér að byrja á því til skýringar að fara nokkrum almennum orðum um símalagningar yfirleitt og þau sjónarmið, sem þar koma aðallega til greina.

Skal þá fyrst bent á, að mörg atriði koma til athugunar, þegar velja á hentugustu gerð símalína m. a. til afskekktra staða. Kemur þá ekki aðeins til greina lágur stofnkostnaður, heldur einnig ýmis önnur sjónarmið, svo sem:

1. ódýrt viðhald og auðveldar og ódýrar aðgerðir;
2. hugsanlegar aukningar (línufjölgun) á svæðinu;
3. tillit til rafveitutauga, sem fyrir eru eða væntanlegar kunna að vera;
4. ýmislegt annað, svo sem staðháttamunur, verðlagssveiflur, hlutfall milli efniskostnaðar og vinnukostnaðar o. fl.

Enn fremur er nauðsynlegt að taka tillit til „standardiseringar" á efni og verkfærum.

Að undanförnu og sér í lagi á afskekktum stöðum hefur mikil áherzla verið lögð á, að línur væru af einfaldri gerð og viðhald þeirra og aðgerðir væri meðfærilegt ófaglærðum mönnum með tiltölulega ódýrum og einföldum tækjum. Ákvörðun um gerð lína hefur því hingað til farið fram ekki aðeins með tilliti til stofnkostnaðar, heldur einnig með hliðsjón af mati á þýðingu framan greindra atriða í hvert skipti. Við línulagningar hér á landi hefur æ meir verið stuðzt við innlenda reynslu, en auk þess við fyrirmyndir og reynslu annarra landa, einkum Noregs. Þá hefur póst- og símamálastjórnin einnig haft nokkra hliðsjón af þeim línulagningaaðferðum, sem viðhafðar eru annars staðar, m. a. vestan hafs. Hinar stórvirku vinnuvélar, sem notaðar eru sums staðar erlendis, m. a. við lagningu neðanjarðarsíma, hefðu óvíða komið til greina hér á landi vegna þess, hve línulagningar hér hafa verið dreifðar og í smáum stíl á hverjum stað, og auk þess venjulega um vegleysur og torfær svæði. Við framkvæmdir í stærri stíl gæti útkoman orðið önnur.

Þá skal þess getið, í sambandi við ummæli í greinargerð nefndrar þingsályktunartillögu, að póst- og símamálastjórnin hefur af tímaritagreinum undanfarin 6 ár fylgzt með tilraunum, sem hafa verið gerðar á vegum Bellfélagsins í Ameríku með nýja gerð af óvörðum gúmeinangruðum símavír, sem er grafinn um ½ metra niður í jörðu með sérstökum plógi og dráttarbíl. Póst- og símamálastjórninni er ekki kunnugt um, að slíkar símataugar hafi verið lagðar annars staðar í þessu skyni, nema þar sem um bráðabirgðalagnir var að ræða, svo sem í hernaði o. þ. l.

Þessi tegund lína hefur þann kost jarðsíma að vera óháð stormi og ísingu. Hins vegar hefur hún ýmsa galla, sérstaklega í dreifbýli og á afskekktum stöðum. Deyfing tals í slíkum línum er margfalt meiri en í stauralínum, og koma þær því vegna aðeins til greina á tiltölulega stuttum vegalengdum. Í öðru lagi verður leit að bilunum á þeim að jafnaði aðeins framkvæmd af sérfróðum mönnum með tiltölulega margbrotnum og dýrum mælitækjum. Notkun plógs með dráttarbíl kemur vart til greina nema í hentugum jarðvegi og þar, sem um allmiklar lagnir er að ræða. Hins vegar er gröftur með skóflu svo dýr, að þá yrði sjálfsagt grafinn varanlegri jarðsími með blýhólki, í stað óvarins vírs, ef stauralína þætti þá ekki hentugri.

Póst- og símamálastjórnin mundi telja það æskilegt, að ætlaður væri í fjárlögum sérstakur liður beinlínis til tilraunastarfsemi símans, bæði á sviði línulagninga og

alls annars símabúnaðar, enda er virðingarverðan vísi til slíkrar fjárveitingar þegar að finna í heimildarformi í fjárlögum fyrir árið 1942, 22. gr. lið XXIV.

Áður nefnd þingsályktunartillaga beinist í sömu átt og virðist því geta orðið þessu málefni til stuðnings.

G. J. Hlíðdal.

G. Briem.

## Nd. 287. Frumvarp til laga

um eignarnámsheimild fyrir Siglufjarðarkaupstað á jörðinni Höfn í Siglufirði.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

Siglufjarðarkaupstað er heimilt að taka eignarnámi jörðina Höfn í Siglufirði (þann hluta, sem ekki er þegar í eigu kaupstaðarins), ef ekki næst samkomulag við eigendur um kaup.

2. gr.

Eignarnám það, sem um ræðir í 1. gr. hér að framan, skal framkvæmt samkvæmt lögum nr. 61 14. nóv. 1917, um framkvæmd eignarnáms.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 288. Breytingartillögur

við frv. til l. um jöfnunarsjóð aflahluta.

Frá sjávarútvegsnefnd.

1. Við 1. gr.
   a. Í stað „1%“ komi: 0,7%.
   b. Orðin „eftir að sameiginlegur kostnaður hefur verið dreginn frá“ falli niður.
2. Við 3. gr. Í stað „1%“ komi: 0,7%.
3. Við 5. gr. Greinin orðist svo:
   Stjórn sjóðsins skipa þrír menn, kosnir hlutbundinni kosningu í sameinuðu Alþingi til tveggja ára í senn. Stjórnin velur sér formann. Tryggingarstofnun ríkisins annast daglegar framkvæmdir og reikningshald sjóðsins fyrir þóknun, er ráðherra ákveður. Ráðherra ákveður stjórninni þóknun fyrir störf hennar.
4. Við 8. gr. bætist: Jafnframt falla úr gildi ákvæði 7. gr. laga nr. 45 12. febr. 1940 um framlög frá bæjar- og hreppsfélögum í tryggingarsjóði hlutarútgerðarfélaga.

## Ed. 289. Lög

um framlenging á gildi laga nr. 33 7. maí 1928, um skattgreiðslu h/f Eimskipafélags Íslands

(Afgreidd frá Ed. 28. jan.).

Samhljóða þskj. 102.

## Ed. 290. Lög

um breyting á lögum nr. 44 19. júní 1933, um stofnun happdrættis fyrir Ísland.

(Afgreidd frá Ed. 28. jan.).

Samhljóða þskj. 272.

## Sþ. 291. Tillaga til þingsályktunar

um að fá þjóðleikhúsið rýmt og smíði þess lokið.

Flm.: Kristinn E. Andrésson, Gunnar Thoroddsen, Barði Guðmundsson, Páll Þorsteinsson, Sigfús Sigurhjartarson, Haraldur Guðmundsson, Sigurður Bjarnason, Sigurður Guðnason, Eiríkur Einarsson.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að beita sér fyrir því, að þjóðleikhúsið verði rýmt þegar í stað og að því búnu hafnar framkvæmdir á fullnaðarsmíði hússins.

Greinargerð.

Þjóðleikhúsið hefur nú staðið ófullgert í tólf ár og verið notað síðustu árin sem vörugeymsla erlenda setuliðsins. Samtímis er svo ástatt, að leiklistarstarfsemi í Reykjavík á engin skilyrði til þroska vegna skorts á húsnæði. Slíkt ástand er með öllu óþolandi lengur, og telja flutningsmenn þessarar tillögu því fulla ástæðu til, að þing og stjórn skerist í leikinn og beiti sér fyrir því að fá þjóðleikhúsið rýmt, svo að hægt sé að ljúka til fulls smíði þess og það geti tekið til starfa sem raunverulegt þjóðleikhús Íslands.

## Ed. 292. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 282 [Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur].

Frá Bjarna Benediktssyni.

Við tölul. 2. Fyrir orðin „sem er neðan við þjóðveginn“ komi: sem er neðan við Norðurlandsbraut.

## Nd. 293. Frumvarp til laga

um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

(Eftir 3. umr. í Ed.)

1. gr.

Frá 1. marz 1943 skal leggja undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur jarðirnar Elliðavatn og Hólm í Seltjarnarneshreppi ásamt lóðum og löndum, sem úr þeim hafa verið seldar, svo og spildu þá úr landi jarðarinnar Vatnsenda í sama hreppi, er bæjarstjórn Reykjavíkur kann að taka eignarnámi samkv. heimild í lögum nr. 57 4. júlí 1942. Enn fremur skal leggja undir lögsagnarumdæmið frá sama tíma jarðirnar Graf-

arholt, að svo miklu leyti, sem eignarnámsheimild 3. gr. tekur til, Gufunes, Keldur, Eiði, Knútskot og þann hluta Korpúlfsstaðatorfunnar, er Reykjavíkurbær hefur fest kaup á (Korpúlfsstaðir, Lambhagi, Varmá og hluti af Lágafellslandi) í Mosfellshreppi, ásamt öllum lóðum og löndum, sem seldar hafa verið úr þeim, að því landi undanteknu, er þegar hefur verið selt úr landi jarðarinnar Varmár undir þingstað á Brúarlandi og verksmiðjuhverfi á Álafossi.

2. gr.

Frá sama tíma tekur Reykjavíkurbær að sér framfærslu allra þeirra þurfamanna, sem eru eða verða og framfærslurétt eiga eða mundu eignast, ef lög þessi yrðu ekki sett, vegna fæðingar eða dvalar á löndum þeim, er um ræðir í 1. gr.

3. gr.

Bæjarstjórn Reykjavíkur er heimilt að láta taka eignarnámi jörðina Grafarholt í Mosfellshreppi, ásamt nýbýlinu Engi og þeim lóðum og löndum, er seld hafa verið úr landi jarðarinnar. Eignarnámið skal framkvæmt samkv. lögum nr. 61 14. nóv. 1917. Eignarnámsheimild þessi tekur þó ekki til þess hluta Grafarholtslands, sem er neðan við Norðurlandsbraut.

4. gr.

Forkaupsréttur Mosfellshrepps, samkv. 2. gr. laga nr. 55 15. júní 1926, að löndum þeim úr Korpúlfsstaðatorfunni, er Reykjavíkurbær hefur fest kaup á, er úr gildi felldur.

5. gr.

Fyrir árslok 1943 skulu fara fram endanleg fjárskipti milli Reykjavíkurbæjar og Seltjarnarneshrepps annars vegar og Reykjavíkurbæjar og Mosfellshrepps hins vegar, þar á meðal væntanlegar skaðabótagreiðslur til hreppanna.

6. gr.

Allar fjárgreiðslur samkv. lögum þessum, aðrar en endurgjald fyrir Grafarholt samkv. 3. gr., skulu ákveðnar af gerðardómi, og skal hann einnig skera úr öllum ágreiningi milli málsaðila út af lögum þessum. Gerðardóminn skipa 3 menn, er hæstiréttur nefnir til þess. Skal einn þeirra vera dómari í hæstarétti, og er hann formaður gerðardómsins. Kostnað við gerðardóminn greiðir Reykjavíkurbær eftir ákvörðun dómsins

7. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 294. Breytingartillaga

við frumv. til laga um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá Eiríki Einarssyni.

Á eftir 1. gr. kemur ný grein, sem verður 2. gr., svo hljóðandi (og breytist greinatalan samkv. því):

Heimilt er hreppsfélögum að kveða svo á með sveitarsamþykktum, að styrk þeim, sem veittur er í hreppinn samkvæmt lögum þessum, fyrir eitt ár eða fleiri í senn, skuli varið til fjárhagshjálpar efnilegu ungu fólki úr sveitinni, því til menningarauka innan lands eða utan. Ákveður hreppsnefnd, hverjir verði styrks þess aðnjótandi.

## Ed. 295. Nefndarálit

um frv. til l. um stofnun embættis háskólabókvarðar við Háskóla Íslands.

Frá menntamálanefnd.

Nefndin mælir með, að frumvarpið verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 28. jan. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Eiríkur Einarsson, form. | Kristinn E. Andrésson, fundaskr., frsm. | Jónas Jónsson. |

## Sþ. 296. Þingsályktun

um beitumál vélbátaútvegsins.

(Afgfeidd frá Sþ. 28. jan.).

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að undirbúa svo fljótt sem unnt er, í samráði við Fiskifélag Íslands, löggjöf um beitumál vélbátaútvegsins, er miði að því að tryggja, að ávallt sé til í landinu næg og góð beita við eðlilegu verði.

## Sþ. 297. Þingsályktun

um innflutning efnis til símalagninga og talstöðva.

(Afgreidd frá Sþ. 28. jan.).

Samhljóða þskj. 108.

## Nd. 298. Nefndarálit

um frumvarp til laga um verðlag.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frumvarpið og leggur til, að það verði samþykkt með breytingum. Einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til að flytja breytingartillögur eða fylgja breytingartillögum, sem fram kunna að koma. Fer fylgi einstakra nefndarmanna við frumv. eftir því, hvernig fer um breytingartillögur þeirra.

Þrír nefndarmenn (IngJ, SkG og JPálm) leggja til, að fyrri málsgr. 3. gr. falli burt, og munu flytja breytingartillögu um það. — EOl leggur til, að Alþingi kjósi 4 menn, sem taki sæti í viðskiptaráði, þegar um verðlagningu er að ræða. Mun hann gera frekari grein fyrir afstöðu sinni við 2. umræðu málsins.

Nefndin hefur orðið ásátt um að flytja eftirtaldar brtt. til leiðréttingar á frumvarpinu.

BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Við 6. gr. Fyrir „5. gr.“ kemur: 2. gr.
2. Við 9. gr. Fyrir „5. gr.“ kemur: 2. gr.

Alþingi, 28. jan. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Ásgeir Ásgeirsson, form. | Jón Pálmason, fundaskr. | Ingólfur Jónsson, frsm. |
| Skúli Guðmundsson. | Einar Olgeirsson. | |

## Nd. 299. Breytingartillaga

við frumvarp til laga um verðlag.

Frá meiri hl. fjárhagsnefndar.

Við 3. gr. Fyrri málsgr. falli burt.

## Nd. 300. Nefndarálit

um frv. til. l. um húsaleigu.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur fengið til athugunar eftirfarandi frv. varðandi húsnæðismál, önnur en frv. það, sem greinir í fyrirsögn nál.:

Frv. til. l. um breyt. á l. nr. 106 1941, um húsaleigu, og l. nr. 126 1941, um viðauka við og breytingu á þeim lögum (34. mál).

Frv. til l. um breyt. á l. nr. 106 8. sept. 1941, um húsaleigu (39. mál).

Frv. til l. um ráðstafanir til þess að tryggja húsnæðislausu fólki húsnæði og um stóríbúðaskatt (42. mál).

Frv. til l. um viðauka við l. nr. 106 8. sept. 1941, um húsaleigu (94. mál).

Nefndin hefur tekið ýmis ákvæði þessara frv., sem ekki hafa þegar verið tekin upp í frv. hæstv. ríkisstjórnar um húsaleigu, upp í brtt. sínar við frv.

Nefndin hefur orðið sammála um að mæla með því, að frv. verði samþykkt með nokkrum breytingum. Einstakir nefndarmenn áskilja sér þó að hafa óbundnar hendur til þess að flytja aðrar breytingartillögur eða fylgja breytingartillögum, sem fram kunna að koma.

BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Við 1. gr.
   a. Aftan við 2. mgr. bætist: Svo skal og leigusala, er sjálfur býr í húsi annars, undir sömu kringumstæðum, heimilt að skipta á íbúð við leigutaka í húsi sínu, enda samþykki leigusali hans skiptin.
   b. Orðið „(fasteignamatsnefnd)“, sem kemur fyrir á fimm stöðum í greininni, falli burt.
2. Við 2. gr. Orðið „(fasteignamatsnefnd)“ í lok gr. falli niður.
3. Við 3. gr.
   a. Á eftir orðunum „heimilisföstum innanhéraðsmönnum“ í 1. mgr. komi: alþingismönnum og nemendum í föstum skólum.
   b. Orðið „(fasteignamatsnefnd)“, sem kemur fyrir á þrem stöðum í gr., falli niður.
4. Við 4. gr. Orðið „(fasteignamatsnefnd)“ á þrem stöðum í gr. falli niður.
5. Við 5. gr. Greinina skal orða svo:

   Húsaleigunefnd er heimilt að taka til umráða auðar íbúðir og ráðstafa þeim til handa húsnæðislausu innanhéraðsfólki, enda komi fullt endurgjald fyrir. Á sama hátt er húsaleigunefnd heimilað að taka til sinna umráða annað ónotað húsnæði og útbúa það til íbúðar.

   Bæjar- og sveitarstjórn getur, þegar alveg sérstaklega stendur á, ákveðið að taka til ráðstöfunar handa húsvilltu fólki tiltekna hluta af íbúðarhúsnæði, sem afnotahafi getur, að mati húsaleigunefndar, án verið og unnt er að skipta úr. Veita skal afnotahafa íbúðar minnst 3 daga frest áður en fólki er ráðstafað í hluta af íbúð hans, til að ráðstafa því sjálfur til húsnæðislausra innanhéraðsmanna.

Húsaleigunefnd annast framkvæmd þessara mála eftir fyrirmælum hlutaðeigandi bæjar- og sveitarstjórnar. Bæjar- og sveitarstjórnir geta, ef þörf þykir og í samráði við húsaleigunefnd, sett reglugerð, er félagsmálaráðherra staðfestir, um framkvæmd þeirra mála, er um getur í þessari grein. Í reglugerð skal meðal annars tilgreina hámark þess húsnæðis, sem fjölskylda má nota, án þess að taka megi hluta þess. Nú er tekinn hluti af íbúðarhúsnæði og afnotahafi telur rétti sínum hallað, getur hann þá skotið máli sínu til bæjar- eða sveitarstjórnar, sem leggur fullnaðarúrskurð á deiluatriðið.

Taki húsaleigunefnd húsnæði leigunámi skv. ákvæðum þessarar gr., ákveður hún leiguupphæð, leigutíma og annað það, sem þörf þykir að taka ákvörðun um og málsaðilar koma sér ekki saman um. Úrskurður nefndarinnar um þessi atriði, að undanteknu matinu á leiguupphæð (sbr. 2. mgr. 11. gr.), er fullnaðarúrskurður.

Hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóður ábyrgist greiðslu fyrir húsnæði, sem tekið er samkvæmt þessari lagaheimild, svo og greiðslu skaðabóta fyrir spjöll á hinu leigunumda, er leigutaki eða fólk á hans vegum telst eiga sök á.

6. Við 6. gr. Orðið „(fasteignamatsnefnd)“ á tveim stöðum í gr. falli niður.
7. Við 7. gr. Orðið „(fasteignamatsnefndar)“ falli niður.
8. Við 9. gr. Greinina skal orða svo:

Í bæjarfélögum og þorpum utan Reykjavíkur skulu húsaleigunefndir skipaðar 3 mönnum. Af þeim kýs viðkomandi bæjarstjórn eða hreppsnefnd 2 menn, en félagsmálaráðherra skipar þann þriðja, og er hann formaður nefndarinnar. Varamenn skulu skipaðir á sama hátt.

Í sveitum annast úttektarmenn ásamt hreppsnefndaroddvita þau störf, sem með lögum þessum eru falin húsaleigunefndum.

9. Við 10., 11. og 12. gr. Orðið „(fasteignamatsnefnd)“, sem kemur fyrir á fjórum stöðum í þessum greinum, falli niður.
10. Á eftir 14. gr. kemur ný (15.) gr, svo hljóðandi (og breytist greinatalan á eftir skv. því):

Þegar eftir gildistöku þessara laga skal húsaleigunefnd — af sjálfsdáðum — meta leigu eftir öll herbergi í gistihúsum í umdæmi sínu. Um framkvæmd þessa mats og birtingu herbergjaverðs skal ákveðið með reglugerð, er félagsmálaráðherra setur.

Alþingi, 28. jan. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form., með fyrirvara. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Áki Jakobsson, frsm.

Jörundur Brynjólfsson. Gunnar Thoroddsen, með fyrirvara um brtt. við 5. gr. frv.

## Nd. 301. Breytingartillaga

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá Stefáni Jóh. Stefánssyni og Áka Jakobssyni.

Á eftir 14. gr. komi ný gr., er verði 15. gr., svo hljóðandi (greinatalan breytist samkv. því):

Öll ákvæði þessara laga um íbúðarhúsnæði gilda og um leigu á húsum, bryggjum og pöllum til línuveiðabáta, sem róa úr landi.

Hafi leiga eftir slík hús, bryggjur og palla verið greidd með aflahlut, getur leigutaki krafizt, að leigan verði metin til peningaverðs, og má leiga þessi ekki hækka meira en sem svarar hækkun almennrar húsaleigu.

## Ed. 302. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 274 [Kynnisferðir sveitafólks].

Frá Brynjólfi Bjarnasyni.

Aftan við tillöguna bætist: þó aldrei lægri upphæð en sem svarar til 10 kr. á hvert sveitabýli.

## Sþ. 303. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943.

I. Frá *Ásgeiri Ásgeirssyni, Ólafi Thors, Hermanni Jónassyni* og *Einari Olgeirssyni.*
Við 14. gr. B. I. 30. Nýr liður:
Til nýja stúdentagarðsins, byggingarstyrkur ..... 150000

II. Frá *Gísla Sveinssyni.*
Við 14. gr. B. XV. 2. (Húsmæðrafræðsla í V.-Skaftafellssýslu).
Fyrir „800“ kemur ..... 1600

III. Frá *Magnúsi Jónssyni, Ásgeiri Ásgeirssyni* og *Bjarna Ásgeirssyni.*
Við 15. gr. 44. Nýr liður:
Til Rögnvalds Sigurjónssonar, pianóleikara, til framhaldsnáms 6000

IV. Frá *Gísla Sveinssyni.*
Við 16. gr. 46. (Kvenfélag Hvammshrepps).
Fyrir „500“ kemur ..... 1000

## Nd. 304. Nefndarálit

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 48 30. júní 1942, um verðlagsuppbót á laun embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins og ríkisstofnana.

Frá meiri hluta fjárhagsnefndar.

Nefndin hefur athugað frumvarpið, og eftir að hafa fengið upplýsingar og tillögur frá vegamálastjóra, leggja undirritaðir nefndarmenn til, að það verði fellt.

Bréf vegamálastjóra fylgir hér með til athugunar.

Alþingi, 29. jan. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Ásgeir Ásgeirsson, form. | Jón Pálmason, fundaskr. | Ingólfur Jónsson, frsm. |
| | **Einar Olgeirsson.** | |

**Fylgiskjal.**

VEGAMÁLASTJÓRINN

Reykjavík, 28. des. 1942.

Með bréfi, dags. 9. þ. m., sendi háttvirt fjárhagsnefnd mér til umsagnar frv. til l. á þskj. 23 viðvíkjandi verðlagsuppbót til einstakra manna á styrki, er þeir njóta samkv. 13. gr. A. fjárlaga.

Í greindri fjárlagagrein eru bæði styrkir til ferjuhalds og til þess að halda uppi byggð og gistingu fyrir ferðamenn. Styrkur þessi hefur verið greiddur með óbreyttri upphæð í ár og undanfarin ár, enda fellur hann ekki undir ákvæði laga um verðlagsuppbót á laun o. fl.

Ég lít svo á, að ekki sé ástæða til þess að greiða fulla verðlagsuppbót á styrki þessa, með því að tilkostnaður og aðstaða hlutaðeigenda til þess að inna af hendi þá skyldu, sem er skilyrði fyrir styrknum, hafi ekki versnað í þeim mælikvarða, sem vísitalan leggur á verðlag til framfærslu einstaklingum.

Ég hef nú lagt til við ráðuneytið, að greidd verði 50% uppbót á ferjustyrki og byggðastyrki á þessu ári. Þá hef ég og lagt til, að fjárveitingin til ferjuhalds og gistingastyrkja verði hækkuð verulega á árinu 1943, að mestu með tilliti til hækkaðs verðlags.

Virðingarfyllst.

Geir G. Zoëga.

Hér með afrit af skýrslum, hvernig skipt hefur verið styrkjum til gististaða og ferja 1941.

Til fjárhagsnefndar neðri deildar Alþingis.

**Vegamál. Styrkur til þess að halda uppi byggð og gistingu handa ferðamönnum árin 1940—41 incl. Fjárl. 13. gr. A. X.**

| | 1940 | 1941 |
|---|---|---|
| 1. Hrauntangi, N.-Þingeyjarsýslu | 500.00 | 500.00 |
| 2. Kvísker, A.-Skaftafellssýslu | 500.00 | 500.00 |
| 3. Kleppustaðir, Strandasýslu | 200.00 | 200.00 |
| 4. Skriðuland, Skagafjarðarsýslu | 200.00 | 200.00 |
| 5. Arngerðareyri, N.-Ísafjarðarsýslu | 200.00 | 200.00 |
| 6. Hrafnfjarðareyri, N.-Ísafjarðarsýslu | 200.00 | 300.00 |
| 7. Bakkasel, Eyjafjarðarsýslu | 300.00 | 440.00 |
| 8. Kostnaður við gistihús ríkisins í Fornahvammi, Bakkaseli (og Ytrikotum að nokkru) | 19359.15[1]) | 2044.27 |
| Samtals kr. | 21459.15 | 4384.27 |

Reykjavík, 8. jan. 1943.

Geir G. Zoëga.

**Ferjustyrkir 1941.**

| | | |
|---|---|---|
| 1. Auðsholtsferja, Árnessýslu | kr. | 250.00 |
| 2. Meðallandsferja, V.-Skaftafellssýslu | — | 300.00 |
| 3. Héraðsvatnaferja, Skagafjarðarsýslu | — | 200.00 |
| 4. Þjórsárferja, Árnessýslu | — | 250.00 |
| 5. Iðuferja, Biskupst., Árnessýslu | — | 150.00 |
| 6. Eldvatnsferja, V.-Skaftafellssýslu (viðg.) | — | 500.00 |
| 7. Skorradalsvatnsferja, Borgarfjarðarsýslu (+ 100.00 1942) | — | 300.00 |
| 8. Skjálfandafljótsferja, Þingeyjarsýslu | — | 100.00 |
| 9. Lagarfljótsferja, S.-Múlasýslu | — | 300.00 |
| 10. Hrútafjarðarferja, Húnavatnssýslu | — | 200.00 |
| 11. Héraðsvatnaferja, Eyh.holti, Skagafjarðarsýslu | — | 200.00 |
| 12. Hornafjarðarferja, A.-Skaftafellssýslu | — | 250.00 |
| 13. Blönduferja, Húnavatnssýslu | — | 300.00 |
| 14. Jökulsárferja, Fljótsdal, N.-Múlasýslu | — | 200.00 |
| 15. Jökulsárferja hjá Skatast., Skagafj.sýslu | — | 350.00 |
| | kr. | 3850.00 |
| 16. + Endurgreiddur styrkur til Ísafjarðarferju 1940 | — | 200.00 |
| Samtals | kr. | 3650.00 |

Reykjavík, 8. jan. 1943.

Geir G. Zoëga.

1) Hér er innifalinn kostnaður við framhald endurbyggingar gistihússins í Fornahvammi, sem lokið var á þessu ári.

## Ed. 305. Nefndarálit

um frumvarp til laga um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi.

Frá meiri hluta landbúnaðarnefndar.

Nefndin hefur rætt frumvarp þetta á nokkrum fundum, en eigi getað komizt að sameiginlegri niðurstöðu um afgreiðslu þess. Leggur meiri hluti nefndarinnar (KA, ÞÞ og EE) það til, að frv. nái fram að ganga, en þó áskilur ÞÞ sér rétt til þess að bera fram breytingartillögu. Hins vegar hefur einn nefndarmanna (PHerm) tjáð sig mótfallinn samþykkt frumvarpsins, en fimmti nefndarmaðurinn (HG) var fjarstaddur, er til úrslita kom í nefndinni, og er því ekki fullkunnugt um aðstöðu hans til málsins.

Með því að frumvarp samhljóða því, er hér liggur fyrir, hefur fyrr verið flutt á Alþingi, samin nefndarálit, en að ætla má óbreyttar málsástæður, þykir oss, er hér með leggjum til, að frv. nái fram að ganga, óþarft að skýra það nánar í nefndaráliti þessu.

Alþingi, 29. jan. 1943.

Eiríkur Einarsson, fundaskr., frsm. Kristinn E. Andrésson. Þorsteinn Þorsteinsson.

## Ed. 306. Frumvarp til laga

um jöfnunarsjóð aflahluta.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Af óskiptum afla hvers íslenzks veiðiskips, sem hefur hlutarráðningu (þ. e.: skipshöfnin tekur kaup sitt í hlutdeild í afla), skal í lok hverrar vertíðar greiða 0,7% af verðmæti aflans í óverkuðu ástandi. Útgerðarmaður stendur skil á gjaldinu, og skoðast það geymslufé, eftir að skipti hafa farið fram. Gjald þetta innheimta hreppstjórar og bæjarfógetar, hver í sínu umdæmi, og rennur það óskipt í sjóð, er nefnist jöfnunarsjóður aflahluta. Skal það sent sjóðsstjórninni að loknum skiptum eftir hverja vertíð.

2. gr.

Ríkissjóður leggur jöfnunarsjóði fyrsta ár eftir stofnun hans jafnháa fjárhæð og tekjur sjóðsins voru af aflahlutum það ár. Eftir það leggur ríkissjóður sjóðnum árlega fjárhæð, sem jafngildir tekjum hans af aflahlutum frá byrjun, deildum með tölu ára frá stofnun hans.

3. gr.

Skip, sem gerð eru út í sama kaupstað eða sama hreppi, geta myndað sérstaka deild í jöfnunarsjóði, ef útgerðarmenn og starfandi sjómenn í kaupstaðnum eða hreppnum óska þess, og skal þá halda fjárreiðum þeirra deilda aðskildum, þó því aðeins, að deildir þessar hafi með sérstökum samþykktum ákveðið hærri iðgjöld en þau almennu eða aflað sérsjóðum sínum annarra tekna. Framlag ríkissjóðs til þeirra miðast þó ávallt við 0,7% af afla samkvæmt ákvæðum 1. og 2. gr.

Stjórn jöfnunarsjóðs getur við úthlutun hlutaruppbóta úr sérsjóðum þessum vikið frá hinni almennu reglu, ef ástæða þykir til og óskir koma fram um það frá þeim, sem hlut eiga að máli.

4. gr.

Sjóðnum skal varið þannig: Þegar hlutir á veiðiskipi verða ekki yfir 66% af meðalhlut skipsins 5 síðustu ár, miðað við fullan úthaldstíma, skulu hlutir skips og

skipshafnar bættir upp eftir eftirfarandi reglum, meðan fé sjóðsins endist, sbr. þó síðustu málsgrein þessarar greinar:

Hafi aflahlutur orðið 60—66% af meðalhlut 5 síðustu ára, skal hann bættur úr jöfnunarsjóði með 30% af því, sem á vantar meðalhlut. Hafi aflahlutur orðið lægri en 60% af meðalhlut, hækkar uppbótin við hvern hundraðshluta, sem aflahluturinn lækkar, um 1% af því, sem á vantar meðalhlut, þar til uppbótin er orðin 50%, sem er hámark uppbótar.

Hafi skip gengið til veiða skemur en 5 ár, þegar til uppbótar kemur, skal miðað við meðalhlut sambærilegra skipa í sömu eða næstu veiðistöð.

Við úthlutun úr sjóðnum til hlutaruppbóta má aldrei ganga nær honum en svo, að úthlutað sé 80% af þáverandi eignum hans.

5. gr.

Stjórn sjóðsins skipa þrír menn, kosnir hlutbundinni kosningu í sameinuðu Alþingi til tveggja ára í senn. Stjórnin velur sér formann. Tryggingarstofnun ríkisins annast daglegar framkvæmdir og reikningshald sjóðsins fyrir þóknun, er ráðherra ákveður. Ráðherra ákveður stjórninni þóknun fyrir störf hennar.

6. gr.

Stjórn jöfnunarsjóðs geymir fé sjóðsins, og skal það ávallt geymt í banka.

7. gr.

Í reglugerð jöfnunarsjóðs aflahluta má setja ákvæði um stjórn sjóðsins og starfrækslu, eins og nauðsynlegt þykir, þótt ekki sé sérstaklega ráð fyrir þeim gert í lögum þessum, þó svo, að þau fari ekki í bág við nein ákvæði laganna.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi. Jafnframt falla úr gildi ákvæði 7. gr. laga nr. 45 12. febr. 1940, um framlög frá bæjar- og hreppsfélögum í tryggingarsjóði hlutarútgerðarfélaga.

## Ed. 307. Lög

um bráðabirgðafjárgreiðslur í febrúar 1943.

(Afgreidd frá Ed. 29. jan.)

Samhljóða þskj. 285.

## Nd. 308. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 115 19. nóv. 1936, um þingsköp Alþingis.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin mælir með frv.

Alþingi, 29. jan. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Gunnar Thoroddsen, frsm.

Áki Jakobsson. Jörundur Brynjólfsson.

## Nd. 309. Nefndarálit

um frv. til laga um orlof.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin er á einu máli um það að mæla með því, að frv. þetta verði samþykkt.

Alþingi, 29. jan. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr., frsm. Gunnar Thoroddsen.

Áki Jakobsson. Jörundur Brynjólfsson.

## Nd. 310. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 93 25. sept. 1942, um að reisa nýjar síldarverksmiðjur.

Frá meiri hluta sjávarútvegsnefndar.

Í lögum um síldarverksmiðjur ríkisins er svo ákveðið, að leyfi atvinnumálaráðherra þurfi til að reisa síldarverksmiðju. Mun þetta ákvæði hafa verið sett til þess, að aukning síldariðnarins yrði í samræmi við þarfir síldveiðiflotans og markaðsmöguleika, og að verksmiðjur yrðu reistar á heppilegustu stöðum.

Í lögum nr. 93 25. sept. 1942 er ákveðið, að ríkið láti „reisa verksmiðju til herzlu síldarlýsis, þegar rannsóknir sýna, að það sé tímabært."

Í frv. því, sem fyrir liggur, er lagt til, að um verksmiðjur til herzlu síldarlýsis skuli gilda sömu ákvæði og um síldarverksmiðjur að því leyti, að til þess að reisa slíkar verksmiðjur þurfi leyfi atvinnumálaráðherra. Er frv. borið fram í efri deild og hefur þegar hlotið samþykki þeirrar deildar.

Meiri hluti nefndarinnar er þeirrar skoðunar, að frv. miði í rétta átt og sé í eðlilegu samræmi við síldarverksmiðjulögin. Það verður að telja ólíklegt samkv. athugunum, sem fram hafa farið, að fyrst um sinn verði reist nema 1—2 herzluverksmiðjur, og er þá eðlilegast, að það fyrirtæki sé í höndum ríkisins, sem nú þegar rekur mikinn hluta síldariðnaðarins. Gæti það vel orðið óþægilegt fyrir verksmiðjur ríkisins, ef herzlustöðin, sem ætti að vera viðtakandi síldarlýsisins, væri í höndum einstaklinga, sem aðallega starfa með sína sérhagsmuni fyrir augum. Væru hins vegar einstaklingar byrjaðir á framkvæmdum í þessu efni án vitundar ríkisins, mundi ríkið áreiðanlega síður hefjast handa, og kæmi það þá í bága við fyrirætlanir Alþingis. Færi hins vegar svo, að ríkið við nánari athugun hyrfi frá því að annast framkvæmdir á þessu sviði, mundi ríkisstjórnin sjálfsagt veita það leyfi, sem gert er að skilyrði í frv.

Meiri hluti n. leggur því til, að frv. verði samþykkt óbreytt. Minni hl. (SB og SK) mun skila sérstöku nál.

Alþingi, 29. jan. 1943.

Finnur Jónsson, form. Gísli Guðmundsson, fundaskr., frsm. Lúðvík Jósefsson.

# Ed. 311. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Húsavík, nr. 38 19. júní 1933.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frumvarpið og borið það saman við gildandi hafnarlög fyrir Húsavík. Hún hefur einnig kynnt sér teikningar yfir hafnarmannvirkin eins og þau eru nú og eins og þau eru áætluð fullgerð, svo og kostnaðaráætlun vitamálastjóra yfir framhaldsbyggingu hafnarmannvirkjanna. Er ætlazt til, að byggður verði 250 metra varnargarður fyrir utan og vestan núverandi bryggju með 60 m skipalægi innan við garðinn. Myndast þannig höfn bæði fyrir fiskibáta og önnur skip í sambandi við væntanlegan rekstur í stærri stíl á Húsavík. Gert er ráð fyrir því, að mannvirki þetta kosti með núverandi verðlagi rúmlega 2,5 millj. krónur, en með kostnaðarverði, sem var hér fyrir stríð, aðeins 750 þús. krónur.

Nefndin kynnti sér einnig fjárhagsafkomu hafnarinnar. Kvaddi hún til sín til viðtals formann hafnarnefndar, hr. Júlíus Hafstein sýslumann, vitamálastjóra og flutningsm. frumvarpsins, þm. S.-Þingeyinga, er allir gáfu henni mikilsverðar upplýsingar um málið. Við þessar umræður og athuganir hefur komið í ljós eftirfarandi:

1. Kostnaður við byggingu bryggjunnar og tveggja stétta, sem framkvæmd var á árunum 1933—36, hefur orðið kr. 510405.19. Þar af framlag ríkissjóðs samkvæmt gildandi lögum kr. 204162.00, sem mun nú vera greitt að mestu. Stendur því enn eftir ónotað 200 þús. kr. styrkur og 300 þús. kr. ábyrgð, enda lán þetta ótekið enn. Yrði mannvirkið byggt með líku kostnaðarverði og var hér fyrir stríð, væri óþarft að hækka styrkinn um meira en 100 þús. kr. og ábyrgðina um 150 þús., eða styrkinn upp í 500 þús. kr., í stað 1 millj., og ábyrgðina í 750 þús. kr., í stað 2.1 millj. eins og frumvarpið kveður á um.
2. Auk þessa hefur höfnin greitt í byggingar- og viðhaldskostnað við fjörustétt 42 þús. kr., og telur formaður hafnarnefndar, að ríkissjóði beri að kosta þetta að ⅖, en sá hluti er enn ógreiddur af ríkissjóði.
3. Rekstrar- og efnahagsreikningur 1941 sýnir bókfærðar eignir hafnarinnar kr. 393291.00, og er þá ekki meðtalið ríkissjóðsframlagið, sem þá mun hafa verið um 170 þús. Verða því eignir alls kr. 563299.00. Kemur þetta heim við kostnaðarreikninginn, þegar tekið er tillit til annarra eigna en bryggjunnar. Á sama tíma eru skuldir alls kr. 337976.00 og því skuldlausar eignir kr. 225315.00, eða rúmlega ríkissjóðsstyrkurinn. Tekjur hafnarinnar voru 1941 kr. 25846.82, en kostnaður annar en vextir kr. 5534.37, svo að rúmar 20 þús. kr. eru þá upp í vexti og afborganir, eða sem næst 6% af skuldarupphæðinni. Aftur á móti voru tekjurnar rúmum 4 þús. kr. hærri 1939, sem sýnir, að höfnin hefur betri afkomuskilyrði á venjulegum tímum.
4. Höfnin hefur að sjálfsögðu margfalt meiri tekjumöguleika eftir að hún hefur verið fullgerð, og þó einkum ef stór síldarverksmiðja yrði reist þar, enda eru þá bæði heimaflotanum sköpuð þróunarskilyrði og öðrum skipum innan hafnarinnar meira öryggi. Þrátt fyrir þetta mun þess ekki að vænta, að höfnin svo gerð geti í náinni framtíð staðið ein undir tveggja millj. króna skuldabyrði, því að jafnvel þótt hagkvæm lán næðust, yrði að gera ráð fyrir 180—200 þús. króna tekjum á ári til þess að standast nauðsynleg útgjöld. Til samanburðar má geta þess, að Siglufjarðarhöfn hafði 1942 aðeins 92 þús. kr. tekjur. Hins vegar bendir allt til þess, að höfnin fullgerð hefði nægilegar tekjur til þess að standa ein straum af 750 þús. króna skuldabyrði, en hærra lán en það væri óþarft, ef verkið yrði framkvæmt á venjulegu kostnaðarverði, eins og það var hér fyrir stríð.
5. Hafnarnefnd hefur á fundi 30. júlí 1942 samþykkt að láta fara fram allan undirbúning undir framkvæmdir verksins, svo sem áætlanir, samninga og lántökur,

en þó með því skilyrði, að „verkið reynist ekki óframkvæmanlegt vegna kostnaðar, sem samfara er núverandi og yfirvofandi dýrtíð.“

Að öllu þessu athuguðu lítur nefndin svo á, að framkvæmd á þessu verki ætti ekki að hefjast nú, eða á meðan verðlag allt í landinu er svo óeðlilega hátt, heldur beri að undirbúa það og framkvæma það síðar, þegar verðlag er hagkvæmara, og þá helzt á sem skemmstum tíma, enda komi þá til samþykki ríkisstjórnar, að fengnum tillögum vitamálastjóra. Og með því að nauðsyn kann til að bera, að heimildarlög séu fyrir hendi, sem ákveða styrk og ábyrgð fyrir öllum byggingarkostnaði, til þess að unnt sé að ljúka að fullu undirbúningi undir framkvæmdir, m. a. samningum um lántökur, hefur nefndin orðið sammála um að leggja til, að frumvarpið verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Við 1. gr. Við greinina bætist: enda sé ekki hafizt handa um framkvæmdir nema með leyfi ríkisstjórnarinnar, að fengnum tillögum vitamálastjóra.

Alþingi, 30. jan. 1943.

| Gísli Jónsson, form., frsm. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. | Ingvar Pálmason. |
|---|---|---|

## Sþ. 312. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943 og við brtt. á þskj. 269.

I. Frá *Kristni Andréssyni.*
Við 12. gr. 3. (Læknisvitjanastyrkur).
(Flateyjarhreppur). Fyrir „200“ kemur ..... 500

II. Frá *Sveinbirni Högnasyni.*
Við 12. gr. 3. (Læknisvitjanastyrkur).
a. (Í Síðuhéraði).
1. (Skaftártunguhreppur). Fyrir „300“ kemur ..... 600
2. (Álftavershreppur). Fyrir „250“ kemur ..... 600
3. (Leiðvallarhreppur). Fyrir „300“ kemur ..... 600
b. (Í Mýrdalshéraði).
(Austur-Eyjafjallahreppur). Fyrir „200“ kemur ..... 400

III. Frá *Áka Jakobssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 12. gr. 11. i. (Heilsuverndarstöðvar).
Fyrir „50000“ kemur ..... 100000

IV. Frá *Þóroddi Guðmundssyni.*
Við 13. gr. A. II. a. 30. (Öxnadalsheiðarvegur).
Fyrir „80000“ kemur ..... 180000

V. Frá *Brynjólfi Bjarnasyni, Sigfúsi Sigurhjartarsyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 13. gr. A. II. a. 61. Nýr liður:
Suðurlandsbraut (Krýsuvíkurvegur) ..... 500000

VI. Frá *Lúðvík Jósefssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 13. gr. A. III. (Til brúargerða).
Fyrir „150000“ kemur ..... 1000000

VII. Frá *Þóroddi Guðmundssyni* og *Kristni Andréssyni.*
Við 13. gr. A. V. 2. (Til bókasafns verkamanna).
Fyrir „2000“ kemur ..... 10000

VIII. Frá *Steingrími Aðalsteinssyni, Áka Jakobssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 13. gr. A. VII. (til malbikunar á vegum í kaupstöðum og verzlunarstöðum).
Fyrir „40000“ kemur ..... 100000

IX. Frá *Kristni Andréssyni* og *Þóroddi Guðmundssyni.*
Við 13. gr. C. VIII. 1. (Hafnargerð á Húsavík).
Fyrir „18000“ kemur ..... 250000

X. Frá *Kristni Andréssyni.*
Við 13. gr. C. VIII. 7. (Hafnargerð á Hofsósi). Nýr liður:
8. Á Flatey á Skjálfanda (til bryggjugerðar) ..... 50000

XI. Frá *Kristni Andréssyni* og *Lúðvík Jósefssyni.*
Við 13. gr. D. (Til flugmála).
Fyrir „50000“ kemur ..... 200000

XII. Frá *Lúðvík Jósefssyni* og *Þóroddi Guðmundssyni.*
Við 14. gr. B. V. b. 11. Nýr liður:
Til endurbóta leikfimihúss ..... 60000

XIII. Frá *Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Lúðvík Jósefssyni* og *Einari Olgeirssyni.*
Við 14. gr. B. XIII. 5. (Styrkur til byggingar barnaskóla).
Fyrir „100000“ kemur ..... 500000

XIV. Frá *Lúðvík Jósefssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 14. gr. B. XXVI. (Íþróttasjóður).
Fyrir „125000“ kemur ..... 400000

XV. Frá *Kristni Andréssyni.*
Við 15. gr. 1. d. (Landsbókasafnið. Bókakaup og handrita).
Fyrir „50000“ kemur ..... 250000

XVI. Frá *Brynjólfi Bjarnasyni, Sigurði Thoroddsen, Sigfúsi Sigurhjartarsyni* og *Kristni Andréssyni.*
Við 15. gr. 4. a. (Tillag til Náttúrufræðifél.).
Fyrir „6000“ kemur ..... 15000

XVII. Frá *Einari Olgeirssyni, Steingrími Aðalsteinssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 15. gr. 7. a.—h. (Aukastyrkur til 8 bókasafna).
Upphæðirnar tvöfaldist.

XVIII. Frá *Sigurði Guðnasyni* og *Kristni Andréssyni.*
Við 15. gr. 35. (Leikfélag Reykjavíkur).
Fyrir „12000“ kemur ..... 20000

XIX. Frá *Kristni Andréssyni* og *Gunnari Thoroddsen.*
Við brtt. 269, 72 (við 15. gr. 60. Leiklistarskólar). Liðinn skal orða svo:
Til leiklistarskóla Lárusar Pálssonar 3600 kr., Soffíu Guðlaugsdóttur og Jóns Norðfjörðs, 1200 kr. til hvors ..... 6000

XX. Frá *Kristni Andréssyni.*
Við 15. gr. 50. (Styrkur til skálda o. s. frv.).
Fyrir „100000“ kemur ..... 250000

XXI. Frá *Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Kristni Andréssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 15. gr. 60. (Bandalag ísl. listamanna).
Fyrir „1200“ kemur ..... 6000

XXII. Frá *Kristni Andréssyni.*
Við 15. gr. 60. Nýir liðir:
1. Styrkur til listamanna til náms erlendis samkv. ákvörðun menntamálaráðs, að fengnum tillögum frá félögum Bandalags íslenzkra listamanna ..... 48000
2. Til þjóðleikhúsbyggingarinnar ..... 500000

XXIII. Frá *Sigurði Guðnasyni, Þóroddi Guðmundssyni* og *Einari Olgeirssyni.*
Við 16. gr. 1. Liðinn skal orða svo:
Til verklegra framkvæmda, í atvinnuaukningarskyni, í samráði við bæjar- og sveitarstjórnir ..... 1500000

XXIV. Frá *Brynjólfi Bjarnasyni, Sigfúsi Sigurhjartarsyni* og *Steingrími Aðalsteinssyni.*
Við 17. gr. 5. (Til alþýðutrygginga).
Fyrir „2000000“ kemur ..... 6000000

XXV. Frá *Sigurði Guðnasyni.*
Við 17. gr. 7. (Styrktarsjóður verkamanna- og sjómannafél.).
Fyrir „4000“ kemur ..... 8000

XXVI. Frá *Brynjólfi Bjarnasyni* og *Kristni Andréssyni.*
Við 17. gr. 8. (Til mæðrastyrksnefndar).
Fyrir „2000“ kemur ..... 5000

XXVII. Frá *Kristni Andréssyni, Gunnari Thoroddsen* og *Sigurði Bjarnasyni.*
Við 18. gr. II. g. Nýr stafliður:
h. Rithöfundar, skáld og listamenn:
1. Árni Thorsteinsson ..... 2500
2. Ásgrímur Jónsson ..... 3000
3. Ásmundur Sveinsson ..... 3000
4. Davíð Stefánsson ..... 4000
5. Eggert Stefánsson ..... 2500
6. Friðfinnur Guðjónsson ..... 1500
7. Guðmundur Friðjónsson á Sandi ..... 3000
8. Guðmundur G. Hagalín ..... 3000
9. Guðmundur Kamban ..... 5000
10. Guðrún Indriðadóttir ..... 2000
11. Gunnar Gunnarsson ..... 5000
12. Gunnþórunn Halldórsdóttir ..... 1500
13. Halldór Kiljan Laxness ..... 5000
14. Jakob J. Smári ..... 2000
15. Jakob Thorarensen ..... 2000
16. Jóhannes S. Kjarval ..... 3000
17. Jóhannes úr Kötlum ..... 4000
18. Jón Stefánsson ..... 3000
19. Jón Þorsteinsson, Arnarvatni ..... 500
20. Kristín Sigfúsdóttir ..... 1000
21. Kristleifur Þorsteinsson á Kroppi ..... 500
22. Kristmann Guðmundsson ..... 5000
23. Magnús Ásgeirsson ..... 3000
24. Ríkarður Jónsson ..... 3000
25. Pétur Á. Jónsson ..... 2500
26. Sigurður Jónsson, Arnarvatni ..... 1000
27. Sigvaldi Kaldalóns ..... 2500
28. Theodór Friðriksson ..... 2000

29. Tómas Guðmundsson ..... 4000
30. Unnur Benediktsdóttir Bjarklind ..... 1000
31. Þórarinn Jónsson, tónskáld ..... 2000
32. Þorbergur Þórðarson ..... 4000

XXVIII. Frá *Lúðvík Jósefssyni.*
Við 20. gr. Út. III. (Til að gera nýja vita).
Fyrir „200000“ kemur ..... 500000

XXIX. Frá *Einari Olgeirssyni* og *Sigfúsi Sigurhjartarsyni.*
Við 22. gr. XIX.
Liðurinn falli burt.

XXX. Frá *Sigurði Guðnasyni* og *Brynjólfi Bjarnasyni.*
Við 22. gr. XX. Nýr liður:
Að veita allt að 5 millj. kr. til verklegra framkvæmda, ef ástæða verður til vegna atvinnuleysis.

## Ed. 313. Tillaga til þingsályktunar

um athugun á rafvirkjun fyrir Dalasýslu.

Flm.: Þorsteinn Þorsteinsson.

Efri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta fara fram á næsta sumri athuganir og mælingar á þeim fallvötnum í Dalasýslu, sem líklegust eru til rafvirkjunar fyrir héraðið, og að þeim athugunum loknum útvega rækilega álitsgerð sérfræðinga um, hvort héraðinu verði hagkvæmara, virkjun innan héraðs eða leitt verði rafmagn inn í sýsluna frá utanhéraðsaflstöðvum, t. d. Andakílsárfossum.

Greinargerð.

Á síðast liðnu þingi voru samþykkt lög um raforkusjóð, og varð það mjög til þess að glæða vonir manna í sveitum landsins um, að skemmra mundi nú, af þeirri ástæðu, að bíða þess, að raftaugar yrðu lagðar heim að bæjum þeirra. Hefur hugur manna mjög snúizt að rafveitumálum héraða þeirra. Treystast margir til að ráðast í stórfelldari fyrirtæki en áður, þar sem peningaeign landsmanna er nú miklu meiri en hefur verið nokkurn tíma fyrr. Þykir því rétt og sjálfsagt, að kannað sé, hvar hagkvæmast er að hafa rafaflsstöðvar og leiðslukerfi, svo að deilur um þau atriði verði ekki til trafala, er tækifærið gefst til rafvirkjunar. Í Dalasýslu hafa nær engar slíkar athuganir farið fram og vatnsrafvirkjun þar aðeins á einum bæ. Þykir því nauðsynlegt, að athugað sé nú þegar, hvar og hvernig hagkvæmust verði rafvirkjun fyrir héraðið í heild, áður en þéttbýlari hverfin kynnu að ráðast í rafvirkjun fyrir sig, án nokkurs heildarskipulags.

Vafasamt er, hvort fallvötn héraðsins eru vel fallin til stórvirkjunar, og gæti því þegar af þeim ástæðum verið hagkvæmara að leiða rafmagnið frá rafstöðvum í öðrum héruðum, og eru þá líklegastir Andakílsárfossarnir. Reyndist það rétt, væri sjálfsagt að haga virkjun þeirra þannig, að stöðin þar framleiddi nægilegt rafmagn einnig fyrir Dalahérað. Nú mun þess skammt að bíða, að hafizt verði handa um þá virkjun, og er því nauðsynlegt, að athugun sú, sem hér er óskað eftir, verði framkvæmd sem allra fyrst.

## Ed. 314. Fyrirspurn

til ríkisstjórnarinnar um eignarnámsheimild á jarðhitasvæði Hveragerðis í Ölfusi.

Frá Eiríki Einarssyni.

Hvað hyggst ríkisstjórnin fyrir um heimild þá, er henni hefur verið veitt með lögum nr. 42 frá 30. júní 1942 til þess að taka eignarnámi nokkur lönd á hverasvæði í Ölfusi?

## Ed. 315. Nefndarálit

um frv. til laga um lendingarbætur í Bakkagerði í Borgarfirði.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og borið það saman við gildandi lög um sams konar efni. Enn fremur hefur nefndin rætt málið við flutningsmann frv. og fengið frá honum upplýsingar um málið. Leggur nefndin til, að frv. verði samþ. óbreytt.

Alþingi, 1. febr. 1943.

| Gísli Jónsson, form. | Ingvar Pálmason, frsm. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. |
|---|---|---|

## Ed. 316. Nefndarálit

um frv. til hafnarlaga fyrir Keflavík.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og orðið sammála um að leggja til, að frv. verði samþ. óbreytt.

Alþingi, 1. febr. 1943.

| Gísli Jónsson, form. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr., frsm. | Ingvar Pálmason. |
|---|---|---|

## Nd. 317. Nefndarálit

um frv. til laga um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað framan greint frv. og leggur til, að það verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Við 2. gr. Greinin orðist þannig:
   Nú hefur með auglýsingu verið bannað að taka ljósmyndir af ákveðnum svæðum, og má þá enginn fara inn á þau svæði með ljósmyndavél, nema hún hafi verið innsigluð tryggilega af réttu yfirvaldi.

2. Við 3. gr. Greinin orðist þannig:
Innan svæða þeirra, er greinir í 2. gr., má enginn, án leyfis réttra aðila, taka ljósmyndir af herstöðvum eða hertækjum, svo sem flugvöllum, fallbyssustæðum, loftvarnastöðvum, strandvarnafallbyssustöðvum, höfnum eða skipalægjum eða loftskeytastöðvum.

Alþingi, 29. jan. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form., frsm. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Gunnar Thoroddsen.
Jörundur Brynjólfsson. Áki Jakobsson.

## Nd. 318. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 48 30. júní 1942, um verðlagsuppbót á laun embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins og ríkisstofnana.

Frá minni hl. fjárhagsnefndar.

Í frv. þessu er lagt til, að verðlagsuppbót verði greidd á þá styrki, sem veittir eru til ferjuhalds og til þess að halda uppi gistingu fyrir ferðamenn á afskekktum bæjum í þjóðbraut, eftir sömu reglum og gilda um uppbót á launagreiðslur.
Undirritaður telur rétt, að slíkt ákvæði verði í lög tekið, og leggur til, að frv. verði samþykkt.

Alþingi, 1. febr. 1943.

Skúli Guðmundsson.

## Ed. 319. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Hafnarfjörð, nr. 30 14. júní 1929.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta, leitað sér upplýsinga hjá vitamálastjóra, yfirfarið reikninga Hafnarfjarðarhafnar og orðið sammála um að leggja til, að frv. verði samþ. óbreytt.

Alþingi, 1. febr. 1943.

Gísli Jónsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr., frsm. Ingvar Pálmason.

## Sþ. 320. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943 og við brtt. á þskj. 269 og 312.

I. Frá *Gísla Jónssyni.*
1. Við 3. gr. A. 2. Eignabreyt. Út. VI. Nýr liður:
Til nýrra símalagninga:

| | | |
|---|---|---|
| a. Um Suðurfirði | 50000 | |
| b. Frá Vattarnesi um Múlahrepp | 50000 | |
| | | 100000 |

2. Við 12. gr. 3. (Læknisvitjanastyrkur).
   a. (Í Reykhólahéraði).
      1. (Gufudalssveit). Fyrir „250“ kemur ..... 500
      2. Nýir liðir:
         a. Reykhólahreppur ..... 500
         b. Geiradalshreppur ..... 500
   b. (Í Flateyjarhéraði).
      (Múlahreppur). Fyrir „250“ kemur ..... 500

II. Frá *Jóni Pálmasyni.*

1. Við brtt. 269, 87. d. (Við 16. gr. 19). Nýr liður:
   Til framræslu á áveitusvæði Þingbúa ..... 20000
2. Við 17. gr. 22. Nýr liður:
   Til sjúkrasjóðs Engihlíðarhrepps ..... 300

III. Frá *Barða Guðmundssyni* og *Stefáni Jóh. Stefánssyni.*

Við brtt. 312, XXVII. (við 18. gr. II. g.).

1. Við 4. (Davíð Stefánsson). Fyrir „4000“ kemur ..... 5000
2. Við 8. (Guðm. G. Hagalín). Fyrir „3000“ kemur ..... 5000
3. Við 23. (Magnús Ásgeirsson). Fyrir „3000“ kemur ..... 5000
4. Við 29. (Tómas Guðmundsson). Fyrir „4000“ kemur ..... 5000

## Nd. 321. Breytingartillaga

við frv. til l. um verðlag.

Frá Einari Olgeirssyni.

Við 3. gr. Fyrri málsgr. orðist svo:

Þegar Viðskiptaráð fjallar um verðlagsmál, skulu fjórir nefndarmenn jafnan víkja úr ráðinu, — allir nema formaður þess —, og skulu í þeirra stað koma fjórir menn, skipaðir af ríkisstjórn samkvæmt tilnefningu þingflokkanna, einn eftir tilnefningu hvers.

## Ed. 322. Frumvarp til laga

um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943.

Flutningsm.: Bjarni Benediktsson.

1. gr.

Bæjar- og sveitarstjórnum er heimilt að innheimta hjá hverjum útsvarsgjaldanda í umdæmum sínum allt að 50% af upphæð þeirri, er hann greiddi í útsvar fyrir árið 1942, til greiðslu upp í útsvar hans 1943, með gjalddögum 1. marz til 1. maí, eftir nánari reglum, er bæjar- og sveitarstjórnirnar setja, en ráðherra staðfestir.

2. gr.

Ef útsvar er ekki greitt á réttum gjalddögum samkvæmt reglum þeim, er settar verða samkv. 1. gr., skal gjaldþegn greiða dráttarvexti af því, sem ógreitt er, 1% fyrir hvern mánuð eða hluta úr mánuði, sem líður frá gjalddaga, unz útsvarið er greitt.

3. gr.

Nú kemur það í ljós, er álagningu útsvars 1943 er lokið, að gjaldþegn hefur þegar greitt meira en honum bar, og skal þá endurgreiða það, sem ofgreitt var.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Samkvæmt gildandi útsvarslögum eru gjalddagar útsvara í bæjum, kaupstöðum og hreppum á tímabilinu 1. júní til ársloka. Aðaltekjur bæjar- og sveitarsjóðanna, útsvörin, greiðast því ekki fyrr en seinni hluta árs, og mjög víða fara aðalgreiðslurnar fram á þrem síðustu mánuðum ársins. Tekjur sjóðanna, sem eiga að greiðast fyrri hluta árs, svo sem fasteignagjöld, eru lítill hluti af heildartekjunum, en útgjöldin aftur á móti eru nokkurn veginn jöfn frá mánuði til mánaðar allt árið. Afleiðing þessa er sú, að flesta bæjar- og sveitarsjóði skortir tilfinnanlega rekstrarfé fyrri hluta árs, og veldur það oft miklum óþægindum.

Frumvarp þetta er borið fram til þess að sjá bæjar- og sveitarfélögum fyrir jafnari tekjum á árinu 1943, án þess þó að þyngja álögur á gjaldendunum. Útsvör þessa árs munu hækka verulega alls staðar á landinu frá því, sem áður var, og má því gera ráð fyrir, að útsvör einstakra gjaldenda fari mjög hækkandi. Er það flestum til hagræðis, að útsvarsgreiðslan dreifist á fleiri mánuði. Þó má gera ráð fyrir, að einstöku gjaldendur hafi greitt óvenju há útsvör 1942 af sérstökum ástæðum, og yrðu því illa úti, er ákvæði frv. þessa koma til framkvæmda, en það verður að ætla, að bæjar- og sveitarstjórnirnar framkvæmi innheimtu þannig, að ekki komi að sök.

## Ed. 323. Frumvarp til laga

um samkomudag reglulegs Alþingis 1943.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Reglulegt Alþingi ársins 1943 skal koma saman 1. dag októbermánaðar, hafi ríkisstjóri ekki tiltekið annan samkomudag fyrr á árinu.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Samkvæmt 1. mgr. 31. gr. stjórnarskrárinnar skal reglulegt Alþingi koma saman 15. febrúar ár hvert eða næsta virkan dag, ef helgidagur er, enda hafi ekki annar samkomudagur fyrr á árinu verið ákveðinn. En þessu ákvæði má samkvæmt 2. mgr. sömu greinar breyta með lögum. Nú situr aukaþing að störfum og verður því ekki lokið fyrr en það hefur samþykkt fjárlög fyrir 1943, en það getur ekki orðið miklu fyrir miðbik þessa mánaðar. Ef því yrði slitið þá þegar, hlytu störf þess að nokkru að verða að engu, þótt nýtt, reglulegt Alþingi kæmi saman 15. febrúar. Fjárlagafrumvarp **skal** samkvæmt 37. gr. stjórnarskrárinnar leggja fyrir hvert reglulegt Alþingi þegar er það er saman komið. Þessu ákvæði stjórnarskrárinnar er ráðuneytinu ómögulegt að fullnægja nú, með því að það hefur engan kost átt á samningu fjár-

lagafrumvarps þann stutta tíma, sem liðinn er frá skipun þess. Auk þess sýnist ógerningur að ganga frá fjárlagafrumvarpi fyrir árið 1944 og samþykkja það á fyrra hluta þessa árs vegna óvissu þeirrar hinnar miklu, sem um ríkisbúskap og atvinnuvegi ríkir nú. Virðist því heppilegra að fresta samkomu hins reglulega Alþingis 1943 til 1. október næst komandi, svo að kostur verði á undirbúningi fjárlagafrumvarps fyrir 1944, og væntanlega verður, eftir því sem lengra líður á þetta ár, hægra að ætlast á um tekjur og gjöld ríkisins 1944 en nú mundi vera. Hins vegar gæti þá aukaþing það, er nú situr, starfað áfram eftir 15. febrúar óslitið að þeim málum, sem þörf verður að afgreiða, og lokið þeim á hæfilegum fresti.

## Sþ. 324. Breytingartillögur

við brtt. á þskj. 312 (Fjárlög).

Frá Jakob Möller.

Við XXVII.: (Nýr stafl. á eftir 18. gr. II. g. — Rithöf., skáld og listam.)

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Við tölul. | 4. | (Davíð Stefánsson). Fyrir „4000“ komi ..... | 3500 |
| 2. | — — | 9. | (Guðmundur Kamban). Fyrir „5000“ komi ..... | 3500 |
| 3. | — — | 11. | (Gunnar Gunnarsson). Fyrir „5000“ komi ..... | 3500 |
| 4. | — — | 17. | (Jóhannes úr Kötlum). Fyrir „4000“ komi ..... | 2500 |
| 5. | — — | 22. | (Kristmann Guðmundsson). Fyrir „5000“ komi ..... | 3000 |
| 6. | — — | 23. | (Magnús Ásgeirsson). Fyrir „3000“ komi ..... | 2500 |
| 7. | — — | 29. | (Tómas Guðmundsson). Fyrir „4000“ komi ..... | 3500 |
| 8. | — — | 32. | (Þórbergur Þórðarson). Fyrir „4000“ komi ..... | 2500 |

## Ed. 325. Nefndarálit

um frv. til laga um búfjártryggingar.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og er sammála um að mæla með því, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 2. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Páll Hermannsson, form. | Eiríkur Einarsson, fundaskr. | Þorst. Þorsteinsson, frsm. |
| H. Guðmundsson. | Kristinn E. Andrésson. | |

## Ed. 326. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur haft mál þetta til ýtarlegrar athugunar, kynnt sér m. a. allar umsagnir, sem Nd. voru sendar um málið, svo og allar breytingartill., sem fram hafa komið. Eru allir nefndarmenn sammála um þá breytingu, sem lagt er hér til, að

gerð verði á frumvarpinu, en einn nefndarmanna (IngP) vill gera á því víðtækari breytingar og vill því hafa óbundnar hendur um að flytja breytingartillögu við 2. umræðu, bæði við frumvarpið og lögin, og skrifar hann því undir nefndarálitið með fyrirvara.

Að öðru leyti leggur nefndin til, að frumvarpið verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Við 6. gr. 5. málsgr., a-liður orðist þannig:

Styrkjum samkvæmt ákvæðum þessarar greinar úthlutar stjórn fiskveiðasjóðs Íslands.

Alþingi, 2. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Jónsson, form., frsm. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. | Ingvar Pálmason, með fyrirvara. |

## Ed. 327. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

Frá Ingvari Pálmasyni.

1. Við 3. gr. Greinin falli niður. Greinatala breytist samkvæmt því.
2. Við 5. gr. Í stað „3% — þrír af hundraði“ komi: 4% — fjórir af hundraði.
3. Við 6. gr. Greinin orðist þannig:

   Á eftir 7. gr. laganna komi ný grein, svo hljóðandi:

   Við fiskveiðasjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita 2. eða 3. veðréttar lán til byggingar fiskiskipa innan 150 smálesta. Ríkissjóður leggur sjóði þessarar deildar 2 milljónir króna á árinu 1943, og auk þess ganga til hans frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu.

   Í reglugerð sjóðsins skulu sett ýtarleg ákvæði um starfsemi þessarar deildar.

## Nd. 328. Nefndarálit

um frv. til l. um heimild til að selja Stagley.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur orðið sammála um að mæla með frv. með svofelldri

BREYTINGU:

Við frumvarpsgreinina bætist:

Óski Flateyjarhreppur að selja eyjuna síðar, hefur ríkissjóður forkaupsrétt að henni með sama verði og hreppurinn keypti hana fyrir.

Alþingi, 25. jan. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Bjarni Ásgeirsson, form., frsm. | Jón Pálmason, fundaskr. | Sigurður Guðnason. |
| Jón Sigurðsson. | Emil Jónsson. | |

## Ed. 329. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 58 28. jan. 1935, um hafnargerð á Hornafirði.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og leggur til, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 3. febr. 1943.

| Gísli Jónsson, form. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. | Ingvar Pálmason, frsm. |
|---|---|---|

## Nd. 330. Breytingartillögur

við frv. til l. um orlof.

Frá Skúla Guðmundssyni og Jóni Pálmasyni.

1. Við 4. gr. Orðin „með orlofsmerkjum“ á þrem stöðum í greininni, falli burt.
2. Við 8. gr. Greinin falli burt.
3. Við 10. gr. Síðari málsgr. falli niður.
4. Við 11. gr. Greinin orðist svo:
   Geti starfsmaður ekki vegna veikinda farið í orlof á þeim tíma, er vinnuveitandi ákveður samkv. 10. gr., skal hann sanna forföll sín með vottorði sjúkrasamlagslæknis, ef hann er í sjúkrasamlagi, en annars héraðslæknis. Getur starfsmaður þá krafizt orlofs og greiðslu orlofsfjár á öðrum tímum en ákveðið er í 9. gr., en þó ekki síðar en svo, að orlofi hans sé lokið fyrir 31. maí næstan á eftir.
5. Við 12. gr. Greinin falli burt.
6. Við 13. gr. Greinin falli burt.
7. Við 14. gr. Greinin falli burt.
8. Við 17. gr. Greinin falli burt.
9. Við 18. gr. Orðin „og 17.“ í 3. tölul. falli burt.

## Nd. 331. Breytingartillögur

**við frv. til l. um húsaleigu.**

Frá Garðari Þorsteinssyni og Gunnari Thoroddsen.

1. Við 4. gr. Aftan við greinina bætist: enda sé húseiganda áður veittur þriggja daga frestur til þess að leigja húsnæðið innanhéraðsfólki til íbúðar.
2. Við 6. gr. Orðin „þó ekki vegna skattahækkunar af fasteignum“ í 3. mgr. falli burt.

## Sþ. 332. Nefndarálit

um till. til þál. um milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur rætt tillöguna á fundum sínum, og hafa fjórir nefndarmenn (ÁÁ, PZ, SigfS og SÞ) orðið sammála um að leggja til, að þingsályktunartillagan verði samþykkt óbreytt.

Þrír nefndarmenn (GSv, GJ og JS) hefðu kosið að breyta tillögunni og áskilja sér rétt til að koma fram með breytingartillögur við hana. Skrifuðu þeir undir nál. með fyrirvara.

Alþingi, 4. febr. 1943.

Gísli Sveinsson, form., með fyrirvara. Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr., frsm. Páll Zóphóníasson.

Ásg. Ásgeirsson. Sigurður Þórðarson.

Jón Sigurðsson, með fyrirvara. Gísli Jónsson, með fyrirvara.

## Sþ. 333. Nefndarálit

um till. til þál. um undirbúning verklegra framkvæmda eftir styrjöldina og endurskoðun á skipulagi stóratvinnurekstrar í landinu.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur allmikið rætt og athugað till. á þskj. 55 og eigi getað til fulls komizt að sameiginlegri niðurstöðu. Fjórir nefndarmenn (ÁÁ, PZ, SigfS og SÞ) hafa viljað samþ. till. með aðeins lítils háttar viðbótarbreytingu. En þrír nefndarmenn (GSv, GJ og JS) lögðu til í nefndinni, að sameinaðar yrðu í einni tillögu þrjár þáltill., sem fyrir nefndinni lágu (á þskj. 55, 35 og 53), en fengu því ekki framgengt. Áskilja þeir sér rétt til að bera fram sérstakar breytingartill. við fyrirliggjandi þáltill. og skrifa undir nál. með fyrirvara.

Alþingi, 4. febr. 1943.

Gísli Sveinsson, form., með fyrirvara. Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. Ásg. Ásgeirsson, frsm.

Sigurður Þórðarson. Páll Zóphóníasson. Jón Sigurðsson, með fyrirvara. Gísli Jónsson, með fyrirvara.

## Sþ. 334. Breytingartillaga

við till. til þál. um undirbúning verklegra framkvæmda eftir styrjöldina og endurskoðun á skipulagi stóratvinnurekstrar í landinu.

Flm.: Ásgeir Ásgeirsson, Sigurður Þórðarson, Sigfús Sigurhjartarson, Páll Zóphóníasson.

Á eftir orðunum „í samræmi við afkomu atvinnurekstrarins“ í lok 2. málsgr. komi: Nefndin skal starfa í samráði við aðrar nefndir eða stofnanir, sem falin kann að verða athugun á atvinnuvegum landsmanna eða einstökum starfsgreinum.

## Sþ. 335. Nefndarálit

um till. til þál. um ráðstafanir til eflingar íslenzkum landbúnaði.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað tillöguna, og hafa nefndarmenn orðið sammála um að leggja til, að hún verði samþykkt með eftirtöldum breytingum. Þrír nefndarmenn, þeir GSv, GJ og JS, hafa þó óbundnar hendur gagnvart öðrum breytingartillögum, ef fram koma.

BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Við 1. tölul. Í stað orðanna „samfærslu byggðanna fyrir augum“ komi: aukið þéttbýli og stofnun byggðahverfa fyrir augum.
2. Við 3. tölul. Orðin „útvega vélar“ falli burt.
3. Við 4. tölul. Í stað orðanna „þróun hans“ komi: þróun landbúnaðarins.

Alþingi, 4. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Sveinsson, form. | Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. | Páll Zóphóníasson, frsm. |
| Jón Sigurðsson. | Ásg. Ásgeirsson. | Sigurður Þórðarson. |
| | Gísli Jónsson. | |

## Ed. 336. Lög

um breyting á lögum nr. 100 14. maí 1940, um skógrækt.

(Afgreidd frá Ed. 4. febr.)

Samhljóða þskj. 155.

## Nd. 337. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 93 25. sept. 1942, um að reisa nýjar síldarverksmiðjur.

Frá minni hl. sjávarútvegsnefndar.

Nefndin klofnaði um þetta mál. Meiri hlutinn (FJ, GG og LJós) vill, að frv. verði samþykkt. Minni hlutinn (SK og SB) ræður þingdeildinni að fella það.

Ástæður minni hlutans eru þessar:

Það er keppikefli allra þjóða að gera útflutningsvörur sínar sem verðmætastar. Mikið skortir á það, að útflutningsvörur Íslendinga séu svo verðmætar sem unnt er að gera þær. Þetta stafar af því, að ekki hefur enn verið komið upp verksmiðjum og vinnustöðvum til þess að fullvinna úr útflutningsframleiðslunni. — Við fullvinnslu vörunnar innanlands vinnst það tvennt, að mikil atvinna skapast í landinu og að miklu meiri erlendur gjaldeyrir skapast fyrir útflutninginn. Það horfir því til mikils þjóðfélagstjóns, að ríkið reisi skorður við því, að framleiðendur geri sjálfir útflutningsvörur sínar sem verðmestar.

Alþingi, 4. febr. 1943.

| | |
|---|---|
| Sigurður Kristjánsson, frsm. | Sigurður Bjarnason. |

## Nd. 338. Frumvarp til laga

um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

Sérhver farþegi eða starfsmaður á skipi, sem siglir í íslenzkri landhelgi, skal afhenda skipstjóra, þegar er hann er kominn á skip eða er skip siglir inn í íslenzka landhelgi, ljósmyndavélar, er hann kann að hafa í vörzlu sinni, og skal skipstjóri geyma þær, þar til aðili stígur af skipsfjöl eða skip siglir út úr landhelgi Íslands.

2. gr.

Nú hefur með auglýsingu verið bannað að taka ljósmyndir af ákveðnum svæðum, og má þá enginn fara inn á þau svæði með ljósmyndavél, nema hún hafi verið innsigluð tryggilega af réttu yfirvaldi.

3. gr.

Innan svæða þeirra, er greinir í 2. gr., má enginn, án leyfis réttra aðila, taka ljósmyndir af herstöðvum eða hertækjum, svo sem flugvöllum, fallbyssustæðum, loftvarnastöðvum, strandvarnafallbyssustöðvum, höfnum eða skipalægjum eða loftskeytastöðvum.

4. gr.

Ef maður raskar innsigli á ljósmyndavél, sbr. 2. gr., þá varðar það við 113. gr. almennra hegningarlaga, nr. 19 12. febr. 1940.

Brot á öðrum ákvæðum laga þessara varða sektum eða varðhaldi, ef miklar sakir eru.

Ljósmyndavélar, sem notaðar eru eða farið er með andstætt fyrirmælum laga þessara, má gera upptækar með dómi.

5. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum sæta meðferð opinberra mála.

## Ed. 339. Frumvarp til laga

um breyting á hafnarlögum fyrir Húsavík, nr. 38 19. júní 1933.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

1. gr. laganna skal orða svo:

Til hafnargerðar á Húsavík veitast úr ríkissjóði $^2/_5$ kostnaðar, eftir áætlun, sem ríkisstjórnin hefur samþykkt, þegar fé er veitt til þess í fjárlögum, allt að kr. 1000000.00 — einni milljón króna —, gegn $^3/_5$ hlutum frá hafnarsjóði Húsavíkur, enda sé ekki hafizt handa um framkvæmdir nema með leyfi ríkisstjórnarinnar, að fengnum tillögum vitamálastjóra.

2. gr.

Upphaf 2. gr. laganna skal orða svo:

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að kr. 2100000.00 — tveggja milljóna og eitt hundrað þúsund króna — lán.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Nd.** **340. Frumvarp til laga**

um verðlag.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

Viðskiptaráð, sem skipað er samkvæmt lögum um innflutning og gjaldeyrismeðferð, frá 16. jan. þ. á., skal hafa eftirlit með öllu verðlagi, og hefur það bæði af sjálfsdáðum og að fyrirlagi ráðuneytisins vald og skyldu til að ákveða hámarksverð á hvers konar vörur og verðmæti, þar á meðal hámark álagningar, umboðslauna og annarrar þóknunar, sem máli skiptir um verðlag í landinu. Svo getur Viðskiptaráð og úrskurðað um aðra kostnaðarliði, sem máli skipta um verðlagningu á vörum. Þá getur og Viðskiptaráð ákveðið gjöld fyrir flutning á landi, sjó og í lofti, þar með talin farmgjöld og afgreiðslugjöld, enn fremur greiðslur til verkstæða og annarra verktaka fyrir alls konar verk, svo sem pípu- og raflagningar, smíðar, málningu og veggfóðrun, saumaskap, prentun og því um líkt. Þá getur Viðskiptaráð og ákveðið hámarksverð á greiðasölu, veitingum, fæði, snyrtingu, fatapressun og aðgöngumiðum að almennum skemmtunum og öðru slíku. Ákvæði þessarar greinar taka ekki til vörutegunda, sem verðlagðar eru samkvæmt sérstökum lögum, né til vöru, sem seld er úr landi, eða launa fyrir verk, sem ákveðin hafa verið með samningum stéttarfélaga.

2. gr.

Ríkisstjórnin skipar verðlagsstjóra, sem gerir tillögur til Viðskiptaráðs um verðlagsákvæði og hefur á hendi framkvæmd þeirra og eftirlit með að þeim sé hlýtt. Hann skipar trúnaðarmenn um land allt til verðlagseftirlits. Hann hefur á hendi allan daglegan rekstur í sambandi við verðlagseftirlitið. Ef upp rís ágreiningur um skilning á verðlagsákvæðum, sker Viðskiptaráð úr.

Þeir, sem með verðlagseftirlit fara samkvæmt lögum þessum, geta krafið hvern sem er allra þeirra upplýsinga, skýrslna og annarra gagna, er þeir telja nauðsynleg í starfi sínu.

3. gr.

Þegar Viðskiptaráð fjallar um verðlagsmál, skulu tveir nefndarmenn jafnan víkja úr ráðinu samkvæmt ákvörðun ríkisstjórnar í skipunarbréfum þeirra, og skulu í þeirra stað koma verðlagsstjóri og annar maður, er ríkisstjórnin skipar, með atkvæðisrétti um verðlagsákvarðanir.

Í Viðskiptaráði ræður afl atkvæða, og eru úrskurðir þess og ályktanir fullnaðarúrslit verðlagsmála. Þó má taka mál til meðferðar að nýju, ef ástæður hafa breytzt eða nýjar skýrslur komið fram, er máli skipta. Viðskiptaráð er ekki ályktunarfært um verðlagsmál nema það sé fullskipað.

4. gr.

Sala á vörum milli heildverzlana innbyrðis eða smásöluverzlana innbyrðis (keðjuverzlun) er bönnuð, nema slík verzlun sé gerð án álagningar eða heildarálagning vörunnar sé innan þeirra takmarka í heildsölu og smásölu, sem heimiluð er. Bannað er að halda vörum úr umferð í því skyni að fá hærri verzlunarhagnað af þeim síðar.

5. gr.

Allar verðlagsákvarðanir, sem samþykktar eru af Viðskiptaráði, skulu birtar af verðlagsstjóra þegar í stað, og ganga þær í gildi jafnskjótt og gilda þar til öðruvísi er ákveðið. Ákvarðanirnar skulu birtar á þann hátt, að þær verði kunnar almenningi á því verðlagssvæði, er þær ná til.

6. gr.

Viðskiptaráði, verðlagsstjóra, starfsmönnum eða öðrum, sem afskipti hafa um framkvæmd þessara laga, er bannað, að viðlagðri ábyrgð eftir ákvæðum almennra hegningarlaga um opinbera starfsmenn, að skýra óviðkomandi mönnum frá þeim atriðum, er þeir verða áskynja um af skýrslum þeim, sem um getur í 2. gr., að því leyti, sem þau varða einstaka menn eða einstök fyrirtæki.

7. gr.

Eftir gildistöku þessara laga má verðlag ekki hækka á neinu því, sem háð er verðlagseftirliti samkvæmt 1. gr., nema með leyfi Viðskiptaráðs.

8. gr.

Kostnaður við framkvæmd verðlagseftirlitsins greiðist af ríkissjóði, að svo miklu leyti sem tekjur Viðskiptaráðs hrökkva ekki til þess, þegar greiddur er allur kostnaður Viðskiptaráðsins.

9. gr.

Sá, sem vanrækir skyldur þær, er um ræðir í 2. gr., skal sæta 10—100 kr. dagsektum. Sá, sem gefur rangar skýrslur til verðlagsstjóra, skal sæta refsingu samkvæmt ákvæðum almennra hegningarlaga.

Brot á lögum þessum eða reglum, settum samkvæmt þeim, varða sektum allt að 100 000 kr. Ef miklar sakir eru eða brot ítrekað, má og svipta sökunaut með dómi rétti til verzlunar.

10. gr.

Mál út af brotum samkvæmt 9. gr. fara að hætti opinberra mála.

11. gr.

Með reglugerð má setja nánari ákvæði um framkvæmd laga þessara. Með lögum þessum eru lög nr. 79 frá 1. sept. 1942 numin úr gildi.

12. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Allar verðlagsákvarðanir um hámarksverð og hámarksálagningu, sem í gildi eru við gildistöku laganna, skulu haldast fyrst um sinn, þar til Viðskiptaráð hefur afnumið þær eða sett ný ákvæði í stað þeirra.

## Nd. 341. Breytingartillaga

við frv. til l. um verðlag.

Frá viðskiptamálaráðherra.

Við 3. gr. Í stað orðanna „verðlagsstjóri og annar maður“ í 1. málsgr. komi: tveir menn.

**Ed.** **342. Nefndarálit**

um frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi.

Frá minni hluta landbúnaðarnefndar.

Svo sem skýrt er frá í greinargerðinni, var frv. samhljóða því, er hér liggur fyrir, flutt á Alþingi 1941. Málið hlaut þá athugun í landbúnaðarn. beggja deilda, og klofnuðu nefndirnar báðar. Ýmiss konar fróðleik um málið er að finna í nál. frá því þingi, sérstaklega í áliti meiri hluta landbúnaðarn. Nd. (Alþt. 1941. A. þskj. 233.)

Frv. heimilar sölu á nokkrum hluta þess lands í Selvogi, sem nú er friðað vegna sandgræðslu og landvarna þar. Í greinargerðinni er sú ástæða sérstaklega færð fyrir sölunni, að bóndinn í Nesi í Selvogi hafi verið beittur órétti, þá er takmörk hins friðaða lands voru á sínum tíma ákveðin. Hafi hann orðið fyrir miklu tjóni af þessum sökum, og beri að bæta tjónið með því að selja honum hluta af hinu friðaða landi.

Því er jafnframt slegið föstu í greinargerðinni, að sandgræðslustarfinu stafi ekki hætta af því að taka landið úr friðun.

Undirritaðir leggja ekki dóm á það hér, hvort bæta þurfi bóndanum í Nesi tjón, er hann hafi orðið fyrir vegna sandgræðslunnar í Selvogi, enda teljum það ekki aðalatriði í þessu máli. Sandgræðslan og vörn nytjalandsins þarna er í okkar augum það, er öllu máli skiptir. Við teljum, að það eitt eigi að ráða örlögum þessa frv., hvort sala landsins geti orðið hættuleg sandgræðslu og landvarnarstarfinu eða eigi. Þótt við séum ekki kunnugir í Selvogi, þekkjum við þá eyðileggingu, sem stafað hefur af sandfoki þar. Við vitum, að á sandgræðslunni getur það oltið, hvort blómleg byggð verður í Selvogi framvegis eða hann leggst í eyði. Og því fer fjarri, að við teljum hættulaust að taka land úr friðun þarna og selja til beitar og annarra búnota. Styðst það álit okkar við skoðanir ýmissa þeirra, er dómbærastir verða að teljast í þessum efnum.

Látum við fylgja sem fylgiskjal I. afrit af áliti sandgræðslustjóra frá 28. f. m. og fylgiskjal II. afrit af skjali, er ýmsir íbúar Selvogs, með hreppstjóra og hreppsnefndaroddvita í fararbroddi, hafa sent Alþingi í s. l. mánuði.

Samkv. framansögðu leggjum við til, að frv. verði felld.

Alþingi, 4. febr. 1943.

Páll Hermannsson, form., frsm. H. Guðmundsson.

**Fylgiskjal I.**

„Frumvarp til laga um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi", hefur mér verið sent til umsagnar af landbúnaðarnefnd efri deildar.

Frumvarpið og greinargerð þess hef ég lesið. Í niðurlagi greinargerðarinnar stendur: „Því skal hér bætt við, að Guðmundi Jónssyni, bónda í Nesi, er enn sem fyrr hið mesta áhugamál að fá nokkra rétting mála sinna með samþykkt frumvarps þess, sem hér er flutt."

Er hér látið skína í, að G. J. hafi verið beittur órétti og því leiti hann til Alþingis til þess að fá hlut sinn réttan.

Kemur greinilega í ljós, að ég hafi beitt G. J. órétti, en því neita ég, þó að ég gæti ekki fallizt á að girða þá leið, sem hann vildi.

Ágreiningurinn milli mín og G. J. var af því, að ekki var hentugt að girða sandgræðslugirðingu þar, **sem hann taldi hentugt sér fyrir hagagirðingu,** og hélt hvor fast við sinn hlut.

14. okt. 1933 ritaði Magnús Torfason sýslumaður Árnessýslu eftirfarandi bréf:

„Flestum mun nú vera kunnugt, að meiri hluti byggðar í Selvogi er uppblásin sandauðn. Sótti sandhafið að vestan frá Víðisandi yfir Vogsós, er hann var uppi, yfir Strandarland og austur í Selvog, en að austan alla leið frá Ölfusá vestur með byggð í Selvogi.

Árið 1928 var hafizt handa og hið uppblásna Strandarland girt og grætt, en sjávargarður hlaðinn á kampi. Hefur landfriðun þessi gefizt svo vel, að nú eru í girðingunni slegnir á annað hundrað hestar, og landið grær óðfluga ár frá ári, og má því búast við, að það verði fullgrætt um miðja öld, enda vottar ekki lengur fyrir sandfoki.

Hins vegar heldur sandfokið að austan áfram að skemma byggðina. Er allt flatlendið með sjó austan frá Ölfusá og út að Nestúnum eitt sandhaf. Að vísu er talsverður gróður með sjónum, en ofan til eru víðir sandgárar, er nú sækja upp Selvogsheiði. Brýtur þar heiðina ár af ári, en sandfokið sækir upp á við og kæfir alla grasrót og er nú komið langleiðina upp að Kvennagönguhólum, en þar hallar norður af heiðinni. Er sýnilegt, að nái sandhafið að komast upp hallann, mundi það á fám árum eyða öllu graslendi, eigi aðeins þar norður af upp að Heiðin há, heldur til beggja hliða, og þar með leggja land Vogsósa, Hlíðar og Stakkavíkur austan Hlíðarvatns í auðn, en hins vegar mundi bílvegur austur í Ölfus takast af með öllu. En kæmi til þess, yrði lítt byggilegt í Selvogi, í stað þess að þar eru nú öll efni til hagsællar byggðar, bæði til lands og sjávar.

Fyrir þessar sakir leyfi ég mér að fara þess á leit, að aðalblásturssvæðið að Selvogsheiði verði nú þegar girt og friðað samkvæmt 3. gr. laga um sandgræðslu, 45/1923.

Efa ég ekki, að bæði sýsla, hreppar og einstakir eigendur mundu leggja hér nokkuð af mörkum, en sérstaklega væri Strandarkirkju skylt að styðja hér að, þar sem hennar löndum er svo mjög hætt.

Afrit af bréfi þessu sendi ég hreppsnefnd og hreppstjóra í Selvogi, sandgræðslustjóra, Búnaðarfélagi Íslands, Fiskiveiðafélagi Íslands og dómsmálaráðuneytinu og fel háttvirtu ráðuneyti málið til skjótrar og góðrar fyrirgreiðslu.

Virðingarfyllst.

Skrifstofu Árnessýslu, 14. okt. 1933.
(Sign) Magnús Torfason.“

Það er augljóst af bréfi þessu og allri framkomu Magnúsar Torfasonar sýslumanns, að það, sem fyrir honum vakti, var sandgræðslugirðing til verndar byggð og gróðurlendi í Selvogi austan Hlíðarvatns, og var honum ljós hættan af „sandhafinu að austan“. Mér varð ljós sandfokshættan austan frá á Selvog, og vildi því í öndverðu taka fyrir aðalsandfokssvæðið í Neslandi, vestur fyrir það, sem sandurinn var kominn þá, heim að túngörðum í Nesi og til sjávar við Nesvita, en því miður var skilið eftir sandsvæði vestan sandgræðslugirðingarinnar, sem sett var frá Hellisþúfu að Nesvita. Sandfok frá þessu ógirta svæði hefur síðan borizt vestur, 27. og 28. febrúar 1941 gekk sandur í norðanroki yfir Nestún, og síðast liðið vor (1942) barst mikill sandur á túnin í „Miðvoginum“ og utan garða alla leið vestur í Strandargirðingu. **Náðu þá sandfokssvæðin saman á litlum kafla, og vofir sandhættan af Neslandi yfir túnum og byggð í Selvogi.** Verður það mál sent Búnaðarfélagi Íslands til athugunar og úrbóta, sbr. 14. gr. laga um sandgræðslu og heftingu sandfoks frá 28. maí 1941.

Vegna þess að sumir, sem lítið þekkja til gangs þessa máls, halda, að landspilda sú, sem frumvarpið hljóðar upp á, hafi verið ranglega tekin af G. J. þegar girt var, læt ég fylgja hér með sölutilboð frá honum á landinu, sem hljóðar svo.

„Ég undirritaður eigandi Nestorfunnar í Selvogi geri það tilboð að selja dómsmálaráðherra Íslands sandinn frá Nesvita upp í Hellisþúfu og þaðan um Selvogs-

heiði austur í hreppamörk eftir fyrirhugaðri sandgræðslugirðingu, en það er (sic) í sjó fram að Þrívörðum, fyrir verð, sem óvilhallir dómkvaddir menn meta. Enn fremur skuldbind ég mig til, ef dómkvaddir kunnugir og óvilhallir menn meta, að landið milli girðingar minnar og hins keypta sandgræðslusvæðis hafi blásið upp sakir of mikillar beitar, miðað við ekki fleira búfé en nú er á Nestorfu, þ. e. 800 fjár, að fækka fé mínu eins og með þarf, gegn bótum, er dómkvaddir óvilhallir menn meta, enda meti þeir, hve margt búfjár megi þá vera í högum.

P. t. Reykjavík, 27. júní 1935.

(Sign) G. Jónsson.

Vottar:
(Sign) Magnús Torfason.
(Sign) Gunnl. Kristmundsson."

Í greinargerð frumvarpsins segir um land það, sem G. J. vill fá keypt: „Það er útilokað, að nokkur minnsta hætta sé á uppblæstri af þessu landi, þó að það sé ekki friðað. Landið var áður örfoka, en er nú að kalla gróið." Þetta er ekki rétt. Landið er ekki nær því gróið, þó að gróður hafi aukizt þar mikið þau 7 ár, sem það hefur verið friðað. Gróður þess þolir ekki beitarörtröð, í því er bundinn mikill sandur, sem verður laus og fýkur, sé landið ekki friðað, stækkar þá sandfokssvæðið, sem sandur fýkur af vestur að byggðinni í Selvogi og sandgræðslusvæðinu á Strandarlandi, foksandsmagnið margfaldast og hættan vex, sem ógnar bæjum og grónu landi í Selvogi. Að öllu þessu athuguðu álít ég ekki gerlegt að samþykkja frumvarpið, en legg til, að það sé fellt. Nokkuð var um málið ritað, er frumvarpið var til umræðu fyrir tveim árum, er það skráð í Alþingistíðindum 1941, 3. hefti, bls. 390—394.

Hafnarfirði, 28. jan. 1943.

Gunnl. Kristmundsson.

Til landbúnaðarnefndar efri deildar Alþingis.

**Fylgiskjal II.**

Vér undirritaðir kjósendur Selvogshrepps leyfum oss hér með að senda hinu háa Alþingi beiðni um, að sandauðn sú, er skilin var eftir þegar sandurinn var girtur frá ósum Ölfusár að Nesvita hér í hreppi, sé tekin sem fyrst eignarnámi og friðuð.

Ástæða fyrir þessari beiðni er sem hér skal greina.

1. Guðm. Jónsson, bóndi á Nesi, er nú enn á ný búinn að senda frumvarp í þingið um kaup á spildu af sandgræðslunni hér í Selvogi, sem er eign ríkissjóðs og honum seld af Guðmundi.

Þetta er stærsta sandgræðsla Íslands og var girt 1935 og er nú mikið farin að gróa. Ef nú ætti að taka áðurnefnda spildu af þessari sandgræðslu og nota hana til fjárbeitar, gera hana að sandauðn aftur, þá er illa farið hugmynd þeirra, sem mest ræða og rita um friðun á gróðri landsins, og enn fremur þar sem þessi umtalaða spilda er næst túnum og beitilandi hreppsbúa.

2. Sandauðn sú, sem eftir var skilin þegar girt var, er nú farin að sýna sig (þó ekki sé við hana bætt). Í síðast liðnum aprílmánuði gerði hvert sandveðrið eftir annað. Þá fauk hér yfir tún og beitiland fyrir ofan þau og alla leið út í Strandarsandgræðslugirðingu. Varð allt þetta land svart af sandi, og var mokað mikið af túnunum, þó mikið sé enn eftir. Þetta þolir enga bið, og vonum við, að hið háa Alþingi sjái nauðsyn þess.

Þess skal getið, að Gunnlaugur Kristmundsson sandgræðslustjóri sá skemmdir þær, er urðu af sandfoki hér á síðast liðnu vori, og vitnum við til hans.

Áður umgetið frumvarp Guðmundar í Nesi, sem minnzt var á í þingfréttum föstudaginn 15. þ. m., segir svo, að landspilda sú, er hann vill kaupa, hafi verið gróið land og sé gróið land. Þetta eru hrein ósannindi, því í þessari umræddu landspildu eru fleiri hektarar sandauðn, þó mikið hafi það gróið síðan það var girt, og er land þetta til sýnis; þar er hægt að finna sannleikann.

Selvogshreppi, 16. janúar 1943.

(Undirskrift 23 manna, þar á meðal hreppstjóra og oddvita.)

## Nd. 343. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna.

Flm.: Pétur Ottesen.

Á eftir 1. gr. kemur ný grein, sem verður 2. gr., svo hljóðandi, og breytist greinatalan samkv. því:

Nú þykir ríkisstjórninni hagkvæmt að taka til þeirra nota, er í 1. gr. segir, þá húseign ríkisins, sem forsætisráðherra er ætluð til bústaðar, og leitar þá ríkisstjórnin samkomulags við hlutaðeigandi forsætisráðherra um að láta af hendi eða sleppa tilkalli til bústaðarins í þessu skyni, með þeim kjörum, sem um semur. Gildir sú ráðstöfun þar til numin hafa verið úr gildi ákvæði laga um leigulausan bústað til handa forsætisráðherra.

## Ed. 344. Breytingartillaga

við frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi.

Frá Þorsteini Þorsteinssyni.

Við 1. gr. Aftan við greinina bætist: að lokinni skoðun á landinu og umsögn tveggja óvilhallra manna, sem tilnefndir eru af hæstarétti til þessa starfa.

## Nd. 345. Frumvarp til laga

um heimild til að selja Stagley.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

Heimilt er ríkisstjórninni að selja Flateyjarhreppi Stagley á Breiðafirði. Óski Flateyjarhreppur að selja eyjuna síðar, hefur ríkissjóður forkaupsrétt að henni með sama verði og hreppurinn keypti hana fyrir.

Sþ. **346. Frumvarp til fjárlaga**

fyrir árið 1943.

(Eftir 2. umr.).

## I. KAFLI

### Tekjur:

1. gr.

Árið 1943 er ætlazt til, að tekjur ríkisins verði svo sem talið er í 2.—5. gr., og að þeirra verði aflað með tekjugreinum, sem þar eru taldar.

2. gr.

Áætlað er, að þessir skattar og tollar nemi:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Fasteignaskattur | 750000 | |
| 2. Tekjuskattur og eignarskattur og stríðsgróðaskattur | 15000000 | |
| 3. Lestagjald af skipum | 55000 | |
| | | 15805000 |
| 4. Aukatekjur | 600000 | |
| 5. Erfðafjárskattur | 60000 | |
| 6. Vitagjald | 300000 | |
| 7. Leyfisbréfagjöld | 85000 | |
| 8. Stimpilgjald | 1200000 | |
| 9. Bifreiðaskattur | 800000 | |
| 10. Benzínskattur | 700000 | |
| | | 3745000 |
| 11. Útflutningsgjald | 1700000 | |
| 12. Vörumagnstollur | 5000000 | |
| 13. Verðtollur | 15000000 | |
| | | 21700000 |
| 14. Gjald af innlendum tollvörum | | 1000000 |
| 15. Veitingaskattur | | 250000 |
| Samtals ... | . . . | 42500000 |

3. gr.

Tekjur af rekstri ríkisstofnana eru áætlaðar:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **A.** | | |
| 1. | Rekstrarhagnaður landssímans | 1429000 | |
| 2. | — áfengisverzlunar | 2000000 | |
| 3. | — tóbakseinkasölu | 1500000 | |
| 4. | — ríkisútvarps | 243000 | |
| 5. | — ríkisprentsmiðju | 150000 | |
| 6. | — landssmiðju | 100000 | |
| | | 5422000 | |
| | ÷ Tap á rekstri póstsjóðs | 160000 | |
| | | | 5262000 |
| | **Samtals** ... | . . . | 5262000 |
| | **Sundurliðun.** | | |
| | **1. Póstsjóður.** | | |
| I. | Tekjur | | 2500000 |
| II. | Gjöld: | | |
| | 1. Póststjórnarkostnaður | 220000 | |
| | 2. Pósthúsið í Reykjavík | 940000 | |
| | 3. Önnur pósthús | 550000 | |
| | 4. Póstflutningar | 780000 | |
| | 5. Önnur gjöld | 160000 | |
| | 6. Fyrning | 10000 | |
| | | | 2660000 |
| | Mismunur (halli) ... | . . . | 160000 |
| | **2. Landssíminn.** | | |
| I. | Tekjur | | 9000000 |
| II. | Gjöld: | | |
| | a. Til notendasíma í sveitum | 100000 | |
| | b. Til starfrækslu landssímanna m. m.: | | |
| | 1. Kostnaður af aðalskrifstofu landssímans | 450000 | |
| | 2. Ritsímastöðin í Reykjavík | 1220000 | |
| | 3. Loftskeytastöðin í Reykjavík | 110000 | |
| | 4. Stuttbylgjustöðin í Reykjavík | 150000 | |
| | 5. Bæjarsíminn í Reykjavík og Hafnarfirði | 2100000 | |
| | 6. Áhaldahúsið | 120000 | |
| | 7. Ritsímastöðin á Akureyri | 250000 | |
| | 8. Ritsímastöðin á Seyðisfirði | 200000 | |
| | 9. Ritsímastöðin á Ísafirði | 110000 | |
| | 10. Símastöðin á Borðeyri | 65000 | |
| | 11. Símastöðin í Vestmannaeyjum | 100000 | |
| | 12. Símastöðin á Siglufirði | 140000 | |
| | 13. Til annarra símstöðva og eftirlitsstöðva | 600000 | |
| | | 5615000 | |
| | Uppbót á laun greiðist eftir sömu reglum og 1941, enda færist þær greiðslur á framangreinda liði viðkomandi stöðva. | | |
| | **Flyt** ... | 5715000 | 9000000 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 5715000 | 9000000 |
| c. Eyðublöð, prentkostnaður, ritföng m. m. ..... | 200000 | |
| d. Viðbót og viðhald stöðva ..... | 350000 | |
| e. Kostnaður af ferðalögum etc. ..... | 18000 | |
| f. Viðhald landssímanna ..... | 1000000 | |
| g. Framhaldsgjald ..... | 160000 | |
| h. Til kennslu handa símamönnum ..... | 5000 | |
| i. Tillag til alþjóðaskrifstofunnar í Berne ..... | 6000 | |
| j. Ýmis gjöld ..... | 25000 | |
| Þar af 1000 krónur til fyrrv. símaverkstjóra, eftir tillögum símamálastjóra. | | |
| k. Fyrning á húsum og áhöldum ..... | 80000 | |
| l. Burðargjald ..... | 12000 | |
| | | 7571000 |
| Fært á 3. gr. A. 1 | . . . | 1429000 |
| **Eignabreytingar.** | | |
| **Út.** | | |
| I. Afborgun af lánum L. M. Ericsson, Marconi o. fl. ... | | 200000 |
| II. Til viðauka símakerfa, smærri efnis- og áhaldakaupa | | 250000 |
| III. Til talstöðva í báta og skip ..... | | 150000 |
| IV. Til loftskeytastöðva í skip ..... | | 50000 |
| V. Til birgðahúss í Reykjavík ..... | | 500000 |
| VI. Til póst- og símahúss á Akureyri ..... | | 200000 |
| Fært á 20. gr. Út I. 2. og II. 1 | . . . | 1350000 |
| 3. Áfengisverzlun ríkisins. | | |
| I. Tekjur (brúttó hagnaður) ..... | | 3000000 |
| II. Gjöld: | | |
| a. Laun starfsmanna og vinnulaun ..... | 524000 | |
| b. Útsvar ..... | 100000 | |
| c. Framlag til Menningarsjóðs ..... | 25000 | |
| d. Kostnaður við áfengisúthlutun ..... | 223000 | |
| e. Annar kostnaður ..... | 118000 | |
| f. Fyrning á fasteign og áhöldum ..... | 10000 | |
| | | 1000000 |
| Fært á 3. gr. A. 2 | . . . | 2000000 |
| 4. Tóbakseinkasalan. | | |
| I. Tekjur (brúttó hagnaður) ..... | | 2200000 |
| II. Gjöld: | | |
| a. Laun ..... | 375000 | |
| b. Annar kostnaður ..... | 225000 | |
| c. Útsvar, áætlað tap á skuldum o. fl. ..... | 100000 | |
| | | 700000 |
| Fært á 3. gr. A. 3 | . . . | 1500000 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| **5. Ríkisútvarpið.** | | | |
| I. Tekjur: | | | |
| a. Afnotagjöld | | 1050000 | |
| b. Aðrar tekjur | | 350000 | |
| | | | 1400000 |
| II. Gjöld: | | | |
| a. Starfræksla: | | | |
| 1. Starfsmannalaun | 530000 | | |
| 2. Útvarpsefni (þar með talin laun hljóðfæraleikara) | 265000 | | |
| 3. Til málvöndunar | 5000 | | |
| 4. Skrifstofukostnaður | 95000 | | |
| 5. Húsaleiga, ljós og hiti | 65000 | | |
| 6. Til útvarpsstöðva | 185000 | | |
| 7. Til hleðslustöðva, viðgerðarferða og til að greiða fyrir útvarpsnotum | 30000 | | |
| 8. Óviss gjöld | 25000 | | |
| | | 1200000 | |
| b. Vextir | | 23000 | |
| c. Fyrning á húsum og vélum | | 50000 | |
| | | | 1273000 |
| **Hagnaður** | | . . . | 127000 |
| III. Rekstur viðtækjaverzlunar: | | | |
| a. Tekjur | | 350000 | |
| b. Gjöld: | | | |
| 1. Laun starfsmanna | 154000 | | |
| 2. Annar kostnaður | 80000 | | |
| | | 234000 | |
| | | | 116000 |
| **Fært á 3. gr. A. 4** | | . . . | 243000 |
| **Eignabreytingar:** | | | |
| Afborgun af láni til stækkunar (sjá 20. gr. Út I. 2. b.) .. | | . . . | 91100 |
| **6. Ríkisprentsmiðjan.** | | | |
| I. Tekjur (prentvinna) | | | 1500000 |
| II. Gjöld: | | | |
| 1. a. Laun starfsmanna | 110000 | | |
| b. Vinnulaun og aðkeypt vinna | 800000 | | |
| | | 910000 | |
| 2. Efnivörur | | 275000 | |
| 3. Vélarekstur og viðhald | | 36000 | |
| 4. Vextir | | 7000 | |
| 5. Annar kostnaður | | 101000 | |
| 6. Fyrning | | 21000 | |
| | | | 1350000 |
| **Fært á 3. gr. A. 5** | | . . . | 150000 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 7. Landssmiðjan. | | |
| I. Tekjur: | | |
| 1. Ágóði á vörum | 65000 | |
| 2. — á járnsmíðadeild | 305000 | |
| 3. — á trésmíðadeild | 60000 | |
| 4. — á málmsteypu | 10000 | |
| | | 440000 |
| II. Gjöld: | | |
| 1. Laun starfsmanna | 140000 | |
| 2. Vextir | 25000 | |
| 3. Afsláttur og skuldatöp | 15000 | |
| 4. Annar kostnaður | 105000 | |
| 5. Fyrning | 55000 | |
| | | 340000 |
| Fært á 3. gr. A. 6 | . . . | 100000 |
| B. | | |
| Tekjur af fasteignum ríkissjóðs eru taldar: | | |
| 1. Tekjur af jarðeignum á Stokkseyri og Eyrarbakka o. fl. | | 8000 |
| 2. Arnarhvoll: | | |
| a. Tekjur | 80000 | |
| b. Gjöld: | | |
| 1. Vextir 19911 | | |
| 2. Ýmiss konar rekstrarkostnaður 56000 | | |
| 3. Fyrning hússins (sjá 20. gr.) 3649 | | |
| | 79560 | |
| | | 440 |
| Samtals ... | . . . | 8440 |

4. gr.

Tekjur af bönkum og vaxtatekjur eru áætlaðar:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Vextir af bankavaxtabréfum, jarðræktarbréfum og kreppulánasjóðsbréfum | 9000 | |
| 2. Vextir af stofnfé Landsbankans, 6% af 3000000 | 180000 | |
| 3. Vextir af veðd.bréfum Búnaðarbankans, 6% af 1150000 | 69000 | |
| 4. Aðrir vextir | 210000 | |
| | | 468000 |
| Frá dregst: | | |
| Vaxtatap vegna gjaldeyrisvarasjóðs | | 150000 |
| Samtals ... | . . . | 318000 |

5. gr.

Óvissar tekjur eru taldar 50000 kr.

## II. KAFLI

### Gjöld:

6. gr.

Árið 1943 eru veittar til gjalda fjárhæðir þær, sem tilgreindar eru í 7.—19. gr.

7. gr.

Vextir af lánum ríkissjóðs eru taldir:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Innlend lán | | 668312 |
| 2. Lán í dönskum krónum | | 65827 |
| 3. Lán í sterlingspundum | | 501147 |
| 4. Lán í dollurum | | 60694 |
| 5. Lausaskuldir | | 50000 |
| Samtals ... | . . . | 1345980 |

8. gr.

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Kostnaður við æðstu stjórn landsins | | 150000 |

9. gr.

Til alþingiskostnaðar og yfirskoðunar ríkisreikninga er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Til alþingiskostnaðar | | 540000 |
| 2. Til yfirskoðunar ríkisreikninga | | 11719 |
| 3. Fyrning á alþingishúsi (sjá 20. gr.) | | 2170 |
| Samtals ... | . . . | 553889 |

10. gr.

Til ríkisstjórnarinnar er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| I. Stjórnarráðið, ríkisféhirðir, ríkisbókhald o. fl. | | | |
| 1. Til ráðherra: | | | |
| a. Laun | 50000 | | |
| b. Til risnu | 6000 | | |
| | | 56000 | |
| 2. Stjórnarráðið: | | | |
| a. Laun: | | | |
| 1. Atvinnumálaráðuneytið | 69850 | | |
| 2. Dómsmálaráðuneytið | 53852 | | |
| 3. Fjármálaráðuneytið | 85374 | | |
| 4. Utanríkisráðuneytið | 32000 | | |
| 5. Aðrir starfsmenn | 32412 | | |
| | 273488 | | |
| b. Annar kostnaður | 100000 | | |
| | | 373488 | |
| 3. Ríkisféhirzla og bókhald: | | | |
| a. Laun | 57100 | | |
| b. Annar kostnaður | 30000 | | |
| | | 87100 | |
| 4. Pappír, prentun og hefting ríkisreikninga | | 15000 | |
| 5. Til þess að gefa út stjórnartíðindi: | | | |
| a. Þóknun fyrir ritstjórn tíðindanna o. fl. | 1200 | | |
| b. Til pappírs og prentunar | 70000 | | |
| c. Til kostnaðar af sendingu með póstum | 4500 | | |
| | | 75700 | |
| 6. Til umbóta og viðhalds á stjórnarráðshúsinu og ráðherrabústaðnum og til hitunar og lýsingar | | 50000 | |
| 7. Fyrning á stjórnarráðshúsi og ráðherrabústað (sjá 20. gr.) | | 2046 | |
| | | | 659334 |
| II. Hagstofan: | | | |
| 1. Laun ásamt verðlagsuppbót | | 57000 | |
| 2. Pappír, prentun og hefting hagskýrslna | | 60000 | |
| 3. Prentun eyðublaða | | 5000 | |
| 4. Húsaleiga, hiti og ljós m. m. | | 10000 | |
| 5. Annar kostnaður | | 4000 | |
| | | | 136000 |
| III. Utanríkismál o. fl. | | | |
| 1. Til sendiráðs í Kaupmannahöfn: | | | |
| a. Laun sendifulltrúa | 8000 | | |
| b. Húsaleiga | 8500 | | |
| c. Kostnaður við embættið | 7500 | | |
| d. Til skrifstofuhalds | 22000 | | |
| | | 46000 | |
| Áætluð staðaruppbót til starfsmanna vegna aukinnar dýrtíðar | | 16000 | |
| | Flyt ... | 62000 | 795334 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 62000 | 795334 |
| 2. | Til sendiráðs í Stokkhólmi: | | |
| | a. Laun sendifulltrúa ..... 8000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 25600 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 18000 | | |
| | | 51600 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 10500 | |
| 3. | Til sendiráðs í London: | | |
| | a. Laun sendiherra ..... 10000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 28000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 45000 | | |
| | | 83000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 42000 | |
| 4. | Til sendiráðs í Washington: | | |
| | a. Laun sendiherra ..... 10000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 40000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 46000 | | |
| | | 96000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 48000 | |
| 5. | Til aðalræðismannsskrifst. í New York: | | |
| | a. Laun aðalræðismanns ..... 8000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 35000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 34000 | | |
| | | 77000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 38000 | |
| | | | 508100 |
| 6. | Kostnaður vegna samninga við erlend ríki ..... | | 60000 |
| | Samtals ... | . . . | 1363434 |

11. gr.

Til dómgæzlu, lögreglustjórnar o. fl. er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | A. | | |
| | Dómgæzla og lögreglustjórn. | | |
| 1. | Hæstiréttur: | | |
| | a. Laun ..... | 32000 | |
| | b. Annar kostnaður ..... | 30000 | |
| | | | 62000 |
| 2. | Laun bæjarfógeta, sýslumanna og lögreglustjóra .... | | 150400 |
| 3. | Laun hreppstjóra ..... | | 45000 |
| 4. | Skrifstofukostnaður lögmannsins í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 55500 | |
| | b. Húsaleiga, hiti, ljós og ræsting ..... | 9000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 10000 | |
| | | | 74500 |
| 5. | Skrifstofukostnaður tollstjórans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun og aðstoð ..... | 220000 | |
| | b. Húsaleiga, ljós og hiti ..... | 35000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 65000 | |
| | | | 320000 |
| | Flyt ... | . . . | 651900 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Flutt** ... | . . . | 651900 |
| 6. | Skrifstofukostnaður lögreglustjórans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 21000 | |
| | b. Ljós, hiti og ræsting ..... | 19000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 20000 | |
| | | | 60000 |
| 7. | Skrifstofukostnaður sakadómarans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 45600 | |
| | b. Annar kostnaður ..... | 33000 | |
| | c. Húsaleiga, ljós, hiti og ræsting ..... | 15800 | |
| | | | 94400 |
| 8. | Toll- og löggæzla: | | |
| | a. Í Reykjavík: | | |
| | 1. Laun og aðstoð ..... 160000 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 110000 | | |
| | | 270000 | |
| | b. Utan Reykjavíkur: | | |
| | 1. Laun ..... 54400 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 45500 | | |
| | | 99900 | |
| | c. Eftirlit á vegum: | | |
| | 1. Laun ..... 5400 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 16000 | | |
| | | 21400 | |
| | | | 391300 |
| 9. | Bifreiðaeftirlit: | | |
| | a. Laun ..... 28500 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 40000 | | |
| | | 68500 | |
| | ÷ Prófgjöld og skoðunargjöld ..... | 40000 | |
| | | | 28500 |
| 10. | Hluti ríkissjóðs af lögreglukostnaði ..... | | 550000 |
| 11. | Skrifstofukostnaður sýslumanna, bæjarfógeta og lögreglustjóra ..... | | 200220 |
| 12. | Til landhelgisgæzlu ..... | | 1250000 |
| 13. | Til hegningarhússins í Reykjavík og viðhaldskostnaðar fangahúsa ..... | | 30000 |
| | (Þar af fyrning 1770 kr., sjá 20. gr.). | | |
| 14. | Til vinnuhælisins á Litla-Hrauni: | | |
| | Rekstrarhalli ..... | | 150000 |
| | (Þar af fyrning 5300, sjá 20. gr.). | | |
| 15. | Kostnaður við sakamál og lögreglumál ..... | | 70000 |
| 16. | Til byggingar fangahúss á Akranesi ..... | | 15000 |
| 17. | Borgun til sjódómsmanna ..... | | 4000 |
| 18. | Til setu- og varadómara ..... | | 15000 |
| | **Flyt** ... | . . . | 3510320 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 3510320 |
| 19. | Löggildingarstofan: | | |
| | a. Laun ..... 22800 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 8700 | | |
| | c. Til áhaldakaupa ..... 1000 | | |
| | | 32500 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 32500 | |
| 20. | Kostnaður við sáttatilraunir í vinnudeilum ..... | | 12500 |
| 21. | Kostnaður við félagsdóm ..... | | 17600 |
| 22. | Kostnaður við ungmennaeftirlit ..... | | 30000 |
| 23. | Kostnaður við útlendingaeftirlit ..... | | 6000 |
| | Samtals A. ... | . . . | 3576420 |
| | B. | | |
| | Sameiginlegur kostnaður við embættisrekstur. | | |
| 1. | Burðareyrir og embættisskeyti: | | |
| | a. Endurgjald handa embættismönnum fyrir burðareyri undir embættisbréf ..... | 65000 | |
| | b. Fyrir embættisskeyti ..... | 250000 | |
| | | | 315000 |
| 2. | Brunaábyrgðar- og fasteignagjald nokkurra ríkisfasteigna ..... | | 4500 |
| 3. | Til embættiseftirlitsferða ..... | | 10000 |
| 4. | Gjöld til skattanefnda, yfirskattanefnda, skattstofu Reykjavíkur og fyrir skattvirðingar: | | |
| | a. Skattstofan í Reykjavík ..... 149065 | | |
| | ÷ hluti bæjarsjóðs ..... 49686 | | |
| | | 99379 | |
| | b. Skattanefndir ..... | 150000 | |
| | c. Fasteignamat ..... | 100000 | |
| | | | 349379 |
| 5. | Til ríkisskattanefndar ..... | | 40000 |
| 6. | Eyðublöð, bókband, auglýsingar o. fl. ..... | | 200000 |
| | Samtals B ... | . . . | 918879 |

12. gr.

Til læknaskipunar og heilbrigðimála er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| 1. | Laun ..... | | 227300 |
| 2. | Til skrifstofukostnaðar landlæknis, eftir reikningi .... | | 8000 |
| 3. | Styrkur til læknisvitjana handa sveitum, sem eiga sérstaklega erfiða læknissókn, eftir reikningum ..... | | 13550 |
| | Flyt ... | . . . | 248850 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 248850 |
| Í Borgarneshéraði: | | | |
| Kolbeinsstaðahreppur | 200 | | |
| Eyjahreppur | 200 | | |
| Í Ólafsvíkurhéraði: | | | |
| Staðarsveit | 200 | | |
| Breiðavíkurhreppur | 300 | | |
| Neshreppur utan Ennis | 300 | | |
| Í Stykkishólmshéraði: | | | |
| Eyrarsveit | 500 | | |
| Miklaholtshreppur | 200 | | |
| Skógarstrandarhreppur | 250 | | |
| Í Dalahéraði: | | | |
| Skarðs- og Klofningshreppur, 150 kr. til hvors | 300 | | |
| Fellsstrandarhreppur | 200 | | |
| Saurbæjarhreppur | 200 | | |
| Í Reykhólahéraði: | | | |
| Gufudalssveit | 250 | | |
| Í Flateyjarhéraði: | | | |
| Múlahreppur | 250 | | |
| Í Patreksfjarðarhéraði: | | | |
| Rauðasandshreppur | 150 | | |
| Barðastrandarhreppur | 150 | | |
| Í Flateyrarhéraði: | | | |
| Suðureyrarhreppur | 300 | | |
| Í Ögurhéraði: | | | |
| Reykjarfjarðarhreppur, Nauteyrarhreppur og Snæfjallahreppur | 750 | | |
| Styrkurinn skiptist milli nefndra hreppa í hlutfalli við kostnað þeirra við læknisvitjanir. | | | |
| Í Hesteyrarhéraði: | | | |
| Grunnavíkurhreppur | 300 | | |
| Sléttuhreppur | 300 | | |
| Í Reykjarfjarðarhéraði: | | | |
| Árneshreppur (sé héraðið læknislaust) | 600 | | |
| Í Hólmavíkurhéraði: | | | |
| Óspakseyrarhreppur | 200 | | |
| Í Miðfjarðarhéraði: | | | |
| Bæjarhreppur | 300 | | |
| Í Blönduóshéraði: | | | |
| Vindhælishreppur fyrir norðan Björg | 200 | | |
| Í Sauðárkrókshéraði: | | | |
| Skefilsstaðahreppur | 200 | | |
| Í Hofsóshéraði: | | | |
| Haganeshreppur | 150 | | |
| Holtshreppur | 150 | | |
| Í Húsavíkurhéraði | | | |
| Flateyjarhreppur | 200 | | |
| | Flyt ... | 7300 | . . . 248850 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 7300 | . . . | 248850 |
| Grímseyjarhreppur ..... | 400 | | |
| Í Öxarfjarðarhéraði: | | | |
| Fjallahreppur ..... | 200 | | |
| Keldunesshreppur ..... | 300 | | |
| Presthólahreppur, til læknisvitjana af Austur-Sléttu ..... | 300 | | |
| Styrkur til þess að hafa lækni á Raufarhöfn um síldveiðitímann ..... | 1000 | | |
| Í Þistilfjarðarhéraði: | | | |
| Sauðaneshreppur, vegna læknisvitjana frá Skálum og nágrenni þeirra ..... | 200 | | |
| Skeggjastaðahreppur ..... | 200 | | |
| Í Hróarstunguhéraði: | | | |
| Borgarfjarðarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Fljótsdalshéraði: | | | |
| Jökuld.hr. (vegna byggðar í Möðrudalsheiði) | 200 | | |
| Í Seyðisfjarðarhéraði: | | | |
| Loðmundarfjarðarhreppur ..... | 150 | | |
| Í Norðfjarðarhéraði: | | | |
| Mjóifjörður ..... | 300 | | |
| Í Fáskrúðsfjarðarhéraði: | | | |
| Stöðvarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Berufjarðarhéraði: | | | |
| Breiðdalshreppur ..... | 300 | | |
| Í Hornafjarðarhéraði: | | | |
| Hofshreppur ..... | 400 | | |
| Í Síðuhéraði: | | | |
| Skaftártunguhreppur ..... | 300 | | |
| Álftavershreppur ..... | 250 | | |
| Leiðvallarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Mýrdalshéraði: | | | |
| Austur-Eyjafjallahreppur ..... | 200 | | |
| Í Rangárhéraði: | | | |
| Vestur-Eyjafjallahreppur ..... | 200 | | |
| Í Eyrarbakkahéraði: | | | |
| Selvogshreppur og Hlíðarbæir í Ölfusi .... | 250 | | |
| Í Grímsneshéraði: | | | |
| Þingvallahreppur ..... | 200 | | |
| Samtals ... | 13550 | | |
| 4. Til augnlækningaferða samkv. l. nr. 12 1934 ..... | | | 2400 |
| 5. Styrkur til háls-, nef- og eyrnalæknis Ólafs Þorsteinssonar í Reykjavík ..... | | | 1000 |
| Styrkur Ólafs læknis Þorsteinssonar er bundinn því skilyrði, að hann segi stúdentum í læknadeild háskólans til í sinni sérfræði og veiti fátæku fólki ókeypis læknishjálp á tilteknum stað, ekki sjaldnar en 4 sinnum á mánuði, og gefi skýrslu um það. | | | |
| Flyt ... | | . . . | 252250 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Flutt ...** | . . . | 252250 |
| 6. | **Landsspítalinn:** | | |
| | A. Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 335000 | |
| | 2. Matvörur ..... | 480000 | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... | 38000 | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... | 62000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 99000 | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... | 50000 | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... | 30000 | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 25000 | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... | 15000 | |
| | 10. Skattar og tryggingar ..... | 10000 | |
| | 11. Röntgenfilmur og áhöld ..... | 75000 | |
| | 12. Ýmis gjöld ..... | 16000 | |
| | 13. Fyrning ..... | 25000 | |
| | | 1260000 | |
| | Þar frá dregst: | | |
| | 1. Daggjöld (45000 × 15 + 6000 × 12) .. | 747000 | |
| | 2. Geislalækningar ..... | 130000 | |
| | 3. Aðrar tekjur ..... | 10000 | |
| | | 887000 | |
| | Rekstrarhalli ... | 373000 | |
| | B. Til ljósmæðra- og hjúkrunarkvennaskólans, þar í fæði ljósmæðranema ..... | 28000 | |
| | | | 401000 |
| 7. | **Geðveikrahælið á Kleppi:** | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 190000 | |
| | 2. Matvörur ..... | 495000 | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... | 18000 | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... | 95000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 48000 | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... | 40000 | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... | 20000 | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 36000 | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... | 8000 | |
| | 10. Skattar og tryggingar ..... | 6000 | |
| | 11. Flutningskostnaður ..... | 10000 | |
| | 12. Ýmis gjöld ..... | 15000 | |
| | 13. Fyrning ..... | 15000 | |
| | | 996000 | |
| | Tekjur: | | |
| | Daggjöld sjúklinga, 78000 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | 936000 | |
| | Rekstrarhalli ... | | 60000 |
| | **Flyt ...** | . . . | 713250 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | ... | 713250 |
| 8. | Heilsuhælið á Vífilsstöðum: | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 162000 | |
| | 2. Matvörur ..... | 546000 | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... | 20000 | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... | 90000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 56000 | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... | 60000 | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... | 20000 | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 15000 | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... | 12000 | |
| | 10. Skattar og tryggingar ..... | 3000 | |
| | 11. Flutningskostnaður ..... | 10000 | |
| | 12. Röntgenfilmur og áhöld ..... | 4000 | |
| | 13. Ýmis gjöld ..... | 12000 | |
| | 14. Fyrning ..... | 15000 | |
| | | | 1025000 |
| | Þar frá dragast þessar tekjur: | | |
| | Daggjöld sjúklinga, 71000 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | | 852000 |
| | Rekstrarhalli ... | | 173000 |
| 9. | Heilsuhælið í Kristnesi: | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 70000 | |
| | 2. Matvæli ..... | 182000 | |
| | 3. Lyf og hjúkrunargögn ..... | 12000 | |
| | 4. Ljós og hiti ..... | 25000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 10000 | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... | 20000 | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... | 15000 | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 5000 | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... | 4000 | |
| | 10. Flutningskostnaður ..... | 7000 | |
| | 11. Röntgenfilmur og áhöld ..... | 2000 | |
| | 12. Ýmis gjöld ..... | 8000 | |
| | 13. Fyrning ..... | 7200 | |
| | | | 367200 |
| | Þar frá dragast þessar tekjur: | | |
| | Daggjöld sjúklinga, 25400 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | | 304800 |
| | Rekstrarhalli ... | | 62400 |
| 10. | Holdsveikraspítalinn í Kópavogi: | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 24000 | |
| | 2. Matvörur ..... | 40000 | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... | 2500 | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... | 8000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 2000 | |
| | Flyt ... | 76500 | ... 948650 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 76500 | . . . | 948650 |
| 6. Viðhald fasteigna ..... | 2000 | | |
| 7. Viðhald lausra muna ..... | 2000 | | |
| 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 2000 | | |
| 9. Sími og skrifstofa ..... | 1200 | | |
| 10. Skattar og tryggingar ..... | 500 | | |
| 11. Flutningskostnaður ..... | 800 | | |
| 12. Ýmis gjöld ..... | 2500 | | |
| 13. Fyrning ..... | 2000 | | |
| | | 89500 | |
| Rekstrarhalli ... | | | 89500 |
| 11. Til vinnuskólans á Kleppjárnsreykjum ..... | | | 59000 |
| 12. Til athugunarstöðvar barnaverndar ..... | | | 45000 |
| 13. Önnur gjöld: | | | |
| a. Styrkur til að reisa læknisbústaði og sjúkraskýli. .. | | 160000 | |
| b. Til greiðslu vaxta af skuldum vegna læknisbústaða, í Reykhólahéraði 1200 kr., í Ögurhéraði, Dalahéraði, Hesteyrarhéraði og Hróarstunguhéraði 900 kr. til hvers ..... | | 4800 | |
| c. Rekstrarstyrkur til sjúkrahúsa: | | | |
| 1. Til sjúkrahúsanna á Ísafirði, Akureyri og Seyðisfirði 100 kr. á rúm ..... | 12900 | | |
| 2. Til sömu sjúkrahúsa og sjúkrahússins á Siglufirði ..... | 30000 | | |
| | | 42900 | |
| Upphæð þessi skiptist á milli sjúkrahúsanna í hlutfalli við eðlilegan halla af vist innlendra utansveitarsjúklinga, enda samþykki heilbrigðisstjórnin daggjöld þeirra. | | | |
| d. Bólusetningarkostnaður ..... | | 7000 | |
| e. Gjöld samkv. lögum nr. 66 19. júní 1933, um varnir gegn útbreiðslu næmra sjúkdóma ..... | | 25000 | |
| f. Gjöld samkv. lögum nr. 65 19. júní 1933, um varnir gegn því, að næmir sjúkdómar berist til Íslands .. | | 2000 | |
| g. Til kynsjúkdómalæknis ..... | | 6600 | |
| h. Kostnaður við heilbrigðieftirlit lækna með alþýðuskólum ..... | | 9000 | |
| i. Til annarra heilbrigðiráðstafana ..... | | 2000 | |
| j. Styrkur til heilsuverndarstöðva í kaupstöðum, gegn tvöföldu framlagi annars staðar að ..... | | 80000 | |
| Heilsuverndarstöð, sem styrks vill verða aðnjótandi, skal reka berklavarnarstarfsemi undir yfirstjórn og eftirliti berklayfirlæknis ríkisins og haga störfum sínum öllum eftir reglum, er heilbrigðistjórnin samþykkir. | | | |
| k. Styrkur til Súgfirðinga til að hafa lærða hjúkrunarkonu ..... | | 1000 | |
| Flyt ... | | 340300 | 1142150 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 340360 | 1142150 |
| l. Styrkur handa Flatey á Skjálfanda til þess að hafa lærða hjúkrunarkonu ..... | 1000 | |
| m. Viðbótarlaun yfirsetukonu í Grímsey, gegn jafnmikilli launabót annars staðar að ..... | 300 | |
| n. Til Halldórs Arnórssonar umbúðasmiðs ..... | 3000 | |
| o. Til ýmissa sjúklinga, eftir úthlutun landlæknis .. | 15000 | |
| | | 359600 |
| 14. Hluti ríkissjóðs af launum ljósmæðra ..... | | 70000 |
| Samtals ... | . . . | 1571750 |

13. gr.

Til samgöngumála er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| A. | | | |
| Vegamál. | | | |
| I. Stjórn og undirbúningur vegagerða: | | | |
| 1. Laun vegamálastjóra ..... enda sé hann ráðunautur stjórnarinnar í vatnamálum. | | 7200 | |
| 2. Laun aðstoðarverkfræðings ..... | | 7200 | |
| 3. Laun skrifstofustjóra ..... | | 7200 | |
| 4. Til aðstoðarmanna og mælinga og ferðakostnaður verkfræðinga ..... | | 125000 | |
| 5. Skrifstofukostnaður ..... | | 35000 | |
| | | | 181600 |
| II. Þjóðvegir. | | | |
| a. Til nýrra akvega: | | | |
| 1. Hafnarfjallsvegur ..... | 70000 | | |
| 2. Lundarreykjadalsvegur ..... | 5000 | | |
| 3. Bæjarsveitarvegur ..... | 12000 | | |
| 4. Hálsasveitarvegur ..... | 5000 | | |
| 5. Álftaneshreppsvegur ..... | 15000 | | |
| 6. Hraunhreppsvegur ..... | 8000 | | |
| 7. Útnesvegur ..... | 40000 | | |
| 8. Ólafsvíkurvegur ..... | 40000 | | |
| 9. Stykkishólmsvegur ..... | 40000 | | |
| 10. Dalasýsluvegur ..... | 30000 | | |
| 11. Klofningsvegur ..... | 8000 | | |
| 12. Laxárdalsvegur ..... | 8000 | | |
| 13. Barðastrandarvegur ..... | 25000 | | |
| 14. Tálknafjarðarvegur ..... | 8000 | | |
| 15. Hjarðardalsvegur ..... | 6000 | | |
| 16. Súgandafjarðarvegur ..... | 12000 | | |
| 17. Súðavíkurvegur ..... | 8000 | | |
| Flyt ... | 340000 | . . . | 181600 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 340000 | . . . 181600 |
| 18. | Strandasýsluvegur ..... | 40000 | |
| 19. | Vesturhópsvegur ..... | 6000 | |
| 20. | Húnvetningabraut í V.-Húnavatnss .. | 20000 | |
| 21. | Skagastrandarvegur ..... | 30000 | |
| 22. | Þverárfjallsvegur ..... | 6000 | |
| 23. | Vatnsskarðsvegur ..... | 80000 | |
| 24. | Gönguskarðsvegur ..... | 8000 | |
| 25. | Blönduhlíðarvegur ..... | 10000 | |
| 26. | Út-Blönduhlíðarvegur ..... | 30000 | |
| 27. | Hofsósvegur ..... | 35000 | |
| 28. | Fljótavegur og Siglufjarðarskarð .... | 90000 | |
| 29. | Stiflu- og Ólafsfjarðarvegur ..... | 15000 | |
| 30. | Öxnadalsheiðarvegur ..... | 80000 | |
| 31. | Ljósavatnsskarðsvegur ..... | 15000 | |
| 32. | Kinnarbraut ..... | 15000 | |
| 33. | Bárðardalsvegur ..... | 8000 | |
| 34. | Tjörnesvegur ..... | 5000 | |
| 35. | Kelduhverfisvegur ..... | 12000 | |
| 36. | Kópaskersvegur ..... | 10000 | |
| 37. | Öxarfjarðarheiðarvegur ..... | 15000 | |
| 38. | Brekknaheiðarvegur ..... | 15000 | |
| 39. | Vopnafjarðarvegur ..... | 8000 | |
| 40. | Hróarstunguvegur ..... | 7000 | |
| 41. | Bakkafjarðarvegur ..... | 5000 | |
| 42. | Upphéraðsvegur ..... | 6000 | |
| 43. | Úthéraðsvegur ..... | 15000 | |
| 44. | Borgarfjarðarvegur ..... | 6000 | |
| 45. | Fjarðarheiðarvegur ..... | 25000 | |
| 46. | Eskifjarðarvegur ..... | 12000 | |
| 47. | Fáskrúðsfjarðarvegur ..... | 20000 | |
| 48. | Beruness- og Breiðdalsvegur ..... | 30000 | |
| 49. | Geithellnahreppsvegur ..... | 8000 | |
| 50. | Austur-Skaftafellssýsluvegur ..... | 25000 | |
| 51. | Skaftártunguvegur ..... | 20000 | |
| 52. | Síðuvegur ..... | 15000 | |
| 53. | Meðallandsvegur ..... | 8000 | |
| 54. | Mýrdalsvegur ..... | 20000 | |
| 55. | Eyjafjallavegur ..... | 20000 | |
| 56. | Hvolhreppsvegur ..... | 25000 | |
| 57. | Rangárvallavegur ..... | 8000 | |
| 58. | Miðeyjarvegur ..... | 15000 | |
| 59. | Landvegur ..... | 15000 | |
| 60. | Hrunamannahreppsvegur ..... | 20000 | |
| 61. | Gnúpverjahreppsvegur ..... | 20000 | |
| | | | 1238000 |
| b. | Viðhald og endurbætur ..... | | 3300000 |
| | Flyt ... | | 4538000 181600 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 4538000 | 181600 |
| c. | Til þjóðvega af benzínskatti: | | |
| 1. | Til Hafnarfjallsvegar ..... 30000 | | |
| 2. | — Stykkishólmsvegar ..... 20000 | | |
| 3. | — Dalasýsluvegar ..... 10000 | | |
| 4. | — Vestfjarðavegar ..... 100000 | | |
| 5. | — Barðastrandarvegar ..... 25000 | | |
| 6. | — Húnvetningabrautar ..... 15000 | | |
| 7. | — Fljótavegar og Siglufjarðarskarðs 60000 | | |
| 8. | — vega í Vestmannaeyjum ..... 10000 | | |
| 9. | — Vatnsskarðsvegar ..... 180000 | | |
| 10. | — Ljósavatnsskarðsvegar ..... 25000 | | |
| 11. | — Öxnadalsheiðar- og Öxnadalsvegar 180000 | | |
| 12. | — Austurlandsvegar ..... 35000 | | |
| | | 690000 | |
| | | | 5228000 |
| III. | Til brúargerða ..... | | 150000 |
| IV. | Fjallvegir ..... | | 60000 |
| V. | 1. Til áhalda ..... | 400000 | |
| | 2. Til bókasafns verkamanna ..... | 2000 | |
| | | | 402000 |
| VI. | Til sýsluvega: | | |
| | 1. Tillög til akfærra sýsluvega, allt að ..... gegn að minnsta kosti jafnmiklu tillagi annars staðar að og öðrum þeim skilyrðum, sem atvinnumálaráðherra setur. | 50000 | |
| | 2. Til akfærra sýsluvega af bifreiðaskatti ..... | 50000 | |
| | 3. Til sýsluvegasjóða eftir lögum nr. 10 1923 ..... | 250000 | |
| | | | 350000 |
| VII. | Til malbikunar á vegum í kaupstöðum og verzlunarstöðum af bifreiðaskatti ..... | | 40000 |
| VIII. | Til ferjuhalds, eftir úthlutun vegamálastjóra ..... | | 7000 |
| IX. | Styrkur til þess að halda uppi vetrarflutningum: | | |
| | a. Hellisheiði ..... | 15000 | |
| | b. Holtavörðuheiði ..... | 5000 | |
| | | | 20000 |
| X. | Styrkur til þess að halda uppi byggð og gistingu handa ferðamönnum ..... | | 11000 |
| | Atvinnumálaráðuneytið veitir styrkinn ábúendum á afskekktum bæjum í þjóðbraut. | | |
| XI. | Til fyrrverandi vegaverkstjóra, eftir tillögum vegamálastjóra ..... | | 3000 |
| XII. | Iðgjöld til slysatryggingarinnar ..... | | 35000 |
| XIII. | Fyrning áhaldahússins (sjá 20. gr.) ..... | | 552 |
| | Samtals A. ... | . . . | 6488152 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| **B.** | | |
| **Samgöngur á sjó.** | | |
| 1. Til strandferða: | | |
| a. Ríkissjóðs ..... | 1600000 | |
| (Þar af fyrning kr. 105000, sjá 20. gr.). | | |
| b. Eimskipafélags Íslands ..... | 82000 | |
| enda haldi félagið uppi siglingum í sama horfi sem áður og með eigi minna skipastól, ef efnahagur þess leyfir. | | |
| c. Til vöruflutninga í Skaftafellssýslu ..... | 10000 | |
| | | 1692000 |
| 2. Til bátaferða á flóum, fjörðum og vötnum ..... | | 136300 |
| Skipaútgerð ríkisins hefur yfirumsjón með ferðum flóabáta, sem fara eftir fastri áætlun. Skilyrði fyrir greiðslu styrksins er, að fyrir liggi efnahags- og rekstrarreikningur 1942 frá útgerð þessara báta, ef styrkupphæð til þeirra það ár hefur numið yfir 1000 kr. Ferðaáætlun 1943 og flutningsgjaldskrá sé samþykkt af póst- og símamálastjórninni og skipaútgerð ríkisins og reikningar ársins sendir henni, enda athugi hún, hversu rík sé þörf á ferðum hvers þess báts, er styrks nýtur úr ríkissjóði. Skip og bátar, sem njóta styrks úr ríkissjóði, eru skyldir til að flytja póst endurgjaldslaust, sé þess krafizt. | | |
| Samtals B. ... | . . . | 1828300 |
| **C.** | | |
| **Vitamál og hafnargerðir.** | | |
| I. Stjórn og undirbúningur vita- og hafnarmála: | | |
| 1. Laun vitamálastjóra ..... | 7200 | |
| Þar af 1200 kr. persónuleg launaviðbót. | | |
| Hann sé umsjónarmaður vitamála og hafnargerða og ókeypis ráðunautur ríkisstjórnar, héraðsstjórna og bæja í öllu því, er varðar vitamál og hafna. | | |
| 2. Laun aðstoðarverkfræðings ..... | 7200 | |
| 3. Húsaleiga, ljós og hiti ..... | 14000 | |
| 4. Til skrifstofuhalds, eftir reikningi ..... | 18000 | |
| 5. Ferðakostnaður og fæðispeningar, eftir reikningi | 10000 | |
| 6. Til aðstoðarmanna og mælinga ..... | 18000 | |
| | | 74400 |
| II. Laun vitavarða, þar af uppbót á laun vitavarðar á Gróttu 300 kr. ..... | | 36000 |
| III. Rekstrarkostnaður vitanna ..... | | 350000 |
| IV. Viðhald og endurbætur ..... | | 75000 |
| V. Sjómerki, þar með talið viðhald sæluhúsa ..... | | 25000 |
| VI. Til áhaldakaupa ..... | | 200000 |
| Flyt ... | . . . | 760400 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 760400 |
| VII. Ýmislegt ..... | | 50000 |
| VIII. Til hafnargerða: | | |
| 1. Á Húsavík ..... | 18000 | |
| 2. — Skagaströnd ..... | 50000 | |
| 3. — Sauðárkróki, 9. greiðsla af 12 ..... | 25000 | |
| 4. — Raufarhöfn, til dýpkunar, 3. greiðsla af 9 .... | 10000 | |
| 5. — Dalvík ..... | 50000 | |
| 6. Í Hafnarfirði ..... | 100000 | |
| 7. Á Hofsósi, lokagreiðsla ..... | 8000 | |
| | | 261000 |
| IX. Til brimbrjótsins í Bolungarvík ..... | | 3000 |
| X. Til sjómælinga ..... | | 75000 |
| XI. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | | 80000 |
| Samtals C. ... | . . . | 1229400 |
| D. | | |
| Til flugmála ..... | | 50000 |
| Samtals D. ... | . . . | 50000 |

14. gr.

Til kirkju- og kennslumála er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| A. | | |
| Kirkjumál. | | |
| a. Biskupsdæmið: | | |
| 1. Laun biskups ..... | 7000 | |
| 2. Húsaleigustyrkur ..... | 3000 | |
| 3. Skrifstofukostnaður ..... | 12000 | |
| | | 22000 |
| Flyt ... | . . . | 22000 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 22000 |
| b. Önnur gjöld: | | |
| 1. Viðbót við eftirlaun þau, er fátækir uppgjafaprestar og prestsekkjur njóta samkvæmt lögum ..... | 8000 | |
| 2. Framlag til prestlaunasjóðs ..... | 320000 | |
| 3. Til dómkirkjuprestsins í Reykjavík, fyrir skýrslugerðir ..... | 1500 | |
| 4. Embættiskostnaður presta ..... | 65000 | |
| 5. Til húsabóta á prestssetrum ..... | 60000 | |
| 6. Til endurbóta á gömlum íbúðarhúsum á prestssetrum | 48000 | |
| 7. Kostnaður við kirkjuráð, samkv. lögum nr. 21 1931 | 500 | |
| 8. Til að gefa út ársskýrslu þjóðkirkjunnar ..... | 500 | |
| 9. Til söngmálastjóra þjóðkirkjunnar ..... | 9480 | |
| | | 512980 |
| Samtals A. ... | . . . | 534980 |
| B. Kennslumál. | | |
| I. Háskólinn: | | |
| 1. Laun ..... | 137000 | |
| Þar af til Júlíusar Sigurjónssonar og Kristins Stefánssonar 2400 kr. til hvors | | |
| 2. Til kennslu í augnlækningum (Kjartan Ólafsson) | 1000 | |
| 3. Til kennslu í réttarlæknisfræði ..... | 1000 | |
| 4. Til kennslu í söng ..... | 800 | |
| 5. Til móttöku erlendra vísindamanna ..... | 2000 | |
| 6. Til bókavörzlu ..... | 6000 | |
| 7. Til rannsóknarstofu í líffæra- og lífeðlisfræði .. | 11000 | |
| 8. Til áhaldakaupa handa læknadeild háskólans .. | 5000 | |
| 9. Námsstyrkur ..... | 35000 | |
| 10. Húsaleigustyrkur ..... | 15000 | |
| 11. Til kennslu í efnafræði ..... | 1600 | |
| 12. Hiti, ljós, ræsting og vélgæzla ..... | 64000 | |
| 13. Til kennslu í verkfræði ..... | 12000 | |
| 14. Til að setja á stofn rannsóknarstofu í eðlisfræði, lokagreiðsla ..... | 4000 | |
| 15. Ferðakostnaður vegna stúdentaskipta ..... | 750 | |
| 16. Ýmis gjöld ..... | 30000 | |
| 17. Til stúdentaráðs háskólans til þess að starfrækja leiðbeiningaskrifstofu undir stjórn Lúðvigs Guðmundssonar ..... | 3500 | |
| 18. Til dr. Simonar Jóh. Ágústssonar til að flytja fyrirlestra í uppeldisfræði og sálarfræði við háskólann ..... | 2500 | |
| 19. Til Björns Guðfinnssonar til kennslu í setningafræði og málfræði nútímaíslenzku ..... | 6600 | |
| 20. Til dr. Eiríks Albertssonar til fyrirlestrahalds við guðfræðideild ..... | 2000 | |
| Flyt ... | 340750 | |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 340750 | |
| 21. | Til sendikennara í þýzku ... | 3000 | |
| 22. | Til sendikennara í frakknesku ... | 3000 | |
| 23. | Til sendikennara í ensku ... | 3000 | |
| 24. | Laun dyravarðar ... | 3000 | |
| 25. | Til tímakennslu í viðskiptafræði ... | 4000 | |
| 26. | Til rannsóknarstofu í lyfjafræði ... | 3000 | |
| 27. | Til rannsóknarstofu í heilsufræði ... | 3000 | |
| 28. | Til aukakennara í lögfræði ... | 1800 | |
| 29. | Til íþróttakennslu (áhöld og húsnæði) ... | 4000 | |
| 30. | Til greiðslu kostnaðar við að stofna til kennslu í náttúrufræðum ... | 53000 | |
| | | | 421550 |
| II. | Námsstyrkur erlendis: | | |
| a. | Til íslenzkra stúdenta í erlendum háskólum ... | 90000 | |
| b. | Námsstyrkur samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs ... | 100000 | |
| c. | Námsstyrkur samkv. þál. 30/4 1942 ... | 100000 | |
| | | | 290000 |
| III. | Fræðslumálastjórnin: | | |
| 1. | Föst laun ... | 27100 | |
| 2. | Persónuleg launauppbót til fræðslumálastjóra og skrifstofustjóra, kr. 1500 til hvors ... | 3000 | |
| 3. | Skrifstofu- og ferðakostnaður ... | 18000 | |
| | | | 48100 |
| IV. | Menntaskólinn í Reykjavík: | | |
| a. | Laun ... | 75525 | |
| b. | Önnur gjöld: | | |
| 1. | Til bókasafns skólans ... 2000 | | |
| 2. | Til eldiviðar, ljósa og ræstingar ... 40000 | | |
| 3. | Til viðhalds ... 15000 | | |
| 4. | Til stundakennslu, allt að ... 60000 | | |
| 5. | Náms- og húsaleigustyrkur ... 4675 | | |
| 6. | Til kennslutækja ... 3000 | | |
| 7. | Ýmisleg útgjöld ... 10000 | | |
| 8. | Til verðlaunabóka ... 400 | | |
| 9. | Vegna kostnaðar við skólastjórn ... 2000 | | |
| 10. | Til bókasafnsins Íþöku ... 200 | | |
| 11. | Fyrning (sjá 20. gr.) ... 3540 | | |
| | | 140815 | |
| | Húsaleigustyrk og námsstyrk má aðeins veita efnilegum, reglusömum og efnalitlum nemendum. Húsaleigustyrkur sé venjulega aðeins veittur utanbæjarmönnum, og að námsstyrk gangi utanbæjarmenn fyrir innanbæjarmönnum, að öðru jöfnu. | | 216340 |
| V. | Menntaskólinn á Akureyri: | | |
| a. | Laun ... | 70600 | |
| b. | Önnur gjöld: | | |
| 1. | Til aukakennara og stundakennslu .. 50000 | | |
| 2. | Vegna kostnaðar við skólastjórn .... 2000 | | |
| | Flyt ... 52000 | 70600 | 975990 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 52000 | 70600 | 975990 |
| 3. Til bóka og kennsluáhalda ..... | 2500 | | |
| 4. Til eldiviðar og ljósa ..... | 40000 | | |
| 5. Námsstyrkur ..... | 3000 | | |
| Utanbæjarnemendur gangi fyrir innanbæjarnemendum, að öðru jöfnu. | | | |
| 6. Til dyravörzlu ..... | 3000 | | |
| 7. Til viðhalds og endurbóta ..... | 10000 | | |
| 8. Til ýmislegra gjalda ..... | 10000 | | |
| 9. Til verðlaunabóka ..... | 400 | | |
| 10. Kostnaður við aukið húsnæði ..... | 4000 | | |
| 11. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 3160 | | |
| | | 128060 | |
| VI. Kennaraskólinn: | | | 198660 |
| a. Laun ..... | | 30600 | |
| b. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Stundakennsla ..... | 24000 | | |
| 2. Eldiviður og ljós ..... | 10000 | | |
| 3. Bókakaup og áhöld ..... | 3000 | | |
| 4. Námsstyrkur ..... | 3000 | | |
| Utanbæjarnemendur gangi að styrk fyrir innanbæjarnemendum, að öðru jöfnu. | | | |
| 5. Til viðhalds ..... | 6000 | | |
| 6. Ýmisleg gjöld ..... | 14000 | | |
| 7. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 1090 | | |
| | | 61090 | |
| VII. Stýrimannaskólinn: | | | 91690 |
| a. Laun ..... | | 19100 | |
| b. Húsaleiga skólastjóra ..... | | 3000 | |
| c. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til stundakennslu ..... | 32900 | | |
| 2. Til eldiviðar og ljósa ..... | 4000 | | |
| 3. Til Sveinbjarnar Egilson, til fyrirlestra | 450 | | |
| 4. Ýmisleg gjöld ..... | 10000 | | |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 2000 | | |
| 6. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 700 | | |
| 7. Til námskeiða í siglingafræði utan Reykjavíkur ..... | 28000 | | |
| | | 78050 | |
| VIII. Vélstjóraskólinn: | | | 100150 |
| a. Laun ..... | | 13600 | |
| b. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til stundakennslu ..... | 12500 | | |
| 2. Húsnæði skólastjóra og skrifstofu skólans ..... | 3000 | | |
| 3. Ljós, hiti og ræsting ..... | 3000 | | |
| 4. Ýmis gjöld ..... | 1000 | | |
| Flyt ... | 19500 | 13600 | 1366490 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 19500 | 13600 | 1366490 |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 500 | | |
| 6. Kostnaður við burtfararpróf ..... | 1800 | | |
| | | 21800 | |
| IX. Bændakennsla: | | | 35400 |
| 1. Til bændaskólans á Hólum: | | | |
| a. Laun ..... | | 11200 | |
| b. Til smíða-, leikfimi- og dráttlistarkennslu .. | | 4000 | |
| c. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til verklegs náms ..... | 5000 | | |
| 2. Til kennsluáhalda ..... | 1500 | | |
| 3. Til eldiviðar og ljósa ..... | 15000 | | |
| 4. Til viðhalds ..... | 3000 | | |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 7500 | | |
| 6. Ýmisleg gjöld ..... | 3000 | | |
| | | 35000 | |
| d. Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... | | 1226 | |
| | | | 51426 |
| 2. Til bændaskólans á Hvanneyri: | | | |
| a. Laun ..... | | 10500 | |
| b. Til smíða- og leikfimikennslu ..... | | 1500 | |
| c. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til verklegs náms ..... | 6000 | | |
| 2. Til kennsluáhalda ..... | 1000 | | |
| 2. Til eldiviðar og ljósa ..... | 20000 | | |
| 4. Til viðhalds ..... | 5000 | | |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 7500 | | |
| 6. Ýmisleg gjöld ..... | 5000 | | |
| 7. Til byggingar kennarabústaða .... | 8000 | | |
| 8. Til verkfærasafns ..... | 1000 | | |
| | | 53500 | |
| d. Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... | | 2300 | |
| | | | 67800 |
| 3. Garðyrkjuskólinn á Reykjum: | | | |
| a. Laun ..... | | 10300 | |
| b. Til smíða-, leikfimi- og sundkennslu ..... | | 1600 | |
| c. Til matreiðslukennslu ..... | | 500 | |
| d. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til bókasafns ..... | 600 | | |
| 2. Til kennsluáhalda ..... | 2000 | | |
| 3. Til viðhalds ..... | 3000 | | |
| 4. Ýmis gjöld ..... | 3000 | | |
| 5. Vextir ..... | 2750 | | |
| 6. Til gróðurhúsbygginga ..... | 20000 | | |
| | | 31350 | |
| e. Fyrning ..... | | 2800 | |
| | | | 46550 |
| X. Iðnfræðsla: | | | |
| a. Til iðnaðarmannafélagsins í Reykjavík, til þess að reka iðnskóla í Reykjavík, undir yfirumsjón ríkisstjórnarinnar ..... | | 6500 | |
| **Flyt ...** | | 6500 | 1567666 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 6500 | 1567666 |
| b. | Til iðnaðarmannafélagsins á Akureyri, til kvöldskólahalds ..... | 2000 | |
| c. | Til iðnaðarmannafélags á Ísafirði, til skólahalds | 1500 | |
| d. | Til iðnaðarmannafél. á Akranesi, til skólahalds | 1200 | |
| e. | Til iðnaðarmannafélagsins í Hafnarfirði, til kvöldskólahalds ..... | 1700 | |
| f. | Til iðnaðarmannafélagsins í Vestmannaeyjum, til kvöldskólahalds ..... | 1700 | |
| g. | Til iðnaðarmannafél. á Siglufirði, til skólahalds | 1200 | |
| h. | Til iðnaðarmannafélagsins á Seyðisfirði, til kvöldskólahalds ..... | 900 | |
| i. | Til iðnaðarmannafél. á Eyrarbakka, til skólahalds | 800 | |
| j. | Til iðnaðarmannafélagsins í Neskaupstað, til iðnskólahalds ..... | 1200 | |
| k. | Til iðnaðarmannafélagsins á Patreksfirði, til iðnskólahalds ..... | 800 | |
| | Styrkur til þessara 11 skóla má þó ekki fara yfir ⅓ rekstrarkostnaðar. | | |
| | Skólar þessir skulu senda ráðuneytinu skýrslu um starf sitt. | | |
| l. | Til verklegs framhaldsnáms erlendis ..... | 6000 | |
| | | | 25500 |
| XI. | Verzlunarskólar o. fl.: | | |
| a. | Til verzlunarskóla Íslands ..... | 10000 | |
| b. | Til samvinnuskólans ..... | 7500 | |
| c. | Kostnaður við próf löggiltra endurskoðenda, sbr. lög nr. 9 1926 ..... | 500 | |
| | | | 18000 |
| XII. | Til kvennaskólans í Reykjavík: | | |
| a. | Húsnæðisstyrkur ..... | 5000 | |
| b. | Rekstrarstyrkur ..... | 50000 | |
| c. | 60 kr. fyrir hverja námsmey, sem er allt skólaárið, allt að ..... | 7200 | |
| d. | Námsstyrkur til sveitastúlkna ..... | 2500 | |
| e. | Til viðgerðar á skólahúsinu ..... | 10000 | |
| f. | Til nemendasambands skólans, í byggingarsjóð leikfimishúss ..... | 30000 | |
| | Skólinn stendur undir yfirumsjón ríkisstjórnarinnar. | | |
| | | | 104700 |
| XIII. | Almenn barnafræðsla: | | |
| 1. | Laun kennara í föstum skólum og dýrtíðaruppbót | 700000 | |
| 2. | Laun farkennara og dýrtíðaruppbót ..... | 140000 | |
| 3. | Til aukakennslu og eftirlits með heimafræðslu, með sömu skilyrðum sem verið hefur ..... | 15000 | |
| 4. | Til kennslueftirlits ..... | 50000 | |
| 5. | Til framkvæmda sundskyldu í barnaskólum samkvæmt tillögum íþróttafulltrúa ..... | 25000 | |
| 6. | Til ferðakennslu í íþróttum ..... | 6000 | |
| | Flyt ... | 936000 | 1715866 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 936000 | 1715866 |
| 7. | Styrkur til byggingar barnaskóla utan kaupstaða ..... | 190000 | |
| 8. | Til fyrrverandi barnakennara, eftir tillögum fræðslumálastjóra ..... | 10000 | |
| 9. | Ráðskonukaup við heimavistarbarnaskóla .. | 24000 | |
| 10. | Styrkur til tímaritsins „Menntamál“ ..... | 1200 | |
| 11. | Til kennaranámskeiðs eða utanfara ..... | 2000 | 1163200 |
| XIV. | Unglinga- og alþýðuskólar: | | |
| 1. | Til alþýðuskólans á Eiðum: | | |
| a. | Laun ..... 10400 | | |
| | Þar af 700 kr. persónuleg launauppbót til núverandi skólastjóra. | | |
| b. | Til verklegs náms og aukakennslu 4000 | | |
| c. | Önnur gjöld: | | |
| | 1. Til kennsluáhalda .... 2000 | | |
| | 2. Til eldiviðar og ljósa .. 7000 | | |
| | 3. Ýmisleg gjöld ..... 5000 | | |
| | 4. Til viðhalds ..... 5000 | | |
| | 19000 | | |
| d. | Til leikfimihúss (lokagreiðsla) .. 50000 | | |
| e. | Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... 800 | | |
| | | 84200 | |
| 2. | Til héraðsskóla samkv. l. nr. 32 1929 ..... | 100000 | |
| 3. | Stofnkostnaður ..... | 140000 | |
| 4. | Til Snorragarðs í Reykholti ..... | 4000 | |
| 5. | Til gagnfræðaskóla samkv. l. nr. 48 1930 .... | 100000 | |
| 6. | Til gagnfræðaskóla Reykvíkinga ..... | 5000 | |
| 7. | Til byggingar gagnfræðaskóla ..... | 70000 | |
| 8. | Til unglingafræðslu utan kaupstaða, samkv. 20. gr. l. nr. 48 1930 ..... | 40000 | |
| | Þar af til skóla Sigurðar Greipssonar í Haukadal 2500 kr. | | |
| 9. | Til bókasafns við unglingaskóla ..... | 1600 | |
| 10. | Til alþýðuskólans í Reykjavík ..... | 4000 | |
| 11. | Til handíðaskólans ..... | 15600 | |
| 12. | Til námsflokkastarfsemi, undir eftirl. fræðslumálastjórnarinnar ..... | 4000 | 568400 |
| XV. | Húsmæðrafræðsla: | | |
| 1. | Styrkur til húsmæðraskóla samkv. lögum .. | 100000 | |
| 2. | Til húsmæðrafræðslu í Vestur-Skaftafellssýslu | 800 | |
| 3. | Til húsmæðrafræðslu Árnýjar Filippusdóttur | 5000 | 105800 |
| XVI. | Til kennslu heyrnar- og málleysingja: | | |
| 1. | Laun ..... | 12000 | |
| 2. | Annar kostnaður ..... | 60000 | |
| | Þar af fyrning húss kr. 550,00 (sjá 20. gr.). Stjórnin annast um, að vandamenn nemendanna eða nemendur sjálfir greiði kostnað, ef efni leyfa, samkv. tilsk. 26. febr. 1872, 2. gr. | | 72000 |
| | Flyt ... | . . . | 3625266 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 3625266 |
| XVII. | Til Blindravinafélags Íslands ..... Þar af 3000 kr. til að annast kennslu blindra barna. | | 12000 |
| XVIII. | Sundkennsla: | | |
| | 1. Laun Ólafs Pálssonar, til eftirlits með sundkennslu og prófdómarastarfa ..... | 2250 | |
| | 2. Laun Lárusar Rist ..... | 2000 | |
| | | | 4250 |
| XIX. | Til sjóvinnunámskeiðs ..... Atvinnumálaráðherra ráðstafar styrknum, að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands. | | 4000 |
| XX. | Til Geirs Þormars tréskurðarmeistara á Akureyri, til að halda uppi kennslu á Norðurlandi í teikningu og tréskurði í þjóðlegum stíl ..... | | 900 |
| XXI. | Til Helga Tryggvasonar, til hraðritunarkennslu .. | | 800 |
| XXII. | Til Björns Jakobssonar á Laugarvatni, til leikfimikennaraskóla ..... | | 3600 |
| XXIII. | Til menningar- og fræðslusambands alþýðu .... | | 5000 |
| XXIV. | Til Axels Helgasonar, til að gera upphleypt kort af Íslandi ..... | | 1000 |
| XXV. | Til Kristjáns Geirmundarssonar, til að setja upp fugla fyrir náttúrugripasafnið og skóla ..... | | 1000 |
| XXVI. | Til íþróttasjóðs ..... | | 300000 |
| XXVII. | Til skáksambands Íslands ..... | | 1600 |
| | Samtals B. ... | . . . | 3959416 |

15. gr.

Til vísinda, bókmennta og lista er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| 1. | Landsbókasafnið: | | |
| | a. Laun ..... | 22500 | |
| | b. Launabót til 2. bókavarðar ..... | 1000 | |
| | c. Til aðstoðar ..... | 4200 | |
| | d. Til þess að kaupa bækur og handrit og til bókbands Þar af 1200 kr. til kaupa á handritasafni Hannesar Þorsteinssonar. | 50000 | |
| | e. Til Þorsteins Konráðssonar ..... | 400 | |
| | f. Til þess að semja spjaldskrá ..... | 1200 | |
| | g. Til þess að semja og prenta skrá um handrit .... | 2400 | |
| | h. Til ritaukaskrár ..... | 4800 | |
| | Flyt ... | 86500 | |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 86500 | |
| i. Til Finns Sigmundssonar, til að gera skrá um efni íslenzkra blaða og handrita, enda sé skráin eign Landsbókasafnsins | 800 | |
| j. Brunaábyrgðargjald fyrir safnið | 720 | |
| k. Húsaleiga | 2000 | |
| l. Ýmisleg gjöld | 3000 | |
| | | 93020 |
| 2. Þjóðskjalasafnið: | | |
| a. Laun | 12500 | |
| b. Til bókbands, bóka- og handritakaupa og umbúnaðar skjala | 7000 | |
| c. Ýmis gjöld | 2000 | |
| d. Til Björns K. Þórólfssonar, enda vinni hann við safnið | 3000 | |
| | | 24500 |
| 3. Þjóðminjasafnið og verndun fornminja: | | |
| a. Laun þjóðminjavarðar (fornminjavarðar) | 7500 | |
| b. Til aðstoðar, eftir reikningi | 4900 | |
| c. Til þess að útvega gripi | 4000 | |
| d. Til áhalda og aðgerða | 2200 | |
| e. Til rannsókna og ferðakostnaðar | 1500 | |
| f. Til viðgerðar á Hólakirkju | 2000 | |
| g. Til viðhalds og verndunar fornra bæjarhúsa á Keldum, Grenjaðarstað og Glaumbæ, 10000 kr. til hvers | 30000 | |
| h. Til sjóminjasafns | 3500 | |
| Þjóðminjasafnið sé opið 6 stundir á viku, eftir nánari fyrirmælum stjórnarráðsins. | | |
| | | 55600 |
| 4. Náttúrufræðifélagið: | | |
| a. Tillag | 6000 | |
| b. Til aðstoðarmanns | 2000 | |
| Styrkurinn veitist með því skilyrði, að safnið sé til sýnis almenningi, ekki sjaldnar en einu sinni í viku. | | |
| | | 8000 |
| 5. Safnahúsið: | | |
| a. Til eldiviðar, ljósa og ræstingar | 18000 | |
| b. Til viðhalds og áhalda | 10000 | |
| c. Fyrning (sjá 20. gr.) | 3639 | |
| | | 31639 |
| 6. Til kaupstaðarbókasafna, gegn eigi minna tillagi úr bæjarsjóði og sýslusjóði | | 1800 |
| 7. Aukastyrkur til átta bókasafna: | | |
| a. Til amtsbókasafnsins á Akureyri, að því tilskildu, að Davíð skáld frá Fagraskógi hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum auk verðstuðulsuppbótar | 2500 | |
| b. Til bókasafnsins á Ísafirði, að því tilskildu, að Guðmundur Gíslason Hagalín rithöfundur hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum auk verðstuðulsuppbótar | 2500 | |
| Flyt ... | 5000 | 214559 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 5000 | 214559 |
| c. Til amtsbókasafnsins á Seyðisfirði ..... | 2500 | |
| d. Til bókasafns Hafnarfjarðar, að því tilskildu að Magnús Ásgeirsson hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum, auk verðstuðulsuppbótar ... | 2500 | |
| e. Til bókasafns Neskaupstaðar ..... | 1500 | |
| f. Til iðnbókasafnsins í Reykjavík ..... | 1000 | |
| g. Til bókasafns Siglufjarðar ..... | 2500 | |
| h. Til bókasafns Vestmannaeyjakaupstaðar ..... | 2500 | |
| | | 17500 |
| 8. Til bæjarbókasafns Reykjavíkur, þó ekki yfir ⅓ kostnaðar ..... | | 8000 |
| 9. Til amtsbókasafnsins í Stykkishólmi ..... | | 1800 |
| 10. Til sýslubókasafnsins á Sauðárkróki ..... enda hafi það opna lesstofu. | | 1200 |
| 11. Til héraðsbókasafns Suðurlands, gegn tvöföldu framlagi annars staðar að ..... | | 1200 |
| 12. Til lesstofu byggingarfélags alþýðu ..... | | 500 |
| 13. Til lesstofu sjómannaheimilis á Siglufirði ..... | | 1000 |
| 14. Til lesstofu sjómannaheimilis á Raufarhöfn ..... | | 400 |
| 15. Til lesstofu sjómannafélags Reykjavíkur ..... | | 1500 |
| 16. Til lesstofu á Ísafirði ..... | | 500 |
| 17. Til sjómannalesstofu K. F. U. M. í Vestmannaeyjum .. | | 500 |
| 18. Til sýslubókasafna, gegn eigi minna tillagi frá sýslusj. | | 4500 |
| 19. Til bókhlöðunnar á Húsavík ..... | | 1200 |
| 20. Til bókasafns Akraness ..... | | 1500 |
| 21. Til bókasafns í Flatey ..... | | 500 |
| 22. Til kaupa á bókum handa konunglega bókasafninu í Stokkhólmi ..... | | 1000 |
| 23. Til hins íslenzka bókmenntafélags ..... enda haldi það áfram útgáfu hins íslenzka fornbréfasafns sem að undanförnu. | | 12000 |
| 24. Til þjóðvinafélagsins ..... | | 1400 |
| 25. Til fornleifafélagsins ..... | | 2000 |
| 26. Til sögufélagsins, til þess að gefa út alþingisbækur, landsyfirréttardóma o. fl. ..... | | 4000 |
| 27. Til hins íslenzka fræðafélags, til að gefa út jarðabók Árna Magnússonar og Páls Vídalíns ..... | | 1000 |
| 28. Til fornritaútgáfunnar, til útgáfu á Íslendingasögum .. | | 4000 |
| 29. Til útgáfu á Heimskringlu ..... | | 4000 |
| 30. Til stjórnar þjóðvinafélagsins og menntamálaráðs, til útgáfu 1. bindis Íslendingasögu ..... | | 10000 |
| 31. Til útgáfu Norðurlandatímarits ..... | | 1000 |
| 32. Til Steins Dofra, ættfræðings ..... Styrkurinn veitist með því skilyrði, að handritið að riti hans „Ættir Íslendinga“ verði eign landsbókasafnsins að honum látnum. | | 1500 |
| 33. Til vísindafélags Íslendinga, til útgáfu rita ..... | | 2500 |
| 34. Til samningar íslenzkrar samheitaorðabókar ..... | | 5000 |
| Flyt ... | . . . | 305759 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 305759 |
| 35. | Til leikfélags Reykjavíkur, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi úr bæjarsjóði Reykjavíkur ..... Styrkurinn er því skilyrði bundinn, að reikningar félagsins séu ávallt sendir Alþingi. | | 12000 |
| 36. | Til leiklistarskóla Lárusar Pálssonar, Soffíu Guðlaugsdóttur og Jóns Norðfjörðs, 1200 kr. til hvers ..... | | 3600 |
| 37. | Til leikfélags Akureyrar, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi frá Akureyrarkaupstað ..... | | 3000 |
| 38. | Til leikfélags Ísafjarðar, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi frá Ísafjarðarkaupstað ..... | | 1500 |
| 39. | Til leikfélags Sauðárkróks, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að ..... | | 1500 |
| 40. | Til norræna félagins ..... | | 5000 |
| 41. | Til íslenzk-amerísku félagsins ..... | | 1000 |
| 42. | Til tónlistarskólans, gegn að minnsta kosti 2000 kr. framlagi frá bæjarsjóði Reykjavíkur ..... | | 6500 |
| 43. | Til hljómsveitar Reykjavíkur ..... | | 2000 |
| 44. | Til Páls Ísólfssonar, til þess að veita kirkjuorgelleikurum og barnakennurum utan Reykjavíkur og guðfræðinemum háskólans ókeypis kennslu í orgelleik, tóni, hljómfræði og söngstjórn í kirkjum og barnaskólum | | 2000 |
| 45. | Til Hallgríms Helgasonar, til útgáfu á þjóðlagasafni .. | | 2500 |
| 46. | Til Ágústs Sigurðssonar, til að skipuleggja og stjórna námsflokkum ..... | | 2000 |
| 47. | Til alþýðufræðslu Alþýðusambands Íslands ..... | | 8000 |
| 48. | Til útgáfu héraðssagnarita, eftir tillögum fræðslumálastjóra ..... | | 5000 |
| 49. | Til Sigurðar Skúlasonar, til aðstoðar við kennslu námsflokka, eftir fyrirlagi fræðslumálastjóra ..... | | 1500 |
| 50. | Til sambands íslenzkra karlakóra ..... | | 6000 |
| 51. | Til landssambands blandaðra kóra og kvennakóra .... | | 2500 |
| 52. | Til dr. Jóns Dúasonar, vegna útgáfu rita hans ..... | | 5000 |
| 53. | Styrkur til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna, samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs ..... Þar af: a. Til Árna Pálssonar, prófessors, til ritstarfa .. 1200 b. Til Guðmundar Finnbogasonar, dr phil., til ritstarfa ..... 1000 | | 100000 |
| 54. | Til íslenzkra stúdenta í Kaupmannahöfn, styrkur til útgáfu tímarits ..... | | 5000 |
| 55. | Til jökulmælinga ..... | | 600 |
| 56. | Til listasafns Einars Jónssonar ..... Þar af fyrning 711 kr. (sjá 20. gr.). | | 3711 |
| 57. | a. Til Einars Jónssonar myndhöggvara ..... enda hafi hann forstöðu og umsjón listasafns síns, er sé almenningi til sýnis endurgjaldslaust 4 stundir á viku. | 6500 | |
| | Flyt ... | 6500 | 485670 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 6500 | 485670 |
| b. Til sama, til aðstoðar og upphitunar ..... | 7000 | |
| c. Til viðgerðar á húsinu ..... | 45000 | |
| | | 58500 |
| 58. Byggingarstyrkur til Höskuldar Björnssonar málara, lokagreiðsla ..... | | 2000 |
| 59. Til Búnaðarbanka Íslands, níunda greiðsla vaxta og afborgana af viðlagasjóðslánum málaranna Ásgríms Jónssonar og Jóns Stefánssonar, með þeim skilyrðum, er segir í 57. lið 16. gr. fjárlaga 1934 ..... | | 3300 |
| 60. Kostnaður við friðun Þingvalla, sbr. lög nr. 59 1928 .. | | 8000 |
| 61. Til eflingar menningarsambandi við Vestur-Íslendinga | | 3000 |
| 62. Til Þjóðræknifélags Íslendinga, til eflingar menningarsambands við Vestur-Íslendinga ..... | | 5000 |
| 63. Til próf. dr. Stefáns Einarssonar og próf. dr. Richards Becks, til útgáfu íslenzkrar bókmenntasögu á ensku, 5000 kr. til hvors ..... | | 10000 |
| 64. Til útgáfu sænsk-íslenzkrar orðabókar ..... | | 2500 |
| 65. Til Bandalags íslenzkra listamanna ..... | | 1200 |
| Samtals ... | . . . | 579170 |

16. gr.

**Til verklegra fyrirtækja er veitt:**

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Til framleiðslubóta og atvinnuaukningar ..... | | 200000 |
| 2. Til Búnaðarfélags Íslands, enda samþykki landbúnaðarráðherra fjárhagsáætlun félagsins ..... | | 500000 |
| 3. Til Búnaðarfélags Íslands, til kynnisferða bænda .... | | 2000 |
| 4. Til nýbýla ..... | | 260000 |
| 5. Til lánadeildar smábýla, 2. greiðsla af 3 ..... | | 100000 |
| 6. Til sandgræðslu ..... | | 100000 |
| 7. Gjöld samkvæmt jarðræktarlögunum: | | |
| a. Jarðabótastyrkur ..... | 500000 | |
| b. Til verkfærakaupasjóðs ..... | 60000 | |
| | | 560000 |
| 8. Til búfjárræktar samkv. l. nr. 32 1931 ..... | | 150000 |
| 9. Til bygginga í sveitum: | | |
| a. Til byggingar- og landnámssjóðs ..... | 300000 | |
| b. Byggingarstyrkir ..... | 250000 | |
| | | 550000 |
| 10. Til jarðakaupasjóðs: | | 100000 |
| 11. Til ræktunarsjóðs, vaxtagreiðsla af jarðræktarbréfum | | 21231 |
| 12. Til tilraunastarfsemi í þágu landbúnaðarins ..... | | 60000 |
| Flyt ... | . . . | 2603231 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . . | 2603231 |
| 13. | Tillag til kreppulánasjóðs ..... | | 250000 |
| 14. | Til kreppulánasjóðs bæjar- og sveitarfélaga, rekstrarhalli ..... | | 10000 |
| 15. | Tillag til byggingarsjóða kaupstaða og kauptúna .... | | 440000 |
| 16. | Til garðyrkjufélags Íslands ..... | | 2000 |
| 17. | Til Ragnars Ásgeirssonar, til leiðbeiningarstarfsemi .. | | 4000 |
| 18. | Til skógræktar: | | |
| | a. Laun ..... | 20400 | |
| | Þar af 600 kr. húsaleigustyrkur til Einars Sæmundsens. | | |
| | b. Til skóggræðslu ..... | 220000 | |
| | c. Styrkur til skógræktarfélaga ..... | 30000 | |
| | d. Styrkur til Vigfúsar Jakobssonar til skógræktarnáms | 3600 | |
| | | | 274000 |
| 19. | Tillag til mannvirkja á Flóaáveitusvæðinu, samkv. l. nr. 68 1918 og l. nr. 10 1926 ..... | | 4000 |
| 20. | Til áveitu- og landþurrkunarfélaga, allt að ⅓ kostnaðar: | | |
| | a. Til áveitufélags Ölfusinga, þar með talið framlag til ríkisjarða ..... | 55000 | |
| | b. Til landþurrkunarfélags Safamýrar ..... | 12800 | |
| | c. Til framræslu- og áveitufélags Staðarbyggðar ..... | 25000 | |
| | d. Til landþurrkunar í Akraneskaupstað og nágrenni | 30000 | |
| | | | 122800 |
| 21. | Til fyrirhleðslu á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts .. | | 180000 |
| 22. | Til fyrirhleðslu í Virkisá, gegn ⅓ annars staðar að .. | | 4000 |
| 23. | Til fyrirhleðslu Steinavatna, gegn ⅓ annars staðar að | | 1500 |
| 24. | Til fyrirhleðslu í Hjaltadalsá ..... | | 5000 |
| 25. | Til kaupa á skurðgröfum og dráttarvél í sambandi við þær ..... | | 255000 |
| 26. | Til dýralækna: | | |
| | a. Laun handa 6 dýralæknum ..... | 21800 | |
| | b. Styrkur til einstakra manna til þess að stunda dýralækningar, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að | 4900 | |
| | c. Til Páls Pálssonar, til dýralækninganáms ..... | 1200 | |
| | d. Til Guðbrands Hlíðar, til dýralækninganáms ..... | 1200 | |
| | | | 29100 |
| 27. | Til búreikningaskrifstofu ..... | | 5000 |
| 28. | Til kláðalækninga ..... | | 3000 |
| 29. | Til rannsóknarstofu atvinnuveganna (atvinnudeildar háskólans): | | |
| | a. Iðnaðardeild: | | |
| | 1. Laun ..... 47460 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 26100 | | |
| | 73560 | | |
| | ÷ Tekjur af rannsóknum ..... 45000 | | |
| | | 28560 | |
| | b. Fiskideild: | | |
| | 1. Laun ..... 38310 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 17500 | | |
| | | 55810 | |
| | Flyt ... | 84370 | 4192631 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Flutt ...** | 84370 | 4192631 |
| c. Landbúnaðardeild: | | | |
| 1. Laun | 79825 | | |
| 2. Annar kostnaður | 100500 | | |
| | 180325 | | |
| ÷ Tekjur af lyfjasölu o. fl. | 20000 | | |
| | | 160325 | |
| d. Sameiginlegur kostnaður: | | | |
| 1. Laun | 12365 | | |
| 2. Annar kostnaður | 37300 | | |
| | | 49665 | |
| | | 294360 | |
| ÷ Tekjur af happdrætti samkv. 20. gr. laga nr. 68 1940 | | 25000 | |
| | | | 269360 |
| 30. Til rannsóknaráðs: Til náttúrurannsókna og áhaldakaupa | | | 46370 |
| 31. Til rannsóknarstofu háskólans: | | | |
| a. Laun | 60000 | | |
| b. Annar kostnaður | 100000 | | |
| | | 160000 | |
| ÷ Tekjur | | 160000 | |
| 32. Til veðurstofu Íslands: | | | |
| a. Laun forstöðumanns og fulltrúa | | 14800 | |
| b. Til aðstoðar | | 27600 | |
| c. Til veðurathugana utan Reykjavíkur, áhalda o. fl. | | 45000 | |
| d. Til veðurskeyta o. fl. | | 110000 | |
| e. Til loftskeytatækja | | 2000 | |
| f. Húsaleiga, ljós, hiti og ræsting | | 8000 | |
| g. Eftirlit með veðurathugunarstöðvum o. fl. | | 2000 | |
| | | | 209400 |
| 33. Rafmagnseftirlit ríkisins: | | | |
| a. Laun | 95000 | | |
| b. Annar kostnaður | 60000 | | |
| | | 155000 | |
| ÷ Tekjur | | 120000 | |
| Rekstrarhalli | | | 35000 |
| 34. Eftirlit með verksmiðjum og vélum: | | | |
| a. Laun og verðlagsuppbót | 41000 | | |
| b. Annar kostnaður | 19000 | | |
| | | 60000 | |
| ÷ Tekjur | | 60000 | |
| 35. Til landmælinga | | | 10000 |
| 36. Til Fiskifélagsins (þar af til mótornámskeiðs samkvæmt lögum nr. 71 1936 kr. 4000), enda samþykki atvinnumálaráðuneytið fjárhagsáætlun fiskiþingsins og félagið sjái um á sinn kostnað útgáfu fiskimanna-almanaks | | | 300000 |
| 37. Kostnaður vegna laga nr. 61 1932, um lax- og silungsveiði | | | 15000 |
| **Flyt ...** | | ... | 5077761 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 5077761 |
| 38. | Til klaksjóðs, samkv. l. nr. 36 1937 ..... | | 10000 |
| 39. | Til loðdýraræktar, samkv. l. nr. 38 1937 ..... | | 20000 |
| 40. | Til matvælaeftirlits: | | |
| | a. Laun ..... 10400 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 25000 | | |
| | | 35400 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 35400 | |
| 41. | Laun yfirmatsmanna o. fl.: | | |
| | a. 5 fiskiyfirmatsmanna ..... | 22600 | |
| | b. 4 ullarmatsmanna ..... | 2500 | |
| | c. 3 kjötmatsmanna ..... | 2250 | |
| | d. lýsismatsmanns, samkv. l. nr. 42 1933 ..... | 2400 | |
| | e. Ferðakostnaður yfirmatsmanna ..... | 8000 | |
| | f. Launauppbót til fiskiyfirmatsmannsins í Vestmannaeyjum ..... | 800 | |
| | g. Kostnaður við síldarmat ..... | 12000 | |
| | | | 50550 |
| 42. | Til eftirlits með skipum og bátum og öryggi þeirra: | | |
| | a. Laun skipaskoðunarstjóra, enda hafi hann eftirlit með skipum ríkisins án sérstaks endurgjalds .... | 7200 | |
| | b. Til skrifstofukostnaðar og aðstoðar ..... | 19400 | |
| | c. Þóknun til eftirlitsmanna ..... | 3000 | |
| | d. Ferðakostnaður skipaskoðunarstjóra og eftirlitsmanna, allt að ..... | 7600 | |
| | | | 37200 |
| 43. | Kostnaður vegna laga um fiskimatsstjóra ..... | | 12000 |
| 44. | Til Landssambands iðnaðarmanna ..... | | 15000 |
| 45. | Til sambands íslenzkra heimilisiðnaðarfélaga ..... | | 4000 |
| 46. | Til skrifstofunnar „Íslenzkrar ullar“ ..... Fjárveitingin er bundin því skilyrði, að ríkisstjórnin láti endurskoða reikninga stofnunarinnar, og árlega sé gefin skýrsla um starfsemina, samþykkt af endurskoðanda eða endurskoðendum. | | 10000 |
| 47. | Til Guðmundar Jónssonar frá Mosdal, til þess að halda uppi kennslu og námskeiðum í tréskurði og heimilisiðnaði ..... | | 900 |
| 48. | Til Halldóru Bjarnadóttur, til þess að vinna að eflingu heimilisiðnaðar ..... | | 1800 |
| 49. | Til Arndísar Þorsteinsdóttur garðyrkjukonu ..... | | 300 |
| 50. | Til Guðmundar Kristinssonar myndskera ..... | | 500 |
| 51. | Til kvenfélags Hvammshrepps í Vík í Mýrdal, til þess að halda uppi kennslu í handavinnu kvenna ..... | | 500 |
| 52. | Til kvenfélagasambands Íslands ..... | | 2000 |
| 53. | Til sambands norðlenzkra kvenna ..... | | 1000 |
| 54. | Til kvenfélagasambands Austur-Húnavatnssýslu ..... | | 300 |
| 55. | Til kvennasambands Vestur-Húnavatnssýslu ..... | | 300 |
| 56. | Til sambands austfirzkra kvenna ..... | | 400 |
| | **Flyt ...** | . . . | 5244511 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 5244511 |
| 57. | Til sambands sunnlenzkra kvenna ..... | | 400 |
| 58. | Til sambands vestfirzkra kvenna ..... | | 400 |
| 59. | Til kvenfélagasambands Mýra- og Borgarfjarðarsýslu, enda haldi það uppi námskeiðum fyrir húsmæður og húsmæðraefni ..... | | 1000 |
| 60. | Til sambands breiðfirzkra kvenna ..... | | 400 |
| 61. | Til kvenfélagasambands Gullbringu- og Kjósarsýslu .. | | 400 |
| 62. | Til bandalags kvenna í Reykjavík ..... | | 400 |
| 63. | Til sambands sunnlenzkra kvenna, styrkur til að halda uppi námskeiðum fyrir húsmæður og húsmæðraefni .. | | 3000 |
| 64. | Til kvenréttindafélags Íslands ..... | | 400 |
| 65. | Til vinnumiðlunar ..... | | 20000 |
| 66. | Til mæðrastyrksnefndar ..... | | 3000 |
| 67. | Til vörumerkjaskrárritara ..... | | 1600 |
| 68. | Til Ungmennafélags Íslands: | | |
| | a. Til skógræktar og bindindisstarfsemi ..... | 4000 | |
| | b. Til ræktunarleiðbeininga ..... | 2000 | |
| | Félagið gefi ríkisstjórninni skýrslu um, hvernig fénu er varið. | | 6000 |
| 69. | Til bandalags skáta ..... | | 400 |
| 70. | Til bandalags íslenzkra farfugla ..... | | 1500 |
| 71. | Til dýraverndunarfélags Íslands, til dýraverndunarstarfsemi ..... | | 1000 |
| 72. | Til loðdýraræktarfélags Íslands ..... | | 3000 |
| 73. | Til húsameistara ríkisins: | | |
| | a. Laun (þar af persónuleg launaviðbót 2400) ..... | 8400 | |
| | b. Skrifstofukostnaður ..... | 75000 | |
| | | | 83400 |
| 74. | Gjöld vegna laga um skipulag bæja og sjávarþorpa, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að ..... | | 10000 |
| 75. | Til verkstjóranámskeiðs eftir ráðstöfun vegamálastjóra og vitamálastjóra ..... | | 3000 |
| 76. | Til skuldaskilasjóðs útvegsmanna ..... | | 160000 |
| 77. | Til mjólkurbúa og smjörsamlaga ..... | | 30000 |
| 78. | Til iðnlánasjóðs ..... | | 65000 |
| 79. | Til samábyrgðar Íslands á fiskiskipum, l. nr. 37 1941 .. | | 50000 |
| 80. | Kostnaður við eftirlit með opinberum sjóðum ..... | | 2200 |
| 81. | Kostnaður vegna mæðiveikinnar: | | |
| | A. Til varnar gegn útbreiðslu veikinnar ..... | 140000 | |
| | B. Til stuðnings bændum á mæði- og garnaveikisvæðinu: | | |
| | 1. Til að styrkja bændur ..... 400000 | | |
| | 2. Nefndarkostnaður ..... 5000 | | |
| | | 405000 | |
| | | | 545000 |
| 82. | Til rannsókna og varna gegn útbreiðslu garnaveikinnar | | 130000 |
| 83. | Kostnaður við dómnefnd í verðlagsmálum ..... | | 240000 |
| 84. | Kostnaður við skömmtunarskrifstofu ríkisins ..... | | 156000 |
| | Flyt ... | . . . | 6762011 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 6762011 |
| 85. Kostnaður við kauplagsnefnd ..... | | 8000 |
| 86. Kostnaður við húsaleigunefndir ..... | | 40000 |
| 87. Til alþjóðahafrannsókna ..... | | 10000 |
| 88. Til Íslandsdeildar norræna búfræðifélagsins ..... | | 500 |
| 89. Til Bálfararfélags Íslands ..... | | 35000 |
| 90. Til Baldurs Johnsen, héraðslæknis, til manneldisrannsókna ..... | | 2000 |
| 91. Til Haralds Ásgeirssonar, til náms í sementsgerð .... | | 3600 |
| Samtals ... | . . . | 6861111 |

17. gr.

Til almennrar styrktarstarfsemi er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Kostnaður við berklavarnir: | | |
| a. Styrkur til berklasjúklinga ..... | 1750000 | |
| b. Styrkur skv. 2. mgr. 19. gr. l. nr. 66 1939 ..... | 5000 | |
| c. Annar kostnaður ..... | 30000 | |
| | | 1785000 |
| 2. Styrkur til sjúklinga samkv. bráðabirgðaákvæði í lögum nr. 78 frá 1936 ..... | | 1000000 |
| 3. Gjöld samkv. l. nr. 39 frá 1935, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna ..... | | 12000 |
| 4. Gjöld samkv. 19. og 21. gr. framfærslulaga, nr. 135 1935 | | 20000 |
| 5. Til alþýðutrygginga ..... | | 2000000 |
| 6. Til jöfnunarsjóðs sveitar- og bæjarfélaga ..... | | 700000 |
| 7. Til styrktarsjóðs verkamanna- og sjómannafélaganna í Reykjavík ..... | | 4000 |
| 8. Til mæðrastyrksnefndarinnar, til sumarheimilis mæðra | | 2000 |
| 9. Til barnaheimila og barnaverndar, eftir ákvörðun ráðherra ..... | | 30000 |
| 10. Til félagsins „Heyrnarhjálpar“ ..... | | 5000 |
| 11. Til félagsins „Sjálfsbjargar“ ..... | | 2000 |
| 12. Til sjúkra- og styrktarsjóðs vitavarða ..... | | 1000 |
| 13. Til slysavarna ..... enda sé stjórnarráðinu send skýrsla um starfsemina. | | 35000 |
| 14. Til þess að hjálpa nauðstöddum Íslendingum erlendis | | 1000 |
| 15. Til Stórstúku Íslands, til bindindisstarfsemi ..... Þar af til bindindisfélaga í skólum landsins 5000 kr. | | 40000 |
| 16. Til áfengisráðunautar ..... | | 3000 |
| 17. Til útbreiðslu bindindis ..... ..... | | 7500 |
| 18. Til Stórstúku Íslands: Styrkur til húsbygginga, áttunda greiðsla af tíu ..... | | 15000 |
| Flyt ... | . . . | 5662500 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | ... | 5662500 |
| 19. | Til sjúkrasjóðs Fellshrepps ..... | | 300 |
| 20. | Til sjúkrasjóðs Hofshrepps ..... | | 300 |
| 21. | Til sjúkrasjóðs Mývetninga ..... | | 250 |
| 22. | Til sjúkrasjóðs Súgfirðinga ..... | | 300 |
| 23. | Til sjúkrasjóðs Engihlíðarhrepps ..... | | 300 |
| 24. | Til styrktarsjóðs verklýðsfél. í Flatey á Breiðafirði .. | | 200 |
| 25. | Til sjúkrasjóðs kvenfélagsins á Hellissandi ..... | | 300 |
| 26. | Til styrktarsjóðs verklýðsfélagsins á Patreksfirði .... | | 200 |
| 27. | Til sjúkrasjóðs verkamannafélagsins á Þingeyri .... | | 300 |
| 28. | Til sjúkra- og styrktarsjóðsins Líkn í Ögurhreppi .. | | 150 |
| 29. | Til sjúkra- og styrktarsjóðsins Hjálp í viðlögum í Reykjarfjarðarhreppi ..... | | 150 |
| 30. | Til sjúkrasjóðs hjúkrunarfélags Ólafsvíkur ..... | | 300 |
| 31. | Til sjúkrasjóðs Þverárhrepps ..... | | 200 |
| 32. | Til starfsemi Rauðakrossins ..... | | 4000 |
| 33. | Til sambands íslenzkra berklasjúklinga ..... | | 3000 |
| 34. | Til ekknasjóðs Vestmannaeyja ..... Fjárveitingarnar undir 19.—34. tölul. eru bundnar því skilyrði, að jafnmikið fé að minnsta kosti komi annars staðar að og að stjórnarráðinu sé send skýrsla um starfsemina. | | 800 |
| 35. | Til elliheimilisins Grundar í Reykjavík ..... enda greiði vistmenn, sem framfærslusveit eiga utan Reykjavíkur, ekki hærra daggjald en bæjarmenn. | | 5000 |
| 36. | Til hælisins á Sólheimum ..... | | 12000 |
| 37. | Til gamalmennahælis á Ísafirði ..... | | 2000 |
| 38. | Til gamalmennahælis á Seyðisfirði ..... | | 2000 |
| 39. | Til gamalmennahælis í Hafnarfirði ..... | | 2000 |
| 40. | Til gamalmennahælis á Akranesi ..... | | 2000 |
| 41. | Til gamalmennahælis í Neskaupstað ..... | | 2000 |
| 42. | Til gamalmennahælis í Skjaldarvík í Eyjafirði ..... | | 2000 |
| 43. | Til kostnaðar við sumardvöl barna í sveit ..... | | 150000 |
| | Samtals ... | ... | 5852550 |

18. gr.

Til eftirlauna og styrktarfjár er veitt:

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | I. Samkvæmt eftirlaunalögum: | | | |
| | A. Embættismenn: | | | |
| 1. | Ari Arnalds, fv. bæjarfógeti ..... | 1260,00 | | |
| 2. | Árni Þorvaldsson, fv. yfirkennari ..... | 1106,67 | | |
| 3. | Bogi Brynjólfsson, fv. sýslum. ..... | 1160,00 | | |
| | Flyt ... | 3526,67 | ... | ... |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 3526,67 | | |
| 4. | Guðm. Björnsson, fv. sýslum. ..... | 1565,00 | | |
| 5. | Guðm. Eggerz, fv. sýslum. ..... | 1558,52 | | |
| 6. | Guðm. Guðmundsson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 7. | Guðm. Hannesson, fv. prófessor ..... | 2266,67 | | |
| 8. | Guðm. Sveinbjörnsson, fv. skrifstofustj. .... | 1120,00 | | |
| 9. | Halldór Kr. Júliusson, fv. sýslum. ..... | 1225,42 | | |
| 10. | Halldór Steinsson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 11. | Ingólfur Gíslason, fv. héraðsl. ..... | 1103,33 | | |
| 12. | Jóhannes Jóhannesson, fv. bæjarfógeti ..... | 6000,00 | | |
| 13. | Jónas Kristjánsson, fv. héraðslæknir ..... | 1000,00 | | |
| 14. | Karl Einarsson, fv. bæjarfógeti ..... | 1461,22 | | |
| 15. | Magnús Jónsson, fv. bæjarfógeti ..... | 4446,94 | | |
| 16. | Magnús Torfason, fv. sýslum. ..... | 2333,33 | | |
| 17. | Ólafur Daníelsson, fv. yfirkennari ..... | 1160,00 | | |
| 18. | Ólafur Finsen, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 19. | Ólafur Thorlacius, fv. héraðsl. ..... | 860,00 | | |
| 20. | Páll Einarsson, fv. hæstaréttard. ..... | 8000,00 | | |
| 21. | Sigurður Briem, fv. aðalpóstmeistari ..... | 6000,00 | | |
| 22. | Sigurður Magnússon prófessor ..... | 1894,40 | | |
| 23. | Sigurður Thoroddsen, fv. yfirkennari ..... | 1180,00 | | |
| 24. | Sigurjón Jónsson, fv. héraðsl. ..... | 955,00 | | |
| 25. | Sigvaldi Kaldalóns, fv. héraðsl. ..... | 855,00 | | |
| 26. | Skúli Árnason, fv. héraðsl. ..... | 800,00 | | |
| 27. | Steingr. Jónsson, fv. bæjarfógeti ..... | 5599,40 | | |
| 28. | Steingr. Matthíasson, fv. héraðsl. ..... | 860,00 | | |
| 29. | Þorbjörn Þórðarson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 30. | Þórður Sveinsson prófessor ..... | 1783,00 | | |
| 31. | Þorvaldur Pálsson, fv. héraðsl. ..... | 440,00 | | |
| | | | 61993,90 | |
| | B. Embættismannaekkjur: | | | |
| 1. | Aðalbjörg Jakobsdóttir læknisekkja ..... | 437,50 | | |
| 2. | Aðalbjörg Sigurðardóttir, ekkja Har. Nielssonar próf. ..... | 340,00 | | |
| 3. | Álfheiður Helga Briem, ekkja P. Briems .... | 625,00 | | |
| 4. | Anna Gunnlaugsson, ekkja Halldórs Gunnlaugssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | | |
| 5. | Anna Jónsson, ekkja Kl. Jónssonar fv. ráðh. | 750,00 | | |
| 6. | Anna Jónsdóttir, ekkja St. Gíslasonar héraðsl. | 187,50 | | |
| 7. | Cathinka Sigfússon, ekkja Jóhs. Sigfússonar kennara ..... | 240,00 | | |
| 8. | Christophine Bjarnhéðinsson, ekkja Sæmundar Bjarnhéðinssonar prófessors ..... | 375,00 | | |
| 9. | Guðrún Björnsdóttir, ekkja Þ. Pálssonar héraðslæknis ..... | 187,50 | | |
| 10. | Guðrún B. Gísladóttir, ekkja Jóns Sigurðssonar héraðsl. ..... | 189,37 | | |
| 11. | Guðrún Tulinius, ekkja Axels Tulinius sýslum. | 469,15 | | |
| | Flyt ... | 3951,02 | 61993,90 | |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 3951,02 | 61993,90 | |
| 12. | Ingibjörg Magnúsdóttir, ekkja Júl. Halldórssonar héraðsl. ..... | 212,50 | | |
| 13. | Ingibjörg Sigurðardóttir, ekkja Jóns Jónssonar héraðsl. ..... | 150,00 | | |
| 14. | Ingileif S. Aðils, ekkja Jóns Aðils prófessors | 340,00 | | |
| 15. | Jenny Forberg, ekkja O. Forbergs landssímastj. | 500,00 | | |
| 16. | Kristín Þórarinsdóttir, ekkja Kr. Kristjánssonar héraðsl. ..... | 237,50 | | |
| 17. | Lára Malvina Scheving, ekkja G. Schevings héraðslæknis ..... | 187,50 | | |
| 18. | Margrét Árnadóttir, ekkja P. V. Bjarnasonar sýslum. ..... | 350,00 | | |
| 19. | Margrét Björnson, ekkja G. Björnson landl. | 875,00 | | |
| 20. | Margrét Lárusdóttir, ekkja G. Þorsteinssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | | |
| 21. | Marie Helgason, ekkja Jóns Helgasonar biskups | 700,00 | | |
| 22. | Ragna Gunnarsdóttir, ekkja Ólafs Gunnarssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | | |
| 23. | Rannveig Tómasdóttir, ekkja Magnúsar Jóhannssonar héraðslæknis ..... | 187,50 | | |
| 24. | Sigríður Blöndal, ekkja B. Blöndals héraðsl. | 150,00 | | |
| 25. | Sigríður Hjaltadóttir Jensson, ekkja J. Jenssonar yfirdómara ..... | 500,00 | | |
| 26. | Sigríður Pálsson, ekkja Pálma Pálssonar yfirkennara ..... | 450,00 | | |
| 27. | Sigrún Bjarnason, ekkja Þorl. H. Bjarnasonar yfirkennara ..... | 400,00 | | |
| 28. | Sofia Guðmundsson, ekkja Magnúsar Guðmundssonar ráðherra ..... | 450,00 | | |
| 29. | Steinunn Frímannsdóttir, ekkja St. Stefánssonar skólameistara ..... | 715,82 | | |
| 30. | Súsanna Erlendsson, ekkja Hinriks Erlendssonar héraðsl. ..... kr. 187,50<br>Samkv. kgúrsk. ⅞ 1931, með hverju barni hennar til 16 ára aldurs:<br>Bjarni, f. ⅞ 1927 ..... — 100,00 | 287,50 | | |
| 31. | Theodóra Thoroddsen, ekkja Sk. Thoroddsens sýslumanns ..... | 535,17 | | |
| 32 | Vigdís G. Blöndal, ekkja Jóns Blöndals héraðsl. | 187,50 | | |
| 33. | Þóra Gísladóttir, ekkja Sig. Pálssonar héraðsl. | 212,50 | | |
| 34. | Þóra Magnússon, ekkja J. Magnússonar ráðh. | 1200,00 | | |
| 35. | Þórunn Hafstein, ekkja M. Hafsteins sýslum. | 315,00 | | |
| 36. | Þórunn Siemsen, ekkja Fr. Siemsens sýslum. | 391,90 | | |
| | | | 13786,41 | |
| | Flutt ... | | 75780,31 | |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 75780,31 | |
| | C. Prestsekkjur: | | |
| 1. | Anna Kvaran frá Mælifelli ..... | 145,00 | |
| 2. | Anna Stefánsdóttir frá Stað í Súgandafirði .. | 100,00 | |
| 3. | Arnbjörg Einarsdóttir frá Breiðabólsstað ... | 118,43 | |
| 4. | Ástríður Petersen frá Svalbarði ..... | 100,00 | |
| 5. | Bergljót Blöndal frá Hvammi í Skagafirði .. | 100,00 | |
| 6. | Björg Einarsdóttir frá Dvergasteini ..... | 256,84 | |
| 7. | Björg Einarsdóttir frá Undirfelli ..... | 100,00 | |
| 8. | Guðbjörg Hermannsdóttir frá Þingvöllum .. | 118,30 | |
| 9. | Guðný Þorsteinsdóttir frá Nesi ..... | 126,44 | |
| 10. | Guðrún Hermannsdóttir frá Breiðabólsstað .. | 212,94 | |
| 11. | Guðrún J. Jóhannesdóttir frá Bergsstöðum .. | 107,54 | |
| 12. | Guðrún Jónsdóttir frá Kolfreyjustað ..... | 183,78 | |
| 13. | Guðrún Runólfsdóttir ..... | 164,47 | |
| 14. | Guðrún Torfadóttir frá Hólmum ..... | 134,40 | |
| 15. | Guðríður Helgadóttir frá Kvennabrekku ..... | 168,00 | |
| 16. | Guðríður Ólafsdóttir frá Húsavík ..... | 135,74 | |
| 17. | Helga Jónsdóttir frá Eskifirði ..... | 193,00 | |
| 18. | Helga Skúladóttir frá Kálfafellsstað ..... | 72,94 | |
| 19. | Helga Stephensen frá Holti ..... | 184,36 | |
| 20. | Ingibjörg Jónasdóttir frá Árnesi ..... | 125,30 | |
| 21. | Ingibjörg Magnúsdóttir frá Laufási ..... | 142,10 | |
| 22. | Ingveldur Einarsdóttir frá Raufarhöfn ..... | 100,00 | |
| 23. | Jakobína Sigurgeirsdóttir frá Borg ..... | 142,56 | |
| 24. | Jóhanna Magnúsdóttir frá Staðarhrauni .... | 224,00 | |
| 25. | Kristín Ísleifsdóttir frá Eyrarbakka ..... | 119,00 | |
| 26. | Líney Sigurjónsdóttir frá Görðum ..... | 314,81 | |
| 27. | Margrét Jónasdóttir frá Stað ..... | 131,36 | |
| 28. | Margrét Sigurðardóttir frá Höskuldsstöðum .. | 131,85 | |
| 29. | María Elísabet Jónsdóttir frá Grenjaðarstöðum | 170,00 | |
| 30. | Ólína Snæbjörnsdóttir frá Stað á Reykjanesi | 192,53 | |
| 31. | Ragnheiður Magnúsdóttir frá Stað í Steing.f. | 131,36 | |
| 32. | Sigríður Hansdóttir frá Djúpavogi ..... | 110,24 | |
| 33. | Sigríður Helgadóttir frá Odda ..... | 215,70 | |
| 34. | Sigríður Jóhannesdóttir frá Hruna ..... | 129,42 | |
| 35. | Sigríður Jónasdóttir frá Melstað ..... | 188,06 | |
| 36. | Sigurlaug Knudsen frá Breiðabólstað ..... | 133,00 | |
| 37. | Sigrún Kjartansdóttir frá Mosfelli ..... | 147,50 | |
| 38. | Steinunn Eiríksd. Stephensen frá Bjarnanesi | 200,22 | |
| 39. | Vigdís Einarsdóttir frá Stað í Grunnavík .. | 104,16 | |
| 40. | Vilborg Jónsdóttir frá Prestsbakka ..... | 102,65 | |
| 41. | Þóra Jónsdóttir frá Auðkúlu ..... | 82,72 | |
| 42. | Þorbjörg Pálsdóttir frá Gilsbakka ..... | 100,00 | |
| 43. | Þórhildur Sigurðardóttir frá Stöð ..... | 118,23 | |
| | | | 6278,95 |
| | D. Eftirlaun samkv. l. nr. 49 1923: | | |
| | Einar Þorkelsson, fyrrv. skrifstofustjóri Alþingis .... | | 2500,00 |
| | Flyt ... | | 84559,26 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 84559,26 | |
| | E. Framlag samkv. l. nr. 51 1921, 8. gr. | | |
| 1. | Aldný Magnúsdóttir, ekkja Árna Kristjánssonar símritara ..... | 220,00 | |
| 2. | Anna Þorgrímsdóttir læknisekkja ..... | 300,00 | |
| 3. | Ásta Einarson, ekkja Magnúsar Einarssonar dýralæknis ..... | 250,00 | |
| 4. | Ásta Halldórsdóttir, ekkja Óskars Jónssonar póstafgreiðslum. ..... kr. 240,00 | | |
| | Börn hennar til 16 ára aldurs: | | |
| | 1. Edda, f. 5/6 1931 ..... — 100,00 | | |
| | 2. Eva, f. 12/9 1934 ..... — 100,00 | | |
| | | 440,00 | |
| 5. | Björg Jónsdóttir, ekkja Sig. Þórðarsonar prests ..... kr. 200,00 | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | |
| | Oddrún Valborg, f. 3/4 1928 ..... — 100,00 | | |
| | | 300,00 | |
| 6. | Guðbjörg Árnadóttir, ekkja Jóns Karlssonar héraðslæknis ..... | 350,00 | |
| 7. | Guðfinna Þórðardóttir vitavarðarekkja ..... | 90,00 | |
| 8. | Harriet Jónsson, ekkja Magn. Jónssonar lagapr. | 450,00 | |
| 9. | Hedvig Blöndal, ekkja Óla P. Blöndals póstr. | 350,00 | |
| 10. | Hrefna Einarsdóttir læknisekkja ..... | 350,00 | |
| 11. | Ida Stefánsdóttir, símam.ekkja ... kr. 220,00 | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | |
| | Olga, f. 25/11 1931 ..... — 100,00 | | |
| | | 320,00 | |
| 12. | Ingibjörg Guðjónsdóttir, ekkja Sigurgríms Stefánssonar símritara ..... | 180,00 | |
| 13. | Ingibjörg Ögmundsdóttir, ekkja Guðm. Eyjólfssonar símstjóra ..... | 180,00 | |
| 14. | Kristín Guðmundsdóttir, ekkja Jóns Guðmundssonar vitavarðar ..... | 150,00 | |
| 15. | Lára Bjarnadóttir, ekkja Gísla Lárussonar símritara ..... | 220,00 | |
| 16. | Margrét Lárusdóttir, ekkja Guðm. Guðfinnssonar héraðslæknis ..... | 300,00 | |
| 17. | Margrét Þórðardóttir, ekkja Guðna Hjörleifss. héraðslæknis ..... | 450,00 | |
| 18. | María Guðmundsdóttir, ekkja Ásgr. Péturss. fiskimatsmanns ..... | 240,00 | |
| 19. | María Jónsdóttir, ekkja Fr. Klemenssonar póstafgreiðslum. ..... | 240,00 | |
| 20. | Marta Þórarinsdóttir, ekkja Viggós Snorrasonar símamanns ..... kr. 180,00 | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | |
| | Helga, f. 21/7 1927 ..... — 100,00 | | |
| | | 280,00 | |
| | Flyt ... | 5660,00 | 84559,26 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 5660,00 | 84559,26 | |
| 21. Rigmor Ófeigsson, ekkja Jóns Ófeigssonar yfirkennara ..... | 340,00 | | |
| 22. Þrúður Ingibjörg Jónsdóttir, ekkja Björns Magnússonar símstjóra .. kr. 260,00 | | | |
| Barn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| Magnús, f. ¼₁ 1928 ..... — 100,00 | | | |
| | 360,00 | | |
| | | 6360,00 | |
| | | | 90919,26 |
| 11. Styrktarfé og eftirlaun, auk lögboðinna eftirlauna: | | | |
| a. Embættismenn: | | | |
| 1. Ari Arnalds, fyrrv. bæjarfógeti ..... | 2660,00 | | |
| 2. Árni Þorvaldsson, fyrrv. yfirkennari .. | 1000,00 | | |
| 3. Bogi Brynjólfsson, fyrrv. sýslumaður . | 640,00 | | |
| 4. Eggert Stefánsson, fyrrv. símafulltrúi Akureyri ..... | 1200,00 | | |
| 5. Einar Þorkelsson, fyrrv. skrifstofustjóri Alþingis ..... | 1000,00 | | |
| 6. Guðmundur Björnsson, fyrrv. sýslum. | 1000,00 | | |
| 7. Guðmundur Hannesson prófessor .... | 1200,00 | | |
| 8. Guðm. Sveinbjörnsson, fyrrv. skrifstofustjóri ..... | 3403,19 | | |
| 9. Halldór Steinsson, fyrrv. héraðslæknir | 1000,00 | | |
| 10. Ingólfur Gíslason, fyrrv. héraðslæknir | 1000,00 | | |
| 11. Jónas Kristjánsson, fyrrv. héraðslæknir | 1000,00 | | |
| 12. Jósep Björnsson, fyrrv. skólastjóri .. | 1577,14 | | |
| 13. Kofoed-Hansen, fyrrv. skógræktarstjóri | 1546,80 | | |
| 14. Magnús Torfason, fyrrv. sýslumaður .. | 1826,67 | | |
| 15. Ólafur Daníelsson, fyrrv. yfirkennari . | 2000,00 | | |
| 16. Ólafur Finsen, fyrrv. héraðslæknir ... | 1000,00 | | |
| 17. Ólafur Thorlacius, fyrrv. héraðslæknir | 1000,00 | | |
| 18. Páll Halldórsson, fyrrv. skólastjóri .. | 1000,00 | | |
| 19. Sigurður Magnússon, fyrrv. yfirlæknir | 2000,00 | | |
| 20. Sigurður Thoroddsen, fyrrv. yfirkennari | 2000,00 | | |
| 21. Sigvaldi Kaldalóns, fv. héraðslæknir | 2067,12 | | |
| 22. Skúli Árnason, fyrrv. héraðslæknir .. | 535,00 | | |
| 23. Steingrímur Matthíasson, fyrrv. héraðsl. | 1000,00 | | |
| 24. Th. Krabbe, fyrrv. vitamálastjóri ..... | 1328,00 | | |
| 25. Þórður Sveinsson, fyrrv. yfirlæknir .. | 2000,00 | | |
| 26. Þorkell Þorláksson, fyrrv. aðstoðarm. | 1500,00 | | |
| 27. Þorvaldur Pálsson, fyrrv. héraðslæknir | 300,00 | | |
| | | 37783,92 | |
| b. Embættismannaekkjur og börn: | | | |
| 1. Aðalbjörg Jakobsdóttir læknisekkja .. | 500,00 | | |
| 2. Aðalbjörg Sigurðardóttir ..... | 1200,00 | | |
| 3. Anna Gunnlaugsson ..... | 900,00 | | |
| 4. Anna Jónsdóttir læknisekkja ..... | 500,00 | | |
| 5. Anna Jónsson, ekkja Kl. Jónssonar .. | 450,00 | | |
| Flyt ... | 3550,00 | 37783,92 | 90919,26 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 3550,00 | 37783,92 | 90919,26 |
| 6. | Anna Þorgrímsdóttir læknisekkja, 600 kr., auk 100 kr. með hverju barni hennar í ómegð ..... | 700,00 | | |
| 7. | Ásta Einarson ..... | 600,00 | | |
| 8. | Camilla Hallgrímsson ..... | 760,00 | | |
| 9. | Cathinka Sigfússon ..... | 1000,00 | | |
| 10. | Christophine Bjarnhéðinsson ..... | 1200,00 | | |
| 11. | Dómhildur Jóhannesdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 12. | Guðlaug Magnúsdóttir ..... | 2000,00 | | |
| 13. | Guðrún Björnsdóttir, læknisekkja ... | 600,00 | | |
| 14. | Harriet Jónsson ..... | 450,00 | | |
| 15. | Helga Finnsdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 16. | Hrefna Einarsdóttir ..... | 600,00 | | |
| 17. | Ingibjörg Magnúsdóttir læknisekkjá .. | 500,00 | | |
| 18. | Ingileif Snæbjarnardóttir Aðils ..... | 400,00 | | |
| 19. | Jenny Forberg ..... | 600,00 | | |
| 20. | Júlíana Jónsdóttir, ekkja H. Jónssonar dýralæknis ..... | 500,00 | | |
| 21. | Kristín Vídalín Jacobson ..... | 1800,00 | | |
| 22. | Kristín Þórarinsdóttir læknisekkja ... | 400,00 | | |
| 23. | Magnea Ásgeirsson ..... | 200,00 | | |
| 24. | Margrét Árnadóttir ..... | 450,00 | | |
| 25. | Margrét Björnson ..... | 1000,00 | | |
| 26. | Margrét Lárusdóttir, ekkja Guðmundar Guðfinnssonar héraðslæknis ..... | 700,00 | | |
| 27. | Margrét Kr. Lárusdóttir læknisekkja .. | 400,00 | | |
| 28. | Margrét Þórðardóttir læknisekkja, 600 kr., auk 100 kr. með hverju barni í ómegð ..... | 1000,00 | | |
| 29. | Marie Helgason ..... | 2000,00 | | |
| 30. | Ragna Gunnarsdóttir læknisekkja .... | 600,00 | | |
| 31. | Ragnheiður Einarsdóttir sýslumannsekkja | 600,00 | | |
| 32. | Ragnheiður Jónasson sýslumannsekkja | 800,00 | | |
| 33. | Rannveig Tómasdóttir ..... | 600,00 | | |
| 34. | Rigmor Ófeigsson ..... | 800,00 | | |
| 35. | Sigríður Arnljótsdóttir læknisekkja .. | 600,00 | | |
| 36. | Sigríður Blöndal ..... | 300,00 | | |
| 37. | Sigríður Finnbogadóttir ..... | 800,00 | | |
| 38. | Sigríður Fjeldsted ..... | 450,00 | | |
| 39. | Sigríður Hjaltadóttir Jensson ..... | 400,00 | | |
| 40. | Sigrún Bjarnason ..... | 600,00 | | |
| 41. | Sofia Guðmundsson ..... | 2000,00 | | |
| 42. | Soffía Hjaltested ..... | 600,00 | | |
| 43. | Steinunn Frímannsdóttir ..... | 450,00 | | |
| 44. | Súsanna Friðriksdóttir Erlendsson ... | 500,00 | | |
| 45. | Theodóra Thoroddsen ..... | 1200,00 | | |
| 46. | Þórhildur Eiríksdóttir Magnús ..... | 600,00 | | |
| | Flyt ... | 35710,00 | 37783,92 | 90919,26 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 35710,00 | 37783,92 | 90919,26 |
| 47. Þórunn Hafstein sýslumannsekkja ... | 400,00 | | |
| 48. Þrúður Ingibj. Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| | | 36410,00 | |
| c. Uppgjafaprestar: | | | |
| 1. Árni Þórarinsson ..... | 280,00 | | |
| 2. Ásmundur Gíslason ..... | 385,00 | | |
| 3. Böðvar Bjarnason ..... | 600,00 | | |
| 4. Einar Pálsson ..... | 430,00 | | |
| 5. Einar Thorlacius ..... | 355,00 | | |
| 6. Halldór Bjarnarson ..... | 430,00 | | |
| 7. Hallgrímur Thorlacius ..... | 295,00 | | |
| 8. Ingvar Nikulásson ..... | 385,00 | | |
| 9. Jón Árnason ..... | 445,00 | | |
| 10. Jón Norðfjörð Johannessen ..... | 460,00 | | |
| 11. Kjartan Kjartansson ..... | 400,00 | | |
| 12. Kristinn Daníelsson ..... | 520,00 | | |
| 13. Magnús Bjarnason ..... | 355,00 | | |
| 14. Matthías Eggertsson ..... | 465,00 | | |
| 15. Ófeigur Vigfússon ..... | 280,00 | | |
| 16. Ólafur Magnússon ..... | 420,00 | | |
| 17. Pálmi Þóroddsson ..... | 265,00 | | |
| 18. Runólfur Magnús Jónsson ..... | 430,00 | | |
| 19. Sigtr. Guðlaugsson ..... | 3000,00 | | |
| 20. Stefán Kristinsson ..... | 400,00 | | |
| 21. Theódór Jónsson ..... | 235,00 | | |
| 22. Vigfús Þórðarson ..... | 385,00 | | |
| 23. Þórður Ólafsson ..... | 370,00 | | |
| 24. Þorvaldur Jakobsson ..... | 1275,00 | | |
| 25. Þorvarður Þorvarðsson ..... | 475,00 | | |
| | | 13340,00 | |
| d. Prestsekkjur: | | | |
| 1. Anna Kvaran frá Mælifelli ..... | 300,00 | | |
| 2. Anna Stefánsdótir frá Stað ..... | 200,00 | | |
| 3. Ástríður Petersen frá Svalbarði ..... | 200,00 | | |
| 4. Auður Gísladóttir ..... | 300,00 | | |
| 5. Bergljót Blöndal ..... | 200,00 | | |
| 6. Björg Einarsdóttir frá Dvergasteini .. | 200,00 | | |
| 7. Björg Einarsdóttir frá Undirfelli ..... | 500,00 | | |
| 8. Björg Jónasdóttir frá Eskifirði ..... | 300,00 | | |
| 9. Björg Jónsdóttir frá Vallanesi ..... | 300,00 | | |
| 10. Dorothea Guðmundsson ..... | 300,00 | | |
| 11. Guðbjörg Guðmundsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 12. Guðbjörg Hermannsdóttir ..... | 181,70 | | |
| 13. Guðný Þorsteinsdóttir ..... | 173,56 | | |
| 14. Guðríður Helgadóttir ..... | 282,00 | | |
| 15. Guðríður Ólafsdóttir ..... | 164,26 | | |
| 16. Guðrún J. Jóhannesdóttir ..... | 500,00 | | |
| 17. Guðrún Jónsdóttir 800 kr., auk 300 kr. með hverju barni hennar í ómegð .. | 2600,00 | | |
| Flyt ... | 7101,52 | 87533,92 | 90919,26 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 7101,52 | 87533,92 | 90919,26 |
| 18. Guðrún S. Jónsdóttir ..... | 250,00 | | |
| 19. Guðrún Runólfsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 20. Guðrún Torfadóttir ..... | 300,00 | | |
| 21. Helga Jónsdóttir frá Eskifirði ..... | 300,00 | | |
| 22. Helga Ketilsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 23. Helga Skúladóttir ..... | 227,06 | | |
| 24. Ingibjörg Jónasdóttir frá Árnesi .... | 300,00 | | |
| 25. Ingibjörg Magnúsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 26. Ingveldur Einarsdóttir frá Raufarhöfn | 300,00 | | |
| 27. Jakobína Sigurgeirsdóttir ..... | 157,44 | | |
| 28. Jóhanna Magnúsdóttir prófastsekkja . | 300,00 | | |
| 29. Kristín Ísleifsdóttir frá Eyrarbakka .. | 500,00 | | |
| 30. Líney Sigurjónsdóttir ..... | 500,00 | | |
| 31. Margrét Jónasdóttir ..... | 300,00 | | |
| 32. María Elísabet Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 33. Margrét Sigurðardóttir prófastsekkja . | 500,00 | | |
| 34. Ólína Snæbjörnsdóttir frá Stað ..... | 300,00 | | |
| 35. Sigríður Hansdóttir ..... | 385,00 | | |
| 36. Sigríður Helgadóttir ..... | 300,00 | | |
| 37. Sigríður Jóhannesdóttir ..... | 300,00 | | |
| 38. Sigríður Jónasdóttir frá Melstað ..... | 300,00 | | |
| 39. Sigríður Kjartansdóttir, 800 kr. auk 300 kr. með hverju barna sinna ..... | 2000,00 | | |
| 40. Sigrún Kjartansdóttir ..... | 300,00 | | |
| 41. Sigurlaug Knudsen ..... | 300,00 | | |
| 42. Steinunn Eiríksdóttir Stephensen .... | 200,00 | | |
| 43. Steinunn Pétursdóttir ..... | 300,00 | | |
| 44. Vilborg Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 45. Þóra Jónsdóttir ..... | 217,28 | | |
| 46. Þórhildur Sigurðardóttir ..... | 300,00 | | |
| | | 17738,30 | |
| e. Kennarar, kennaraekkjur og börn: | | | |
| 1. Aðalbjörg Steinsdóttir ..... | 500,00 | | |
| 2. Anna Ásmundsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 3. Ásdís Þorgrímsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 4. Ásta Magnúsdóttir ..... | 200,00 | | |
| 5. Brynjólfur Þorláksson söngkennari ... | 1200,00 | | |
| 6. Einar Hávarðsson ..... | 150,00 | | |
| 7. Elísabet Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 8. Guðbjörg Kristjánsdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 9. Guðmundur Björnsson ..... | 400,00 | | |
| 10. Hólmfríður Gísladóttir kennslukona .. | 500,00 | | |
| 11. Ingivaldur Nikulásson kennari ..... | 400,00 | | |
| 12. Jón Strandfeld ..... | 150,00 | | |
| 13. Lárus Bjarnason skólastjóri ..... | 3600,00 | | |
| 14. Lárus Rist kennari ..... | 600,00 | | |
| 15. Ragnheiður Guðjónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 16. Ragnheiður Torfadóttir ..... | 400,00 | | |
| Flutt ... | 10500,00 | 105272,22 | 90919,26 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flyt ... | 10500,00 | 105272,22 | 90919,26 |
| 17. | Samúel Eggertsson ..... | 300,00 | | |
| 18. | Sigurður Sigurðsson ..... | 400,00 | | |
| 19. | Sigurjón Rögnvaldsson ..... | 200,00 | | |
| 20. | Viktoría Bjarnadóttir ..... | 150,00 | | |
| 21. | Vilborg Torfadóttir, ekkja Eyjólfs Sveinssonar kennara ..... | 300,00 | | |
| | | | 11850,00 | |
| f. | Póstmenn, póstar og ekkjur þeirra: | | | |
| 1. | Anína Arinbjarnardóttir ..... | 300,00 | | |
| 2. | Árni Sigurðsson bréfberi ..... | 200,00 | | |
| 3. | Ásgeir Jónsson ..... | 400,00 | | |
| 4. | Ásgerður Bjarnadóttir ..... | 200,00 | | |
| 5. | Baldur Eyjólfsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 6. | Björn Jónsson Vestfjarðapóstur ..... | 200,00 | | |
| 7. | Böðvar Jónsson póstur ..... | 400,00 | | |
| 8. | Eiríkur Sigfússon póstur ..... | 200,00 | | |
| 9. | Eiríkur Steingrímsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 10. | Elínborg Vigfúsdóttir, ekkja Einars Runólfssonar póstafgreiðslumanns ... | 400,00 | | |
| 11. | Friðrik Jónsson póstur ..... | 450,00 | | |
| 12. | Guðbjörg Ólafsdóttir, ekkja G. Kristjánssonar pósts ..... | 300,00 | | |
| 13. | Guðjón Hermannsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 14. | Guðmundur Bergsson ..... | 1200,00 | | |
| 15. | Guðm. Kristjánsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 16. | Guðmundur Ólafsson póstur ..... | 500,00 | | |
| 17. | Guðrún Snorradóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| 18. | Hafliði Sveinsson ..... | 300,00 | | |
| 19. | Halla Árnadóttir póstsekkja ..... | 300,00 | | |
| 20. | Halldór Benediktsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 21. | Hedvig Blöndal, ekkja Óla Blöndals póstritara ..... | 300,00 | | |
| 22. | Ingibjörg Sigurðardóttir póstafgr.kona | 400,00 | | |
| 23. | Jóhann B. Jensson póstur ..... | 300,00 | | |
| 24. | Jóhanna Þ. Jónsdóttir póstsekkja .... | 200,00 | | |
| 25. | Jóhanna Thorlacius póstmannsekkja .. | 300,00 | | |
| 26. | Jón Jónsson póstur í Galtarholti .... | 500,00 | | |
| 27. | Kjartan Þorkelsson, fyrrum póstafgrm. og matsmaður ..... | 300,00 | | |
| 28. | Kristján Albert Bjarnason póstur .... | 300,00 | | |
| 29. | Kristján Jónsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 30. | Loftur Ólafsson póstur ..... | 600,00 | | |
| 31. | Magnús Einarsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 32. | María Jónsdóttir, ekkja Fr. Klemenss. | 300,00 | | |
| 33. | Ólafía Finnbogadóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| 34. | Ólöf Gunnarsdóttir, ekkja Árna Sigbjörnssonar pósts ..... | 200,00 | | |
| | Flyt ... | 11350,00 | 117122,22 | 90919,26 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 11350,00 | 117122,22 | 90919,26 |
| 35. Ragnheiður Bjarnadóttir, ekkja Þorleifs Jónssonar | 1000,00 | | |
| 36. Ragnheiður Straumfjörð | 300,00 | | |
| 37. Sigríður Guðmundsdóttir póstsekkja | 300,00 | | |
| 38. Sigríður Sigurðardóttir póstsekkja | 200,00 | | |
| 39. Sigríður Steingrímsdóttir, Árnanesi, ekkja Sigurðar Péturssonar pósts | 200,00 | | |
| 40. Sigurður Sumarliðason póstur | 200,00 | | |
| 41. Sigurjón Sumarliðason póstur | 500,00 | | |
| 42. Solveig Árnadóttir póstsekkja | 300,00 | | |
| 43. Stefán Þorvaldsson póstur | 400,00 | | |
| 44. Sumarliði Guðmundsson póstur | 500,00 | | |
| 45. Tryggvi Hallgrímsson póstur | 200,00 | | |
| 46. Þóra Matthíasdóttir Skaftason | 300,00 | | |
| 47. Þórdís Ívarsdóttir póstsekkja | 200,00 | | |
| 48. Þorlákur Þorlaksson póstur | 200,00 | | |
| 49. Þórunn Sigurðardóttir | 300,00 | | |
| 50. Þuríður Einarsdóttir póstsekkja | 200,00 | | |
| | | 16650,00 | |
| g. Sigurður Nordal, samkvæmt samningi | | 2000,00 | |
| h. Ólafur Friðriksson | | 1800,00 | |
| i. Dr. Helgi Pétursson | | 5000,00 | |
| j. Sigurjón Friðjónsson | | 1000,00 | |
| k. Ekkjur og börn skálda og listamanna: | | | |
| 1. Anna Pálsdóttir | 600,00 | | |
| 2. Arnbjörg Einarsdóttir | 300,00 | | |
| 3. Eleanor Sveinbjörnsson | 1200,00 | | |
| 4. Gíslína Kvaran | 600,00 | | |
| 5. Guðrún Jónsdóttir Erlingsson | 600,00 | | |
| 6. Ólína Þorsteinsdóttir | 300,00 | | |
| 7. Sigríður Jónsdóttir frá Hvítadal | 500,00 | | |
| 8. Sigríður Snæbjarnardóttir, ekkja Þór. B. Þorlákssonar málara | 500,00 | | |
| 9. Sigurlaug G. Gröndal | 400,00 | | |
| 10. Valborg Einarsson | 1000,00 | | |
| 11. Valgerður Benediktsson | 2400,00 | | |
| 12. Þórunn Pálsdóttir, ekkja Þorsteins Gíslasonar | 600,00 | | |
| | | 9000,00 | |
| l. Ýmsir starfsmenn og ekkjur: | | | |
| 1. Ágústa Þ. Ólafsdóttir | 300,00 | | |
| 2. Ásdís M. Sigurðardóttir ljósmóðir | 200,00 | | |
| 3. Anna Bjarnadóttir, ekkja Hj. Láruss. | 300,00 | | |
| 4. Arndís Sigurðardóttir | 300,00 | | |
| 5. Árni Gíslason yfirfiskimatsmaður | 1000,00 | | |
| 6. Árni G. Þóroddsson, fv. fiskimatsmaður | 400,00 | | |
| 7. Ásgeir Jónsson, Gottorp | 300,00 | | |
| 8. Ásta Þorvaldsdóttir | 300,00 | | |
| 9. Bjarni Grímsson, fyrrv. fiskimatsm. | 400,00 | | |
| Flyt ... | 3500,00 | 152572,22 | 90919,26 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 3500,00 | 152572,22 | 90919,26 |
| 10. | Bjarni Magnússon fangavörður ..... | 300,00 | | |
| 11. | Björg Guðmundsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 12. | Björn Einarsson ..... | 2000,00 | | |
| 13. | Björn Eymundsson hafnsögumaður .. | 1000,00 | | |
| 14. | Davíð Gíslason ..... | 600,00 | | |
| 15. | Einar Markússon, fyrrv. ríkisbókari .. | 2000,00 | | |
| 16. | Einar Straumfjörð, fyrrv. vitavörður, vegna örorku ..... | 1000,00 | | |
| 17. | Eiríkur Eiríksson, fyrrv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 18. | Erlendur Erlendsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 19. | Friðfinnur Guðjónsson leikari ..... | 800,00 | | |
| 20. | Gestur Guðmundsson, fyrrv. vitavörður | 400,00 | | |
| 21. | Gestur Sigurðsson leiðsögumaður .... | 300,00 | | |
| 22. | Gísli Jónsson, fyrrv. fiskimatsm. ..... | 400,00 | | |
| 23. | Gróa Dalhoff ..... | 800,00 | | |
| 24. | Guðbjörg Jónsdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 25. | Guðbjörg Þorleifsdóttir, Múlakoti .... | 400,00 | | |
| 26. | Guðbrandur Þorsteinsson vitavörður .. | 400,00 | | |
| 27. | Guðfinna Þórðardóttir vitavarðarekkja | 300,00 | | |
| 28. | Guðlaugur Hansson lýsismatsm. ..... | 300,00 | | |
| 29. | Guðmundur Davíðsson, fv. umsjónarm. | 1500,00 | | |
| 30. | Guðmundur Eiríksson á Þorfinnsstöðum | 300,00 | | |
| 31. | Guðm. Gestsson, fv. dyrav. Menntaskól. | 1200,00 | | |
| 32. | Guðmundur Gissurarson, fv. fiskimatsm. | 400,00 | | |
| 33. | Guðmundur A. Guðmundsson, fv. fiskimatsmaður ..... | 200,00 | | |
| 34. | Guðmundur Kr. Guðmundsson, fyrrv. fiskimatsmaður ..... | 400,00 | | |
| 35. | Guðmundur Ólafsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 36. | Guðrún Egilson 2000 kr., auk 100 kr. með barni hennar í ómegð ..... | 2100,00 | | |
| 37. | Guðrún Ragúels ..... | 300,00 | | |
| 38. | Halldór Brynjólfsson blindi ..... | 350,00 | | |
| 39. | Halldóra Þórðardóttir ..... | 600,00 | | |
| 40. | Helgi Árnason, fyrrv. safnahúsvörður | 700,00 | | |
| 41. | Henriette Kjær, fv. yfirhjúkrunarkona | 600,00 | | |
| 42. | Hlín Johnson ..... | 1200,00 | | |
| 43. | Hólmfríður Björnsdóttir, ekkja G. Hjaltasonar ..... | 300,00 | | |
| 44. | Hólmgeir Jensson ..... | 300,00 | | |
| 45. | Ingibjörg Guðjónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 46. | Ingibjörg Jakobsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 47. | Jóhann Gíslason, fv. fiskimatsmaður . | 400,00 | | |
| 48. | Jóhannes Guðmundsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 49. | Jóhannes Jörundsson, Hrísey ..... | 1200,00 | | |
| 50. | Jón Runólfsson, fyrrv. sýsluskrifari .. | 600,00 | | |
| 51. | Jón Sigurðsson fiskimatsmaður ..... | 300,00 | | |
| 52. | Jón Sverrisson, fv. yfirfiskimatsm. ... | 1000,00 | | |
| | Flyt ... | 30850,00 | 152572,22 | 90919,26 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 30850,00 | 152572,22 | 90919,26 |
| 53. | Jónas Jónsson fyrrv. fiskimatsmaður . | 300,00 | | |
| 54. | Jóney Guðmundsdóttir, ekkja Guðjóns Guðlaugssonar ..... | 600,00 | | |
| 55. | Jónína Marteinsdóttir, fyrrv. hjúkrunarkona ..... | 300,00 | | |
| 56. | Kristín Guðmundsdóttir, ekkja E. Helgasonar ..... | 600,00 | | |
| 57. | Kristín Pálsdóttir vitavarðarekkja .... | 300,00 | | |
| 58. | Kristján Ingimundarson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 59. | Kristján Þorláksson vitavörður ..... | 400,00 | | |
| 60. | Kristjana Benediktsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 61. | Kristólína Kragh ..... | 300,00 | | |
| 62. | Lára Bjarnadóttir ..... | 400,00 | | |
| 63. | Magnús Magnússon dyravörður ..... | 300,00 | | |
| 64. | Magnús Magnússon, fv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 65. | Margrét Ásmundsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 66. | Margrét Jónsdóttir vitavarðarekkja .. | 300,00 | | |
| 67. | Margrét Vigfúsdóttir vitavarðarekkja . | 300,00 | | |
| 68. | Marta Þórarinsdóttir símamannsekkja | 500,00 | | |
| 69. | Nielsína Ólafsdóttir, ekkja Daníels Daníelssonar ..... | 600,00 | | |
| 70. | Ólafur Guðmundsson, fyrrv. ferjum. .. | 600,00 | | |
| 71. | Ólafur Ísleifsson, Þjórsártúni ..... | 1000,00 | | |
| 72. | Ólöf Steingrímsdóttir, ekkja Páls Erlingssonar ..... | 500,00 | | |
| 73. | Petrea Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 74. | Ragnheiður Erlendsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 75. | Rósa Jónsdóttir vitavarðarekkja ..... | 200,00 | | |
| 76. | Runólfur Magnússon, fv. fiskimatsm. . | 300,00 | | |
| 77. | Runólfur Pétursson, innhm. ..... | 600,00 | | |
| 78. | Sigmundur Finnsson fv. fiskimatsm. .. | 300,00 | | |
| 79. | Sigríður Gísladóttir 300 kr., og 100 kr. með hverju barni hennar til 16 ára aldurs ..... | 700,00 | | |
| 80. | Sigríður Gísladóttir ..... | 300,00 | | |
| 81. | Sigríður Jónasdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 82. | Sigríður Jónasdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 83. | Sigríður Magnúsdóttir hjúkrunarkona | 500,00 | | |
| 84. | Sigríður Sveinsdóttir, ekkja Jakobs Björnssonar síldarmatsmanns ..... | 300,00 | | |
| 85. | Sigurður Jóakimsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 86. | Sigurður Jónasson, fyrrv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 87. | Sigurður Jónsson, fyrrv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 88. | Sigurður Jónsson fyrrv. fiskimatsmaður, Hafnarfirði ..... | 400,00 | | |
| 89. | Sigurður Pétursson, fyrrv. fangav. .. | 1000,00 | | |
| 90. | Sigurjón Björnsson, fv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 91. | Soffía Ásgeirsdóttir hjúkrunarkona .. | 500,00 | | |
| | Flyt ... | 47150,00 | 152572,22 | 90919,26 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flyt ... 47150,00 | 152572,22 | 90919,26 |
| 92. | Tómas Gunnarsson, fv. fiskimatsm. .. 300,00 | | |
| 93. | Tómas Jónsson, fyrrv. fiskimatsm. .. 300,00 | | |
| 94. | Valgerður Steinsson, fv. spítalaráðsk. 500,00 | | |
| 95. | Vigfús Sigurðsson, fyrrv. vitavörður 300,00 | | |
| 96. | Þóra Sigurðardóttir ..... 300,00 | | |
| 97. | Þorsteinn Gíslason fiskimatsmaður .. 300,00 | | |
| 98. | Þorvaldur Þorvaldsson fyrrv. fiskimatsmaður ..... 300,00 | | |
| | | 49450,00 | |
| | Á styrkveitingar í II. a.—l. greiðist dýrtíðaruppbót eftir sömu reglum sem á laun embættismanna. | | |
| m. | Lífeyrir hjónanna á Staðarfelli ..... | 3000,00 | |
| n. | Dr. Páll E. Ólason, enda semji hann ókeypis æfisögur Íslendinga fyrir bókmenntafélagið ..... | 7200,00 | |
| | | | 212222,22 |
| III. | Dýrtíðaruppbót ..... | | 76000,52 |
| | Samtals ... | . . . | 379142,00 |

19. gr.

Til óvissra útgjalda er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| 1. | Verðlagsuppbót ..... | 9294500 | |
| 2. | Aukauppbætur á laun samkv. þál. 28/8 1942 ..... | 1750000 | |
| 3. | Til annarra útgjalda ..... | 250000 | |
| | | | 11294500 |
| | Samtals ... | . . . | 11294500 |

## III. KAFLI

### Eignahreyfingar.

### 20. gr.

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Inn:** | | |
| I. | Fyrningar: | | |
| 1. | Samkvæmt 3. gr. A. | 226000 | |
| 2. | — 3. — B. | 3649 | |
| 3. | — 9. — | 2170 | |
| 4. | — 10. — | 2046 | |
| 5. | — 11. — | 7070 | |
| 6. | — 12. — | 64200 | |
| 7. | — 13. — | 185552 | |
| 8. | — 14. — | 16166 | |
| 9. | — 15. — | 4350 | |
| | | | 511203 |
| II. | Væntanlega útdregið af bankavaxtabréfum og veðdeildarbréfum | | 50000 |
| III. | Endurgreiddar fyrirframgreiðslur | | 10000 |
| IV. | Endurgreidd lán og andvirði seldra eigna | | 70000 |
| | Samtals ... | . . . | 641203 |
| | **Út:** | | |
| I. | Afborganir lána ríkissjóðs og ríkisstofnana: | | |
| 1. | Ríkissjóðslán: | | |
| a. | Innlend lán ..... 816593 | | |
| b. | Lán í dönskum krónum ..... 407402 | | |
| c. | Lán í sterlingspundum ..... 510808 | | |
| d. | Lán í dollurum ..... 433998 | | |
| | | 2168801 | |
| 2. | Lán ríkisstofnana: | | |
| a. | Landssíminn (sjá 3. gr. A. 1.) ..... 200000 | | |
| b. | Ríkisútvarpið (sjá 3. gr. A. 4.) ..... 91100 | | |
| | | 291100 | |
| | | | 2459901 |
| | | . . . | 2459901 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| | . . . | 2459901 |
| II. Til eignaaukningar ríkisstofnana: Landssíminn (ný símakerfi o. fl.) ..... | | 1350000 |
| III. Til að gera nýja vita ..... | | 250000 |
| IV. Til lögboðinna fyrirframgreiðslna ..... | | 10000 |
| Samtals ... | . . . | 4069901 |

21.
I. Rekstr

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Tekjur: | | |
| 2. gr. | Skattar og tollar | | 425000 |
| 3. gr. A. | Tekjur af rekstri ríkisstofnana | 5262000 | |
| — B. | Tekjur af fasteignum ríkissjóðs | 8440 | |
| | | | 52704 |
| 4. gr. | Tekjur af bönkum og vaxtatekjur | | 3180 |
| 5. gr. | Óvissar tekjur | | 500 |
| | Rekstrarhalli | | 3986 |
| | Samtals ... | ... | 485370 |

II. Sjó

| | | kr. |
|---|---|---|
| | Inn: | |
| 2.—5. gr. | Rekstrartekjur samkvæmt rekstraryfirliti | 481384 |
| | Aðrar innborganir og fyrningar[1]): | |
| 20. gr. I. | Fyrningar | 5112 |
| — II. | Væntanlega útdregið af bankavaxtabréfum | 500 |
| — III. | Endurgreiddar fyrirframgreiðslur | 100 |
| — IV. | Endurgreidd lán og andvirði seldra eigna | 700 |
| | Greiðslujöfnuður | 38273 |
| | Samtals ... | 526069 |

1) Fyrningar eru færðar hér til jafnaðar sömu fjárhæð, sem talin er í rekstrarútgjöldum.

Yfirlit.
yfirlit.

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Gjöld: | | |
| 7. gr. | Vextir | | 1345980 |
| 8. gr. | Kostnaður við æðstu stjórn landsins | | 150000 |
| 9. gr. | Til alþingiskostnaðar og yfirskoðunar ríkisreikninga | | 553889 |
| 10. gr. | Til ríkisstjórnarinnar | | 1363434 |
| 11. gr. A. | Til dómgæzlu og lögreglustjórnar | 3576420 | |
| — B. | Sameiginlegur kostnaður við embættisrekstur | 918879 | |
| | | | 4495299 |
| 12. gr. | Til læknaskipunar og heilbrigðimála | | 1571750 |
| 13. gr. A. | Vegamál | 6488152 | |
| — B. | Samgöngur á sjó | 1828300 | |
| — C. | Vitamál og hafnargerðir | 1229400 | |
| — D. | Flugmál | 50000 | |
| | | | 9595852 |
| 14. gr. A. | Kirkjumál | 534980 | |
| — B. | Kennslumál | 3959416 | |
| | | | 4494396 |
| 15. gr. | Til vísinda, bókmennta og lista | | 579170 |
| 16. gr. | Til verklegra fyrirtækja | | 6861111 |
| 17. gr. | Til almennrar styrktarstarfsemi | | 5852550 |
| 18. gr. | Til eftirlauna og styrktarfjár | | 379142 |
| 19. gr. | Óviss útgjöld | | 11294500 |
| | Samtals ... | ... | 48537073 |

yfirlit.

| | | kr. |
|---|---|---|
| | Út: | |
| 7.—19. gr. | Rekstrarútgjöld samkvæmt rekstraryfirliti | 48537073 |
| | Aðrar útborganir: | |
| 20. gr. I. | Afborganir lána | 2459901 |
| — II. | Til eignaaukningar ríkisstofnana | 1350000 |
| — III. | Til að gera nýja vita | 250000 |
| — IV. | Lögboðnar fyrirframgreiðslur | 10000 |
| | Samtals ... | 52606974 |

22. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt:

I. Að verja fé úr ríkissjóði til launagreiðslu tveggja dómara í hæstarétti, ef dómurunum verður fjölgað á árinu 1943, samkvæmt lögum um hæstarétt, nr. 112 14. maí 1935.

II. Að greiða Páli Sveinssyni, fyrrverandi yfirkennara, full laun, enda vinni hann að því að fullgera hina frakknesk-íslenzku orðabók sína.

III. Að greiða Jakobi Smára ¾ adjunktslauna fyrir skólaárið 1942—1943, ef hann lætur af embætti og fær eigi lífvænlegt starf við sitt hæfi fyrir þann tíma.

IV. Að greiða Pétri Zóphóníassyni, ættfræðingi, full laun, ef hann lætur af starfi sínu á hagstofunni og vinnur að ættfræðirannsóknum.

V. Að endurgreiða án vaxta þeim Unni Jónsdóttur og Soffíu E. Ingólfsdóttur stjórnarráðsriturum og Önnu Guðmundsdóttur, Valdísi Halldórsdóttur og Helga Gíslasyni barnakennurum fé það, er þau hafa greitt í lífeyrissjóði embættismanna og barnakennara.

VI. Að láta þeim ráðherra, sem fer með utanríkismál, sé hann ekki jafnframt forsætisráðherra, í té leigulausa íbúð, eða að öðrum kosti greiða honum úr ríkissjóði allt að 3000 kr. til húsaleigu.

VII. Að greiða á árinu 1943 dýrtíðaruppbót á laun embættismanna, eftir sömu reglum sem á árinu 1942.

VIII. Að láta Blindravinafélag Íslands fá að láni allt að 10 útvarpstæki til afnota fyrir blinda menn, og sé kostnaður, er af þessu leiðir, færður á fjárhagsáætlun viðtækjaverzlunar ríkisins. Enn fremur að lána allt að þremur tækjum til sjúklinga, sem liggja rúmfastir árum saman í heimahúsum.

IX. Að endurgreiða skemmtanaskatt af fé því, sem aflað er með samkomum og rennur til eflingar slysavörnum hér við land.

X. Að ábyrgjast fyrir tunnuverksmiðju Siglufjarðar allt að 150 þús. kr. rekstrarlán, enda sé lánið greitt fyrir áramót.

XI. Að ábyrgjast fyrir Akureyrarkaupstað allt að 200 þús. kr. lán til rekstrar tunnuverksmiðju þar, enda greiðist lánið fyrir áramót.

XII. Að láta Íþróttasambandi Íslands í té lóð undir íþróttaheimili í Reykjavík til leigulausra afnota.

XIII. Að krefjast þeirra trygginga, sem stjórnin metur gildar, fyrir hverri ábyrgð, sem hún gengur í fyrir hönd ríkissjóðs, enda séu allar slíkar lántökur framkvæmdar af ráðuneytinu, eða Landsbanka Íslands eða Útvegsbanka Íslands í samráði við ráðuneytið. Þó getur ráðuneytið falið einstökum mönnum útvegun lánanna.

XIV. Að greiða 12000 kr. til rekstrar húsmæðrakennaradeildar í sambandi við húsmæðraskóla í Reykjavík.

XV. Að greiða 50000 kr. byggingarstyrk til gagnfræðaskólans í Reykjavík.

XVI. Að greiða 500 þús. kr. til byggingar sjómannaskóla.

XVII. Að greiða Kvenfélagi Grindavíkur 1000 kr. fyrir afnot húseignar félagsins fyrir skólahald o. fl.

XVIII. Að verja úr ríkissjóði allt að 50 þús. kr., að fengnum tillögum fiskimálanefndar, til þess að styrkja þá útgerðarmenn, er misst hafa báta sína frá ófriðarbyrjun, til þess að byggja nýja báta, þó ekki yfir 20% af byggingarkostnaði.

XIX. Að greiða Gústaf A. Sveinssyni hrm. allt að 2000 kr. fyrir samningu efnisyfirlits yfirréttardóma, enda takist samningur um útgáfu verksins.

XX. Að afskrifa skuld Neskaupstaðar við ríkissjóð vegna Fóðurmjölsverksmiðju Norðfjarðar.

XXI. Að lækka útgjöld ríkissjóðs, sem ekki eru bundin í öðrum lögum en fjárlögum, eftir jöfnum hlutföllum, um allt að 35%, ef ríkisstjórnin telur sýnilegt, að áhrif styrjaldarinnar verði þess valdandi, að tekjur ríkissjóðs lækki verulega.

XXII. Að ábyrgjast kr. 150000.00 lán til byggingar stúdentagarðs við Háskóla Íslands.

23. gr.

Stjórn Landsbankans veitist heimild til að greiða Steinunni Kristjánsdóttur, ekkju Alberts Þórðarsonar bankabókara, 500 kr. 1943, svo og uppbót á þá fjárhæð, eftir sömu reglum sem bankinn veitir hana á laun starfsmanna sinna.

Stjórninni er heimilt að greiða Þóru Beck, ekkju Þórólfs Becks skipstjóra, eftirlaun eftir svipuðum reglum sem Eimskipafélag Íslands greiðir ekkjum skipstjóra sinna, og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

Stjórn Búnaðarbankans veitist heimild til þess að greiða frú Önnu Klemensdóttur, ekkju Tryggva Þórhallssonar bankastjóra, 25% af launum manns hennar sem aðalbankastjóra Búnaðarbankans, og dýrtíðaruppbót að auk.

Stjórn sama banka veitist heimild til þess að greiða frá Aðalbjörgu Albertsdóttur, ekkju Þorsteins Sigurgeirssonar bankagjaldkera, 1000 kr., og til tveggja barna hennar innan 16 ára aldurs, 300 kr. til hvors.

Stjórn sama banka veitist heimild til að greiða Ólafíu Bjarnadóttur, ekkju Þórðar Sveinssonar bókara, 1800 kr.

Stjórninni er heimilt að greiða Sigurði Hjálmarssyni stýrimanni, 600 kr., og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

Stjórninni er heimilt að greiða Ólafíu Gísladóttur, ekkju Vilhjálms Þorsteinssonar stýrimanns, eftirlaun eftir svipuðum reglum sem Eimskipafélag Íslands greiðir ekkjum stýrimanna sinna, og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

24. gr.

Ef lög verða staðfest, er afgreidd hafa verið frá Alþingi 1942 og hafa í för með sér tekjur eða gjöld fyrir ríkissjóð, breytast fjárhæðirnar tekju- og gjaldamegin samkvæmt þeim lögum.

Allar þær fjárveitingar, sem eigi eru ákveðnar í lögum, öðrum en fjárlögum, tilskipunum, konungsúrskurðum eða öðrum gildandi ákvörðunum, gilda aðeins fyrir fjárhagstímabilið.

## Ed. 347. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta, leitað umsagnar landlæknis um það og orðið sammála um að leggja til, að frumvarpið verði samþ. óbreytt.

Alþingi, 5. febr. 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr., frsm. Hermann Jónasson.

Lárus Jóhannesson. Brynjólfur Bjarnason.

## Ed. 348. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 16 6. apríl 1939, um breyting á lögum nr. 68 28. des. 1934, um útvarpsrekstur ríkisins.

Frá meiri hl. allsherjarnefndar.

1. gr.

4. gr. laga nr. 68 28. des. 1934 orðist þannig:

Útvarpsráð skipa fimm menn. Skulu þeir ásamt jafnmörgum varamönnum kosnir hlutfallskosningu á Alþingi á fyrsta þingi eftir hverjar almennar alþingiskosningar. Kennslumálaráðherra skipar formann úr flokki hinna kosnu útvarpsráðsmanna.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi. Skal kjósa í útvarpsráð samkv. lögum þessum á þingi því, er nú situr, og fellur þá niður umboð hinna fyrri útvarpsráðsmanna.

Greinargerð.

Með gildandi lögum er Alþingi fengin kosning útvarpsráðs. En kosningin gildir til nokkurra ára í senn án tillits til breytinga þeirra, sem verða kunna á styrkleikahlutföllum á Alþingi við almennar kosningar. Þetta er óeðlilegt, því að úr því að Alþingi er fenginn þessi kosningarréttur, sýnist sjálfsagt, að hvert nýkosið Alþingi kjósi útvarpsráð að nýju. Með því einu móti er skapaður möguleiki fyrir því, að útvarpsráð sé í samræmi við óskir almennings á hverjum tíma. Sami háttur er hafður á um kosningu menntamálaráðs og hefur vel gefizt, og er því með frv. þessu lagt til, að svo verði einnig farið um útvarpsráð.

Einn nefndarmanna, Hermann Jónasson, hefur tjáð sig eigi reiðubúinn til að taka afstöðu til málsins.

## Ed. 349. Frumvarp til laga

um verðlag.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Viðskiptaráð, sem skipað er samkvæmt lögum um innflutning og gjaldeyrismeðferð, frá 16. jan. 1943, skal hafa eftirlit með öllu verðlagi, og hefur það bæði af sjálfsdáðum og að fyrirlagi ráðuneytisins vald og skyldu til að ákveða hámarksverð á hvers konar vörur og verðmæti, þar á meðal hámark álagningar, umboðslauna og annarrar þóknunar, sem máli skiptir um verðlag í landinu. Svo getur Viðskiptaráð og úrskurðað um aðra kostnaðarliði, sem máli skipta um verðlagningu á vörum. Þá getur og Viðskiptaráð ákveðið gjöld fyrir flutning á landi, sjó og í lofti, þar með talin farmgjöld og afgreiðslugjöld, enn fremur greiðslur til verkstæða og annarra verktaka fyrir alls konar verk, svo sem pípu- og raflagningar, smíðar, málningu og veggfóðrun, saumaskap, prentun og því um líkt. Þá getur Viðskiptaráð og ákveðið hámarksverð á greiðasölu, veitingum, fæði, snyrtingu, fatapressun og aðgöngumiðum að almennum skemmtunum og öðru slíku. Ákvæði þessarar greinar taka ekki til vörutegunda, sem verðlagðar eru samkvæmt sérstökum lögum, né til vöru, sem seld er úr landi, eða launa fyrir verk, sem ákveðin hafa verið með samningum stéttarfélaga.

2. gr.

Ríkisstjórnin skipar verðlagsstjóra, sem gerir tillögur til Viðskiptaráðs um verðlagsákvæði og hefur á hendi framkvæmd þeirra og eftirlit með að þeim sé hlýtt. Hann skipar trúnaðarmenn um land allt til verðlagseftirlits. Hann hefur á hendi allan daglegan rekstur í sambandi við verðlagseftirlitið. Ef upp rís ágreiningur um skilning á verðlagsákvæðum, sker Viðskiptaráð úr.

Þeir, sem með verðlagseftirlit fara samkvæmt lögum þessum, geta krafið hvern sem er allra þeirra upplýsinga, skýrslna og annarra gagna, er þeir telja nauðsynleg í starfi sínu.

3. gr.

Þegar Viðskiptaráð fjallar um verðlagsmál, skulu tveir nefndarmenn jafnan víkja úr ráðinu samkvæmt ákvörðun ríkisstjórnar í skipunarbréfum þeirra, og skulu í þeirra stað koma tveir menn, er ríkisstjórnin skipar, með atkvæðisrétti um verðlagsákvarðanir.

Í Viðskiptaráði ræður afl atkvæða, og eru úrskurðir þess og ályktanir fullnaðarúrslit verðlagsmála. Þó má taka mál til meðferðar að nýju, ef ástæður hafa breytzt eða nýjar skýrslur komið fram, er máli skipta. Viðskiptaráð er ekki ályktunarfært um verðlagsmál nema það sé fullskipað.

4. gr.

Sala á vörum milli heildverzlana innbyrðis eða smásöluverzlana innbyrðis (keðjuverzlun), er bönnuð, nema slík verzlun sé gerð án álagningar eða heildarálagning vörunnar sé innan þeirra takmarka í heildsölu og smásölu, sem heimiluð er. Bannað er að halda vörum úr umferð í því skyni að fá hærri verzlunarhagnað af þeim síðar.

5. gr.

Allar verðlagsákvarðanir, sem samþykktar eru af Viðskiptaráði, skulu birtar af verðlagsstjóra þegar í stað, og ganga þær í gildi jafnskjótt og gilda þar til öðruvísi er ákveðið. Ákvarðanirnar skulu birtar á þann hátt, að þær verði kunnar almenningi á því verðlagssvæði, er þær ná til.

6. gr.

Viðskiptaráði, verðlagsstjóra, starfsmönnum eða öðrum, sem afskipti hafa um framkvæmd þessara laga, er bannað, að viðlagðri ábyrgð eftir ákvæðum almennra hegningarlaga um opinbera starfsmenn, að skýra óviðkomandi mönnum frá þeim atriðum, er þeir verða áskynja um af skýrslum þeim, sem um getur í 2. gr., að því leyti, sem þau varða einstaka menn eða einstök fyrirtæki.

7. gr.

Eftir gildistöku þessara laga má verðlag ekki hækka á neinu því, sem háð er verðlagseftirliti samkvæmt 1. gr., nema með leyfi Viðskiptaráðs.

8. gr.

Kostnaður við framkvæmd verðlagseftirlitsins greiðist af ríkissjóði, að svo miklu leyti sem tekjur Viðskiptaráðs hrökkva ekki til þess, þegar greiddur er allur kostnaður Viðskiptaráðsins.

9. gr.

Sá, sem vanrækir skyldur þær, er um ræðir í 2. gr., skal sæta 10—100 kr. dagsektum. Sá, sem gefur rangar skýrslur til verðlagsstjóra, skal sæta refsingu samkvæmt ákvæðum almennra hegningarlaga.

Brot á lögum þessum eða reglum, settum samkvæmt þeim, varða sektum allt að 100 000 kr. Ef miklar sakir eru eða brot ítrekað, má og svipta sökunaut með dómi rétti til verzlunar.

10. gr.

Mál út af brotum samkvæmt 9. gr. fara að hætti opinberra mála.

11. gr.

Með reglugerð má setja nánari ákvæði um framkvæmd laga þessara. Með lögum þessum eru lög nr. 79 frá 1. sept. 1942 numin úr gildi.

12. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Allar verðlagsákvarðanir um hámarksverð og hámarksálagningu, sem í gildi eru við gildistöku laganna, skulu haldast fyrst um sinn, þar til Viðskiptaráð hefur afnumið þær eða sett ný ákvæði í stað þeirra.

## Sþ. 350. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 334 (Verklegar framkvæmdir).

Flm.: Stefán Jóh. Stefánsson.

Aftan við brtt. á þskj. 334 bætist: og fylgjast sem bezt með starfsemi hliðstæðra nefnda, sem skipaðar hafa verið erlendis.

## Nd. 351. Þingsályktun

um rannsókn nýrra vinnuaðferða í vegagerð og símalagningu.

(Afgreidd frá Nd. 5. febr.)

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að láta rannsaka með aðstoð vegamálastjóra og póst- og símamálastjóra:

1. Hvernig auka megi vélanotkun í vegagerð hér á landi meir en nú er;
2. að hve miklu leyti komið verði við eða hagkvæmt sé að nota ákvæðisvinnu í vegagerð ríkisins;
3. hvort eigi sé kleift að leggja símalínur til afskekktra staða með minni tilkostnaði en nú tíðkast.

## Sþ. 352. Breytingartillaga

við till. til þál. um milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum.

Frá Gísla Jónssyni, Gísla Sveinssyni og Jóni Sigurðssyni.

Tillgr. orðist svo:

Alþingi ályktar að kjósa fimm manna milliþinganefnd til þess að taka til athugunar og endurskoðunar löggjöfina, er varðar sjávarútveginn, stuðning ríkisvaldsins við hann, viðskiptamál, félagsmál og tryggingarmál útgerðarinnar, endurnýjun

fiskiflotans, skipasmíðar og viðgerðir báta og véla og hafnargerðir og lendingabætur vegna fiskiveiðanna.

Nefndin leiti tillagna Fiskifélags Íslands og aðstoðar þess í verkefnum þeim, sem henni eru falin í tillögunni. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

Nefndin kýs sér sjálf formann.

## Sþ. 353. Breytingartillaga

við till. til þál. um undirbúning verklegra framkvæmda eftir styrjöldina og endurskoðun á skipulagi stóratvinnurekstrar í landinu.

Frá Gísla Sveinssyni, Jóni Sigurðssyni og Gísla Jónssyni.

Tillgr. orðist svo:

Alþingi ályktar að kjósa fimm manna milliþinganefnd til þess að gera áætlanir og tillögur um framkvæmdir í landinu, er núverandi styrjöld lýkur og hinn erlendi her hverfur á brott, með það fyrir augum, að atvinna og framleiðsla aukist, ekki aðeins í bráð, heldur einnig til frambúðar, svo og hvernig stóratvinnurekstri landsmanna verði bezt og tryggilegast fyrir komið.

Nefndinni er heimilt að taka sér til aðstoðar sérfróða menn í verkefnum þeim, sem henni eru falin í tillögu þessari. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

Nefndin kýs sér sjálf formann.

## Ed. 354. Nefndarálit

um frv. til l. um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og er sammála um að mæla með, að það nái fram að ganga. Einn nefndarmaður (BSt) áskilur sér þó að hafa óbundnar hendur um afgreiðslu málsins og skrifar því undir nefndarálit með fyrirvara.

Haraldur Guðmundsson tók eigi þátt í meðferð málsins vegna sjúkleika.

Alþingi, 6. febr. 1943.

Pétur Magnússon, form., frsm. Lárus Jóhannesson. Steingr. Aðalsteinsson.

Bernh. Stefánsson, með fyrirvara.

## Sþ. 355. Nefndarálit

um styrk til flóabátaferða.

Frá samvinnunefnd samgöngumála.

Eins og fyrr hafa samgöngumálanefndir beggja þingdeilda unnið að athugun flóabátaferða og rannsókn á öllum ástæðum þar að lútandi með hliðsjón af því, hvernig styrkveitingum til þeirra úr ríkissjóði yrði að vera háttað á þessu ári, 1943, sem fyrirliggjandi fjárlagafrv. er miðað við. Hefur aldrei þvílíkan vanda

borið að höndum samvinnunefndar sem nú, að því er tekur til ákvörðunar styrkveitinga, sem að fullu haldi mættu koma á hverjum stað, svo að nauðsynlegum ferðum og flutningum verði haldið uppi milli héraða landsins eða innan þeirra, á fjörðum og flóum eða með ströndum fram. Var þegar á fyrra ári sýnt, enn meir en árið þar áður, að því aðeins, að stóraukinn yrði styrkur úr ríkissjóði til nærri allra þessara samgangna, var kleift að gera sér vonir um, að þær ekki algert stöðvuðust, — sem hefði orðið sama sem niðurdrep í atvinnulífi og lífsbjargarstarfsemi ýmissa hluta landsins. Fyrir því ákvað nefndin einnig þá þegar, 1942, að gera tillögur um aukinn styrk til þessara samgangna það ár, til hækkunar áður ákvörðuðum tillögum í fjárlögum ársins, sem sé að í viðbót við kr. 136300.00 yrði greitt úr ríkissjóði kr. 88860,00, eða alls kr. 225160.00. Nú mun þetta hafa enn aukizt í höndum ríkisvaldsins á fyrra ári, af óhjákvæmilegri nauðsyn, svo að bert er, að viðkomandi liður í fjárlagafrv. stjórnarinnar er allt of lágt áætlaður, þar sem haldið er hinni upphaflegu tölu, sem úrelt var orðin á miðju f. á., en ekkert tillit tekið til þess, hvað kostnaðurinn raunverulega varð 1942, sem hlaut að gefa til kynna, að vissulega gæti hann orðið jafnvel hálfu meiri 1943.

Fyrir nefndinni hafa legið margvísleg skilríki og umsóknir um aðstoð og styrki frá þeim aðilum í héruðum, sem annast flóaferðir eða hagsmuna hafa að gæta í því efni. Má þó segja, að breytzt hafi aðstaðan frá degi til dags og ávallt orðið erfiðari, unz svo var komið um síðustu áramót, að við lá stöðvun á fleirum en einum stað, sumpart vegna skorts á skipa- eða bátakosti, sumpart fyrir sakir ofurkostnaðar við útgerð ferðanna. Hefur því orðið að hlaupa undir bagga eða lofa fullnægjandi aðstoð, þar sem ekki varð hjá því komizt.

Nefndin hefur, eins og jafnan áður, notið mikilsverðrar aðstoðar forstjóra skipaútgerðar ríkisins. Hefur hann setið á fleirum fundum með nefndinni og gefið skýringar og bendingar um öll aðsteðjandi vandamál í þessum samgöngumálum. Hefur hann og eftir ósk nefndarinnar gert tillögur um allar helztu styrkveitingarnar, byggðar á kunnugleika allra ástæðna, og hefur nefndin í styrkjatillögum sínum, er hér birtast, í aðalatriðum fylgt hans leiðbeiningum eða blátt áfram tekið það upp, er hann hefur lagt til, að áður fram förnum samræðum á nefndarfundum. Loks hefur hann gert fyrir nefndina skriflega skýrslu um þessi mál, og verður hún, eða meginatriði hennar, prentuð sem fskj. með nál. Hefur þótt rétt, að allir hv. þm. fengju þannig að sjá og kynnast að nokkru ástæðum þeim, er nú ríkja í þessum efnum. Verður þessi skýrsla einnig sem rök samvinnunefndarinnar fyrir tillögum hennar um styrkveitingar að þessu sinni, — þótt enn kunni það að breytast, er á árið líður —, og gerist þess þá síður þörf að skilgreina það frekar í sjálfu nefndarálitinu.

Til dæmis um, hvernig nú horfir hér og þar, skal hér aðeins drepið á tvennt sérstaklega. Á Vestfjörðum, eða við Ísafjarðardjúp og grennd, hafði lengi verið einna erfiðast við að fást að halda uppi þolanlegum flutningasamgöngum, þrátt fyrir áhuga hlutaðeigenda í héraði og rekstrarstyrki þá, er þeim voru ákvarðaðir úr ríkissjóði. Lyktaði því svo á f. á., að Alþingi hét aðstoð sinni þessum héruðum til handa til byggingar eða kaupa á hæfilegu skipi, en nú hefur til þessa verið keyptur Akranesbáturinn „Fagranes“ (og mun ríkið hafa lagt þeim styrk í því augnamiði nál. 200 þús. kr.). En nú þarfnast héruðin til rekstrar þessara ferða, a. m. k. til að byrja með, tiltölulega mjög mikils styrks, sem eigi verður komizt hjá að veita, með von um, að árferði fari batnandi eða ferðir þessar gætu mestmegnis borið sig í framtíðinni. En við þetta atvik skapaðist aftur á móti hið mesta hallærisástand hér á Faxaflóa, er „Fagranes“ hvarf þaðan, — þótt undarlegt megi virðast, þar sem Borgarnessamgöngurnar með skipinu „Laxfossi“ sýnast vera í miklum blóma. En Akranes hefur á vissan hátt einangrazt, ef miðað er við flutningaþörfina þangað og þaðan (á síðkastið einkum mjólkurflutninga), og fyrir þá sök hefur skipaútgerð ríkisins sem fulltrúi ríkisstjórnarinnar orðið, með samþykki samgöngumálanefnda, að taka þær samgöngur í sínar hendur, reyndar með ærnum

kostnaði um sinn. Verður þessu fram að fara fyrst um sinn, þar til séð yrði, hvort eigi úr rætist, er kemur fram á vorið, enda munu Akurnesingar vilja kosta kapps um að bjarga sér sjálfir út úr þessum ógöngum, hvort sem yrði í samvinnu við Borgarnes eða ekki. En vissulega hefði mátt ætla, að betra samkomulag ríkti en raun gefur vitni um samgöngurnar á Faxaflóa milli þessara aðalstöðva, Akraness og Borgarness, sem báðar hafa þar mikilla hagsmuna að gæta.

Af framan greindum ástæðum eru Akranesferðir ekki teknar með í tillögum nefndarinnar að þessu sinni; kostnaður af þeim verður að teljast með tilkostnaði hjá skipaútgerð ríkisins, unz öðruvísi skipast. (Borgarnesferðir koma hér að sjálfsögðu ekki til greina; þær eru reknar af einkafélagi, er eigi æskir styrks.)

Vegna ríkjandi ástands, í landinu sjálfu og umhverfis það, hefur skipaútgerð ríkisins orðið að breyta til um fyrirkomulag ferða (strandferða) á ýmsan hátt, en þó eðlilega eigi komizt hjá því að sjá viðkomandi stöðum fyrir flutningaferðum með öðrum farkostum en strandferðaskipunum, t. d. á Breiðafirði. Telur nefndin þetta nauðsynlegt og ætlast til, að þetta haldist meðan þörf er, með sömu tilhögun og undanfarið nú um hríð, eða eigi óhagstæðari.

Þau sömu skilyrði fyrir greiðslu styrkjanna, er áður hafa gilt, vill nefndin að haldist áfram að öllu leyti, svo sem fullnæging þeirra reglna, er skipaútgerð ríkisins verður að setja þeim, er slíkar ferðir annast, o. s. frv. En til viðbótar þeirri athugasemd, er þessum lið fylgir í fjárlögum, telur nefndin rétt að komi það ákvæði, er forstjóri skipaútgerðarinnar víkur að í skýrslu sinni, að athuguð sé afkoma hinna einstöku báta, áður en styrkir til þeirra verði greiddir út að fullu. Mun nefndin greina þetta í breytingartill. þeirri um fjárhæð styrksins, sem hún eftir venju ber fram við fjárl. 13. gr. B. Er hér átt við hinar víðtækari samgönguleiðir, en eigi smábáta. Er eftirlit þetta í varúðarskyni, svo að eigi sé greitt meira en með þarf, ef ferðir taka að bera sig betur en á horfist, svo sem öllum mun þykja æskilegt.

Þess skal loks getið, að þar sem eigi hefur nauður rekið til meiri og sérstakrar hækkunar á styrkjum, hefur yfirleitt verið miðað við „vísitölu“, eins og hún hefur verið í vetur, samkvæmt því, sem forstjóri skipaútgerðarinnar hefur reiknað og lagt til, og gæti komið til mála, að hinir ákvörðuðu styrkir lækkuðu að sama skapi sem sú miðunartala félli, ef til þess kæmi. En það vill nefndin fela ríkisstjórninni og forstjóranum að gera út um á sínum tíma.

Samkvæmt þessu verður nefndin að leggja til, að flóabátastyrkurinn í fjárlögum 1943 verði ákvarðaður að upphæð 455320 kr., og skiptist þannig milli viðkomandi aðila:

| | |
|---|---|
| Djúpbátur | 170000 kr. |
| Skagafjarðar- (og Fljóta-)bátur til Siglufj. | 50000 — |
| Norðurlandsbátur (Eyjafj. til Austfj.) | 75000 — |
| Flateyjarbátur (á Skjálfanda) | 5520 — |
| Hornafjarðar—Austfjarðabátur | 30000 — |
| Fjarðabátar: | |
| a. Loðmundarfjarðarbátur | 1500 — |
| b. Norðfjarðarbátur | 2500 — |
| c. Mjóafjarðarbátur | 2000 — |
| d. Eskifjarðarbátur | 2500 — |
| Suðurlandsskip | 16000 — |
| Mýrabátur (á Faxaflóa) | 2000 — |
| Til Breiðafjarðarsamgangna (sbr. sundurliðun hér á eftir) | 46350 — |
| Til bátaferða innan A.-Skaft. (þar af 2550 kr. til Öræfinga) | 4950 — |
| Milli Stokkseyrar og Vestmannaeyja | 45000 — |
| Rangársandsbátur | 2000 — |

Breiðafjarðarstyrkurinn skiptist þannig milli bátanna þar:

| | | |
|---|---|---|
| 1. | Flateyjarbátur, venjul. ferðir ..... | 18000 kr. |
| 2. | Sami, vikul. ferðir: Flatey—Brjánslækur, Kinnarst.—Flatey | 12000 — |
| 3. | Stykkishólmsbátur ..... | 14000 — |
| 4. | Langeyjarnesbátur ..... | 2000 — |
| 5. | Skógarstrandarbátur ..... | 350 — |

Alþingi, 5. febr. 1943.

| | |
|---|---|
| Gísli Sveinsson, form. Nd.-nefndar, frsm. | Gísli Jónsson, form. Ed.-nefndar. |
| Sveinbjörn Högnason, fundaskr. Nd.-nefndar. | Ingvar Pálmason, fundaskr. Ed.-nefndar. |
| Sigurður Bjarnason. | Þóroddur Guðmundsson. |
| Brynjólfur Bjarnason. | Barði Guðmundsson. |

**Fylgiskjal.**

SKIPAÚTGERÐ RÍKISINS

Reykjavík, 19. janúar 1943.

Háttvirt samvinnunefnd samgöngumála hefur óskað eftir tillögum um styrk til flóabátanna á þessu ári. Vil ég í eftirfarandi skýrslu reyna, eftir því sem föng standa til, að verða við þeim óskum.

**Djúpbáturinn.**

Eftir því, sem upplýst hefur verið frá atvinnu- og samgöngumálaráðuneytinu, mun vera búið að greiða til Djúpbátsins á þessu ári 72500 kr., þar af munu vera 15 þús. kr., sem greiddar voru á árinu 1941 og ætlazt var til, að endurgreiddar yrðu á árinu 1942. Báturinn, sem notaður hefur verið til ferðanna (Hekla, 16 tonn), er auðvitað hvergi nærri frambærilegur til að vera í slíkum ferðum, þó notazt hafi verið við hann. En þrátt fyrir það, þó báturinn væri svona lítill, hefur kostnaðurinn orðið svo mikill, að ekki hefur veitt af þeim 65 þús. kr., sem greiddar hafa verið upp í taprekstur hans. Nú hefur, eins og kunnugt er, verið stofnað nýtt félag, sem keypt hefur m/s „Fagranes“, og er hætt við, að tap á því verði mjög mikið, ef skipið á eingöngu að notast um Djúpið. (Sbr. síðar.)

**Skagafjarðar- og Fljótabátur til Siglufjarðar.**

Til þessara ferða voru ætlaðar 27 þús. kr., en vegna taps á rekstri bátsins lá við borð, að ferðirnar legðust niður á s. l. hausti, en þá var ómögulegt að fá annan bát til að halda þeim áfram. Varð það þó að samkomulagi við hr. Skafta Stefánsson, sem hefur haft þessar ferðir undanfarið, að hann héldi ferðunum áfram gegn því að fá styrkinn hækkaðan um 15 þús. kr., og hafa þannig verið greiddar 42 þús. kr. fyrir þessar ferðir á s. l. ári. Ég hef rætt við Skafta Stefánsson um, að hann taki að sér ferðirnar einnig á þessu ári, en hann er ófáanlegur til þess, nema styrkurinn verði hækkaður upp í 50 þús. kr., og hefur sýnt fram á það með rökum, að vart mun af því veita. Hins vegar hefur hann gengið inn á það, að lækkun eða hækkun vísitölu verki beint á styrkinn.

**Norðurlandsbáturinn.**

Til Norðurlandsbáts voru ætlaðar 42 þús. kr. á s. l. ári, og hefur báturinn haldið ferðunum uppi með svipuðu fyrirkomulagi og undanfarið, án þess að fá viðbótarstyrk. Tap mun hafa orðið á rekstrinum, svo óhugsandi er að fá hann til að halda ferðunum áfram, nema þá fyrir miklu hærri styrk. Jón Guðmundsson skipstjóri á Akureyri, eigandi m/b „Ester“, er nú hættur sjálfur og hefur selt syni sínum (Steindóri) o. fl. „Ester“, og hefur Steindór sótt um 75 þús. kr. styrk til að halda uppi ferðum með nokkuð breyttu fyrirkomulagi frá því, sem áður var, eins og t. d. sleppa ferð-

um til Seyðisfjarðar og fækka ferðunum til Þórshafnar, sem ég tel miður heppilegt. Ferðir þessar hafa undanfarið verið reknar með tveim bátum, „Ester“, 54 tonn, og „Mjölnir“ 16 tonn. Hefur „Ester“ verið höfð í föstum ferðum um Eyjafjörð, austur á Þórshöfn, til Grímseyjar og 4 ferðir til Seyðisfjarðar. En „Mjölnir“ hefur verið látinn fara ferðir milli Akureyrar og Siglufjarðar, venjulega þrjár ferðir í viku yfir sumarmánuðina. Nú er þessi styrkur, sem farið er fram á, miðaður við það, að „Ester“ verði ein í ferðum. Vil ég þess vegna gera það að tillögu, að tekið verði upp nýtt fyrirkomulag á ferðunum, þannig að „Ester“ fari 2 ferðir í viku frá Akureyri um Eyjafjörð til Siglufjarðar, hafi samband við bílferðirnar frá Akureyri til Dalvíkur, þannig að farþegar, sem ætla til Siglufjarðar, séu teknir á Dalvík og báturinn fari svo aftur frá Siglufirði með farþega til Dalvíkur; fari svo frá Dalvík, án þess að fara inn á Eyjafjörð, til hafna vestan Langaness. Einnig ætti báturinn að geta farið 2 ferðir til Seyðisfjarðar, aðra áður en síldartíminn byrjar og hina eftir að síldartíminn er úti.

**Flateyjarbátur (á Skjálfanda).**

Hreppsnefnd Flateyjarhrepps sá um hálfsmánaðarferðir milli Húsavíkur og Flateyjar með viðkomu á Flateyjardal, enn fremur mánaðarferðir til Þorgeirsfjarðar. Fyrir þetta voru greiddar 100 kr. fyrir hverja ferð til Húsavíkur og 30 kr. fyrir hverja ferð til Þorgeirsfjarðar. Nú er óhugsandi, að hægt verði að halda þessum ferðum áfram, nema styrkurinn verði a. m. k. helmingi hærri, þ. e. 200 kr. fyrir Húsavíkurferðina og 60 kr. fyrir Þorgeirsfjarðarferðina.

**Hornafjarðar—Austfjarðabátur.**

Ekki var viðlit að fá nokkurn bát til að vera í ferðum milli Hornafjarðar og Austfjarða fyrir þann styrk, sem ætlaður var til þess (20 þús. kr.). Var það ráð því tekið að láta m/b „Helgu“, sem höfð var við tundurduflaeyðingar fyrir Austfjörðum, annast jafnframt flutningana. Sama tel ég að verði nú í ár, að enginn bátur fáist í þessar ferðir, enda þótt styrkurinn verði hækkaður til muna. Nú er það svo, að óhjákvæmilegt mun vera, að Skipaútgerðin leigi aukaskip til að vera í ferðum milli Austfjarða og Reykjavíkur milli ferða „Esju“ þangað, og hef ég þá hugsað mér að leggja til, að flutningaþörfin milli Hornafjarðar og Austfjarða verði leyst með því skipi.

**Fjarðabátar.**

a. **Loðmundarfjarðarbátur.** Ferðum þessa báts hefur verið hagað eins og undanfarið, þannig að hann hefur haft samband við Seyðisfjörð, þegar þurfa þykir, og ætíð fyrir og eftir komu strandferðaskipanna. Styrkur til bátsins hefur verið greiddur eins og til stóð, 1000 kr.

b. **Reyðarfjarðarbátur.** Enginn bátur hefur fengizt til að vera í ferðunum fyrir þann styrk, sem ætlaður var til þeirra, og hefur styrkurinn því ekki verið notaður.

c. **Norðfjarðarbátur.** Sótt hefur verið um 2500 kr. styrk til að halda uppi ferðum milli Viðfjarðar og Neskaupstaðar í sambandi við nýjan veg, sem kominn er til Viðfjarðar. Mun verða af því stór samgöngubót fyrir Neskaupstað, og virðist sjálfsagt, að slíkum ferðum verði haldið uppi.

d. **Mjóafjarðarbátur.** Sótt hefur verið um 2000 kr. styrk fyrir bátaferðir milli Mjóafjarðar og Neskaupstaðar, og viljum vér í því sambandi geta þess, að strandferðaskipin koma yfirleitt ekki á Mjóafjörð, og eru tvennar ástæður til þess. Yfirleitt er lítið að gera þar fyrir svo stór skip og sömuleiðis vond leguplass, vegna þess, hve djúpt er, og er þess vegna þörf á að fá slíkar bátaferðir.

e. **Eskifjarðarbátur.** Þá hefur verið sótt um 1500 kr. styrk til bátaferða milli Kolmúla og Eskifjarðar, til þess að koma Fáskrúðsfirði í samband við vegakerfi Austfjarða, og tel ég það nauðsynlegt, en býst hins vegar við, að hæpið sé að fá bát fyrir þann styrk, sem sótt hefur verið um.

**Faxaflóabátur (Borgarnes).**

Eins og kunnugt mun vera, hefur Laxfoss annazt ferðirnar milli Borgarness og Reykjavíkur og sjálfsagt borið sig vel í þeim og því ekki óskað eftir styrk. Er því sú upphæð ónotuð.

**Akranesbátur.**

Fagranes annaðist ferðirnar milli Akraness og Reykjavíkur, þar til það var selt á s. l. hausti, eins og kunnugt er, og fékk það hlutfallslega af þeim styrk, sem til þess var ætlaður, eða 1875 kr. af 2500 kr. (Sbr. síðar).

**Til Breiðafjarðarsamgangna.**

Til þessara ferða voru ætlaðar 31 þús. kr., sem skiptast áttu milli ferða til Breiðafjarðar og innan Breiðafjarðar, og var þeim skipt þannig:

Ferðir til Breiðafjarðar:

| | | |
|---|---|---|
| Til Konráðs (fyrir 10 ferðir milli Reykjavíkur og Gilsfjarðar) ..... | kr. | 2000.00 |
| — Skipaútgerðar ríkisins ..... | — | 6150.00 |

Ferðir innan Breiðafjarðar:

| | | |
|---|---|---|
| Til Flateyjarbáts (Konráðs) ..... | kr. | 12000.00 |
| — Stykkishólmsbáts (Baldurs) ..... | — | 9400.00 |
| — Langeyjarnesbáts ..... | — | 1200.00 |
| — ferða milli Skógarstrandar og Stykkishólms ..... | — | 250.00 |

Töluverð óánægja hefur verið undanfarið um samgöngur á Breiðafirði yfirleitt, en þó hafa aðilar þar ekki komið sér saman um, hvernig hentast mundi vera að breyta þeim. Nú hefur hr. alþingism. Gísli Jónsson gert ákveðnar tillögur í þessu efni, að því er varðar Flateyjarbátinn, sem sé að Konráð (eða annar bátur ekki lakari) verði látinn vera í ferðum um vestanverðan Breiðafjörð með líku fyrirkomulagi og verið hefur, en auk þess verði báturinn látinn fara, yfir sumarmánuðina, fastar ferðir á hverjum þriðjudegi frá Flatey til Brjánslækjar og þaðan með viðkomu á öllum annnesjum til Kinnarstaðar og standi þar í sambandi við áætlunarbíl frá Reykjavík á þriðjudagskvöldin, fari síðan sömu leið til baka til Flateyjar á miðvikudögum. Yrði stórkostleg samgöngubót að þessum ferðum, en auðvitað þarf báturinn að fá aukinn styrk til að geta haldið þeim uppi, og telur alþingismaðurinn, að eigendur m/b Konráðs muni fást til að taka þessar viðbótarferðir, ef þeir fá 30 þús. kr. styrk fyrir allar Breiðafjarðarferðir bátsins.

**Bátur milli Stokkseyrar og Vestmannaeyja.**

Til ferða milli Stokkseyrar og Vestmannaeyja voru ætlaðar 10 þús. kr., en þegar til kom, sýndi það sig, að ómögulegt var að fá hæfan bát í ferðirnar, nema styrkurinn væri stórkostlega hækkaður, og varð það þá úr, að ríkisstjórnin ákvað að hækka styrkinn um helming, eða upp í 20 þús. kr. Gert hafði verið ráð fyrir, að báturinn hætti ferðum um miðjan septembermánuð, en það reyndist ófært vegna samgönguleysis við Vestmannaeyjar, svo að ferðunum varð að halda uppi, bæði í október og nóvember, og hefur allt í allt verið greitt fyrir þessar ferðir í ár 31 þús. kr., og verður að sjálfsögðu að halda ferðunum á þessu ári með svipuðu fyrirkomulagi, en til þess þarf að hækka styrkinn til muna.

**Rangársandsbátur.**

Ferðir þessa báts hafa verið eins og áður óákveðnar, en sýslumaðurinn í Rangárvallasýslu hefur sérstaka umsjá með þeim, og er talin nauðsyn á, að styrkurinn verði ekki felldur niður.

**Mýrabátur (á Faxaflóa).**

Enginn bátur fékkst til að taka að sér ferðirnar s. l. ár fyrir þann styrk, sem til þess var ætlaður, og hefur það fé því ekki verið notað, en ferðirnar lagzt niður til stóróþæginda fyrir hlutaðeigendur.

Þegar þær upphæðir til styrktar flóabátunum voru ákveðnar, sem farið hefur verið eftir á s. l. ári, var dýrtíðarvísitala 183, en á árinu hækkaði hún, eins og kunnugt er, upp í 272 stig, og er það ekki að undra, þó erfitt hafi verið að halda rekstri flóabátanna í horfinu. Verður að sjálfsögðu að gera sér það ljóst, að hækka verður styrk til flóabátanna svo ríflega, að kleift verði að halda ferðunum uppi.

Ætlazt er til, að hinar áætluðu upphæðir verði nægjanlegar til þess, að flóabátarnir geti uppfyllt þær kvaðir, sem á þá eru lagðar, án þess að tapa. Hins vegar er litið svo á, að bátarnir eigi ekki að hafa neinn verulegan gróða, og er því gert ráð fyrir, að styrkurinn verði ekki greiddur að fullu, ef það skyldi sýna sig, að rekstur einhvers bátsins gengi betur en búizt var við, þegar styrkupphæðirnar voru ákveðnar. Enn fremur skal þess getið, að styrkurinn er miðaður við núverandi vísitölu, og er réttmætt, að hann breytist til hækkunar eða lækkunar með henni.

Eins og kunnugt er, hefur flutningaþörfin verið svo mikil, að ekki hefur orðið hjá því komizt að hafa fjölda báta og skipa í flutningum, til að létta undir með strandferðaskipunum. Var t. d. á s. l. ári 31 bátur, fyrir utan strandferðaskipin og varðskipin, lengri og skemmri tíma á vegum útgerðarinnar, og fluttu þeir um 10 þús. smálestir. Var reynt að nota bátana til flutninga til hafna nálægt Reykjavík og Akureyri, en hin stærri skip í lengri leiðum. Vegna þess hefur verið haldið uppi föstum bátaferðum á Breiðafjörð og bátar einnig notaðir að mestu til Vestfjarða. Enn fremur voru bátar notaðir til flutninga frá Akureyri, Siglufirði og Raufarhöfn á hafnir þar nálægt. Þá hefur v/s Þór verið að mestu í föstum ferðum til Vestmannaeyja og stundum farið til Austfjarða.

Vildi ég leyfa mér að mæla með því, að Skipaútgerðinni verði leyft að sjá fyrir flutningaþörfinni með svipuðum hætti einnig á þessu ári og taka til þess þau skip og báta, sem þörf krefur og fáanleg eru. Má annars gera ráð fyrir, að flutningavandræði valdi ófyrirsjáanlegum erfiðleikum.

22. janúar 1943.

Í framhaldi af greinargerð varðandi flóabáta, dags. 19. þ. m., hefur oss nú borizt áætlun um rekstrarútgjöld m/s Fagraness (Djúpbátsins), þar sem Djúpbátsfélagið telur sig þurfa 200 þús. kr. styrk til rekstrar skipsins á þessu ári. Tel ég, að líkur bendi til, að hægt verði að komast af með 170 þús. kr., og færi þau rök fyrir, að árið 1941 var sæmilega góður bátur við Djúpið meiri hluta ársins, og þá voru tekjur af far- og farmgjöldum um 173 þús. kr. Síðan hafa far- og farmgjöld hækkað sem svarar að meðaltali 37%, og ætti því Fagranes, reiknað með svipuðu flutningamagni, að hafa 230—240 þús. kr. tekjur á árinu, og þess vegna ætti það, miðað við kostnaðaráætlunina, að komast af með 150—160 þús. kr. styrk; en mér þykja sumir kostnaðarliðirnir í rekstraráætluninni vera fulllágir og vil þess vegna mæla með því, að styrkurinn verði, eins og áður er sagt, 170 þús. kr.

Þá hefur nefndin óskað eftir áætlun um kostnað við rekstur fastra ferða milli Akraness og Reykjavíkur í því tilfelli, að Skipaútgerðinni yrði falið að hafa þær á hendi. Vil ég segja það, að mér er ómögulegt að gera neina áætlun um þær, sem er á rökum byggð, þar sem ég hef enga reynslu af þeim ferðum, nema þann stutta tíma, sem Skipaútgerðin hefur haft þær undanfarið. Virðist samkvæmt þeirri reynslu, að megi gera ráð fyrir tapi í ferðunum, allt að 400 kr. á dag. Hins vegar má telja líklegt, að ferðirnar beri sig mánuðina maí til septemer, þannig að halli yrði það, sem eftir er ársins, rúm 70 þús. kr.

Virðingarfyllst,
Pálmi Loftsson.

Til samvinnunefndar samgöngumála, Alþingi.

## Ed. 356. Nefndarálit

um frv. til l. um eignarnámsheimild fyrir Siglufjarðarkaupstað á jörðinni Höfn í Siglufirði.

Frá allsherjarnefnd.

Í landi jarðarinnar Hafnar stendur verulegur hluti Siglufjarðarkaupstaðar, og ber kaupstaðnum því brýn nauðsyn til að ná eignarhaldi á allri jörðinni, en nokkurn hluta hennar á hann nú þegar. Nefndin hefur því orðið sammála um að leggja til, að frv. þetta verði samþykkt.

Alþingi, 6. febr. 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Hermann Jónasson.
Lárus Jóhannesson. Brynjólfur Bjarnason.

## Ed. 357. Lög

um breyting á lögum nr. 52 27. júní 1925, um verzlunaratvinnu.

(Afgreidd frá Ed. 6. febr.)

Samhljóða þskj. 98.

## Ed. 358. Lög

um stofnun embættis háskólabókavarðar við Háskóla Íslands.

(Afgreidd frá Ed. 6. febr.)

Samhljóða þskj. 146.

## Ed. 359. Lög

um lendingarbætur í Bakkagerði í Borgarfirði.

(Afgreidd frá Ed. 6. febr.)

Samhljóða þskj. 72.

## Ed. 360. Hafnarlög

fyrir Keflavík.

(Afgreidd frá Ed. 6. febr.)

Samhljóða þskj. 215.

## Ed. 361. Lög

um breyting á hafnarlögum fyrir Hafnarfjarðarkaupstað, nr. 30 14. júní 1929.

(Afgreidd frá Ed. 6. febr.)

Samhljóða þskj. 230.

## Nd. 362. Lög

um breyting á lögum nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna.

(Afgreidd frá Nd. 6. febr.)

Samhljóða þskj. 232.

## Nd. 363. Lög

um breyting á lögum nr. 115 19. nóv. 1936, um þingsköp Alþingis.

(Afgreidd frá Nd. 6. febr.)

Samhljóða þskj. 109.

## Ed. 364. Frumvarp til laga

um breyting á sveitarstjórnarlögum, nr. 12 31. maí 1927, og um afnám laga nr. 34 27. júní 1941, um breyting á þeim lögum.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

23. gr. laga nr. 12 31. maí 1927 orðist svo:

Oddviti skal hafa að launum um árið eina krónu fyrir hvern mann í hreppnum samkvæmt manntali þess árs, er hann tekur laun fyrir, og auk þess minnst 2% — tvo af hundraði — af innheimtum útsvörum.

Á laun oddvita, önnur en innheimtulaun, greiðist verðlagsuppbót eftir almennri vísitölu samkvæmt lögum um verðlagsuppbót á laun embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins og ríkisstofnana.

2. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 34 27. júní 1941.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, og taka oddvitar laun samkvæmt þeim frá 1. janúar 1942.

## Ed. 365. Frumvarp til laga

um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt að selja eiganda Ness í Selvogi, fyrir það verð og með þeim greiðsluskilmálum, er um semur, þann hluta jarðarinnar, er ríkissjóður á og liggur vestan við merkjalínu úr Hellisþúfu sjónhending til sjávar í Viðarhelli, að lokinni skoðun á landinu og umsögn tveggja óvilhallra manna, sem tilnefndir eru af hæstarétti til þessa starfa.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 366. Frumvarp til laga

um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

Sá hluti jarðarinnar Ormsstaða í Norðfjarðarhreppi, sem nú er eign bæjarsjóðs Neskaupstaðar, skal lagður undir lögsagnarumdæmi Neskaupstaðar frá 1. apríl 1943.

2. gr.

Frá sama tíma tekur Neskaupstaður að sér framfærslu allra þeirra þurfamanna, sem eru eða verða og framfærslurétt eiga eða mundu eignast, ef lög þessi yrðu ekki sett, vegna fæðingar eða dvalar á landi því, er um ræðir í 1. gr.

3. gr.

Bætur fyrir tekjurýrnun Norðfjarðarhrepps, er leiðir af ákvæðum 1. gr., skulu ákveðnar af gerðardómi, skipuðum 3 mönnum. Tilnefna aðilar sinn manninn hvor í dóminn, en hæstiréttur tilnefnir oddamann, og er hann formaður dómsins. Vanræki annar hvor aðila eða báðir að tilnefna mann í dóminn, skal hæstiréttur tilnefna, svo að dómurinn verði fullskipaður.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 367. Þingsályktun

um athugun á rafvirkjun fyrir Dalasýslu.

(Afgreidd frá Ed. 6. febr.)

Samhljóða þskj. 313.

## Ed. 368. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv., og með tilvísun til umsagnar vegamálastjóra á þskj. 156 leggur hún til, að það verði samþ. óbreytt. Einn nefndarmanna (HG) var fjarstaddur, þegar nefndin tók ákvörðun um málið, og skrifar því ekki undir nál.

Alþingi, 5. febr. 1943.

Pétur Magnússon, form. Bernh. Stefánsson, frsm. Steingr. Aðalsteinsson.
Lárus Jóhannesson.

## Nd. 369. Breytingartillaga

við breytingartillögu á þskj. 301 (Húsaleiga).

Frá Páli Þorsteinssyni og Gísla Guðmundssyni.

Meginmál till. orðist svo:

Öll ákvæði þessara laga um íbúðarhúsnæði gilda eftir því sem við á einnig um leigu á húsum, bryggjum og pöllum til fiskibáta og fiskiskipa.

Sé leiga eftir slík hús, bryggjur og palla greidd með aflahlut, getur leigutaki eða leigusali krafizt, að metið sé, hve stór sá aflahlutur skuli vera.

## Ed. 370. Lög

um breyting á lögum nr. 58 28. jan. 1935, um hafnargerð á Hornafirði.

(Afgreidd frá Ed. 8. febr.).

Samhljóða þskj. 68.

## Nd. 371. Breytingartillaga

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá félagsmálaráðherra.

Við 3. gr. frv. 2. málsgr. orðist svo:

Þegar alveg sérstaklega stendur á, svo sem þegar um er að ræða alþingismenn og nemendur í föstum skólum, getur húsaleigunefnd veitt undanþágu frá upphafsákvæði þessarar greinar um tiltekinn eða ótiltekinn tíma.

## Nd. 372. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 300 (Húsaleiga).

Frá allsherjarnefnd.

Við 5. lið. Í stað orðanna „húsnæðislausra innanhéraðsmanna“ í lok 2. mgr. komi: innanhéraðsmanna, er hann kýs, og hefur húsaleigunefnd þá sams konar ráðstöfunarrétt á því húsnæði, sem þannig losnar.

## Nd. 373. Breytingartillaga

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá Einari Olgeirssyni.

Við 1. gr. Síðari hluti 3. málsgreinarinnar, orðin „en uppsagnir á leigusamningum“ og til loka setningarinnar, falli burt.

## Ed. 374. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

Frá meiri hl. allsherjarnefndar.

Nefndin hefur fengið frumv. þetta frá Nd., og hefur hún ekki getað orðið sammála um afgreiðslu þess. Meiri hluti nefndarinnar leggur til, að frumvarpið verði samþykkt óbreytt eins og það kemur frá Nd.

Alþingi, 8. febr. 1943.

Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr., frsm. | Brynjólfur Bjarnason. | Hermann Jónasson.

## Ed. 375. Nefndarálit

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frumvarpið, og jafnvel þótt skoðanir einstakra nefndarmanna á frumvarpinu og lögunum séu nokkuð skiptar, er samkomulag um, að frumvarpið verði samþykkt með þessum

BREYTINGUM:

1. Við 1. gr. Greinin falli burt.
2. Við 2. gr. Greinin falli burt.
3. Við 3. gr. Greinin orðist svo:
   Enginn má slátra sauðfé til sölu né kaupa fé til slátrunar eða verzla með kjöt af því í heildsölu án leyfis kjötverðlagsnefndar. Heimilt skal þó sauðfjár-

eigendum, er reykja kjöt á heimilum sínum, að selja beint til neytenda, enda greiði þeir af því verðjöfnunargjald um leið og afhending fer fram. Leyfi til slátrunar skal veitt fyrir eitt ár í senn. Leyfi skal veita lögskráðum samvinnufélögum, sem nú eru starfandi, svo og þeim samvinnufélögum, sem stofnuð kunna að verða á viðskiptasvæðum félaga, sem hætta störfum án þess að bændur á viðskiptasvæðinu gerist meðlimir annarra félaga. Heimilt er að veita slátrunarleyfi félögum neytenda á þeim stöðum, þar sem ekki eru sláturhús, en aðeins fyrir það fé, sem þau kynnu að kaupa til neyzlu meðal meðlima sinna. Enn fremur getur nefndin veitt leyfi samvinnufélögum bænda, er stofnuð kunna að verða eftir að lög þessi öðlast gildi á svæði, þar sem ekki eru samvinnufélög fyrir, og ekki falla undir ákvæði 3. málsl. þessarar greinar, sömuleiðis þeim verzlunum öðrum, sem uppfylla skilyrði þau, sem sett eru um sláturhús og verzlun kjöts samkvæmt ákvæðum laga um kjötmat o. fl. frá 19. júní 1933. Einnig er heimilt að veita sláturleyfi þeim einstaklingum, er vegna sérstakra staðhátta eiga svo örðugt um rekstur eða flutning fjárins til sláturhúss, að illfært sé að dómi nefndarinnar.

Í leyfi getur nefndin ákveðið fjártölu þá að hámarki, sem leyfishafi má slátra til sölu innanlands.

4. Við 4. gr. Greinin falli burt.
5. Við 5. gr. Greinin falli burt.
6. Við 6. gr. Greinin falli burt.
7. Við 7. gr. Greinin falli burt.

Alþingi, 8. febr. 1943.

Páll Hermannsson, form. Eiríkur Einarsson, fundaskr. Kristinn E. Andrésson, frsm.

H. Guðmundsson. Þorst. Þorsteinsson.

## Ed. 376. Breytingartillögur

við frv. til l. um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943.

Frá Gísla Jónssyni.

1. Við 2. gr. Greinin fellur niður. (Greinatala breytist samkv. því).
2. Við 3. gr. Aftan við greinina bætist: ásamt 1% vöxtum fyrir hvern mánuð eða hluta úr mánuði, sem upphæðin hefur verið í vörzlu viðkomandi bæjar- eða sveitarsjóðs.

## Sþ. 377. Tillaga til þingsályktunar

um fjarstýrð talskeytamóttökutæki í Vestmannaeyjum.

Flm.: Jóhann Jósefsson.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að láta sem fyrst setja upp fjarstýrð móttökutæki fyrir bátatalþjónustuna í Vestmannaeyjum, á Stórhöfða eða öðrum truflanafríum stað utan kaupstaðarins.

Ástæður.

Talstöðvar í bátum eru viðurkenndar sem eitt hið dýrmætasta öryggistæki bátanna, en til þess að slík tæki nái tilgangi sínum, þarf hlustunarþjónustan í

landi að vera í góðu lagi. Slíkri þjónustu er erfitt að koma fyrir í þéttbýli vegna truflana frá ýmiss konar vélum, t. d. rafmagnsvélum, sem gera það að verkum, að ekki heyrist í talstöðvum bátanna þótt þeir kalli, jafnvel tímunum saman. Eru næsta mörg dæmi þess í Vestmannaeyjum, að bátar, sem hafa haft þörf fyrir samband við land, jafnvel í lífsnauðsyn, hafa eigi náð því, að því er virðist sökum slæmra hlustunarskilyrða og vantandi hlustunarþjónustu. Póst- og símamálastjórnin hefur gert ráðstafanir til að bæta úr þessu annars staðar, t. d. á Siglufirði, þar sem hlustunarþjónustan á við svipaða erfiðleika að etja, með því að undirbúa fjarstýrða móttöku á stað langt frá kaupstaðnum, og er þess vænzt, að mjög bráðlega verði þetta fyrirkomulag nægilega undirbúið, svo að ef til vill á næsta sumri komist talþjónustan norður þar í æskilegt horf. —

Skipstjóra- og stýrimannafélagið „Verðandi“ í Vestmannaeyjum sneri sér til póst- og símamálastjóra rétt fyrir áramótin síðustu með beiðni um að bæta hlustunarþjónustuna í Vestmannaeyjum nú á þessari vertíð. Varð póst- og símamálastjóri vel við þeim tilmælum og ákvað að láta hlusta allan sólarhringinn nú á vertíðinni. En hingað til hefur hin reglulega hlustunarþjónusta verið frá kl. 8 árdegis til kl. 9 síðdegis.

Þó ber þess að geta, að bæði símstjórinn í Vestmannaeyjum og eins símritararnir hafa alltaf verið boðnir og búnir til að halda áfram talskeytaþjónustunni og loftskeytaþjónustunni eftir lokunartíma og alla nóttina, ef báta hefur vantað, án þess að krefjast nokkurrar aukagreiðslu fyrir það.

Samtímis hefur póst- og símamálastjóri lagt áherzlu á það, að reynt verði eftir megni að deyfa þær truflanir frá rafvélum ýmiss konar, sem torvelda talþjónustuna, svo að hún geti notið sín sem bezt við þau örðugu skilyrði, sem fyrir hendi eru, meðan móttakan fer fram inni í miðjum bænum.

Reynslan frá Siglufirði hefur sýnt það, að á þeim stöðum, þar sem bátafjöldi er mikill og þar af leiðandi mikil þörf fyrir góða talstöðvaþjónustu, er hin eina fullnægjandi lausn málsins fólgin í því að koma upp fjarstýrðum móttökutækjum svo fjarri skarkala bæjanna, að engin utan að komandi truflun torveldi samband bátanna við hlustunarstöðina í landi. Slíkt öryggi er mjög nauðsynlegt í Vestmannaeyjum, eins og það er á Siglufirði, og þess vegna er tillaga þessi flutt.

## Ed. 378. Breytingartillaga

við frv. til laga um verðlag.

Frá Gísla Jónssyni.

Við 4. gr. bætist nýr málsliður, svo hljóðandi:

Viðskiptaráð getur hvenær sem er fyrirskipað heildverzlunum eða öðrum, sem flytja inn og verzla með alls konar byggingarefni, veiðarfæri og aðrar nauðsynjavörur, að selja þær með heildsöluálagningu til smásöluverzlana í öðrum héruðum, ef sýnt er, að skortur er þar á slíkri vöru að dómi viðskiptaráðs.

## Ed. 379. Nefndarálit

um frv. til laga um verðlag.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og mælir með, að það nái fram að ganga. Einstakir nefndarmenn áskilja sér þó rétt til að bera fram brtt. við það eða fylgja brtt., er fram kunna að koma frá öðrum þingmönnum.

Alþingi, 9. febr. 1943.

Pétur Magnússon, form., frsm. Haraldur Guðmundsson, fundaskr. Bernharð Stefánsson.
Lárus Jóhannesson. Steingr. Aðalsteinsson.

## Ed. 380. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

Frá minni hl. allsherjarnefndar.

Minni hluti allsherjarnefndar telur reynslu bæði hér á landi og annars staðar þegar hafa margfaldlega sýnt, að bann er eigi á venjulegum tímum árangursrík né heppileg leið til að vinna á móti ofnautn áfengis. Í frv. þessu felst dulbúin tilraun til að lögleiða á ný í landinu áfengisbann, sem þjóðin hefur þegar að fenginni reynslu hafnað. Minni hluti nefndarinnar leggur því þegar af þeirri ástæðu á móti frv.

En auk þessa liggur fyrir í málinu yfirlýsing utanríkismálaráðuneytisins um, að ákvæði 1. gr. frv. brjóti í bága við gildandi milliríkjasamninga, frekar tvo en einn. Nú er það að þjóðarétti alviðurkennd skylda hvers ríkis að haga löggjöf sinni svo, að í samræmi við milliríkjaskuldbindingar þess sé. Viðurkenning þessa kemur að vísu fram í óljósu ákvæði 2. gr. frv. En slík óljós viðurkenning er eigi næg. Alþingi verður að hafa manndóm til þess að gera annaðhvort ráðstafanir til þess, að umræddir samningar verði felldir úr gildi, með þeim afleiðingum, sem reynslan hefur sýnt, að það muni hafa fyrir saltfiskmarkað landsmanna, eða þá að fella frv. þetta. Í stað þess er ákvörðun velt yfir á ríkisstjórnina um það, sem Alþingi sjálfu ber að mæla fyrir um.

Minni hluti nefndarinnar leggur því til, að frv. verði fellt.

Alþingi, 9. febr. 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Lárus Jóhannesson.

## Nd. 381. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

(Eftir 3. umr. í Ed.)

1. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

a. Stofnfé sjóðsins er: Eignir fiskveiðasjóðs Íslands og skuldaskilasjóðs vélbátaeigenda eins og þær eru nú.
b. Tekjur sjóðsins eru:
   1. Hundraðsgjald af útfluttum sjávarafurðum samkv. lögum nr. 47 19. maí 1930, um fiskveiðasjóðsgjald.

2. Útflutningsgjald af sjávarafurðum, sem ríkissjóður innheimtir samkv. lögum nr. 63 28. jan. 1935.
3. Vextir.

2. gr.

A-liður 4. greinar laganna orðist svo:

Skipakaupa og skipabygginga. Hafi sjóðurinn ekki nægilegt fé til þess að fullnægja lánsþörfinni, skulu skip innan 150 smál. sitja fyrir lánum.

Aftan við greinina bætist nýr stafliður, er hljóðar svo:

c. Til dráttarbrauta.

3. gr.

Aftan við 5. gr. laganna bætist ný málsgr., svo hljóðandi:

Sjóðurinn lánar aðeins gegn 1. veðrétti.

4. gr.

Í stað orðsins „b-lið“ í 6. gr. laganna komi: b-lið og c-lið.

5. gr.

Í stað orðanna „4½% — fjórir og hálfur af hundraði“ í 7. gr. laganna kemur: 4% — fjórir af hundraði.

6. gr.

Á eftir 7. gr. koma tvær nýjar greinar, er verða 7. og 8. gr., svo hljóðandi:

a. (7. gr.): Við fiskveiðasjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita styrki til byggingar fiskibáta innan 150 smálesta. Ríkissjóður leggur sjóði þessarar deildar 2 milljónir króna á árinu 1943, og auk þess ganga til hans frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu.

Úr sjóði þessum skal veita styrki til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Styrkur þessi veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Styrkur til hvers skips má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins, þó aldrei yfir 75000 kr. á skip.

Við úthlutun styrksins skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi stundar sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Styrkur þessi veitist til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun fjárhæðar styrkja taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið.

Ríkisstjórnin setur reglugerð um styrkveitingar úr sjóðnum í samráði við sjóðsstjórnina og að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands og fiskimálanefndar. Þar skulu sett ákvæði til tryggingar því, að styrkirnir verði ekki misnotaðir með því að verzla með þá, eða á annan hátt, og um refsiákvæði fyrir brot á styrkskilyrðum og reglugerð, sem sett er um þetta efni.

Styrkjum samkvæmt ákvæðum þessarar greinar úthlutar stjórn fiskveiðasjóðs Íslands.

b. (8. gr.): Útborgun lána samkv. 5. gr. laganna og styrkja samkv. næstu grein hér á undan skal haga svo, að ⅓ láns og styrks greiðist, þegar kjölur er lagður og meginhluti efnis er kominn á staðinn, ⅓, þegar skipið er byrt og þiljur lagðar og vél skipsins komin á staðinn. Lokagreiðsla fer fram, þegar skipið er fullsmíðað, virt og vátryggt.

7. gr.

Breytingar þessar skal fella inn í lög nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands, og gefa lögin síðan út svo breytt.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Ed.

# 382. Frumvarp til laga

um húsaleigu.

(Eftir 3. umr. í Nd.).

1. gr.

Leigusala er óheimilt að segja upp leigusamningum um íbúðarhúsnæði, nema honum sé, að dómi húsaleigunefndar, þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig eða skyldmenni í beinni línu, kjörbörn og fósturbörn, enda hafi hann og eignazt hús það, sem íbúðin er í, fyrir 9. sept. 1941. Þegar sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd þó leyft aðfluttum opinberum starfsmanni, sem eignazt hefur hús á starfssvæði sínu eftir 8. sept. 1941, að segja upp leigusamningum um húsnæði í húsinu, verði honum talin þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig. Svo skal og leigusala, er sjálfur býr í húsi annars, undir sömu kringumstæðum, heimilt að skipta á íbúð við leigutaka í húsi sínu, enda samþykki leigusali hans skiptin.

Heimilt skal leigusala að skipta á íbúð sinni og íbúð leigutaka í húsi sínu, enda komi íbúð leigusala leigutaka að sömu eða svipuðum notum, að dómi húsaleigunefndar.

Uppsagnir á leigusamningum um annað húsnæði skulu og teljast gildar, ef fullnægt er skilyrðum fyrstu málsgreinar þessarar greinar, en uppsagnir á leigusamningum um slíkt húsnæði til annarra nota en íbúðar skulu því aðeins teljast gildar, að leigusala sjálfum verði, að dómi húsaleigunefndar, talin þess brýn þörf til slíkra nota.

Uppsagnir framleigusala á leigusamningum framleigutaka lúta einnig ákvæðum þessarar greinar, eftir því sem við á, þó þannig, að ekki skiptir máli, hvenær framleigusali öðlaðist rétt yfir hinu leigða.

Uppsagnir samkvæmt framansögðu má meta gildar að öllu leyti eða nokkru, verði það talið hentara, enda á þá húsaleigunefnd úrskurð þess, til hverra herbergja uppsögnin nær.

2. gr.

Þrátt fyrir ákvæði 1. gr. heldur leigusali (framleigusali) óskertum rétti sínum til að slíta leigumála vegna vanskila á húsaleigu eða annarra samningsrofa af hálfu leigutaka (framleigutaka), svo og ef leigutaki (framleigutaki) hagar sér þannig eða fremur eitthvað það, er að mati húsaleigunefndar gerir leigusala verulega óþægilegt að hafa hann í húsum sínum.

3. gr.

Leigusala (framleigusala) er óheimilt að leigja öðrum en heimilisföstum innanhéraðsmönnum íbúðarhúsnæði, og eru slíkir leigusamningar ógildir.

Þegar alveg sérstaklega stendur á, svo sem þegar um er að ræða alþingismenn og nemendur í föstum skólum, getur húsaleigunefnd veitt undanþágu frá upphafsákvæði þessarar greinar um tiltekinn eða ótiltekinn tíma.

Utanhéraðsmönnum er óheimilt að flytja í hús, er þeir kunna að kaupa eftir gildistöku laga þessara í kaupstöðum eða kauptúnum landsins, nema þeim sé þess brýn þörf að dómi húsaleigunefndar.

Húsaleigunefnd getur látið framkvæma útburð á þeim utanhéraðsmönnum, sem ólöglega hafa tekið húsnæði á leigu eða flutt í það samkvæmt framansögðu, og skal þessu húsnæði ráðstafað handa húsnæðislausum innanhéraðsmönnum.

4. gr.

Íbúðarherbergi má ekki taka til annarrar notkunar en íbúðar, og íbúðarhús má ekki rífa, nema heilbrigðisnefnd banni að nota þau til íbúðar. Húsaleigunefnd getur þó veitt sérstakt leyfi til þessa og sett það skilyrði, að húseigandi sjái um jafnmikla aukningu á húsnæði til íbúðar annars staðar í hlutaðeigandi kaupstað, kauptúni eða sveit.

Ef íbúðarhúsnæði er heimildarlaust tekið til annarrar notkunar en íbúðar, er húsaleigunefnd rétt að skylda húseiganda, að viðlögðum allt að 200 kr. dagsektum í ríkissjóð, að taka upp fyrri notkun húsnæðisins. Hefur húsaleigunefnd síðan heimild til að ráðstafa húsnæðinu samkvæmt reglum þeim, er segir í 5. gr., enda sé húseiganda áður veittur þriggja daga frestur til þess að leigja húsnæðið innanhéraðsfólki til íbúðar.

5. gr.

Húsaleigunefnd er heimilt að taka til umráða auðar íbúðir og ráðstafa þeim til handa húsnæðislausu innanhéraðsfólki, enda komi fullt endurgjald fyrir. Á sama hátt er húsaleigunefnd heimilað að taka til sinna umráða annað ónotað húsnæði og útbúa það til íbúðar.

Bæjar- og sveitarstjórn getur, þegar alveg sérstaklega stendur á, ákveðið að taka til ráðstöfunar handa húsvilltu fólki tiltekna hluta af íbúðarhúsnæði, sem afnotahafi getur, að mati húsaleigunefndar, án verið og unnt er að skipta úr. Veita skal afnotahafa íbúðar minnst 3 daga frest áður en fólki er ráðstafað í hluta af íbúð hans, til að ráðstafa því sjálfur til innanhéraðsmanna, er hann kýs, og hefur húsaleigunefnd þá sams konar ráðstöfunarrétt á því húsnæði, sem þannig losnar.

Húsaleigunefnd annast framkvæmd þessara mála eftir fyrirmælum hlutaðeigandi bæjar- og sveitarstjórnar. Bæjar- og sveitarstjórnir geta, ef þörf þykir og í samráði við húsaleigunefnd, sett reglugerð, er félagsmálaráðherra staðfestir, um framkvæmd þeirra mála, er um getur í þessari grein. Í reglugerð skal meðal annars tilgreina hámark þess húsnæðis, sem fjölskylda má nota, án þess að taka megi hluta þess. Nú er tekinn hluti af íbúðarhúsnæði og afnotahafi telur rétti sínum hallað, getur hann þá skotið máli sínu til bæjar- eða sveitarstjórnar, sem leggur fullnaðarúrskurð á deiluatriðið.

Taki húsaleigunefnd húsnæði leigunámi skv. ákvæðum þessarar gr., ákveður hún leiguupphæð, leigutíma og annað það, sem þörf þykir að taka ákvörðun um og málsaðilar kom sér ekki saman um. Úrskurður nefndarinnar um þessi atriði, að undanteknu matinu á leiguupphæð (sbr. 2. mgr. 11. gr.), er fullnaðarúrskurður.

Hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóður ábyrgist greiðslu fyrir húsnæði, sem tekið er samkvæmt þessari lagaheimild, svo og greiðslu skaðabóta fyrir spjöll á hinu leigunumda, er leigutaki eða fólk á hans vegum telst eiga sök á.

6. gr.

Óheimilt er að hækka húsaleigu eftir húsnæði frá því, sem goldið og umsamið var hinn 14. maí 1940, nema samkvæmt eftirfarandi ákvæðum:

Félagsmálaráðherra ákveður, að fengnum tillögum kauplagsnefndar, hlutfallið milli húsaleigu og viðhaldskostnaðar, miðað við 4. apríl 1939. Kauplagsnefnd skal, með aðstoð hagstofunnar, reikna út hækkun viðhaldskostnaðar fjórum sinnum á ári, 1. marz, 1. júní, 1. sept. og 1. des., miðað við mánuðina jan.—marz 1939. Síðan reiknar nefndin út húsaleiguvísitölu samkvæmt framansögðu. Er heimilt að hækka húsaleigu í samræmi við vísitölu þessa frá fyrsta næsta mánaðar eftir að húsaleiguvísitalan hefur verið reiknuð út hverju sinni, enda sé leigumálinn staðfestur af húsaleigunefnd.

Enn fremur er heimilt að hækka eftir mati húsaleigunefndar leigu eftir húsnæði sökum verðhækkunar á eldsneyti eða lýsingu, sem innifalið er í leigunni, vaxtahækkunar af fasteignum og annars þess háttar, svo og húsnæði, sem leigt hefur verið lægra en sambærilegt húsnæði á þeim stað (kaupstað, kauptúni eða sveit). Verði hækkun metin á leigu, kemur hún til framkvæmda fyrsta næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

7. gr.

Nú vanrækir leigusali (framleigusali) viðhaldsskyldu sína, eða húsnæði telst af öðrum ástæðum leigt óhæfilega hátt vegna ásigkomulags þess, þá getur leigutaki

(framleigutaki) beiðzt mats húsaleigunefndar á húsaleigunni. Eigi er nefndinni þó skylt að taka slíka beiðni til greina, nema leigutaki (framleigutaki) leiði líkur að því, að málaleitunin hafi við rök að styðjast. Meti nefndin leiguna lægri en umsamið hefur verið, skal færa hana niður í samræmi við matið, og gildir lækkunin frá 1. næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

8. gr.

Í Reykjavík skal skipa húsaleigunefnd. Eiga sæti í henni fimm menn, tveir kosnir af bæjarstjórn Reykjavíkur, tveir skipaðir af ríkisstjórninni, en hæstiréttur skipar þann fimmta, og er hann formaður nefndarinnar. Fimm varamenn skulu skipaðir á sama hátt. — Formaður og varaformaður nefndarinnar skulu vera lögfræðingar.

Úrskurð um gildi uppsagnar og önnur þau atriði, er greinir í lögum þessum, að undanteknu mati á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, skulu formaður og tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, kveða upp. Skulu þeir allir vera á fundi, er úrskurður er upp kveðinn, og taka þátt í atkvæðagreiðslu, og getur þá varamaður komið í stað aðalmanns. Afl atkvæða ræður úrslitum máls.

Tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, skulu framkvæma mat það á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, er í lögum þessum greinir, undir eftirliti formanns, og getur þar einnig komið varamaður í stað aðalmanns.

Skylt er málsaðilum að koma á fund nefndarinnar, ef hún krefst þess, og gefa upplýsingar um málsatriði.

Skylt skal nefndinni, að viðlögðum dagsektum, að hafa lokið við afgreiðslu eða kveðið upp úrskurð um ágreiningsatriði, sem til nefndarinnar er skotið, innan 14 daga frá því að málið var afhent nefndinni til afgreiðslu eða það lagt undir úrskurð hennar.

Kostnaður við störf nefndarinnar greiðist úr ríkissjóði.

9. gr.

Í bæjarfélögum og þorpum utan Reykjavíkur skulu húsaleigunefndir skipaðar 3 mönnum. Af þeim kýs viðkomandi bæjarstjórn eða hreppsnefnd 2 menn, en félagsmálaráðherra skipar þann þriðja, og er hann formaður nefndarinnar. Varamenn skulu skipaðir á sama hátt.

Í sveitum annast úttektarmenn ásamt hreppsnefndaroddvita þau störf, sem með lögum þessum er falin húsaleigunefndum.

10. gr.

Húsaleigunefnd ber að fella úrskurð um ágreining út af uppsögn á leigusamningi um húsnæði samkvæmt 1. gr. laga þessara. Skjóta má þeim úrskurði nefndarinnar til dómstólanna, en hlíta skal honum, unz dómur fellur.

11. gr.

Skylt er að leggja fyrir húsaleigunefnd til samþykktar alla leigumála, sem gerðir hafa verið eftir 14. maí 1940. Skal nefndin gæta þess, að leigan sé ekki ákveðin hærri en hún áður var (sbr. 6. gr.), og hefur hún vald til að úrskurða um upphæð leigunnar, ef þörf gerist. Þá er og skylt að láta nefndina meta leigu eftir ný hús og húsnæði, sem ekki hefur verið leigt áður, og er leigusala (framleigusala) óheimilt að áskilja sér eða taka hærri leigu en nefndin metur. Nefndinni ber einnig að framkvæma mat á leigu samkvæmt 5., 6. og 7. gr. laga þessara.

Úrskurðum húsaleigunefndar um mat á húsaleigu má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, er í eiga sæti fimm menn, og skulu þrír þeirra skipaðir af ríkisstjórninni, en tveir af hæstarétti, og sé að minnsta kosti annar þeirra lögfræðingur og formaður nefndarinnar. Sé matsgerðum utan Reykjavíkur skotið til yfirhúsaleigunefndar, getur nefndin við mat sitt lagt til grundvallar skýrslur trúnaðarmanna á staðnum um ásigkomulag hins leigða. Ríkisstjórnin setur að öðru leyti yfirhúsaleigunefnd nánari starfsreglur, og greiðist kostnaður af störfum hennar úr ríkissjóði.

12. gr.

Við mat á húsaleigu skulu húsaleigunefnd og yfirhúsaleigunefnd kynna sér, svo sem föng eru á, allt það, er áhrif getur haft á leiguna, svo sem verð húsnæðisins, viðhald þess, ásigkomulag og legu, og taka jafnframt tillit til húsaleigu almennt í sambærilegu húsnæði á þeim stað.

13. gr.

Ef samið hefur verið um hærri leigu en heimilt er að taka samkvæmt lögum þessum, skal sá samningur ógildur að því er fjárhæðina snertir, og er afturkræft það, sem leigutaki kann að hafa ofgreitt samkvæmt slíkum samningi.

14. gr.

Fari leigutaki (framleigutaki) úr húsnæði að undangengnum úrskurði, sem byggzt hefur á því, að leigusali (framleigusali) og vandamenn hans þurfi á húsnæðinu að halda (sbr. 1. gr.), og síðan kemur í ljós, að þeir taka ekki húsnæðið til afnota, þá á fyrri leigutaki (framleigutaki) rétt til að fá húsnæðið aftur á leigu með sömu kjörum, ef hann kýs.

15. gr.

Öll ákvæði þessara laga um íbúðarhúsnæði gilda og um leigu á húsum, bryggjum og pöllum til línuveiðabáta, sem róa úr landi.

Hafi leiga eftir slík hús, bryggjur og palla verið greidd með aflahlut, getur leigutaki krafizt, að leigan verði metin til peningaverðs, og má leiga þessi ekki hækka meira en sem svarar hækkun almennrar húsaleigu.

16. gr.

Þegar eftir gildistöku þessara laga skal húsaleigunefnd — af sjálfsdáðum — meta leigu eftir öll herbergi í gistihúsum í umdæmi sinu. Um framkvæmd þessa mats og birtingu herbergjaverðs skal ákveðið með reglugerð, er félagsmálaráðherra setur.

17. gr.

Sá, sem áskilur sér hærri leigu en heimilt er samkvæmt lögum þessum, tekur við hærri leigu eða brýtur ákvæði þeirra á annan hátt, skal sæta sektum frá 10—10000 krónum.

Sektirnar renna í ríkissjóð. Með mál út af brotum á lögum þessum skal farið sem almenn lögreglumál.

18. gr.

Meðan lög þessi eru í gildi skal stimpilgjald af húsaleigusamningum ekki reiknast samkvæmt 39. gr. laga nr. 75 1921, heldur vera fast gjald, 2 kr. fyrir hvern samning. Í Reykjavík annast húsaleigunefnd stimplun slíkra samninga.

19. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað, og falla þá jafnframt úr gildi eftirtalin lög um húsaleigu, með viðaukum og breytingum: lög nr. 106 1941, lög nr. 126 1941, lög nr. 35 1942, svo og önnur ákvæði, er brjóta í bág við lög þessi.

## Sþ. 383. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 153 [Flugmál].

Frá Gísla Sveinssyni.

Orðin „Flugfélagi Íslands og“ í síðustu málsgr. brtt. falli burt.

## Sþ. 384. Þingsályktun

um flugmál Íslendinga.

(Afgreidd frá Sþ. 9. febr.)

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina:

1. að láta fram fara, í samráði við Flugfélag Íslands, rækilega athugun á því, hvernig og hvar byggingu flugvalla og flugskýla verði fyrir komið, þannig að flugsamgöngur geti í nánustu framtíð hafizt með reglubundnum og tryggum hætti við alla landshluta. Verði unnið að því að koma upp ákveðnu kerfi lendingarstaða fyrir landflugvélar og flugskýla og dráttarbrauta fyrir sjóflugvélar.
2. að láta með sama hætti athuga, hvort tiltækilegt sé að kaupa nú þegar hingað til lands millilandaflugvél, eina eða fleiri, þannig að unnt verði að koma á flugferðum fyrir landsmenn til Englands og Bandaríkja Norður-Ameríku. En ef athugun leiðir í ljós, að slík flugvélakaup séu nú eigi gerleg, þá verði leitað samninga við fulltrúa fyrrgreindra ríkja um, að meðan á ófriðnum stendur, verði af þeirra hálfu haldið uppi föstum flugferðum hingað til lands frá þessum löndum, með þeim hætti, að landsmenn hafi not af til ferðalaga og póstsendinga.

Skulu athuganir þessar og undirbúningur framkvæmd með það fyrir augum, að ríkissjóður veiti flugmálum landsins í heild öflugan stuðning.

## Nd. 385. Nefndarálit

um frv. til l. um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur fallizt á að mæla með samþykkt frumvarpsins.

Einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til að fylgja breytingartill. við frv., sem fram kunna að koma í deildinni.

Alþingi, 9. febr. 1942.

Bjarni Ásgeirsson, form., frsm. Jón Pálmason, fundaskr. Emil Jónsson.

Sigurður Guðnason. Jón Sigurðsson.

## Nd. 386. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 3. maí 1935, um virkjun Fljótaár.

Frá minni hl. fjárhagsnefndar.

Nefndin hefur ekki getað orðið sammála um þetta mál. Minni hlutinn telur, að ábyrgðarheimild sú, sem farið er fram á í frv., sé eðlileg í alla staði. Allir kaupstaðir á landinu, sem lagt hafa út í vatnsvirkjanir, hafa fengið ríkisábyrgð, enda hafa þeir allir haft samráð við trúnaðarmenn ríkisins um allan undirbúning verksins. Nú stendur eins á um bæjarstjórn Siglufjarðar; hún hefur ákveðið að ráðast í virkjun

og leitaði, áður en sú ákvörðun var tekin, til beztu kunnáttumanna hér á landi um þessi mál, einkum Steingríms Jónssonar, rafmagnsstjóra, og Jakobs Gíslasonar, forstöðumanns rafmagnseftirlits ríkisins. Bæjarstjórn hafði fulla ástæðu til þess að ætla, að hún gæti treyst því, að hún fengi ríkisábyrgð fyrir nauðsynlegum lánum til virkjunarframkvæmda, og byggði það aðallega á því, að Alþingi hefur með samþykkt laganna um virkjun Fljótaár þegar veitt kaupstaðnum heimild til virkjunarinnar, sbr. 1. gr. þeirra laga. Eftir að þau lög voru sett og raunar eftir setningu vatnalaganna þarf Alþingi með sérstakri lagasetningu að svipta Siglufjarðarkaupstað virkjunarheimild, ef það vildi hindra virkjunina. Minni hlutinn telur það óviðurkvæmilegt, ef Alþingi, eftir að það hefur veitt Siglufjarðarkaupstað með sérstökum lögum heimild til að virkja, færi nú að hindra kaupstaðinn í virkjun með því að neita honum um þá ábyrgð, sem öll önnur bæjarfélög hafa orðið aðnjótandi í sömu kringumstæðum.

Nefndin sendi frv. þetta til milliþinganefndar í raforkumálum, sem hefur nú lagt gegn því, að frv. yrði samþykkt. Minni hlutinn telur röksemdafærslur milliþinganefndarinnar vafasamar. Á þessu stigi málsins teljum við ekki ástæðu til þess að fara út í ýtarlegar rökræður, en viljum aðeins taka það fram, að samkv. upplýsingum frá Steingrími Jónsssyni, rafmagnsstjóra, og rafmagnseftirliti ríkisins verður verð pr. kw á Siglufirði miklu hærra, ef það væri eftir tillögum milliþingan. í stað þess að virkja Fljótaá. Samkvæmt áliti Steingríms Jónssonar og rafmagnseftirlitsins er virkjun Fljótaár hagkvæmasta og ódýrasta leiðin til þess að bæta úr rafmagnsskorti Siglufjarðar. Loks vill minni hl. nefndarinnar taka það fram, að samkv. upplýsingum sömu aðila kemur virkjun Fljótaár á engan hátt í bága við heildarskipulag rafmagnsmála í landinu, heldur þvert á móti yrði sú virkjun nauðsynlegur liður í því háspennukerfi, sem búast má við, að í framtíðinni verði komið upp út frá virkjunum í Laxá og öðrum fallvötnum á þessu svæði norðanlands.

Að öllu þessu athuguðu viljum við leggja það til, að frv. verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 9. febr. 1943.

Ásgeir Ásgeirsson, form., frsm. Einar Olgeirsson.

## Sþ. 387. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943.

Frá fjárveitinganefnd.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Við | 2. gr. | 1. (Fasteignaskattur). Fyrir „750000“ kemur ..... | 850000 |
| 2. | — | 2. — | 2. (Tekjuskattur etc.). Fyrir „15000000“ kemur ..... | 23000000 |
| 3. | — | 2. — | 3. (Lestagjald af skipum). Fyrir „55000“ kemur ..... | 65000 |
| 4. | — | 2. — | 4. (Aukatekjur). Fyrir „600000“ kemur ..... | 700000 |
| 5. | — | 2. — | 5. (Erfðafjárskattur). Fyrir „60000“ kemur ..... | 100000 |
| 6. | — | 2. — | 6. (Vitagjald). Fyrir „300000“ kemur ..... | 350000 |
| 7. | — | 2. — | 7. (Leyfisbréfagjöld). Fyrir „85000“ kemur ..... | 100000 |
| 8. | — | 2. — | 12. (Vörumagnstollur). Fyrir „5000000“ kemur ..... | 6000000 |
| 9. | — | 2. — | 13. (Verðtollur). Fyrir „15000000“ kemur ..... | 21500000 |
| 10. | — | 3. — | A. 2. (Rekstrarhagnaður áfengisverzlunar). Fyrir „2000000“ kemur ..... | 3500000 |
| 11. | — | 3. — | A. 3. (Rekstrarhagnaður tóbakseinkasölu). Fyrir „1500000“ kemur ..... | 2500000 |
| 12. | — | 12. — | 3. (Í Reykjarfjarðarhéraði). (Árneshreppur, sé héraðið læknislaust). Liðurinn fellur niður. | |

13. Við 12. gr. 13. Nýr stafl. á undan a.:
Til viðbótarbyggingar við landsspítalann ..... 200000

14. — 12. — 13. c. Nýr liður:
Til viðbyggingar sjúkrahússins á Akureyri, byggingarstyrkur, ⅓ kostnaðar, allt að ..... 70000

15. — 13. — A. II. (Þjóðvegir).
a. Við a. (Til nýrra akvega).
1. Við 1. (Hafnarfjallsvegur).
Fyrir „70000“ kemur ..... 270000
2. Við 2. (Lundarreykjadalsvegur).
Fyrir „5000“ kemur ..... 10000
3. Við 3. (Bæjarsveitarvegur).
Fyrir „12000“ kemur ..... 30000
4. Við 4. (Hálsasveitarvegur).
Fyrir „5000“ kemur ..... 10000
5. Við 5. (Álftaneshreppsvegur).
Fyrir „15000“ kemur ..... 35000
6. Við 6. (Hraunhreppsvegur).
Fyrir „8000“ kemur ..... 25000
7. Við 8. (Ólafsvíkurvegur).
a. Fyrir „40000“ kemur ..... 50000
b. Nýr liður: Eyrarsveitarvegur ..... 8000
8. Við 9. (Stykkishólmsvegur).
a. Fyrir „40000“ kemur ..... 45000
b. Nýr liður: Skógarstrandarvegur ..... 12000
9. Við 10. (Dalasýsluvegur).
Fyrir „30000“ kemur ..... 55000
10. Við 11. (Klofningsvegur).
Fyrir „8000“ kemur ..... 10000
11. Við 12. (Laxárdalsvegur).
a. Fyrir „8000“ kemur ..... 23000
b. Nýr liður: Reykhólavegur ..... 5000
12. Við 13. (Barðastrandarvegur).
Fyrir „25000“ kemur ..... 38000
13. Við 14. (Tálknafjarðarvegur).
a. Fyrir „8000“ kemur ..... 12000
b. Nýir liðir:
1. Bíldudalsvegur ..... 12000
2. Rafnseyrarheiðarvegur ..... 50000
14. Við 15. (Hjarðardalsvegur).
Fyrir „6000“ kemur ..... 10000
15. Við 16. (Súgandafjarðarvegur).
Liðurinn fellur niður.
16. Við 17. (Súðavíkurvegur).
a. Fyrir „8000“ kemur ..... 15000
b. Nýr liður:
Vestfjarðavegur um Þorskafjarðarheiði ..... 350000
17. Við 18. (Strandasýsluvegur).
a. Liðurinn fellur niður.
b. Nýir liðir:
1. Kaldrananeshreppsvegur ..... 10000
2. Steingrímsfjarðarvegur ..... 35000
3. Bitruvegur ..... 30000

18. Við 19. (Vesturhópsvegur).
    a. Fyrir „6000“ kemur ..... 20000
    b. Nýr liður: Vatnsdalsvegur ..... 5000
19. Við 21. (Skagastrandarvegur).
    Fyrir „30000“ kemur ..... 40000
20. Við 23. (Vatnsskarðsvegur).
    Fyrir „80000“ kemur ..... 120000
21. Við 24. (Gönguskarðavegur).
    Fyrir „8000“ kemur ..... 12000
22. Við 26. (Út-Blönduhlíðarvegur).
    Liðurinn fellur niður.
23. Við 27. (Hofsósvegur).
    Fyrir „35000“ kemur ..... 100000
24. Við 28. (Fljótavegur og Siglufjarðarskarð).
    a. Orðin „og Siglufjarðarskarð“ falla niður.
    b. Nýr liður: Siglufjarðarskarð ..... 250000
25. Við 29. (Stíflu- og Ólafsfjarðarvegur).
    Fyrir „15000“ kemur ..... 40000
26. Við 30. (Öxnadalsheiðarvegur).
    a. Fyrir „80000“ kemur ..... 120000
    b. Nýr liður: Svalbarðsstrandarvegur ..... 40000
27. Við 32. (Kinnarbraut).
    a. Liðinn skal orða svo:
       Kinnarbraut í Ljósavatnshreppi ..... 35000
    b. Nýr liður:
       Kinnarbraut í Aðaldælahreppi ..... 15000
28. Við 33. Nýr liður: Hvammsheiðarvegur ..... 15000
29. Við 34. (Tjörnesvegur).
    Fyrir „5000“ kemur ..... 6000
30. Við 35. (Kelduhverfisvegur).
    Fyrir „12000“ kemur ..... 15000
31. Við 36. (Kópaskersvegur).
    Fyrir „10000“ kemur ..... 15000
32. Við 37. (Öxarfjarðarheiðarvegur).
    a. Fyrir „15000“ kemur ..... 25000
    b. Nýr liður: Langanesvegur ..... 8000
33. Við 38. (Brekknaheiðarvegur).
    Fyrir „15000“ kemur ..... 100000
34. Við 39. (Vopnafjarðarvegur).
    a. Fyrir „8000“ kemur ..... 20000
    b. Nýr liður: Jökulsárhlíðarvegur ..... 5000
35. Við 40. (Hróarstunguvegur).
    Fyrir „7000“ kemur ..... 10000
36. Við 41. (Bakkafjarðarvegur).
    Fyrir „5000“ kemur ..... 10000
37. Við 42. (Upphéraðsvegur).
    Fyrir „6000“ kemur ..... 25000
38. Við 45. (Fjarðarheiðarvegur).
    Fyrir „25000“ kemur ..... 40000
39. Við 46. (Eskifjarðarvegur).
    Fyrir „12000“ kemur ..... 15000
40. Við 47. (Fáskrúðsfjarðarvegur).
    a. Fyrir „20000“ kemur ..... 100000
    b. Nýr liður: Oddsskarðsvegur ..... 200000

41. Við 48. (Berunes- og Breiðdalsvegur).
Fyrir „30000“ kemur ..... 100000
42. Við 49. (Geithellnahreppsvegur).
Fyrir „8000“ kemur ..... 12000
43. Við 50. (Austur-Skaftafellssýsluvegur).
a. Liðurinn fellur niður.
b. Nýir liðir:
1. Almannaskarðsvegur ..... 10000
2. Innnesjavegur ..... 6000
3. Innbyggðar- og Mýravegur ..... 17000
4. Melatangavegur ..... 5000
5. Suðursveitarvegur ..... 12000
6. Öræfavegur ..... 15000
44. Við 52. (Síðuvegur).
Fyrir „15000“ kemur ..... 30000
45. Við 53. (Meðallandsvegur).
Fyrir „8000“ kemur ..... 12000
46. Við 54. (Mýrdalsvegur).
Fyrir „20000“ kemur ..... 25000
47. Við 55. (Eyjafjallavegur).
Fyrir „20000“ kemur ..... 25000
48. Við 56. (Hvolhreppsvegur).
Fyrir „25000“ kemur ..... 40000
49. Við 57. (Rangárvallavegur).
Fyrir „8000“ kemur ..... 20000
50. Við 58. (Miðeyjarvegur).
Fyrir „15000“ kemur ..... 25000
51. Við 59. (Landvegur).
Fyrir „15000“ kemur ..... 25000
52. Við 60. (Hrunamannahreppsvegur).
Fyrir „20000“ kemur ..... 25000
53. Við 61. (Gnúpverjahreppsvegur).
a. Fyrir „20000“ kemur ..... 25000
b. Nýir liðir:
1. Skálholtsvegur ..... 5000
2. Suðurlandsbraut ..... 250000

b. Við c. 7. Fyrir „Fljótavegar og Siglufjarðarskarðs“ kemur: Siglufjarðarskarðsvegar.

16. Við 13. gr. A. III. (Til brúargerða). Liðurinn orðist svo:
Brúargerðir:
1. Vesturdalsá ..... 45000
2. Eldvatn í Meðallandi ..... 70000
3. Eldvatnsskorur í Meðallandi ..... 30000
4. Kambsá og Tjarnará í Ljósavatnsskarði ..... 25000
5. Hólsá í Landeyjum (efniskaup) ..... 80000
6. Urriðaá á Álftanesvegi ..... 35000
7. Laxá í Hvammssveit ..... 35000
8. Bjarnardalsá á Hjarðardalsvegi ..... 6000
9. Reykjadalsá hjá Laugum ..... 52000
10. Langadalsá við Ísafjarðardjúp ..... 55000
11. Hörðudalsá í Dalasýslu ..... 60000
12. Selfljót hjá Bóndastöðum ..... 75000
13. Holtsá í Svarfaðardal (undirbúningur) ..... 33000

14. Svalbarðsá í Þistilfirði ..... 60000
15. Heinabergsvötn ..... 130000
16. Böðvarsdalsá í Vopnafirði ..... 35000
17. Kornsá í Vatnsdal ..... 35000
18. Brúnastaðaá í Fljótum ..... 45000
19. Jökulsá í Dal hjá Hjarðarhaga ..... 55000
20. Haukabergsá í Barðastrandarsýslu ..... 35000
21. Brúargerðir í S.-Múlasýslu skv. till. vegamálastjóra 30000
22. Ýmsar smábrýr ..... 60000
23. Brýr á sýsluvegum:
    a. Reykjadalsá hjá Laugum ..... 50000
    b. Leirá í Leirársveit ..... 30000
    80000
    Frá dregst tillag frá sýsluvegasjóði .... 20000
    60000

17. Við 13. gr. A. VI. (Til sýsluvega).
    a. Við 1. (Til akfærra sýsluvega).
    Fyrir „50000“ kemur ..... 100000
    b. Við 2. (Til akfærra sýsluvega af bifreiðaskatti).
    Liðurinn fellur niður.
18. — 13. — A. VII. (Til malbikunar á vegum í kaupstöðum af bifreiðaskatti).
    Fyrir „40000“ kemur ..... 95000
19. — 13. — C. VII. Nýr liður:
    Til kaupa á dýpkunarskipi ..... 500000
20. — 13. — C. VIII. (Hafnargerðir).
    a. Við 1. (Húsavík). Fyrir „18000“ kemur ..... 100000
    b. Við 2. (Skagaströnd). Fyrir „50000“ kemur ..... 100000
    c. Við 5. (Dalvík). Fyrir „50000“ kemur ..... 100000
    d. Við 6. (Hafnarfjörður). Fyrir „100000“ kemur ..... 150000
    e. Við 7. (Hofsós). Fyrir „8000“ kemur ..... 11000
    f. Nýir liðir:
    1. Á Ísafirði ..... 100000
    2. Í Vestmannaeyjum ..... 100000
    3. Á Siglufirði ..... 75000
    4. Í Keflavík ..... 65000
    5. Á Akranesi ..... 100000
    6. Í Neskaupstað ..... 75000
    7. Í Stykkishólmi ..... 40000
    8. Í Grafarnesi við Grundarfjörð ..... 50000
    9. Í Höfn í Hornafirði ..... 75000
21. — 13. — C. VIII. Nýir (rómv.) liðir:
    a. Til bryggjugerða og lendingarbóta gegn ⅔ annars staðar að:
    1. Til Blönduóss ..... 5000
    2. Til Kópaskers ..... 13000
    3. Til lendingarbóta á Hvammstanga ..... 15000
    4. Til Ólafsvíkur ..... 40000
    5. Til Hólmavíkur ..... 20000
    b. Til bryggjugerða og lendingarbóta gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að:
    1. Til bryggjugerðar á Vopnafirði ..... 13500
    2. Til bryggjugerðar í Borgarfirði ..... 40000
    3. Til bryggjugerðar í Hnífsdal, fyrri greiðsla ..... 53000

4. Til bryggjugerðar á Bæjum á Snæfjallaströnd .... 4500
5. Til bryggjugerðar í Flatey á Skjálfanda ..... 49000
6. Til bryggjugerðar í Grunnavík ..... 15000
7. Til bryggjugerðar í Súðavík, enda sé bryggjan eign hreppsins ..... 10000
8. Til bryggjugerðar á Árskógssandi ..... 15000
9. Til lendingarbóta í Skipavík ..... 20000
10. Til lendingarbóta á Skálum ..... 25000
11. Til lendingarbóta á Unaósi ..... 7500
12. Til lendingarbóta í Þorlákshöfn ..... 50000
13. Til lendingarbóta við Staðarfell ..... 7000
14. Til lendingarbóta á Hellissandi ..... 25000
15. Til lendingarbóta á Stokkseyri ..... 25000
16. Til lendingarbóta á Eyrarbakka ..... 15000

Ríkissjóðstillagið í X. og XI. lið er bundið því skilyrði, að framlag sé tryggt á móti, ráðherra samþykki áætlun verksins og vitamálastjóri hafi eftirlit með framkvæmd þess.

22. Við 13. gr. D. Liðurinn orðist svo:
Til flugmála:
a. Samkvæmt ákvörðun ríkisstjórnarinnar .... 100000
b. Styrkur til Flugfélags Íslands ..... 50000
150000

23. — 14. — A. b. 9. Nýir liðir:
1. Til Akureyrarkirkju ..... 5000
2. Til Melstaðarkirkju ..... 15000
3. Til Staðastaðarkirkju ..... 15000

24. — 14. — B. I. 30. (Náttúrufræðikennsla).
Liðurinn fellur niður.

25. — 14. — B. XI. b. (Samvinnuskólinn).
Fyrir „7500“ kemur ..... 10000

26. — 14. — B. XIII. 7. (Bygging barnaskóla utan kaupstaða). Fyrir „190000“ kemur ..... 250000

27. — 14. — B. XIV. 4. (Snorragarður).
Fyrir „4000“ kemur ..... 8000

28. — 14. — B. XV. 1. Nýir liðir:
a. Til byggingar húsmæðraskóla í sveitum ..... 150000
b. Til byggingar húsmæðraskóla í kaupstöðum ..... 150000
c. Til húsmæðrakennaraskóla ríkisins ..... 20000

29. — 14. — XVII. Liðurinn orðist svo:
Til blindrastarfsemi ..... 15000
Ríkisstjórnin skipti styrknum milli Blindravinafélagsins og Blindrafélagsins.

30. — 14. — B. XVIII. Nýr liður:
Til nýja stúdentagarðsins, byggingarstyrkur ..... 150000

31. — 14. — B. XXII.
a. Liðurinn orðist svo:
Til íþróttakennaraskóla ríkisins á Laugarvatni ..... 8000
b. Nýr liður:
Til byggingar leikfimihúss íþróttakennaraskóla ríkisins á Laugarvatni ..... 150000

32. — 14. — B. XXV. (Kristján Geirmundsson).
Fyrir „1000“ kemur ..... 1500

33. Við 15. gr. 4. Liðurinn orðist svo:
Til Náttúrufræðifélagsins ..... 13000
Styrkurinn veitist með því skilyrði, að safnið sé til sýnis almenningi eigi sjaldnar en tvisvar í viku.

34. — 15. — 27. (Fræðafélagið).
Fyrir „1000“ kemur ..... 3000

35. — 15. — 30. Fyrir orðin „1. bindis“ kemur: 2. bindis.

36. — 15. — 35. (Leikfélag Reykjavíkur).
Fyrir „12000“ kemur ..... 15000

37. — 15. — 36. Liðurinn orðist svo:
Til leiklistarskóla Lárusar Pálssonar 2400 kr. og til leiklistarskóla Soffíu Guðlaugsdóttur og Jóns Norðfjörðs 1200 kr. til hvors ..... 4800

38. — 15. — 41. Nýr liður:
Til blaðanna Lögbergs og Heimskringlu, 10000 kr. til hvors, gegn því að fræðslumálastjórnin fái blöð til útbýtingar hér á landi ..... 20000

39. — 15. — 53. Liðurinn orðist svo:
Styrkur til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna ..... 100000
Þar af:
a. Til Árna Pálssonar prófessors til ritstarfa .... 1200
b. Til Guðmundar Finnbogasonar dr. phil. til ritstarfa ..... 1000
Menntamálaráð skipti að öðru leyti þessari fjárhæð milli deilda Bandalags íslenzkra listamanna, en hver deild kýs síðan úr hópi sinna félagsmanna nefnd, sem úthlutar styrknum milli félagsmanna og annarra.

40. — 15. — 60. Nýr liður:
Til vegagerða á Þingvöllum ..... 20000

41. — 15. — 65. (Bandalag ísl. listamanna).
a. Fyrir „1200“ kemur ..... 2400
b. Nýr liður:
Til sýslunefndar Vestur-Ísafjarðarsýslu vegna bókasafns Sighvats Grímssonar, enda sé það geymt hjá héraðsskólanum á Núpi ..... 1000

42. — 16. — 1. (Til framleiðslubóta og atvinnuaukningar).
Fyrir „200000“ kemur ..... 500000

43. — 16. — 9. b. Nýr stafliður:
Til bygginga á jörðum ríkisins ..... 100000

44. — 16. — 20. d. Nýr stafliður:
Til áveitufélags Þingbúa ..... 12000

45. — 16. — 24. Nýr liður:
Til fyrirhleðslu í Hvolsá, gegn ⅓ annars staðar að .... 4500

46. — 16. — 25. Nýr liður:
Til verkfæranefndar ..... 3000

47. — 16. — 29. d. 1. Nýr liður:
Til áhaldakaupa ..... 100000

48. — 16. — 39. Nýr liður:
Til ræktunarvega:
a. Í Vestmannaeyjum ..... 24000
b. Í Flatey á Breiðafirði ..... 1500

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | c. Í Flatey á Skjálfanda | 1500 | |
| | | d. Í Grímsey | 1500 | |
| | | e. Í Hrísey | 1500 | 30000 |
| 49. | Við 16. gr. | 52. (Kvenfélagasamband Íslands). Fyrir „2000“ kemur | | 4000 |
| 50. | — 16. — | 53. Liðurinn orðist svo: Til sambands norðlenzkra kvenna | | 2000 |
| | | Þar af til kvenfélagasambands Vestur-Húnavatnssýslu, kvenfélagasambands Austur-Húnavatnssýslu og kvenfélagasambands Skagafjarðarsýslu 300 kr. til hvers. | | |
| 51. | — 16. — | 54. (Kvenfélagasamband Austur-Húnavatnssýslu). Liðurinn fellur niður. | | |
| 52. | — 16. — | 55. (Kvenfélagasamband Vestur-Húnavatnssýslu). Liðurinn fellur niður. | | |
| 53. | — 16. — | 56. (Samband austfirzkra kvenna). Fyrir „400“ kemur | | 800 |
| 54. | — 16. — | 57. (Samband sunnlenzkra kvenna). Liðurinn fellur niður. | | |
| 55. | — 16. — | 58. (Samband vestfirzkra kvenna). Fyrir „400“ kemur | | 800 |
| 56. | — 16. — | 60. (Samband breiðfirzkra kvenna). Fyrir „400“ kemur | | 700 |
| 57. | — 16. — | 61. (Kvenfélagasamband Gullbringu- og Kjósarsýslu). Fyrir „400“ kemur | | 500 |
| 58. | — 16. — | 63. Liðurinn orðist svo: Til sambands sunnlenzkra kvenna, enda haldi það uppi námskeiðum fyrir húsmæður og húsmæðraefni | | 3500 |
| 59. | — 16. — | 64. Nýr liður: Til landsfundar kvenna | | 5000 |
| 60. | — 16. — | 66. (Mæðrastyrksnefnd). Fyrir „3000“ kemur | | 8000 |
| 61. | — 16. — | 81. Liðurinn orðist svo: Kostnaður vegna sauðfjársjúkdóma: | | |
| | | a. Bætur vegna niðurskurðar | 480000 | |
| | | b. Varzla og rannsóknir | 635000 | |
| | | c. Til girðinga | 375000 | |
| | | d. Uppeldisstyrkur | 900000 | |
| | | e. Vaxta- og jarðarafgjöld | 100000 | 2490000 |
| 62. | — 16. — | 82. (Rannsóknir og varnir gegn útbreiðslu garnaveikinnar). Liðurinn fellur niður. | | |
| 63. | — 16. — | 83. (Dómnefnd í verðlagsmálum). Liðurinn fellur niður. | | |
| 64. | — 16. — | 84. (Skömmtunarskrifstofa ríkisins). Liðurinn fellur niður. | | |
| 65. | — 16. — | 90. (Baldur Johnsen). Liðurinn fellur niður. | | |
| 66. | — 16. — | 91. Nýr liður: Til sýslunefndar Vestur-Ísafjarðarsýslu til að girða og prýða minnismerki Jóns Sigurðssonar forseta á Rafnseyri, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að | | 2000 |

67. Við 17. gr. 7. (Styrktarsjóður verkamanna- og sjómannafélaganna í Reykjavík).
a. Fyrir „4000“ kemur ..... 6000
b. Nýir liðir:
1. Til hjálparsjóðs verkamannafélagsins Þróttar á Siglufirði, gegn þreföldu framlagi annars staðar að 1000
2. Til styrktarsjóðs verkalýðsfélagsins Baldurs á Ísafirði, gegn þreföldu framlagi annars staðar að .... 1000
3. Til styrktarsjóðs verkalýðsfélags Akraness, gegn þreföldu framlagi annars staðar að ..... 500

68. — 17. — 8. Liðurinn orðist svo:
Til mæðrastyrksnefndar til sumarheimilis mæðra ..... 5000
Þar af 1000 kr. til mæðrastyrksnefndar Akureyrar.

69. — 17. — 27. Nýir liðir:
1. Til sjúkrasjóðs verkalýðsfélagsins Skjaldar, Flateyri 300
2. Til sjúkrasjóðs verkalýðsfélagsins Varnar á Bíldudal 300

70. — 18. — I. C. 35. (Sigríður Jónasdóttir frá Melstað).
Liðurinn fellur niður.

71. — 18. — II. a. 8. Nýr liður:
Halldór Júlíusson, fyrrv. sýslumaður ..... 800

72. — 18. — II. d. 38. (Sigríður Jónasdóttir frá Melstað).
Liðurinn fellur niður.

73. — 18. — II. e. 9. Nýr liður:
Hallgrímur Jónsson skólastjóri ..... 2250

74. — 18. — II. f. 4. (Ásgerður Bjarnadóttir).
Liðurinn fellur niður.

75. — 18. — II. f. 5. (Baldur Eyjólfsson).
Fyrir „300“ kemur ..... 400

76. — 18. — II. f. 27. Nýr liður:
Kristinn Árnason póstur ..... 250

77. — 18. — II. f. 38. Nýr liður:
Sigríður Snæbjörnssen ..... 400

78. — 18. — II. f. 39. Nýr liður:
Sigurður Benediktsson póstur ..... 300

79. — 18. — II. f. 45. Nýr liður:
Vésteinn Árnason póstur ..... 200

80. — 18. — II. l. Nýr liður fyrir framan 1.:
Aðalheiður Pálsdóttir ljósmóðir ..... 200

81. — 18. — II. l. 13. Nýr liður:
Björn Jónasson fiskimatsmaður ..... 350

82. — 18. — II. l. 33. (Guðmundur A. Guðmundsson).
Liðurinn fellur niður.

83. — 18. — II. l. 55. Nýr liður:
Kristín Eiríksdóttir ljósmóðir ..... 200

84. — 18. — II. l. 57. (Kristín Pálsdóttir).
Fyrir „300“ kemur ..... 500

85. — 18. — II. l. 78. (Sigmundur Finnsson).
Liðurinn fellur niður.

86. — 19. — 2. (Aukauppbætur).
Fyrir „1750000“ kemur ..... 3500000

87. — 20. — Út III. (Nýir vitar).
Fyrir „250000“ kemur ..... 350000

88. Við 22. gr. III. Nýir liðir:
a. Að greiða Ólafi Magnússyni, fyrrverandi prófasti í Arnarbæli, 1400 kr. vegna vangoldinna þjónustulauna við Strandarkirkju í Selvogsþingum.
b. Að greiða skólastjórunum og kennslubókahöfundunum Karli Finnbogasyni og Valdimar Snævarr aukalaun, svo að laun þeirra úr lífeyrissjóði og ríkissjóði nemi samtals ¾ af launum þeirra, er þeir hættu störfum.
c. Að greiða Ingu Magnúsdóttur, aðstoðarmanni í stjórnarráðinu, hálf laun, meðan hún er sjúklingur.

89. — 22. — V. Liðurinn orðist svo:
Að endurgreiða án vaxta þeim Ármanni Halldórssyni kennara, Soffíu E. Ingólfsdóttur og Unni Jónsdóttur, stjórnarráðsriturum, og Önnu Guðmundsdóttur, Valdísi Halldórsdóttur, Helga Gíslasyni og Sigrúnu Guðbrandsdóttur fé það, er þau hafa greitt í lífeyrissjóði embættismanna og barnakennara.

90. — 22. — VII. Nýir liðir:
a. Að bæta menntamálaráði og stjórn þjóðvinafélagsins með fjárframlagi þá hækkun, sem orðið hefur eða verða kann á útgáfukostnaði á bókum félagsmanna þessara aðila árið 1943, miðað við hliðstæðan kostnað 1939, enda haldist verðið á bókum til áskrifenda óbreytt frá því, sem það var í fyrstu.
b. Að greiða allt að 10000 kr. til þess að efnisraða og fjölrita ævisögur lærðra manna eftir dr. Hannes Þorsteinsson.
c. Að greiða læknisvitjanastyrki til þeirra læknishéraða, sem eru læknislaun 3 mánuði á árinu eða lengur, og nemi þeir allt að hálfum læknislaunum þann tíma, sem héraðið er læknislaust.

91. — 22. — XI. Nýr liður:
Að taka að sér tryggingu á flugvélum Flugfélags Íslands h/f eftir því, sem um semst.

92. — 22. — XIII. Nýr liður:
Að greiða ⅓ kostnaðar, allt að 100000 kr., til byggingar fæðingarheimilis, sem bæjarfélag Reykjavíkur ætlar að reisa, enda samþykki heilbrigðisstjórnin fyrirkomulag stofnunarinnar og stað fyrir hana.

93. — 22. — XIV. Liðurinn fellur niður.

94. — 22. — XVI. Nýir liðir:
a. Að setja á stofn sauðfjárræktarbú á mæðiveikisvæðinu og verja til þess allt að 100000 kr. úr ríkissjóði.
b. Að greiða allt að 150000 kr. til að stofnsetja hrossaræktarbú á Bessastöðum í samráði við stjórn Búnaðarfélags Íslands.
c. Að verja allt að 150000 kr. til byggingar drykkjumannahælis, enda verði hælið reist við jarðhita í sveit.

95. — 22. — XVIII. Nýir liðir:
a. Að verja allt að 300000 kr., þó ekki yfir ¼ byggingarkostnaðar, til byggingar nýrrar mjólkurstöðvar í Reykjavík samkvæmt lögum.
b. Að greiða lokaviðgerð þjóðleikhússins að því leyti, sem núverandi sjóður þess nægir ekki til að standast nauðsynlegar greiðslur við að fullgera bygginguna.
c. Að veita Búnaðarsambandi Suðurlands allt að 50000 kr. styrk til þess að koma upp vélaverkstæði til viðgerða á landbúnaðarvélum.
d. Að verja allt að 2000000 kr. til atvinnuaukningar, ef atvinnuleysi verður á árinu, og skal einkum vinna að auknu landnámi

með stofnun samvinnubyggða fyrir augum eða vegalagningu í Krýsuvíkurvegi, Vestfjarðavegi, Siglufjarðarskarði og Oddsskarði.

96. Við 22. gr. XIX. Nýr liður:
Að veita allt að 100000 kr. í byggingarstyrki til nokkurra listamanna.

97. — 22. — XXI. Liðurinn orðist svo:
Að leggja til hliðar og geyma það fé á sérstökum reikningi, sem ætlað er til verklegra framkvæmda í lögum þessum, ef skortur á efnivörum eða vinnukrafti gerir ókleift að vinna þær, og er óheimilt að verja því til annarra hluta.

## Sþ. 388. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943.

Frá samvinnunefnd samgöngumála.

Við 13. gr. B. 2. (Flóabátaferðir).

a. Fyrir „136300“ kemur: 455320.

b. Við aths. bætist ný málsgr., svo hljóðandi:
Eigi skal styrkurinn greiddur að fullu, fyrr en skilríki hafa legið fyrir skipaútgerð ríkisins um afkomu hlutaðeigandi báta á styrktímabilinu, þeirra er varanlegum samgöngum halda uppi á ákveðnu svæði, svo að sýnt sé, að styrksins hefur verið þörf eins og hann var ákveðinn.

## Sþ. 389. Tillaga til þingsályktunar

um sérstakar launabætur embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins.

Frá ríkisstjórninni.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að láta greiða embættismönnum og öðrum starfsmönnum ríkisins, ríkisstofnana og sjálfseignarstofnana sérstaka uppbót á laun þeirra frá ríkinu eða ríkisstofnunum fyrir tímabilið 1. júlí 1943 til 31. des. s. á. eins og hér á eftir segir:

Á fyrstu 2400 kr. grunnlauna, ásamt verðlagsuppbót af þeirri fjárhæð, eins og hún verður á hverjum tíma, greiðast 30%.

Á þann hluta grunnlauna, sem er ofan við kr. 2400.00, og allt að kr. 10000.00, ásamt verðlagsuppbót, eins og hún verður á hverjum tíma, greiðast 25%. Uppbót þessi greiðist mánaðarlega.

Uppbót greiðist úr ríkissjóði eftir sömu reglum á tímakaup kennara, eftirlaun í fjárlögum og lífeyri úr lífeyrissjóðum embættismanna, barnakennara og ljósmæðra, svo og útborgað skrifstofufé og embættiskostnað, að undanskilinni húsaleigu og húsaleigustyrk.

Grunnlaun í tillögu þessari merkja laun, sem ríkissjóður og aðrir, er tillagan greinir, greiða verðlagsuppbót á samkvæmt lögum nr. 48/1942. Með verðlagsuppbót er átt við þá verðlagsuppbót, sem greidd er samkvæmt sömu lögum.

# Sþ. 390. Framhaldsnefndarálit

um frv. til fjárlaga fyrir árið 1943.

Frá fjárveitinganefnd.

Fjárveitinganefnd hefur milli umræðna aflað sér upplýsinga um útlit fyrir tekjuöflun ríkissjóðs á þessu ári.

Tekjuáætlunin af sköttum og tollum er hækkuð frá því, sem nú er í fjárlagafrv., úr 42500000 kr. í 57815000 kr. eða um 15315000 kr. Áætlun tekna af ríkisstofnunum er hækkuð úr 5382000 kr. í 7762000 kr. eða um 2380000 kr. Alls er tekjubálkurinn samtals hækkaður um 17695000 kr. Tekjur ríkissjóðs á árinu 1942 reyndust um 86000000 kr.

Fyrir einstökum tillögum um hækkun tekna mun n. gera nánari grein í framsögu.

Útgjöld þau, sem n. gerir ráð fyrir í þeim till., er hún nú leggur fyrir, umfram hækkanir, nema á einstökum greinum frv. sem hér segir, talið í krónum:

| | | |
|---|---|---|
| 12. gr. | Heilbrigðismál | 269400 |
| 13. gr. | Samgöngumál | 5589020 |
| 14. gr. | Kirkju- og kennslumál | 676400 |
| 15. gr. | Vísindi, bókmenntir og listir | 53400 |
| 16. gr. | Verklegar framkvæmdir | 1964200 |
| 17. gr. | Almenn styrktarstarfsemi | 8100 |
| 18. gr. | Eftirlaun og styrktarfé | 4162 |
| 19. gr. | Óviss útgjöld | 1750000 |
| | Samtals | 10414682 |
| | Eignabreyting Út á 20. gr. | 100000 |
| | Rekstrarútgjöld á frv. verða | 58951755 |
| | Útgjöld samkv. 20. gr. | 4069901 |
| | Útgjöld samtals á sjóðsyfirliti | 63121656 |

Er þá með talin hækkun á styrk til flóabátaferða samkvæmt tillögum samvinnunefndar samgöngumála, 319020 kr., þó að sú brtt. verði flutt sérstaklega af þeirri n.

Samkvæmt framanskráðu verður rekstrarafgangur 7093245 kr., en greiðslujöfnuður hagstæður á sjóðsyfirliti um 2924000 kr.

Eftir ósk ríkisstjórnarinnar hefur n. tekið upp í 19. gr. 1750000 kr. hækkun á fjárveitingu til greiðslu grunnlaunauppbótar og verðlagsuppbótar á hana, til embættis- og starfsmanna ríkisins á síðari hluta ársins, og hefur ríkisstj. tjáð n., að hún muni leita samþykkis Alþingis um framlengingu fyrir allt árið á heimild þál. frá 28. ágúst 1942, sem þessi upphæð er greidd eftir.

Fyrir öðrum brtt. mun verða gerð nánari grein í framsögu.

Jónas Jónsson óskar þess getið, að hann hefur sérstöðu um niðurstöðu nefndarinnar, að því er kemur til aðgerða í sambandi við versnandi árferði og fáein önnur minni háttar atriði.

Pétur Ottesen, Þorsteinn Þorsteinsson og Sigurður Hlíðar óska fram tekið, að þeir hafi fyrirvara um nokkrar brtt. við 22. gr.

Þóroddur Guðmundsson og Lúðvík Jósefsson taka fram, að þeir telja tekjur of lágt áætlaðar og of lítið lagt fram til ýmissa félags- og menningarmála og verklegra framkvæmda.

Alþingi, 9. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form., frsm. | Helgi Jónasson, fundaskr. | Jónas Jónsson. |
| Páll Zóphóníasson. | Þorst. Þorsteinsson. | Lúðvík Jósefsson. |
| Þóroddur Guðmundsson. | Pétur Ottesen. | Sigurður E. Hlíðar. |

## Nd. 391. Breytingartillaga

við frv. til l. um verzlun með kartöflur o. fl.

Frá landbúnaðarnefnd.

1. Við 4. gr. Orðið „mánaðarlega“ í síðasta málslið falli burtu.
2. Við 6. gr. Upphaf 2. málsgr. aftur að orðinu „þannig“ orðist svo: Verðskráning kartaflna skal haga.
3. Við 7. gr. a-lið. Fyrir „4. gr.“ komi: 5. gr.
4. Við 8. gr. Á eftir orðinu „úrvalsflokk“ í 3. málslið komi: og 1. flokk.
5. Á eftir 15. gr. komi:

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Heimilt er með reglugerð að veita fyrst um sinn undanþágu frá ákvæðum 6. og 8. gr. um aðgreiningu kartaflna í 1. flokki eftir tegundum og auðkenning þeirra.

## Sþ. 392. Þingsályktun

um milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum.

(Afgreidd frá Sþ. 9. febr.)

Samhljóða þskj. 35.

## Sþ. 393. Þingsályktun

um ráðstafanir til eflingar íslenzkum landbúnaði.

(Afgreidd frá Sþ. 9. febr.)

Alþingi ályktar að fela Búnaðarfélagi Íslands eftirfarandi verkefni:

1. Að láta fara fram rannsókn á því, hvar heppilegust eru skilyrði með tilliti til ræktunar, rafvirkjunar, samgangna o. s. frv. til landbúnaðarframleiðslu í ýmsum greinum með aukið þéttbýli og stofnun byggðahverfa fyrir augum.
2. Að gera áætlun um rafvirkjun sveitabyggða og samgöngukerfi sveitanna með hliðsjón af rannsókn þeirri, er greinir í 1. lið, í samvinnu við aðrar hlutaðeigandi ríkisstofnanir.
3. Í sambandi við ofangreinda rannsókn að gera tillögur um stofnun fyrirmyndarbúa á ýmsum stöðum á landinu og um fyrirkomulag þeirra, og skulu verkefni þeirra vera m. a. að gera tilraunir í ræktun og búrekstri, halda námskeið fyrir bændur o. s. frv.
4. Að undirbúa löggjöf um framkvæmdir og aðstoð við landbúnaðinn á grundvelli þess undirbúningsstarfs, sem að ofan greinir, og að endurskoða gildandi búnaðarlöggjöf, til að greiða fyrir þróun landbúnaðarins í samræmi við þær niðurstöður, sem rannsókn sú, er um getur í 1. lið, leiðir í ljós.

Kostnaður greiðist úr ríkissjóði.

## Sþ. 394. Þingsályktun

um undirbúning verklegra framkvæmda eftir styrjöldina og endurskoðun á skipulagi stóratvinnurekstrar í landinu.

(Afgreidd frá Sþ. 9. febr.)

Alþingi ályktar að kjósa fimm manna milliþinganefnd til að gera áætlanir og tillögur um framkvæmdir í landinu, þegar stríðinu lýkur og herinn hverfur á brott. Í tillögunum verði að því stefnt, að þær framkvæmdir, sem veita skulu atvinnu fyrst í stað, verði jafnframt undirstaða að aukningu atvinnurekstrar og framleiðslu í landinu.

Nefndin skal enn fremur gera tillögur um fyrirkomulag á stóratvinnurekstri í landinu og afskipti ríkisvaldsins af þeim málum. Lögð verði áherzla á, að skipulag atvinnurekstrarins tryggi sem bezt, að stórfyrirtækin séu rekin með almenningshag fyrir augum og að þeir, sem að honum vinna, beri úr býtum endurgjald fyrir störf sín í samræmi við afkomu atvinnurekstrarins. Nefndin skal starfa í samráði við aðrar nefndir eða stofnanir, sem falin kann að verða athugun á atvinnuvegum landsmanna eða einstökum starfsgreinum, og fylgjast sem bezt með starfsemi hliðstæðra nefnda, sem skipaðar hafa verið erlendis.

Nefndinni er heimilt að taka sér til aðstoðar sérfróða menn í einstökum verkefnum, sem henni eru falin til meðferðar í tillögu þessari. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

Nefndin velji sér formann.

## Ed. 395. Nefndarálit

um frv. til l. um samkomudag reglulegs Alþingis 1943.

Frá minni hl. allsherjarnefndar.

Nefndin hefur rækilega athugað frv. þetta og m. a. átt um það viðræður við hæstvirta forsætis- og dómsmálaráðherra. Af hálfu ríkisstjórnarinnar hefur því verið lýst yfir við nefndina, að ef frv. verði samþykkt, muni þingi því, sem nú situr, ekki verða slitið, meðan fyrir því liggja mál, sem meiri hluti þingsins hefur komið sér saman um, að nauðsyn beri til, að afgreidd verði, áður en þingslit fara fram. Enn fremur, að þing muni verða kallað saman á ný, ef meiri hluti þingmanna óskar þess. Þrátt fyrir þetta hefur nefndin ekki orðið sammála um afgreiðslu frv. Minni hluti nefndarinnar telur, að fengnum þessum yfirlýsingum ríkisstjórnarinnar, einsætt að fresta samkomudegi hins reglulega þings, svo sem í frv. er lagt til. Með því móti er hvort tveggja, komið í veg fyrir, að mikið af störfum þings þess, er nú situr, ónýtist og ríkisstjórninni gefinn kostur á að undirbúa fjárlagafrv., svo sem nauðsynlegt er, en hins vegar þinginu tryggt tóm til afgreiðslu allra þeirra mála, sem það kemur sér saman um. Minni hluti nefndarinnar leggur því til, að frv. verði samþykkt.

Alþingi, 10. febr. 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Lárus Jóhannesson.

**Ed.** **396. Lög**

um heimild til að selja Stagley.

(Afgreidd frá Ed. 10. febr.).

Samhljóða þskj. 345.

**Ed.** **397. Lög**

um breyting á lögum nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts.

(Afgreidd frá Ed. 10. febr.).

Samhljóða þskj. 195.

**Ed.** **398. Lög**

um eignarnámsheimild fyrir Siglufjarðarkaupstað á jörðinni Höfn í Siglufirði.

(Afgreidd frá Ed. 10. febr.).

Samhljóða þskj. 287.

**Nd.** **399. Lög**

um orlof.

(Afgreidd frá Nd. 10. febr.).

Samhljóða þskj. 249.

**Nd.** **400. Nefndarálit**

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 3. nóv. 1935, um virkjun Fljótaár.

Frá meiri hl. fjárhagsnefndar.

Fjárhagsnefnd hefur klofnað um afstöðu til þessa máls. Vilja þeir Ásgeir Ásgeirsson og Einar Olgeirsson samþykkja frumvarpið óbreytt, en undirritaðir nefndarmenn vilja láta afgr. það með rökst. dagskrá. Frumvarpið, sem byggt er á því, að Skeiðsfoss í Fljótaá verði virkjaður, fer fram á 6 millj. króna ríkisábyrgð fyrir Siglufjarðarbæ vegna verksins, og er gert ráð fyrir, að til nota komi við hina fyrirhuguðu virkjun 1600 kw rafmagns. En síðar er gert ráð fyrir að bæta við annarri vélasamstæðu, er veiti jafnmikið afl. — Nú er um það enginn ágreiningur milli meiri og minni hluta fjárhagsnefndar, að Siglufjarðarbær þurfi og eigi að fá rafmagn svo fljótt sem verða má. Ágreiningurinn er um hitt, hvort sú framkvæmd, sem hér er ráðgerð, sé sú heppilegasta, borið saman við það, að leiða rafmagn frá öðru orkuveri, og kemur Laxárstöðin þá aðallega til greina.

Það er að verða augljóst mál öllum landsmönnum, að rafmagnið skapar lífsþægindi, sem eru svo mikilsverð, að þau valda gerbreytingu frá því, sem það fólk hefur við að búa, sem utan við lifir. Skammdegismyrkrið og kuldinn hefur lengi verið talið meðal örðugustu óvina ánægjulegs lífs í landi voru. Þeim óvinum verður raunar aldrei að fullu rutt af vegi, en þeirra gætir ótrúlega lítið þar, sem nægilegt rafmagn er fyrir hendi. Þar er dreginn úr þeim mátturinn, og geigurinn, sem af þeim stafar, ekki lengur til að lama fólkið. Af þessu leiðir það, að þar, sem rafmagnið er, þar vill fólkið vera, þar, sem það er ekki, þar er geigurinn við myrkur og kulda. Og þaðan flæmist fólkið fyrr eða síðar, viljugt eða nauðugt. Þennan sannleika verða ráðamenn þjóðarinnar og ekki síst alþingismenn að hafa í huga og miða sína afstöðu þar við. Þess vegna er það eitt meginatriði, þegar um raforkuframkvæmdir er að ræða, á hvern hátt er hægt að láta framkvæmdirnar verða flestum landsmönnum að gagni, — á hvern hátt er hægt að bjarga flestum sveitum og kauptúnum frá myrkri og kulda og koma í veg fyrir, að byggilegar sveitir leggist í auðn.

Að miða framkvæmdirnar einungis við það, hvernig er hægt að fullnægja þeim stöðum, sem hafa flest fólk á minnstum bletti, án þess að taka nokkurt tillit til hinna, er að okkar áliti óafsakanlegt. Þegar um fleiri en eina leið er að velja, þarf þess vegna góða athugun, rækilegan samanburð og nákvæmar áætlanir. Þar er um vandasamt efni að ræða, og dugir ekki að hrapa að neinu.

Varðandi það mál, hvernig beri að fullnægja raforkuþörf Siglufjarðarbæjar, þá teljum við það eigi svo vel athugað, að við getum mælt með 6 millj. króna ábyrgð til að virkja Skeiðsfoss án þess að athuga þarfir annarra manna í Eyjafjarðar- og Skagafjarðarsýslum, sem þarna liggja næst. Eftir þeim athugunum, sem fyrir fjárhagsnefnd hafa verið lagðar, þá teljum við allt benda til þess, að rétta leiðin sé sú að leggja háspennulínu frá Akureyri um Hjalteyri, Dalvík yfir Heljardalsheiði og beinustu leið til Sauðárkróks með spennistöð í Viðvíkursveit og álmu þaðan um Hofsós til Siglufjarðar. Aukning Laxárstöðvarinnar verður að framkvæmast svo fljótt sem verða má, hvort sem horfið verður að þessu ráði eða eigi. Krafa liggur nú fyrir Alþingi um virkjun Gönguskarðsár vegna Sauðárkróks og tillaga um rafleiðslu fyrir Dalvík. Virkjun Gönguskarðsár mundi verða bráðabirgðaverk fyrir takmarkað svæði, eins og hætt er við að yrði um virkjun Skeiðsfoss. Að auka Laxárvirkjunina og fullnægja á þann hátt þörf allra staðanna virðist æskilegasta lausnin, enda er talið, að þar megi áður en lýkur virkja nægilegt rafafl fyrir allt Norðurland. Að því máli er nokkuð vikið nánar í bréfi, sem fjárhagsnefnd hefur fengið frá milliþinganefndinni í raforkumálum og hér með fylgir útdráttur úr.

Samkvæmt framan sögðu leggjum við til, að frumvarpið á þingskjali 71 verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Þar sem nú liggur fyrir Alþingi frumvarp til laga um virkjun Gönguskarðsár með 2 millj. króna ábyrgðarheiðni fyrir Sauðárkrók og tillaga um rafleiðslu til Dalvíkur og annarra byggða vestan Eyjafjarðar, og þar sem athugun bendir til, að hagkvæmast verði að fullnægja raforkuþörf þessara byggða og Siglufjarðar sameiginlega á þann hátt að stækka orkuverið við Laxá í Suður-Þingeyjarsýslu og flytja rafmagnið þaðan með háspennulínum um Akureyri og Dalvík til Skagafjarðar og Siglufjarðar, þá telur deildin eigi rétt að samþykkja nú 6 millj. kr. ábyrgðina fyrir Siglufjörð og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 10. febr. 1943.

Jón Pálmason, fundaskr., frsm. Ingólfur Jónsson. Skúli Guðmundsson.

**Fylgiskjal.**

**Útdráttur úr bréfi milliþn. í raforkumálum.**

Milliþinganefndin hefur notið aðstoðar rafmagnseftirlits ríkisins og verkfræðinganna Steingríms Jónssonar og Árna Pálssonar við áætlanir um það, á hvern hátt verði hagkvæmast að fullnægja raforkuþörf landsmanna. Jafnframt athugun á áætlunum, sem gerðar hafa verið um smærri virkjunarframkvæmdir á nokkrum stöðum, hefur nefndin fengið rafmagnseftirlitið til þess að gera bráðabirgðaáætlanir um heildarkerfi, þar sem aðallínur yrðu lagðar frá stórum orkuverum um mikinn hluta landsins.

Það er álit þeirra sérfræðinga, er nefndin hefur leitað til, að í tveimur stórám landsins, Soginu í Árnessýslu og Laxá í Suður-Þingeyjarsýslu, sé nægilega mikið vatnsafl til raforkuframleiðslu, er fullnægt geti þörf mikils hluta þjóðarinnar um alllanga framtíð. Er talið, að í hvoru þessu vatnsfalli fyrir sig sé unnt að virkja yfir 100 þúsund hestöfl. Hefur nefndin fengið byrjunaráætlanir um kostnað við að tengja saman aflstöðvar við Sogið og Laxá með línu, er lögð yrði um Borgarfjörð, Húnavatnssýslur, Skagafjörð og Eyjafjörð. Einnig hefur verið gerð bráðabirgðaáætlun um héraðaspennistöðvar og línur frá þessari landslínu á Snæfellsnes, í Dali, að Hólmavík í Strandasýslu og til Siglufjarðar. Sams konar áætlanir hafa verið gerðar um línur frá Sogsstöðinni um Suðurlandsundirlendið og til Vestmannaeyja og frá Laxárstöðinni til Húsavíkur. Áður hafa verið gerðar áætlanir um rafveitu frá Soginu um Reykjaneskagann.

Í þeim landshlutum, sem með slíkri tilhögun gætu fengið raforku frá þessum tveim orkuverum, búa um 96 þúsundir manna.

Eftir að hafa athugað þær upplýsingar, sem nefndin hefur fengið, hefur hún komizt að þeirri niðurstöðu, að hagkvæmast verði að bæta úr rafmagnsþörf fólksins í þessum landshlutum með því að auka við aflstöðvarnar í Sogi og Laxá og tengja þær saman með landslínu um þau héruð, sem nefnd hafa verið. En verði horfið að því ráði, telur nefndin óhjákvæmilegt, að ríkið hafi umráð yfir þessum stóru orkuverum og aðallínum frá þeim.

Vegna fjarlægðar frá þessum aflstöðvum til Austfjarða og Vestfjarða, virðist nefndinni, að rafmagnsþörf þeirra landshluta muni fullnægt á hagkvæmastan hátt með sérstökum stórum virkjunum á þeim stöðum. Er nú unnið að athugun á möguleikum til stórra virkjana í þeim landshlutum.

**Virkjun Fljótaár.**

Með frumvarpinu er farið fram á ríkisábyrgð fyrir 6 millj. kr. láni handa Siglufjarðarkaupstað til virkjunar Fljótaár.

Um kostnað við þessa framkvæmd eru áætlanir Steingríms Jónssonar rafmagnsstjóra, sem birtar eru í fylgiskjali með frumvarpinu, dags. 16. nóv. 1942, og í bréfi, dags. 4. jan. 1943, sem nefndin hefur fengið til athugunar. Samkvæmt þeim áætlunum kostar virkjun fyrir tvennar vélasamstæður, samtals 4700 hestöfl, kr. 5050000.00 miðað við verðlag í des. s. l., en þar fyrir utan er kostnaður við háspennulínu til Siglufjarðar og aðalspennistöð þar, sem má gera ráð fyrir, að kosti ca. kr. 1400000.00, eftir þeim upplýsingum, sem rafmagnseftirlitið hefur gefið um áætlaðan kostnað við háspennulínur og spennistöðvar yfirleitt. Verður þá kostnaðurinn alls kr. 6450000.00. Nú er upplýst í bréfi rafmagnsstjórans, dags. 16. nóv., að eigi sé fyrirhugað að setja nema eina vélasamstæðu í stöðina fyrst um sinn, og mundu þá fást aðeins 2350 hestöfl í stað 4700. Við þetta telur rafmagnsstjórinn, að kostnaðurinn muni verða 750 þús. kr. lægri. Verður þá kostnaðurinn við 2350 hestafla virkjun, að meðtalinni línu til Siglufjarðar og spennistöð þar, um það bil kr. 5700000.00.

Eins og áður er tekið fram, hefur nefndin fengið rafmagnseftirlitið til að gera athuganir um kostnað við landslínu, miðað við núverandi verðlag. Hefur nefndin m. a. fengið eftirfarandi yfirlit, varðandi kostnað við að leggja línu frá Akureyri um Dal-

vík til Sauðárkróks, Hofsóss og Siglufjarðar, og spennistöðvar á þessum stöðum, ef horfið yrði að því ráði að flytja rafmagn þangað frá Laxárvirkjuninni:

| | | |
|---|---|---|
| 60 kV.-lína frá Akureyri til Dalvíkur 44 km á 45000.00 kr. | | 1980000.00 |
| Spennistöð á Dalvík 300 kW. 30/6 kV. | | 100000.00 |
| 60 kV.-lína frá Dalvík til Sauðárkróks: | | |
| 60 km láglendi á 45.000.00 | 2700000.00 | |
| 8 km hálendi á 55000.00 | 440000.00 | |
| | | 3140000.00 |
| Spennistöð á Sauðárkróki 600 kW. 30/6 kV. | | 150000.00 |
| 30 kV.-lína frá Miklahól að Hofsósi 17 km á 35000.00 | | 600000.00 |
| Spennistöð á Hofsós 500 kW 30/6 kV. | | 130000.00 |
| 30 kV.-lína frá Hofsósi til Siglufjarðar 45 km | | 1600000.00 |
| Spennistöð á Siglufirði 3000 kW. 30/60 kV. | | 500000.00 |
| | kr. | 8200000.00 |

Einnig hefur rafmagnseftirlitið gert eftirfarandi yfirlit um kostnað við sömu línu, ef hún verður með 60 kV. spennu alla leið til Siglufjarðar, en þá væri hægt að auka orkuflutninginn mjög mikið:

| | |
|---|---|
| Spennistöð á Akureyri 3000 kW. 30/60 kV. | 900000.00 |
| Lína til Dalvíkur skv. A. | 1980000.00 |
| Spennistöð á Dalvík 300 kW. 60/6 kV. | 160000.00 |
| Lína frá Dalvík til Sauðárkróks skv. A. | 3140000.00 |
| Spennistöð á Sauðárkróki 600 kW. 60/6 kV. | 250000.00 |
| 60 kV.-lína frá Miklahóli til Hofsóss 17 km á 45000.00 | 765000.00 |
| Spennistöð á Hofsósi 500 kW. 60/6 kV. | 220000.00 |
| 60 kW.-lína frá Hofsósi til Siglufjarðar 45 km á 45000.00 | 2050000.00 |
| Spennistöð á Siglufirði 3000 kW. 60/6 kV. | 900000.00 |
| kr. | 10365000.00 |

Nefndin bendir á, að með þessari tilhögun geta eigi aðeins Siglfirðingar, heldur einnig íbúar Dalvíkur, Hofsóss og Sauðárkróks, fengið rafmagn frá Laxárstöðinni, ásamt Akureyringum, þegar sú stækkun stöðvarinnar, sem nú er í undirbúningi, hefur farið fram. Með þessu móti verður óþarft að leggja fjármuni í sérstaka virkjun í Skagafirði, en nú liggur fyrir Alþingi frumvarp um virkjun Gönguskarðsár, og er óskað ríkisábyrgðar fyrir 2 millj. króna láni til þeirrar framkvæmdar.

Samkvæmt framan sögðu er áætlað, að virkjanir í Fljótaá og Gönguskarðsá kosti samtals kr. 8450000.00. Er það 250 þús. kr. meira en ódýrari gerð línunnar frá Akureyri, sem áður er um getið. Verði hins vegar fullkomnari gerð línunnar tekin, verður kostnaðurinn við þá framkvæmd tæpum 2 millj. kr. meiri en við þessar tvær sérvirkjanir. En þegar þess er gætt, að með línu frá Laxárstöðinni til Sauðárkróks og Siglufjarðar er jafnframt hægt að bæta úr raforkuþörf Dalvíkur og Hofsóss, og þó alveg sérstaklega með tilliti til þess, að línan frá Akureyri vestur til Skagafjarðar er mjög mikilsverður þáttur í því verki að koma raforkunni svo fljótt sem verða má til sem allra flestra landsmanna, er nefndin þeirrar skoðunar, að rétt sé að velja þá leið. Nefndin telur því óráðlegt að samþykkja frumvarpið um virkjun Fljótaár.

Reykjavík, 25. janúar 1943.

F. h. milliþinganefndar í raforkumálum

Jörundur Brynjólfsson, formaður. Sigurður Jónasson, ritari.

Til fjárhagsnefndar neðri deildar Alþingis.

# Nd. 401. Frumvarp til laga

um verzlun með kartöflur o. fl.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

Ríkið rekur innflutnings- og heildverzlun, sem heitir Grænmetisverzlun ríkisins. Er hlutverk hennar að annast innflutning og verzlun með kartöflur og annað grænmeti samkv. því, sem lög þessi ákveða, svo og að greiða fyrir sölu á innlendum garðávöxtum með því meðal annars að lána framleiðendum markaðsskála til almennrar sölu garðávaxta, ef það þykir henta.

Eignir Grænmetisverzlunar ríkisins samkv. lögum nr. 34 frá 1. febr. 1936, eins og þær verða er lög þessi koma til framkvæmda, eru stofnfé verzlunarinnar.

2. gr.

Engum öðrum en Grænmetisverzlun ríkisins er heimilt að flytja til landsins kartöflur og nýtt grænmeti. Bann þetta nær þó eigi til skipa, sem koma í landhelgi og hafa innanborðs kartöflur og grænmeti, ef birgðirnar eru, að áliti viðkomandi tollyfirvalds, eigi meiri en svo, að hæfilegur forði sé handa skipverjum og farþegum.

3. gr.

Grænmetisverzlun ríkisins skal ávallt fylgjast vel með því, hve miklar birgðir af kartöflum eru til í landinu, og gæta þess að flytja ekki inn erlendar kartöflur fyrr en hin innlenda framleiðsla er svo til þurrðar gengin, að öruggt sé, að innflutningurinn torveldi ekki sölu hennar. Til þess að greiða fyrir þessu skal skýrslusöfnun Búnaðarfélags Íslands og Hagstofu Íslands um kartöfluuppskeru vera framkvæmd í samráði við Grænmetisverzlun ríkisins og hagað þannig, að hún verði að sem beztum notum við rekstur verzlunarinnar.

4. gr.

Grænmetisverzlun ríkisins kaupir innlenda framleiðslu af kartöflum og öðru grænmeti eftir því, sem ástæður leyfa. Skal hún, eftir því sem fært þykir, láta þá framleiðendur sitja fyrir um kaup að haustlagi, sem erfiðast eiga um flutning að vetrarlagi. Verzlunin birtir útsöluverð sitt á vörum þessum til leiðbeiningar öðrum verzlunum, framleiðendum og neytendum.

5. gr.

Ákveða skal á hverju hausti verðlag það á helztu innlendum garðávöxtum, er gilda skal um uppskerutímann, frá 15. sept. til 1. nóv. Eftir það skal verðið fara hækkandi, svo fullt tillit sé tekið til geymslukostnaðar þeirra garðávaxta, sem síðar verða seldir. Nýir, innlendir garðávextir, sem koma á markaðinn fyrir 15. sept., skulu skráðir hærra verði, því fyrr sem þeir eru afhentir til sölu. Skal verðlagið miða að því, að tryggð verði framleiðsla snemmvaxinna garðávaxta. Verðskráning garðávaxta skal aðallega miða við markaðsverð garðávaxta í nálægum löndum, að viðbættum flutningskostnaði. Þó skal þess gætt jafnframt, að framleiðendum sé tryggt hæfilegt framleiðsluverð.

Innflutta garðávexti má aldrei selja lægra verði en innlenda, miðað við sama tíma og sömu gæði.

Við ákvörðun útsöluverðs þeirra garðávaxta, sem Grænmetisverzlun ríkisins verzlar með, skal álagningin miðuð við það, að geymslu og verzlunarkostnaður fáist greiddur.

6. gr.

Allar kartöflur, sem seldar eru í verzlunum á helztu markaðsstöðum landsins, skulu aðgreindar í flokka: úrvalsflokk, I. flokk og II. flokk. Í úrvalsflokki séu aðeins beztu tegundir af matarkartöflum, sem fullnægja ströngustu kröfum um aðgreiningu, heilbrigði og meðferð. Í I. flokki sé allur meginþorri hreinna kartöflutegunda, sem eru vel aðgreindar, heilbrigðar og vel með farnar. Í II. flokki séu lökustu tegundirnar og aðrar þær kartöflur, sem ekki geta komið í úrvalsflokk eða I. flokk, ef þær annars teljast söluhæfar til manneldis.

Verðskráning kartaflna skal haga þannig, að nægilegur verðmunur sé á úrvalsflokki kartaflna og I. og II. flokki til þess, að framleiðendur kjósi að hafa sem bezta vöru á boðstólum.

Á tímabilinu frá því uppskera hefst og til 20. sept. ár hvert er heimilt að selja kartöflur af nýrri uppskeru án mats eða flokkunar, nema annað sé ákveðið af matsnefnd (sbr. 7. gr.).

7. gr.

Landbúnaðarráðherra skipar þriggja manna nefnd, og sé einn maðurinn tilnefndur af Grænmetisverzlun ríkisins, annar af Búnaðarfélagi Íslands og þriðji af Alþýðusambandi Íslands. Ráðherra skipar formanninn. Tilnefni einhver aðili ekki nefndarmann, skipar ríkisstjórnin mann í hans stað.

Verkefni nefndarinnar er:

a. að ákveða verðskráningu samkv. 5. gr.
b. að hafa eftirlit með því, að ákvæðum um flokkun á kartöflum sé framfylgt og veita leiðbeiningar um flokkunina.

Nefndin ræður matsmann í Reykjavík og á öðrum helztu markaðsstöðum á landinu, eftir því sem þörf krefur, og starfa þeir í umboði hennar. Þóknun til nefndarinnar og matsmanna og gjöld fyrir matsvottorð ákveður ráðuneytið.

8. gr.

Óheimilt er verzlunum, að viðlögðum sektum, að selja kartöflur í öðrum flokki en þeim, sem matsreglur ákveða. Leiki vafi á því, í hvaða flokki skuli selja kartöflur, skal leita um það úrskurðar viðkomandi matsmanns, en selja þær ella sem II. flokks vöru. Í smásöluverzlunum skal greinilega auðkennt við kartöflur þær, sem eru á boðstólum, hvaða flokki þær tilheyra og einnig tegundarnafn þeirra, þegar um úrvalsflokk og I. flokk er að ræða. Ákvæði þessarar greinar ná þó aðeins til þeirra staða á landinu, þar sem flokkun og mat á kartöflum er fyrirskipað samkvæmt reglugerð.

9. gr.

Þegar mikið framboð er af innlendum kartöflum, getur landbúnaðarráðherra, eftir tillögum Grænmetisverzlunar ríkisins, bannað verzlunum sölu á II. flokks kartöflum til manneldis á öllum helztu markaðsstöðum landsins.

10. gr.

Grænmetisverzlun ríkisins skal sjá um, eftir því sem unnt er, að árlega sé völ á heilbrigðu, völdu, innlendu útsæði. Skal hún þess vegna koma á fót stofnræktun úrvalskartöflutegunda (eliteræktun) og semja við einstaka kartöflaframleiðendur um framleiðslu útsæðis af þessum tegundum, og sé þessi ræktun háð ströngu heilbrigðiseftirliti.

11. gr.

Landbúnaðarráðherra skipar forstöðumann Grænmetisverzlunar ríkisins og endurskoðendur.

Hagnaði þeim, er verða kann á rekstri verzlunarinnar, má hún verja til eflingar matjurtaræktar, sbr. 10. gr., svo og til þess að tryggja framtíð stofnunarinnar með því að koma upp nauðsynlegum varasjóði.

12. gr.

Ráðherra setur reglugerð um framkvæmd laganna, svo sem að því er snertir ákvæði 6. gr. um flokkun kartaflna og verðmismun á flokkum, svo og um annað, er þurfa þykir.

13. gr.

Brot gegn lögum þessum varða sektum frá 10 til 1000 kr., ef ekki liggur þyngri refsing við samkvæmt lögum.

Kartöflur og annað grænmeti, sem flutt kann að vera inn í bága við lög þessi, skal gert upptækt og afhent Grænmetisverzlun ríkisins.

Með mál út af lögum þessum skal fara sem almenn lögreglumál.

14. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 34 frá 1. febr. 1936.

15. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Heimilt er með reglugerð að veita fyrst um sinn undanþágu frá ákvæðum 6. og 8. gr. um aðgreiningu kartaflna í I. flokki eftir tegundum og auðkenning þeirra.

## Nd. 402. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

Flm.: Lúðvík Jósefsson, Gísli Guðmundsson.

Við 6. gr. Greinin orðist svo:

Við fiskveiðasjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita 2. og 3. veðréttar lán til byggingar fiskibáta innan 150 smálesta. Ríkissjóður leggur sjóði þessarar deildar 2 millj. króna á árinu 1943, og auk þess ganga til hans frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu. Úr sjóði þessum skal veita lán til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Lán, sem veitt eru úr sjóði þessum, skulu vera vaxtalaus í 10 ár og afborgunarlaus fyrstu 5 árin. Lánin veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Lán úr þessum sjóði má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins, þó aldrei yfir 75000 kr. á skip. Við lánveitingar úr sjóðnum skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi stundar sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Lán úr sjóði þessum veitist til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun lána taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið. Í reglugerð sjóðsins skulu sett ýtarlegri ákvæði um starfsemi þessarar deildar og ákvæði, er miði að því að fyrirbyggja misnotkun á hlunnindum þessara lána.

## Nd. 403. Frumvarp til laga

um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943.

(Eftir 3. umr. í Ed.)

1. gr.

Bæjar- og sveitarstjórnum er heimilt að innheimta hjá hverjum útsvarsgjaldanda í umdæmum sínum allt að 50% af upphæð þeirri, er hann greiddi í útsvar fyrir árið 1942, til greiðslu upp í útsvar hans 1943, með gjalddögum 1. marz til 1. maí, eftir nánari reglum, er bæjar- og sveitarstjórnirnar setja, en ráðherra staðfestir.

2. gr.

Ef útsvar er ekki greitt á réttum gjalddögum samkvæmt reglum þeim, er settar verða samkv. 1. gr., skal gjaldþegn greiða dráttarvexti af því, sem ógreitt er, 1% fyrir hvern mánuð eða hluta úr mánuði, sem líður frá gjalddaga, unz útsvarið er greitt.

3. gr.

Nú kemur það í ljós, er álagningu útsvars 1943 er lokið, að gjaldþegn hefur þegar greitt meira en honum bar, og skal þá endurgreiða það, sem ofgreitt var, ásamt 1% vöxtum fyrir hvern mánuð eða hluta úr mánuði, sem upphæðin hefur verið í vörzlu viðkomandi bæjar- eða sveitarsjóðs.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 404. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á sveitarstjórnarlögum, nr. 12 31. maí 1927, og um afnám l. nr. 34 27. júní 1941, um breyt. á þeim lögum.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og mælir með því, að það verði samþ. óbreytt.

Alþingi, 10. febr. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. — Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. — Gunnar Thoroddsen, frsm.

Jörundur Brynjólfsson. — Áki Jakobsson.

## Nd. 405. Nefndarálit

um frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

Frá meiri hl. allsherjarnefndar.

Meiri hl. nefndarinnar (ÁkJ, GÞ, GTh og StJSt) hefur orðið ásáttur um að mæla með samþykkt frv. JörB er andvígur frv. eins og það liggur fyrir.

Alþingi, 10. febr. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. — Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. — Gunnar Thoroddsen, frsm.

Áki Jakobsson.

## Nd. 406. Nefndarálit

um frv. til laga um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin leggur til, að frv. verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 10. febr. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Áki Jakobsson, frsm.
Jörundur Brynjólfsson. Gunnar Thoroddsen.

## Ed. 407. Breytingartillaga

við frv. til l. um samkomudag reglulegs Alþingis 1943.

Frá Guðmundi Í. Guðmundssyni.

Við 1. gr. Greinin orðist svo:
Reglulegt Alþingi ársins 1943 skal koma saman eigi síðar en 4 dögum eftir að aukaþinginu, er hófst í nóv. 1942, hefur verið slitið.

## Ed. 408. Breytingartillaga

við frv. til l. um samkomudag reglulegs Alþingis 1943.

Frá Brynjólfi Bjarnasyni.

Við 1. gr. Greinin orðist svo:
Reglulegt Alþingi ársins 1943 skal koma saman 15. dag marzmánaðar, hafi ríkisstjóri ekki tiltekið annan samkomudag fyrr á árinu.

## Ed. 409. Lög

um verðlag.

(Afgreidd frá Ed. 10. febr.).

Samhlj. þskj. 349.

Sþ. **410. Breytingartillögur**

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943 og við brtt. á þskj. 387.

I. Frá *Sigurði Bjarnasyni, Barða Guðmundssyni og Sigurði Thoroddsen.*
Við 3. gr. A. Sundurliðun 2. II. b. 13. Nýr liður:
Til starfrækslu talstöðva á afskekktum stöðum ..... 1000

II. Frá *Gísla Jónssyni.*
Við 3. gr. A. 2. Eignabreyt. Út. VI. Nýr liður:
Til nýrra símalagninga:
a. Um Suðurfirði ..... 10000
b. Frá Vattarnesi um Múlahrepp ..... 10000 20000

III. Frá *Sigurði Bjarnasyni, Barða Guðmundssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 12. gr. 3. (Læknisvitjanastyrkur).
1. (Í Ögurhéraði: Reykjarfjarðarhreppur o. s. frv.).
Fyrir „750“ kemur ..... 1500
2. (Í Hesteyrarhéraði).
a. (Grunnavíkurhreppur). Fyrir „300“ kemur ..... 600
b. (Sléttuhreppur). Fyrir „300“ kemur ..... 600

IV. Frá *Sveinbirni Högnasyni.*
Við 12. gr. 3. (Læknisvitjanastyrkur).
1. (Í Síðuhéraði).
a. (Skaftártunguhreppur). Fyrir „300“ kemur ..... 600
b. (Álftaversbreppur). Fyrir „250“ kemur ..... 600
c. (Leiðvallarhreppur). Fyrir „300“ kemur ..... 600
2. (Í Mýrdalshéraði).
(Austur-Eyjafjallahreppur). Fyrir „200“ kemur ..... 400

V. Frá *Bjarna Benediktssyni, Magnúsi Jónssyni, Brynjólfi Bjarnasyni, Haraldi Guðmundssyni, Einari Olgeirssyni, Sigurði Kristjánssyni, Sigurði Guðnasyni, Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Stefáni Jóh. Stefánssyni* og *Pétri Magnússyni.*
Við 12. gr. 13. Nýr stafliður á undan a.:
Til fæðingardeildar í sambandi við landsspítalann, gegn jöfnu framlagi frá Reykjavíkurkaupstað, enda verði samkomulag við hann um fyrirkomulag byggingarinnar og rekstur deildarinnar 600000

*Til vara:*
Til fæðingardeildar í sambandi við landsspítalann, gegn tvöföldu framlagi frá Reykjavíkurkaupstað, enda verði samkomulag við hann um fyrirkomulag byggingarinnar og rekstur deildarinnar ..... 300000

VI. Frá *Áka Jakobssyni* og *Jóhanni Jósefssyni.*
Við 12. gr. 13. c. 1. (Sjúkrahúsin á Ísafirði o. s. frv.).
a. Í stað orðanna „og Seyðisfirði“ kemur: Seyðisfirði, Siglufirði og Vestmannaeyjum.
b. Fyrir „12900“ kemur ..... 20400

VII. Frá *Jóhanni Jósefssyni* og *Áka Jakobssyni.*
Við 12. gr. 13. c. 2.
a. Í stað orðanna „sjúkrahússins á Siglufirði“ kemur: sjúkrahúsanna á Siglufirði og í Vestmannaeyjum.
b. Fyrir „30000“ kemur ..... 40000

VIII. Frá *Bjarna Ásgeirssyni.*
Við 12. gr. 13. o. Nýr liður:
Til ljóslækningastofu í Borgarnesi ..... 1000

IX. Frá *Gísla Jónssyni.*
Við brtt. 387, 15. a. 12. (Barðastrandarvegur).
Fyrir „38000“ kemur ..... 75000

X. Frá *Gísla Jónssyni.*
Við brtt. 387, 15. a. 13. b. 1. (Bíldudalsvegur).
Fyrir „12000“ kemur ..... 30000

XI. Frá *Jóni Pálmasyni.*
Við brtt. 387, 15. a. 19. (Skagastrandarvegur).
Fyrir „40000“ kemur ..... 50000

XII. Frá *Áka Jakobssyni.*
Við brtt. 387, 15. a. 24. b. (Siglufjarðarskarð).
Fyrir „250000“ kemur ..... 300000

XIII. Frá *Bernharð Stefánssyni* og *Garðari Þorsteinssyni.*
Við 13. gr. A. II. a. 29. Fyrir liðinn koma tveir liðir:
a. Stífluvegur ..... 15000
b. Ólafsfjarðarvegur ..... 25000

XIV. Frá *Steingrimi Aðalsteinssyni, Bernharð Stefánssyni* og *Garðari Þorsteinssyni.*
Við brtt. 387, 15. a. 26. (Öxnadalsheiðarvegur).
Fyrir „120000“ kemur ..... 170000

XV. Frá *Sveinbirni Högnasyni.*
1. Við 13. gr. A. II. a. 53. (Meðallandsvegur).
a. Fyrir „8000“ kemur ..... 25000
b. Nýr liður:
Mýrdalssandsvegur ..... 25000
2. Við brtt. 387, 16. 3. Nýr liður:
Djúpá í Fljótshverfi ..... 75000

XVI. Frá *Gísla Jónssyni.*
Við brtt. 387, 16. 20. Nýir liðir:
a. Móra á Barðaströnd ..... 35000
b. Arnarbýla á Barðaströnd ..... 35000
c. Laxá í Reykhólahreppi ..... 35000

XVII. Frá *Eiriki Einarssyni* og *Jörundi Brynjólfssyni.*
Við brtt. 387, 16. 20. Nýir liðir:
a. Litla-Laxá í Hrunamannahreppi ..... 60000
b. Þverá á Þjórsárdalsleið ..... 60000
c. Hvítá hjá Iðu í Árnessýslu ..... 600000

XVIII. Frá *Gísla Jónssyni.*
Við brtt. 387, 16. 23. b. Nýr liður:
Litlueyrará í Bíldudal ..... 35000

XIX. Frá *Páli Þorsteinssyni, Einari Olgeirssyni* og *Jörundi Brynjólfssyni.*
Við 13. gr. A. VIII. Liðinn skal orða svo:
Til ferjuhalds, eftir úthlutun vegamálastjóra, enda sé styrkurinn til ferjumanna, hvers um sig, hækkaður að sama skapi 12000

XX. Frá *Jörundi Brynjólfssyni* og *Eiriki Einarssyni.*
Við 13. gr. A. VIII. (Ferjuhald).
a. Fyrir „7000“ kemur ..... 7100
b. Við liðinn kemur aths.:
Þar af 100 kr. til ferjumanns á Iðu.

XXI. Frá *Páli Þorsteinssyni, Einari Olgeirssyni* og *Jörundi Brynjólfssyni.*
Við 13. gr. A. X. Liðinn skal orða svo:
Styrkur til að halda uppi byggð og gistingu handa ferðamönnum, enda tvöfaldist styrkurinn til hvers ábúanda, sem hans hefur notið ..... 15000

XXII. Frá *Páli Þorsteinssyni.*
Við 13. gr. B. 1. c. (Vöruflutn. í Skaftafellss.).
Við liðinn kemur aths.:
enda sjái skipaútgerð ríkisins einnig fyrir flutningum til Öræfa eftir þörfum.

XXIII. Frá *Sveinbirni Högnasyni.*
Við brtt. 388. a. (Flóabátaferðir).
Framlagið hækki um 49000 kr.
[Hækkunin gangi til Suðurlandsskips, enda verði styrknum úthlutað á sama hátt og verið hefur undan farandi ár.]

XXIV. Frá *Kristni Andréssyni.*
Við brtt. 387, 20. a. (Hafnargerð á Húsavík).
Fyrir „100000“ kemur ..... 200000

XXV. Frá *Áka Jakobssyni.*
Við brtt. 387, 20. f. 3. (Siglufjarðarhöfn).
Fyrir „75000“ kemur ..... 100000

XXVI. Frá *Bernharð Stefánssyni* og *Garðari Þorsteinssyni.*
Við brtt. 387, 21. a. 5. Nýr liður:
Til Ólafsfjarðar ..... 50000

XXVII. Frá *Sigurði Bjarnasyni* og *Sigurði Kristjánssyni.*
Við brtt. 387, 21. b. 7. (Bryggjugerð í Súðavík).
Í stað orðanna „sé bryggjan eign hreppsins“ kemur: eigi hreppurinn kost á að eignast bryggjuna.

XXVIII. Frá *Bernharð Stefánssyni* og *Garðari Þorsteinssyni.*
Við brtt. 387, 21. b. 8. Nýr liður:
Til bryggjugerðar á Hauganesi ..... 15000

XXIX. Frá *Jóhanni Jósefssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við brtt. 387, 21. Nýr liður:
Vegna viðgerðar hafnargarðanna í Vestmannaeyjum á árinu 1942 ..... 87000
*Til vara* ..... 68000

XXX. Frá *Jóni Sigurðssyni* og *Sigurði Þórðarsyni.*
Við 13. gr. C. IX. Nýr liður:
Til sjóvarnargarðs á Sauðárkróki, gegn ⅓ hluta frá Sauðárkrókshreppi ..... 60000

XXXI. Frá *Emil Jónssyni, Garðari Þorsteinssyni, Jörundi Brynjólfssyni, Lúðvík Jósefssyni, Sigurði Bjarnasyni, Stefáni Jóh. Stefánssyni, Sveinbirni Högnasyni* og *Þóroddi Guðmundssyni.*
Við 14. gr. B. V. b. 11. (Menntask. á Akureyri).
Nýr liður: Til leikfimishúss skólans ..... 55000

XXXII. Frá *Ingólfi Jónssyni, Sveinbirni Högnasyni, Jörundi Brynjólfssyni, Gísla Sveinssyni* og *Eiríki Einarssyni.*
Við 14. gr. B. IX. 2. Nýr liður:
Bændaskóli Suðurlands: Byrjunarframlag ..... 100000

XXXIII. Frá *Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Páli Þorsteinssyni, Barða Guðmundssyni* og *Gunnari Thoroddsen.*
Við brtt. 387, 26. (Bygging barnask. utan kaupst.).
Fyrir „250000“ kemur ..... 400000

XXXIV. Frá *Bjarna Ásgeirssyni.*
Við 14. gr. B. XIV. 4. Nýr liður:
Til Skallagrímsgarðs í Borgarnesi ..... 1000

XXXV. Frá *Bjarna Benediktssyni, Magnúsi Jónssyni, Brynjólfi Bjarnasyni, Haraldi Guðmundssyni, Einari Olgeirssyni, Sigurði Kristjánssyni, Sigurði Guðnasyni, Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Stefáni Jóh. Stefánssyni* og *Pétri Magnússyni.*
Við 14. gr. B. XIV. 6. (Gagnfræðaskóli Reykvíkinga).
Fyrir „5000“ kemur ..... 53333
*Til vara* ..... 25000

XXXVI. Frá *Gísla Sveinssyni.*
Við 14. gr. B. XV. 2. (Húsmæðrafr. í V.-Skaft.).
Fyrir „800“ kemur ..... 1400
*Til vara* ..... 1200

XXXVII. Frá *Jörundi Brynjólfssyni, Eiriki Einarssyni* og *Jóhanni Jósefssyni.*
Við 14. gr. B. XV. 3. (Árný Filippusdóttir).
Fyrir „5000“ kemur ..... 7000

XXXVIII. Frá *Áka Jakobssyni.*
Við 14. gr. B. XXVI. (Íþróttasjóður).
Fyrir „300000“ kemur ..... 400000

XXXIX. Frá *Áka Jakobssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við brtt. 387, 33. (Náttúrufræðifél.).
Fyrir „13000“ kemur ..... 17000

XL. Frá *Bjarna Benediktssyni, Magnúsi Jónssyni, Brynjólfi Bjarnasyni, Haraldi Guðmundssyni, Einari Olgeirssyni, Sigurði Kristjánssyni, Sigurði Guðnasyni, Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Stefáni Jóh. Stefánssyni* og *Pétri Magnússyni.*
Við 15. gr. 8. (Bæjarbókasafn Rvíkur).
Fyrir „8000“ kemur ..... 25000

XLI. Frá *Áka Jakobssyni* og *Jóhanni Jósefssyni.*
Við 15. gr. 13. (Lesstofa sjómannaheimilis á Siglufirði).
Fyrir „1000“ kemur ..... 2000

XLII. Frá *Kristni Andréssyni* og *Gunnari Thoroddsen.*
Við brtt. 387, 37. Liðinn skal orða svo:
Til leiklistarskóla Lárusar Pálssonar 3500 kr. og til leiklistarskóla Soffíu Guðlaugsdóttur og Jóns Norðfjörðs 1200 kr. til hvors 5900

XLIII. Frá *Jóhanni Jósefssyni.*
Við 15. gr. 17. (Sjómannalesstofa í Vestm.).
Fyrir „500“ kemur ..... 800

XLIV. Frá *Jörundi Brynjólfssyni, Gísla Guðmundssyni, Sigurði Kristjánssyni, Áka Jakobssyni, Haraldi Guðmundssyni* og *Einari Olgeirssyni.*
Við 15. gr. 27. (Jarðabók Árna og Páls).
Fyrir „1000“ kemur ..... 15000

XLV. Frá *Sigurði Guðnasyni, Sigurði Kristjánssyni* og *Jakob Möller.*
1. Við brtt. 387, 36. (Leikfél. Rvíkur).
Fyrir „15000“ kemur ..... 20000
2. Við 15. gr. 35. (Leikfél. Rvíkur).
Aths. fellur niður.

XLVI. Frá *Magnúsi Jónssyni, Ásgeiri Ásgeirssyni* og *Bjarna Ásgeirssyni.*
Við 15. gr. 45. Nýr liður:
Til Rögnvalds Sigurjónssonar, til hljómlistarnáms ..... 5000

XLVII. Frá *Bjarna Benediktssyni.*
Við 15. gr. 48. Meginmál till. skal orða svo:
Til útgáfu héraðssagnarita, eftir tillögum heimspekideildar háskólans.
*Til vara:* ..... eftir tillögum menntamálaráðs.

XLVIII. Frá *Stefáni Jóh. Stefánssyni, Gísla Guðmundssyni, Kristni Andréssyni* og *Sigurði Bjarnasyni.*
Við brtt. 387, 39. (Skáld og listamenn etc.).
a. Fyrir „100000“ kemur ..... 150000
b. Við aths. bætist: Frá upphæðinni skal draga fjárveitingar til einstakra skálda og listamanna, sem þingið kann að bæta við í 18. gr.

XLIX. Frá *Stefáni Jóh. Stefánssyni, Gísla Guðmundssyni, Sigurði Thoroddsen* og *Sigurði Bjarnasyni.*
Við brtt. 387, 39. (Skáld og listamenn o. s. frv.).
Úr aths. falla burt orðin „úr hópi sinna félagsmanna“.

L. Frá *Gísla Sveinssyni* og *Stefáni Jóh. Stefánssyni.*
Við 15. gr. 53. b. (að óbreyttum tölul. 53 eða breyttum).
Nýr stafliður:
Til Guðbrands Jónssonar, til að semja miðaldamenningarsögu 1800

LI. Frá *Páli Þorsteinssyni* og *Ásgeiri Ásgeirssyni.*
Við 15. gr. 58. (Höskuldur Björnsson).
Fyrir „2000“ kemur ..... 5000

LII. Frá *Pétri Ottesen.*
Við 15. gr. 64. Nýr liður:
Til Önnu Bjarnadóttur til þess að ljúka samningu enskunámsbóka ásamt orðasafni til afnota við héraðs- og gagnfræðaskóla 3000

LIII. Frá *Stefáni Jóh. Stefánssyni, Ólafi Thors* og *Hermanni Jónassyni.*
Við 15. gr. 65. Nýr liður:
Til Noregssöfnunarinnar ..... 350000

LIV. Frá *Sigurði Guðnasyni, Brynjólfi Bjarnasyni* og *Einari Olgeirssyni.*
Við 16. gr. 1. Liðinn skal orða svo:
Til verklegra framkvæmda í atvinnuaukningarskyni, í samráði við bæjar- og sveitarstjórnir ..... 1500000

LV. Frá *Gísla Jónssyni.*
Við brtt. 387, 43. (Byggingar á ríkisjörðum).
Fyrir „100000“ kemur ..... 200000

LVI. Frá *Jóni Pálmasyni, Ingólfi Jónssyni, Jörundi Brynjólfssyni* og *Skúla Guðmundssyni.*
Við 16. gr. 15. Nýr liður:
Til raforkusjóðs samkv. l. nr. 91/1942 ..... 500000

LVII. Frá *Gísla Guðmundssyni.*
Við 16. gr. 18. d. Nýr stafl.:
Til vegabóta í Ásbyrgi ..... 1800

LVIII. Frá *Jóhanni Jósefssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 16. gr. 20. d. Nýr stafliður:
Vegna vatnsleitar í Vestmannaeyjum ..... 19000
*Til vara* ..... 16000

LIX. Frá *Jóni Pálmasyni.*
Við 16. gr. 37. (Kostn. vegna l. um lax- og silungsveiði).
a. Fyrir „15000“ kemur ..... 18000

b. Við liðinn bætist aths.:
Þar af til Veiðifélags Vatnsdalsár til þess að tryggja laxgöngu 6000 kr.

LX. Frá *Bjarna Ásgeirssyni.*
Við 16. gr. 39. Liðinn skal orða svo:
a. Til loðdýraræktar samkv. l. nr. 38 1937 ..... 20000
b. Til þess að verðlauna refi, er hlotið hafa 1. verðlaun á haustsýningum, allt að 100 kr. á dýr, enda séu verðlaun því aðeins greidd, að verðlaunadýr sé sett á vetur til undaneldis ..... 60000 80000

LXI. Frá *Gísla Jónssyni.*
Við brtt. 387, 48. b. (Ræktunarvegur í Flatey).
Fyrir „1500“ kemur ..... 3000

LXII. Frá *Sigurði Bjarnasyni, Barða Guðmundssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 16. gr. 39. Nýr liður:
Til Gilsnámuvegar í Bolungavík ..... 20000

LXIII. Frá *Sigurði Kristjánssyni, Sigurði Bjarnasyni, Jóhanni Jósefssyni* og *Áka Jakobssyni.*
Við 16. gr. 44. Nýr liður:
Til landssambands ísl. útvegsmanna ..... 20000
*Til vara* ..... 15000

LXIV. Frá *Gísla Sveinssyni.*
Við 16. gr. 51. (Kvenfél. Hvammshr.).
Fyrir „500“ kemur ..... 750

LXV. Frá *Jóhanni Jósefssyni.*
Við 16. gr. 60. Nýr liður:
Til kvenfélagsins Líknar í Vestmannaeyjum ..... 500

LXVI. Frá *Barða Guðmundssyni* og *Einari Olgeirssyni.*
Við 16. gr. 64. (Kvenréttindafél. Ísl.).
Fyrir „400“ kemur ..... 2000

LXVII. Frá *Brynjólfi Bjarnasyni, Magnúsi Jónssyni, Haraldi Guðmundssyni* og *Jörundi Brynjólfssyni.*
Við 16. gr. 66. (Mæðrastyrksnefnd).
Fyrir „3000“ kemur ..... 10000

LXVIII. Frá *Bjarna Ásgeirssyni.*
Við 16. gr. 68. Nýr liður:
Til Ungmennasambands Borgarfjarðar, til þess að gera vegabætur að íþróttamótsstað sambandsins við Ferjukot ..... 2000

LXIX. Frá *Jóhanni Jósefssyni, Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Gísla Guðmundssyni* og *Haraldi Guðmundssyni.*
Við 16. gr. 69. (Bandalag skáta).
Fyrir „400“ kemur ..... 2000

LXX. Frá *Brynjólfi Bjarnasyni.*
Við 17. gr. 5. (Alþýðutryggingar). Liðinn skal orða svo:
Til alþýðutrygginga ..... 5500000
Því, sem kann að verða umfram lögboðnar greiðslur á árinu, skal varið til stofnframlags vegna væntanlegra breytinga á lögum nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

LXXI. Frá *Sigurði Guðnasyni* og *Stefáni Jóh. Stefánssyni.*
Við brtt. 387, 67.a. (Styrktarsj. verkam.- og sjómannafél. í Rvík).
Fyrir „6000“ kemur ..... 8000

LXXII. Frá *Haraldi Guðmundssyni.*
Við 17. gr. 32. (Rauðikrossinn).
Fyrir „4000“ kemur ..... 10000
*Til vara* ..... 8000

LXXIII. Frá *Jóhanni Jósefssyni.*
Við 17. gr. 34. (Ekknasjóður Vestm.).
Fyrir „800“ kemur ..... 1000

LXXIV. Frá *Bjarna Benediktssyni.*
Við 17. gr. 35. (Elliheimilið Grund).
Fyrir „5000“ kemur ..... 10000

LXXV. Frá *Einari Olgeirssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 17. gr. 36. Nýr liður:
Til þess að koma upp fávitahæli ..... 750000

LXXVI. Frá *Stefáni Jóh. Stefánssyni* og *Lárusi Jóhannessyni.*
Við 18. gr. l. 14. Nýr liður:
Eggert Brandsson, sjómaður ..... 1200

LXXVII. Frá *Jakob Möller* og *Sveinbirni Högnasyni.*
Við 18. gr. II. c. 3. (Böðvar Bjarnason).
Fyrir „600“ kemur ..... 1200

LXXVIII. Frá *Bernharð Stefánssyni* og *Garðari Þorsteinssyni.*
Við 18. gr. II. c. 21. (Theódór Jónsson).
Fyrir „235“ kemur ..... 1435

LXXIX. Frá *Jörundi Brynjólfssyni, Eiríki Einarssyni, Jakob Möller, Barða Guðmundssyni* og *Sigfúsi Sigurhjartarsyni.*
Við 18. gr. II. i. Nýr liður.
Til séra Guðmundar Einarssonar, til ritstarfa ..... 2000

LXXX. Frá *Jóhanni Þ. Jósefssyni* og *Áka Jakobssyni.*
Við 18. gr. II. l. 28. (Guðlaugur Hansson).
Fyrir „300“ kemur ..... 400

LXXXI. Frá *Jakob Möller.*
Við 18. gr. II. l. 63. (Magnús Magnússon).
Fyrir „300“ kemur ..... 500

LXXXII. Frá *Gísla Jónssyni.*
Við brtt. 387, 77. (Sigríður Snæbjörnssen). Fyrir „400“ kemur 500

LXXXIII. Frá *ríkisstjórninni.*
Við 19. gr. 2. Nýr liður:
Sérstakar launabætur, án uppbóta:
a. Til sýslumanna, bæjarfógeta, lögmanns og sakadómara í Reykjavík, presta, héraðslækna, háskólakennara, landsbókavarðar, þjóðskjalavarðar og þjóðminjavarðar, 2000 kr. til hvers ..... 384000
b. Til lögreglustjóranna í Keflavík, Bolungavík og Ólafsfirði, 1000 kr. til hvers ..... 3000
387000

LXXXIV. Frá *Sigurði Thoroddsen* og *Jóhanni Þ. Jósefssyni.*
Við brtt. 387, 87. (Nýir vitar).
Fyrir „350000“ kemur ..... 450000

LXXXV. Frá *Jörundi Brynjólfssyni.*
Við brtt. 387, 89. (Lífeyrissjóðir).
Á eftir orðunum „Ármanni Halldórssyni kennara“ kemur: Vilborgu Ingimarsdóttur kennara.

LXXXVI. Frá *Jónasi Jónssyni.*
Við 22. gr. VII. Nýr liður:
Að leyfa ríkisprentsmiðjunni Gutenberg að gefa út 3—4 kennslubækur handa gagnfræða- og héraðsskólum, í samráði við fræðslumálastjóra og til kvadda trúnaðarmenn þessara stofnana, að því tilskildu, að forstöðumenn framan greindra skóla hafi bundið með samningi við prentsmiðjustjórnina, að þessar bækur verði notaðar og keyptar af nægilega mörgum skólum, til þess að útgáfan megi teljast áhættulaus fyrir prentsmiðjuna.

LXXXVII. Frá *Bernharð Stefánssyni* og *Garðari Þorsteinssyni.*
Við 22. gr. X. Nýr liður:
Að ábyrgjast fyrir Ólafsfjarðarhrepp allt að 100 þús. kr. lán til rafveitu, gegn gagnábyrgð Eyjafjarðarsýslu.

LXXXVIII. Frá *Pétri Ottesen.*
Við 22. gr. XII. Nýr liður:
Að láta Íþróttafélagi Reykjavíkur í té lóð undir íþróttahús í Reykjavík til leigulausra afnota.

LXXXIX. Frá *Jónasi Jónssyni.*
Við 22. gr. XIII. Nýr liður:
Að haga opinberum framkvæmdum, sem kostaðar eru af ríkisfé að einhverju eða öllu leyti, á þann veg, að landbúnaður og sjávarútvegur geti engu að síður fengið nægilegt vinnuafl til að halda þessum framleiðslugreinum í eðlilegu horfi.

XC. Frá *Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Jóhanni Jósefssyni* og *Haraldi Guðmundssyni.*
Við brtt. 387, 94. c. (Drykkjumannahæli). Liðinn skal orða svo:
Að verja allt að 150000 kr. til byggingar hressingarhælis fyrir drykkjumenn, enda verði leitazt við að velja hælinu stað við jarðhita í sveit.

XCI. Frá *Sigurði Thoroddsen, Gunnari Thoroddsen, Jóhanni Jósefssyni, Stefáni Jóh. Stefánssyni* og *Hermanni Jónassyni.*
Við brtt. 387, 95. d. Nýr stafliður:
Að verja allt að 750000 kr. til bifreiðaferju á Hvalfjörð, að undangenginni rannsókn.

XCII. Frá *Sigurði Bjarnasyni, Barða Guðmundssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 22. gr. XVIII. Nýr liður:
Að verja úr ríkissjóði allt að 15 þús. kr., að fengnum tillögum Búnaðarfélags Íslands, til þess að bæta bændum við norðanvert Ísafjarðardjúp fjártjón, er þeir biðu í ofviðri 7. okt. 1942.

XCIII. Frá *Hermanni Jónassyni.*
Við 22. gr. XVIII. Nýr liður:
Að greiða Guðmundi Einarssyni, Gröf í Bitru, allt að 1800 kr. vegna tjóns, sem hann varð fyrir á síðastl. sumri af völdum óþekktrar veiki í nautpeningi hans.

XCIV. Frá *Jóhanni Jósefssyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við 22. gr. XXII. nýr liður:
Að verja allt að helmingi af lóða- og jarðaleigum úr Vestmannaeyjum árið 1943 til varnar gegn landbroti og uppblæstri í eyjunum, enda sé allt, er að því lýtur, gert í samráði við Búnaðarfélag Íslands.

XCV. Frá *Bernharð Stefánssyni, Garðari Þorsteinssyni* og *Steingrimi Aðalsteinssyni.*
Við 22. gr. XXII. Nýr liður:
Að verja úr ríkissjóði allt að 100 þús. kr., að fengnum tillögum vegamálastjóra, til heitvatnsborana við Kristneshæli.

## Sþ. 411. Breytingartillaga

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943.

Flm.: Ingólfur Jónsson, Barði Guðmundsson, Bjarni Ásgeirsson, Kristinn Andrésson.

Við 14. gr. B. XIV. 11. (Handíðaskólinn). Liðinn skal orða svo:

| | | |
|---|---|---|
| a. Rekstrarstyrkur | 15600 | |
| b. ¾ stofnkostnaðar, allt að | 61000 | 76600 |

Greinargerð.

Lúðvig Guðmundsson skólastjóri stofnaði handíðaskólann haustið 1939 og rak hann sem einkaskóla í þrjú ár. S. l. vor var skólanum breytt í sjálfseignarstofnun, og standa margir kunnir skólamenn að hinu nýja skólafélagi. Um leið og þessi breyting var gerð á skipun skólans, seldi stofnandi hans skólafélaginu húseignina á Grundarstíg 2 A í Reykjavík, ásamt húsbúnaði, verkfærum og öðrum tækjum til notkunar við kennslu í trésmíði, málmsmíði, rennismíði, leðurvinnu, bókbandi, teikningu o. fl. Síðast liðið sumar lét skólafélagið endurbæta húsakynnin að nokkru, og er nú verið að ljúka við steinsteypta viðbyggingu, þar sem ráðgert er að hafa smíðavinnustofu.

Allur kostnaður við kaup þessara eigna og umbætur, sem gerðar hafa verið á þeim, nemur alls kr. 81550.00.

Þegar frá byrjun hefur kennaradeildin verið meginstofn skólans, og starfar hún í samvinnu við kennaraskólann. Veitir deildin kennaraefnum og kennurum við barna- og unglingaskóla sérmenntun í skólasmíði og teikningu. Kennslan er ókeypis, enda greiðir ríkissjóður allan kostnað við deildina.

S. l. haust efndi skólinn til verklegrar kennslu fyrir pilta úr sveit. Er þeim kennt smíði húsgagna og búshluta við hæfi ísl. sveita, enn fremur pjátur- og járnsmíði og steinsteypa. Kennsla þessi er veitt ókeypis.

Í öðrum deildum skólans greiða nemendur kennslugjöld.

Nemendur skólans eru nú alls ca. 240.

Jakob Kristinsson, fræðslumálastjóri, sem hefur yfirumsjón með skólanum fyrir hönd fræðslumálastjórnarinnar, segir í bréfi, dags. 21. jan. þ. á., um skólann: „Ég tel, að handíðaskólinn hafi sýnt og sannað, að full þörf var á honum. Nemendum hans hefur fjölgað að miklum mun og vinsældir hans stórum vaxið árlega. Hann hefur góðum kennurum á að skipa og er stjórnað af atorku og prýði. Tel ég hann eiga allt gott skilið af hálfu ríkisstjórnar og Alþingis.

Samkvæmt gildandi lögum greiðir ríkissjóður ¾ hluta stofnkostnaðar héraðsskóla og húsmæðraskóla landsins. Ég lít svo á, að handíða- og myndlistaskólinn eigi sams konar stuðning skilið. Mæli ég þess vegna með því, að ríkið greiði ¾ hluta stofnkostnaðar hans, enda leggi skólinn að sjálfsögðu fram endurskoðaða reikninga yfir stofnkostnaðinn.“

## Nd. 412. Nefndarálit

um frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

Frá minni hl. allsherjarnefndar.

Á skyndifundi allsherjarnefndar í dag var mál þetta tekið fyrir til afgreiðslu af meiri hluta nefndarinnar. (GÞ var fjarstaddur sakir lasleika.) Engin minnsta athugun fór fram á málinu. Aðeins var eftir því gengið, hverjir nefndarmanna vildu mæla með samþykkt frumv.

Undir meðferð málsins í Ed. komu ýtarleg erindi frá hreppsnefnd Mosfellshrepps, hreppsnefnd Seltjarnarneshrepps og frá sýslumanni héraðsins, bæjarfógetanum í Hafnarfirði. Allir þessir aðilar mæla með mjög veigamiklum rökum gegn samþykkt frumv., og hefur þeim í nær engu atriði verið hnekkt af fylgismönnum frumv. Ég sé því ekki ástæðu til að fjölyrða mjög um málið, en vil þó fara um það nokkrum orðum.

Eins og þetta mál er vaxið, sé ég mér ekki fært að mæla með samþykkt þess að þessu sinni.

Ég hef enga minnstu tilhneigingu til þess að standa Reykjavík í vegi fyrir nauðsynlegu landrými. En það er engin hin minnsta átylla til þess fyrir Reykjavíkurbæ að flýta því svo að fá þessar jarðir, sem frumv. fjallar um, lagðar undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur, og eina þeirra tekna eignarnámi, að ekki megi fá tóm til að reyna að fá málið leyst með samkomulagi við hlutaðeigandi hreppsfélög. Þær samningatilraunir, sem fram hafa farið milli Reykjavíkurbæjar annars vegar og hlutaðeigandi hreppafélaga hins vegar um að fá samkomulag um málið, geta engan veginn talizt fullreyndar. Auk þess eru ýmisleg atriði í málinu mjög illa athuguð og óupplýst, sem hefðu þurft að liggja fyrir, áður en málið fékk endanlega afgreiðslu á Alþingi.

Ef málið á að geta talizt afgreitt af Alþingi með skaplegu móti, þarf það að vera miklu betur upplýst en enn er orðið.

Þar sem Reykjavíkurbær skerðir svo mjög lönd Mosfellssveitar og Seltjarnarneshrepps, væri ætlandi, að af hálfu bæjarins hefði verið reynt til hins ýtrasta að fá samkomulag við þessar sveitir um málið, en það verður tæpast sagt, að mikið hafi verið til þess gert.

Bendir þetta óneitanlega til þess, og líka meðferð málsins á Alþingi hingað til, að forráðamenn Reykjavíkurbæjar telji sig nú hafa það þingfylgi að baki sér, að komið geti þeir málinu fram, hvað sem málavöxtum líður, og að þeir geti látið sig engu skipta hagsmuni þeirra sveitarfélaga, sem ætlazt er til með frumv. þessu að svipta stórum lendum, og virt geti þeir að vettugi sanngjarnar óskir þeirra manna, er harðast eru leiknir. Að svo komnu skal enginn dómur á það lagður, hverja raun Alþingi gefur um meðferð þessa máls. En fari svo, að frumvarp þetta gangi fram á þessu þingi í þeim búningi, sem það er, liggur næst að álíta, að lítið réttaröryggi eigi lítilmagninn nú á Alþingi, ef því býður svo við að horfa, og mun þetta þá einna gleggsta dæmið úr sögu þess um hirðuleysi þess og ókærni.

Ég vil af minni hálfu gera tilraun til þess að afstýra því, að Alþingi hendi það óhapp að samþykkja þetta frv. nú. Ég legg til, að málið verði afgreitt með eftir farandi rökstuddri dagskrá. Takist þannig til, að dagskráin verði felld við 2. umr. málsins, mun ég við 3. umræðu þess flytja breytingartillögur við frumv.

RÖKSTUDD DAGSKRÁ:

Þar sem ekki hefur af hálfu Reykjavíkurbæjar verið reynt, svo viðunandi sé, að fá samkomulag við hlutaðeigandi hreppa um lausn þessa máls, en ákvæði þessa frumv. þess eðlis, að óviðurkvæmilegt er, að til slíkra ráða sé gripið, nema auðsæja nauðsyn beri til og samkomulag milli aðila málsins sé alls ekki fáanlegt, og í trausti þess, að ríkisstjórnin beiti sér fyrir afgreiðslu málsins og leggi fyrir næsta Alþingi frumv. til lausnar því, ef aðilum semur ekki, þykir deildinni ekki hlýða, að frekar sé að gert að svo vöxnu máli, og tekur fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 10. febr. 1943.

Jörundur Brynjólfsson.

## Ed. 413. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá Steingrími Aðalsteinssyni.

Við 1. gr. b. Orðin „að verulegu leyti“ falli niður.

## Ed. 414. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

3. gr. laganna skal orða svo:

Enginn má slátra sauðfé til sölu né kaupa fé til slátrunar eða verzla með kjöt af því í heildsölu án leyfis kjötverðlagsnefndar. Heimilt skal þó sauðfjáreigendum, er reykja kjöt á heimilum sínum, að selja beint til neytenda, enda greiði þeir af því verðjöfnunargjald um leið og afhending fer fram. Leyfi til slátrunar skal veitt fyrir eitt ár í senn. Leyfi skal veita lögskráðum samvinnufélögum, sem nú eru starfandi, svo og þeim samvinnufélögum, sem stofnuð kunna að verða á viðskiptasvæðum félaga, sem hætta störfum án þess að bændur á viðskiptasvæðinu gerist meðlimir annarra félaga. Heimilt er að veita slátrunarleyfi félögum neytenda á þeim stöðum, þar sem ekki eru sláturhús, en aðeins fyrir það fé, sem þau kynnu að kaupa til neyzlu meðal meðlima sinna. Enn fremur getur nefndin veitt leyfi samvinnufélögum bænda, er stofnuð kunna að verða eftir að lög þessi öðlast gildi á svæði, þar sem ekki eru samvinnufélög fyrir, og ekki falla undir ákvæði 3. málsl. þessarar greinar, sömuleiðis þeim verzlunum öðrum, sem uppfylla skilyrði þau, sem sett eru um sláturhús og verzlun kjöts samkvæmt ákvæðum laga um kjötmat o. fl. frá 19. júní 1933. Einnig er heimilt að veita sláturleyfi þeim einstaklingum, er vegna sérstakra staðhátta eiga svo örðugt um rekstur eða flutning fjárins til sláturhúss, að illfært sé að dómi nefndarinnar.

Í leyfi getur nefndin ákveðið fjártölu þá að hámarki, sem leyfishafi má slátra til sölu innanlands.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 415. Breytingartillaga

við frv. til l. um samkomudag reglulegs Alþingis 1943.

Frá Guðmundi Í. Guðmundssyni.

Við 1. gr. Greinin orðist svo:

Reglulegt Alþingi ársins 1943 skal koma saman innan 4 daga eftir að aukaþinginu, er hófst í nóvember 1942, hefur verið slitið, þó eigi síðar en 15. apríl 1943.

## Nd. 416. Frumvarp til laga

um samkomudag reglulegs Alþingis 1943.

(Eftir 3. umr. í Ed.).

1. gr.

Reglulegt Alþingi ársins 1943 skal koma saman innan 4 daga eftir að aukaþinginu, er hófst í nóvember 1942, hefur verið slitið, þó eigi síðar en 15. apríl 1943.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 417. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

(Eftir eina umr. í Nd.)

1. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

a. Stofnfé sjóðsins er: Eignir fiskveiðasjóðs Íslands og skuldaskilasjóðs vélbátaeigenda eins og þær eru nú.

b. Tekjur sjóðsins eru:

1. Hundraðsgjald af útfluttum sjávarafurðum samkv. lögum nr. 47 19. maí 1930, um fiskveiðasjóðsgjald.
2. Útflutningsgjald af sjávarafurðum, sem ríkissjóður innheimtir samkv. lögum nr. 63 28. jan. 1935.
3. Vextir.

2. gr.

A-liður 4. greinar laganna orðist svo:

Skipakaupa og skipabygginga. Hafi sjóðurinn ekki nægilegt fé til þess að fullnægja lánsþörfinni, skulu skip innan 150 smál. sitja fyrir lánum.

Aftan við greinina bætist nýr stafliður, er hljóðar svo:

c. Til dráttarbrauta.

3. gr.

Aftan við 5. gr. laganna bætist ný málsgr., svo hljóðandi:

Sjóðurinn lánar aðeins gegn 1. veðrétti.

4. gr.

Í stað orðsins „b-lið“ í 6. gr. laganna komi: b-lið og c-lið.

5. gr.

Í stað orðanna „4½% — fjórir og hálfur af hundraði“ í 7. gr. laganna kemur: 4% — fjórir af hundraði.

6. gr.

Á eftir 7. gr. laganna kemur ný grein, er verður 8. gr., svo hljóðandi:

Við fiskveiðsjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita 2. og 3. veðréttar lán til byggingar fiskibáta innan 150 smálesta. Ríkissjóður leggur sjóði þessarar deildar 2 millj. króna á árinu 1943, og auk þess ganga til hans frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu. Úr sjóði þessum skal

veita lán til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Lán, sem veitt eru úr sjóði þessum, skulu vera vaxtalaus í 10 ár og afborgunarlaus fyrstu 5 árin. Lánin veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Lán úr þessum sjóði má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins, þó aldrei yfir 75000 kr. á skip. Við lánveitingar úr sjóðnum skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi stundar sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Lán úr sjóði þessum veitist til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun lána taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið. Í reglugerð sjóðsins skulu sett ýtarlegri ákvæði um starfsemi þessarar deildar og ákvæði, er miði að því að fyrirbyggja misnotkun á hlunnindum þessara lána.

7. gr.

Breytingar þessar skal fella inn í lög nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands, og gefa lögin síðan út svo breytt.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 418. Framhaldsnefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá allsherjarnefnd.

Eins og fram er tekið í fyrri greinargerð nefndarinnar, var frv. þetta sent landlækni til umsagnar, og eins og framsm. nefndarinnar tók fram í framsöguræðu, lagði landlæknir til, að frv. yrði ekki gert að lögum, en á þessa niðurstöðu gat nefndin ekki fallizt. Er það samróma álit nefndarmanna, að rétt sé að slá föstu með lögum, að hve miklu leyti ríkissjóður skuli styrkja sveitar-, bæjar- eða sýslufélög til byggingar sjúkrahúsa, þegar fé er á annað borð veitt til slíks í fjárlögum, í stað þess að gefa heilbrigðisstjórninni allt vald til að ákveða, hversu stóra fjárhæð einstök sveitar-, bæjar- eða sýslufélög skuli fá af fé því, sem í þessu skyni er veitt. Hlutföll þau, sem frv. gerir ráð fyrir, verða og að teljast eðlileg. Nefndin lítur einnig einróma svo á, að eðlilegt sé að ákveða með lögum, hversu stóran styrk þau sjúkrahús skuli fá úr ríkissjóði, sem eru notuð af utanhéraðsmönnum, og virðist réttmætt, að sama reglan gildi þar fyrir öll sjúkrahús, í stað þess að fela heilbrigðisstjórninni að skammta þar eftir eigin geðþótta.

Við 2. umr. komu fram óskir um, að bréf landlæknis yrði birt. Þykir sjálfsagt að verða við því, og fer það hér á eftir.

Alþingi, 11. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Bjarni Benediktsson, form. | Guðm. Í Guðmundsson, fundaskr., frsm. | Lárus Jóhannesson, |
| Hermann Jónasson. | Brynjólfur Bjarnason. | |

**Fylgiskjal.**

LANDLÆKNIRINN

Reykjavík, 15. janúar 1943.

Um frumvarp til laga um breyting á lögum nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl., sem háttvirt allsherjarnefnd efri deildar Alþingis sendi mér til umsagnar með bréfi, dags. 7. þ. m., vil ég taka fram eftirfarandi:

1. Fyrra atriði frumvarpsins, er felst í a-lið 1. greinar, virðist ekki svara tilgangi sínum. Komi ákvæði fjárlaga á hverjum tíma ekki til, eru slík lagaákvæði vitagagnslaus, en sé fjárlagaheimild fyrir hendi, eru lagaákvæðin aftur algerlega óþörf. Undanfarið hefur verið venja heilbrigðisstjórnarinnar að miða styrki til sjúkrahúsbygginga við þriðjung kostnaðar, en ekki fyrir neitt lagaboð, heldur hefur upphæð fjárveitinganna að jafnaði ekki leyft ríflegri greiðslur. Verði fjárveitingarnar hækkaðar, mun ekki standa á heilbrigðisstjórninni að krefjast minna framlags á móti, enda mætti gefa vísbendingu um það með því að bæta aftan við fjárlagaliðinn: gegn jafnhárri fjárhæð annars staðar að. Annars er vafasamt, að rétt sé að hafa alveg einskorðaða reglu hér að lútandi, og getur verið full ástæða til að styrkja sumar sjúkrahúsbyggingar meira, en aðrar minna, eftir því, hve nauðsynlegar þær teljast, og að vísu væri eðlilegt, að þau sveitarfélög, sem reisa sjúkrahús fyrir margar sveitir og jafnvel heila landsfjórðunga, fengju til þess hlutfallslega ríflegri styrk en hin, sem sinna aðeins eigin þörfum og þeim jafnvel að litlu leyti. Óþarft er í þessu sambandi að taka fram, að trúnaðarmenn ríkisins samþykki uppdrætti og útbúnað sjúkrahúsa, því að samkvæmt gildandi lögum má enginn reisa né reka sjúkrahús hér á landi nema það fullnægi kröfum heilbrigðisstjórnarinnar og hafi hlotið löggildingu ráðherra.

2. Um hitt atriði frumvarpsins, sem felst í b-lið 1. greinar, er það að segja, að ég fellst að efninu til á réttmæti þess, að slíkir sjúkrahúsastyrkir verði teknir upp, Hins vegar virðist mér, að ákvæði þar að lútandi eigi bezt heima í fjárlögum, bæði vegna þess, að það er algerlega fullnægjandi, og hins, að erfitt er að finna slíkum styrkveitingum algilt og réttlátt frambúðarform. Verður tæplega komizt hjá að trúa heilbrigðisstjórninni fyrir að skipta niður ákveðinni styrkupphæð á sem sanngjarnastan hátt á milli þeirra sveitarfélaga, sem einkum verða fyrir halla af að reka sjúkrahús fyrir utansveitarfólk. Og er ekki ólíklegt, að hún þyrfti að prófa sig áfram, unz hún fyndi nokkurn veginn sanngjarnar reglur til að fara eftir. Reglur þær, sem frumvarpið gerir ráð fyrir, eru auðsjáanlega að ýmsu leyti hæpnar. Hvenær eru sjúkrahús sótt „að verulegu leyti“ af utansveitarsjúklingum? Er rétt að umbuna sjúkrahúsi með því hærri ríkissjóðsstyrk, því dýrseldara sem það er? Hæpið er og að miða við upphæð daggjaldanna einna, og er mikið á mununum, hvað fyrir þau er látið (sjúkrahúsvistin ein eða til viðbótar lyf, læknishjálp, röntgenmyndir, ljóslækningar o. s. frv.). Nær það yfirleitt nokkurri átt, að Alþingi skuldbindi ríkissjóð til að leggja fram þriðjung upphæðar, sem styrkþeginn er einráður um, hve há er gerð? Leiðinlegt væri og að lögfesta ákvæði, er gerðu það — þó að ekki væri nema á pappírnum — að bersýnilegu gróðabragði, að sveitarfélög skiptust á sjúklingum til sjúkrahúsvistar. Ef Reykjavíkurbær ræki sjúkrahús og Seltirningar annað, gætu þau sveitarfélög, samkvæmt þessum ákvæðum, fengið sér greidda úr ríkissjóði upphæð, er næmi þriðjungi daggjaldanna, með því að Reykvíkingarnir væru lagðir á Seltjarnarnesspítalann, en Seltirningarnir á Reykjavíkurspítalann.

Niðurstaða mín verður sú, að ekki sé rétt að gera frumvarp þetta að lögum, en hins vegar sé ástæða til að koma efni þess, og þá sérstaklega b-liðar 1. greinar, á framfæri við fjárveitinganefnd í því skyni, að hún taki það til velviljaðrar athugunar. Er ég að sjálfsögðu fús til að ljá liðsinni mitt til þess, svo og að aðstoða við þá athugun.

Vilm. Jónsson.

Til allsherjarnefndar efri deildar Alþingis, Reykjavík.

**Sþ.** **419. Breytingartillögur**

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943 og við brtt. á þskj. 387 og 410.

I. Frá *Gunnari Thoroddsen.*
Við 12. gr. 3. (Læknisvitjanastyrkur).
Allir styrkir til læknisvitjana, sem taldir eru í þessum tölul., tvöfaldist.

II. Frá *Eysteini Jónssyni* og *Ingvari Pálmasyni.*
Við 12. gr. 3. (Læknisvitjanastyrkur).
1. (Í Norðfjarðarhéraði: Mjóifjörður).
Fyrir „300“ kemur ..... 500
2. (Í Fáskrúðsfjarðarhéraði: Stöðvarhreppur).
Fyrir „300“ kemur ..... 500
3. (Í Berufjarðarhéraði: Breiðdalshreppur).
Fyrir „300“ kemur ..... 500

III. Frá *Gunnari Thoroddsen.*
1. Við 13. gr. A. II. a. 7. Nýr liður:
Hellissandsvegur ..... 75000
*Til vara* ..... 50000
2. Við brtt. 387, 15. a. 7. a. (Ólafsvíkurvegur).
Fyrir „50000“ kemur ..... 60000
3. Við brtt. 387, 15. a. 8. a. (Stykkishólmsvegur).
Fyrir „45000“ kemur ..... 50000

IV. Frá *Gísla Guðmundssyni.*
1. Við 13. gr. A. II. a. 37. Nýr liður:
Raufarhafnarvegur ..... 30000
*Til vara* ..... 25000
2. Við brtt. 387, 15. a. 32. b. (Langanesvegur).
Fyrir „8000“ kemur ..... 15000

V. Frá *fjárveitinganefnd.*
Við brtt. 387, 16. 23. a. Liðurinn orðist svo:
Laxá hjá Arnarvatni ..... 50000

VI. Frá *Jörundi Brynjólfssyni* og *Eiriki Einarssyni.*
Við brtt. 410, XX. b. (Ferjuhald).
Fyrir „100“ í aths. kemur: 250.

VII. Frá *Lúðvík Jósefssyni.*
Við 13. gr. A. XI. Liðinn skal orða svo:
Til fyrrverandi vegaverkstjóra og til vegaverkstjóraekkna, eftir tillögum vegamálastjóra ..... 4000

VIII. Frá *Ingólfi Jónssyni.*
Við brtt. 410, XXIII. (Flóabátaferðir).
Fyrir „49000“ kemur ..... 79000
[Hækkun á framlaginu, 30000 kr., ætluð til Rangárvallasýslu.]

IX. Frá *Gunnari Thoroddsen.*
1. Við brtt. 387, 20. f. 7. (Hafnargerð í Stykkishólmi).
Fyrir „40000“ kemur ..... 80000
*Til vara* ..... 60000
2. Við brtt. 387, 21. b. 14. (Lendingarb. á Hellissandi).
Fyrir „25000“ kemur ..... 100000
*Til vara* ..... 75000

X. Frá *Jakob Möller.*
Við 14. gr. B. X. l. (Verkl. framh.nám).
a. Fyrir „6000“ kemur ..... 10000
b. Við liðinn kemur aths.:
Þar af 3600 kr. til Jóns Friðrikssonar, rafvirkja, til að kynna sér meðferð og viðgerðir rafmagnstækja til lækninga.

XI. Frá *Páli Hermannssyni, Barða Guðmundssyni, Lárusi Jóhannessyni, Lúðvík Jósefssyni* og *Eysteini Jónssyni.*
Við 15. gr. 3. g. Liðinn skal orða svo:
Til viðhalds og verndunar fornra bæjarhúsa:
a. Á Keldum, Grenjaðarstöðum og Glaumbæ 10000 kr. til hvers ..... 30000
b. Til kaupa og fyrstu viðgerðar á bænum á Burstarfelli í Vopnafirði, að því tilskildu, að um kaupin semjist við eigandann ..... 15000
45000

XII. Frá *Kristni Andréssyni, Gunnari Thoroddsen, Jörundi Brynjólfssyni* og *Guðmundi Í. Guðmundssyni.*
Við 15. gr. 28. Liðurinn orðist svo:
Til hins íslenzka fornritafélags, til útgáfu á Íslendingasögum, í því skyni, að félagið geti selt bækur sínar ódýrara til almennings ..... 10000

XIII. Frá *Kristni Andréssyni, Stefáni Jóh. Stefánssyni, Gísla Guðmundssyni* og *Gunnari Thoroddsen.*
1. Við brtt. 387, 39. (Skáld o. s. frv.).
Orðið „vísindamanna“ fellur burt.
2. Við 15. gr. 53. Nýr liður:
Styrkur til vísindamanna og fræðimanna samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs ..... 20000

XIV. Frá *Páli Hermannssyni.*
Við 16. gr. 21. Nýr liður:
Til fyrirhleðslu í Geirastaðakvísl í Hróarstungu ..... 60000
*Til vara:* fyrri greiðsla ..... 30000

XV. Frá *Bernharð Stefánssyni, Garðari Þorsteinssyni* og *Steingrími Aðalsteinssyni.*
Við 16. gr. 25. Nýr liður:
Til vatnsveitufélags Glerárþorps ..... 20000

XVI. Frá *Sveinbirni Högnasyni, Ingólfi Jónssyni, Kristni Andréssyni, Jörundi Brynjólfssyni, Áka Jakobssyni, Eiríki Einarssyni* og *Barða Guðmundssyni.*
Við brtt. 387, 54. (Samb. sunnl. kvenna).
Liðinn skal orða svo:
Fyrir „400“ kemur ..... 800

XVII. Frá *Gunnari Thoroddsen* og *Gísla Jónssyni.*
Við brtt. 387, 56. (Samb. breiðfirzkra kvenna).
Fyrir „700“ kemur ..... 1000

XVIII. Frá *Sveinbirni Högnasyni, Ingólfi Jónssyni, Kristni Andréssyni, Jörundi Brynjólfssyni, Áka Jakobssyni, Eiríki Einarssyni* og *Barða Guðmundssyni.*
Við 16. gr. 63. (Samb. sunnl. kvenna).
Við liðinn kemur aths.:
Á þennan lið og átta undan farna liði greiðist verðlagsuppbót.

XIX. Frá *Steingrími Aðalsteinssyni, Sigurði Kristjánssyni, Kristni Andréssyni* og *Barða Guðmundssyni.*
Við brtt. 387, 68. Mæðrastyrksnefnd).
a. Fyrir „5000“ kemur ..... 10000
b. Fyrir „1000“ í aths. kemur: 2000.

XX. Frá *Einari Olgeirssyni* og *Áka Jakobssyni.*
Við 17. gr. 8. Nýr liður:
Til mæðrastyrktarstarfsemi utan Reykjavíkur og Akureyrar, eftir úthlutun ráðherra ..... 5000

XXI. Frá *Einari Olgeirssyni, Guðmundi Í. Guðmundssyni* og *Sigurði Guðnasyni.*
Við 17. gr. 13. (Slysavarnir).
Fyrir „35000“ kemur ..... 100000

XXII. Frá *Gunnari Thoroddsen.*
Við 17. gr. Styrkirnir til sjúkra- og styrktarsjóða í 19.—31. lið tvöfaldist.

XXIII. Frá *Sigfúsi Sigurhjartarsyni, Sigurði Bjarnasyni* og *Stefáni Jóh. Stefánssyni.*
Við 18. gr. II. f. Nýr stafliður:
Laun til rithöfundanna Davíðs Stefánssonar, Guðmundar Friðjónssonar, Guðmundar G. Hagalíns, Guðmundar Kambans, Gunnars Gunnarssonar, Halldórs Kiljan Laxness, Jóhannesar úr Kötlum, Kristmanns Guðmundssonar, Magnúsar Ásgeirssonar, Tómas Guðmundssonar og Þórbergs Þórðarsonar, málaranna Ásgríms Jónssonar, Jóhannesar S. Kjarvals og Jóns Stefánssonar og til myndhöggvaranna Ásmundar Sveinssonar og Ríkarðs Jónssonar, 4000 kr. til hvers ..... 64000

XXIV. Frá *Gunnari Thoroddsen.*
Við 18. gr. II. l. 2. (Ásdís Sigurðardóttir).
Fyrir „200“ kemur ..... 300

XXV. Frá *Lúðvík Jósefssyni, Þóroddi Guðmundssyni, Einari Olgeirssyni* og *Áka Jakobssyni.*
Við brtt. 410, LXXXIII. (Sérst. launab.). Nýr stafl.:
c. Til barnakennara 2000 kr. til hvers og til farkennara 1000 kr. til hvers ..... 800000

XXVI. Frá *Gunnari Thoroddsen, Ásgeiri Ásgeirssyni, Páli Þorsteinssyni* og *Sigfúsi Sigurhjartarsyni.*
[Flutt í samráði við menntamálaráðh.]
Við brtt. 410, LXXXIII. (Sérst. launab.). Nýr stafl.:
c. Til barnakennara við fasta skóla 1000 kr. til hvers, og til farkennara 500 kr. til hvers ..... 400000

XXVII. Frá *Pétri Ottesen.*
Á eftir 21. gr. kemur ný grein (22. gr.) (og breytist greinatalan á eftir samkv. því):
Ef skortur á efnivörum eða vinnuafli gerir það ókleift að nota fjárhæðir þær, sem ákveðnar eru í lögum þessum til verklegra framkvæmda, skal ríkisstjórnin leggja það af fénu, sem ekki verður notað í þessu skyni, til hliðar og geyma það á sérstökum reikningi, enda er óheimilt að verja því til annarra gjalda.

XXVIII. Frá *Gunnari Thoroddsen, Ásgeiri Ásgeirssyni, Bjarna Ásgeirssyni* og *Kristni Andréssyni.*
Við 22. gr. IV. Nýr liður:
Að greiða dr. Guðmundi Finnbogasyni, landsbókaverði, full laun, er hann lætur af embætti.

XXIX. Frá *Hermanni Jónassyni.*
Við 22. gr. IV. Nýr liður:
Að greiða dr. Eiríki Albertssyni, presti á Hesti, full embættislaun, ef hann sakir heilsubrests verður að láta af embætti.

XXX. Frá *Gísla Guðmundssyni.*
Við brtt. 387, 90. a. (Bókaútg. menntamálaráðs og þjóðvinafél.).
Orðin „enda haldist verðið ... það var í fyrstu“ falli burt.

XXXI. Frá *Eysteini Jónssyni.*
Við brtt. 410, LXXXIX. Tillgr. skal orða svo:
Að haga vinnu við verklegar framkvæmdir, sem ákveðnar eru með fjárlögum þessum, á sem hagkvæmastan hátt fyrir framleiðslustarfsemi landsmanna og jafnframt þannig, að atvinna í landinu yfirleitt verði sem jöfnust þann tíma af árinu, sem við verður komið vinnu við slíkar framkvæmdir.

XXXII. Frá *Pétri Ottesen.*
Við brtt. 410, XC. (Drykkjumannahæli).
Fyrir „hressingarhælis“ kemur: heilsuhælis.

XXXIII. Frá *Eysteini Jónssyni* og *Ingvari Pálmasyni.*
Við 22. gr. XVIII. Nýr liður:
Að greiða allt að 8000 kr. til þess að bæta bændum í Firði í Mjóafirði tjón á búpeningi og veiðitækjum, er þeir hafa orðið fyrir af völdum snjóflóðs.

XXXIV. Frá *Þorsteini Þorsteinssyni.*
Við 22. gr. XVIII. Nýr liður:
Að greiða Finni Jónssyni á Geirmundarstöðum á Skarðsströnd allt að 2000 kr. vegna sauðfjárdauða á búi hans síðast liðinn vetur, sem ætlað var að stafaði af skemmdum á síldarmjöli, er hann gaf fénu, enda liggi fyrir nákvæmar skýrslur um tjónið og tillögur hlutaðeigandi búnaðarsambands.

XXXV. Frá *Ásgeiri Ásgeirssyni, Sigurði Kristjánssyni* og *Lárusi Jóhannessyni.*
Við 22. gr. XVIII. Liðinn skal orða svo:
Að verja úr ríkissjóði allt að 160 þús. kr., að fengnum tillögum fiskimálanefndar, til þess að styrkja þá útgerðarmenn, er misst hafa fiskiskip sín frá ófriðarbyrjun, til að eignast ný skip, þó ekki yfir 20% af verði skipsins.

XXXVI. Frá *Jóni Pálmasyni* og *Bjarna Ásgeirssyni.*
Við 22. gr. XXII. Nýr liður:
Að verja allt að 100 þús. kr. til verðlagsuppbótar á endurbyggingarstyrki til sveita, ef framlagið í 16. gr. 9. b. hrekkur ekki til.

Sþ.

## 420. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943 og við brtt. á þskj. 387 og 410.

I. Frá *Ásgeiri Ásgeirssyni.*
Við 12. gr. 13. k. (Hjúkrunark. í Súgandaf.).
Fyrir „1000“ kemur ..... 2000

II. Frá *Bjarna Benediktssyni* og *Áka Jakobssyni.*
Við 14. gr. B. XI. a. (Verzlunarskóli Íslands).
Fyrir „10000“ kemur ..... 20000

III. Frá *Jörundi Brynjólfssyni, Einari Olgeirssyni, Barða Guðmundssyni* og *Bjarna Benediktssyni.*
Við 15. gr. 23. (Bókmenntafélagið).
Fyrir „12000“ kemur ..... 18000
*Til vara* ..... 15000

IV. Frá *Einari Olgeirssyni, Brynjólfi Bjarnasyni* og *Sigurði Thoroddsen.*
Við brtt. 410, LIII. (Noregssöfnunin).
Við liðinn kemur aths.:
Upphæðin afhendist norsku stjórninni í London til ráðstöfunar nú þegar.

V. Frá *Gísla Sveinssyni.*
Við 22. gr. XVI. Nýr liður:
Að greiða til Suðurlandsskips, að fengnum meðmælum samgöngumálanefnda Alþingis, allt að 50 þús. kr. til viðbótar framlagi því, sem til þessara samgangna er ætlað í fjárveitingunni í 13. gr. B. 2.

VI. Frá *Eiríki Einarssyni.*
Við brtt. 387, 94. b. (Hrossaræktarbú á Bessastöðum).
Liðinn skal orða svo:
Að greiða allt að 150000 kr. til þess að reisa peningshús og til aukningar bústofni á Bessastöðum.

VII. Frá *fjárveitinganefnd.*
Við 22. gr. XVII. Nýr liður:
Að verja úr ríkissjóði allt að 35 þús. kr. til kaupa á húsnæði fyrir síldarrannsóknir þær, er atvinnudeild háskólans hefur með höndum á Siglufirði.

VIII. Frá *Finni Jónssyni.*
Varatillaga við brtt. 387, 97.
Fyrir „allt að 35%“ í 22. gr. XXI. kemur: allt að 5%.

## Nd. 421. Lög

um samkomudag reglulegs Alþingis 1943.

(Afgreidd frá Nd. 12. febr.)

Samhljóða þskj. 416.

## Ed. 422. Lög

um búfjártryggingar.

(Afgreidd frá Ed. 12. febr.)

Samhljóða þskj. 237.

## Nd. 423. Breytingartillögur

við frv. til laga um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá Þóroddi Guðmundssyni og Barða Guðmundssyni.

1. Við 1. gr. Aftan við greinina bætist ný málsgr., svo hljóðandi:
   Enn fremur greiði ríkissjóður árlega jafnháa upphæð til að styrkja kynnisferðir handverksmanna, smáútvegsmanna og annarra smáframleiðenda í kauptúnum og kaupstöðum.
2. Við 2. gr. Niðurlag greinarinnar orðist svo: ... að fengnum tillögum Búnaðarfélags Íslands, landssambands iðnaðarmanna og Fiskifélags Íslands.

## Nd. 424. Breytingartillaga

við frumv. til laga um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá Jakob Möller.

Á eftir 1. gr. kemur ný grein, sem verður 2. gr., svo hljóðandi (og breytist greinatalan samkv. því):

Heimilt er hreppsfélögum að kveða svo á með sveitarsamþykktum, að styrk þeim, sem veittur er í hreppinn samkvæmt lögum þessum, fyrir eitt ár eða fleiri í senn, skuli varið til fjárhagshjálpar efnilegu ungu fólki úr sveitinni, því til menningarauka innan lands eða utan. Ákveður hreppsnefnd, hverjir verði styrks þess aðnjótandi.

## Sþ. 425. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943 og við brtt. á þskj. 387.

I. Frá *Jörundi Brynjólfssyni* og *Eiríki Einarssyni*.
Við 13. gr. A. II. a. 61. Nýr liður:

| | |
|---|---|
| Sogsvegur ..... | 50000 |

II. Frá *Jóhanni Jósefssyni, Stefáni Jóh. Stefánssyni, Einari Olgeirssyni, Eiríki Einarssyni, Sveinbirni Högnasyni, Bernharð Stefánssyni, Barða Guðmundssyni* og *Sigurði Thoroddsen*.
Við 13. gr. A. X. Nýr liður:
Til Stokkseyrarhrepps, styrkur til að reka ferðamannaskýli og greiðasölu í sambandi við flutning farþega milli Stokkseyrar og Vestmannaeyja ..... 5000
*Til vara* ..... 4000

III. Frá *Áka Jakobssyni, Bjarna Ásgeirssyni, Pétri Ottesen* og *Finni Jónssyni*.
Við 22. gr. XI. Nýr liður:
Að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs innanlandslán til eftirtalinna vatnsvirkjana, gegn þeim tryggingum, er ríkisstjórnin metur gildar:
a. 6 millj. króna lán fyrir Siglufjarðarkaupstað til virkjunar Fljótaár í Skagafjarðarsýslu ásamt háspennulínum og afspennistöðvum.

b. Allt að 6 millj. króna lán fyrir félagið „Andakílsárvirkjun“ til virkjunar Andakílsárfossa ásamt háspennulínum og afspennistöðvum.
c. Allt að 1 millj. 200 þús. króna lán til viðbótarvirkjunar í Engidal fyrir Rafveitu Ísafjarðarkaupstaðar og Eyrarhrepps.

IV. Frá *Sigurði Bjarnasyni, Sigurði Þórðarsyni, Sigurði Guðnasyni, Jóni Sigurðssyni* og *Barða Guðmundssyni.*
Varatill. við brtt. 387, 94. b. (Hrossaræktarbú).
Liðinn skal orða svo:
Að greiða allt að 50 þús. kr. til þess að stofnsetja hrossaræktarbú að Hólum í Hjaltadal í sambandi við búnaðarskólann og í samráði við Búnaðarfélag Íslands.

## Sþ. 426. Breytingartillaga

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943.

Frá fjárveitinganefnd.

Við 2. gr. 12. (Útflutningsgjald).
Fyrir „1700000“ kemur ..... 1000000

## Sþ. 427. Breytingartillögur

við frv. til fjárlaga fyrir árið 1943 og við brtt. á þskj. 387 og 388.

Frá fjárveitinganefnd.

1. Við brtt. 387, 15. a. 12. (Barðastrandarvegur).
Fyrir „38000“ kemur ..... 60000
2. Við brtt. 387, 15. a. 24. b. (Siglufjarðarskarð).
Fyrir „250000“ kemur ..... 290000
3. Við brtt. 388, a. (Flóabátaferðir).
Framlagið hækkar um 34000 kr.
[Hækkunin gangi til Suðurlandsskips, enda verði styrknum úthlutað á sama hátt og verið hefur undanfarin ár.]
4. Við 13. gr. C. IX. Nýr rómv. liður:
Til hafnargarðs á Sauðárkróki, ⅔ kostnaðar, allt að ..... 40000
5. Við brtt. 387. 20. f. 2. (Vestmannaeyjahöfn).
a. Fyrir „100000“ kemur ..... 158000
b. Við liðinn kemur aths:
Þar af 58000 kr. til greiðslu vegna skemmda á hafnargarði 1942, þó ekki yfir ⅓ kostnaðar.

## Nd. 428. Breytingartillaga

við frv. til laga um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar.

Frá Áka Jakobssyni.

Við 2. gr.
Á eftir orðunum „... eða mundu eignast ...“ komi: í Norðfjarðarhreppi.

## Nd. 429. Frumvarp til laga

um breyting á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942.

Frá landbúnaðarnefnd.

1. gr.

30. gr. laganna orðist svo:

Eign vélasjóðs, sem var 1. jan. 1942 kr. 70471.73, verður stofnfé sjóðsins, er ekki má skerða. Við stofnféð skal árlega leggja helming þess vaxtafjár, sem sjóðnum áskotnast, svo og ef afgangur verður af rekstrarfé sjóðsins.

Skurðgröfur þær og ræktunarvélar, sem ríkið á og starfrækir, er lög þessi öðlast gildi, verða eign vélasjóðs.

Ríkissjóður skal árlega greiða sjóðnum kr. 50000.00, sem verður ásamt helmingi vaxtafjár hans og öðrum tekjum rekstrarfé sjóðsins.

2. gr.

31. gr. laganna orðist svo:

Verkfæranefnd sú, sem skipuð er samkvæmt lögum nr. 64 frá 7. maí 1940, um rannsóknir og tilraunir í þágu landbúnaðarins, hefur á hendi stjórn vélasjóðs og reikningshald og annast alla starfsemi hans, undir yfirstjórn Búnaðarfélags Íslands. Skulu meiri háttar framkvæmdir bornar undir stjórn Búnaðarfélags Íslands og leitað samþykkis hennar, áður en hafizt er handa um framkvæmdir. Er henni heimilt að ráða framkvæmdarstjóra, er skal hafa sérþekkingu í landbúnaðarvélfræði, til þess að sjá um verklegar framkvæmdir sjóðsins og hirðingu, viðhald og geymsla vélanna. Skal nefndin setja honum erindisbréf og ákveða starfssvið hans.

Reikningar vélasjóðs skulu endurskoðaðir af endurskoðendum Búnaðarfélags Íslands.

3. gr.

32. gr. laganna orðist svo:

Starfsemi sjóðsins skal vera:

1. Að kaupa vélknúðar jarðræktarvélar og skurðgröfur og gera tilraunir um notkæfi þeirra og rekstur.
2. Að leigja ræktunarfélögum og öðrum þeim aðilum, sem nefndir eru í 35. gr., skurðgröfur og aðrar vélknúðar jarðræktarvélar, til notkunar við framkvæmdir þær, er þau hafa með höndum.
3. Að taka að sér fyrir aðila þá, sem nefndir eru í 35. gr., vélavinnu við stærri ræktunarframkvæmdir, sem henta þykir að vinna með vélum þeim, er sjóðurinn á.
4. Að annast jarðræktarframkvæmdir fyrir ríkið, að því leyti sem henta þykir að vinna að þeim með skurðgröfum og öðrum stórvirkum jarðræktarvélum, svo sem undirbúning að landnámi samkvæmt lögum nr. 58 27. júní 1941, um landnám ríkisins, og öðrum hliðstæðum framkvæmdum.
5. Að aðstoða ræktunarfélög og aðra hliðstæða aðila við val, útvegun og kaup á skurðgröfum og öðrum ræktunarvélum, sem nauðsynlegar eru við stærri ræktunarframkvæmdir, svo og að gefa leiðbeiningar um meðferð og rekstur vélanna.

4. gr.

33. gr. laganna orðist svo:

Kostnaður við tilraunir þær, sem gert er ráð fyrir í 32. gr., staflið 1, þar með talinn rekstrarkostnaður vélanna á meðan tilraunir standa yfir, greiðist af rekstrarfé vélasjóðs.

5. gr.

34. gr. laganna orðist svo:

Nú leyfir fjárhagur vélasjóðs ekki, að hann kaupi nægilega mikið af vélum til þess að halda uppi þeirri starfsemi, sem tilgreind er í 32. gr., svo að viðunandi sé, og er þá ríkisstjórninni heimilt að leggja fram það fé, sem á vantar, til að kaupa slíkar vélar, að fengnum rökstuddum samhljóða tillögum verkfæranefndar og meðmælum Búnaðarfélags Íslands. Vélar þær, sem þannig eru keyptar, verða eign vélasjóðs og falla til starfsemi hans.

6. gr.

35. gr. laganna orðist svo:

Landþurrkunar- og áveitufélög, sem stofnuð eru samkvæmt fyrirmælum vatnalaga, nr. 15 frá 23. júní 1923, 4. og 8. kafla, hafa rétt til þess að fá skurðgröfur og jarðræktarvélar vélasjóðs leigðar, eftir því sem ástæður leyfa og verkfæranefnd ákveður. Hið sama gildir um búnaðarsambönd, hreppabúnaðarfélög, bæjar- og sveitarfélög, enda hafi Búnaðarfélag Íslands ávallt gert fullkomnar áætlanir um framkvæmdir þær, er gera skal, og annazt undirbúning þeirra.

7. gr.

36. gr. laganna orðist svo:

Leiga fyrir vélar þær, er vélasjóður selur á leigu samkvæmt 32. gr., staflið 2, skal miðuð við, að hún nægi til þess að greiða eðlilegt viðhald vélanna. Um leigukjör og starfrækslu leiguvéla skal nánar ákveðið í reglugerð.

Þá er vélasjóður tekur að sér framkvæmdir samkvæmt 32. gr., staflið 3 og 4, skulu viðkomandi aðilar greiða allan rekstrarkostnað og auk þess leigu fyrir vélar þær, sem notaðar eru við vinnuna, er samsvari því, er um leiguvélar er að ræða.

8. gr.

37. gr. laganna orðist svo:

Ríkissjóður greiðir ⅓ kostnaðar við ræktunarumbætur þær, sem gerðar eru fyrir atbeina vélasjóðs, sbr. 32. gr., staflið 2—3, og framkvæmdar eru af þeim aðilum, sem tilgreindir eru í 35. gr. Nær sá styrkur til alls rekstrar skurðgrafnanna, annars skurðgraftar, byggingar flóðgátta, brúa og flóðgarða.

⅓ kostnaðar heimilast viðkomandi aðilum að taka að láni, en ⅓ skulu landeigendur leggja fram sjálfir um leið og verkið er framkvæmt.

Verk þau, sem styrkt eru af ríkinu á þennan hátt, geta ekki notið styrks samkvæmt II. kafla þessara laga.

9. gr.

38. gr. laganna orðist svo:

Landbúnaðarráðherra gefur út reglugerð, að fengnum tillögum verkfæranefndar og Búnaðarfélags Íslands, með nánari fyrirmælum um vélasjóð, starfssvið hans og framkvæmdir.

10. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frv. þetta er flutt samkvæmt tilmælum hæstvirts fyrrv. landbúnaðarráðherra, og fylgdu því frá ráðherranum eftirfarandi greinargerð og athugasemdir. Frumvarpið er flutt eins og það barst landbúnaðarnefnd, með nokkrum lítils háttar breytingum.

„Með bréfi, dagsettu 24. sept. 1942, felur atvinnu- og samgöngumálaráðuneytið verkfæranefnd að semja nýjar og ákveðnar reglur um notkun þeirra skurðgrafna, er ríkið á.

Nefndin hefur á fundum sínum dagana 12.—17. nóvember tekið þetta mál til yfirvegunar. Við rannsókn málsins varð nefndinni ljóst, að reglur þessar þyrftu að mótast með hliðsjón af þeirri löggjöf, sem gildandi er, varðandi verklegar jarðræktarframkvæmdir í landinu, en þó fyrst og fremst af því, hvernig gera má ráð fyrir, að nauðsyn og þróun ræktunarmálanna verði og eigi að mótast í náinni framtíð.

Í V. kafla jarðræktarlaga felast þau ákvæði, sem kaup og notkun skurðgrafna ríkisins er byggð á. En við athugun á lögum um rannsóknir og tilraunastarfsemi landbúnaðarins, lög um landnám ríkisins og vatnalögin, er öll grípa inn á svið þeirrar starfsemi, er þessar vélar verða notaðar við, þá er ljóst, að ákvæðin í V. kafla jarðræktarlaganna um skurðgröfur ríkisins eru sumpart ófullnægjandi, en að öðru leyti ekki í samræmi við þörf landbúnaðarins um lausn þeirra verkefna, er grundvalla ræktunarframkvæmdir í landinu.

Til skýringar á þessu skulu dregin fram nokkur atriði úr forsögu þessa máls.

Jarðræktarlögin gerðu frá öndverðu ráð fyrir, að ríkið léti starfrækja stærri jarðræktarvélar, s. s. þúfnabana og skurðgröfur, og var það gert um skeið með þúfnabanana, en þá er búnaðarsambönd, búnaðarfélög og einstaklingar fóru að kaupa og nota dráttarvélar, féll þessi starfsemi niður smátt og smátt.

Skurðgrafa sú, er ríkið keypti 1917, svo og skurðgrafa sú, er keypt var af ríkinu 1927, voru aldrei starfræktar á þennan hátt, heldur lánaðar framræslu- og áveitufélögum, er önnuðust sjálf rekstur þeirra.

Þessi starfsþáttur, er vélasjóði var ætlað að leysa, varð því aldrei virkur á þann hátt, sem jarðræktarlögin gerðu ráð fyrir. Starfsemi sjóðsins beindist strax 1928 og 1929 inn á þá braut, að hann væri lánastofnun fyrir félög og einstaklinga, er keyptu stærri jarðræktarvélar. Hafa lánin að jafnaði numið 3000 krónum til hverrar dráttarvélar, og má telja, að sjóðurinn hafi með þessu veitt góðan stuðning til að efla vélanotkunina.

Árið 1930 voru sett lög um skurðgröfur, þrátt fyrir gildandi ákvæði jarðræktarlaga um kaup og rekstur á þeim, og er það án efa gert vegna þess, að þá var séð, að vélasjóður hafi ekki fjárráð til að annast bæði lánastarfsemina og kaup og starfrækslu véla, enda starfaði hann þá með lánsfé, sem á tímabili var nokkuð yfir 100 þús. króna. Hins vegar er auðsætt, að sama árangri hefði mátt ná t. d. á þann hátt, að Búnaðarbankinn hefði lánað til slíkra vélakaupa.

Við endurskoðun jarðræktarlaga 1936 eru skurðgröfulögin tekin upp í kaflann um vélasjóð í jarðræktarlögum, og þessu er haldið í nokkuð breyttu formi við endurskoðun laganna 1941.

Þar er gert ráð fyrir, að ⅔ af stofnfé sjóðsins sé notað til lánastarfsemi ásamt helmingi af vaxtatekjum hvers árs, er leggst við höfuðstóinn. Einn þriðji hluti af stofnfénu skal notaður til vélakaupa vegna tilrauna með vélknúðar jarðræktarvélar og skurðgröfur.

Árlegt tillag ríkissjóðs til sjóðsins, 25 þús. kr., ásamt ½ vaxtatekjunum, verður rekstrarfé vegna tilraunanna og annarrar starfsemi sjóðsins.

Þá er enn fremur gert ráð fyrir, að ríkið kaupi skurðgröfur til meiri háttar framræslu og láni þær endurgjaldslaust til félaga, er hafa áveitu- og framræslufyrirtæki með höndum.

Við nánari athugun á þessari starfstilhögun, og sérstaklega með hliðsjón af fjárráðum þeim, sem sjóðnum er ætlað að hafa, hefur nefndin orðið sammála um, að reglugerð á grundvelli þessara ákvæða er ekki fullnægjandi til að leysa málið á viðunandi hátt, og ber því nauðsyn til að breyta þessum kafla jarðræktarlaga, og skulu færð nánari rök fyrir því.

1. Eigi vélasjóður að rækja hið tvíþætta hlutverk sitt, er sérstaklega stofnfé hans og raunar líka rekstrarfé langt of lítið. Til lánastarfsemi er algerlega ófullnægjandi að hafa til umráða aðeins 40—50 þús. kr.

   Lánastarfsemi þessi er nauðsynleg, því einmitt sá félagsskapur, hreppa-

búnaðarfélög og búnaðarsambönd, hafa ekki átt annars staðar aðgang að lánum til vélakaupa. En allt mælir með því, að þessi grein lánastarfsemi, eins og önnur, er landbúnaðinn varða, sé á hendi Búnaðarbankans, og jafnframt því sem þessi þáttur í starfsemi vélasjóðs yrði lagður niður, þarf að koma því til vegar, að Búnaðarbankinn taki að sér að fullnægja lánsþörf landbúnaðarins á þessu sviði.

2. Að nauðsynlegt er, þegar ríki, bæjar- eða sveitarfélög ráðast í stærri fyrirtæki við þurrkun lands, áveitur eða undirbúning að sameiginlegri ræktun, að þau geti átt þess kost, að einhver stofnun taki að sér framkvæmd á þeim hluta verksins, er vélræna tækni þarf til að leysa. Að lána vélarnar er ekki fullnægjandi, enda má telja, að lán á vélum, jafnvel þó undir eftirliti sé, verði ekki heppilegasta fyrirkomulagið í lausn þessara mála, séð frá sjónarmiði þess, er vélarnar á að leggja til. En ákvæði um, að til sé aðili, er taki slík verk að sér, felast ekki í jarðræktarlögunum.
3. Þegar litið er á, hvernig þessi mál hafa skipazt hin síðustu ár, þá virðist auðsætt, að til þarf að vera stofnun í landinu, sem hefur á að skipa starfskröftum, er geti leyst af höndum þau verkefni varðandi véltækni landbúnaðarins, er hér hefur verið drepið á, svo sem að rannsaka nýjungar á þessu sviði erlendis, gera tilraunir samkvæmt því, sem gert er ráð fyrir í lögum um rannsóknir og tilraunir í þágu landbúnaðarins, og annast framkvæmdir, er önnur lög gera ráð fyrir, að unnar séu með þessum tækjum.

Þetta mætti hugsa sér að leysa með því að Búnaðarfélag Íslands bætti við sig þessum starfsþætti og setti á stofn sérstaka deild fyrir þessi verkefni.

Hins vegar tengja tilraunalögin þetta að nokkru við Búnaðarfélag Íslands, svo það má einnig telja vel frambærilega leið að færa út starfssvið verkfæranefndar, þeirrar sem skipuð er samkvæmt þessum lögum, svo hún hafi öll þessi störf á hendi, en aðstaða hennar rýmkuð með því, að hún hafi heimild til að afla þeirra sérfræðilegu starfskrafta, er til þess þarf.

Að öllu þessu athuguðu hefur nefndin komizt að þeirri niðurstöðu, að heppilegasta leiðin til úrlausnar sé að sameina þessi verkefni undir umsjá verkfæranefndar og leggja til, að þær breytingar verði gerðar á jarðræktarlögum, að það sé framkvæmanlegt.

Leggjum því eindregið til, að kaflinn um vélasjóð í jarðræktarlögum breytist eins og gert er ráð fyrir í meðfylgjandi tillögum vorum.

Árni G. Eylands. Pálmi Einarsson. Runólfur Sveinsson.

Um 1. gr.

Hér er gerð sú breyting, að skurðgröfur og ræktunarvélar, sem ríkið á eða kaupir, verði eign vélasjóðs.

Framlagið úr ríkissjóði er hækkað upp í 50 þús. kr. úr 25 þús. kr., sem er bein afleiðing þess, að starfssvið sjóðsins er aukið frá því, sem eldri ákvæði gerðu ráð fyrir. Með núverandi verðlagi er óhugsandi að halda uppi starfsemi sjóðsins, ef hin árlegu framlög til hans nema aðeins 25 þús. kr.

Um 2. gr.

Greinin ákveður, að auk þess starfssviðs, sem verkfæranefnd er ætlað samkvæmt tilraunalögunum, sé henni falin umsjá vélasjóðs og framkvæmdastjórn þeirra verkefna, er 32. gr. gerir ráð fyrir, að vélasjóður hafi með höndum. Vegna þess, hve störf þessi verða yfirgripsmikil, verður ekki hjá því komizt í framtíðinni, að verkfæranefndin hafi sérfróðan framkvæmdastjóra til að annast reksturinn og meðal annars til að sjá sérstaklega um viðhald vélanna og annast kennslu í stjórn þeirra og meðferð. Sjálfsagt þykir, að nefndin, sem ber ábyrgð á störfum framkvæmdastjóra, setji honum erindisbréf. Sú starfsemi, sem rekin er samkvæmt lög-

um um rannsóknir og tilraunir í þágu landbúnaðarins, er í lögunum tengd Búnaðarfélagi Íslands. Þykir því sjálfsagt, að hin reikningslega endurskoðun sé framkvæmd af endurskoðendum þess.

Um 3. gr.

Greinin markar höfuðverkefni sjóðsins. Undir staflið 1 falla þau verkefni, sem lögin um rannsóknir og tilraunir í þágu landbúnaðarins ætla verkfæranefnd að hafa með höndum, og er því ákvæðið eingöngu sett til þess, að jarðræktarlögin séu um þetta í samræmi við tilraunalögin.

Í 2. staflið þessarar greinar er gert ráð fyrir, að um það geti verið að ræða að selja ræktunarfélögum eða öðrum aðilum skurðgröfur og ræktunarvélar á leigu. Hér er um sama fyrirkomulag að ræða og áður, að öðru en því, að gera verður ráð fyrir, að fyrirtækin greiði leigu eftir vélarnar, þar sem viðhald vélanna verður ekki á hendi fyrirtækjanna, en um það verður séð algerlega af vélasjóði og verkfæranefnd.

Stafliður 3 gerir ráð fyrir því, að ef hentara þyki, þá taki vélasjóður verk þessi að sér með ákvæðissamningum. Getur það fyrirkomulag orðið hentara, þar sem félögin, sem verkin láta vinna, hafa ekki getu eða aðstöðu til að hafa hæfa starfskrafta til að sjá um framkvæmd verksins. Þá er í staflið 4 gert ráð fyrir, að vélasjóður taki að sér að vinna að undirbúningi jarðræktarframkvæmda fyrir ríkið. Nær það sérstaklega til framkvæmda, er gert er ráð fyrir, að ríkið geri samkvæmt lögum um landnám ríkisins, þá er ríkið tekur fyrir stærri svæði til undirbúnings stofnunar nýbýla á landi, sem ríkið á.

Auk þess hefur og ríkið látið vinna að landvörnum víðs vegar um land samkvæmt vatnalögum, og ef vélum verður við komið við þau fyrirtæki, nær ákvæði þetta einnig til þess.

Það þykir sjálfsagt að gera ráð fyrir því, að félög, er hafa stór fyrirtæki með höndum á þessu sviði, og þó sérstaklega bæjarfélög, er árlega þurfa að vinna að slíkum undirbúningsumbótum til ræktunar, kaupi og leigi þessar vélar og starfræki þær, og er sú skylda lögð á vélasjóð og verkfæranefnd að aðstoða við val og innkaup þessara véla fyrir félög og einstaklinga.

Um 4. gr.

Þarf ekki skýringa við.

Um 5. gr.

Enda þótt gert sé ráð fyrir, að vélasjóður geti með tímanum staðið straum af þeim vélakaupum, er þarf til þess að sjóðurinn leysi þau verkefni, sem honum er ætlað að annast, má gera ráð fyrir því, að fyrst um sinn geti hann ekki fullnægt þörfinni, sérstaklega ef til framkvæmda kæmi af ríkisins hálfu um landnám í stærri stíl á fleiri stöðum í landinu. Þykir því ástæða til að hafa ákvæði í lögum, er heimili ríkisstjórn að kaupa vélar til viðbótar, en gert er ráð fyrir, að áður en í þær sé ráðizt, liggi fyrir rökstutt álit verkfæranefndar um nauðsyn þess og meðmæli Búnaðarfélags Íslands.

Um 6. gr.

Greinin ákvarðar, hverjir aðilar geti orðið aðnjótandi leiguafnota af skurðgröfum og jarðræktarvélum vélasjóðs. Þykir ástæða til að binda það við þann félagsskap, er helzt hefur ræktunarframkvæmdir með höndum, beint eða óbeint. Gera verður því ráð fyrir, þegar einstakir bændur ráðast í þær framkvæmdir, að þá gangist búnaðarfélag og búnaðarsamband fyrir því, að fleiri einstaklingar á sama svæði hefjist handa samtímis, svo verkefnin liggi minna dreift og flutningskostnaður milli vinnustaða geti því orðið hlutfallslega minni.

Um 7. gr.

Þar sem vélasjóði er ætlað að standa straum af öllum viðhalds- og endurnýjunarkostnaði vélanna, er ekki eðlilegt annað en leiga sé miðuð við, að leigjendur beri þann kostnað. Það má og telja réttmætt, að samræmi sé haft í leigukjörunum og leigan því byggð á útreikningi um árlegan heildarkostnað við eðlilegt viðhald vélanna, en að reglugerð ákveði nánar um, hvernig leigan verði reiknuð

Það leiðir og af sjálfu sér, að þegar ákvæðisvinna er tekin, þá sé leigufjárhæðin innifalin í umsamdri greiðslu fyrir framkvæmd verksins.

Um 8. gr.

Þessum ákvæðum er ekki efnislega breytt frá því, sem er nú í jarðræktarlögunum, að öðru leyti en því, að styrkheimildin var áður bundin við félög, stofnuð samkvæmt vatnalögum, en samkvæmt því, sem hér er lagt til, nær styrkheimildin til allra þeirra aðila, er 35. gr. gerir ráð fyrir, að geti orðið unnið fyrir.

Um 9. gr.

Þarf ekki skýringar.“

## Ed. 430. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá Gísla Jónssyni.

Við 1. gr.

Á eftir orðunum „reisa sjúkrahús“ í a-lið komi: sjúkraskýli, læknisbústaði og aðrar stofnanir.

## Ed. 431. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá allsherjarnefnd.

Við 1. gr.

Aftan við síðustu málsgr. b-liðar bætist: enda hafi heilbrigðisstjórnin staðfest upphæð daggjaldanna.

## Ed. 432. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá Haraldi Guðmundssyni.

Við 1. gr.

b-liður (9. gr.) greinarinnar fellur niður. Tala greina í fyrstu málsgr. breytist samkv. atkvgr.

## Ed. 433. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá Magnúsi Jónssyni.

Við 1. gr. Við greinina bætist ný málsgrein:
Setja má með reglugerð ákvæði til þess að koma í veg fyrir misnotkun þess, að ríkissjóður greiði meðlag með utanhéraðssjúklingum samkv. 1. mgr. b-liðar.

## Ed. 434. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá allsherjarnefnd.

Við 1. gr. Aftan við b-lið bætist ný málsgr., svo hljóðandi:
Setja skal með reglugerð nánari fyrirmæli um framkvæmd ákvæða þessarar greinar, þar á meðal um, að staðfesting heilbrigðisstjórnar á daggjöldum skuli vera skilyrði fyrir greiðslu rekstrarstyrks úr ríkissjóði.

## Nd. 435. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 87 9. júlí 1941, um viðauka við lög nr. 84 6. júlí 1932, um bifreiðaskatt o. fl.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin mælir með frv.

Alþingi, 16. febr. 1943.

Ásg. Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr. Skúli Guðmundsson, frsm.
Einar Olgeirsson. Ingólfur Jónsson.

## Sþ. 436. Breytingartillaga

við till. til þál. um sérstakar launabætur embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins.

Frá Gísla Jónssyni.

1. málsgr. tillgr. orðist þannig:
Alþingi ályktar að heimila ríkisstjórninni að láta greiða embættismönnum og öðrum starfsmönnum ríkisins, ríkisstofnana og sjálfseignarstofnana sérstaka uppbót á laun þeirra frá ríkinu eða ríkisstofnunum frá 1. júlí 1943 þar til öðruvísi kann að verða ákveðið, þó ekki lengur en til 31. des. þ. á. Uppbótin greiðist eins og hér segir:

## Ed. 437. Frumvarp til laga

um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Sá hluti jarðarinnar Ormsstaða í Norðfjarðarhreppi, sem nú er eign bæjarsjóðs Neskaupstaðar, skal lagður undir lögsagnarumdæmi Neskaupstaðar frá 1. apríl 1943.

2. gr.

Frá sama tíma tekur Neskaupstaður að sér framfærslu allra þeirra þurfamanna, sem eru eða verða og framfærslurétt eiga eða mundu eignast í Norðfjarðarhreppi, ef lög þessi yrðu ekki sett, vegna fæðingar eða dvalar á landi því, er um ræðir í 1. gr.

3. gr.

Bætur fyrir tekjurýrnun Norðfjarðarhrepps, er leiðir af ákvæðum 1. gr., skulu ákveðnar af gerðardómi, skipuðum 3 mönnum. Tilnefna aðilar sinn manninn hvor í dóminn, en hæstiréttur tilnefnir oddamann, og er hann formaður dómsins. Vanræki annar hvor aðila eða báðir að tilnefna mann í dóminn, skal hæstiréttur tilnefna, svo að dómurinn verði fullskipaður.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 438. Nefndarálit

um till. til þál. um rannsókn á skilyrðum fyrir rafleiðslu frá Akureyri til Dalvíkur.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin telur sjálfsagt, að sú rannsókn sé framkvæmd, sem tillagan fjallar um, og var ríkisstjórninni falið með þingsályktun 4. sept. 1942 að láta rannsaka öll þess háttar mál svo fljótt sem mögulegt er. En nefndin telur eigi þörf á sérstakri áskorun vegna einstakra héraða.

Leggur því nefndin til, að tillagan verði afgreidd með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Með tilvísun til þess, að með þingsályktun frá 4. sept. 1942 var lagt fyrir ríkisstjórnina að láta rannsaka svo fljótt sem mögulegt er, hvernig bezt verði fullnægt raforkuþörf fólksins hvarvetna á landinu, þá telur deildin sjálfsagt, að sú rannsókn sé gerð í Eyjafirði, sem tillagan fjallar um, án nýrrar áskorunar, og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 17. febr. 1943.

Ásg. Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr., Ingólfur Jónsson, frsm.

Skúli Guðmundsson. Einar Olgeirsson.

## Nd. 439. Nefndarálit

um till. til þál. um athugun á rafvirkjun til almenningsþarfa í Vestur-Skaftafellssýslu.

Frá fjárhagsnefnd.

Til nefndarinnar hefur verið vísað tveimur tillögum um að skora á ríkisstjórnina að láta rannsaka aðstöðu til orkuvirkjunar og dreifingar rafmagns. Nefndin telur sjálfsagt, að það, sem farið er fram á í þessum tillögum, sé framkvæmt, en álítur ekki nauðsynlegt að samþykkja einstakar áskoranir um það efni, af því að ríkisstjórninni hefur verið falið af Alþingi með þingsályktun frá 4. sept. 1942 að láta rannsaka alls staðar á landinu, hvernig hagkvæmt sé að virkja vötn til rafmagnsnota fyrir almenning. Er í þingsályktun þeirri lögð á það rík áherzla að hraða rannsókninni eins og mögulegt er.

Nefndin leggur því til, að tillagan verði afgreidd með svo hljóðandi:

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Með tilvísun til þess, að með þingsályktun frá 4. sept. 1942 var lagt fyrir ríkisstjórnina að láta rannsaka svo fljótt sem mögulegt er, hvernig bezt verði fullnægt raforkuþörf fólksins hvarvetna á landinu, þá telur deildin sjálfsagt, að sú rannsókn sé gerð í Vestur-Skaftafellssýslu, sem tillagan fjallar um, án nýrra áskorana, og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 17. febr. 1943.

Ásg. Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr., Ingólfur Jónsson, frsm.

Skúli Guðmundsson. Einar Olgeirsson.

## Nd. 440. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

(Eftir 3. umr. í Ed.)

1. gr.

Á eftir 7. gr. laganna komi tvær nýjar greinar, er verði 8. og 9. gr., svo hljóðandi (og breytist greinatalan samkvæmt því):

a. (8. gr.) Þegar sveitar-, bæjar- eða sýslufélög reisa sjúkrahús samkvæmt lögum þessum, skal ríkissjóður leggja fram að hálfu stofnkostnað þeirra, enda hafi verið veitt til þess fé í fjárlögum og uppdráttur sjúkrahúss og útbúnaður samþykktur af viðkomandi trúnaðarmönnum ríkisins.

b. (9. gr.) Nú er sjúkrahús, sem sveitar-, bæjar- eða sýslufélög reka, sótt af sjúklingum, sem ekki eiga heimili í viðkomandi sveitar-, bæjar- eða sýslufélagi, og skal þá ríkissjóður taka þátt í rekstrarkostnaði viðkomandi sjúkrahúsa, þannig, að hann greiði fyrir hvern legudag þeirra sjúklinga, sem ekki eiga lögheimili í sveitar-, bæjar- eða sýslufélagi því, er sjúkrahúsið rekur, sem svarar ⅓ hluta daggjalds viðkomandi sjúkrahúss, enda mega þá eigi daggjöld utansveitarsjúklinga vera hærri en innansveitar.

Ákvæði þetta rýrir eigi greiðsluskyldu ríkissjóðs vegna sérstakra sjúkdóma samkvæmt öðrum lögum.

Rekstrarstyrkur þessi úr ríkissjóði skal greiddur ársfjórðungslega, eftir á, samkvæmt endurskoðuðum skýrslum sjúkrahúsanna um legudaga utansveitarsjúklinga.

Setja skal með reglugerð nánari fyrirmæli um framkvæmd ákvæða þessarar greinar, þar á meðal um, að staðfesting heilbrigðisstjórnar á daggjöldum skuli vera skilyrði fyrir greiðslu rekstrarstyrks úr ríkissjóði.

2. gr.

Þegar lög þessi hafa hlotið staðfestingu, skal fella meginmál þeirra inn í texta laga nr. 30 19. júní 1933 og gefa þau út svo breytt.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 441. Lög

um breyting á sveitarstjórnarlögum, nr. 12 31. maí 1927, og um afnám laga nr. 34 27. júní 1941, um breyting á þeim lögum.

(Afgreidd frá Nd. 17. febr.)

Samhljóða þskj. 364.

## Nd. 442. Tillaga til þingsályktunar

um rannsókn á því, hverjar afleiðingar verðuppbætur á útfluttar landbúnaðarvörur hafa haft á afkomu íslenzkra iðnfyrirtækja, er vinna úr þessum vörum.

Frá iðnaðarnefnd.

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta fram fara rannsókn á því, hverjar fjárhagslegar afleiðingar verðuppbætur þær á landbúnaðarafurðir, sem samþykktar voru á Alþingi 1941 og 1942, hafa haft á íslenzka iðju- og iðnaðarstarfsemi, er notar þessar verðbættu vörur sem hráefni fyrir framleiðslu sína.

Verði niðurstöður athugunar þessarar lagðar fyrir Alþingi svo fljótt, sem kostur er.

Greinargerð.

Iðnaðarnefnd Nd. hafa borizt erindi frá Félagi ísl. iðnrekenda, f. h. ullarverksmiðjueigenda, og frá nokkrum sútunarfyrirtækjum, þar sem farið er fram á, að Alþingi veiti þeim verðuppbætur á ull og gærur, er þeir hafa keypt 1941 og 1942.

Iðnrekendur þessir, sem vinna úr ull og gærum í verksmiðjum sínum, verða nú að greiða þessi hráefni sama verði og bændur fá fyrir vöruna **með uppbótum,** eða allmiklu hærra verði en þeir höfðu reiknað með, og miklu hærra verði en erlendar verksmiðjur fá nú þessi hráefni frá Íslandi fyrir. Nefndin taldi, að hér sé um mjög ísjárverðan hlut að ræða og að sjálfsagt sé að rannsaka ýtarlega, hverjar afleiðingar þessar verðuppbætur og ráðstafanir í sambandi við þær hafa haft á iðnreksturinn. Telur nefndin sig ekki hafa aðstöðu til að framkvæma rannsókn þessa til neinnar hlítar og því sé rétt, að ríkisstjórninni sé falið að láta framkvæma hana. — Ef við rannsóknina kemur í ljós, að iðnaðarframleiðsla þessi hefur orðið fyrir þungum bú-

sifjum af ákvörðunum Alþingis, er verðuppbæturnar voru ákveðnar á landbúnaðarvörurnar, virðist nefndinni sjálfsagt, að tekið verði til athugunar, hvernig bezt verði úr bætt.

Nánar í framsögu.

## Nd. 443. Nefndarálit

um frv. til l. um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin leggur til, að frv. verði samþykkt.

Alþingi, 18. febr. 1943.

Ásg. Ásgeirsson, form., frsm. Jón Pálmason, fundaskr. Ingólfur Jónsson.

Skúli Guðmundsson, með fyrirvara. Einar Olgeirsson.

## Sþ. 444. Tillaga til þingsályktunar

um að bæta við einum manni í raforkumálanefnd.

Flm.: Ásgeir Ásgeirsson, Jón Pálmason, Einar Olgeirsson, Ingólfur Jónsson, Skúli Guðmundsson.

Alþingi ályktar, að bætt skuli við í raforkumálanefnd þá, sem kosin var samkvæmt þingsályktun 4. sept. 1942, einum manni, og sé hann tilnefndur af Sameiningarflokki alþýðu, — Sósíalistaflokknum.

Greinargerð.

Raforkumálanefnd var kosin á þingi fyrir síðustu kosningar, og á Sameiningarflokkur alþýðu, — Sósíalistaflokkurinn engan fulltrúa í henni, en það þykir rétt, að hann eigi þar fulltrúa, og er tillaga þessi því fram komin.

## Nd. 445. Breytingartillögur

við frv. til l. um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá Einari Olgeirssyni, Áka Jakobssyni og Sigurði Thoroddsen.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:

Ríkissjóður greiði árlega 100 þúsund krónur til þess að styrkja kynnisferðir húsmæðra í sveitum, kauptúnum og kaupstöðum. Tveir þriðju hlutar styrksins skulu í þessu skyni greiðast kvenfélögum í sveitum og verkakvennafélögum í kauptúnum eða, ef þau eru ekki til, þá kvenfélögum þar. Einn þriðji hluti styrksins greiðist mæðrastyrksnefndum í kaupstöðum gegn að minnsta kosti jafnháu framlagi annars staðar að.

Styrkur þessi greiðist með verðlagsuppbót.

2. Við 2. gr. Greinin orðist svo:
   Ríkisstjórnin setur með reglugerð nánari reglur um skiptingu fjárins og eftirlit með notkun þess.
3. Við fyrirsögn:
   Í stað „sveitafólks“ komi: húsmæðra.

## Nd. 446. Breytingartillaga

við frv. til laga um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá landbúnaðarnefnd.

Við 1.—3. gr. Greinarnar falli burtu, en í stað þeirra komi 8 nýjar greinar, svo hljóðandi:

a. (1. gr.) Lagt skal á sérstakt gjald, er nemur ½% af heildsöluverði á kjöti og innveginni mjólk til mjólkurbúa, sbr. þó 3. gr.
b. (2. gr.) Gjald það, er um ræðir í 1. gr., skal renna í sjóð, er nefnist „ferðasjóður sveitafólks“ og hefur það verkefni að styrkja kynnisferðir sveitafólks, sem ekki nýtur orlofs samkvæmt sérstökum lögum eða samningum.
c. (3. gr.) Gjaldið til ferðasjóðs sveitafólks skal lagt á:
   a. Alla þá mjólk og mjólkurvörur, sem seldar eru frá viðurkenndum mjólkurbúum, svo og aðra þá mjólk, sem verðjöfnunargjald er greitt af samkv. lögum um meðferð og sölu mjólkur og rjóma, nr. 1/1935.
   b. Allt verðjöfnunarskylt kjöt, sem selt er á innlendum markaði samkvæmt ráðstöfun kjötverðlagsnefndar, sbr. lög nr. 2 9. jan. 1935.
d. (4. gr.) Þegar verðlagsnefndir ákveða heildsöluverð á vörum þeim, er um ræðir í 1. gr., skulu þær, eftir að hafa ákveðið verðlag þessara vara, bæta við því gjaldi, er 1. gr. ákveður.
e. (5. gr.) Gjöld til ferðasjóðs innheimtir:
   a. Kjötverðlagsnefnd að því leyti, sem gjald þetta greiðist af seldu kjöti.
   b. Mjólkurbú og mjólkursamsölur að því leyti, sem gjald þetta greiðist af mjólk og mjólkurvörum, eftir því sem sala á þeim vörum segir til um.
   Fé það, er þannig innheimtist, skal afhent Búnaðarfélagi Íslands til varðveizlu, þegar gengið er frá ársreikningum viðkomandi innheimtustofnunar.
f. (6. gr.) Búnaðarfélag Íslands skal skipta hinum árlegu tekjum ferðasjóðs milli búnaðarsambandanna, en búnaðarsamböndin milli hreppabúnaðarfélaganna, hvert á sínu sambandssvæði. Styrk úr ferðasjóði skal aðallega verja til þess að standast kostnað við hópferðir sveitafólks til að kynnast fjarlægum héruðum, búnaðarháttum þar og búnaðarframkvæmdum. Einnig er heimilt að verja fé úr sjóðnum til þess að greiða fyrir fátæka einyrkja, er ekki eiga heimangengt, nauðsynlega aðstoð við heimilisstörf, meðan á ferðinni stendur.
g. (7. gr.) Ráðherra setur reglugerð, að fengnum tillögum Búnaðarfélags Íslands, um allar nánari framkvæmdir samkvæmt lögum þessum, þar á meðal um innheimtu gjaldsins og úthlutun fjárins.
h. (8. gr.) Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 447. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Við 6. gr. Greinin orðist svo:

Á eftir 7. gr. laganna koma 3 nýjar greinar, er verða 8., 9. og 10. gr., svo hljóðandi:

a. (8. gr.) Við fiskveiðasjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita 2. og 3. veðréttar lán til byggingar fiskibáta innan 150 smálesta. Til þessarar deildar ganga frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu. Úr sjóði þessum skal veita lán til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Lán, sem veitt eru úr sjóði þessum, skulu vera vaxtalaus í 10 ár og afborgunarlaus fyrstu 5 árin. Lánin veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Lán úr þessum sjóði má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins. Við lánveitingar úr sjóðnum skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi stundar sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Lán úr sjóði þessum má veita til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun lána taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið. Í reglugerð sjóðsins skulu sett ýtarlegri ákvæði um starfsemi þessarar deildar og ákvæði, er miði að því að fyrirbyggja misnotkun á hlunnindum þessara lána.

b. (9. gr.) Auk þeirra tekna, sem um er rætt í 8. gr., leggur ríkissjóður deildinni til 2 milljónir króna á árinu 1943. Skal fé þessu varið til að veita styrki til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Styrkur þessi veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Styrkur til hvers skips má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins, þó aldrei yfir 75000 kr. á skip.

Við úthlutun styrksins skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi stundar sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Styrkur þessi veitist til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun fjárhæðar styrkja taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt, og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið.

Ríkisstjórnin setur reglugerð um styrkveitingar úr sjóðnum í samráði við sjóðsstjórnina og að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands og fiskimálanefndar. Þar skulu sett ákvæði til tryggingar því, að styrkirnir verði ekki misnotaðir með því að verzla með þá, eða á annan hátt, og um refsiákvæði fyrir brot á styrkskilyrðum og reglugerð, sem sett er um þetta efni.

Styrkjum samkvæmt ákvæðum þessarar greinar úthlutar stjórn fiskveiðasjóðs Íslands, að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands og fiskimálanefndar.

Lán samkv. 8. gr. og styrk samkv. 9. gr. má eigi veita út á sama skip.

c. (10. gr.) Útborgun lána samkv. 8. gr. og styrkja samkv. 9. gr. skal haga svo, að ⅓ láns og styrks greiðist, þegar kjölur er lagður og meginhluti efnis er kominn á staðinn, ⅓ þegar skipið er byrt og þiljur lagðar og vél skipsins komin á staðinn. Lokagreiðsla fer fram, þegar skipið er fullsmíðað, virt og vátryggt.

## Ed. 448. Lög

um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar.

(Afgreidd frá Ed. 19. febr.)

Samhljóða þskj. 437.

# Ed. 449. Frumvarp til laga

um lendingarbætur á Vattarnesi við Reyðarfjörð.

Flm.: Ingvar Pálmason.

1. gr.

Til lendingarbóta á Vattarnesi við Reyðarfjörð skal úr ríkissjóði veittur helmingur kostnaðar, eftir áætlun, sem atvinnumálaráðherra hefur samþykkt, þegar fé er til þess veitt í fjárlögum, allt að 40 þús. kr., gegn jafnmiklu tillagi annars staðar að. Fjárhæð þessi greiðist lendingarsjóði Vattarness að jafnri tiltölu og lendingarsjóðurinn leggur fram til lendingarbótanna.

2. gr.

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 40 þúsund króna lán, er hreppsnefnd Fáskrúðsfjarðarhrepps kann að taka í innlendri lánsstofnun til lendingarbótanna. Lánsábyrgðin skal bundin því skilyrði, að umsjón verksins og reikningshald sé falið manni, er atvinnumálaráðueytið telur til þess færan.

3. gr.

Sérhver er skyldur að láta af hendi mannvirki og land, er þarf til að gera lendingarbæturnar, eða undir brautir og vegi í þarfir þeirra, svo sem leyfa, að tekið verði í landi hans, hvort heldur er grjót, möl eða önnur jarðefni, og þola þær eignakvaðir, óhagræði eða takmörkun á afnotarétti, sem lendingarbæturnar hafa í för með sér, allt gegn því, að fullar bætur komi fyrir. Náist ekki samkomulag um bæturnar, skulu þær ákveðnar með mati tveggja dómkvaddra manna, að tilkvöddum báðum málsaðilum. Kostnaðurinn við matið greiðist úr lendingarsjóði Vattarness. Nú vill annar hvor málsaðili ekki una mati, og getur hann heimtað yfirmat, en gera skal hann það innan 14 daga frá því að matsgerð er lokið. Yfirmatið skal framkvæmt á sama hátt af 4 dómkvöddum mönnum. Kostnaðinn við yfirmatið greiðir sá, er þess hefur krafizt, ef matsfjárhæðinni verður ekki breytt meira en sem nemur 10% af hinni ákveðnu endurgjaldsfjárhæð, ella greiðist kostnaðurinn úr lendingarsjóði.

4. gr.

Meðfram strandlengju lendingarinnar, eftir því sem nánar verður ákveðið í reglugerð, má ekki gera neitt mannvirki til lendingarbóta, né heldur halda þar úti bátum til útgerðar, nema samþykki hreppsnefndar Fáskrúðsfjarðarhrepps komi til.

Brot gegn þessum ákvæðum varða sektum 1000—10000 kr.

5. gr.

Framkvæmd lendingarmála og eftirlit með lendingunni hafa þrír menn, er hreppsnefnd Fáskrúðsfjarðarhrepps kýs. Skulu þeir kosnir hvert sinn að afloknum hreppsnefndarkosningum, og gildir kosning þeirra til loka kjörtímabils hreppsnefndarinnar. Til sama tíma skulu kosnir jafnmargir varamenn. Hreppsnefnd Fáskrúðsfjarðarhrepps fer með framkvæmd þessara mála, unz hreppsnefndarkosningar fara næst fram.

6. gr.

Eignum lendingarsjóðs má aðeins verja í þarfir lendingarinnar. Hreppssjóður Fáskrúðsfjarðarhrepps ábyrgist skuldir sjóðsins, og hreppsnefndin er ábyrg fyrir eignum lendingarinnar.

7. gr.

Hreppsnefnd má ekki án leyfis atvinnumálaráðuneytisins selja eða veðsetja fasteignir lendingarsjóðs, kaupa nýjar fasteignir eða taka lán til lengri tíma en svo,

að þau verði greidd af tekjum næsta árs, né endurnýja slík lán, og ekki heldur gera mannvirki við lendinguna, svo stórvaxin, að árstekjur hrökkvi ekki til að koma þeim í framkvæmd.

8. gr.

Til þess að standa straum af kostnaði við byggingu og viðhald lendingarvirkjanna og til árslegs rekstrarkostnaðar lendingarinnar er heimilt að innheimta í lendingarsjóð Vattarness allt að 6% af brúttóverði afla hvers báts, er haldið er úti til fiskveiða frá Vattarnesi, vörugjald af vörum, sem fluttar eru í land eða úr landi innan takmarka Vattarnesslendingar, svo og önnur gjöld, er ákveðin kunna að verða í reglugerð samkvæmt 12. gr. Heimilt er að innheimta gjöld í lendingarbótasjóð, þegar byrjað er á verkinu.

Gjöld þessi má taka lögtaki, og ganga þau fyrir sjóveðum.

9. gr.

Reikningsár lendingarsjóðs er almanaksárið.

10. gr.

Fyrir 1. dag desembermánaðar ár hvert ber stjórn lendingarsjóðs að semja áætlun um tekjur og gjöld sjóðsins næsta ár og senda hana atvinnumálaráðuneytinu til samþykktar.

11. gr.

Fyrir lok febrúarmánaðar ár hvert skal stjórn lendingarsjóðs gera reikning yfir tekjur og gjöld sjóðsins á liðnu ári. Reikninginn skal endurskoða og úrskurða á sama hátt og sveitarsjóðsreikninga.

12. gr.

Í reglugerð, sem hreppsnefnd Fáskrúðsfjarðarhrepps semur og atvinnumálaráðuneytið staðfestir, skal kveða á um allt það, er lýtur að stjórn lendingarsjóðs, viðhald lendingarbóta, umferð og góðri reglu í lendingunni, báta- og bryggjugjöld og fleira, ef þurfa þykir.

Í reglugerð má ákveða sektir fyrir brot gegn henni, 20—10000 kr. Sektir renna í lendingarsjóð.

13. gr.

Með mál út af brotum gegn lögum þessum og reglugerðum, er settar kunna að verða samkvæmt þeim, skal fara sem almenn lögreglumál.

14. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Greinargerð.

Vattarnes við Reyðarfjörð er ein með fiskisælustu útnesjaverstöðvum fyrir smábáta á Austfjörðum. Ganga þaðan árlega 10—15 opnir vélbátar til fiskiveiða. Aðstaða er að ýmsu leyti erfið í lendingunni, einkum ef norðan- eða austanátt er á. Hafa á undanförnum árum komið fram eindregnar óskir um lendingarbætur á þessum stað. Fyrir nokkrum árum fór fram rannsókn á lendingarbótum á Vattarnesi, og var þá áætlað, að viðunanlegar endurbætur mundu kosta rúmar 20 þús. kr., miðað við þáverandi verðlag.

Það skal tekið fram, að jörðin Vattarnes og allt land, sem liggur að lendingunni, er eign ríkisins.

Nánar í framsögu.

## Nd. 450. Nefndarálit

um frv. til l. um greiðslu íslenzkra afurða.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frumv. og leggur til, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 20. febr. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Jörundur Brynjólfsson. frsm.

Gunnar Thoroddsen. Áki Jakobsson.

## Nd. 451. Frumvarp til laga

um dýrtíðarráðstafanir.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

### I. KAFLI

**Sameiginleg ákvæði um álagning skatta til ríkissjóðs árið 1943.**

1. gr.

Skattfrelsi það, sem félögum er veitt samkvæmt 1. málsl. 3. málsgr. 3. gr. laga nr. 20/1942, skal niður falla. Félög samkvæmt 2. málslið 3. málsgr. sömu greinar, þau, er sjávarútveg reka, og aðilar þeir, er í g-lið 14. gr. sömu laga greinir, skulu halda skattfrelsi samkvæmt síðast nefndum ákvæðum, enda sé allt varasjóðstillag og frádráttur samkvæmt áður nefndum ákvæðum lagður í nýbyggingarsjóð, sbr. b- til g-lið 14. gr. laga nr. 20/1942.

Félög þau, er lögum samkvæmt geta ekki úthlutað varasjóði sínum, sbr. 3. gr. laga nr. 46/1937, halda frádráttarheimild sinni samkvæmt 2. málslið 3. málsgr. laga nr. 20/1942.

Nefnd þeirri, er greinir í e-lið 14. gr. laga nr. 20/1942, er heimilt að veita frest, allt að tveimur árum, til að inna af hendi fulla greiðslu til nýbyggingarsjóðs, ef gjaldþegn færir sönnur á, að hann skorti til þess reiðufé eftir greiðslu opinberra gjalda, nema með lántöku, enda sjái nefndin um, að næg trygging sé fyrir greiðslunni í sjóðinn.

2. gr.

Þeim tekjuauka, sem ríkissjóður fær vegna ákvæða þessara laga, með þeirri undantekningu, er greinir í III. kafla, er ríkisstjórninni heimilt að nota til lækkunar dýrtíð í landinu og til að halda niðri verði á nauðsynjum. Ef afgangur verður, þá skal hann renna í framkvæmdasjóð ríkisins.

3. gr.

Ákveða má með reglugerð, að hærri fyrningarfrádrátt en almennt megi reikna hjá þeim fyrirtækjum, sem mestmegnis starfa að útflutningsframleiðslu eða vinnslu úr íslenzkum hráefnum, ef þau færa sönnur á, að skip, frystihús, verksmiðjur eða önnur framleiðslutæki þeirra hafi verið byggð eða smíðuð hér á landi eða keypt frá útlöndum með verulega hærra verði en verið mundi hafa fyrir styrjöldina, enda hafi fullrar hagsýni verið gætt í slíkum framkvæmdum.

## II. KAFLI
### Um viðreisnarskatt og skyldusparnað.

4. gr.

Auk skatta þeirra, sem í 6. gr. laga nr. 6/1935, sbr. 1. gr. laga nr. 20/1942, og í lögum nr. 21/1942 getur, skal árið 1943 leggja á tekjur ársins 1942 skatt, er nefnist *viðreisnarskattur*, samkvæmt eftirfarandi reglum.

Af skattskyldum tekjum lægri en 6000 kr. greiðist enginn viðreisnarskattur.

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Af | 6000— | 9000 kr. | greiðist | 130 kr. | af | 6000 | og | 5 % af afgangi |
| — | 9000— | 11000 — | — | 280 — | — | 9000 | — | 6 — — — |
| — | 11000— | 13000 — | — | 400 — | — | 11000 | — | 7 — — — |
| — | 13000— | 15000 — | — | 540 — | — | 13000 | — | 8 — — — |
| — | 15000— | 17000 — | — | 700 — | — | 15000 | — | 9 — — — |
| — | 17000— | 25000 — | — | 880 — | — | 17000 | — | 10 — — — |
| — | 25000— | 30000 — | — | 1680 — | — | 25000 | — | 15 — — — |
| — | 30000— | 100000 — | — | 2430 — | — | 30000 | — | 20 — — — |
| — | 100000— | 125000 — | — | 16430 — | — | 100000 | — | 15 — — — |
| — | 125000— | 150000 — | — | 20180 — | — | 125000 | — | 10 — — — |
| — | 150000— | 175000 — | — | 22680 — | — | 150000 | — | 5 — — — |
| — | 175000— | 200000 — | — | 23930 — | — | 175000 | — | 5 — — — |
| — | 200000 og yfir | | — | 25180 — | — | 200000 | — | 0 — — — |

5. gr.

Hluti af viðreisnarskatti skal vera geymdur hjá ríkissjóði og endurgreiðist þannig:

Skattgjald, sem eigi nemur yfir 400 kr., endurgreiðist að fullu.

Af hærra skattgjaldi endurgreiðast 25%, þó aldrei yfir 2000 kr. til hvers skattþegns.

6. gr.

Ríkissjóður greiðir enga vexti af geymslufé samkvæmt 5. gr., en það er undanþegið eignarskatti. Geymsluféð endurgreiðist á næstu 2—5 árum eftir lok núverandi styrjaldar í Evrópu, eftir nánari ákvæðum, er setja skal í reglugerð.

7. gr.

Um álagningu, gjalddaga, lögtaksrétt, viðurlög og innheimtu viðreisnarskatts fer annars að lögum um eignar- og tekjuskatt.

## III. KAFLI
### Um eignaraukaskatt.

8. gr.

Á árinu 1943 skal leggja sérstakan skatt á eignaaukningu, sem orðið hefur á landi hér árin 1940 og 1941, og er umfram 50000 kr. hjá hverjum skattþegni. Skattinn skal greiða svo sem hér segir:

Af 50—100 þúsund krónum greiðist 5% og hækkar skatturinn um 1% fyrir hverjar 100 þúsund krónur, sem þar eru fram yfir, þangað til eignaaukningin hefur náð 2 milljónum króna, en af því, sem þar er fram yfir, greiðist 25%.

9. gr.

Áður en skattur er á lagður, skal draga frá eignaaukningunni skatta og útsvar lagt á árið 1942, svo og það fé, sem lagt hefur verið í nýbyggingarsjóð, og lög-

heimilaðan tapsfrádrátt útgerðarfélaga. En fjárhæð eignaraukans áður en þessi frádráttur er gerður, ákveður skattstig aðila.

Heimilt skal fjármálaráðherra, að fengnu áliti ríkisskattanefndar, að færa eignaraukaskatt niður eða veita gjaldfrest á honum að einhverju leyti, allt að þremur árum, ef sérstaklega stendur á, svo sem ef eignaraukinn er bundinn í fyrirtækjum, gjaldþegn verður fyrir óhöppum, er hann fær eigi bætt o. s. frv.

10. gr.

Tekjum þeim, er fást samkvæmt þessum kafla, skal varið til að reisa hús yfir ráðuneytin, hæstarétt og helztu stofnanir ríkisins.

11. gr.

Ákvæði 7. gr. laga þessara taka til eignaraukaskattsins, eftir því sem við á.

## IV. KAFLI.

## Um greiðslu verðlagsuppbótar á laun samkvæmt vísitölu.

12. gr.

Frá byrjun næsta mánaðar eftir gildistöku laga þessara skal aðeins greidd dýrtíðaruppbót, er nemur 80% af verðlagsuppbót samkvæmt framfærsluvísitölu, á laun eða kaup fyrir hvaða starf sem vera skal eða annað, sem slík uppbót hefur verið greidd af, og eigi af hærri grunnlaunum en um opinbera starfsmenn segir. Brot á þessu ákvæði varða greiðanda sektum.

## V. KAFLI.

## Um verð landbúnaðarafurða.

13. gr.

Meðan lög þessi eru í gildi má kjötverðlagsnefnd, mjólkurverðlagsnefnd og verðlagsnefnd Grænmetisverzlunar ríkisins ekki ákveða hærra verð á landbúnaðarafurðum en lög þessi mæla.

14. gr.

Jafnskjótt sem greiðsla verðlagsuppbótar hefst samkvæmt IV. kafla þessara laga, skal verð allra landbúnaðarafurða, sem verðlagðar eru samkvæmt sérstökum lögum, lækka um 10% — tíu af hundraði — frá því verði, sem á þeim var 31. des. 1942. Hafi einhverjir framleiðenda þessara afurða þegar fengið greitt fullt verð fyrir kjöt, sem enn er óselt, skal sú lækkun, sem í þeirra hlut hefði annars komið, dregin frá útborgun til þeirra á verðuppbót úr ríkissjóði fyrir ull og gærur af framleiðsu ársins 1942.

15. gr.

Skipa skal 5 manna nefnd, er nefnist kauplagsnefnd landbúnaðarafurða. Fjórir nefndarmenn skulu kosnir af Alþingi, en fimmta manninn skipar ríkisstjórnin, og sé hann formaður nefndarinnar. Nefndin skal semja verðlagsskrá yfir framfærslu- og framleiðslukostnað landbúnaðarins, og skal hún gera á þeim grundvelli vísitölu eða vísitölur, sem fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara. Þó er ríkisstjórninni heimilt að ákveða lægra verð á einstökum vörutegundum gegn framlagi úr ríkissjóði.

Hafi nefndin eigi lokið þessu fyrir 1. maí 1943, skal þá og þar til vísitölugrundvöllur hefur verið lagður, sú regla gilda, að mjólk og mjókurvörur lækki um 1% fyrir hvert stig framfærsluvísitölu undir 230 niður í 200 stig, en 1% fyrir hver 2 stig þar undir.

Sama regla gildir um verðlækkun á kjöti og kartöflum og grænmeti eftir 1. sept. 1943, hafi þá eigi verið af nefndinni ákveðinn grundvöllur fyrir vísitölu landbúnaðarvara.

16. gr.

Um leið og sú verðlækkun kemur til framkvæmda, sem getur í 14. gr., skal ríkisstjórnin gera ráðstafanir til, með framlagi úr ríkissjóði, að verð á dilkakjöti færist niður í kr. 4.50 hvert kíló í smásölu og aðrar tegundir kindakjöts eftir því. Enn fremur að nýmjólkurverð sé fært niður í kr. 1.30 hver lítri og aðrar mjólkurafurðir eftir því. Framlagið úr ríkissjóði til lækkunar á verði kindakjöts miðast við þær birgðir, sem eru í landinu við gildistöku laga þessara. — Framlagið til lækkunar mjólkurverðs falli niður 1. maí 1943.

Meðan sú skerðing á verðlagsuppbót er í gildi, sem getur í 12. gr., skal þess gætt, að hliðstæð skerðing vinnulauna við landbúnað komi fram í verði landbúnaðarafurða, þegar það verður ákveðið samkvæmt vísitölu.

## VI. KAFLI.
## Niðurlagsákvæði.

17. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum fara að hætti opinberra mála.

18. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Ríkisstjórnin hefur lýst yfir því, að hún telji það höfuðverkefni sitt að vinna bug á dýrtíðinni og stuðla að því, að atvinnuvegunum verði komið á svo heilbrigðan grundvöll, að framleiðsla útflutningsvara landsmanna geti haldið áfram samkvæmt því, sem gildandi samningar um sölu afurðanna gera ráð fyrir. Verðbólgan innanlands ógnar nú öllu atvinnulífi þjóðarinnar, og er því ljóst, að vá er fyrir dyrum, ef ekki verða nú þegar gerðar þær ráðstafanir, sem bægt geta hættunni frá og undirbúið varanlega lausn þessa vandamáls.

Með frv. þessu hefur ríkisstjórnin dregið saman tillögur um ráðstafanir, sem hún telur nauðsynlegar til að þrýsta niður verðbólgunni og tryggja rekstur atvinnuveganna fyrst um sinn. Henni er ljóst, að ekki verður tryggð framtíðarlausn þessara vandamála fyrr en jafnvægi næst milli vinnulauna og verðlags innlendra afurða.

Í frv. er gert ráð fyrir því, að sú skipun komizt á, að verð landbúnaðarvara verði framvegis ákveðið samkvæmt sérstakri vísitölu. Þangað til svo getur orðið er ákveðið, að landbúnaðurinn lækki verð á afurðum sínum um 10 af hundraði. Jafnframt er lækkuð verðlagsuppbót á laun eða kaup fyrir hvaða störf sem vera skal niður í 80% í stað 100% framfærsluvísitölu eins og nú er. Á þann hátt lækka þeir, sem laun taka, kröfur sínar í svipuðum mæli og landbúnaðurinn. Hins vegar verður óvenjulegur eignarskattur krafinn af þeim, sem aukið hafa eignir sínar árin 1940 og 1941, og sérstakur skattur lagður á tekjur ársins 1942, og tekur sá skattur sérstaklega til hárra miðlungstekna. Af lægri tekjunum endurgreiðist skattþegnum fjórðungur skattsins að ófriðnum loknum.

Á þennan hátt er sett á alla þegna þjóðfélagsins sú byrði, er landsmenn verða á sig að taka til þess að komast út úr því öngþveiti, sem verðbólgan hefur skapað. Sú fórn, sem hér er krafizt af öllum stéttum þjóðfélagsins, er ekki stór í samanburði við þær þrengingar, sem þjóðin yrði að þola, ef verðbólgan héldi áfram að vaxa þar

til allir atvinnuvegir landsmanna stöðvuðust og framleiðslan félli í rúst og innstæður einstaklinga og opinberir sjóðir yrðu að engu.

Með þeim aðgerðum, sem frv. gerir ráð fyrir, mundi verðbólgan minnka að mun þegar í stað. Væri þá um leið snúið við og inn á rétta braut.

## Ed. 452. Frumvarp til laga

um rannsókn skattamála.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Landinu skal skipta í fjögur rannsóknarumdæmi skattamála, enda skal dómsmálaráðherra ákveða takmörk þeirra. Til rannsóknar mála varðandi tekjuskatt og eignarskatt samkvæmt hverjum þeim lögum, sem um þau efni eru sett eða verða sett, skipar dómsmálaráðherra í hverju umdæmi lögfræðing, er hafi heimild til að halda dómþing og stefna fyrir sig vitnum og yfirheyra þau og dómkveðja menn til skoðunar eða mats hvar sem vera skal í umdæmi hans, svo og til að framkvæma allar nauðsynlegar dómsathafnir í þarfir rannsóknar að hætti opinberra mála. Í umdæmi því, sem Reykjavík er í, má skipa 2 eða 3 rannsóknardómara, er þó þurfa eigi allir að vera löglærðir, og ákveður dómsmálaráðherra starfssvið þeirra.

2. gr.

Rannsóknardómarar í skattamálum hefja rannsókn af sjálfsdáðum, ef þeim þykir nauðsyn til bera, eða að fyrirlagi dómsmálaráðherra eða fjármálaráðherra eða eftir kröfu skattanefndar (skattstjóra), yfirskattanefndar eða ríkisskattanefndar. Að rannsókn lokinni sendir rannsóknardómari þeim aðila, er átt hefur frumkvæði að rannsókn, og fjármálaráðherra, ef dómari hefur framkvæmt rannsókn af sjálfsdáðum, eftirrit af rannsókn með greinargerð um niðurstöðu, enda hlutast hver téðra aðila um frekari afgreiðslu máls lögum samkvæmt.

3. gr.

Ríkissjóður greiðir kostnað af framkvæmdum lögum þessum samkvæmt.

4. gr.

Lög þessi skal endurskoða fyrir reglulegt Alþingi 1945. Þau öðlast þegar gildi, og er 11. gr. laga nr. 20 frá 20. maí 1942 frá sama tíma úr gildi fallin.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Mjög þykir á það skorta, að tekjur manna og eignir komi fram til álagningar tekjuskatts og eigna. Þykir því sýnt, að skattstjórnarvöld þurfi aðstoðar í starfi sínu, og að sú aðstoð muni bezt veitt með atbeina manna, er dómsvald hafi til rannsóknar einstakra mála, þar sem skattstjórnarvöld telja ástæðu til. Einn maður sýnist alls ekki munu komast yfir öll slík rannsóknarmál um land allt. Fyrir því er lagt til, að landinu verði skipt í rannsóknarumdæmi með rannsóknardómara í hverju þeirra. Ósýnt er, hversu fyrirmæli laga þessara reynast, enda kann reynslan að sýna, að önnur skipun muni hentugri, og er því lagt til, að ákvæði frv., ef það verður að lög-

um, skuli endurskoða. Má ætla, að nokkur reynsla verði fengin árin 1943 og 1944, og sýnist því hentugt, að endurskoðun á lögunum fari fram eigi síðar en fyrir reglulegt Alþingi 1945.

Hallkvæmt þykir að setja ákvæði um rannsókn skattamála í sérstökum lögum. Sýnist ekki fallið að láta endurskoðun á 11. gr. laga nr. 20/1942 bíða eftir þeim breytingum eða aukum, sem við gildandi skattalög kunna að verða gerðar á þessu ári eða síðar.

## Nd. 453. Breytingartillaga

við frv. til laga um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943.

Frá Skúla Guðmundssyni og Eysteini Jónssyni.

Við 1. gr. bætist ný málsgrein, svo hljóðandi:

Nú eru hreinar tekjur gjaldanda lægri árið 1942, samkvæmt skattaframtali, en þær voru árið 1941, og getur hann þá krafizt hlutfallslegrar lækkunar á útsvarsgreiðslum samkvæmt lögum þessum. Þetta gildir þó aðeins, ef tekjurýrnunin hefur numið 30% eða þar fram yfir.

## Nd. 454. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 16 6. apríl 1939, um breyt. á l. nr. 68 28. des. 1934, um útvarpsrekstur ríkisins.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og telur rétt að mæla með framgangi þess.

Alþingi, 20. febr. 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. — Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. — Gunnar Thoroddsen, frsm.

Jörundur Brynjólfsson, með fyrirv. — Áki Jakobsson.

Sþ.

# 455. Fjárlög

fyrir árið 1943.

(Afgreidd 15. febr.).

## I. KAFLI

### Tekjur:

1. gr.

Árið 1943 er ætlazt til, að tekjur ríkisins verði svo sem talið er í 2.—5. gr., og að þeirra verði aflað með tekjugreinum, sem þar eru taldar.

2. gr.

Áætlað er, að þessir skattar og tollar nemi:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Fasteignaskattur | 850000 | |
| 2. Tekjuskattur og eignarskattur og stríðsgróðaskattur | 23000000 | |
| 3. Lestagjald af skipum | 65000 | |
| | | 23915000 |
| 4. Aukatekjur | 700000 | |
| 5. Erfðafjárskattur | 100000 | |
| 6. Vitagjald | 350000 | |
| 7. Leyfisbréfagjöld | 100000 | |
| 8. Stimpilgjald | 1200000 | |
| 9. Bifreiðaskattur | 800000 | |
| 10. Benzínskattur | 700000 | |
| | | 3950000 |
| 11. Útflutningsgjald | 1000000 | |
| 12. Vörumagnstollur | 6000000 | |
| 13. Verðtollur | 21500000 | |
| | | 28500000 |
| 14. Gjald af innlendum tollvörum | | 1000000 |
| 15. Veitingaskattur | | 250000 |
| Samtals ... | . . . | 57615000 |

3. gr.

Tekjur af rekstri ríkisstofnana eru áætlaðar:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **A.** | | |
| 1. | Rekstrarhagnaður landssímans | 1428000 | |
| 2. | — áfengisverzlunar | 3500000 | |
| 3. | — tóbakseinkasölu | 2500000 | |
| 4. | — ríkisútvarps | 243000 | |
| 5. | — ríkisprentsmiðju | 150000 | |
| 6. | — landssmiðju | 100000 | |
| | | 7921000 | |
| | ÷ Tap á rekstri póstsjóðs | 160000 | |
| | | | 7761000 |
| | **Samtals** ... | . . . | 7761000 |
| | **Sundurliðun.** | | |
| | **1. Póstsjóður.** | | |
| I. | Tekjur | | 2500000 |
| II. | Gjöld: | | |
| 1. | Póststjórnarkostnaður | 220000 | |
| 2. | Pósthúsið í Reykjavík | 940000 | |
| 3. | Önnur pósthús | 550000 | |
| 4. | Póstflutningar | 780000 | |
| 5. | Önnur gjöld | 160000 | |
| 6. | Fyrning | 10000 | |
| | | | 2660000 |
| | Mismunur (halli) ... | . . . | 160000 |
| | **2. Landssíminn.** | | |
| I. | Tekjur | | 9000000 |
| II. | Gjöld: | | |
| a. | Til notendasíma í sveitum | 100000 | |
| b. | Til starfrækslu landssímanna m. m.: | | |
| 1. | Kostnaður af aðalskrifstofu landssímans 450000 | | |
| 2. | Ritsímastöðin í Reykjavík ... 1220000 | | |
| 3. | Loftskeytastöðin í Reykjavík ... 110000 | | |
| 4. | Stuttbylgjustöðin í Reykjavík ... 150000 | | |
| 5. | Bæjarsíminn í Reykjavík og Hafnarfirði 2100000 | | |
| 6. | Áhaldahúsið ... 120000 | | |
| 7. | Ritsímastöðin á Akureyri ... 250000 | | |
| 8. | Ritsímastöðin á Seyðisfirði ... 200000 | | |
| 9. | Ritsímastöðin á Ísafirði ... 110000 | | |
| 10. | Símastöðin á Borðeyri ... 65000 | | |
| 11. | Símastöðin í Vestmannaeyjum ... 100000 | | |
| 12. | Símastöðin á Siglufirði ... 140000 | | |
| 13. | Til annarra símstöðva og eftirlitsstöðva 600000 | | |
| 14. | Til starfrækslu talstöðva á afskekktum stöðum ... 1000 | | |
| | | 5616000 | |
| | Uppbót á laun greiðist eftir sömu reglum og 1941, enda færist þær greiðslur á framangreinda liði viðkomandi stöðva. | | |
| | **Flyt** ... | 5716000 | 9000000 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 5716000 | 9000000 |
| c. Eyðublöð, prentkostnaður, ritföng m. m. ..... | 200000 | |
| d. Viðbót og viðhald stöðva ..... | 350000 | |
| e. Kostnaður af ferðalögum etc. ..... | 18000 | |
| f. Viðhald landssímanna ..... | 1000000 | |
| g. Framhaldsgjald ..... | 160000 | |
| h. Til kennslu handa símamönnum ..... | 5000 | |
| i. Tillag til alþjóðaskrifstofunnar í Berne ..... | 6000 | |
| j. Ýmis gjöld ..... | 25000 | |
| Þar af 1000 krónur til fyrrv. símaverkstjóra, eftir tillögum símamálastjóra. | | |
| k. Fyrning á húsum og áhöldum ..... | 80000 | |
| l. Burðargjald ..... | 12000 | |
| | | 7572000 |
| **Fært á 3. gr. A. 1** | . . . | 1428000 |
| Eignabreytingar. | | |
| Út. | | |
| I. Afborgun af lánum L. M. Ericsson, Marconi o. fl. ... | | 200000 |
| II. Til viðauka símakerfa, smærri efnis- og áhaldakaupa | | 250000 |
| III. Til talstöðva í báta og skip ..... | | 150000 |
| IV. Til loftskeytastöðva í skip ..... | | 50000 |
| V. Til birgðahúss í Reykjavík ..... | | 500000 |
| VI. Til póst- og símahúss á Akureyri ..... | | 200000 |
| **Fært á 20. gr. Út I. 2. og II. 1** | . . . | 1350000 |
| 3. Áfengisverzlun ríkisins. | | |
| I. Tekjur (brúttó hagnaður) ..... | | 4500000 |
| II. Gjöld: | | |
| a. Laun starfsmanna og vinnulaun ..... | 524000 | |
| b. Útsvar ..... | 100000 | |
| c. Framlag til Menningarsjóðs ..... | 25000 | |
| d. Kostnaður við áfengisúthlutun ..... | 223000 | |
| e. Annar kostnaður ..... | 118000 | |
| f. Fyrning á fasteign og áhöldum ..... | 10000 | |
| | | 1000000 |
| **Fært á 3. gr. A. 2** | . . . | 3500000 |
| 4. Tóbakseinkasalan. | | |
| I. Tekjur (brúttó hagnaður) ..... | | 3200000 |
| II. Gjöld: | | |
| a. Laun ..... | 375000 | |
| b. Annar kostnaður ..... | 225000 | |
| c. Útsvar, áætlað tap á skuldum o. fl. ..... | 100000 | |
| | | 700000 |
| **Fært á 3. gr. A. 3** | . . . | 2500000 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| **5. Ríkisútvarpið.** | | | |
| I. Tekjur: | | | |
| a. Afnotagjöld | | 1050000 | |
| b. Aðrar tekjur | | 350000 | |
| | | | 1400000 |
| II. Gjöld: | | | |
| a. Starfræksla: | | | |
| 1. Starfsmannalaun | 530000 | | |
| 2. Útvarpsefni (þar með talin laun hljóðfæraleikara) | 265000 | | |
| 3. Til málvöndunar | 5000 | | |
| 4. Skrifstofukostnaður | 95000 | | |
| 5. Húsaleiga, ljós og hiti | 65000 | | |
| 6. Til útvarpsstöðva | 185000 | | |
| 7. Til hleðslustöðva, viðgerðarferða og til að greiða fyrir útvarpsnotum | 30000 | | |
| 8. Óviss gjöld | 25000 | | |
| | | 1200000 | |
| b. Vextir | | 23000 | |
| c. Fyrning á húsum og vélum | | 50000 | |
| | | | 1273000 |
| **Hagnaður** | | . . . | 127000 |
| III. Rekstur viðtækjaverzlunar: | | | |
| a. Tekjur | | 350000 | |
| b. Gjöld: | | | |
| 1. Laun starfsmanna | 154000 | | |
| 2. Annar kostnaður | 80000 | | |
| | | 234000 | |
| | | | 116000 |
| **Fært á 3. gr. A. 4** | | . . . | 243000 |
| Eignabreytingar: | | | |
| Afborgun af láni til stækkunar (sjá 20. gr. Út I. 2. b.) .. | | . . . | 91100 |
| **6. Ríkisprentsmiðjan.** | | | |
| I. Tekjur (prentvinna) | | | 1500000 |
| II. Gjöld: | | | |
| 1. a. Laun starfsmanna | 110000 | | |
| b. Vinnulaun og aðkeypt vinna | 800000 | | |
| | | 910000 | |
| 2. Efnivörur | | 275000 | |
| 3. Vélarekstur og viðhald | | 36000 | |
| 4. Vextir | | 7000 | |
| 5. Annar kostnaður | | 101000 | |
| 6. Fyrning | | 21000 | |
| | | | 1350000 |
| **Fært á 3. gr. A. 5** | | . . . | 150000 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| 7. Landssmiðjan. | | | |
| I. Tekjur: | | | |
| 1. Ágóði á vörum | | 65000 | |
| 2. — á járnsmíðadeild | | 305000 | |
| 3. — á trésmíðadeild | | 60000 | |
| 4. — á málmsteypu | | 10000 | |
| | | | 440000 |
| II. Gjöld: | | | |
| 1. Laun starfsmanna | | 140000 | |
| 2. Vextir | | 25000 | |
| 3. Afsláttur og skuldatöp | | 15000 | |
| 4. Annar kostnaður | | 105000 | |
| 5. Fyrning | | 55000 | |
| | | | 340000 |
| Fært á 3. gr. A. 6 | | . . . | 100000 |
| B. | | | |
| Tekjur af fasteignum ríkissjóðs eru taldar: | | | |
| 1. Tekjur af jarðeignum á Stokkseyri og Eyrarbakka o. fl. | | | 8000 |
| 2. Arnarhvoll: | | | |
| a. Tekjur | | 80000 | |
| b. Gjöld: | | | |
| 1. Vextir | 19911 | | |
| 2. Ýmiss konar rekstrarkostnaður | 56000 | | |
| 3. Fyrning hússins (sjá 20. gr.) | 3649 | 79560 | |
| | | | 440 |
| Samtals ... | | . . . | 8440 |

4. gr.

Tekjur af bönkum og vaxtatekjur eru áætlaðar:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Vextir af bankavaxtabréfum, jarðræktarbréfum og kreppulánasjóðsbréfum | 9000 | |
| 2. Vextir af stofnfé Landsbankans, 6% af 3000000 | 180000 | |
| 3. Vextir af veðd.bréfum Búnaðarbankans, 6% af 1150000 | 69000 | |
| 4. Aðrir vextir | 210000 | |
| | | 468000 |
| Frá dregst: | | |
| Vaxtatap vegna gjaldeyrisvarasjóðs | | 150000 |
| Samtals ... | . . . | 318000 |

5. gr.

Óvissar tekjur eru taldar 50000 kr.

## II. KAFLI

### Gjöld:

6. gr.

Árið 1943 eru veittar til gjalda fjárhæðir þær, sem tilgreindar eru í 7.—19. gr.

7. gr.

Vextir af lánum ríkissjóðs eru taldir:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Innlend lán | | 668312 |
| 2. Lán í dönskum krónum | | 65827 |
| 3. Lán í sterlingspundum | | 501147 |
| 4. Lán í dollurum | | 60694 |
| 5. Lausaskuldir | | 50000 |
| Samtals ... | . . . | 1345980 |

8. gr.

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Kostnaður við æðstu stjórn landsins | | 150000 |

9. gr.

Til alþingiskostnaðar og yfirskoðunar ríkisreikninga er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Til alþingiskostnaðar | | 540000 |
| 2. Til yfirskoðunar ríkisreikninga | | 11719 |
| 3. Fyrning á alþingishúsi (sjá 20. gr.) | | 2170 |
| Samtals ... | . . . | 553889 |

10. gr.

Til ríkisstjórnarinnar er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| I. Stjórnarráðið, ríkisféhirðir, ríkisbókhald o. fl.: | | | |
| 1. Til ráðherra: | | | |
| a. Laun | 50000 | | |
| b. Til risnu | 6000 | | |
| | | 56000 | |
| 2. Stjórnarráðið: | | | |
| a. Laun: | | | |
| 1. Atvinnumálaráðuneytið | 69850 | | |
| 2. Dómsmálaráðuneytið | 53852 | | |
| 3. Fjármálaráðuneytið | 85374 | | |
| 4. Utanríkisráðuneytið | 32000 | | |
| 5. Aðrir starfsmenn | 32412 | | |
| | 273488 | | |
| b. Annar kostnaður | 100000 | | |
| | | 373488 | |
| 3. Ríkisféhirzla og bókhald: | | | |
| a. Laun | 57100 | | |
| b. Annar kostnaður | 30000 | | |
| | | 87100 | |
| 4. Pappír, prentun og hefting ríkisreikninga | | 15000 | |
| 5. Til þess að gefa út stjórnartíðindi: | | | |
| a. Þóknun fyrir ritstjórn tíðindanna o. fl. | 1200 | | |
| b. Til pappírs og prentunar | 70000 | | |
| c. Til kostnaðar af sendingu með póstum | 4500 | | |
| | | 75700 | |
| 6. Til umbóta og viðhalds á stjórnarráðshúsinu og ráðherrabústaðnum og til hitunar og lýsingar | | 50000 | |
| 7. Fyrning á stjórnarráðshúsi og ráðherrabústað (sjá 20. gr.) | | 2046 | |
| | | | 659334 |
| II. Hagstofan: | | | |
| 1. Laun ásamt verðlagsuppbót | | 57000 | |
| 2. Pappír, prentun og hefting hagskýrslna | | 60000 | |
| 3. Prentun eyðublaða | | 5000 | |
| 4. Húsaleiga, hiti og ljós m. m. | | 10000 | |
| 5. Annar kostnaður | | 4000 | |
| | | | 136000 |
| III. Utanríkismál o. fl. | | | |
| 1. Til sendiráðs í Kaupmannahöfn: | | | |
| a. Laun sendifulltrúa | 8000 | | |
| b. Húsaleiga | 8500 | | |
| c. Kostnaður við embættið | 7500 | | |
| d. Til skrifstofuhalds | 22000 | | |
| | | 46000 | |
| Áætluð staðaruppbót til starfsmanna vegna aukinnar dýrtíðar | | 16000 | |
| Flyt ... | | 62000 | 795334 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Flutt ...** | 62000 | 795334 |
| 2. | Til sendiráðs í Stokkhólmi: | | |
| | a. Laun sendifulltrúa ..... 8000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 25600 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 18000 | 51600 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 10500 | |
| 3. | Til sendiráðs í London: | | |
| | a. Laun sendiherra ..... 10000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 28000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 45000 | 83000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 42000 | |
| 4. | Til sendiráðs í Washington: | | |
| | a. Laun sendiherra ..... 10000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 40000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 46000 | 96000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 48000 | |
| 5. | Til aðalræðismannsskrifst. í New York: | | |
| | a. Laun aðalræðismanns ..... 8000 | | |
| | b. Húsaleiga og kostnaður ..... 35000 | | |
| | c. Til skrifstofuhalds ..... 34000 | 77000 | |
| | Áætluð staðaruppbót vegna aukinnar dýrtíðar .... | 38000 | 508100 |
| 6. | Kostnaður vegna samninga við erlend ríki ..... | | 60000 |
| | **Samtals ...** | . . . | 1363434 |

11. gr.

Til dómgæzlu, lögreglustjórnar o. fl. er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | A. | | |
| | Dómgæzla og lögreglustjórn. | | |
| 1. | Hæstiréttur: | | |
| | a. Laun ..... | 32000 | |
| | b. Annar kostnaður ..... | 30000 | 62000 |
| 2. | Laun bæjarfógeta, sýslumanna og lögreglustjóra .... | | 150400 |
| 3. | Laun hreppstjóra ..... | | 45000 |
| 4. | Skrifstofukostnaður lögmannsins í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 55500 | |
| | b. Húsaleiga, hiti, ljós og ræsting ..... | 9000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 10000 | 74500 |
| 5. | Skrifstofukostnaður tollstjórans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun og aðstoð ..... | 220000 | |
| | b. Húsaleiga, ljós og hiti ..... | 35000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 65000 | 320000 |
| | **Flyt ...** | . . . | 651900 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 651900 |
| 6. | Skrifstofukostnaður lögreglustjórans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 21000 | |
| | b. Ljós, hiti og ræsting ..... | 19000 | |
| | c. Ýmis gjöld ..... | 20000 | |
| | | | 60000 |
| 7. | Skrifstofukostnaður sakadómarans í Reykjavík: | | |
| | a. Laun ..... | 45600 | |
| | b. Annar kostnaður ..... | 33000 | |
| | c. Húsaleiga, ljós, hiti og ræsting ..... | 15800 | |
| | | | 94400 |
| 8. | Toll- og löggæzla: | | |
| | a. Í Reykjavík: | | |
| | 1. Laun og aðstoð ..... 160000 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 110000 | | |
| | | 270000 | |
| | b. Utan Reykjavíkur: | | |
| | 1. Laun ..... 54400 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 45500 | | |
| | | 99900 | |
| | c. Eftirlit á vegum: | | |
| | 1. Laun ..... 5400 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... 16000 | | |
| | | 21400 | |
| | | | 391300 |
| 9. | Bifreiðaeftirlit: | | |
| | a. Laun ..... 28500 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 40000 | | |
| | | 68500 | |
| | ÷ Prófgjöld og skoðunargjöld ..... | 40000 | |
| | | | 28500 |
| 10. | Hluti ríkissjóðs af lögreglukostnaði ..... | | 550000 |
| 11. | Skrifstofukostnaður sýslumanna, bæjarfógeta og lögreglustjóra ..... | | 200220 |
| 12. | Til landhelgisgæzlu ..... | | 1250000 |
| 13. | Til hegningarhússins í Reykjavík og viðhaldskostnaðar fangahúsa ..... | | 30000 |
| | (Þar af fyrning 1770 kr., sjá 20. gr.). | | |
| 14. | Til vinnuhælisins á Litla-Hrauni: | | |
| | Rekstrarhalli ..... | | 150000 |
| | (Þar af fyrning 5300, sjá 20. gr.). | | |
| 15. | Kostnaður við sakamál og lögreglumál ..... | | 70000 |
| 16. | Til byggingar fangahúss á Akranesi ..... | | 15000 |
| 17. | Borgun til sjódómsmanna ..... | | 4000 |
| 18. | Til setu- og varadómara ..... | | 15000 |
| | Flyt ... | . . . | 3510320 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 3510320 |
| 19. | Löggildingarstofan: | | |
| | a. Laun ..... 22800 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 8700 | | |
| | c. Til áhaldakaupa ..... 1000 | | |
| | | 32500 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 32500 | |
| 20. | Kostnaður við sáttatilraunir í vinnudeilum ..... | | 12500 |
| 21. | Kostnaður við félagsdóm ..... | | 17600 |
| 22. | Kostnaður við ungmennaeftirlit ..... | | 30000 |
| 23. | Kostnaður við útlendingaeftirlit ..... | | 6000 |
| | Samtals A. ... | . . . | 3576420 |
| | B. | | |
| | Sameiginlegur kostnaður við embættisrekstur. | | |
| 1. | Burðareyrir og embættisskeyti: | | |
| | a. Endurgjald handa embættismönnum fyrir burðareyri undir embættisbréf ..... | 65000 | |
| | b. Fyrir embættisskeyti ..... | 250000 | |
| | | | 315000 |
| 2. | Brunaábyrgðar- og fasteignagjald nokkurra ríkisfasteigna ..... | | 4500 |
| 3. | Til embættiseftirlitsferða ..... | | 10000 |
| 4. | Gjöld til skattanefnda, yfirskattanefnda, skattstofu Reykjavíkur og fyrir skattvirðingar: | | |
| | a. Skattstofan í Reykjavík ..... 149065 | | |
| | ÷ hluti bæjarsjóðs ..... 49686 | | |
| | | 99379 | |
| | b. Skattanefndir ..... | 150000 | |
| | c. Fasteignamat ..... | 100000 | |
| | | | 349379 |
| 5. | Til ríkisskattanefndar ..... | | 40000 |
| 6. | Eyðublöð, bókband, auglýsingar o. fl. ..... | | 200000 |
| | Samtals B ... | . . . | 918879 |

12. gr.

Til læknaskipunar og heilbrigðimála er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| 1. | Laun ..... | | 227300 |
| 2. | Til skrifstofukostnaðar landlæknis, eftir reikningi .... | | 8000 |
| 3. | Styrkur til læknisvitjana handa sveitum, sem eiga sérstaklega erfiða læknissókn, eftir reikningum ..... | | 12950 |
| | Flyt ... | . . . | 248250 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | | . . . | 248250 |
| Í Borgarneshéraði: | | | |
| Kolbeinsstaðahreppur ..... | 200 | | |
| Eyjahreppur ..... | 200 | | |
| Í Ólafsvíkurhéraði: | | | |
| Staðarsveit ..... | 200 | | |
| Breiðavíkurhreppur ..... | 300 | | |
| Neshreppur utan Ennis ..... | 300 | | |
| Í Stykkishólmshéraði: | | | |
| Eyrarsveit ..... | 500 | | |
| Miklaholtshreppur ..... | 200 | | |
| Skógarstrandarhreppur ..... | 250 | | |
| Í Dalahéraði: | | | |
| Skarðs- og Klofningshreppur, 150 kr. til hvors | 300 | | |
| Fellsstrandarhreppur ..... | 200 | | |
| Saurbæjarhreppur ..... | 200 | | |
| Í Reykhólahéraði: | | | |
| Gufudalssveit ..... | 250 | | |
| Í Flateyjarhéraði: | | | |
| Múlahreppur ..... | 250 | | |
| Í Patreksfjarðarhéraði: | | | |
| Rauðasandshreppur ..... | 150 | | |
| Barðastrandarhreppur ..... | 150 | | |
| Í Flateyrarhéraði: | | | |
| Suðureyrarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Ögurhéraði: | | | |
| Reykjarfjarðarhreppur, Nauteyrarhreppur og Snæfjallahreppur ..... | 750 | | |
| Styrkurinn skiptist milli nefndra hreppa í hlutfalli við kostnað þeirra við læknisvitjanir. | | | |
| Í Hesteyrarhéraði: | | | |
| Grunnavíkurhreppur ..... | 300 | | |
| Sléttuhreppur ..... | 300 | | |
| Í Hólmavíkurhéraði: | | | |
| Óspakseyrarhreppur ..... | 200 | | |
| Í Miðfjarðarhéraði: | | | |
| Bæjarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Blönduóshéraði: | | | |
| Vindhælishreppur fyrir norðan Björg ..... | 200 | | |
| Í Sauðárkrókshéraði: | | | |
| Skefilsstaðahreppur ..... | 200 | | |
| Í Hofsóshéraði: | | | |
| Haganeshreppur ..... | 150 | | |
| Holtshreppur ..... | 150 | | |
| Í Húsavíkurhéraði | | | |
| Flateyjarhreppur ..... | 200 | | |
| Grímseyjarhreppur ..... | 400 | | |
| Flyt ... | 7100 | . . . | 248250 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 7100 | . . . | 248250 |
| Í Öxarfjarðarhéraði: | | | |
| Fjallahreppur ..... | 200 | | |
| Keldunesshreppur ..... | 300 | | |
| Presthólahreppur, til læknisvitjana af Austur-Sléttu ..... | 300 | | |
| Styrkur til þess að hafa lækni á Raufarhöfn um síldveiðitímann ..... | 1000 | | |
| Í Þistilfjarðarhéraði: | | | |
| Sauðaneshreppur, vegna læknisvitjana frá Skálum og nágrenni þeirra ..... | 200 | | |
| Skeggjastaðahreppur ..... | 200 | | |
| Í Hróarstunguhéraði: | | | |
| Borgarfjarðarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Fljótsdalshéraði: | | | |
| Jökuld.hr. (vegna byggðar í Möðrudalsheiði) | 200 | | |
| Í Seyðisfjarðarhéraði: | | | |
| Loðmundarfjarðarhreppur ..... | 150 | | |
| Í Norðfjarðarhéraði: | | | |
| Mjóifjörður ..... | 300 | | |
| Í Fáskrúðsfjarðarhéraði: | | | |
| Stöðvarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Berufjarðarhéraði: | | | |
| Breiðdalshreppur ..... | 300 | | |
| Í Hornafjarðarhéraði: | | | |
| Hofshreppur ..... | 400 | | |
| Í Síðuhéraði: | | | |
| Skaftártunguhreppur ..... | 300 | | |
| Álftavershreppur ..... | 250 | | |
| Leiðvallarhreppur ..... | 300 | | |
| Í Mýrdalshéraði: | | | |
| Austur-Eyjafjallahreppur ..... | 200 | | |
| Í Rangárhéraði: | | | |
| Vestur-Eyjafjallahreppur ..... | 200 | | |
| Í Eyrarbakkahéraði: | | | |
| Selvogshreppur og Hlíðarbæir í Ölfusi ..... | 250 | | |
| Í Grímsneshéraði: | | | |
| Þingvallahreppur ..... | 200 | | |
| Samtals ... | 12950 | | |
| 4. Til augnlækningaferða samkv. l. nr. 12 1934 ..... | | | 2400 |
| 5. Styrkur til háls-, nef- og eyrnalæknis Ólafs Þorsteinssonar í Reykjavík ..... | | | 1000 |
| Styrkur Ólafs læknis Þorsteinssonar er bundinn því skilyrði, að hann segi stúdentum í læknadeild háskólans til í sinni sérfræði og veiti fátæku fólki ókeypis læknishjálp á tilteknum stað, ekki sjaldnar en 4 sinnum á mánuði, og gefi skýrslu um það. | | | |
| Flyt ... | | . . . | 251650 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 251650 |
| 6. | Landsspítalinn: | | |
| | A. Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 335000 | |
| | 2. Matvörur ..... | 480000 | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... | 38000 | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... | 62000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 99000 | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... | 50000 | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... | 30000 | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 25000 | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... | 15000 | |
| | 10. Skattar og tryggingar ..... | 10000 | |
| | 11. Röntgenfilmur og áhöld ..... | 75000 | |
| | 12. Ýmis gjöld ..... | 16000 | |
| | 13. Fyrning ..... | 25000 | |
| | | 1260000 | |
| | Þar frá dregst: | | |
| | 1. Daggjöld (45000 × 15 + 6000 × 12) .. | 747000 | |
| | 2. Geislalækningar ..... | 130000 | |
| | 3. Aðrar tekjur ..... | 10000 | |
| | | 887000 | |
| | Rekstrarhalli ... | 373000 | |
| | B. Til ljósmæðra- og hjúkrunarkvennaskólans, þar í fæði ljósmæðranema ..... | 28000 | |
| | | | 401000 |
| 7. | Geðveikrahælið á Kleppi: | | |
| | Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | |
| | 1. Laun ..... | 190000 | |
| | 2. Matvörur ..... | 495000 | |
| | 3. Lyf og sáraumbúðir ..... | 18000 | |
| | 4. Ljós og eldsneyti ..... | 95000 | |
| | 5. Þvottur og hreinlætisvörur ..... | 48000 | |
| | 6. Viðhald fasteigna ..... | 40000 | |
| | 7. Viðhald lausra muna ..... | 20000 | |
| | 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 36000 | |
| | 9. Sími og skrifstofa ..... | 8000 | |
| | 10. Skattar og tryggingar ..... | 6000 | |
| | 11. Flutningskostnaður ..... | 10000 | |
| | 12. Ýmis gjöld ..... | 15000 | |
| | 13. Fyrning ..... | 15000 | |
| | | 996000 | |
| | Tekjur: | | |
| | Daggjöld sjúklinga, 78000 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | 936000 | |
| | Rekstrarhalli ... | | 60000 |
| | Flyt ... | . . . | 712650 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 712650 |
| 8. Heilsuhælið á Vífilsstöðum: | | | |
| Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | | |
| 1. Laun | 162000 | | |
| 2. Matvörur | 546000 | | |
| 3. Lyf og sáraumbúðir | 20000 | | |
| 4. Ljós og eldsneyti | 90000 | | |
| 5. Þvottur og hreinlætisvörur | 56000 | | |
| 6. Viðhald fasteigna | 60000 | | |
| 7. Viðhald lausra muna | 20000 | | |
| 8. Fatnaður og vefnaðarvörur | 15000 | | |
| 9. Sími og skrifstofa | 12000 | | |
| 10. Skattar og tryggingar | 3000 | | |
| 11. Flutningskostnaður | 10000 | | |
| 12. Röntgenfilmur og áhöld | 4000 | | |
| 13. Ýmis gjöld | 12000 | | |
| 14. Fyrning | 15000 | | |
| | | 1025000 | |
| Þar frá dragast þessar tekjur: | | | |
| Daggjöld sjúklinga, 71000 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | | 852000 | |
| | Rekstrarhalli ... | | 173000 |
| 9. Heilsuhælið í Kristnesi: | | | |
| Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | | |
| 1. Laun | 70000 | | |
| 2. Matvæli | 182000 | | |
| 3. Lyf og hjúkrunargögn | 12000 | | |
| 4. Ljós og hiti | 25000 | | |
| 5. Þvottur og hreinlætisvörur | 10000 | | |
| 6. Viðhald fasteigna | 20000 | | |
| 7. Viðhald lausra muna | 15000 | | |
| 8. Fatnaður og vefnaðarvörur | 5000 | | |
| 9. Sími og skrifstofa | 4000 | | |
| 10. Flutningskostnaður | 7000 | | |
| 11. Röntgenfilmur og áhöld | 2000 | | |
| 12. Ýmis gjöld | 8000 | | |
| 13. Fyrning | 7200 | | |
| | | 367200 | |
| Þar frá dragast þessar tekjur: | | | |
| Daggjöld sjúklinga, 25400 sjúkradagar á kr. 12.00 .. | | 304800 | |
| | Rekstrarhalli ... | | 62400 |
| 10. Holdsveikraspítalinn í Kópavogi: | | | |
| Rekstrarkostnaður sundurliðast þannig: | | | |
| 1. Laun | 24000 | | |
| 2. Matvörur | 40000 | | |
| 3. Lyf og sáraumbúðir | 2500 | | |
| 4, Ljós og eldsneyti | 8000 | | |
| 5. Þvottur og hreinlætisvörur | 2000 | | |
| Flyt ... | 76500 | . . . | 948050 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 76500 | . . . | 948050 |
| 6. Viðhald fasteigna ..... | 2000 | | |
| 7. Viðhald lausra muna ..... | 2000 | | |
| 8. Fatnaður og vefnaðarvörur ..... | 2000 | | |
| 9. Sími og skrifstofa ..... | 1200 | | |
| 10. Skattar og tryggingar ..... | 500 | | |
| 11. Flutningskostnaður ..... | 800 | | |
| 12. Ýmis gjöld ..... | 2500 | | |
| 13. Fyrning ..... | 2000 | | |
| | | 89500 | |
| | | | 89500 |
| 11. Til vinnuskólans á Kleppjárnsreykjum ..... | | | 59000 |
| 12. Til athugunarstöðvar barnaverndar ..... | | | 45000 |
| 13. Önnur gjöld: | | | |
| a. Til viðbótarbyggingar við landsspítalann ..... | | 200000 | |
| b. Til fæðingardeildar í sambandi við landsspítalann, gegn tvöföldu framlagi frá Reykjavíkurkaupstað, enda verði samkomulag við hann um fyrirkomulag byggingarinnar og rekstur deildarinnar ..... | | 300000 | |
| c. Styrkur til að reisa læknisbústaði og sjúkraskýli | | 160000 | |
| d. Til greiðslu vaxta af skuldum vegna læknisbústaða, í Reykhólahéraði 1200 kr., í Ögurhéraði, Dalahéraði, Hesteyrarhéraði og Hróarstunguhéraði 900 kr. til hvers ..... | | 4800 | |
| e. Til viðbyggingar sjúkrahússins á Akureyri, byggingarstyrkur, ⅓ kostnaðar, allt að ..... | | 70000 | |
| f. Rekstrarstyrkur til sjúkrahúsa: | | | |
| 1. Til sjúkrahúsanna á Ísafirði, Akureyri og Seyðisfirði 100 kr. á rúm ..... | 12900 | | |
| 2. Til sömu sjúkrahúsa og sjúkrahúsanna á Siglufirði og í Vestmannaeyjum .... | 40000 | | |
| | | 52900 | |
| Upphæð þessi skiptist á milli sjúkrahúsanna í hlutfalli við eðlilegan halla af vist innlendra utansveitarsjúklinga, enda samþykki heilbrigðisstjórnin daggjöld þeirra. | | | |
| g. Bólusetningarkostnaður ..... | | 7000 | |
| h. Gjöld samkv. lögum nr. 66 19. júní 1933, um varnir gegn útbreiðslu næmra sjúkdóma ..... | | 25000 | |
| i. Gjöld samkv. lögum nr. 65 19. júní 1933, um varnir gegn því, að næmir sjúkdómar berist til Íslands .. | | 2000 | |
| j. Til kynsjúkdómalæknis ..... | | 6600 | |
| k. Kostnaður við heilbrigðieftirlit lækna með alþýðuskólum ..... | | 9000 | |
| l. Til annarra heilbrigðiráðstafana ..... | | 2000 | |
| m. Styrkur til heilsuverndarstöðva í kaupstöðum, gegn tvöföldu framlagi annars staðar að ..... | | 80000 | |
| Flyt ... | | 919300 | 1141550 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 919360 | 1141550 |
| Heilsuverndarstöð, sem styrks vill verða aðnjótandi, skal reka berklavarnarstarfsemi undir yfirstjórn og eftirliti berklayfirlæknis ríkisins og haga störfum sínum öllum eftir reglum, er heilbrigðistjórnin samþykkir. | | |
| n. Styrkur til Súgfirðinga til að hafa lærða hjúkrunarkonu ..... | 1000 | |
| o. Styrkur handa Flatey á Skjálfanda til þess að hafa lærða hjúkrunarkonu ..... | 1000 | |
| p. Viðbótarlaun yfirsetukonu í Grímsey, gegn jafnmikilli launabót annars staðar að ..... | 300 | |
| q. Til Halldórs Arnórssonar umbúðasmiðs ..... | 3000 | |
| r. Til ýmissa sjúklinga, eftir úthlutun landlæknis .. | 15000 | |
| | | 939600 |
| 14. Hluti ríkissjóðs af launum ljósmæðra ..... | | 70000 |
| Samtals ... | . . . | 2151150 |

13. gr.

Til samgöngumála er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| A. | | | |
| Vegamál. | | | |
| I. Stjórn og undirbúningur vegagerða: | | | |
| 1. Laun vegamálastjóra ..... enda sé hann ráðunautur stjórnarinnar í vatnamálum. | | 7200 | |
| 2. Laun aðstoðarverkfræðings ..... | | 7200 | |
| 3. Laun skrifstofustjóra ..... | | 7200 | |
| 4. Til aðstoðarmanna og mælinga og ferðakostnaður verkfræðinga ..... | | 125000 | |
| 5. Skrifstofukostnaður ..... | | 35000 | |
| | | | 181600 |
| II. Þjóðvegir. | | | |
| a. Til nýrra akvega: | | | |
| 1. Hafnarfjallsvegur ..... | 270000 | | |
| 2. Lundarreykjadalsvegur ..... | 10000 | | |
| 3. Bæjarsveitarvegur ..... | 30000 | | |
| 4. Hálsasveitarvegur ..... | 10000 | | |
| 5. Álftaneshreppsvegur ..... | 35000 | | |
| 6. Hraunhreppsvegur ..... | 25000 | | |
| 7. Útnesvegur ..... | 40000 | | |
| 8. Ólafsvíkurvegur ..... | 50000 | | |
| 9. Eyrarsveitarvegur ..... | 8000 | | |
| 10. Stykkishólmsvegur ..... | 45000 | | |
| Flyt ... | 523000 | . . . | 181600 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 523000 | . . . 181600 |
| 11. | Skógarstrandarvegur ..... | 12000 | |
| 12. | Dalasýsluvegur ..... | 55000 | |
| 13. | Klofningsvegur ..... | 10000 | |
| 14. | Laxárdalsvegur ..... | 23000 | |
| 15. | Reykhólavegur ..... | 5000 | |
| 16. | Barðastrandarvegur ..... | 60000 | |
| 17. | Tálknafjarðarvegur ..... | 12000 | |
| 18. | Bíldudalsvegur ..... | 12000 | |
| 19. | Rafnseyrarheiðarvegur ..... | 50000 | |
| 20. | Hjarðardalsvegur ..... | 10000 | |
| 21. | Súðavíkurvegur ..... | 15000 | |
| 22. | Vestfjarðavegur um Þorskafjarðarheiði ..... | 350000 | |
| 23. | Kaldrananeshreppsvegur ..... | 10000 | |
| 24. | Steingrímsfjarðarvegur ..... | 35000 | |
| 25. | Bitruvegur ..... | 30000 | |
| 26. | Vesturhópsvegur ..... | 20000 | |
| 27. | Vatnsdalsvegur ..... | 5000 | |
| 28. | Húnvetningabraut í V.-Húnavatnss .. | 20000 | |
| 29. | Skagastrandarvegur ..... | 40000 | |
| 30. | Þverárfjallsvegur ..... | 6000 | |
| 31. | Vatnsskarðsvegur ..... | 120000 | |
| 32. | Gönguskarðsvegur ..... | 12000 | |
| 33. | Blönduhlíðarvegur ..... | 10000 | |
| 34. | Út-Blönduhlíðarvegur ..... | 30000 | |
| 35. | Hofsósvegur ..... | 100000 | |
| 36. | Fljótavegur ..... | 90000 | |
| 37. | Siglufjarðarskarð ..... | 290000 | |
| 38. | Stífluvegur ..... | 15000 | |
| 39. | Ólafsfjarðarvegur ..... | 25000 | |
| 40. | Öxnadalsheiðarvegur ..... | 120000 | |
| 41. | Svalbarðsstrandarvegur ..... | 40000 | |
| 42. | Ljósavatnsskarðsvegur ..... | 15000 | |
| 43. | Kinnarbraut í Ljósavatnshreppi .... | 35000 | |
| 44. | Kinnarbraut í Aðaldælahreppi ..... | 15000 | |
| 45. | Bárðardalsvegur ..... | 8000 | |
| 46. | Hvammsheiðarvegur ..... | 15000 | |
| 47. | Tjörnesvegur ..... | 6000 | |
| 48. | Kelduhverfisvegur ..... | 15000 | |
| 49. | Kópaskersvegur ..... | 15000 | |
| 50. | Öxarfjarðarheiðarvegur ..... | 25000 | |
| 51. | Langanesvegur ..... | 8000 | |
| 52. | Brekknaheiðarvegur ..... | 100000 | |
| 53. | Vopnafjarðarvegur ..... | 20000 | |
| 54. | Jökulsárhlíðarvegur ..... | 5000 | |
| 55. | Hróarstunguvegur ..... | 10000 | |
| 56. | Bakkafjarðarvegur ..... | 10000 | |
| 57. | Upphéraðsvegur ..... | 25000 | |
| | Flyt ... | 2482000 | . . . 181600 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... 2482000 | . . . | 181600 |
| 58. | Úthéraðsvegur ..... 15000 | | |
| 59. | Borgarfjarðarvegur ..... 6000 | | |
| 60. | Fjarðarheiðarvegur ..... 40000 | | |
| 61. | Eskifjarðarvegur ..... 15000 | | |
| 62. | Fáskrúðsfjarðarvegur ..... 100000 | | |
| 63. | Oddsskarðsvegur ..... 200000 | | |
| 64. | Berunes- og Breiðdalsvegur ..... 100000 | | |
| 65. | Geithellnahreppsvegur ..... 12000 | | |
| 66. | Almannaskarðsvegur ..... 10000 | | |
| 67. | Innnesjavegur ..... 6000 | | |
| 68. | Innbyggðar- og Mýravegur ..... 17000 | | |
| 69. | Melatangavegur ..... 5000 | | |
| 70. | Suðursveitarvegur ..... 12000 | | |
| 71. | Öræfavegur ..... 15000 | | |
| 72. | Skaftártunguvegur ..... 20000 | | |
| 73. | Síðuvegur ..... 30000 | | |
| 74. | Meðallandsvegur ..... 12000 | | |
| 75. | Mýrdalsvegur ..... 25000 | | |
| 76. | Eyjafjallavegur ..... 25000 | | |
| 77. | Hvolhreppsvegur ..... 40000 | | |
| 78. | Rangárvallavegur ..... 20000 | | |
| 79. | Miðeyjarvegur ..... 25000 | | |
| 80. | Landvegur ..... 25000 | | |
| 81. | Hrunamannahreppsvegur ..... 25000 | | |
| 82. | Gnúpverjahreppsvegur ..... 25000 | | |
| 83. | Skálholtsvegur ..... 5000 | | |
| 84. | Suðurlandsbraut ..... 250000 | | |
| | | 3562000 | |
| b. | Viðhald og endurbætur ..... | 3300000 | |
| c. | Til þjóðvega af benzínskatti: | | |
| 1. | Til Hafnarfjallsvegar ..... 30000 | | |
| 2. | — Stykkishólmsvegar ..... 20000 | | |
| 3. | — Dalasýsluvegar ..... 10000 | | |
| 4. | — Vestfjarðavegar ..... 100000 | | |
| 5. | — Barðastrandarvegar ..... 25000 | | |
| 6. | — Húnvetningabrautar ..... 15000 | | |
| 7. | — Siglufjarðarskarðsvegar ..... 60000 | | |
| 8. | — vega í Vestmannaeyjum ..... 10000 | | |
| 9. | — Vatnsskarðsvegar ..... 180000 | | |
| 10. | — Ljósavatnsskarðsvegar ..... 25000 | | |
| 11. | — Öxnadalsheiðar- og Öxnadalsvegar 180000 | | |
| 12. | — Austurlandsvegar ..... 35000 | | |
| | | 690000 | |
| | | | 7552000 |
| III. | Brúargerðir: | | |
| 1. | Vesturdalsá ..... | 45000 | |
| 2. | Eldvatn í Meðallandi ..... | 70000 | |
| 3. | Eldvatnsskorur í Meðallandi ..... | 30000 | |
| | Flyt ... | 145000 | 7733600 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 145000 | 7733600 |
| 4. | Kambsá og Tjarnará í Ljósavatnsskarði ..... | 25000 | |
| 5. | Hólsá í Landeyjum (efniskaup) ..... | 80000 | |
| 6. | Urriðaá á Álftanesvegi ..... | 35000 | |
| 7. | Laxá í Hvammssveit ..... | 35000 | |
| 8. | Bjarnardalsá á Hjarðardalsvegi ..... | 6000 | |
| 9. | Reykjadalsá hjá Laugum ..... | 52000 | |
| 10. | Langadalsá við Ísafjarðardjúp ..... | 55000 | |
| 11. | Hörðudalsá í Dalasýslu ..... | 60000 | |
| 12. | Selfljót hjá Bóndastöðum ..... | 75000 | |
| 13. | Holtsá í Svarfaðardal (undirbúningur) ..... | 33000 | |
| 14. | Svalbarðsá í Þistilfirði ..... | 60000 | |
| 15. | Heinabergsvötn ..... | 130000 | |
| 16. | Böðvarsdalsá í Vopnafirði ..... | 35000 | |
| 17. | Kornsá í Vatnsdal ..... | 35000 | |
| 18. | Brúnastaðaá í Fljótum ..... | 45000 | |
| 19. | Jökulsá í Dal hjá Hjarðarhaga ..... | 55000 | |
| 20. | Haukabergsá í Barðastrandarsýslu ..... | 35000 | |
| 21. | Brúargerðir í S.-Múlasýslu skv. till. vegamálastj. | 30000 | |
| 22. | Ýmsar smábrýr ..... | 60000 | |
| 23. | Brýr á sýsluvegum: | | |
| | a. Laxá hjá Arnarvatni ..... 50000 | | |
| | b. Leirá í Leirársveit ..... 30000 | | |
| | 80000 | | |
| | Frá dregst tillag frá sýsluvegasjóði .. 20000 | | |
| | | 60000 | |
| | | | 1146000 |
| IV. | Fjallvegir ..... | | 60000 |
| V. | 1. Til áhalda ..... | 400000 | |
| | 2. Til bókasafns verkamanna ..... | 2000 | |
| | | | 402000 |
| VI. | Til sýsluvega: | | |
| | 1. Tillög til akfærra sýsluvega, allt að ..... gegn að minnsta kosti jafnmiklu tillagi annars staðar að og öðrum þeim skilyrðum, sem atvinnumálaráðherra setur. | 100000 | |
| | 2. Til sýsluvegasjóða eftir lögum nr. 10 1923 ..... | 250000 | |
| | | | 350000 |
| VII. | Til malbikunar á vegum í kaupstöðum og verzlunarstöðum af bifreiðaskatti ..... | | 95000 |
| VIII. | Til ferjuhalds, eftir úthlutun vegamálastjóra, enda sé styrkurinn til ferjumanna, hvers um sig, hækkaður að sama skapi ..... Þar af 250 kr. til ferjumanns á Iðu. | | 12000 |
| IX. | Styrkur til þess að halda uppi vetrarflutningum: | | |
| | a. Hellisheiði ..... | 15000 | |
| | b. Holtavörðuheiði ..... | 5000 | |
| | | | 20000 |
| | Flyt ... | . . . | 9818600 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flyt ... | . . . | 9818600 |
| X. Styrkur til þess að halda uppi byggð og gistingu handa ferðamönnum ..... | | 11000 |
| Atvinnumálaráðuneytið veitir styrkinn ábúendum á afskekktum bæjum í þjóðbraut. | | |
| XI. Til Stokkseyrarhrepps, styrkur til að reka ferðamannaskýli og greiðasölu í sambandi við flutning farþega milli Stokkseyrar og Vestmannaeyja ..... | | 4000 |
| XII. Til fyrrverandi vegaverkstjóra og til vegaverkstjóraekkna, eftir tillögum vegamálastjóra ..... | | 4000 |
| XIII. Iðgjöld til slysatryggingarinnar ..... | | 35000 |
| XIV. Fyrning áhaldahússins (sjá 20. gr.) ..... | | 552 |
| Samtals A. ... | . . . | 9873152 |
| B. Samgöngur á sjó. | | |
| 1. Til strandferða: | | |
| a. Ríkissjóðs ..... (Þar af fyrning kr. 105000, sjá 20. gr.). | 1600000 | |
| b. Eimskipafélags Íslands ..... enda haldi félagið uppi siglingum í sama horfi sem áður og með eigi minni skipastól, ef efnahagur þess leyfir. | 82000 | |
| c. Til vöruflutninga í Skaftafellssýslu ..... enda sjái skipaútgerð ríkisins einnig fyrir flutningum til Öræfa eftir þörfum. | 10000 | |
| | | 1692000 |
| 2. Til bátaferða á flóum, fjörðum og vötnum ..... | | 489320 |
| Skipaútgerð ríkisins hefur yfirumsjón með ferðum flóabáta, sem fara eftir fastri áætlun. Skilyrði fyrir greiðslu styrksins er, að fyrir liggi efnahags- og rekstrarreikningur 1942 frá útgerð þessara báta, ef styrkupphæð til þeirra það ár hefur numið yfir 1000 kr. Ferðaáætlun 1943 og flutningsgjaldskrá sé samþykkt af póst- og símamálastjórninni og skipaútgerð ríkisins og reikningar ársins sendir henni, enda athugi hún, hversu rík sé þörf á ferðum hvers þess báts, er styrks nýtur úr ríkissjóði. Skip og bátar, sem njóta styrks úr ríkissjóði, eru skyldir til að flytja póst endurgjaldslaust, sé þess krafizt. | | |
| Eigi skal styrkurinn greiddur að fullu, fyrr en skilríki hafa legið fyrir skipaútgerð ríkisins um afkomu hlutaðeigandi báta á styrktímabilinu, þeirra er varanlegum samgöngum halda uppi á ákveðnu svæði, svo að sýnt sé, að styrksins hefur verið þörf eins og hann var ákveðinn. | | |
| Samtals B. ... | . . . | 2181320 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| C. | | |
| Vitamál og hafnargerðir. | | |
| I. Stjórn og undirbúningur vita- og hafnarmála: | | |
| 1. Laun vitamálastjóra ..... | 7200 | |
| Þar af 1200 kr. persónuleg launaviðbót. | | |
| Hann sé umsjónarmaður vitamála og hafnargerða og ókeypis ráðunautur ríkisstjórnar, héraðsstjórna og bæja í öllu því, er varðar vitamál og hafna. | | |
| 2. Laun aðstoðarverkfræðings ..... | 7200 | |
| 3. Húsaleiga, ljós og hiti ..... | 14000 | |
| 4. Til skrifstofuhalds, eftir reikningi ..... | 18000 | |
| 5. Ferðakostnaður og fæðispeningar, eftir reikningi | 10000 | |
| 6. Til aðstoðarmanna og mælinga ..... | 18000 | |
| | | 74400 |
| II. Laun vitavarða, þar af uppbót á laun vitavarðar á Gróttu 300 kr. ..... | | 36000 |
| III. Rekstrarkostnaður vitanna ..... | | 350000 |
| IV. Viðhald og endurbætur ..... | | 75000 |
| V. Sjómerki, þar með talið viðhald sæluhúsa ..... | | 25000 |
| VI. Til áhaldakaupa ..... | | 200000 |
| VII. Ýmislegt ..... | | 50000 |
| VIII. Til kaupa á dýpkunarskipi ..... | | 500000 |
| IX. Til hafnargerða: | | |
| 1. Á Húsavík ..... | 100000 | |
| 2. — Skagaströnd ..... | 100000 | |
| 3. — Sauðárkróki, 9. greiðsla af 12 ..... | 25000 | |
| 4. — Raufarhöfn, til dýpkunar, 3. greiðsla af 9 .. | 10000 | |
| 5. — Dalvík ..... | 100000 | |
| 6. Í Hafnarfirði ..... | 150000 | |
| 7. Á Hofsósi, lokagreiðsla ..... | 11000 | |
| 8. — Ísafirði ..... | 100000 | |
| 9. Í Vestmannaeyjum ..... | 158000 | |
| Þar af 58000 kr. til greiðslu vegna skemmda á hafnargarði 1942, þó ekki yfir ⅓ kostnaðar. | | |
| 10. Á Siglufirði ..... | 75000 | |
| 11. Í Keflavík ..... | 65000 | |
| 12. Á Akranesi ..... | 100000 | |
| 13. Í Neskaupstað ..... | 75000 | |
| 14. — Stykkishólmi ..... | 40000 | |
| 15. — Grafarnesi við Grundarfjörð ..... | 50000 | |
| 16. — Höfn í Hornafirði ..... | 75000 | |
| | | 1234000 |
| X. Til bryggjugerða og lendingarbóta gegn ⅔ annars staðar að: | | |
| 1. Til Blönduóss ..... | 5000 | |
| 2. Til Kópaskers ..... | 13000 | |
| 3. Til lendingarbóta á Hvammstanga ..... | 15000 | |
| 4. Til Ólafsvíkur ..... | 40000 | |
| 5. Til Hólmavíkur ..... | 20000 | |
| | | 93000 |
| Flyt ... | . . . | 2637400 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 2637400 |
| XI. Til bryggjugerða og lendingarbóta gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að: | | |
| 1. Til bryggjugerðar á Vopnafirði ..... | 13500 | |
| 2. Til bryggjugerðar í Borgarfirði ..... | 40000 | |
| 3. Til bryggjugerðar í Hnífsdal, fyrri greiðsla .... | 53000 | |
| 4. Til bryggjugerðar á Bæjum á Snæfjallaströnd .. | 4500 | |
| 5. Til bryggjugerðar í Flatey á Skjálfanda ..... | 49000 | |
| 6. Til bryggjugerðar í Grunnavík ..... | 15000 | |
| 7. Til bryggjugerðar í Súðavík, enda sé bryggjan eign hreppsins ..... | 10000 | |
| 8. Til bryggjugerðar á Árskógssandi ..... | 15000 | |
| 9. Til bryggjugerðar á Hauganesi ..... | 15000 | |
| 10. Til lendingarbóta í Skipavík ..... | 20000 | |
| 11. Til lendingarbóta á Skálum ..... | 25000 | |
| 12. Til lendingarbóta á Unaósi ..... | 7500 | |
| 13. Til lendingarbóta í Þorlákshöfn ..... | 50000 | |
| 14. Til lendingarbóta við Staðarfell ..... | 7000 | |
| 15. Til lendingarbóta á Hellissandi ..... | 25000 | |
| 16. Til lendingarbóta á Stokkseyri ..... | 25000 | |
| 17. Til lendingarbóta á Eyrarbakka ..... | 15000 | |
| Ríkissjóðstillagið í X. og XI. lið er bundið því skilyrði, að framlag sé tryggt á móti, ráðherra samþykki áætlun verksins og vitamálastjóri hafi eftirlit með framkvæmd þess. | | 389500 |
| XII. Til brimbrjótsins í Bolungavík ..... | | 3000 |
| XIII. Til sjóvarnargarðs á Sauðárkróki, ⅔ kostnaðar, allt að | | 40000 |
| XIV. Til sjómælinga ..... | | 75000 |
| XV. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | | 80000 |
| Samtals C. ... | . . . | 3224900 |
| D. | | |
| Til flugmála: | | |
| a. Samkvæmt ákvörðun ríkisstjórnarinnar ..... | 100000 | |
| b. Styrkur til Flugfélags Íslands ..... | 50000 | |
| | | 150000 |
| Samtals D. ... | . . . | 150000 |

14. gr.

Til kirkju- og kennslumála er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| A. Kirkjumál. | | |
| a. Biskupsdæmið: | | |
| 1. Laun biskups | 7000 | |
| 2. Húsaleigustyrkur | 3000 | |
| 3. Skrifstofukostnaður | 12000 | |
| | | 22000 |
| b. Önnur gjöld: | | |
| 1. Viðbót við eftirlaun þau, er fátækir uppgjafaprestar og prestsekkjur njóta samkvæmt lögum | 8000 | |
| 2. Framlag til prestlaunasjóðs | 320000 | |
| 3. Til dómkirkjuprestsins í Reykjavík, fyrir skýrslugerðir | 1500 | |
| 4. Embættiskostnaður presta | 65000 | |
| 5. Til húsabóta á prestssetrum | 60000 | |
| 6. Til endurbóta á gömlum íbúðarhúsum á prestssetrum | 48000 | |
| 7. Kostnaður við kirkjuráð, samkv. lögum nr. 21 1931 | 500 | |
| 8. Til að gefa út ársskýrslu þjóðkirkjunnar | 500 | |
| 9. Til söngmálastjóra þjóðkirkjunnar | 9480 | |
| 10. Til Akureyrarkirkju | 5000 | |
| 11. Til Melstaðarkirkju | 15000 | |
| 12. Til Staðastaðarkirkju | 15000 | |
| | | 547980 |
| Samtals A. ... | . . . | 569980 |
| B. Kennslumál. | | |
| I. Háskólinn: | | |
| 1. Laun | 137000 | |
| Þar af til Júlíusar Sigurjónssonar og Kristins Stefánssonar 2400 kr. til hvors. | | |
| 2. Til kennslu í augnlækningum (Kjartan Ólafsson) | 1000 | |
| 3. Til kennslu í réttarlæknisfræði | 1000 | |
| 4. Til kennslu í söng | 800 | |
| 5. Til móttöku erlendra vísindamanna | 2000 | |
| 6. Til bókavörzlu | 6000 | |
| 7. Til rannsóknarstofu í líffæra- og lífeðlisfræði | 11000 | |
| 8. Til áhaldakaupa handa læknadeild háskólans | 5000 | |
| 9. Námsstyrkur | 35000 | |
| 10. Húsaleigustyrkur | 15000 | |
| 11. Til kennslu í efnafræði | 1600 | |
| 12. Hiti, ljós, ræsting og vélgæzla | 64000 | |
| 13. Til kennslu í verkfræði | 12000 | |
| 14. Til að setja á stofn rannsóknarstofu í eðlisfræði, lokagreiðsla | 4000 | |
| Flyt ... | 295400 | |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 295400 | |
| 15. | Ferðakostnaður vegna stúdentaskipta ..... | 750 | |
| 16. | Ýmis gjöld ..... | 30000 | |
| 17. | Til stúdentaráðs háskólans til þess að starfrækja leiðbeiningaskrifstofu undir stjórn Lúðvigs Guðmundssonar ..... | 3500 | |
| 18. | Til dr. Símonar Jóh. Ágústssonar til að flytja fyrirlestra í uppeldisfræði og sálarfræði við háskólann ..... | 2500 | |
| 19. | Til Björns Guðfinnssonar til kennslu í setningafræði og málfræði nútímaíslenzku ..... | 6600 | |
| 20. | Til dr. Eiríks Albertssonar til fyrirlestrahalds við guðfræðideild ..... | 2000 | |
| 21. | Til sendikennara í þýzku ..... | 3000 | |
| 22. | Til sendikennara í frakknesku ..... | 3000 | |
| 23. | Til sendikennara í ensku ..... | 3000 | |
| 24. | Laun dyravarðar ..... | 3000 | |
| 25. | Til tímakennslu í viðskiptafræði ..... | 4000 | |
| 26. | Til rannsóknarstofu í lyfjafræði ..... | 3000 | |
| 27. | Til rannsóknarstofu í heilsufræði ..... | 3000 | |
| 28. | Til aukakennara í lögfræði ..... | 1800 | |
| 29. | Til íþróttakennslu (áhöld og húsnæði) ..... | 4000 | |
| | | | 368550 |
| II. | Námsstyrkur erlendis: | | |
| a. | Til íslenzkra stúdenta í erlendum háskólum .... | 90000 | |
| b. | Námsstyrkur samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs ..... | 100000 | |
| c. | Námsstyrkur samkv. þál. 3/4 1942 ..... | 100000 | |
| | | | 290000 |
| III. | Fræðslumálastjórnin: | | |
| 1. | Föst laun ..... | 27100 | |
| 2. | Persónuleg launauppbót til fræðslumálastjóra og skrifstofustjóra, kr. 1500 til hvors ..... | 3000 | |
| 3. | Skrifstofu- og ferðakostnaður ..... | 18000 | |
| | | | 48100 |
| IV. | Menntaskólinn í Reykjavík: | | |
| a. | Laun ..... | 75525 | |
| b. | Önnur gjöld: | | |
| 1. | Til bókasafns skólans ..... 2000 | | |
| 2. | Til eldiviðar, ljósa og ræstingar .... 40000 | | |
| 3. | Til viðhalds ..... 15000 | | |
| 4. | Til stundakennslu, allt að ..... 60000 | | |
| 5. | Náms- og húsaleigustyrkur ..... 4675 | | |
| 6. | Til kennslutækja ..... 3000 | | |
| 7. | Ýmisleg útgjöld ..... 10000 | | |
| 8. | Til verðlaunabóka ..... 400 | | |
| 9. | Vegna kostnaðar við skólastjórn ... 2000 | | |
| 10. | Til bókasafnsins Íþöku ..... 200 | | |
| 11. | Fyrning (sjá 20. gr.) ..... 3540 | | |
| | | 140815 | |
| | | | 216340 |
| | Flyt ... | . . . | 922990 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 922990 |
| | Húsaleigustyrk og námsstyrk má aðeins veita efnilegum, reglusömum og efnalitlum nemendum. Húsaleigustyrkur sé venjulega aðeins veittur utanbæjarmönnum, og að námsstyrk gangi utanbæjarmenn fyrir innanbæjarmönnum, að öðru jöfnu. | | |
| V. | Menntaskólinn á Akureyri: | | |
| | a. Laun ..... | 70600 | |
| | b. Önnur gjöld: | | |
| | 1. Til aukakennara og stundakennslu .. | 50000 | |
| | 2. Vegna kostnaðar við skólastjórn .... | 2000 | |
| | 3. Til bóka og kennsluáhalda ..... | 2500 | |
| | 4. Til eldiviðar og ljósa ..... | 40000 | |
| | 5. Námsstyrkur ..... | 3000 | |
| | Utanbæjarnemendur gangi fyrir innanbæjarnemendum, að öðru jöfnu. | | |
| | 6. Til dyravörzlu ..... | 3000 | |
| | 7. Til viðhalds og endurbóta ..... | 10000 | |
| | 8. Til ýmislegra gjalda ..... | 10000 | |
| | 9. Til verðlaunabóka ..... | 400 | |
| | 10. Kostnaður við aukið húsnæði ..... | 4000 | |
| | 11. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 3160 | |
| | 12. Til leikfimishúss skólans ..... | 55000 | |
| | | 183060 | |
| | | | 253660 |
| VI. | Kennaraskólinn: | | |
| | a. Laun ..... | 30600 | |
| | b. Önnur gjöld: | | |
| | 1. Stundakennsla ..... | 24000 | |
| | 2. Eldiviður og ljós ..... | 10000 | |
| | 3. Bókakaup og áhöld ..... | 3000 | |
| | 4. Námsstyrkur ..... | 3000 | |
| | Utanbæjarnemendur gangi að styrk fyrir innanbæjarnemendum, að öðru jöfnu. | | |
| | 5. Til viðhalds ..... | 6000 | |
| | 6. Ýmisleg gjöld ..... | 14000 | |
| | 7. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 1090 | |
| | | 61090 | |
| | | | 91690 |
| VII. | Stýrimannaskólinn: | | |
| | a. Laun ..... | 19100 | |
| | b. Húsaleiga skólastjóra ..... | 3000 | |
| | c. Önnur gjöld: | | |
| | 1. Til stundakennslu ..... | 32900 | |
| | 2. Til eldiviðar og ljósa ..... | 4000 | |
| | 3. Til Sveinbjarnar Egilson, til fyrirlestra | 450 | |
| | 4. Ýmisleg gjöld ..... | 10000 | |
| | 5. Til áhaldakaupa ..... | 2000 | |
| | Flyt ... | 49350 | 22100 | 1268340 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 49350 | 22100 | 1268340 |
| 6. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 700 | | |
| 7. Til námskeiða í siglingafræði utan Reykjavíkur ..... | 28000 | | |
| | | 78050 | |
| VIII. Vélstjóraskólinn: | | | 100150 |
| a. Laun ..... | | 13600 | |
| b. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til stundakennslu ..... | 12500 | | |
| 2. Húsnæði skólastjóra og skrifstofu skólans ..... | 3000 | | |
| 3. Ljós, hiti og ræsting ..... | 3000 | | |
| 4. Ýmis gjöld ..... | 1000 | | |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 500 | | |
| 6. Kostnaður við burtfararpróf ..... | 1800 | | |
| | | 21800 | |
| IX. Bændakennsla: | | | 35400 |
| 1. Til bændaskólans á Hólum: | | | |
| a. Laun ..... | | 11200 | |
| b. Til smíða-, leikfimi- og dráttlistarkennslu .. | | 4000 | |
| c. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til verklegs náms ..... | 5000 | | |
| 2. Til kennsluáhalda ..... | 1500 | | |
| 3. Til eldiviðar og ljósa ..... | 15000 | | |
| 4. Til viðhalds ..... | 3000 | | |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 7500 | | |
| 6. Ýmisleg gjöld ..... | 3000 | | |
| | | 35000 | |
| d. Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... | | 1226 | |
| | | | 51426 |
| 2. Til bændaskólans á Hvanneyri: | | | |
| a. Laun ..... | | 10500 | |
| b. Til smíða- og leikfimikennslu ..... | | 1500 | |
| c. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til verklegs náms ..... | 6000 | | |
| 2. Til kennsluáhalda ..... | 1000 | | |
| 3. Til eldiviðar og ljósa..... | 20000 | | |
| 4. Til viðhalds ..... | 5000 | | |
| 5. Til áhaldakaupa ..... | 7500 | | |
| 6. Ýmisleg gjöld ..... | 5000 | | |
| 7. Til byggingar kennarabústaða .... | 8000 | | |
| 8. Til verkfærasafns ..... | 1000 | | |
| | | 53500 | |
| d. Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... | | 2300 | |
| | | | 67800 |
| 3. Garðyrkjuskólinn á Reykjum: | | | |
| a. Laun ..... | | 10300 | |
| b. Til smíða-, leikfimi- og sundkennslu ..... | | 1600 | |
| c. Til matreiðslukennslu ..... | | 500 | |
| Flyt ... | | 12400 | 1523116 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 12400 | 1523116 |
| d. Önnur gjöld: | | | |
| 1. Til bókasafns | 600 | | |
| 2. Til kennsluáhalda | 2000 | | |
| 3. Til viðhalds | 3000 | | |
| 4. Ýmis gjöld | 3000 | | |
| 5. Vextir | 2750 | | |
| 6. Til gróðurhúsbygginga | 20000 | | |
| | | 31350 | |
| e. Fyrning | | 2800 | |
| | | | 46550 |
| X. Iðnfræðsla: | | | |
| a. Til iðnaðarmannafélagsins í Reykjavík, til þess að reka iðnskóla í Reykjavík, undir yfirumsjón ríkisstjórnarinnar | | 6500 | |
| b. Til iðnaðarmannafélagsins á Akureyri, til kvöldskólahalds | | 2000 | |
| c. Til iðnaðarmannafélags á Ísafirði, til skólahalds | | 1500 | |
| d. Til iðnaðarmannafél. á Akranesi, til skólahalds | | 1200 | |
| e. Til iðnaðarmannafélagsins í Hafnarfirði, til kvöldskólahalds | | 1700 | |
| f. Til iðnaðarmannafélagsins í Vestmannaeyjum, til kvöldskólahalds | | 1700 | |
| g. Til iðnaðarmannafél. á Siglufirði, til skólahalds | | 1200 | |
| h. Til iðnaðarmannafélagsins á Seyðisfirði, til kvöldskólahalds | | 900 | |
| i. Til iðnaðarmannafél. á Eyrarbakka, til skólahalds | | 800 | |
| j. Til iðnaðarmannafélagsins í Neskaupstað, til iðnskólahalds | | 1200 | |
| k. Til iðnaðarmannafélagsins á Patreksfirði, til iðnskólahalds | | 800 | |
| Styrkur til þessara 11 skóla má þó ekki fara yfir ⅘ rekstrarkostnaðar. Skólar þessir skulu senda ráðuneytinu skýrslu um starf sitt. | | | |
| l. Til verklegs framhaldsnáms erlendis | | 10000 | |
| | | | 29500 |
| XI. Verzlunarskólar o. fl.: | | | |
| a. Til verzlunarskóla Íslands | | 10000 | |
| b. Til samvinnuskólans | | 10000 | |
| c. Kostnaður við próf löggiltra endurskoðenda, sbr. lög nr. 9 1926 | | 500 | |
| | | | 20500 |
| XII. Til kvennaskólans í Reykjavík: | | | |
| a. Húsnæðisstyrkur | | 5000 | |
| b. Rekstrarstyrkur | | 50000 | |
| c. 60 kr. fyrir hverja námsmey, sem er allt skólaárið, allt að | | 7200 | |
| d. Námsstyrkur til sveitastúlkna | | 2500 | |
| | Flyt ... | 64700 | 1619666 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 64700 | 1619666 |
| e. | Til viðgerðar á skólahúsinu ..... | 10000 | |
| f. | Til nemendasambands skólans, í byggingarsjóð leikfimishúss ..... | 30000 | |
| | Skólinn stendur undir yfirumsjón ríkisstjórnarinnar. | | |
| | | | 104700 |
| XIII. | Almenn barnafræðsla: | | |
| 1. | Laun kennara í föstum skólum og dýrtíðaruppbót ..... | 700000 | |
| 2. | Laun farkennara og dýrtíðaruppbót ..... | 140000 | |
| 3. | Til aukakennslu og eftirlits með heimafræðslu, með sömu skilyrðum sem verið hefur ..... | 15000 | |
| 4. | Til kennslueftirlits ..... | 50000 | |
| 5. | Til framkvæmda sundskyldu í barnaskólum samkvæmt tillögum íþróttafulltrúa ..... | 25000 | |
| 6. | Til ferðakennslu í íþróttum ..... | 6000 | |
| 7. | Styrkur til byggingar barnaskóla utan kaupstaða ..... | 250000 | |
| 8. | Til fyrrverandi barnakennara, eftir tillögum fræðslumálastjóra ..... | 10000 | |
| 9. | Ráðskonukaup við heimavistarbarnaskóla .. | 24000 | |
| 10. | Styrkur til tímaritsins „Menntamál“ ..... | 1200 | |
| 11. | Til kennaranámskeiðs eða utanfara ..... | 2000 | |
| | | | 1223200 |
| XIV. | Unglinga- og alþýðuskólar: | | |
| 1. | Til alþýðuskólans á Eiðum: | | |
| a. | Laun ..... 10400 | | |
| | Þar af 700 kr. persónuleg launauppbót til núverandi skólastjóra. | | |
| b. | Til verklegs náms og aukakennslu 4000 | | |
| c. | Önnur gjöld: | | |
| | 1. Til kennsluáhalda .... 2000 | | |
| | 2. Til eldiviðar og ljósa .. 7000 | | |
| | 3. Ýmisleg gjöld ..... 5000 | | |
| | 4. Til viðhalds ..... 5000 | | |
| | 19000 | | |
| d. | Til leikfimihúss (lokagreiðsla) .. 50000 | | |
| e. | Fyrning húsa (sjá 20. gr.) ..... 800 | | |
| | | 84200 | |
| 2. | Til héraðsskóla samkv. l. nr. 32 1929 ..... | 100000 | |
| 3. | Stofnkostnaður ..... | 140000 | |
| 4. | Til Snorragarðs í Reykholti ..... | 8000 | |
| 5. | Til Skallagrímsgarðs í Borgarnesi ..... | 1000 | |
| 6. | Til gagnfræðaskóla samkv. l. nr. 48 1930 .... | 100000 | |
| 7. | Til gagnfræðaskóla Reykvíkinga ..... | 25000 | |
| 8. | Til byggingar gagnfræðaskóla ..... | 70000 | |
| 9. | Til unglingafræðslu utan kaupstaða, samkv. 20. gr. l. nr. 48 1930 ..... | 40000 | |
| | Þar af til skóla Sigurðar Greipssonar í Haukadal 2500 kr. | | |
| | Flyt ... | 568200 | 2947566 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 568200 | 2947566 |
| 10. | Til bókasafns við unglingaskóla ..... | 1600 | |
| 11. | Til alþýðuskólans í Reykjavík ..... | 4000 | |
| 12. | Til handíðaskólans ..... | 15600 | |
| 13. | Til námsflokkastarfsemi, undir eftirl. fræðslumálastjórnarinnar ..... | 4000 | |
| | | | 593400 |
| XV. | Húsmæðrafræðsla: | | |
| 1. | Styrkur til húsmæðraskóla samkv. lögum .. | 100000 | |
| 2. | Til byggingar húsmæðraskóla í sveitum .... | 150000 | |
| 3. | Til byggingar húsmæðraskóla í kaupstöðum | 150000 | |
| 4. | Til húsmæðrakennaraskóla ríkisins ..... | 20000 | |
| 5. | Til húsmæðrafræðslu í Vestur-Skaftafellssýslu | 1400 | |
| 6. | Til húsmæðrafræðslu Árnýjar Filippusdóttur | 5000 | |
| | | | 426400 |
| XVI. | Til kennslu heyrnar- og málleysingja: | | |
| 1. | Laun ..... | 12000 | |
| 2. | Annar kostnaður ..... | 60000 | |
| | Þar af fyrning húss kr. 550,00 (sjá 20. gr.). Stjórnin annast um, að vandamenn nemendanna eða nemendur sjálfir greiði kostnað, ef efni leyfa, samkv. tilsk. 26. febr. 1872, 2. gr. | | |
| | | | 72000 |
| XVII. | Til blindrastarfsemi ..... | | 15000 |
| | Ríkisstjórnin skipti styrknum milli Blindravinafélagsins og Blindrafélagsins. | | |
| XVIII. | Sundkennsla: | | |
| 1. | Laun Ólafs Pálssonar, til eftirlits með sundkennslu og prófdómarastarfa ..... | 2250 | |
| 2. | Laun Lárusar Rist ..... | 2000 | |
| | | | 4250 |
| XIX. | Til nýja stúdentagarðsins, byggingarstyrkur .... | | 150000 |
| XX. | Til sjóvinnunámskeiðs ..... | | 4000 |
| | Atvinnumálaráðherra ráðstafar styrknum, að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands. | | |
| XXI. | Til Geirs Þormars tréskurðarmeistara á Akureyri, til að halda uppi kennslu á Norðurlandi í teikningu og tréskurði í þjóðlegum stíl ..... | | 900 |
| XXII. | Til Helga Tryggvasonar, til hraðritunarkennslu .. | | 800 |
| XXIII. | Til iþróttakennaraskóla ríkisins á Laugarvatni .. | | 8000 |
| XXIV. | Til byggingar leikfimihúss iþróttakennaraskóla ríkisins á Laugarvatni ..... | | 150000 |
| XXV. | Til menningar- og fræðslusambands alþýðu .... | | 5000 |
| XXVI. | Til Axels Helgasonar, til að gera upphleypt kort af Íslandi ..... | | 1000 |
| XXVII. | Til Kristjáns Geirmundssonar, til að setja upp fugla fyrir náttúrugripasafnið og skóla ..... | | 1500 |
| XXVIII. | Til iþróttasjóðs ..... | | 300000 |
| XXIX. | Til skáksambands Íslands ..... | | 1600 |
| | Samtals B. ... | . . . | 4681416 |

15. gr.

Til vísinda, bókmennta og lista er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Landsbókasafnið: | | |
| a. Laun | 22500 | |
| b. Launabót til 2. bókavarðar | 1000 | |
| c. Til aðstoðar | 4200 | |
| d. Til þess að kaupa bækur og handrit og til bókbands Þar af 1200 kr. til kaupa á handritasafni Hannesar Þorsteinssonar. | 50000 | |
| e. Til Þorsteins Konráðssonar | 400 | |
| f. Til þess að semja spjaldskrá | 1200 | |
| g. Til þess að semja og prenta skrá um handrit | 2400 | |
| h. Til ritaukaskrár | 4800 | |
| i. Til Finns Sigmundssonar, til að gera skrá um efni íslenzkra blaða og handrita, enda sé skráin eign Landsbókasafnsins | 800 | |
| j. Brunaábyrgðargjald fyrir safnið | 720 | |
| k. Húsaleiga | 2000 | |
| l. Ýmisleg gjöld | 3000 | |
| | | 93020 |
| 2. Þjóðskjalasafnið: | | |
| a. Laun | 12500 | |
| b. Til bókbands, bóka- og handritakaupa og umbúnaðar skjala | 7000 | |
| c. Ýmis gjöld | 2000 | |
| d. Til Björns K. Þórólfssonar, enda vinni hann við safnið | 3000 | |
| | | 24500 |
| 3. Þjóðminjasafnið og verndun fornminja: | | |
| a. Laun þjóðminjavarðar (fornminjavarðar) | 7500 | |
| b. Til aðstoðar, eftir reikningi | 4900 | |
| c. Til þess að útvega gripi | 4000 | |
| d. Til áhalda og aðgerða | 2200 | |
| e. Til rannsókna og ferðakostnaðar | 1500 | |
| f. Til viðgerðar á Hólakirkju | 2000 | |
| g. Til viðhalds og verndunar fornra bæjarhúsa: | | |
| 1. Á Keldum, Grenjaðarstöðum og Glaumbæ 10000 kr. til hvers 30000 | | |
| 2. Til kaupa og fyrstu viðgerðar á bænum á Burstarfelli í Vopnafirði, að því tilskildu, að um kaupin semjist við eigandann 15000 | | |
| | 45000 | |
| h. Til sjóminjasafns | 3500 | |
| Þjóðminjasafnið sé opið 6 stundir á viku, eftir nánari fyrirmælum stjórnarráðsins. | | |
| | | 70600 |
| 4. Til Náttúrufræðifélagsins | | 13000 |
| Styrkurinn veitist með því skilyrði, að safnið sé til sýnis almenningi eigi sjaldnar en tvisvar í viku. | | |
| Flyt ... | ... | 201120 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 201120 |
| 5. Safnahúsið: | | |
| a. Til eldiviðar, ljósa og ræstingar ..... | 18000 | |
| b. Til viðhalds og áhalda ..... | 10000 | |
| c. Fyrning (sjá 20. gr.) ..... | 3639 | |
| | | 31639 |
| 6. Til kaupstaðarbókasafna, gegn eigi minna tillagi úr bæjarsjóði og sýslusjóði ..... | | 1800 |
| 7. Aukastyrkur til átta bókasafna: | | |
| a. Til amtsbókasafnsins á Akureyri, að því tilskildu, að Davíð skáld frá Fagraskógi hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum auk verðstuðulsuppbótar | 2500 | |
| b. Til bókasafnsins á Ísafirði, að því tilskildu, að Guðmundur Gíslason Hagalín rithöfundur hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum auk verðstuðulsuppbótar ..... | 2500 | |
| c. Til amtsbókasafnsins á Seyðisfirði ..... | 2500 | |
| d. Til bókasafns Hafnarfjarðar, að því tilskildu, að Magnús Ásgeirsson hafi þar bókavörzlu með a. m. k. 2000 kr. launum, auk verðstuðulsuppbótar ... | 2500 | |
| e. Til bókasafns Neskaupstaðar ..... | 1500 | |
| f. Til iðnbókasafnsins í Reykjavík ..... | 1000 | |
| g. Til bókasafns Siglufjarðar ..... | 2500 | |
| h. Til bókasafns Vestmannaeyjakaupstaðar ..... | 2500 | |
| | | 17500 |
| 8. Til bæjarbókasafns Reykjavíkur, þó ekki yfir ⅙ kostnaðar ..... | | 25000 |
| 9. Til amtsbókasafnsins í Stykkishólmi ..... | | 1800 |
| 10. Til sýslubókasafnsins á Sauðárkróki ..... enda hafi það opna lesstofu. | | 1200 |
| 11. Til héraðsbókasafns Suðurlands, gegn tvöföldu framlagi annars staðar að ..... | | 1200 |
| 12. Til lesstofu byggingarfélags alþýðu ..... | | 500 |
| 13. Til lesstofu sjómannaheimilis á Siglufirði ..... | | 2000 |
| 14. Til lesstofu sjómannaheimilis á Raufarhöfn ..... | | 400 |
| 15. Til lesstofu sjómannafélags Reykjavíkur ..... | | 1500 |
| 16. Til lesstofu á Ísafirði ..... | | 500 |
| 17. Til sjómannalesstofu K. F. U. M. í Vestmannaeyjum .. | | 800 |
| 18. Til sýslubókasafna, gegn eigi minna tillagi frá sýslusj. | | 4500 |
| 19. Til bókhlöðunnar á Húsavík ..... | | 1200 |
| 20. Til bókasafns Akraness ..... | | 1500 |
| 21. Til bókasafns í Flatey ..... | | 500 |
| 22. Til kaupa á bókum handa konunglega bókasafninu í Stokkhólmi ..... | | 1000 |
| 23. Til hins íslenzka bókmenntafélags ..... enda haldi það áfram útgáfu hins íslenzka fornbréfasafns sem að undanförnu. | | 15000 |
| 24. Til þjóðvinafélagsins ..... | | 1400 |
| Flyt ... | . . . | 312059 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 312059 |
| 25. Til fornleifafélagsins ..... | | 2000 |
| 26. Til sögufélagsins, til þess að gefa út alþingisbækur, landsyfirréttardóma o. fl. ..... | | 4000 |
| 27. Til hins íslenzka fræðafélags, til að gefa út jarðabók Árna Magnússonar og Páls Vídalíns ..... | | 15000 |
| 28. Til fornritaútgáfunnar, til útgáfu á Íslendingasögum .. | | 4000 |
| 29. Til útgáfu á Heimskringlu ..... | | 4000 |
| 30. Til stjórnar þjóðvinafélagsins og menntamálaráðs, til útgáfu 2. bindis Íslendingasögu ..... | | 10000 |
| 31. Til útgáfu Norðurlandatímarits ..... | | 1000 |
| 32. Til Steins Dofra, ættfræðings ..... Styrkurinn veitist með því skilyrði, að handritið að riti hans „Ættir Íslendinga“ verði eign landsbókasafnsins að honum látnum. | | 1500 |
| 33. Til vísindafélags Íslendinga, til útgáfu rita ..... | | 2500 |
| 34. Til samningar íslenzkrar samheitaorðabókar ..... | | 5000 |
| 35. Til leikfélags Reykjavíkur, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi úr bæjarsjóði Reykjavíkur ..... | | 15000 |
| 36. Til leiklistarskóla Lárusar Pálssonar 3500 kr. og til leiklistarskóla Soffíu Guðlaugsdóttur og Jóns Norðfjörðs 1200 kr. til hvors ..... | | 5900 |
| 37. Til leikfélags Akureyrar, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi frá Akureyrarkaupstað ..... | | 3000 |
| 38. Til leikfélags Ísafjarðar, gegn að minnsta kosti jafnmiklu framlagi frá Ísafjarðarkaupstað ..... | | 1500 |
| 39. Til leikfélags Sauðárkróks, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að ..... | | 1500 |
| 40. Til norræna félagins ..... | | 5000 |
| 41. Til íslenzk-amerískra félagsins ..... | | 1000 |
| 42. Til blaðanna Lögbergs og Heimskringlu, 10000 kr. til hvors, gegn því að fræðslumálastjórnin fái blöð til útbýtingar hér á landi ..... | | 20000 |
| 43. Til tónlistarskólans, gegn að minnsta kosti 2000 kr. framlagi frá bæjarsjóði Reykjavíkur ..... | | 6500 |
| 44. Til hljómsveitar Reykjavíkur ..... | | 2000 |
| 45. Til Páls Ísólfssonar, til þess að veita kirkjuorgelleikurum og barnakennurum utan Reykjavíkur og guðfræðinemum háskólans ókeypis kennslu í orgelleik, tóni, hljómfræði og söngstjórn í kirkjum og barnaskólum | | 2000 |
| 46. Til Hallgríms Helgasonar, til útgáfu á þjóðlagasafni .. | | 2500 |
| 47. Til Ágústs Sigurðssonar, til að skipuleggja og stjórna námsflokkum ..... | | 2000 |
| 48. Til alþýðufræðslu Alþýðusambands Íslands ..... | | 8000 |
| 49. Til útgáfu héraðssagnarita, eftir tillögum heimspekideildar háskólans ..... | | 5000 |
| 50. Til Sigurðar Skúlasonar, til aðstoðar við kennslu námsflokka, eftir fyrirlagi fræðslumálastjóra ..... | | 1500 |
| 51. Til sambands íslenzkra karlakóra ..... | | 6000 |
| **Flyt ...** | . . . | 449459 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 449459 |
| 52. | Til landssambands blandaðra kóra og kvennakóra .... | | 2500 |
| 53. | Til dr. Jóns Dúasonar, vegna útgáfu rita hans ..... | | 5000 |
| 54. | Styrkur til skálda, rithöfunda og listamanna ..... | | 100000 |
| | Þar af: | | |
| | a. Til Árna Pálssonar prófessors til ritstarfa .. 1200 | | |
| | b. Til Guðmundar Finnbogasonar dr. phil. til ritstarfa ..... 1000 | | |
| | Menntamálaráð skipti að öðru leyti þessari fjárhæð milli deilda Bandalags íslenzkra listamanna, en hver deild kýs síðan nefnd, sem úthlutar styrknum milli félagsmanna og annarra. | | |
| 55. | Styrkur til vísindamanna og fræðimanna samkvæmt ákvörðun menntamálaráðs ..... | | 20000 |
| 56. | Til íslenzkra stúdenta í Kaupmannahöfn, styrkur til útgáfu tímarits ..... | | 5000 |
| 57. | Til jökulmælinga ..... | | 600 |
| 58. | Til listasafns Einars Jónssonar ..... | | 3711 |
| | Þar af fyrning 711 kr. (sjá 20. gr.). | | |
| 59. | a. Til Einars Jónssonar myndhöggvara ..... | 6500 | |
| | enda hafi hann forstöðu og umsjón listasafns síns, er sé almenningi til sýnis endurgjaldslaust 4 stundir á viku. | | |
| | b. Til sama, til aðstoðar og upphitunar ..... | 7000 | |
| | c. Til viðgerðar á húsinu ..... | 45000 | |
| | | | 58500 |
| 60. | Byggingarstyrkur til Höskuldar Björnssonar málara, lokagreiðsla ..... | | 2000 |
| 61. | Til Búnaðarbanka Íslands, níunda greiðsla vaxta og afborgana af viðlagasjóðslánum málaranna Ásgríms Jónssonar og Jóns Stefánssonar, með þeim skilyrðum, er segir í 57. lið 16. gr. fjárlaga 1934 ..... | | 3300 |
| 62. | Kostnaður við friðun Þingvalla, sbr. lög nr. 59 1928 .. | | 8000 |
| 63. | Til vegagerða á Þingvöllum ..... | | 20000 |
| 64. | Til eflingar menningarsambandi við Vestur-Íslendinga | | 3000 |
| 65. | Til Þjóðræknifélags Íslendinga, til eflingar menningarsambandi við Vestur-Íslendinga ..... | | 5000 |
| 66. | Til próf. dr. Stefáns Einarssonar og próf. dr. Richards Becks, til útgáfu íslenzkrar bókmenntasögu á ensku, 5000 kr. til hvors ..... | | 10000 |
| 67. | Til útgáfu sænsk-íslenzkrar orðabókar ..... | | 2500 |
| 68. | Til Bandalags íslenzkra listamanna ..... | | 2400 |
| 69. | Til sýslunefndar Vestur-Ísafjarðarsýslu vegna bókasafns Sighvats Grímssonar, enda sé það geymt hjá héraðsskólanum á Núpi ..... | | 1000 |
| 70. | Til Noregssöfnunarinnar ..... | | 350000 |
| | Samtals ... | . . . | 1051970 |

16. gr.

Til verklegra fyrirtækja er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Til framleiðslubóta og atvinnuaukningar | | 500000 |
| 2. Til Búnaðarfélags Íslands, enda samþykki landbúnaðarráðherra fjárhagsáætlun félagsins | | 500000 |
| 3. Til Búnaðarfélags Íslands, til kynnisferða bænda | | 2000 |
| 4. Til nýbýla | | 260000 |
| 5. Til lánadeildar smábýla, 2. greiðsla af 3 | | 100000 |
| 6. Til sandgræðslu | | 100000 |
| 7. Gjöld samkvæmt jarðræktarlögunum: | | |
| a. Jarðabótastyrkur | 500000 | |
| b. Til verkfærakaupasjóðs | 60000 | |
| | | 560000 |
| 8. Til búfjárræktar samkv. l. nr. 32 1931 | | 150000 |
| 9. Til bygginga í sveitum: | | |
| a. Til byggingar- og landnámssjóðs | 300000 | |
| b. Byggingarstyrkir | 250000 | |
| c. Til bygginga á jörðum ríkisins | 100000 | |
| | | 650000 |
| 10. Til jarðakaupasjóðs | | 100000 |
| 11. Til ræktunarsjóðs, vaxtagreiðsla af jarðræktarbréfum | | 21231 |
| 12. Til tilraunastarfsemi í þágu landbúnaðarins | | 60000 |
| 13. Tillag til kreppulánasjóðs | | 250000 |
| 14. Til kreppulánasjóðs bæjar- og sveitarfélaga, rekstrarhalli | | 10000 |
| 15. Tillag til byggingarsjóða kaupstaða og kauptúna | | 440000 |
| 16. Til raforkusjóðs samkv. l. nr. 91 1942 | | 500000 |
| 17. Til garðyrkjufélags Íslands | | 2000 |
| 18. Til Ragnars Ásgeirssonar, til leiðbeiningarstarfsemi | | 4000 |
| 19. Til skógræktar: | | |
| a. Laun | 20400 | |
| Þar af 600 kr. húsaleigustyrkur til Einars Sæmundsens. | | |
| b. Til skóggræðslu | 220000 | |
| c. Styrkur til skógræktarfélaga | 30000 | |
| d. Styrkur til Vigfúsar Jakobssonar til skógræktarnáms | 3600 | |
| e. Til vegabóta í Ásbyrgi | 1800 | |
| | | 275800 |
| 20. Tillag til mannvirkja á Flóaáveitusvæðinu, samkv. l. nr. 68 1918 og l. nr. 10 1926 | | 4000 |
| 21. Til áveitu- og landþurrkunarfélaga, allt að ⅓ kostnaðar: | | |
| a. Til áveitufélags Ölfusinga, þar með talið framlag til ríkisjarða | 55000 | |
| b. Til landþurrkunarfélags Safamýrar | 12800 | |
| c. Til framræslu- og áveitufélags Staðarbyggðar | 25000 | |
| d. Til landþurrkunar í Akraneskaupstað og nágrenni | 30000 | |
| e. Til áveitufélags Þingbúa | 12000 | |
| | | 134800 |
| Flyt ... | ... | 4623831 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | | . . . | 4623831 |
| 22. | Til fyrirhleðslu á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts .. | | | 180000 |
| 23. | Til fyrirhleðslu í Virkisá, gegn ⅓ annars staðar að .. | | | 4000 |
| 24. | Til fyrirhleðslu Steinavatna, gegn ⅓ annars staðar að | | | 1500 |
| 25. | Til fyrirhleðslu í Hjaltadalsá ..... | | | 5000 |
| 26. | Til fyrirhleðslu í Hvolsá, gegn ⅓ annars staðar að .... | | | 4500 |
| 27. | Til kaupa á skurðgröfum og dráttarvél í sambandi við þær ..... | | | 255000 |
| 28. | Til verkfæranefndar ..... | | | 3000 |
| 29. | Til dýralækna: | | | |
| | a. Laun handa 6 dýralæknum ..... | | 21800 | |
| | b. Styrkur til einstakra manna til þess að stunda dýralækningar, gegn jafnmiklu framlægi annars staðar að | | 4900 | |
| | c. Til Páls Pálssonar, til dýralækninganáms ..... | | 1200 | |
| | d. Til Guðbrands Hlíðar, til dýralækninganáms ..... | | 1200 | |
| | | | | 29100 |
| 30. | Til búreikningaskrifstofu ..... | | | 5000 |
| 31. | Til kláðalækninga ..... | | | 3000 |
| 32. | Til rannsóknarstofu atvinnuveganna (atvinnudeildar háskólans): | | | |
| | a. Iðnaðardeild: | | | |
| | 1. Laun ..... | 47460 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... | 26100 | | |
| | | | 73560 | |
| | ÷ Tekjur af rannsóknum ..... | | 45000 | |
| | | | | 28560 |
| | b. Fiskideild: | | | |
| | 1. Laun ..... | | 38310 | |
| | 2. Annar kostnaður ..... | | 17500 | |
| | | | | 55810 |
| | c. Landbúnaðardeild: | | | |
| | 1. Laun ..... | 79825 | | |
| | 2. Annar kostnaður ..... | 100500 | | |
| | | | 180325 | |
| | ÷ Tekjur af lyfjasölu o. fl. ..... | | 20000 | |
| | | | | 160325 |
| | d. Sameiginlegur kostnaður: | | | |
| | 1. Laun ..... | | 12365 | |
| | 2. Til áhaldakaupa ..... | | 100000 | |
| | 3. Annar kostnaður ..... | | 37300 | |
| | | | | 149665 |
| | ÷ Tekjur af happdrætti samkv. 20. gr. laga nr. 68 1940 ..... | | 394360 25000 | |
| | | | | 369360 |
| 33. | Til rannsóknaráðs: Til náttúrurannsókna og áhaldakaupa | | | 46370 |
| 34. | Til rannsóknarstofu háskólans: | | | |
| | a. Laun ..... | | 60000 | |
| | b. Annar kostnaður ..... | | 100000 | |
| | | | 160000 | |
| | ÷ Tekjur ..... | | 160000 | |
| | Flyt ... | | . . . | 5529661 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Flutt ...** | . . . | 5529661 |
| 35. | Til veðurstofu Íslands: | | |
| | a. Laun forstöðumanns og fulltrúa ..... | 14800 | |
| | b. Til aðstoðar ..... | 27600 | |
| | c. Til veðurathugana utan Reykjavíkur, áhalda o. fl. | 45000 | |
| | d. Til veðurskeyta o. fl. ..... | 110000 | |
| | e. Til loftskeytatækja ..... | 2000 | |
| | f. Húsaleiga, ljós, hiti og ræsting ..... | 8000 | |
| | g. Eftirlit með veðurathugunarstöðvum o. fl. ..... | 2000 | |
| | | | 209400 |
| 36. | Rafmagnseftirlit ríkisins: | | |
| | a. Laun ..... 95000 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 60000 | | |
| | | 155000 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 120000 | |
| | Rekstrarhalli | | 35000 |
| 37. | Eftirlit með verksmiðjum og vélum: | | |
| | a. Laun og verðlagsuppbót ..... 41000 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 19000 | | |
| | | 60000 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 60000 | |
| 38. | Til landmælinga ..... | | 10000 |
| 39. | Til Fiskifélagsins (þar af til mótornámskeiðs samkvæmt lögum nr. 71 1936 kr. 4000), enda samþykki atvinnumálaráðuneytið fjárhagsáætlun fiskiþingsins og félagið sjái um á sinn kostnað útgáfu fiskimanna-almanaks | | 300000 |
| 40. | Kostnaður vegna laga nr. 61 1932, um lax- og silungsveiði | | 15000 |
| 41. | Til ræktunarvega: | | |
| | a. Í Vestmannaeyjum ..... | 24000 | |
| | b. Í Flatey á Breiðafirði ..... | 1500 | |
| | c. Í Flatey á Skjálfanda ..... | 1500 | |
| | d. Í Grímsey ..... | 1500 | |
| | e. Í Hrísey ..... | 1500 | |
| | | | 30000 |
| 42. | Til klaksjóðs, samkv. l. nr. 36 1937 ..... | | 10000 |
| 43. | Til loðdýraræktar, samkv. l. nr. 38 1937 ..... | | 20000 |
| 44. | Til matvælaeftirlits: | | |
| | a. Laun ..... 10400 | | |
| | b. Annar kostnaður ..... 25000 | | |
| | | 35400 | |
| | ÷ Tekjur ..... | 35400 | |
| 45. | Laun yfirmatsmanna o. fl.: | | |
| | a. 5 fiskiyfirmatsmanna ..... | 22600 | |
| | b. 4 ullarmatsmanna ..... | 2500 | |
| | c. 3 kjötmatsmanna ..... | 2250 | |
| | d. lýsismatsmanns, samkv. l. nr. 42 1933 ..... | 2400 | |
| | e. Ferðakostnaður yfirmatsmanna ..... | 8000 | |
| | **Flyt ...** | 37750 | 6159061 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | 37750 | 6159061 |
| f. Launauppbót til fiskiyfirmatsmannsins í Vestmannaeyjum | 800 | |
| g. Kostnaður við síldarmat | 12000 | |
| | | 50550 |
| 46 Til eftirlits með skipum og bátum og öryggi þeirra: | | |
| a. Laun skipaskoðunarstjóra, enda hafi hann eftirlit með skipum ríkisins án sérstaks endurgjalds | 7200 | |
| b. Til skrifstofukostnaðar og aðstoðar | 19400 | |
| c. Þóknun til eftirlitsmanna | 3000 | |
| d. Ferðakostnaður skipaskoðunarstjóra og eftirlitsmanna, allt að | 7600 | |
| | | 37200 |
| 47. Kostnaður vegna laga um fiskimatsstjóra | | 12000 |
| 48. Til Landssambands iðnaðarmanna | | 15000 |
| 49. Til sambands íslenzkra heimilisiðnaðarfélaga | | 4000 |
| 50. Til skrifstofunnar „Íslenzkrar ullar" | | 10000 |
| Fjárveitingin er bundin því skilyrði, að ríkisstjórnin láti endurskoða reikninga stofnunarinnar, og árlega sé gefin skýrsla um starfsemina, samþykkt af endurskoðanda eða endurskoðendum. | | |
| 51. Til Guðmundar Jónssonar frá Mosdal, til þess að halda uppi kennslu og námskeiðum í tréskurði og heimilisiðnaði | | 900 |
| 52. Til Halldóru Bjarnadóttur, til þess að vinna að eflingu heimilisiðnaðar | | 1800 |
| 53. Til Arndísar Þorsteinsdóttur garðyrkjukonu | | 300 |
| 54. Til Guðmundar Kristinssonar myndskera | | 500 |
| 55. Til kvenfélags Hvammshrepps í Vík í Mýrdal, til þess að halda uppi kennslu í handavinnu kvenna | | 750 |
| 56. Til kvenfélagasambands Íslands | | 4000 |
| 57. Til sambands norðlenzkra kvenna | | 2000 |
| Þar af til kvenfélagasambands Vestur-Húnavatnssýslu, kvenfélagasambands Austur-Húnavatnssýslu og kvenfélagasambands Skagafjarðarsýslu 300 kr. til hvers. | | |
| 58. Til sambands austfirzkra kvenna | | 800 |
| 59. Til sambands vestfirzkra kvenna | | 800 |
| 60. Til kvenfélagasambands Mýra- og Borgarfjarðarsýslu, enda haldi það uppi námskeiðum fyrir húsmæður og húsmæðraefni | | 1000 |
| 61. Til sambands breiðfirzkra kvenna | | 700 |
| 62. Til kvenfélagsins Líknar í Vestmannaeyjum | | 500 |
| 63. Til kvenfélagasambands Gullbringu- og Kjósarsýslu | | 500 |
| 64. Til bandalags kvenna í Reykjavík | | 400 |
| 65. Til sambands sunnlenzkra kvenna, enda haldi það uppi námskeiðum fyrir húsmæður og húsmæðraefni | | 3500 |
| 66. Til kvenréttindafélags Íslands | | 400 |
| 67. Til landsfundar kvenna | | 5000 |
| 68. Til vinnumiðlunar | | 20000 |
| Flyt ... | ... | 6331661 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 6331661 |
| 69. Til mæðrastyrksnefndar ..... | | 10000 |
| 70. Til vörumerkjaskrárritara ..... | | 1600 |
| 71. Til Ungmennafélags Íslands: | | |
| a. Til skógræktar og bindindisstarfsemi ..... | 4000 | |
| b. Til ræktunarleiðbeininga ..... | 2000 | |
| Félagið gefi ríkisstjórninni skýrslu um, hvernig fénu er varið. | | 6000 |
| 72. Til bandalags skáta ..... | | 2000 |
| 73. Til bandalags íslenzkra farfugla ..... | | 1500 |
| 74. Til dýraverndunarfélags Íslands, til dýraverndunarstarfsemi ..... | | 1000 |
| 75. Til loðdýraræktarfélags Íslands ..... | | 3000 |
| 76. Til húsameistara ríkisins: | | |
| a. Laun (þar af persónuleg launaviðbót 2400) ..... | 8400 | |
| b. Skrifstofukostnaður ..... | 75000 | |
| | | 83400 |
| 77. Gjöld vegna laga um skipulag bæja og sjávarþorpa, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að ..... | | 10000 |
| 78. Til verkstjóranámskeiðs eftir ráðstöfun vegamálastjóra og vitamálastjóra ..... | | 3000 |
| 79. Til skuldaskilasjóðs útvegsmanna ..... | | 160000 |
| 80. Til mjólkurbúa og smjörsamlaga ..... | | 30000 |
| 81. Til iðnlánasjóðs ..... | | 65000 |
| 82. Til samábyrgðar Íslands á fiskiskipum, l. nr. 37 1941 .. | | 50000 |
| 83. Kostnaður við eftirlit með opinberum sjóðum ..... | | 2200 |
| 84. Kostnaður vegna sauðfjársjúkdóma: | | |
| a. Bætur vegna niðurskurðar ..... | 480000 | |
| b. Varzla og rannsóknir ..... | 635000 | |
| c. Til girðinga ..... | 375000 | |
| d. Uppeldisstyrkur ..... | 900000 | |
| e. Vaxta- og jarðarafgjöld ..... | 100000 | |
| | | 2490000 |
| 85. Kostnaður við kauplagsnefnd ..... | | 8000 |
| 86. Kostnaður við húsaleigunefndir ..... | | 40000 |
| 87. Til alþjóðahafrannsókna ..... | | 10000 |
| 88. Til Íslandsdeildar norræna búfræðifélagsins ..... | | 500 |
| 89. Til Bálfararfélags Íslands ..... | | 35000 |
| 90. Til Baldurs Johnsen, héraðslæknis, til manneldisrannsókna ..... | | 2000 |
| 91. Til Haralds Ásgeirssonar, til náms í sementsgerð .... | | 3600 |
| 92. Til sýslunefndar Vestur-Ísafjarðarsýslu til að girða og prýða minnismerki Jóns Sigurðssonar forseta á Rafnseyri, gegn jafnmiklu framlagi annars staðar að ..... | | 2000 |
| Samtals ... | . . . | 9351461 |

17. gr.

Til almennrar styrktarstarfsemi er veitt:

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| 1. Kostnaður við berklavarnir: | | |
| a. Styrkur til berklasjúklinga | 1750000 | |
| b. Styrkur skv. 2. mgr. 19. gr. l. nr. 66 1939 | 5000 | |
| c. Annar kostnaður | 30000 | |
| | | 1785000 |
| 2. Styrkur til sjúklinga samkv. bráðabirgðaákvæði í lögum nr. 78 frá 1936 | | 1000000 |
| 3. Gjöld samkv. l. nr. 39 frá 1935, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna | | 12000 |
| 4. Gjöld samkv. 19. og 21. gr. framfærslulaga, nr. 135 1935 | | 20000 |
| 5. Til alþýðutrygginga | | 2000000 |
| 6. Til jöfnunarsjóðs sveitar- og bæjarfélaga | | 700000 |
| 7. Til styrktarsjóðs verkamanna- og sjómannafélaganna í Reykjavík | | 6000 |
| 8. Til hjálparsjóðs verkamannafélagsins Þróttar á Siglufirði, gegn þreföldu framlagi annars staðar að | | 1000 |
| 9. Til styrktarsjóðs verkalýðsfélagsins Baldurs á Ísafirði, gegn þreföldu framlagi annars staðar að | | 1000 |
| 10. Til styrktarsjóðs verkalýðsfélags Akraness, gegn þreföldu framlagi annars staðar að | | 500 |
| 11. Til mæðrastyrksnefndar til sumarheimilis mæðra | | 10000 |
| Þar af 2000 kr. til mæðrastyrksnefndar Akureyrar. | | |
| 12. Til barnaheimila og barnaverndar, eftir ákvörðun ráðherra | | 30000 |
| 13. Til félagsins „Heyrnarhjálpar“ | | 5000 |
| 14. Til félagsins „Sjálfsbjargar“ | | 2000 |
| 15. Til sjúkra- og styrktarsjóðs vitavarða | | 1000 |
| 16. Til slysavarna | | 35000 |
| enda sé stjórnarráðinu send skýrsla um starfsemina. | | |
| 17. Til þess að hjálpa nauðstöddum Íslendingum erlendis | | 1000 |
| 18. Til Stórstúku Íslands, til bindindisstarfsemi | | 40000 |
| Þar af til bindindisfélaga í skólum landsins 5000 kr. | | |
| 19. Til áfengisráðunautar | | 3000 |
| 20. Til útbreiðslu bindindis | | 7500 |
| 21. Til Stórstúku Íslands: | | |
| Styrkur til húsbygginga, áttunda greiðsla af tíu | | 15000 |
| 22. Til sjúkrasjóðs Fellshrepps | | 300 |
| 23. Til sjúkrasjóðs Hofshrepps | | 300 |
| 24. Til sjúkrasjóðs Mývetninga | | 250 |
| 25. Til sjúkrasjóðs Súgfirðinga | | 300 |
| 26. Til sjúkrasjóðs Engihlíðarhrepps | | 300 |
| 27. Til styrktarsjóðs verklýðsfél. í Flatey á Breiðafirði | | 200 |
| 28. Til sjúkrasjóðs kvennfélagsins á Hellissandi | | 300 |
| 29. Til styrktarsjóðs verkalýðsfélagsins á Patreksfirði | | 200 |
| 30. Til sjúkrasjóðs verkamannafélagsins á Þingeyri | | 300 |
| **Flyt ...** | . . . | 5677450 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | . . . | 5677450 |
| 31. | Til sjúkrasjóðs verkalýðsfélagsins Skjaldar, Flateyri .. | | 300 |
| 32. | Til sjúkrasjóðs verkalýðsfélagsins Varnar á Bíldudal .. | | 300 |
| 33. | Til sjúkra- og styrktarsjóðsins Líkn í Ögurhreppi .... | | 150 |
| 34. | Til sjúkra- og styrktarsjóðsins Hjálp í viðlögum í Reykjarfjarðarhreppi ..... | | 150 |
| 35. | Til sjúkrasjóðs hjúkrunarfélags Ólafsvíkur ..... | | 300 |
| 36. | Til sjúkrasjóðs Þverárhrepps ..... | | 200 |
| 37. | Til starfsemi Rauðakrossins ..... | | 8000 |
| 38. | Til sambands íslenzkra berklasjúklinga ..... | | 3000 |
| 39. | Til ekknasjóðs Vestmannaeyja ..... Fjárveitingarnar undir 22.—39. tölul. eru bundnar því skilyrði, að jafnmikið fé að minnsta kosti komi annars staðar að og að stjórnarráðinu sé send skýrsla um starfsemina. | | 1000 |
| 40. | Til elliheimilisins Grundar í Reykjavík ..... enda greiði vistmenn, sem framfærslusveit eiga utan Reykjavíkur, ekki hærra daggjald en bæjarmenn. | | 5000 |
| 41. | Til hælisins á Sólheimum ..... | | 12000 |
| 42. | Til gamalmennahælis á Ísafirði ..... | | 2000 |
| 43. | Til gamalmennahælis á Seyðisfirði ..... | | 2000 |
| 44. | Til gamalmennahælis í Hafnarfirði ..... | | 2000 |
| 45. | Til gamalmennahælis á Akranesi ..... | | 2000 |
| 46. | Til gamalmennahælis í Neskaupstað ..... | | 2000 |
| 47. | Til gamalmennahælis í Skjaldarvík í Eyjafirði ..... | | 2000 |
| 48. | Til kostnaðar við sumardvöl barna í sveit ..... | | 150000 |
| | Samtals ... | . . . | 5869850 |

18. gr.

Til eftirlauna og styrktarfjár er veitt:

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | I. Samkvæmt eftirlaunalögum: | | | |
| | A. Embættismenn: | | | |
| 1. | Ari Arnalds, fv. bæjarfógeti ..... | 1260,00 | | |
| 2. | Árni Þorvaldsson, fv. yfirkennari ..... | 1106,67 | | |
| 3. | Bogi Brynjólfsson, fv. sýslum. ..... | 1160,00 | | |
| 4. | Guðm. Björnsson, fv. sýslum. ..... | 1565,00 | | |
| 5. | Guðm. Eggerz, fv. sýslum. ..... | 1558,52 | | |
| 6. | Guðm. Guðmundsson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 7. | Guðm. Hannesson, fv. prófessor ..... | 2266,67 | | |
| 8. | Guðm. Sveinbjörnsson, fv. skrifstofustj. .... | 1120,00 | | |
| 9. | Halldór Kr. Júlíusson, fv. sýslum. ..... | 1225,42 | | |
| 10. | Halldór Steinsson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| | Flyt ... | 13262,28 | . . . | |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 13262,28 | . . . | |
| 11. | Ingólfur Gíslason, fv. héraðsl. ..... | 1103,33 | | |
| 12. | Jóhannes Jóhannesson, fv. bæjarfógeti ..... | 6000,00 | | |
| 13. | Jónas Kristjánsson, fv. héraðslæknir ..... | 1000,00 | | |
| 14. | Karl Einarsson, fv. bæjarfógeti ..... | 1461,22 | | |
| 15. | Magnús Jónsson, fv. bæjarfógeti ..... | 4446,94 | | |
| 16. | Magnús Torfason, fv. sýslum. ..... | 2333,33 | | |
| 17. | Ólafur Daníelsson, fv. yfirkennari ..... | 1160,00 | | |
| 18. | Ólafur Finsen, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 19. | Ólafur Thorlacius, fv. héraðsl. ..... | 860,00 | | |
| 20. | Páll Einarsson, fv. hæstaréttard. ..... | 8000,00 | | |
| 21. | Sigurður Briem, fv. aðalpóstmeistari ..... | 6000,00 | | |
| 22. | Sigurður Magnússon prófessor ..... | 1894,40 | | |
| 23. | Sigurður Thoroddsen, fv. yfirkennari ..... | 1180,00 | | |
| 24. | Sigurjón Jónsson, fv. héraðsl. ..... | 955,00 | | |
| 25. | Sigvaldi Kaldalóns, fv. héraðsl. ..... | 855,00 | | |
| 26. | Skúli Árnason, fv. héraðsl. ..... | 800,00 | | |
| 27. | Steingr. Jónsson, fv. bæjarfógeti ..... | 5599,40 | | |
| 28. | Steingr. Matthíasson, fv. héraðsl. ..... | 860,00 | | |
| 29. | Þorbjörn Þórðarson, fv. héraðsl. ..... | 1000,00 | | |
| 30. | Þórður Sveinsson prófessor ..... | 1783,00 | | |
| 31. | Þorvaldur Pálsson, fv. héraðsl. ..... | 440,00 | | |
| | | | 61993,90 | |
| | B. Embættismannaekkjur: | | | |
| 1. | Aðalbjörg Jakobsdóttir læknisekkja ..... | 437,50 | | |
| 2. | Aðalbjörg Sigurðardóttir, ekkja Har. Níelssonar próf. ..... | 340,00 | | |
| 3. | Álfheiður Helga Briem, ekkja P. Briems .... | 625,00 | | |
| 4. | Anna Gunnlaugsson, ekkja Halldórs Gunnlaugssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | | |
| 5. | Anna Jónsson, ekkja Kl. Jónssonar fv. ráðh. | 750,00 | | |
| 6. | Anna Jónsdóttir, ekkja St. Gíslasonar héraðsl. | 187,50 | | |
| 7. | Cathinka Sigfússon, ekkja Jóhs. Sigfússonar kennara ..... | 240,00 | | |
| 8. | Christophine Bjarnhéðinsson, ekkja Sæmundar Bjarnhéðinssonar prófessors ..... | 375,00 | | |
| 9. | Guðrún Björnsdóttir, ekkja Þ. Pálssonar héraðslæknis ..... | 187,50 | | |
| 10. | Guðrún B. Gísladóttir, ekkja Jóns Sigurðssonar héraðsl. ..... | 189,37 | | |
| 11. | Guðrún Tulinius, ekkja Axels Tulinius sýslum. | 469,15 | | |
| 12. | Ingibjörg Magnúsdóttir, ekkja Júl. Halldórssonar héraðsl. ..... | 212,50 | | |
| 13. | Ingibjörg Sigurðardóttir, ekkja Jóns Jónssonar héraðsl. ..... | 150,00 | | |
| 14. | Ingileif S. Aðils, ekkja Jóns Aðils prófessors | 340,00 | | |
| 15. | Jenny Forberg, ekkja O. Forbergs landssímastj. | 500,00 | | |
| | Flutt ... | 5153,52 | 61993,90 | |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 5153,52 | 61993,90 | |
| 16. | Kristín Þórarinsdóttir, ekkja Kr. Kristjánssonar héraðsl. ..... | 237,50 | | |
| 17. | Lára Malvina Scheving, ekkja G. Schevings héraðslæknis ..... | 187,50 | | |
| 18. | Margrét Árnadóttir, ekkja P. V. Bjarnasonar sýslum. ..... | 350,00 | | |
| 19. | Margrét Björnson, ekkja G. Björnson landl. | 875,00 | | |
| 20. | Margrét Lárusdóttir, ekkja G. Þorsteinssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | | |
| 21. | Marie Helgason, ekkja Jóns Helgasonar biskups | 700,00 | | |
| 22. | Ragna Gunnarsdóttir, ekkja Ólafs Gunnarssonar héraðslæknis ..... | 150,00 | | |
| 23. | Rannveig Tómasdóttir, ekkja Magnúsar Jóhannssonar héraðslæknis ..... | 187,50 | | |
| 24. | Sigríður Blöndal, ekkja B. Blöndals héraðsl. | 150,00 | | |
| 25. | Sigríður Hjaltadóttir Jensson, ekkja J. Jenssonar yfirdómara ..... | 500,00 | | |
| 26. | Sigríður Pálsson, ekkja Pálma Pálssonar yfirkennara ..... | 450,00 | | |
| 27. | Sigrún Bjarnason, ekkja Þorl. H. Bjarnasonar yfirkennara ..... | 400,00 | | |
| 28. | Sofia Guðmundsson, ekkja Magnúsar Guðmundssonar ráðherra ..... | 450,00 | | |
| 29. | Steinunn Frímannsdóttir, ekkja St. Stefánssonar skólameistara ..... | 715,82 | | |
| 30. | Súsanna Erlendsson, ekkja Hinriks Erlendssonar héraðsl. ..... kr. 187,50<br>Samkv. kgúrsk. 7/6 1931, með hverju barni hennar til 16 ára aldurs:<br>Bjarni, f. 7/6 1927 ..... — 100,00 | 287,50 | | |
| 31. | Theodóra Thoroddsen, ekkja Sk. Thoroddsens sýslumanns ..... | 535,17 | | |
| 32. | Vigdís G. Blöndal, ekkja Jóns Blöndals héraðsl. | 187,50 | | |
| 33. | Þóra Gísladóttir, ekkja Sig. Pálssonar héraðsl. | 212,50 | | |
| 34. | Þóra Magnússon, ekkja J. Magnússonar ráðh. | 1200,00 | | |
| 35. | Þórunn Hafstein, ekkja M. Hafsteins sýslum. | 315,00 | | |
| 36. | Þórunn Siemsen, ekkja Fr. Siemsens sýslum. | 391,90 | | |
| | | | 13786,41 | |
| | C. Prestsekkjur: | | | |
| 1. | Anna Kvaran frá Mælifelli ..... | 145,00 | | |
| 2. | Anna Stefánsdóttir frá Stað í Súgandafirði .. | 100,00 | | |
| 3. | Arnbjörg Einarsdóttir frá Breiðabólsstað ... | 118,43 | | |
| 4. | Ástríður Petersen frá Svalbarði ..... | 100,00 | | |
| 5. | Bergljót Blöndal frá Hvammi í Skagafirði .. | 100,00 | | |
| 6. | Björg Einarsdóttir frá Dvergasteini ..... | 256,84 | | |
| 7. | Björg Einarsdóttir frá Undirfelli ..... | 100,00 | | |
| | Flyt ... | 920,27 | 75780,31 | |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 920,27 | 75780,31 |
| 8. | Guðbjörg Hermannsdóttir frá Þingvöllum .. | 118,30 | |
| 9. | Guðný Þorsteinsdóttir frá Nesi ..... | 126,44 | |
| 10. | Guðrún Hermannsdóttir frá Breiðabólsstað .. | 212,94 | |
| 11. | Guðrún J. Jóhannesdóttir frá Bergsstöðum .. | 107,54 | |
| 12. | Guðrún Jónsdóttir frá Kolfreyjustað ..... | 183,78 | |
| 13. | Guðrún Runólfsdóttir ..... | 164,47 | |
| 14. | Guðrún Torfadóttir frá Hólmum ..... | 134,40 | |
| 15. | Guðríður Helgadóttir frá Kvennabrekku ..... | 168,00 | |
| 16. | Guðríður Ólafsdóttir frá Húsavík ..... | 135,74 | |
| 17. | Helga Jónsdóttir frá Eskifirði ..... | 193,00 | |
| 18. | Helga Skúladóttir frá Kálfafellsstað ..... | 72,94 | |
| 19. | Helga Stephensen frá Holti ..... | 184,36 | |
| 20. | Ingibjörg Jónasdóttir frá Árnesi ..... | 125,30 | |
| 21. | Ingibjörg Magnúsdóttir frá Laufási ..... | 142,10 | |
| 22. | Ingveldur Einarsdóttir frá Raufarhöfn ..... | 100,00 | |
| 23. | Jakobína Sigurgeirsdóttir frá Borg ..... | 142,56 | |
| 24. | Jóhanna Magnúsdóttir frá Staðarhrauni .... | 224,00 | |
| 25. | Kristín Ísleifsdóttir frá Eyrarbakka ..... | 119,00 | |
| 26. | Líney Sigurjónsdóttir frá Görðum ..... | 314,81 | |
| 27. | Margrét Jónasdóttir frá Stað ..... | 131,36 | |
| 28. | Margrét Sigurðardóttir frá Höskuldsstöðum .. | 131,85 | |
| 29. | María Elísabet Jónsdóttir frá Grenjaðarstöðum | 170,00 | |
| 30. | Ólína Snæbjörnsdóttir frá Stað á Reykjanesi | 192,53 | |
| 31. | Ragnheiður Magnúsdóttir frá Stað í Steing.f. | 131,36 | |
| 32. | Sigríður Hansdóttir frá Djúpavogi ..... ..... | 110,24 | |
| 33. | Sigríður Helgadóttir frá Odda ..... | 215,70 | |
| 34. | Sigríður Jóhannesdóttir frá Hruna ..... | 129,42 | |
| 35. | Sigurlaug Knudsen frá Breiðabólstað ..... | 133,00 | |
| 36. | Sigrún Kjartansdóttir frá Mosfelli ..... | 147,50 | |
| 37. | Steinunn Eiríksd. Stephensen frá Bjarnanesi | 200,22 | |
| 38. | Vigdís Einarsdóttir frá Stað í Grunnavík .. | 104,16 | |
| 39. | Vilborg Jónsdóttir frá Prestsbakka ..... | 102,65 | |
| 40. | Þóra Jónsdóttir frá Auðkúlu ..... | 82,72 | |
| 41. | Þorbjörg Pálsdóttir frá Gilsbakka ..... | 100,00 | |
| 42. | Þórhildur Sigurðardóttir frá Stöð ..... | 118,23 | |
| | | | 6090,89 |
| | D. Eftirlaun samkv. l. nr. 49 1923: | | |
| | Einar Þorkelsson, fyrrv. skrifstofustjóri Alþingis .... | | 2500,00 |
| | E. Framlag samkv. l. nr. 51 1921, 8. gr. | | |
| 1. | Aldný Magnúsdóttir, ekkja Árna Kristjánssonar símritara ..... | 220,00 | |
| 2. | Anna Þorgrímsdóttir læknisekkja ..... | 300,00 | |
| 3. | Ásta Einarson, ekkja Magnúsar Einarssonar dýralæknis ..... | 250,00 | |
| | Flyt ... | 770,00 | 84371,20 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 770,00 | 84371,20 | |
| 4. | Ásta Halldórsdóttir, ekkja Óskars Jónssonar póstafgreiðslum. ..... kr. 240,00 | | | |
| | Börn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | 1. Edda, f. 5/6 1931 ..... — 100,00 | | | |
| | 2. Eva, f. 12/9 1934 ..... — 100,00 | | | |
| | | 440,00 | | |
| 5. | Björg Jónsdóttir, ekkja Sig. Þórðarsonar prests ..... kr. 200,00 | | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | Oddrún Valborg, f. 3/4 1928 ..... — 100,00 | | | |
| | | 300,00 | | |
| 6. | Guðbjörg Árnadóttir, ekkja Jóns Karlssonar héraðslæknis ..... | 350,00 | | |
| 7. | Guðfinna Þórðardóttir vitavarðarekkja ..... | 90,00 | | |
| 8. | Harriet Jónsson, ekkja Magn. Jónssonar lagapr. | 450,00 | | |
| 9. | Hedvig Blöndal, ekkja Óla P. Blöndals póstr. | 350,00 | | |
| 10. | Hrefna Einarsdóttir læknisekkja ..... | 350,00 | | |
| 11. | Ida Stefánsdóttir, símam.ekkja ... kr. 220,00 | | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | Olga, f. 25/11 1931 ..... — 100,00 | | | |
| | | 320,00 | | |
| 12. | Ingibjörg Guðjónsdóttir, ekkja Sigurgríms Stefánssonar símritara ..... | 180,00 | | |
| 13. | Ingibjörg Ögmundsdóttir, ekkja Guðm. Eyjólfssonar símstjóra ..... | 180,00 | | |
| 14. | Kristín Guðmundsdóttir, ekkja Jóns Guðmundssonar vitavarðar ..... | 150,00 | | |
| 15. | Lára Bjarnadóttir, ekkja Gísla Lárussonar símritara ..... | 220,00 | | |
| 16. | Margrét Lárusdóttir, ekkja Guðm. Guðfinnssonar héraðslæknis ..... | 300,00 | | |
| 17. | Margrét Þórðardóttir, ekkja Guðna Hjörleifss. héraðslæknis ..... | 450,00 | | |
| 18. | María Guðmundsdóttir, ekkja Ásgr. Péturss. fiskimatsmanns ..... | 240,00 | | |
| 19. | María Jónsdóttir, ekkja Fr. Klemenssonar póstafgreiðslum. ..... | 240,00 | | |
| 20. | Marta Þórarinsdóttir, ekkja Viggós Snorrasonar símamanns ..... kr. 180,00 | | | |
| | Barn hennar til 16 ára aldurs: | | | |
| | Helga, f. 21/7 1927 ..... — 100,00 | | | |
| | | 280,00 | | |
| 21. | Rigmor Ófeigsson, ekkja Jóns Ófeigssonar yfirkennara ..... | 340,00 | | |
| | Flyt ... | 6000,00 | 84371,20 | |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 6000,00 | 84371,20 | |
| 22. Þrúður Ingibjörg Jónsdóttir, ekkja Björns Magnússonar símstjóra .. | kr. 260,00 | | | |
| Barn hennar til 16 ára aldurs: Magnús, f. ¼₁ 1928 ..... | — 100,00 | | | |
| | | 360,00 | | |
| | | | 6360,00 | |
| | | | | 90731,20 |
| II. Styrktarfé og eftirlaun, auk lögboðinna eftirlauna: | | | | |
| a. Embættismenn: | | | | |
| 1. Ari Arnalds, fyrrv. bæjarfógeti ..... | | 2660,00 | | |
| 2. Árni Þorvaldsson, fyrrv. yfirkennari .. | | 1000,00 | | |
| 3. Bogi Brynjólfsson, fyrrv. sýslumaður . | | 640,00 | | |
| 4. Eggert Stefánsson, fyrrv. símafulltrúi Akureyri ..... | | 1200,00 | | |
| 5. Einar Þorkelsson, fyrrv. skrifstofustjóri Alþingis ..... | | 1000,00 | | |
| 6. Guðmundur Björnsson, fyrrv. sýslum. | | 1000,00 | | |
| 7. Guðmundur Hannesson prófessor .... | | 1200,00 | | |
| 8. Guðm. Sveinbjörnsson, fyrrv. skrifstofustjóri ..... | | 3403,19 | | |
| 9. Halldór Júlíusson, fyrrv. sýslumaður .. | | 800,00 | | |
| 10. Halldór Steinsson, fyrrv. héraðslæknir | | 1000,00 | | |
| 11. Ingólfur Gíslason, fyrrv. héraðslæknir | | 1000,00 | | |
| 12. Jónas Kristjánsson, fyrrv. héraðslæknir | | 1000,00 | | |
| 13. Jósep Björnsson, fyrrv. skólastjóri .. | | 1577,14 | | |
| 14. Kofoed-Hansen, fyrrv. skógræktarstjóri | | 1546,80 | | |
| 15. Magnús Torfason, fyrrv. sýslumaður .. | | 1826,67 | | |
| 16. Ólafur Daníelsson, fyrrv. yfirkennari . | | 2000,00 | | |
| 17. Ólafur Finsen, fyrrv. héraðslæknir ... | | 1000,00 | | |
| 18. Ólafur Thorlacius, fyrrv. héraðslæknir | | 1000,00 | | |
| 19. Páll Halldórsson, fyrrv. skólastjóri .. | | 1000,00 | | |
| 20. Sigurður Magnússon, fyrrv. yfirlæknir | | 2000,00 | | |
| 21. Sigurður Thoroddsen, fyrrv. yfirkennari | | 2000,00 | | |
| 22. Sigvaldi Kaldalóns, fv. héraðslæknir | | 2067,12 | | |
| 23. Skúli Árnason, fyrrv. héraðslæknir .. | | 535,00 | | |
| 24. Steingrímur Matthíasson, fyrrv. héraðsl. | | 1000,00 | | |
| 25. Th. Krabbe, fyrrv. vitamálastjóri ..... | | 1328,00 | | |
| 26. Þórður Sveinsson, fyrrv. yfirlæknir .. | | 2000,00 | | |
| 27. Þorkell Þorláksson, fyrrv. aðstoðarm. | | 1500,00 | | |
| 28. Þorvaldur Pálsson, fyrrv. héraðslæknir | | 300,00 | | |
| | | | 38583,92 | |
| b. Embættismannaekkjur og börn: | | | | |
| 1. Aðalbjörg Jakobsdóttir læknisekkja .. | | 500,00 | | |
| 2. Aðalbjörg Sigurðardóttir ..... | | 1200,00 | | |
| 3. Anna Gunnlaugsson ..... | | 900,00 | | |
| 4. Anna Jónsdóttir læknisekkja ..... | | 500,00 | | |
| 5. Anna Jónsson, ekkja Kl. Jónssonar .. | | 450,00 | | |
| | Flyt ... | 3550,00 | 38583,92 | 90731,20 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 3550,00 | 38583,92 | 90731,20 |
| 6. | Anna Þorgrímsdóttir læknisekkja, 600 kr., auk 100 kr. með hverju barni hennar í ómegð ..... | 700,00 | | |
| 7. | Ásta Einarson ..... | 600,00 | | |
| 8. | Camilla Hallgrímsson ..... | 760,00 | | |
| 9. | Cathinka Sigfússon ..... | 1000,00 | | |
| 10. | Christophine Bjarnhéðinsson ..... | 1200,00 | | |
| 11. | Dómhildur Jóhannesdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 12. | Guðlaug Magnúsdóttir ..... | 2000,00 | | |
| 13. | Guðrún Björnsdóttir, læknisekkja ... | 600,00 | | |
| 14. | Harriet Jónsson ..... | 450,00 | | |
| 15. | Helga Finnsdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 16. | Hrefna Einarsdóttir ..... | 600,00 | | |
| 17. | Ingibjörg Magnúsdóttir læknisekkja .. | 500,00 | | |
| 18. | Ingileif Snæbjarnardóttir Aðils ..... | 400,00 | | |
| 19. | Jenny Forberg ..... | 600,00 | | |
| 20. | Júliana Jónsdóttir, ekkja H. Jónssonar dýralæknis ..... | 500,00 | | |
| 21. | Kristín Vídalín Jacobson ..... | 1800,00 | | |
| 22. | Kristín Þórarinsdóttir læknisekkja ... | 400,00 | | |
| 23. | Magnea Ásgeirsson ..... | 200,00 | | |
| 24. | Margrét Árnadóttir ..... | 450,00 | | |
| 25. | Margrét Björnson ..... | 1000,00 | | |
| 26. | Margrét Lárusdóttir, ekkja Guðmundar Guðfinnssonar héraðslæknis ..... | 700,00 | | |
| 27. | Margrét Kr. Lárusdóttir læknisekkja .. | 400,00 | | |
| 28. | Margrét Þórðardóttir læknisekkja, 600 kr., auk 100 kr. með hverju barni í ómegð ..... | 1000,00 | | |
| 29. | Marie Helgason ..... | 2000,00 | | |
| 30. | Ragna Gunnarsdóttir læknisekkja .... | 600,00 | | |
| 31. | Ragnheiður Einarsdóttir sýslum.ekkja | 600,00 | | |
| 32. | Ragnheiður Jónasson sýslumannsekkja | 800,00 | | |
| 33. | Rannveig Tómasdóttir ..... | 600,00 | | |
| 34. | Rigmor Ófeigsson ..... | 800,00 | | |
| 35. | Sigríður Arnljótsdóttir læknisekkja .. | 600,00 | | |
| 36. | Sigríður Blöndal ..... | 300,00 | | |
| 37. | Sigríður Finnbogadóttir ..... | 800,00 | | |
| 38. | Sigríður Fjeldsted ..... | 450,00 | | |
| 39. | Sigríður Hjaltadóttir Jensson ..... | 400,00 | | |
| 40. | Sigrún Bjarnason ..... | 600,00 | | |
| 41. | Sofia Guðmundsson ..... | 2000,00 | | |
| 42. | Soffía Hjaltested ..... | 600,00 | | |
| 43. | Steinunn Frímannsdóttir ..... | 450,00 | | |
| 44. | Súsanna Friðriksdóttir Erlendsson ... | 500,00 | | |
| 45. | Theodóra Thoroddsen ..... | 1200,00 | | |
| 46. | Þórhildur Eiríksdóttir Magnús ..... | 600,00 | | |
| | Flyt ... | 35710,00 | 38583,92 | 90731,20 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 35710,00 | 38583,92 | 90731,20 |
| 47. Þórunn Hafstein sýslumannsekkja ... | 400,00 | | |
| 48. Þrúður Ingibj. Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| | | 36410,00 | |
| c. Uppgjafaprestar: | | | |
| 1. Árni Þórarinsson ..... | 280,00 | | |
| 2. Ásmundur Gíslason ..... | 385,00 | | |
| 3. Böðvar Bjarnason ..... | 1200,00 | | |
| 4. Einar Pálsson ..... | 430,00 | | |
| 5. Einar Thorlacius ..... | 355,00 | | |
| 6. Halldór Bjarnarson ..... | 430,00 | | |
| 7. Hallgrímur Thorlacius ..... | 295,00 | | |
| 8. Ingvar Nikulásson ..... | 385,00 | | |
| 9. Jón Árnason ..... | 445,00 | | |
| 10. Jón Norðfjörð Johannessen ..... | 460,00 | | |
| 11. Kjartan Kjartansson ..... | 400,00 | | |
| 12. Kristinn Daníelsson ..... | 520,00 | | |
| 13. Magnús Bjarnason ..... | 355,00 | | |
| 14. Matthías Eggertsson ..... | 465,00 | | |
| 15. Ófeigur Vigfússon ..... | 280,00 | | |
| 16. Ólafur Magnússon ..... | 420,00 | | |
| 17. Pálmi Þóroddsson ..... | 265,00 | | |
| 18. Runólfur Magnús Jónsson ..... | 430,00 | | |
| 19. Sigtr. Guðlaugsson ..... | 3000,00 | | |
| 20. Stefán Kristinsson ..... | 400,00 | | |
| 21. Theódór Jónsson ..... | 1435,00 | | |
| 22. Vigfús Þórðarson ..... | 385,00 | | |
| 23. Þórður Ólafsson ..... | 370,00 | | |
| 24. Þorvaldur Jakobsson ..... | 1275,00 | | |
| 25. Þorvarður Þorvarðsson ..... | 475,00 | | |
| | | 15140,00 | |
| d. Prestsekkjur: | | | |
| 1. Anna Kvaran frá Mælifelli ..... | 300,00 | | |
| 2. Anna Stefánsdótir frá Stað ..... | 200,00 | | |
| 3. Ástríður Petersen frá Svalbarði ..... | 200,00 | | |
| 4. Auður Gísladóttir ..... | 300,00 | | |
| 5. Bergljót Blöndal ..... | 200,00 | | |
| 6. Björg Einarsdóttir frá Dvergasteini .. | 200,00 | | |
| 7. Björg Einarsdóttir frá Undirfelli ..... | 500,00 | | |
| 8. Björg Jónasdóttir frá Eskifirði ..... | 300,00 | | |
| 9. Björg Jónsdóttir frá Vallanesi ..... | 300,00 | | |
| 10. Dorothea Guðmundsson ..... | 300,00 | | |
| 11. Guðbjörg Guðmundsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 12. Guðbjörg Hermannsdóttir ..... | 181,70 | | |
| 13. Guðný Þorsteinsdóttir ..... | 173,56 | | |
| 14. Guðríður Helgadóttir ..... | 282,00 | | |
| 15. Guðríður Ólafsdóttir ..... | 164,26 | | |
| 16. Guðrún J. Jóhannesdóttir ..... | 500,00 | | |
| 17. Guðrún Jónsdóttir 800 kr., auk 300 kr. með hverju barni hennar í ómegð .. | 2600,00 | | |
| Flyt ... | 7101,52 | 90133,92 | 90731,20 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 7101,52 | 90133,92 | 90731,20 |
| 18. | Guðrún S. Jónsdóttir ..... | 250,00 | | |
| 19. | Guðrún Runólfsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 20. | Guðrún Torfadóttir ..... | 300,00 | | |
| 21. | Helga Jónsdóttir frá Eskifirði ..... | 300,00 | | |
| 22. | Helga Ketilsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 23. | Helga Skúladóttir ..... | 227,06 | | |
| 24. | Ingibjörg Jónasdóttir frá Árnesi .... | 300,00 | | |
| 25. | Ingibjörg Magnúsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 26. | Ingveldur Einarsdóttir frá Raufarhöfn | 300,00 | | |
| 27. | Jakobína Sigurgeirsdóttir ..... | 157,44 | | |
| 28. | Jóhanna Magnúsdóttir prófastsekkja . | 300,00 | | |
| 29. | Kristín Ísleifsdóttir frá Eyrarbakka .. | 500,00 | | |
| 30. | Líney Sigurjónsdóttir ..... | 500,00 | | |
| 31. | Margrét Jónasdóttir ..... | 300,00 | | |
| 32. | María Elísabet Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 33. | Margrét Sigurðardóttir prófastsekkja . | 500,00 | | |
| 34. | Ólína Snæbjörnsdóttir frá Stað ..... | 300,00 | | |
| 35. | Sigríður Hansdóttir ..... | 385,00 | | |
| 36. | Sigríður Helgadóttir ..... | 300,00 | | |
| 37. | Sigríður Jóhannesdóttir ..... | 300,00 | | |
| 38. | Sigríður Kjartansdóttir, 800 kr. auk 300 kr. með hverju barna sinna ..... | 2000,00 | | |
| 39. | Sigrún Kjartansdóttir ..... | 300,00 | | |
| 40. | Sigurlaug Knudsen ..... | 300,00 | | |
| 41. | Steinunn Eiríksdóttir Stephensen .... | 200,00 | | |
| 42. | Steinunn Pétursdóttir ..... | 300,00 | | |
| 43. | Vilborg Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 44. | Þóra Jónsdóttir ..... | 217,28 | | |
| 45. | Þórhildur Sigurðardóttir ..... | 300,00 | | |
| | | | 17438,30 | |
| e. | Kennarar, kennaraekkjur og börn: | | | |
| 1. | Aðalbjörg Steinsdóttir ..... | 500,00 | | |
| 2. | Anna Ásmundsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 3. | Ásdís Þorgrímsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 4. | Ásta Magnúsdóttir ..... | 200,00 | | |
| 5. | Brynjólfur Þorláksson söngkennari ... | 1200,00 | | |
| 6. | Einar Hávarðsson ..... | 150,00 | | |
| 7. | Elísabet Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 8. | Guðbjörg Kristjánsdóttir ..... | 1200,00 | | |
| 9. | Guðmundur Björnsson ..... | 400,00 | | |
| 10. | Hallgrímur Jónsson skólastjóri ..... | 2250,00 | | |
| 11. | Hólmfríður Gísladóttir kennslukona .. | 500,00 | | |
| 12. | Ingivaldur Nikulásson kennari ..... | 400,00 | | |
| 13. | Jón Strandfeld ..... | 150,00 | | |
| 14. | Lárus Bjarnason skólastjóri ..... | 3600,00 | | |
| 15. | Lárus Rist kennari ..... | 600,00 | | |
| 16. | Ragnheiður Guðjónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 17. | Ragnheiður Torfadóttir ..... | 400,00 | | |
| | Flutt ... | 12750,00 | 107572,22 | 90731,20 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flyt ... | 12750,00 | 107572,22 | 90731,20 |
| 18. Samúel Eggertsson ..... | 300,00 | | |
| 19. Sigurður Sigurðsson ..... | 400,00 | | |
| 20. Sigurjón Rögnvaldsson ..... | 200,00 | | |
| 21. Viktoría Bjarnadóttir ..... | 150,00 | | |
| 22. Vilborg Torfadóttir, ekkja Eyjólfs Sveinssonar kennara ..... | 300,00 | | |
| | | 14100,00 | |
| f. Póstmenn, póstar og ekkjur þeirra: | | | |
| 1. Anína Arinbjarnardóttir ..... | 300,00 | | |
| 2. Árni Sigurðsson bréfberi ..... | 200,00 | | |
| 3. Ásgeir Jónsson ..... | 400,00 | | |
| 4. Baldur Eyjólfsson póstur ..... | 400,00 | | |
| 5. Björn Jónsson Vestfjarðapóstur ..... | 200,00 | | |
| 6. Böðvar Jónsson póstur ..... | 400,00 | | |
| 7. Eiríkur Sigfússon póstur ..... | 200,00 | | |
| 8. Eiríkur Steingrímsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 9. Elínborg Vigfúsdóttir, ekkja Einars Runólfssonar póstafgreiðslumanns ... | 400,00 | | |
| 10. Friðrik Jónsson póstur ..... | 450,00 | | |
| 11. Guðbjörg Ólafsdóttir, ekkja G. Kristjánssonar pósts ..... | 300,00 | | |
| 12. Guðjón Hermannsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 13. Guðmundur Bergsson ..... | 1200,00 | | |
| 14. Guðm. Kristjánsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 15. Guðmundur Ólafsson póstur ..... | 500,00 | | |
| 16. Guðrún Snorradóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| 17. Hafliði Sveinsson ..... | 300,00 | | |
| 18. Halla Árnadóttir póstsekkja ..... | 300,00 | | |
| 19. Halldór Benediktsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 20. Hedvig Blöndal, ekkja Óla Blöndals póstritara ..... | 300,00 | | |
| 21. Ingibjörg Sigurðardóttir póstafgr.kona | 400,00 | | |
| 22. Jóhann B. Jensson póstur ..... | 300,00 | | |
| 23. Jóhanna Þ. Jónsdóttir póstsekkja .... | 200,00 | | |
| 24. Jóhanna Thorlacius póstmannsekkja .. | 300,00 | | |
| 25. Jón Jónsson póstur í Galtarholti .... | 500,00 | | |
| 26. Kjartan Þorkelsson, fyrrum póstafgrm. og matsmaður ..... | 300,00 | | |
| 27. Kristinn Árnason póstur ..... | 250,00 | | |
| 28. Kristján Albert Bjarnason póstur .... | 300,00 | | |
| 29. Kristján Jónsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 30. Loftur Ólafsson póstur ..... | 600,00 | | |
| 31. Magnús Einarsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 32. María Jónsdóttir, ekkja Fr. Klemenss. | 300,00 | | |
| 33. Ólafía Finnbogadóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| 34. Ólöf Gunnarsdóttir, ekkja Árna Sigbjörnssonar pósts ..... | 200,00 | | |
| Flyt ... | 11500,00 | 121672,22 | 90731,20 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flutt ... | 11500,00 | 121672,22 | 90731,20 |
| 35. Ragnheiður Bjarnadóttir, ekkja Þorleifs Jónssonar ..... | 1000,00 | | |
| 36. Ragnheiður Straumfjörð ..... | 300,00 | | |
| 37. Sigríður Guðmundsdóttir póstsekkja .. | 300,00 | | |
| 38. Sigríður Sigurðardóttir póstsekkja ... | 200,00 | | |
| 39. Sigríður Snæbjörnssen ..... | 500,00 | | |
| 40. Sigríður Steingrímsdóttir, Árnanesi, ekkja Sigurðar Péturssonar pósts .... | 200,00 | | |
| 41. Sigurður Benediktsson póstur ..... | 300,00 | | |
| 42. Sigurður Sumarliðason póstur ..... | 200,00 | | |
| 43. Sigurjón Sumarliðason póstur ..... | 500,00 | | |
| 44. Solveig Árnadóttir póstsekkja ..... | 300,00 | | |
| 45. Stefán Þorvaldsson póstur ..... | 400,00 | | |
| 46. Sumarliði Guðmundsson póstur ..... | 500,00 | | |
| 47. Tryggvi Hallgrímsson póstur ..... | 200,00 | | |
| 48. Vésteinn Árnason póstur ..... | 200,00 | | |
| 49. Þóra Matthíasdóttir Skaftason ..... | 300,00 | | |
| 50. Þórdís Ívarsdóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| 51. Þorlákur Þorláksson póstur ..... | 200,00 | | |
| 52. Þórunn Sigurðardóttir ..... | 300,00 | | |
| 53. Þuríður Einarsdóttir póstsekkja ..... | 200,00 | | |
| | | 17800,00 | |
| g. Sigurður Nordal, samkvæmt samningi ..... | | 2000,00 | |
| h. Ólafur Friðriksson ..... | | 1800,00 | |
| i. Dr. Helgi Pétursson ..... | | 5000,00 | |
| j. Séra Guðmundur Einarsson, til ritstarfa ..... | | 2000,00 | |
| k. Sigurjón Friðjónsson ..... | | 1000,00 | |
| l. Ekkjur og börn skálda og listamanna: | | | |
| 1. Anna Pálsdóttir ..... | 600,00 | | |
| 2. Arnbjörg Einarsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 3. Eleanor Sveinbjörnsson ..... | 1200,00 | | |
| 4. Gíslína Kvaran ..... | 600,00 | | |
| 5. Guðrún Jónsdóttir Erlingsson ..... | 600,00 | | |
| 6. Ólína Þorsteinsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 7. Sigríður Jónsdóttir frá Hvítadal ..... | 500,00 | | |
| 8. Sigríður Snæbjarnardóttir, ekkja Þór. B. Þorlákssonar málara ..... | 500,00 | | |
| 9. Sigurlaug G. Gröndal ..... | 400,00 | | |
| 10. Valborg Einarsson ..... | 1000,00 | | |
| 11. Valgerður Benediktsson ..... | 2400,00 | | |
| 12. Þórunn Pálsdóttir, ekkja Þorsteins Gíslasonar ..... | 600,00 | | |
| | | 9000,00 | |
| m. Ýmsir starfsmenn og ekkjur: | | | |
| 1. Aðalheiður Pálsdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 2. Ágústa Þ. Ólafsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 3. Ásdís M. Sigurðardóttir ljósmóðir .... | 300,00 | | |
| 4. Anna Bjarnadóttir, ekkja Hj. Láruss. | 300,00 | | |
| 5. Arndís Sigurðardóttir ..... | 300,00 | | |
| Flutt ... | 1400,00 | 160272,22 | 90731,20 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flyt ... | 1400,00 | 160272,22 | 90731,20 |
| 6. | Árni Gíslason yfirfiskimatsmaður .... | 1000,00 | | |
| 7. | Árni G. Þóroddsson, fv. fiskimatsmaður | 400,00 | | |
| 8. | Ásgeir Jónsson, Gottorp ..... | 300,00 | | |
| 9. | Ásta Þorvaldsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 10. | Bjarni Grímsson, fyrrv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 11. | Bjarni Magnússon fangavörður ..... | 300,00 | | |
| 12. | Björg Guðmundsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 13. | Björn Einarsson ..... | 2000,00 | | |
| 14. | Björn Eymundsson hafnsögumaður .. | 1000,00 | | |
| 15. | Björn Jónasson fiskimatsmaður ..... | 350,00 | | |
| 16. | Davíð Gíslason ..... | 600,00 | | |
| 17. | Eggert Brandsson, sjómaður ..... | 1200,00 | | |
| 18. | Einar Markússon, fyrrv. ríkisbókari .. | 2000,00 | | |
| 19. | Einar Straumfjörð, fyrrv. vitavörður, vegna örorku ..... | 1000,00 | | |
| 20. | Eiríkur Eiríksson, fyrrv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 21. | Erlendur Erlendsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 22. | Friðfinnur Guðjónsson leikari ..... | 800,00 | | |
| 23. | Gestur Guðmundsson, fyrrv. vitavörður | 400,00 | | |
| 24. | Gestur Sigurðsson leiðsögumaður .... | 300,00 | | |
| 25. | Gísli Jónsson, fyrrv. fiskimatsm. ..... | 400,00 | | |
| 26. | Gróa Dalhoff ..... | 800,00 | | |
| 27. | Guðbjörg Jónsdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 28. | Guðbjörg Þorleifsdóttir, Múlakoti .... | 400,00 | | |
| 29. | Guðbrandur Þorsteinsson vitavörður .. | 400,00 | | |
| 30. | Guðfinna Þórðardóttir vitavarðarekkja | 300,00 | | |
| 31. | Guðlaugur Hansson lýsismatsm. .... | 400,00 | | |
| 32. | Guðmundur Davíðsson, fv. umsjónarm. | 1500,00 | | |
| 33. | Guðmundur Eiríksson á Þorfinnsstöðum | 300,00 | | |
| 34. | Guðm. Gestsson, fv. dyrav. Menntaskól. | 1200,00 | | |
| 35. | Guðmundur Gissurarson, fv. fiskimatsm. | 400,00 | | |
| 36. | Guðmundur Kr. Guðmundsson, fyrrv. fiskimatsmaður ..... | 400,00 | | |
| 37. | Guðmundur Ólafsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 38. | Guðrún Egilson 2000 kr., auk 100 kr. með barni hennar í ómegð ..... | 2100,00 | | |
| 39. | Guðrún Ragúels ..... | 300,00 | | |
| 40. | Halldór Brynjólfsson blindi ..... | 350,00 | | |
| 41. | Halldóra Þórðardóttir ..... | 600,00 | | |
| 42. | Helgi Árnason, fyrrv. safnahúsvörður | 700,00 | | |
| 43. | Henriette Kjær, fv. yfirhjúkrunarkona | 600,00 | | |
| 44. | Hlín Johnson ..... | 1200,00 | | |
| 45. | Hólmfríður Björnsdóttir, ekkja G. Hjaltasonar ..... | 300,00 | | |
| 46. | Hólmgeir Jensson ..... | 300,00 | | |
| 47. | Ingibjörg Guðjónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 48. | Ingibjörg Jakobsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 49. | Jóhann Gíslason, fv. fiskimatsmaður . | 400,00 | | |
| | Flyt ... | 29200,00 | 160272,22 | 90731.20 |

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | Flutt ... | 29200,00 | 160272,22 | 90731,20 |
| 50. | Jóhannes Guðmundsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 51. | Jóhannes Jörundsson, Hrísey ..... | 1200,00 | | |
| 52. | Jón Runólfsson, fyrrv. sýsluskrifari .. | 600,00 | | |
| 53. | Jón Sigurðsson fiskimatsmaður ..... | 300,00 | | |
| 54. | Jón Sverrisson, fv. yfirfiskimatsm. ... | 1000,00 | | |
| 55. | Jónas Jónsson fyrrv. fiskimatsmaður . | 300,00 | | |
| 56. | Jóney Guðmundsdóttir, ekkja Guðjóns Guðlaugssonar ..... | 600,00 | | |
| 57. | Jónína Marteinsdóttir, fyrrv. hjúkrunarkona ..... | 300,00 | | |
| 58. | Kristín Eiríksdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 59. | Kristín Guðmundsdóttir, ekkja E. Helgasonar ..... | 600,00 | | |
| 60. | Kristín Pálsdóttir vitavarðarekkja .... | 500,00 | | |
| 61. | Kristján Ingimundarson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 62. | Kristján Þorlaksson vitavörður ..... | 400,00 | | |
| 63. | Kristjana Benediktsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 64. | Kristólína Kragh ..... | 300,00 | | |
| 65. | Lára Bjarnadóttir ..... | 400,00 | | |
| 66. | Magnús Magnússon dyravörður ..... | 500,00 | | |
| 67. | Magnús Magnússon, fv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 68. | Margrét Ásmundsdóttir ..... | 400,00 | | |
| 69. | Margrét Jónsdóttir vitavarðarekkja .. | 300,00 | | |
| 70. | Margrét Vigfúsdóttir vitavarðarekkja . | 300,00 | | |
| 71. | Marta Þórarinsdóttir símamannsekkja | 500,00 | | |
| 72. | Níelsína Ólafsdóttir, ekkja Daníels Daníelssonar ..... | 600,00 | | |
| 73. | Ólafur Guðmundsson, fyrrv. ferjum. .. | 600,00 | | |
| 74. | Ólafur Ísleifsson, Þjórsártúni ..... | 1000,00 | | |
| 75. | Ólöf Steingrímsdóttir, ekkja Páls Erlingssonar ..... | 500,00 | | |
| 76. | Petrea Jónsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 77. | Ragnheiður Erlendsdóttir ..... | 300,00 | | |
| 78. | Rósa Jónsdóttir vitavarðarekkja ..... | 200,00 | | |
| 79. | Runólfur Magnússon, fv. fiskimatsm. . | 300,00 | | |
| 80. | Runólfur Pétursson, innhm. ..... | 600,00 | | |
| 81. | Sigríður Gísladóttir 300 kr., og 100 kr. með hverju barni hennar til 16 ára aldurs ..... | 700,00 | | |
| 82. | Sigríður Gísladóttir ..... | 300,00 | | |
| 83. | Sigríður Jónasdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 84. | Sigríður Jónasdóttir ljósmóðir ..... | 200,00 | | |
| 85. | Sigríður Magnúsdóttir hjúkrunarkona | 500,00 | | |
| 86. | Sigríður Sveinsdóttir, ekkja Jakobs Björnssonar síldarmatsmanns ..... | 300,00 | | |
| 87. | Sigurður Jóakimsson, fv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 88. | Sigurður Jónasson, fyrrv. fiskimatsm. | 300,00 | | |
| 89. | Sigurður Jónsson, fyrrv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| | Flyt ... | 46900,00 | 160272,22 | 90731,20 |

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| Flyt ... | 46900,00 | 160272,22 | 90731,20 |
| 90. Sigurður Jónsson fyrrv. fiskimatsmaður, Hafnarfirði ..... | 400,00 | | |
| 91. Sigurður Pétursson, fyrrv. fangav. .. | 1000,00 | | |
| 92. Sigurjón Björnsson, fv. fiskimatsm. .. | 400,00 | | |
| 93. Soffía Ásgeirsdóttir hjúkrunarkona .. | 500,00 | | |
| 94. Tómas Gunnarsson, fv. fiskimatsm. .. | 300,00 | | |
| 95. Tómas Jónsson, fyrrv. fiskimatsm. .. | 300,00 | | |
| 96. Valgerður Steinsson, fv. spítalaráðsk. | 500,00 | | |
| 97. Vigfús Sigurðsson, fyrrv. vitavörður | 300,00 | | |
| 98. Þóra Sigurðardóttir ..... | 300,00 | | |
| 99. Þorsteinn Gíslason fiskimatsmaður .. | 300,00 | | |
| 100. Þorvaldur Þorvaldsson fyrrv. fiskimatsmaður ..... | 300,00 | | |
| | | 51500,00 | |
| Á styrkveitingar í II. a.—m. greiðist dýrtíðaruppbót eftir sömu reglum sem á laun embættismanna. | | | |
| n. Lífeyrir hjónanna á Staðarfelli ..... | | 3000,00 | |
| o. Dr. Páll E. Ólason, enda semji hann ókeypis ævisögur Íslendinga fyrir bókmenntafélagið ..... | | 7200,00 | |
| | | | 221972,22 |
| III. Dýrtíðaruppbót ..... | | | 78500,58 |
| Samtals ... | | . . . | 391204,00 |

19. gr.

Til óvissra útgjalda er veitt:

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| 1. Verðlagsuppbót ..... | | 9294500 | |
| 2. Sérstakar launabætur, án uppbóta: | | | |
| a. Til sýslumanna, bæjarfógeta, lögmanns og sakadómara í Reykjavík, presta, héraðslækna, háskólakennara, landsbókavarðar, þjóðskjalavarðar og þjóðminjavarðar, 2000 kr. til hvers ..... | 384000 | | |
| b. Til lögreglustjóranna í Keflavík, Bolungavík og Ólafsfirði, 1000 kr. til hvers ..... | 3000 | | |
| c. Til barnakennara við fasta skóla 1000 kr. til hvers, og til farkennara 500 kr. til hvers | 400000 | | |
| | | 787000 | |
| 3. Aukauppbætur á laun samkv. þál. 2⅝ 1942 ..... | | 3500000 | |
| 4. Til annarra útgjalda ..... | | 250000 | |
| | | | 13831500 |
| Samtals ... | | . . . | 13831500 |

## III. KAFLI

## Eignahreyfingar.

### 20. gr.

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Inn:** | | |
| I. | Fyrningar: | | |
| | 1. Samkvæmt 3. gr. A. | 226000 | |
| | 2. — 3. — B. | 3649 | |
| | 3. — 9. — | 2170 | |
| | 4. — 10. — | 2046 | |
| | 5. — 11. — | 7070 | |
| | 6. — 12. — | 64200 | |
| | 7. — 13. — | 185552 | |
| | 8. — 14. — | 16166 | |
| | 9. — 15. — | 4350 | |
| | | | 511203 |
| II. | Væntanlega útdregið af bankavaxtabréfum og veðdeildarbréfum | | 50000 |
| III. | Endurgreiddar fyrirframgreiðslur | | 10000 |
| IV. | Endurgreidd lán og andvirði seldra eigna | | 70000 |
| | Samtals ... | . . . | 641203 |
| | **Út:** | | |
| I. | Afborganir lána ríkissjóðs og ríkisstofnana: | | |
| | 1. Ríkissjóðslán: | | |
| | a. Innlend lán ... 816593 | | |
| | b. Lán í dönskum krónum ... 407402 | | |
| | c. Lán í sterlingspundum ... 510808 | | |
| | d. Lán í dollurum ... 433998 | | |
| | | 2168801 | |
| | 2. Lán ríkisstofnana: | | |
| | a. Landssíminn (sjá 3. gr. A. 1.) ... 200000 | | |
| | b. Ríkisútvarpið (sjá 3. gr. A. 4.) ... 91100 | | |
| | | 291100 | |
| | | | 2459901 |
| | Flyt ... | . . . | 2459901 |

| | kr. | kr. |
|---|---|---|
| Flutt ... | . . . | 2459901 |
| II. Til eignaaukningar ríkisstofnana: Landssíminn (ný símakerfi o. fl.) ..... | | 1350000 |
| III. Til að gera nýja vita ..... | | 350000 |
| IV. Til lögboðinna fyrirframgreiðslna ..... | | 10000 |
| Samtals ... | . . . | 4169901 |

21.
I. Rekst

| | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|
| | **Tekjur:** | | |
| 2. gr. | Skattar og tollar ..... | | 576150 |
| 3. gr. A. | Tekjur af rekstri ríkisstofnana ..... | 7761000 | |
| — B. | Tekjur af fasteignum ríkissjóðs ..... | 8440 | |
| | | | 77694 |
| 4. gr. | Tekjur af bönkum og vaxtatekjur ..... | | 3180 |
| 5. gr. | Óvissar tekjur ..... | | 500 |
| | Samtals ... | . . . | 657524 |

II. Sj

| | | kr. |
|---|---|---|
| | **Inn:** | |
| 2.—5. gr. | Rekstrartekjur samkvæmt rekstraryfirliti ..... | 657524 |
| | Aðrar innborganir og fyrningar[1]): | |
| 20. gr. I. | Fyrningar ..... | 5112 |
| — II. | Væntanlega útdregið af bankavaxtabréfum ..... | 500 |
| — III. | Endurgreiddar fyrirframgreiðslur ..... | 100 |
| — IV. | Endurgreidd lán og andvirði seldra eigna ..... | 700 |
| | Samtals ... | 663936 |

1) Fyrningar eru færðar hér til jafnaðar sömu fjárhæð, sem talin er í rekstrarútgjöldum.

firlit.
firlit.

| | | | kr. | kr. |
|---|---|---|---|---|
| | | Gjöld: | | |
| 7. gr. | | Vextir | | 1345980 |
| 8. gr. | | Kostnaður við æðstu stjórn landsins | | 150000 |
| 9. gr. | | Til alþingiskostnaðar og yfirskoðunar ríkisreikninga | | 553889 |
| 10. gr. | | Til ríkisstjórnarinnar | | 1363434 |
| 11. gr. | A. | Til dómgæzlu og lögreglustjórnar | 3576420 | |
| — | B. | Sameiginlegur kostnaður við embættisrekstur | 918879 | |
| | | | | 4495299 |
| 12. gr. | | Til læknaskipunar og heilbrigðimála | | 2151150 |
| 13. gr. | A. | Vegamál | 9873152 | |
| — | B. | Samgöngur á sjó | 2181320 | |
| — | C. | Vitamál og hafnargerðir | 3224900 | |
| — | D. | Flugmál | 150000 | |
| | | | | 15429372 |
| 14. gr. | A. | Kirkjumál | 569980 | |
| — | B. | Kennslumál | 4681416 | |
| | | | | 5251396 |
| 15. gr. | | Til vísinda, bókmennta og lista | | 1051970 |
| 16. gr. | | Til verklegra fyrirtækja | | 9351461 |
| 17. gr. | | Til almennrar styrktarstarfsemi | | 5869850 |
| 18. gr. | | Til eftirlauna og styrktarfjár | | 391204 |
| 19. gr. | | Óviss útgjöld | | 13831500 |
| | | Rekstrarafgangur | | 4515935 |
| | | Samtals ... | . . . | 65752440 |

firlit.

| | | | kr. |
|---|---|---|---|
| | | Út: | |
| 7.—19. gr. | | Rekstrarútgjöld samkvæmt rekstraryfirliti | 61236505 |
| | | Aðrar útborganir: | |
| 20. gr. | I. | Afborganir lána | 2459901 |
| — | II. | Til eignaaukningar ríkisstofnana | 1350000 |
| — | III. | Til að gera nýja vita | 350000 |
| — | IV. | Lögboðnar fyrirframgreiðslur | 10000 |
| | | Greiðslujöfnuður | 987237 |
| | | Samtals ... | 66393643 |

22. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt:

I. Að verja fé úr ríkissjóði til launagreiðslu tveggja dómara í hæstarétti, ef dómurunum verður fjölgað á árinu 1943, samkvæmt lögum um hæstarétt, nr. 112 14. maí 1935.

II. Að greiða Páli Sveinssyni, fyrrverandi yfirkennara, full laun, enda vinni hann að því að fullgera hina frakknesk-íslenzku orðabók sína.

III. Að greiða Jakobi Smára ¾ adjunktslauna fyrir skólaárið 1942—1943, ef hann lætur af embætti og fær eigi lífvænlegt starf við sitt hæfi fyrir þann tíma.

IV. Að greiða Ólafi Magnússyni, fyrrverandi prófasti í Arnarbæli, 1400 kr. vegna vangoldinna þjónustulauna við Strandarkirkju í Selvogsþingum.

V. Að greiða skólastjórunum og kennslubókahöfundunum Karli Finnbogasyni og Valdimar Snævarr aukalaun, svo að laun þeirra úr lífeyrissjóði og ríkissjóði nemi samtals ¾ af launum þeirra, er þeir hættu störfum.

VI. Að greiða Ingu Magnúsdóttur, aðstoðarmanni í stjórnarráðinu, hálf laun, meðan hún er sjúklingur.

VII. Að greiða Pétri Zóphóníassyni, ættfræðingi, full laun, ef hann lætur af starfi sínu í hagstofunni og vinnur að ættfræðirannsóknum.

VIII. Að greiða dr. Guðmundi Finnbogasyni, landsbókaverði, full laun, er hann lætur af embætti.

IX. Að greiða dr. Eiríki Albertssyni, presti á Hesti, full embættislaun, ef hann sakir heilsubrests verður að láta af embætti.

X. Að endurgreiða án vaxta þeim Ármanni Halldórssyni kennara, Vilborgu Ingimarsdóttur kennara, Soffíu E. Ingólfsdóttur og Unni Jónsdóttur, stjórnarráðsriturum, og Önnu Guðmundsdóttur, Valdísi Halldórsdóttur, Helga Gíslasyni og Sigrúnu Guðbrandsdóttur fé það, er þau hafa greitt í lífeyrissjóði embættismanna og barnakennara.

XI. Að láta þeim ráðherra, sem fer með utanríkismál, sé hann ekki jafnframt forsætisráðherra, í té leigulausa íbúð, eða að öðrum kosti greiða honum úr ríkissjóði allt að 3000 kr. til húsaleigu.

XII. Að greiða á árinu 1943 dýrtíðaruppbót á laun embættismanna, eftir sömu reglum sem á árinu 1942.

XIII. Að bæta menntamálaráði og stjórn þjóðvinafélagsins með fjárframlagi þá hækkun, sem orðið hefur eða verða kann á útgáfukostnaði á bókum félagsmanna þessara aðila árið 1943, miðað við hliðstæðan kostnað 1939, enda haldist verðið á bókum til áskrifenda óbreytt frá því, sem það var í fyrstu.

XIV. Að greiða allt að 10000 kr. til þess að efnisraða og fjölrita ævisögur lærðra manna eftir dr. Hannes Þorsteinsson.

XV. Að greiða læknisvitjanastyrki til þeirra læknishéraða, sem eru læknislaus 3 mánuði á árinu eða lengur, og nemi þeir allt að hálfum læknislaunum þann tíma, sem héraðið er læknislaust.

XVI. Að leyfa ríkisprentsmiðjunni Gutenberg að gefa út 3—4 kennslubækur handa gagnfræða- og héraðsskólum, í samráði við fræðslumálastjóra og til kvadda trúnaðarmenn þessara stofnana, að því tilskildu, að forstöðumenn framan greindra skóla hafi bundið með samningi við prentsmiðjustjórnina, að þessar bækur verði notaðar og keyptar af nægilega mörgum skólum, til þess að útgáfan megi teljast áhættulaus fyrir prentsmiðjuna.

XVII. Að láta Blindravinafélag Íslands fá að láni allt að 10 útvarpstæki til afnota fyrir blinda menn, og sé kostnaður, er af þessu leiðir, færður á fjárhagsáætlun viðtækjaverzlunar ríkisins. Enn fremur að lána allt að þremur tækjum til sjúklinga, sem liggja rúmfastir árum saman í heimahúsum.

XVIII. Að endurgreiða skemmtanaskatt af fé því, sem aflað er með samkomum og rennur til eflingar slysavörnum hér við land.

XIX. Að ábyrgjast fyrir tunnuverksmiðju Siglufjarðar allt að 150 þús. kr. rekstrarlán, enda sé lánið greitt fyrir áramót.

XX. Að ábyrgjast fyrir Ólafsfjarðarhrepp allt að 100 þús. kr. lán til rafveitu, gegn gagnábyrgð Eyjafjarðarsýslu.

XXI. Að ábyrgjast fyrir Akureyrarkaupstað allt að 200 þús. kr. lán til rekstrar tunnuverksmiðju þar, enda greiðist lánið fyrir áramót.

XXII. Að taka að sér tryggingu á flugvélum Flugfélags Íslands h/f eftir því, sem um semst.

XXIII. Að láta Íþróttasambandi Íslands í té lóð undir íþróttaheimili í Reykjavík til leigulausra afnota.

XXIV. Að láta Íþróttafélagi Reykjavíkur í té lóð undir íþróttahús í Reykjavík til leigulausra afnota.

XXV. Að krefjast þeirra trygginga, sem stjórnin metur gildar, fyrir hverri ábyrgð, sem hún gengur í fyrir hönd ríkissjóðs, enda séu allar slíkar lántökur framkvæmdar af ráðuneytinu, eða Landsbanka Íslands eða Útvegsbanka Íslands í samráði við ráðuneytið. Þó getur ráðuneytið falið einstökum mönnum útvegun lánanna.

XXVI. Að haga vinnu við verklegar framkvæmdir, sem ákveðnar eru með fjárlögum þessum, á sem hagkvæmastan hátt fyrir framleiðslustarfsemi landsmanna og jafnframt þannig, að atvinna í landinu yfirleitt verði sem jöfnust þann tíma af árinu, sem við verður komið vinnu við slíkar framkvæmdir.

XXVII. Að greiða 50000 kr. byggingarstyrk til gagnfræðaskólans í Reykjavík.

XXVIII. Að greiða 500 þús. kr. til byggingar sjómannaskóla.

XXIX. Að setja á stofn sauðfjárræktarbú á mæðiveikisvæðinu og verja til þess allt að 100000 kr. úr ríkissjóði.

XXX. Að verja allt að 150000 kr. til byggingar heilsuhælis fyrir drykkjumenn, enda verði leitazt við að velja hælinu stað við jarðhita í sveit.

XXXI. Að greiða Kvenfélagi Grindavíkur 1000 kr. fyrir afnot húseignar félagsins fyrir skólahald o. fl.

XXXII. Að verja úr ríkissjóði allt að 35 þús. kr. til kaupa á húsnæði fyrir síldarrannsóknir þær, er atvinnudeild háskólans hefur með höndum á Siglufirði.

XXXIII. Að verja úr ríkissjóði allt að 160 þús. kr., að fengnum tillögum fiskimálanefndar, til þess að styrkja þá útgerðarmenn, er misst hafa fiskiskip sín frá ófriðarbyrjun, til að eignast ný skip, þó ekki yfir 20% af verði skipsins.

XXXIV. Að verja allt að 300000 kr., þó ekki yfir ¼ byggingarkostnaðar, til byggingar nýrrar mjólkurstöðvar í Reykjavík samkvæmt lögum.

XXXV. Að greiða lokaviðgerð þjóðleikhússins að því leyti, sem núverandi sjóður þess nægir ekki til að standast nauðsynlegar greiðslur við að fullgera bygginguna.

XXXVI. Að veita Búnaðarsambandi Suðurlands allt að 50000 kr. styrk til þess að koma upp vélaverkstæði til viðgerða á landbúnaðarvélum.

XXXVII. Að verja allt að 2000000 kr. til atvinnuaukningar, ef atvinnuleysi verður á árinu, og skal einkum vinna að auknu landnámi með stofnun samvinnubyggða fyrir augum eða vegalagningu í Krýsuvíkurvegi, Vestfjarðavegi, Siglufjarðarskarði og Oddsskarði.

XXXVIII. Að verja úr ríkissjóði allt að 15 þús. kr., að fengnum tillögum Búnaðarfélags Íslands, til þess að bæta bændum við norðanvert Ísafjarðardjúp fjártjón, er þeir biðu í ofviðri 7. okt. 1942.

XXXIX. Að greiða allt að 8000 kr. til þess að bæta bændum í Firði í Mjóafirði tjón á búpeningi og veiðitækjum, er þeir hafa orðið fyrir af völdum snjóflóðs.

XL. Að greiða Gústav A. Sveinssyni hrm. allt að 2000 kr. fyrir samningu efnisyfirlits yfirréttardóma, enda takist samningur um útgáfu verksins.

XLI. Að verja allt að 100000 kr. í byggingarstyrki til nokkurra listamanna.

XLII. Að afskrifa skuld Neskaupstaðar við ríkissjóð vegna Fóðurmjölsverksmiðju Norðfjarðar.

XLIII. Að leggja til hliðar og geyma það fé á sérstökum reikningi, sem ætlað er til verklegra framkvæmda í lögum þessum, ef skortur á efnivörum eða vinnukrafti gerir ókleift að vinna þær, og er óheimilt að verja því til annarra hluta.

XLIV. Að ábyrgjast kr. 150000.00 lán til byggingar stúdentagarðs við Háskóla Íslands.

XLV. Að verja allt að helmingi af lóða- og jarðaleigum úr Vestmannaeyjum árið 1943 til varnar gegn landbroti og uppblæstri í eyjunum, enda sé allt, er að því lýtur, gert í samráði við Búnaðarfélag Íslands.

XLVI. Að verja úr ríkissjóði allt að 100 þús. kr., að fengnum tillögum vegamálastjóra, til heitvatnsborana við Kristneshæli.

XLVII. Að verja allt að 100 þús. kr. til verðlagsuppbótar á endurbyggingarstyrki til sveita, ef framlagið í 16. gr. 9. b. hrekkur ekki til.

23. gr.

Stjórn Landsbankans veitist heimild til að greiða Steinunni Kristjánsdóttur, ekkju Alberts Þórðarsonar bankabókara, 500 kr. 1943, svo og uppbót á þá fjárhæð eftir sömu reglum sem bankinn veitir hana á laun starfsmanna sinna.

Stjórninni er heimilt að greiða Þóru Beck, ekkju Þórólfs Becks skipstjóra, eftirlaun eftir svipuðum reglum sem Eimskipafélag Íslands greiðir ekkjum skipstjóra sinna, og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

Stjórn Búnaðarbankans veitist heimild til þess að greiða frú Önnu Klemensdóttur, ekkju Tryggva Þórhallssonar bankastjóra, 25% af launum manns hennar sem aðalbankastjóra Búnaðarbankans, og dýrtíðaruppbót að auk.

Stjórn sama banka veitist heimild til þess að greiða frú Aðalbjörgu Albertsdóttur, ekkju Þorsteins Sigurgeirssonar bankagjaldkera, 1000 kr., og til tveggja barna hennar innan 16 ára aldurs, 300 kr. til hvors.

Stjórn sama banka veitist heimild til að greiða Ólafíu Bjarnadóttur, ekkju Þórðar Sveinssonar bókara, 1800 kr.

Stjórninni er heimilt að greiða Sigurði Hjálmarssyni, stýrimanni, 600 kr., og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

Stjórninni er heimilt að greiða Ólafíu Gísladóttur, ekkju Vilhjálms Þorsteinssonar stýrimanns, eftirlaun eftir svipuðum reglum sem Eimskipafélag Íslands greiðir ekkjum stýrimanna sinna, og færist fjárhæðin á rekstrarreikning skipaútgerðar ríkisins.

24. gr.

Ef lög verða staðfest, er afgreidd hafa verið frá Alþingi 1942 og hafa í för með sér tekjur eða gjöld fyrir ríkissjóð, breytast fjárhæðirnar tekju- og gjaldamegin samkvæmt þeim lögum.

Allar þær fjárveitingar, sem eigi eru ákveðnar í lögum, öðrum en fjárlögum, tilskipunum, konungsúrskurðum eða öðrum gildandi ákvörðunum, gilda aðeins fyrir fjárhagstímabilið.

Sþ.

# 456. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

(Eftir eina umr. í Ed.)

1. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

a. Stofnfé sjóðsins er: Eignir fiskveiðasjóðs Íslands og skuldaskilasjóðs vélbátaeigenda eins og þær eru nú.

b. Tekjur sjóðsins eru:

1. Hundraðsgjald af útfluttum sjávarafurðum samkv. lögum nr. 47 19. maí 1930, um fiskveiðasjóðsgjald.
2. Útflutningsgjald af sjávarafurðum, sem ríkissjóður innheimtir samkv. lögum nr. 63 28. jan. 1935.
3. Vextir.

2. gr.

A-liður 4. greinar laganna orðist svo:

Skipakaupa og skipabygginga. Hafi sjóðurinn ekki nægilegt fé til þess að fullnægja lánsþörfinni, skulu skip innan 150 smál. sitja fyrir lánum.

Aftan við greinina bætist nýr stafliður, er hljóðar svo:

c. Til dráttarbrauta.

3. gr.

Aftan við 5. gr. laganna bætist ný málsgr., svo hljóðandi:

Sjóðurinn lánar aðeins gegn 1. veðrétti.

4. gr.

Í stað orðsins „b-lið“ í 6. gr. laganna komi: b-lið og c-lið.

5. gr.

Í stað orðanna „4½% — fjórir og hálfur af hundraði“ í 7. gr. laganna kemur: 4% — fjórir af hundraði.

6. gr.

Á eftir 7. gr. laganna koma 3 nýjar greinar, er verða 8., 9. og 10. gr., svo hljóðandi:

a. (8. gr.) Við fiskveiðasjóð skal stofna sérstaka deild, er hefur það hlutverk að veita 2. og 3. veðréttar lán til byggingar fiskibáta innan 150 smálesta. Til þessarar deildar ganga frá 1. jan. 1943 33⅓% af tekjum fiskveiðasjóðs af útflutningsgjaldinu. Úr sjóði þessum skal veita lán til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Lán, sem veitt eru úr sjóði þessum, skulu vera vaxtalaus í 10 ár og afborgunarlaus fyrstu 5 árin. Lánin veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til fiskveiða. Lán úr þessum sjóði má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins. Við lánveitingar úr sjóðnum skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi stundar sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Lán úr sjóði þessum má veita til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun lána taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið. Í reglugerð sjóðsins skulu sett ýtarlegri ákvæði um starfsemi þessarar deildar og ákvæði, er miði að því að fyrirbyggja misnotkun á hlunnindum þessara lána.

b. (9. gr.) Auk þeirra tekna, sem um er rætt í 8. gr., leggur ríkissjóður deildinni til 2 milljónir króna á árinu 1943. Skal fé þessu varið til að veita styrki til kaupa og byggingar nýrra fiskiskipa, sem minni eru en 150 smálestir brúttó. Styrkur þessi veitist eingöngu félögum eða einstaklingum, sem kaupa eða byggja skip til

fiskveiða. Styrkur til hvers skips má nema allt að 25% af kaupverði eða byggingarkostnaði skipsins, þó aldrei yfir 75000 kr. á skip.

Við úthlutun styrksins skal taka tillit til þess, hvort umsækjandi stundar sjómennsku eða útgerð sem aðalstarf. Styrkur þessi veitist til skipa, sem fullsmíðuð voru eftir árslok 1941, og skal við ákvörðun fjárhæðar styrkja taka tillit til fjárhagsástæðna umsækjanda og til þess, í hve mikilli dýrtíð skipið er byggt og hver byggingarkostnaður þar af leiðandi hefur orðið.

Ríkisstjórnin setur reglugerð um styrkveitingar úr sjóðnum í samráði við sjóðsstjórnina og að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands og fiskimálanefndar. Þar skulu sett ákvæði til tryggingar því, að styrkirnir verði ekki misnotaðir með því að verzla með þá, eða á annan hátt, og um refsiákvæði fyrir brot á styrkskilyrðum og reglugerð, sem sett er um þetta efni.

Styrkjum samkvæmt ákvæðum þessarar greinar úthlutar stjórn fiskveiðasjóðs Íslands, að fengnum tillögum Fiskifélags Íslands og fiskimálanefndar.

Lán samkv. 8. gr. og styrk samkv. 9. gr. má eigi veita út á sama skip.

c. (10. gr.) Útborgun lána samkv. 5. og 8. gr. og styrkja samkv. 9. gr. skal haga svo, að ⅓ láns og styrks greiðist, þegar kjölur er lagður og meginhluti efnis er kominn á staðinn, ⅓ þegar skipið er byrt og þiljur lagðar og vél skipsins komin á staðinn. Lokagreiðsla fer fram, þegar skipið er fullsmíðað, virt og vátryggt.

7. gr.

Breytingar þessar skal fella inn í lög nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands, og gefa lögin síðan út svo breytt.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 457. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá samgöngumálanefnd.

Samgöngumálanefndir beggja deilda Alþingis hafa haft til athugunar frv. þetta, ásamt frv. um sama efni, sem borið var fram í Nd., og brtt. við bæði þessi frv. frá einstökum þingmönnum.

Nefndirnar hafa sameiginlega unnið að því að sameina allar framkomnar tillögur um breytingar á brúalögunum, ásamt þeim breytingum, er vegamálastjóri leggur til, að teknar verði til viðbótar. Hefur verið unnið að þessu í fullu samstarfi við vegamálastjóra. Varð niðurstaða sú, að allar breytingar á nefndum lögum verði sameinaðar í einu frv. og samgöngumálanefnd Ed. falið að koma því í rétt form með brtt. við frv. það, sem að ofan greinir, á þskj. 113. Leggur nefndin því til, að frv. verði samþykkt með breytingum þeim, er hún flytur á sérstöku þingskjali.

Alþingi, 22. febr. 1943.

| Gísli Jónsson, form. | Ingvar Pálmason, fundaskr., frsm. | Brynjólfur Bjarnason. |
|---|---|---|

**Fylgiskjal.**

VEGAMÁLSTJÓRINN

Reykjavík, 28. janúar 1943.

**Brúalög.**

Samgöngumálanefndir Alþingis hafa sent mér til umsagnar framkomnar breytingartillögur við lög um brúargerðir frá 1932, með nokkrum viðauka frá 1936.

Brúargerðum hefur miðað það vel áfram síðan 1936, að orðið er tímabært að bæta fleiri brúm á þjóðvegum í brúalögin. Þá tel ég og rétt að hækka nokkuð þær kostnaðartölur, sem framlag ríkissjóðs til brúa á öðrum vegum en þjóðvegum er miðað við, sbr. 2. gr. IV. kafla, svo að nokkuð verði tekið tillit til hækkaðs verðlags.

Í núgildandi brúalögum eru samtals taldar 87 brýr 10 metra og lengri yfir ár á þjóðvegum. Er þegar lokið byggingu 41 af þeim og því enn ógerðar 46. Þá eru taldar 26 brýr yfir ár á öðrum vegum en þjóðvegum, og eru þegar gerðar 8 af þeim og því ógerðar 18.

Ég hef tekið fyrir að gera yfirlit um nýjar brýr, sérstaklega á þjóðvegum, er ég tel rétt að bæta í brúalögin. Hef ég talið réttast að semja að nýju I.—III. kafla 2. gr. brúalaganna, og fara hér á eftir tillögur mínar í því efni.

Ég hef og tekið með nokkrar brýr á vegaköflum, sem tillögur liggja nú fyrir Alþingi um að taka í þjóðvegatölu og ég hef mælt með. Enn fremur nokkrar brýr á öðrum vegum en þjóðvegum til viðbótar þeim, sem nú eru í lögum.

Fer hér á eftir samandregið yfirlit yfir ógerðar brýr samkvæmt tillögum mínum.

**Yfirlit um ógerðar brýr. Kostnaðaráætlun miðuð við verðlag 1939.**

| | Tala brúa í lögum | Viðbót | Samt. | Kostnaðaráætlun. Brýr í lögum | Viðbótarbrýr. |
|---|---|---|---|---|---|
| a. Vesturland ..... | 15 | 39 | 54 | 240000.00 | 407000.00 |
| b. Norðurland ..... | 6 | 16 | 22 | 250000.00 | 261000.00 |
| c. Austurland ..... | 17 | 29 | 46 | 448000.00 | 271000.00 |
| d. Suðurland ..... | 12 | 19 | 31 | 236000.00 | 679000.00 |
| II. Brýr á öðrum vegum en þjóðvegum ..... | 13 | 7 | 20 | 1073000.00 | 231000.00 |
| | 63 | 110 | 173 | 2247000.00 | 1849000.00 |

Samals 173 brýr. Kostnaðaráætlun kr. 4096000.00.

Samtals eru þannig ógerðar 153 brýr á þjóðvegum, sem eru áætlaðar að kosta um 2,8 millj. kr., og 20 brýr á öðrum vegum, og nemur áætlun um þær um 1,3 millj. kr., eða samtals 173 brýr fyrir um 4,1 millj. kr. Ef miðað er við, að meðalverðlag á næsta áratug yrði 2,5 sinnum hærra en 1939, þá næmi heildaráætlunin um 10,25 millj. kr.

Hér hef ég þó ekki talið með nýja brú á Ölfusá hjá Selfossi, sem búast má við, að verði óhjákvæmilegt að byggja áður en langt um líður, þar sem hengibrúin er nú farin að láta talsvert á sjá og þolir ekki til lengdar þá miklu þungaumferð, sem um hana er. Væri jafnvel rétt að setja nýja brú nú þegar í brúalögin, en af vissum ástæðum hef ég þó ekki gert það. Frumuppdrættir hafa verið gerðir af nýrri brú úr járnbentri steypu, með tvöfaldri akbraut, eins og Elliðaárbrýrnar. Með verðlagi 1939 mundi þessi brú kosta um 400 þús. kr.

Þá er og ekki heldur meðtalinn kostnaður við breikkun á nokkrum eldri brúm á fjölförnum leiðum, aðallega á Kjalarnesvegi og Suðurlandsbraut, en einnig t. d. á Miklagili á Holtavörðuheiði og á Hrútafjarðará.

Hér við má enn bæta ýmsum brúm á sýsluvegum og fjallvegum, svo og smábrúm minni en 10 metra.

Hef ég gert lauslega áætlun um 64 slíkar brýr, er nemur freklega 1 millj. kr.,

einnig miðað við verðlag 1939. Hér af eru 6 á fjallvegum, þar á meðal Blanda og Tungnaá, áætlaðar að kosta 275 þús. kr. Þætti mér hæfilegt að áætla, að helmingur þessara brúa yrði byggður á sama tímabili og hinar, sem taldar eru í frumvarpinu eins og það kemur frá mér. Bætist þá 1,25 millj. kr. við áður taldar 10,25 millj. kr. Með 500 þús. kr. árlegri fjárveitingu að meðaltali og 150 þús. kr. úr brúasjóði mundi lauslega mega áætla, að tæki 18—20 ár að byggja allar þessar rúmlega 200 brýr. Virðist mér það ekki óvarlega áætlað, miðað við brúargerðir undanfarinn áratug.

Í 2. gr. IV. kafla er ákveðið að heimila að greiða úr ríkissjóði frá helming upp í ¾ hluta byggingarkostnaðar brúa á sýslu- og hreppavegum. Mér þykir rétt að halda þessu hlutfalli, en þar sem verðlag hefur svo mjög hækkað síðan 1932, þá vil ég leggja til, að hlutfallsgreiðsla ríkissjóðs verði ákveðin þannig, að í stað þess, að ríkissjóður greiðir nú ⅔ kostnaðar, ef brú kostar 8000 kr., hækkandi jafnt upp í ¾ hluta, ef brú kostar 16000 kr. eða meira, þá komi 15000 og 30000 kr.

Geir G. Zoëga.

Til samgöngumálanefnda efri og neðri deildar Alþingis.

## Ed. 458. Breytingartillögur

við frv. til laga um breyting á lögum nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá samgöngumálanefnd.

1. Frv.greinin orðist svo:
   2. gr. laga nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir, skal orðast þannig:
   Brýr þær, sem ríkisstjórninni heimilast að láta gera, eru yfir vatnsföll þau, sem hér greinir:

**A. Brýr yfir 10 metra haf og lengri.**

**I. Nýjar brýr á þjóðvegum.**

**a. Vesturland.**

1. Fossá í Kjós.
2. Bláskeggsá í Hvalfirði.
3. Þverá í Svínadal.
4. Seleyrará ytri á Hafnarfjallsvegi.
5. Seleyrará innri á Hafnarfjallsvegi.
6. Drageyrará í Skorradal.
7. Tunguá í Lundarreykjadal.
8. Geirsá í Flókadal.
9. Hvítá í Borgarfirði hjá Bjarnastöðum.
10. Urriðaá á Álftaneshreppsvegi.
11. Álftá á Hraunhreppsvegi.
12. Bláfeldará í Staðarsveit.
13. Kálfá í Staðarsveit.
14. Hraunsfjarðará í Eyrarsveit.
15. Langadalsá á Skógarströnd.
16. Svínafossá á Skógarströnd.
17. Laxá á Skógarströnd.
18. Hörðudalsá í Dalasýslu.
19. Miðá í Dalasýslu.

20. Reykjadalsá í Dalasýslu.
21. Skeggjagil í Laxárdal í Dalasýslu.
22. Svínadalsá í Hvammssveit.
23. Laxá í Hvammssveit.
24. Hvammsá í Hvammssveit.
25. Hólsá á Klofningsvegi.
26. Kjarlaksstaðaá á Klofningsvegi.
27. Krossá á Klofningsvegi.
28. Búðardalsá á Klofningsvegi.
29. Staðarhólsá í Saurbæ.
30. Hvolsá í Saurbæ.
31. Ólafsdalsá í Saurbæ.
32. Laxá í Reykhólasveit.
33. Músará í Þorskafirði.
34. Þorskafjarðará.
35. Múlaá í Þorskafirði.
36. Djúpadalsá í Gufudalssveit.
37. Gufudalsá í Gufudalssveit.
38. Þverá á Barðaströnd.
39. Arnarbýlisá á Barðaströnd.
40. Móra á Barðaströnd.
41. Haukabergsá á Barðaströnd.
42. Ósá við Patreksfjörð.
43. Botnsá við Tálknafjörð.
44. Haukadalsá við Dýrafjörð.
45. Þverá í Brekkudal við Dýrafjörð.
46. Bjarnadalsá við Önundarfjörð.
47. Ósá í Bolungavík.
48. Langadalsá við Ísafjarðardjúp.
49. Hafnardalsá á Langadalsströnd.
50. Selá á Langadalsströnd.
51. Fossá á Bölum í Strandasýslu.
52. Selá við Steingrímsfjörð.
53. Staðará við Steingrímsfjörð.
54. Grjótá við Steingrímsfjörð.
55. Ósá við Steingrímsfjörð.
56. Steinadalsá í Kollafirði.
57. Fellsá í Kollafirði.
58. Tunguá við Bitrufjörð.
59. Þambá við Bitrufjörð.
60. Laxá á Laxárdalsheiði í Strandasýslu.

**b. Norðurland.**

1. Vesturhópshólaá.
2. Þórsá á Vatnsnesi.
3. Kornsá í Vatnsdal.
4. Blanda hjá Löngumýri.
5. Laxá á Gönguskarðavegi.
6. Grjótá á Öxnadalsheiði.
7. Reiðgil á Öxnadalsheiði.
8. Norðurá í Skagafirði.
9. Helluá í Blönduhlíð.
10. Gljúfurá á Út-Blönduhlíðarvegi.
11. Víðinesá á Hólavegi.

12. Hrollleifsdalsá í Sléttuhlíð.
13. Stafaá í Fljótum.
14. Sandós í Fljótum.
15. Brúnastaðaá í Fljótum.
16. Reykjaá í Fljótum.
17. Ólafsfjarðará á Lagheiðarvegi.
18. Holtsá í Svarfaðardal.
19. Þverá í Reykjahverfi.
20. Reykjadalsá hjá Laugum í S.-Þing.
21. Jökulsá á Fjöllum hjá Grímsstöðum.
22. Ormarsá hjá Raufarhöfn.
23. Tunguá í Þistilfirði.
24. Svalbarðsá í Þistilfirði.
25. Garðaá í Þistilfirði.

**c. Austurland.**

1. Skarðsá á Fjöllum.
2. Finnafjarðará í Skeggjastaðahreppi.
3. Saurbæjará í Skeggjastaðahreppi.
4. Skeggjastaðaá í Skeggjastaðahreppi.
5. Bakkaá í Skeggjastaðahreppi.
6. Hafnará í Skeggjastaðahreppi.
7. Vesturá í Vopnafirði.
8. Lindará á Möðrudalsöræfum.
9. Lónakíll á Möðrudalsöræfum.
10. Skjaldþingsstaðaá í Vopnafirði.
11. Böðvarsdalsá í Vopnafirði.
12. Reiðhólskvísl í Jökulsárhlíð.
13. Lagarfljót hjá Kirkjubæ.
14. Hengifoss í Fljótsdal.
15. Bessastaðaá í Fljótsdal.
16. Jökulsá í Fljótsdal.
17. Kelduá í Fljótsdal.
18. Gilsá í Fljótsdal.
19. Vatnsdalsá í Skriðdal.
20. Haugaá í Skriðdal.
21. Jóka í Skriðdal.
22. Eyrarteigsá í Skriðdal.
23. Þórisá í Skriðdal.
24. Selfljót í Hjaltastaðaþinghá.
25. Bjarglandsá í Hjaltastaðaþinghá.
26. Jökulsá í Hjaltastaðaþinghá.
27. Stafdalsá á Fjarðarheiði.
28. Norðfjarðará hjá Skuggahlíð.
29. Hengifossá á Oddsskarðsvegi.
30. Helgustaðaá í Eskifirði.
31. Njörfadalsá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
32. Sléttuá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
33. Hrútá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
34. Miðstrandará í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
35. Eyrará í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
36. Berunesá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
37. Breiðdalsá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
38. Heljará í Fáskrúðsfirði.

39. Gilsá í Fáskrúðsfirði.
40. Stöðvará í Stöðvarfirði.
41. Breiðdalsá hjá Breiðdalsheiði.
42. Eyjaá í Breiðdal.
43. Berufjarðará í Berufirði.
44. Fossá í Berufirði.
45. Búlandsá í Berufirði.
46. Hofsá í Álftafirði.
47. Selá í Álftafirði.

**d. Suðurland.**

1. Karlsá í Lóni.
2. Hlíðará í Lóni.
3. Jökulsá í Lóni.
4. Laxá í Lóni.
5. Holtakíll á Mýrum.
6. Heinabergsvötn á Mýrum.
7. Smyrlabjargaá í Suðursveit.
8. Staðará í Suðursveit.
9. Stemma í Suðursveit.
10. Kvíá í Öræfum.
11. Kotá í Öræfum.
12. Djúpá í Fljótshverfi.
13. Laxá í Fljótshverfi.
14. Brúará í Fljótshverfi.
15. Hörgsá á Síðu.
16. Stjórn á Síðu.
17. Grændýjalækur í Landbroti.
18. Eldvatn í Meðallandi.
19. Kvíalækur í Meðallandi.
20. Eldvatnsskorur í Meðallandi.
21. Kaldaklifsá undir Eyjafjöllum.
22. Svaðabælisá undir Eyjafjöllum.
23. Fitjaráll undir Eyjafjöllum.
24. Varmadalslækur á Rangárvöllum.
25. Leirá á Landi.
26. Minnivallalækur á Landi.
27. Þverá í Hreppum.
28. Litla-Laxá í Hreppum.
29. Brúará í Biskupstungum.
30. Sog hjá Syðri-Brú.
31. Hvítá í Árnessýslu hjá Iðu.

**II. Nýjar brýr á öðrum vegum en þjóðvegum.**

1. Hvítá hjá Húsafelli.
2. Skarará í Grunnavíkurhreppi.
3. Vatnsdalsá í Vatnsdal fremra.
4. Svartá í Tungusveit í Skagafirði.
5. Jökulsá eystri í Skagafirði.
6. Fnjóská í framanverðum Fnjóskadal.
7. Skjálfandafljót hjá Stóru-Völlum.
8. Laxá í Mývatnssveit hjá Arnarvatni.
9. Jökulsá á Dal hjá Hjarðarhaga.
10. Sandá í Axarfirði.

11. Geitdalsá í Skriðdal.
12. Múlaá í Skriðdal.
13. Hólsá í Rangárvallasýslu.
14. Þjórsá hjá Þjórsárholti.
15. Hvítá í Árnessýslu hjá Kiðjabergi.

**III. Aðrar brýr.**

Um fjárveitingar til nýrra brúa og endurbyggingar trébrúa á öðrum vegum en þjóðvegum skal fara sem hér segir:

a. Brýr á fjallvegum skulu gerðar að öllu fyrir fé úr ríkissjóði.
b. Brýr á sýsluvegum má kosta að ⅔ hlutum úr ríkissjóði, gegn ⅓ hluta annars staðar að. Þó má tillag ríkissjóðs til brúargerða, er kosta yfir 12 þús. kr., vera hærra, sem hér segir:
   1. Til brúargerða, sem kosta frá 12—24 þús. kr., smáhækkandi í jöfnu hlutfalli úr ⅔ hlutum í ¾ hluta.
   2. Til brúargerða, sem kosta yfir 24 þús. kr., ¾ hlutar kostnaðar.
c. Brýr á öðrum vegum má kosta að helmingi af ríkissjóði, gegn því, sem á vantar, annars staðar að.

**B. Brýr yfir 4 metra haf eða lengra, allt að 10 metra.**

Á þjóðvegum og fjallvegum skal greiða kostnað við slíkar brýr að öllu úr ríkissjóði.

Á öðrum vegum má greiða allt að helmingi kostnaðar úr ríkissjóði, gegn framlagi frá hlutaðeigendum að öðru leyti.

**C. Brýr yfir styttra en 4 metra haf.**

Kostnað við slíkar brýr skal telja með kostnaði við veg þann, sem brúin er á.

2. Á eftir frvgr. kemur ný grein, sem verður 2. gr., svo hljóðandi:
   Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 88 23. júní 1936.

## Nd. 459. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá samgöngumálanefnd.

Um breytingar á vegalögum og brúalögum, sem fram hafa komið tillögur um á þessu þingi, hafa samgöngumálanefndir beggja deilda haldið sameiginlega fundi, eftir að hvor nefndin um sig hafði afgreitt þær til vegamálastjóra og leitað umsagnar hans. Gaf hann ýtarlega skýrslu um tillögurnar og féllst á allmiklar breytingar, og eftir frekari könnun nefndanna meðal einstakra þingmanna, sem að brtt. stóðu, varð samkomulag um:

1) að allar breytingar á brúalögum skyldu bornar fram af samgöngumálanefnd Ed., enda væru þar teknar upp allar þær brýr, sem nú ættu að standa í brúalögum, og urðu þær hjá vegamálastjóra talsvert fleiri en tillögur lágu fyrir um á Alþingi.
2) að vegalagabreytingarnar skyldi samgöngumálanefnd Nd. annast um, en þær urðu mjög viðamiklar, enda þar teknar með till. um alla þá vegi, sem samkomulag hefur orðið um að setja nú inn í vegalög, og um leið taka upp alla

þjóðvegi, sem í lögum eru nú greindir (bæði í sjálfum vegal. frá 1933 og í lögum um breyt. á þeim frá 1936 og 1940), en þá var einnig nauðsyn að samræma hinar mismunandi breytingar. Með þessum hætti verður vegunum komið í aðgengilega heild, þótt hin almennu vegalög frá 1933 haldist enn um hríð, þar til full samsteypa gæti orðið, við endurskoðun allra ákvæða um vegi hér á landi, er vegamálastjóri telur að brátt sé tímabær.

Skýrsla vegamálastjóra um hina einstöku vegi, sem brtt. lágu fyrir um, bæði þá, sem teknir eru með, og hina, sem eigi þótti kleift að setja inn í lögin um sinn, er í höndum nefndarinnar, og þykir ekki þörf að prenta hana hér með. En greinargerð vegamálastjóra fyrir málinu að öðru leyti birtist sem fskj. með nál., enda hefur hann að síðustu gengið frá breytingunni allri, eins og nefndin ber hana nú fram, en það er að formi til sem brtt. við framkomið frv. um breyt. á vegal. á þskj. 8 (þ. e. algerlega samræmd upptalning vega í 2. gr. laganna). — Leggur nefndin til, að frv. verði samþykkt þannig breytt. — Breyt.till. eru prentaðar á sérstöku þskj. — Þessi háttur þótti sjálfsagður til hægri verka, heldur en að bera fram nýtt frv., og ætti nú málið að fá skjóta afgreiðslu á hv. Alþingi á þeim grundvelli, sem nú hefur verið lýst og samkomulag hefur orðið um.

Alþingi, 22. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Sveinsson, form., frsm. | Sveinbjörn Högnason, fundaskr. | Sigurður Bjarnason. |
| Þóroddur Guðmundsson. | Barði Guðmundsson. | |

**Fylgiskjal.**

**Greinargerð vegamálastjóra.**

Eftir að samkomulag var orðið milli samgöngumálanefnda efri og neðri deildar Alþingis um að fylgja að mestu tillögum mínum um afgreiðslu breytinga á vegalögunum, þá tók ég fyrir að semja upp 2. gr. vegalaganna. Síðan vegalögin frá 1933 gengu í gildi, hafa tvisvar, 1936 og 1940, verið samþykktir allvíðtækir viðaukar við 2. gr. laganna. Hefur við þessar breytingar raskazt nokkuð samhengi og samræmi. Þar sem nú var fyrirhugað að bæta enn allmörgum vegaköflum í tölu þjóðvega, þótti rétt að nota tækifærið til þess að bæta úr þessu og fella alla greinina með áorðnum breytingum í eina samfellda heild.

Samtals eru vegakaflar þeir, sem nú er lagt til, að teknir verði í þjóðvegatölu, um 441 km. að lengd.

Með vegalögunum 1933 var þjóðvegakerfið aukið um 883 km., í nær 3500 km. Síðan með vegalagabreytingum 1936 enn um 994 km. og loks 1940 um 511 km. Eru því þjóðvegir nú samtals um 4992 km. Af þessari vegalengd er um 3900 km. bílfærir vegir.

Engar breytingar hafa verið gerðar um þjóðvegakafla þá, sem þegar eru í lögum, nema á nokkrum stöðum að breyta nafni eða fella saman kafla, er áður voru aðgreindir.

Um einstaka liði skal þetta tekið fram, og er aðallega útdráttur úr fyrri ýtarlegri greinargerðum, er sendar voru samgöngumálanefndum Alþingis.

A. Um Suðurland:

1. *Suðurlandsvegur* er ákveðinn um Melatanga í Austur-Skaftafellssýslu, en þar hefur bílferja verið í nokkur ár og þar um liggur nú aðalleiðin. Fellur þá Hafnarvegur inn í þessa leið og fellur jafnframt burt sem sérstakur liður. Í sambandi við þessa breytingu kemur Inn-Nesja- og Mýrarvegur sem sérstakur kafli, 30. töluliður.

   Vegur um Lón er nú ákveðinn „um Hraunholtskletta“, það er um vaðið á Jökulsá hjá Volaseli, en þar sem ákveðið má telja, að Jökulsá verður brúuð hjá Dímu skammt innan við Stafafell, þykir rétt að miða

nú við þá staðgreiningu. Hins vegar verður núverandi leið haldið við, þar til brúin kemur á Jökulsá.

5. *Álftanesvegur* er nýr þjóðvegakafli, 4 km. á lengd.
8. *Krýsuvíkur- og Selvogsvegur.* Hér er aðeins nýtt nafn.
13.—14. *Laugardalsvegur og Laugarvatnsvegur.* Nöfnin eru ný.
19. *Villingaholtsvegur* er lengdur um kaflann frá Villingaholti að Gaulverjabæjarvegi, sbr. þskj. 30. Vegarlengd er 20 km.
23. *Hagabraut* er nýr þjóðvegakafli, sbr. þskj. 11. Vegarlengd er 13 km.
25. *Landeyjavegur syðri* nær yfir Miðeyjarveg, sem hefur verið þjóðvegur frá 1940 og nær að Affalli, og Fljótsveg, sem er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 11. Vegarlengd hans er 16 km. Hér er sú breyting ein gerð, að vegir þessir eru tengdir saman yfir Affall, sem er eðlilegra en að þeir endi sinn á hvorum árbakkanum.
28. *Álftaversvegur* er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 8. Vegarlengd er 8 km.
29. *Meðallands- og Landbrotsvegur* nær yfir Meðallandsveg, sem verið hefur þjóðvegur frá 1936, að Langholti, og Landbrotsveg, sem er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 8. Vegarlengd hans er 35 km.
30. *Inn-Nesja- og Mýrarvegur.* Nafnið er nýtt, en efri leiðin um Hoffell hefur verið í þjóðvegatölu frá 1936.

B. **Um Vesturland:**

1. *Vesturlandsvegur* er talinn út fyrir Hafnarfjall um Hafnarskóg, sem nú er aðalleiðin, en Draghálsleiðin er talin sérstakur kafli, töluliður 2.
4. *Akrafjallsvegur* er nýr kafli, sbr. þskj. 16. Vegarlengd er 21 km.
8. *Borgarfjarðarbraut* er hér talin ná yfir Reykholtsdals- og Hálsasveitarveg, sem komst í þjóðvegatölu 1936.
9. *Kleifavegur* er nýr kafli, sbr. þskj. 43. Vegarlengd er 5 km.
10. *Hvítársíðuvegur* er nýr kafli, sbr. þskj. 43. Vegarlengd er 18,5 km.
17. *Eyrarsveitar- og Fróðárhreppsvegur* nær yfir Eyrarsveitarveg, sem hefur verið þjóðvegur frá 1940, að Gröf í Grundarfirði og Fróðárhreppsveg, sem er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 50 og 66. Vegarlengd hans er 23 km.
20. *Klofnings- og Skarðsstrandarvegur* nær yfir Staðarfellsveg, þjóðvegur frá 1936 að Staðarfelli, og Klofningsveg, sem er þjóðvegur þaðan að Skarði á Skarðsströnd, frá 1940. En kaflinn frá Skarði vestur að vegamótum Salthólmavíkurvegar hjá Tjaldanesi er nýr þjóðvegarkafli, 24 km. að lengd, sbr. þskj. 22.
21. *Salthólmavíkurvegur* er nú þjóðvegur, en vegna lengingar Skarðsstrandarvegar breytist ákvörðun um, hvar hann liggur út frá aðalveginum.
22. *Króksfjarðarnesvegur* er nýr þjóðvegarkafli, 1,5 km. að lengd, sbr. þskj. 15.
23. *Reykhólasveitarvegur:* Lega vegarins er óbreytt eins og í vegalagabreytingunni frá 1936, en skilgreind betur en þar var gert.
24. *Gufudalsvegur* er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 15. Vegarlengd er 36 km.
27. *Reykjarfjarðarvegur* nær yfir Kaldrananeshreppsveg, sem er þjóðvegur frá 1936, að Kúvíkum í Reykjarfirði, og Trékyllisvíkurveg, sem er nýr þjóðvegarkafli frá Kúvíkum að Árnesi, sbr. þskj. 48. Vegarlengd þess kafla er 9 km.
28. *Selstrandarvegur* er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 48. Vegarlengd er 15 km.
31. *Aðalvíkurvegur* er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 29 (Látravegur). Vegarlengd er 13 km.
33. *Ísafjarðarvegur.* Aðeins nafnið er nýtt.
42. *Dalahreppsvegur* er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 15. Vegarlengd er 13 km.
46. *Barðastrandarvegur* hefur verið þjóðvegur. Lega hans er nú tilgreind um Kleifaheiði, eins og ákveðið hefur verið við endanlega rannsókn vegstæða.

C. **Um Norðurland:**

5. *Vesturhópsvegur* nær nú út að Vesturhópsvatni, en hér er bætt við hann kaflanum út að Hindisvík, sem er 30 km. að lengd. Sbr. þskj. 17.
7. *Svínvetningabraut* nær nú að Svínavatni, en hér er bætt við kaflanum þaðan um væntanlega Blöndubrú hjá Löngumýri og á Norðurlandsveg hjá Svartá, og er hann 9 km. á lengd. Sbr. þskj. 28.
8. *Skagastrandarvegur* er nú þjóðvegur að Hofi, en hér er bætt við kaflann þaðan út að Kálfshamarsvík, sem er 13 km. að lengd.
10. *Skagavegur* er nýr þjóðvegarkafli, sbr. þskj. 92. Vegarlengd er 9 km.
11. *Sauðárkróksvegur* er nú þjóðvegur að vegamótum hjá Víðimýri, en hér er bætt við kaflann þaðan að Mælifelli, sem er 13 km.
23. *Laugalandsvegur* er nú þjóðvegur að Laugalandi, en hér er bætt við kaflanum þaðan um Öngulsstaðahrepp og yfir Eyjafjarðarárbrú á Stíflu að Eyjafjarðarbraut, sbr. þskj. 36. Vegarlengd þessa kafla er 16 km.
25. *Fnjóskadalsvegur* er nýr þjóðvegarkafli, 24 km. út af Fnjóskárbrú hjá Laufási, sbr. þskj. 47, en kaflinn þaðan út að Grenivík er þjóðvegur og hefur verið talinn með Svalbarðsstrandarvegi, en þykir fara betur að telja hann með Fnjóskadalsvegi.
27. *Reykjahverfisvegur* nær yfir Grenjaðarstaðaveg og Hvammsheiðarveg, en báðir þeir kaflar eru í tölu þjóðvega frá 1940. Hvammsheiðarvegur nær að Hveravöllum í Reykjahverfi, en hér er bætt í þjóðvegatölu kaflanum þaðan að Norðurlandsvegi hjá Laxamýri, sbr. þskj. 163. Er sá kafli 12 km. að lengd.
29. *Mývatnssveitar- og Mývatnsöræfavegur* er nú tveir vegakaflar, Mývatnssveitarvegur og Fjallvegur, en þykir fara betur á að fella þá í einn kafla og breyta um nafn og breyta jafnframt lítils háttar orðalagi um staðgreiningu vegarins.
30. *Laugaskólavegur* er nýr þjóðvegarkafli, um 1 km. að lengd. Sbr. þskj. 47.
32. *Kópaskers- og Raufarhafnarvegur* telst nú einnig um Þistilfjörð til Þórshafnar, en þar sem aðalleiðin leggst nú um Axarfjarðarheiði, þykir réttara að telja hann aðeins að vegamótum Axarfjarðarheiðarvegar hjá Svalbarði, en telja Þistilfjarðarveg með Axarfjarðarheiðarvegi, svo sem gert er í 33 tölulið.

D. **Um Austurland:**

4. *Hafnarvegur* er nýr þjóðvegarkafli, 4 km. að lengd, sbr. þskj. 24.
5. *Vopnafjarðarvegur* er nú þjóðvegur, en staðgreining er nokkru nánari en í lögunum frá 1936, eða í samræmi við legu vegarins eins og hann liggur nú.
7. *Upphéraðsvegur* er nú þjóðvegur, en staðgreining lítils háttar breytt.
12. *Norðfjarðarvegur* er nýr þjóðvegarkafli, 22 km að lengd.
13. *Viðfjarðarvegur* er nú þjóðvegur og talinn til Neskaupstaðar, en nú er horfið að því ráði að leggja hann aðeins til Viðfjarðar. En þjóðvegur milli Eskifjarðar og Neskaupstaðar verður lagður um Oddsskarð, og heitir sá vegur þá Norðfjarðarvegur, sbr. tölulið 12.
14. *Skóga- og Fljótsdalsvegur* er þjóðvegur frá 1940, en hér er breytt lítils háttar staðgreiningu og vegurinn talinn yfir Jökulsá á Upphéraðsveg.
19. *Stöðvarfjarðarvegur* er nýr þjóðvegarkafli, 46 km. að lengd. Sbr. þskj. 14.

## Nd. 460. Breytingartillögur

við frumv. til laga um breyting á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá samgöngumálanefnd.

1. Frvgr. skal orða svo:
   2. gr. vegalaganna orðist þannig:
   Þjóðvegir eru þessir:

**A. Um Suðurland.**

1. *Suðurlandsvegur:* Frá Reykjavík um Ölfus, Flóa, Holt, Rangárvelli, Landeyjar, Eyjafjöll, Sólheimasand og Mýrdal til Víkur, um Höfðabrekkuheiði, Mýrdalssand, Skaftártungu, yfir Eldhraun, um Síðu, Fljótshverfi, Skeiðarársand, Öræfi, Breiðamerkursand, Suðursveit, um Flatey á Mýrum til Melatanga, um Höfn í Hornafirði, Nes, Almannaskarð og um væntanlega brú á Jökulsá í Lóni innan við Stafafell, að Lónsheiði.
2. *Reykjanesbraut:* Frá Reykjavík um Hafnarfjörð og Keflavík til Sandgerðis.
3. *Grindavíkurvegur:* Af Reykjanesbraut á Vogastapa til Grindavíkur.
4. *Garðskagavegur:* Af Reykjanesbraut nálægt Útskálum að Garðskagavita.
5. *Álftanesvegur:* Af Hafnarfjarðarvegi til Bessastaða.
6. *Vífilsstaðavegur:* Af Hafnarfjarðarvegi til Vífilsstaða.
7. *Útvarpsstöðvarvegur:* Af Suðurlandsvegi skammt innan við Reykjavík að Útvarpsstöð á Vatnsendahæð.
8. *Krýsuvíkur-* og *Selvogsvegur:* Af Reykjanesbraut sunnan við Hafnarfjörð um Krýsuvík, Selvog og Ölfus að Suðurlandsvegi nálægt Hveragerði.
9. *Biskupstungnabraut:* Af Suðurlandsvegi undir Ingólfsfjalli um Grímsnes og Biskupstungur, hjá Vatnsleysu til Geysis.
10. *Sogsvegur:* Af Biskupstungnabraut skammt fyrir austan Sogsbrú, hjá Ljósafossi og austan við Þingvallavatn til Þingvalla.
11. *Þingvallabraut.* Af Vesturlandsvegi nálægt Köldukvísl til Þingvalla.
12. *Grafningsvegur:* Af Þingvallabraut nálægt Heiðarbæ, sunnan Þingvallavatns og hjá Úlfljótsvatni að Sogsvegi nálægt Ljósafossi.
13. *Laugardalsvegur:* Af Sogsvegi nálægt Þingvallavatni, um Laugardal hjá Laugarvatni að Biskupstungnabraut hjá Múla.
14. *Laugarvatnsvegur:* Af Biskupstungnabraut hjá Svínavatni að Laugardalsvegi hjá Laugarvatni.
15. *Skeiða- og Hreppavegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa upp Skeið og Hrunamannahrepp að Gullfossvegi vestan við Hvítárbrú á Brúarhlöðum.
16. *Gullfossvegur:* Af Biskupstungnabraut hjá Tungufljóti til Gullfoss.
17. *Gnúpverjavegur:* Af Skeiðavegi sunnan Laxár, hjá Ásum og norðan Miðfells upp Þjórsárdal að Ásólfsstöðum.
18. *Skálholtsvegur:* Af Skeiðavegi nálægt Reykjum, yfir Hvítá hjá Iðu, um Skálholt að Biskupstungnabraut austan Brúarár.
19. *Villingaholtsvegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa um Villingaholt suður með Þjórsá um Parta og Fljótshóla, að Gaulverjabæjarvegi.
20. *Gaulverjabæjar- og Stokkseyrarvegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa um Gaulverjabæ og Stokkseyri að Eyrarbakkavegi.
21. *Eyrarbakkavegur:* Frá Selfossi að Eyrarbakka.
22. *Landvegur:* Af Suðurlandsvegi í Holtum upp Land hjá Múla að Galtalæk.
23. *Hagabraut:* Af Landvegi fyrir ofan Lýtingsstaði um Haga, Stúfholt, Skammbeinsstaði að Landvegi neðan við Köldukinn.
24. *Þykkvabæjarvegur:* Af Suðurlandsvegi vestan Ægissíðu að Hábæ í Þykkvabæ.
25. *Landeyjavegur* syðri: Af Suðurlandsvegi hjá Hemlu, hjá Akurey, Bergþórshvoli, Lágafelli og Miðey að Suðurlandsvegi nálægt Ossabæ.

26. *Fljótshlíðarvegur:* Af Suðurlandsvegi á Hvolsvelli inn Fljótshlíð að Múlakoti.
27. *Dyrhólavegur:* Af Suðurlandsvegi hjá Litla-Hvammi í Mýrdal um Loftsali að Dyrhólaey.
28. *Álftaversvegur:* Af Suðurlandsvegi við Skálmárbrú á Mýrdalssandi að Þykkvabæjarklaustri í Álftaveri.
29. *Meðallands- og Landbrotsvegur:* Af Suðurlandsvegi í Skaftártungu um Ásabrú, Leiðvöll og Langholt í Meðallandi. Um væntanlega brú á Eldvatn hjá Fljótum og upp Landbrot austanvert á Suðurlandsveg við Skaftárbrú.
30. *Inn-Nesja- og Mýravegur:* Af Suðurlandsvegi hjá Hólum í Hornafirði vestur yfir Fljót innra, nálægt Hoffelli, út Mýrar að Suðurlandsvegi hjá Flatey. Yfir Hornafjarðarfljót ytra, undan Bjarnanesi.

## B. Um Vesturland.

1. *Vesturlandsvegur:* Af Suðurlandsvegi innan við Elliðaár um Mosfellssveit og Kjalarnes, kringum Hvalfjörð, um Leirársveit, Hafnarskóg og Andakíl. Yfir Hvítárbrú hjá Hvítárvöllum og á vegamót Borgarnesbrautar norðan við Gufá. Um Norðurárdal, Bjarnadal, Miðdali, Búðardal, Svínadal, kringum Gilsfjörð, yfir Geiradal, um Kollabúðarheiði, Þorskafjarðarheiði og Langadal til Arngerðareyrar.
2. *Dragháls- og Skorradalsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Ferstiklu á Hvalfjarðarströnd um Ferstikluháls, Svínadal, vestan Skorradalsvatns, um Hestháls yfir Andakíl að Vesturlandsvegi hjá Hvítárvöllum.
3. *Akranesvegur:* Frá Akranesi að Vesturlandsvegi hjá Lambhaga.
4. *Akrafjallsvegur:* Af Akranesvegi hjá Litlu-Fellsöxl, fyrir Akrafjall, hjá Klafastöðum og Innra-Hólmi á þjóðveginn ofan við Akraneskaupstað.
5. *Lundarreykjadalsvegur:* Af Skorradalsvegi á Götuási inn Lundarreykjadal á Uxahryggjaveg gegnt Gilstreymi.
6. *Bæjarsveitarvegur:* Af Vesturlandsvegi nálægt Hesti, um Bæjarsveit, um Reykjadalsárbrú hjá Kleppjárnsreykjum að Reykholtsdalsvegi.
7. *Borgarnesbraut:* Frá Borgarnesi að Vesturlandsvegi norðan Gufár.
8. *Borgarfjarðarbraut:* Af Vesturlandsvegi hjá Haugum um Stafholtstungur yfir Hvítárbrú á Kláffossi, um Reykholtsdal og Hálsasveit að Lambá.
9. *Kleifavegur:* Af Borgarfjarðarbraut hjá Kláffossbrú um Kleifar að Norðtungu.
10. *Hvítársíðuvegur:* Af Kleifavegi inn Hvítársíðu um væntanlega brú á Hvítá hjá Bjarnastöðum og á Hálsasveitarveg hjá Stóra Ási.
11. *Álftaneshreppsvegur:* Frá Stykkishólmsvegi vestan Langár um Álftaneshrepp sunnanverðan, sunnan Hólsvatns að Vogalæk.
12. *Hraunhreppsvegur:* Af Stykkishólmsvegi hjá Arnarstapa, um Hrafnkelsstaði og Laxárholt að Vogi.
13. *Stykkishólmsvegur:* Af Borgarnesbraut fyrir ofan Borgarnes um Mýrar, um Kerlingarskarð og Helgafellssveit til Stykkishólms.
14. *Ólafsvíkurvegur:* Af Stykkishólmsvegi austan við Straumfjarðará um Staðarsveit og Fróðárheiði til Ólafsvíkur.
15. *Útnesvegur:* Af Ólafsvíkurvegi, austan Fróðárheiðar, um Breiðuvík að Sandi.
16. *Hellusandsvegur:* Frá Ólafsvík um Ennisdal til Hellusands.
17. *Eyrarsveitar- og Fróðárhreppsvegur:* Af Stykkishólmsvegi í Helgafellssveit um Eyrarsveit til Grafarness. Utan í Búlandshöfða og um Fróðársveit á Ólafsvíkurveg.
18. *Skógarstrandarvegur:* Af Stykkishólmsvegi í Helgafellssveit um Skógarströnd, yfir Hörðudal og á Vesturlandsveg í Miðdölum.
19. *Laxárdalsvegur:* Af Vesturlandsvegi sunnan Laxár í Dölum, um Laxárdal og Laxárdalsheiði að Strandavegi utan Borðeyrar.

20. *Klofnings- og Skarðsstrandarvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Ásgarði um Staðarfell og Skarðsstöð á Vesturlandsveg í Saurbæ.
21. *Salthólmavíkurvegur:* Af Skarðsstrandarvegi hjá Tjaldanesi í Saurbæ til verzlunarstaðarins í Salthólmavík.
22. *Króksfjarðarnesvegur:* Af Vesturlandsvegi í Geiradal að verzlunarstaðnum í Króksfjarðarnesi.
23. *Reykhólasveitarvegur:* Af Vesturlandsvegi við Berufjarðarbotn, um Reykhóla að Stað.
24. *Gufudalsvegur:* Af Vesturlandsvegi í Þorskafirði að Gufudal.
25. *Steinadalsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Brekku í Gilsfirði, um Steinadalsheiði og á Strandaveg í Kollafirði.
26. *Strandavegur:* Af Norðurlandsvegi vestan Hrútafjarðarár um Borðeyri, út með Hrútafirði, um Stikuháls, meðfram Bitrufirði, um Bitruháls, Kollafjörð og til Hólmavíkur. Um Staðardal og að Vesturlandsvegi á Kollabúðarheiði.
27. *Reykjarfjarðarvegur:* Af Strandavegi í Staðardal, um Bjarnarfjörð, Bala, Kaldbak og Veiðileysu, um Kúvíkur í Reykjarfirði að Árnesi.
28. *Selstrandarvegur:* Af Reykjarfjarðarvegi norðan Selár út Selströnd að Drangsnesi.
29. *Ármúlavegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Langadalsárbrú innan við Arngerðareyri út Langadalsströnd að Ármúla.
30. *Laugabólsvegur:* Frá Arngerðareyri að Laugabóli.
31. *Aðalvíkurvegur:* Frá Heklu við Hesteyri um Hesteyrardal og Stakkadalsheiði til Látra í Aðalvík.
32. *Hnífsdals- og Bolungavíkurvegur:* Frá Ísafirði um Hnífsdal til Bolungavíkur.
33. *Ísafjarðarvegur:* Frá Ísafirði um Breiðadalsheiði, inn fyrir Önundarfjörð, um Gemlufallsheiði að Gemlufalli við Dýrafjörð.
34. *Súðavíkurvegur:* Af Ísafjarðarvegi nálægt Seljalandsá í Skutulsfirði um Arnardal til Súðavíkur.
35. *Suðureyrarvegur:* Af Ísafjarðarvegi á Breiðadalsheiði um Botnsheiði út með Súgandafirði til Suðureyrar.
36. *Flateyrarvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Breiðadal til Flateyrar.
37. *Hjarðardalsvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Mosvöllum í Önundarfirði til Hjarðardals.
38. *Núpsvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Gemlufalli að Núpi.
39. *Þingeyrarvegur:* Frá Þingeyri um Brekkudal og Rafnseyrarheiði að Rafnseyri.
40. *Haukadalsvegur:* Frá Þingeyri til Haukadals.
41. *Bíldudals- og Patreksfjarðarvegur:* Frá Bíldudal um Hálfdán, fyrir Tálknafjarðarbotn, um Mikladal til Geirseyrar við Patreksfjörð.
42. *Dalahreppsvegur:* Frá Bíldudal að Bakka í Dalahreppi.
43. *Tálknafjarðarvegur:* Af Bíldudalsvegi norðan Tálknafjarðar að Sveinseyri.
44. *Rauðasandsvegur:* Frá Hvalskeri við Patreksfjörð að Saurbæ á Rauðasandi.
45. *Barðastrandarvegur:* Frá Geirseyri um Kleifaheiði, hjá Haga að Brjánslæk.

### C. Um Norðurland.

1. *Norðurlandsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Dalsmynni í Norðurárdal, um Holtavörðuheiði og Hrútafjörð, yfir Hrútafjarðarháls, Miðfjörð, Víðidal og Vatnsdalsá hjá Hnausum til Blönduóss. Um Langadal, Stóra-Vatnsskarð, Vallhólm, Blönduhlíð, Norðurárdal, Öxnadalsheiði, Öxnadal, Þelamörk og Kræklingahlíð til Akureyrar. Um Vaðlaheiði, Ljósavatnsskarð, Fljótsheiði og Aðalreykjadal til Húsavíkur. Um Reykjaheiði og Kelduhverfi að Austurlandsvegi, austan við Jökulsárbrú í Axarfirði.
2. *Reykjaskólavegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Reykjum í Hrútafirði að Reykjaskóla

3. *Miðfjarðarvegur:* Af Norðurlandsvegi austast á Hrútafjarðarhálsi að Litlu-Tungu.
4. *Hvammstangabraut:* Frá Hvammstanga að Norðurlandsvegi hjá Stóra-Ósi.
5. *Vesturhópsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Vatnshorni um Vesturhóp út að Hindisvík.
6. *Vatnsdalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Sveinsstöðum í Vatnsdalshólum að Undirfelli.
7. *Svínvetningabraut:* Frá Blönduósi, hjá Svínavatni, um væntanlega brú á Blöndu hjá Löngumýri á Norðurlandsveg norðan Svartárbrúar.
8. *Skagastrandarvegur:* Frá Blönduósi um Skagaströnd til Kálfshamarsvíkur.
9. *Þverárfjalls- og Gönguskarðavegur:* Af Skagastrandarvegi utan við Laxá um Norðurárdal, Þverárfjall, Laxárdal ytri, Laxárdalsheiði og Gönguskörð til Sauðárkróks.
10. *Skagavegur:* Af Gönguskarðavegi hjá Skíðastöðum út Laxárdal að Skefilsstöðum.
11. *Sauðárkróksbraut:* Frá Sauðárkróki að Norðurlandsvegi hjá Varmahlíð og að Mælifelli.
12. *Hofsósvegur:* Frá Sauðárkróki um Hegranes, Viðvíkursveit og Óslandshlíð til Hofsóss.
13. *Hólavegur:* Af Hofsósvegi að Hólum í Hjaltadal.
14. *Siglufjarðarvegur:* Frá Hofsósi um Sléttuhlíð, Fljót og Siglufjarðarskarð til Siglufjarðar.
15. *Ólafsfjarðarvegur:* Af Siglufjarðarvegi norðan Fljótaár um Stíflu og Lágheiði til Ólafsfjarðar.
16. *Út-Blönduhlíðarvegur:* Af Hofsósvegi austan Héraðsvatna um Viðvíkursveit og Blönduhlíð á Norðurlandsveg austan við Héraðsvatnabrú á Grundarstokki.
17. *Hörgárdalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Bægisá á Þelamörk yfir Hörgárbrú nálægt Þúfnavöllum.
18. *Dalvíkurvegur:* Af Norðurlandsvegi á Moldhaugahálsi um Arnarneshrepp og Árskógsströnd, hjá Árgerði til Dalvíkur.
19. *Árskógssandsvegur:* Af Dalvíkurvegi utan við Þorvaldsdalsá að Árskógssandi.
20. *Svarfaðardalsvegur:* Af Dalvíkurvegi hjá Árgerði að Urðum.
21. *Hjalteyrarvegur:* Af Dalvíkurvegi hjá Skriðulandi í Arnarneshreppi til Hjalteyrar.
22. *Eyjafjarðarbraut:* Af Norðurlandsvegi sunnan Akureyrar að Jórunnarstöðum, ásamt brautinni að Kristneshæli.
23. *Laugalandsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Kaupangi, hjá Laugalandsskóla, um Eyjafjarðarárbrú á Stíflu og á Eyjafjarðarbraut skammt utan við Saurbæ.
24. *Svalbarðsstrandarvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Veigastöðum innst á Vaðlaheiði, um Svalbarðsströnd og Höfðahverfi á Fnjóskadalsveg austan við brú á Fnjóská hjá Laufási.
25. *Fnjóskadalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Hálsi út Fnjóskadal austanverðan um Höfðahverfi til Grenivíkur.
26. *Kinnarvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Krossi í Ljósavatnsskarði um Köldukinn, yfir Skjálfandafljótsbrú, norður fyrir Garðsnúp á Norðurlandsveg hjá Garði í Aðaldal.
27. *Reykjahverfisvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Laxamýri í Aðaldal, um Hveravelli í Reykjahverfi og Hvammsheiði, hjá Grenjaðarstað, á Norðurlandsveg hjá Syðra-Fjalli í Aðaldal.
28. *Bárðardalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Fosshól, austan Skjálfandafljóts að Sandvík í Bárðardal.
29. *Mývatnssveitar- og Mývatnsöræfavegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Breiðumýri um Mývatnsheiði, Mývatnssveit, Námaskarð og Mývatnsöræfi, um væntanlega brú á Jökulsá og á Austurlandsveg hjá Grímsstöðum á Fjöllum.

30. *Laugaskólavegur:* Af Mývatnssveitarvegi sunnan við Breiðumýri að Laugaskóla.
31. *Tjörnesvegur:* Frá Húsavík kringum Tjörnes að Norðurlandsvegi hjá Lóni í Kelduhverfi.
32. *Kópaskers- og Raufarhafnarvegur:* Af Norðurlandsvegi austan við Jökulsárbrú í Axarfirði, um Kópaskerskauptún, yfir Melrakkasléttu, um Raufarhöfn á Axarfjarðarheiðarveg nálægt Svalbarði í Þistilfirði.
33. *Axarfjarðarheiðar- og Þistilfjarðarvegur:* Af Kópaskersvegi hjá Klifshaga, um Hrauntanga og Svalbarð í Þistilfirði til Þórshafnar.

## D. Um Austurland.

1. *Austurlandsvegur:* Af Norðurlandsvegi austan við Jökulsá í Axarfirði, um Hólsfjöll hjá Grímsstöðum, hjá Möðrudal, um Möðrudalsöræfi, Jökuldalsheiði, um Jökuldal hjá Skjöldólfsstöðum, um Jökulsárbrú hjá Fossvöllum, um Hróarstungu, um Lagarfljótsbrú hjá Egilsstöðum, um Velli og Skriðdal, um Breiðdalsheiði, um Breiðdal hjá Eydölum, um Strætishvarf, um Berufjarðarströnd til Djúpavogs. Um Geithellnahrepp yfir Lónsheiði að Suðurlandsvegi í Lóni.
2. *Langanesvegur:* Frá Þórshöfn um Langanes að Skálum.
3. *Stranda- og Jökulsárhlíðarvegur:* Frá Þórshöfn yfir Brekknaheiði, um Strandir, Sandvíkurheiði, Vopnafjörð, Hellisheiði og Jökulsárhlíð á Austurlandsveg vestan við Jökulsárbrú hjá Fossvöllum.
4. *Hafnarvegur:* Af Stranda- og Jökulsárhlíðarvegi við Bakkaá í Skeggjastaðahreppi að Hafnarkauptúni.
5. *Vopnafjarðarvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Möðrudal um Langadal, yfir Möðrudalsheiði, um Hofsárdal til Vopnafjarðar.
6. *Hróarstunguvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Rangá, um Kirkjubæ, yfir væntanlega brú á Lagarfljót hjá fossi og á Úthéraðsveg hjá Bóndastöðum.
7. *Upphéraðsvegur:* Af Austurlandsvegi vestan Lagarfljótsbrúar, um Fell og á Fljótsdalsveg vestan við Jökulsá í Fljótsdal skammt fyrir innan Valþjófsstað.
8. *Fjarðarheiðarvegur:* Af Fagradalsbraut hjá Egilsstöðum um Fjarðarheiði til Seyðisfjarðar.
9. *Úthéraðsvegur:* Af Fjarðarheiðarvegi austan við Eyvindarárbrú um Eiðaþinghá og Hjaltastaðaþinghá að Óshöfn. Um Gönguskörð og Njarðvíkurskriður til Borgarfjarðar.
10. *Fagradalsbraut:* Af Austurlandsvegi hjá Egilsstöðum um Fagradal að Búðareyri við Reyðarfjörð.
11. *Eskifjarðarvegur:* Frá Búðareyri við Reyðarfjörð til Eskifjarðarkauptúns.
12. *Norðfjarðarvegur:* Frá Eskifjarðarkauptúni um Oddsskarð til Neskaupstaðar.
13. *Viðfjarðarvegur:* Frá Eskifjarðarkauptúni um Vaðlavíkurheiði til Viðfjarðar.
14. *Skóga- og Fljótsdalsvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Úlfsstöðum á Völlum um Skóga, Hallormsstað, Víðivelli, yfir væntanlegar brýr á Kelduá og Jökulsá, á Upphéraðsveg skammt fyrir innan Valþjófsstað.
15. *Þórdalsheiðarvegur:* Af Austurlandsvegi í Skriðdal um Þórdalsheiði að Fagradalsbraut í Reyðarfirði.
16. *Mjóafjarðarvegur:* Af Fagradalsbraut sunnan við Köldukvísl um Eyvindardal, Slenjudal og Mjóafjarðarheiði að Firði í Mjóafirði.
17. *Fáskrúðsfjarðarvegur:* Af Fagradalsbraut í Reyðarfirði um Sléttuströnd og Staðarskarð að Búðum í Fáskrúðsfirði.
18. *Breiðdalsvíkurvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Eydölum í Breiðdal til Breiðdalsvíkur.
19. *Stöðvarfjarðarvegur:* Frá Búðum um Hafnarnes og Stöðvarfjörð á Breiðdalsvíkurveg hjá Þverhamri.

2. Á eftir frvgr. kemur ný grein, sem verður 2. gr., svo hljóðandi:
Lög nr. 72/1936 og lög nr. 109/1940 um breyting á vegalögum, nr. 101/1933, eru úr gildi felld.

## Nd. 461. Nefndarálit

um frv. til laga um virkjun Andakílsár í Borgarfjarðarsýslu.

Frá meiri hl. fjárhagsnefndar.

Nefndin hefur rætt frumvarp þetta rækilega á mörgum fundum, en eigi getað orðið á einu máli um afgreiðslu þess. Einn nefndarmaður, Einar Olgeirsson, vill afgreiða frumvarpið í aðalatriðum eins og það liggur fyrir, en við undirritaðir fjórir nefndarmenn leggjum til, að því verði breytt í það horf, að virkjunin verði ríkisvirkjun til almennings nota í þeim nærliggjandi héruðum, sem líklegt má telja, að sú vatnsorka, sem til er í þessu fallvatni, geti fullnægt, ef hún verður fullvirkjuð. Eftir þeim rannsóknum, sem gerðar hafa verið, er talið, að á þessum stað sé hægt að virkja alls um 12 þúsund hestöfl, eða um 8 þúsund kw. Þau héruð, sem einkum koma til greina til að nota rafmagn frá þessari virkjun, eru: Borgarfjarðarsýsla, Akranes, Mýrasýsla, Snæfellsnessýsla, Dalasýsla, Strandasýsla og báðar Húnavatnssýslur. Samkvæmt manntali frá 1941 eru í þessum héruðum samtals 15540 menn, og mundi því raforkan í Andakílsá svara til þess að vera rúmlega ½ kw. á mann í þessum héruðum, ef hún væri fullvirkjuð. Nú er þess að gæta, að Blönduós, sem hefur um 400 íbúa, gengur frá, af því hann hefur rafmagn, og það mun sennilega eiga langt í land, að hægt yrði að leiða orkuna inn á öll heimili í þessum héruðum. Hins vegar er þess að gæta, að allmikið orkutap yrði á því að leiða rafmagnið um svo víðlent svæði. En þegar alls er gætt, má þó fyllilega gera ráð fyrir, að sú orka, sem hér um ræðir, mundi fullnægjandi fyrir þessi héruð um nálæga framtíð. Að þessu athuguðu og með tilliti til þeirrar aðkallandi nauðsynjar, sem á því er, að sem flestir landsmenn verði aðnjótandi þeirra þæginda, sem rafmagnið veitir, þá teljum við sjálfsagt að haga virkjunarframkvæmdum á þessum stað í samræmi þar við. Þess vegna getum við ekki samþykkt, að ríkið gangi í ábyrgð fyrir 6 millj. króna til handa einkafélagi til þess að setja upp orkuver nær eingöngu fyrir Akranes og Borgarnes, jafnvel þótt sú byrjunarframkvæmd sé auðveldust og mundi bezt svara kostnaði. Að koma rafmagninu út um sveitir landsins verður ekki gert nema ríkið standi fyrir því dýra verki. Gildir um það sama regla sem um landssímann og þjóðvegina. Að ákveða með lögum fast kerfi um það, hvernig rafmagninu verði veitt út um landið, svo að þeir menn geti notið sömu lífsþæginda, sem nú skortir rafmagn, eins og hinir, sem njóta þess, er eins aðkallandi mál eins og vera mundi að setja símalög og vegalög, ef eins væri ástatt um þau efni og nú er um rafmagnsmál. Allar nýjar framkvæmdir verða því að miðast við það, að þær falli vel og haganlega inn í hið væntanlega kerfi. Með það fyrir augum viljum við afgreiða þetta frumvarp með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
Ríkið lætur reisa raforkuver við Andakílsá í Borgarfjarðarsýslu, leggja háspennutaugar þaðan til Akraness, Mýrasýslu, Snæfellsnessýslu, Dalasýslu, Strandasýslu, Vestur-Húnavatnssýslu og Austur-Húnavatnssýslu og gera afspennistöðvar í þessum héruðum.
2. Við 2. gr. Greinin orðist þannig:
Undirbúningur og framkvæmd virkjunarinnar miðist við það, að vatnsaflið í Andakílsá verði fullvirkjað, en heimilt er að framkvæma verkið í áföngum, eftir því sem hagfelldast þykir.

3. Við 3. gr. Greinin orðist svo:
Þegar sett hafa verið lög um heildarraforkukerfi ríkisins, skal Andakílsárvirkjunin verða þáttur í því kerfi, en þangað til skal virkjunin rekin sem sjálfstætt fyrirtæki með sérstöku reikningshaldi, samkvæmt reglugerð, er atvinnumálaráðherra setur.
4. Við 4. gr. Greinin verði þannig:
Ríkið endurgreiðir útborgaðan kostnað við undirbúning virkjunar Andakílsár og enn fremur fyrir vatnsréttindi eftir samkomulagi við eigendur þeirra, en ef samkomulag næst eigi, skal greiðsla fyrir þau ákveðin með mati samkv. 147. gr. 1. b. vatnalaganna, nr. 15 20. júní 1923.
Útgjöld samkv. þessari grein teljast með stofnkostnaði Andakílsárvirkjunar.
5. Á eftir 4. gr. komi ný grein, er verði 5. gr., svo hljóðandi:
Ráðherra ákveður, að fengnum tillögum viðkomandi sýslunefnda, hvar reisa skuli þær afspennistöðvar, sem um getur í 1. gr. Skal raforkan seld með sama verði frá öllum afspennistöðvunum, en leiðslur þaðan annast viðkomandi héruð eftir reglum, er um það verða settar.
6. 5. grein verði 6. gr. og hljóði þannig:
Ríkisstjórninni er heimilt að taka, fyrir hönd ríkissjóðs, allt að 10 milljóna kr. lán til þess að greiða kostnað við byrjunarframkvæmdir samkv. lögum þessum.
7. 6. gr. verði 7. gr.

Alþingi, 23. febr. 1943.

Ásgeir Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr., frsm. Ingólfur Jónsson.
Skúli Guðmundsson.

## Nd. 462. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 45 13. júní 1937, um dragnótaveiði í landhelgi.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. Nokkrir nefndarmenn töldu, að fella bæri frv., en samkomulag varð þó um að leggja til, að það yrði afgreitt með eftirfarandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að milliþinganefnd sú í sjávarútvegsmálum, sem skipuð mun verða samkvæmt þál. á þskj. 35, taki mál þetta til athugunar, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 24. febrúar 1943.

Finnur Jónsson, form. Gísli Guðmundsson, fundaskr. Sigurður Bjarnason, frsm.
Lúðvík Jósefsson. Sigurður Kristjánsson.

## Nd. 463. Frumvarp til laga

um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

Bæjar- og sveitarstjórnum er heimilt að innheimta hjá hverjum útsvarsgjaldanda í umdæmum sínum allt að 50% af upphæð þeirri, er hann greiddi í útsvar fyrir árið 1942, til greiðslu upp í útsvar hans 1943, með gjalddögum 1. marz til 1. maí, eftir nánari reglum, er bæjar- og sveitarstjórnirnar setja, en ráðherra staðfestir.

2. gr.

Ef útsvar er ekki greitt á réttum gjalddögum samkvæmt reglum þeim, er settar verða samkv. 1. gr., skal gjaldþegn greiða dráttarvexti af því, sem ógreitt er, 1% fyrir hvern mánuð eða hluta úr mánuði, sem líður frá gjalddaga, unz útsvarið er greitt.

3. gr.

Nú kemur það í ljós, er álagningu útsvars 1943 er lokið, að gjaldþegn hefur þegar greitt meira en honum bar, og skal þá endurgreiða það, sem ofgreitt var, ásamt 1% vöxtum fyrir hvern mánuð eða hluta úr mánuði, sem upphæðin hefur verið í vörzlu viðkomandi bæjar- eða sveitarsjóðs.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 464. Tillaga til þingsályktunar

um fullnaðarákvörðun vegarstæðis að Skálum á Langanesi og kostnaðaráætlun um vegargerð.

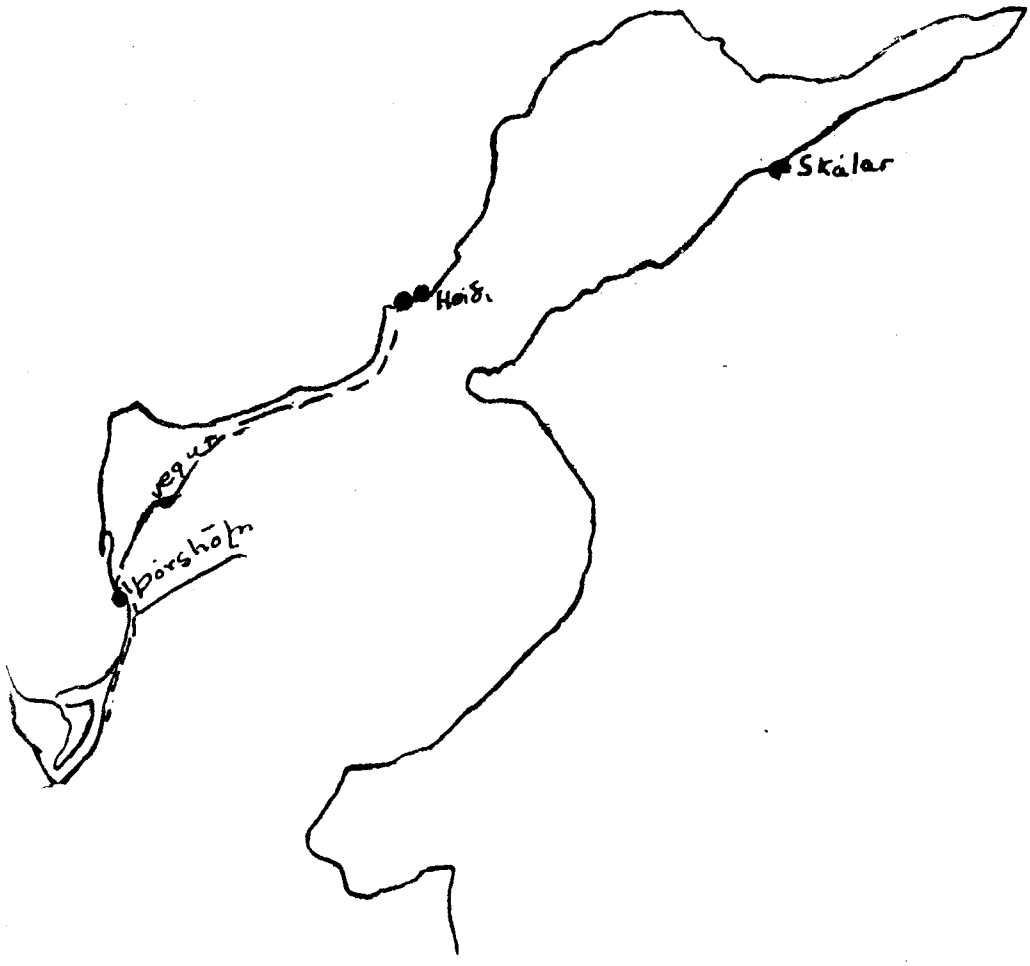
Flm.: Gísli Guðmundsson.

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta fram fara á þessu ári fullnaðarákvörðun vegarstæðis frá Heiði að Skálum á Langanesi og gera kostnaðaráætlun um vegargerðina.

Greinargerð.

Árið 1936 var Langanesvegur, frá Þórshöfn að Skálum á Langanesi, tekinn í tölu þjóðvega. Vegur þessi er talinn 35 km. langur. Um helmingur vegarins, 18 km., frá Þórshöfn að Heiði (og útgerðarstaðnum Heiðarhöfn), er, ef fram fer nokkur viðgerð á köflum, slarkfær bifreiðum. Er nokkur hluti upphlaðin braut, en að öðru leyti er sléttlendi með sjó fram, þar sem hlaða þarf upp veg á næstunni, eftir því sem umferð eykst. En á ytri hluta leiðarinnar, frá Heiði að Skálum, hefur ekkert verið unnið. Verkfræðingur frá vegamálaskrifstofunni hefur þó farið þessa leið og gert á henni athuganir, en fullnaðarákvörðun um vegarstæðið liggur ekki fyrir og þá ekki heldur kostnaðaráætlun, sem á megi byggja. En það er ýmissa manna mál, sem kunnugir eru, að vegur þessi þurfi ekki að verða mjög dýr, ef þess er gætt að þræða þá leið, sem sléttust er og þurrust.

Sæmilegur akvegur að Skálum mundi hins vegar hafa mjög mikla þýðingu fyrir þann stað og bátaútgerðina við Langanes. Út af Skálum eru einhver nærtækustu fiskimið landsins og oft fiskmergð mikil á sumrum þar úti við Langanesröst, þótt




ekki fáist bein úr sjó á fjörðum inni. En á Skálum er engin örugg höfn eða lægi fyrir flutningaskip, heldur eingöngu lending fyrir litla vélbáta. Hefur nokkuð verið unnið að því að bæta þessa lendingu, og eru veittar til þess 25 þús. kr. í fjárlögum þessa árs, en á s. l. ári voru sett sérstök lög um lendingarbæturnar. Á Skálum er líka erfitt um fiskþurrkun vegna votviðra. Þess væri því mikil nauðsyn, að hægt væri að flytja fiskinn landleiðis til Þórshafnar nýjan eða upp úr salti, því að þar er góð útflutningshöfn og betri veðrátta til fiskverkunar. Hin síðari sumur hafa fisktökuskip komið að staðaldri til Þórshafnar og legið þar, en hins vegar verið miklu minni möguleikar fyrir Skálabúa að koma afla sínum í verð á þann hátt. En með akvegarsambandi við Þórshöfn hefði það verið auðvelt með viðráðanlegum kostnaði.

Þrátt fyrir hina erfiðu aðstöðu er útlit fyrir, að frá Skálum rói næsta sumar eins margir fiskibátar og rúm er þar fyrir í lendingu, eins og hún nú er, og aðstaða í landi. Þegar lendingin batnar, má gera ráð fyrir, að útvegurinn fari vaxandi. Það hefur eigi litla þýðingu fyrir sjómenn að geta stytt sér leið á miðin um helming — og stundum miklu meira en það — með því að hafa bækistöð sína svo utarlega við nesið. En vegarsambandið mundi gera það miklu auðveldara en nú er að nota þessa aðstöðu.

Fyrir utan Heiði á Langanesi eru auk þorpsins á Skálum nokkrir bæir á ströndinni að sunnan og norðan, og hefur frá þeim flestum verið stundað meira og minna útræði, samhliða búskap á landi. Fyrir alla þessa byggð mundi, eins og gefur að skilja, verða mikið hagræði að þjóðvegi þessum. Virðist því, að öllu þessu athuguðu, ástæða til að ganga endanlega frá vegarstæðinu og gera sér grein fyrir því til hlítar,

hvað vegurinn kostar. Þess skal getið, að á Skálum er þegar nokkur ræktun og talsvert af ræktanlegu landi.

Bygging Langanesvegar frá Þórshöfn var hafin með frjálsum framlögum hreppsbúa fyrir nál. 20 árum, en síðan lögðu hreppur og sýsla nokkurt fé í veginn a. m. k. flest ár, unz hann var tekinn í þjóðvegatölu. Þess er vert að geta í þessu sambandi, að eitt tvíbýlisheimili á austanverðu nesinu (Eiði) lagði, aðallega á árunum 1920—1930, á eiginn kostnað um 4 kílómetra upphlaðna braut yfir mjög ógreiðfært land frá bæ sínum til að komast í samband við hinn fyrirhugaða þjóðveg. Vegagerð þessi var unnin að verulegu leyti af heimilismönnum við hin allra erfiðustu skilyrði á þeim tímum árs, þegar sízt var hægt að sinna arðbærari verkefnum, vor, haust og vetur, og þá stundum í hríðarveðrum og snjó, svo lengi sem stunguþítt var eða kleift að ná ofaníburði úr melum. Svo óbilandi framfarahug, sem fram kom í þessu verki, mætti vel verðlauna a. m. k. svo, að ríkið yrði ekki til lengdar eftirbátur með þjóðveg sinn. Mundi sá skilningur með þökkum þeginn af þeim, er hlut áttu að máli og enn mega hans njóta.

## Nd. 465. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 42 19. júní 1933, um vinnslu, verkun og mat meðalalýsis.

Frá sjávarútvegsnefnd.

1. gr.

2. málsgr. 4. gr. laganna skal orða svo:

Heimilt er ríkisstjórninni að ákveða, að allt meðalalýsi, hvort heldur þorskalýsi eða ufsalýsi, sem selt er til útlanda, skuli fjörefnarannsakað af atvinnudeild háskólans og að lýsiseigandi greiði gjald fyrir slíka rannsókn, er miðist við kostnað þann, er af henni leiðir. Enn fremur er ríkisstjórninni heimilt að ákveða, að öllum meðalalýsissendingum til útlanda, sem eru yfir 10 kg, skuli fylgja vottorð um þunga, fjörefni, tegund og gæði lýsisins, eftir reglum, sem ríkisstjórnin setur.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Ríkisstjórnin hafði sent nefndinni sérstakt frumvarp til laga, er rannsóknaráð hafði samið, um útflutningsgjald af lýsi, til þess að standast kostnað við fjörefnarannsóknir, með tilmælum um flutning. Nefndin taldi hins vegar, að slík ákvæði færu betur í þeim lögum, er þegar hafa verið sett um útflutning á lýsi, og að eigi væri ástæða til að ákveða sérstakt útflutningsgjald til þessa, heldur væri nægilegt að fella heimild um rannsóknargjald inn í lögin.

Nefndin fellst algerlega á tillögur rannsóknaráðsins um nauðsyn þess, að meðalalýsi verði fjörefnarannsakað, og mun gera nánari grein fyrir málinu í framsögu.

## Nd. 466. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942.

Frá Finni Jónssyni.

Við 5. gr. Greinina skal orða svo:

34. gr. laganna orðist svo:

Nú leyfir fjárhagur vélasjóðs ekki, að hann kaupi nægilega margar vélar til þess að halda uppi þeirri starfsemi, sem tilgreind er í 32. gr., svo viðunandi sé, og leggur þá ríkissjóður fram það, sem á vantar til kaupa á slíkum vélum, eftir því sem fé er veitt til þess í fjárlögum, að fengnum rökstuddum samhljóða tillögum verkfæranefndar og meðmælum Búnaðarfélags Íslands. Vélar þær, sem þannig eru keyptar, verða eign vélasjóðs og falla til starfsemi hans.

## Ed. 467. Lög

um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943.

(Afgreidd frá Ed. 24. febr.).

Samhljóða þskj. 463.

## Nd. 468. Nefndarálit

um frv. til l. um virkjun Andakílsár í Borgarfjarðarsýslu.

Frá minni hl. fjárhagsnefndar.

Nefndin hefur ekki orðið sammála. Meiri hlutinn vill gerbreyta frumvarpinu. Minni hlutinn leggur til, að það sé samþykkt með mjög litlum breytingum, þar sem virkjunarsérleyfi það og ábyrgðarheimild sú, sem hér er farið fram á, sé í senn eðlileg og hliðstæð ábyrgðarheimildum þeim, sem veittar hafa verið til virkjunar Sogsins, Laxár og annarra fallvatna, og líklegast sé að fá skjótar framkvæmdir í þessu máli og heppilegar með því að halda áfram á þeim grundvelli, sem undirbúinn hefur verið fram að þessu.

Það er aðallega um tvennt deilt í þessu máli; hið fyrra er, **hvort** virkja skuli Andakílsá, hið síðara, **hver** skuli virkja, ef virkjað sé. Skal hið fyrra nú rætt.

Virkjun Andakílsár hefur verið á döfinni í fjöldamörg ár, en aldrei komizt í framkvæmd, af því skort hefur fjármagn, svo héruðin þarna hafa hingað til farið á mis við gæði raforkunnar. Nú hafa Mýra- og Borgarfjarðarsýslur og Akraneskaupstaður myndað sameignarfélag til þess að virkja Andakílsárfossa og ákveðið að hefja þar virkjun. Áður en sú ákvörðun var tekin, fóru fram hinar ýtarlegustu virkjunarrannsóknir, og nutu sýslurnar þar aðstoðar kunnáttumanna, er ríkið lét þeim í té og áður höfðu að virkjunum starfað.

Rannsóknir þessar fóru fram árið 1939, og gerði Árni Pálsson verkfræðingur áætlanir um orkuverið og sjálfa virkjunina, en Jakob Gíslason, forstöðumaður rafmagnseftirlits ríkisins, gerði áætlanir um háspennulínur. Þessar rannsóknir leiddu í ljós, að virkjunarskilyrði eru þarna mjög hagkvæm, samanborið við aðrar virkjanir. — Sökum stríðsins var ekki hægt að hefjast handa 1940, en starfinu að málinu var haldið áfram, áætlanir endurskoðaðar og tilboð fengin í vélar, rafbúnað og nokk-

uð af öðru efni til virkjunar, og hefur Andakílsárvirkjun þau nú í höndum. Miðast áætlanir um kostnaðinn nú við þau verðtilboð. Árni Pálsson verkfræðingur sá um endurskoðun áætlananna. Einnig hefur hann gert ýtarlegar áætlanir um rekstur virkjunarinnar. Eru hinar síðustu þeirra frá nóvember 1942, og kemur þar í ljós, að rekstur fyrirtækis þessa muni bera sig mjög vel. Sést það bezt af því, að meðalsöluverð orkunnar úr bæjarkerfinu verður um 11 aurar fyrir hverja kwst. (668 þús. kr. fyrir tæpar 6000000 kwst.). En þetta er nokkurn veginn jafnhátt meðalsöluverði frá bæjarkerfi Reykjavíkur á árinu 1941, en þá voru tekjur rafveitunnar í Reykjavík samkv. reikningum Rvíkurkaupstaðar 3860000 kr. fyrir beina sölu á raforku, sem er innan við 37 millj. kwst. — Er þetta góð sönnun fyrir því, hve hagkvæm þessi virkjun er, líka þótt smátt sé af stað farið.

Minni hlutinn telur því ekki einasta óverjandi að synja Borgarfjarðarhéruðum um þá ábyrgð á lánum og um þá virkjunarmöguleika, sem þau fara fram á, heldur telur það beina skyldu að láta þeim þá ábyrgð í té, sem svo mörg önnur bæjarfélög hafa orðið aðnjótandi.

**Nefndin leitaði álits um virkjunina hjá eftirfarandi aðilum: Árna Pálssyni verkfræðing, raforkumálanefnd og rafmagnseftirliti ríkisins.** Skal álit og afstaða þessara aðila nú rakið hér að nokkru:

**Árni Pálsson verkfræðingur** mætti á fundi fjárhagsnefndar og gaf henni ýmsar upplýsingar til viðbótar við þær, sem fyrir lágu í sambandi við áætlanir þær, er hann hafði gert. Samkvæmt upplýsingum hans eru fyrstu 2400 hestöflin beizluð fyrir fullt og allt, síðan verður virkjunin aukin eins og orkuþörf segir til um og fjárhagur leyfir. Um stærð hinnar fyrstu virkjunar upplýsir hann, að hún sé aðallega miðuð við þrennt.

Í fyrsta lagi, að orkan verði 600—700 watt á mann, þar eð reynslan frá Soginu og Laxá sýni ótvírætt, að 300—400 watt reynist mjög fljótt ófullnægjandi.

Í öðru lagi, að 2400 hestöfl fáist án þess að grípa þurfi til miðlunar Skorradalsvatns, og er það ein af ástæðunum fyrir því, að virkjunin er óvenju ódýr.

Í þriðja lagi er stofnkostnaður ekki hærri en svo, að virkjunin ber sig fjárhagslega. Hafa rannsóknir leitt það í ljós, að hægt er að renta 6 millj. króna stofnkostnað.

Samkvæmt upplýsingum Árna Pálssonar er orkuþörfin um 6000 hestöfl. Ef hefja á virkjun með þeirri hestaflatölu, þarf umfangsmiklar stíflur til að notfæra sér miðlun Skorradalsvatns. Hleypir það kostnaði mikið fram, svo óvíst er, að virkjunarkostnaður 6000 hestafla verði lægri en virkjunarkostnaður 2000 hestafla, er miðað er við kostnaðinn á hvert virkjað hestafl.

Um möguleika á að fullnægja orkuþörf íbúanna í þessum héruðum á annan hátt, þ. e. með því að leiða orkuna frá Soginu til Borgarfjarðar, gaf Árni Pálsson verkfræðingur eftirfarandi upplýsingar:

Við virkjunarrannsóknir 1939 var þessi leið rannsökuð, og kom þá í ljós, að stofnkostnaður er það hár, að þegar keypt eru við spennistöð Elliðaánna þau hestöfl, sem línan á að flytja, verður kostnaðurinn mun hærri en heildarkostnaðurinn við virkjun í Andakílsá. Áætlunarupphæð línukerfisins var 1150000 kr. árið 1939, og voru þær áætlanir gerðar af rafmagnseftirliti ríkisins. Spennistöðvarnar í Borgarnesi og Akranesi eru þar áætlaðar heldur minni en í þeim áætlunum, sem nú liggja fyrir um virkjun Andakílsár, og háspennulínan var aðeins talin frá Varmá í Mosfellssveit. Ef endurskoða ætti þær áætlanir, mundi því upphæðin hækka um nokkur hundruð þúsund. Og vegna fjórfalds byggingarkostnaðar, sem nú er orðinn frá 1939, er sýnt, að kostnaður við línukerfið færi yfir 5 milljónir króna, og er þá eftir að kaupa hestöflin frá spennistöð við Elliðaár. Við síðustu endurskoðun áætlana um virkjunarkostnað (í nóv. s. l.) var því ekki endurskoðuð áætlun um línu frá Elliðaárstöð til Borgarness. Til þess voru þó fleiri ástæður en kostnaðurinn.

Reykjavík hefur nú tæp 300 watt á mann, og vantar mikið á, að það sé nægilegt. Eftir væntanlega aukningu í Ljósafossorkuverinu bætast um 5500 kw. við í spennistöðina við Elliðaár. Innan hitaveitusvæðis Rvíkur mun vart þörf á orkuaukningu í

bráð, en utan hitaveitusvæðisins búa mörg þúsund manns. Fyrst um sinn verða þeir ekki aðnjótandi hitaveitunnar, og hlýtur Reykjavíkurbær því að sjá þeim fyrir ríflegri orkuaukningu til hitunar (minnst 600—700 watt á mann, svo naumast verði komizt af með minna en 3000 kw. Dælur hitaveitunnar taka um 800 kw. og Hafnarfjörður þarf meiri orku.

Íbúar Árnessýslu og Reykjaness hljóta af eðlilegum ástæðum að ganga fyrir öðrum um að fá orku sína frá Ljósafossi, og leiðir af því, að Reykjavík hefur ekki á boðstólum 1700 kw. til þarfa íbúa Borgarfjarðarhéraða. Vegna hinna miklu vegalengda getur flutningur á minna orkumagni ekki komið til greina, og skýrist það nægilega með að nefna það dæmi, að ef byggð eru veitukerfi fyrir 5 milljónir króna eða þar yfir, verður flutningskostnaður orkunnar of hár, ef línurnar eiga aðeins að flytja t. d. 900 kw., — hefði í för með sér hátt orkuverð, miklu hærra en meðalsöluverð til neytenda er nú í Rvík.

Einasta leiðin til að sjá íbúum Borgarfjarðarhéraða fyrir ódýrri og nægri orku er því að virkja Andakílsá.

Þá er og rétt að taka það fram, að Árni Pálsson verkfræðingur hefur og gefið þær upplýsingar, að virkjunarstaðnum sé þannig í sveit komið, að verði einhvern tíma lagðar langlínur um Borgarfjarðarhéruð, þá muni þær liggja mjög nálægt Andakílsárfossum — ef ekki um þá, — og væri því mjög auðgert að tengja orkuverið og veitukerfi þess við hugsanlega langlínu.

**Rafmagnseftirlit ríkisins** segir í áliti sínu til fjárhagsnefndar (niðurlagsorð álitsins): „Að öllu athuguðu telur rafmagnseftirlitið sig samkvæmt framansögðu geta mælt með umræddri virkjun Andakílsár, að því leyti, að áætlanir benda til þess, að um hlutfallslega ódýra virkjun sé að ræða, — að þörf aukinnar raforku á orkuveitusvæði virkjunarinnar megi teljast aðkallandi, og — að áætlanir um virkjunina séu fullgerðar fyrir hendi og tilboð í helztu vélar og tæki fengin."

Það eru því sterk rök beztu kunnáttumanna vorra fyrir því, að virkja beri Andakílsá. Önnur skoðun virðist hins vegar vera ofan á í milliþinganefnd í raforkumálum.

**Álit raforkumálanefndar.** Í álitinu frá milliþinganefnd í raforkumálum segir m. a.: „Talið er, að í Andakílsá sé hægt að virkja alls 12 þúsund hestöfl, og er það miklu meira en þörf er fyrir í Mýra- og Borgarfjarðarsýslu, a. m. k. í náinni framtíð." — Þessi staðhæfing nefndarinnar virðist hafa við lítil rök að styðjast, þegar þess er gætt, að þegar Reykjavíkurbær er áætluð framtíðarorka frá Soginu, þá eru áætluð 2 hestöfl á mann. Það er reynslan af öllum raforkuverum á Íslandi, að þau reynast, rétt eftir að þau eru reist, vera of lítil. Stafar það af þeirri eðlilegu ástæðu, að strax og raforkan er fengin, þá býður hún heim nýjum notendum, dregur svo að segja að sér alls konar fyrirtæki, sem einmitt er hægt að koma upp í krafti hennar. Það þarf ekki nema eina stóra verksmiðju á Akranesi (t. d. sementsverksmiðju, sem skipulagsnefnd atvinnumála áleit hentugt, að sett yrði þar, m. a. með tilliti til ódýrrar raforku) til þess að breyta hér um til stórra muna. Það, að ætla litla orku á hvern stað á Íslandi þýðir beinlínis að hindra iðnaðarframkvæmdir og reikna með því að hagnýta aðeins lítið af öllu voru fossaafli og miða það meir við heimilisþarfir en stórfelldan iðnað og iðju.

Þá segir milliþinganefndin í áliti sínu: „Samkvæmt frumvarpinu er ráðgert að virkja aðeins 2400 hestöfl. Nægir sú virkjun ekki nema fyrir mjög takmarkað svæði og þó aðeins til bráðabirgða. Slík lausn á málinu getur hvorki talizt hagkvæm né æskileg." — Það er nú sannað hér að framan, að orkuver við Andakílsárfossa getur með þessari litlu virkjun selt kílówattstundina á 11 aura að meðaltali, eins og hin mikla Sogsstöð, sem virkjar 12 þúsund hestöfl. Staðhæfing nefndarinnar er því út í bláinn, út frá almennum hugmyndum um muninn á stórrekstri og smárekstri, en tekur ekkert tillit til kringumstæðna og staðreynda.

Kemst þessi milliþinganefnd að þeirri niðurstöðu, að „hagkvæmast verði að bæta úr rafmagnsþörf fólksins í þessum landshlutum með því að auka við aflstöðvarnar í Sogi og Laxá og tengja þær saman með landslínu um þau héruð, sem nefnd hafa

verið. Lokaniðurstaða og tillaga nefndarinnar um frumvarpið um Andakílsárvirkjunina var þessi: „Með tilvísun til þess, sem hér hefur verið tekið fram, telur nefndin, að virkjun á þessum stað komi því aðeins til mála, að hún geti talizt heppilegur liður í heildarkerfi, enda yrði þá virkjunin framkvæmd af ríkinu. Nefndin getur því ekki mælt með því, að frumvarpið verði samþykkt, þar sem hún telur hagkvæmara að fullnægja raforkuþörf manna í viðkomandi héraði á annan hátt og álítur, að slíkt þurfi ekki að verða til þess að tefja lausn málsins.“

Staðhæfing nefndarinnar um, að hægt sé að fullnægja raforkuþörf íbúanna í þessum héruðum og öðrum frá Sogi og Laxá hefur ekki við rök að styðjast. Þótt hægt sé að fá 110 þús. hestöfl frá Soginu með fullvirkjun, þá mun það í framtíðinni ekki gera meira en fullnægja Reykjavík, Hafnarfirði, Gullbringu- og Kjósarsýslu og Árnessýslu. Og þótt hægt sé að fullvirkja 28 þús. hestöfl í Laxá, þá mun það ekki gera miklu meira en fullnægja Akureyri, Eyjafjarðar- og Þingeyjarsýslum, þegar fram í sækir. Og að fara að virkja Laxá á öðrum stöðum en nú til þess að flytja aflið frekar þaðan alla leið til Húnavatnssýslu eða suður fyrir Holtavörðuheiði t. d. en að virkja á þeim stöðum og spara hinar dýru línur, það næði vitanlega engri átt.

Hugmyndin um línur milli ýmissa — ekki allt of fjarlægra — orkuvera er góð að því leyti, að slíkar línur skapa öryggi, ein stöð bætir aðra upp, þegar bilanir ber að höndum og hægt er með því að útjafna orkuna. Hugmyndin um ríkiseign og ríkisrekstur á öllum raforkuverum getur orðið góð í framtíðinni, þegar búið er að koma allmiklu af orkuverum upp og þarf að taka föstum tökum á rafvirkjunarmálum sveitanna, en það yrði aðeins til þess að tefja fyrir uppkomu nýrra, nauðsynlegra orkuvera nú að binda sig við þá hugmynd strax.

Þau rök, sem raforkumálanefnd ber fram fyrir því, að ekki skuli virkja Andakílsá, fá ekki staðizt. Það er því eindregin tillaga minni hlutans, **að virkja skuli Andakílsá,** og skal nú næst athugað, hver virkja skuli. Kemur þá til að athuga afstöðu meiri hl. í því máli.

**Afstaða meiri hlutans.** Nú vill svo einkennilega til, að meiri hluti raforkumálanefndar er einnig meiri hluti fjárhagsnefndar (þrír nefndarmenn hinir sömu). Leggur hann nú til, rétt eftir að raforkumálanefnd hefur lagt á móti því, að þetta frumvarp verði samþykkt, á móti því, að Andakílsá verði virkjuð, að frumvarpið skuli samþykkt gerbreytt, þannig að ríkið eigi og reki Andakílsárvirkjun. Hvað veldur sinnaskiptum nefndarmanna eða hvort þeir hyggjast að ná því sama með hvoru tveggja — að láta ekkert verða úr virkjuninni —, skal ósagt látið, en reynt skal í stuttu máli að gera grein fyrir, af hverju minni hlutinn gat ekki samþykkt tillögur þeirra.

Meiri hlutinn leggur til að ákveða, að frá Andakílsárorkuverinu skuli leggja háspennulínur — eigi aðeins um hin margumræddu Borgarfjarðarhéruð og Akranes — heldur og um Snæfellsnessýslu, Dalasýslu, Strandasýslu, Vestur- og Austur-Húnavatnssýslu. — Það er fljótsagt, að það er ekki til afl í Andakílsfossunum handa öllum þessum sýslum til frambúðar. Það að lofa íbúum þeirra slíku er að blekkja þá. Hins vegar er gnægð góðra fallvatna bæði í Stranda- og Húnavatnssýslum, sem hægt væri að virkja handa þeim og veita þeim þannig nóg rafmagn, í stað þess að ætla að leggja háspennulínu yfir Holtavörðuheiði til þess að flytja íbúunum norðan heiðar einhverjar rafmagnstýrur til ljósa, sem alltaf væru að slokkna, þegar vetrarmyrkrið og byljirnir yrðu verstir. Það er reynslan frá Rvík, Akureyri, Ísafirði og víðar, að alltaf hefur verið byrjað með of litlar rafvirkjanir og alltaf orðið að stækka og byggja á ný, af því reiknað var með of lítilli orkuþörf. Slíka skammsýni á ekki að endurtaka.

Þá leggur meiri hlutinn til, að ríkið eigi og virki Andakílsárfossana. Við það væri út af fyrir sig ekkert að athuga, að sá aðili þess opinbera frekar en bæjar- og sýslufélög ættu og rækju orkuverið, ef það væri þá einhver vissa fyrir, að orkuverinu yrði strax komið upp í þeirri mynd, sem undirbúningur var gerður að, svo engar tafir hlytust af. En því yrði ekki að fagna eftir tillögum meiri hlutans. Það yrði að gera allar áætlanir að nýju, gera miklar rannsóknir um háspennulínur, og ef til vill

yrði niðurstaða þeirra, að leið meiri hlutans væri alveg ófær. Þeim möguleikum að byrja á hæfilegri stöð, sem borgaði sig vel, yrði á glæ kastað, því nú ætti að fara, eftir þeirri reglu að selja rafmagnið á sama verði frá spennistöð á Ströndum og á Akranesi — eða, ef ríkið ætti að borga mismuninn, svo raforkuverðið í sveitunum yrði ekki beinn skattur á bæjarbúa, — þá yrði að bíða þar til raforkumálasjóður gæti borið hallann. Afleiðingin af því að ákveða ríkisreksturinn á þessu nú í því formi, sem meiri hlutinn leggur til, yrði því töf á framkvæmdum, gengið yrði frá pöntunum þeim, sem nú er hægt að fá afgreiddar eftir vissan tíma, og öllu verkinu yrði teflt í tvísýnu.

Hins vegar verður ekki sagt með neinum rökum, að ríkinu geti stafað hætta af því, að aðrir aðilar þess opinbera (bæjar-, sýslu- og sveitarfélög) eigi raforkuver. Ríkinu er innan handar, hvenær sem það álítur nauðsynlegt, að gera með löggjöf þær ráðstafanir í raforkumálunum almennt, sem það telur æskilegar vegna alþjóðarhags.

Þess vegna getur minni hluti fjárhagsnefndar ekki fallizt á brtt. meiri hlutans og leggur til, að frumvarpið verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Við 3. gr. Aftan við greinina bætist: óheimilt er eigendum að selja eign sína í félaginu öðrum en ríkinu, bæjar- eða sveitarfélögum eða orkuveitufélögum neytenda, er starfi á grundvelli vatnalaganna, og komi í hvert sinn samþykki ráðherra til.
2. Við 4. gr. Í stað orðanna „að viðbættum 10%“ í öðrum málslið komi: að viðbættum allt að 10%, og skal samþykki ríkisstjórnar koma til.

Alþingi, 25. febr. 1943.

Einar Olgeirsson.

## Sþ. 469. Nefndarálit

um till. til þál. um rannsókn á virkjun Lagarfoss.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað þingsályktunartillöguna og mælir með, að hún verði samþykkt, en vill taka fram, að nefnd sú, sem nú hefur með höndum rannsókn á raforkumálum landsins og að sjálfsögðu fær þetta mál til meðferðar, verði að afgera, í hverri röð og með hvaða hætti rannsóknirnar fara fram.

Einn nefndarmanna (PZ) var ekki á fundi, er málið var afgreitt.

Alþingi, 24. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Sveinsson, form. | Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr., frsm. | Ásgeir Ásgeirsson, með fyrirv. |
| Jón Sigurðsson. | Gísli Jónsson. | Sigurður Þórðarson. |

# Nd. 470. Frumvarp til laga

um breyting á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

30. gr. laganna orðist svo:

Eign vélasjóðs, sem var 1. jan. 1942 kr. 70471.73, verður stofnfé sjóðsins, er ekki má skerða. Við stofnféð skal árlega leggja helming þess vaxtafjár, sem sjóðnum áskotnast, svo og ef afgangur verður af rekstrarfé sjóðsins.

Skurðgröfur þær og ræktunarvélar, sem ríkið á og starfrækir, er lög þessi öðlast gildi, verða eign vélasjóðs.

Ríkissjóður skal árlega greiða sjóðnum kr. 50000.00, sem verður ásamt helmingi vaxtafjár hans og öðrum tekjum rekstrarfé sjóðsins.

2. gr.

31. gr. laganna orðist svo:

Verkfæranefnd sú, sem skipuð er samkvæmt lögum nr. 64 frá 7. maí 1940, um rannsóknir og tilraunir í þágu landbúnaðarins, hefur á hendi stjórn vélasjóðs og reikningshald og annast alla starfsemi hans, undir yfirstjórn Búnaðarfélags Íslands. Skulu meiri háttar framkvæmdir bornar undir stjórn Búnaðarfélags Íslands og leitað samþykkis hennar, áður en hafizt er handa um framkvæmdir. Er henni heimilt að ráða framkvæmdarstjóra, er skal hafa sérþekkingu í landbúnaðarvélfræði, til þess að sjá um verklegar framkvæmdir sjóðsins og hirðingu, viðhald og geymslu vélanna. Skal nefndin setja honum erindisbréf og ákveða starfssvið hans.

Reikningar vélasjóðs skulu endurskoðaðir af endurskoðendum Búnaðarfélags Íslands.

3. gr.

32. gr. laganna orðist svo:

Starfsemi sjóðsins skal vera:

1. Að kaupa vélknúðar jarðræktarvélar og skurðgröfur og gera tilraunir um nothæfi þeirra og rekstur.
2. Að leigja ræktunarfélögum og öðrum þeim aðilum, sem nefndir eru í 35. gr., skurðgröfur og aðrar vélknúðar jarðræktarvélar, til notkunar við framkvæmdir þær, er þau hafa með höndum.
3. Að taka að sér fyrir aðila þá, sem nefndir eru í 35. gr., vélavinnu við stærri ræktunarframkvæmdir, sem henta þykir að vinna með vélum þeim, er sjóðurinn á.
4. Að annast jarðræktarframkvæmdir fyrir ríkið, að því leyti sem henta þykir að vinna að þeim með skurðgröfum og öðrum stórvirkum jarðræktarvélum, svo sem undirbúning að landnámi samkvæmt lögum nr. 58 27. júní 1941, um landnám ríkisins, og öðrum hliðstæðum framkvæmdum.
5. Að aðstoða ræktunarfélög og aðra hliðstæða aðila við val, útvegun og kaup á skurðgröfum og öðrum ræktunarvélum, sem nauðsynlegar eru við stærri ræktunarframkvæmdir, svo og að gefa leiðbeiningar um meðferð og rekstur vélanna.

4. gr.

33. gr. laganna orðist svo:

Kostnaður við tilraunir þær, sem gert er ráð fyrir í 32. gr., staflið 1, þar með talinn rekstrarkostnaður vélanna á meðan tilraunir standa yfir, greiðist af rekstrarfé vélasjóðs.

5. gr.

34. gr. laganna orðist svo:

Nú leyfir fjárhagur vélasjóðs ekki, að hann kaupi nægilega margar vélar til þess að halda uppi þeirri starfsemi, sem tilgreind er í 32. gr., svo viðunandi sé, og leggur þá ríkissjóður fram það, sem á vantar til kaupa á slíkum vélum, eftir því sem fé er veitt til þess í fjárlögum, að fengnum rökstuddum samhljóða tillögum verkfæranefndar og meðmælum Búnaðarfélags Íslands. Vélar þær, sem þannig eru keyptar, verða eign vélasjóðs og falla til starfsemi hans.

6. gr.

35. gr. laganna orðist svo:

Landþurrkunar- og áveitufélög, sem stofnuð eru samkvæmt fyrirmælum vatnalaga, nr. 15 frá 23. júní 1923, 4. og 8. kafla, hafa rétt til þess að fá skurðgröfur og jarðræktarvélar vélasjóðs leigðar, eftir því sem ástæður leyfa og verkfæranefnd ákveður. Hið sama gildir um búnaðarsambönd, hreppabúnaðarfélög, bæjar- og sveitarfélög, enda hafi Búnaðarfélag Íslands ávallt gert fullkomnar áætlanir um framkvæmdir þær, er gera skal, og annazt undirbúning þeirra.

7. gr.

36. gr. laganna orðist svo:

Leiga fyrir vélar þær, er vélasjóður selur á leigu samkvæmt 32. gr., staflið 2, skal miðuð við, að hún nægi til þess að greiða eðlilegt viðhald vélanna. Um leigukjör og starfrækslu leiguvéla skal nánar ákveðið í reglugerð.

Þá er vélasjóður tekur að sér framkvæmdir samkvæmt 32. gr., staflið 3 og 4, skulu viðkomandi aðilar greiða allan rekstrarkostnað og auk þess leigu fyrir vélar þær, sem notaðar eru við vinnuna, er samsvari því, er um leiguvélar er að ræða.

8. gr.

37. gr. laganna orðist svo:

Ríkissjóður greiðir ⅓ kostnaðar við ræktunarumbætur þær, sem gerðar eru fyrir atbeina vélasjóðs, sbr. 32. gr., staflið 2—3, og framkvæmdar eru af þeim aðilum, sem tilgreindir eru í 35. gr. Nær sá styrkur til alls rekstrar skurðgrafnanna, annars skurðgrafar, byggingar flóðgátta, brúa og flóðgarða.

⅓ kostnaðar heimilast viðkomandi aðilum að taka að láni, en ⅓ skulu landeigendur leggja fram sjálfir um leið og verkið er framkvæmt.

Verk þau, sem styrkt eru af ríkinu á þennan hátt, geta ekki notið styrks samkvæmt II. kafla þessara laga.

9. gr.

38. gr. laganna orðist svo:

Landbúnaðarráðherra gefur út reglugerð, að fengnum tillögum verkfæranefndar og Búnaðarfélags Íslands, með nánari fyrirmælum um vélasjóð, starfssvið hans og framkvæmdir.

10. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 471. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 460 [Vegalög].

Frá Páli Zóphóníassyni.

Við 1. D. Á eftir 5. tölulið kemur nýr töluliður (og breytast töluliðir á eftir samkv. því):

*Jökuldalsvegur:* Frá Austurlandsvegi við Gilsá í Jökuldal um Hákonarstaði og Brú að Aðalbóli.

## Nd. 472. Breytingartillaga

við brtt. 460 [Vegalög].

Frá Emil Jónssyni.

Við 1. A. 3. Liðurinn orðist þannig:

*Grindavíkurvegur:* Af Reykjanesbraut á Vogastapa um Grindavík að Reykjanesvita.

## Ed. 473. Frumvarp til laga

um framlög til kynnisferða sveitafólks.

(Eftir 3. umr. í Nd.).

1. gr.

Lagt skal á sérstakt gjald, er nemur ½% af heildsöluverði á kjöti og innveginni mjólk til mjólkurbúa, sbr. þó 3. gr.

2. gr.

Gjald það, er um ræðir í 1. gr., skal renna í sjóð, er nefnist „ferðasjóður sveitafólks" og hefur það verkefni að styrkja kynnisferðir sveitafólks, sem ekki nýtur orlofs samkvæmt sérstökum lögum eða samningum.

3. gr.

Gjaldið til ferðasjóðs sveitafólks skal lagt á:

a. Alla þá mjólk og mjólkurvörur, sem seldar eru frá viðurkenndum mjólkurbúum, svo og aðra þá mjólk, sem verðjöfnunargjald er greitt af samkv. lögum um meðferð og sölu mjólkur og rjóma, nr. 1/1935.
b. Allt verðjöfnunarskylt kjöt, sem selt er á innlendum markaði samkvæmt ráðstöfun kjötverðlagsnefndar, sbr. lög nr. 2 9. jan. 1935.

4. gr.

Þegar verðlagsnefndir ákveða heildsöluverð á vörum þeim, er um ræðir í 1. gr., skulu þær, eftir að hafa ákveðið verðlag þessara vara, bæta við því gjaldi, er 1. gr. ákveður.

5. gr.

Gjöld til ferðasjóðs innheimtir:

a. Kjötverðlagsnefnd að því leyti, sem gjald þetta greiðist af seldu kjöti.
b. Mjólkurbú og mjólkursamsölur að því leyti, sem gjald þetta greiðist af mjólk og mjólkurvörum, eftir því sem sala á þeim vörum segir til um.

Fé það, er þannig innheimtist, skal afhent Búnaðarfélagi Íslands til varðveizlu, þegar gengið er frá ársreikningum viðkomandi innheimtustofnunar.

6. gr.

Búnaðarfélag Íslands skal skipta hinum árlegu tekjum ferðasjóðs milli búnaðarsambandanna, en búnaðarsamböndin milli hreppabúnaðarfélaganna, hvert á sínu sambandssvæði. Styrk úr ferðasjóði skal aðallega verja til þess að standast kostnað við hópferðir sveitafólks til að kynnast fjarlægum héruðum, búnaðarháttum þar og búnaðarframkvæmdum. Einnig er heimilt að verja fé úr sjóðnum til þess að greiða fyrir fátæka einyrkja, er ekki eiga heimangengt, nauðsynlega aðstoð við heimilisstörf, meðan á ferðinni stendur.

7. gr.

Ráðherra setur reglugerð, að fengnum tillögum Búnaðarfélags Íslands, um allar nánari framkvæmdir samkvæmt lögum þessum, þar á meðal um innheimtu gjaldsins og úthlutun fjárins.

8. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 474. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 32 23. júní 1932 um brúargerðir.

(Eftir 2. umr. í Ed.).

1. gr.

2. gr. laga nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir, skal orðast þannig:

Brýr þær, sem ríkisstjórninni heimilast að láta gera, eru yfir vatnsföll þau, sem hér greinir:

**A. Brýr yfir 10 metra haf og lengri.**

**1. Nýjar brýr á þjóðvegum.**

**a. Vesturland.**

1. Fossá í Kjós.
2. Bláskeggsá í Hvalfirði.
3. Þverá í Svínadal.
4. Seleyrará ytri á Hafnarfjallsvegi.
5. Seleyrará innri á Hafnarfjallsvegi.
6. Drageyrará í Skorradal.
7. Tunguá í Lundarreykjadal.
8. Geirsá í Flókadal.
9. Hvítá í Borgarfirði hjá Bjarnastöðum.
10. Urriðaá á Álftaneshreppsvegi.
11. Álftá á Hraunhreppsvegi.
12. Bláfeldará í Staðarsveit.
13. Kálfá í Staðarsveit.
14. Hraunsfjarðará í Eyrarsveit.
15. Langadalsá á Skógarströnd.
16. Svínafossá á Skógarströnd.
17. Laxá á Skógarströnd.
18. Hörðudalsá í Dalasýslu.

19. Miðá í Dalasýslu.
20. Reykjadalsá í Dalasýslu.
21. Skeggjagil í Laxárdal í Dalasýslu.
22. Svínadalsá í Hvammssveit.
23. Laxá í Hvammssveit.
24. Hvammsá í Hvammssveit.
25. Hólsá á Klofningsvegi.
26. Kjarlaksstaðaá á Klofningsvegi.
27. Krossá á Klofningsvegi.
28. Búðardalsá á Klofningsvegi.
29. Staðarhólsá í Saurbæ.
30. Hvolsá í Saurbæ.
31. Ólafsdalsá í Saurbæ.
32. Laxá í Reykhólasveit.
33. Músará í Þorskafirði.
34. Þorskafjarðará.
35. Múlaá í Þorskafirði.
36. Djúpadalsá í Gufudalssveit.
37. Gufudalsá í Gufudalssveit.
38. Þverá á Barðaströnd.
39. Arnarbýlisá á Barðaströnd.
40. Móra á Barðaströnd.
41. Haukabergsá á Barðaströnd.
42. Ósá við Patreksfjörð.
43. Botnsá við Tálknafjörð.
44. Haukadalsá við Dýrafjörð.
45. Þverá í Brekkudal við Dýrafjörð.
46. Bjarnadalsá við Önundarfjörð.
47. Ósá í Bolungavík.
48. Langadalsá við Ísafjarðardjúp.
49. Hafnardalsá á Langadalsströnd.
50. Selá á Langadalsströnd.
51. Fossá á Bölum í Strandasýslu.
52. Selá við Steingrímsfjörð.
53. Staðará við Steingrímsfjörð.
54. Grjótá við Steingrímsfjörð.
55. Ósá við Steingrímsfjörð.
56. Steinadalsá í Kollafirði.
57. Fellsá í Kollafirði.
58. Tunguá við Bitrufjörð.
59. Þambá við Bitrufjörð.
60. Laxá á Laxárdalsheiði í Strandasýslu.

**b. Norðurland.**

1. Vesturhópshólaá.
2. Þórsá á Vatnsnesi.
3. Kornsá í Vatnsdal.
4. Blanda hjá Löngumýri.
5. Laxá á Gönguskarðavegi.
6. Grjótá á Öxnadalsheiði.
7. Reiðgil á Öxnadalsheiði.
8. Norðurá í Skagafirði.
9. Helluá í Blönduhlíð.
10. Gljúfurá á Út-Blönduhlíðarvegi.

11. Víðinesá á Hólavegi.
12. Hrollleifsdalsá í Sléttuhlíð.
13. Stafaá í Fljótum.
14. Sandós í Fljótum.
15. Brúnastaðaá í Fljótum.
16. Reykjaá í Fljótum.
17. Ólafsfjarðará á Lagheiðarvegi.
18. Holtsá í Svarfaðardal.
19. Þverá í Reykjahverfi.
20. Reykjadalsá hjá Laugum í S.-Þing.
21. Jökulsá á Fjöllum hjá Grímsstöðum.
22. Ormarsá hjá Raufarhöfn.
23. Tunguá í Þistilfirði.
24. Svalbarðsá í Þistilfirði.
25. Garðaá í Þistilfirði.

**c. Austurland.**

1. Skarðsá á Fjöllum.
2. Finnafjarðará í Skeggjastaðahreppi.
3. Saurbæjará í Skeggjastaðahreppi.
4. Skeggjastaðaá í Skeggjastaðahreppi.
5. Bakkaá í Skeggjastaðahreppi.
6. Hafnará í Skeggjastaðahreppi.
7. Vesturá í Vopnafirði.
8. Lindará á Möðrudalsöræfum.
9. Lónakill á Möðrudalsöræfum.
10. Skjaldþingsstaðaá í Vopnafirði.
11. Böðvarsdalsá í Vopnafirði.
12. Reiðhólskvísl í Jökulsárhlíð.
13. Lagarfljót hjá Kirkjubæ.
14. Hengifoss í Fljótsdal.
15. Bessastaðaá í Fljótsdal.
16. Jökulsá í Fljótsdal.
17. Kelduá í Fljótsdal.
18. Gilsá í Fljótsdal.
19. Vatnsdalsá í Skriðdal.
20. Haugaá í Skriðdal.
21. Jóka í Skriðdal.
22. Eyrarteigsá í Skriðdal.
23. Þórisá í Skriðdal.
24. Selfljót í Hjaltastaðaþinghá.
25. Bjarglandsá í Hjaltastaðaþinghá.
26. Jökulsá í Hjaltastaðaþinghá.
27. Stafdalsá á Fjarðarheiði.
28. Norðfjarðará hjá Skuggahlíð.
29. Hengifossá á Oddsskarðsvegi.
30. Helgustaðaá í Eskifirði.
31. Njörfadalsá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
32. Sléttuá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
33. Hrútá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
34. Miðstrandará í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
35. Eyrará í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
36. Berunesá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.
37. Breiðdalsá í Reyðarfirði á Fáskrúðsfjarðarvegi.

38. Heljará í Fáskrúðsfirði.
39. Gilsá í Fáskrúðsfirði.
40. Stöðvará í Stöðvarfirði.
41. Breiðdalsá hjá Breiðdalsheiði.
42. Eyjaá í Breiðdal.
43. Berufjarðará í Berufirði.
44. Fossá í Berufirði.
45. Búlandsá í Berufirði.
46. Hofsá í Álftafirði.
47. Selá í Álftafirði.

**d. Suðurland.**

1. Karlsá í Lóni.
2. Hliðará í Lóni.
3. Jökulsá í Lóni.
4. Laxá í Lóni.
5. Holtakíll á Mýrum.
6. Heinabergsvötn á Mýrum.
7. Smyrlabjargaá í Suðursveit.
8. Staðará í Suðursveit.
9. Stemma í Suðursveit.
10. Kvíá í Öræfum.
11. Kotá í Öræfum.
12. Djúpá í Fljótshverfi.
13. Laxá í Fljótshverfi.
14. Brúará í Fljótshverfi.
15. Hörgsá á Síðu.
16. Stjórn á Síðu.
17. Grændýjalækur í Landbroti.
18. Eldvatn í Meðallandi.
19. Kvíalækur í Meðallandi.
20. Eldvatnsskorur í Meðallandi.
21. Kaldaklifsá undir Eyjafjöllum.
22. Svaðabælisá undir Eyjafjöllum.
23. Fitjaráll undir Eyjafjöllum.
24. Varmadalslækur á Rangárvöllum.
25. Leirá á Landi.
26. Minnivallalækur á Landi.
27. Þverá í Hreppum.
28. Litla-Laxá í Hreppum.
29. Brúará í Biskupstungum.
30. Sog hjá Syðri-Brú.
31. Hvítá í Árnessýslu hjá Iðu.

**II. Nýjar brýr á öðrum vegum en þjóðvegum.**

1. Hvítá hjá Húsafelli.
2. Skarará í Grunnavíkurhreppi.
3. Vatnsdalsá í Vatnsdal fremra.
4. Svartá í Tungusveit í Skagafirði.
5. Jökulsá eystri í Skagafirði.
6. Fnjóská í framanverðum Fnjóskadal.
7. Skjálfandafljót hjá Stóru-Völlum.
8. Laxá í Mývatnssveit hjá Arnarvatni.
9. Jökulsá á Dal hjá Hjarðarhaga.

10. Sandá í Axarfirði.
11. Geitdalsá í Skriðdal.
12. Múlaá í Skriðdal.
13. Hólsá í Rangárvallasýslu.
14. Þjórsá hjá Þjórsárholti.
15. Hvítá í Árnessýslu hjá Kiðjabergi.

**III. Aðrar brýr.**

Um fjárveitingar til nýrra brúa og endurbyggingar trébrúa á öðrum vegum en þjóðvegum skal fara sem hér segir:

a. Brýr á fjallvegum skulu gerðar að öllu fyrir fé úr ríkissjóði.
b. Brýr á sýsluvegum má kosta að ⅔ hlutum úr ríkissjóði, gegn ⅓ hluta annars staðar að. Þó má tillag ríkissjóðs til brúargerða, er kosta yfir 12 þús. kr., vera hærra, sem hér segir:
   1. Til brúargerða, sem kosta frá 12—24 þús. kr., smáhækkandi í jöfnu hlutfalli úr ⅔ hlutum í ¾ hluta.
   2. Til brúargerða, sem kosta yfir 24 þús. kr., ¾ hlutar kostnaðar.
c. Brýr á öðrum vegum má kosta að helmingi af ríkissjóði, gegn því, sem á vantar, annars staðar að.

**B. Brýr yfir 4 metra haf eða lengra, allt að 10 metra.**

Á þjóðvegum og fjallvegum skal greiða kostnað við slíkar brýr að öllu úr ríkissjóði.

Á öðrum vegum má greiða allt að helmingi kostnaðar úr ríkissjóði, gegn framlagi frá hlutaðeigendum að öðru leyti.

**C. Brýr yfir styttra en 4 metra haf.**

Kostnað við slíkar brýr skal telja með kostnaði við veg þann, sem brúin er á.

2. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 88 23. júní 1936.

## Ed. 475. Nefndarálit

um frv. til laga um jöfnunarsjóð aflahluta.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað mjög gaumgæfilega frv. á þskj. 306, kynnt sér allt, sem fram hefur komið í málinu á fyrri þingum, sem tvívegis hafa vísað því til ríkisstjórnarinnar til frekari undirbúnings. Hún hefur einnig kvatt til sín á fundi fulltrúa útvegsmanna, sem mál þetta snertir, og rætt við þá um einstök atriði frumv. og frumv. í heild, og enn fremur haft fund með forseta Fiskifélags Íslands og fengið hjá honum ýmsar upplýsingar um undirbúning málsins undanfarið á þingum félagsins. Nefndinni er ljóst, að hugmynd sú, sem liggur hér á bak við, er mjög athyglisverð og að mörgu leyti góð, og það svo, að eigi beri að torvelda með of litlum undirbúningi þann árangur, sem unnt væri að ná með því að undirbúa málið svo sem frekast er unnt, en það hefur augsýnilega engan veginn fengið enn þann undirbúning, að fært sé að afgreiða það eins og það liggur fyrir, því að þótt það sé að sjálfsögðu æskilegt og nauðsynlegt að jafna aflahluti á milli ára og veita þannig sjómönnum og útgerðarmönnum, sem hluti taka, nokkurt öryggi, ef unnt er, í aflaleysisárum, þá er hitt og jafnvíst, að það mun reynast mjög erfitt að mynda algildar og sanngjarnar reglur um slíka aflajöfnun, en hins vegar augljóst, að þær reglur, sem settar eru í 4. gr. frv.,

þurfa að breytast mjög mikið, ef þær eiga að ná samúð allra aðila og þá einkum ágætra aflamanna. Það er bert, að við samning á slíkum lögum þarf að geta stuðzt við og byggt á nákvæmum skýrslum um aflahluti á undanförnum að minnsta kosti 5 árum frá ýmsum veiðistöðum um land allt. En slíkar skýrslur munu ekki hafa legið fyrir við samning frv. Þá ber að geta þess, að ein verstöð mun þegar hafa gert tilraun til að mynda slíkan jöfnunarsjóð, en nefndin hefur ekki átt kost á því að kynna sér reglur hans til samanburðar né getað fengið upplýsingar um þann árangur, sem kann að hafa fengizt með þeirri tilraun.

Þá vill nefndin einnig benda á, að mjög takmarkaðar og jafnvel villandi upplýsingar liggja fyrir um þau útgjöld, sem frv. þetta, ef að lögum verður, bakar ríkissjóði á hverju meðalaflaári, en það er að sjálfsögðu ekkert aukaatriði, að slíkar upplýsingar liggi fyrir, áður en gengið er frá málinu. Hitt er svo augljóst, að með vaxandi síldveiði í landinu og auknum verksmiðjum hlýtur einnig að aukast hröðum skrefum framlag ríkisins til sjóðsins, auk þess sem aflajöfnun til stórútgerðarinnar gæti og ætti einnig að koma til greina, ef farið yrði inn á þá braut í framtíðinni að greiða laun með hluta úr afla á þeim skipum á þorskveiðum, líkt og nú er gert á síldveiðum. Er slíkt fyrirkomulag á engan hátt óhugsanlegt, einkum ef grundvöllur er lagður að því að tryggja með framlagi úr ríkissjóði aflajöfnun, sem tryggt gæti sæmilega *afkomu í aflaleysisárum.*

Nefndin lítur svo á, að jöfnun aflahluta megi gera á tvennan hátt.

1. Með heimildarlögum fyrir hverja veiðistöð til þess að stofna jöfnunarsjóð aflahluta, með framlagi frá útgerðinni og ríkissjóði, enda yrði reglugerð sjóðsins staðfest af ráðuneytinu. Slík heimildarlög mundu fljótt leiða í ljós, hve mikill áhugi ríkti meðal útgerðarmanna og sjómanna fyrir slíkri sjóðsstofnun í hinum ýmsu verstöðvum umhverfis landið og jafnframt gefa margvíslega reynslu, sem síðar mætti byggja á, ef stofnaður yrði jöfnunarsjóður fyrir land allt. Væri þetta e. t. v. langheppilegasta aðferðin til þess að afla nauðsynlegrar reynslu um margt, sem málið snertir.
2. Með því að fyrirskipa með lögum sérhverjum aðila, sem hlut tekur í afla, að greiða í sameiginlegan jöfnunarsjóð um land allt og njóta síðan tekna úr honum eftir föstum reglum. Yrði slíkt kerfi, eins og bent hefur verið á, mjög umfangsmikið, og óhjákvæmilegt, að svo yfirgripsmikill lagabálkur þurfi fullkominn undirbúning.

Nú er það svo, að frv. þetta gerir hvort tveggja í senn, að skylda menn til þess að gerast þátttakendur í almennum jöfnunarsjóði, en jafnframt heimila þeim, er vilja greiða óverulegt aukagjald, að hafa sérsjóði, 3. gr., en slíkt mundi leiða til þess, að aflahæstu veiðistöðvarnar tækju sig út úr og létu hinar lélegri um hinn sameiginlega sjóð, en það mundi aftur skapa honum margvíslega erfiðleika. Óbreytt er því frv. hvort tveggja í senn, frv. til heimildarlaga, í líku formi og sett er fram í lið 1., og jafnframt frv. til laga um að fyrirskipa þátttöku í jöfnunarsjóði. Er þá e. t. v. eðlilegast, að frv. verði breytt í frv. til heimildarlaga, en til þess að svo megi verða, þarf þó að gera á því gagngerða breytingu.

Með tilvísun til alls þessa, sem hér hefur verið bent á, svo og með tilliti til þess, að *nú* á þessu þingi verður kosin milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum, sem að sjálfsögðu ætti að undirbúa vel og rækilega slíkt mál, sem hér um ræðir, og leggja það síðan fyrir Alþingi ásamt öllum nauðsynlegum gögnum og skýringum, auk umsagnar um það, hvort æskilegra mætti teljast að stofna jöfnunarsjóði samkv. lið 1. eða 2. hér að framan, þykir nefndinni rétt, að frv. verði ekki að lögum á þessu þingi, heldur fái málið þann undirbúning, sem hér hefur verið bent á, og leggur því til, að frv. verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að ríkisstjórnin láti hina væntanlegu milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum afla allra nauðsynlegra upplýsinga snertandi þetta mál og að þeim fengn-

um undirbúa frv. til laga um jöfnunarsjóð aflahluta, er lagt verði fyrir Alþingi svo fljótt sem auðið er, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 27. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Jónsson, form., frsm. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. | Ingvar Pálmason. |

## Ed. 476. Nefndarálit

um frv. til laga um lendingarbætur á Vattarnesi við Reyðarfjörð.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur kynnt sér uppdrátt af fyrirhuguðum lendingarbótum á Vattarnesi, ásamt kostnaðaráætlun yfir mannvirki þetta og umsagnir vitamálastjóra frá árunum 1931 og 1939. Leggur nefndin til að frv. verði samþykkt með þessari

BREYTINGU:

Við 4. gr. Niðurlag fyrri málsgr. orðist svo: nema samþykki lendingarsjóðsstjórnar og hreppsnefndar Fáskrúðsfjarðarhrepps komi til.

Alþingi, 27. febr. 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Jónsson, form. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. | Ingvar Pálmason, frsm. |

## Ed. 477. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Bernh. Stefánssyni.

Við A. II. (Nýjar brýr á öðrum vegum en þjóðvegum).
Á eftir 15. tölul. komi 2 tölul.:

a. Eyjafjarðará hjá Hólum.
b. Öxnadalsá hjá Þverá.

## Ed. 478. Nefndarálit

um frv. til laga um húsaleigu.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og orðið sammála um að leggja til, að frv. verði samþ. með nokkrum breytingum. Einstakir nefndarmenn áskilja sér þó rétt til að bera fram og fylgja breytingartillögum, sem fram kunna að koma. Einnig áskilja einstakir nefndarmenn sér rétt til að binda fylgi sitt við vissar greinar frv. því skilyrði, að á þeim fáist gerðar breytingar.

Breytingar þær, sem nefndarmenn hafa orðið sammála um að leggja til, að gerðar yrðu á frv., eru ekki stórvægilegar. Þær eru að mestu lagfæringar á formi og um ákveðnara orðalag en í frv. er notað. Af breytingum þeim, sem nefndin leggur til, að gerðar verði á frv., er sérstaklega vekjandi athygli á því, að nefndin telur rétt, að tekið sé fram berum orðum í frv., að bannið við uppsögn á leigumála um húsnæði sé ekki bundið við íbúðarhúsnæði, heldur taki til alls húsnæðis, og að heimildin til að segja upp leigumála um atvinnuhúsnæði sé bundin því skilyrði, að leigusali hafi af sér óviðráðanlegum ástæðum misst húsnæði það, sem hann hafði hjá öðrum til eigin atvinnurekstrar, og þurfi því á húsnæði að halda í eigin húsi fyrir atvinnurekstur sinn, enda hafi húsnæðið í hans húsi ekki verið notað til íbúðar. Þá telur nefndin rétt að binda heimildina til skipta á íbúðum því skilyrði til viðbótar þeim, sem eru í frv., að leigusali hafi tilkynnt vilja sinn til skiptanna með venjulegum uppsagnarfyrirvara. Er líklegt, að þessi hafi verið tilgangur frv., en nauðsynlegt virðist að taka þetta fram berum orðum. Óviðkunnanlegt virðist að veita húsaleigunefnd vald til að kveða á um það, hvort utanbæjaralþingismönnum, opinberum starfsmönnum og nemendum fastra skóla skuli gert fært að gegna skyldustörfum eða hafa not skólavistar. Verður að telja sjálfsagt að skylda húsaleigunefnd til þess að veita þessu fólki nauðsynlega undanþágu um húsnæði, þótt utanbæjarfólk sé, til að gegna störfum sínum. Ekki virðist heldur rétt að veita leigusala heimild til að hækka húsaleiguna skv. húsaleiguvísitölu og af öðrum sérstökum ástæðum, nema skylda jafnframt þá húseigendur, sem hækkunarheimildir hafa notað, til þess að lækka leiguna, þegar húsaleiguvísitalan lækkar eða þau önnur atvik, sem valdið hafa hækkun, leiða til lækkunar.

Í nefndinni hafa komið fram raddir um frekari breytingar á frv. en hér er lagt til, að gerðar verði. Sérstaklega er það 5. gr. frv., sem einstakir nefndarmenn vilja breyta, en aðrir ekki. Hefur það því orðið að ráði, að nefndin ber ekki fram neinar breytingar við þessa gr. frv., en af hálfu einstakra nefndarmanna munu koma fram tillögur um breytingar á þessari grein, og áskilja þessir nefndarmenn sér rétt til að láta fara um fylgi sitt við 5. gr. frv. eftir því, hvernig fer um breytingartillögur þeirra við greinina.

## BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Við 1. gr.
   a. Í stað orðsins „íbúðarhúsnæði“ í 1. málsgr. komi: húsnæði.
   b. Síðasta setning sömu málsgr., „svo skal og leigusala“ o. s. frv., færist til og verður 2. málsl. 2. málsgr.
   c. Aftan við 2. málsgr. bætist: Skipti á íbúðum geta því aðeins farið fram, að leigusali hafi tilkynnt leigutaka vilja sinn þar um með sama fyrirvara og um uppsögn væri að ræða.
   d. 3. málsgr. orðist svo:
      Nú missir leigusali af sér óviðráðanlegum ástæðum húsnæði það, sem hann hefur notað til eigin atvinnurekstrar, og getur hann þá, ef honum verður að dómi húsaleigunefndar talin þess brýn þörf til afnota fyrir þann atvinnurekstur, sagt upp leigusamningi um húsnæði, er notað hefur verið í öðru skyni en til íbúðar í húsi, er hann hefur eignazt fyrir 9. sept. 1941.
2. Við 3. gr.
   a. 2. málsgr. orðist svo:
      Opinberum starfsmönnum, alþingismönnum og nemendum í föstum skólum skal húsaleigunefnd veita undanþágu frá upphafsákvæði þessarar greinar um tiltekinn eða ótiltekinn tíma, ef það er nauðsynlegt til þess að aðili geti gegnt starfi sínu eða haft not skólavistar. Svo getur nefndin og veitt öðrum slíka undanþágu, ef alveg sérstaklega stendur á.
   b. Fyrir orðin „þeim sé þess brýn þörf að dómi húsaleigunefndar“ í 3. málsgr. kemur: fullnægt sé ákvæði 2. málsgr. þessarar greinar.

3. Við 7. gr. Aftan við greinina komi ný málsgr., svo hljóðandi:
Á sama hátt og húsaleiga hefur verið hækkuð samkv. 6. gr. skal leigusali færa leiguna niður, ef breytingar þær, sem áður urðu til hækkunar á leigunni leiða síðar til lækkunar.
4. Við 15. gr. Í stað „leigutaki“ í 2. málsgr. komi: aðili.

Alþingi, 1. marz 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr., frsm. Lárus Jóhannesson, með fyrirvara.
Hermann Jónasson. Brynjólfur Bjarnason.

## Sþ. 479. Tillaga til þingsályktunar

um skipun milliþinganefndar í póstmálum.

Flm.: Páll Zóphóníasson, Skúli Guðmundsson, Finnur Jónsson, Einar Olgeirsson.

Alþingi ályktar að kjósa þriggja manna nefnd, er athugi rækilega póstsamgöngur landsmanna og geri tillögur um breytingar, er miði að því, að póstsendingar berist um landið hraðar og tíðar en nú er. Nefndin hraði störfum og leggi álit sitt og tillögur fyrir Alþingi eigi síðar en 1944. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

Greinargerð.

Um land allt er kvartað yfir því, hvað póstsamgöngur eru strjálar. Vikur og mánuðir geta liðið þangað til bréf, skrifuð á Austur- og Vesturlandi til manna í Reykjavík, berast þeim í hendur. Og í mörgum sveitum koma blöðin ekki til kaupenda úti um land yngri en mánaðargömul. Á þeirri öld hraðans, sem nú er upp runnin, má þetta ástand heita með öllu óviðunandi. Er því mikil þörf á að finna leiðir, sem færar séu fjárhagslega til þess að gera póstsamgöngurnar tíðari, og ætti það að mega takast. Víða hagar t. d. svo til, að daglegar ferðir eru frá ákveðnum samgöngumiðstöðvum í héruðunum. Er ætlazt til þess, að nefndin kynni sér rækilega óskir og tillögur manna úr einstökum héruðum, og kynni sér til hlítar, hvernig tengslum aðalpóstleiða og aukapóstleiða verði haganlegast fyrir komið, og hvað það muni kosta.

## Ed. 480. Lög

um breyting á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935.

(Afgreidd frá Ed. 1. marz.)

Samhljóða þskj. 244.

## Ed. 481. Breytingartillögur

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá Bjarna Benediktssyni og Lárusi Jóhannessyni.

Við 5. gr.

a. 2. málsgr. skal orða svo:
Þegar alveg sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd, að fengnu samþykki félagsmálaráðherra, og tekið til sams konar ráðstöfunar tiltekinn hluta af íbúðarhúsnæði, sem afnotahafi getur, að mati nefndarinnar, án verið og unnt er að skipta úr. Þó getur afnotahafi ráðstafað þessum hluta húsnæðisins til handa þeim innanhéraðsmanni, er hann kýs, og hefur húsaleigunefnd þá sams konar ráðstöfunarrétt á því húsnæði, sem þannig losnar.

b. 3. málsgr. fellur niður.

c. 2. málsl. 4. málsgr. (sem verður 3. málsgr.) orðist svo: Úrskurðum nefndarinnar um töku húsnæðis samkv. þessari grein má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, og eru úrskurðir hennar fullnaðarúrskurðir.

d. 5. málsgr. (sem verður 4. málsgr.) orðist svo:
Ríkissjóður og hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóður ábyrgjast, annar fyrir báða og báðir fyrir annan, greiðslu leigu eftir húsnæði, sem tekið er samkv. þessari lagaheimild, svo og greiðslu skaðabóta fyrir spjöll á hinu leigunumda, er leigutaki eða fólk á hans vegum telst eiga sök á. Ef eigi tekst að innheimta kostnað þennan hjá leigutaka, skal skipta kostnaðinum til helminga á milli ríkissjóðs og hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóðs.

## Nd. 482. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 105 1940, um breyting á lögum nr. 62 30. des. 1939, um tollskrá o. fl.

Frá fjárhagsnefnd.

1. gr.

Síðari málsgr. 2. gr. laganna orðist svo:
Enn fremur af trjávið, pappa og límböndum, sem notað er í umbúðir utan um fisk til útflutnings.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Fjárhagsnefnd flytur þetta frv. eftir tilmælum Kassagerðar Reykjavíkur og samkvæmt meðmælum Fiskifélags Íslands og Sölusambands íslenzkra fiskframleiðenda.

Frá Kassagerð Reykjavíkur hefur nefndinni borizt þessi greinargerð:

„Á Alþingi árið 1940 var sú breyting á lögum um tollskrá, að tollur af timbri því, er notað væri í kassa um fisk til útflutnings, skyldi endurgreiðast. Breyting þessi byggist meðal annars á því, að með sömu tollum á tilbúnum kössum og óunnu efni skapaðist betri aðstaða fyrir erlendar verksmiðjur, sem seldu hingað tilbúna kassa, heldur en þær innlendu, sem fluttu inn efnið óunnið, og skal ekki nánar farið út í það hér.

Nú hefur sú breyting orðið, að í stað trékassa verða eingöngu notaðir pappakassar utan um frystan fisk til útflutnings.

Eftir núgildandi tollskrá er 30—50% verðtollur á tilsniðnum pappakössum, en 8% verðtollur á pappanum óunnum. Þó eru undanskildar vaxbornar umbúðir um frystan fisk til útflutnings. Þarna er að vísu aðeins átt við innri umbúðir (smáöskjur), sem fiskurinn er frystur í og ekki var hægt að framleiða hér á landi á þeim tíma. Hins vegar er nú allmikið flutt inn af pappakössum (ytri umbúðum), sem vaxbornar eru aðeins að innan og eru því látnar falla undir 8% verðtoll, eins og óunninn pappi.

Vér höfum fyrir löngu fengið bendingu frá fiskimálanefnd, að sú breyting væri í vændum, að notaðar yrðu pappaumbúðir í stað tréumbúða. Það var því snemma á síðast liðnu ári, að vér sendum mann til Ameríku til að kynna sér framleiðslu pappaumbúða, og höfum vér nú keypt fullkomnar vélar fyrir allt að kr. 300000.00, og munu þær geta tekið til starfa innan skamms tíma. Þegar slíkar verksmiðjur eru reistar hér, sem kosta mikið fé og verða auk þess að starfa með óæfðum vinnukrafti og að ýmsu leyti við óhentug skilyrði, þá eru nokkrir örðugleikar á því að standast samkeppni við erlendar verksmiðjur, sem starfað hafa í tugi ára, ef tollar á efninu eru þeir sömu eða jafnvel hærri en á vörunni, sem flutt er inn fullunnin. Í þessu tilfelli má benda á sem dæmi, að límbönd, sem notuð eru til samsetninga á pappakössum, falla undir 8% verðtoll, ef þau eru skorin niður og límd á kassana erlendis, en séu þau flutt inn í heilum rúllum og vinnan framkvæmd hér, þá falla þau undir 30% verðtoll. Vér teljum því í fyllsta máta sanngjarnt, að endurgreiddur verði tollur af öllu því efni, sem notað er í pappaumbúðir um frystan fisk til útflutnings og unnar eru hér á landi, eins og af timbri til fiskkassagerðar, þar sem vér teljum þessa framleiðslu fullkomlega hliðstæða.

Einnig má gera ráð fyrir, að sá tími sé ekki mjög fjarri, að nægilegt vinnuafl verði hér til að starfa að þeim iðnaði, sem á annað borð á lífsskilyrði hér í framtíðinni, og væntum vér þess, að Alþingi vilji styðja hann með sanngjarnri tollalöggjöf.

Vér höfum leitað umsagna Fiskifélags Íslands, fiskimálanefndar og Sölusambands ísl. fiskframleiðenda, og fylgja þær hér með."

**Fylgiskjal I.**

FISKIFÉLAG ÍSLANDS

Reykjavík, 17. febr. 1943.

Með skírskotun til símtals við hv. formann fjárhagsnefndar, hr. bankastj. Ásgeir Ásgeirsson, viðvíkjandi tollum á pappa til pappakassagerðar, leyfum vér oss að taka fram eftirfarandi:

Þegar breyting var gerð á tollalögunum á Alþingi 1940, þannig að endurgreiða skal aðflutningsgjöld af trjávið, sem notaður er í kassa utan um fisk til útflutnings, mun það fyrst og fremst hafa verið gert vegna umbúða utan um frystan fisk. Nú hefur orðið sú breyting á, að í stað trékassa verða framvegis notaðir kassar úr pappa til umbúða utan um frystan fisk til útflutnings.

Virðist oss því sjálfsagt, að sama regla verði látin gilda um límpappa og efni til pappakassagerðar, þegar þetta er hvort tveggja notað til umbúða utan um fisk til útflutnings, og mælum eindregið með, að lögunum verði breytt í samræmi við það, eins og sýnt er á meðfylgjandi blaði.

Virðingarfyllst

Davíð Ólafsson.

Til fjárhagsnefndar Nd. Alþingis.

**Fylgiskjal II.**

SÖLUSAMBAND ÍSLENZKRA FISKFRAMLEIÐENDA

Reykjavík, 27. febrúar 1943.

Kassagerð Reykjavíkur hefur tjáð oss, að þeir ætli að sækja til Alþingis um endurgreiðslu á tolli af öllu því efni, sem notað er í pappírsumbúðir um fisk til útflutnings, og hefur Kassagerðin óskað umsagnar vorrar um þetta efni.

Þar sem 10 ára reynsla vor sem fiskútflytjendur er sú, að bæði tré og pappaumbúðir verði að vera unnar hér heima, vegna þeirrar reynslu, sem fengin er á því, að ef á erlendar umbúðir er treyst, þá ýmist vantar þær oftlega, þegar til á að taka, eða að rúmtak þeirra umbúða, sem keyptar hafa verið, hæfir ekki nærri alltaf þeim pakningarstærðum, er kaupandi óskar.

Viljum vér því eindregið mæla með umsókn Kassagerðar Reykjavíkur.

Þá finnst oss það sjálfsagt, að farið sé með innflutning á efni í pappírsumbúðir á sama hátt og verið hefur með timbur til fiskkassasmíða, svo og með umbúðir til niðursuðuvara, er úr landi er flutt.

Virðingarfyllst,

Sölusamband ísl. fiskframleiðenda

Kr. Einarsson.

## Ed. 483. Nefndarálit

um frv. til l. um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta, sem mun flutt að beiðni herstjórnarinnar hér á landi, og m. a. haft með höndum gögn, sem sýna, að eins og frv. nú er, nær það ekki þeim tilgangi, sem því var í upphafi ætlað. Nefndin telur því eftir atvikum eðlilegra að veita ríkisstjórninni heimild til að setja um þetta reglur, sem nauðsynlegar eru vegna núverandi hernaðarástands, heldur en að hafa slíka upptalningu í frv. sjálfu, sem nú er. Nefndin leggur því til, að frv. verði samþykkt með svofelldum

BREYTINGUM:

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Ríkisstjórninni er, á meðan núverandi styrjöld stendur, heimilt að banna töku ljósmynda á tilteknum svæðum á landi eða í landhelgi og af tilteknum hlutum, mannvirkjum eða stöðum. Bann þetta getur bæði verið algert og vissum skilyrðum bundið.
2. Við 2. gr. Greinin orðist svo:
   Nú hefur ríkisstjórnin bannað töku ljósmynda á tilteknum svæðum, og er henni þá heimilt að mæla svo fyrir, að allir þeir, sem um þau ætla að fara með ljósmyndavélar, skuli afhenda þær þeim aðilum, sem til þess kunna að verða settir og sjá skulu um, að þær komist á leiðarenda, eða innsigla þær tryggilega, og mega aðilar þá halda vélunum í vörzlu sinni.

3. Við 3. gr. Greinin orðist svo:
Ríkisstjórninni er heimilt að kveða nánar á með reglugerð um efni það, er í 1. og 2. gr. segir.

Alþingi, 2. marz 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Lárus Jóhannesson.
Hermann Jónasson. Brynjólfur Bjarnason.

## Ed. 484. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Páli Hermannssyni.

Við A. II. (Nýjar brýr á öðrum vegum en þjóðvegum).
Á eftir 15. tölulið komi nýr töluliður:
Jökulsá á Dal hjá Brú.

## Ed. 485. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Eiríki Einarssyni.

Við A. II. (Nýjar brýr á öðrum vegum en þjóðvegum).
Á eftir 15. tölulið komi nýr liður:
Tungufljót hjá Króki í Biskupstungum.

## Nd. 486. Frumvarp til laga

um innheimtu skatta og útsvara.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Í Reykjavík skal innheimtu tekju- og eignarskatts til ríkissjóðs, lífeyrissjóðsgjalds til lífeyrissjóðs Íslands og útsvara til bæjarsjóðs hagað á þann hátt, sem fyrir er mælt í lögum þessum.

Fjármálaráðherra getur ákveðið með reglugerð, að innheimtuskipulag það, er hér um ræðir, skuli gilda að einhverju eða öllu leyti um innheimtu annarra beinna eða persónulegra skatta, svo sem prests- og kirkjugjalds, kirkjugarðsgjalds, námsbókagjalds, fasteignaskatts og annarra fasteignagjalda o. s. frv.

Ráðherra getur einnig ákveðið með reglugerð, að sjúkrasamlagsiðgjöld séu innheimt á sama hátt.

2. gr.

Stofnun sú, er annast innheimtu þeirra gjalda, er um ræðir í 1. gr., nefnist Innheimtustofnun ríkisins. Ráðherra skipar forstjóra stofnunarinnar, og hafi hann sömu föst laun sem tollstjóri. Ráðherra ákveður laun annarra fastra starfsmanna.

3. gr.

Jafnskjótt og lokið hefur verið niðurjöfnun og ákvörðun ofangreindra gjalda, skulu gjöld hvers einstaks aðila færð á einn gjaldseðil. Skattstofan afhendir gjaldseðlana til Innheimtustofnunarinnar, tilbúna til útsendingar, í síðasta lagi 10 dögum áður en fyrsti hluti gjaldanna á að greiðast.

4. gr.

Framangreind gjöld skulu greidd á 10 gjalddögum með jöfnum greiðslum í hvert sinn. Er fyrsti gjalddagi 1. júlí og síðan 1. dag hvers mánaðar, að undanskildum mánuðunum desember og júní. Gjaldárið nær því frá 1. júlí til 1. maí næsta árs á eftir.

Fyrsta árið skal innheimtan hefjast 1. maí og vera lokið 1. marz næsta ár eftir, annað árið skal innheimtan hefjast 1. júní og vera lokið 1. apríl. Þriðja árið skal hún hefjast 1. júlí.

5. gr.

Innheimtustofnunin gerir skilagrein eigi sjaldnar en mánaðarlega um þau gjöld, sem hún innheimtir samkvæmt 1. gr. Skal hún greiða þær fjárhæðir, sem innheimzt hafa í þeim mánuði, sem liðinn er, eigi síðar en 10. dag næsta mánaðar.

Skilagrein fyrir innheimtuárið skal send öllum stofnunum og aðilum, sem hlut eiga að máli, fyrir 1. júlí ár hvert.

6. gr.

Allir gjaldendur eru skyldir til þess að greiða gjöld þau, er um ræðir í lögum þessum, í skrifstofu Innheimtustofnunarinnar.

Þó er Innheimtustofnuninni heimilt að semja við lánsstofnanir um að þær hafi á hendi móttöku á afborgunum af skattgreiðslum, sem séu lagðar inn á reikning hennar í viðkomandi lánsstofnun, enda sé um fullar mánaðargreiðslur að ræða.

Lánsstofnun skal gera Innheimtustofnuninni skilagrein fyrir slíkum afborgunum eigi sjaldnar en annan hvern dag.

7. gr.

Sé hinn mánaðarlegi $^1/_{10}$ hluti gjaldanna, sem greiða á 1. hvers mánaðar, eigi greiddur í síðasta lagi hinn 15. þess sama mánaðar, má taka hann lögtaki lögum samkvæmt.

8. gr.

Ef greiðsla dregst á þeim $^1/_{10}$ hluta gjaldanna, sem greiða átti 1. dag mánaðarins, fram yfir 15. sama mánaðar, skal gjaldandi greiða 1% í dráttarvexti fyrir hvern heilan mánuð eða hluta úr mánuði, sem greiðsla hefur dregizt frá réttum gjalddaga. Dráttarvöxtum fylgir einnig lögtaksréttur.

Óski gjaldandi að greiða meira en $^1/_{10}$ hluta gjaldanna, skal greiða honum eða draga frá skattgreiðslu hans vexti 4% p. a. fyrir hvern heilan mánuð, sem óliðinn er til gjalddaga hverrar einstakrar mánaðargreiðslu.

9. gr.

Innheimtustofnunin getur, ef hún telur ástæðu til, gert öllum kaupgreiðendum að skyldu að halda eftir af kaupi starfsmanna fyrir hvern mánuð upphæð, er svarar til mánaðargreiðslu framangreindra gjalda, eða eldri mánaðargreiðslna, auk áfallinna dráttarvaxta og kostnaðar. Eigi má halda eftir við útborgun mánaðar- eða vikulauna hærri fjárhæð en nemur $^1/_3$ þeirra.

Innheimtustofnuninni er skylt að tilkynna hverjum einstökum kaupgreiðanda, ef þessi heimild er notuð og fyrir hverja starfsmenn hún gildir. Vanræki kaupgreiðandi að halda eftir gjöldunum, ábyrgist hann sem sína skuld vangreidda fjárhæð, og má taka hana lögtaki hjá honum. Gildir það jafnt, þótt starfsmaður kunni að hafa tekið laun sín fyrir fram.

10. gr.

Kostnaður við innheimtuna skal skiptast á þá aðila, sem innheimt er fyrir, í réttu hlutfalli við hin árlegu álögðu gjöld.

11. gr.

Fjármálaráðherra getur ákveðið með reglugerð, að innheimtuskipulag það, er um ræðir í lögum þessum, skuli einnig ná til annarra kaupstaða landsins og kauptúna, en í stað þess að sett verði upp sérstök innheimtustofnun, má fela hlutaðeigandi sveitarfélagi innheimtuna.

12. gr.

Nánari fyrirmæli um framkvæmd laga þessara skal setja með reglugerð.

13. gr.

Lög þessi öðlast gildi 1. apríl 1943.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta.

Sú skipun, sem verið hefur á innheimtu skatta og opinberra gjalda, er til mikilla óþæginda fyrir ríkissjóð ekki síður en skattþegnana. Með frv. þessu er stefnt að því, að ríkissjóður fái skatta og gjöld í jöfnum greiðslum 10 mánuði ársins, í stað þess að nú er einn gjalddagi ákveðinn síðari hluta ársins. Jafnframt því að þetta gerir ríkissjóði auðveldara að sinna lögboðnum gjöldum, er skattþegnunum gert hægara að inna gjöldin af hendi með því að skipta þeim á fleiri gjalddaga en nú er. Sameining opinberra gjalda hjá einni stofnun er nú orðin augljós nauðsyn, og breyting á innheimtunni getur varla lengur dregizt.

Auk innheimtu á sköttum og gjöldum til ríkissjóðs er Innheimtustofnun ríkisins ætlað að annast innheimtu útsvars og gjalda til bæjarsjóðs Reykjavíkur. Ætti sú sameining, sem hér er gert ráð fyrir, að tryggja tiltölulega ódýrari innheimtu en nú er, jafnframt betri árangri í greiðslum.

Frv. gerir ráð fyrir svipaðri skipun á innheimtunni og nú er hjá bæjarsjóði Reykjavíkur og hefur gefizt vel. En til þess að gera innheimtuna svo fábrotna og ódýra sem kostur er, virðist sjálfsagt, að bæir og ríki sameinist í þessu starfi.

Þessari breytingu á innheimtunni er ætlað að koma til framkvæmda á þessu ári, enda er þess brýn nauðsyn í sambandi við væntanlega nýja skatta.

Frv. þetta er í höfuðdráttum samið eftir tillögum frá milliþinganefnd í tolla- og skattamálum.

## Ed. 487. Frumvarp til laga

um lendingarbætur á Vattarnesi við Reyðarfjörð.

(Eftir 2. umr. í Ed.).

1. gr.

Til lendingarbóta á Vattarnesi við Reyðarfjörð skal úr ríkissjóði veittur helmingur kostnaðar, eftir áætlun, sem atvinnumálaráðherra hefur samþykkt, þegar fé er til þess veitt í fjárlögum, allt að 40 þús. kr., gegn jafnmiklu tillagi annars staðar að. Fjárhæð þessi greiðist lendingarsjóði Vattarness að jafnri tiltölu og lendingarsjóðurinn leggur fram til lendingarbótanna.

2. gr.

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 40 þúsund króna lán, er hreppsnefnd Fáskrúðsfjarðarhrepps kann að taka í innlendri

lánsstofnun til lendingarbótanna. Lánsábyrgðin skal bundin því skilyrði, að umsjón verksins og reikningshald sé falið manni, er atvinnumálaráðuneytið telur til þess færan.

3. gr.

Sérhver er skyldur að láta af hendi mannvirki og land, er þarf til að gera lendingarbæturnar, eða undir brautir og vegi í þarfir þeirra, svo sem leyfa, að tekið verði í landi hans, hvort heldur er grjót, möl eða önnur jarðefni, og þola þær eignakvaðir, óhagræði eða takmörkun á afnotarétti, sem lendingarbæturnar hafa í för með sér, allt gegn því, að fullar bætur komi fyrir. Náist ekki samkomulag um bæturnar, skulu þær ákveðnar með mati tveggja dómkvaddra manna, að tilkvöddum báðum málsaðilum. Kostnaðurinn við matið greiðist úr lendingarsjóði Vattarness. Nú vill annar hvor málsaðili ekki una mati, og getur hann heimtað yfirmat, en gera skal hann það innan 14 daga frá því að matsgerð er lokið. Yfirmatið skal framkvæmt á sama hátt af 4 dómkvöddum mönnum. Kostnaðinn við yfirmatið greiðir sá, er þess hefur krafizt, ef matsfjárhæðinni verður ekki breytt meira en sem nemur 10% af hinni ákveðnu endurgjaldsfjárhæð, ella greiðist kostnaðurinn úr lendingarsjóði.

4. gr.

Meðfram strandlengju lendingarinnar, eftir því sem nánar verður ákveðið í reglugerð, má ekki gera neitt mannvirki til lendingarbóta, né heldur halda þar úti bátum til útgerðar, nema samþykki lendingarsjóðsstjórnar og hreppsnefndar Fáskrúðsfjarðarhrepps komi til.

Brot gegn þessum ákvæðum varða sektum 1000—10000 kr.

5. gr.

Framkvæmd lendingarmála og eftirlit með lendingunni hafa þrír menn, er hreppsnefnd Fáskrúðsfjarðarhrepps kýs. Skulu þeir kosnir hvert sinn að afloknum hreppsnefndarkosningum, og gildir kosning þeirra til loka kjörtímabils hreppsnefndarinnar. Til sama tíma skulu kosnir jafnmargir varamenn. Hreppsnefnd Fáskrúðsfjarðarhrepps fer með framkvæmd þessara mála, unz hreppsnefndarkosningar fara næst fram.

6. gr.

Eignum lendingarsjóðs má aðeins verja í þarfir lendingarinnar. Hreppssjóður Fáskrúðsfjarðarhrepps ábyrgist skuldir sjóðsins, og hreppsnefndin er ábyrg fyrir eignum lendingarinnar.

7. gr.

Hreppsnefnd má ekki án leyfis atvinnumálaráðuneytisins selja eða veðsetja fasteignir lendingarsjóðs, kaupa nýjar fasteignir eða taka lán til lengri tíma en svo, að þau verði greidd af tekjum næsta árs, né endurnýja slík lán, og ekki heldur gera mannvirki við lendinguna, svo stórvaxin, að árstekjur hrökkvi ekki til að koma þeim í framkvæmd.

8. gr.

Til þess að standa straum af kostnaði við byggingu og viðhald lendingarvirkjanna og til árslegs rekstrarkostnaðar lendingarinnar er heimilt að innheimta í lendingarsjóð Vattarness allt að 6% af brúttóverði afla hvers báts, er haldið er úti til fiskveiða frá Vattarnesi, vörugjald af vörum, sem fluttar eru í land eða úr landi innan takmarka Vattarnesslendingar, svo og önnur gjöld, er ákveðin kunna að verða í reglugerð samkvæmt 12. gr. Heimilt er að innheimta gjöld í lendingarbótasjóð, þegar byrjað er á verkinu.

Gjöld þessi má taka lögtaki, og ganga þau fyrir sjóveðum.

9. gr.

Reikningsár lendingarsjóðs er almanaksárið.

10. gr.

Fyrir 1. dag desembermánaðar ár hvert ber stjórn lendingarsjóðs að semja áætlun um tekjur og gjöld sjóðsins næsta ár og senda hana atvinnumálaráðuneytinu til samþykktar.

11. gr.

Fyrir lok febrúarmánaðar ár hvert skal stjórn lendingarsjóðs gera reikning yfir tekjur og gjöld sjóðsins á liðnu ári. Reikninginn skal endurskoða og úrskurða á sama hátt og sveitarsjóðsreikninga.

12. gr.

Í reglugerð, sem hreppsnefnd Fáskrúðsfjarðarhrepps semur og atvinnumálaráðuneytið staðfestir, skal kveða á um allt það, er lýtur að stjórn lendingarsjóðs, viðhald lendingarbóta, umferð og góðri reglu í lendingunni, báta- og bryggjugjöld og fleira, ef þurfa þykir.

Í reglugerð má ákveða sektir fyrir brot gegn henni, 20—10000 kr. Sektir renna í lendingarsjóð.

13. gr.

Með mál út af brotum gegn lögum þessum og reglugerðum, er settar kunna að verða samkvæmt þeim, skal fara sem almenn lögreglumál.

14. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 488. Lög

um breyting á lögum nr. 16 6. apríl 1939, um breyting á lögum nr. 68 28. des. 1934, um útvarpsrekstur ríkisins.

(Afgreidd frá Nd. 3. marz.)

Samhljóða þskj. 348.

## Nd. 489. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 3. maí 1935, um virkjun Fljótaár.

Frá Jóni Pálmasyni, Skúla Guðmundssyni og Ingólfi Jónssyni.

Við 1. gr. Aftan við greinina bætist: Þó ekki yfir 85% af stofnkostnaði þessara mannvirkja.

## Nd. 490. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin mælir með því, að frumvarp þetta verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 4. marz 1943.

Bjarni Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr., frsm. Jón Sigurðsson.

Emil Jónsson. Sigurður Guðnason.

## Nd. 491. Breytingartillaga

við frv. til laga um greiðslu ísl. afurða.

Frá Jörundi Brynjólfssyni.

Við 2. gr. Í gr. bætist á eftir orðunum „svo sem í 1. gr. segir“: nema annað hafi verið ákveðið með samningum við verzlanir eða fundasamþykktum í samvinnufélögum.

## Nd. 492. Lög

um greiðslu íslenzkra afurða.

(Afgreidd frá Nd. 4. marz.)

Samhljóða þskj. 281.

## Nd. 493. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 461 (Virkjun Andakílsár).

Frá Gunnari Thoroddsen.

Við 1. brtt. Í stað orðsins „Snæfellsnessýslu“ komi: Snæfellsnes- og Hnappadalssýslu.

## Ed. 494. Nefndarálit

um frv. til l. um verzlun með kartöflur o. fl.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og mælir með því, að það verði samþykkt. Þó áskilja nefndarmenn sér rétt til að bera fram brtt. eða vera með brtt., sem fram kunna að koma.

Alþingi, 4. marz 1943.

Páll Hermannsson, form., frsm. Eiríkur Einarsson, fundaskr. Þorst. Þorsteinsson.
H. Guðmundsson. Kristinn Andrésson.

## Nd. 495. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 460 (Vegalög).

Frá Páli Zóphóníassyni.

Við 1. D. Á eftir 9. tölulið komi nýr töluliður (og breytast töluliðir eftir því): *Seyðisfjarðarvegur:* Frá Seyðisfirði að Þórarinsstöðum.

## Sþ. 496. Tillaga til þingsályktunar

um sögu Alþingis.

Flm.: Haraldur Guðmundsson, Jóhann Jósefsson, Steingrímur Aðalsteinsson, Jörundur Brynjólfsson.

Alþingi ályktar að fela 5 manna nefnd, er ríkisstjórnin skipar, að láta fullgera sögu Alþingis, þá er fyrirhugað var að gefa út á 1000 ára hátíð þingsins 1930, með svipaðri tilhögun og ráð var þá fyrir gert, ásamt viðauka, er fjalli um tímabilið eftir 1930, enda sé miðað við, að ritið komi út á árinu 1945, þegar liðin eru 100 ár frá endurreisn Alþingis.

Fjórir nefndarmanna skulu skipaðir samkvæmt tilnefningu þingflokkanna, og nefnir hver þeirra til einn mann, en hinn fimmti skal skipaður án tilnefningar. Nefndin kýs sér sjálf formann.

Kostnað af útgáfunni og af störfum nefndarinnar skal greiða úr ríkissjóði.

Greinargerð.

Með tilskipun frá 8. marz 1843 var ákveðið að endurreisa Alþingi, og kom hið endurreista þing saman í fyrsta sinni 1. júlí 1845.

Flutningsmönnum þessarar tillögu þykir hlýða, að minnzt sé þessara merkilegu tímamóta í sögu þingsins með þeim hætti m. a., að þingið geri ráðstafanir til þess, að fullgerð verði saga þess og hún gefin út á 100 ára afmæli hins endurreista Alþingis, 1945, en drög til alþingissögunnar eru mörg fyrir hendi.

## Nd. 497. Þingsályktun

um rannsókn á því, hverjar afleiðingar verðuppbætur á útfluttar landbúnaðarvörur hafa haft á afkomu íslenzkra iðnfyrirtækja, er vinna úr þessum vörum.

(Afgreidd frá Nd. 4. marz.)

Samhljóða þskj. 442.

## Nd. 498. Þingsályktun

um fullnaðarákvörðun vegarstæðis að Skálum á Langanesi og kostnaðaráætlun um vegargerð.

(Afgreidd frá Nd. 4. marz.)

Samhljóða þskj. 464.

## Ed. 499. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á lögum nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Frá meiri hl. menntamálanefndar.

Nefndin hefur athugað frv. þetta, en ekki getað orðið á eitt sátt um afgreiðslu þess. Einn nefndarmanna (JJ) vill eigi að svo komnu taka afstöðu til afgreiðslu

málsins, en hins vegar vilja hinir tveir nefndarmennirnir mæla með því, að frumvarpið nái fram að ganga, en annar þeirra (EE) áskilur sér þó rétt til að bera fram breytingartill. við frv. eða fylgja brtt., er fram kynni að vera borin af öðrum.

Alþingi, 5. marz 1943.

| | |
|---|---|
| Eiríkur Einarsson, form. | Kristinn E. Andrésson, fundaskr., frsm. |

## Nd. 500. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 51 27. júní 1941, um breyting á lögum nr. 1 5. jan. 1938, um síldarverksmiðjur ríkisins.

Flm.: Gísli Guðmundsson.

1. gr.

Á eftir 1. gr. laganna komi ný grein, svo hljóðandi:

Nú er skipt hreppi, þar sem verksmiðja er starfrækt, og miðast þá hámark verksmiðjugjaldsins við samanlagðar útsvarsupphæðir hinna nýju hreppa, en greiðist eingöngu þeim hreppi, þar sem verksmiðjan er starfandi.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

### Greinargerð.

Samkv. gildandi lögum greiða síldarverksmiðjur ríkisins ½% af söluverðmæti framleiðslunnar til bæjar- og hreppssjóða, en eru að öðru leyti undanþegnar útsvari og tekjuskatti. Framleiðslugjald þetta er þó þeirri takmörkun háð, að það megi ekki fara fram úr samanlagðri upphæð útsvara í hlutaðeigandi bæ eða hreppi.

Eins og stendur, virðist þetta hámarksákvæði um framleiðslugjaldið enga þýðingu hafa fyrir verksmiðjurnar. Á öllum þeim stöðum, þar sem verksmiðjurnar eru reknar, eru útsvörin hærri en ½% af ársframleiðslu viðkomandi verksmiðja. Í Presthólahreppi, sem hámarksákvæðinu virðist aðallega stefnt gegn (Raufarhafnarverksmiðjan), voru útsvörin t. d. árið 1942 ca. 28500 kr. En gjaldskyld framleiðsla verksmiðjunnar var árið 1940 ca. 3 millj. kr., árið 1941 ca. 1,5 millj. kr. og árið 1942 ca. 4,8 millj. kr. (þannig hefur hæsta verksmiðjugjald til hreppsins orðið um 24 þús. kr., og nær því ekki hámarkinu).

Í Presthólahreppi stendur hins vegar svo á, að hentugt mætti telja af ýmsum ástæðum, að hreppnum yrði skipt nú á næstunni. Mundi þá verksmiðjuþorpið Raufarhöfn (e. t. v. ásamt nokkrum næstu bæjum) verða sérstakur hreppur og viðtakandi verksmiðjugjaldsins. En útsvör í þeim hreppi mundu fyrst í stað sjálfsagt ekki verða meira en þriðjungur þeirra útsvara, sem nú eru á lögð í Presthólahreppi öllum. Mundi þá hámarksákvæði laganna verða þess valdandi, að hinn nýi hreppur (Raufarhöfn) mundi missa talsvert af því verksmiðjugjaldi, sem Presthólahreppur nú fær. Er það því auðsætt, að hreppnum verður ekki skipt meðan hámarksákvæði þetta er í lögum. Fer þá sem fyrr, að verksmiðjan græðir ekkert á hámarksákvæðinu, en það hindrar hins vegar eðlilega þróun í þessum málum.

Með samþykkt þessa frv. væri á engan hátt gengið á hlut verksmiðjunnar. Hún mundi samkv. því ekki greiða meira en hún nú greiðir samkv. lögunum. Frv. felur í sér það eitt, að ef hreppnum væri skipt, reiknast gjaldið áfram eins og hann væri enn óskiptur. Þeim, sem að verksmiðjunni standa, ætti ekki að vera

óljúfara, að hún inni af hendi gjald þetta til þarfa þorpsins en til þarfa alls Presthólahrepps, eins og nú er. Það er einmitt í þágu verksmiðjunnar og þeirra, sem við hana skipta, að efldar séu ýmiss konar almennar framfarir í þorpinu og að verksmiðjugjaldinu sé til þess varið.

## Sþ. 501. Tillaga til þingsályktunar

um að ríkið taki á leigu síldarbræðsluverksmiðjuna Ægi í Krossanesi.

Flm.: Steingrímur Aðalsteinsson, Bernharð Stefánsson, Garðar Þorsteinsson.

Alþingi ályktar að heimila ríkisstjórninni að taka á leigu og reka yfir næstu síldarvertíð síldarbræðsluverksmiðjuna Ægi í Krossanesi.

Jafnframt láti ríkisstjórnin athuga, hvort ekki sé heppilegt, að nefnd síldarbræðsluverksmiðja komist í eign ríkisins, þegar tök væru á.

Greinargerð.

Tillaga þessi er flutt eftir ósk hreppsnefndar Glæsibæjarhrepps og Verkamannafélags Glæsibæjarhrepps. Eru í bréfum þessara aðila færð fram höfuðrökin fyrir nauðsyn þessa, og þykir því rétt að prenta hér með bréf hreppsnefndarinnar.

**Fylgiskjal.**

Blómsturvöllum, 11. febr. 1943.

Hreppsnefnd Glæsibæjarhrepps skorar hér með á Alþingi, það er nú situr, að ákveða, að ríkið taki á leigu síldarbræðsluverksmiðjuna Ægi á Krossanesi og starfræki hana í sambandi við og jafnlangan tíma og síldarverksmiðjur ríkisins á næsta sumri.

Greinargerð: Síldarverksmiðjan Ægir hefur verið rekin hér í um þrjá áratugi. Hefur Glerárþorpið að miklu leyti byggzt vegna þeirra atvinnumöguleika, sem rekstri verksmiðjunnar hefur fylgt, og íbúarnir sett sig þar niður og byggt heimilisafkomu sína á áframhaldandi starfrækslu verksmiðjunnar. Má af því vera ljóst, hversu örðugt það er fyrir þá tugi verkamanna, sem haft hafa atvinnu sína í verksmiðjunni, að missa hana, svo sem hér hefur raun á orðið, og eiga allt í fullkominni óvissu um atvinnu. Einnig er ekki lítils um vert í þessu efni, að þessi stóra verksmiðja, sem getur afkastað þrjú þúsund og fimm hundruð málum á sólarhring, geti tekið til starfa á komandi sumri, vegna síldveiðiflotans, og aukið veiðimöguleika hans til mikilla muna og bætt þannig afkomu síldarútvegsins og sjómanna, og því fremur sem ekki er líklegt, að möguleikar verði á aukningu síldarvinnslunnar með nýjum verksmiðjum á þessu ári. — Með því að ríkið taki síldarverksmiðjuna Ægi á leigu til rekstrar, er jafnframt því, sem atvinnuerfiðleikar verkamanna í Glerárþorpi eru leystir að allmiklu leyti, bætt úr hinu mikla vandamáli síldarútvegsins um aukna sölumöguleika á aflanum til vinnslu a. m. k. að svo miklu leyti, sem það virðist viðráðanlegt á þessu ári.

Vonum vér því, að háttvirt Alþingi taki þessa málaleitun vora þegar til úrlausnar á þann hátt, sem vér leggjum til.

Virðingarfyllst,

Í hreppsnefnd Glæsibæjarhrepps.

Stefán Sigurjónsson. Stefán Kristjánsson. Þorsteinn G. Hörgdal.
Gunnar Kristjánsson. Pétur Valdimarsson.

Til Alþingis, Reykjavík.

## Nd. 502. Nefndarálit

um frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi.

Frá meiri hl. landbúnaðarnefndar.

Nefndin hefur rætt frumvarpið, en eigi getað orðið sammála um afgreiðslu þess. Við undirritaðir leggjum til, að það verði samþykkt óbreytt, en þeir Bjarni Ásgeirsson og Emil Jónsson vilja láta fella það.

Alþingi, 6. marz 1943.

Jón Pálmason, fundaskr., frsm. Jón Sigurðsson, Sigurður Guðnason.

## Ed. 503. Breytingartillögur

við frv. til laga um húsaleigu.

Frá Ingvari Pálmasyni.

1. Á undan 1. gr. komi tvær nýjar greinar, sem verða 1. og 2. gr., svo hljóðandi (og breytist greinatalan á eftir samkv. því):
   a. (1. gr.) Ákvæði þau, sem sett eru með lögum þessum um húsaleigu og ráðstöfun húsnæðis, skulu gilda fyrir Reykjavík og Hafnarfjarðarkaupstað.
   b. (2. gr.) Heimilt er ríkisstjórninni að fyrirskipa, að ákvæði þessara laga skuli gilda að nokkru eða öllu leyti fyrir aðra kaupstaði en þá, sem nefndir eru í 1. gr., svo og kauptún, sem hafa yfir 800 íbúa, ef viðkomandi bæjar- eða sveitarstjórn óskar þess og fyrir liggur samþykkt meiri hluta kjósenda í kaupstaðnum eða kauptúninu um, að svo skuli vera.
2. Við 8. gr. Síðasta málsgr. greinarinnar orðist svo:
   Kostnaður við störf nefndarinnar og nefnda samkvæmt 9. gr. greiðist að hálfu úr ríkissjóði og að hálfu úr viðkomandi bæjar- eða sveitarsjóði.
3. Við 15. gr. Greinin orðist svo:
   Ákvæði laga þessara gilda, eftir því sem við á, einnig um leigu á húsum, bryggjum og pöllum til fiskibáta og fiskiskipa.
   Sé leiga eftir slík hús, bryggjur og palla greidd með aflahlut, geta aðilar krafizt, að metið sé, hve stór sá aflahlutur skuli vera.

## Sþ. 504. Tillaga til þingsályktunar

um milliþinganefnd í jarðeignamálum kaupstaða, kauptúna og sjávarþorpa.

Flm.: Skúli Guðmundsson, Jón Pálmason, Ásgeir Ásgeirsson, Einar Olgeirsson.

Alþingi ályktar að kjósa fimm manna milliþinganefnd, er athugi og geri tillögur um, á hvern hátt megi veita kaupstöðum, kauptúnum og sjávarþorpum eignar- eða umráðarétt yfir nauðsynlegum löndum og lóðum, með sanngjörnum kjörum, án þess að gengið verði of nærri hagsmunum nágrannasveita þeirra, hvernig komið verði í veg fyrir óréttmæta verðhækkun á þessum löndum og afnotarétti þeirra, og hvernig tryggja megi, að verðhækkun á löndum og lóðum, sem verða

kann á fyrr nefndum stöðum beint eða óbeint vegna opinberra framkvæmda, verði almenningseign.

Nefndin skili áliti og tillögum fyrir reglulegt Alþingi árið 1944. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

## Greinargerð.

Við samfærslu byggðarinnar í kaupstaði, kauptún og sjávarþorp hafa eðlilega komið fram ýmis félagsleg vandamál. Eitt af þeim er landsþörf íbúanna á þessum stöðum. Kaupstaðir og kauptún þurfa að ráða yfir því landi, sem byggð þeirra stendur á, og enn fremur svo miklu af næsta nágrenni, að fullnægi eðlilegri vaxtarþörf byggðarinnar og nauðsynlegri landsnotkun íbúanna. Þessari þörf þarf að fullnægja, að svo miklu leyti sem unnt er, án þess að þrengt verði um of að hagsmunum þeirra sveitarfélaga, er næst liggja. Miklu máli skiptir einnig, að ekki þurfi að kaupa landið eða afnot þess óeðlilega háu verði.

Reynslan sýnir, að lönd og lóðir hækka hvarvetna í verði eftir því sem byggðin vex og meira fé er lagt í opinberar framkvæmdir. Þessi verðhækkun er í raun og veru almenningseign og á að koma heildinni til nota. En ef landið er í einkaeign, rennur verðhækkunin nær undantekningarlaust til þeirra manna, sem landið eiga, og jafnframt leggst hún sem skattur á íbúana og atvinnulífið á viðkomandi stöðum og veldur þar óeðlilegri dýrtíð. Þessa gætir lítt í smáþorpunum í fyrstu, en með vexti þeirra kemur þessi hætta í ljós, ef ekkert er að gert. Einnig hefur komið í ljós, að vöntun á fullkomnum yfirráðarétti á löndum og lóðum í þéttbýlinu torveldar oft félagslegar umbætur og hindrar stundum með öllu nauðsynleg landsafnot fólksins, sem þar býr.

Það mun almennt viðurkennt, að helzta ráðið til þess að koma í veg fyrir óeðlilega verðhækkun landsins í þéttbýlinu sé, að bæjar- eða sveitarfélögin eigi landið eða hafi fullkominn umráðarétt yfir því. Þessi lausn tryggir það einnig bezt, að hægt sé að veita íbúunum nauðsynleg landsafnot. Er það athugunarefni, hvernig auðveldast sé að koma þeirri skipan á þessi mál. En jafnframt virðist nauðsynlegt að setja lög um leiguskilyrði á löndum og lóðum í þéttbýlinu. Þurfa þau að fela í sér ákvæði, sem hindra óréttmæta verðhækkun á landinu og afnotum þess, en tryggja jafnframt, að eðlileg verðhækkun vegna opinberra framkvæmda verði almenningseign.

Á öllu landinu eru nú um 70 kaupstaðir, kauptún og sjávarþorp. Eftir þeim upplýsingum, sem fyrir liggja, mun þannig vera háttað um eign á löndum þeirra og lóðum:

Á 25 stöðum er landið eign ríkis, bæjar eða hreppsfélags.

Á 15 stöðum er landið sameign þess opinbera og einstaklinga.

Á 30 stöðum er landið eign einstakra manna.

Á síðustu árum hefur komið fram nokkur viðleitni hjá bæjarstjórnum og hreppsnefndum um að fá nauðsynlegt land til eignar eða umráða fyrir kaupstaði og kauptún. Alþingi hefur veitt þeim málum nokkurn stuðning, m. a. með löggjöf um jarðakaup ríkisins vegna kauptúna og sjávarþorpa, sem samþykkt voru árið 1941. Enn þá hafa þó litlar framkvæmdir orðið í þessum efnum, og á núverandi dýrtíð sennilega mikinn þátt í því.

Það virðist nauðsynlegt, að mál þetta sé tekið til athugunar og reynt að koma því í betra horf. Er að því stefnt með þeirri þingsályktunartillögu, sem hér er fram borin.

## Sþ. 505. Tillaga til þingsályktunar

um læknisbústað Eyrarbakkalæknishéraðs.

Flm.: Jörundur Brynjólfsson, Eiríkur Einarsson.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að láta athuga hið allra fyrsta, í samráði við landlækni, hvort hagkvæmara sé héraðsbúum, að læknisbústaður Eyrarbakkalæknishéraðs sé á Eyrarbakka eða á Selfossi, og leggja síðan athugunina fyrir Alþingi.

Greinargerð.

Óskir hafa komið fram um það eystra, að æskilegra væri fyrir héraðsbúa Eyrarbakkalæknishéraðs yfirleitt, að læknisbústaðurinn væri á Selfossi. Þó munu um það nokkuð skiptar skoðanir. Flutningsmenn þessarar tillögu telja heppilegast, að heilbrigðisstjórnin láti athuga málið og geri tillögur um lausn þess.

## Sþ. 506. Þingsályktun

um sögu Alþingis.

(Afgreidd frá Sþ. 8. marz.)

Samhljóða þskj. 496.

## Ed. 507. Breytingartillaga

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá Jónasi Jónssyni.

Við 5. gr.
2. og 3. mgr. falli niður.

## Ed. 508. Frumvarp til laga

um lífeyrissjóð starfsmanna ríkisins.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Lífeyrissjóður embættismanna og ekkna þeirra, er stofnaður var með lögum nr. 51 27. júní 1921, skal eftirleiðis heita Lífeyrissjóður starfsmanna ríkisins, og starfar hann með því markmiði og skipulagi, sem segir í lögum þessum.

2. gr.

Sjóðfélagar eru þeir nefndir í lögum þessum, er skylt er að greiða iðgjöld í sjóðinn og rétt eiga á lífeyri úr honum.

3. gr.

Sjóðfélagar eru:

1. Allir þeir, sem laun taka eftir hinum almennu launalögum.
2. Allir aðrir starfsmenn, sem taka laun úr ríkissjóði og ráðnir eru til ekki skemmri

tíma en eins árs eða með þriggja mánaða uppsagnarfresti, enda sé starf þeirra í þjónustu ríkisins aðalstarf þeirra.

Þeim starfsmönnum ríkisins, sem rétt eiga á lífeyri úr öðrum sjóðum, er stofnaðir eru með lögum fyrir tilteknar starfsgreinir sérstaklega, er þó eigi skylt að gerast sjóðfélagar.

4. gr.

Stjórn sjóðsins skal heimilt að taka í tölu sjóðfélaga:

1. Starfsmenn við ríkisstofnanir, sem sérstakan fjárhag hafa.
2. Starfsmenn bæjar-, sýslu- eða sveitarfélaga.
3. Starfsmenn við sjálfseignarstofnanir, er starfa í almenningsþarfir.

Starfsmenn þeir, sem ræðir um í 1—3 hér að framan, skulu fullnægja skilyrðum þeim, er greinir í 3. gr., um ráðningartíma.

5. gr.

Nú bætast við nýir sjóðfélagar samkvæmt 3. gr. 2. tölul. eða 4. gr., og skal þá heimilt að kaupa þeim réttindi í sjóðnum fyrir starfstíma, sem þeir hafa unnið áður en þeir urðu sjóðfélagar. Stjórn sjóðsins ákveður, eftir tillögum tryggingarfræðings hans, upphæð þá, er greiða skal fyrir réttindi þessi, eftir því sem nánar verður ákveðið í reglugerð sjóðsins.

6. gr.

Stjórn sjóðsins skal skipuð þremur mönnum. Skal einn þeirra tilnefndur af hæstarétti, og er hann formaður stjórnarinnar. Annar skal skipaður af fjármálaráðherra, en hinn þriðji kosinn af sjóðfélögum eða félagsskap þeirra, svo sem nánar verður ákveðið í reglugerð sjóðsins.

Skipunar- og kjörtími stjórnarmanna er þrjú ár.

7. gr.

Tryggingarstofnun ríkisins annast reikningshald og daglega afgreiðslu sjóðsins fyrir þóknun eftir samkomulagi hennar og stjórnar sjóðsins.

Reikningsár sjóðsins er almanaksárið. Reikningar sjóðsins skulu endurskoðaðir af hinni umboðslegu endurskoðun án sérstakrar þóknunar.

8. gr.

Stjórn sjóðsins skal sjá um ávöxtun fjár hans. Skal ávaxta sjóðinn í tryggum verðbréfum, svo sem ríkisskuldabréfum eða öðrum bréfum með ríkisábyrgð, vaxtabréfum veðdeildar Landsbankans eða Búnaðarbankans, jarðræktarbréfum, skuldabréfum tryggðum með fyrsta veðrétti í fasteignum allt að 60% af fasteignamati þeirra, eða með öðrum álíka tryggilegum hætti.

9. gr.

Stjórn sjóðsins skal hið fimmta hvert ár láta tryggingarfræðing rannsaka fjárhag sjóðsins. Þyki honum rannsókn sín leiða í ljós, að fjárhagsgrundvöllur sjóðsins sé ótryggur, skal hann gera tillögur til stjórnar sjóðsins um aðgerðir til að efla sjóðinn. Sýni rannsóknin hins vegar, að fjárhagur sjóðsins sé svo góður, að iðgjöld mætti lækka, skal hann athuga vandlega, hversu mikil sú lækkun mætti vera og gera tillögur sínar um það til sjóðsstjórnarinnar. Sjóðsstjórnin má aldrei lækka iðgjöld meira en tryggingarfræðingur hefur lagt til að gert yrði.

10. gr.

Sjóðfélagar greiði ár hvert 4% af heildarárslaunum sínum í iðgjöld til sjóðsins. Launagreiðanda ber að halda iðgjöldum eftir af launum sjóðfélaga og standa sjóðnum skil á þeim.

Sjóðfélagar bera eigi ábyrgð á skuldbindingum sjóðsins nema með iðgjöldum sínum.

Launagreiðendur greiði fyrst um sinn ár hvert 6% af heildarárslaunum þeim, er sjóðfélagi tekur hjá þeim, í iðgjöld til sjóðsins. Komi til iðgjaldalækkunar samkvæmt 9. gr., skal fyrst lækka iðgjöld launagreiðanda, þar til þau eru orðin jöfn iðgjöldum sjóðfélaga sjálfra.

11. gr.

Sjóðurinn greiðir sjóðfélögum ellilífeyri og örorkulífeyri og eftirlátnum maka þeirra og börnum lífeyri samkvæmt ákvæðum þeim, sem hér fara á eftir.

12. gr.

Hver sjóðfélagi, er greitt hefur iðgjöld til sjóðsins í 10 ár eða lengur og annaðhvort er orðinn fullra 65 ára að aldri eða samanlagður aldur hans og þjónustutími er orðinn 95 ár, á rétt á árlegum ellilífeyri úr sjóðnum.

Upphæð ellilífeyrisins er hundraðshluti af meðallaunum hlutaðeigandi sjóðfélaga síðustu 10 starfsár hans, og er hundraðshluti þessi hækkandi eftir því, sem starfstíminn verður lengri, svo sem hér segir:

| Starfstími. | Ellilífeyrir. |
|---|---|
| 10 ár | 12,5 % |
| 11 — | 14,0 — |
| 12 — | 15,5 — |
| 13 — | 17,0 — |
| 14 — | 18,5 — |
| 15 — | 20,0 — |
| 16 — | 22,0 — |
| 17 — | 24,0 — |
| 18 — | 26,0 — |
| 19 — | 28,0 — |
| 20 — | 30,5 — |
| 21 — | 33.0 — |
| 22 — | 35,5 — |
| 23 — | 38,0 — |
| 24 — | 41,0 — |
| 25 — | 44,0 — |
| 26 — | 47,0 — |
| 27 — | 50,0 — |
| 28 — | 53,0 — |
| 29 — | 56,5 — |
| 30 — eða lengur | 60,0 — |

13. gr.

Hver sjóðfélagi, sem ófær verður til að gegna starfi sínu, eða missir einhvern hluta af launum sínum sökum varanlegrar örorku, á rétt á örorkulífeyri, ef tryggingaryfirlæknir í samráði við landlækni metur örorkuna meiri en 10%.

Ef rekja má aðalorsök örorkunnar til starfs í þágu stöðu þeirrar, sem öryrkinn gegndi, er hámark hins árlega örorkulífeyris hans jafnhátt ellilífeyri þeim, er hann hefði öðlazt rétt til, ef hann hefði gegnt stöðu sinni til 65 ára aldurs. Endranær miðast hámark örorkulífeyrisins við starfstíma og meðallaun 10 síðustu starfsár öryrkjans með sama hætti og segir í 12. gr.

Örorkulífeyrir hvers einstaks er sami hundraðshluti af hámarksörorkulífeyri hans samkv. 2. mgr. þessarar gr., sem örorka hans er metin. Enginn getur fengið örorkulífeyri, meðan hann heldur fullum launum þrátt fyrir örorkuna.

Skylt er öryrkja, sem sækir um örorkulífeyri úr sjóðnum eða nýtur hans, að láta stjórn sjóðsins í té allar þær upplýsingar um heilsufar sitt, sem nauðsynlegar eru til að dæma um rétt hans til örorkulífeyris.

Stjórn sjóðsins er heimilt að lækka eða fella niður örorkulífeyri þeirra öryrkja, sem fá starfsorku sína aftur að nokkru eða öllu leyti.

Sömuleiðis ber stjórn sjóðsins að hækka örorkulífeyrinn, ef örorkan vex til mun og án sjálfskaparvíta frá því, sem hún var metin við fyrri ákvarðanir, enda hafi öryrkinn, á þeim tíma sem örorkan óx, ekki verið í þjónustu annarra en þeirra aðila, sem tryggja starfsfólk sitt í sjóðnum.

14. gr.

Nú andast sjóðfélagi eða sá maður, er nýtur ellilífeyris eða örorkulífeyris úr sjóðnum, og lætur hann eftir sig maka á lífi, og á þá hinn eftirlifandi maki rétt til lífeyris úr sjóðnum, enda hafi hinn látni greitt iðgjöld til sjóðsins í 10 ár eða lengri tíma og hjónabandinu hafi eigi verið slitið að lögum áður en hann lézt.

Nú andast sjóðfélagi, er greitt hefur iðgjöld til sjóðsins skemmri tíma en 10 ár, og skal þá endurgreiða eftirlifandi maka hans vaxtalaus iðgjöld þau, er hann hefur greitt til sjóðsins.

Upphæð lífeyris hins eftirlifandi maka fer eftir starfstíma hins látna og meðalárslaunum hans síðustu 10 starfsár hans. Ef starfstíminn er 10 ár, er hinn árlegi lífeyrir 20% af meðalárslaununum, en hækkar síðan fyrir hvert starfsár um 1% af meðalárslaununum, unz hámarkinu, 40% af meðalárslaununum, er náð, eftir 30 ára starfstíma.

Hafi hinn eftirlifandi maki verið meira en 10 árum yngri en hinn látni, lækkar lífeyrir hans um 1% af meðalárslaununum fyrir hvert ár, sem aldursmunurinn nemur umfram 10 ár.

Verði árlegur lífeyrir maka samkvæmt 3. og 4. málsgr. þessarar gr. lægri en 500 kr., skal hann hækkaður upp í þá upphæð.

Nú hefur sjóðfélagi gengið í hjónaband, eftir að hann var orðinn 60 ára, eða á þeim tíma, er hann naut ellilífeyris úr sjóðnum eða hann var lagztur banaleguna, og nýtur þá eftirlifandi maki hans eigi réttar til lífeyris úr sjóðnum.

Réttur til lífeyris samkvæmt þessari grein fellur niður, ef hinn eftirlifandi maki gengur í hjónaband að nýju, en kemur aftur í gildi, sé hinu síðara hjónabandi slitið.

15. gr.

Börn eða kjörbörn, sem sjóðfélagi lætur eftir sig, er hann andast, og yngri eru en 16 ára, skulu fá árlegan lífeyri úr sjóðnum, þar til þau eru fullra 16 ára að aldri, enda hafi hinn látni séð um framfærslu þeirra að nokkru eða öllu leyti. Sama gildir um börn eða kjörbörn, er sá maður lætur eftir sig, er naut elli- eða örorkulífeyris úr sjóðnum, er hann andaðist.

Ef barnið á foreldri eða kjörforeldri á lífi, er sér um framfærslu þess, er lífeyrir þess 50% hærri en meðalmeðlag það, er félagsmálaráðherra hefur ákveðið með barni á sama aldri í Reykjavík á þeim tíma, sem lífeyririnn á að greiðast. Að öðrum kosti er lífeyririnn tvöfalt meðalmeðlag þetta.

Sama rétt öðlast börn og kjörbörn sjóðfélaga, er hann verður öryrki, þó svo, að lífeyrir þeirra skal þá nema jafnmiklum hundraðshluta af lífeyrisupphæð þeirri, sem greinir í 2. málsgr. þessarar gr., sem örorka sjóðfélagans er metin.

16. gr.

Nú lætur sjóðfélagi í lifanda lífi og af öðrum ástæðum en elli eða örorku af stöðu þeirri, er veitti honum aðgang að sjóðnum, og á hann þá rétt á að fá endurgreidd vaxtalaus iðgjöld þau, er hann hefur greitt í sjóðinn. Hafi hann verið sjóðfélagi í 15 ár, er hann lætur af stöðunni, getur hann með samþykki sjóðstjórnarinnar valið um, hvort hann fær iðgjöld sín endurgreidd eða hann lætur þau standa inni í sjóðnum. Velji hann síðari kostinn, fellur niður skylda hans til að greiða framvegis iðgjöld til sjóðsins og réttur hans til örorkulífeyris. Ellilífeyrir hans og lífeyrir eftirlátins maka miðast þá við starfstíma hans og meðallaun síðustu 10 starfsár hans,

samkvæmt 12. og 14. gr. Lífeyrir barna hans skal þá ákveðinn þannig, að full upphæð samkvæmt 15. gr. skal margfölduð með hlutfallinu á milli þess ellilífeyris, sem hann hefur öðlazt rétt til, og þess ellilífeyris, sem hann hefði öðlazt rétt til, ef hann hefði gegnt starfinu til 65 ára aldurs.

Sé staða eða starfi sjóðfélaga lögð niður, á hann rétt á að vera áfram í sjóðnum og greiða iðgjöld, sem miðuð séu við laun þau, er hann hafði, er staða hans var lögð niður. Nýtur hann þá sömu réttinda úr sjóðnum sem hann hefði gegnt starfi sínu áfram.

17. gr.

Þeir, sem keypt hafa sér og ekkjum sínum lífeyri samkvæmt lögum nr. 51 27. júní 1921, öðlast réttindi eftir lögum þessum, enda greiði þeir iðgjöld sín samkvæmt ákvæðum þeirra frá þeim tíma, er þau öðlast gildi.

18. gr.

Ríkissjóður ábyrgist greiðslu lífeyris samkvæmt lögum þessum, og greiðist hann með 1/12 árslífeyrisins fyrirfram á hverjum mánuði.

19. gr.

Nánari ákvæði um skipulag sjóðsins og starfsemi hans skal setja í reglugerð, er fjármálaráðherra staðfestir, en stjórn sjóðsins semur.

20. gr.

Óheimilt er að framselja eða veðsetja lífeyriskröfur samkvæmt lögum þessum, og ekki má leggja á þær löghald né gera í þeim fjárnám eða lögtak. Enginn skuldheimtumaður í dánarbúi eða þrotabúi hefur rétt til að skerða kröfurnar á nokkurn hátt.

21. gr.

Lög þessi öðlast gildi 1. júlí 1943.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Með bréfi, dags. 17. nóv. 1942, fól ríkisstjórnin þeim prófessor Ólafi Lárussyni og Guðmundi Guðmundssyni tryggingafræðingi að endurskoða lög um lífeyrissjóð embættismanna og lög um lífeyrissjóð barnakennara og að semja frumvörp til laga um breytingar á þessum lögum, eftir því, sem þurfa þætti. Hafa þeir samið framanritað frumvarp og frumvarp til laga um lífeyrissjóð barnakennara og ekkna þeirra, og fylgdi hinu fyrrnefnda eftirfarandi greinargerð:

Hinn 22. maí 1942 var samþykkt í sameinuðu Alþingi svofelld þingályktun:

„Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að láta undirbúa og semja frumvarp um breytingar á lögum nr. 51 27. júní 1921, um lífeyrissjóð embættismanna, og lögum nr. 33 s. d., um lífeyrissjóð barnakennara, og leggja það fyrir Alþingi á þessu ári.

Breytingarnar skulu miðaðar við eftirtalin atriði:

1. Að ellilífeyrir og ekkjulífeyrir geti á hverjum tíma verið svo háir, að þeir nægi til sómasamlegs framfæris hlutaðeigandi lífeyrisþega, þegar um fullan lífeyri er að ræða.
2. Að örorkulífeyrir verði jafnhár ellilífeyri, ef um algera örorku er að ræða, sem hefur orsakazt af því opinbera starfi, er öryrkinn gegndi.
3. Að börnum, sem yngri eru en 16 ára við andlát foreldris síns, er var sjóðfélagi eða lífeyrisþegi, sé tryggður nokkur styrkur þar til þau eru fullra 16 ára.
4. Að sjóðfélögum, sem fara úr sjóðnunum í lifanda lífi og af öðrum orsökum en þeim, er veita lífeyrisrétt, sé tryggð endurgreiðsla úr þeim, allt að því eins mikil og iðgjaldaupphæðinni nemur, sem þeir hafa greitt í sjóðinn, reiknuð án vaxta.
5. Að í lífeyrissjóð embættismanna verði ekki aðeins teknir allir þeir menn, er taka laun samkvæmt launalögum, heldur og allir fastráðnir starfsmenn við ríkis-

stofnanir, svo og við sjálfseignarstofnanir, sem njóta ríkisstyrks eða ríkisábyrgðar.
6. Að iðgjöldin verði framvegis greidd að hálfu af hvorum aðila, launþega og launagreiðanda.
7. Að ríkið leggi fram það fé, sem þarf til að koma breytingunni á."

Tillögunni hafði fylgt svo hljóðandi greinargerð:

„Röskir tveir áratugir eru liðnir frá því að lífeyrissjóðir barnakennara og embættismanna voru stofnaðir. Á þeim tíma, og þó einkum á tveimur síðustu árum, hafa fjárhagsástæður í landinu breytzt svo mjög, að sjóðirnir leysa ekki lengur af hendi það hlutverk, sem þeim er ætlað, en það er að sjá opinberum starfsmönnum og ekkjum þeirra fyrir framfærslueyri, þegar starfskrafta mannsins nýtur ekki lengur, hvort heldur það er sökum dauða, elli eða vanheilsu.

Ellilífeyrir miðast við grunnlaun án nokkurs tillits til verðlagsuppbótar og getur í engu tilfelli numið meiru en 3750 kr. á ári. Er augljóst, hve skammt sú trygging nær, þegar kaupmáttur krónunnar er jafnlítill og nú. Reynslan hefur sýnt, að ekkjutryggingunni og örorkutryggingunni hefur verið mjög ábótavant frá upphafi. Barnatrygging hefur engin verið í sjóðunum. Er það talsverður galli, þar sem þörfin fyrir hana getur verið mjög brýn, en kostnaðurinn af hóflegri barnatryggingu mundi ekki vera stórvægilegur fyrir sjóðinn.

Í gildandi lögum er engin heimild til að endurgreiða iðgjöld úr sjóðunum, þótt menn fari úr þeim í lifanda lífi án þess að fá lífeyri. Það hefur þó verið gert í mörgum slíkum tilfellum, aðallega samkvæmt fjárlagaheimildum, en ekki öllum. Nær það vitanlega engri átt, að sumir fái endurgreiðslu, en aðrir ekki. Eftir reynslunni má ætla, að fullt jafnrétti verði ekki tryggt með öðru en því að heimila endurgreiðsluna í lögunum. Það virðist og sanngjarnt, að þeir, sem fara út sjóðunum án þess að fá lífeyri, eigi rétt á að fá aftur mestan hluta þess, er þeir hafa greitt í þá.

Á síðari árum hafa komið fram háværar kröfur frá föstu starfsfólki ýmissa opinberra stofnana um, að því yrðu tryggð ákveðin eftirlaun. Einfaldast virðist að verða við óskum þessa fólks með því að opna því aðgang að lífeyrissjóði embættismanna. Það má og gera ráð fyrir, að margt af því kæmi í hann síðar hvort eð væri eftir væntanlega endurskoðun launalaganna.

Á síðustu árum hafa mörg fyrirtæki og stofnanir komið upp eftirlaunasjóðum fyrir starfsfólk sitt. Hafa þau lagt fram stofnfé og greiða í flestum tilfellum helming iðgjalda, í engu tilfelli minna, en í nokkrum meira. Með þessum og öðrum ráðum reyna einkafyrirtæki nú að draga til sín starfslið frá hinu opinbera. Ríkið mun tæplega geta mætt þessari samkeppni á annan heppilegri hátt en með því að endurbæta þær tryggingar, er starfsmenn þess njóta. Með því væri stuðlað að auknum sparnaði hjá þegnunum. Og þeir einir mundu njóta framlags ríkisins, sem láta ekki ginnast af smávægilegum yfirboðum einkafyrirtækja."

Ríkisstjórnin fól oss undirrituðum að semja frumvarp það, er í þingsályktuninni greinir. Samkvæmt því höfum við samið meðfylgjandi frumvarp til laga um lífeyrissjóð starfsmanna ríkisins og frumvarp til laga um lífeyrissjóð barnakennara og ekkna þeirra. Ástæðan til þess, að frumvörpin eru tvö, er sú, að það þótti heppilegra að láta lífeyrissjóð barnakennara og ekkna þeirra starfa framvegis sem hingað til sem sérstakan sjóð, en að öðru leyti verður tilhögun sjóðanna hin sama í framtíðinni, nái frumvörp þessi fram að ganga. Hin almenna greinargerð, sem hér fer á eftir, er því sameiginleg fyrir frumvörpin bæði.

Þegar lífeyrissjóðir embættismanna og barnakennara voru stofnaðir, voru ákveðnar reglur um réttindi sjóðfélaga og skyldur. Kapitalverð skuldbindinga sjóðsins til að greiða stofnendum og mökum þeirra lífeyri, mun hafa verið talsvert meira en kapitalverð þeirra iðgjalda, er stofnendum bar að greiða. Stofnfé það, er sjóðirnir fengu, mun ekki hafa verið nóg til þess að þeir væru í jafnvægi. Við rannsókn á fjárhag þessara sjóða sumarið 1940 kom í ljós, að talsvert vantaði á, að jafnvægi væri á milli væntanlegra útgjalda sjóðanna annars vegar og eigna þeirra og væntanlegra

tekna hins vegar, ef gengið var út frá 5% vöxtum á ári. Þetta er eigi undarlegt, þegar þess er gætt, að það, sem vantaði á stofnféð í byrjun, væri nú orðið ca. 3,5 sinnum meira, ef sjóðirnir hefðu haft það í sinni vörzlu. Þá ber og að gæta þess, að talsvert hefur verið gert að því að endurgreiða iðgjöld úr sjóðunum, en ekki var gert ráð fyrir neinum slíkum endurgreiðslum við stofnun þeirra. Að vísu hafa sjóðirnir fengið svo háa vexti hingað til, að þeir kynnu að geta staðizt, ef þeir fengju eins háa vexti framvegis. En í seinni tíð hafa skilyrðin til ávöxtunar á fé breytzt svo mjög sjóðunum í óhag, að fjárhagur þeirra er ekki tryggur.

Reynsla sú, sem fengin er af starfsemi sjóðanna, hefur leitt í ljós, að tryggingarnar þurfa endurbóta við á ýmsum sviðum. Á tímum eins og nú standa yfir verða allar lífeyrisgreiðslur ónógar, ef miðað er við grunnlaun eingöngu. Það virðist því óhjákvæmilegt, að verðlagsuppbætur séu teknar með í reikninginn bæði við lífeyrisgreiðslur og iðgjaldagreiðslur.

Ekknalífeyririnn hefur í flestum tilfellum reynzt svo lágur, að hann hefur lítið gagn gert. Þá hefur það þótt mikil vöntun, að ekki er ákveðinn styrkur handa börnum sjóðfélaga, sem eru í ómegð við fráfall þeirra. Enn fremur er örorkutryggingunni verulega ábótavant.

Í frumvörpum þessum eru gerðar tillögur um verulegar endurbætur á þessum sviðum öllum. Barnatryggingin getur varla orðið sjóðunum mjög dýr, en hlýtur þó að kosta eitthvað. Öðru máli gegnir um örorku- og ekkjutrygginguna. Miklar endurbætur á þeim mundu verða dýrar. Hefur því eigi verið unnt að leggja til svo miklar endurbætur þar sem æskilegt hefði verið.

Endurbæturnar hljóta samt sem áður að kosta sjóðina talsvert mikið. Til þess að vega á móti því, verður að hækka iðgjöldin. Má gera ráð fyrir, að iðgjaldið þyrfti að vera 8 til 9% af launum fyrir nýja sjóðfélaga. Þá er einnig lagt til, að hámark ellilífeyris verði 60% af meðallaunum síðustu 10 ára, að verðlagsuppbót meðtalinni, í stað 75% af hámarkslaunum án verðlagsuppbótar. Þetta bætir talsvert aðstöðu sjóðanna. Þar sem síðustu launin eru að jafnaði um leið hámarkslaun, mun þessi breyting í flestum tilfellum hækka ellilífeyrinn á meðan vísitalan, sem launin eru greidd eftir, er hærri en 125 stig.

Reglunum um ellilífeyrinn hefur einnig verið breytt að því er snertir sjóðfélaga, sem ekki hafa öðlazt hámarksréttindi. Er það gert til þess að skapa dálítið meira jafnrétti en verið hefur á milli sjóðfélaganna.

Frá því að lífeyrissjóðir embættismanna og barnakennara voru stofnaðir, hafa mörg einkafyrirtæki hér á landi stofnað eftirlaunasjóði fyrir starfsfólk sitt. Hafa þau flest lagt fram nokkurt stofnfé og greiða nokkurn hluta iðgjaldsins. Mörg greiða helming þess, ekkert minna en það, en sum meira, og dæmi eru til að þau greiða það allt. Endurgreiðsluréttur er heimilaður að því er snertir þann hluta iðgjaldsins, sem starfsmenn greiða sjálfir. Virðist sú regla mjög sanngjörn, að sá hluti iðgjaldsins, er sjóðfélagar greiða sjálfir, sé skoðaður sem þeirra eign, en að sá hluti iðgjaldsins, sem stofnunin greiðir, komi sjóðfélögum eða aðstandendum þeirra ekki að gagni, nema þeir vinni hjá stofnuninni, unz starfsorkan þrýtur sökum elli, örorku eða dauða.

Lagt er til, að reglur einkafyrirtækjanna verði teknar upp á þessu sviði í lífeyrissjóðum embættismanna og barnakennara, þ. e. að hið opinbera greiði nokkurn hluta iðgjaldanna og að endurgreiðsla iðgjalda verði heimiluð að því er snertir þann hluta iðgjaldanna, sem sjóðfélagarnir hafa sjálfir greitt.

Ætlazt er til þess, að umbæturnar á tryggingunum komi öllum núverandi sjóðfélögum til góða, enda þótt þeir hafi ekki greitt það iðgjald, sem svarar til þessarar auknu tryggingar frá því þeir komu í sjóðina. Ef iðgjöldin væru ekki ákveðin hærri en ætla mætti, að þau þyrftu að vera fyrir nýja sjóðfélaga, mundi þetta auka við þá fjárvöntun, sem fyrir er í sjóðunum. Varla koma til greina nema tvær leiðir til þess að koma sjóðunum í jafnvægi. Önnur er að leggja sjóðunum í eitt skipti fyrir öll það fé, sem til þess þarf. Hin er að ákveða iðgjöldin nokkru hærri en búizt er við, að þau

þurfi að vera fyrir nýja sjóðfélaga. Hin síðari leiðin hefur verið valin. Ber það einkum til, að örðugt er að segja um, hve mikið fé þyrfti að leggja í eitt skipti fyrir öll. En ætla má, að það verði miklum mun auðveldara að segja til um það eftir nokkur ár, hvort fært sé að lækka iðgjöldin og hve mikið.

Þar sem ríkið ber ábyrgð á fjárhag sjóðanna og þar með á þeirri fjárvöntun, sem mun vera í þeim nú, virðist eðlilegt, að byrðin við að koma þeim í jafnvægi sé lögð á hið opinbera. Þess vegna er gert ráð fyrir, að það greiði fyrst um sinn 50% hærra iðgjald en launþegarnir, enda þótt hugmyndin sé, að byrðin eigi að skiptast nokkuð jafnt á milli launveitanda og launþega, þegar fram í sækir.

Allar þær breytingar, sem frumvörpin gera ráð fyrir á fjárhagsgrundvelli sjóðanna, eru í samræmi við áðurnefnda þingsályktun um endurskoðun á lögunum um Lífeyrissjóð embættismanna og Lífeyrissjóð barnakennara.

Talsverð vandkvæði eru á því að gera nákvæma áætlun um þann kostnað, sem breytingin hefur í för með sér fyrir ríkissjóð.

Á árinu 1941 greiddu embættismenn iðgjöld í sjóð sinn af 1643 þús. kr. Þetta er þó ekki heildarupphæð þeirra grunnlauna, sem þeir hafa fengið úr ríkissjóði. Í fyrsta lagi greiðir enginn iðgjöld af meiru en 5 þús. kr. á ári. Í öðru lagi eru ýmsir menn, er taka laun eftir launalögunum, sem hafa fasta borgun frá ríkinu umfram launin, sökum þess, að launalögin hafa þótt úrelt að því er þá snertir. Fullnægjandi upplýsingar liggja ekki fyrir um það, hve mikill hluti grunnlaunanna hefur verið iðgjaldsfrjáls af þessum orsökum. Sé gert ráð fyrir, að það hafi verið ¼ hluti, svarar það til, að heildargrunnlaunin hefðu verið 2191 þús. kr.

Starfsmenn þeir, er um getur í 3. gr. staflið 2 í frumvarpinu um lífeyrissjóð starfsmanna ríkisins, mundu bætast við sem nýir sjóðfélagar, ef frumvarpið yrði að lögum. Þá má og gera ráð fyrir, að flest það fólk, er um getur í 4. gr. staflið í, muni bætast við sjóðinn.

Samkvæmt upplýsingum, fengnum í fjármálaráðuneytinu, hafa grunnlaun þessara aðila numið að minnsta kosti 2107 þús. kr. á árinu 1941. Þar sem sumar launaskýrslurnar voru nokkurra ára, má gera ráð fyrir, að talan sé eitthvað of lág. Áætlun hefur verið gerð um, að nægjanlegt mundi að hækka hana um 142 þús. kr.

Heildarupphæð sú, er iðgjöld yrðu greidd af í Lífeyrissjóð starfsmanna ríkisins, gætu því numið allt að 4440 þús. kr. miðað við grunnlaun á árinu 1941.

Grunnlaun þau, er barnakennarar greiddu iðgjöld af í lífeyrissjóð sinn á árinu 1941, námu 967 þús. kr. Þar af var greitt úr ríkissjóði kr. 409 þús. Heildarupphæð grunnlaunanna úr ríkissjóði hefur því numið allt að kr. 4849 þús. á árinu 1941. Síðan hafa grunnlaunin verið hækkuð um 25 til 30%. Sé gert ráð fyrir, að meðalhækkunin sé 27%, nemur hámark grunnlaunanna nú kr. 6158 þús. 6% af því er kr. 369,5 þús. Þessa tölu þarf svo að margfalda með hlutfallinu á milli heildarlauna opinberra starfsmanna og grunnlauna þeirra. Sé til dæmis gert ráð fyrir, að þetta hlutfall verði 2,5 á næsta ári, mætti gera ráð fyrir, að heildarútgjöld ríkissjóðs til iðgjaldagreiðslunnar gætu orðið allt að kr. 924 þús. á næsta ári.

Á móti þessum útgjöldum mundi koma talsverður sparnaður á öðrum gjaldaliðum ríkisins. Í fyrsta lagi ber ekkjum embættismanna, sem verið hafa í Lífeyrissjóði embættismanna, lífeyrir úr ríkissjóði. Nemur hann 10% af byrjunarlaunum þess embættis, er viðkomandi embættismaður gegndi síðast. Nýjar greiðslur af þessu tagi koma ekki fyrir, ef frumvörpin verða að lögum. Í öðru lagi ber að líta á það, að verði starfsfólki við ríkisstofnanir ekki tryggð eftirlaun úr sérstökum sjóði, munu eftirlaun verða greidd af fé stofnananna í ýmsum tilfellum. Ekki er unnt að segja neitt um, hve miklu þetta muni nema. Aðeins skal bent á, að þannig löguð eftirlaun hvíla eingöngu á stofnuninni. En frumvörpin gera ráð fyrir, að byrðinni verði skipt á milli stofnananna og starfsfólksins.

Um einstakar greinar frumvarpsins um lífeyrissjóð starfsmanna ríkisins skal þetta tekið fram:

Um 1. gr.

Ástæða þótti til að breyta heiti sjóðsins, er starfssvið hans er aukið svo mjög sem hér er gert ráð fyrir. Sjóðurinn verður fyrst og fremst lífeyrissjóður starfsmanna ríkisins, þar sem þeir verða svo að segja allir sjóðfélagar, og virðist því eiga vel við að kenna hann við þá, enda þótt svo geti farið, að fleiri verði sjóðfélagar, ef heimild 4. gr. 2—3 verður notuð.

Um 2. gr.

Það kemur fram í greininni, að þeir einir eru sjóðfélagar, er bæði greiða iðgjöld til hans og eiga rétt á lífeyri úr honum. Óþarfi þótti að taka það fram, að iðgjaldaskyldan fellur niður, er menn fara að taka ellilífeyri úr sjóðnum eða láta af störfum vegna örorku, og teljast þeir menn þá eigi lengur til sjóðfélaga. Hins vegar er sá, sem vegna takmarkaðrar örorku hefur misst nokkuð af launum sínum og nýtur örorkulífeyris úr sjóðnum, framvegis sjóðfélagi, enda greiðir hann þá iðgjöld af launum þeim, er hann heldur.

Um 3. gr.

Samkvæmt lögum nr. 51/1921 tekur lífeyrissjóður embættismanna og ekkna þeirra aðeins til þeirra embættismanna, er taka laun eftir hinum almennu launalögum, þ. e. lögum um laun embættismanna, nr. 71 28. nóv. 1919, og yngri lögum um breytingar á þeim. Er að sjálfsögðu ætlazt til, að þessir menn verði sjóðfélagar framvegis sem hingað til. En með frumvarpi þessu er að því stefnt að gera starfssvið sjóðsins miklu víðtækara en það er nú og láta hann einnig taka til þeirra mörgu starfsmanna, sem nú taka laun úr ríkissjóði utan launalaganna, þannig að aðalreglan verði sú, að allir starfsmenn ríkisins verði sjóðfélagar, án tillits til þess, hvort þeir taka laun sín eftir launalögunum eða ekki, og án tillits til þess, hvort þeir yrðu taldir embættismenn eða ekki, eftir því sem það orð annars er skilið, sbr. t. d. stj.skr. 15. Þó eru hér gerðar tvennar takmarkanir. Annars vegar eru þeir starfsmenn einir taldir sjóðfélagar, sem annaðhvort eru ráðnir til eins árs hið skemmsta eða með að minnsta kosti þriggja mánaða uppsagnarfresti, og vinna starf sitt í þjónustu ríkisins sem aðalstarf sitt. Í annan stað er í niðurlagsákvæði greinarinnar mælt svo fyrir, að lífeyrissjóðir, sem stofnaðir hafa verið með lögum fyrir sérstaka flokka starfsmanna, skuli framvegis vera sjálfstæðir sjóðir, og að sjóðfélagar þeirra verði því ekki sjóðfélagar lífeyrissjóðs starfsmanna ríkisins. Er þar um tvo sjóði að ræða, lífeyrissjóð barnakennara og ekkna þeirra, samkvæmt l. nr. 33 27. júní 1921 og l. nr. 28 20. júní 1923, og lífeyrissjóð ljósmæðra samkvæmt l. nr. 86 11. júní 1938 og l. nr. 114 30. maí 1940.

Um 4. gr.

Í grein þessari er veitt heimild til að taka inn í sjóðinn ýmsa flokka starfsmanna, sem eigi er skylt að vera sjóðfélagar samkvæmt 3. gr. Gr. þarfnast eigi skýringar, en þess skal aðeins getið, að undir 1. lið mundu t. d. falla starfsmenn Landsbankans og Búnaðarbankans, starfsmenn Tryggingarstofnunar ríkisins og Skipaútgerðar ríkisins, starfsmenn við einkasölur ríkisins o. s. frv. Undir 3. lið mundu t. d. starfsmenn við héraðsskólana falla.

Um 5. gr.

Sjálfsagt þykir að veita þeim mönnum, er bætast við í tölu sjóðfélaga, kost á að kaupa sér réttindi í sjóðnum fyrir þann tíma, er þeir hafa starfað áður en þeir gerðust sjóðfélagar. Nánari ákvæði um það, hversu dýrt kaupa þurfi þessi réttindi, þykir hentugra að hafa í reglugerð sjóðsins en að fastákveða þau í lögunum sjálfum.

Um 6. gr.

Samkv. 2. gr. l. 51/1921 kveður landsstjórnin með reglugerð á um stjórn sjóðsins og með 5. gr. reglug. 113 17. sept. 1921 var sjóðurinn lagður undir stjórn fjármálaráðherra, og svo er enn. Í gr. þessari er falið það nýmæli, að skipa skuli sérstaka stjórn fyrir sjóðinn með þeim hætti, sem nánar er lýst í greininni. Má ætla, að það sé hag-

kvæmara, bæði fyrir sjóðinn sjálfan og sjóðfélaga, að sérstök nefnd fari með mál hans, heldur en að þau liggi sem hvert annað afgreiðslumál undir eitt af ráðuneytunum. Eðlilegt er og, að sjóðfélagar sjálfir eigi fulltrúa í stjórn sjóðsins. Er hér ákveðið, að nánari fyrirmæli um val fulltrúa þeirra skuli sett í reglugerð sjóðsins, og bent til þess, að fela megi félagsskap þeirra að velja hann.

Um 7.—8. gr.

Greinar þessar þarfnast eigi skýringar.

Um 9. gr.

Rannsókn sú, sem hér er mælt fyrir um, á að tryggja það, að veilur, sem vera kunna á fjárhag sjóðsins, komi í ljós svo fljótt, að auðveldara reynist að bæta úr þeim, og á hinn bóginn það, að iðgjöldum til sjóðsins sé eigi haldið óþarflega háum.

Um 10.—17. gr.

Um greinar þessar nægir að vísa til inngangsins að greinargerð þessari. Þess skal þó getið, að þegar hámark örorkulífeyris í 13. gr. er miðað við meðallaun öryrkjans síðustu 10 starfsár hans, þá kemur sú regla því aðeins til greina að fullu, að starfstími hans sé 10 ár eða lengri. Sé starfstíminn hins vegar styttri en 10 ár, verður að miða við meðallaun þann tíma, er hann gegndi starfanum.

Út af 2. mgr. 14. gr. skal það tekið fram, að sú endurgreiðsla iðgjalda, sem þar ræðir um, á að vera nokkurs konar uppbót til hins eftirlifandi maka fyrir það, að hann fær eigi lífeyri úr sjóðnum. Það er því hinn eftirlifandi maki einn, sem endurgreiðslurétt þennan á, en ekki bú hins látna eða aðrir erfingjar hans.

Um 18. gr.

Greinin er í samræmi við l. 51/1921, 6. gr.

Um 20. gr.

Með þessu ákvæði á að tryggja það, að lífeyririnn komi þeim mönnum sjálfum að gagni, sem hann er ætlaður. Núgildandi ákvæði, sbr. l. nr. 19 4. nóv. 1887, 30. og 32. gr.

## Ed. 509. Frumvarp til laga

um lífeyrissjóð barnakennara og ekkna þeirra.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Lífeyrissjóður barnakennara og ekkna þeirra, er stofnaður var með lögum nr. 33 27. júní 1921, skal eftirleiðis starfa með því markmiði og skipulagi, sem segir í þessum lögum.

2. gr.

Sjóðfélagar eru þeir nefndir í lögum þessum, er skylt er að greiða iðgjöld í sjóðinn og rétt eiga á lífeyri úr honum.

3. gr.

Sjóðfélagar eru allir barnakennarar, sem laun taka eftir launalögum barnakennara.

4. gr.

Stjórn sjóðsins skal skipuð þremur mönnum. Skal einn þeirra tilnefndur af hæstarétti, og er hann formaður stjórnarinnar. Annar skal skipaður af fjármálaráð-

herra, en hinn þriðji kosinn af sjóðfélögum eða félagsskap þeirra, svo sem nánar verður ákveðið í reglugerð sjóðsins.

Skipunar- og kjörtími stjórnarmanna er þrjú ár.

5. gr.

Tryggingarstofnun ríkisins annast reikningshald og daglega afgreiðslu sjóðsins fyrir þóknun eftir samkomulagi hennar og stjórnar sjóðsins.

Reikningsár sjóðsins er almanaksárið. Reikningar sjóðsins skulu endurskoðaðir af hinni umboðslegu endurskoðun án sérstakrar þóknunar.

6. gr.

Stjórn sjóðsins skal sjá um ávöxtun fjár hans. Skal ávaxta sjóðinn í tryggum verðbréfum, svo sem ríkisskuldabréfum eða öðrum bréfum með ríkisábyrgð, vaxtabréfum veðdeildar Landsbankans eða Búnaðarbankans, jarðræktarbréfum, skuldabréfum tryggðum með fyrsta veðrétti í fasteignum allt að 60% af fasteignamati þeirra, eða með öðrum álíka tryggilegum hætti.

7. gr.

Stjórn sjóðsins skal hið fimmta hvert ár láta tryggingafræðing rannsaka fjárhag sjóðsins. Þyki honum rannsókn sín leiða í ljós, að fjárhagsgrundvöllur sjóðsins sé ótryggur, skal hann gera tillögur til stjórnar sjóðsins um aðgerðir til að efla sjóðinn. Sýni rannsóknin hins vegar, að fjárhagur sjóðsins sé svo góður, að iðgjöld mætti lækka, skal hann athuga vandlega, hversu mikil sú lækkun mætti vera og gera tillögur sínar um það til sjóðsstjórnarinnar. Sjóðsstjórnin má aldrei lækka iðgjöld meira en tryggingafræðingur hefur lagt til að gert yrði.

8. gr.

Sjóðfélagar greiði ár hvert 4% af heildarárslaunum sínum í iðgjöld til sjóðsins. Launagreiðanda ber að halda iðgjöldum eftir af launum sjóðfélaga og standa sjóðnum skil á þeim.

Sjóðfélagar bera eigi ábyrgð á skuldbindingum sjóðsins nema með iðgjöldum sínum.

Launagreiðendur greiði fyrst um sinn ár hvert 6% af heildarárslaunum þeim, er sjóðfélagi tekur hjá þeim, í iðgjöld til sjóðsins. Komi til iðgjaldalækkunar samkv. 9. gr., skal fyrst lækka iðgjöld launagreiðanda, þar til þau eru orðin jöfn iðgjöldum sjóðfélaga sjálfra.

9. gr.

Sjóðurinn greiðir sjóðfélögum ellilífeyri og örorkulífeyri og eftirlátnum maka þeirra og börnum lífeyri, samkv. ákvæðum þeim, sem hér fara á eftir.

10. gr.

Hver sjóðfélagi, er greitt hefur iðgjöld til sjóðsins í 10 ár eða lengur og annaðhvort er orðinn fullra 65 ára að aldri eða samanlagður aldur hans og þjónustutími er orðinn 95 ár, á rétt á árlegum ellilífeyri úr sjóðnum.

Upphæð ellilífeyrisins er hundraðshluti af meðallaunum hlutaðeigandi sjóðfélaga síðustu 10 starfsár hans, og er hundraðshluti þessi hækkandi eftir því, sem starfstíminn verður lengri, svo sem hér segir:

| Starfstími. | Ellilífeyrir. |
|---|---|
| 10 ár | 12,5 % |
| 11 — | 14,0 — |
| 12 — | 15,5 — |
| 13 — | 17,0 — |
| 14 — | 18,5 — |

| Starfstími. | Ellilífeyrir. |
|---|---|
| 15 ár | 20,0 % |
| 16 — | 22,0 — |
| 17 — | 24,0 — |
| 18 — | 26,0 — |
| 19 — | 28,0 — |
| 20 — | 30,5 — |
| 21 — | 33,0 — |
| 22 — | 35,5 — |
| 23 — | 38,0 — |
| 24 — | 41,0 — |
| 25 — | 44,0 — |
| 26 — | 47,0 — |
| 27 — | 50,0 — |
| 28 — | 53,0 — |
| 29 — | 56,5 — |
| 30 — eða lengur | 60,0 — |

11. gr.

Hver sjóðfélagi, sem ófær verður til að gegna starfi sínu, eða missir einhvern hluta af launum sínum sökum varanlegrar örorku, á rétt á örorkulífeyri, ef tryggingayfirlæknir í samráði við landlækni metur örorkuna meiri en 10%.

Ef rekja má aðalorsök örorkunnar til starfa í þágu stöðu þeirrar, sem öryrkinn gegndi, er hámark hins árlega örorkulífeyris hans jafnhátt ellilífeyri þeim, er hann hefði öðlazt rétt til, ef hann hefði gegnt stöðu sinni til 65 ára aldurs. Endranær miðast hámark örorkulífeyrisins við starfstíma og meðallaun 10 síðustu starfsár öryrkjans með sama hætti og segir í 12. gr.

Örorkulífeyrir hvers einstaks er sami hundraðshluti af hámarksörorkulífeyri hans samkvæmt 2. mgr. þessarar gr., sem örorka hans er metin. Enginn getur fengið örorkulífeyri, meðan hann heldur fullum launum þrátt fyrir örorkuna.

Skylt er öryrkja, sem sækir um örorkulífeyri úr sjóðnum eða nýtur hans, að láta stjórn sjóðsins í té allar þær upplýsingar um heilsufar sitt, sem nauðsynlegar eru til þess að dæma um rétt hans til örorkulífeyris.

Stjórn sjóðsins er heimilt að lækka eða fella niður örorkulífeyri þeirra öryrkja, sem fá starfsorku sína aftur að nokkru eða öllu leyti.

Sömuleiðis ber stjórn sjóðsins að hækka örorkulífeyrinn, ef örorkan vex til muna og án sjálfskaparvíta frá því, sem hún var metin við fyrri ákvarðanir, enda hafi öryrkinn á þeim tíma, sem örorkan óx, ekki verið í þjónustu annarra en þeirra aðila, sem tryggja starfsfólk sitt í sjóðnum.

12. gr.

Nú andast sjóðfélagi eða sá maður, er nýtur ellilífeyris eða örorkulífeyris úr sjóðnum, og lætur hann eftir sig maka á lífi, og á þá hinn eftirlifandi maki rétt til lífeyris úr sjóðnum, enda hafi hinn látni greitt iðgjöld til sjóðsins í 10 ár eða lengri tíma og hjónabandinu hafi eigi verið slitið að lögum áður en hann lézt.

Nú andast sjóðfélagi, er greitt hefur iðgjöld til sjóðsins skemmri tíma en 10 ár, og skal þá endurgreiða eftirlifandi maka hans vaxtalaus iðgjöld þau, er hann hefur greitt til sjóðsins.

Upphæð lífeyris hins eftirlifandi maka fer eftir starfstíma hins látna og meðalárslaunum hans síðustu 10 starfsár hans. Ef starfstíminn er 10 ár, er hinn árlegi lífeyrir 20% af meðalárslaunum, en hækkar síðan fyrir hvert starfsár um 1% af meðalárslaununum, unz hámarkinu, 40% af meðalárslaununum, er náð, eftir 30 ára starfstíma.

Hafi hinn eftirlifandi maki verið meira en 10 árum yngri en hinn látni, lækkar

lífeyrir hans um 1% af meðalárslaunum fyrir hvert ár, sem aldursmunurinn nemur umfram 10 ár.

Verði árlegur lífeyrir maka samkvæmt 3. og 4. málsgr. þessarar gr. lægri en 500 kr., skal hann hækkaður upp í þá upphæð.

Nú hefur sjóðfélagi gengið í hjónaband, eftir að hann var orðinn 60 ára, eða á þeim tíma, er hann naut ellilífeyris úr sjóðnum eða hann var lagztur banaleguna, og nýtur þá eftirlifandi maki hans eigi réttar til lífeyris úr sjóðnum.

Réttur til lífeyris samkvæmt þessari grein fellur niður, ef hinn eftirlifandi maki gengur í hjónaband að nýju, en kemur aftur í gildi, sé hinu síðara hjónabandi slitið.

13. gr.

Börn eða kjörbörn, sem sjóðfélagi lætur eftir sig, er hann andast, og yngri eru en 16 ára, skulu fá árlegan lífeyri úr sjóðnum, þar til þau eru fullra 16 ára að aldri, enda hafi hinn látni séð um framfærslu þeirra að nokkru eða öllu leyti. Sama gildir um börn eða kjörbörn, er sá maður lætur eftir sig, er naut elli- eða örorkulífeyris úr sjóðnum, er hann andaðist.

Ef barnið á foreldri eða kjörforeldri á lífi, er sér um framfærslu þess, er lífeyrir þess 50% hærri en meðalmeðlag það, er félagsmálaráðherra hefur ákveðið með barni á sama aldri í Reykjavík á þeim tíma, sem lífeyririnn á að greiðast. Að öðrum kosti er lífeyririnn tvöfalt meðalmeðlag þetta.

Sama rétt öðlast börn og kjörbörn sjóðfélaga, er hann verður öryrki, þó svo, að lífeyrir þeirra skal þá nema jafnmiklum hundraðshluta af lífeyrisupphæð þeirri, sem greinir í 2. málsgr. þessarar gr., sem örorka sjóðfélagans er metin.

14. gr.

Nú lætur sjóðfélagi í lifanda lífi og af öðrum ástæðum en elli eða örorku af stöðu þeirri, er veitti honum aðgang að sjóðnum, og á hann þá rétt á að fá endurgreidd vaxtalaus iðgjöld þau, er hann hefur greitt í sjóðinn. Hafi hann verið sjóðfélagi í 15 ár, er hann lætur af stöðunni, getur hann með samþykki sjóðsstjórnarinnar valið um, hvort hann fær iðgjöld sín endurgreidd eða hann lætur þau standa inni í sjóðnum. Velji hann síðari kostinn, fellur niður skylda hans til að greiða framvegis iðgjöld til sjóðsins og réttur hans til örorkulífeyris. Ellilífeyrir hans og lífeyrir eftirlátins maka miðast þá við starfstíma hans og meðallaun síðustu 10 starfsár hans, samkvæmt 10. og 12. gr. Lífeyrir barna hans skal þá ákveðinn þannig, að full upphæð samkvæmt 13. gr. skal margfölduð með hlutfallinu á milli þess ellilífeyris, sem hann hefur öðlazt rétt til, og þess ellilífeyris, sem hann hefði öðlazt rétt til, ef hann hefði gegnt starfinu til 65 ára aldurs.

Sé staða eða starfi sjóðfélaga lögð niður, á hann rétt á að vera áfram í sjóðnum og greiða iðgjöld, sem miðuð séu við laun þau, er hann hafði, er staða hans var lögð niður. Nýtur hann þá sömu réttinda úr sjóðnum sem hann hefði gegnt starfi sínu áfram.

15. gr.

Þeir, sem keypt hafa sér og ekkjum sínum lífeyri samkvæmt lögum nr. 33 27. júní 1921, öðlast réttindi samkvæmt lögum þessum, enda greiði þeir iðgjöld sín samkvæmt ákvæðum þeirra, frá þeim tíma, er þau öðlast gildi.

16. gr.

Ríkissjóður ábyrgist greiðslu lífeyris samkvæmt lögum þessum, og greiðist hann með ½2 árslífeyrisins fyrirfram á hverjum mánuði.

17. gr.

Nánari ákvæði um skipulag sjóðsins og starfsemi hans skal setja í reglugerð, er fjármálaráðherra staðfestir, en stjórn sjóðsins semur.

18. gr.

Óheimilt er að framselja eða veðsetja lífeyriskröfur samkvæmt lögum þessum, og ekki má leggja á þær löghald né gera í þeim fjárnám eða lögtak. Enginn skuldheimtumaður í dánarbúi eða þrotabúi hefur rétt til að skerða kröfurnar á nokkurn hátt.

19. gr.

Lög þessi öðlast gildi 1. júlí 1943.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta.

Um einstakar greinar frumvarps þessa vísast til athugasemdanna við tilsvarandi greinar í frumvarpinu um lífeyrissjóð starfsmanna ríkisins.

## Nd. 510. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Ingólfi Jónssyni og Helga Jónassyni.

Við d. I. (Nýjar brýr á þjóðvegum).
Á eftir 31. tölulið komi nýir liðir:

a. Affall hjá Bergþórshvoli í Vestur-Landeyjum.
b. Bleiksá í Vestur-Landeyjum.

## Sþ. 511. Lög

um breyting á lögum nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands.

(Afgreidd frá Sþ. 10. marz.)

Samhljóða þskj. 456.

## Sþ. 512. Breytingartillaga

við tillögu til þingsályktunar um sérstakar launabætur embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins.

Frá Gísla Guðmundssyni.

Aftan við tillögugr. bætist:
Frá heildargreiðslu til einstakra embættismanna og starfsmanna dregst launauppbót sú, sem þeim er sérstaklega ákveðin í fjárlögum ársins 1943.

## Nd. 513. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Jörundi Brynjólfssyni.

Við A. II. (Nýjar brýr á öðrum vegum en þjóðvegum.)
Á eftir 15. tölulið komi nýr liður:
Tungufljót hjá Króki í Biskupstungum.

Nd.

# 514. Frumvarp til laga

um Kennaraskóla Íslands.

Frá menntamálanefnd.

1. gr.

Kennaraskóli Íslands starfar í fjórum ársdeildum, eigi skemur en 7 mánuði á ári.

2. gr.

Tilgangur skólans er að búa nemendur undir kennarastarf í barnaskólum.

3. gr.

Skólinn er jafnt fyrir konur sem karla. Kennslan veitist ókeypis.

4. gr.

Í skólanum skal kenna þessar námsgreinar:

Íslenzku og íslenzkar bókmenntir, eitt Norðurlandamál, ensku eða þýzku, stærðfræði, eðlisfræði, efnafræði, náttúrufræði, heilsufræði, landafræði, sögu og félagsfræði, kristin fræði og siðfræði, uppeldisfræði, kennslufræði, kennsluæfingar, teikningu, söng, handavinnu, skrift, íþróttir.

Heimilt skal að halda námskeið við skólann í ýmsum framan nefndum greinum, enn fremur í garðyrkju og trjárækt, þegar kostur er.

Í kennslunni skal hafa sérstakt tillit til þess, að nemendur eigi sjálfir að kenna þessar námsgreinar og verða síðar leiðtogar barna og unglinga.

5. gr.

Þessi eru almenn inntökuskilyrði í skólann:

1. Að nemandi, sem tekinn er í fyrsta bekk, sé fullra seytján ára um næstu áramót og ári eldri fyrir hverja aðra ársdeild. Þó getur fræðslumálastjórn veitt undanþágu frá þessu ákvæði, ef sérstakar ástæður eru fyrir hendi.
2. Að nemandi hafi engan næman kvilla eða önnur lýti, er geri hann óhæfan til kennarastarfa.
3. Að nemandi sé óspilltur að siðferði.

6. gr.

Til þess að vera tekinn í fyrstu ársdeild, þarf nemandi að hafa staðizt próf, er sýni, að hann hafi lokið sem svarar tveggja vetra gagnfræðanámi. Nánari ákvæði um próf þetta setur ráðuneytið með reglugerð.

7. gr.

Í hverjum bekk skal halda próf í lok skólaárs, og er próf fjórða bekkjar kennaranpróf. Ljúka má námi í einstökum gagnfræðagreinum í öðrum eða þriðja bekk, enda skulu einkunnir í þeim greinum taldar á kennaraprófskírteini.

8. gr.

Um inntöku stúdenta og annarra utanskólamanna fer eftir ákvæðum í reglugerð, sem ráðuneytið setur.

9. gr.

Stofna skal, svo fljótt sem því verður við komið, æfingaskóla í sambandi við kennaraskólann með öllum ársdeildum venjulegra barnaskóla.

10. gr.

Við kennaraskólann og æfingaskólann skulu vera sex fastir kennarar auk skólastjóra og aukakennarar eftir þörfum, og séu þeir ráðnir í samráði við fræðslumálastjóra.

11. gr.

Fræðslumálastjórnin hefur á hendi yfirumsjón skólans og setur honum reglugerð. Kostnaður við rekstur skólans greiðist úr ríkissjóði.

12. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 63 22. nóv. 1907, um kennaraskóla í Reykjavík, enn fremur l. nr. 10 4. júní 1924, um breyting á þeim lögum.

Greinargerð.

Menntamálanefnd flytur frv. þetta samkvæmt ósk fræðslumálastjóra, og fylgdu því frá honum svo hljóðandi athugasemdir og skýringar:

„Frá því er kennaraskólinn var stofnaður, hafa tvær aðalbreytingar orðið á honum. Hin fyrri var gerð með lagabreytingu árið 1924. Var þá tekin upp enskukennsla og námstími lengdur um einn mánuð á vetri. Hin síðari fór fram með reglugerðarbreytingu árið 1933. Voru þá inntökuskilyrði þyngd að miklum mun og aukin kennsla í uppeldisfræði, kennsluæfingum fjölgað og miklum tíma varið til æfinga í smábarnakennslu.

Síðan þessi breyting komst á, hefur enn verið aukið við í ýmsum greinum, svo sem handavinnu, söngur gerður að prófskyldugrein, og kröfur eru fram komnar um aukið íþróttanám.

Af þessu leiðir, að nálega reynist ókleift að komast yfir allt, sem til er ætlazt, á þeim tíma, sem til námsins er ætlaður, enda þótt nemendur séu svo störfum hlaðnir, að slíkt er ekki við hóf.

Til þess að bæta úr þessu hefur skólastjóri ásamt kennurum skólans þegar fyrir þrem árum sent yfirstjórn skólans erindi þess efnis, að námstími skólans yrði lengdur um einn vetur. Erindi þetta var ítrekað í fyrravetur, en árangur hefur ekki orðið, enda telur ráðuneytið ekki rétt að gera slíka breytingu án lagabreytinga.

Á undanförnum árum hafa margar raddir heyrzt um það, að nauðsyn sé að auka kennaramenntun í landinu. Frumvarp hefur verið borið fram á Alþingi, tillögur á kennaraþinginu og ýmislegt um málið ritað og rætt.

Eftir tillögum þeim að dæma, sem fram hafa komið, virðist aðallega vera um tvær leiðir að velja til umbóta frá því, sem nú er. Önnur er sú, að námið í kennaraskólanum verði aukið og skólinn taki eðlilegum þroska samkvæmt kröfum tímans og þörfum. Hin er sú, að kennaramenntun verði breytt í annað horf, kennaraskólinn lagður niður og stúdentsmenntunar og háskólanáms krafizt af kennaraefnum.

Enda þótt sumir kunni að telja, að það sé framtíðarlausn þessara mála, að kennarar hljóti stúdents- og háskólamenntun, er hæpið, að slíkt sé tímabært enn sem komið er. Má í því sambandi benda á þá reynslu, sem fengin er. Stúdentar og kandídatar hafa átt kost á að ná kennararéttindum með eins vetrar námi í kennaraskólanum. Síðustu 20 árin hafa um 40 stúdentar lokið þar kennaraprófi, eða til jafnaðar 2 á ári. En af þessum fjörutíu mun ekki vera nema tæplega fjórði hver maður starfandi við barnakennslu. Virðist þetta benda til þess, að erfitt mundi reynast að fá svo marga stúdenta úr menntaskólunum, að fullnægja mundi kennaraþörfinni. Vafalaust yrði örðugt að fá kennara með stúdentsmenntun og háskólanámi í farkennarastöður úti um sveitir landsins.

Benda má einnig á, hvernig á mál þetta er litið á Norðurlöndum. Á árunum um og eftir 1930 fóru þar fram athuganir á endurbótum kennaramenntunarinnar, og ný lög og reglur voru settar um þau mál. Í Noregi, Svíþjóð, Finnlandi og Danmörku héldu menn fast við það, að kennaraefni hefðu sína sérstöku kennslustofnun, kennaraskólana. Á fjölmennum fundi kennaraskólastjóra, sem haldinn var á Hindsgavl sumarið 1936, var mál þetta til umræðu og greidd um það atkvæði,

hvort heppilegt þætti að leggja niður kennaraskólana og taka upp almennt stúdentsnám og háskólanám í staðinn. Allir greiddu atkvæði á móti þeirri breytingu.

Hætt er við, að stúdentsmenntun og háskólanám mundi útiloka allflest þess háttar fólk, sem sótt hefur og sækir nú kennaraskólann, fátækt en áhugasamt fólk víðsvegar að úr sveitum og sjávarþorpum landsins, einmitt fólkið, sem fáanlegt er til þess að dreifa sér aftur út um sveitir landsins að loknu námi.

Á það má líka benda, að allt nám í kennaraskóla þarf að fara fram með það fyrir augum að skila fólkinu ekki aðeins sem lærðustu í hverri grein, heldur og ekki síður sem leiknustu í því að kenna sjálft það, sem lært er. Svo að segja hver kennslustund í kennaraskóla á að vera leiðbeining til nemenda um það, hvernig þeir eigi sjálfir að kenna.

Sú leið, sem frv. fer fram á, að farin verði, að lengja kennaraskólann um einn vetur og þyngja inntökuskilyrðin eftir því, sem aðstæður leyfa, hefur verið rædd og samþykkt af kennurum skólans, fræðslumálastjóri hefur tjáð sig henni samþykkan og mjög í sömu átt gengur samþykkt sú, sem gerð var á síðasta fulltrúaþingi kennara (1942). Hún er svo hljóðandi:

„7. fulltrúaþing S. Í. B. felur stjórn S. Í. B. að beita sér fyrir því við fræðslumálastjórnina, að endurbætur verði gerðar á undirbúningsmenntun ísl. barnakennaraefna. Verði þær endurbætur, á þessu stigi málsins, aðallega fólgnar í þessu:

1. a. Að kennaranámið verði lengt um einn vetur, upp í fjóra vetur.
   b. Að inntökuskilyrðin verði þyngd þannig, að þau verði samsvarandi gagnfræðaprófi hinu minna (tveggja vetra gagnfræðanám).
2. Að komið verði upp kennarastóli og rannsóknarstofum í uppeldisvísindum við Háskóla Íslands, þar sem útskrifaðir kennarar geti stundað nám, og enn fremur annist deildin rannsóknir og leiðbeiningar í þágu barnafræðslunnar."

Sú hugmynd, að kennaraskólinn haldi áfram og taki eðlilegri þróun og nauðsynlegum umbótum, útilokar vitanlega ekki framhaldsnám í háskóla. Einmitt þá fyrst, eftir rækilegt nám í kennaraskóla, má telja, að kennaraefni séu undir það búin að stunda uppeldisfræðilegt háskólanám, sem nefna má því nafni með réttu. Kostur á slíku framhaldsnámi er hér vitanlega æskilegur og nauðsynlegur, enda þótt ekki sé farið út í það í frv. þessu, sem miðað er eingöngu við kennaraskólann.

Kostnaður sá, sem af breytingu þessari leiddi, er fyrst og fremst fólginn í aukinni launagreiðslu. Sú aukning mundi samsvara rúmlega einum kennaralaunum.

Um einstakar greinar frv. er óþarfi að fjölyrða.

1. gr. felur í sér aðalbreytinguna, að námstíminn verði fjórir vetur, í stað þriggja nú. Rétt þykir að hafa opna leið til þess, að lengja megi námstíma á vetri án lagabreytingar.

2. og 3. gr. þurfa engra skýringa við.

4. gr. er yfirlit um námsgreinar þær, sem kenna skal í skólanum. Er þar engum nýjum greinum við bætt það, sem nú er, en vitanlega mundi kennsla aukast í ýmsum greinum við lenginguna, fyrst og fremst í kennsluæfingum, uppeldisfræði, íþróttum og íslenzku. Nánari ákvæði um það yrðu sett í reglugerð.

5. gr. Almennu inntökuskilyrðin eru hin sömu og verið hafa að öðru leyti en því, að aldursmarkið er lækkað um eitt ár, og samsvarar það lengingu námstímans.

6. gr. Á meðan ekki er til samræmt gagnfræðapróf, sem gera mætti að inntökuskilyrði í framhaldsskóla yfirleitt, verður kennaraskólinn að hafa inntökupróf fyrir þá, sem skólann sækja. Er hér gert ráð fyrir, að tveggja vetra gagnfræðanám þurfi til að standast það. Eru það svipaðar kröfur og nú eru gerðar inn í skólann og miðaðar við það, að slíkt nám megi stunda í héraðs- og gagnfræðaskólum. Þyngja mætti inntökuskilyrði þessi með ákvæðum reglugerðar, og æskilegt væri þá um leið að geta haft undirbúningsnámskeið í skólanum. Reynsla undanfarinna ára hefur sýnt, að fólki veitist fullerfitt að fullnægja núverandi inntökuskilyrðum.

7. gr. breytir engu frá því, sem verið hefur, og þarf ekki skýringa við.

8. gr. Um inntöku stúdenta hefur verið reglugerðarákvæði og svo til ætlazt, að

eins verði enn. Sama er að segja um inntöku annarra utanskólamanna í aðra bekki en fyrsta bekk.

9. gr. Hér er gert ráð fyrir, að kennaraskólinn fái til afnota fullkominn æfingaskóla svo fljótt, sem auðið er, og ætti það að vera höfuðkrafa til umbóta frá því, sem nú er. Nú eru aðeins tvær deildir eldri barna, og er það vitanlega alls kostar ófullnægjandi, en húsnæði skortir til þess, að úr verði bætt. Hitt hefur bætt mikið um, að skólinn á aðgang að einum stærsta smábarnaskóla hér í bæ, og fara þar fram æfingar daglega í byrjunarkennslu. Æskilegt virðist vera, að samvinna gæti orðið milli kennaraskólans og bæjarins, þannig að kennaraskólinn tæki að sér kennslu ákveðins barnafjölda gegn framlagi frá bænum eftir sömu reglum og gilda um laun fastra kennara við barnaskóla bæjarins.

10. gr. Tala fastra kennara er hér miðuð við það, hve margir kennarar eru nú á föstum launum við skólann, en þeir eru fimm auk skólastjóra. Vitanlega verður kennaraþörfin breytileg eftir því, hvað æfingaskóli starfar í mörgum deildum.

11. og 12. gr. Þurfa engra skýringa við.

**Fylgiskjal.**

FRÆÐSLUMÁLASTJÓRINN

Reykjavík, 24. febr. 1943.

Á síðastliðnu sumri sendi ég kennslumálaráðuneytinu tillögur um breyting á reglugerð kennaraskólans, sem aðallega var í því fólgin, að undirbúningsdeild yrði bætt við skólann til þess að hægt yrði að haga þannig námi í hinum 3 ársdeildum skólans, að jafngilti fjögra ára námi eftir tveggja vetra gagnfræðanám eða jafngildi þess. Tillögur þessar voru gerðar af skólastjóra í samráði við fræðslumálaskrifstofuna.

Þar eð hér var raunverulega um 1 árs lengingu skólanámsins að ræða, þá taldi þáverandi kennslumálaráðherra réttara, að lögunum um kennaraskóla Íslands yrði breytt í samræmi við reglugerðabreytingu þá, sem farið var fram á. Núverandi kennslumálaráðherra leit einnig þannig á málið.

Nú hefur skólastjóri kennaraskólans samið frumvarp til laga um kennaraskóla Íslands. Ég hef athugað frumvarpið og mæli eindregið með því, að það fái samþykki sem lög frá Alþingi. Leyfi ég mér hér með að fara þess á leit við háttvirta menntamálanefnd neðri deildar, að hún taki frumvarp þetta til flutnings í deildinni og geri sitt til þess, að það verði afgreitt sem lög á yfirstandandi Alþingi, því að æskilegt væri, að kennaraskólanum yrði breytt í samræmi við það, sem ráð er fyrir gert í frumvarpinu, þegar á næsta hausti.

Jakob Kristinsson.

## Nd. 515. Frumvarp til laga

um veiting ríkisborgararéttar.

Frá allsherjarnefnd.

1. gr.

Ríkisborgararétt skal öðlast:

Frú Ágústa Pétursdóttir, til heimilis í Reykjavík, fædd í Reykjavík 9. febrúar 1915.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frumvarp þetta er flutt að tilhlutun dómsmálaráðuneytisins, og mælir það með því, að það verði samþykkt. Umsækjandi er fæddur á Íslandi af íslenzkum foreldrum og hefur alltaf dvalið hér á landi nema eitt ár, er hún bjó í Danmörku með manni sínum, Hans Henrik Pay Larsen.

## Nd. 516. Nefndarálit

um frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi.

Frá minni hluta landbúnaðarnefndar.

Eins og segir í áliti meiri hl n., dags. 6. þ. m., gat nefndin ekki orðið sammála um afgreiðslu þessa máls. Vill meiri hl. n. samþykkja frv. óbreytt, en við viljum láta fella það.

Það skal þó tekið fram, að nefndin var sammála um að reyna, hvort ekki væri unnt að ná samkomulagi við Nesbóndann, sem var staddur hér í bænum, um að unnið yrði að því, að ríkissjóður bætti honum, enn frekar en orðið er, þann fjárhagslega skaða, sem hann teldi sig hafa orðið fyrir við missi landsins árið 1935, eftir því sem um kynni að semjast við hann. Var nefndin á einu máli um, að þetta væri hin æskilegasta lausn málsins og eðlilegasta.

Var tveim nefndarmönnum falið að tala við bóndann um þetta, en samkomulag mun ekki hafa náðst, að okkur skilst vegna þess, að bóndinn í Nesi vildi ekki fara þessa leið, heldur eingöngu halda sig við þá leið, sem frv. gerir ráð fyrir.

Ástæðan til þess, að við viljum ekki samþykkja frv., er sú, að það hefur greinilega sýnt sig, meðal annars undanfarna vetur, að sandfokshættan er svo nálægt bæjardyrum Selvogsbúa allra, að miklum sandi verður nú á hverju vori að moka af túnum, ef gróðurinn á ekki að kafna þar að miklu leyti. Við teljum, að það muni auka verulega á þessa hættu að taka það svæði, sem hér er deilt um, úr sandgræðslugirðingunni og beita það. Reynslan hefur skorið úr um það, að ekkert dugir til að græða upp á ný blásin sandsvæði, nema fullkomin friðun landsins, sérstaklega fyrir allri beit. Það er því nokkurn veginn víst, að ef þetta um rædda landsvæði væri nú tekið til beitar, mundi sandfokshættan í Selvogi stóraukast. Þar við bætist svo, að sandgræðslustjóri telur, að færsla sandgræðslugirðingarinnar geri vörzlu þess svæðis, sem eftir verður, ófullkomnari og ótryggari. Loks leggjum við svo mikið upp úr umsögn sandgræðslustjórans um þetta mál, að við teljum óforsvaranlegt að samþykkja frv. gegn eindregnum mótmælum hans. Að öðru leyti leyfum við okkur að vísa til áður birtra gagna í máli þessu, bæði frá sandgræðslustjóra, hreppsnefnd og fleiri íbúum Selvogshrepps, ályktun Búnaðarsambands Suðurlands, búnaðarþings 1943 o. fl., sem óþarft þykir að taka hér upp á ný.

Alþingi, 11. marz 1943.

| | |
|---|---|
| Bjarni Ásgeirsson, form. | Emil Jónsson, frsm. |

# Nd. 517. Frumvarp til laga

um breyting á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

2. gr. vegalaganna orðist þannig:
Þjóðvegir eru þessir:

**A. Um Suðurland.**

1. *Suðurlandsvegur:* Frá Reykjavík um Ölfus, Flóa, Holt, Rangárvelli, Landeyjar, Eyjafjöll, Sólheimasand og Mýrdal til Víkur. Um Höfðabrekkuheiði, Mýrdalssand, Skaftártungu, yfir Eldhraun, um Síðu, Fljótshverfi, Skeiðarársand, Öræfi, Breiðamerkursand, Suðursveit, um Flatey á Mýrum til Melatanga, um Höfn í Hornafirði, Nes, Almannaskarð og um væntanlega brú á Jökulsá í Lóni innan við Stafafell, að Lónsheiði.
2. *Reykjanesbraut:* Frá Reykjavík um Hafnarfjörð og Keflavík til Sandgerðis.
3. *Grindavíkurvegur:* Af Reykjanesbraut á Vogastapa til Grindavíkur.
4. *Garðskagavegur:* Af Reykjanesbraut nálægt Útskálum að Garðskagavita.
5. *Álftanesvegur:* Af Hafnarfjarðarvegi til Bessastaða.
6. *Vífilsstaðavegur:* Af Hafnarfjarðarvegi til Vífilsstaða.
7. *Útvarpsstöðvarvegur:* Af Suðurlandsvegi skammt innan við Reykjavík að Útvarpsstöð á Vatnsendahæð.
8. *Krísuvíkur- og Selvogsvegur:* Af Reykjanesbraut sunnan við Hafnarfjörð um Krísuvík, Selvog og Ölfus að Suðurlandsvegi nálægt Hveragerði.
9. *Biskupstungnabraut:* Af Suðurlandsvegi undir Ingólfsfjalli um Grímsnes og Biskupstungur, hjá Vatnsleysu til Geysis.
10. *Sogsvegur:* Af Biskupstungnabraut skammt fyrir austan Sogsbrú, hjá Ljósafossi og austan við Þingvallavatn til Þingvalla.
11. *Þingvallabraut:* Af Vesturlandsvegi nálægt Köldukvísl til Þingvalla.
12. *Grafningsvegur:* Af Þingvallabraut nálægt Heiðarbæ, sunnan Þingvallavatns og hjá Úlfljótsvatni að Sogsvegi nálægt Ljósafossi.
13. *Laugardalsvegur:* Af Sogsvegi nálægt Þingvallavatni, um Laugardal hjá Laugarvatni að Biskupstungnabraut hjá Múla.
14. *Laugarvatnsvegur:* Af Biskupstungnabraut hjá Svínavatni að Laugardalsvegi hjá Laugarvatni.
15. *Skeiða- og Hreppavegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa upp Skeið og Hrunamannahrepp að Gullfossvegi vestan við Hvítárbrú á Brúarhlöðum.
16. *Gullfossvegur:* Af Biskupstungabraut hjá Tungufljóti til Gullfoss.
17. *Gnúpverjavegur:* Af Skeiðavegi sunnan Laxár, hjá Ásum og norðan Miðfells upp Þjórsárdal að Ásólfsstöðum.
18. *Skálholtsvegur:* Af Skeiðavegi nálægt Reykjum, yfir Hvítá hjá Iðu, um Skálholt að Biskupstungnabraut austan Brúarár.
19. *Villingaholtsvegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa um Villingaholt suður með Þjórsá um Parta og Fljótshóla, að Gaulverjabæjarvegi.
20. *Gaulverjarbæjar- og Stokkseyrarvegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa um Gaulverjabæ og Stokkseyri að Eyrarbakkavegi.
21. *Eyrarbakkavegur:* Frá Selfossi að Eyrarbakka.
22. *Landvegur:* Af Suðurlandsvegi í Holtum upp Land hjá Múla að Galtalæk.
23. *Hagabraut:* Af Landvegi fyrir ofan Lýtingsstaði um Haga, Stúfholt, Skammbeinsstaði að Landvegi neðan við Köldukinn.
24. *Þykkvabæjarvegur:* Af Suðurlandsvegi vestan Ægissíðu að Hábæ í Þykkvabæ.
25. *Landeyjavegur* syðri: Af Suðurlandsvegi hjá Hemlu, hjá Akurey, Bergþórshvoli, Lágafelli og Miðey að Suðurlandsvegi nálægt Ossabæ.

26. *Fljótshlíðarvegur:* Af Suðurlandsvegi á Hvolsvelli inn Fljótshlíð að Múlakoti.
27. *Dyrhólavegur:* Af Suðurlandsvegi hjá Litla-Hvammi í Mýrdal um Loftsali að Dyrhólaey.
28. *Álftaversvegur:* Af Suðurlandsvegi við Skálmárbrú á Mýrdalssandi að Þykkvabæjarklaustri í Álftaveri.
29. *Meðallands- og Landbrotsvegur:* Af Suðurlandsvegi í Skaftártungu um Ásabrú, Leiðvöll og Langholt í Meðallandi. Um væntanlega brú á Eldvatn hjá Fljótum og upp Landbrot austanvert á Suðurlandsveg við Skaftárbrú.
30. *Inn-Nesja- og Mýravegur:* Af Suðurlandsvegi hjá Hólum í Hornafirði vestur yfir Fljót innra, nálægt Hoffelli, út Mýrar að Suðurlandsvegi hjá Flatey. Yfir Hornafjarðarfljót ytra, undan Bjarnanesi.

## B. Um Vesturland.

1. *Vesturlandsvegur:* Af Suðurlandsvegi innan við Elliðaár um Mosfellssveit og Kjalarnes, kringum Hvalfjörð, um Leirársveit, Hafnarskóg og Andakíl. Yfir Hvítárbrú hjá Hvítárvöllum og á vegamót Borgarnesbrautar norðan við Gufá. Um Norðurárdal, Bjarnadal, Miðdali, Búðardal, Svínadal, kringum Gilsfjörð, yfir Geiradal, um Kollabúðarheiði, Þorskafjarðarheiði og Langadal til Arngerðareyrar.
2. *Dragháls- og Skorradalsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Ferstiklu á Hvalfjarðarströnd um Ferstikluháls, Svínadal, vestan Skorradalsvatns, um Hestháls yfir Andakíl að Vesturlandsvegi hjá Hvítárvöllum.
3. *Akranesvegur:* Frá Akranesi að Vesturlandsvegi hjá Lambhaga.
4. *Akrafjallsvegur:* Af Akranesvegi hjá Litlu-Fellsöxl, fyrir Akrafjall, hjá Klafastöðum og Innra-Hólmi á þjóðveginn ofan við Akraneskaupstað.
5. *Lundarreykjadalsvegur:* Af Skorradalsvegi á Götuási inn Lundarreykjadal á Uxahryggjaveg gegnt Gilstreymi.
6. *Bæjarsveitarvegur:* Af Vesturlandsvegi nálægt Hesti, um Bæjarsveit, um Reykjadalsárbrú hjá Kleppjárnsreykjum að Reykholtsdalsvegi.
7. *Borgarnesbraut:* Frá Borgarnesi að Vesturlandsvegi norðan Gufár.
8. *Borgarfjarðarbraut:* Af Vesturlandsvegi hjá Haugum um Stafholtstungur yfir Hvítárbrú á Kláffossi, um Reykholtsdal og Hálsasveit að Lambá.
9. *Kleifavegur:* Af Borgarfjarðarbraut hjá Kláffossbrú um Kleifar að Norðtungu.
10. *Hvítársíðuvegur:* Af Kleifavegi inn Hvítársíðu um væntanlega brú á Hvítá hjá Bjarnastöðum og á Hálsasveitarveg hjá Stóra Ási.
11. *Álftaneshreppsvegur:* Frá Stykkishólmsvegi vestan Langár um Álftaneshrepp sunnanverðan, sunnan Hólsvatns að Vogalæk.
12. *Hraunhreppsvegur:* Af Stykkishólmsvegi hjá Arnarstapa, um Hrafnkelsstaði og Laxárholt að Vogi.
13. *Stykkishólmsvegur:* Af Borgarnesbraut fyrir ofan Borgarnes um Mýrar, um Kerlingarskarð og Helgafellssveit til Stykkishólms.
14. *Ólafsvíkurvegur:* Af Stykkishólmsvegi austan við Straumfjarðará um Staðarsveit og Fróðárheiði til Ólafsvíkur.
15. *Útnesvegur:* Af Ólafsvíkurvegi, austan Fróðárheiðar, um Breiðuvík að Sandi.
16. *Hellusandsvegur:* Frá Ólafsvík um Ennisdal til Hellusands.
17. *Eyrarsveitar- og Fróðárhreppsvegur:* Af Stykkishólmsvegi í Helgafellssveit um Eyrarsveit til Grafarness. Utan í Búlandshöfða og um Fróðársveit á Ólafsvíkurveg.
18. *Skógarstrandarvegur:* Af Stykkishólmsvegi í Helgafellssveit um Skógarströnd, yfir Hörðudal og á Vesturlandsveg í Miðdölum.
19. *Laxárdalsvegur:* Af Vesturlandsvegi sunnan Laxár í Dölum, um Laxárdal og Laxárdalsheiði að Strandavegi utan Borðeyrar.

20. *Klofnings- og Skarðsstrandarvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Ásgarði um Staðarfell og Skarðsstöð á Vesturlandsveg í Saurbæ.
21. *Salthólmavíkurvegur:* Af Skarðsstrandarvegi hjá Tjaldanesi í Saurbæ til verzlunarstaðarins í Salthólmavík.
22. *Króksfjarðarnesvegur:* Af Vesturlandsvegi í Geiradal að verzlunarstaðnum í Króksfjarðarnesi.
23. *Reykhólasveitarvegur:* Af Vesturlandsvegi við Berufjarðarbotn, um Reykhóla að Stað.
24. *Gufudalsvegur:* Af Vesturlandsvegi í Þorskafirði að Gufudal.
25. *Steinadalsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Brekku í Gilsfirði, um Steinadalsheiði og á Strandaveg í Kollafirði.
26. *Strandavegur:* Af Norðurlandsvegi vestan Hrútafjarðarár um Borðeyri, út með Hrútafirði, um Stikuháls, meðfram Bitrufirði, um Bitruháls, Kollafjörð og til Hólmavíkur. Um Staðardal og að Vesturlandsvegi á Kollabúðarheiði.
27. *Reykjarfjarðarvegur:* Af Strandavegi í Staðardal, um Bjarnarfjörð, Bala, Kaldbak og Veiðileysu, um Kúvíkur í Reykjarfirði að Árnesi.
28. *Selstrandarvegur:* Af Reykjarfjarðarvegi norðan Selár út Selströnd að Drangsnesi.
29. *Ármúlavegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Langadalsárbrú innan við Arngerðareyri út Langadalsströnd að Ármúla.
30. *Laugabólsvegur:* Frá Arngerðareyri að Laugabóli.
31. *Aðalvíkurvegur:* Frá Heklu við Hesteyri um Hesteyrardal og Stakkadalsheiði til Látra í Aðalvík.
32. *Hnífsdals- og Bolungavíkurvegur:* Frá Ísafirði um Hnífsdal til Bolungavíkur.
33. *Ísafjarðarvegur:* Frá Ísafirði um Breiðadalsheiði, inn fyrir Önundarfjörð, um Gemlufallsheiði að Gemlufalli við Dýrafjörð.
34. *Súðavíkurvegur:* Af Ísafjarðarvegi nálægt Seljalandsá í Skutulsfirði um Arnardal til Súðavíkur.
35. *Suðureyrarvegur:* Af Ísafjarðarvegi á Breiðadalsheiði um Botnsheiði út með Súgandafirði til Suðureyrar.
36. *Flateyrarvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Breiðadal til Flateyrar.
37. *Hjarðardalsvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Mosvöllum í Önundarfirði til Hjarðardals.
38. *Núpsvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Gemlufalli að Núpi.
39. *Þingeyrarvegur:* Frá Þingeyri um Brekkudal og Rafnseyrarheiði að Rafnseyri.
40. *Haukadalsvegur:* Frá Þingeyri til Haukadals.
41. *Bíldudals- og Patreksfjarðarvegur:* Frá Bíldudal um Hálfdán, fyrir Tálknafjarðarbotn, um Mikladal til Geirseyrar við Patreksfjörð.
42. *Dalahreppsvegur:* Frá Bíldudal að Bakka í Dalahreppi.
43. *Tálknafjarðarvegur:* Af Bíldudalsvegi norðan Tálknafjarðar að Sveinseyri.
44. *Rauðasandsvegur:* Frá Hvalskeri við Patreksfjörð að Saurbæ á Rauðasandi.
45. *Barðastrandarvegur:* Frá Geirseyri um Kleifaheiði, hjá Haga að Brjánslæk.

### C. Um Norðurland.

1. *Norðurlandsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Dalsmynni í Norðurárdal, um Holtavörðuheiði og Hrútafjörð, yfir Hrútafjarðarháls, Miðfjörð, Víðidal og Vatnsdalsá hjá Hnausum til Blönduóss. Um Langadal, Stóra-Vatnsskarð, Vallhólm, Blönduhlíð, Norðurárdal, Öxnadalsheiði, Öxnadal, Þelamörk og Kræklingahlíð til Akureyrar. Um Vaðlaheiði, Ljósavatnsskarð, Fljótsheiði og Aðalreykjadal til Húsavíkur. Um Reykjaheiði og Kelduhverfi að Austurlandsvegi, austan við Jökulsárbrú í Axarfirði.
2. *Reykjaskólavegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Reykjum í Hrútafirði að Reykjaskóla

3. *Miðfjarðarvegur:* Af Norðurlandsvegi austast á Hrútafjarðarhálsi að Litlu-Tungu.
4. *Hvammstangabraut:* Frá Hvammstanga að Norðurlandsvegi hjá Stóra-Ósi.
5. *Vesturhópsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Vatnshorni um Vesturhóp út að Hindisvík.
6. *Vatnsdalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Sveinsstöðum í Vatnsdalshólum að Undirfelli.
7. *Svínvetningabraut:* Frá Blönduósi, hjá Svínavatni, um væntanlega brú á Blöndu hjá Löngumýri á Norðurlandsveg norðan Svartárbrúar.
8. *Skagastrandarvegur:* Frá Blönduósi um Skagaströnd til Kálfshamarsvíkur.
9. *Þverárfjalls- og Gönguskarðavegur:* Af Skagastrandarvegi utan við Laxá um Norðurárdal, Þverárfjall, Laxárdal ytri, Laxárdalsheiði og Gönguskörð til Sauðárkróks.
10. *Skagavegur:* Af Gönguskarðavegi hjá Skíðastöðum út Laxárdal að Skefilsstöðum.
11. *Sauðárkróksbraut:* Frá Sauðárkróki að Norðurlandsvegi hjá Varmahlíð og að Mælifelli.
12. *Hofsósvegur:* Frá Sauðárkróki um Hegranes, Viðvíkursveit og Óslandshlíð til Hofsóss.
13. *Hólavegur:* Af Hofsósvegi að Hólum í Hjaltadal.
14. *Siglufjarðarvegur:* Frá Hofsósi um Sléttuhlíð, Fljót og Siglufjarðarskarð til Siglufjarðar.
15. *Ólafsfjarðarvegur:* Af Siglufjarðarvegi norðan Fljótaár um Stíflu og Lágheiði til Ólafsfjarðar.
16. *Út-Blönduhlíðarvegur:* Af Hofsósvegi austan Héraðsvatna um Viðvíkursveit og Blönduhlíð á Norðurlandsveg austan við Héraðsvatnabrú á Grundarstokki.
17. *Hörgárdalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Bægisá á Þelamörk yfir Hörgárbrú nálægt Púfnavöllum.
18. *Dalvíkurvegur:* Af Norðurlandsvegi á Moldhaugahálsi um Arnarneshrepp og Árskógsströnd, hjá Árgerði til Dalvíkur.
19. *Árskógssandsvegur:* Af Dalvíkurvegi utan við Þorvaldsdalsá að Árskógssandi.
20. *Svarfaðardalsvegur:* Af Dalvíkurvegi hjá Árgerði að Urðum.
21. *Hjalteyrarvegur:* Af Dalvíkurvegi hjá Skriðulandi í Arnarneshreppi til Hjalteyrar.
22. *Eyjafjarðarbraut:* Af Norðurlandsvegi sunnan Akureyrar að Jórunnarstöðum, ásamt brautinni að Kristneshæli.
23. *Laugalandsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Kaupangi, hjá Laugalandsskóla, um Eyjafjarðarárbrú á Stíflu og á Eyjafjarðarbraut skammt utan við Saurbæ.
24. *Svalbarðsstrandarvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Veigastöðum innst á Vaðlaheiði, um Svalbarðsströnd og Höfðahverfi á Fnjóskadalsveg austan við brú á Fnjóská hjá Laufási.
25. *Fnjóskadalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Hálsi út Fnjóskadal austanverðan um Höfðahverfi til Grenivíkur.
26. *Kinnarvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Krossi í Ljósavatnsskarði um Köldukinn, yfir Skjálfandafljótsbrú, norður fyrir Garðsnúp á Norðurlandsveg hjá Garði í Aðaldal.
27. *Reykjahverfisvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Laxamýri í Aðaldal, um Hveravelli í Reykjahverfi og Hvammsheiði, hjá Grenjaðarstað, á Norðurlandsveg hjá Syðra-Fjalli í Aðaldal.
28. *Bárðardalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Fosshól, austan Skjálfandafljóts að Sandvík í Bárðardal.
29. *Mývatnssveitar- og Mývatnsöræfavegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Breiðumýri um Mývatnsheiði, Mývatnssveit, Námaskarð og Mývatnsöræfi, um væntanlega brú á Jökulsá og á Austurlandsveg hjá Grímsstöðum á Fjöllum.

30. *Laugaskólavegur:* Af Mývatnssveitarvegi sunnan við Breiðumýri að Laugaskóla.
31. *Tjörnesvegur:* Frá Húsavík kringum Tjörnes að Norðurlandsvegi hjá Lóni í Kelduhverfi.
32. *Kópaskers- og Raufarhafnarvegur:* Af Norðurlandsvegi austan við Jökulsárbrú í Axarfirði, um Kópaskerskauptún, yfir Melrakkasléttu, um Raufarhöfn á Axarfjarðarheiðarveg nálægt Svalbarði í Þistilfirði.
33. *Axarfjarðarheiðar- og Þistilfjarðarvegur:* Af Kópaskersvegi hjá Klifshaga, um Hrauntanga og Svalbarð í Þistilfirði til Þórshafnar.

## D. Um Austurland.

1. *Austurlandsvegur:* Af Norðurlandsvegi austan við Jökulsá í Axarfirði, um Hólsfjöll hjá Grímsstöðum, hjá Möðrudal, um Möðrudalsöræfi, Jökuldalsheiði, um Jökuldal hjá Skjöldólfsstöðum, um Jökulsárbrú hjá Fossvöllum, um Hróarstungu, um Lagarfljótsbrú hjá Egilsstöðum, um Velli og Skriðdal, um Breiðdalsheiði, um Breiðdal hjá Eydölum, um Strætishvarf, um Berufjarðarströnd til Djúpavogs. Um Geithellnahrepp yfir Lónsheiði að Suðurlandsvegi í Lóni.
2. *Langanesvegur:* Frá Þórshöfn um Langanes að Skálum.
3. *Stranda- og Jökulsárhlíðarvegur:* Frá Þórshöfn yfir Brekknaheiði, um Strandir, Sandvíkurheiði, Vopnafjörð, Hellisheiði og Jökulsárhlíð á Austurlandsveg vestan við Jökulsárbrú hjá Fossvöllum.
4. *Hafnarvegur:* Af Stranda- og Jökulsárhlíðarvegi við Bakkaá í Skeggjastaðahreppi að Hafnarkauptúni.
5. *Vopnafjarðarvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Möðrudal um Langadal, yfir Möðrudalsheiði, um Hofsárdal til Vopnafjarðar.
6. *Hróarstunguvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Rangá, um Kirkjubæ, yfir væntanlega brú á Lagarfljót hjá fossi og á Úthéraðsveg hjá Bóndastöðum.
7. *Upphéraðsvegur:* Af Austurlandsvegi vestan Lagarfljótsbrúar, um Fell og á Fljótsdalsveg vestan við Jökulsá í Fljótsdal skammt fyrir innan Valþjófsstað.
8. *Fjarðarheiðarvegur:* Af Fagradalsbraut hjá Egilsstöðum um Fjarðarheiði til Seyðisfjarðar.
9. *Úthéraðsvegur:* Af Fjarðarheiðarvegi austan við Eyvindarárbrú um Eiðaþinghá og Hjaltastaðaþinghá að Óshöfn. Um Gönguskörð og Njarðvíkurskriður til Borgarfjarðar.
10. *Fagradalsbraut:* Af Austurlandsvegi hjá Egilsstöðum um Fagradal að Búðareyri við Reyðarfjörð.
11. *Eskifjarðarvegur:* Frá Búðareyri við Reyðarfjörð til Eskifjarðarkauptúns.
12. *Norðfjarðarvegur:* Frá Eskifjarðarkauptúni um Oddsskarð til Neskaupstaðar.
13. *Viðfjarðarvegur:* Frá Eskifjarðarkauptúni um Vaðlavíkurheiði til Viðfjarðar.
14. *Skóga- og Fljótsdalsvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Úlfsstöðum á Völlum um Skóga, Hallormsstað, Víðivelli, yfir væntanlegar brýr á Kelduá og Jökulsá, á Upphéraðsveg skammt fyrir innan Valþjófsstað.
15. *Þórdalsheiðarvegur:* Af Austurlandsvegi í Skriðdal um Þórdalsheiði að Fagradalsbraut í Reyðarfirði.
16. *Mjóafjarðarvegur:* Af Fagradalsbraut sunnan við Köldukvísl um Eyvindardal, Slenjudal og Mjóafjarðarheiði að Firði í Mjóafirði.
17. *Fáskrúðsfjarðarvegur:* Af Fagradalsbraut í Reyðarfirði um Sléttuströnd og Staðarskarð að Búðum í Fáskrúðsfirði.
18. *Breiðdalsvíkurvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Eydölum í Breiðdal til Breiðdalsvíkur.
19. *Stöðvarfjarðarvegur:* Frá Búðum um Hafnarnes og Stöðvarfjörð á Breiðdalsvíkurveg hjá Þverhamri.

2. gr.

Lög nr. 72/1936 og lög nr. 109/1940 um breyting á vegalögum, nr. 101/1933, eru úr gildi felld.

## Nd. 518. Breytingartillaga

við frv. til. l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Ólafi Thórs.

Við 1. gr. B. Á eftir tölul. 1. kemur nýr tölul. svo hljóðandi (og breytist liðatalan á eftir samkv. því):

*Kjósarskarðsvegur:* Frá vegamótum Vesturlandsvegar hjá Skorá um Möðruvelli og Fellsenda á Þingvallaveg hjá Syðri-Stíflisdal.

## Ed. 519. Frumvarp til laga

um húsaleigu.

(Eftir 2. umr. í Ed.).

1. gr.

Leigusala er óheimilt að segja upp leigusamningum um húsnæði, nema honum sé, að dómi húsaleigunefndar, þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig eða skyldmenni í beinni línu, kjörbörn og fósturbörn, enda hafi hann og eignazt hús það, sem íbúðin er í, fyrir 9. sept. 1941. Þegar sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd þó leyft aðfluttum opinberum starfsmanni, sem eignazt hefur hús á starfssvæði sínu eftir 8. sept. 1941, að segja upp leigusamningum um húsnæði í húsinu, verði honum talin þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig.

Heimilt skal leigusala að skipta á íbúð sinni og íbúð leigutaka í húsi sínu, enda komi íbúð leigusala leigutaka að sömu eða svipuðum notum, að dómi húsaleigunefndar. Svo skal og leigusala, er sjálfur býr í húsi annars, undir sömu kringumstæðum heimilt að skipta á íbúð við leigutaka í húsi sínu, enda samþykki leigusali hans skiptin. Skipti á íbúðum geta því aðeins farið fram, að leigusali hafi tilkynnt leigutaka vilja sinn þar um með sama fyrirvara og um uppsögn væri að ræða.

Nú missir leigusali af sér óviðráðanlegum ástæðum húsnæði það, sem hann hefur notað til eigin atvinnurekstrar, og getur hann þá, ef honum verður að dómi húsaleigunefndar talin þess brýn þörf til afnota fyrir þann atvinnurekstur, sagt upp leigusamningi um húsnæði, er notað hefur verið í öðru skyni en til íbúðar í húsi, er hann hefur eignazt fyrir 9. sept. 1941.

Uppsagnir framleigusala á leigusamningum framleigutaka lúta einnig ákvæðum þessarar greinar, eftir því sem við á, þó þannig, að ekki skiptir máli, hvenær framleigusali öðlaðist rétt yfir hinu leigða.

Uppsagnir samkvæmt framansögðu má meta gildar að öllu leyti eða nokkru, verði það talið hentara, enda á þá húsaleigunefnd úrskurð þess, til hverra herbergja uppsögnin nær.

2. gr.

Þrátt fyrir ákvæði 1. gr. heldur leigusali (framleigusali) óskertum rétti sínum til að slíta leigumála vegna vanskila á húsaleigu eða annarra samningsrofa af hálfu leigutaka (framleigutaka), svo og ef leigutaki (framleigutaki) hagar sér þannig eða fremur eitthvað það, er að mati húsaleigunefndar gerir leigusala verulega óþægilegt að hafa hann í húsum sínum.

3. gr.

Leigusala (framleigusala) er óheimilt að leigja öðrum en heimilisföstum innanhéraðsmönnum íbúðarhúsnæði, og eru slíkir leigusamningar ógildir.

Opinberum starfsmönnum, alþingismönnum og nemendum í föstum skólum skal húsaleigunefnd veita undanþágu frá upphafsákvæði þessarar greinar um tiltekinn eða ótiltekinn tíma, ef það er nauðsynlegt til þess að aðili geti gegnt starfi sínu eða haft not skólavistar. Svo getur nefndin og veitt öðrum slíka undanþágu, ef alveg sérstaklega stendur á.

Utanhéraðsmönnum er óheimilt að flytja í hús, er þeir kunna að kaupa eftir gildistöku laga þessara í kaupstöðum eða kauptúnum landsins, nema fullnægt sé ákvæði 2. málsgr. þessarar greinar.

Húsaleigunefnd getur látið framkvæma útburð á þeim utanhéraðsmönnum, sem ólöglega hafa tekið húsnæði á leigu eða flutt í það samkvæmt framansögðu, og skal þessu húsnæði ráðstafað handa húsnæðislausum innanhéraðsmönnum.

4. gr.

Íbúðarherbergi má ekki taka til annarrar notkunar en íbúðar, og íbúðarhús má ekki rífa, nema heilbrigðisnefnd banni að nota þau til íbúðar. Húsaleigunefnd getur þó veitt sérstakt leyfi til þessa og sett það skilyrði, að húseigandi sjái um jafnmikla aukningu á húsnæði til íbúðar annars staðar í hlutaðeigandi kaupstað, kauptúni eða sveit.

Ef íbúðarhúsnæði er heimildarlaust tekið til annarrar notkunar en íbúðar, er húsaleigunefnd rétt að skylda húseiganda, að viðlögðum allt að 200 kr. dagsektum í ríkissjóð, að taka upp fyrri notkun húsnæðisins. Hefur húsaleigunefnd síðan heimild til að ráðstafa húsnæðinu samkvæmt reglum þeim, er segir í 5. gr., enda sé húseiganda áður veittur þriggja daga frestur til þess að leigja húsnæðið innanhéraðsfólki til íbúðar.

5. gr.

Húsaleigunefnd er heimilt að taka til umráða auðar íbúðir og ráðstafa þeim til handa húsnæðislausu innanhéraðsfólki, enda komi fullt endurgjald fyrir. Á sama hátt er húsaleigunefnd heimilað að taka til sinna umráða annað ónotað húsnæði og útbúa það til íbúðar.

Taki húsaleigunefnd húsnæði leigunámi skv. ákvæðum þessarar gr., ákveður hún leiguupphæð, leigutíma og annað það, sem þörf þykir að taka ákvörðun um og málsaðilar koma sér ekki saman um. Úrskurðum nefndarinnar um töku húsnæðis samkv. þessari grein má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, og eru úrskurðir hennar fullnaðarúrskurðir.

Hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóður ábyrgist greiðslu fyrir húsnæði, sem tekið er samkvæmt þessari lagaheimild, svo og greiðslu skaðabóta fyrir spjöll á hinu leigunumda, er leigutaki eða fólk á hans vegum telst eiga sök á.

6. gr.

Óheimilt er að hækka húsaleigu eftir húsnæði frá því, sem goldið og umsamið var hinn 14. maí 1940, nema samkvæmt eftirfarandi ákvæðum:

Félagsmálaráðherra ákveður, að fengnum tillögum kauplagsnefndar, hlutfallið milli húsaleigu og viðhaldskostnaðar, miðað við 4. apríl 1939. Kauplagsnefnd skal, með aðstoð hagstofunnar, reikna út hækkun viðhaldskostnaðar fjórum sinnum á ári, 1. marz, 1. júní, 1. sept. og 1. des., miðað við mánuðina jan.—marz 1939. Síðan reiknar nefndin út húsaleiguvísitölu samkvæmt framansögðu. Er heimilt að hækka húsaleigu í samræmi við vísitölu þessa frá fyrsta næsta mánaðar eftir að húsaleiguvísitalan hefur verið reiknuð út hverju sinni, enda sé leigumálinn staðfestur af húsaleigunefnd.

Enn fremur er heimilt að hækka eftir mati húsaleigunefndar leigu eftir húsnæði sökum verðhækkunar á eldsneyti eða lýsingu, sem innifalið er í leigunni,

vaxtahækkunar af fasteignum og annars þess háttar, svo og húsnæði, sem leigt hefur verið lægra en sambærilegt húsnæði á þeim stað (kaupstað, kauptúni eða sveit). Verði hækkun metin á leigu, kemur hún til framkvæmda fyrsta næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

7. gr.

Nú vanrækir leigusali (framleigusali) viðhaldsskyldu sína, eða húsnæði telst af öðrum ástæðum leigt óhæfilega hátt vegna ásigkomulags þess, þá getur leigutaki (framleigutaki) beiðzt mats húsaleigunefndar á húsaleigunni. Eigi er nefndinni þó skylt að taka slíka beiðni til greina, nema leigutaki (framleigutaki) leiði líkur að því, að málaleitunin hafi við rök að styðjast. Meti nefndin leiguna lægri en umsamið hefur verið, skal færa hana niður í samræmi við matið, og gildir lækkunin frá 1. næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

Á sama hátt og húsaleiga hefur verið hækkuð samkv. 6. gr. skal leigusali færa leiguna niður, ef breytingar þær, sem áður urðu til hækkunar á leigunni, leiða síðar til lækkunar.

8. gr.

Í Reykjavík skal skipa húsaleigunefnd. Eiga sæti í henni fimm menn, tveir kosnir af bæjarstjórn Reykjavíkur, tveir skipaðir af ríkisstjórninni, en hæstiréttur skipar þann fimmta, og er hann formaður nefndarinnar. Fimm varamenn skulu skipaðir á sama hátt. — Formaður og varaformaður nefndarinnar skulu vera lögfræðingar.

Úrskurð um gildi uppsagnar og önnur þau atriði, er greinir í lögum þessum, að undanteknu mati á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, skulu formaður og tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, kveða upp. Skulu þeir allir vera á fundi, er úrskurður er upp kveðinn, og taka þátt í atkvæðagreiðslu, og getur þá varamaður komið í stað aðalmanns. Afl atkvæða ræður úrslitum máls.

Tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, skulu framkvæma mat það á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, er í lögum þessum greinir, undir eftirliti formanns, og getur þar einnig komið varamaður í stað aðalmanns.

Skylt er málsaðilum að koma á fund nefndarinnar, ef hún krefst þess, og gefa upplýsingar um málsatriði.

Skylt skal nefndinni, að viðlögðum dagsektum, að hafa lokið við afgreiðslu eða kveðið upp úrskurð um ágreiningsatriði, sem til nefndarinnar er skotið, innan 14 daga frá því að málið var afhent nefndinni til afgreiðslu eða það lagt undir úrskurð hennar.

Kostnaður við störf nefndarinnar greiðist úr ríkissjóði.

9. gr.

Í bæjarfélögum og þorpum utan Reykjavíkur skulu húsaleigunefndir skipaðar 3 mönnum. Af þeim kýs viðkomandi bæjarstjórn eða hreppsnefnd 2 menn, en félagsmálaráðherra skipar þann þriðja, og er hann formaður nefndarinnar. Varamenn skulu skipaðir á sama hátt.

Í sveitum annast úttektarmenn ásamt hreppsnefndaroddvita þau störf, sem með lögum þessum eru falin húsaleigunefndum.

10. gr.

Húsaleigunefnd ber að fella úrskurð um ágreining út af uppsögn á leigusamningi um húsnæði samkvæmt 1. gr. laga þessara. Skjóta má þeim úrskurði nefndarinnar til dómstólanna, en hlíta skal honum, unz dómur fellur.

11. gr.

Skylt er að leggja fyrir húsaleigunefnd til samþykktar alla leigumála, sem gerðir hafa verið eftir 14. maí 1940. Skal nefndin gæta þess, að leigan sé ekki ákveðin hærri en hún áður var (sbr. 6. gr.), og hefur hún vald til að úrskurða um upphæð leigunnar, ef þörf gerist. Þá er og skylt að láta nefndina meta leigu eftir ný hús og húsnæði, sem ekki hefur verið leigt áður, og er leigusala (framleigusala)

óheimilt að áskilja sér eða taka hærri leigu en nefndin metur. Nefndinni ber einnig að framkvæma mat á leigu samkvæmt 5., 6. og 7. gr. laga þessara.

Úrskurðum húsaleigunefndar um mat á húsaleigu má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, er í eiga sæti fimm menn, og skulu þrír þeirra skipaðir af ríkisstjórninni, en tveir af hæstarétti, og sé að minnsta kosti annar þeirra lögfræðingur og formaður nefndarinnar. Sé matsgerðum utan Reykjavíkur skotið til yfirhúsaleigunefndar, getur nefndin við mat sitt lagt til grundvallar skýrslur trúnaðarmanna á staðnum um ásigkomulag hins leigða. Ríkisstjórnin setur að öðru leyti yfirhúsaleigunefnd nánari starfsreglur, og greiðist kostnaður af störfum hennar úr ríkissjóði.

12. gr.

Við mat á húsaleigu skulu húsaleigunefnd og yfirhúsaleigunefnd kynna sér, svo sem föng eru á, allt það, er áhrif getur haft á leiguna, svo sem verð húsnæðisins, viðhald þess, ásigkomulag og legu, og taka jafnframt tillit til húsaleigu almennt í sambærilegu húsnæði á þeim stað.

13. gr.

Ef samið hefur verið um hærri leigu en heimilt er að taka samkvæmt lögum þessum, skal sá samningur ógildur að því er fjárhæðina snertir, og er afturkræft það, sem leigutaki kann að hafa ofgreitt samkvæmt slíkum samningi.

14. gr.

Fari leigutaki (framleigutaki) úr húsnæði að undangengnum úrskurði, sem byggzt hefur á því, að leigusali (framleigusali) og vandamenn hans þurfi á húsnæðinu að halda (sbr. 1. gr.), og síðan kemur í ljós, að þeir taka ekki húsnæðið til afnota, þá á fyrri leigutaki (framleigutaki) rétt til að fá húsnæðið aftur á leigu með sömu kjörum, ef hann kýs.

15. gr.

Öll ákvæði þessara laga um íbúðarhúsnæði gilda og um leigu á húsum, bryggjum og pöllum til línuveiðabáta, sem róa úr landi.

Hafi leiga eftir slík hús, bryggjur og palla verið greidd með aflahlut, getur aðili krafizt, að leigan verði metin til peningaverðs, og má leiga þessi ekki hækka meira en sem svarar hækkun almennrar húsaleigu.

16. gr.

Þegar eftir gildistöku þessara laga skal húsaleigunefnd — af sjálfsdáðum — meta leigu eftir öll herbergi í gistihúsum í umdæmi sínu. Um framkvæmd þessa mats og birtingu herbergjaverðs skal ákveðið með reglugerð, er félagsmálaráðherra setur.

17. gr.

Sá, sem áskilur sér hærri leigu en heimilt er samkvæmt lögum þessum, tekur við hærri leigu eða brýtur ákvæði þeirra á annan hátt, skal sæta sektum frá 10—10000 krónum.

Sektirnar renna í ríkissjóð. Með mál út af brotum á lögum þessum skal farið sem almenn lögreglumál.

18. gr.

Meðan lög þessi eru í gildi skal stimpilgjald af húsaleigusamningum ekki reiknast samkvæmt 39. gr. laga nr. 75 1921, heldur vera fast gjald, 2 kr. fyrir hvern samning. Í Reykjavík annast húsaleigunefnd stimplun slíkra samninga.

19. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað, og falla þá jafnframt úr gildi eftirtalin lög um húsaleigu, með viðaukum og breytingum: lög nr. 106 1941, lög nr. 126 1941, lög nr. 35 1942, svo og önnur ákvæði, er brjóta í bág við lög þessi.

## Ed. 520. Frumvarp til laga

um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

Ríkisstjórninni er, á meðan núverandi styrjöld stendur, heimilt að banna töku ljósmynda á tilteknum svæðum á landi eða í landhelgi og af tilteknum hlutum, mannvirkjum eða stöðum. Bann þetta getur bæði verið algert og vissum skilyrðum bundið.

2. gr.

Nú hefur ríkisstjórnin bannað töku ljósmynda á tilteknum svæðum, og er henni þá heimilt að mæla svo fyrir, að allir þeir, sem um þau ætla að fara með ljósmyndavélar, skuli afhenda þær þeim aðilum, sem til þess kunna að verða settir og sjá skulu um, að þær komist á leiðarenda, eða innsigla þær tryggilega, og mega aðilar þá halda vélunum í vörzlu sinni.

3. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt að kveða nánar á með reglugerð um efni það, er í 1. og 2. gr. segir.

4. gr.

Ef maður raskar innsigli á ljósmyndavél, sbr. 2. gr., þá varðar það við 113. gr. almennra hegningarlaga, nr. 19 12. febr. 1940.

Brot á öðrum ákvæðum laga þessara varða sektum eða varðhaldi, ef miklar sakir eru.

Ljósmyndavélar, sem notaðar eru eða farið er með andstætt fyrirmælum laga þessara, má gera upptækar með dómi.

5. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum sæta meðferð opinberra mála.

## Nd. 521. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Garðari Þorsteinssyni.

Við 1. gr. A. II. 15.

Á eftir liðnum komi 2 nýir tölul.:

a. Eyjafjarðará hjá Hólum.
b. Öxnadalsá hjá Þverá.

## Nd. 522. Breytingartillögur

við frv. til laga um breyting á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Garðari Þorsteinssyni.

Við 1. gr. C. (Um Norðurland):

a. Við 17. tölul. (Hörgárdalsvegur) bætist: og frá Hörgárbrú á Helguhyl um Hörgárdal, vestan Hörgár, að vegamótum hjá Möðruvöllum.

b. Á eftir 20. tölul. (Svarfaðardalsvegur) komi nýr tölul.:
Hrísavegur: Af Dalvíkurvegi hjá Hrísum um brýr á Skíðadalsá og Svarfaðardalsá að Svarfaðardalsvegi hjá Hreiðarsstöðum.

## Sþ. 523. Tillaga til þingsályktunar

um skipun nefndar til rannsóknar á Þormóðsslysinu 18. febr. 1943.

Flm.: Einar Olgeirsson, Þóroddur Guðmundsson, Lúðvík Jósefsson.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að skipa þriggja manna rannsóknarnefnd, sem athugi, eftir því sem frekast er kostur á, orsakir til þess, er v/s Þormóður frá Bíldudal fórst þann 18. febr. s. l.

Nefndina skal skipa eftir tilnefningu frá Farmanna- og fiskimannasambandi Íslands, Fiskifélagi Íslands og Sjómannafélagi Reykjavíkur, einn frá hverju.

Nefndin hefur fullt vald til þess að krefja alla þá, er nauðsynlegt reynist, um allt það, sem upplýstst getur um tildrög slyssins, svo sem um allan útbúnað og frágang skipsins.

Að lokinni rannsókninni leggi nefndin niðurstöður sínar fyrir ríkisstjórnina.

### Greinargerð.

Mikið er jafnan rætt og ritað um öryggismál íslenzkra sjómanna og þó meir nú en nokkru sinni áður, eins og eðlilegt er, þar sem margvíslegar stríðshættur ógna nú öllum þeim, er um sjóinn sigla, auk hinna venjulegu hætta af sjó og vindi. En við umræðurnar einar má ekki láta sitja í þessum málum. Það er skylda allra þeirra, sem þar geta einhverju um ráðið, að fyrirbyggja slysin. Eitt aðalráðið til þess að koma í veg fyrir slys er að athuga til hins ýtrasta orsakir þeirra og gera síðan ráðstafanir til þess að hindra það, sem slysunum veldur. Það er alsiða hjá erlendum þjóðum að skipa sérstakar opinberar rannsóknarnefndir í tilefni af meiri háttar slysum, ef vera mætti, að hægt væri að komast fyrir orsakir þeirra og búa þá betur um næst.

Á síðasta fiskiþingi voru samþykktar allmargar tillögur um öryggismál sjófarenda, og var ein þeirra sú, sem hér fer á eftir:

„Að vegna sjóslysa, er iðulega koma fyrir, en orsakir eru ókunnar að, sé skorað á ríkisstjórnina að láta fram fara mjög ýtarlega rannsókn, ef ske kynni, að eitthvað upplýstist, er leiddi líkur að, af hvaða orsökum slysið hefði viljað til. Mætti þar meðal annars nefna, að rannsökuð yrðu skeyti, er farið hafa á milli útgerðarmanns og skipstjóra eða umboðsmanns skipsins um hleðslu í erlendri höfn, um hvaða miðum er fiskað á, hvaða siglingaleið er ráðin til að fara um, og yfirleitt allt, er að ferðum skipsins lýtur. Væri þetta gert ekki síst til þess að kveða niður ýmsar sögusagnir og getgátur, er ávallt ganga manna á milli um, af hvaða orsökum slysin hafa viljað til. Ef það kemur í ljós við rannsókn, að slysið orsakaðist af mistökum eða vanrækslu, þá sé frá því skýrt opinberlega, svo það geti orðið öðrum til varnaðar."

Þáltill. þessi er fram borin í tilefni af hinu sorglega Þormóðsslysi. Flutningsm. álíta þá stefnu rétta, er fram kom á fiskiþinginu, að slík slys sem þessi beri að rannsaka ýtarlega. Við slíka rannsókn getur margt upplýstst, sem vísað getur á veilurnar í öryggisútbúnaði skipa, sem í ljós þurfa að koma, svo að hægt sé úr að bæta.

Það slys, sem hér er sérstaklega farið fram á, að rannsakað sé, er langmesta og hryllilegasta slysið, er skeð hefur að undanförnu, og þegar hafa fram komið í blöðum upplýsingar varðandi málið á þá leið, að sérstök ástæða virðist fyrir hendi um rannsókn einmitt í þessu máli.

## Ed. 524. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 87 9. júlí 1941, um viðauka við lög nr. 84 6. júlí 1932, um bifreiðaskatt o. fl.

Frá fjárhagsnefnd.

Frv. þetta er komið frá Nd.; hefur nefndin athugað það og leggur til, að það verði samþ. óbreytt.

Alþingi, 12. marz 1943.

Pétur Magnússon, form. Haraldur Guðmundsson, fundaskr. Bernh. Stefánsson, frsm.
Lárus Jóhannesson. Steingr. Aðalsteinsson.

## Ed. 525. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 9. júlí 1941, um heimild fyrir ríkisstjórnina til ráðstafana og tekjuöflunar vegna dýrtíðar og erfiðleika atvinnuveganna.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og er sammála um að mæla með því, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 12. marz 1943.

Pétur Magnússon, form. Haraldur Guðmundsson, fundaskr., frsm. Bernh. Stefánsson.
Steingr. Aðalsteinsson. Lárus Jóhannesson.

## Ed. 526. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Frá minni hl. menntamálanefndar.

Menntamálanefnd hefur raunar klofnað í þrennt í þessu máli. Einn vill samþykkja frv. óbreytt, annar breyta því og hinn þriðji vísa málinu til ríkisstjórnarinnar til frekari athugunar.

Frv. þetta er að ýmsu leyti mjög athugavert. Að vísu er þörf á að endurskoða gildandi lög um þetta efni, þar sem þau eru nálega 40 ára gömul og ýmiss konar nýbreytni komið til greina á þeim tíma, svo sem kvikmyndagerð, útvarp og hljómplötugerð. En hér er hins vegar um mjög vandasamt mál að ræða, og mátti fyrir fram telja sennilegt, að þetta mál þyrfti þann undirbúning, sem ríkisstjórnin ein getur látið í té.

Í frv. þessu koma fram byltingarkenndar hugmyndir og áður lítt kunnar hér á landi varðandi eignarréttinn. Fram að þessu hefur verið gert ráð fyrir, að maður, sem kaupir hlut eða fær hann gefinn, yrði um leið óvéfengdur eigandi hans. Nú á að breyta þessu. Listamaður eða listiðnaðarmaður getur selt eða gefið verk sín. En hinir nýju eigendur eru þó ekki eigendur nema að takmörkuðu leyti. Frumhöf. á smíð

sína að verulegu leyti þrátt fyrir sölu eða gjafaafhendingu. Eftir að frv. þetta er orðið að lögum, er óleyfilegt fyrir mann, sem hefur keypt málverk eftir íslenzkan málara eða skartgrip, eins og vel útskorinn göngustaf með handfangi úr fílabeini eða öðru vönduðu efni, að lána þessa hluti á opinbera sýningu eða taka af þeim ljósmyndir, nema með leyfi þess, sem málað hefur myndina eða smíðað göngustafinn. Í framkvæmdinni yrði mjög hjákátlegt og ruglingslegt að koma við þessum tvöföldu eignaryfirráðum á svokölluðum listaverkum. Auk þess yrði sennilega að víkka þennan nýja eignarrétt, svo að hann næði líka til fata, húsgagna o. s. frv. Vel saumuð föt, tilkomumiklir kvenhattar og smekklega gerðir stólar, skápar og legubekkir geta í mörgum tilfellum verið meiri listaverk heldur en ýmiss konar framleiðsla, sem kennd er við listir. Það má þess vegna búast við því, ef Alþingi skapar tvöfaldan eignarrétt á takmörkuðu sviði, þá verði von bráðar að færa þá stefnu út, svo að hún nái til flestra nytjahluta, sem ganga kaupum og sölum.

Frv. gerir enn fremur ráð fyrir að stórauka rétt ljóðskálda og tónskálda í sambandi við iðkun söngs og hljóðfæraslátta. Hér á að lögfesta það, að í hvert skipti, sem sungin er vísa eða leikið lag eftir íslenzka menn, og sé ekki liðin hálf öld frá dauða þeirra, þá geti skáldið eða erfingjar þess gert fjárkröfu á hendur þeim, er stendur að söngskemmtuninni. Hér á landi eru, að því er kunnugir menn herma, hátt á annað þúsund manns, konur og karlar, í ýmiss konar söngkórum. Allt þetta fólk leggur á sig vinnu við æfingar og söngsamkomur án endurgjalds og verður oftsinnis að leggja fram fé úr eigin vasa vegna þessara listrænu iðkana. Eftir að frv. þetta var fram borið, hafa leiðtogar söngmenntarinnar hér í bænum athugað málið og komizt að þeirri niðurstöðu, að með skatta eins og hér er um að ræða gæti svo farið, að hinum mörgu kórum og hinum fáu einsöngvurum yrði beinlínis fyrirmunað að iðka söngmennt á þann hátt, að hún yrði þjóðinni til gagns og gleði. Munu mótmæli í þessa átt verða lögð fyrir Alþingi við meðferð málsins í efri deild.

Að öllu þessu athuguðu legg ég til, að málinu verði vísað til ríkisstjórnarinnar með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Þar sem frv. er byggt á nýjum og áður ókunnum skýringum á eðli eignarréttarins og fer þar í bág við eldri skoðun í þessu efni, og þar sem telja má fullvíst, að samþykkt þess mundi hafa stórkostlega lamandi áhrif á söngmennt í landinu, en hins vegar eru þau skáld, sem hér um ræðir, yfirleitt á launum af almannafé fyrir þjónustu sína fyrir mannfélagið, þykir rétt að fela ríkisstjórninni að athuga þetta mál gaumgæfilega, áður en löggjöf er sett að nýju um þessi efni, og tekur deildin af framan greindum ástæðum til meðferðar næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 12. marz 1943.

Jónas Jónsson.

## Sþ. 527. Tillaga til þingsályktunar

um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að láta byggja eða kaupa strandferðabát fyrir Austurland.

Flm.: Eysteinn Jónsson, Ingvar Pálmason, Lárus Jóhannesson, Lúðvík Jósefsson, Páll Hermannsson, Páll Zóphóníasson.

Alþingi heimilar ríkisstjórninni að láta byggja eða kaupa vandaðan 100 smálesta strandferðabát fyrir Austurland, sem ríkið reki í sambandi við strandferðaskip ríkisins.

Greinargerð.

Snemma í janúar komu sýslumenn Múlasýslna og bæjarstjórar Neskaupstaðar og Seyðisfjarðar saman á fund á Seyðisfirði til þess að ræða um samgöngumál Austfjarða. Var fundur þessi haldinn í samráði við þingmenn af Austurlandi.

Á fundi þessum var samþykkt eftirfarandi ályktun:

„*Ályktun* fundar sýslumanna Múlasýslna og bæjarstjóra Nes- og Seyðisfjarðarkaupstaða um samgöngumál.

a. Fundurinn telur nauðsynlegt, að komið verði á hálfsmánaðarlegum stöðugum ferðum Esju frá Reykjavík austur um land til Akureyrar og sömu leið til baka.
b. Fundurinn telur eðlilegt, að í sambandi við ferðir Esju verði áætlunarferðir fjarðabáts, er gangi frá Hornafirði til Þórshafnar.
c. Fundurinn telur, að samvinnu þessara skipa beri að haga þannig, að Esja verði ekki látin annast vöruflutninga á örðugustu afgreiðsluhafnir. Flytji Esja vörur til þessara hafna á einhverja hinna stærri og öruggari hafna, en þar taki fjarðabáturinn þær og flytji á ákvörðunarstað.
d. Fundurinn telur, að auk hinna stærri hafna og þeirra, sem um ræðir hér að framan, geti fjarðabáturinn komið við á afskekktari byggðarlögum við ströndina.
e. Fundurinn telur, að fjarðabáturinn þurfi að geta lestað ca. 40 smálestir af vörum og hafa svefnrúm fyrir 10 menn og setsal fyrir 20. Skipið þarf að vera svo hraðskreitt, að það geti farið allt að 10 mílur á klukkustund."

Í greinargerð fundarmanna segir svo um þörf fyrir sérstakan strandferðabát í sambandi við aðalstrandferðaskipin:

„Til farþega- og vöruflutninga frá Reykjavík þarf allstórt og einkum hraðskreitt skip. Á ríkið þegar eitt slíkt skip, Esju, og mun ofarlega á baugi *að gera Súðina svo úr garði, að hún verði viðunandi sem fólksflutningaskip.* Má því búast við, að skipakostur verði nægilegur til að bæta úr þörf Austfirðinga fyrir stöðugar hálfsmánaðarlegar ferðir frá Reykjavík og Akureyri og til sömu staða, einkum ef skipið þyrfti eigi að hafa viðkomu á þeim höfnum, er hafa verst skilyrði til landtöku og uppskipunar. Að vísu er rétt að gera ráð fyrir því, að Esja, eða það skip, sem stundar strandferðirnar, komi við á þessum höfnum í einhverjum ferðum, ef veður er gott, en hagkvæmara virðist vera að tefja ekki hið dýra skip með yfirlegum yfir þessum höfnum, þegar lítið er að gera og landtaka eða uppskipun erfið.

Úr flutningsþörf þessara hafna og annarra smærri staða þarf að bæta með því að hafa sérstakan fjarðabát, er haldi uppi stöðugum ferðum milli Austfjarðanna, en sé jafnframt svo úr garði gerður, að hann geti skotizt til Akureyrar, er þörf krefur. *Bátur þessi þarf að hafa allmikið lestarrúm og þægilegt rými fyrir að minnsta kosti tvo tugi farþega.*

Hlutverk hans yrði að bæta úr þörf fyrir flutninga til hinna smærri hafna, eins og áður er sagt, og afskekktari byggðarlaga með ströndinni, auk þess, sem hann greiddi úr öngþveiti því, sem póstflutningar hafa verið í um langt skeið innan fjórðungsins.

Fyrir atvinnulíf í fjórðungnum mundi fjarðabáturinn hafa mikla þýðingu. Má til dæmis um það nefna nauðsynina á ferðum til Hornafjarðar á vetrarvertíð og ferðir allt til Raufarhafnar á sumrum, þar sem bátar af suðurfjörðunum hafa að undanförnu stundað fiskveiðar á Vopnafirði, Þórshöfn og Raufarhöfn. Á sumrum hafa oft verið mikil vandræði að fá beitu frá síldveiðisvæðunum til smærri og stærri verstöðva austanlands. Gæti fjarðabáturinn í strandferðum sínum greitt mikið fyrir flutningi á þeirri nauðsynjavöru. Mundi þetta eitt út af fyrir sig geta orðið til þess, að kostnaður við fjarðabátinn fengist greiddur á óbeinan hátt.

Einsætt má telja, að Skipaútgerð ríkisins eigi að hafa með höndum útgerð fjarðabátsins og setja honum áætlun í samræmi við ferðir strandferðaskipsins. *Verður einlægast, að bæði skipin verði gerð út á kostnað sama aðila, þar sem sennilegt má telja, að hagnaður verði á rekstri strandferðaskipsins, en halli á rekstri fjarðabátsins, og hann sparar strandferðaskipinu mikinn kostnað* með því að losa það við tafir á örðugustu höfnunum.

. . . . . .

Sjálfsagt er, að hinar smærri hafnir, er strandferðaskipið kemur eigi á, fái vörur fluttar til sín með fjarðabátnum, án aukins kostnaðar, og styður það atriði það, að útgerð beggja skipanna sé hin sama, í stað þess, að tveir aðilar þurfi að semja sín á milli um kostnað af flutningi með fjarðabátnum.

Til fjarðaferðanna þarf að útvega skip, er sérstaklega sé fyrir þær gert. Verður sýnilega ekki hægt að láta smíða slíkt skip í bráðina, en eflaust má fá leigt skip, er nota mætti til fjarðaferðanna um stundarsakir."

Hér er um nýjung að ræða, sem er í því fólgin, að ríkið eigi og reki strandferðabátinn í beinu sambandi við strandferðaskipin. Þessar tillögur sínar sendi fundurinn þingmönnum Austfjarða, og voru þær þegar í stað lagðar fyrir samvinnunefnd samgöngumála Alþingis til athugunar, og jafnframt var þessi nýjung rædd við Pálma Loftsson, framkvæmdastjóra skipaútgerðarinnar.

Var málið af samgöngumálanefndum síðan sent Pálma Loftssyni, til þess að fá álit hans. Hefur hann svarað nefndinni, og segir hann um strandferðabátsmálið í bréfi til samgöngumálanefndar:

„Út af ályktun fundar sýslumanna Múlasýslna og bæjarstjóra Nes- og Seyðisfjarðarkaupstaða, sem mér hefur verið send til umsagnar, vil ég leyfa mér að taka fram eftirfarandi:

Ég tel, að sú stefna, sem fram kemur í nefndri ályktun, sé í aðalatriðum rétt og að samgöngumál Austfjarða verði bezt leyst með því, að hraðskreitt strandferðaskip, eins og t. d. Esja, komi á aðalhafnirnar, þar sem afgreiðsluskilyrði eru bezt, en samgöngurnar við hina staðina verði leystar með sérstökum bátaferðum, sem standi í beinu sambandi við strandferðaskipið, og á þetta ekki eingöngu við Austfirði, heldur tel ég, að þessa stefnu beri að taka í strandferðamálunum yfirleitt. Fjarðabátur fyrir Austfirði þyrfti að vera um 100 smálestir og sérstaklega byggður fyrir það markmið. Er ekki sjáanlegt, að hægt verði að koma því í framkvæmd eins og sakir standa. Hins vegar skal það viðurkennt, að Austfirðingar eru illa settir að því er samgöngur snertir, og er nauðsynlegt að gera allt, sem hægt er, til að bæta úr þeim hið bráðasta."

Þykir flutningsmönnum þessarar tillögu, sem málið hafi nú fengið þann undirbúning, að rétt sé að leggja það fyrir sjálft Alþingi, í von um, að Alþingi fallist á að taka upp þetta nýmæli í strandferðamálum landsmanna, og þá að sjálfsögðu með það fyrir augum, að tekin verði upp ný stefna í þessum málum, á þann hátt, að ríkið ræki smáskip til strandferða á styttri leiðum, en ferðir þeirra væru nákvæmlega samræmdar ferðum aðalstrandferðaskipanna. Fyrir þessu eru mörg rök, og eru þau veigamestu rakin í greinargerð fundarins á Seyðisfirði, sem birt er að framan.

Nánar í framsögu.

## Nd. 528. Nefndarálit

um frv. til laga um breytingar á hafnarlögum fyrir Húsavík, nr. 38 19. júní 1933.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur við athugun frumvarpsins leitað álits og upplýsinga vitamálastjóra, einnig rætt um það við flutningsmann og sjávarútvegsnefnd Ed. Við þessa athugun kom í ljós m. a., að fjárhæðir þær, sem greindar eru í 1. og 2. gr., eru ekki í samræmi við hlutföll þau, sem frumvarpið og lögin ákveða milli framlags ríkissjóðs og framlags hafnarsjóðs. Nefndunum kom saman um, að þetta bæri að leiðrétta.

Þá veitti nefndin því athygli, að niðurlag 1. greinar frumvarpsins er endurtekning á ákvæðum 9. greinar laganna og því óþarft.

Eftir athugun sína á frumvarpinu, leggur nefndin til, að það verði samþykkt með þeim breytingum, sem hér fara á eftir. Tveir nefndarmanna (LJós og GG) eru þó mótfallnir 2. brtt.

BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Við 1. gr.
   a. Í stað „1000000.00 — ein milljón króna“ komi: 1200000 — ein milljón og tvö hundruð þúsund kr.
   b. orðin „enda sé ekki ... vitamálastjóra“ í niðurlagi greinarinnar falli burt.
2. Við 2. gr. Í stað „2100000.00 — tveggja milljóna og eitt hundrað þúsund króna“ komi: 1800000 — einnar milljónar og átta hundruð þúsund.

Alþingi, 12. marz 1943.

Finnur Jónsson, form. Sigurður Kristjánsson, frsm Sigurður Bjarnason.

Lúðvík Jósefsson. Gísli Guðmundsson, fundaskr.

## Nd. 529. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 461 (Virkjun Andakílsár).

Frá Jóni Pálmasyni, Ásgeiri Ásgeirssyni, Skúla Guðmundssyni og Ingólfi Jónssyni.

Við 1. brtt. Meginmál till. verði þannig:

Ríkið lætur reisa raforkuver við Andakílsá í Borgarfjarðarsýslu, leggja háspennutaugar þaðan til Akranes, Mýrasýslu, Snæfellsnes- og Hnappadalssýslu og Dalasýslu, og gera afspennistöðvar í þessum héruðum. Sömuleiðis skal leggja háspennutaugar frá orkuverinu til Strandasýslu, Vestur-Húnavatnssýslu og Austur-Húnavatnssýslu og reisa afspennistöðvar í þeim héruðum, ef rannsóknir leiða í ljós, að hagkvæmara sé að veita þeim rafmagn á þann hátt en með öðru móti.

## Nd. 530. Tillaga til þingsályktunar

um útreikning þjóðarteknanna.

Flm.: Skúli Guðmundsson, Gísli Guðmundsson.

Neðri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að láta gera fullkomið yfirlit, er sýni árlegar heildartekjur þjóðarinnar árin 1936—1942 og þær breytingar, sem á þeim hafa orðið. Sé þessu lokið haustið 1943, en síðan skal árlega reikna út þjóðartekjurnar á sama hátt.

Greinargerð.

Hér er lagt til, að ríkisstjórninni verði falið að láta reikna út heildartekjur þjóðarinnar nokkur undanfarin ár, bæði fyrir styrjöldina og eftir að hún hófst, og gera samanburð milli einstakra ára.

Slíkt yfirlit um þjóðartekjurnar er nú ekki til, en mundi geta orðið til mikils stuðnings við lausn ýmsra fjárhagslegra vandamála. T. d. má benda á þýðingu þess fyrir Alþingi, þegar þar eru teknar ákvarðanir um skattamál og afgreiðslu fjármála, svo og fyrir milliþinganefndir, sem starfa að athugun einstakra mála. Þá má geta þess, að núverandi ríkisstjórn hefur lýst því yfir, að hún muni vinna að undirbúningi þess, að ný launalög verði sett á Alþingi innan skamms. Mun almennt viðurkennt, að það sé nauðsynlegt. En þegar teknar verða ákvarðanir um launagreiðslur til starfsmanna ríkisins og ríkisstofnana, væri það mjög til leiðbeiningar, ef til væri glöggt yfirlit um tekjur þjóðarinnar í heild síðustu árin, og þær breytingar, sem á þeim hafa orðið.

Með aðstoð Hagstofunnar, ríkisskattanefndar, annarra ríkisstofnana og einstakra hagfróðra manna ætti að vera auðvelt fyrir ríkisstjórnina að framkvæma það, sem tillaga þessi fjallar um.

## Nd. 531. Frumvarp til laga

um bann gegn minkaeldi o. fl.

Flm.: Pétur Ottesen.

1. gr.

Frá 1. janúar 1944 skal minkaeldi með öllu bannað í landinu, og skal öllum aliminkum lógað fyrir þann tíma.

2. gr.

Frá sama tíma skal veita verðlaun úr ríkissjóði fyrir dráp villiminka, 50 kr. fyrir hvert dýr, sem unnið er.

3. gr.

Ráðherra setur reglugerð um framkvæmd laga þessara, svo sem um eftirlit með eyðingu aliminka samkv. 1. gr. og um það, hverra sannana beri að krefjast fyrir drápi villiminka til þess að verðlaun megi veita. Í reglugerð skulu sett ákvæði um viðurlög fyrir brot gegn 1. gr., þar á meðal um upptöku dýrastofns og búra, og skulu mál út af brotum sæta meðferð opinberra mála.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Það eru allar horfur á, að það sé nú komið á daginn, sem spáð var af ýmsum, þegar leyfður var innflutningur til landsins á minkum, að af innflutningi þessara harðgerðu, grimmu og blóðþyrstu dýra gæti stafað mikil hætta, ekki einasta fyrir dýra- og fuglalífið í landinu, heldur gæti einnig svo farið, að með þessu tiltæki væri stefnt til eyðingar á laxa- og silungastofni í ám og vötnum. Hinn mikilsmetni og góðkunni náttúrufræðingur Guðmundur Bárðarson ritaði grein um þessar mundir í Náttúrufræðinginn, þar sem hann varar mjög við þessum innflutningi. Mér þykir ástæða til að taka upp í þessa greinargerð hluta af þessari ritgerð hins merka náttúrufræðings. Segir hann svo meðal annars:

„Nýlega hafa verið flutt hingað til Íslands lítil rándýr, sem nefna mætti **sundmerði** (eru þeir ættaðir frá Norður-Ameríku og kallast **mink**, Putorius vison). Skinn þeirra þykja verðmæt vara. En þeir eru gráðug og slungin rándýr og láta fá dýr í friði, sem þeir ná til og ráða við. Sækja þeir mjög eftir alifuglum og villifuglum og beita mikilli kænsku og eru auk þess sunddýr á við otur og veiða bæði laxa og silunga og spilla sums staðar veiði í ám og vötnum. Það mun vera svo til ætlazt, að sundmerðirnir verði aldir hér í búrum, og treysta sumir því, að þeir muni ekki sleppa. En verði sundmerðir víða aldir hér á landi, má ganga út frá því **sem vísu**, að einhverjir muni sleppa og gerast villtir. Það er engin leið að hafa svo öruggt eftirlit með vörzlum þeirra á mörgum uppeldisstöðum, að eigi geti út af borið. — Það er kunnugt, að refir hafa oft sloppið úr girðingum, þar á meðal silfurrefir, og hefur þó gæzla þeirra verið tryggð eftir föngum og missir þeirra verið eigendunum mikill skaði. Þó eru refirnir ekki eins ísmeygileg dýr og ekki eins góðir að klifra og sundmerðirnir.

Talið er, að sundmerðirnir gangi næst hreysiköttunum að grimmd, kænsku og áræði, og þeir eru mestu vágestir meðal alifugla. Þeir liggja í leynum í holum og fylgsnum, þar sem slíkra veiðifanga er von á bæjum, og verða menn þeirra oft ekki varir fyrr en þeir hafa höggvið talsvert skarð í fuglahjörðina. Þeir ásækja og alls konar villifugla og hreiður þeirra og hafa það fram yfir refi, að þeir geta bæði synt og klifrað þangað, sem fuglar verpa. Ef þeir verða hér villtir og breiðast hér út, gæti æðarvarpinu stafað stórhætta af þeim, því að æðarfuglinn væri eigi lengur öruggur með hreiður sín í umflotnum eyjum og skerjum, sem honum hafa dugað gegn tófunum. Æðarungum mundi og stafa mikil hætta af þeim í fjörum, þar sem kollurnar leita á land til hvíldar með ungana. Sundmörðurinn gæti og elt ungana á sundi og kafað eftir þeim. Í sömu hættu væru og endur, sem halda til með unga sína á tjörnum og vötnum.

Einnig er hætt við, að unglömbum stafaði hætta af sundmörðunum, og mundi þá fjármönnum reynast miklu örðugra að verja unglömbin fyrir þeim en tófunum. Það er kunnugt um hreysikettina, náfrændur sundmarðanna, að þeir ráðast oft á miklu stærri dýr en þeir eru sjálfir, t. d. héra, og hafa þá aðferð að stökkva upp á hrygg þeirra, halda sér þar föstum, bíta á hálsæðarnar og drekka blóð þeirra, unz þau hníga í valinn á flóttanum. — Sumir trúa því, að sundmerðir geti eigi þrifizt hér á víðavangi, og því muni það hættulaust, þó að nokkrir sleppi úr búrum. — En sundmerðirnir eru snjallir í því að laga sig eftir þeim bjargræðisskilyrðum, sem völ er á. Þegar fátt er um veiðidýr á landi, leita þeir í fjörur og nærast á skelfiski, sem í fjörunum finnst, eða kafa eftir slíkri björg. Þeir lifa á rottum og músum og leita heim undir bæi, þegar hart er um æti, og sitja þá um alifugla.

Ég tel það mjög misráðið að leyfa að flytja hingað slík dýr sem þessi af marðarættinni. Væri hyggilegast að banna allan innflutning á sundmörðum, en hafa þann stofn, sem þegar er kominn hingað, í strangri gæzlu, þangað til hann verður upprættur, og þyrfti það að verða sem fyrst.“

Þetta er óneitanlega athyglisverð aðvörun, og hefur reynslan þegar sýnt, að hún er á rökum reist.

Nú eru liðin tólf ár síðan þessi innflutningur hófst, og allt virðist benda til, að víðast hvar, ef ekki alls staðar þar, sem tekið hefur verið upp minkaeldi, hafi meira og minna af minkum sloppið úr girðingum. Mest brögð að þessu hafa þó verið í Reykjavík og nágrenni, og er það ekkert óeðlilegt í sjálfu sér, því um ¾ minkastofnsins mun vera á þessu svæði.

Árið 1939 var farið að kveða svo mikið að villiminkum í nágrenni Reykjavíkur og Hafnarfjarðar, að þáverandi landbúnaðarráðherra fól loðdýraráðunaut að hefjast handa um eftirlit með minkabúrum og að gera gangskör að því, að hafin yrði herferð gegn villiminkafaraldrinum, og var heitið verðlaunum í því skyni. Árið eftir munu framkvæmdir í þá átt að herja á villiminkana hafa að mestu legið niðri, enda var loðdýraráðunautur, sem stóð fyrir þessum framkvæmdum, þá erlendis. Eftir heimkomu hans var aftur hafin herferð í þennan ófögnuð, sem mjög hafði þá færzt í aukana og framdi spellvirki á landi og í legi. Á síðastliðnum tveimur árum hafa verið drepnir um 70 villiminkar, flestir í nágrenni Reykjavíkur og Hafnarfjarðar, þar á meðal einn inni á Austurvelli. Á þessum slóðum er aðalaðsetur villiminkanna talið vera í Hafnarfjarðarhrauni og við Elliðaár og Elliðavatn. Er einkum talið, að mjög krökkt sé af þeim meðfram Elliðaánum. Er það eðli þessara rándýra að grafa sig niður í ár- og lækjarbakka, þar sem veiði er von. Geta þeir þá skotizt úr holum sínum, sem hafa margar útgöngudyr, hvort þeir heldur vilja í vatnið til fiskifanga þar eða á land upp, því að dýr þessi eru jafnvíg á það hvort tveggja að veiða fisk og drepa dýr og fugla. Þykjast veiðimenn, er laxveiðar stunda í Elliðaám, hafa orðið þess mjög varir, síðan vargur þessi tók sér bólfestu við árnar, að laxar, sem þeir veiða, séu oft rifnir mjög og illa leiknir, og það er álitið, að það sé af völdum minkanna. Má geta nærri eftir þessari viðureign minkanna við fullorðna laxinn, að þeir þurfa ekki að taka nærri sér að svelgja í sig laxaseiðin, sem eru af þeirri stærð, áður en þau ganga til sjávar, og hvert þeirra er réttur kjaftbiti handa þeim. Eigi má heldur leggja af sér dauðan lax á landi við árnar, því minkarnir eru þá óðara farnir að gæða sér á þeirri krás. — Einnig hefur orðið vart við minka við fleiri veiðiár á þessu svæði, eins og t. d. við Leirvogsá og Köldukvísl. — Af þeim 70 minkum, sem getið er um hér að framan, að drepnir hafi verið, voru 40 lagðir að velli á s.l. ári. Auk þess sem herjað hefur verið á minkana með skotum og grjótkasti, þá hefur og verið gripið til þess ráðs að eitra fyrir þá og auk þess komið fyrir vítisvélum við holur minkanna og híbýli. En það er mál manna að þrátt fyrir allt þetta sjái tæplega högg á vatni. Er þegar búið að verja úr ríkissjóði 2500 kr. í þetta minkastríð.

Þá hefur orðið upp á síðkastið allmikið vart við villiminka uppi í Borgarfirði, einkum í Lundarreykjadal. Hafa villiminkarnir þar einkum tekið sér aðsetur við Reyðarvatn, sem er nokkuð fram með byggðinni, og er þar gnægð af silungi. Einnig hefur þeirra orðið vart meðfram Tunguá og Grímsá. Leikur mikill grunur á, að villiminkar hafi lagzt á unglömb á s.l. vori á bæ einum framarlega í dalnum, og styðja ummæli Guðm. Bárðarsonar það, að svo geti verið. Voru lömb þessi bitin á barkann og sogið úr þeim blóðið, en hræ þeirra lítt étin. Fé bænda af þessum slóðum heldur sig mikið meðfram ám þessum og í kringum Reyðarvatn, því þar eru afréttarlönd góð.

Þá er og á því sterkur grunur, svo að nærri stappar vissu, að villiminkar hafa orðið aligæsum að bráð á bæ einum neðarlega í dalnum, á bakka Grímsár. Þarna á þessum slóðum hafa villiminkar hin beztu og ákjósanlegustu lífsskilyrði, — gnægð af fiski í ám og vötnum auk annars veiðiskapar á þurra landinu, og fylgsni eru þarna nóg. Er nánar frá þessu skýrt í bréfi, sem birtist nýlega í Morgunblaðinu, frá bónda í Borgarfirði.

Þá hefur og orðið vart við minka í Botnsdal við Hvalfjörð. Guðbrandur Ísberg, sýslumaður á Blönduósi hefur skrifað ritstjóra Morgunblaðsins bréf, sem nýlega birtist í blaðinu ásamt bréfi frá honum til landbúnaðarnefnda Alþingis og landbúnaðarráðuneytisins, en þau fjalla öll um hættu þá, sem stafar af villiminkum. Er í bréfum

þessum mjög sterklega varað við þessari yfirvofandi plágu og færð fyrir því mörg sterk og veigamikil rök, að bannað verði með öllu minkaeldi og gangskör að því gerð, að skorin verði upp herör til þess að útrýma þessum bitvarpi láðs og lagar. Kemur það skýrt fram í þessum bréfum Guðbrands sýslumanns, að þessi plága hefur einnig heimsótt Norðurland og er þar í uppsiglingu.

Á skal að ósi stemma, og þótt segja megi, að því hafi helzt til seint verið gaumur gefinn, hver vá hér er fyrir dyrum, þá er samt betur seint séð en eigi.

Það er ekki lengur við það hlítandi, að þjóðin ali þann snák við brjóst sér, sem henni stafar slík hætta af. Meðan leyft er minkaeldi í landinu, eykst villiminkahjörðin endalaust, því reynslan hefur staðfest það svo greinilega, að eigi verður um deilt, að það var rétt, sem Guðm. Bárðarson hélt fram þegar í öndverðu, að minkum yrði eigi haldið í búrum og ganga mætti út frá því sem vísu, að einhverjir mundu sleppa.

Það er því óumflýjanlegt eins og komið er að banna allt minkaeldi. Sú fjölgun, sem stafar af viðkomu hinna villtu dýra, sem nú eru dreifð um landið, mun reynast nógu erfið við að fást og það svo, að þar sé ekki á bætandi. Talið er, að hvert dýr geti átt 1—10 unga í hvert skipti, en oftast 3—6.

Í þessu frv. er lagt til, að búið verði að lóga öllum aliminkum fyrir næstu áramót. Þetta tímatakmark er sett með það fyrir augum, að þá eru skinnin verðmest. Af þeirri ástæðu er lagt til, að þessi frestur verði gefinn.

Verðlaunaveitingar þær, sem um ræðir í frv., 50 kr. fyrir hvert dýr, sem unnið er, virðist eigi mega öllu minni vera, þegar á það er litið, hver höfuðnauðsyn það er, að einskis sé látið ófreistað til þess að ráða niðurlögum þessa skemmdarvargs. Þá þykir rétt að láta ákvæði þessi koma til framkvæmda um leið og endi er bundinn á minkaeldið.

Gera má og ráð fyrir nokkrum kostnaði við eitrun og kaup á sprengjum, því á hvoru tveggja þessu mun þurfa að halda, ef nokkur von á að vera um það, að þessi ófögnuður verði kveðinn niður. Að sjálfsögðu mun verða haldið í horfi með eyðingu minka á þessu ári undir yfirumsjón loðdýraráðunauts, eins og verið hefur, en sérstök ástæða er til þess að þess sé vel gætt á tímabili því, sem líður frá því að frv. þetta verður að lögum og þangað til ákvæðum 1. gr. um bann gegn minkaeldi er fullnægt, að eigi verði veitt verðlaun fyrir dráp annarra minka en villiminka.

Sennilega hefur aldrei flutzt til landsins jafnhættulegur bitvargur og minkarnir eru. Tófunni er haslaður völlur á fjöllum uppi að mestu, þar leitar hún fullnægingar sinna þarfa, að vísu oft á kostnað búandans. Eigi drepur tófan heldur meira að jafnaði en kviðfyllisþörf hennar og skylduliðsins krefst í hvert sinn. En minkurinn er ekki við eina fjölina felldur í þessu efni, fullnæging hans í því að seðja hungur sitt og drápfýsi er ekki bundin við þau gæði ein, sem við landið eru tengd. Hann er, eins og fyrr segir, jafnvígur til fiskifangs sem fugla- og dýraveiða. Og þó að t. d. unglömbum og fuglum láðs og lagar sé af þessum völdum mikil hætta búin, þá er fiskstofninum í ám og vötnum ef til vill í enn meiri hættu stefnt með hingaðkomu þessara harðgerðu og slyngu veiðidýra.

Íslendingar eiga mikinn fjársjóð fólginn í ám og vötnum þessa lands. Lax- og silungsveiði er hvort tveggja í senn gagnsamleg og fjölda manna það viðfangsefnið, sem mesta ánægju og unað gefur. Eftirspurn útlendinga og áhugi fyrir laxveiðum hér á landi, eins og hann birtist í sívaxandi mæli síðustu árin fyrir stríðið, var augljós og órækur vottur þess, hve mikill gjaldeyrisöflunarmöguleiki er fólginn í því að leigja útlendingum laxveiðiárnar.

Það mundi því þykja skarð fyrir skildi, ef fiskstofninn í ám og vötnum yrði minkavargnum að bráð. Mættu það heita harla hatramleg syndagjöld.

Æðarvarpinu stafar að vísu nokkur hætta sums staðar af tófunni, en hvað er það hjá þeirri hættu, sem vofir yfir varpinu af völdum minkanna, sem eru bæði láðs og lagar dýr og mundu ekki víla fyrir sér að þreyta sund um víkur og voga út í eyjar og hólma, hvort heldur er yfir eða undir sjávarborði. Hið sama má segja um

andavarpið, sem sums staðar er til mikilla nytja. Má í því sambandi benda á, hverjar búsifjar það mundu vera fyrir Mývetninga, ef minkar tækju sér bólfestu við Mývatn, en þar er mest andavarp á landi hér auk silungsveiðinnar.

Þá er minkurinn gæddur þeim hæfileika að geta klifrað stall af stalli um björg og kletta og sótt þangað egg og fugla.

Loks er minkurinn haldinn því grimmdareðli, að hann drepur allt, sem hann nær í og ræður við, án afláts og tillits til þarfarinnar, eingöngu af áskapaðri drápgirni og blóðþorsta.

Það má því öllum vera ljóst, hver þörf er á því, að hér séu reistar skorður við.

## Ed. 532. Breytingartillögur

við frv. til laga um húsaleigu.

Frá Gísla Jónssyni.

1. Við 1. gr.
   a. Orðin „til íbúðar“ í 1. mgr. falli niður.
   b. Í stað orðsins „íbúðin“ í 1. mgr. komi: húsnæðið.
2. Við 10. gr. Niðurlagsorðin: „en hlíta skal honum, unz dómur fellur“ falli niður.
3. Við 15. gr.
   a. Fyrri mgr. orðist þannig:
      Ákvæði þessara laga gilda og um leigu á húsum, bryggjum og vinnupöllum til hvers konar fiskiskipa og báta, nema öðruvísi sé ákveðið með reglugerð eða lögum.
   b. Við greinina bætist ný málsgr., svo hljóðandi:
      Séu einhver önnur hlunnindi innifalin í leigunni, er áhrif hafa á hana, skal meta þau sérstaklega.
4. Við 16. gr. Orðin „heldur vera fast gjald, 2 kr. fyrir hvern samning,“ falli niður.

## Ed. 533. Tillaga til þingsályktunar

um rannsókn á skilyrðum fyrir byggingu og starfrækslu æskulýðshallar í Reykjavík.

Flm.: Jónas Jónsson.

Efri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að skipa níu manna nefnd, sem starfar án endurgjalds að athugun á skilyrðum fyrir því að reisa og starfrækja æskulýðshöll í Reykjavík. Í nefnd þessa skal tilnefna fjóra menn eftir ábendingu þingflokkanna, borgarstjórann í Reykjavík, fræðslumálastjóra, formenn íþróttasambands Íslands og íþróttaráðsins og íþróttafulltrúa ríkisins. Nefndin velur sér sjálf formann og skilar áliti fyrir væntanlegt haustþing 1943. Ef einhver af framan greindum aðilum vill ekki leggja til fulltrúa eða vera fulltrúi í nefndinni, skipar kennslumálaráðherra menn í þeirra stað, sem úr ganga á þennan hátt.

Greinargerð.

Ýmsir áhugamenn um kennslumál, svo sem Pálmi Hannesson rektor o. fl., hafa á undan gengnum missirum fundið sárt til þess, að mikið af æskulýð höfuðstaðarins vantaði tilfinnanlega aðgang að viðunandi húsnæði. Miðstjórn Framsóknarflokksins hefur haft málið til meðferðar, og að síðustu hefur fulltrúaráð flokksins hér í Reykjavík minnt á, að nauðsyn bæri til að hreyfa málinu á Alþingi.

Framkvæmd þessa máls er vandasöm, og verður varla vel ráðið fram úr málinu nema með athugun og velvild margra manna. Þeir, sem beitast fyrir, að reist yrði hér í bænum æskulýðshöll, ætla, að þar gæti farið fram margþætt uppeldis- og menningarstarfsemi. Í slíku húsi þyrftu að vera misstórir samkomusalir, kvikmyndasalur, sem jafnframt mætti nota til fyrirlestra, enn fremur íþróttasalir, vinnustofur fyrir unga menn og ungar stúlkur og að lokum veitingasalir, þar sem gætt væri hófsemi og einfaldleika.

Ef byggja ætti í höfuðstaðnum stórhýsi í þessu skyni, mundu ýmis félög í bænum, bæjarfélagið sjálft og ríkið verða að leggja fram stofnfé og hafa hönd í bagga með rekstrinum. Tillagan um skipun undirbúningsnefndar er byggð á því, að hér verði að koma til víðtækt samstarf allra flokka og allra stétta. Íþróttafélögin í bænum mundu njóta mikils góðs af slíkri stofnun. Þess vegna er gert ráð fyrir, að þrír valdir leiðtogar íþróttamálanna eigi sæti í nefndinni. Fræðslumálastjóri og borgarstjóri eru sjálfsagðir fulltrúar í þessari nefnd. Gera má ráð fyrir, að ekki yrði byggð æskulýðshöll nema með verulegu framlagi ríkissjóðs. Þess vegna verða þingflokkarnir að taka frá byrjun þátt í undirbúningi og rannsókn málsins.

Ég hygg, að telja megi í tugatali þau íþrótta- og æskumannafélög í Reykjavík, sem kalla má, að séu í stöðugum vandræðum með húsnæði fyrir fundi og samkomur. Mörg af þessum félögum, t. d. skíðafélögin og ferðafélagið, hafa sýnt í verki stórmikinn áhuga og haft forustu um mikilvæga þætti í uppeldismálum bæjarins. Þessum félögum væri stórmikill ávinningur að fá, auk húsakynna sinna uppi í fjöllum, aðgang að fjölbreyttu og hentugu húsnæði í bænum fyrir nauðsynlegar samkomur.

Þá má sízt gleyma því, að með kvikmyndum er hægt að vekja og fræða unglinga miklu meira en gert er. Mundu hin ýmsu íþróttafélög notfæra sér kvikmyndir miklu meira en nú er gert til eflingar íþróttalífinu, ef völ væri á hentugum kvikmyndasal í sambandi við fundahöld.

Enn er ótalinn sá þáttur, sem sízt má gleyma, og það eru vinnustofur fyrir ungar stúlkur og unglingspilta. Meðan leikhúsið var að mestu tómt, fengu ungir piltar í sviffflugfélaginu leyfi til að vinna þar að smíðum sínum. Komu þeir þangað í tugatali og fullnægðu smíðaþörf sinni og gerðu þar ótrúlega fallega og vandaða hluti. Sama er að segja um ungar stúlkur, að þær hafa að öllum jafnaði mikinn áhuga fyrir margháttuðu námi, sumpart beinlínis til undirbúnings fyrir heimilisstörf, sumpart til að fullnægja listaþrá sinni.

Æskulýðshöll í Reykjavík gæti orðið stórfelld uppeldis- og menningarstöð fyrir bæinn. Hún yrði að opna hlið sín frjálsmannlega og þó setja strangar reglur og fylgja þeim. Þar ætti ekki að hafa um hönd tóbak né áfenga drykki. Þar yrði að vera strangur agi og fjölbreytt verkefni. Þangað ættu ekki aðrir menn erindi en þeir, sem vildu vinna og vildu gleðjast án stuðnings frá eiturlyfjum. Þeir, sem þá leið vilja fara, hafa mörg úrræði sér til framdráttar. En æskulýðshöll fyrir unga fólkið í Reykjavík á að hafa það hlutverk að kenna tilvonandi borgurum að gegna erfiðum skyldum höfuðstaðarbúa á Íslandi.

## Fylgiskjal.

Æskulýð Reykjavíkur skortir ýmis skilyrði til andlegs og líkamlegs þroska. Meðal þeirra er samkomuhús, æskulýðshöll, byggð í fullu samræmi við þarfir æskulýðsins, til hollra en nauðsynlegra skemmtana og til margs konar annarra afnota í menningarlegu tilliti. Æskulýður bæjarins hefur engan samastað, er fullnægt geti skemmtana og samkomuþörf hans á þann hátt, sem honum er hollast og hann sjálfur mundi kjósa. Unga fólkið neyðist því til að fullnægja þessari þörf sinni eftir varhugaverðum leiðum og jafnvel gegn vilja sínum og betri vitund.

Þar sem um ⅓ hluti landsmanna býr í Reykjavík og fjöldi ungra manna og kvenna hvaðanæva af landinu dvelur þar langdvölum, er ljóst, að þörfin fyrir að-

laðandi samastað æskulýðnum til handa er aðkallandi. Málið er því ekki aðeins mál Reykjavíkur, heldur mál þjóðarinnar, en fyrst og fremst mál hinnar vaxandi kynslóðar. Sýnist því hyggilegast, að ríkissjóður, Reykjavíkurbær og æskulýðsfélög bæjarins sameinist um lausn þessa máls nú þegar.

Virðingarfyllst.

F. h. fulltrúaráðs framsóknarfélaganna í Reykjavík

Sigurvin Einarsson. Ólafur Jóhannesson.

## Ed. 534. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og leitað umsagnar Tryggingarstofnunar ríkisins um það, en ekki getað orðið sammála um að mæla með, að frv. verði samþykkt óbreytt. Hins vegar er nefndin sammála um að mæla með, að hámarksframlög ríkis og bæjar til sjúkrasamlaga verði hækkuð úr 10 kr. á meðlim upp í 12 kr., og verði þá hundraðshluti hinna opinberu framlaga af iðgjöldum ákveðinn síðar, til samræmis við þessa breytingu, um leið og heildarendurskoðun laganna fer fram, sem væntanlega verður á þessu ári.

Nefndin leggur því til, að frumv. verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Við 1. gr. Fyrir „⅓“ komi: ¼.

Alþingi, 15. marz 1943.

Bjarni Benediktsson, form. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Brynjólfur Bjarnason, frsm.

Hermann Jónasson. Lárus Jóhannesson.

## Ed. 535. Breytingartillögur

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá félagsmálaráðherra.

1. Við 4. gr. Í stað orðanna „leigja húsnæðið innanhéraðsfólki til íbúðar“ í síðustu málsgr. komi: leigja húsnæðið húsvilltu innanhéraðsfólki til íbúðar.
2. Aftan við frv. kemur svo látandi

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Ákvæði laga þessara taka til uppsagna þeirra á leigusamningum og tilkynninga um skipti á húsnæði, sem fram hafa farið fyrir gildistöku laganna og koma eiga til framkvæmda 14. maí 1943, enda hafi uppsögn eða tilkynning komið fram með löglegum fyrirvara.

## Ed. 536. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Flm.: Kristinn E. Andrésson, Guðm. Í. Guðmundsson.

Við 2. gr. bætist ný málsgrein, svo hljóðandi:
Það skal tryggt með reglugerð, að ákvæði laga þessara hindri í engu starfsemi söngfélaga og annarra hliðstæðra félaga, sem halda uppi tónlistarstarfsemi með þeim hætti, að félagsmenn taka enga greiðslu fyrir störf sín.

## Ed. 537. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Frá Eiríki Einarssyni.

Við 2. gr. 2. málsgr. bætist:
Söngfélög og aðrir, er hafa með höndum tónlistarstarfsemi án þess þeir taki sérstaka greiðslu fyrir, skulu og njóta undanþágu samkvæmt ákvæðum síðustu málsgreinar.

## Ed. 538. Breytingartillaga

við frv. til l. um verzlun með kartöflur o. fl.

Frá Eiríki Einarssyni.

Við 5. gr. Niðurlag 1. málsgr. („Verðskráning garðávaxta“ o. s. frv.) orðist svo:
Verðskráning garðávaxta skal aðallega miða við það, að framleiðendum sé tryggt hæfilegt framleiðsluverð, en þó með nokkurri hliðsjón til markaðsverðs garðávaxta í nálægum löndum, að viðbættum flutningskostnaði.

## Nd. 539. Lög

um breyting á lögum nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim.

(Afgreidd frá Nd. 15. marz.)

Samhljóða þskj. 414.

## Nd. 540. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

Frá Páli Zóphóníassyni.

Við A. II. (Nýjar brýr á öðrum vegum en þjóðvegum).
Á eftir 15. tölulið komi nýr töluliður:
Jökulsá á Dal hjá Brú.

## Nd. 541. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 105 1940, um breyt. á l. nr. 62 30. des. 1939, um tollskrá o. fl.

Frá Pétri Ottesen.

Aftan við 1. gr. bætist: svo og af pappakössum, sem notaðir eru í sama skyni.

## Nd. 542. Lög

um breyting á lögum nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir.

(Afgreidd frá Nd. 15. marz.)

Samhljóða þskj. 474.

## Ed. 543. Nefndarálit

um frv. til laga um jöfnunarsjóð vinnulauna.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og sent það til umsagnar Vinnuveitendafélags Íslands og Alþýðusambands Íslands. Vegna þess, hver dráttur varð á, að umsagnir þessara aðila, einkum hins síðara, bærust nefndinni, hefur nokkur dráttur orðið á afgreiðslu málsins. Nefndin telur, að til grundvallar frv. liggi athyglisverð hugmynd. Málið hefur þó enn eigi fengið þann undirbúning, að fært þyki að mæla með samþykkt frv. að svo vöxnu máli, enda leggja bæði verkamenn og vinnuveitendur á móti því, að frv. verði samþykkt eins og það nú liggur fyrir. Nefndin leggur því til, að frv. verði afgreitt með svofelldri

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að ríkisstjórnin láti rannsaka möguleika á setningu laga um jöfnunarsjóð vinnulauna, sem samkomulag geti orðið um milli verkamanna og vinnuveitenda, og leggi niðurstöður þeirra rannsókna fyrir Alþingi, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 16. marz 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Lárus Jóhannesson.

Brynjólfur Bjarnason. Hermann Jónasson.

## Sþ. 544. Þingsályktun

um kaup og innflutning á heyvinnuvélum og öðrum nauðsynlegum landbúnaðarvélum fyrir næsta sumar.

(Afgreidd frá Sþ. 16. marz).

Samhljóða þskj. 114.

**Sþ.** **545. Þingsályktun**

um undirbúning heildarlöggjafar um höfundarétt og listvernd.

(Afgreidd frá Sþ. 16. marz).

Samhljóða þskj. 211.

**Nd.** **546. Breytingartillaga**

við frv. til l. um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla.

Frá allsherjarnefnd.

Eftir 5. gr. komi ný grein, er verði 6. gr., svo hljóðandi:
Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Sþ.** **547. Þingsályktun**

um nefndarskipun til að gera tillögur um framtíðarbyggingar á lóðum ríkisins við Lækjartorg og Lækjargötu.

(Afgreidd frá Sþ. 16. marz).

Samhljóða þskj. 160.

**Sþ.** **548. Þingsályktun**

um sérstakar launabætur embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins.

(Afgreidd frá Sþ. 16. marz).

Samhljóða þskj. 389.

**Sþ.** **549. Þingsályktun**

um læknisbústað Eyrarbakkalæknishéraðs.

(Afgreidd frá Sþ. 16. marz).

Samhljóða þskj. 505.

## Ed. 550. Nefndarálit

um frv. til laga um skólasetur á Reykhólum.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur haft mál þetta alllengi til meðferðar. Bráðlega eftir að málinu hafði verið vísað til nefndar, sendi hún frv. til fræðslumálastjóra og stjórnar Búnaðarfélags Íslands og óskaði eftir áliti og tillögum. Seint í janúar sendi fræðslumálastjóri n. álit sitt. Leggur hann til, að lítils háttar breytingar verði gerðar á frv. og það svo samþykkt, en bendir jafnframt á, að ekki sé hægt nú að setja varanlega löggjöf um framtíðarstarfsemi á Reykhólum, vegna þess, hversu óákveðin sú starfsemi er enn og því auðsætt, að auka muni þurfa við lögin bráðlega.

Stjórn Búnaðarfél. Ísl. svaraði snemma í febrúar. Getur hún þess, að tilraunaráð í jarðrækt hafi lagt til, að Reykhólar yrðu ákveðnir fyrir tilraunastöð á Vesturlandi. Óskar stjórn Búnaðarfélagsins þess, að afgreiðslu málsins verði frestað, svo búnaðarþingi gefist þess kostur að taka frv. til meðferðar. N. varð við þessum tilmælum Búnaðarfélagsins.

Búnaðarþing hefur nú afgreitt málið frá sér. Heldur það fast við þá hugmynd, að landbúnaðartilraunastöð fyrir Vesturland verði komið á á Reykhólum samhliða skólastarfsemi, og leggur jafnframt til, að stjórnskipuð þriggja manna nefnd, valin á sérstakan hátt, geri nákvæmar athuganir og tillögur um framtíðarnot Reykhóla.

Landbn. fellst á þá skoðun búnaðarþings — og hefur haft um það atriði samráð við flutningsmenn þessa frv. —, að heppilegra muni það reynast að búa mál þetta betur undir lagasetningu en orðið er. Vill n. stuðla að því, að samþykkt verði í sameinuðu Alþingi ályktun þar um. Leggur n. til, að frv. þetta verði afgreitt frá deildinni með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að fram verði látinn fara hið bráðasta ýtarlegur undirbúningur að lagasetningu um framtíðar-menningarstarfsemi á Reykhólum og á þann hátt fáist öruggur grundvöllur undir þá starfsemi, leiðir deildin hjá sér frekari afgreiðslu málsins nú og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 16. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Páll Hermannsson, form., frsm. | Eiríkur Einarsson, fundaskr. | Þorst. Þorsteinsson. |
| Kristinn E. Andrésson. | H. Guðmundsson. | |

## Nd. 551. Breytingartillögur

við frv. til laga um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá samgöngumálanefnd.

1. Við 1. gr. A. 3. tölul. orðist svo:
   *Grindavíkurvegur:* Af Reykjanesbraut á Vogastapa um Grindavík að Reykjanesvita.

2. Við 1. gr. B.
   a. Á eftir tölul. 1 kemur nýr tölul., svo hljóðandi (og breytist liðatalan eftir því):
      *Kjósarskarðsvegur:* Frá vegamótum Vesturlandsvegar hjá Skorá um Möðruvelli og Fellsenda á Þingvallaveg hjá Syðri-Stíflisdal.
   b. 30. tölul. (Laugabólsvegur) orðist svo:
      *Múlavegur:* Frá Arngerðareyri um Laugaból að Múla.
3. Við 1. gr. C. Á eftir 20. tölul. komi nýr tölul. (og breytast tölul. samkv. því):
   *Hrísavegur:* Af Dalvíkurvegi hjá Hrísum um brýr á Skíðadalsá og Svarfaðardalsá að Svarfaðardalsvegi hjá Hreiðarsstöðum.
4. Við 1. gr. D.
   a. 2. tölul. (Langanesvegur) verði 34. tölul. (síðasti tölul.) í C. (Norðurland).
   b. Á eftir 5. tölul. komi nýr tölul., svo hljóðandi:
      *Jökuldalsvegur:* Frá Austurlandsvegi við Gilsá í Jökuldal um Hákonarstaði og Brú að Aðalbóli.

## Sþ. 552. Nefndarálit

um till. til þál. um verðuppbætur á útflutt refa- og minkaskinn.

Frá fjárveitinganefnd.

Nefndin hefur athugað tillöguna og getur ekki mælt með því, að hún verði samþykkt. Einn nefndarmaður (PO) hefur þó sérstöðu um afgreiðslu málsins og mun gera grein fyrir henni.

Alþingi, 16. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form. | Helgi Jónasson, fundaskr. | Páll Zóphóníasson, frsm. |
| Lúðvík Jósefsson. | Þorst. Þorsteinsson. | Jónas Jónsson. |
| Sig. E. Hlíðar. | Þóroddur Guðmundsson. | Pétur Ottesen. |

## Ed. 553. Frumvarp til laga

um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla.

(Eftir eina umr. í Nd.)

1. gr.

Ríkisstjórninni er, á meðan núverandi styrjöld stendur, heimilt að banna töku ljósmynda á tilteknum svæðum á landi eða í landhelgi og af tilteknum hlutum, mannvirkjum eða stöðum. Bann þetta getur bæði verið algert og vissum skilyrðum bundið.

2. gr.

Nú hefur ríkisstjórnin bannað töku ljósmynda á tilteknum svæðum, og er henni þá heimilt að mæla svo fyrir, að allir þeir, sem um þau ætla að fara með ljósmyndavélar, skuli afhenda þær þeim aðilum, sem til þess kunna að verða settir og sjá skulu um, að þær komist á leiðarenda, eða innsigla þær tryggilega, og mega aðilar þá halda vélunum í vörzlu sinni.

3. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt að kveða nánar á með reglugerð um efni það, er í 1. og 2. gr. segir.

4. gr.

Ef maður raskar innsigli á ljósmyndavél, sbr. 2. gr., þá varðar það við 113. gr. almennra hegningarlaga, nr. 19 12. febr. 1940.

Brot á öðrum ákvæðum laga þessara varða sektum eða varðhaldi, ef miklar sakir eru.

Ljósmyndavélar, sem notaðar eru eða farið er með andstætt fyrirmælum laga þessara, má gera upptækar með dómi.

5. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum sæta meðferð opinberra mála.

6. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Sþ. 554. Breytingartillaga

við till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að láta byggja eða kaupa strandferðabát fyrir Austurland.

Frá Gísla Jónssyni.

Tillgr. orðist svo:

Alþingi heimilar ríkisstjórninni að láta smíða 2 vönduð 300—400 smál. dieselmótorskip til vöru- og farþegaflutninga fyrir Austurland og Vesturland, sem rekin séu í sambandi við strandferðaskip ríkisins.

## Ed. 555. Lög

um breyting á lögum nr. 98 9. júlí 1941, um heimild fyrir ríkisstjórnina til ráðstafana og tekjuöflunar vegna dýrtíðar og erfiðleika atvinnuveganna.

(Afgreidd frá Ed. 17. marz).

Samhljóða þskj. 196.

## Nd. 556. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Gunnari Thoroddsen.

Við 1. gr. B. 12. Nýr liður:

*Hnappadalsvegur:* Af Stykkishólmsvegi um Hnappadal og Heydal að Bílduhóli á Skógarströnd.

# Ed. 557. Frumvarp til laga

um breyting á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

2. gr. vegalaganna orðist þannig:
Þjóðvegir eru þessir:

**A. Um Suðurland.**

1. *Suðurlandsvegur:* Frá Reykjavík um Ölfus, Flóa, Holt, Rangárvelli, Landeyjar, Eyjafjöll, Sólheimasand og Mýrdal til Víkur. Um Höfðabrekkuheiði, Mýrdalssand, Skaftártungu, yfir Eldhraun, um Síðu, Fljótshverfi, Skeiðarársand, Öræfi, Breiðamerkursand, Suðursveit, um Flatey á Mýrum til Melatanga, um Höfn í Hornafirði, Nes, Almannaskarð og um væntanlega brú á Jökulsá í Lóni innan við Stafafell, að Lónsheiði.
2. *Reykjanesbraut:* Frá Reykjavík um Hafnarfjörð og Keflavík til Sandgerðis.
3. *Grindavíkurvegur:* Af Reykjanesbraut á Vogastapa um Grindavík að Reykjanesvita.
4. *Garðskagavegur:* Af Reykjanesbraut nálægt Útskálum að Garðskagavita.
5. *Álftanesvegur:* Af Hafnarfjarðarvegi til Bessastaða.
6. *Vífilsstaðavegur:* Af Hafnarfjarðarvegi til Vífilsstaða.
7. *Útvarpsstöðvarvegur:* Af Suðurlandsvegi skammt innan við Reykjavík að Útvarpsstöð á Vatnsendahæð.
8. *Krísuvíkur-* og *Selvogsvegur:* Af Reykjanesbraut sunnan við Hafnarfjörð um Krísuvík, Selvog og Ölfus að Suðurlandsvegi nálægt Hveragerði.
9. *Biskupstungnabraut:* Af Suðurlandsvegi undir Ingólfsfjalli um Grímsnes og Biskupstungur, hjá Vatnsleysu til Geysis.
10. *Sogsvegur:* Af Biskupstungnabraut skammt fyrir austan Sogsbrú, hjá Ljósafossi og austan við Þingvallavatn til Þingvalla.
11. *Þingvallabraut:* Af Vesturlandsvegi nálægt Köldukvísl til Þingvalla.
12. *Grafningsvegur:* Af Þingvallabraut nálægt Heiðarbæ, sunnan Þingvallavatns og hjá Úlfljótsvatni að Sogsvegi nálægt Ljósafossi.
13. *Laugardalsvegur:* Af Sogsvegi nálægt Þingvallavatni, um Laugardal hjá Laugarvatni að Biskupstungnabraut hjá Múla.
14. *Laugarvatnsvegur:* Af Biskupstungnabraut hjá Svínavatni að Laugardalsvegi hjá Laugarvatni.
15. *Skeiða- og Hreppavegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa upp Skeið og Hrunamannahrepp að Gullfossvegi vestan við Hvítárbrú á Brúarhlöðum.
16. *Gullfossvegur:* Af Biskupstungnabraut hjá Tungufljóti til Gullfoss.
17. *Gnúpverjavegur:* Af Skeiðavegi sunnan Laxár, hjá Ásum og norðan Miðfells upp Þjórsárdal að Ásólfsstöðum.
18. *Skálholtsvegur:* Af Skeiðavegi nálægt Reykjum, yfir Hvítá hjá Iðu, um Skálholt að Biskupstungnabraut austan Brúarár.
19. *Villingaholtsvegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa um Villingaholt suður með Þjórsá um Parta og Fljótshóla, að Gaulverjabæjarvegi.
20. *Gaulverjabæjar- og Stokkseyrarvegur:* Af Suðurlandsvegi í Flóa um Gaulverjabæ og Stokkseyri að Eyrarbakkavegi.
21. *Eyrarbakkavegur:* Frá Selfossi að Eyrarbakka.
22. *Landvegur:* Af Suðurlandsvegi í Holtum upp Land hjá Múla að Galtalæk.
23. *Hagabraut:* Af Landvegi fyrir ofan Lýtingsstaði um Haga, Stúfholt, Skammbeinsstaði að Landvegi neðan við Köldukinn.

24. *Þykkvabæjarvegur:* Af Suðurlandsvegi vestan Ægissíðu að Hábæ í Þykkvabæ.
25. *Landeyjavegur* syðri: Af Suðurlandsvegi hjá Hemlu, hjá Akurey, Bergþórshvoli, Lágafelli og Miðey að Suðurlandsvegi nálægt Ossabæ.
26. *Fljótshlíðarvegur:* Af Suðurlandsvegi á Hvolsvelli inn Fljótshlíð að Múlakoti.
27. *Dyrhólavegur:* Af Suðurlandsvegi hjá Litla-Hvammi í Mýrdal um Loftsali að Dyrhólaey.
28. *Álftaversvegur:* Af Suðurlandsvegi við Skálmárbrú á Mýrdalssandi að Þykkvabæjarklaustri í Álftaveri.
29. *Meðallands- og Landbrotsvegur:* Af Suðurlandsvegi í Skaftártungu um Ásabrú, Leiðvöll og Langholt í Meðallandi. Um væntanlega brú á Eldvatn hjá Fljótum og upp Landbrot austanvert á Suðurlandsveg við Skaftárbrú.
30. *Inn-Nesja- og Mýravegur:* Af Suðurlandsvegi hjá Hólum í Hornafirði vestur yfir Fljót innra, nálægt Hoffelli, út Mýrar að Suðurlandsvegi hjá Flatey. Yfir Hornafjarðarfljót ytra, undan Bjarnanesi.

**B. Um Vesturland.**

1. *Vesturlandsvegur:* Af Suðurlandsvegi innan við Elliðaár um Mosfellssveit og Kjalarnes, kringum Hvalfjörð, um Leirársveit, Hafnarskóg og Andakíl. Yfir Hvítárbrú hjá Hvítárvöllum og á vegamót Borgarnesbrautar norðan við Gufá. Um Norðurárdal, Bjarnadal, Miðdali, Búðardal, Svínadal, kringum Gilsfjörð, yfir Geiradal, um Kollabúðarheiði, Þorskafjarðarheiði og Langadal til Arngerðareyrar.
2. *Kjósarskarðsvegur:* Frá vegamótum Vesturlandsvegar hjá Skorá um Möðruvelli og Fellsenda á Þingvallaveg hjá Syðri-Stíflisdal.
3. *Dragháls- og Skorradalsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Ferstiklu á Hvalfjarðarströnd um Ferstikluháls, Svínadal, vestan Skorradalsvatns, um Hestháls yfir Andakíl að Vesturlandsvegi hjá Hvítárvöllum.
4. *Akranesvegur:* Frá Akranesi að Vesturlandsvegi hjá Lambhaga.
5. *Akrafjallsvegur:* Af Akranesvegi hjá Litlu-Fellsöxl, fyrir Akrafjall, hjá Klafastöðum og Innra-Hólmi á þjóðveginn ofan við Akraneskaupstað.
6. *Lundarreykjadalsvegur:* Af Skorradalsvegi á Götuási inn Lundarreykjadal á Uxahryggjaveg gegnt Gilstreymi.
7. *Bæjarsveitarvegur:* Af Vesturlandsvegi nálægt Hesti, um Bæjarsveit, um Reykjadalsárbrú hjá Kleppjárnsreykjum að Reykholtsdalsvegi.
8. *Borgarnesbraut:* Frá Borgarnesi að Vesturlandsvegi norðan Gufár.
9. *Borgarfjarðarbraut:* Af Vesturlandsvegi hjá Haugum um Stafholtstungur yfir Hvítárbrú á Kláffossi, um Reykholtsdal og Hálsasveit að Lambá.
10. *Kleifavegur:* Af Borgarfjarðarbraut hjá Kláffossbrú um Kleifar að Norðtungu.
11. *Hvítársíðuvegur:* Af Kleifavegi inn Hvítársíðu um væntanlega brú á Hvítá hjá Bjarnastöðum og á Hálsasveitarveg hjá Stóra-Ási.
12. *Álftaneshreppsvegur:* Af Stykkishólmsvegi vestan Langár um Álftaneshrepp sunnanverðan, sunnan Hólsvatns að Vogalæk.
13. *Hraunhreppsvegur:* Af Stykkishólmsvegi hjá Arnarstapa, um Hrafnkelsstaði og Laxárholt að Vogi.
14. *Hnappadalsvegur:* Af Stykkishólmsvegi um Hnappadal og Heydal að Bílduhóli á Skógarströnd.
15. *Stykkishólmsvegur:* Af Borgarnesbraut fyrir ofan Borgarnes um Mýrar, um Kerlingarskarð og Helgafellssveit til Stykkishólms.
16. *Ólafsvíkurvegur:* Af Stykkishólmsvegi austan við Straumfjarðará um Staðarsveit og Fróðárheiði til Ólafsvíkur.
17. *Útnesvegur:* Af Ólafsvíkurvegi, austan Fróðárheiðar, um Breiðuvík að Sandi.
18. *Hellusandsvegur:* Frá Ólafsvík um Ennisdal til Hellusands.

19. *Eyrarsveitar- og Fróðárhreppsvegur:* Af Stykkishólmsvegi í Helgafellssveit um Eyrarsveit til Grafarness. Utan í Búlandshöfða og um Fróðársveit á Ólafsvíkurveg.
20. *Skógarstrandarvegur:* Af Stykkishólmsvegi í Helgafellssveit um Skógarströnd, yfir Hörðudal og á Vesturlandsveg í Miðdölum.
21. *Laxárdalsvegur:* Af Vesturlandsvegi sunnan Laxár í Dölum, um Laxárdal og Laxárdalsheiði að Strandavegi utan Borðeyrar.
22. *Klofnings- og Skarðsstrandarvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Ásgarði um Staðarfell og Skarðsstöð á Vesturlandsveg í Saurbæ.
23. *Salthólmavíkurvegur:* Af Skarðsstrandarvegi hjá Tjaldanesi í Saurbæ til verzlunarstaðarins í Salthólmavík.
24. *Króksfjarðarnesvegur:* Af Vesturlandsvegi í Geiradal að verzlunarstaðnum í Króksfjarðarnesi.
25. *Reykhólasveitarvegur:* Af Vesturlandsvegi við Berufjarðarbotn, um Reykhóla að Stað.
26. *Gufudalsvegur:* Af Vesturlandsvegi í Þorskafirði að Gufudal.
27. *Steinadalsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Brekku í Gilsfirði, um Steinadalsheiði og á Strandaveg í Kollafirði.
28. *Strandavegur:* Af Norðurlandsvegi vestan Hrútafjarðarár um Borðeyri, út með Hrútafirði, um Stikuháls, meðfram Bitrufirði, um Bitruháls, Kollafjörð og til Hólmavíkur. Um Staðardal og að Vesturlandsvegi á Kollabúðarheiði.
29. *Reykjarfjarðarvegur:* Af Strandavegi í Staðardal, um Bjarnarfjörð, Bala, Kaldbak og Veiðileysu, um Kúvíkur í Reykjarfirði að Árnesi.
30. *Selstrandarvegur:* Af Reykjarfjarðarvegi norðan Selár út Selströnd að Drangsnesi.
31. *Ármúlavegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Langadalsárbrú innan við Arngerðareyri út Langadalsströnd að Ármúla.
32. *Múlavegur:* Frá Arngerðareyri um Laugaból að Múla.
33. *Aðalvíkurvegur:* Frá Heklu við Hesteyri um Hesteyrardal og Stakkadalsheiði til Látra í Aðalvík.
34. *Hnífsdals- og Bolungavíkurvegur:* Frá Ísafirði um Hnífsdal til Bolungavíkur.
35. *Ísafjarðarvegur:* Frá Ísafirði um Breiðadalsheiði, inn fyrir Önundarfjörð, um Gemlufallsheiði að Gemlufalli við Dýrafjörð.
36. *Súðavíkurvegur:* Af Ísafjarðarvegi nálægt Seljalandsá í Skutulsfirði um Arnardal til Súðavíkur.
37. *Suðureyrarvegur:* Af Ísafjarðarvegi á Breiðadalsheiði um Botnsheiði út með Súgandafirði til Suðureyrar.
38. *Flateyrarvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Breiðadal til Flateyrar.
39. *Hjarðardalsvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Mosvöllum í Önundarfirði til Hjarðardals.
40. *Núpsvegur:* Af Ísafjarðarvegi hjá Gemlufalli að Núpi.
41. *Þingeyrarvegur:* Frá Þingeyri um Brekkudal og Rafnseyrarheiði að Rafnseyri.
42. *Haukadalsvegur:* Frá Þingeyri til Haukadals.
43. *Bíldudals- og Patreksfjarðarvegur:* Frá Bíldudal um Hálfdán, fyrir Tálknafjarðarbotn, um Mikladal til Geirseyrar við Patreksfjörð.
44. *Dalahreppsvegur:* Frá Bíldudal að Bakka í Dalahreppi.
45. *Tálknafjarðarvegur:* Af Bíldudalsvegi norðan Tálknafjarðar að Sveinseyri.
46. *Rauðasandsvegur:* Frá Hvalskeri við Patreksfjörð að Saurbæ á Rauðasandi.
47. *Barðastrandarvegur:* Frá Geirseyri um Kleifaheiði, hjá Haga að Brjánslæk.

### C. Um Norðurland.

1. *Norðurlandsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Dalsmynni í Norðurárdal, um Holtavörðuheiði og Hrútafjörð, yfir Hrútafjarðarháls, Miðfjörð, Víðidal og

Vatnsdalsá hjá Hnausum til Blönduóss. Um Langadal, Stóra-Vatnsskarð, Vallhólm, Blönduhlíð, Norðurárdal, Öxnadalsheiði, Öxnadal, Þelamörk og Kræklingahlíð til Akureyrar. Um Vaðlaheiði, Ljósavatnsskarð, Fljótsheiði og Aðalreykjadal til Húsavíkur. Um Reykjaheiði og Kelduhverfi að Austurlandsvegi, austan við Jökulsárbrú í Axarfirði.

2. *Reykjaskólavegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Reykjum í Hrútafirði að Reykjaskóla.
3. *Miðfjarðarvegur:* Af Norðurlandsvegi austast á Hrútafjarðarhálsi að Litlu-Tungu.
4. *Hvammstangabraut:* Frá Hvammstanga að Norðurlandsvegi hjá Stóra-Ósi.
5. *Vesturhópsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Vatnshorni um Vesturhóp út að Hindisvík.
6. *Vatnsdalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Sveinsstöðum í Vatnsdalshólum að Undirfelli.
7. *Svínvetningabraut:* Frá Blönduósi, hjá Svínavatni, um væntanlega brú á Blöndu hjá Löngumýri á Norðurlandsveg norðan Svartárbrúar.
8. *Skagastrandarvegur:* Frá Blönduósi um Skagaströnd til Kálfshamarsvíkur.
9. *Þverárfjalls- og Gönguskarðavegur:* Af Skagastrandarvegi utan við Laxá um Norðurárdal, Þverárfjall, Laxárdal ytri, Laxárdalsheiði og Gönguskörð til Sauðárkróks.
10. *Skagavegur:* Af Gönguskarðavegi hjá Skíðastöðum út Laxárdal að Skefilsstöðum.
11. *Sauðárkróksbraut:* Frá Sauðárkróki að Norðurlandsvegi hjá Varmahlíð og að Mælifelli.
12. *Út-Blönduhlíðarvegur:* Af Hófsósvegi austan Héraðsvatna um Viðvíkursveit og Blönduhlíð á Norðurlandsveg austan við Héraðsvatnabrú á Grundarstokki.
13. *Hofsósvegur:* Frá Sauðárkróki um Hegranes, Viðvíkurveit og Óslandshlíð til Hofsóss.
14. *Hólavegur:* Af Hofsósvegi að Hólum í Hjaltadal.
15. *Siglufjarðarvegur:* Frá Hofsósi um Sléttuhlíð, Fljót og Siglufjarðarskarð til Siglufjarðar.
16. *Ólafsfjarðarvegur:* Af Siglufjarðarvegi norðan Fljótaár um Stíflu og Lágheiði til Ólafsfjarðar.
17. *Hörgárdalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Bægisá á Þelamörk yfir Hörgárbrú nálægt Púfnavöllum.
18. *Dalvíkurvegur:* Af Norðurlandsvegi á Moldhaugahálsi um Arnarneshrepp og Árskógsströnd, hjá Árgerði til Dalvíkur.
19. *Árskógssandsvegur:* Af Dalvíkurvegi utan við Þorvaldsdalsá að Árskógssandi.
20. *Svarfaðardalsvegur:* Af Dalvíkurvegi hjá Árgerði að Urðum.
21. *Hrísavegur:* Af Dalvíkurvegi hjá Hrísum um brýr á Skíðadalsá og Svarfaðardalsá að Svarfaðardalsvegi hjá Hreiðarsstöðum.
22. *Hjalteyrarvegur:* Af Dalvíkurvegi hjá Skriðulandi í Arnarneshreppi til Hjalteyrar.
23. *Eyjafjarðarbraut:* Af Norðurlandsvegi sunnan Akureyrar að Jórunnarstöðum, ásamt brautinni að Kristneshæli.
24. *Laugalandsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Kaupangi, hjá Laugalandsskóla, um Eyjafjarðarárbrú á Stíflu og á Eyjafjarðarbraut skammt utan við Saurbæ.
25. *Svalbarðsstrandarvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Veigastöðum innst á Vaðlaheiði, um Svalbarðsströnd og Höfðahverfi á Fnjóskadalsveg austan við brú á Fnjóská hjá Laufási.
26. *Fnjóskadalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Hálsi út Fnjóskadal austanverðan um Höfðahverfi til Grenivíkur.
27. *Kinnarvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Krossi í Ljósavatnsskarði um Köldu-

kinn, yfir Skjálfandafljótsbrú, norður fyrir Garðsnúp á Norðurlandsveg hjá Garði í Aðaldal.

28. *Reykjahverfisvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Laxamýri í Aðaldal, um Hveravelli í Reykjahverfi og Hvammsheiði, hjá Grenjaðarstað, á Norðurlandsveg hjá Syðra-Fjalli í Aðaldal.
29. *Bárðardalsvegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Fosshól, austan Skjálfandafljóts að Sandvík í Bárðardal.
30. *Mývatnssveitar- og Mývatnsöræfavegur:* Af Norðurlandsvegi hjá Breiðumýri um Mývatnsheiði, Mývatnssveit, Námaskarð og Mývatnsöræfi, um væntanlega brú á Jökulsá og á Austurlandsveg hjá Grímsstöðum á Fjöllum.
31. *Laugaskólavegur:* Af Mývatnssveitarvegi sunnan við Breiðumýri að Laugaskóla.
32. *Tjörnesvegur:* Frá Húsavík kringum Tjörnes að Norðurlandsvegi hjá Lóni í Kelduhverfi.
33. *Kópaskers- og Raufarhafnarvegur:* Af Norðurlandsvegi austan við Jökulsárbrú í Axarfirði, um Kópaskerskauptún, yfir Melrakkasléttu, um Raufarhöfn á Axarfjarðarheiðarveg nálægt Svalbarði í Þistilfirði.
34. *Axarfjarðarheiðar- og Þistilfjarðarvegur:* Af Kópaskersvegi hjá Klifshaga, um Hrauntanga og Svalbarð í Þistilfirði til Þórshafnar.
35. *Langanesvegur:* Frá Þórshöfn um Langanes að Skálum.

## D. Um Austurland.

1. *Austurlandsvegur:* Af Norðurlandsvegi austan við Jökulsá í Axarfirði, um Hólsfjöll hjá Grímsstöðum, hjá Möðrudal, um Möðrudalsöræfi, Jökuldalsheiði, um Jökuldal hjá Skjöldólfsstöðum, um Jökulsárbrú hjá Fossvöllum, um Hróarstungu, um Lagarfljótsbrú hjá Egilsstöðum, um Velli og Skriðdal, um Breiðdalsheiði, um Breiðdal hjá Eydölum, um Strætishvarf, um Berufjarðarströnd til Djúpavogs. Um Geithellnahrepp yfir Lónsheiði að Suðurlandsvegi í Lóni.
2. *Stranda- og Jökulsárhlíðarvegur:* Frá Þórshöfn yfir Brekknaheiði, um Strandir, Sandvíkurheiði, Vopnafjörð, Hellisheiði og Jökulsárhlíð á Austurlandsveg vestan við Jökulsárbrú hjá Fossvöllum.
3. *Hafnarvegur:* Af Stranda- og Jökulsárhlíðarvegi við Bakkaá í Skeggjastaðahreppi að Hafnarkauptúni.
4. *Vopnafjarðarvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Möðrudal um Langadal, yfir Möðrudalsheiði, um Hofsárdal til Vopnafjarðar.
5. *Jökuldalsvegur:* Frá Austurlandsvegi við Gilsá í Jökuldal um Hákonarstaði og Brú að Aðalbóli.
6. *Hróarstunguvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Rangá, um Kirkjubæ, yfir væntanlega brú á Lagarfljót hjá fossi og á Úthéraðsveg hjá Bóndastöðum.
7. *Upphéraðsvegur:* Af Austurlandsvegi vestan Lagarfljótsbrúar, um Fell og á Fljótsdalsveg vestan við Jökulsá í Fljótsdal skammt fyrir innan Valþjófsstað.
8. *Fjarðarheiðarvegur:* Af Fagradalsbraut hjá Egilsstöðum um Fjarðarheiði til Seyðisfjarðar.
9. *Úthéraðsvegur:* Af Fjarðarheiðarvegi austan við Eyvindarárbrú um Eiðaþinghá og Hjaltastaðaþinghá að Óshöfn. Um Gönguskörð og Njarðvíkurskriður til Borgarfjarðar.
10. *Fagradalsbraut.* Af Austurlandsvegi hjá Egilsstöðum um Fagradal að Búðareyri við Reyðarfjörð.
11. *Eskifjarðarvegur:* Frá Búðareyri við Reyðarfjörð til Eskifjarðarkauptúns.
12. *Norðfjarðarvegur:* Frá Eskifjarðarkauptúni um Oddsskarð til Neskaupstaðar.
13. *Viðfjarðarvegur:* Frá Eskifjarðarkauptúni um Vaðlavíkurheiði til Viðfjarðar.
14. *Skóga- og Fljótsdalsvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Úlfsstöðum á Völlum um Skóga, Hallormsstað, Víðivelli, yfir væntanlegar brýr á Kelduá og Jökulsá, á Upphéraðsveg skammt fyrir innan Valþjófsstað.

15. *Þórdalsheiðarvegur:* Af Austurlandsvegi í Skriðdal um Þórdalsheiði og Fagradalsbraut í Reyðarfirði.
16. *Mjóafjarðarvegur:* Af Fagradalsbraut sunnan við Köldukvísl um Eyvindardal, Slenjudal og Mjóafjarðarheiði að Firði í Mjóafirði.
17. *Fáskrúðsfjarðarvegur:* Af Fagradalsbraut í Reyðarfirði um Sléttuströnd og Staðarskarð að Búðum í Fáskrúðsfirði.
18. *Breiðdalsvíkurvegur:* Af Austurlandsvegi hjá Eydölum í Breiðdal til Breiðdalsvíkur.
19. *Stöðvarfjarðarvegur:* Frá Búðum um Hafnarnes og Stöðvarfjörð á Breiðdalsvíkurveg hjá Þverhamri.

2. gr.

Lög nr. 72/1936 og lög nr. 109/1940 um breyting á vegalögum, nr. 101/1933, eru úr gildi felld.

## Nd. 558. Frumvarp til laga

um breyting á hafnarlögum fyrir Húsavík, nr. 38 19. júní 1933.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

1. gr. laganna skal orða svo:

Til hafnargerðar á Húsavík veitast úr ríkissjóði $^2/_5$ kostnaðar, eftir áætlun, sem ríkisstjórnin hefur samþykkt, þegar fé er veitt til þess í fjárlögum, allt að kr. 1200000 — ein milljón og tvö hundruð þúsund kr. —, gegn $^3/_5$ hlutum frá hafnarsjóði Húsavíkur, enda sé ekki hafizt handa um framkvæmdir nema með leyfi ríkisstjórnarinnar, að fengnum tillögum vitamálastjóra.

2. gr.

Upphaf 2. gr. laganna skal orða svo:

Ríkisstjórninni veitist heimild til að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að kr. 1800000 — einnar milljónar og átta hundruð þúsund króna — lán.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 559. Breytingartillaga

við frv. til l. um Kennaraskóla Íslands.

Frá Gísla Guðmundssyni.

Aftan við frv. komi svo hljóðandi

**Ákvæði til bráðabirgða:**

Fræðslumálastjórnin gerir ráðstafanir til að tryggja kennaraskólanum hentugt land við jarðhita í sveit, með það fyrir augum, að þar verði reist hús handa skólanum, þegar þörf gerist og fé er veitt til í fjárlögum. Velja skal staðinn með tilliti til þess, að þar verði jafnframt heimavistarskóli fyrir börn í einu eða fleiri fræðsluhverfum, enda sé sá skóli æfingaskóli samkvæmt 9. gr.

## Ed. 560. Breytingartillaga

við frv. til l. um verzlun með kartöflur o. fl.

Frá Gísla Jónssyni.

Við 5. gr. 2. mgr. falli niður.

## Ed. 561. Lög

um verzlun með kartöflur o. fl.

(Afgreidd frá Ed. 17. marz).

Samhljóða þskj. 401.

## Ed. 562. Lög

um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla.

(Afgreidd frá Ed. 17. marz).

Samhljóða þskj. 553.

## Nd. 563. Breytingartillögur

við frv. til l. um Kennaraskóla Íslands.

Frá Lúðvík Jósefssyni og Gísla Guðmundssyni.

1. Við 6. gr. Greinin orðist svo:
   Nemendur, sem lokið hafa gagnfræðaprófi með lágmarkseinkunn, sem ákveðin er í reglugerð, fá próflaust inntöku í fyrstu ársdeild, svo og aðrir þeir, sem við inntökupróf sýna, að þeir hafi fengið sams konar fræðslu. Nánari ákvæði um inntökupróf setur ráðuneytið með reglugerð.
2. Við 11. gr. Á eftir orðinu „reglugerð" komi: í samræmi við þau inntökuskilyrði, sem ákveðin eru í 6. gr.

## Nd. 564. Nefndarálit

um frv. til l. um vernd barna og ungmenna.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta mjög ýtarlega, rætt það á mörgum fundum og fengið um það álitsgerð barnaverndarráðs Íslands.

Í frv. þessu, sem flutt er af hæstv. ríkisstjórn, er steypt saman í einn lagabálk lögum nr. 43 frá 1932, um barnavernd, lögum nr. 76 frá 1933, um breyting á þeim lögum, og lögum um ungmennadóm, eftirlit með ungmennum o. fl., nr. 62 frá 1942. Eru lög þessi samræmd, auk þess bætt inn í frv. fjölda nýmæla og hin eldri ákvæði gerð ýtarlegri.

Allshn. hefur að lokinni athugun orðið ásátt um að mæla með samþykkt frv., sem hún telur á marga lund til mikilla bóta. Hins vegar ber hún fram allmargar breytingartillögur, er hér fara á eftir, og eru þar bæði efnis- og orðabreytingar. Hefur nefndin tekið upp flestar þær tillögur, er barnaverndarráð sendi nefndinni. Auk þess bárust nefndinni nokkrar brtt. frá hæstv. dómsmrh., og tekur nefndin þær allar upp.

Að öðru leyti verða brtt. n. nánar skýrðar í framsögu við 2. umr. málsins.

Einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til að flytja og fylgja öðrum brtt. Sérstaklega tekur Áki Jakobsson það fram, að hann vilji láta breyta ákvæðum um verksvið ungmennadóms o. fl. og mun leggja fram brtt. þar að lútandi og gera grein fyrir þeim.

## BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Við 1. gr. Á eftir „fávitahælum“ í 4. tölul. komi: fyrir börn og ungmenni.
2. Við 4. gr. Aftan við gr. bætist: Þó getur hreppsnefnd eða barnaverndarráð ákveðið, að sérstök barnaverndarnefnd skuli kosin.
3. Við 6. gr.
   a. Í stað 1. málsl. fyrri málsgr. kemur: Bæjarstjórn í kaupstað kýs barnaverndarnefnd, í Reykjavík 7 manna, í öðrum kaupstöðum 5 manna. Ef kjósa skal barnaverndarnefnd utan kaupstaða (sbr. 4. gr.), skal hún skipuð 3 mönnum og valin af hreppsnefnd.
   b. Í stað „reglu“ í 3. málsl. sömu mgr. komi: reglum.
   c. 2. mgr. falli brott.
4. Við 10. gr.
   a. Í stað „samkvæmt tillögum“ í 2. mgr. komi: að fengnum tillögum.
   b. 3. mgr. orðist svo:
      Barnaverndarnefnd utan Reykjavíkur er heimilt, með samþykki bæjarstjórnar eða hreppsnefndar, að ráða sér fulltrúa og annað starfsfólk.
5. Við 12. gr. 1. mgr. orðist svo:
   Ráðherra skipar barnaverndarráð til 4 ára í senn. Skal það skipað 3 mönnum og eiga heima í Reykjavík. Einn skal skipaður samkvæmt tillögu Prestafélags Íslands, annar samkvæmt tillögu Sambands íslenzkra barnakennara, en hinn þriðja skipar ráðherra án tilnefningar, og er hann formaður ráðsins, en að öðru leyti skiptir ráðið með sér störfum. Á sama hátt skulu skipaðir jafnmargir varamenn. Ritari heldur fundabók um störf ráðsins.
6. Við 13. gr. 1. mgr. orðist svo:
   Ungmennadóm skipa héraðsdómari (í Reykjavík sakadómari) ásamt tveimur samdómendum, er ráðherra skipar til 4 ára í senn. Á sama hátt skal skipa tvo varamenn. Héraðsdómari er forseti ungmennadóms.
7. Við 14. gr. Síðari málsl. fyrri mgr. orðist svo: Ef svipta á forráðamenn barns umráðarétti yfir því, þurfa hið fæsta 2 nefndarmenn í 3 manna nefnd, 4 í 5 manna nefnd og 5 í 7 manna nefnd að gjalda ráðstöfuninni jákvæði.
8. Við 19. gr. Úr síðari málsl. fyrri málsgr. falli niður orðin „þeirra“ og „sem á vegi þeirra verða“.
9. Við 20. gr. 3. mgr. falli brott.
10. Við 25. gr.
    a. Síðari málsl. fyrri málsgr. orðist svo: Ef barn líður skort vegna örbirgðar, skal barnaverndarnefnd þegar í stað gera nauðsynlegar ráðstafanir til bráðabirgða, og greiðist kostnaður úr bæjar-(sveitar-)sjóði.
    b. Síðari mgr. orðist svo:
       Ekki má taka barn af heimili eingöngu vegna örbirgðar foreldra eða forráðamanna.

11. Við 29. gr. Niðurlag 2. mgr. orðist svo: ungmenni, sem ætla má, að stafi hætta af sambúð við það.
12. Við 33. gr. Greinin falli burt. Greinatala breytist í samræmi við það.
13. Við 34. gr. Greinin orðist svo:
    Áður en ættleiðingarleyfi er veitt, skal ráðherra leita umsagnar barnaverndarnefndar.
14. Við 35. gr. Greinin orðist svo:
    Rétt er barnaverndarnefnd að halda skrá um þau börn og ungmenni, sem sérstök ástæða er til að fylgjast með högum þeirra vegna umkomuleysis eða annmarka.
15. Við 39. gr. Síðasti málsl. fyrri málsgr. falli burt.
16. Við 41. gr.
    a. Á eftir orðunum „fullnaðarprófi barnafræðslu“ í 2. málsl. 1. mgr. bætist: eða burtfararprófi.
    b. Síðasti málsl. sömu mgr. falli burt.
    c. Aftan við 3. mgr. bætist: ef miklar sakir eru.
17. Við 43. gr.
    a. Á eftir orðunum „samkomustaði barna“ í 1. mgr. komi: banna sölu sælgætis á veitingastöðum, sem börnum telst óhollt að sækja.
    b. 2. mgr. orðist svo:
       Rétt er í reglugerð að banna leikföng, sem hættuleg eru börnum að dómi barnaverndarnefndar.
18. Við 45. gr. Síðasti málsl. 2. mgr. orðist svo: Kvikmyndahús greiðir eftirlitsmanni eða varaeftirlitsmanni (barnaverndarnefndarmanni, sbr. 1. mgr.) þóknun þá, er ráðherra ákveður fyrir hverja mynd.
19. Við 47. gr. Í stað „21“ í 3. mgr. komi: 18.
20. Við 49. gr.
    a. Í stað „21“ í fyrri málsl. komi: 18.
    b. Við greinina bætist: ef miklar sakir eru.
    c. Við greinina bætist ný málsgr., svo hljóðandi:
       Það varðar sektum, varðhaldi eða fangelsi, ef maður verður þess vís, að verknaður sá, er í þessari grein getur, kemur niður á barni eða ungmenni innan 16 ára aldurs, og lætur ógert að afstýra því, ef honum er [illegible] eða gera hlutaðeigandi löggæzlumanni eða barnaverndarnefnd viðvart.
21. Við 50. gr. Í stað „21“ í fyrri málsl. komi: 18.
22. Við 51. gr. 2. mgr. orðist svo:
    Vanræksla í þessu efni varðar sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að tveim árum. Refsimál skal því aðeins höfða, að barnaverndarnefnd sú, er hlut á að máli, eða barnaverndarráð krefjist þess.
23. Við 58. gr. Við 1. málsl. fyrri málsgr. bætist: og beint eftirlit með hælum þeim og uppeldisstofnunum, sem ætluð eru til viðtöku börnum og unglingum hvaðanæva af landinu.
24. Við 59. gr. Greinin orðist svo:
    Barnaverndarráð getur skipað barnahæli eða uppeldisstofnun sérstakan heimilislækni og greiðir honum þóknun. Barnaverndarráð getur krafið hann skýrslna og læknisumsagnar um atriði þau, er um getur í 58. gr.
25. Við 60. gr.
    a. Orðið „ekki“ í 2. málslið falli burt.
    b. 3. málsliður falli burt.

26. Við 61. gr. Fyrir „almennra lögreglumála“ í 2. málsl. 1. mgr. komi: opinberra mála.
27. Við 63. gr. 4. mgr. falli burt.
28. Við 65. gr. Fyrir „sakamála ... lögreglumála“ komi: opinberra mála.
29. Við 66. gr. Á eftir „um breyting á þeim lögum“, komi: lög nr. 62 4. júlí 1942, um eftirlit með ungmennum o. fl.

Alþingi, 13. marz 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Gunnar Thoroddsen, frsm.

Áki Jakobsson. Jörundur Brynjólfsson.

## Ed. 565. Breytingartillaga

við frv. til laga um húsaleigu.

Frá Ingvari Pálmasyni.

Á eftir 17. gr. komi ný grein, sem verði 18. gr., svo hljóðandi:

Lög þessi gilda fyrir alla kaupstaði landsins og kauptún, sem hafa 800 íbúa eða fleiri.

Heimilt er ríkisstjórninni að fyrirskipa, að ákvæði laganna skuli einnig gilda að nokkru eða öllu leyti fyrir kauptún og þorp, sem hafa yfir 300 íbúa, ef viðkomandi sveitarstjórn óskar þess eða fyrir liggur samþykkt meiri hl. kjósenda í kauptúninu eða þorpinu um, að svo skuli vera.

## Ed. 566. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

1. málsgr. 35. gr. laganna orðist svo:

Ríkissjóður og hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóðir greiða hver um sig í sjóð sjúkrasamlaga ¼ greiddra iðgjalda, þó ekki yfir 12 kr. fyrir hvern tryggðan mann.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, en koma til framkvæmda frá 1. jan. 1943.

## Ed. 567. Breytingartillaga

við dagskrártill. minni hl. menntamálanefndar á þskj. 526 [Ríthöfundaréttur].

Frá Gísla Jónssyni.

Dagskrártillagan orðist svo:

Í trausti þess, að ríkisstjórnin verði við þeirri ályktun Alþingis að hraða eftir því, sem frekast eru föng á, undirbúningi heildarlöggjafar um höfundarétt og list-

vernd og leiti þar um tillagna frá Bandalagi ísl. listamanna, telur deildin ekki tímabært að taka afstöðu til frumvarps þess, sem fyrir liggur, og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

## Nd. 568. Breytingartillaga

við frv. til l. um Kennaraskóla Íslands.

Frá menntamálanefnd.

Við 6. gr. Greinin orðist svo:

Til þess að vera tekinn í fyrstu ársdeild, þarf nemandi að hafa staðizt inntökupróf í skólann eða sanna, að hann hafi lokið gagnfræðaprófi eða öðru prófi jafngildu. Nánari ákvæði um þetta setur ráðuneytið með reglugerð.

## Ed. 569. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

1. gr. laganna orðist svo:

Höfundur hver á eignarrétt á því, er hann hefur samið eða gert. Hann hefur því innan þeirra takmarka, sem lög þessi setja, einkarétt á:

a. að birta og gefa út rit sín, skrifuð, prentuð eða margfölduð á hvern hátt sem er, þýða þau, sýna þau á leiksviði eða í kvikmynd, lesa þau upp, flytja í útvarp eða hagnýta þau eða koma á framfæri með öðrum hætti; þetta gildir jafnt um allt ritað mál, ræður og erindi (sbr. þó 2. málsgr. 8. gr. og niðurlag 13. gr.), svo og tónsmíðar allar,
b. að gera eftirlíkingar (kopíur), ljósmyndir eða aðrar eftirmyndir af verkum sínum, svo sem höggmyndum, skurðmyndum, málverkum, teikningum og hvers konar uppdráttum, ljósmyndum, listsmíði, fyrirmyndum og hverju því verki, sem höfundarréttur getur fylgt, svo og að margfalda slíkar eftirmyndir til sölu, auglýsinga eða hagnaðar á nokkurn hátt,
c. að sýna opinberlega slík verk, sem í b-lið greinir, í hvaða skyni sem er, séu þau í einkaeign; þetta gildir þó ekki um einkasöfn, sem opin eru almenningi samkvæmt staðfestri reglugerð.

2. gr.

2. gr. laganna orðist svo:

Nú hefur stéttarfélag eða stéttarsamband höfunda fengið almenna aðild um flutningsrétt á ritverkum og tónsmíðum og reglur verið settar um það efni, og skal þá heimilt, án sérstaks leyfis hverju sinni, að lesa upp og flytja í útvarp einstök kvæði, smásögur, ritgerðir eða kafla úr ritum, svo og að syngja eða leika einstök lög og tónverk, sem út hafa verið gefin, eða kafla úr þeim, enda sé þá fullnægt settum skilyrðum um rétt höfundar og greiðslu til hans. Nú er höfundur ekki í stéttarfélagi, og nýtur hann þó sama réttar og áskilinn er í hinum almennu reglum eða samningum, en hvorki meiri né minni; sama er, ef höfundarréttur er kominn öðrum í hendur.

Einstök kvæði, sögur, ritgerðir og kafla úr ritum, svo og einstök lög og kafla úr tónverkum, sem út hafa verið gefin, má hafa um hönd án allra kvaða á samkomum,

sem haldnar eru í góðgerðaskyni, eða til þess eingöngu að kynna menntir þjóðarinnar, eða til mannfagnaðar aðeins, enda komi þá engin greiðsla fyrir flutninginn; svo og á samkomum félaga eða skóla, enda sé ekki greitt fyrir flutninginn og aðgöngueyrir ekki hærri en svarar beinum tilkostnaði. Danslag má leika kvaðalaust á slíkum samkomum, þó að hljóðfæraleikari taki venjulega þóknun, nema félagsbundin eða föst hljómsveit leiki.

Söngfélög og aðrir, er hafa með höndum tónlistarstarfsemi án þess þeir taki sérstaka greiðslu fyrir, skulu og njóta undanþágu samkvæmt ákvæðum síðustu málsgreinar.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi og koma til framkvæmda, þá er settar hafa verið reglur samkvæmt 1. málsgr. 2. gr. og menntamálaráðherra hefur staðfest þær.

4. gr.

Lög nr. 11 22. okt. 1912 eru úr gildi felld.

5. gr.

Þegar lög þessi hafa hlotið staðfestingu, sbr. 3. gr., skal fella meginmál þeirra inn í texta laga nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt, og gefa þau út svo breytt með fyrirsögninni: Lög um höfundarétt og prentrétt.

## Ed. 570. Nefndarálit

um frv. til l. um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá minni hluta landbúnaðarnefndar.

Nefndin hefur athugað frv. og hefur ekki getað orðið sammála um afgreiðslu þess. Þeir HG, KA og EE hafa, að því er ætla má, hver sína sérstöðu í málinu.

Við undirritaðir nefndarmenn leggjum til, að frv. verði samþykkt með svo felldum

BREYTINGUM:

1. Við 4. gr. Greinin falli niður, og greinatalan breytist samkvæmt því.
2. Við 5. gr.
   a. Í stað „innheimtir“ í 1. málsgr. komi: greiðir.
   b. Í stað orðanna „Fé það, er þannig innheimtist, skal“ í síðustu málsgr. komi: Gjöld þessi skulu.

Alþingi, 18. marz 1943.

| | |
|---|---|
| Páll Hermannsson, form. | Þorst. Þorsteinsson, frsm. |

## Ed. 571. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 3. maí 1935, um virkjun Fljótaár.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta og er sammála um að mæla með, að það nái fram að ganga.

Einn nefndarmaður (BSt) tók eigi þátt í afgreiðslu málsins vegna lasleika.

Alþingi, 19. marz 1943.

Pétur Magnússon, form., frsm. H. Guðmundsson, fundaskr. Lárus Jóhannesson.

Steingr. Aðalsteinsson.

## Sþ. 572. Nefndarálit

um till. til þál. um undanþágu á aðflutningstollum til rafvirkjana.

Frá meiri hl. fjárveitinganefndar.

Nefndin hefur athugað tillögu þessa, en ekki getað orðið sammála um afgreiðslu hennar. Vilja þeir LJós og ÞG samþykkja hana eins og hún liggur fyrir.

Vér undirritaðir nefndarmenn teljum það réttari leið, þegar farið er fram á jafnmikilvæga breytingu á lagafyrirmælum og felst í tillögu þessari, að þá verði þær breytingar fluttar í frumvarpsformi og afgreiddar, ef samþykktar eru, sem lög frá Alþingi. Hafa undanþágur, sem gerðar hafa verið frá tollskrá, verið afgreiddar sem lög um breyting á henni, sbr. t. d. undanþágu á innfluttu efni til fiskikassagerðar. Hér í till. þessari er um að ræða geysirýrnun á tolltekjum ríkissjóðs, jafnvel svo skiptir milljónum króna, ef taldar eru allar þær rafvirkjanir, sem nú eru á döfinni. Virðist oss sjálfsagt, að slíkt mál sæti sömu athugun í deildum Alþingis og frumvörp um aðrar lagabreytingar.

Samkvæmt framansögðu leggjum vér til, að málið verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Þar sem lögum verður ekki breytt með þingsályktun og venja er orðin á Alþingi að heimildar til þess að fella niður eða lækka toll af sérstökum vörutegundum sé leitað með breytingu á tollskrá, lítur Alþingi svo á, að leita beri slíkrar heimildar, sem tillögugreinin ræðir um, í frumvarpsformi og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 19. marz 1943.

Finnur Jónsson, form. Helgi Jónasson, fundaskr. Þorst. Þorsteinsson, frsm.

Jónas Jónsson. Páll Zóphóníasson. Pétur Ottesen. Sig. E. Hlíðar.

## Sþ. 573. Tillaga til þingsályktunar

um síldarmjöl til fóðurbætis.

Flm.: Páll Zóphóníasson, Þorsteinn Þorsteinsson, Ingólfur Jónsson, Jón Sigurðsson, Páll Hermannsson, Bjarni Ásgeirsson.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni:

a. Að ákveða verð á síldarmjöli til fóðurbætis á komandi sumri í samræmi við 12. gr. laga nr. 1 1938.
b. Að sjá svo um, að haldið verði eftir óseldu og ólofuðu svo miklu af 1. fl. síldarmjöli 30. sept. n. k., að tryggt sé, að dómi Búnaðarfélags Íslands, að ekki verði skortur á síldarmjöli til fóðurbætis veturinn 1943—44.

Greinargerð.

Með tillögu þessari er gert ráð fyrir, að sala síldarmjöls til fóðurbætis færist aftur í það horf, sem hún var í fram að miðju ári 1942. Verð á síldarmjöli til fóðurs var þá ár hvert, í samráði við stjórn síldarverksmiðja ríkisins, ákveðið nokkru lægra en útflutningsverð síldarmjölsins (sbr. lög nr. 1 1938, 12. gr.). Þegar heyskap var lokið og fyrir lá, hve mikið af síldarmjöli hafði verið keypt og pantað 30. sept., fól ríkisstjórnin Búnaðarfélagi Íslands að ákveða, hve miklu síldarmjöli þyrfti að halda eftir til viðbótar til þess að nægur varaforði væri í landinu.

Tillagan gerir ráð fyrir, að síldarmjöl það, sem haldið verður eftir til fóðurbætis, verði eingöngu 1. flokks vara. En undanfarið hefur talsvert borið á því, að síldarmjöl það, sem selt hefur verið innanlands, hafi verið 2. og 3. flokks vara og því mjög lélegt fóður.

## Ed. 574. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942.

Frá landbúnaðarnefnd.

Nefndin hefur athugað frumvarp þetta, sem er einskorðað við breytingar, er til bóta horfa á V. kafla laganna (um vélasjóð), og er ágreiningslaus tillaga nefndarmanna, að mæla með samþykkt á frv. óbreyttu.

Alþingi, 19. marz 1943.

Páll Hermannsson, form. Eiríkur Einarsson, fundaskr., frsm. Kristinn E. Andrésson.

Þorst. Þorsteinsson. H. Guðmundsson.

## Ed. 575. Nefndarálit

um frv. til l. um afnám l. nr. 127 9. des. 1941, um viðauka við l. nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Frá minni hl. menntamálanefndar.

Menntamálanefnd Ed. hefur haft þetta frv. til athugunar langan tíma. Var það fyrst tekið fyrir á fundi n. 15. jan. s. l., og var samþykkt að biðja Sigurð Nordal,

prófessor, Árna Pálsson, prófessor, og Björn Guðfinnsson, lektor, að koma á fund með nefndinni og láta henni í té upplýsingar um málið. Mættu þeir allir á fundi nefndarinnar 22. jan., og að loknum ýtarlegum umræðum urðu þeir einnig við þeim tilmælum að senda nefndinni skriflega álitsgerð. Á fundi n. 5. febr. var frv. enn til umræðu, og var þá lagt fram sameiginlegt álitsskjal frá háskólakennurunum þremur. Nefndin gat ekki orðið sammála um afgreiðslu frumvarpsins, heldur klofnaði hún í þrennt, en þó var svo til ætlazt, að áður en nefndarmenn létu prenta álit sitt, bæru þeir ráð sín saman á nefndarfundi til frekari athugunar á því, hvort þeir gætu átt nokkra samleið í málinu. Síðan þessi fundur var haldinn, eru liðnar sex vikur, og frv. hefur ekki verið rætt á fundi. Ég tel ófært, að afgreiðsla málsins tefjist á þennan hátt, og verð ég því að birta álit mitt, án þess mér hafi gefizt tækifæri til að bera það undir samnefndarmenn mína á fundi, eins og ráð var fyrir gert.

Þær upplýsingar, sem fram hafa komið í málinu, og sérstaklega álitsgerð háskólakennaranna, styðja eindregið þá skoðun, að viðaukalög þau frá 1941, sem frumvarpið leggur til, að verði felld úr gildi, séu óhæf og fáránleg og beri því að afnema. Þau fela í sér þrjú ákvæði: 1) að hið íslenzka ríki hafi eitt rétt til að gefa út íslenzk rit, sem samin eru fyrir 1400; 2) að „þó að 50 ár séu liðin eða meira frá dauða höfundar, megi ekki birta rit hans breytt að efni, meðferð eða málblæ, ef breytingunum er svo háttað, að menning eða tunga þjóðarinnar bíði tjón af". 3) að ráðuneyti það, sem fer með kennslumál, geti veitt öðrum leyfi til slíkrar útgáfu, og „má binda leyfið því skilyrði, að fylgt sé samræmdri stafsetningu fornri". Hinir sérfróðu menn, sem nefndin ráðfærði sig við, hafa tekið þessi ákvæði til athugunar lið fyrir lið og telja eitt þeirra „mjög óviðurkvæmilegt" og hin tvö „ekki rétt" að löghelga. Í sameiginlegri álitsgerð þeirra segir svo:

„A. Við teljum það mjög óviðurkvæmilegt, að hið íslenzka ríki hafi eitt rétt til þess að gefa út íslenzk rit, sem samin eru fyrir 1400, eða veita leyfi til þess. Samkvæmt því ákvæði mætti kennslumálaráðherra t. d. banna fræðimönnum á Íslandi að gera stafréttar útgáfur fornra handrita.

B. Við teljum ekki rétt, að ráðuneyti það, sem fer með kennslumál, skeri úr um, hverjar breytingar á ritum séu með þeim hætti, að „menning eða tunga þjóðarinnar bíði tjón af". Engin trygging er fyrir því, að þeir, sem með þau mál fara, hafi skilyrði til að dæma um slíkt af nægilegri þekkingu.

C. Við teljum ekki rétt að löghelga neina þá „samræmda" stafsetningu, sem höfð hefur verið á útgáfum íslenzkra fornrita fram að þessu. Engin þeirra samræmist til neinnar hlítar framburði þeim, sem tíðkaðst á ritunartíma sagnanna, né heldur til neinnar hlítar uppruna orðanna. Stafsetningin frá 1929 stendur t. d. í sumum efnum nær upprunanum en stafsetningin á Íslenzkum fornritum."

Af ummælum þessara fræðimanna kemur skýrt í ljós, að þeir telja lög, sem veita ríkinu einkarétt á útgáfu íslenzkra fornrita eða gefa fyrirmæli um ákveðna stafsetningu á slíkum útgáfum, óheppilega leið og alls ekki þá, sem ætti að fara, þó að eftirlit með útgáfu eldri rita væri talið nauðsynlegt. Er því ályktun þeirra eindregin meðmæli með frv., eða með öðrum orðum stuðningur við þá skoðun, að viðaukalögin frá 1941 beri að afnema. Hitt er annað mál, er varðar ekki afgreiðslu þessa frumvarps, hvern dóm fræðimenn leggja á verk einstakra útgefenda. Þar er vitanlega oft þörf vandlátrar gagnrýni af hálfu þeirra, sem bezt skynbragð bera á þessa hluti.

Alþingi, 19. marz 1943.

Kristinn E. Andrésson.

## Nd. 576. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 568 [Kennaraskóli].

Frá menntamálanefnd.

Á eftir orðunum „inntökupróf í skólann“ komi: er sýni, að hann hafi lokið sem svarar tveggja vetra gagnfræðanámi.

## Ed. 577. Frumvarp til laga

um Kennaraskóla Íslands.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Kennaraskóli Íslands starfar í fjórum ársdeildum, eigi skemur en 7 mánuði á ári.

2. gr.

Tilgangur skólans er að búa nemendur undir kennarastarf í barnaskólum.

3. gr.

Skólinn er jafnt fyrir konur sem karla. Kennslan veitist ókeypis.

4. gr.

Í skólanum skal kenna þessar námsgreinar:

Íslenzku og íslenzkar bókmenntir, eitt Norðurlandamál, ensku eða þýzku, stærðfræði, eðlisfræði, efnafræði, náttúrufræði, heilsufræði, landafræði, sögu og félagsfræði, kristin fræði og siðfræði, uppeldisfræði, kennslufræði, kennsluæfingar, teikningu, söng, handavinnu, skrift, íþróttir.

Heimilt skal að halda námskeið við skólann í ýmsum framan nefndum greinum, enn fremur í garðyrkju og trjárækt, þegar kostur er.

Í kennslunni skal hafa sérstakt tillit til þess, að nemendur eigi sjálfir að kenna þessar námsgreinar og verða síðar leiðtogar barna og unglinga.

5. gr.

Þessi eru almenn inntökuskilyrði í skólann:

1. Að nemandi, sem tekinn er í fyrsta bekk, sé fullra seytján ára um næstu áramót og ári eldri fyrir hverja aðra ársdeild. Þó getur fræðslumálastjórn veitt undanþágu frá þessu ákvæði, ef sérstakar ástæður eru fyrir hendi.
2. Að nemandi hafi engan næman kvilla eða önnur lýti, er geri hann óhæfan til kennarastarfa.
3. Að nemandi sé óspilltur að siðferði.

6. gr.

Til þess að vera tekinn í fyrstu ársdeild, þarf nemandi að hafa staðizt inntökupróf í skólann, er sýni, að hann hafi lokið sem svarar tveggja vetra gagnfræðanámi, eða sanna, að hann hafi lokið gagnfræðaprófi eða öðru prófi jafngildu. Nánari ákvæði um þetta setur ráðuneytið með reglugerð.

7. gr.

Í hverjum bekk skal halda próf í lok skólaárs, og er próf fjórða bekkjar kennarapróf. Ljúka má námi í einstökum gagnfræðagreinum í öðrum eða þriðja bekk, enda skulu einkunnir í þeim greinum taldar á kennaraprófskírteini.

8. gr.

Um inntöku stúdenta og annarra utanskólamanna fer eftir ákvæðum í reglugerð, sem ráðuneytið setur.

9. gr.

Stofna skal, svo fljótt sem því verður við komið, æfingaskóla í sambandi við kennaraskólann með öllum ársdeildum venjulegra barnaskóla.

10. gr.

Við kennaraskólann og æfingaskólann skulu vera sex fastir kennarar auk skólastjóra og aukakennarar eftir þörfum, og séu þeir ráðnir í samráði við fræðslumálastjóra

11. gr.

Fræðslumálastjórnin hefur á hendi yfirumsjón skólans og setur honum reglugerð. Kostnaður við rekstur skólans greiðist úr ríkissjóði.

12. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 63 22. nóv. 1907, um kennaraskóla í Reykjavík, enn fremur l. nr. 10 4. júní 1924, um breyting á þeim lögum.

## Sþ. 578. Tillaga til þingsályktunar

um að tryggja Kennaraskóla Íslands hentugt land við jarðhita í sveit.

Flm.: Gísli Guðmundsson, Páll Þorsteinsson.

**Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að gera ráðstafanir til að tryggja Kennaraskóla Íslands hentugt land við jarðhita í sveit, með það fyrir augum, að þar verði reist hús handa skólanum, þegar þörf gerist og fé er veitt til í fjárlögum. Velja skal staðinn með tilliti til þess, að þar verði jafnframt heimavistarskóli fyrir börn í einu eða fleiri fræðsluhverfum.**

Greinargerð.

Nú liggur fyrir Alþingi frumvarp um breytingar á Kennaraskóla Íslands. Var efni þessarar tillögu flutt sem breytingartillaga við það frv., en tekin aftur, eftir samkomulagi, með því að ýmsum þótti réttara, að hún kæmi fram sem sérstakt mál í þinginu.

Þess getur tæpast orðið mjög langt að bíða, að byggt verði að nýju yfir kennaraskólann. Telja flutningsmenn æskilegt, ef svo mætti verða, að skólanum yrði þá ákveðinn staður í sveit, þar sem nóg væri landrými og jarðhiti til afnota. Slík ákvörðun mun hins vegar þurfa meiri undirbúning og athugun en nú þegar er fyrir hendi. En eftirspurn eftir löndum á jarðhitasvæðum er orðin svo mikil, að ástæða þykir til, að tryggt verði land handa skólanum, sem tiltækilegt sé, ef sú stefna verður tekin að reisa hann á slíkum stað.

Ef kennaraskólinn verður reistur í sveit, þarf hann að fá talsvert af ræktanlegu landi til umráða. Þar þarf að vera hægt að halda námskeið fyrir kennaraefni og kennara í garðrækt og trjárækt, og kennararnir þyrftu að geta fengið nokkurt land til eigin nota, ef þeir óska þess.

## Sþ. 579. Tillaga til þingsályktunar

um heimild fyrir ríkisstjórnina til að kaupa gistihúsið Valhöll.

Flm.: Haraldur Guðmundsson, Jónas Jónsson, Sigurður Kristjánsson.

Alþingi ályktar að heimila ríkisstjórninni að kaupa gistihúsið Valhöll á Þingvöllum, ef viðunandi samningar nást.

Jafnframt er ríkisstjórninni falið, í samráði við Þingvallanefnd, að taka til athugunar framtíðarfyrirkomulag á gistihúsrekstri og greiðasölu á Þingvöllum.

Greinargerð.

Það orkar ekki tvímælis, að það skiptir mjög miklu máli, að gistihúsrekstur og greiðasala á Þingvöllum sé jafnan með þeim hætti, að landi og þjóð sé til sæmdar, en það verður, að áliti flutningsmanna, bezt tryggt með því, að hið opinbera eigi gistihúsið.

Þingvallanefnd hefur haft þetta mál til athugunar, og fer hér á eftir kafli úr bréfi nefndarinnar til ríkisstjórnarinnar, dags. 17. febr. s. l., varðandi þetta efni.

„Nefndin hefur oftsinnis tekið til athugunar og rætt ýtarlega fyrirkomulag á veitingasölu og gistihúshaldi á Þingvöllum. Benda þær athuganir allar í eina átt, að það hljóti jafnan að verða miklum erfiðleikum bundið, ef einstaklingar hafa þessa starfrækslu með höndum eingöngu í atvinnu- og hagnaðarskyni, að tryggja það, að hún verði með þeim hætti, sem staðnum hæfir, enda bendir reynsla undanfarinna ára ótvírætt í þá átt.

Nefndin telur það mjög þýðingarmikið, að gistihúsrekstur og greiðasala á Þingvöllum komist í það horf, að landinu og staðnum sé til sóma. Er þetta í augum nefndarinnar jafnmikilsvert, hvort sem litið er til landsmanna sjálfra eða hins mikla fjölda erlendra gesta, sem þangað sækja.

Með tilliti til þess hefur verið rætt um það í nefndinni að athuga möguleika á því, að ríkisstjórnin, bæjarstjórn Reykjavíkur og Eimskipafélag Íslands taki að sér greiðasölu og gistihúsrekstur á Þingvöllum og reistu þar nauðsynleg hús fyrir þessa starfsemi.

Nefndin leyfir sér að beina því til hæstvirtrar ríkisstjórnar, að hún taki málið til athugunar á þessum grundvelli. ...“

## Nd. 580. Breytingartillaga

við frv. til l. um veiting ríkisborgararéttar.

Frá allsherjarnefnd.

1. gr. orðist svo:

Ríkisborgararétt skulu öðlast:

1. Frú Ágústa Pétursdóttir, til heimilis í Reykjavík, fædd í Reykjavík 9. febrúar 1915.
2. Jón Meyvant Sivertsen Sætran, tekn. ing., nú í Kaupmannahöfn, fæddur í Reykjavík 21. febrúar 1915.
3. Þorsteinn Bertrand Sætran, rafvirki, til heimilis í Reykjavík, fæddur 26. október 1911.

## Ed. 581. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Bernharð Stefánssyni.

Við 1. gr. c. 17. Við liðinn bætist: og yfir Hörgárbrú á Helguhyl um Hörgárdal, vestan Hörgár, að vegamótum hjá Möðruvöllum.

## Nd. 582. Breytingartillögur

við frv. til laga um vernd barna og ungmenna.

Frá Áka Jakobssyni.

1. Við 29. gr.
   a. Í stað orðanna „nema ungmennadómur ákveði annað“ í fyrri málslið 4. mgr. komi: þar til hún ákveður annað.
   b. Síðari málsl. sömu mgr. orðist svo: Rétt er aðila, þegar hann er orðinn 16 ára, eða lögráðamanni hans að bera málið á ný undir barnaverndarnefnd og barnaverndarráð.
2. Við 32. gr. 3. mgr. falli niður.
3. Við 38. gr.
   a. Í stað orðanna „barnaverndarráð eða ungmennadómur“ í 1. mgr. komi: eða barnaverndarráð.
   b. Á eftir orðinu „glapstigum“ í 2. mgr. komi: og önnur börn, sem skyndilega þarf að ráðstafa um stuttan tíma.
4. Við 39. gr. Orðin „eða eru á annan hátt á siðferðislegum glapstigum skv. 29. og 62. gr.“ í 1. mgr. falli niður.
5. Við 40. gr. 1. mgr. orðist svo:
   Rétt er barnaverndarnefnd að semja um greiðslu fyrir börn og ungmenni, sem ráðstafað er samkvæmt lögum þessum gegn meðlagi, og er þá viðkomandi bæjar- (sveitar-) sjóður skuldbundinn til greiðslunnar. Óheimilt er þó barnaverndarnefnd að semja um greiðslu fyrir lengri tíma en 6 mánuði í senn.
6. Við 47. gr. Upphaf 4. mgr. orðist svo: Takmarka má í reglugerð o. s. frv.
7. Við 61. gr.
   a. Orðin „eða ungmenni 16—18 ára er haldið annmarka, sem getur í 29. gr. þessara laga, en aðgerðir barnaverndarnefndar samkvæmt 32. gr. koma ekki að haldi eða eiga ekki við“ í 1. mgr. falli niður.
   b. Orðin „sbr. 38. gr.“ í sömu mgr. falli niður.
8. Við 62. gr. 1. mgr. orðist svo:
   Rétt er ungmennadómi að úrskurða ungmenni, sem framið hefur lögbrot, til vistar á heimili, skóla, hæli eða uppeldisstofnun.
9. Við 63. gr. Greinin falli niður.
10. Við 64. gr. Greinin falli niður.

## Sþ. 583. Breytingartillaga

við tillögu til þingsályktunar um verðuppbætur á útflutt refa- og minkaskinn.

Frá Pétri Ottesen.

Tillgr. orðist þannig:

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að greiða úr ríkissjóði verðuppbætur fyrir útflutt refaskinn af framleiðslu áranna 1941 og 1942 eftir neðanskráðum grunntölum, að viðbættri meðal-verðlagsvísitölu fyrir hvort ár:

| | | | |
|---|---|---|---|
| Silfurrefaskinn | 1. fl. (úrvalsskinn) ..... | kr. | 20.00 |
| —„— | 2. fl. ..... | — | 10.00 |
| Blárefaskinn | 1. fl. ..... | — | 10.00 |
| —„— | 2. fl. ..... | — | 5.00 |
| Hvítrefaskinn | 1. fl. ..... | — | 5.00 |
| —„— | 2. fl. ..... | — | 3.00 |

Söluverð skinnanna erlendis sé lagt til grundvallar fyrir flokkuninni.

## Ed. 584. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Gísla Jónssyni.

Við 1. gr. B. Á eftir tölulið 44. kemur nýr tölul., svo hljóðandi (og breytist liðatalan á eftir samkv. því):

*Suðurfjarðavegur:* Frá Bíldudal um Suðurfirði á Barðastrandarveg.

## Ed. 585. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Þorst. Þorsteinssyni.

Við 1. gr. B. (Um Vesturland).

Á eftir 20. lið komi nýr töluliður (og breytist tölul. á eftir samkv. því):

*Haukadalsvegur:* Af Vesturlandsvegi hjá Haukadalsá inn Haukadal að Krossi.

## Ed. 586. Lög

um breyting á lögum nr. 87 9. júlí 1941, um viðauka við lög nr. 84 6. júlí 1932, um bifreiðaskatt o. fl.

(Afgreidd frá Ed. 22. marz).

Samhljóða þskj. 222.

## Ed. 587. Breytingartillaga

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá meiri hluta allsherjarnefndar.

Aftan við 1. málsgr. 5. gr. komi ný málsgrein, svo hljóðandi:
Þegar alveg sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd, að fengnu samþykki félagsmálaráðherra, og tekið til sams konar ráðstöfunar tiltekinn hluta af íbúðarhúsnæði, sem afnotahafi getur án verið, að mati nefndarinnar, og unnt er að skipta úr. Þó getur afnotahafi ráðstafað þessum hluta húsnæðisins til handa þeim innanhéraðsmanni, er hann kýs, og hefur húsaleigunefnd þá sams konar ráðstöfunarrétt á því húsnæði, er þannig losnar.

## Sþ. 588. Tillaga til þingsályktunar

um skipun nefndar til að gera tillögur um framtíðarafnot jarðarinnar Reykhóla.

Flm.: Haraldur Guðmundsson, Þorst. Þorsteinsson, Gísli Jónsson, Páll Hermannsson, Eiríkur Einarsson, Kristinn E. Andrésson.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að skipa nú þegar þriggja manna nefnd til að gera nákvæmar athuganir og tillögur um framtíðarnot jarðarinnar Reykhóla sem skólaseturs og tilraunastöðvar fyrir Vesturland. Nefndin verði þannig skipuð: einn maðurinn eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einn eftir tilnefningu Breiðfirðingafélagsins í Reykjavík, einn skipaður af ríkisstjórninni án tilnefningar, og sé hann formaður nefndarinnar. Ætlazt er til, að nefndin skili áliti sínu og tillögum til ríkisstjórnarinnar fyrir 1. okt. 1943.

Greinargerð.

Snemma á þessu þingi var borið fram í Ed. frumvarp til laga um skólasetur á Reykhólum. Var í frumvarpinu gert ráð fyrir því, að ríkið legði skólasetrinu til jörðina Reykhóla ásamt hjáleigum og búpeningi. Jafnframt er gert ráð fyrir í 2. gr. frumvarpsins, að ríkisstjórnin skipi 3 manna nefnd til þess að undirbúa allar framkvæmdir í sambandi við byggingu skólans og fyrirkomulag. Landbúnaðarnefnd efri deildar hefur haft málið til athugunar og leitað um það umsagnar fræðslumálastjóra og Búnaðarfélags Íslands. Mælir fræðslumálastjóri eindregið með því, að frumvarpið verði samþykkt með lítils háttar breyt., en bendir þó á, að nauðsynlegt verði að breyta því aftur, ef að lögum verði, jafnskjótt og fyrirkomulag skólans hefur verið ákveðið samkvæmt 2. gr. Búnaðarþingið leggur hins vegar áherzlu á, að komið sé upp tilraunastöð á Reykhólum og að nokkur hluti jarðarinnar sé tryggður þeirri starfsemi, og leggur á móti því, að frumvarpið nái fram að ganga óbreytt. Það hefur hins vegar samþykkt ályktun þess efnis, að þegar sé skipuð 3 manna nefnd til þess að undirbúa og gera tillögur um tilraunastöð á Reykhólum. Að fengnum þessum umsögnum þótti nefndinni rétt að leggja til, að frumvarpið væri afgreitt með dagskrá í efri deild, en að jafnframt væri borin fram ályktun í sameinuðu Alþingi á grundvelli þeirrar dagskrár og óska, sem fram hafa komið frá fyrrnefndum aðilum. Með því að málið hefur nú verið afgreitt þannig frá efri deild, er það borið fram hér í nýju formi, sem allir viðkomandi aðilar hafa fallizt á, og er þess því vænzt, að Alþingi geti fallizt á þessa afgreiðslu málsins.

## Sþ. 589. Nefndarálit

um till. til þál. um milliþinganefnd í jarðeignamálum kaupstaða, kauptúna og sjávarþorpa.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur orðið sammála um að mæla með því, að ríkisstjórninni verði falið að láta rannsaka jarðeignamál kaupstaða og kauptúna, og mælir með, að till. verði samþykkt með þessum

BREYTINGUM:

1. Tillgr. orðist svo:

   *Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina* að láta athuga með nefndarskipun eða á annan hátt, hvernig megi veita kaupstöðum, kauptúnum og sjávarþorpum eignar- og umráðarétt yfir nauðsynlegum löndum og lóðum, með sanngjörnum kjörum, án þess að gengið verði of nærri hagsmunum nágrannasveita þeirra, hvernig komið verði í veg fyrir óréttmæta verðhækkun á þessum löndum og afnotarétti þeirra, og hvernig tryggja megi, að verðhækkun á löndum og lóðum, sem verða kann á fyrrnefndum stöðum vegna meiri háttar opinberra framkvæmda, verði almenningseign.

   Athugun þessi fari fram í samráði við hlutaðeigandi bæjar- og sveitarstjórnir, eftir því, sem þurfa þykir, og sé henni lokið fyrir reglulegt Alþingi 1944.
2. Fyrirsögnin orðist svo:

   Tillaga til þingsályktunar um athugun á jarðeignamálum kaupstaða, kauptúna og sjávarþorpa.

Alþingi, 22. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Sveinsson, form. | Ásg. Ásgeirsson, frsm. | Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. |
| Páll Zóphóníasson. | Jón Sigurðsson. | Sigurður Þórðarson. |
| | Gísli Jónsson. | |

## Ed. 590. Nefndarálit

um frv. til laga um afnám laga nr. 127 9. des. 1941, um viðauka við lög nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Frá öðrum minni hluta menntamálanefndar.

Nefndin hefur þrískipta afstöðu til afgreiðslu á frumv. þessu. Vill sá, er ritar undir nefndarálit þetta, láta afgreiða það með rökstuddri dagskrá. Hinir nefndarmennirnir munu væntanlega, hvor um sig, láta í ljós vilja sinn um afgreiðslu málsins.

Brátt eftir að frv. var tekið til umræðu í nefndinni og auðsætt var, að nefndarmenn gátu eigi að svo komnu orðið á eitt sáttir, varð það að ráði að leita álits þriggja háskólakennara um frumvarp þetta. Voru það þeir prófessorarnir Árni Pálsson og Sigurður Nordal og Björn lektor Guðfinnsson. Bar viðræða nefndarmanna við háskólakennarana þann árangur, að þeir, samkvæmt beiðni, skrifuðu nefndinni sameiginlegt álitsbréf um málefnið, dags. 31. jan. s. l., og tel ég rétt að birta þetta bréf þeirra í heild sem fylgiskjal með nefndaráliti þessu. Þótt háskólakennararnir geri eigi beinlínis tillögur um afgreiðslu þessa frumvarps, er þar þó að finna mikilsverðar bendingar, er að málinu lúta, og ætti því umsögn hinna

lærðu manna að verða þingmönnum til leiðbeiningar, er til úrslita kemur um frumvarp þetta.

Tel ég, að af bréfi háskólakennaranna megi draga tvær ályktanir: 1. að umritun fornsagnanna geti orðið skemmdastarfsemi, ef allt fær að leika lausum hala; 2. að lögum nr. 127 9. des. 1941, er nemast skulu úr gildi samkvæmt frumvarpinu, sé að ýmsu leyti áfátt og að breytinga þurfi við frá hinum þröngskorðuðu reglum, sem þar eru settar.

Ég hætti mér ekki út á þá hálu braut og álít óþarft að ræða hér nánar um einstök atriði, er þar koma til greina, en læt einungis það álit mitt í ljós, samkvæmt þeim ályktunum, er ég hef hér dregið af bréfi háskólakennaranna og mér finnst réttmætar, að hvorki beri að samþykkja frumvarpið né styðja að því, að umrædd lög frá 1941 haldist til frambúðar óbreytt; eða með öðrum orðum, lögin þurfi að endurskoðast og breytast eftir nákvæma athugun og að ráði hinna hæfustu fræðimanna.

Fyrir nokkrum dögum hefur Alþingi samþykkt þingsályktunartillögu um undirbúning heildarlöggjafar um höfundarétt og listvernd. Þegar ríkisstjórninni er nú með þeirri ályktun falinn undirbúningur slíkrar lagasetningar, er ekki úr vegi að spyrja, hvort sú lagaskipun, er hér ræðir sérstaklega um, eigi ekki samleið og þurfi endurskoðunar á sama hátt. Ég tel það sjálfsagt, og meira að segja er langeðlilegast, að þau ákvæði, er lögin frá 1941 fjalla um, komi af sjálfu sér til úrslausnar við framkvæmd þingsályktunarinnar.

Að öllu þessu athuguðu tel ég réttast og geri að tillögu minni, að frumvarp það, er hér liggur fyrir, verði afgreitt með svo látandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að ríkisstjórnin láti bráðlega framkvæma undirbúning þann til heildarlöggjafar um höfundarétt og listvernd, er henni var falinn með ályktun sameinaðs Alþingis 16. marz s. l., og að jafnframt því fari og fram undirbúningur til breytinga á ákvæðum laga nr. 127 frá 9. des. 1941, þykir deildinni eigi ástæða til að afgreiða frumvarp það, er hér liggur fyrir, og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 22. marz 1943.

Eiríkur Einarsson,
form.

**Fylgiskjal.**

Samkvæmt tilmælum háttvirtrar menntamálanefndar efri deildar Alþingis látum við undirritaðir í ljós skoðanir okkar á máli því, sem um ræðir í lögum um viðauka við lög nr. 13 20. okt. 1905, um ritþöfundarétt og prentrétt, samþykktum á Alþingi 19. nóv. 1941.

1. Tilefni nefndra laga munu vera blaðaskrif um Laxdæluútgáfu Halldórs Kiljans Laxness, svo sem háttv. flutningsmaður frumvarps þess, sem fram hefur komið á þessu þingi, á þskj. 120, tekur fram. Teljum við því rétt að taka útgáfu þessa til nokkurrar athugunar:

A. *Meðferð máls.* Við samanburð á þessari útgáfu og útgáfu þeirri, er hún byggist á, kemur í ljós, að fjölmörgu því í máli, sem á engan hátt verður talið til stafsetningar, er breytt: a. Ýmiss konar breytingar eru gerðar á orðmyndun. b. Orðum er sleppt. c. Orðum er bætt inn. d. Skipt er um orð. e. Orðaröð er breytt. f. Bætt er inn heilum setningum eftir útgefandann.

Á fundi menntamálanefndar h. 22. þ. m. voru færð mörg dæmi þessu til sönnunar, og teljum við þarflaust að endurtaka þau hér, enda auðvelt hverjum þeim, er nennir, að ganga úr skugga um þau. Hins vegar viljum við taka fram, að við teljum allar þessar breytingar til skemmda á máli og stíl sögunnar.

B. *Meðferð efnis.* Meðferð sögunnar er á þá leið, að stórfelldar efnisbreytingar hafa verið gerðar á henni: a. Einstökum setningum er sleppt. b. Heilum köflum er sleppt, t. d. á einum stað 5 kapítulum. c. Einstakar setningar eru færðar til. d. Kaflar eru færðir til. e. Samdar eru setningar inn í textann, þar sem útgefanda hefur þótt nauðsyn til bera.

Allar þessar breytingar rýra stórlega efni sögunnar og breyta svip hennar, svo sem gerð var grein fyrir á fyrrnefndum fundi.

C. Hins vegar er öllum kunnugt, sem nokkuð þekkja til sögu íslenzkra fornrita, að á 13. og 14. öld var sífellt verið að breyta eldri ritum, auka, stytta og endursemja, ýmist til bóta eða spjalla. Fyrir kemur, jafnvel er við vitum, hvar hins upprunalega texta er að leita, að yngri gerð er tekin fram yfir og höfð að aðaltexta, t. d. í Fóstbræðra sögu. Eigi að vernda fornritin fyrir úrfellingum, er því ekki minni ástæða til þess um yngri rit, sem við höfum óbreytt frá hendi höfundanna. Í Íslendinga sögum ægir auk þess saman svo sundurleitu og misverðmætu efni, að sumar þeirra má stytta til bóta fyrir alla lesendur, er leita þar annars en þess fróðleiks, sem oft spillir bókmenntagildi þeirra, gerir þær torlesnar og er sjálfur mjög vafasamur að gildi, t. d. ungar vísur eignaðar fornmönnum, brenglaðar ættartölur og því um líkt. Líklegt er, að hin miklu sögulegu og bókmenntalegu verðmæti Sturlungu, sem er illa gerð samsteypa margra sagna, mætti gera almenningi arðbærari með því að gera úr henni skipulegt úrval, enda er vikið mjög frá efnisskipun handritanna í tveimur útgáfum hennar. Hitt skal tekið fram, að styttar útgáfur verður að gera af engu minni vandvirkni en aðrar og orðalagi ætti alls ekki að breyta. „Verndun" kemur hér ekki til greina, líkt og með fornminjar, því að elztu textarnir, sem til eru, verða til eftir sem áður, og líklegt er, að lesendur, sem fengið hefðu mætur á ritunum styttum, mundi fýsa síðan að kynnast þeim líka óstyttum. Aðeins reynslan getur skorið úr, hvort tilraunir að gera sum fornrit auðlesnari almenningi með úrfellingum, gerðum af varkárni og alúð, gætu ekki orðið til þess að glæða áhuga almennings að lesa þau meir og smám saman sér að betra gagni.

2. *Lögin frá 19. nóv. 1941.* Þó að æskilegt megi telja að afstýra því, að ritum, sem njóta ekki verndar eiganda, sé spillt í nýjum útgáfum, höfum við ýmislegt við þessi lög að athuga:

A. Við teljum það mjög óviðurkvæmilegt, að hið íslenzka ríki hafi eitt rétt til þess að gefa út íslenzk rit, sem samin eru fyrir 1400, eða veita leyfi til þess. Samkvæmt því ákvæði mætti kennslumálaráðherra t. d. banna fræðimönnum á Íslandi að gera stafréttar útgáfur fornra handrita.

B. Við teljum ekki rétt, að ráðuneyti það, sem fer með kennslumál, skeri úr um, hverjar breytingar á ritum séu með þeim hætti, „að menning eða tunga þjóðarinnar bíði tjón af". Engin trygging er fyrir því, að þeir, sem með þau mál fara, hafi skilyrði til að dæma um slíkt af nægilegri þekkingu.

C. Við teljum ekki rétt að löghelga neina þá „samræmda" stafsetningu, sem höfð hefur verið í útgáfum íslenzkra fornrita fram að þessu. Engin þeirra samræmist til neinnar hlítar framburði þeim, sem tíðkaðist á ritunartíma sagnanna, né heldur til neinnar hlítar uppruna orðanna. Stafsetningin frá 1929 stendur t. d. í sumum efnum nær upprunanum en stafsetningin á Íslenzkum fornritum.

3. Þyki nauðsynlegt að hafa eftirlit með útgáfu eldri rita, svo sem margir munu telja, virðist næst lagi, að það sé í höndum fræðimanna og rithöfunda, sem til þess væru kvaddir og treysta mætti að þekkingu og smekkvísi.

Reykjavík, 31. jan. 1943.

Árni Pálsson. Sigurður Nordal. Björn Guðfinnsson.

Til menntamálanefndar efri deildar Alþingis.

## Ed. 591. Nefndarálit

um frv. til l. um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Frá öðrum minni hl. landbúnaðarnefndar.

Eins og segir í nefndaráliti minni hl., hefur nefndin ekki getað orðið sammála um afgreiðslu frumvarpsins. Við undirritaðir leggjum til, að frv. verði samþykkt með svofelldum

BREYTINGUM:

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Þar til ráðstafanir hafa verið gerðar til þess að koma skipulagi á fyrirgreiðslu orlofs og kynnisferða, greiðir ríkissjóður árlega 100 þús. kr. til að styrkja kynnisferðir sveitafólks, sem ekki nýtur orlofs samkvæmt sérstökum lögum eða samningum.
2. 2.—6. gr. falli niður.
3. Við 7. gr. (er verður 2. gr.) Greinin orðist svo:
   Ríkisstjórnin setur með reglugerð nánari reglur um skiptingu og notkun fjárins, að fengnum tillögum Búnaðarfélags Íslands.
4. 8. gr. verður 3. gr.

Alþingi, 22. marz 1943.

Haraldur Guðmundsson. Kristinn E. Andrésson.

## Sþ. 592. Nefndarálit

um till. til þál. um áætlun um kostnað við raforkuveitur í Suður-Þingeyjarsýslu.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur rætt málið á nokkrum fundum og fengið upplýsingar um þær athuganir og áætlanir, sem rafmagnseftirlit ríkisins hefur gert og er að gera viðvíkjandi því, hver kostnaður muni verða við rafmagnsveitur um sveitir landsins.

Víðtækust og nákvæmust er áætlun sú, sem gerð hefur verið í sambandi við fyrirhugaða virkjun Tungufoss í Rangárvallasýslu. Er hún frá 1939, en síðan hefur kostnaður við lagningu leiðsla 3—4-faldazt (meðaltal talið 3,5-faldazt).

Öll leiðslan frá Tungufossi, sem áætlun hefur verið gerð um, nær til 180 bæja í Fljótshlíð, Hvolhreppi, Landeyjum og í Þykkvabæ, og er niðurstaðan, að kostnaður við veituna sé 5 þús. kr. á meðalbýli; er þá þar fyrir utan sjálfur virkjunarkostnaðurinn.

Næði leiðslan aðeins yfir Fljótshlíð og Hvolhrepp, þéttbyggðasta hluta svæðisins, eða um 60 býli, yrði kostnaðurinn ekki nema 4 þús. kr. á býli, eða ⅕ minni.

Úr öðrum áætlunum, sem rafmagnseftirlitið hefur unnið að, svo sem leiðslum um Eyjafjörð, neðri hluta Árnessýslu o. fl., er minni fróðleik að fá í þessu sambandi, eins og þeim áætlunum er enn komið.

Öll nefndin er sammála um það, að nauðsynlegt sé, að áætlanir, líkar þeirri, sem um ræðir í þál., verði gerðar í nokkrum sýslum eða sýsluhlutum, svo að sem gleggstar upplýsingar fáist um dreifingarkostnað rafmagnsins við hina margvíslegu og óliku staðhætti, sem eru á landi hér. Hins vegar telur nefndin ekki, að Alþingi eigi að afgera um sinn, hvar slíkar rannsóknir beri að gera, til þess að þær geti orðið sem bezt sýnishorn á kostnaðinum við dreifinguna um allt landið, held-

ur þurfi þar sérfræðingarnir að koma til og ákveða hvort tveggja, hve víða slíkar rannsóknir þurfi að gera og hver svæði skuli valin með tilliti til þess að geta orðið leiðbeinandi fyrir áætlanir annars staðar um kostnaðinn við dreifingu rafmagnsins um landið allt. Vegna hins mikla áhuga fyrir rafmagnsmálum og knýjandi þarfa almennings fyrir raforku til afnota á heimilunum, leggur nefndin ríka áherzlu á, að áætlunum þeim og athugunum, sem um ræðir hér að ofan, sé hraðað eftir ýtrustu föngum.

Nefndin leggur því til, að málið sé afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að ríkisstjórnin annist um, að milliþinganefnd í raforkumálum láti sem allra fyrst rannsaka og áætla kostnað við dreifingu raforku um ákveðnar sýslur eða landshluta, og að svæðin verði valin með það fyrir augum, að rannsóknirnar geti orðið til leiðbeiningar um kostnað við dreifingu raforku um landið allt, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 22. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Sveinsson, form. | Páll Zóphóníasson, frsm. | Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. |
| Jón Sigurðsson. | Gísli Jónsson. | Ásgeir Ásgeirsson. |
| | Sigurður Þórðarson. | |

## Sþ. 593. Nefndarálit

um till. til þál. um aukauppbót á styrki til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna.

Frá minni hl. fjárveitinganefndar.

Nefndin hefur ekki orðið sammála um afgreiðslu þessa máls. Vill meiri hlutinn láta fella tillöguna, en við viljum láta samþykkja hana óbreytta.

Eins og segir í greinargerð flutningsmanna, var ákveðið með þingsályktun 28. ágúst 1942 að greiða 25—30% aukauppbót á laun embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins, og voru þessar uppbætur einnig látnar ná til fjárveitinga samkv. 18. gr. fjárlaga (á laun, eftirlaun og styrki). Þar sem fjárveitingar til rithöfunda og listamanna voru flestar í þessari fjárlagagrein, áður en menntamálaráði var falin úthlutunin, er óumdeilanlegt, að nýskipanin á styrkveitingunum hefur skaðað þá fjárhagslega, því að vitanlega hefðu þeir annars fengið aukauppbótina engu síður en þeir, sem látnir voru standa áfram í 18. greininni.

Eigi var að fullu upplýst í n., hvort aukauppbótin hefði á s. l. ári verið látin ná til styrkveitinga í 18. gr. fjárlaga. Við spurðumst fyrir um þetta hjá fjármálaráðuneytinu, og gaf það skýlaust svar um, að aukauppbótin hefði verið greidd á styrkveitingar samkv. 18. gr. fjárl.

Með sanngirni verður ekki á móti mælt, að aukauppbótin verði greidd á styrki þá til rithöfunda, skálda og listamanna, sem menntamálaráð úthlutaði s. l. ár. Einnig má benda á, að sú upphæð, sem í fjárl. yfirstandandi árs er ákveðin í styrki til rithöfunda, skálda og listamanna, er lægri en árið 1939, en það ár voru tekjur ríkissjóðs aðeins 19,9 millj. króna. Síðast liðið ár munu tekjur ríkissjóðs hafa numið nærfellt 90 milljónum króna. Það virðist því ekki með sanni vera hægt að segja, að rithöfundum, skáldum, vísindamönnum og listamönnum hafi verið sýnd slík rausn í styrkjaveitingum, hvorki síðast liðið né yfirstandandi ár,

að þess vegna ætti að klípa af þeim þessa aukauppbót, sem veitt hefur verið í öllum hliðstæðum tilfellum og þeir hefðu orðið aðnjótandi, ef ekki hefði verið horfið að því ráði að láta menntamálaráð úthluta styrkjunum, að minnsta kosti þeir, sem styrki höfðu í 18. gr.

Alþingi, 18. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form. | Þóroddur Guðmundsson, frsm. | Lúðvík Jósefsson. |

## Sþ. 594. Nefndarálit

um till. til þál. um undanþágu á aðflutningstollum til rafvirkjana.

Frá minni hl. fjárveitinganefndar.

Nefndin gat ekki orðið sammála um afgreiðslu þessarar tillögu. Sjö nefndarmanna vilja afgreiða hana með rökstuddri dagskrá, en við undirritaðir viljum hins vegar láta samþykkja till. óbreytta. Það er kunnugt, að í ár er ráðgert að efna til nokkurra rafvirkjana. Slíkar framkvæmdir eru vitanlega afar dýrar nú, og er því mjög örðugt fyrir þá aðila, sem til þeirra hafa efnt, að standast hinn gífurlega stofnkostnað. Einn af allháum kostnaðarliðum við virkjunarframkvæmdir þessar eru aðflutningstollar þeir, sem ríkissjóður tekur af efni og tækjum til mannvirkjanna. Rafmagnseftirlit ríkisins hefur látið fjvn. í té upplýsingar um, hve miklu tollaívilnanir þessar geti numið með tilliti til fyrirhugaðra virkjana.

Hér fara á eftir upplýsingar rafmagnseftirlitsins:

Í bréfi þ. 27. þ. m. óskar háttvirt fjárveitinganefnd Alþingis upplýsinga rafmagnseftirlitsins í sambandi við tillögu til þingsályktunar um undanþágu á aðflutningstollum á efni til rafvirkjana, um það hve miklu tollar þessir mundu væntanlega nema fyrir þær rafveituframkvæmdir, sem nú eru á döfinni.

Rafmagnseftirlitið vill hér með, sem svar við beiðni yðar, láta í té eftirfarandi áætlun um kostnað við aukningu nokkurra hinna helztu aflstöðva og veitukerfa á árunum 1943—1944.

| Rafveitur | Vélar, tæki og efni f. o. b. dollar | kr. | Tollar kr. |
|---|---|---|---|
| 1. Sogsvirkjunin | 264.400 | 1.720.000 | 213.000 |
| 2. Veitukerfi Reykjavíkur | 480.000 | 3.120.000 | 385.000 |
| 3. —— Reykjaness | 171.000 | 1.110.000 | 140.000 |
| 4. —— Eyrarbakka o. fl. | 86.000 | 560.000 | 70.000 |
| 5. Laxárvirkjun, Akureyri | 180.000 | 1.170.000 | 145.000 |
| 6. Ísafjarðarstöð | 70.000 | 455.000 | 57.000 |
| 7. Skeiðsfoss, Siglufjörður | 265.000 | 1.725.000 | 215.000 |
| 8. Andakílsá, Borgarfjörður | 260.000 | 1.690.000 | 210.000 |
| 9. Ólafsvík | 100.000 | 650.000 | 80.000 |
| 10. Húsavíkurveita | 48.000 | 310.000 | 40.000 |
| Samtals | 1.924.400 | 12.510.000 | 1.555.000 |

Samkvæmt skeyti, sem rafmagnseftirlitinu hefur borizt í dag að vestan, er þó talið óvíst um, að forgangsleyfi fáist þar fyrir efni til sumra þessara virkjana, einkum fyrir Andakílsá og Ólafsvík, að svo stöddu.

Virðingarfyllst,

Ólafur Tryggvason.

Til fjárveitinganefndar Alþingis.

Eins og fram kemur í upplýsingum rafmagnseftirlitsins, þá er hér um að ræða allveruleg útgjöld fyrir bæjar- og sveitarfélög þau, sem í virkjanir ráðast, en hins vegar er vitað, að ríkissjóð rekur enginn nauður til að taka þessi gjöld nú á þessum tíma. Og þegar þess er einnig gætt, að ríkissjóður, sem ábyrgist stofnkostnað flestra þessara virkjana, hefur á þann hátt beinan hag af að virkjanir þessar geti borið sig, þá teljum við rétt að samþykkja tillöguna óbreytta. Með hinum háu tollum gæti svo farið, að ríkissjóður beinlínis hindraði virkjanir, og væri það illa farið og óviturlegt.

Alþingi, 22. marz 1943.

Lúðvík Jósefsson. Þóroddur Guðmundsson, frsm.

## Nd. 595. Frumvarp til laga

um vernd barna og ungmenna.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

### I. KAFLI
### Inngangur.

1. gr.

Vernd barna og ungmenna tekur yfir:

1. Almennt eftirlit með aðbúð og uppeldi á heimili.
2. Eftirlit með hegðun og háttsemi utan heimilis.
3. Ráðstöfun í vist, í fóstur, til kjörforeldra eða á sérstakar uppeldisstofnanir.
4. Eftirlit með uppeldisstofnunum, svo sem barnahælum, dagheimilum, leikskólum, sumardvalarheimilum, fávitahælum fyrir börn og ungmenni o. s. frv.
5. Eftirlit með börnum og ungmennum, líkamlega, andlega eða siðferðislega miður sín. Koma hér einkum til greina börn og ungmenni, blind, málhölt, fötluð, fávita og á annan hátt vangefin, svo og börn og ungmenni, sem framið hafa lögbrot eða eru á annan hátt á siðferðislegum glapstigum.
6. Heilsu- og vinnuvernd.
7. Eftirlit með skemmtunum.
8. Fræðslu- og leiðbeiningarstarfsemi varðandi uppeldismál.

2. gr.

Starf til verndar börnum og ungmennum rækja samkvæmt lögum þessum:
barnaverndarnefndir,
barnaverndarráð og
ungmennadómur, svo og
hæstiréttur sem áfrýjunardómur í tilteknum málum.

3. gr.

Barnaverndarnefndarmenn, barnaverndarráðsmenn, ungmennadómendur, fulltrúar þessara aðila og annað starfslið á vegum þeirra eru opinberir starfsmenn og hljóta þá vernd, sem slíkum mönnum er tryggð, sbr. einkum XII. kafla laga nr. 19 1940, og bera skyldur samkvæmt því, sbr. einkum XIV. kafla sömu laga. Ber þeim að sýna börnum og ungmennum, sem þeir fjalla um mál þeirra, alla nærgætni og gæta fyllstu varúðar um að skýra ekki óviðkomandi mönnum frá því, sem þeir verða vísir í starfa sínum um einkamál manna og heimilisháttu.

## II. KAFLI
## Um barnaverndarnefndir.

4. gr.

Barnaverndarnefnd skal vera í hverjum kaupstað landsins. Utan kaupstaða vinnur skólanefnd störf barnaverndarnefndar og hefur að því leyti réttindi hennar og skyldur. Þó getur hreppsnefnd eða barnaverndarráð ákveðið, að sérstök barnaverndarnefnd skuli kosin.

5. gr.

Barnaverndarnefnd (skólanefnd) hefur eftirlit með uppeldi og hegðun barna og ungmenna innan 18 ára, svo og eldri ungmenna, ef þau eru líkamlega, andlega eða siðferðislega miður sín, og þá allt að 21 árs aldri.

6. gr.

Bæjarstjórn í kaupstað kýs barnaverndarnefnd, í Reykjavík 7 manna, í öðrum kaupstöðum 5 manna. Ef kjósa skal barnaverndarnefnd utan kaupstaða (sbr. 4. gr.), skal hún skipuð 3 mönnum og valin af hreppsnefnd. Skulu nefndarmenn vera kunnir að grandvarleik og bera sem bezt skyn á mál þau, sem barnaverndarnefnd fjallar um. Um kjörgengi í barnaverndarnefnd fer eftir sömu reglum og um kjörgengi í bæjarstjórn. Kjósa skal með sama hætti varamenn í barnaverndarnefnd.

7. gr.

Kjörtími barnaverndarnefndar er hinn sami og bæjarstjórnar. Fyrsta kosning samkvæmt lögum þessum gildir þó einungis þangað til bæjarstjórnarkosningar fara næst fram.

8. gr.

Það er borgaraskylda að taka kosningu í barnaverndarnefnd. Þó geta skorazt undan kosningu þeir, er átt hafa sæti í nefnd allt síðasta kjörtímabil. Maður eldri en 65 ára getur skorazt undan kosningu fyrir fullt og allt.

Bæjarstjórn (bæjarráð) ákveður þóknun nefndarmanna, enda greiðist kostnaður af nefndarstörfum úr bæjarsjóði.

9. gr.

Barnaverndarnefndarmenn skipta með sér störfum og kjósa formann, varaformann og ritara. Ritari heldur nákvæma fundarbók um störf nefndar og sendir barnaverndarráði skýrslu um þau fyrir miðjan febrúar ár hvert.

10. gr.

Í Reykjavík skal bæjarráð, að fengnum tillögum barnaverndarnefndar, ráða fulltrúa, er annast skal dagleg störf barnaverndarnefndar í umboði hennar. Skal hann vera kunnáttumaður um uppeldismál og önnur mál, er barnaverndarnefnd fer með.

Barnaverndarnefnd ræður annað starfsfólk að fengnum tillögum fulltrúa og að fenginni heimild bæjarráðs.

Barnaverndarnefnd utan Reykjavíkur er heimilt, með samþykki bæjarstjórnar eða hreppsnefndar, að ráða sér fulltrúa og annað starfsfólk.

11. gr.

Um störf og starfshættu barnaverndarnefnda fer að öðru leyti eftir V. kafla þessara laga.

## III. KAFLI
### Um barnaverndarráð.

12. gr.

Ráðherra skipar barnaverndarráð til 4 ára í senn. Skal það skipað 3 mönnum og eiga heima í Reykjavík. Einn skal skipaður samkvæmt tillögu Prestafélags Íslands, annar samkvæmt tillögu Sambands íslenzkra barnakennara, en hinn þriðja skipar ráðherra án tilnefningar, og er hann formaður ráðsins, en að öðru leyti skiptir ráðið með sér störfum. Á sama hátt skulu skipaðir jafnmargir varamenn. Ritari heldur fundabók um störf ráðsins.

Ráðherra ákveður þóknun barnaverndarráðsmanna, og greiðist hún ásamt kostnaði af ráðinu úr ríkissjóði.

Um störf og starfsháttu barnaverndarráðs fer eftir VI. kafla þessara laga.

## IV. KAFLI
### Um ungmennadóm.

13. gr.

Ungmennadóm skipa héraðsdómari (í Reykjavík sakadómari) ásamt tveimur samdómendum, er ráðherra skipar til 4 ára í senn. Á sama hátt skal skipa tvo varamenn. Héraðsdómari er forseti ungmennadóms.

Ráðherra ákveður þóknun samdómenda, og greiðist hún úr ríkissjóði ásamt öðrum kostnaði af dómi. Þóknun má miða við ársstarf eða einstök mál.

Um störf og starfsháttu ungmennadóms fer eftir VII. kafla þessara laga.

## V. KAFLI
### Um störf og starfsháttu barnaverndarnefnda.

14. gr.

Barnaverndarnefnd er ályktunarhæf, þegar fullur helmingur nefndarmanna situr fund, enda sé formaður eða varaformaður á fundi. Ef svipta á forráðamenn barns umráðarétti yfir því, þurfa hið fæsta 2 nefndarmenn í 3 manna nefnd, 4 í 5 manna nefnd og 5 í 7 manna nefnd að gjalda ráðstöfuninni jákvæði.

Nú hamlar nauðsyn barnaverndarnefndarmanni fundarsókn, og skal hann þá gera formanni viðvart með fyrirvara, ef unnt er. Boðar þá formaður varamann í hans stað.

15. gr.

Ef bráðan bug þarf að vinda að ráðstöfun, sem ber undir barnaverndarnefnd, getur formaður, eða fulltrúi í umboði hans, framkvæmt hana, en leggja skal málið til fullnaðarákvörðunar fyrir barnaverndarnefnd, svo fljótt sem kostur er.

16. gr.

Ef lögfræðingur á ekki sæti í barnaverndarnefnd, er héraðsdómara skylt að veita henni lögfræðilega aðstoð, eftir því sem samrýmist embættisstörfum hans.

17. gr.

Barnaverndarnefndarmönnum, fulltrúa barnaverndarnefndar, starfsmönnum og öðrum, er barnaverndarnefnd kann að fela það sérstaklega, er heimilt að fara á heimili og hæli til rannsóknar á högum barns og ungmennis, taka skýrslur af foreldrum eða forráðamönnum þess og kveðja fyrir sig til yfirheyrslu hvern þann í

umdæmi hennar, er um kann að bera. Svo getur hún og krafizt þess, að menn séu kvaddir vættis fyrir dómi til skýringar máli.

18. gr.

Barnaverndarnefndir skulu veita hver annarri atbeina til skýringar málum og við framkvæmd hvers konar barnaverndarráðstafana.

19. gr.

Ef kennari, prestur, hreppsnefndaroddviti, framfærslunefnd (framfærslufulltrúi), læknir, ljósmóðir, hjúkrunarkona eða opinber starfsmaður verður í starfa sínum var við misfellur á uppeldi og aðbúð barna og ungmenna, er honum skylt að gera barnaverndarnefnd viðvart. Sérstaklega er kennurum, prestum og þeim, sem fara með framfærslumál, skylt að fylgjast eftir föngum með hegðun og uppeldi barna og ungmenna og hafa náið samstarf við barnaverndarnefnd.

Um tilkynningarskyldu annarra manna fer svo sem segir í 50. gr.

20. gr.

Skylt er löggæzlumanni að aðstoða barnaverndarnefndir og gera þeim viðvart, ef hann verður þess vís, að ábótavant sé framferði, uppeldi eða aðbúð barns eða ungmennis.

Ef brot eru framin, sem börn innan 16 ára eru viðriðin, ber löggæzlumanni og dómara þegar í stað að tilkynna það barnaverndarnefnd og veita henni þess kost að fylgjast með rannsókn máls og láta nefndarmenn, fulltrúa eða annan starfsmann vera viðstaddan yfirheyrslu. Getur dómari krafizt þessa, ef honum þykir þörf.

21. gr.

Jafnan skal leita, ef þess er kostur, umsagnar foreldra eða forráðamanna barns eða ungmennis, áður en framkvæmdar eru meiri háttar ráðstafanir, svo sem taka barns af heimili.

22. gr.

Barnaverndarnefnd skal kosta kapps um að fylgjast sem bezt með framferði, uppeldi og aðbúð barna og ungmenna í umdæmi sínu og hafa stöðugt samband við aðra þá aðila, sem stöðu sinnar vegna öðlast vitneskju um þessi efni.

23. gr.

Nú verður barnaverndarnefnd þess vís, að heimilishögum, uppeldisháttum, framferði foreldra, forráðamanna eða annarra heimilismanna, aðbúnaði eða hegðun barns sé ábótavant, og skal hún þá láta málið til sín taka á þann hátt, er bezt þykir við eiga, eftir því sem á stendur.

24. gr.

Ef barn verður munaðarlaust, skal barnaverndarnefnd aðstoða þá, er láta sig hag þess varða, eða hreppsnefnd eða framfærslunefnd við að koma því í fóstur á gott heimili, enda er óheimilt að vista slík börn á öðrum heimilum en þeim, sem barnaverndarnefnd sú, er í hlut á, samþykkir, sbr. 17. gr. laga nr. 52 1940.

25. gr.

Ef fjárhagur foreldra barns eða forráðamanna er svo bágborinn, að það nýtur ekki sómasamlegrar aðbúðar og uppeldis, skal barnaverndarnefnd hlutast til um, að ráðin verði bót á örbirgð heimilis. Ef barn líður skort vegna örbirgðar, skal barnaverndarnefnd þegar í stað gera nauðsynlegar ráðstafanir til bráðabirgða, og greiðist kostnaður úr bæjar-(sveitar-)sjóði.

Ekki má taka barn af heimili eingöngu vegna örbirgðar foreldra eða forráðamanna.

26. gr.

Nú stafar heilsu barns eða ungmennis hætta af sjúkdómi, er aðrir heimilismenn hafa tekið, eða það er sjúkt og fær ekki viðunandi hjúkrun og læknishjálp, og skal þá barnaverndarnefnd, í samráði við heimalækni eða héraðslækni, gera þær ráðstafanir, sem nauðsynlegar þykja til verndar heilsu barnsins eða ungmennisins.

27. gr.

Nú verður barnaverndarnefnd þess vís, að uppeldi barns eða ungmennis, aðbúnaði eða atlæti er ábótavant vegna hirðuleysis foreldra eða forráðamanna, vankunnáttu þeirra, andlegra eða siðferðislegra annmarka, líkamlegs eða andlegs heilsuleysis, drykkjuskapar, eiturlyfjanautnar, lauslætis eða annars siðleysis, refsiverðs athæfis o. s. frv., og skal þá barnaverndarnefnd gera viðeigandi ráðstafanir. Kemur þá m. a. til greina að leiðbeina foreldrum og forráðamönnum og áminna þá, skipa heimili eftirlitsmann, eiga hlut að því, að sjúklingi eða annmarkamanni verði komið brott af heimili, eða taka barn af heimili, ef það þykir bezt henta, og má þá fela öðrum foreldravaldið. Ef ungmenni yfir 16 ára á í hlut, skal barnaverndarnefnd fara eftir ákvæðum 32. gr., eftir því sem við á.

Það er borgarakvöð að taka skipun sem eftirlitsmaður heimilis samkvæmt ákvæðum þessarar greinar.

28. gr.

Ef það kemur upp, að barni eða ungmenni sé háski búinn af háttsemi eða framferði heimamanns, svo sem vegna ofdrykkju eða annars ósæmilegs athæfis, en því gæti annars liðið vel á heimilinu, er barnaverndarnefnd skylt, ef umvandanir og aðrar ráðstafanir koma ekki að haldi, að kæra málið fyrir valdsmanni þeim, er í hlut á. Er honum þá skylt að gera ráðstöfun, sem tryggi hag barnsins eða ungmennisins að þessu leyti, og í því skyni jafnvel heimilt að víkja manni brott af heimili um stundarsakir eða til frambúðar, ef hann bætir ekki ráð sitt, sbr. 51. gr.

29. gr.

Ef barnaverndarnefnd verður þess vís, að hegðun barns sé ábótavant, svo sem vegna ódælsku og óknytta, slæpingsháttar, flækings, betls, vanrækslu á námi, drykkjuskapar eða annarrar óreglu, lauslætis eða lögbrota, skal barnaverndarnefnd hefjast handa um viðeigandi aðgerðir. Skal hún þá ráðgast um við foreldri eða forráðamenn, áminna barnið og reyna eftir föngum að leiða það á rétta braut. Ef barn er í skóla eða við nám, skal barnaverndarnefnd ráðgast við kennara eða meistara um betrun á hegðun þess, en við dómara, ef um lögbrot er að tefla. Ef nauðsyn þykir bera til, skal barnaverndarnefnd taka barn brott af heimili og fá því góðan samastað á heimili til umsjár eða í vist, sbr. lög nr. 22 1928, á hæli eða uppeldisstofnun, enda sé höfð hliðsjón af annmörkum þess, sbr. 27. gr., og skulu þeim, sem við því taka, veittar leiðbeiningar um, hvernig með það skuli fara. Sá, sem tekur við slíku barni, skal ekki láta það frá sér fara án vitundar barnaverndarnefndar þeirrar, er í hlut á.

Þegar annmarkabarn eða ungmenni, sbr. 32. gr., er vistað á heimili, skal þess gætt, að á heimilinu séu ekki önnur börn eða ungmenni, sem ætla má, að stafi hætta af sambúð við það.

Jafnframt ákvæðum þessarar greinar skulu haldast ákvæði 267. gr. laga nr. 19 1940 um ráðstöfun vegna lögbrota barna yngri en 15 ára.

Nú verður barn 16 ára á heimili, hæli eða uppeldisstofnun, þar sem barnaverndarnefnd hefur komið því fyrir, og skal þá sú ákvörðun barnaverndarnefndar haldast, nema ungmennadómur ákveði annað. Rétt er aðila, þegar hann er orðinn 16 ára, eða lögráðamanni hans að bera málið undir ungmennadóm, og framvegis eftir reglum þeim, sem getur í VII. kafla þessara laga.

30. gr.

Ef barnaverndarnefnd ráðstafar barni eða ungmenni, sbr. 32. gr., til dvalar í umdæmi annarrar barnaverndarnefndar, skal hún að jafnaði tilkynna það þeirri barnaverndarnefnd, sem þá ber að láta fyrr greinda barnaverndarnefnd fylgjast með högum þess.

31. gr.

Þegar barni er ráðstafað brott af heimili, sbr. 27. og 29. gr., skal leggja áherzlu á, að því sé séð fyrir lögskipaðri fræðslu eða fræðslu við sitt hæfi, ef annmarkabarn á í hlut. Nú er barn fullra 14 ára, og skal þá barnaverndarnefnd leitast við að ráðstafa því til þess starfa eða náms, er bezt svarar til hæfi þess og því má að gagni koma í lífinu. Kostnað af þessu má leggja á foreldra eða framfærslumenn, séu þeir aflögufærir, en ella leitar barnaverndarnefnd aðstoðar hreppsnefndar eða framfærslunefndar.

32. gr.

Ef ungmenni eldra en 16 ára er haldið annmörkum þeim, er í 29. gr. getur, skal barnaverndarnefnd reyna að bæta hegðun og framferði þess með leiðbeiningum og áminningum, viðræðum við venzlafólk, húsbændur, kennara, meistara o. s. frv.

Ef ungmenni lætur skipast við áminningar barnaverndarnefndar og fellst á, að því sé komið í vist, sbr. lög nr. 22 1928, eða til náms, er barnaverndarnefnd skylt að veita atbeina sinn til þess, enda ráðstafi dómari eða ráðherra ekki á annan veg ungmenni, sem framið hefur lögbrot og eldra er en 15 ára. Jafnframt skulu gilda áfram ákvæði 30. gr. laga nr. 19 1940.

Ef úrræði þessi koma ekki að haldi, skal barnaverndarnefnd vísa máli til ungmennadóms, sbr. VII. kafla þessara laga.

Nú hefur ungmenni lokið vist, sem því hefur verið fengin, samkvæmt ákvæðum þessara laga, á heimili, hæli eða uppeldisstofnun, og skal þá barnaverndarnefnd sú, sem í hlut á, veita því atbeina sinn til þess að komast í vist, í atvinnu eða til náms við þess hæfi.

33. gr.

Áður en ættleiðingarleyfi er veitt, skal ráðherra leita umsagnar barnaverndarnefndar.

34. gr.

Rétt er barnaverndarnefnd að halda skrá um þau börn og ungmenni, sem sérstök ástæða er til að fylgjast með högum þeirra vegna umkomuleysis eða annmarka.

35. gr.

Ef barnaverndarnefnd kemst að raun um, að þeir, sem hafa á vegum sínum fósturbarn eða tökubarn, vanræki uppeldi þess, atlæti eða aðbúnað, þá er henni, auk annarra ráðstafana, er lög leyfa, heimilt að leggja bann við, að þeir taki vandalaus börn framvegis.

36. gr.

Áður en ráðherra veitir heimild til stofnunar eða rekstrar barnahælis eða annarrar uppeldisstofnunar samkvæmt lögum nr. 30 1933, skal hann leita umsagnar barnaverndarráðs. Ekki má fela forstöðu slíks hælis eða stofnunar öðrum en þeim, sem barnaverndarnefnd sú, er í hlut á, telur þar til hæfa, eða barnaverndarráð, ef hæli er ætlað til viðtöku börnum eða ungmennum hvaðanæva af landinu.

Barnaverndarnefnd ber að hafa eftirlit með barnahælum og uppeldisstofnunum í umdæmi sínu og fylgjast með högum og aðbúð barna þar. Skal hún gæta þess vandlega, að ekki séu rekin í umdæmi hennar önnur hæli eða stofnanir en þær, sem hlotið hafa löggildingu samkvæmt lögum nr. 30 1933.

Ef uppeldi, aðbúnaður eða atlæti barns á barnahæli eða uppeldisstofnun er vanrækt eða rekstri slíks hælis eða stofnunar á annan hátt ábótavant, skal barna-

verndarnefnd með leiðbeiningum og áminningum leitast við að bæta úr því, sem áfátt er. En komi það ekki að haldi, skal hún leggja málið fyrir barnaverndarráð. Ef barnaverndarráð fær eigi úr bætt, getur það svipt forstöðumann starfanum, og ráðherra svipt hæli eða stofnun rétti til rekstrar áfram, að fengnum tillögum barnaverndarráðs og barnaverndarnefndar. Bera má mál þessi undir dómstóla, en ekki frestar það framkvæmd úrskurðar barnaverndarráðs eða ráðherra.

37. gr.

Áður en ráðstafað er samkvæmt lögum þessum barni eða ungmenni, sem er líkamlega, andlega eða siðferðislega miður sín, sbr. 5. tölul. 1. gr., skal barnaverndarnefnd, barnaverndarráð eða ungmennadómur, ef unnt er, láta kunnáttumann rannsaka barnið eða ungmennið og segja til, hvernig með skuli fara.

Í Reykjavík skal barnaverndarnefnd á kostnað bæjarsjóðs séð fyrir athugunarstöð í þessu skyni. Þar skal þess kostur að vista til bráðabirgða börn og ungmenni, sem framið hafa lögbrot eða eru á annan hátt á siðferðislegum glapstigum, unz athugun þeirra er lokið og þeim ráðstafað til frambúðar.

Barnaverndarnefnd semur reglur um starfshættu þessarar stöðvar, er barnaverndarráð og bæjarráð samþykkja.

38. gr.

Ríkið rekur hæli, þar sem vistuð skulu börn og ungmenni, sem framið hafa lögbrot eða eru á annan hátt á siðferðislegum glapstigum, sbr. 29. og 61. gr. Skulu hæli þessi a. m. k. vera tvö, annað handa stúlkum, en hitt handa piltum. Ráðherra setur reglur um vist barna og ungmenna á hælum þessum, fræðslu, uppeldi og aga þar.

Um greiðslur fyrir börn og ungmenni á hælum þessum og öðrum hælum og stofnunum handa börnum og ungmennum, sem í 36. gr. getur, fer samkvæmt lögum nr. 78 1936. Þegar leitað er samninga um vist á slíkum hælum eða stofnunum, sbr. 2. mgr. 4. gr. nefndra laga, skal það gert í samráði við barnaverndarráð.

39. gr.

Rétt er barnaverndarnefnd að leita í samráði við oddvita eða framfærslunefnd samninga um meðlag með barni eða ungmenni, sem ráðstafað er samkvæmt lögum þessum gegn meðlagi. Ágreiningi má skjóta til hreppsnefndar eða bæjarstjórnar (bæjarráðs), er skal tafarlaust leggja úrskurð á málið. Skjóta má úrskurði sveitarstjórnar til æðra stjórnvalds.

Þá er barni eða ungmenni er ráðstafað svo sem nú var sagt, skal framfæranda, sbr. lög nr. 52 1940, skylt, eftir því sem hann er megnugur, að bera kostnað af því. Nú telur framfærandi sér kostnað um megn, og skal þá valdsmaður sá, sem í hlut á, kveða upp úrskurð um meðlagsskyldu, er hann hefur rannsakað efni og ástæður aðila. Má skjóta þeim úrskurði til ráðherra.

Að öðru greiðist kostnaður úr sveitarsjóði, sbr. þó 38. gr. laga þessara.

40. gr.

Barnaverndarnefnd skal hafa eftirlit með því, að barni eða ungmenni sé ekki ofþjakað við þunga eða óholla vinnu með löngum vinnutíma, vökum eða óreglulegum vinnuháttum. Ekki má ráða barn yngra en 14 ára til vinnu í verksmiðju, enda hafi það lokið fullnaðarprófi barnafræðslu eða burtfararprófi. Sama gildir um ráðningu barns til vinnu á skipi. Til iðnaðarnáms má ekki ráða barn innan 16 ára. Rétt er ráðherra að setja reglugerðir, er taki yfir landið í heild, ef við á, en annars einstök umdæmi, þar sem nánar er kveðið á um aldur barna og ungmenna, hvíld, vinnutíma, aðbúð, orlof og önnur vinnuskilyrði í tilteknum starfsgreinum og við tiltekin störf starfsgreinar.

Rétt er, að ákvæði reglugerða um vinnuvernd barna og ungmenna taki m. a. yfir: vernd sendisveina í starfa, þar á meðal útbúnað flutningatækja þeirra; takmörkun á blaðasölu barna og ungmenna og annarri verzlunarstarfsemi þeirra; starfa barna og ungmenna á veitingahúsum og opinberum skemmtistöðum og þátttöku þeirra í opinberri skemmtistarfsemi.

Brot gegn ákvæðum greinar þessarar, svo og brot gegn ákvæðum reglugerða, er settar eru samkvæmt henni, varðar sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að 3 árum. Auk refsingar má svipta mann réttindum samkvæmt 68. gr. laga nr. 19 1940, ef miklar sakir eru.

41. gr.

Barnaverndarnefnd skal veita atbeina sinn til, að almenn heilsuvernd barna og ungmenna í umdæmi hennar sé rækt sem bezt. Sérstaklega skal hún gefa gaum skólaeftirliti og annarri lögskipaðri heilsuverndarstarfsemi meðal barna og ungmenna, styðja lækna og aðra heilbrigðisstarfsmenn í þeim starfa og stuðla að því, að farið sé eftir réttmætum ráðleggingum þeirra og fyrirskipunum.

42. gr.

Rétt er að setja með reglugerð ákvæði, er banna í umdæmi barnaverndarnefndar sölu á tóbaki til barna yngri en 16 ára, banna að setja sælgætisverzlanir og tóbaks á stofn í námunda við barnaskóla, leikvelli eða aðra samkomustaði barna, banna sölu sælgætis á veitingastöðum, sem börnum telst óhollt að sækja, banna umferðasölu sælgætis og tóbaks og takmarka eða banna með öllu einstakar sælgætistegundir, sem talizt geta beinlínis eða óbeinlínis hættulegar börnum, o. s. frv.

Rétt er í reglugerð að banna leikföng, sem hættuleg eru börnum að dómi barnaverndarnefndar.

Brot gegn ákvæðum reglugerðar, sem sett er samkvæmt grein þessari, varðar sektum.

43. gr.

Barnaverndarnefnd skal vinna gegn áfengisneyzlu barna og ungmenna og aðstoða í því efni áfengisvarnarnefnd í umdæmi sínu, sbr. V. kafla laga nr. 33 1935.

44. gr.

Barnaverndarnefnd er skylt að hafa í umdæmi sínu eftirlit með kvikmyndasýningum, leiksýningum og öðrum opinberum sýningum. Er þeim, sem veita slíkum sýningum forstöðu, skylt að veita barnaverndarnefnd kost á því að kynna sér efni sýningar á undan almenningi. Ef barnaverndarnefnd telur sýningu skaðsamlega eða óholla sálarlífi barna, getur hún bannað, að börn innan ákveðins aldurs fái aðgang að henni. Skulu þá forstöðumenn sýningar geta þess á sinn kostnað í auglýsingum um hana.

Í Reykjavík er ráðherra heimilt að skipa eftirlitsmann kvikmynda og annan til vara, að fengnum tillögum barnaverndarráðs. Annast hann skoðun allra kvikmynda, sem þar eru sýndar, og úrskurðar um þær með sama hætti og áður segir um barnaverndarnefnd. Úrskurð sinn stimplar eftirlitsmaður á hverja mynd, og gildir bann um þá mynd, hvar sem er á landinu. Kvikmyndahús greiðir eftirlitsmanni eða varaeftirlitsmanni (barnaverndarmanni, sbr. 1. mgr.) þóknun þá, er ráðherra ákveður fyrir hverja mynd.

Ef forstöðumaður brýtur gegn reglum, sem honum eru settar samkvæmt ákvæðum greinar þessarar, varðar það sektum eða varðhaldi allt að 4 mánuðum.

45. gr.

Barnaverndarnefnd stuðlar að fræðslu um meðferð og uppeldi barna, svo sem með því að láta flytja erindi fyrir almenningi um slík efni og veita leiðbeiningar þeim, sem þess æskja.

46. gr.

Rétt er að setja með reglugerð ákvæði til verndar börnum og ungmennum gegn siðspillandi áhrifum, vondum fordæmum og freistingum.

Rétt er að takmarka í reglugerð útivistir barna og ungmenna á kvöldum og nóttum, ferðir út í skip og banna þeim aðgang að opinberum knattborðsstofum og öðrum skemmtistöðum, sem eru ekki við barna og ungmenna hæfi.

Í reglugerð má leggja bann við starfa kvenna innan 18 ára á veitingahúsum og skemmtistöðum, þar sem ætla má, að siðferði þeirra sé sérstök hætta búin.

Rétt er að takmarka í reglugerð heimild manna til að fela börnum og ungmennum fjárhæðir í vörzlu eða til umráða og hafa tiltekin verzlunarviðskipti við börn.

Brot gegn ákvæðum reglugerðar, sem sett er samkvæmt grein þessari, varðar sömu viðurlögum og brot gegn ákvæðum 40. gr.

47. gr.

Ef maður viðhefur í návist barns eða ungmennis ósiðlegt, ruddalegt eða ósæmilegt orðbragð eða athæfi, ertir það eða dregur dár að því eða særir það á ósæmilegan hátt eða beitir það refsingum, ógnunum eða hótunum, og slíkt orðbragð eða athafnir má telja því skaðsamlegar andlega eða líkamlega, þá varðar það sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að 3 árum.

48. gr.

Ef maður leiðir barn eða ungmenni allt að 18 ára á hættulega siðferðislega glapstigu eða lætur saurlífi viðgangast í húsum sínum, bifreiðum eða öðrum þeim stöðum, sem hann ræður yfir, varðar það sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að 4 árum. Auk refsingar má svipta hann réttindum samkvæmt 68. gr. laga nr. 19 1940, ef miklar sakir eru.

Það varðar sektum, varðhaldi eða fangelsi, ef maður verður þess vís, að verknaður sá, er í þessari grein getur, kemur niður á barni eða ungmenni innan 16 ára aldurs, og lætur ógert að afstýra því, ef honum er það fært, eða gera hlutaðeigandi löggæzlumanni eða barnaverndarnefnd viðvart.

49. gr.

Ef foreldrar, forráðamenn, forstöðumaður eða starfsmaður barnahælis eða uppeldisstofnunar, kennari, meistari eða aðrir, sem forsjá barna eða ungmennis allt að 18 ára er falin, leiða það á siðferðislega glapstigu, misbjóða því eða vanrækja á annan hátt uppeldi þess svo mjög, að líkamlegri eða andlegri heilsu þess eða þroska sé mikil hætta búin, þá varðar það refsingu samkvæmt 191. gr. laga nr. 19 1940. Þegar maður er dæmdur til refsingar eftir grein þessari, má beita hann ákvæðum 64., 65. og 68. gr. sömu laga.

50. gr.

Hver, sem verður þess vís, að foreldrar, forráðamenn, kennari, meistari eða aðrir þeir, sem forsjá barns eða ungmennis er falin, leiða það á siðferðislega glapstigu, misbjóða því eða vanrækja á annan hátt uppeldi þess svo mjög, að líkamlegri eða andlegri heilsu þess eða þroska sé mikil hætta búin, skal skyldur að tilkynna það barnaverndarnefnd þeirri, þar sem barnið er.

Vanræksla í þessu efni varðar sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að tveim árum. Refsimál skal því aðeins höfða, að barnaverndarnefnd sú, er hlut á að máli, eða barnaverndarráð krefjist þess.

Annars er hverjum manni rétt að gera barnaverndarnefnd viðvart um hvert það tilvik, sem telja má, að barnaverndarnefnd eigi að láta sig skipta.

51. gr.

Það varðar mann sektum eða varðhaldi allt að 3 mánuðum, ef hann heimsækir gegn forboði barnaverndarnefndar, barnaverndarráðs eða dómara barn eða ungmenni, sem ráðstafað hefur verið samkvæmt lögum þessum. Hver, sem á brott nemur barn eða ungmenni, er ráðstafað hefur verið samkvæmt lögum þessum, tælir það til brotthlaups, leynir því eða aðstoðar það við að strjúka, skal sæta sektum, varðhaldi eða fangelsi allt að 2 árum.

Sömu refsingu varðar það mann, ef hann óhlýðnast úrskurði valdsmanns að víkja brott af heimili samkvæmt 28. gr. eða sækir á heimili, eftir að honum hefur verið vikið þaðan. Beita má hér ákvæðum 64. og 65. gr. laga nr. 19 1940.

Hver, sem annars tálmar rannsókn eða framkvæmd, sem fram á að fara samkvæmt lögum þessum, gefur ranga eða villandi skýrslu þeim, sem slíka rannsókn eða framkvæmd á að annast, eða hlýðir ekki því, sem lagt er fyrir hann samkvæmt heimild í lögunum, skal sæta sektum eða varðhaldi allt að 4 mánuðum, enda varði brotið ekki þyngri refsingu samkvæmt ákvæðum þessara laga eða annarra.

## VI. KAFLI

### Um störf og starfsháttu barnaverndarráðs.

52. gr.

Barnaverndarráð er ályktunarhæft, ef allir ráðsmenn sitja fund og tveir þeirra fylgjast að máli.

Nú hamlar nauðsyn barnaverndarráðsmanni fundarsókn, og skal hann þá gera formanni viðvart með fyrirvara, ef unnt er. Boðar þá formaður varamann í hans stað.

53. gr.

Hlutverk barnaverndarráðs er að hafa yfirumsjón starfa allra barnaverndarnefnda á landinu. Skal það veita barnaverndarnefndum hvers konar leiðbeiningar um starfa þeirra, skilning á lagaákvæðum, er þær varða, o. s. frv.

54. gr.

Nú verður barnaverndarráð þess víst, að barnaverndarnefnd rækir ekki störf þau, sem henni eru falin í lögum, og skal barnaverndarráð þá krefja hana skýrslna og halda henni til að rækja skyldu sína.

55. gr.

Ef barnaverndarráði þykir ástæða til, getur það tekið mál í umdæmi barnaverndarnefndar til meðferðar, hvort sem hún hefur áður um fjallað eða ekki. Fer um tilhögun þeirrar rannsóknar, eftir því sem við á, á sama hátt sem um starfa barnaverndarnefnda.

56. gr.

Barnaverndarráð heimtir ársskýrslur frá barnaverndarnefndum og gefur út útdrátt úr þeim, ásamt skýrslu um störf sín, ekki sjaldnar en annað hvert ár. Ráðherra getur, að fengnum tillögum barnaverndarráðs, beitt dagsektum, 5—20 kr. á dag, ef barnaverndarnefnd vanrækir að standa skil á fyrirskipuðum skýrslum.

57. gr.

Barnaverndarráð hefur yfirumsjón allra barnahæla og uppeldisstofnana á landinu og beint eftirlit með hælum þeim og uppeldisstofnunum, sem ætluð eru til viðtöku börnum og unglingum hvaðanæva af landinu. Skal það fela einum ráðsmanna eða sérstökum fulltrúa að vitja til eftirlits hvers hælis eða stofnunar, svo oft, sem þurfa þykir, og eigi sjaldnar en tvisvar á ári. Er forráðamanni þeirrar stofnunar, er í hlut á, skylt að greiða fyrir eftirlit og veita eftirlitsmanni eða lækni, sbr. 58. gr.,

færi á að rannsaka börn og ungmenni, sem þar eru vistuð, húsakynni þeirra, þrif, heilsufar, eldi, aðbúnað og þroska, veita honum aðgang að skýrslum, bókum og reikningum stofnunarinnar o. s. frv.

Tálmanir gegn framkvæmd eftirlits varða refsingu að lögum, sbr. 3. gr. og 51. gr., 3. mgr.

58. gr.

Barnaverndarráð getur skipað barnahæli eða uppeldisstofnun sérstakan heimilislækni og greiðir honum þóknun. Barnaverndarráð getur krafið hann skýrslna og læknisumsagnar um atriði þau, er um getur í 57. gr.

59. gr.

Aðili, sem ráðstöfun barnaverndarnefndar varðar hagsmuni hans, getur borið málið undir barnaverndarráð, og er því skylt að taka málið til skjótrar meðferðar og úrlausnar. Slík áfrýjun frestar framkvæmd ráðstöfunar barnaverndarnefndar.

## VII. KAFLI

### Um störf og starfsháttu ungmennadóms.

60. gr.

Nú hefur barn yfir 15 ára framið lögbrot, eða ungmenni 16—18 ára er haldið annmarka, sem getur í 29. gr. þessara laga, en aðgerðir barnaverndarnefndar samkvæmt 32. gr. koma ekki að haldi eða eiga ekki við, og skal þá ungmennadómur taka málið til rannsóknar og úrskurðar. Rannsókn máls skal rekin að hætti opinberra mála, eftir því sem við á, en þó í svo miklum kyrrþey, sem unnt er. sbr. 3. gr. Gæta skulu löggæzlumenn þess, að ungmenni, sem tekið er í gæzlu samkvæmt grein þessari, sbr. 37. gr., sé leitt án undandráttar fyrir ungmennadóm, er úrskurðar, áður en sólarhringur er liðinn, hvort því skuli haldið lengur í gæzlu. Mál fyrir ungmennadómi skal nefna: Ungmennaverndarmál N. N., og skal hraða því, svo sem kostur er. Í úrskurði, sem birtur er almenningi, skal ekki greina nöfn aðila.

Nú er héraðsdómari búsettur í annarri sveit en samdómendur, og getur hann þá falið þeim rannsókn máls og kveðið upp úrskurð, án þess að þeir séu viðstaddir, enda hafi hann áður borið sig saman við þá og þeir greitt atkvæði skriflega eða í símskeyti um niðurstöðu.

61. gr.

Rétt er ungmennadómi að úrskurða ungmenni til vistar á góðu heimili, skóla, hæli eða uppeldisstofnun, og má vist á slíkum stað koma í stað refsivistar, ef framferði ungmennis er refsivert.

Um vistun ungmenna á heimili, hæli eða uppeldisstofnun gilda ákvæði 29. og 31. gr., eftir því sem við getur átt.

Barnaverndarnefnd þeirri, er í hlut á, er skylt að aðstoða við framkvæmd úrskurðar ungmennadóms, svo sem við vistun ungmennis á heimili, hæli eða uppeldisstofnun og flutning þess þangað.

62. gr.

Úrskurður um vistun ungmennis á hæli eða uppeldisstofnun samkvæmt 61. gr. skal gilda um ótiltekinn tíma. Greind vist má þó ekki fara fram úr 2 árum, nema nýr úrskurður sé kveðinn upp.

Ungmennadómur leysir ungmenni úr hælisvist eða heimilis, þegar slíkrar vistar þykir ekki lengur þörf.

Aðili eða lögráðamaður getur krafizt nýs úrskurðar, þegar 6 mánuðir eru liðnir frá uppkvaðningu síðasta úrskurðar.

Nú verður ungmenni 18 ára, á meðan það dvelst á heimili, hæli eða uppeldis-

stofnun samkvæmt úrskurði ungmennadóms, og er ungmenni eftir sem áður háð ráðstöfunarrétti ungmennadóms, unz það er 21 árs.

Um börn, sem verða 16 ára á heimili, hæli eða uppeldisstofnun, fer eftir síðustu mgr. 29. gr.

63. gr.

Skjóta skal úrskurði ungmennadóms um vist á heimili, hæli eða uppeldisstofnun til hæstaréttar, ef aðili eða lögráðamaður hans krefst þess innan 4 vikna frá birtingu úrskurðar. Að öðru leyti fer um áfrýjun slíks úrskurðar, þar á meðal um heimild dómsmálaráðherra til málskots, svo og um meðferð máls í hæstarétti að hætti opinberra mála. Áfrýjun frestar þó ekki framkvæmd úrskurðar

VIII. KAFLI

**Niðurlagsákvæði.**

64. gr.

Mál samkvæmt 47., 48. og 49. gr. þessara laga skulu rekin að hætti opinberra mála.

65. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi, og eru þá úr gildi numin lög nr. 43 23. júní 1932, um barnavernd, lög nr. 76 19. júní 1933, um breyting á þeim lögum, lög nr. 62 4. júlí 1942, um eftirlit með ungmennum o. fl., og önnur þau lög, er fara í bág við þessi lög.

## Sþ. 596. Þingsályktun

um að fá þjóðleikhúsið rýmt og smíði þess lokið.

(Afgreidd frá Sþ. 22. marz).

Samhljóða þskj. 291.

## Sþ. 597. Þingsályktun

um að bæta við einum manni í raforkumálanefnd.

(Afgreidd frá Sþ. 22. marz).

Samhljóða þskj. 444.

## Nd. 598. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 51 27. júní 1941, um breyt. á l. nr. 1 5. jan. 1938, um síldarverksmiðjur ríkisins.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og leggur til, að það verði samþykkt. Einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til að flytja eða fylgja brtt., sem fram kunna að koma við frv.

Alþingi, 22. marz 1943.

Finnur Jónsson, form. Gísli Guðmundsson, fundaskr., frsm. Sigurður Bjarnason.

Lúðvík Jósefsson. Sigurður Kristjánsson.

## Nd. 599. Nefndarálit

um frv. til l. um lendingarbætur á Vattarnesi við Reyðarfjörð.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og leggur til, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 22. marz 1943.

Finnur Jónsson, form., frsm. Gísli Guðmundsson, fundaskr. Sigurður Bjarnason.
Sigurður Kristjánsson. Lúðvík Jósefsson.

## Nd. 600. Tillaga til þingsályktunar

um undirbúning að stofnun menntaskóla að Laugarvatni.

Flm.: Sveinbjörn Högnason.

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina, að hún láti fram fara athugun á möguleikum til að hefja menntaskólakennslu að Laugarvatni eins fljótt og kostur er.

Greinargerð.

Menntaskólakennsla fer nú fram í 2 skólum hér á landi, í Reykjavík og Akureyri. Aðsókn að skólum þessum er mjög mikil, svo að jafnan verða margir frá að hverfa árlega, sem óskað hafa að mega stunda þar nám. Fjöldi nýrra nemenda í menntaskólanum í Reykjavík er fastákveðinn 25 á ári inn í 1. bekk, og í Akureyrarskólanum takmarkast tala þessi af húsnæði skólans, svo að sækja verður um skólavist löngu fyrir fram. Þetta hefur orðið til þess, að bæirnir, sem skólar þessir starfa í, standa langsamlega bezt að vígi um að láta börnin sín njóta náms í þessum skólum. Nemendur þar hafa húsnæði tryggt á heimilum sínum, hvað sem í skerst, og þeir eiga hægast með að afla sér þeirrar undirbúningsfræðslu, sem krafizt er til að geta fengið inngöngu í skólana. Jafnframt er aðstandendum þeirra ódýrast að kosta þá til námsins, þar sem þeir þurfa ekki að senda þá burt af heimilum sínum. Heimavistin við Akureyrarskólann er svo að segja eina athvarfið, sem námsfólk utan bæjanna á í þessum efnum.

Þetta hefur haft þau áhrif í þjóðlífi voru, að nemendur menntaskólanna eru að langmestu leyti úr kaupstöðum þeim, þar sem skólarnir eru, — sérstaklega á það við um skólann í Reykjavík, — og það er stöðugt að verða meiri og meiri erfiðleikum háð, að ungt og námfúst fólk sveitanna geti stundað þetta nám. En sú staðreynd hefur hins vegar tvær mjög alvarlegar afleiðingar í för með sér. Í fyrsta lagi nýtur embættismannastétt landsins svo að segja eingöngu uppeldis í kaupstöðunum og verður með öllu ókunn högum og háttum sveitanna og því bæði ófús og illa hæf til að stunda störf þar. Enda eru erfiðleikarnir sívaxandi á að fá næga og hæfa menn í embætti í sveitum landsins. Og í öðru lagi er afleiðing þessa ástands sú, að þeir, sem vilja láta börn sín ganga menntabrautina, sem kallað er, af þeim, sem í sveitum búa, sjá sér þann kost vænstan að flytja til kaupstaðanna, þar sem skólarnir eru, þegar börn þeirra stálpast, og munu sveitirnar af þessum sökum m. a. hafa misst marga góða menn í burtu, sem ella hefðu viljað starfa þar áfram.

Væri hins vegar komið upp góðum heimavistarmenntaskóla í sveit, þar sem ungt fólk úr sveitunum gæti stundað nám undir bærilegum skilyrðum hvað kostnað og ytri aðbúnað snertir, þá kæmist aftur nokkurt jafnvægi á í þessum efnum, og ekki ósennilegt, að þjóðin mundi fá marga dugandi starfsmenn frá slíkri skólastofnun.

Erlendis er það algengt mjög, að slíkir skólar séu settir utan kaupstaðanna, með heimavistum handa öllum nemendum, og ýmist reknir af ríkinu eða einstaklingum. Námið eða dvalarkostnaðurinn verður að mun ódýrari en í hinum dýru bæjum, og aðstaða öll til íþrótta og hollra uppeldisáhrifa verður að mun auðveldari.

Þótt margt sé, sem mælir með því að endurreisa hinn forna Skálholtsskóla, þegar hafizt er handa í þessum efnum, þá mun þó aðstaða öll auðveldust að koma skóla þessum á stofn á Laugarvatni, eins og nú standa sakir, og þar sem skóli þessi verður að koma sem fyrst, bæði sveitanna og þjóðarinnar vegna, er lagt til, að athugað sé, hvað gera þarf á þessum stað til að hægt sé að hefja menntaskólakennslu þar.

## Ed. 601. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 7 12. apríl 1928, um menntamálaráð Íslands.

Frá meiri hl. menntamálanefndar.

Meðan nefndin hafði málið til athugunar, hefur sú breyting verið gerð á starfstilhögun menntamálaráðs í sambandi við afgreiðslu fjárlaga fyrir 1943, að ráðið hefur ekki lengur með höndum úthlutun styrkja til einstakra skálda, rithöfunda og listamanna, heldur annast hana nefndir, kosnar af félögum innan Bandalags íslenzkra listamanna. Við lítum svo á, að með þessu sé aðaltilgangi frumvarpsins náð og jafnframt viðurkenndur réttur listamanna til ákvörðunar um úthlutun höfundarlauna, og teljum því rétt, að frv. verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Þar sem hin einstöku félög innan Bandalags íslenzkra listamanna hafa í sambandi við afgreiðslu fjárlaga fyrir 1943 fengið sjálf í hendur úthlutun þess fjár til listamanna, er menntamálaráð Íslands annaðist áður, og í trausti þess, að hið nýkjörna menntamálaráð bjóði sambandsfélögum í Bandalagi íslenzkra listamanna að tilnefna fulltrúa, einn frá hverju félagi, er verði ráðunautur menntamálaráðs í öðrum málum, er varðar hvert félag sérstaklega, t. d. verði Félagi íslenzkra myndlistarmanna boðið að tilnefna ráðunaut um kaup og val mynda fyrir listasafn ríkisins, og í þriðja lagi, þar sem vænta má gagngerra endurbóta á listamannalöggjöfinni þegar á þessu ári, eftir samþykkt þáltill. sameinaðs Alþingis um undirbúning heildarlöggjafar um rithöfundarétt og listvernd (Þskj. 211), og yfirlýsingu hæstv. kennslumálaráðherra um að hraða afgreiðslu þess máls, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 22. marz 1943.

| | |
|---|---|
| Eiríkur Einarsson, form. | Kristinn E. Andrésson, fundaskr., frsm. |

## Ed. 602. Lög

um breyting á hafnarlögum fyrir Húsavík, nr. 38 19. júní 1933.

(Afgreidd frá Ed. 23. marz.)

Samhljóða þskj. 558.

## Ed. 603. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

Frá Eiríki Einarssyni.

Við 1. gr. A. 18. Nýr liður:
*Kiðjabergsvegur:* Af Suðurlandsvegi hjá Hraungerði um brú á Hvítá hjá Kiðjabergi á Biskupstungnabraut hjá Fossi.

## Ed. 604. Breytingartillaga

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá Jónasi Jónssyni.

Við 3. gr. 2. mgr. orðist svo:
Opinberir starfsmenn ríkis og bæja og alþingismenn, er koma til þingsetu, eru undanþegnir ákvæðum 1. mgr., svo og fastir nemendur í skólum ríkisins eða skólum, sem styrktir eru af ríkisfé, meðan þeir þurfa að hafa not skólavistar, en tilkynna skulu þessir aðilar húsaleigunefnd, ekki síðar en viku eftir að þeir koma í bæinn, hvaða húsnæði þeir hafa fengið, og um leiguskilmála. Húsaleigunefnd er og heimilt að veita einstökum mönnum undanþágu frá ákvæðum sömu mgr., ef alveg sérstaklega stendur á.

## Ed. 605. Nefndarálit

um frv. til l. um afnám l. nr. 127 9. des. 1941, um viðauka við l. nr. 43 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt.

Frá þriðja minni hl. menntamálanefndar.

Svo sem alþjóð manna er kunnugt, tóku Halldór Kiljan Laxness og Ragnar Jónsson forstjóri í smjörlíkisgerðinni Smára saman ráð sín haustið 1941 um að hefja nýja útgáfu á Íslendingasögum, sem væri við hæfi samtíðarinnar. Var þessi útgáfa auglýst með miklum dugnaði bæði í blöðum og útvarpi. Þjóðin fékk þá að vita, að tilgangurinn væri að þýða Laxdælu og síðan aðrar Íslendingasögur á nýtízku-tæpitungumál. Útgáfan átti auk þess að vera prýdd með myndum eftir nafnkenndan íslenzkan málara.

Jafnskjótt og þessi nýjung varð hljóðbær, var henni nálega alls staðar illa tekið, nema af pólitískum samherjum þessara tveggja manna, sem stóðu fyrir útgáfunni. Þótti öllum þorra manna það höfuðhneyksli, ef Laxdæla og aðrar Íslendingasögur ættu að vera þýddar á sams konar eða enn lélegri íslenzku en „Vopnin kvödd". Menn bjuggust við, að norrænudeild háskólans mundi hefjast handa um varnir í þessu máli. En svo varð ekki. Þvert á móti létu aðstandendur hinnar nýju Laxdælu á sér heyra, að kennarinn í bókmenntasögu, dr. Sigurður Nordal, væri mjög hlynntur þessari ráðagerð Ragnars Jónssonar forstjóra í smjörlíkisgerðinni Smára.

Hvergi var óánægjan meiri móti þessu athæfi en í Alþingi. Við Pálmi Hannesson áttum þá bæði sæti á þingi og í menntamálaráði. Málið var tekið fyrir í menntamálaráði. Voru hinir þrír menntamálaráðsmennirnir, Árni Pálsson, Barði Guð-

mundsson og Guðmundur Finnbogason, engu síður ákveðnir um, að hefja bæri sókn gegn þessum ófögnuði, heldur en við Pálmi Hannesson. Urðu þau lok þessa máls, að menntamálaráð beitti sér fyrir því að rita ríkisstjórninni og fara þess á leit, að hún bæri fram frv., sem stefndi að því að vernda fornritin frá þeirri meðferð, sem þeim virtist nú búin. Stjórnin varð við þessari ósk. Frv. sigldi hraðbyri með fylgi flestra deildarmanna gegnum neðri deild. Í efri deild urðu einkennileg straumhvörf í málinu. Árni Jónsson frá Múla var þá stjórnmálaritstjóri Vísis og átti sæti í efri deild. Hann hafði skrifað heita ádeilugrein á hina nýju útgáfu Ragnars Jónssonar í Vísi og fór um allt það athæfi hörðum fordæmingarorðum. En þegar verndarfrv. fornritanna, sem var byggt á sama grundvelli og grein hans um málið, kom til efri deildar, snerist hann öndverður gegn sinni fyrri skoðun. Fylgdu honum nokkrir þáverandi flokksbræður hans, svo sem Magnús Gíslason skrifstofustjóri og Magnús Jónsson guðfræðiprófessor. Stuðningur var þó nægilegur í deildinni, og varð frv. skjótlega að lögum.

Þessi andstaða gegn tæpitunguútgáfu Laxness og Ragnars Jónssonar kom þeim félögum nokkuð á óvart. Vildi Ragnar Jónsson forða sér undan sektardómi og lét því hraða prentun á Laxdælu sem mest hann mátti. Málverkin, sem áttu að prýða útgáfuna, voru ekki til, og ekki tími til að bíða eftir þeim. Útgáfan var öll hin óvandaðasta, bæði um pappír og prentun, en þó rándýr, hvort heldur sem borið var saman við útgáfu Sigurðar Kristjánssonar eða fornritaútgáfuna.

Um sama leyti gaf Ragnar Jónsson út aðra öllu verri útgáfu af Odysseifskviðu. Stóð annar kommúnisti fyrir því verki. Það var Steinþór Guðmundsson kennari í Reykjavík. Hafði hann stytt og afbakað þýðingu Sveinbjörns Egilssonar á svo afkáralegan hátt, að furðu sætti. Þar sem Hómers þýðing Sveinbjörns Egilssonar er einn af hyrningarsteinum nútímabókmenntamáls á Íslandi, þá var hér vegið í sama knérunn og með skrílútgáfu fornritanna sjálfra. Bjarni Bjarnason, skólastjóri á Laugarvatni, skemmti neðrideildarmönnum við meðferð Laxdælumálsins með því að lesa upp gullfagra kafla úr þýðingu Sveinbjörns Egilssonar og hið afkáralega viðvaningsmál á útgáfu Ragnars Jónssonar.

Almannadómurinn var mjög óhagstæður þessu gróðafyrirtæki Ragnars Jónssonar og Halldórs Laxness. Menn vildu ekki eiga þessa Íslendingasögu nema af sömu ástæðum og sumir menn safna höfuðskeljum af ferhyrndum hrútum sökum sjaldhæfni. Einn maður tók þó vel við þessari útgáfu. Það var Sigurður Thorlacius, skólastjóri í Austurbæjarskólanum í Reykjavík, sem er líka einn af fimm forstjórum í bókaútgáfu kommúnista. Hann fékk nægilega mörg eintök af Laxdælu handa heilum bekk í barnaskólanum. En er til kom, var lítill áhugi í skólanum, bæði hjá nemendum og kennurum, að notfæra sér þessar bókmenntir, og lítill áhugi hjá forráðamönnum bæjarins að greiða fyrir Laxdælu í þessum fötum af fé skattþegnanna í bænum. Er því helzt svo að sjá, sem útgefendurnir hafi orðið að kosta sjálfir þessa tilraun að koma Laxdælu í skrílbúningi í hendur skólabarna í höfuðstaðnum.

Ragnar Jónsson og Laxness höfðu umflúið sektardóm í sambandi við afbökun Laxdælu með því að flýta sér svo mjög, að bókin kæmi á markaðinn án þess myndaskrauts, sem átti að fylgja henni. En fornt máltæki segir: „Skjólan fer til vatns þangað til hún brotnar“. Þeir félagar höfðu bjargazt á flótta frá sínum eigin gerðum í fyrsta sinn. Nú knúði einhver óheillanorn þá til að halda beint út á lögbrotabrautina.

Á sumarþinginu 1942 var einn dag lagt inn á borð allra þingmanna stórt bréf. Við athugun kom í ljós, að í bréfinu var lítil bók. Það var saga Hrafnkels freysgoða í útgáfu Ragnars Jónssonar og Halldórs Laxness. Stuttur formáli fylgdi eftir Halldór Laxness. Voru það samantvinnuð brigzlyrði og ókvæðisorð um þingið og einstaka þingmenn fyrir verndarlöggjöf fornritanna. Hér var auðsýnilega um sérstaka atvinnustarfsemi að ræða. Útgefendum var ekki nóg að selja þessa litlu bók á 10 krónur, þó að útgáfa Sigurðar Kristjánssonar væri til í hverri bókabúð og kostaði ekki nema nokkra aura, heldur var nafn sögunnar afbakað án tilefnis og

Alþingi sýndur stráksskapur með því að senda jafnlítilfjörlegt fjárbrallsverk sem gjöf til þingmanna.

Ragnar Jónsson gat vel leitað eftir leyfi stjórnarráðsins til að gefa út Hrafnkelssögu. En það vildi hann ekki. Hann vildi fara lögbrotaleiðina. Þess vegna biður hann ekki um leyfi, eins og lög mæla fyrir, heldur gefur út afbakaða Íslendingasögu, með viðvaningslegum hrakyrðum um Alþingi til að sýna það, að hann vilji ekki virða lögin.

Afbökun Hrafnkelssögu fékk enn verri útreið en Laxdæluútgáfan. Ekki er vitað, að neinn barnaskólastjóri hafi lagt til að kaupa þá bók til uppörvunar ungdómnum í þjóðlegum fræðum. „Hrafnkatla" lá í skrangeymslu bóksalanna, en ríkisstjórnin höfðaði, sem von var, mál móti báðum útgefendunum. Voru þeir báðir sektaðir og athæfi þeirra dæmt ólögmætt með öllu, enda höfðu þeir brotið bæði móti anda og formi verndarlaganna frá 1941.

Sektardómurinn hafði auk þess önnur áhrif á gang málsins. Sumir af góðvinum Ragnars Jónssonar og Halldórs Laxness bentu þeim á, að þeim mundi hollast að halda ekki lengra út á þá leið að afskræma fornritin. Þjóðin mundi ekki þola neinum útgefanda að draga Íslendingasögur niður í svaðið. Að svo komnu er ástæða til að ætla, að þeir félagar hafi látið sér skiljast, að þar hafi þeim verið ráðið heilræði.

Þessi tilraun að misbjóða þjóðerniskennd Íslendinga hafði að mestu leyti verið gerð af mönnum, sem voru í kommúnistaflokknum eða nákomnir bandamenn hans. Eftir kosningar í haust létu kommúnistar ráðsmann sinn frá áróðursbókagerð flokksins flytja tillögu um að fella úr gildi verndarlög fornbókmenntanna frá 1941. Það var í sjálfu sér furðulegt gæfuleysi af flm. frv. að leggja út í baráttu um málið eftir dóm almennings og Alþingis um Laxdælu og Hrafnkötlu, að dómi þjóðarinnar um hina nýju útgáfu af Hómers-þýðingu Sveinbjörns Egilssonar.

Nefndinni þótti eðlilegt að fá þrjá kennendur úr norrænudeild háskólans til viðræðu um málið. Á fundinum lögðu þeir mismunandi áherzlu á ýmis meginatriði. Árni Pálsson hóf mál sitt með vel undirbúinni gagnrýni á Laxdælu í útgáfu Laxness. Sýndi hann fram á, hversu gálauslega útgefandinn hafði fellt úr heila kafla, fært sumt efnið til og ruglað efni og mál. Björn Guðfinnsson kom með fjölmörg dæmi um breytingar á orðaröð og setningaskipun, sem gerbreytti innsta kjarna málsins. Hann taldi þessa misnotkun móðurmálsins hættulegasta atriðið í þessari nýstárlegu útgáfustarfsemi. Sigurður Nordal tók síðast til máls. Hann lagði mesta áherzlu á, að fornritin hefðu stöðugt verið að breytast við afskriftir og sambræðslu heimilda. Það var augljóst, að Nordal var á annarri „línu" en meginþorri þjóðarinnar, sem hafði stöðvað afbökun fornritanna með andúð á ráðsmennsku þeirra Laxness og Ragnars Jónssonar.

Nefndinni þótti sjálfsagt að fá gestina þrjá til að bókfesta skoðun sína um þetta merkilega mál. Þeir gerðu það skömmu síðar bréflega, og er bréfið prentað sem fylgiskjal á þingskjali 590. Eins og vænta mátti, er bréfið málamiðlun milli tveggja andstæðra sjónarmiða, eins og fram hafði komið á nefndarfundinum. Annars vegar voru þeir Árni Pálsson og Björn Guðfinnsson, þó að þá greini á í þessu efni um nokkur minni háttar atriði. Hins vegar var Sigurður Nordal. En hann er ekki einungis prófessor í norrænum fræðum við Háskóla Íslands, heldur er hann einn af fimm forkólfum í stjórnarnefnd áróðursútgáfu kommúnistaflokksins. En þrátt fyrir hin nánu tengsl, sem eru milli Nordals og aðstandenda Laxdæluútgáfunnar, þá hefur hann ekki séð sér annað fært en standa með þeim Árna Pálssyni og Birni Guðfinnssyni um að fordæma Laxdælu eins og Laxness gekk frá henni. Það er sérstök hlíf við Laxness að segja, að hann hafi byggt á annarri útgáfu (fornritaútgáfunni), því að Laxness tók fyrirmyndina í algerðu heimildarleysi, án leyfis eða greiðslu. Síðan játa allir þessir kennendur norrænu í háskólanum, að Laxness hafi ruglað orðum, breytt stafsetningu, sleppt úr orðum, bætt orðum í textann, skipt um orð, breytt orðaröð, bætt inn í heilum setningum eftir sig. Um meðferð

efnisins segja sömu menn, að þar hafi verið gerðar stórfelldar breytingar: Sleppt heilum setningum, heilum köflum, og á einum stað 5 kapítulum, setningar og kaflar færðir til. Sumstaðar hefur útgefandi búið til heilar setningar inn í textann.

Laxness og Nordal knýja nú fast á hurðir þingsins um verndarlöggjöf fyrir nútímarithöfunda. Samkvæmt tillögum þeirra má nú ekki syngja einfaldar vísur eftir skáldin, nema fá leyfi og borga fyrir afnotin. Málarar eiga nú að fá svo mikinn rétt á sínum verkum, að þeir hafi að verulegu leyti eignar- og yfirráðarétt á myndum, sem þeir eru búnir að selja og fá fyrir fulla borgun. En flest má bjóða þeim dauðu. Dómstóll þriggja manna úr norrænudeild háskólans dæmir Laxness margsekan um allar þær afbakanir og stórbreytingar, sem hægt er að gera á sígildri bók eins og Laxdælu. Samt standa málsvarar kommúnista undrandi yfir því, að Alþingi hefur lagt ákveðna hegningu við því óafsakanlega broti, sem Halldór Laxness hefur framið á höfundi Laxdælu.

Eftir að sleppir þessari hörðu gagnrýni þeirra Árna Pálssonar og Björns Guðfinnssonar kemur kafli eftir Sigurð Nordal. Þar er lögð megináherzla á, að fyrr á öldum hafi ýmsar breytingar orðið á heimildum fornritanna. Þetta vita allir, jafnvel þó að þeir séu ekki prófessorar í íslenzkum fræðum. Til hinna fyrri breytinga lágu eðlilegar orsakir á fyrri öldum. En þær breytingar afsaka ekki, að hver óvalinn gróðasnápur geti nú tekið fornsögurnar, gefið þær út eins og væru það fornrit, en afbakað allt efni, málblæ, orð og setningar. Eftir að Laxness hafði gefið út Laxdælu með þeim afbökunum, sem honum þótti henta, þá gat Steinþór Guðmundsson gert aðra enn viðvaningslegri afbökun og þó byggt á Laxness. Á þann hátt gat hver viðvaningurinn öðrum meiri haldið áfram að gera æ „fullkomnari" skrílútgáfur af fornritunum.

Allur kaflinn um textabreytingu fornritanna er fullkomlega óviðkomandi umræddu efni. Þau rök eru líka fullkomlega tilgangslaus líka fyrir Sigurð Nordal, því að hann er rétt áður, með stéttarbræðrum sínum, búinn að fordæma þær marghátt-uðu afbakanir, sem Laxness hafði gert á Laxdælu. En þær afbakanir höfðu gefið Alþingi réttmæta ástæðu til að lögvernda fornritin móti jafnóafsakanlegri meðferð eins og þremenningarnir játa, að Laxdæla hafi orðið fyrir í hinni margumtöluðu útgáfu Ragnars Jónssonar.

Niðurlag álitsgerðarinnar er ekki í nógu miklu samræmi við upphafið, sem byggir réttilega á ótvíræðum staðreyndum. Hér er því haldið fram, að það sé óviðurkvæmilegt, að ríkið taki að sér verndun fornritanna, og síðar í þessum kafla er sveigt að því, að þetta eftirlit, sem þar er játað, að margir telji nauðsynlegt, ætti það að vera í höndum rithöfunda og fræðimanna. Enn fremur segjast þeir ekki mæla með, að nokkur ein stafsetning sé löghelguð á fornritunum. Loks er því bætt við, að stafsetningin frá 1929 sé að sumu leyti nær upprunanum en stafsetning fornritanna. Þessi samanburður hlýtur að vera erfiður fyrir Sigurð Nordal, þar sem hann ber persónulega ábyrgð á báðum þeim verkum, sem hér eru borin saman.

Þegar Alþingi samþykkti lögin um verndun fornritanna, var eingöngu stefnt að því, að ófullkomnir útgefendur, eins og Ragnar Jónsson og Halldór Laxness, gætu ekki, algerlega eftir eigin geðþótta, leikið sér að því, í fjárgróðaskyni eða af stráksskap (eins og nægilega kom fram í formála Laxdælu, þar sem talað var um kontrapunkta og temu), að gera skrílútgáfu af þessum frægðarritum. Þá kom vitaskuld til mála á Alþingi, hverjum ætti að fela að geyma festarendann. Auðvitað barst talið þá að norrænudeild háskólans og líka að fleiri aðilum. En niðurstaðan varð sú, að kennslumálaráðuneytinu væri bezt treystandi, þrátt fyrir agnúa, sem voru á þeirri leið.

Tökum fyrst norrænudeildina. Björn Guðfinnsson var þá ekki orðinn fastur starfsmaður þar, þó að Alþingi væri þá að vinna að því, að hann tæki þar við starfi, til að fá aukna tryggingu fyrir viðunandi þekkingu norrænunemenda, sem útskrifast úr þeirri deild. Starfsmenn deildarinnar voru Alexander Jóhannesson, Árni Pálsson og Sigurður Nordal. Um einn af þessum mönnum, Árna Pálsson, var kunnugt, að hann hafði hinn mesta áhuga fyrir því að hnekkja útgáfustarfsemi þeirri, sem hófst

með hinni afbökuðu Laxdælu, og í menntamálaráði varð hann aðalhvatamaður þess, að ríkisstjórnin var beðin að hefjast handa um verndarlöggjöf. En frá norrænudeildinni kom engin hreyfing. Ástæðan er auðsæ. Félagsbræður Árna Pálssonar á þeim stað hafa sofið á verðinum, og sofið svo fast, að jafnvel mjög ákveðinn áhugamaður gat ekki vakið þá. Auk þess báru aðstandendur nýju Laxdælu sér í munn, að Sigurður Nordal væri undir niðri mjög hlynntur þessu útgáfuverki. Þessi hlið málsins var nokkurn veginn kunn öllum þingmönnum. Þeir gátu ekki treyst norrænudeildinni, eins og hún var skipuð, til að vernda fornritin fyrir Ragnari Jónssyni og Halldóri Laxness.

Næst gefa þremenningarnir í skyn, að rithöfundar landsins geti komið fram sem verndarar. Þessi leið er nú sem stendur vafasöm, af því að komið hefur í ljós, að félagsskapur þeirra treystir svo lítið á sig, að hann hættir ekki á að halda almennan fund í húsakynnum háskólans, nema með sérstakri vernd sunnan frá Bessastöðum. Þessi vanmáttarkennd er því einkennilegri, þar sem skáldum og rithöfundum þarf ekki að standa ógn af neinu valdi nema gyðju þeirrar, sem nefnd er Leirgerður. Og engir embættismenn ríkisvaldsins geta veitt á þeim vettvangi nokkra þá vernd, sem er þess verð, að um hana sé beðið.

Ef leitað væri nú sem stendur til kaupkröfufélags þess, sem allmargir af þeim mönnum, sem fást við ritiðju, hafa nú stofnað, og það beðið um að benda á heppilega menn til að vernda fornritin fyrir óvönduðum útgefendum, þá mundi Ragnar Jónsson forstjóri í smjörlíkisgerðinni Smára ráða mestu um, hverjum væri fenginn þessi trúnaður, og hann tilnefndi í því skyni Halldór Kiljan Laxness, Þórberg Þórðarson og Jóhannes úr Kötlum. Um þessa menn og þeirra líka nægir að segja það, að Alþingi var ekki, þegar það samdi verndarlögin 1941, reiðubúið til að treysta þess háttar rithöfundum til að dæma um, hvað væru sómasamlegar útgáfur af fornritunum.

Að lokum mótmæla prófessorarnir því, að nokkur ein stafsetning sé lögbelguð á fornritunum. Þess er ekki heldur krafizt í verndarlögunum, heldur að stafsetningin sé samræmd, þ. e. með föstu skipulagi, en ekki sundurlaus grautargerð eins og þremenningarnir játa, að sé á umræddri Laxdæluútgáfu. Kennslumálaráðuneytinu er á hverjum tíma í lófa lagið að leita til óháðra fræðimanna og notfæra sér skoðanir þeirra eftir því, sem við á. Það eru þingmálafundavísindi, þegar gert er ráð fyrir því í álitsskjalinu, að nokkur kennslumálaráðherra mundi neita um heimild til, að viðurkenndur fræðimaður mætti gefa út stafréttar útgáfur af fornritunum.

Sigurður Nordal virðist hafa lagt mest til í þennan kafla álitsgerðarinnar, en vegur þar allnærri sjálfum sér. Hann er mestur ráðamaður um fyrirkomulag fornritaútgáfunnar og hefur áreiðanlega ráðið einn öllu um stafsetningu þá, sem þar er notuð. Hann hefur á sama hátt ráðið mestu um stafsetningu þá, sem lögboðin var 1929. Þá hafði um langa stund ríkt fullkominn glundroði í stafsetningarmálum landsmanna. Voru hinir svokölluðu lærdómsmenn hvorir á móti öðrum, og voru um þetta efni þrálátar og leiðar deilur. Þegar ég átti sæti í kennslumálastjórninni, vildi ég freista að fá viðurkennda „samræmda“ eða ef menn heldur vilja segja fastákveðna stafsetningu í daglegu ritmáli þjóðarinnar. Ég leitaði til Sigurðar Nordals um forustu við þetta verk. Hann tók að sér þetta verk og réð mestu um þá stafsetningu, sem lögfest var 1929. Hafa flestir menn sætt sig vel við þessa stafsetningu, og má segja, að ráðin hafi verið í bili bót á glundroðanum um stafsetningu nútímaritmáls, eftir því sem ástæður leyfðu. Hitt er annað mál, að síðar veittu einhverjir glundroðamenn barnaskólakennurum heimild til að brjóta hið lögfesta stafsetningarskipulag í barnaskólum, ef þeim þætti það betur henta. Situr við það nú sem stendur, að í barnaskólum landsins má ríkja glundroði í stafsetningu, ef kennurum þóknast það. En sú upplausn hvílir ekki á baki þeirra, sem gerðu sitt til að bæta úr áratuga stafsetningarruglingi með ákvæðunum frá 1929.

Sigurður Nordal hefur ráðið mestu um réttritun fornritaútgáfunnar og um stafsetninguna 1929. Nú tekur hann að gagnrýna stafsetningu fornritanna og tekur jafnvel stafsetninguna frá 1929 fram yfir. Í þessari grein bókmenntahernaðar á hann enga andstæðinga nema sjálfan sig. Honum hefur verið, og yfirleitt að maklegleikum, veitt það traust að gera úrslitatillögur um fasta stafsetningu á íslenzkum fornritum og íslenzku nútíðarmáli. Hann hefur þannig tveim sinnum á ævinni tekið að sér að „löghelga" stafsetningu. Nú segir hann um fornmálið, að engin löghelgun geti átt sér stað. Sömu rökin má áreiðanlega færa fyrir glundroðastefnu í nútímamáli.

Ég legg til, að frv. það, sem Kristinn Andrésson ber fram fyrir fornritaútgáfu Ragnars Jónssonar og Halldórs Laxness, verði felld. Alþingi hefur tekið á sig ábyrgðina um, að fornritin verði ekki gefin út í skrílútgáfu. Reynslan sýnir, að menn úr rithöfundastétt landsins standa að þessum skemmdarverkum og varð ekki trúað fyrir neinni verndun. Reyndin sýndi enn fremur, að meiri hluti fastra starfsmanna við norrænudeild háskólans var líka lítt fallinn til að rísa gegn skrílútgáfum fornritanna. En venjulegir borgarar landsins risu gegn hættunni, venjulegir borgarar í menntamálaráði skoruðu á ríkisstjórnina að hefjast handa um réttmætar aðgerðir. Og venjulegir borgarar á Alþingi samþykktu með yfirgnæfandi meiri hluta verndarlöggjöf vegna fornritanna.

Það má ýmislegt finna til foráttu þeirri vernd, sem kennslumálaráðherrar geta veitt fornritunum. En þeir standa undir eftirliti og húsbóndavaldi venjulegra borgara. Kennslumálaráðherra, sem sofnar á verðinum um verndun þjóðlegra verðmæta, kembir ekki hærur í ráðherrastóli, og betri maður kemur í hans stað.

Yfirstandandi Alþingi hefur verið langt og ekki tiltakanlega athafnasamt. Mér hefur þess vegna þótt sennilegt, að þingmenn hefðu nú betri tíma en endranær til að kryfja til mergjar mál eins og verndun fornritanna. Saga þess er stutt, en mjög lærdómsrík. Hún sannar enn einu sinni kosti og gildi lýðstjórnarinnar. Þegar reyndi á með verndun þeirra bókmennta, sem frægastar eru á Íslandi, var ekki frekar en í Gyðingalandi hægt að treysta á forsjá hinna skriftlærðu. Venjulegir borgarar urðu með venjulegum hversdagsaðferðum að leysa málið. Svo mun enn fara á ókomnum árum. Líf og giftuvon frjálsrar þjóðar hvílir á dómgreind algengra borgara. Sú staðreynd, að Ragnar Jónsson hikar nú við að halda áfram bókagerð eins og þeirri, sem hann hóf með Laxdælu og Hrafnkötlu, kemur af því, að hann og nánustu stallbræður hans vita, að dómgreind þjóðarinnar er vakandi í þessu efni og að það verður jafnerfitt að koma „kontrapunkta"fornritum inn á heimili sæmilegra manna eins og að gera kirkjur landsins að verkunarstöðvum til að kverka og salta síld. Baráttan fyrir verndarlögum fornritanna 1941 skar úr til fulls í því efni.

Alþingi, 24. marz 1943.

Jónas Jónsson.

## Sþ. 606. Nefndarálit

um till. til þál. um skipun milliþinganefndar í póstmálum.

Frá fjárveitinganefnd.

Nefndin hefur athugað tillöguna og sent hana til umsagnar póst- og símamálastjóra. Póst- og símamálastjóri mælir með því, að þáltill. verði samþykkt, og í samræmi við það álit leggur nefndin til, að till. verði samþykkt með eftir farandi

BREYTINGU.

Tillögugreinina skal orða svo:

Alþingi ályktar að kjósa þriggja manna nefnd, er athugi, í samráði við póststjórnina, póstsamgöngur landsmanna og geri tillögur um breytingar, er miði að því, að póstsendingar berist um landið hraðar og tíðar en nú er. Nefndin hraði störfum og leggi álit sitt og tillögur fyrir Alþingi eigi síðar en 1944. Ráðherra skipar formann nefndarinnar. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

Alþingi, 24. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form. | Helgi Jónasson, fundaskr. | Páll Zóphóníasson, frsm. |
| Sigurður E. Hlíðar. | Pétur Ottesen. | Þorst. Þorsteinsson. |
| Jónas Jónsson. | Lúðvík Jósefsson. | Þóroddur Guðmundsson. |

## Nd. 607. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 580 (Veiting ríkisborgararéttar).

Frá allsherjarnefnd.

Aftan við 1. tölulið bætist (og breytist liðatalan samkvæmt því):

2. Börge Axel Jónsson, matsveinn, til heimilis í Reykjavík, fæddur 12. okt. 1911 í Kaupmannahöfn.

## Sþ. 608. Nefndarálit

um till. til þál. um fjarstýrð talskeytamóttökutæki í Vestmannaeyjum.

Frá fjárveitinganefnd.

Nefndin hefur athugað till. og leitað álits póst- og símamálastjóra um hana. Er umsögn hans prentuð sem fylgiskjal með nál. Nefndin leggur til, að tillagan verði samþykkt, og lætur jafnframt það álit í ljós, að æskilegt væri að taka fjárveitingu til framkvæmda í þessu skyni upp í næstu fjárlög. Síðan verði komið upp fjarstýrðum talskeytamóttökutækjum, svo fljótt sem unnt er, fyrst á Ísafirði, en þar næst á Seyðisfirði, og nauðsynlegar rannsóknir hafnar nú í sumar til þess að ákveða stað fyrir tækin.

Alþingi, 24. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form., frsm. | Helgi Jónasson, fundaskr. | Páll Zóphóníasson. |
| Pétur Ottesen. | Sigurður E. Hlíðar. | Þóroddur Guðmundsson. |
| Lúðvík Jósefsson. | Þorst. Þorsteinsson. | Jónas Jónsson. |

**Fylgiskjal.**

PÓST- OG SÍMAMÁLASTJÓRNIN

Reykjavík, 18. marz 1943.

Með bréfi, dags. 15. þ. m., hefur háttvirt fjárveitinganefnd Alþingis óskað umsagnar póst- og símamálastjórnarinnar um tillögu til þingsályktunar um fjar-

stýrð talskeytamóttökutæki í Vestmannaeyjum, og skal í því tilefni tekið fram það, sem hér segir.

Bátatalstöðvaþjónustan er vafalaust eitt hið mikilvægasta öryggi fyrir sjómennina og útgerð landsmanna. Til þess að tryggja það, að bátatalstöðvarnar komi að sem mestum notum og veiti sem fullkomnast öryggi, er nauðsynlegt að hafa sem stöðugastan hlustvörð á loftskeytastöðvunum í landi og að bátar og önnur skip haldi einnig hlustvörð á neyðarbylgjunni til skiptis helzt allan sólarhringinn. Hve víðtækan hlustvörð er hægt að hafa í landi, fer að mestu leyti eftir fjárveitingum hins opinbera eða því, sem rétt þykir, að landssíminn eyði til þess, því kostnaðurinn við það er allmikill. Inni í kaupstöðum og kauptúnum, þar sem loftskeytastöðvarnar eru, eru hlustunarskilyrðin að jafnaði mun lakari en úti á sjó, vegna rafveitutruflana og nálægra víra og mannvirkja, en sé hins vegar sérstökum hluststöðvum komið fyrir utan við þéttbýlið, hefur það í för með sér mikið aukinn rekstrarkostnað, m. a. vegna símakerfis, raforku, húsnæðis fyrir hlustverði o. fl. þvl., enda hafa hlustverðirnir þá ekki senditækin jafnframt sér við hönd, og því nauðsynlegt að hafa aðra fasta verði við þau á loftskeytastöðvunum sjálfum.

Til þess að bæta úr þessu, þarf að leggja jarðsíma frá loftskeytastöðvunum í kaupstöðunum út til truflanafrírra staða utan við þéttbýlið, þar sem hlustunarskilyrðin eru góð, og setja þar upp fjarstýrð móttökutæki, sem hægt sé að stýra frá loftskeytastöðvunum. Fær þá hlustvörðurinn á loftskeytastöðinni á þennan hátt ótruflað eyra á hentugum fjarlægum stað.

Hefur þetta þegar verið gert í Reykjavík, þar sem loftskeytastöðin á Melunum hefur fjarstýrðan móttakara í Gufunesi. Á Siglufirði er nú verið að koma á sams konar fyrirkomulagi með því að leggja jarðsíma yfir fjallið til Sauðanesvitans, en þar á að koma fyrir fjarstýrðum móttakara fyrir Siglufjarðarstöðina.

Mikilsvert er, að sams konar fyrirkomulag komist á í Vestmannaeyjum, Ísafirði og jafnvel Seyðisfirði. Efni og tæki til þessa mun að vísu vera mjög torvelt að fá nú sem stendur, en ekki er þó útilokað, að það megi takast, ef fjárveiting er fyrir hendi og póst- og símamálastjórn og ríkisstjórn leggjast á eitt og gera allt, sem unnt er, til að útvega efnið. Kostnaðurinn í Vestmannaeyjum við þetta var árið 1938 áætlaður ca. kr. 30000. Er óvarlegt að reikna með minna en 4—6-faldri þeirri upphæð nú, eða ca. 120000—180000 kr. Póst- og símamálastjórnin mun eindregið mæla með því, að sú upphæð verði tekin í næstu fjárlög.

G. J. Hlíðdal.

Frb. Aðalsteinsson.

Til fjárveitinganefndar Alþingis.

## Ed. 609. Lög

um breyting á lögum nr. 98 3. maí 1935, um virkjun Fljótaár.

(Afgreidd frá Ed. 24. marz.)

Samhljóða þskj. 71.

## Ed. 610. Frumvarp til laga

um vernd barna og ungmenna.

(Eftir 3. umr. í Nd.).

Samhljóða þskj. 595, með þessari breytingu:

47. gr. hljóðar svo:

Rétt er að setja með reglugerð ákvæði til verndar börnum og ungmennum gegn siðspillandi áhrifum, vondum fordæmum og freistingum.

Rétt er að takmarka í reglugerð útivistir barna og ungmenna á kvöldum og nóttum, ferðir út í skip og banna þeim aðgang að opinberum knattborðsstofum og öðrum skemmtistöðum, sem eru ekki við barna og ungmenna hæfi.

Í reglugerð má leggja bann við starfa kvenna innan 18 ára á veitingahúsum og skemmtistöðum, þar sem ætla má, að siðferði þeirra sé sérstök hætta búin.

Takmarka má í reglugerð heimild manna til að fela börnum og ungmennum fjárhæðir í vörzlu eða til umráða og hafa tiltekin verzlunarviðskipti við börn.

Brot gegn ákvæðum reglugerðar, sem sett er samkvæmt grein þessari, varðar sömu viðurlögum og brot gegn ákvæðum 40. gr.

## Ed. 611. Breytingartillögur

við frv. til l. um framlög til kynnisferða sveitafólks.

Flm.: Brynjólfur Bjarnason.

1. Við 1.—7. gr. Greinarnar falli burt, en í stað þeirra komi 2 nýjar greinar, svo hljóðandi (og breytist greinatalan samkvæmt því):
   a. (1. gr.) Ríkissjóður greiði árlega 100 þúsund krónur til þess að styrkja kynnisferðir húsmæðra í sveitum, kauptúnum og kaupstöðum. Tveir þriðju hlutar styrksins skulu í þessu skyni greiðast kvenfélögum í sveitum og verkakvennafélögum í kauptúnum eða, ef þau eru ekki til, þá kvenfélögum þar. Einn þriðji hluti styrksins greiðist mæðrastyrksnefndum í kaupstöðum gegn að minnsta kosti jafnháu framlagi annars staðar að.
   b. (2. gr.) Ráðherra setur reglugerð um allar nánari framkvæmdir samkvæmt lögum þessum, þar á meðal um skiptingu fjárins.
2. Við fyrirsögn. Í stað „sveitafólks“ komi: húsmæðra.

## Nd. 612. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. þetta, rætt við landlækni, en ekki getað orðið sammála um afgreiðslu þess. Meiri hluti nefndarinnar (ÁkJ, GÞ og GTh) leggur til, að frv. verði samþykkt óbreytt, GTh þó með fyrirvara.

Minni hlutinn (StJSt og JörB) leggur það til, að frv. verði vísað til ríkisstjórnarinnar.

Alþingi, 25. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Garðar Þorsteinsson, form. | Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr., með fyrirvara. | Áki Jakobsson, frsm. |
| Jörundur Brynjólfsson, með fyrirvara. | Gunnar Thoroddsen, með fyrirvara. | |

## Nd. 613. Nefndarálit

um till. til þál. um útreikning þjóðarteknanna.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin mælir með því, að till. verði samþykkt.

Alþingi, 25. marz 1943.

Ásg. Ásgeirsson, form. Jón Pálmason, fundaskr. Skúli Guðmundsson, frsm.
Ingólfur Jónsson. Einar Olgeirsson.

## Sþ. 614. Nefndarálit

um till. til þál. um skipun nefndar til rannsóknar á Þormóðsslysinu 18. febr. 1943.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað þessa till. og aflað sér nauðsynlegra gagna um málið. Eru nokkur bréf hér að lútandi prentuð sem fskj. með þessu nál.

Nefndin telur, eins og allir aðrir, sem vitað er um, að sjálfsagt sé í alla staði, að gagnger rannsókn fari fram á umræddu slysi og öllum ástæðum það áhrærandi. Hefur við athugun málsins þetta komið í ljós:

1. Þormóðsslysið er talið hafa að borið 17. eða 18. febr. s. l.
2. Þann 20. febr. skrifar eigandi m/s Þormóðs, hr. Gísli Jónsson framkvæmdarstj. f. h. fiskveiðahlutafélagsins Njáls (en skipið var á vegum skipaútgerðar ríkisins) til lögmannsins í Reykjavík og fer fram á dómkvaðningu tveggja manna til þess að skoða og gefa álit sitt um reköld og þess háttar úr skipinu.
3. Sama dag (20. febr.) voru 2 menn útnefndir til þessa í bæjarþingi Reykjavíkur, þeir Magnús Guðmundsson skipasmiður og Flosi Sigurðsson trésmiður.
4. Þann 1. marz s. l. gefa hinir dómkvöddu menn út álit sitt og afgreiða það til fiskiveiðahlutafélagsins Njáls.
5. Þann 4. sama mán. (marz) skrifar farmanna- og fiskimannasamband Íslands til ríkisstjórnarinnar (stjórnarráðsins) og fer fram á rannsókn á rekaldi úr skipinu Þormóði ásamt könnun á ástandi skipsins.
6. Þann 8. marz sendir atvinnu- og samgöngumálaráðuneytið málið til lögmannsins í Reykjavík og óskar þess, að sjódómur taki það til meðferðar og rannsóknar hið allra fyrsta og neyti til þess einnig aðstoðar annarra sérfróðra manna o. s. frv.
7. Þann 12. marz gefur atvinnumálaráðherra, að gefnu tilefni, skýrslu um þessa ákvörðuðu rannsókn. Og daginn eftir (eða um það bil) er fyrirliggjandi tillaga á þskj. 523 lögð inn til Alþ. (útbýtt 15. marz).

Eins og bert er af framanskráðu (sbr. einnig hin prentuðu fskj.), er nú, að því er vist má telja, ýtarleg rannsókn í gangi út af Þormóðsslysinu, á þeim tryggasta stað, sem völ er á, og þykir nefndinni því að svo vöxnu eigi þörf að stofna til annarrar rannsóknar. Einn nefndarmanna, Sigfús Sigurhjartarson, óskar þess getið, að hann hafi eigi verið á nefndarfundi, er ákvörðun var tekin um afgreiðslu málsins. En nefndin leggur til, að það verði afgreitt með svofelldri

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Þar sem vitað er, að nú fer fram að tilhlutun ríkisstjórnarinnar rannsókn á Þormóðsslysinu fyrir sjódómi Reykjavíkur og í því trausti, að hún verði eins ýtarleg í hvívetna og til hefur verið ætlazt, þykir ekki ástæða til þess, að Alþingi geri ályktun

um aðra rannsókn, eins og fyrirliggjandi till. ætlast til, a. m. k. ekki að svo stöddu, og tekur þingið því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 25. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Gísli Sveinsson, form., frsm. | Sigurður Þórðarson. | Páll Zóphóníasson. |
| Gísli Jónsson. | Ásg. Ásgeirsson. | Jón Sigurðsson. |

**Fylgiskjal I.**

**Útskrift úr bæjarþingsbók Reykjavíkur.**

Ár 1943, laugardaginn 20. febrúar, var bæjarþing Reykjavíkur sett í lögmannsskrifstofunni og haldið af settum lögmanni, Kr. Kristjánssyni, með undirrituðum vottum. Var þá tekið fyrir eftir beiðni Gísla Jónssonar f. h. fiskiveiðahlutafélagsins Njáll:

að útnefna tvo menn til þess að skoða og rannsaka hluti, sem álitið er, að séu úr þilfari og skipshlið m/s Þormóður, sem mun hafa farizt s.l. miðvikudagskvöld, 17. þ. m., eins og nánar er tekið fram í beiðninni.

Fram var lagt í réttinum nr. 1, beiðni um gjörð þessa, svo hljóðandi:

Nr. 1.

FISKIVEIÐAHLUTAFÉLAGIÐ NJÁLL

Reykjavík, 20. febrúar 1943.

Það er nú orðið ljóst, að m/s „Þormóður" hefur farizt s.l. miðvikudagskvöld í ofviðri við Garðskaga, ásamt þrjátíu manns, sem voru með skipinu. Við leit, sem hafin var, hefur fundizt á þeim slóðum, sem skipið var, eitt lík af konu, sem hefur þekkzt og vitað er, að var með m/s „Þormóður", og auk þess hluti úr þilfari og skipshlið, hvort tveggja úr tré, er kunnugir menn staðfesta, að séu úr m/s „Þormóður". Hafa hlutir þessir verið fluttir vestur í Slipp, þar sem þeir eru geymdir.

Með því að oss er nauðsynlegt að fá, ef mögulegt er, sem nákvæmastar sannanir fyrir orsökum slyssins, en vér teljum hins vegar, að hlutir þeir, sem fundizt hafa, beri það nokkuð með sér, þá leyfum vér oss að fara þess á leit við yður, herra lögmaður, að þér útnefnið nú þegar tvo velmetna og valinkunna skipasmiði til þess að skoða og rannsaka mjög nákvæmlega fyrrnefnda hluti og gefa skriflega skoðunargerð um eftirfarandi:

1. Úr hvaða efni hlutir þeir, sem fundizt hafa, eru.
2. Hvort ætla má, að hlutirnir séu úr vélskipinu „Þormóður".
3. Hvort efnið beri það með sér, að nokkrar veilur hafi verið í skipi því, sem stykkin eru úr.
4. Hvort nokkur merki séu sjáanleg á stykkjunum, er gefi til kynna, af hvaða ástæðum þau muni hafa brotnað úr skipinu.

Þess er óskað, að skoðunarmennirnir leiti allra upplýsinga viðvíkjandi þessu atriði hjá verkstjóra Slippfélagsins h/f, sem mjög vel þekkti skipið, þar sem hann hefur séð um allar viðgerðir á skipinu undanfarna mánuði. Þeir tilkynni einnig undirrituðum, hvenær skoðunin fer fram, svo að unnt sé að hafa viðstadda þá aðila, sem áhuga hafa fyrir málinu, svo sem vátryggjendur og eigendur.

Virðingarfyllst

Fiskiveiðahlutafélagið „Njáll"

Gísli Jónsson.

Til lögmannsins í Reykjavík.

Lagt fram í bæjarþingi Reykjavíkur 20. febr. 1943.

Kr. Kristjánsson
— settur —

Til þess að framkvæma hið umbeðna kvaddi rétturinn sem hæfa menn og óvilhalla þá Magnús Guðmundsson, skipasmið, Bárugötu 17, og Flosa Sigurðsson, trésmið, Lækjargötu 12 A, báða til heimilis hér í bænum.

Ber þeim að semja skriflega skoðunar- og álitsgjörð, vanda hana eftir beztu þekkingu og samvizku og vera reiðubúnir að staðfesta hana með eiði eða drengskaparheiti, ef krafizt verður.

Skoðunarmennirnir leiti upplýsinga hjá verkstjóra Slippfélagsins, sem þekkti skipið mjög vel. Þeir tilkynni einnig gjörðarbeiðanda, hvenær skoðunin fer fram.

Bæjarþinginu slitið.

Kr. Kristjánsson
— settur —

Vottar:
A. Helgason.
D. Árnadóttir.

Rétta útskrift staðfestir.

Skrifstofu lögmannsins í Reykjavík, 20. febrúar 1943.

Kr. Kristjánsson
— settur —

Gjald: kr. 12.75
— tólf krónur sjötíu og fimm aurar —

Greitt.

Kr. Kristjánsson
— settur —

**Fylgiskjal II.**

Samkvæmt útnefningu lögmannsins í Reykjavík, dags. 20. febr. 1943, höfum við undirritaðir athugað tvo fleka, sem fundizt höfðu á floti og að rannsökuðu máli virðast vera úr mótorskipinu „Þormóður", sem mun hafa farizt miðvikudagskvöldið 17. þ. m.

Annar flekinn er úr byrðing skipsins b.b.megin að framan, stærð 4 metr. × 1.20 metr. Utanbyrðingur 6 umför úr eik 2″ × 7″ og eitt umfar 2″ × 8″ og eitt umfar 2½″ × 8″. Í fleka þessum eru 9 tvöföld eikarbönd 4″.

Innan á böndunum eru 4 plankar úr furu (nýju efni) 2″×6″ og á miðjum líf-planki eftir allri lengdinni 3″×10″ úr pitchpine.

Enginn fúi er finnanlegur í ofangreindu efni.

Hinn flekinn er úr þilfari skipsins stj.b.megin við vélarhúsið, stærð 5″×1,3 metrar, allur úr nýju efni, saumur og járn sömuleiðis nýtt. Plankarnir úr furu 3″×5″. Skandekkið úr eik 3″ þykkri. Hálfbitar, sem eru í þessu stykki, eru allir, 6 að tölu, af þessum sverleika, úr eik:

1. 6½″×5″
2. 7″ ×5″
3. 5″ ×5″
4. 5″ ×5″
5. 5½″×5″
6. 7″ ×5″

Á fleka þessum eru botnspor fyrir bátauglu og messing áfellingarlok f. olíu.

Byrðingsflekinn ber það með sér, að hann er brotinn eftir harða viðkomu, þannig, að skipið hefur komið á grunn eða stór partur af flekanum barizt í grjóti.

Reykjavík, 1. marz 1943.

Magnús Guðmundsson. Flosi Sigurðsson.

Til Fiskveiðahlutafélagsins Njáll, Reykjavík.

**Fylgiskjal III.**

FARMANNA- OG FISKIMANNASAMBAND ÍSLANDS

Reykjavík, 4. marz 1943.

Að framkomnum tilmælum ýmsra sambandsfélaga leyfir stjórn F. F. S. Í. sér að fara fram á það við háttvirt stjórnarráð, að það láti fram fara rannsókn sérfróðra manna á rekaldi því, er borizt hefur að landi úr m/s Þormóður BA 291 hér í Reykjavík og á Akranesi og víðar, ef um rekald er að ræða úr nefndu skipi.

Til rannsóknarinnar verði valdir siglingafróðir og sérfróðir menn um skipabyggingar.

Rannsókn verði einnig gerð á því, hverjar breytingar hafa verið gerðar á skipinu síðan það kom hér til lands, og hver styrkleikaauki var í það settur, þegar skipt var um vél í því.

Telja má líklegt, að allýtarlegar upplýsingar um þessi síðastnefndu atriði geti fengizt hjá fyrrverandi skipstjóra skipsins, Elíasi Guðmundssyni, Akranesi, og vélstjóra þeim, er eftir varð af því vegna slyss. Enn fremur hjá þeim, er framkvæmdu viðgerðirnar.

Stjórn F. F. S. Í. vill taka það fram, að hún telur nauðsynlegt, að tekin sé upp sú regla, að hið opinbera fyrirskipi rannsókn hvert sinn, er svipuð slys ber að höndum, þar sem ætla má, að með því fáist úr því skorið, hvort ástæðan til slyssins er af ónógum traustleika viðkomandi skips.

Það eru vinsamleg tilmæli stjórnar F. F. S. Í. að fá að fylgjast með því, sem gerist í þessu máli.

Virðingarfyllst.

f. h. Farmanna- og Fiskimannasambands Íslands

Halldór Jónsson.

Til Stjórnarráðs Íslands.

**Fylgiskjal IV.**

ATVINNU- OG SAMGÖNGUMÁLARÁÐUNEYTIÐ

Reykjavík, 8. marz 1943.

Jafnframt því að senda yður, herra lögmaður, hjálagt erindi frá Farmanna- og Fiskisambandi Íslands, dags. 4. þ. m., varðandi rannsókn á Þormóðsslysinu, er þess óskað, að sjódómurinn í Reykjavík taki mál þetta til meðferðar og rannsóknar.

Virðist rétt, að hann fái siglingafróða menn og sérfræðinga um skipabyggingar til athugunar á atriðum þeim, sem um getur í nefndu bréfi, og þeim öðrum atriðum í sambandi við slys þetta, sem sjódómurinn eða hinir útnefndu sérfræðingar teldu ástæðu til.

Þess er óskað, að rannsókn þessi fari fram svo skjótt sem tök eru á og að ráðuneytinu verði gefin skýrsla um árangur að henni lokinni.

Vilhjálmur Þór.

Páll Pálmason.

Til lögmannsins í Reykjavík.

## Nd. 615. Nefndarálit

um frv. til l. um heimild handa ríkisstjórn Íslands til þess að stofna til útgáfu tímarits til rökræðna um landsmál.

Frá meiri hl. allsherjarnefndar.

Nefndin hefur ekki getað orðið á eitt sátt um afgreiðslu þessa máls. Meiri hl. (ÁkJ, GTh og StJSt) telur, að í frv. felist mikilvæg tilraun til þess, að allir landsmenn eigi þess kost að fá til aflestrar greinargerðir og rökstuðning allra stjórnmálaflokka um mál þau, sem efst eru á baugi á hverjum tíma og aðallega valda ágreiningi þeirra á milli. Meiri hl. n. telur því, að hugmynd sú, sem í frv. felst, miði til styrktar lýðræði í landinu, og vill því mæla með, að frv. verði samþykkt, þó einstakir nefndarmenn áskilji sér rétt til þess að bera fram eða fylgja brtt., sem fram kunna að koma.

Alþingi, 25. marz 1943.

Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr., frsm. Gunnar Thoroddsen. Áki Jakobsson.

## Ed. 616. Frumvarp til laga

um veiting ríkisborgararéttar.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Ríkisborgararétt skulu öðlast:

1. Frú Ágústa Pétursdóttir, til heimilis í Reykjavík, fædd í Reykjavík 9. febrúar 1915.
2. Börge Axel Jónsson, matsveinn, til heimilis í Reykjavík, fæddur 12. okt. 1911 í Kaupmannahöfn.
3. Jón Meyvant Sivertsen Sætran, tekn. ing., nú í Kaupmannahöfn, fæddur í Reykjavík 21. febrúar 1915.
4. Þorsteinn Bertrand Sætran, rafvirki, til heimilis í Reykjavík, fæddur 26. október 1911.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 617. Breytingartillaga

við frv. til l. um húsaleigu.

Frá Jónasi Jónssyni.

Á eftir 18. gr. komi ný gr., er verði 19. gr., svo hljóðandi:

Ákvæði 2. mgr. 5. gr. falla úr gildi 14. maí 1944, og er fyrri afnotahafa húsnæðis, sem ráðstafað hefur verið samkv. ákvæðum þeirrar mgr., heimilt að segja slíku húsnæði upp til rýmingar frá þeim tíma með löglegum fyrirvara.

## Ed. 618. Lög

um breyting á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933.

(Afgreidd frá Ed. 25. marz.)

Samhljóða þskj. 557.

## Nd. 619. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin er sammála um það að mæla með, að frv. verði samþykkt óbreytt, eins og það var afgreitt frá efri deild.

Alþingi, 25. marz 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr., frsm. Jörundur Brynjólfsson.

Áki Jakobsson. Gunnar Thoroddsen.

## Nd. 620. Nefndarálit

um frumv. til l. um heimild handa ríkisstjórn Íslands til þess að stofna til útgáfu tímarits til rökræðna um landsmál.

Frá minni hluta allsherjarnefndar.

Nefndin hefur ekki orðið sammála um afgreiðslu þessa máls. Meiri hl. nefndarinnar vill samþykkja frumv., en undirritaðir (GÞ og JörB) leggja til að frumv. verði fellt. Útgáfa slíks rits mundi sízt verða til að auka hróður þjóðarinnar og enn síður til verndar lýðræði eða frelsi hennar.

Nánar verður gerð grein fyrir þessu í framsöguræðu.

Alþingi, 26. marz 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Jörundur Brynjólfsson, frsm.

## Ed. 621. Lög

um breyting á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942.

(Afgreidd frá Ed. 26. marz.)

Samhljóða þskj. 470.

## Nd. 622. Lög

um lendingarbætur á Vattarnesi við Reyðarfjörð.

(Afgreidd frá Nd. 29. marz).

Samhljóða þskj. 487.

## Sþ. 623. Tillaga til þingsályktunar

um ráðstöfun á nokkru af landi prestssetra til nýbýlamyndunar.

Flm.: Bjarni Ásgeirsson, Jón Pálmason, Jón Sigurðsson, Jónas Jónsson.

Sameinað Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að auglýsa ekki né veita prestaköll, þar sem mikil jarðarafnot fylgja prestssetrinu, nema nýbýlastjórn hafi áður verið gefinn kostur á að láta trúnaðarmenn sína rannsaka hvert slíkt prestssetur, til að full vitneskja hafi fengizt um, hve mikið af landi hverrar slíkrar jarðar kynni að mega taka til nýbýlamyndunar, án þess að þrengja um of að prestum þeim, er síðar taka við þessum prestaköllum.

Enn fremur er skorað á ríkisstjórnina, í samráði við biskup landsins, að greiða eftir því sem unnt er fyrir því, að nýbýlastjórn geti náð samkomulagi við presta, sem búa á stórum jörðum, en geta ekki nytjað þær nema að nokkru leyti, um leigu vegna nýbýla á nokkrum hluta jarðarinnar með hóflegum kjörum.

Að síðustu er ríkisstjórninni falið að veita nýbýlastjórninni alla þá aðstoð, sem hún getur í té látið, til að undirbúa með framræslu, landskiptum og á fleiri vegu, að allt það land, sem nýbýlastjórn kann að fá til umráða samkvæmt þessari tillögu, verði sem fyrst gert nothæft til nýbýlamyndunar.

### Greinargerð.

Nýbýlastjórnina vantar hentugt land til nýbyggða, helzt víða á landinu. Fram að þessu hefur nýbýlastjórn fyrst og fremst getað greitt götu þeirra, sem hafa getað lagt til land sjálfir, svo sem við arfaskipti, þegar tvö eða fleiri börn fá óðalsjörð foreldra sinna. Sú nýbýlamyndun, sem gerist á þennan hátt, er að vísu farsæl að mörgu leyti, en hún er of takmörkuð. Fjölmörg ung hjón, sem vilja búa í sveit, eiga ekki kost á eignar- eða erfðalandi og fara af þeim ástæðum alflutt úr átthögunum, oft mjög á móti sínum vilja.

Ef á að mæta nýbýlaþörf þess fólks, sem ekki erfir lönd, verður ríkið að eiga heppilegt land til nýbýlamyndunar. Fram að þessu hefur Alþingi ekki veitt nýbýlastjórn fé til að kaupa ræktað land í þessu skyni, og væri það þó nauðsynlegt. Ríkisstjórnin og Alþingi geta, eins og málum nú er komið, ekki lagt fram ræktað land til nýbýla, nema með því að taka nokkuð af landi sumra prestssetra og fá til leigu ræktuð lönd hjá sumum þjónandi prestum, ef þess er nokkur kostur.

Fyrr á öldum voru prestar landsins stórbændur um leið og þeir voru kennimenn. Í því skyni voru víða um land valdar handa prestunum margar landmestu bújarðir, sem til eru á Íslandi. Meðan auðvelt var að fá starfsfólk, bjuggu margir prestar ekki aðeins stórbúum, heldur líka fyrirmyndarbúum. En nú eru breyttir tímar. Margir prestar, sem búa á stórjörðum, geta ekki nytjað þær nema að litlu leyti, og alloft leigja þeir prestar jarðirnar, sökum erfiðleika við fólkshald og sjálfstæðan búskap. Mörgum sveitabændum varð það mikil raun, þegar prestssetrin hættu að vera stórbýli í fornum stíl. En atvinnulíf landsins hefur breytzt,

og nú má fullyrða, að engar líkur benda til, að það verði nema tiltölulega fáir sveitaprestar, sem geta haft stórbú á gömlu prestssetrunum.

Engu að síður er nauðsynlegt, að prestar og aðrir starfsmenn landsins í sveitum hafi nokkurn búskap. En þó mun flestum henta að hafa lítil og vel ræktuð lönd, sem eru hentug til búskapar með vélavinnu, en krefjast ekki mikils aðfengins vinnuafls.

Tillagan stefnir að því, að nýbýlastjórn geti, í sambandi við brauðaveitingu, fengið allmikið af heppilegu landi handa efnilegu landnámsfólki. En auk þess gera flutningsmenn ráð fyrir, að allvíða á landinu megi, með velviljuðu liðsinni kirkjustjórnarinnar, fá til leigu hjá þjónandi prestum verulegan hluta af slíkum prestssetrum. Vitaskuld er það komið undir samþykki presta, hvort slíkir samningar takast. En í mörgum tilfellum gæti verið hagkvæmt fyrir presta að afhenda ríkinu land til nýbýla, gegn ríflegri leigu, þann tíma, sem þeir eiga eftir að starfa í hlutaðeigandi brauði, ef áður er ákveðið, að prestssetrinu verði hvort sem er skipt í fleiri jarðir, þegar nýr prestur tekur við embættinu.

## Sþ. 624. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 589 (Jarðeignamál kaupstaða o. fl.).

Frá Áka Jakobssyni.

Orðin „með nefndarskipun eða á annan hátt“ í 1. mgr. 1. tölul. falli niður.

## Sþ. 625. Nefndarálit

um till. til þál. um heimild handa ríkisstjórninni til að kaupa gistihúsið Valhöll á Þingvöllum.

Frá fjárveitinganefnd.

Nefndin mælir með, að tillagan verði samþykkt.

Alþingi, 29. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form. | Helgi Jónasson, fundaskr. | Jónas Jónsson, frsm. |
| Pétur Ottesen. | Lúðvík Jósefsson. | Páll Zóphóníasson. |
| Þorst. Þorsteinsson, með fyrirvara. | Sigurður E. Hlíðar, með fyrirvara. | Þóroddur Guðmundsson. |

## Sþ. 626. Nefndarálit

um till. til þál. um aukauppbót á styrki til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna.

Frá meiri hl. fjárveitinganefndar.

Meiri hlutinn leggur til, að þessi tillaga verði ekki samþykkt í þinginu. Menn þeir, sem hér eiga hlut að máli, eru ekki fastráðnir starfsmenn hjá ríkinu, heldur

er styrkur sá, er þeir njóta, ákveðinn af Alþingi eða þar til kjörnum nefndum til eins árs í senn. Ríkisstjórnin mun hafa goldið öllum þessum mönnum fulla dýrtíðaruppbót árið, sem leið, og mun sömu reglu fylgt í ár. Þegar þess er gætt, að mjög margir af þeim skáldum, rithöfundum, listamönnum og fræðimönnum, sem nú njóta styrks og dýrtíðaruppbótar, voru áður í 15. gr. og fengu enga dýrtíðargreiðslu á styrkinn, er augljóst, að þeir eru nú mun betur settir en fyrr.

Aukadýrtíðaruppbætur síðustu missera hafa verið ákveðnar og framkvæmdar af ríkisstjórnunum og ekki að vilja eða óskum fjárveitinganefndar. Meiri hluti nefndarinnar telur enga ástæðu að breyta um stefnu í þessu efni, og það því síður sem kalla má, að nú ári vel fyrir þá menn, sem hér ræðir um. Þannig er alkunnugt, að einn af listamönnum landsins seldi á nokkrum dögum í sumar, sem leið, málverk fyrir 50 þús. kr.

Alþingi, 29. marz 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Jónas Jónsson, frsm. | Helgi Jónason, fundaskr. | Páll Zóphóníasson, með fyrirvara. |
| Pétur Ottesen. | Þorst. Þorsteinsson. | Sigurður E. Hlíðar. |

## Sþ. 627. Tillaga til þingsályktunar

um nefndarskipun til að athuga skilyrði fyrir byggingu og rekstri skipasmíðastöðvar í Reykjavík og allsherjarskipulagi á strandferðum landsins.

Flm.: Jónas Jónsson, Bjarni Benediktsson, Haraldur Guðmundsson.

Sameinað Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að skipa, eftir tilnefningu þingflokkanna, fjóra menn í nefnd til að:

1. Rannsaka skilyrði fyrir byggingu og starfrækslu fullkominnar skipasmíðastöðvar í Reykjavík.
2. Athuga og gera tillögur um nýja skipun strandsiglinga, einkum um fyrirkomulag flóabáta og hversu bezt megi samræma ferðir þeirra við siglingar strandferða- og millilandaskipa.

Ríkisstjórnin skipar einn af nefndarmönnum, formann. Nefndin fær, fyrir atbeina ríkisstjórnarinnar, alla þá aðstoð við starf sitt, sem kunnáttumenn í þjónustu ríkisins geta veitt henni.

Greinargerð.

Hér er að vísu um tvö mismunandi verkefni að ræða, sem þó eru í nánu sambandi hvort við annað. Hefur þess vegna þótt heppilegra að leggja til, að sama nefndin rannsakaði bæði skilyrði fyrir skipabyggingarstöð í Reykjavík og um skipulag flóabátakerfis, sem hentar öllum landsmönnum.

Laust eftir 1930 vann milliþinganefnd mikið starf að því er snerti rannsókn skipasmíðamálsins. Lagði nefndin til, að byggð yrði í Reykjavík þurrkví og skipasmíðastöð. Úr því varð þó ekki, enda skall kreppan þá á. En fyrir áhrif þessarar nefndar var dráttarbrautin í Reykjavík endurbætt, og var það spor í áttina, en heldur ekki meira.

Nú er sýnilegt, að eftir stríðið verður hin mesta þörf á að geta aukið skipastól landsmanna. Má telja ósennilegt, að úr því verði unnt að bæta á viðunandi hátt nema með því að koma upp hér á landi þurrkví og stöð, sem getur bæði smíðað skip og annazt viðgerðir. Miklu skiptir, að slíkt fyrirtæki sé vel skipulagt, svo að það geti staðizt samkeppni við önnur lönd.

Reynsla undangenginna tíma sýnir, að ekki verður séð á viðunandi hátt fyrir samgönguþörfinni með ströndum fram nema með því að þjóðin eignist nokkra hentuga flóabáta, sem annast siglingu á takmörkuðum svæðum. Er nú talað um einn slíkan bát fyrir Austfirði, annan fyrir Vestfirði, tvo fyrir Norðurland, einn vegna Breiðafjarðar, auk Borgarnes- og Akranesbáts, sem nú er til. Krafan um skipulagningu flóabátaferðanna er nú orðin almenn, og er ekki unnt að leysa á viðunandi hátt úr þörfum eins héraðs án þess að hafa yfirsýn um þörf landsins alls.

## Ed. 628. Frumvarp til laga

um viðauka við lög nr. 39 28. jan. 1935, um breyting á lögum nr. 46/1921, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna.

Frá allsherjarnefnd.

1. gr.

Frá 1 apríl 1943 til 1. ágúst 1943 skal greiða meðalmeðgjöf með óskilgetnum börnum sem hér segir:

Greiða skal meðalmeðgjöf þá, sem ákveðin er með auglýsingu félagsmálaráðuneytisins, dags. 6. sept. 1940, að viðbættri 10% uppbót. Á meðgjöf þessa skal greiða verðlagsuppbót samkvæmt vísitölu eins og hún verður hvern mánuð á tímabilinu apríl til júlí 1943. Verðlagsuppbótin greiðist mánaðarlega eftir á.

2. gr.

Við gildistöku þessara laga skal greiða uppbót á meðalmeðgjöf þá, sem í gildi var frá 1. ágúst 1942 til 31. marz 1943 samkvæmt auglýsingu félagsmálaráðuneytisins, dags. 10. sept. 1942.

Uppbót þessi er mismunurinn á meðgjöf þeirri, sem um getur í 1. mgr., og meðalmeðgjöf samkvæmt auglýsingu félagsmálaráðuneytisins, dags. 6. sept. 1940, með 10% viðbót og verðlagsuppbót af hvorutveggja hvern mánuð á tímabilinu ágúst 1942 til marz 1943.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Frumvarp þetta er flutt samkvæmt ósk Mæðrastyrksnefndarinnar í Reykjavík, og vísast til erindis hennar, sem hér fer á eftir.

Einstakir nefndarmenn áskilja sér rétt til þess að bera fram breytingartillögur við frumvarpið.

**Fylgiskjal.**

MÆÐRASTYRKSNEFNDIN REYKJAVÍK

Reykjavík, 8. febrúar 1943.

Til Alþingis.

Vorið 1941 sendi Mæðrastyrksnefndin Alþingi áskorun um það, að verðlagsuppbætur skyldu greiddar á barnsmeðlög mánaðarlega skv. vísitölu undanfarandi mánaðar. Alþingi vildi ekki verða við þeirri beiðni, að uppbæturnar skyldu greiddar mánaðarlega, en samþykkti lög um það, að meðlög skyldu ákveðin til eins árs í senn, í fyrsta sinn frá 1. ágúst 1941 til 31. júlí 1942, í stað þess að áður voru meðlögin

ákveðin fyrir þriggja ára tímabil, frá 14. maí. Skyldu meðlögin nú ákveðin samkvæmt vísitölu undanfarandi mánaðar, en nokkur uppbót veitt fyrir fyrra ár: „auk þess tekið tillit til þess, að eigi voru greiddar verðlagsuppbætur næsta verðlagsár á undan".

Lög þessi gengu þegar í gildi, og 1. ágúst 1941 voru meðalmeðlög hækkuð um land allt. Til dæmis voru meðlög í Reykjavík með börnum á aldrinum 1—4 og 7—14 ára hækkuð upp í 73 krónur á mánuði, úr 50 krónum (frá 14. maí 1940, er meðlagið hafði hækkað úr kr 42.50 á mánuði). Það meðlag, er gekk úr gildi 14. maí 1940 og ákveðið hafði verið 1937, var þó lagt til grundvallar og skoðað „fyrir-stríðsmeðlag", sem meðlagsuppbæturnar skyldu falla á. Nú í sumar var meðlagið fyrir þessa aldursflokka barna hækkað upp í 84 krónur á mánuði í Reykjavík, og var í þeirri upphæð reiknuð nokkur hækkun, 19% af grunnmeðlagi, tæpar 8 krónur á mánuði, fyrir vangreiddar verðlagsuppbætur á meðlagsárinu 1. ágúst 1941 til 31. júlí 1942.

Það liggur í augum uppi, hve ófullnægjandi þessi upphæð er með þeirri dýrtíð, sem nú er, og þótt verðlagsuppbót fáist næsta sumar og verði svo greidd á næstu 12 mánuðum, kemur það að litlu haldi fyrir þau börn, sem líða skort nú vegna hins lága meðlags. Enda mun Alþingi, er frumvarp þetta var samþykkt, ekki hafa búizt við svo gífurlegum breytingum á verðlagi, sem orðið hafa síðan.

Kröfur launþega hafa verið viðurkenndar, og hefur 30% uppbót komið á öll grunnlaun, lægri en 200 kr., og 25% á hærri laun. Ef grunnmeðlagið frá 14. maí 1937 væri hækkað á þennan hátt, og auk þess bætt við dýrtíðaruppbót skv. vísitölu, væri meðlagið fyrir febrúarmánuð í Reykjavík, í flokkum þeim, sem við höfum tekið til dæmis, kr. 150.28 auk viðbótarinnar vegna vangreiddrar dýrtíðaruppbótar á undanfarandi meðlagsári (19%), tæpum 8 krónum, sem er innifalin í núverandi mánaðarmeðlagi, 84 krónum.

Allir sjá, að þetta þarf bráðra breytinga. Barnsfeður hafa fengið grunnkaupshækkun (30% og 25%), og væntum við þess, að hið háa Alþingi fallist á, að sanngjarnt sé, að sams konar hækkun komi á meðlögin.

Mæðrastyrksnefnd skorar því á Alþingi að breyta nú þegar lögunum á þá leið, að 30% grunnhækkun komi á meðlögin frá 1. júlí s. l., og sé hækkun samkvæmt vísitölu reiknuð af þeirri upphæð frá sama tíma. Meðlög séu greidd mánaðarlega með hækkun skv. vísitölu undanfarandi mánaðar, eins og á sér stað um kaupgjald. Mismunurinn á meðlagsgreiðslum samkvæmt þessu og greiðslum þeim, sem farið hafa fram skv. síðustu ákvörðun um meðlag, svo og eftirstöðvarnar af vangreiddum verðlagsuppbótum frá árinu 1. ág. 1941—31. júlí 1942, sé greiddur í einu lagi, og falli sú fúlga í gjalddaga um leið og meðlagið er komið á sama grundvöll og kaupgjald, frá 1. febrúar þ. á. Mundi það koma sér miklu betur fyrir mæðurnar að fá uppbót þessa greidda í einu lagi heldur en að fá hana ekki fyrr en 1. ágúst í sumar, og þá á 12 mánuðum.

Væntum við, að hið háa Alþingi viðurkenni réttmæti þessarar kröfu. Enda væntum við, að Alþingi sé ljóst, að erfitt verður að innheimta meðlög hjá barnsfeðrum, ef kaupgjald lækkaði, en eftir stæðu vangreiddar verðlagsuppbætur fyrra árs, sem greiðast ættu af hinu lækkaða kaupi. Það virðist því vera sameiginlegt hagsmunamál beggja aðila, mæðra og feðra barna þeirra, er um er rætt, að lögunum verði breytt á þá leið, sem við höfum farið fram á.

Virðingarfyllst

f. h. Mæðrastyrksnefndar.

Laufey Valdimarsd. Guðrún Pétursdóttir. Kristín L. Sigurðardóttir.
Unnur Skúladóttir. Steinunn Bjartmarsdóttir.

## Ed. 629. Breytingartillaga

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 105 1940, um breyt. á l. nr. 62 30. des. 1939, um tollskrá o. fl.

Frá Gísla Jónssyni.

Við 1. gr. Greinin orðist svo:
Enn fremur af trjávið, pappa, límböndum, pappakössum og hverjum öðrum umbúðum, sem notaðar eru utan um frystan fisk og niðursuðuvörur.

## Nd. 630. Lög

um breyting á lögum nr. 13 20. okt. 1905, um ritheimundarétt og prentrétt.

(Afgreidd frá Nd. 30. marz.)

Samhljóða þskj. 569.

## Sþ. 631. Tillaga til þingsályktunar

um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast lán fyrir rafveitu Ísafjarðarkaupstaðar og Eyrarhrepps.

Flm.: Finnur Jónsson, Sigurður Thoroddsen, Sigurður Bjarnason, Barði Guðmundsson.

Ríkisstjórninni er heimilt, gegn þeim tryggingum, er hún metur gildar, að ábyrgjast fyrir hönd ríkissjóðs allt að 1200000 króna innlent lán til viðbótarvirkjunar Rafveitu Ísafjarðarkaupstaðar og Eyrarhrepps.

Greinargerð.

Tillaga þessi er flutt eftir beiðni bæjarstjórnarinnar á Ísafirði og hreppsnefndar Eyrarhrepps. Verk þetta var hafið á síðastl. sumri og þá pöntuð þrýstivatnspípa og síðan vélar, er þarf til virkjunarinnar. Búið er nú að gera kaup á þrýstivatnspípunni í Ameríku, og er hún væntanleg bráðlega. Einnig er von um, að nauðsynlegar vélar fáist, einkum þar eð virkjun þessi er viðbótarvirkjun við aðra, sem fyrir er, á sama hátt og Sogsvirkjunin og viðbótarvirkjunin við Laxá. Leiðslur allar og stöðvarhús eru fyrir hendi, en þörf virkjunarinnar mjög brýn, vegna hraðfrystihúsanna og annars iðnaðar, sem risið hefur upp á virkjunarsvæðinu, síðan rafveitan tók til starfa. Virkjun þessi mundi síðar verða liður í kerfisbundinni rafvirkjun fyrir Vestfirði. Að öðru leyti vísast til ýtarlegrar greinargerðar frá Rafveitustjórn Ísafjarðar og Eyrarhepps. Þar segir svo:

„Árum saman var á Ísafirði starfandi hlutafélag, er nefndist Raflýsingarfélag Ísafjarðar. Það starfrækti rafstöð með olíumótorum og seldi bæjarbúum raforku **á eina krónu og tíu aura** kílówattstundina seinasta árið, sem það starfaði, en árin þar á undan hafði rafmagnsverðið hjá félaginu verið ein króna og tuttugu til ein króna og þrjátíu aurar kílówattstundin.

Þetta þótti bæði ófullnægjandi og dýrt, enda seldi félagið einungis raforku til ljósa.

Því var það, að Ísafjarðarbær, í félagi við Eyrarhrepp, réðst í það 1936 að virkja Fossaá í Engidal.

Var þar reist 850 hestafla stöð, og kostaði hún sem næst eina milljón og eitt hundrað þúsund krónur. Tók Rafveita Ísafjarðar og Eyrarhrepps til starfa þann 13. febrúar 1937, en jafnframt hætti Raflýsingarfélagið störfum.

Þó að ekki sé minnzt á annað í þessu sambandi en hinn beina fjárhagslega ávinning bæjarbúa við það, að rafveitan komst upp og tók til starfa fyrir stríð, þá er sá ávinningur einn ekkert smáræði, því að meðalverð á seldri raforku rafveitunnar er ekki enn þá komið upp úr 10 aurum kílówattstundin, en hins vegar er raforkan í þorpunum hér í kring, sem áður höfðu sams konar verðlag á raforku og Raflýsingarfélagið, seld á 2 krónur til 2,50 kr. kílówattstundin.

Strax í upphafi var ráð fyrir því gert að virkja síðar til viðbótar Selá í Engidal og jafnvel Langá líka, og var stöðvarhús sett þannig og haft það stórt, að í því rúmuðust þrennar vélar, þ. e. fyrir allar þessar virkjanir.

Þannig hagar til á þessum stað, að fallhæð er mikil (308 metrar), en vatnsmagn takmarkað (minnsta rennsli ca. 50 sekúndulítrar). Bætir það þó mikið úr, að Fossaá rennur úr stöðuvatni og er vatnsforði þess notaður til miðlunar þann hluta árs, sem aðrennsli er minnst.

Með því að hafa vélar stöðvarinnar stærri en hæfði minnsta vatnsrennsli, eins og hér var gert, hefur fengizt meiri orka sumar, vor og haust en ella mundi hafa fengizt nokkurn tíma, enda mun nú engan iðra þess, að stöðin var höfð 850 hestafla stöð, en ekki 400 ha., eins og upphaflega hafði verið ráðgert og ráðlagt.

En nú er svo komið, að álag á vélarnar er á sumum tímum árs orðið eins mikið og þær orka ýtrast, og vill þá stundum svo fara, að vatnsforði Fossavatns sé til þurrðar genginn, áður en vorleysinga fer að gæta til fjalla.

Sökum þess, að raforkunotkun á virkjunarsvæðinu hefur aukizt miklu örar en nokkurn hafði órað fyrir, svo og vegna áður nefndrar vatnsþurrðar á útmánuðum þótti s. l. vetur óumflýjanlegt að ráðast þegar í virkjun Selár, og var hafizt handa um þá viðbótarvirkjun síðast liðið sumar.

Það helzta, sem unnið var að virkjun Selár og Nónhornsvatns, var þetta:

Langá var brúuð og lagður vegur yfir Engidal að hlíðarfótum hinum megin dalsins. Við vegarenda var reist geymsluhús og smiðja. Þá var mælt fyrir pípulegu frá rafstöð að Nónhornsvatni og grafinn skurður fyrir þrýstivatnspípu sömu vegalengd. Þá var lögð sporbraut meðfram pípuskurði og steyptir járnbentir steinstöplar í gili, sem pípan á að leggjast yfir. (Pípulengd er röskir 2000 metrar). Lögð var lágspennulína frá rafstöð að brautarenda og þar settur niður rafmagnsmótor, til þess að draga vagna eftir sporbrautinni upp aðalbrattann, þangað sem beltistraktor, er rafveitan á, getur tekið við flutningunum að Nónhornsvatni. Á þessari sporbraut var flutt allt byggingarefni í steinstöplana í hlíðinni s. l. sumar m. m., og einnig er ætlunin sú að flytja á henni allt það byggingarefni, sem flytja þarf í stíflu við Nónhornsvatn, hina þungu þrýstivatnspípu og fleira. Hafa flutningarnir, sem kostuðu geysifé við Fossavatnsvirkjunina, þannig verið leystir á hinn haganlegasta, en þó tiltölulega ódýran hátt.

Búinn út svefnskáli fyrir verkamenn með íbúðarherbergi ráðskonu og reistur skáli til að matast í heima við rafstöð. Einnig var reistur stór skáli við Nónhornsvatn.

Að síðustu var svo sprengdur innfærsluskurður í Nónhornsvatn og að nokkru sprengt fyrir stíflustæði.

Skal hér nú gefið yfirlit yfir áætlað kostnaðarverð viðbótarvirkjunarinnar við Selá:

| | | |
|---|---|---|
| Sá hluti verksins, sem unninn var s. l. sumar, kostaði alls, að meðtöldum ýmiss konar undirbúningi | | 135000 kr. |
| Þá hefur verið smíðaður í Reykjavík efri hluti þrýstivatnspípunnar úr tré, og kostar hann auk flutningskostnaðar úr Reykjavík á virkjunarstaðinn | ca. | 90000 — |
| Járnpípa, sem pöntuð hefur verið frá Ameríku, kostar hingað komin | ca. | 300000 — |
| Vélar, sem einnig hafa verið pantaðar í Ameríku, má búast við, að kosti eigi minna en | ca. | 300000 — |
| Þá er eftir bygging stíflu við Nónhornsvatn, sem áætlað er, að kosta muni ásamt niðursetning véla og þrýstivatnspípu og ýmislegs annars | h. u. b. | 400000 — |
| | | 1225000 kr. |

Ef til vill þykir nú ekki líklegt, að fyrirtækið geti svarað vöxtum af nokkuð á þriðju milljón króna, en raforkunotkunin er í örum vexti, eins og eftirfarandi yfirlit sýna.

**Selt rafmagn:**

| | | |
|---|---|---|
| 1937 | fyrir | 81701.16 kr. |
| 1938 | — | 118291.13 — |
| 1939 | — | 135610.58 — |
| 1940 | — | 203046.77 — |
| 1941 | — | 229493.48 — |

Árið 1942 er enn þá óuppgert, en tekjur þess munu verða hátt á þriðja hundrað þúsund króna.

**Raforkuframleiðslan í orkuverinu** hefur verið þessi frá byrjun til loka síðasta árs:

| | | |
|---|---|---|
| 1937 | 664400 | kílówattstundir. |
| 1938 | 1597890 | — |
| 1939 | 1499010 | — |
| 1940 | 2039700 | — |
| 1941 | 2307130 | — |
| 1942 | 2676960 | — |

Fyrsta árið, sem rafveitan starfaði (1937), voru seldar til suðu 146707 kílówattstundir, en árið 1941 var stundanotkunin orðin 531619 kílówattstundir.

Til brauðgerðarhúsa (þ. e. til bökunarofna þeirra) var engin orka seld 1937, en árið 1941 voru 112052 kílówattstundir seldar til tveggja brauðgerðarhúsa, sem þá höfðu komið sér upp rafmagnsbökunarofnum. Á síðari hluta ársins 1942 bættist svo þriðja brauðgerðarhúsið við, og er þá aðeins eitt eftir, sem notar kolaofn.

En langmest aukning er þó á rafmagnssölunni til stærri véla. Eru hraðfrystihúsin og ísbúsin yfirleitt langstærsti notandinn í þeim flokki rafmagnsnotenda. Árið 1937 voru aðeins seldar 30621 kílówattstund til stærri véla, og gerði það þá 1,68% af orku stöðvarinnar. En 1941 var þessi sala orðin hvorki meira né minna en 573433 kílówattstundir, og er það 28,1% af afli orkuversins að Fossum. Að krónutali nam þessi orkusala 1941 51470 krónum, og er það 24,19% af tekjum stöðvarinnar.

Vitað er um mjög mikla aukningu á þessum lið raforkusölunnar á næstu árum. Til dæmis er hér nú eitt hraðfrystihús í byggingu, og til stendur að stækka tvö önnur. Einnig verður hafin bygging stórrar vélsmiðju, sem vafalaust krefst mikillar raforku, núna með vorinu.

Ljósatekjurnar, sem námu 1937 61% af öllum tekjum stöðvarinnar, nema nú aðeins 30,6% af heildartekjunum, og er það 65100 króna fjárupphæð. (Að krónutali voru ljósatekjurnar 1937 42629.67 krónur.) Nú fara aðeins 4,2% af orku stöðvarinnar

til húsalýsingar og 2,4% til hafnar- og gatnalýsingar bæði í bænum og Eyrarhreppi. Þannig eru það nú ein 6,6% af stöðvarorkunni, sem fara til lýsingarinnar á virkjunarsvæðinu.

Af þeim tölum, sem hér hafa verið nefndar, kemur í ljós, að vöxtur raforkunotkunar á virkjunarsvæðinu er geysimikill, og eru engar líkur til, að neinn verulegur hluti af orku stöðvarinnar verði óseldur, þrátt fyrir viðbótarvirkjunina, þegar sú aukning stærri iðnaðar, sem nú er vitað um, er komin til framkvæmda. En það mun að öllum líkindum verða um það bil, sem þessari viðbótarvirkjun verður lokið.

Þó að hér að framan hafi verið vikið að einstökum tekjuliðum stöðvarinnar, þykir rétt að birta í þessari greinargerð yfirlit yfir heildartekjurnar. Voru þær þessar og skiptast þannig eftir orkunotum árið 1941:

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Ljósatekjur ..... | 65100 | kr. | = | 30,60 | % | af | tekjunum, | en | 4,2 | % | af | orkunni. |
| Suðurafmagn ..... | 44385 | — | = | 20,86 | — | — | — | — | 26,7 | — | — | — |
| Hitarafmagn ..... | 32787 | — | = | 15,41 | — | — | — | — | 32,7 | — | — | — |
| Orka til smærri véla .. | 6275 | — | = | 2,95 | — | — | — | — | 1,0 | — | — | — |
| — — stærri véla ... | 51470 | — | = | 24,19 | — | — | — | — | 28,1 | — | — | — |
| — — bökunar ..... | 4524 | — | = | 2,13 | — | — | — | — | 5,5 | — | — | — |
| — — götulýsingar . | 5276 | — | = | 2,47 | — | — | — | — | 2,0 | — | — | — |
| — — hafnarlýsingar | 2794 | — | = | 1,31 | — | — | — | — | 0,4 | — | — | — |

Allgóðan tekjuafgang hefur stöðin haft öll rekstrarárin, en hæstur varð hann síðasta árið, sem reikningar eru til yfir, þ. e. 1941, en þá var tekjuafgangur stöðvarinnar 95003.48 krónur. Svipaðrar afkomu ætti að mega vænta árið 1942.

Verðbreytingar hafa ekki verið miklar á raforkunni hjá Rafveitu Ísafjarðar, síðan 1937. Verð á rafmagni til ljósa hefur verið óbreytt frá byrjun. Verð á rafmagni til smáiðnaðar og bökunar sömuleiðis. En verð á hitarafmagni hefur breytzt úr 4 aurum kílówattstundin í 5 aura, nema þegar verðið einstöku sinnum, stuttan tíma í einu að vetrinum, hefur verið sett svo hátt, að það útilokaði notkun. Suðurafmagn var fyrst á 7 aura kílówattstundin, síðar var því breytt í 8 aura og nú á síðasta ári í 10 aura á kílówattstund. Verð á raforku til stærri véla breytist í samræmi við verðbreytingar olíu, en aðrar breytingar hafa ekki verið á því gerðar.

Þetta getur ekki heitið mikil verðhækkun á rafmagninu, og stafar því aukning teknanna aðallega af aukinni notkun. En nú hefur rafveitustjórn óskað samþykkis rafmagnseftirlits ríkisins á allverulegum breytingum á gjaldskrá Rafveitunnar, með tilliti til aukinnar tekjuþarfar vegna viðbótarvirkjunarinnar. Samkvæmt þeim tillögum verður ljósarafmagn með óbreyttu verði, en hitarafmagn hækkar úr 5 aurum í 12 aura, bökunarrafmagn úr 6 aurum í 12 aura og suðurafmagn úr 10 aurum í 12 aura. Þá hækki rafmagn til smáiðnaðar úr 25 aurum í 50 aura. Einnig var lagt til, að orkuverð til hafnar- og götulýsingar hækkaði nokkuð.

Ætti af þessu að verða veruleg tekjuhækkun á þessu ári hjá Rafveitunni.

Oss er að vísu ljóst, að búast má við minni ágóða af Rafveitunni eftir stækkunina, en vér lítum ekki fyrst og fremst á Rafveituna sem gróðafyrirtæki. Hitt lítum vér miklu fremur á, að oss beri skylda til að fullnægja nokkurn veginn raforkuþörfinni á virkjunarsvæðinu — og alveg sérstaklega þörf atvinnuveganna —, að svo miklu leyti sem virkjunarskilyrði leyfa. Og því verður ekki neitað, að skilyrðin eru hér hin hagstæðustu við virkjun Selár og Nónhornsvatns, það sem þau nema.

Það á að vera meginkostur þessarar viðbótarvirkjunar, að vélasamstæður Fossavatns og Nónhornsvatns verða samvirkar, þannig að þær geta hvor um sig notfært sér vatnsafl beggja vatnanna, og einnig starfað báðar saman, þegar vatnsafl er nægilegt til þess.

Mun því í fyrsta lagi aukast stórlega öryggi orkuversins, sem fyrir er með tveimur vélasamstæðum, og í annan stað fáum vér vor, sumar og haust og stundum meginhluta ársins (í mildum vetrum) 1600—1700 hestafla stöð í þjónustu vora með þessari viðbótarvirkjun.

Virkjunarframkvæmdirnar komust það áleiðis s. l. sumar, að auðsætt er, að þeim má hæglega ljúka á sumri komanda, ef ekki stendur á vélunum. Er það og áætlunin, að svo verði gert.

Trépípan er þegar fullger í Reykjavík og nokkur hluti hennar kominn á virkjunarstaðinn. Járnpípan mun vera komin til afskipunar í New-York, og túrbína og rafall gerum vér oss vonir um, að geti komið fyrir næsta haust, eftir þeim fréttum, sem nú hafa af þeim borizt.

Það er því ósk vor, að hið háa Alþingi sjái sér fært að veita Rafveitu Ísafjarðar og Eyrarhrepps einnar milljón tvö hundruð þús. króna ríkisábyrgð á þessu þingi, til þess að hún geti fengið sem hagstæðust lán til framkvæmda sinna.

**Leggjum vér ríka áherzlu á þá staðreynd, að í viðbótarvirkjun þessa er fyrst og fremst ráðizt vegna auðsærrar, aðkallandi þarfar útgerðarinnar** og stærri iðnaðar í bænum, og væntum vér fastlega, að á það verði litið með velvild af Alþingi Íslendinga."

## Ed. 632. Nefndarálit

um till. til þál. um rannsókn á skilyrðum fyrir byggingu og starfrækslu æskulýðshallar í Reykjavík.

Frá meiri hluta allsherjarnefndar.

Allsherjarnefnd hefur athugað framangreinda tillögu og er sammála um, að það sé nauðsynjamál, að komið verði upp og starfrækt æskulýðshöll hér í Reykjavík.

Hins vegar finnst meiri hl. nefndarinnar það ekki muni flýta fyrir framkvæmd málsins að kjósa jafnstóra nefnd og farið er fram á í till. til þess að athuga það og undirbúa. Hefur meiri hl. nefndarinnar því orðið sammála um að leggja til, að þingsályktunartillaga þessi verði afgreidd með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Í trausti þess, að ríkisstjórn og bæjarstjórn Reykjavíkur láti hið fyrsta fara fram í sameiningu og í samráði við æskulýðsfélög bæjarins athugun á skilyrðum til þess að láta reisa og starfrækja æskulýðshöll í Reykjavík, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 30. marz 1943.

| Bjarni Benediktsson, form. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. | Lárus Jóhannesson, frsm. |
|---|---|---|

Brynjólfur Bjarnason.

## Sþ. 633. Breytingartillaga

við till. til þál. um verðuppbætur á útflutt refa- og minkaskinn.

Frá Pétri Ottesen.

Við fyrirsögn. Fyrir „refa- og minkaskinn" kemur: refaskinn.

## Nd. 634. Þingsályktun

um útreikning þjóðarteknanna.

(Afgreidd frá Nd. 30. marz.)

Samhljóða þskj. 530.

## Ed. 635. Nefndarálit

um frv. til l. um Kennaraskóla Íslands.

Frá meiri hl. menntamálanefndar.

Nefndin hefur athugað frumvarpið, en ekki getað orðið sammála um afgreiðslu þess.

Við undirritaðir leggjum til, að frumvarpið verði samþykkt óbreytt, en einn nefndarmanna (JJ) mun vilja víkja málinu frá með rökstuddri dagskrá.

Alþingi, 30. marz 1943.

Eiríkur Einarsson, form. Kristinn E. Andrésson, fundaskr., frsm.

## Sþ. 636. Þingsályktun

um skipun milliþinganefndar í póstmálum.

(Afgreidd frá Sþ. 30. marz.)

Alþingi ályktar að kjósa þriggja manna nefnd, er athugi, í samráði við póststjórnina, póstsamgöngur landsmanna og geri tillögur um breytingar, er miði að því, að póstsendingar berist um landið hraðar og tíðar en nú er. Nefndin hraði störfum og leggi álit sitt og tillögur fyrir Alþingi eigi síðar en 1944. Ráðherra skipar formann nefndarinnar. Kostnaður við nefndarstörfin greiðist úr ríkissjóði.

## Sþ. 637. Þingsályktun

um fjarstýrð talskeytamóttökutæki í Vestmannayjum.

(Afgreidd frá Sþ. 30. marz.)

Samhljóða þskj. 377.

## Nd. 638. Frumvarp til laga

um frestun á framkvæmd laga nr. 60 7. maí 1940, um síldartunnur.

Flm.: Finnur Jónsson, Jóhann Jósefsson.

1. gr.

Framkvæmd laga nr. 60 7. maí 1940, um síldartunnur, skal frestað þangað til lokið er styrjöld þeirri, er nú geisar.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Með bréfi, dags. 10. marz þ. á., hefur síldarmatsstjóri bent síldarútvegsnefnd á þá staðreynd, að rás viðburðanna útiloki framkvæmd laganna — sem miðuð voru við eðlileg friðartímaviðskipti — um ófyrirsjáanlegan tíma, eða þangað til hægt verður að flytja inn tunnur eða tunnuefni, sem uppfyllir kröfur laganna.

Eins og á stendur virðist því ekki vera annað hægt en að slá framkvæmd tunnulöggjafarinnar á frest, þar til eðlileg viðskipti geta hafizt að stríðinu loknu.

## Ed. 639. Breytingartillaga

við dagskrártill. á þskj. 590 [Rithöfundaréttur].

Frá Þorsteini Þorsteinssyni og Páli Hermannssyni.

Í stað orðanna „og að jafnframt ... frá 9. des. 1941“ komi: og að jafnframt því fari og fram endurskoðun á ákvæðum laga nr. 127 frá 9. des. 1941, þannig að tryggt sé, að komið verði í veg fyrir afbakaðar útgáfur á fornritunum.

## Nd. 640. Frumvarp til laga

um húsaleigu.

(Eftir 3. umr. í Ed.)

1. gr.

Leigusala er óheimilt að segja upp leigusamningum um húsnæði, nema honum sé, að dómi húsaleigunefndar, þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig eða skyldmenni í beinni línu, kjörbörn og fósturbörn, enda hafi hann og eignazt hús það, sem íbúðin er í, fyrir 9. sept. 1941. Þegar sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd þó leyft aðfluttum opinberum starfsmanni, sem eignazt hefur hús á starfssvæði sínu eftir 8. sept. 1941, að segja upp leigusamningum um húsnæði í húsinu, verði honum talin þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig.

Heimilt skal leigusala að skipta á íbúð sinni og íbúð leigutaka í húsi sínu, enda komi íbúð leigusala leigutaka að sömu eða svipuðum notum, að dómi húsaleigunefndar. Svo skal og leigusala, er sjálfur býr í húsi annars, undir sömu kringumstæðum heimilt að skipta á íbúð við leigutaka í húsi sínu, enda samþykki leigusali hans

skiptin. Skipti á íbúðum geta því aðeins farið fram, að leigusali hafi tilkynnt leigutaka vilja sinn þar um með sama fyrirvara og um uppsögn væri að ræða.

Nú missir leigusali af sér óviðráðanlegum ástæðum húsnæði það, sem hann hefur notað til eigin atvinnurekstrar, og getur hann þá, ef honum verður að dómi húsaleigunefndar talin þess brýn þörf til afnota fyrir þann atvinnurekstur, sagt upp leigusamningi um húsnæði, er notað hefur verið í öðru skyni en til íbúðar í húsi, er hann hefur eignazt fyrir 9. sept. 1941.

Uppsagnir framleigusala á leigusamningum framleigutaka lúta einnig ákvæðum þessarar greinar, eftir því sem við á, þó þannig, að ekki skiptir máli, hvenær framleigusali öðlaðist rétt yfir hinu leigða.

Uppsagnir samkvæmt framansögðu má meta gildar að öllu leyti eða nokkru, verði það talið hentara, enda á þá húsaleigunefnd úrskurð þess, til hverra herbergja uppsögnin nær.

2. gr.

Þrátt fyrir ákvæði 1. gr. heldur leigusali (framleigusali) óskertum rétti sínum til að slíta leigumála vegna vanskila á húsaleigu eða annarra samningsrofa af hálfu leigutaka (framleigutaka), svo og ef leigutaki (framleigutaki) hagar sér þannig eða fremur eitthvað það, er að mati húsaleigunefndar gerir leigusala verulega óþægilegt að hafa hann í húsum sínum.

3. gr.

Leigusala (framleigusala) er óheimilt að leigja öðrum en heimilisföstum innanhéraðsmönnum íbúðarhúsnæði, og eru slíkir leigusamningar ógildir.

Opinberir starfsmenn ríkis og bæja og alþingismenn, er koma til þingsetu, eru undanþegnir ákvæðum 1. mgr., svo og fastir nemendur í skólum ríkisins eða skólum, sem styrktir eru af ríkisfé, meðan þeir þurfa að hafa not skólavistar, en tilkynna skulu þessir aðilar húsaleigunefnd, ekki síðar en viku eftir að þeir koma í bæinn, hvaða húsnæði þeir hafa fengið, og um leiguskilmála. Húsaleigunefnd er og heimilt að veita einstökum mönnum undanþágu frá ákvæðum sömu mgr., ef alveg sérstaklega stendur á.

Utanhéraðsmönnum er óheimilt að flytja í hús, er þeir kunna að kaupa eftir gildistöku laga þessara í kaupstöðum eða kauptúnum landsins, nema fullnægt sé ákvæði 2. málsgr. þessarar greinar.

Húsaleigunefnd getur látið framkvæma útburð á þeim utanhéraðsmönnum, sem ólöglega hafa tekið húsnæði á leigu eða flutt í það samkvæmt framansögðu, og skal þessu húsnæði ráðstafað handa húsnæðislausum innanhéraðsmönnum.

4. gr.

Íbúðarherbergi má ekki taka til annarrar notkunar en íbúðar, og íbúðarhús má ekki rífa, nema heilbrigðisnefnd banni að nota þau til íbúðar. Húsaleigunefnd getur þó veitt sérstakt leyfi til þessa og sett það skilyrði, að húseigandi sjái um jafnmikla aukningu á húsnæði til íbúðar annars staðar í hlutaðeigandi kaupstað, kauptúni eða sveit.

Ef íbúðarhúsnæði er heimildarlaust tekið til annarrar notkunar en íbúðar, er húsaleigunefnd rétt að skylda húseiganda, að viðlögðum allt að 200 kr. dagsektum í ríkissjóð, að taka upp fyrri notkun húsnæðisins. Hefur húsaleigunefnd síðan heimild til að ráðstafa húsnæðinu samkvæmt reglum þeim, er segir í 5. gr., enda sé húseiganda áður veittur þriggja daga frestur til þess að leigja húsnæðið húsvilltu innanhéraðsfólki til íbúðar.

5. gr.

Húsaleigunefnd er heimilt að taka til umráða auðar íbúðir og ráðstafa þeim til handa húsnæðislausu innanhéraðsfólki, enda komi fullt endurgjald fyrir. Á sama hátt er húsaleigunefnd heimilað að taka til sinna umráða annað ónotað húsnæði og útbúa það til íbúðar.

Þegar alveg sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd, að fengnu samþykki félagsmálaráðherra, og tekið til sams konar ráðstöfunar tiltekinn hluta af íbúðarhúsnæði, sem afnotahafi getur án verið, að mati nefndarinnar, og unnt er að skipta úr. Þó getur afnotahafi ráðstafað þessum hluta húsnæðisins til handa þeim innanhéraðsmanni, er hann kýs, og hefur húsaleigunefnd þá sams konar ráðstöfunarrétt á því húsnæði, er þannig losnar.

Taki húsaleigunefnd húsnæði leigunámi skv. ákvæðum þessarar gr., ákveður hún leiguupphæð, leigutíma og annað það, sem þörf þykir að taka ákvörðun um og málsaðilar koma sér ekki saman um. Úrskurðum nefndarinnar um töku húsnæðis samkv. þessari grein má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, og eru úrskurðir hennar fullnaðarúrskurðir.

Hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóður ábyrgist greiðslu fyrir húsnæði, sem tekið er samkvæmt þessari lagaheimild, svo og greiðslu skaðabóta fyrir spjöll á hinu leigunumda, er leigutaki eða fólk á hans vegum telst eiga sök á.

6. gr.

Óheimilt er að hækka húsaleigu eftir húsnæði frá því, sem goldið og umsamið var hinn 14. maí 1940, nema samkvæmt eftirfarandi ákvæðum:

Félagsmálaráðherra ákveður, að fengnum tillögum kauplagsnefndar, hlutfallið milli húsaleigu og viðhaldskostnaðar, miðað við 4. apríl 1939. Kauplagsnefnd skal, með aðstoð hagstofunnar, reikna út hækkun viðhaldskostnaðar fjórum sinnum á ári, 1. marz, 1. júní, 1. sept. og 1. des., miðað við mánuðina jan.—marz 1939. Síðan reiknar nefndin út húsaleiguvísitölu samkvæmt framansögðu. Er heimilt að hækka húsaleigu í samræmi við vísitölu þessa frá fyrsta næsta mánaðar eftir að húsaleiguvísitalan hefur verið reiknuð út hverju sinni, enda sé leigumálinn staðfestur af húsaleigunefnd.

Enn fremur er heimilt að hækka eftir mati húsaleigunefndar leigu eftir húsnæði sökum verðhækkunar á eldsneyti eða lýsingu, sem innifalið er í leigunni, vaxtahækkunar af fasteignum og annars þess háttar, svo og húsnæði, sem leigt hefur verið lægra en sambærilegt húsnæði á þeim stað (kaupstað, kauptúni eða sveit). Verði hækkun metin á leigu, kemur hún til framkvæmda fyrsta næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

7. gr.

Nú vanrækir leigusali (framleigusali) viðhaldsskyldu sína, eða húsnæði telst af öðrum ástæðum leigt óhæfilega hátt vegna ásigkomulags þess, þá getur leigutaki (framleigutaki) beiðzt mats húsaleigunefndar á húsaleigunni. Eigi er nefndinni þó skylt að taka slíka beiðni til greina, nema leigutaki (framleigutaki) leiði líkur að því, að málaleitunin hafi við rök að styðjast. Meti nefndin leiguna lægri en umsamið hefur verið, skal færa hana niður í samræmi við matið, og gildir lækkunin frá 1. næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

Á sama hátt og húsaleiga hefur verið hækkuð samkv. 6. gr. skal leigusali færa leiguna niður, ef breytingar þær, sem áður urðu til hækkunar á leigunni, leiða síðar til lækkunar.

8. gr.

Í Reykjavík skal skipa húsaleigunefnd. Eiga sæti í henni fimm menn, tveir kosnir af bæjarstjórn Reykjavíkur, tveir skipaðir af ríkisstjórninni, en hæstiréttur skipar þann fimmta, og er hann formaður nefndarinnar. Fimm varamenn skulu skipaðir á sama hátt. — Formaður og varaformaður nefndarinnar skulu vera lögfræðingar.

Úrskurð um gildi uppsagnar og önnur þau atriði, er greinir í lögum þessum, að undanteknu mati á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, skulu formaður og tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, kveða upp. Skulu þeir allir vera á fundi, er úrskurður er upp kveðinn, og taka þátt í atkvæðagreiðslu, og getur þá varamaður komið í stað aðalmanns. Afl atkvæða ræður úrslitum máls.

Tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, skulu framkvæma mat það

á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, er í lögum þessum greinir, undir eftirliti formanns, og getur þar einnig komið varamaður í stað aðalmanns.

Skylt er málsaðilum að koma á fund nefndarinnar, ef hún krefst þess, og gefa upplýsingar um málsatriði.

Skylt skal nefndinni, að viðlögðum dagsektum, að hafa lokið við afgreiðslu eða kveðið upp úrskurð um ágreiningsatriði, sem til nefndarinnar er skotið, innan 14 daga frá því að málið var afhent nefndinni til afgreiðslu eða það lagt undir úrskurð hennar.

Kostnaður við störf nefndarinnar greiðist úr ríkissjóði.

9. gr.

Í bæjarfélögum og þorpum utan Reykjavíkur skulu húsaleigunefndir skipaðar 3 mönnum. Af þeim kýs viðkomandi bæjarstjórn eða hreppsnefnd 2 menn, en félagsmálaráðherra skipar þann þriðja, og er hann formaður nefndarinnar. Varamenn skulu skipaðir á sama hátt.

Í sveitum annast úttektarmenn ásamt hreppsnefndaroddvita þau störf, sem með lögum þessum eru falin húsaleigunefndum.

10. gr.

Húsaleigunefnd ber að fella úrskurð um ágreining út af uppsögn á leigusamningi um húsnæði samkvæmt 1. gr. laga þessara. Skjóta má þeim úrskurði nefndarinnar til dómstólanna, en hlíta skal honum, unz dómur fellur.

11. gr.

Skylt er að leggja fyrir húsaleigunefnd til samþykktar alla leigumála, sem gerðir hafa verið eftir 14. maí 1940. Skal nefndin gæta þess, að leigan sé ekki ákveðin hærri en hún áður var (sbr. 6. gr.), og hefur hún vald til að úrskurða um upphæð leigunnar, ef þörf gerist. Þá er og skylt að láta nefndina meta leigu eftir ný hús og húsnæði, sem ekki hefur verið leigt áður, og er leigusala (framleigusala) óheimilt að áskilja sér eða taka hærri leigu en nefndin metur. Nefndinni ber einnig að framkvæma mat á leigu samkvæmt 5., 6. og 7. gr. laga þessara.

Úrskurðum húsaleigunefndar um mat á húsaleigu má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, er í eiga sæti fimm menn, og skulu þrír þeirra skipaðir af ríkisstjórninni, en tveir af hæstarétti, og sé að minnsta kosti annar þeirra lögfræðingur og formaður nefndarinnar. Sé matsgerðum utan Reykjavíkur skotið til yfirhúsaleigunefndar, getur nefndin við mat sitt lagt til grundvallar skýrslur trúnaðarmanna á staðnum um ásigkomulag hins leigða. Ríkisstjórnin setur að öðru leyti yfirhúsaleigunefnd nánari starfsreglur, og greiðist kostnaður af störfum hennar úr ríkissjóði.

12. gr.

Við mat á húsaleigu skulu húsaleigunefnd og yfirhúsaleigunefnd kynna sér, svo sem föng eru á, allt það, er áhrif getur haft á leiguna, svo sem verð húsnæðisins, viðhald þess, ásigkomulag og legu, og taka jafnframt tillit til húsaleigu almennt í sambærilegu húsnæði á þeim stað.

13. gr.

Ef samið hefur verið um hærri leigu en heimilt er að taka samkvæmt lögum þessum, skal sá samningur ógildur að því er fjárhæðina snertir, og er afturkræft það, sem leigutaki kann að hafa ofgreitt samkvæmt slíkum samningi.

14. gr.

Fari leigutaki (framleigutaki) úr húsnæði að undangengnum úrskurði, sem byggzt hefur á því, að leigusali (framleigusali) og vandamenn hans þurfi á húsnæðinu að halda (sbr. 1. gr.), og síðan kemur í ljós, að þeir taka ekki húsnæðið til afnota,

þá á fyrri leigutaki (framleigutaki) rétt til að fá húsnæðið aftur á leigu með sömu kjörum, ef hann kýs.

15. gr.

Ákvæði þessara laga gilda og um leigu á húsum, bryggjum og vinnupöllum til hvers konar fiskiskipa og báta, nema öðruvísi sé ákveðið með reglugerð eða lögum.

Sé leiga eftir slík hús, bryggjur og palla greidd með aflahlut, geta aðilar krafizt, að metið sé, hve stór sá aflahlutur skuli vera.

Séu einhver önnur hlunnindi innifalin í leigunni, er áhrif hafa á hana, skal meta þau sérstaklega.

16. gr.

Þegar eftir gildistöku þessara laga skal húsaleigunefnd — af sjálfsdáðum — meta leigu eftir öll herbergi í gistihúsum í umdæmi sínu. Um framkvæmd þessa mats og birtingu herbergjaverðs skal ákveðið með reglugerð, er félagsmálaráðherra setur.

17. gr.

Sá, sem áskilur sér hærri leigu en heimilt er samkvæmt lögum þessum, tekur við hærri leigu eða brýtur ákvæði þeirra á annan hátt, skal sæta sektum frá 10—10000 krónum.

Sektirnar renna í ríkissjóð. Með mál út af brotum á lögum þessum skal farið sem almenn lögreglumál.

18. gr.

Meðan lög þessi eru í gildi skal stimpilgjald af húsaleigusamningum ekki reiknast samkvæmt 39. gr. laga nr. 75 1921. Í Reykjavík annast húsaleigunefnd stimplun slíkra samninga.

19. gr.

Ákvæði 2. mgr. 5. gr. falla úr gildi 14. maí 1944, og er fyrri afnotahafa húsnæðis, sem ráðstafað hefur verið samkv. ákvæðum þeirrar mgr., heimilt að segja slíku húsnæði upp til rýmingar frá þeim tíma með löglegum fyrirvara.

20. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað, og falla þá jafnframt úr gildi eftirtalin lög um húsaleigu, með viðaukum og breytingum: lög nr. 106 1941, lög nr. 126 1941, lög nr. 35 1942, svo og önnur ákvæði, er brjóta í bág við lög þessi.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Ákvæði laga þessara taka til uppsagna þeirra á leigusamningum og tilkynninga um skipti á húsnæði, sem fram hafa farið fyrir gildistöku laganna og koma eiga til framkvæmda 14. maí 1943, enda hafi uppsögn eða tilkynning komið fram með löglegum fyrirvara.

## Nd. 641. Lög

um breyting á lögum nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar.

(Afgreidd frá Nd. 1. apríl.)

Samhljóða þskj. 566.

## Sþ. 642. Nefndarálit

um till. til þál. um skipun nefndar til rannsóknar á Þormóðsslysinu 18. febr. 1943.

Frá minni hl. allsherjarnefndar.

Meiri hl. allsherjarnefndar hefur lagt til, á þskj. 614, að máli þessu verði vísað frá með rökstuddri dagskrá, í trausti þess, að sjódómur í Reykjavík framkvæmi ýtarlega rannsókn út af Þormóðsslysinu.

Undirritaður, sem ekki gat verið á fundi allsherjarnefndar vegna lasleika, þegar mál þetta var afgreitt, getur ekki fallizt á þessa tillögu.

Meiri hl. nefndarinnar virðist líta svo á, að tryggt sé, að rannsókn sjódóms út af Þormóðsslysinu verði ýtarlegri en venja er til um þau mál, sem hann fær til meðferðar, og bendir í því sambandi á bréfaskipti þau, sem farið hafa fram milli þeirra aðila, sem um mál þetta hafa fjallað. Ekkert kemur fram í bréfum þessum, er geri sennilegt, að rannsókn sjódóms í þessu máli verði ýtarlegri en venja er til um önnur mál, er hann fær til meðferðar.

Sjódóminum ber að lögum að taka til athugunar öll þau atriði, sem á er minnzt í bréfum þessum. (Sbr. l. nr. 85 frá 23. júní 1936, um meðferð einkamála í héraði, 206. gr.)

Tilgangur flutningsmanna með þingsályktunartillögunni á þskj. 523 er sá, að út af þessu óvenjulega hörmulega slysi fari fram sérstaklega ýtarleg rannsókn. Naumast er hugsanlegt, að ágreiningur geti risið um, að allt eigi að gera, sem gert verður, til að orsakir þessa slyss verði upplýstar eins og framast má verða, og virðist augljóst, að engum sé betur trúandi til að framkvæma slíka rannsókn en fulltrúum sjómanna.

En það má ekki láta sitja við rannsóknina eina. Á niðurstöðum hennar þarf að byggja tillögur til úrbóta, tillögur, sem að því miði að koma í veg fyrir slys, eftir því sem í mannlegu valdi stendur. Ég legg því til, að þingsályktunartillagan á þskj. 523 verði samþykkt með eftirfarandi viðauka.

VIÐAUKATILLAGA.

Við tillgr. bætist:

Nefndin skal og leggja fyrir ríkisstjórnina tillögur um breytingar á lögum og reglugerðum varðandi öryggismál sjómanna og annarra sjófarenda eftir því, sem hún telur nauðsyn til bera.

Alþingi, 31. marz 1943.

Sigfús Sigurhjartarson,
fundaskrifari.

## Nd. 643. Breytingartillaga

við frv. til l. um frestun á framkvæmd laga nr. 60 7. maí 1940, um síldartunnur.

Frá Finni Jónssyni og Jóhanni Jósefssyni.

Við 1. gr. Við greinina bætist: og eðlileg viðskipti geta aftur hafizt landa milli.

Ríkisstjórnin ákveður, hvenær lögin skuli koma til framkvæmda af nýju og birtir um það auglýsingu í A-deild Stjórnartíðinda.

## Sþ. 644. Tillaga til þingsályktunar

um ráðstafanir út af læknislausum héruðum.

Flm.: Gunnar Thoroddsen, Gísli Jónsson.

Sameinað Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að gera ýtrustu tilraunir og ráðstafanir til þess að útvega nú þegar lækna í þau héruð, sem eru læknislaus, hvort sem það stafar af lausn frá embætti, sjúkleika læknis eða fjarveru.

Greinargerð.

Nokkur læknishéruð eru nú læknislaus: Reykhólahérað (í það hefur læknir að vísu verið skipaður, en er eigi kominn þangað enn), Flateyjarhérað, Reykjarfjarðarhérað, Hróarstunguhérað. En auk þess eru nokkur héruð raunverulega læknislaus vegna fjarveru eða veikinda héraðslæknisins. Hefur reynzt mjög örðugt að fá lækna til þess að gegna héruðum um stundarsakir í slíkum tilfellum. Þannig hefur héraðslæknirinn í Ólafsvík legið sjúkur síðan í desemberbyrjun, og læknir ekki fengizt í staðinn nema um 2 vikna skeið. Hefur læknirinn í Stykkishólmi orðið að sinna Ólafsvíkurhéraði og auk þess Flateyjarhéraði, sem er læknislaust. Hefur hann því orðið að gegna samtímis þrem erfiðum héruðum, en hefur jafnframt með höndum læknisstörf við sjúkrahúsið í Stykkishólmi. Er það augljóst, hvílíkum örðugleikum og áhættu það veldur, þegar svo geysiumfangsmiklum störfum er hlaðið á einn mann, jafnvel þótt ágætur atorkulæknir eigi í hlut.

Læknishéruð í landinu eru nú 50 að tölu. Þegar þess er gætt, að menn með læknismenntun í landinu munu vera um 200 að tölu, sýnist óeðlilegt og óþarft, að haldast þurfi slíkt ófremdarástand, að fjölmenn og víðlend héruð séu læknislaus um langt skeið.

Tillaga þessi fer fram á að skora á ríkisstjórnina að gera ýtrustu tilraunir til þess að ráða bót á þessum vandræðum. Er sjálfsagt, að hún leiti um það samráðs við Læknafélag Íslands og landlækni.

## Ed. 645. Breytingartillaga

við dagskrártill. á þskj. 590 (Ríthöfundaréttur).

Frá Eiríki Einarssyni.

Á milli orðanna „frá 9. des. 1941“ og „þykir deildinni eigi“ komi: þar sem kennarar Háskóla Íslands í norrænum fræðum séu hafðir til ráðuneytis.

## Nd. 646. Breytingartillögur

við frv. til laga um húsaleigu.

Frá allsherjarnefnd.

1. Við 17. gr. Í stað orðanna „almenn lögreglumál“ komi: opinber mál.
2. Við 18. gr. Greinin orðist svo:

Meðan lög þessi eru í gildi, skulu húsaleigusamningar undanþegnir stimpilgjaldi samkv. l. nr. 75 frá 1921.

## Nd. 647. Breytingartillaga

við frv. til laga um húsaleigu.

Frá Áka Jakobssyni, Gunnari Thoroddsen og Stefáni Jóh. Stefánssyni.

Við 15. gr. Greinin orðist svo:

Öll ákvæði þessara laga um íbúðarhúsnæði gilda og um leigu á húsum, bryggjum og pöllum til línuveiðabáta, sem róa úr landi.

Hafi leiga eftir slík hús, bryggjur og palla verið greidd með aflahlut, getur aðili krafizt, að leigan verði metin til peningaverðs, og má leiga þessi ekki hækka meira en sem svarar hækkun almennrar húsaleigu.

## Nd. 648. Nefndarálit

um frv. til laga um einkarétt til kvikmyndasýninga í Siglufjarðarkaupstað.

Frá minni hluta allsherjarnefndar.

Nefndin hefur ekki getað orðið sammála um afgreiðslu þessa máls. Minni hlutinn leggur til, að það verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Við 1. gr. Aftan við greinina bætist nýr málsliður, svo hljóðandi:
   Náist ekki samkomulag milli bæjarstjórnar og eigenda kvikmyndahússins á Siglufirði um kaup á húsum og tækjum, getur bæjarstjórn tekið húsið ásamt sýningartækjum eignarnámi samkv. l. nr. 61 14. nóv. 1917.
2. Við 2. gr. Í stað „dómsmálaráðherra“ komi: ríkisstjórnar.
3. Við 3. gr. Greinin falli niður.

Alþingi, 3. apríl 1943.

Áki Jakobsson.

## Ed. 649. Nefndarálit

um frv. til laga um Kennaraskóla Íslands.

Frá minni hl. menntamálanefndar.

Breyting sú, sem frv. stefnir að á Kennaraskóla Íslands, er í mínum augum of lítilfjörleg til þess, að nokkur verulegur ávinningur sé að því, að hún verði að lögum. Ég vil þess vegna nota tækifærið til að benda á hina raunverulegu umbótaþörf kennaraskólans.

Þing og stjórn hafa vanrækt þennan skóla. Hann var byggður af vanefnum, nokkru eftir aldamótin, úr lélegum viði, og aðalinngangur í kjallarann. Öll kostaði byggingin 25 þús. kr. Lítið land fylgdi skólanum, og er það nú lagt undir landsspítalann. Nemendur höfðu enga heimavist, ekkert íþróttahús, enga lestrarstofu, o. s. frv. Engin tilraun var gerð til að laga eða endurbæta þetta lítilfjörlega hús, fyrr en laust fyrir 1930, er leitazt var við að bæta úr sumum þáttum vanrækslunnar. Síðan hefur ekkert verið gert til að bæta aðstöðu nemenda í þessum þýðingarmikla skóla.

Með lögum um háskólabyggingu frá 1932 var ákveðið, að nokkur hluti þeirrar byggingar gæti orðið til afnota fyrir kennaraefni. Ekkert hefur verið gert til að nota þessa heimild.

Stétt kennaranna er orðin bæði stór og nauðsynleg. Að minni hyggju þarf að gerbreyta námi kennara og bæta það. Langbezta fyrirmyndin í þessu efni er hinn nýstofnaði kennaraskóli fyrir kennslukonur við húsmæðraskólana. Nemendur þess skóla ljúka nokkrum hluta námsins í húsi háskólans í Reykjavík, en hinum hlutanum á Laugarvatni. Á sama hátt ætti að búa að kennaraefnunum. Þau ættu að ljúka nokkrum hluta námsins í heimavistarskóla í sveit og fá þar meðal annars mikla þjálfun í íþróttum, smíðum, garðrækt og trjárækt. Síðari hluta námsins væri lokið í húsi Háskóla Íslands og við æfingar í barnaskólum höfuðstaðarins.

Samkvæmt þessu legg ég til, að málinu verði að þessu sinni lokið með eftir farandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ.

Með því að Kennaraskóli Íslands hefur frá upphafi verið vanræktur af þingi og stjórn, en þarf við mikillar aðhlynningar og gagngerðrar skipulagsbreytingar, óskar deildin eftir, að ríkisstjórnin undirbúi ýtarlega löggjöf um kennaraskólann, þar sem nemendur fái stóraukna kennslu í íþróttum, smíði, garðrækt og fleiri hagnýtum námsgreinum, og leggi það frv. fyrir næsta Alþingi. Tekur deildin því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 3. apríl 1943.

Jónas Jónsson.

## Ed. 650. Tillaga til þingsályktunar

um stóríbúðaskatt.

Flm.: Jónas Jónsson.

Efri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að undirbúa og leggja fyrir næsta Alþingi frumvarp um stóríbúðaskatt, byggt á þeim grundvelli, að hver húseigandi verði að greiða árlega til ríkissjóðs mjög ríflegan skatt af þeim hluta hverrar íbúðar, sem telja má, í samræmi við venjur norrænna þjóða, að sé fram yfir eðlilegar þarfir meðalfjölskyldu. Fé því, sem inn kemur í ríkissjóð fyrir stóríbúðaskatt, skal skipta jafnt sem viðbótarframlagi milli nýbýlasjóðs og verkamannabústaðanna.

Greinargerð.

Fyrir nokkrum árum hreyfði ég oftar en einu sinni á Alþingi því máli, að vel færi á að leggja á sérstakan stóríbúðaskatt til almannaþarfa. Síðan hefur alloft verið minnzt á þessa hugmynd, en ekki orðið úr framkvæmdum. Þeir menn, sem beitt hafa sér aðallega fyrir skattamálalöggjöf, hafa ekki viljað sinna málinu. En á yfirstandandi þingi hefur óskyld hugmynd, sem þó snertir húsnæðismál kaupstaðanna, verið rædd nokkuð og með meiri umhyggju en málefni stóðu til, af því að vanrækt hefur verið að framkvæma hugmyndina um stóríbúðaskatt. Ég legg þess vegna til, að Alþingi beini málinu inn í eðlilegan farveg með því að undirbúa löggjöf um skatt á aukarúm í stóríbúðum og verja fénu til að efla húsagerð handa stærstu stéttum landsins. Ég geri mér vonir um, að sá hluti þingsins, sem hefur viljað skapa nauðungartvíbýli í íbúðum, sem ætlað er, að rúmi meira en eina fjölskyldu, muni fús að fylgja þessari tillögu. Samþykkt og framkvæmd hennar

ætti þá innan tíðar að geta orðið til að skapa ný heimili, ekki sízt handa ungu kynslóðinni. Slík heimili yrðu samboðin frjálsum og menntuðum mönnum, en ekki fangabúðir fyrir tvær fjölskyldur, sem hefðu þá aðstöðu að geta ekki komizt hjá því að verða óvinir í orði og verki.

Mál það, sem ég hef vikið hér að, er sú ráðagerð, sem mikið hefur verið reynt til að lögfesta á Alþingi í vetur, að meiri hluti bæjarstjórna eða þar til kvaddar nefndir geti tekið með valdi nokkurn hluta af íbúðum manna og sett þar inn ókunnugt fólk, án nokkurrar tryggingar um heilsufar, ráðvendni og allmenna sambúðarhæfileika. Um eitt skeið var húsráðendum ætlaður þriggja daga frestur til að hugsa sitt ráð, áður en nauðungartvíbýlið væri stofnsett með lögum og lögregluvaldi.

Aðalástæðan til þessarar undarlegu löggjafarstarfsemi var aðstreymið til Reykjavíkur í sambandi við dvöl setuliðsins. Hefur fjölgað stórlega í bænum á nokkrum síðustu missirum. Formælendur nauðungartvíbýlis mæla með löggjöf þessari vegna þessara innrása í höfuðstaðinn. Þegar bent er á, að hér sé alveg sérstök hætta í sambandi við hernaðaraðgerðir, að hér vofir yfir stórfellt atvinnuleysi, svo að segja hvenær sem er, samhliða því, að framleiðslan í sveitum og kauptúnum er lömuð sakir fólksleysis, þá er sannarlega ekki hægt að segja, að þjóðarnauðsyn knýi til að draga sem flest fólk til Reykjavíkur. Þvert á móti má fullyrða, að hið mikla innstreymi í höfuðstaðinn er þjóðarböl nú sem stendur og verður að þjóðarhættu, þegar þúsundir manna standa á mölinni í Reykjavík án atvinnu og atvinnuskilyrða. Efling nýbýla í sveitum og verkamannabústaða í kauptúnum og kaupstöðum er öryggisráðstöfun móti þeim mannfélagssjúkdómi, sem hér hefur verið lýst.

Það má telja eðlilegt, að flokkur kommúnista beiti sér fyrir því, að hægt sé að skapa nauðungartvíbýli á sem allra flestum heimilum, þar sem slík framkvæmd mundi flýta fyrir upplausn lýðræðisskipulagsins. En ýmsir menn úr öðrum flokkum hafa léð málinu bráðabirgðafylgi, af því að málið hefur verið lítið rætt og enn síður reynt að styðjast við erlenda reynslu.

Ef mannskepnur væru haglega gerðar, en sálarlausar vélar, eins og bifreiðar eða flugvélar, þá væri hægt að taka af hvaða bónda sem er það land, sem hann notaði ekki til fulls, eða gestastofu á kaupstaðarheimili og geyma þar aðrar mannlegar vélar. En eins og manneskjur eru gerðar, þá er þetta ekki hægt nema með því að limlesta sálina. Skulu nú leidd að þessu glögg rök.

Það er hægt að taka að óvilja eigenda bæði lönd og nokkuð af heimilum þeirra. Nauðungartvíbýli, byggt á löggjöf, verður fyrst reynt í sumar í Reykjavík og ef til vill á Akureyri. En fyrir allmörgum árum byrjaði einn af starfsmönnum Búnaðarfélags Íslands, Páll Zóphóníasson, að halda fram þeirri fræðikenningu, að það ætti að mega taka land, sem ekki er notað, til ræktunar og nýbyggðar. Samkvæmt þessari kenningu ætti að mega reisa nýbýli á mörg hundruð bændabýlum hvarvetna á landinu, þó að eigendur og ábúendur hlutaðeigandi jarða legðu blátt bann við framkvæmd þess. Það má færa þau almenn rök fyrir þessari skoðun, að óræktað land eða beitiland sé mannfélaginu til minni nota en ræktað land. En hvað sem því líður, þá vilja íslenzkir bændur ekki beygja sig fyrir þessum rökum. Þó að Páll Zóphóníasson hafi ferðazt meira um byggðir landsins og kynnzt bændum meira en flestir aðrir menn, sem búsettir eru í höfuðstaðnum, þá er ekki vitað, að hann hafi fengið nokkurn stuðning, sem nefnandi er því nafni, frá bændastétt landsins. Hann virðist ekki heldur hafa hreyft kenningunni um ófriðun lands á fundum í Norður-Múlasýslu. Ekki hefur hann heldur flutt um þetta efni tillögu eða frumvarp þau ár, sem hann hefur átt sæti á Alþingi.

Það er enginn vafi á, væri bændastéttin orðin algerlega vélræn, að þá mundi með góðum árangri mega prédika að taka land til annarlegra þarfa af hverjum bónda, sem hefði ráð á einhverjum óræktuðum og lítið notuðum jarðarskika. En eins og bændur eru gerðir, þá þykir þeim svo vænt um jarðir sínar, að það mundi

valda flestum þeirra sárri og varanlegri hugraun, ef tekið væri með valdboði af jörðum þeirra án tryggingar stjórnarskrárinnar. Bændum finnst jörðin, heimilið og fjölskyldan ein órjúfanleg heild. Þessi tilfinning er svo sterk, að enn hefur enginn þingmaður, ekki einu sinni úr flokki kommúnista, borið fram frumvarp á Alþingi um að setja upp nauðungartvíbýli á heimilum sveitabænda.

Nú hefur Alþingi hins vegar samþykkt lög, sem heimila nauðungartvíbýli í kaupstöðum landsins, og sérstaklega stefnt að framkvæmdum í höfuðstaðnum. Mótstaðan var nokkur, en hvergi nærri eins og verða mundi í sveitum, ef þrýsta ætti óviðkomandi mönnum með valdboði inn á landareign óðalsbændanna. Að líkindum gjalda bæirnir þess, að þeir eru ungir og enn á gelgjuskeiði. Tilfinningin fyrir öryggi heimilisins er minni í íslenzkum bæjum en í gömlum menntalöndum, þar sem borgirnar hafa verið margþætt menningarsetur öldum saman. Bretar standa þjóða fremstir um að varða helgi heimilisins. Heimilið er virki Bretans. Um þetta virki hefur verið friðað með löggjöf og venjum öldum saman. Fyrir tveim öldum sagði Vilhjálmur Pitt, einn af mestu stjórnarskörungum Breta, í þingræðu, að öryggi enskra heimila væri svo mikið, að þótt regnið kæmist gegnum þakið á enskum kotbæ og stormurinn gegnum rifur á veggjunum, þá gæti jafnvel hinn voldugasti konungur ekki farið leyfislaust inn í slíkt heimili. Fyrir skömmu bar rússneskur flóttamaður í Englandi saman réttleysi rússneskra heimila og öryggi Englands. Rússneski útlaginn hafði eitt sinn gleymt ólæstum útidyrum á húsi í London. Lögregluþjónn sá, að húsið mundi vera opið, og hélt vörð við dyrnar, þar til eigandinn kom heim. Rússinn var vanur lögregluheimsóknum í ættlandi sínu og bjóst við, að nú ætlaði enska lögreglan að finna hann í fjöru. En Rússanum brá mjög í brún, er hann vissi, að enskur lögregluþjónn taldi sér ekki heimilt að fara yfir þröskuld á heimili annars manns, nema með sérstökum dómsúrskurði, og að í þetta sinn hafði hann tekið að sér vernd heimilisins, sem virtist vera varnarlaust og opið, þar til húsbóndinn kæmi heim. Hér mættust tveir andstæðir heimar: Rússinn með heimili sitt stöðugt undir járnhæl lögreglunnar, hvort sem landinu ræður keisari eða bolseviki, og á hinn bóginn hið enska heimili, sem er víggirt með múr hinnar hæstu félagsmenningar, sem til er í nokkru nútímalandi.

Fátt sýnir betur, hve lítil festa er enn í heimilismyndun hinna ungu íslenzku kaupstaða, heldur en gáleysi margra manna úr þeim hóp gagnvart lögregluopnun á heimilum til að koma þar við nauðungartvíbýli. Ástæðan til þessarar löggjafar er sjúkt aðstreymi að vissum stöðum í nánd við aðalheimkynni setuliðsins. Ekkart annað hefur knúið fram hina nýstárlegu tvíbýlislöggjöf. En í Bretlandi, sem á í stríði við voldugan óvin, sem hefur lagt í rústir hús í borgum Englands, sem telja má í tugum þúsunda, þar er ekki enn gripið til þess úrræðis að samþykkja löggjöf um að þrýsta óviðkomandi fólki inn í heimilin, sem eftir standa. Sama er að segja um Bandaríkin. Þar er nauðungartvíbýli óþekkt fyrirbrigði í löggjöf landsins. Engum getur blandazt hugur um, að ef nokkur menningarþjóð hefur nokkurn tíma haft ríka ástæðu til að brjóta helgi heimilanna með því að setja þangað óviðkomandi fólk, að óvilja húsbændanna, þá er það brezka þjóðin, eins og málum er nú komið hjá henni. En Bretinn metur grið heimilisins meira en augnabliksþörf. Englendingar líta svo á, að styrkur einstaklingsins og styrkur þjóðfélagsins sé fyrst og fremst kominn undir öryggi heimilanna. Ef til vill má rekja bráðræði Alþingis að þessu sinni og gætni Breta í þessu máli til þess, að í íslenzka þinginu er nú fimmti hluti þingsins reynslulausir og ábyrgðarlausir byltingasinnar, en í brezka þinginu er stundum einn kommúnisti, en allajafna enginn. Sama er að segja um þing Bandaríkjamanna. Þar eru aldrei neinir kommúnistar.

Þó að Bretar leysi ekki upp heimili borgaranna með nauðungartvíbýli, þá gleyma þeir ekki stóru eignunum og stóru íbúðunum. Bretar hafa síðan á tímum hinnar fyrri heimsstyrjaldar lagt á borgara landsins afar háan erfðaskatt, eignarskatt og tekjuskatt. Með þessum þrem sköttum er auði Bretlands jafnað og skipt.

Vegna erfðaskattsins hverfa meir og meir hinar óhæfilega stóru íbúðir, sem áður voru algengar í landinu. Bretar gera ekki innrás á heimilin. En með fjölþættri og heppilegri löggjöf knýja þeir með skattaleiðinni borgara landsins til að gæta hófs um eyðslu við heimilishald, þar á meðal við húsagerð.

Ég hef álitið tímabært að rekja allýtarlega meginþræði þessa máls. Áróðurinn, sem raunverulega miðar að upplausn heimilanna, hefur verið hafinn. Bændastétt landsins hefur fyrr og síðar neitað um fylgi öllum bollaleggingum um, að heimilt væri að taka með skyndivaldboði hluta af hverri jörð til annarlegra afnota. Með lítt undirbúinni löggjöf hefur verið gert mögulegt að hefja, í smáum stíl, nauðungartvíbýli í kaupstöðunum, einkum í Reykjavík. Fljótræðið við þessa lagasmíð kom m. a. fram í því, að frumv. um þetta efni hafði gengið í gegnum aðra deild Alþingis, áður en því var veitt eftirtekt, að samkvæmt fyrirmælum þess gat nefnd í Reykjavík útilokað alla utanbæjarmenn frá þingsetu, með því að neita þeim um dvalarheimild í bænum.

Í stað þess að eyðileggja heimilisfrið og heimilislíf í bæjunum með nauðungartvíbýli, til að vinna á móti því, að nokkur hluti kaupstaðabúa hafi óþarflega mikið húsnæði, er hér bent á aðra og heppilegri leið til að ná því takmarki, og það er að leggja sérstakan skatt á stóríbúðir og verja honum til að flýta fyrir myndun nýrra og sjálfstæðra heimila í kaupstöðum, kauptúnum og sveitum.

## Nd. 651. Breytingartillögur

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

*Frá ríkisstjórninni.*

Í stað IV. og V. kafla kemur nýr kafli, sem verður IV. kafli, svo hljóðandi (og breytist kaflaskipting og greinatala á eftir samkvæmt því):

### IV. KAFLI

**Um verð landbúnaðarafurða og greiðslu verðlagsuppbótar á laun.**

a. (12. gr.) Meðan lög þessi eru í gildi, má kjötverðlagsnefnd, mjólkurverðlagsnefnd og verðlagsnefnd Grænmetisverzlunar ríkisins ekki ákveða hærra verð á landbúnaðarafurðum en lög þessi mæla.

b. (13. gr.) Skipa skal þriggja manna nefnd, er ákveði, í samráði við búreikningaskrifstofu ríkisins, grundvöll framleiðslukostnaðar landbúnaðarvara, og skal nefndin gera á þeim grundvelli vísitölu eða vísitölur, sem fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara. Þó er ríkisstjórninni heimilt að ákveða lægra verð á einstökum vörutegundum gegn framlagi úr ríkissjóði. Nefndin sé þannig skipuð, að hæstiréttur tilnefnir einn mann, og sé hann formaður nefndarinnar, annan tilnefnir Búnaðarfélag Íslands og Alþýðusamband Íslands hinn þriðja. Nefndin skal ljúka störfum fyrir 15. ágúst 1943.

Til aðstoðar nefndinni skal skipa sex manna nefnd til að finna hlutfall milli verðlags landbúnaðarvara og kaupgjalds stéttarfélaga, er miðist við það, að atvinnutekjur þeirra, er vinna að landbúnaði, verði í sem nánustu samræmi við tekjur annarra stétta. Nefndin sé skipuð hagstofustjóra, og sé hann formaður hennar, forstöðumanni búreikningaskrifstofu ríkisins, tveim mönnum eftir til-

nefningu Búnaðarfélags Íslands, einum eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæjarfélaga.

c. (14. gr.) Þar til verð landbúnaðarvara verður ákveðið samkvæmt sérstakri vísitölu, skal verðlag þessara vara og verðlagsuppbót á laun samkvæmt framfærsluvísitölu ákveðast þannig:

1. Smásöluverð dilkakjöts og annarra tegunda kjöts, mjólkur og mjólkurafurða, garðávaxta og grænmetis skal fundið með því að leggja til grundvallar verð, sem var á þessum afurðum janúar/marz 1939, að viðbættri 40% grunnverðsuppbót ásamt vísitölu 220. Verð, sem þannig er fundið á hverri vörutegund, skal ganga strax í gildi.
2. Frá byrjun næsta mánaðar eftir gildistöku þessara laga skal ekki greidd hærri verðlagsuppbót en samsvarar framfærsluvísitölu 220 á laun eða kaup fyrir hvaða starf sem vera skal eða annað, sem verðlagsuppbót hefur verið greidd af, og eigi af hærri grunnlaunum en um opinbera starfsmenn segir. Brot á þessu ákvæði varðar greiðanda sektum.
3. Frá 15. maí 1943 og þar til vísitölugrundvöllur hefur verið lagður, skal sú regla gilda, að mjólk og mjólkurvörur lækki um 1% fyrir hvert stig framfærsluvísitölu undir 220 stig niður í 200 stig, en 1% fyrir hver tvö stig þar undir. Sama regla gildi um verðlækkun á kjöti, kartöflum og grænmeti eftir 15. ágúst 1943, hafi þá ekki verið ákveðinn grundvöllur fyrir vísitölu landbúnaðarvara.

d. (15. gr.) Um leið og sú verðlækkun kemur til framkvæmda, sem getur í 13. gr., skal með framlagi úr ríkissjóði greiða mjólkurframleiðendum verðmuninn frá núverandi verði, þangað til 15. maí 1943. Eftir þann tíma fellur framlagið niður. Enn fremur skal með framlagi úr ríkissjóði greiða ¾ hluta verðmunarins af þeim kjötbirgðum, sem eru í landinu við gildistöku þessara laga. Hafi einhverjir framleiðenda fengið greitt fullt verð fyrir kjöt, sem enn er óselt, skal þeirra hlutur verðmunarins dreginn frá útborgun til þeirra á verðuppbót úr ríkissjóði fyrir ull og gærur af framleiðslu ársins 1942.

## Sþ. 652. Nefndarálit

um till. til þál. um, að ríkið taki á leigu síldarverksmiðjuna Ægi í Krossanesi.

Frá fjárveitinganefnd.

Nefndin hefur athugað tillöguna og leggur til, að hún verði samþykkt.

Alþingi, 3. apríl 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form., frsm. | Helgi Jónasson, fundaskrifari. | Lúðvík Jósefsson. |
| Þorst. Þorsteinsson. | Pétur Ottesen. | Þóroddur Guðmundsson. |
| Páll Zóphóníasson. | Sigurður E. Hlíðar. | Jónas Jónsson. |

## Sþ. 653. Nefndarálit

um till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast lán fyrir rafveitu Ísafjarðarkaupstaðar og Eyrarhrepps.

Frá fjárveitinganefnd.

Nefndin hefur athugað tillöguna, og fyrir hana hafa verið lagðar umsagnir bæði frá Rafmagnseftirliti ríkisins og milliþinganefnd í raforkumálum, er mæla með till. Leggur nefndin til, að hún verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 5. apríl 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form., frsm. | Helgi Jónasson, fundaskrifari. | Lúðvík Jósefsson. |
| Þorst. Þorsteinsson. | Pétur Ottesen. | Þóroddur Guðmundsson. |
| Páll Zóphóníasson. | Sigurður E. Hlíðar. | Jónas Jónsson. |

## Ed. 654. Frumvarp til laga

um húsaleigu.

(Eftir eina umr. í Nd.)

1. gr.

Leigusala er óheimilt að segja upp leigusamningum um húsnæði, nema honum sé, að dómi húsaleigunefndar, þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig eða skyldmenni í beinni línu, kjörbörn og fósturbörn, enda hafi hann og eignazt hús það, sem íbúðin er í, fyrir 9. sept. 1941. Þegar sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd þó leyft aðfluttum opinberum starfsmanni, sem eignazt hefur hús á starfssvæði sínu eftir 8. sept. 1941, að segja upp leigusamningum um húsnæði í húsinu, verði honum talin þess brýn þörf til íbúðar fyrir sjálfan sig.

Heimilt skal leigusala að skipta á íbúð sinni og íbúð leigutaka í húsi sínu, enda komi íbúð leigusala leigutaka að sömu eða svipuðum notum, að dómi húsaleigunefndar. Svo skal og leigusala, er sjálfur býr í húsi annars, undir sömu kringumstæðum heimilt að skipta á íbúð við leigutaka í húsi sínu, enda samþykki leigusali hans skiptin. Skipti á íbúðum geta því aðeins farið fram, að leigusali hafi tilkynnt leigutaka vilja sinn þar um með sama fyrirvara og um uppsögn væri að ræða.

Nú missir leigusali af sér óviðráðanlegum ástæðum húsnæði það, sem hann hefur notað til eigin atvinnurekstrar, og getur hann þá, ef honum verður að dómi húsaleigunefndar talin þess brýn þörf til afnota fyrir þann atvinnurekstur, sagt upp leigusamningi um húsnæði, er notað hefur verið í öðru skyni en til íbúðar í húsi, er hann hefur eignazt fyrir 9. sept. 1941.

Uppsagnir framleigusala á leigusamningum framleigutaka lúta einnig ákvæðum þessarar greinar, eftir því sem við á, þó þannig, að ekki skiptir máli, hvenær framleigusali öðlaðist rétt yfir hinu leigða.

Uppsagnir samkvæmt framansögðu má meta gildar að öllu leyti eða nokkru, verði það talið hentara, enda á þá húsaleigunefnd úrskurð þess, til hverra herbergja uppsögnin nær.

2. gr.

Þrátt fyrir ákvæði 1. gr. heldur leigusali (framleigusali) óskertum rétti sínum til að slíta leigumála vegna vanskila á húsaleigu eða annarra samningsrofa af hálfu leigutaka (framleigutaka), svo og ef leigutaki (framleigutaki) hagar sér þannig eða

fremur eitthvað það, er að mati húsaleigunefndar gerir leigusala verulega óþægilegt að hafa hann í húsum sínum.

3. gr.

Leigusala (framleigusala) er óheimilt að leigja öðrum en heimilisföstum innanhéraðsmönnum íbúðarhúsnæði, og eru slíkir leigusamningar ógildir.

Opinberir starfsmenn ríkis og bæja og alþingismenn, er koma til þingsetu, eru undanþegnir ákvæðum 1. mgr., svo og fastir nemendur í skólum ríkisins eða skólum, sem styrktir eru af ríkisfé, meðan þeir þurfa að hafa not skólavistar, en tilkynna skulu þessir aðilar húsaleigunefnd, ekki síðar en viku eftir að þeir koma í bæinn, hvaða húsnæði þeir hafa fengið, og um leiguskilmála. Húsaleigunefnd er og heimilt að veita einstökum mönnum undanþágu frá ákvæðum sömu mgr., ef alveg sérstaklega stendur á.

Utanhéraðsmönnum er óheimilt að flytja í hús, er þeir kunna að kaupa eftir gildistöku laga þessara í kaupstöðum eða kauptúnum landsins, nema fullnægt sé ákvæði 2. málsgr. þessarar greinar.

Húsaleigunefnd getur látið framkvæma útburð á þeim utanhéraðsmönnum, sem ólöglega hafa tekið húsnæði á leigu eða flutt í það samkvæmt framansögðu, og skal þessu húsnæði ráðstafað handa húsnæðislausum innanhéraðsmönnum.

4. gr.

Íbúðarherbergi má ekki taka til annarrar notkunar en íbúðar, og íbúðarhús má ekki rífa, nema heilbrigðisnefnd banni að nota þau til íbúðar. Húsaleigunefnd getur þó veitt sérstakt leyfi til þessa og sett það skilyrði, að húseigandi sjái um jafnmikla aukningu á húsnæði til íbúðar annars staðar í hlutaðeigandi kaupstað, kauptúni eða sveit.

Ef íbúðarhúsnæði er heimildarlaust tekið til annarrar notkunar en íbúðar, er húsaleigunefnd rétt að skylda húseiganda, að viðlögðum allt að 200 kr. dagsektum í ríkissjóð, að taka upp fyrri notkun húsnæðisins. Hefur húsaleigunefnd síðan heimild til að ráðstafa húsnæðinu samkvæmt reglum þeim, er segir í 5. gr., enda sé húseiganda áður veittur þriggja daga frestur til þess að leigja húsnæðið húsvilltu innanhéraðsfólki til íbúðar.

5. gr.

Húsaleigunefnd er heimilt að taka til umráða auðar íbúðir og ráðstafa þeim til handa húsnæðislausu innanhéraðsfólki, enda komi fullt endurgjald fyrir. Á sama hátt er húsaleigunefnd heimilað að taka til sinna umráða annað ónotað húsnæði og útbúa það til íbúðar.

Þegar alveg sérstaklega stendur á, getur húsaleigunefnd, að fengnu samþykki félagsmálaráðherra, og tekið til sams konar ráðstöfunar tiltekinn hluta af íbúðarhúsnæði, sem afnotahafi getur án verið, að mati nefndarinnar, og unnt er að skipta úr. Þó getur afnotahafi ráðstafað þessum hluta húsnæðisins til handa þeim innanhéraðsmanni, er hann kýs, og hefur húsaleigunefnd þá sams konar ráðstöfunarrétt á því húsnæði, er þannig losnar.

Taki húsaleigunefnd húsnæði leigunámi skv. ákvæðum þessarar gr., ákveður hún leiguupphæð, leigutíma og annað það, sem þörf þykir að taka ákvörðun um og málsaðilar koma sér ekki saman um. Úrskurðum nefndarinnar um töku húsnæðis samkv. þessari grein má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, og eru úrskurðir hennar fullnaðarúrskurðir.

Hlutaðeigandi bæjar- eða sveitarsjóður ábyrgist greiðslu fyrir húsnæði, sem tekið er samkvæmt þessari lagaheimild, svo og greiðslu skaðabóta fyrir spjöll á hinu leigunumda, er leigutaki eða fólk á hans vegum telst eiga sök á.

6. gr.

Óheimilt er að hækka húsaleigu eftir húsnæði frá því, sem goldið og umsamið var hinn 14. maí 1940, nema samkvæmt eftirfarandi ákvæðum:

Félagsmálaráðherra ákveður, að fengnum tillögum kauplagsnefndar, hlutfallið milli húsaleigu og viðhaldskostnaðar, miðað við 4. apríl 1939. Kauplagsnefnd skal, með aðstoð hagstofunnar, reikna út hækkun viðhaldskostnaðar fjórum sinnum á ári, 1. marz, 1. júní, 1. sept. og 1. des., miðað við mánuðina jan.—marz 1939. Síðan reiknar nefndin út húsaleiguvísitölu samkvæmt framansögðu. Er heimilt að hækka húsaleigu í samræmi við vísitölu þessa frá fyrsta næsta mánaðar eftir að húsaleiguvísitalan hefur verið reiknuð út hverju sinni, enda sé leigumálinn staðfestur af húsaleigunefnd.

Enn fremur er heimilt að hækka eftir mati húsaleigunefndar leigu eftir húsnæði sökum verðhækkunar á eldsneyti eða lýsingu, sem innifalið er í leigunni, vaxtahækkunar af fasteignum og annars þess háttar, svo og húsnæði, sem leigt hefur verið lægra en sambærilegt húsnæði á þeim stað (kaupstað, kauptúni eða sveit). Verði hækkun metin á leigu, kemur hún til framkvæmda fyrsta næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

7. gr.

Nú vanrækir leigusali (framleigusali) viðhaldsskyldu sína, eða húsnæði telst af öðrum ástæðum leigt óhæfilega hátt vegna ásigkomulags þess, þá getur leigutaki (framleigutaki) beiðzt mats húsaleigunefndar á húsaleigunni. Eigi er nefndinni þó skylt að taka slíka beiðni til greina, nema leigutaki (framleigutaki) leiði líkur að því, að málaleitunin hafi við rök að styðjast. Meti nefndin leiguna lægri en umsamið hefur verið, skal færa hana niður í samræmi við matið, og gildir lækkunin frá 1. næsta mánaðar eftir að matið fór fram.

Á sama hátt og húsaleiga hefur verið hækkuð samkv. 6. gr. skal leigusali færa leiguna niður, ef breytingar þær, sem áður urðu til hækkunar á leigunni, leiða síðar til lækkunar.

8. gr.

Í Reykjavík skal skipa húsaleigunefnd. Eiga sæti í henni fimm menn, tveir kosnir af bæjarstjórn Reykjavíkur, tveir skipaðir af ríkisstjórninni, en hæstiréttur skipar þann fimmta, og er hann formaður nefndarinnar. Fimm varamenn skulu skipaðir á sama hátt. — Formaður og varaformaður nefndarinnar skulu vera lögfræðingar.

Úrskurð um gildi uppsagnar og önnur þau atriði, er greinir í lögum þessum, að undanteknu mati á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, skulu formaður og tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, kveða upp. Skulu þeir allir vera á fundi, er úrskurður er upp kveðinn, og taka þátt í atkvæðagreiðslu, og getur þá varamaður komið í stað aðalmanns. Afl atkvæða ræður úrslitum máls.

Tveir nefndarmanna, er félagsmálaráðherra tilnefnir, skulu framkvæma mat það á húsaleigu og staðfestingu á leigumálum, er í lögum þessum greinir, undir eftirliti formanns, og getur þar einnig komið varamaður í stað aðalmanns.

Skylt er málsaðilum að koma á fund nefndarinnar, ef hún krefst þess, og gefa upplýsingar um málsatriði.

Skylt skal nefndinni, að viðlögðum dagsektum, að hafa lokið við afgreiðslu eða kveðið upp úrskurð um ágreiningsatriði, sem til nefndarinnar er skotið, innan 14 daga frá því að málið var afhent nefndinni til afgreiðslu eða það lagt undir úrskurð hennar.

Kostnaður við störf nefndarinnar greiðist úr ríkissjóði.

9. gr.

Í bæjarfélögum og þorpum utan Reykjavíkur skulu húsaleigunefndir skipaðar 3 mönnum. Af þeim kýs viðkomandi bæjarstjórn eða hreppsnefnd 2 menn, en félagsmálaráðherra skipar þann þriðja, og er hann formaður nefndarinnar. Varamenn skulu skipaðir á sama hátt.

Í sveitum annast úttektarmenn ásamt hreppsnefndaroddvita þau störf, sem með lögum þessum eru falin húsaleigunefndum.

10. gr.

Húsaleigunefnd ber að fella úrskurð um ágreining út af uppsögn á leigusamningi um húsnæði samkvæmt 1. gr. laga þessara. Skjóta má þeim úrskurði nefndarinnar til dómstólanna, en hlíta skal honum, unz dómur fellur.

11. gr.

Skylt er að leggja fyrir húsaleigunefnd til samþykktar alla leigumála, sem gerðir hafa verið eftir 14. maí 1940. Skal nefndin gæta þess, að leigan sé ekki ákveðin hærri en hún áður var (sbr. 6. gr.), og hefur hún vald til að úrskurða um upphæð leigunnar, ef þörf gerist. Þá er og skylt að láta nefndina meta leigu eftir ný hús og húsnæði, sem ekki hefur verið leigt áður, og er leigusala (framleigusala) óheimilt að áskilja sér eða taka hærri leigu en nefndin metur. Nefndinni ber einnig að framkvæma mat á leigu samkvæmt 5., 6. og 7. gr. laga þessara.

Úrskurðum húsaleigunefndar um mat á húsaleigu má skjóta til yfirhúsaleigunefndar, er í eiga sæti fimm menn, og skulu þrír þeirra skipaðir af ríkisstjórninni, en tveir af hæstarétti, og sé að minnsta kosti annar þeirra lögfræðingur og formaður nefndarinnar. Sé matsgerðum utan Reykjavíkur skotið til yfirhúsaleigunefndar, getur nefndin við mat sitt lagt til grundvallar skýrslur trúnaðarmanna á staðnum um ásigkomulag hins leigða. Ríkisstjórnin setur að öðru leyti yfirhúsaleigunefnd nánari starfsreglur, og greiðist kostnaður af störfum hennar úr ríkissjóði.

12. gr.

Við mat á húsaleigu skulu húsaleigunefnd og yfirhúsaleigunefnd kynna sér, svo sem föng eru á, allt það, er áhrif getur haft á leiguna, svo sem verð húsnæðisins, viðhald þess, ásigkomulag og legu, og taka jafnframt tillit til húsaleigu almennt í sambærilegu húsnæði á þeim stað.

13. gr.

Ef samið hefur verið um hærri leigu en heimilt er að taka samkvæmt lögum þessum, skal sá samningur ógildur að því er fjárhæðina snertir, og er afturkræft það, sem leigutaki kann að hafa ofgreitt samkvæmt slíkum samningi.

14. gr.

Fari leigutaki (framleigutaki) úr húsnæði að undangengnum úrskurði, sem byggzt hefur á því, að leigusali (framleigusali) og vandamenn hans þurfi á húsnæðinu að halda (sbr. 1. gr.), og síðan kemur í ljós, að þeir taka ekki húsnæðið til afnota, þá á fyrri leigutaki (framleigutaki) rétt til að fá húsnæðið aftur á leigu með sömu kjörum, ef hann kýs.

15. gr.

Öll ákvæði þessara laga um íbúðarhúsnæði gilda og um leigu á húsum, bryggjum og pöllum til línuveiðabáta, sem róa úr landi.

Hafi leiga eftir slík hús, bryggjur og palla verið greidd með aflahlut, getur aðili krafizt, að leigan verði metin til peningaverðs, og má leiga þessi ekki hækka meira en sem svarar hækkun almennrar húsaleigu.

16. gr.

Þegar eftir gildistöku þessara laga skal húsaleigunefnd — af sjálfsdáðum — meta leigu eftir öll herbergi í gistihúsum í umdæmi sínu. Um framkvæmd þessa mats og birtingu herbergjaverðs skal ákveðið með reglugerð, er félagsmálaráðherra setur.

17. gr.

Sá, sem áskilur sér hærri leigu en heimilt er samkvæmt lögum þessum, tekur við hærri leigu eða brýtur ákvæði þeirra á annan hátt, skal sæta sektum frá 10—10000 krónum.

Sektirnar renna í ríkissjóð. Með mál út af brotum á lögum þessum skal farið sem opinber mál.

18. gr.

Meðan lög þessi eru í gildi, skulu húsaleigusamningar undanþegnir stimpilgjaldi, samkv. l. nr. 75 frá 1921.

19. gr.

Ákvæði 2. mgr. 5. gr. falla úr gildi 14. maí 1944, og er fyrri afnotahafa húsnæðis, sem ráðstafað hefur verið samkv. ákvæðum þeirrar mgr., heimilt að segja slíku húsnæði upp til rýmingar frá þeim tíma með löglegum fyrirvara.

20. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað, og falla þá jafnframt úr gildi eftirtalin lög um húsaleigu, með viðaukum og breytingum: lög nr. 106 1941, lög nr. 126 1941, lög nr. 35 1942, svo og önnur ákvæði, er brjóta í bág við lög þessi.

**Ákvæði til bráðabirgða.**

Ákvæði laga þessara taka til uppsagna þeirra á leigusamningum og tilkynninga um skipti á húsnæði, sem fram hafa farið fyrir gildistöku laganna og koma eiga til framkvæmda 14. maí 1943, enda hafi uppsögn eða tilkynning komið fram með löglegum fyrirvara.

## Nd. 655. Frumvarp til laga

um frestun á framkvæmd laga nr. 60 7. maí 1940, um síldartunnur.

(Eftir 2. umr. í Nd.).

1. gr.

Framkvæmd laga nr. 60 7. maí 1940, um síldartunnur, skal frestað þangað til lokið er styrjöld þeirri, er nú geisar, og eðlileg viðskipti geta aftur hafizt landa milli.

Ríkisstjórnin ákveður, hvenær lögin skuli koma til framkvæmda af nýju og birtir um það auglýsingu í A-deild Stjórnartíðinda.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 656. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 67 31. des. 1939, um dómsmálastörf, lögreglustjórn, gjaldheimtu o. fl. í Reykjavík.

Frá meiri hl. allsherjarnefndar.

Nefndin hefur athugað frv. þetta, sem fer fram á að heimta lagamenntun af lögreglustjóranum í Reykjavík, og rætt það á nokkrum fundum. Hefur hún leitað álits hæstaréttar og lagadeildar háskólans um frv. Fylgir álitsgerð lagadeildar hér með, en frá hæstarétti hefur nefndinni ekki enn borizt umsögn.

Nefndin hefur ekki getað orðið á eitt sátt um afgreiðslu frv. Minni hl. (JörB) er andvígur frv., en undirritaður meiri hl. vill samþykkja það með eftirfarandi

BREYTINGU.

Við 3. gr. Greinin orðist svo:

Lög þessi öðlast gildi, þegar núverandi lögreglustjóra hefur verið veittur kostur á öðru starfi samkvæmt 3. málsgr. 16. gr. stjórnarskrárinnar.

Alþingi, 5. apríl 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Garðar Þorsteinsson, form. | Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr., með fyrirv. | Gunnar Thoroddsen, frsm. |
| | Áki Jakobsson, með fyrirv. | |

**Fylgiskjal.**

HÁSKÓLI ÍSLANDS

Reykjavík, 2. marz 1943.

Hin heiðraða allsherjarnefnd neðri deildar hefur í tilefni af frumvarpi til laga um breyting á lögum nr. 67 31. des. 1939, um dómsmálastörf, lögreglustjórn, gjaldheimtu o. fl. í Reykjavík, er borið hefur verið fram á Alþingi (þskj. 106), óskað umsagnar lagadeildar háskólans um það, hvort telja beri nauðsynlegt eða að minnsta kosti æskilegt, að lögreglustjóraembættið í Reykjavík sé skipað lögfræðingi. Er það samhljóða álit lögfræðikennaranna í deildinni, að það verði að teljast mjög æskilegt, að sá maður, sem fer með umrætt embætti, sé lögfræðingur, með því að ýmis af embættisstörfum hans eru þess eðlis, að þau eru bezt komin í höndum manns, sem bæði hefur þá þekkingu á lögum landsins og þá reynslu í að fara með þau, sem vænta má, að almennt sé krafizt af manni, er skipaður er í mikilsvirt embætti í dómgæzlu eða umboðsstjórn, og litur deildin einnig svo á, að það sé að jafnaði engan veginn nægilegt, þótt ólöglærður lögreglustjóri hafi löglærðan fulltrúa sér við hlið.

Virðingarfyllst.

Ólafur Lárusson.

Til allsherjarnefndar neðri deildar Alþingis.

## Ed. 657. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 76 27. júní 1941, um breyting á lögum nr. 66 1940, um stríðsslysatryggingu sjómanna.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

1. gr. laganna orðist þannig:

Skylt skal að tryggja fyrir slysum af völdum ófriðar skipshafnir á öllum íslenzkum skipum og bátum, sem skylt er að slysatryggja á.

2. gr.

3. mgr. 2. gr. laganna orðist þannig:

Fiskiskip, 5 rúmlesta (brúttó) og stærri, sem eingöngu stunda fiskveiðar við strendur landsins og sigla ekki til útlanda, greiða í iðgjald 4 krónur á viku fyrir hvern tryggðan skipverja, bátar undir 5 rúmlestum 2 kr. á viku fyrir hvern tryggðan skipverja, en ríkissjóður greiðir afgang iðgjaldsins. Uppbót (bónus), sem þessum skipum kann að tilfalla, rennur í ríkissjóð.

3. gr.

Slys þau, sem orðið hafa á bátum undir 4 rúmlestum á tímabilinu frá 27. júní 1941 til gildistöku þessara laga og ætla má, að séu af stríðsvöldum, skulu bætt af stríðstryggingafélagi íslenzkra skipshafna eftir sömu reglum og hliðstæð slys á stærri bátum á þessu tímabili. Ríkissjóður endurgreiðir félaginu þessar bætur.

4. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta.

Eftir að lög nr. 76 1941 voru sett, hefur komið í ljós, að talsverð stríðsslysahætta er á bátum undir 4 lestum. Hefur að minnsta kosti einn trillubátur, Vignir SU 62 frá Vattarnesi, týnzt með þeim hætti, að ætla má, að hann hafi rekizt á tundurdufl. Það er í fyllsta máta óeðlilegt, að stærð skipsins hafi áhrif á það, hvort stríðsslysabætur eru greiddar, ef um stríðsslys er að ræða. Þess vegna er eðlilegast, að skipshafnir á öllum íslenzkum skipum, án tillits til stærðar, séu stríðsslysatryggðar. Áfallin slys verða ekki bætt nema ríkissjóður taki að sér að bæta þau, með því að ógerlegt mun vera að innheimta iðgjöld eftir á af þessum bátum. Þar sem iðgjaldagreiðslan mun vera einna örðugust fyrir útgerðarmenn minnstu bátanna, er gert ráð fyrir, að þeir greiði lægra iðgjald en önnur skip. Hversu mikið fé hér er um að ræða, má nokkuð marka af eftirfarandi yfirliti yfir tryggingavikufjöldann á bátum undir 5 lestum.

| | Meðaltal 1932—35 | 1936 | 1937 | 1938 | 1939 | 1940 | 2941 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Tryggingarvikur .. | 15 þús. | 12 þús. | 11 þús. | 13 þús. | 17 þús. | 32 þús. | 31 þús. |

## Sþ. 658. Þingsályktun

um heimild fyrir ríkisstjórnina til að kaupa gistihúsið Valhöll.

(Afgreidd frá Sþ. 5. apríl).

Samhljóða þskj. 579.

## Ed. 659. Nefndarálit

um frv. til laga um veiting ríkisborgararéttar.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv. og umsóknir þær, er því fylgdu. Leggur hún til, að frv. verði samþykkt með nokkrum breytingum. Í skjölum málsins liggur eigi fyrir umsókn frá Jóni Sætran sjálfum, sem nú er í Kaupmannahöfn, um íslenzkan ríkisborgararétt, og þykir því eigi fært að veita honum hann. Er því lagt til, að 3. tölul. 1. gr. frv. eins og það kom frá neðri deild falli niður. Þá hefur nefndin haft til athugunar allmargar umsóknir, sem sumar bárust allsherjarnefnd neðri deildar fyrst eftir að málið hafði verið afgreitt þar, en sumar höfðu legið fyrir áður, en þá eigi þótt fært að taka til greina.

Leggur nefndin til, að þeir af þessum umsækjendum, sem hér hafa dvalið s. l. tíu ár og sjálfir hafa sótt um íslenzkt ríkisfang, og engar sérstakar ástæður mæla

í gegn, öðlist það. Um nunnurnar í Landakoti skal þess getið, að þær hafa eigi lagt fram öll vottorð, sem venja er að krefjast í þessu efni, en vegna þess ástands, sem nú ríkir, og þar sem hér er um að ræða aðila, sem um langa hríð hafa unnið líknarstarf í þágu landsmanna, er lagt til, að umsóknir þeirra, er hér hafa dvalið tíu ár eða lengur, verði teknar til greina. Breytingin í 2. gr. er nauðsynleg vegna styrjaldarástands þess, sem nú ríkir.

Leggur því nefndin til, að frv. verði samþykkt með þessum

BREYTINGUM:

1. Við 1. gr. Greinin orðist þannig:
   Ríkisborgararétt skulu öðlast:
   1. Ágústa Pétursdóttir, til heimilis í Reykjavík, fædd í Reykjavík 9. febr. 1915.
   2. Börge Axel Jónsson, matsveinn, til heimilis í Reykjavík, fæddur í Kaupmannahöfn 12. okt. 1911.
   3. Delphine María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 23. maí 1887.
   4. Edmunda María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Póllandi 24. okt. 1896.
   5. Flaviana María, abbadís, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 28. des. 1890.
   6. Hals, Anders Ingebrigt Johan, útgerðarmaður, til heimilis í Vestmannaeyjum, fæddur í Noregi 5. okt. 1908.
   7. Henriette María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. febr. 1905.
   8. Lioba María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. júní 1903.
   9. Karóla María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 21. júní 1901.
   10. Klothilde María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 27. febr. 1898.
   11. Petersen, Axel Jakob, bókari, til heimilis í Reykjavík, fæddur í Danmörku 12. nóv. 1896.
   12. Sætran, Þorsteinn Bertrand, rafvirki, til heimilis í Reykjavík, fæddur 26. okt. 1911.
   13. Theodula María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 25. júlí 1887.
   14. Timothea María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. sept. 1874.
2. Á eftir 1. gr. komi ný grein, er verði 2. gr., svo hljóðandi (og breytist greinatalan samkv. því):
   Ef ríkisstjórnin telur nauðsynlegt vegna núverandi styrjaldarástands, er henni heimilt að lengja frest þann, er 4. mgr. 4. gr. laga nr. 64 28. jan. 1935 ræðir um, eða veita aðilum með öllu undanþágu frá skilyrði málsgr.

Alþingi, 5. apríl 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Guðm. Í Guðmundsson, fundaskr. Hermann Jónasson.

Lárus Jóhannesson. Brynjólfur Bjarnason.

# Nd. 660. Frumvarp til laga

um breyting á lögum nr. 44 23. júní 1932, um skipun læknishéraða, verksvið landlæknis og störf héraðslækna.

Flm.: Gunnar Thoroddsen.

1. gr.

1. gr. l. 44/1932 breytist sem hér segir:

1. Úr 5. tölulið (Borgarneshérað) falli burt orðin: „Kolbeinsstaðahreppur“ og „Eyjahreppur“.
2. Á eftir 5. tölul. komi nýr liður:
   **Snæfellsneshérað:** Kolbeinsstaðahreppur, Eyjahreppur, Miklaholtshreppur, Staðarsveit, Breiðavíkurhreppur.
3. Úr 6. tölulið (Ólafsvíkurhérað) falli burt orðin: „Staðarsveit, Breiðavíkurhreppur“.
4. Úr 7. tölulið (Stykkishólmshérað) falla burt orðin: „og Miklaholtshreppur“.

2. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

Greinargerð.

Í Snæfellsnessýslu eru nú tvö læknishéruð, og situr annar læknirinn í Stykkishólmi, en hinn í Ólafsvík. Tveir hreppar í Hnappadalssýslu tilheyra hins vegar Borgarneshéraði. Báðir þessir læknar hafa þannig aðsetur norðan Snæfellsnesfjallgarðs. Íbúarnir sunnanfjalls eiga því mjög erfiða læknissókn, til Ólafsvíkur og Stykkishólms; er það víðast hvar löng leið og torsótt, einkum að vetrarlagi, þar sem yfir erfiða og snjóþunga fjallgarða er að fara og jafnvel í mörgum tilfellum ógerningur að ná til læknis, hversu mikið sem liggur við.

Um mörg ár hefur það verið mikið áhugamál og einróma ósk manna á sunnanverðu Snæfellsnesi að fá stofnað þar sérstakt læknishérað. Hafa ýmsar ályktanir verið samþykktar þar í þessa átt á undanförnum árum. M. a. var á almennum hreppsfundi á Arnarstapa 16. jan. síðastl. samþykkt eftirfarandi ályktun:

„Á almennum hreppsfundi, sem haldinn var á Arnarstapa 16. jan. 1943, var samþykkt að fara þess á leit við þingmann kjördæmisins, að hann beiti sér fyrir því á því þingi, sem nú situr, að stofnað verði nýtt læknishérað sunnan Snæfellsnesfjallgarðs og nái yfir Hnappadalssýslu og einnig Staðarsveit og Breiðuvíkurhrepp í Snæfellsnessýslu.

Ástæðan fyrir þessari beiðni er sú, að mestan hluta vetrar er miklum erfiðleikum bundið að ná í lækni í Ólafsvík, og í mörgum tilfellum alveg útilokað. Nútímakröfur hljóta að vera þær, að enginn þjóðfélagsþegn sé svo í sveit settur, að staðhættir varni honum þess að ná til læknis í lífsnauðsyn. Þessu ástandi höfum við orðið að lúta frá ómunatíð, og mælir engin sanngirni með því, að við slíkt verði búið áfram.

Ólafur Benediktsson, fundarstjóri. Haraldur Jónsson, fundarskrifari.“

Frv. þetta fer fram á að verða við þessum sanngjörnu og réttmætu óskum Snæfellinga. Er þá eðlilegast, að hið nýja læknishérað nái yfir Breiðavíkurhrepp og Staðarsveit, sem nú eru í Ólafsvíkurhéraði, Miklaholtshrepp, sem nú er í Stykkishólmshéraði, og Eyja- og Kolbeinsstaðahrepp, sem nú eru í Borgarneshéraði.

Samkvæmt riti landlæknis, Skipun heilbrigðismála á Íslandi, var mannfjöldi árið 1940 sem hér segir: Í Borgarneshéraði 1596 íbúar, í Ólafsvíkurhéraði 1550 og í

Stykkishólmshéraði 1616. Ef þetta frv. yrði samþykkt, mundu í hinu nýja læknishéraði verða 936 íbúar, samkvæmt manntali 1942, og mundi þá fækka sem því svarar í 3 framangreindum læknishéruðum. Það skal tekið fram, að nú eru 13 læknishéruð í landinu fámennari en þetta nýja hérað mundi verða, sum þeirra jafnvel meira en tvöfalt fámennari.

Um heiti þessa nýja læknishérað skal það tekið fram, að þegar staður hefur verið ákveðinn fyrir læknissetur, er eðlilegast að kenna héraðið við þann stað, eins og yfirleitt er gert nú, og er því heitið í frv. aðeins til bráðabirgða.

## Sþ. 661. Tillaga til þingsályktunar

um útvegun á efni til virkjunar Andakílsár í Borgarfjarðarsýslu.

Flm.: Pétur Ottesen, Bjarni Ásgeirsson.

Alþingi ályktar að heimila ríkisstjórninni að gera nauðsynlegar ráðstafanir til þess, með fjárframlagi úr ríkissjóði eða lántöku og ábyrgð fyrir hönd ríkissjóðs, að hafin verði smíði á vélum og nauðsynlegu efni í fyrirhugaða virkjun Andakílsár, sem fyrir liggja tilboð um, strax og fengin hefur verið yfirlýsing um það, að veitt verði í Bandaríkjunum útflutningsleyfi á efni þessu og vélum.

Greinargerð.

Eins og greinargerð frumvarps þess um virkjun Andakílsár, sem fyrir Alþingi liggur og eigi hefur hlotið afgreiðslu, ber með sér, hefur fyrir alllöngu verið að fullu gengið frá öllum undirbúningi byrjunarvirkjunar á þessum stað, að því er lýtur að undirbúningi áætlana og öflun tilboða í smíði á vélum og efni í línur og afspennistöðvar. Eftir er þá aðeins að fá útflutningsleyfi á þessu frá Bandaríkjunum. Thor Thors sendiherra er nú að vinna að því, fyrir félag það, sem að virkjuninni stendur, að fá þetta leyfi. Í símskeyti, sem nýlega hefur borizt frá honum til flutningsmanna fyrrnefnds frumvarps, sem er svar við fyrirspurn okkar til hans um þetta efni, er svo að orði komizt, að allar líkur séu til, að vélar og efni geti fengizt afgreitt á næsta ári. Má því búast við, að yfirlýsing um útflutningsleyfi komi á hverri stundu úr þessu, því að verksmiðjur þær, sem gert hafa tilboð í smíði vélanna, áskilja sér tólf til fjórtán mánaða frest frá því samningar um smíðið eru undirskrifaðir og þangað til vélarnar eru tilbúnar til þess að afhenda þær í skip til flutnings.

Samkvæmt framansögðu getur það borið mjög bráðan að, að ganga þurfi frá samningum hér að lútandi, greiða þann hluta andvirðisins, sem áskilinn er við samningsgerð, en það er ¼ hluti kaupverðsins, og setja tryggingar fyrir eftirstöðvunum. Af þessari ástæðu er ríkisstjórninni heimilað með þingsályktunartillögu þessari að gera nauðsynlegar ráðstafanir til þess, að smíði vélanna geti hafizt strax og útflutningsleyfið er fengið og annað, sem með þarf í því sambandi.

Í ráði er, að fram komi á næsta Alþingi tillögur um heildarskipun raforkuvirkjana og hagnýtingu rafmagns í landinu, en ráðstafanir þær, sem hér um ræðir, þurfa engan veginn að brjóta í bág við það, sem þá verður ofan á um tilhögun og framkvæmd þessara mála í heild. En hins vegar mundi dráttur á aðgerðum í því máli, sem hér um ræðir, verða þess valdandi, að að engu gagni kæmi sá mikli og góði undirbúningur þess, en eins og málið liggur fyrir nú með samþykkt þessarar þingsályktunartillögu, ætti þessi virkjun að geta komizt í framkvæmd mjög fljótlega.

# Nd. 662. Nefndarálit

um frv. til laga um dýrtíðarráðstafanir.

Frá fjárhagsnefnd.

Fjárhagsnefnd hefur haft dýrtíðarfrv. ríkisstjórnarinnar til athugunar frá 25. febr. Frá 27. febr. til 1. þ. m. héldu fjárhagsnefndir beggja deilda sameiginlega fundi um málið. Frá 10. marz til 25. marz starfaði 4 manna undirnefnd, einn nefndarmaður frá hverjum þingflokki, að málinu í samráði við ríkisstjórnina. En frá 1. þ. m. hefur fjárhagsnefnd neðri deildar starfað ein að undirbúningi breytingartillagna. Þess skal getið, að ríkisstjórnin flutti munnlega nýjar tillögur um efni IV. og V. kafla frumvarpsins á sameiginlegum fundi fjárhagsnefnda og afhenti þær skriflega 27. marz. Þær tillögur eru nú prentaðar á þskj. 651, frá ríkisstjórninni. Auk þess hafa nefndirnar fengið ýmsar skýrslur frá ríkisstjórninni, sem þó þykir ekki þörf að prenta hér með sem fylgiskjöl. Fjárhagsnefnd neðri deildar byggir tillögur sínar á þeim athugunum og sjónarmiðum, sem fram hafa komið á fundum, og hefur um ýmis meginatriði tekið tillit til breytingartillagna ríkisstjórnarinnar við IV. og V. kafla. Hefur nefndin leitazt við að taka þau tillit, sem nauðsynleg eru til að tillögur hennar geti náð meirihlutasamþykki, og ekki bundið sig við einskorðuð flokkssjónarmið. Mun það sýna sig við atkvæðagreiðslu, hvort það hefur tekizt. En nefndin telur það knýjandi nauðsyn, að nægilegar heimildir verði gefnar ríkisstjórn til stöðvunar og niðurfærslu dýrtíðar og framfærsluvísitölu.

Nefndin gerir þá tillögu, að I. kafli stjórnarfrv., um skattskyldu af varasjóðstillögum, og III. kafli, um eignaraukaskatt, falli niður. Er það ekki vegna þess, að nefndin eða meiri hluti hennar sé í sjálfu sér mótfallinn grundvallarhugmyndum þeirra kafla, heldur vill nefndin sumpart draga þær deilur, sem verða kunna um þessa kafla, út úr umræðum um sjálft dýrtíðarmálið, og eins telja nefndarmenn, að þessir kaflar þurfi meiri undirbúnings við en þegar er orðinn.

5. brtt. er um sama efni og 4. gr. frv., skatt til að standast útgjöld ríkissjóðs af framkvæmd þessara tillagna. Kann nefndin bezt við að kenna skattinn við tilganginn og nefna hann verðlækkunarskatt. Er sú breyting gerð frá stjórnarfrv., að skyldusparnaði, sem þar er gert ráð fyrir, er kippt í burtu og lágmark skattskyldra tekna fært úr 6000 kr. í 10000 kr. Áætlar nefndin lauslega, að þessi skattur muni nema frá 6—8 milljónum króna, en útgjöld samkvæmt brtt. nefndarinnar eru, ef heimildir eru að fullu notaðar, lauslega áætluð:

| | |
|---|---|
| Uppbætur á kjöt ..... | kr. 2 millj. |
| — á mjólk ..... | — 1 — |
| Atvinnutryggingarsjóður ..... | — 3 — |
| Samtals | kr. 6 millj. |

13. brtt. er um sama efni og 12. gr. frv., verðlagsuppbætur á kaupgjald. Er ætlazt til, að ríkisstjórnin leiti samkomulags við Alþýðusamband Íslands og önnur stéttasamtök um, að þau fallist á, að í næsta mánuði eftir samþykkt þessara laga skuli greiða verðlagsuppbót á laun miðað við verðlag 1. dag þess mánaðar, í stað 1. dags næsta mánaðar á undan, eins og launþegar eiga yfirleitt rétt á samkvæmt samningum. Ef vísitala lækkar úr 262 í 230, þýðir það 12.2% kauplækkun fyrir einn mánuð, en að sjálfsögðu mundi það hafa mikil áhrif til snöggrar lækkunar á dýrtíð og framfærsluvísitölu og tryggja lækkunina. Er hér treyst á, að samkomulag náist. Tilmæli eru stundum sterkari en valdboð. Bregðist þetta, þá er fótum kippt undan viðleitninni til dýrtíðarlækkunar að nokkru leyti. En nefndin telur sig hafa ástæðu til að ætla, að til slíks muni ekki koma.

16. brtt. er sama efnis og 15. gr. frv. Er ætlazt til, að skipuð verði 6 manna nefnd

til að finna grundvöll vísitölu landbúnaðarafurða og hlutfall milli verðlags þeirra og kaupgjalds. Nefndin er rannsóknar- og samninganefnd og ræður ekki úrslitum nema hún verði sammála. Verði nefndarmenn ekki sammála, kemur hvort sem er til löggjafarvaldsins kasta, og er þá ríkisstjórn og Alþingi gefinn mánaðarfrestur, frá því nefndin á að hafa lokið störfum, til að taka sinar ákvarðanir. Samningaleiðin hefur enn ekki verið reynd til neinnar hlítar í þessum efnum, og er nú ekki seinna vænna. Má og ætla, að það hafi áhrif á starfsháttu nefndarinnar til góðs, að samkomulag þurfi til að fullur árangur náist.

17. brtt. er um sama efni og 14. og 16. gr. frv., mjólkur- og kjötverð og greiðslur úr ríkissjóði á verðlagsskyldar landbúnaðarvörur, þar til samkomulag næst eða aðrar ráðstafanir eru gerðar. Er ætlazt til, að útsöluverð mjólkur til neytenda verði kr. 1.30 á lítra, og er það fengið þannig, að tekið er mjólkurverð 1939, sem var 40 aurar pr. lítra, bætt við það 45% grunnverðshækkun og þar ofan á dýrtíðaruppbót miðað við vísitölu 230. En í tillögum nefndarinnar er gert ráð fyrir, að stefnt verði að því að koma verðlagsvísitölu a. m. k. niður í 230 á sem skemmstum tíma. Framleiðendur skulu aftur fá fyrir mjólkina núverandi verð, kr. 1.75 á lítra, að frádreginni þeirri hundraðstölu, sem kaup lækkar um við lækkaða framfærsluvísitölu. Ef vísitala lækkar úr 262 í 230, kemur það þannig út: Kauplækkun yrði 12.2%, og 12.2% af kr. 1.75 gerir kr. 0.21. Mismuninn, ef lækkunarheimildin er notuð til fulls, kr. 0.24, á svo að greiða úr ríkissjóði. Um kjötverð er beitt sömu aðferð, og verður þó heildsöluverð á dilkakjöti kr. 4.80 pr. kg. Útsöluverð yrði, með óbreyttri álagningu, kr. 5.40, og greiðslan úr ríkissjóði til viðbótar því, sem stjórnin hefur þegar ákveðið, kr. 1.00 pr. kg. Þessar heimildir falla úr gildi í síðasta lagi 15. sept., og verður ríkisstjórn og Alþingi að gera nýja skipan á um þessa hluti fyrir þann tíma, ef samninganefndin hefur ekki orðið sammála. Hér verður að setja tímatakmörk, því að ekki er unnt að kaupa niður verðlag nema um takmarkaðan tíma.

Út af því, sem hér að framan er sagt um að leggja til grundvallar við verðlagningu landbúnaðarvara verð þeirra árið 1939 að viðbættri 45% grunnverðshækkun, vilja þeir Skúli Guðmundsson og Ingólfur Jónsson taka fram, að þeir geta ekki á það fallizt og viðurkenna ekki þá útreikninga, þar sem þeir telja óeðlilegt, að framleiðendur landbúnaðarvara fái minni hækkun á afurðaverðinu en sem nemur hækkun á kaupgjaldi verkamanna á sama tíma. Grunnkaupshækkun daglaunamanna í 40 verkamannafélögum innan Alþýðusambands Íslands, þar með talin öll fjölmennustu félögin, mun vera að meðaltali um 65% síðan 1939. Er hér reiknuð sú hækkun, sem orðið hefur á tímakaupi í dagvinnu, en þar að auki eiga verkamenn nú að fá orlofsfé, samkvæmt nýjum lögum, sem þeir munu ekki hafa fengið árið 1939.

Út af athugasemd þeirra Skúla Guðmundssonar og Ingólfs Jónssonar vill Jón Pálmason geta þess, að eigi skipti máli, hvaða regla sé hugsuð um lækkunarheimild á landbúnaðarafurðum, þar sem þetta bráðabirgðafyrirkomulag geti á engan hátt verið til að binda 6 manna nefndina við, þegar hún framkvæmir rannsókn sína og gerir tillögur sínar.

18. brtt. er um stofnun 3 millj. króna atvinnutryggingarsjóðs, og skal félagsmálaráðherra staðfesta reglugerð um sjóðinn, að fengnum tillögum atvinnumálanefndar og Alþýðusambands Íslands.

Alþingi, 6. apríl 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Ásgeir Ásgeirsson, form., frsm. | Jón Pálmason, fundaskr. | Skúli Guðmundsson, með fyrirv. um I. kafla frv. |
| Ingólfur Jónsson. | Einar Olgeirsson. | |

# Nd. 663. Breytingartillögur

við frv. til laga um dýrtíðarráðstafanir.

Frá fjárhagsnefnd.

1. Við I. kafla. Kaflaskipting og fyrirsagnir hér og annars staðar í frv. falli niður.
2. Við 1. gr. Greinin falli niður.
3. Við 2. gr. Greinin falli niður.
4. Við 3. gr. Greinin falli niður.
5. Við 4. gr., sem verður 1. gr. Greinin orðist svo:

Auk skatta þeirra, sem í 6. gr. laga nr. 6 1935, sbr. 1. gr. laga nr. 20 1942, og í lögum nr. 21 1942 getur, skal árið 1943 leggja á tekjur ársins 1942 skatt, er nefnist verðlækkunarskattur, samkvæmt eftirfarandi reglum:

Af skattskyldum tekjum lægri en 10000 kr. greiðist enginn verðlækkunarskattur.

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Af | 10 | — | 11 | þús. | kr. | greiðist | 150 | kr. | af | 10 | þús. | og | 4 | % | af | afg. |
| — | 11 | — | 12 | — | — | — | 190 | — | — | 11 | — | — | 5 | — | — | — |
| — | 12 | — | 13 | — | — | — | 240 | — | — | 12 | — | — | 6 | — | — | — |
| — | 13 | — | 15 | — | — | — | 300 | — | — | 13 | — | — | 7 | — | — | — |
| — | 15 | — | 17 | — | — | — | 440 | — | — | 15 | — | — | 8 | — | — | — |
| — | 17 | — | 20 | — | — | — | 600 | — | — | 17 | — | — | 9 | — | — | — |
| — | 20 | — | 25 | — | — | — | 870 | — | — | 20 | — | — | 10 | — | — | — |
| — | 25 | — | 30 | — | — | — | 1370 | — | — | 25 | — | — | 13 | — | — | — |
| — | 30 | — | 100 | — | — | — | 2020 | — | — | 30 | — | — | 18 | — | — | — |
| — | 100 | — | 125 | — | — | — | 14620 | — | — | 100 | — | — | 15 | — | — | — |
| — | 125 | — | 150 | — | — | — | 18370 | — | — | 125 | — | — | 10 | — | — | — |
| — | 150 | — | 200 | — | — | — | 20870 | — | — | 150 | — | — | 5 | — | — | — |
| — | 200 | þús. | og | yfir | | — | 23350 | — | — | 200 | — | — | 0 | — | — | — |

6. Við 5. gr. Greinin falli niður.
7. Við 6. gr. Greinin falli niður.
8. Við 7. gr., sem verður 2. gr. Aftan við greinina bætist: (sbr. lög nr. 20 20. maí 1942, 14. gr. a.).
9. Við 8. gr. Greinin falli niður.
10. Við 9. gr. Greinin falli niður.
11. Við 10. gr. Greinin falli niður.
12. Við 11. gr. Greinin falli niður.
13. Við 12. gr., sem verður 3. gr. Greinin orðist svo:

Ríkisstjórnin skal leita samninga við Alþýðusamband Íslands og önnur sambönd launþega um, að þau, fyrir hönd stéttarfélaganna og að fenginni heimild frá þeim, fallist á, að í næsta mánuði eftir að lög þessi öðlast gildi, skuli greiðsla verðlagsuppbótar á kaupgjald og laun fara fram eftir þeirri vísitölu, sem er byggð á verðlaginu 1. dag þess mánaðar.

14. Við 13. gr. Greinin falli niður.
15. Við 14. gr. Greinin falli niður.
16. Við 15. gr., sem verður 4. gr. Greinin orðist svo:

Skipa skal sex manna nefnd, er finni grundvöll fyrir vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða, er fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara, og hlutfall milli verðlags landbúnaðarvara og kaupgjalds stéttarfélaga, er miðist við það, að heildartekjur þeirra, er vinna að landbúnaði, verði í sem nánustu samræmi við tekjur annarra vinnandi stétta. Skal í því sambandi tekið tillit til þess verðs, sem fæst fyrir útfluttar landbúnaðarafurðir.

Nefndin skal skipuð hagstofustjóra, og sé hann formaður nefndarinnar, forstöðumanni búreikningaskrifstofu ríkisins, tveim mönnum eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einum manni eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum manni tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæjarfélaga.

Nú verður nefndin sammála um vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða og hlutfall milli verðlags á landbúnaðarafurðum og kaupgjalds stéttarfélaga, og skal þá verð á landbúnaðarvörum ákveðið í samræmi þar við, meðan núverandi ófriðarástand helzt. Þó er ríkisstjórninni heimilt að ákveða lægra verð á einstökum vörutegundum gegn framlagi úr ríkissjóði.

Nefndin skal ljúka störfum og skila áliti til ríkisstjórnarinnar fyrir 15. ágúst 1943.

17. Við 16. gr., sem verður 5. gr. Greinin orðist svo:

Þar til verð landbúnaðarvara verður ákveðið samkvæmt fyrirmælum 4. gr., er ríkisstjórninni heimilt að ákveða verð þeirra þannig:

Útsöluverð mjólkur verði lækkað í allt að kr. 1.30 pr. ltr. og verð annarra mjólkurafurða í samræmi við það. Lækkun á verðinu til framleiðenda verði hlutfallslega jöfn þeirri lækkun á vísitölu kauplagsnefndar, sem verður í næsta mánuði eftir að mjólkurverðslækkunin kemur til framkvæmda, og verðið til þeirra breytist síðan í samræmi við breytingar á vísitölunni, en að öðru leyti verði verðlækkunin á mjólk og mjólkurafurðum borguð úr ríkissjóði.

Verð á kjöti, sem fyrirliggjandi er í landinu, er heimilt að lækka með framlagi úr ríkissjóði, þannig að heildsöluverð á dilkakjöti verði fært niður í allt að kr. 4.80 pr. kg. og verð á öðrum tegundum kjöts í samræmi við það.

Ákvæði þessarar greinar um verðlag og ríkisframlag falla úr gildi eigi síðar en 15. september 1943.

18. Ný grein, er verður 6. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt að leggja fram úr ríkissjóði 3 millj. króna í sjóð til tryggingar launþega gegn atvinnuleysi, og nefnist hann Atvinnutryggingarsjóður.

Milliþinganefnd sú, sem skipuð hefur verið samkvæmt þál. 4. sept. 1942 til þess að athuga atvinnumál o. fl., skal í samráði við Alþýðusamband Íslands setja reglugerð um hlutverk og starfsemi sjóðsins. Skal því lokið fyrir 15. ágúst þ. á., og sé reglugerðin staðfest af félagsmálaráðherra.

19. 17. gr. verði 7. gr.

20. 18. gr. verði 8. gr.

## Ed. 664. Breytingartillaga

við frumv. til laga um húsaleigu.

Frá Gísla Jónssyni.

Við 15. gr. Greinin orðist svo:

Ákvæði þessara laga gilda og um leigu á húsum, bryggjum og vinnupöllum til hvers konar fiskiskipa og báta, nema öðruvísi sé ákveðið með reglugerð eða lögum.

Sé leiga eftir slík hús, bryggjur og palla greidd með aflahlut, geta aðilar krafizt, að metið sé, hve stór sá aflahlutur skuli vera.

Séu einhver önnur hlunnindi innifalin í leigunni, er áhrif hafa á hana, skal meta þau sérstaklega.

## Ed. 665. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 51 27. júní 1941, um breyt. á l. nr. 1 5. jan. 1938, um síldarverksmiðjur ríkisins.

Frá meiri hl. sjávarútvegsnefndar.

Nefndin hefur ekki orðið sammála um afgreiðslu þessa frv. Minni hl. (GJ) vill ekki samþ. frv. óbreytt, en við undirritaðir leggjum til, að það verði samþ. eins og það liggur fyrir.

Alþingi, 6. apríl 1943.

Ingvar Pálmason, frsm. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr.

## Sþ. 666. Nefndarálit

um till. til þál. um nefndarskipun til að athuga skilyrði fyrir byggingu og rekstri skipasmíðastöðvar í Reykjavík og allsherjarskipulagi á strandferðum ríkisins.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin mælir með því, að till. verði samþykkt. Tveir nefndarmenn voru fjarstaddir (utanbæjar).

Alþingi, 6. apríl 1943.

Gísli Sveinsson, form., frsm. Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. Gísli Jónsson.
Ásgeir Ásgeirsson. Páll Zóphóníasson.

## Sþ. 667. Nefndarálit

um till. til þál. um skipun nefndar til að gera tillögur um framtíðarafnot jarðarinnar Reykhóla.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur orðið sammála um að mæla með því, að till. á þskj. 588 verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Síðasti málsl. tillgr. orðist þannig: Nefndin starfi í samráði við hreppsnefnd Reykhólahrepps og skili áliti sínu og tillögum til ríkisstjórnarinnar fyrir 1. október 1943. Tveir nefndarmenn voru fjarstaddir (utanbæjar).

Alþingi, 6. apríl 1943.

Gísli Sveinsson, form. Sigfús Sigurhjartarson, fundaskr. Gísli Jónsson, frsm.
Ásgeir Ásgeirsson. Páll Zóphóníasson.

**Ed.** **668. Lög**

um húsaleigu.

(Afgreidd frá Ed. 6. marz).

Samhljóða þskj. 654.

**Sþ.** **669. Breytingartillaga**

við till. til þál. um síldarmjöl til fóðurbætis.

Frá Finni Jónssyni.

1. Við a.-lið. Liðurinn falli burt.
2. Við b.-lið. Stafurinn „b.“ framan við liðinn falli burt.

**Sþ.** **670. Þingsályktun**

um, að ríkið taki á leigu síldarbræðsluverksmiðjuna Ægi í Krossanesi.

(Afgreidd frá Sþ. 6. apríl).

Samhljóða þskj. 501.

**Sþ.** **671. Þingsályktun**

um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast lán fyrir rafveitu Ísafjarðarkaupstaðar og Eyrarhrepps.

(Afgreidd frá Sþ. 6. apríl).

Samhljóða þskj. 631.

**Nd.** **672. Breytingartillögur**

við frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

Frá Ólafi Thors og Bjarna Ásgeirssyni.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Frá 1. maí 1943 skal leggja undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur jarðirnar Elliðavatn og Hólm í Seltjarnarneshreppi ásamt lóðum og löndum, sem úr þeim hafa verið seldar, svo og spildu þá úr landi jarðarinnar Vatnsenda í sama hreppi, er bæjarstjórn Reykjavíkur kann að taka eignarnámi samkv. heimild í lögum nr. 57 4. júlí 1942. Enn fremur skal leggja undir lögsagnarumdæmið frá sama tíma jarðirnar Grafarholt, að svo miklu leyti, sem eignarnámsheimild 3. gr. tekur til, Gufunes, Keldur, Eiði, Knútskot, Korpúlfsstaði, Lambhaga, Reynisvatn og jarðarhlutann Hólmsheiði í Mosfellshreppi, ásamt öllum lóðum og löndum, sem seldar hafa verið úr þeim.

Frá 1. maí 1953 skal leggja undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur þann hluta Grafarholts, sem samkv. 1. mgr. fellur eigi nú þegar undir það.

2. Við 2. gr. Upphaf greinarinnar orðist svo:
   Frá 1. maí 1943 tekur o. s. frv.
3. Við 3. gr.
   a. Upphaf greinarinnar orðist svo:
      Bæjarstjórn Reykjavíkur er fyrir 1. sept. 1943 heimilt o. s. frv.
   b. Í stað „Norðurlandsbraut“ í niðurlagi greinarinnar komi: Vesturlandsbraut.
4. Við 4. gr. Greinin falli niður, og greinartala breytist samkv. því.

## Nd. 673. Breytingartillögur

við brtt. á þskj. 663 [Dýrtíðarráðstafanir].

Frá Eysteini Jónssyni og Páli Zóphóníassyni.

1. Við 2. Brtt. orðist svo: 1. gr. laganna orðist svo:
   Skattfrelsi það, sem félögum er veitt samkv. 1. málsl. 3. málsgr. 3. gr. l. nr. 20 1942, skal niður falla. Félög samkv. 2. málsl. 3. málsgr. sömu greinar, þau er sjávarútveg reka, skulu halda skattfrelsi samkv. síðastnefndum ákvæðum, enda sé allt varasjóðstillag þeirra lagt í nýbyggingarsjóð, sbr. b.—g.-liði 14. gr. l. nr. 20 1942. Skattfrjálst varasjóðstillag þessara félaga skal þó lækka í ⅙ hluta — sjötta hluta — af hreinum tekjum þegar varasjóður, þar með talinn nýbyggingarsjóður, er orðinn jafnhár hlutafénu, enda nemi varasjóður 1 milljón króna eða þar yfir.
   Félög þau, er lögum samkv. geta ekki úthlutað varasjóði sínum, sbr. 3. gr. l. nr. 46 1937, halda frádráttarheimild sinni samkv. 2. málsl. 3. málsgr. l. nr. 20 1942.
2. Við 3. Brtt. orðist svo: 2. gr. laganna orðist svo:
   Skattfrjálst nýbyggingarsjóðstillag, sem einstaklingum og sameignarfélögum, er stunda sjávarútveg sem aðalatvinnurekstur, er heimilað samkv. g.-lið 14. gr. l. nr. 20 1942, skal hækka í 33⅓% af hreinum árstekjum þeirra af útgerð. Þessi hækkun skal þó eigi koma til greina hjá þeim einstaklingum eða sameignarfélögum, sem lagt hafa í nýbyggingarsjóð 200000 kr. eða þar yfir.
3. Við 4. Brtt. orðist svo: 3. gr. laganna orðist svo:
   Ákvæði 1. og 2. gr. þessara laga skulu koma til framkvæmda við álagningu skatta á tekjur ársins 1942. Tekjuauki ríkissjóðs vegna þessara ákvæða skal renna í Framkvæmdasjóð ríkisins.
   Greinatala frv. breytist samkv. atkvæðagreiðslu.

## Nd. 674. Breytingartillögur

við brtt. á þskj. 651 [Dýrtíðarráðstafanir].

Frá Stefáni Jóh. Stefánssyni og Emil Jónssyni.

1. Við b. (13. gr.). Brtt. skal orða svo: Skipa skal fimm manna nefnd, er finni vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða og framfærslukostnað í sveitum, er fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara og hlutfall milli verðlags landbúnaðarvara og kaupgjalds stéttafélaga, er miðist við það, að heildartekjur þeirra, er vinna að landbúnaði, verði í sem nánustu samræmi við tekjur annarra vinnandi stétta.

Nefndin skal skipuð einum manni tilnefndum af hæstarétti, og sé hann formaður nefndarinnar, tveim mönnum eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einum manni eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum manni tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæja. Nefndin njóti aðstoðar hagstofustjóra og forstöðumanns búreikningsskrifstofu ríkisins.

Nú verður nefndin sammála um vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða og hlutfall á milli verðlags á landbúnaðarafurðum og kaupgjalds stéttafélaga, og skal þá verð á landbúnaðarafurðum ákveðið í samræmi þar við, meðan núverandi ófriðarástand helzt. Þó er ríkisstjórninni heimilt að ákveða lægra verð á einstökum vörutegundum gegn framlagi úr ríkissjóði.

Nefndin skal lúka störfum og skila áliti til ríkisstjórnarinnar fyrir 15. ágúst 1943.

2. Við c. 2. Liðinn skal orða svo:

Ríkisstjórninni er heimilt, að fengnu samþykki Alþýðusambands Íslands og annarra sambanda launþega, að ákveða, að næsta mánuð eftir gildistöku laga þessara skuli greiða verðlagsuppbót samkvæmt vísitölu þeirri, sem byggð er á verðlagi 1. dag þess mánaðar.

## Ed. 675. Frumvarp til laga

um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samsiglingu íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands.

(Lagt fyrir Alþingi á 61. löggjafarþingi, 1943.)

1. gr.

Ríkisstjórnin getur ákveðið með reglugerð, að íslenzk skip eða önnur skip, leigð eða gerð út af íslenzkum mönnum eða fyrirtækjum, er sigla milli Íslands og Stóra-Bretlands, skuli sigla tvö saman eða fleiri báðar leiðir.

Nánari fyrirmæli um þetta efni skal setja í reglugerð.

2. gr.

Þegar sérstaklega stendur á, má veita undanþágu frá ákvæðum 1. gr. eftir því og með þeim hætti, er mælt verður í reglugerð.

3. gr.

Brot á ákvæðum laga þessara eða reglugerðar varða sektum frá 1000—50000 króna, enda liggi ekki þyngri refsing við að öðrum lögum. Ítrekað brot getur og varðað missi réttar til skipstjórnar allt að 6 mánuði.

4. gr.

Mál vegna brota á ákvæðum laga þessara sæta meðferð opinberra mála.

5. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

Athugasemdir við lagafrumvarp þetta:

Siglingamenn vorir telja, að draga megi úr hættu þeirri, sem samfara er nú siglingum milli Íslands og Stóra-Bretlands, með því að hafa samsiglingu að minnsta kosti tveggja skipa þessar siglingaleiðir. Tillögur þessa frumvarps um þetta atriði eru samkvæmar óskum siglingamanna vorra.

Fylgir hér með uppkast að reglugerð, sem fulltrúar stéttarfélaga sjómanna og útgerðarmanna hafa komið sér saman um og verður gefin út, ef frumvarp þetta verður að lögum.

**Fylgiskjal.**

**Frumvarp til reglugerðar um samsiglingar skipa.**

1. gr.

Öll íslenzk skip og skip, sem eru leigð eða gerð út af íslenzkum mönnum eða fyrirtækjum, er sigla milli Íslands og Stóra-Bretlands með ísvarinn fisk, skulu sigla tvö saman eða fleiri báðar leiðir.

2. gr.

Samsiglingum þeim, sem um ræðir í 1. gr., skal, ef þess er kostur, haga þannig, að togarar sigli saman og önnur skip, sem flytja nýjan fisk, sigli saman.

3. gr.

Félag íslenzkra botnvörpuskipaeigenda ákveður, hvaða togarar skuli sigla saman í hverri ferð, og frá hvaða stað þeir skuli hefja samsiglingu.

4. gr.

Sérhverju togaraútgerðarfyrirtæki er skylt að tilkynna Félagi íslenzkra botnvörpuskipaeigenda um ferðir og aflabrögð skipa sinna, svo að félagið hafi nákvæmt yfirlit yfir, hvernig samsiglingu á hverjum tíma verði bezt fyrir komið.

5. gr.

Félag útgerðarmanna línuveiða- og fiskkaupaskipa ákveður, hvaða fiskkaupaskip skuli sigla saman í hverri ferð, og frá hvaða stað samsigling skuli hefja.

6. gr.

Sérhverju útgerðarfyrirtæki fiskkaupaskipa er skylt að tilkynna Félagi útgerðarmanna línuveiða- og fiskkaupaskipa um ferðir og fiskkaup skipa sinna, svo að félagið hafi nákvæmt yfirlit yfir, hvernig samsiglingu þessara skipa verði bezt fyrir komið.

7. gr.

Sérhvert útgerðarfyrirtæki, sem á skip í förum á milli Íslands og Bretlands með ísvarinn fisk, skal jafnan láta þann aðila, sem hefur framkvæmd reglugerðar þessarar með höndum, vita og fylgjast með ferðum og aflabrögðum skipanna.

Þegar svo stendur á, að togari og samstæð fiskkaupaskip eru samtímis ferðbúin til Bretlandsferðar eða til heimferðar frá Bretlandi, skulu þau hafa samsiglingu.

8. gr.

Með samþykki Félags íslenzkra botnvörpuskipaeigenda og Félags útgerðarmanna línuveiða- og fiskkaupaskipa getur atvinnumálaráðherra ákveðið, að öðrum en þessum félögum verði falin stjórn þessara samsiglinga.

9. gr.

Skipum, sem eru í samsiglingu, er skylt að haga siglingu þannig, að þau séu ávallt í námunda hvert við annað, nema stórviðri eða dimmviðri hamli.

10. gr.

Heimilt er að veita undanþágu frá ákvæðum þessarar reglugerðar um samsiglingu, ef upplýst er, að ekkert skip geti komið til greina til samfylgdar, enda eigi

skipstjóri eða útgerðarmaður hlutaðeigandi skips ekki sök á þeim atvikum, er ollu því, að þannig er ástatt um skipið.

11. gr.

Atvinnumálaráðherra skipar fimm manna nefnd, er úrskurðar beiðnir um undanþágu frá samsiglingu samkvæmt 10. gr.

Nefndin skal þannig skipuð: Stjórnir stéttarfélaga sjómanna í Reykjavík og Hafnarfirði tilnefna tvo menn, Félag ísl. botnvörpuskipaeigenda tilnefnir einn og Félag útgerðarmanna línuveiða- og fiskkaupaskipa einn. Hinn fimmta skipar ráðherra án tilnefningar, og er hann formaður nefndarinnar. Skipa skal jafnmarga varamenn. Nefndarmenn skulu búsettir í Reykjavík eða Hafnarfirði.

12. gr.

Áður en undanþága er veitt, skal siglingaskipstjóri leggja fram gögn fyrir því, að næg skipshöfn til siglinga á viðkomandi skipi sé fyrir hendi.

Ekki má láta skipverja á nokkurn hátt gjalda þess, þó að hann sigli ekki á skipinu milli landa.

13. gr.

Brot gegn ákvæðum þessarar reglugerðar varða sektum frá 1000—50000 króna. Ítrekað brot getur og varðað missi réttar til skipstjórnar allt að 6 mánuði.

14. gr.

Með mál út af brotum á reglugerð þessari skal fara sem opinber mál.

## Ed. 676. Nefndarálit

um frv. til laga um frestun á framkvæmd laga nr. 60 7. maí 1940, um síldartunnur.

Frá sjávarútvegsnefnd.

Nefndin hefur á fundi í dag athugað frv. þetta og leggur til, að það verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 7. apríl 1943.

| Gísli Jónsson, form. | Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. | Ingvar Pálmason, frsm. |
|---|---|---|

## Sþ. 677. Nefndarálit

við till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til að láta byggja eða kaupa strandferðabát fyrir Austurland.

Frá fjárveitinganefnd.

Nefndin sendi tillöguna til samgöngumálanefndar og óskaði eftir áliti nefndarmanna um málið. Samgöngumálanefnd mælti með tillögunni með nokkurri breytingu. Fjárveitinganefnd mælti með þessari tillögu samgöngumálanefndar, með þeirri breytingu einni að gera eingöngu ráð fyrir, að hinir nýju strandferðabátar verði byggðir til að mæta sérstökum þörfum hvers landshluta.

Nefndin leggur þess vegna til, að tillagan verði samþykkt með þessari

BREYTINGU:

Tillgr. skal orða svo:

Alþingi heimilar ríkisstjórninni að láta undirbúa smíði á 2—4 vönduðum flutninga- og farþegaskipum af hæfilegri stærð til strandsiglinga fyrir landshlutana, sem rekin verði í sambandi við aðalstrandferðaskip ríkisins.

Tveir nefndarmenn (LJós og PZ) áskilja sér rétt til að flytja brtt. við till.

Alþingi, 6. apríl 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form. | Helgi Jónasson, fundaskr. | Jónas Jónsson, frsm. |
| Þóroddur Guðmundsson. | Pétur Ottesen. | Páll Zóphóníasson. |
| Lúðvík Jósefsson. | Þorst. Þorsteinsson. | Sigurður E. Hlíðar. |

## Nd. 678. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 672 [Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur].

Frá Ólafi Thors og Bjarna Ásgeirssyni.

Við 3. a. Efnishluti till. orðist svo:

Bæjarstjórn Reykjavíkur er fyrir 1. sept. 1943 heimilt, ef ekki næst samkomulag við eiganda Grafarholts fyrir 1. júní 1943 um kaup á jörðinni, o. s. frv.

## Ed. 679. Frumvarp til laga

um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Frá 1. maí 1943 skal leggja undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur jarðirnar Elliðavatn og Hólm í Seltjarnarneshreppi ásamt lóðum og löndum, sem úr þeim hafa verið seldar. svo og spildu þá úr landi jarðarinnar Vatnsenda í sama hreppi. er bæjarstjórn Reykjavíkur kann að taka eignarnámi samkv. heimild í lögum nr. 57 4. júlí 1942. Enn fremur skal leggja undir lögsagnarumdæmið frá sama tíma jarðirnar Grafarholt, að svo miklu leyti, sem eignarnámsheimild 3. gr. tekur til, Gufunes, Keldur, Eiði, Knútskot, Korpúlfsstaði, Lambhaga, Reynisvatn og jarðarhlutann Hólmsheiði í Mosfellshreppi, ásamt öllum lóðum og löndum, sem seldar hafa verið úr þeim.

Frá 1. maí 1953 skal leggja undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur þann hluta Grafarholts, sem samkv. 1. mgr. fellur eigi nú þegar undir það.

2. gr.

Frá 1. maí 1943 tekur Reykjavíkurbær að sér framfærslu allra þeirra þurfamanna, sem eru eða verða og framfærslurétt eiga eða mundu eignast, ef lög þessi yrðu ekki sett, vegna fæðingar eða dvalar á löndum þeim, er um ræðir í 1. gr.

3. gr.

Bæjarstjórn Reykjavíkur er fyrir 1. sept. 1943 heimilt, ef ekki næst samkomulag við eiganda Grafarholts fyrir 1. júní 1943 um kaup á jörðinni, að láta taka eignarnámi

jörðina Grafarholt í Mosfellshreppi, ásamt nýbýlinu Engi og þeim lóðum og löndum, er seld hafa verið úr landi jarðarinnar. Eignarnámið skal framkvæmt samkv. lögum nr. 61 14. nóv. 1917. Eignarnámsheimild þessi tekur þó ekki til þess hluta Grafarholtslands, sem er neðan við Vesturlandsbraut.

4. gr.

Fyrir árslok 1943 skulu fara fram endanleg fjárskipti milli Reykjavíkurbæjar og Seltjarnarneshrepps annars vegar og Reykjavíkurbæjar og Mosfellshrepps hins vegar, þar á meðal væntanlegar skaðabótagreiðslur til hreppanna.

5. gr.

Allar fjárgreiðslur samkv. lögum þessum, aðrar en endurgjald fyrir Grafarholt samkv. 3. gr., skulu ákveðnar af gerðardómi, og skal hann einnig skera úr öllum ágreiningi milli málsaðila út af lögum þessum. Gerðardóminn skipa 3 menn, er hæstiréttur nefnir til þess. Skal einn þeirra vera dómari í hæstarétti, og er hann formaður gerðardómsins. Kostnað við gerðardóminn greiðir Reykjavíkurbær eftir ákvörðun dómsins.

6. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 680. Breytingartillögur

við frumv. til laga um Kennaraskóla Íslands.

Frá Gísla Jónssyni.

1. Í stað 5., 6., 8. og 11. gr. kemur ný grein, sem verður 8. gr., svo hljóðandi:
   Ráðuneytið setur reglugerð, í samráði við fræðslumálastjóra, um inntökuskilyrði, próf, umsjón og annað, er að rekstri skólans lýtur.
2. 7., 9., 10. og 12. gr. verða 5., 6., 7. og 9. gr.

## Sþ. 681. Breytingartillaga

við till. til þál. um skipun nefndar til að gera tillögur um framtíðarnot jarðarinnar Reykhóla.

Frá Páli Zóphóníassyni.

Tillögugreinin orðist svo:

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórn að skipa nú þegar fimm manna nefnd til að gera nákvæmar athuganir og tillögur um framtíðarnot jarðarinnar Reykhóla sem skólaseturs og tilraunastöðvar fyrir Vesturland. Nefndin verði þannig skipuð: einn maður eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einn eftir tilnefningu hreppsnefndar Reykhólahrepps, einn eftir tilnefningu sýslunefndar Austur-Barðastrandarsýslu, einn eftir tilnefningu Breiðfirðingafélagsins í Reykjavík, og einn skipaður af ríkisstjórninni án tilnefningar, og sé hann formaður. Nefndin skili áliti sínu og tillögum fyrir 1. október 1943.

## Ed. 682. Breytingartillaga

við frv. til l. um Kennaraskóla Íslands.

Frá Gísla Jónssyni.

Við 5. gr. 2. tölul. orðist þannig:
Að nemandi hafi engan næman kvilla eða sjúkdóm, sem öðrum geti að meini orðið eða gert hann sjálfan óhæfan til kennarastarfa.

## Sþ. 683. Tillaga til þingsályktunar

um að tryggja nægilegar birgðir af rafhlöðum fyrir fiskibáta.

Flm.: Gísli Jónsson.

Alþingi skorar á ríkisstjórnina að hlutast til um, að viðtækjaverzlun ríkisins hafi jafnan nægilegan forða af rafhlöðum fyrir þá fiskibáta landsmanna, sem útbúnir eru með talstöðvum, er nota þarf við rafhlöður.

Greinargerð.

Undanfarna mánuði hefur mjög borið á því, að fiskibátar, sem stundað hafa veiðar á yfirstandandi vertíð, hafa ekki getað fengið rafhlöður hjá viðtækjaverzlun ríkisins og af þeim ástæðum ekki haft not af talstöðvum sínum, hvað mikið sem legið hefur við. Nú er það svo, að viðtækjaverzlunin ein má verzla með og flytja inn þessa vöru, og ætti hún þá jafnframt að hafa skyldur í því að sjá landsmönnum fyrir því magni, sem óhjákvæmilega þarf að nota á hverjum tíma, en þetta hefur mjög brugðizt, og er till. þessi flutt til þess, að ríkisstjórnin hlutist til um það, að úr þessu verði bætt, eftir því sem unnt er.

Það skal alveg sérstaklega tekið fram, að vöntun á þessari vöru dregur stórlega úr því öryggi, sem fiskibátunum er skapað með talstöðvunum, en þeir geta ekki notað, þótt slys beri að höndum, nema hafa nægilegar rafhlöður til rekstrar stöðvana.

## Nd. 684. Breytingartillögur

við frv. til l. um breyt. á l. nr. 44 23. júní 1932, um skipun læknishéraða, verksvið landlæknis og störf héraðslækna.

Frá Páli Zóphóníassyni.

Aftan við 1. gr. bætist:

1. (5). Við 35. tölulið.
   a. Milli orðanna: „Hjaltastaðahreppur, Eiðahreppur“ komi: og.
   b. Úr tölul. falli: „og Borgarfjarðarhreppur“.
2. (6). Á eftir 35. tölul. komi nýr tölul., er verði 36. tölul. (og breytast töluliðir samkvæmt því):
   Borgarfjarðarhérað: Borgarfjarðarhreppur. Læknissetur Bakkagerði í Borgarfirði.

## Ed. 685. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 105 1940, um breyt. á l. nr. 62 30. des. 1939, um tollskrá o. fl.

Frá fjárhagsnefnd.

Nefndin er sammála um að leggja til, að frv. verði samþykkt, en einstakir nefndarmenn hafa óbundnar hendur um fram komnar breytingartillögur.

Alþingi, 8. apríl 1943.

Pétur Magnússon, form. H. Guðmundsson, fundaskr., frsm. Lárus Jóhannesson.
Bernh. Stefánsson. Steingr. Aðalsteinsson.

## Ed. 686. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 76 27. júní 1941, um breyt. á l. nr. 66 1940, um stríðsslysatryggingu sjómanna.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin hefur athugað frv., borið það saman við gildandi lög og mælir með samþykkt þess.

Alþingi, 8. apríl 1943.

Bjarni Benediktsson, form., frsm. Guðm. Í. Guðmundsson, fundaskr. Lárus Jóhannesson.
Brynjólfur Bjarnason. Hermann Jónasson.

## Nd. 687. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 663 [Dýrtíðarráðstafanir].

Frá Áka Jakobssyni og Lúðvík Jósefssyni.

Við 17. tölul. Meginmál liðarins orðist svo:

Þar til verð landbúnaðarvara verður ákveðið samkvæmt fyrirmælum 4. gr., skal ríkisstjórnin ákveða verð þeirra þannig:

Smásöluverð dilkakjöts og annarra tegunda kjöts, mjólkur og mjólkurafurða, garðávaxta og grænmetis skal fundið með því að leggja til grundvallar það verð, sem var á þessum afurðum janúar—marz 1939, að viðbættri 45% grunnverðsuppbót ásamt verðlagsuppbót samkv. vísitölu framfærslukostnaðar, þó aldrei hærri vísitölu en 220. Verð, sem þannig er fundið á hverri vörutegund, skal ganga strax í gildi.

Um leið og þessi verðlækkun kemur til framkvæmda, skal með framlagi úr ríkissjóði greiða mjólkurframleiðendum verðmuninn frá núverandi verði, þangað til 15. maí 1943. Nú reynist vísitala framfærslukostnaðar hærri en 220 eftir þann tíma, og skal ríkissjóður þá fram til 15. sept. greiða mjólkurframleiðendum það, sem á vantar fulla verðlagsuppbót samkvæmt henni. Enn fremur skal með framlagi úr ríkissjóði greiða verðmuninn af þeim kjötbirgðum, sem til eru í landinu við gildistöku þessara laga.

Uppbæturnar úr ríkissjóði skulu greiddar á þann hátt, að helmingnum verði varið til verðuppbótar í hlutfalli við magn vörunnar, en hinn helmingurinn gangi óskiptur til bænda, sem höfðu minna en meðalárstekjur 1942 (nettótekjur), stighækkandi í öfugu hlutfalli við tekjurnar samkvæmt reglum, er nefnd sú, er um getur í 4. gr., setur.

Ríkisstjórninni er heimilt að leggja fram úr ríkissjóði 3 milljónir króna í sjóð, er nefnist „Sjóður til eflingar íslenzkum landbúnaði“. Skal hann vera í vörzlu Búnaðarfélags Íslands, og skal verja honum, samkvæmt nánari fyrirmælum í reglugerð, til samfelldra ræktunarframkvæmda og stofnunar byggðarhverfa í sveitum, til fjárhagslegrar aðstoðar við ábúendur byggðarhverfanna, til vélakaupa til sameiginlegra nota og til stofnunar fyrirmyndarbúa.

Um leið og ákvæði 2. mgr. um lækkun afurðaverðs kemur til framkvæmda, skal Viðskiptaráð setja ný ákvæði um hámark þeirrar álagningar, sem fram að því hefur verið leyfð, í samræmi við lækkaðan kostnað. Viðskiptaráð skal jafnframt gera ráðstafanir til þess, að öll álagning á vörur og þau verk, er undir ákvæði verðlagslaganna heyra, skuli lækkuð samkvæmt framansögðu, enda þótt ekki hafi áður verið sett hámarksákvæði um álagningu þeirra.

Ákvæði þessarar greinar um verðlag á landbúnaðarafurðum og ríkisframlag falla úr gildi eigi síðar en 15. sept. 1943.

## Nd. 688. Viðaukatillaga

við brtt. á þskj. 663 [Dýrtíðarráðstafanir].

Frá Áka Jakobssyni og Lúðvík Jósefssyni.

Á eftir 18. tölul. komi nýr liður, sem verði 19. tölul. (7. gr.), svo hljóðandi (liða- og greinatalan breytist samkvæmt því):

Til þess að standast kostnað við væntanlegar endurbætur á lögunum um alþýðutryggingar, nr. 74 frá 1937, skulu eftirtaldar breytingar gerðar á gildandi skattalögum:

Skattfrelsi það, sem félögum er veitt samkvæmt 1. málsl. 3. málsgr. 3. gr. l. nr. 20/1942, skal niður falla. Þau félög, er um ræðir í 3. gr. a. l. nr. 6/1935, sem sjávarútveg stunda, enn fremur einstaklingar og sameignarfélög, er stunda sjávarútveg sem aðalatvinnurekstur, skulu hafa skattfrelsi samkvæmt 2. málsl. 3. mgr. 3. gr. l. nr. 20/1942, enda skal allt varasjóðstillag og frádráttur lagður í nýbyggingarsjóð, sbr. b.—g.-lið 14. gr. sömu laga. Þegar nýbyggingarsjóður samkv. framansögðu er orðinn jafnhár vátryggingarverði skips eða skipa skattþegns, eða ef nýbyggingarsjóður er orðinn ein milljón krónur, missir viðkomandi skattþegn það skattfrelsi, er um ræðir í næsta málslið hér á undan. Þessi takmörkun á skattfrjálsu nýbyggingarsjóðsframlagi gildir þó ekki fyrr en sjóðurinn hefur náð 200000 kr.

## Nd. 689. Frumvarp til laga

um Kennaraskóla Íslands.

(Eftir 3. umr. í Ed.)

1. gr.

Kennaraskóli Íslands starfar í fjórum ársdeildum, eigi skemur en 7 mánuði á ári.

2. gr.

Tilgangur skólans er að búa nemendur undir kennarastarf í barnaskólum.

3. gr.

Skólinn er jafnt fyrir konur sem karla. Kennslan veitist ókeypis.

4. gr.

Í skólanum skal kenna þessar námsgreinar:

Íslenzku og íslenzkar bókmenntir, eitt Norðurlandamál, ensku eða þýzku, stærðfræði, eðlisfræði, efnafræði, náttúrufræði, heilsufræði, landafræði, sögu og félagsfræði, kristin fræði og siðfræði, uppeldisfræði, kennslufræði, kennsluæfingar, teikningu, söng, handavinnu, skrift, íþróttir.

Heimilt skal að halda námskeið við skólann í ýmsum framan nefndum greinum, enn fremur í garðyrkju og trjárækt, þegar kostur er.

Í kennslunni skal hafa sérstakt tillit til þess, að nemendur eigi sjálfir að kenna þessar námsgreinar og verða síðar leiðtogar barna og unglinga.

5. gr.

Þessi eru almenn inntökuskilyrði í skólann:

1. Að nemandi, sem tekinn er í fyrsta bekk, sé fullra seytján ára um næstu áramót og ári eldri fyrir hverja aðra ársdeild. Þó getur fræðslumálastjórn veitt undanþágu frá þessu ákvæði, ef sérstakar ástæður eru fyrir hendi.
2. Að nemandi hafi engan næman kvilla eða sjúkdóm, sem öðrum geti að meini orðið eða gert hann sjálfan óhæfan til kennarastarfa.
3. Að nemandi sé óspilltur að siðferði.

6. gr.

Til þess að vera tekinn í fyrstu ársdeild, þarf nemandi að hafa staðizt inntökupróf í skólann, er sýni, að hann hafi lokið sem svarar tveggja vetra gagnfræðanámi, eða sanna, að hann hafi lokið gagnfræðaprófi eða öðru prófi jafngildu. Nánari ákvæði um þetta setur ráðuneytið með reglugerð.

7. gr.

Í hverjum bekk skal halda próf í lok skólaárs, og er próf fjórða bekkjar kennarapróf. Ljúka má námi í einstökum gagnfræðagreinum í öðrum eða þriðja bekk, enda skulu einkunnir í þeim greinum taldar á kennaraprófskírteini.

8. gr.

Um inntöku stúdenta og annarra utanskólamanna fer eftir ákvæðum í reglugerð, sem ráðuneytið setur.

9. gr.

Stofna skal, svo fljótt sem því verður við komið, æfingaskóla í sambandi við kennaraskólann með öllum ársdeildum venjulegra barnaskóla.

10. gr.

Við kennaraskólann og æfingaskólann skulu vera sex fastir kennarar auk skólastjóra og aukakennarar eftir þörfum, og séu þeir ráðnir í samráði við fræðslumálastjóra

11. gr.

Fræðslumálastjórnin hefur á hendi yfirumsjón skólans og setur honum reglugerð. Kostnaður við rekstur skólans greiðist úr ríkissjóði.

12. gr.

Með lögum þessum eru úr gildi numin lög nr. 63 22. nóv. 1907, um kennaraskóla í Reykjavík, enn fremur l. nr. 10 4. júní 1924, um breyting á þeim lögum.

# Nd. 690. Tillaga til þingsályktunar

um útgáfu á Njálssögu.

Flm.: Helgi Jónasson, Ingólfur Jónsson, Sveinbjörn Högnason.

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að greiða fyrir, eftir því sem þarf, að menntamálaráð og þjóðvinafélagið gefi Njálssögu út nú á þessu ári í vandaðri heimilisútgáfu handa félagsmönnum sínum.

## Greinargerð

Þegar það var hljóðbært árið 1941, að í ráði væri að gefa út Laxdælu með nútímastafsetningu, eins og það var orðað, risu um það háværar deilur í blöðum og manna á milli. Flestir fordæmdu þetta tiltæki og töldu það með öllu óþarft að breyta stafsetningu eða öðru, þar sem hver sæmilega læs unglingur gæti lesið og skilið fornrit okkar til hlítar, héldu því hins vegar fram, að slík útgáfa mundi einungis skemma og rýra gildi hinna ágætu fornrita vorra. Alþingi brá og skjótt við og samþykkti lög (nr. 127 9. des. 1941), þar sem settar eru hömlur við þessari skemmdarstarfsemi, en auðsætt er, að rammari skorður þarf að reisa gegn þessu, ef duga skal, enda hefur komið fram vilji nú í vetur á Alþingi til þess.

Nú fyrir skömmu er fallinn dómur um þessa útgáfustarfsemi frá þeim mönnum, sem dómbærastir eru í þessum efnum allra Íslendinga, sem sé kennurum við norrænudeild háskólans, í áliti, er þeir gáfu háttv. menntamálanefnd efri deildar Alþingis nú í vetur um Laxdæluútgáfu Halldórs Kiljans Laxness, sem vér leyfum oss að birta hér orðrétt, þar segir:

„A. **Meðferð máls.** Við samanburð á þessari útgáfu og útgáfu þeirri, er hún byggist á, kemur í ljós, að fjölmörgu því máli, sem á engan hátt verður talið til stafsetningar, er breytt: a. Ýmiss konar breytingar eru gerðar á orðmyndum. b. Orðum er sleppt. c. Orðum er bætt inn. d. Skipt er um orð. e. Orðaröð er breytt. f. Bætt er inn heilum setningum eftir útgefandann.

Á fundi menntamálanefndar h. 22. þ. m. voru færð mörg dæmi þessu til sönnunar, og teljum við þarflaust að endurtaka þau hér, enda auðvelt hverjum þeim, er nennir, að ganga úr skugga um þau. Hins vegar viljum við taka fram, að við teljum allar þessar breytingar til skemmda á máli og stíl sögunnar.

B. **Meðferð efnis.** Meðferð sögunnar er á þá leið, að stórfelldar efnisbreytingar hafa verið gerðar á henni: a. Einstökum setningum er sleppt. b. Heilum köflum er sleppt, t. d. á einum stað 5 kapítulum. c. Einstakar setningar eru færðar til. d. Kaflar eru færðir til. e. Samdar eru setningar inn í textann, þar sem útgefanda hefur þótt nauðsyn til bera.

Allar þessar breytingar rýra stórlega efni sögunnar og breyta svip hennar, svo sem gerð var grein fyrir á fyrrnefndum fundi.“

Það mætti ætla, að dómur þessara vísu manna mundi hafa tekið af allan vafa um útgáfustarfsemi þessa, og útgefendur þeir, sem að þessu stóðu, byrjuðu ekki á nýjan leik á slíkri útgáfustarfsemi, en því er ekki að heilsa. Fyrir fáum kvöldum er það auglýst í Útvarpinu, að nú eigi að taka Njálu sömu tökum og Laxdælu og fara að gefa hana út, og það sem meira er um vert, að fullyrt er, að þetta sé gert með fullu samþykki núverandi menntamálaráðherra.

Njála er, eins og kunnugt er, talin eitthvert hið dásamlegasta listaverk að stíl, efni og málsmeðferð, sem nokkru sinni hefur verið fært í letur á íslenzku. Hún má ekki heldur sleppa hjá skemmdarverkum þessara manna. Vér, sem Njálu unnum, viljum með þessari þingsályktun sjá svo um, að þjóðinni gefist kostur á að eignast hana í ódýrri og vandaðri útgáfu, þar sem ekki finnist fingraför þeirra manna, sem allt vilja draga niður í sorpið og jafnvel þyrma ekki okkar dýrmætustu listaverkum eins og Njálu frá þeim örlögum.

## Ed. 691. Breytingartillögur

við frv. til l. um viðauka við l. nr. 39 28. jan. 1935, um breyt. á l. nr. 46/1941, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna.

Flm.: Bjarni Benediktsson.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Ríkisstjórninni er heimilt að ákveða, að frá 1. ágúst 1942 til jafnlengdar 1943 skuli greiða meðalmeðgjöf með óskilgetnum börnum eins og hún var ákveðin með auglýsingu félagsmálaráðuneytisins 10. sept. 1942, að viðbættri þeirri uppbót, sem ríkisstjórnin ákveður.
2. Við 2. gr. Greinin falli burt, og greinatalan breytist samkv. því.

## Ed. 692. Lög

um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur.

(Afgreidd frá Ed. 8. apríl).

Samhljóða þskj. 679.

## Sþ. 693. Tillaga til þingsályktunar

um undirbúning kaupa á löndum til nýbýlastofnunar.

Flm.: Sveinbjörn Högnason.

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina, að hún, í samráði við nýbýlastjórn ríkisins, undirbúi kaup á löndum, sem heppileg eru til nýbýlastofnunar.

Skal þess sérstaklega gætt, að samgöngur séu góðar, þar sem lönd þessi eru keypt, hægt sé að koma á stórfelldri, samfelldri ræktun með nýjustu tækjum og að möguleikar verði til að reisa sem flest býli samliggjandi.

Greinargerð.

Stöðugt er rætt og kvartað um það öfugstreymi, sem nú er í atvinnuháttum þjóðarinnar, er þeim fer stöðugt fækkandi, sem stunda landbúnað og setjast að í sveitum landsins, en bæirnir sumir vaxa með svipuðum hraða eins og gullnámubæir á sínum tíma, þar sem gullæðið og gulltrúin rændu fólk ráði og rökréttri hugsun. Og því verður ekki neitað, að það er harla alvarlegt fyrirbæri, að sá atvinnuvegur, sem jafnan mun reynast traustastur á að byggja hér eftir sem hingað til, að hann skuli dragast saman, en allt það óvissasta og stopulasta í atvinnulífi okkar sogar til sín alla fólksfjölgunina, og vel það, og myndaðar spilaborgir, sem eru eins fljótar að hrynja og þær eru að rísa. Þessa hættu finna allir og eins þeir, sem horfa með velþóknun á það, sem fram fer í þessum efnum.

Það er margt, sem veldur þessu öfugstreymi, og skal það ekki rakið hér. Aðeins skal á það bent, að fjöldinn af því unga fólki, sem úr sveitunum fer, á þess engan kost, eins og nú standa sakir, að fá sér jarðnæði og stofna sér heimili í átthögum sínum. Nýbýli þau, sem reist hafa verið undanfarið, fullnægja hvergi nærri þeirri

þörf, sem fyrir er, og því verður ekki heldur neitað, að unnið hefur verið allt of skipulagslaust að myndun þeirra fram til þessa, enda fjárframlög af mjög skornum skammti til þess. Æskilegast væri, að ríkið gæti fest eignarhald á nokkrum stórum, óræktuðum landsvæðum, sem vel liggja við samgöngum, og undirbúið þau í hendur ungra manna, sem vildu reisa nýbýli á þeim, með aðgengilegum kjörum. Má í því sambandi benda á, að svo að segja meðfram öllum þjóðveginum á Suðurlandsundirlendinu eru óræktuð lönd til beggja hliða, og mjög óvíða, sem byggð stendur við hann. Liggja þar svo verðmæt ræktunarlönd ónotuð, með svo góðum framtíðarmöguleikum, að það liggur við, að það sé þjóðinni til vandsæmdar að auglýsa svo framtaksleysi sitt og skilningsleysi á ræktun landsins fyrir öllum þeim, sem um þjóðvegu okkar fara. Það væri mjög æskilegt, að ríkið reyndi að fá umráðarétt yfir sem mestu af þessum löndum og léti undirbúa þau með nýtízku vinnubrögðum í stórum stíl til að reisa ný heimili, þar sem fólksfjölgun sveitanna gæti setzt að.

Þótt verið sé að reisa eitt og eitt nýbýli hér og hvar á sneið af öðrum jörðum, þá fullnægir það aldrei þörfinni, sem fyrir er, og auk þess fæst aldrei eins gott og hagkvæmt skipulag fyrir hina nýju byggð og fá má með því að taka stór landsvæði í einu til slíkra framkvæmda. Einnig verður miklu ódýrara að rækta lönd þessi, ef hagkvæmustu og stórvirkustu tæki er hægt að nota við það.

Hér er aðeins farið fram á, að möguleikar séu athugaðir til slíkra framkvæmda og undirbúningur hafinn af réttum aðilum í þessum efnum.

## Ed. 694. Frumvarp til laga

um veiting ríkisborgararéttar.

(Eftir 2. umr. í Ed.)

1. gr.

Ríkisborgararétt skulu öðlast:

1. Ágústa Pétursdóttir, til heimilis í Reykjavík, fædd í Reykjavík 9. febr. 1915.
2. Börge Axel Jónsson, matsveinn, til heimilis í Reykjavík, fæddur í Kaupmannahöfn 12. okt. 1911.
3. Delphine María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 23. maí 1887.
4. Edmunda María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Póllandi 24. okt. 1896.
5. Flaviana María, abbadís, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 28. des. 1890.
6. Hals, Anders Ingebrigt Johan, útgerðarmaður, til heimilis í Vestmannaeyjum, fæddur í Noregi 5. okt. 1908.
7. Henriette María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. febr. 1905.
8. Lioba María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. júní 1903.
9. Karóla María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 21. júní 1901.
10. Klothilde María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 27. febr. 1898.
11. Petersen, Axel Jakob, bókari, til heimilis í Reykjavík, fæddur í Danmörku 12. nóv. 1896.
12. Sætran, Þorsteinn Bertrand, rafvirki, til heimilis í Reykjavík, fæddur 26. okt. 1911.

13. Theodula María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 25. júlí 1887.
14. Timothea María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. sept. 1874.

2. gr.

Ef ríkisstjórnin telur nauðsynlegt vegna núverandi styrjaldarástands, er henni heimilt að lengja frest þann, er 4. mgr. 4. gr. laga nr. 64 28. jan. 1935 ræðir um, eða veita aðilum með öllu undanþágu frá skilyrði málsgr.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Sþ. 695. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 677 [Austurlandsbátur].

Frá Lúðvík Jósefssyni og Páli Zóphóníassyni.

Meginmál brtt. skal orða svo:

Alþingi felur ríkisstjórninni að láta byggja vandaðan strandferðabát fyrir Austurland af hæfilegri stærð og jafnframt að hefja undirbúning þess, að ríkið eignist hæfilega marga strandferðabáta, sem reknir verði í nánu sambandi við aðalstrandferðaskip ríkisins.

## Ed. 696. Nefndarálit

um till. til þál. um rannsókn á skilyrðum fyrir byggingu og starfrækslu æskulýðshallar í Reykjavík.

Frá minni hl. allsherjarnefndar.

Allshn. er einhuga um nauðsyn þess, að komið verði upp æskulýðshöll í Reykjavík til margs konar menningarlegra viðfangsefna fyrir æskulýð bæjarins og þann fjölda ungra manna og kvenna, er þar dvelja um stundarsakir. En meiri hl. nefndarinnar telur undirbúningsnefndina samkv. tillögunni svo mannmarga, að vísa þurfi till. frá umræðum með rökstuddri dagskrá. Ég get ekki fallizt á þá afgreiðslu, en kýs heldur að leggja til, að nefndarskipunin verði einfaldari og nefndarmenn aðeins fimm.

Ef fulltrúar æskulýðsfélaganna og bæjarstjórnar reynast hins vegar ekki þess umkomnir að framkvæma þá undirbúningsrannsókn, er till. ræðir um, eins og ég legg til, að hún verði orðuð, þá fyrst má leggja málið til hliðar í bili. Legg ég því til, að till. verði samþ. með þessari

BREYTINGU:

Tillgr. orðist þannig:

Efri deild Alþingis skorar á ríkisstjórnina að skipa 5 manna nefnd til undirbúnings byggingu æskulýðshallar í Reykjavík. Nefndin skal skipuð samkv. tilnefningu eftirtalinna aðila: Frá bæjarstjórn Reykjavíkur 2 menn, frá ungmennafélagi Reykjavíkur 1 maður og frá íþróttaráði Reykjavíkur 1 maður. Fimmta manninn skipar kennslumálaráðherra án tilnefningar, og er hann formaður nefndarinnar.

Alþingi, 8. apríl 1943.

Hermann Jónasson.

## Ed. 697. Tillaga til þingsályktunar

um orlof.

Flm.: Eiríkur Einarsson.

Efri deild Alþingis ályktar að fela ríkisstjórninni að leita álits allra sýslunefnda á landinu og einnig búnaðarsambandanna um það, á hvern veg almenningur til sveita telur bezt varið nokkrum greiðslum úr ríkissjóði, er veittar kynnu að verða til sveitanna sem réttindajöfnun við þau fríðindi, sem veitt eru með lögum um orlof. Skal þar sérstaklega spurzt fyrir um, hvort sveitafólki þyki hagkvæmara og réttara, að kynnisferðir verði styrktar með fjárframlögum úr ríkissjóði, eða þá, að þeim styrk um fríðindi til handa sveitafólki, í samræmi við það, er veitt hefur verið með lögum, verði varið til annars, svo sem menningarmála í sveitum, og þá tilgreint, á hvern hátt slíkt fengi sem bezt notið sín.

Er ríkisstjórninni falið að bera fram á Alþingi frumvarp, að fengnum þessum upplýsingum og í samræmi við þær.

Greinargerð.

Fyrir Alþingi því, sem nú á setu, hefur legið frumvarp um framlög til kynnisferða sveitafólks. Var frv. það svo leikið með alls konar breytingum og hrakningi milli þingdeilda, að öllu sló á dreif um aðstöðu til þess, og það einnig ýmissa þeirra manna, er vildu framgang frv., hefði það fengið að haldast án gagngerðra breytinga, en greiddu svo að síðustu atkvæði með rökstuddri dagskrá, er náði samþykki hér í Ed. og réð niðurstöðu málsins að þessu sinni.

Með því að framlög, er komi beint úr ríkissjóði og veitist sveitafólki til jafnvægis við orlofsréttinn, eiga fullan rétt á sér og hafa í rauninni verið nú þegar viðurkennd af Alþingi, þó að hrakningar, sem nefnt frv. sætti, yrðu valdandi þeirri niðurstöðu, er að ofan getur, en hins vegar óljóst um, hvernig almenningur til sveita telur slíkan styrk koma að hagfelldustum notum, þykir réttmætt að leita nú almenns álits réttra hlutaðeigenda um málefni þetta, svo að Alþingi geti betur áttað sig á allri aðstöðu til málsins, er það verður þar næst borið fram.

## Ed. 698. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 51 27. júní 1941, um breyt. á l. nr. 1 5. jan. 1938, um síldarverksmiðjur.

Frá minni hl. sjávarútvegsnefndar.

Nefndin gat ekki orðið sammála um afgreiðslu málsins. Meiri hlutinn (þeir IngP og GÍG) vildi samþykkja frumv. óbreytt og hefur skilað um það sameiginlegu áliti. Minni hlutinn getur hins vegar ekki fallizt á, að frumv., eins og það liggur fyrir, sé eðlileg, nauðsynleg eða æskileg breyting á lögunum um síldarverksmiðjur frá 1941. Aðspurður gat flm. frv. ekki lagt fram nein gögn, sem bentu til þess, að fyrir lægi skipting hreppsins eða að um það væru óskir hreppsbúa og sízt, að nokkurt samkomulag væri um það mál heima fyrir. Á meðan málið stendur þannig, sér minni hlutinn enga ástæðu til þess, að Alþingi sé að ýta undir skiptingu hreppa með óeðlilegri lagabreyting. Ef frumv. verður óbreytt að lögum, er gefið fordæmi um, að hámark verksmiðjugjalds verði miðað við sameiginleg útgjöld annarra hreppa en þeirra, er verksmiðjan stendur í, og telur minni hl., að rangt sé að gefa slíkt fordæmi og að þá sé eðlilegra að miða gjaldið við þarfir viðkomandi hreppa, en slíkri breyt-

ing verður ekki komið við lög nr. 51 frá 1941, heldur við lög nr. 1 frá 1938, enda miklu eðlilegra að gera nauðsynlegar breytingar við þau lög, fella meginmál laganna frá 1941 inn í þá breytingu og nema jafnframt lögin nr. 51 27. júní 1941 úr gildi.

Minni hlutinn leggur því til, að málið verði afgreitt með svo hljóðandi

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Með því að ekkert liggur fyrir um það, að íbúar í Presthólahreppi óski, að hreppnum sé skipt, eða jafnvel að æskilegt sé að skipta honum í tvo hreppa, og því síður, að nokkuð liggi fyrir um það, hvaða afleiðingar slík skipting mundi hafa á afkomu hinna nýju hreppa, ef hún yrði framkvæmd, sér deildin ekki ástæðu til annars en að Alþingi leiði málið hjá sér, þar til það hefur fengið meiri og eðlilegri undirbúning, og tekur því fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 8. apríl 1943.

Gísli Jónsson,
form., frsm.

## Sþ. 699. Tillaga til þingsályktunar

um launagreiðslu til skipverja af m/s Arctic.

Flm.: Hermann Jónasson, Guðmundur Í. Guðmundsson.

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórninni að greiða skipverjum á m/s Arctic, þeim, sem komu með skipið til Reykjavíkur 19. sept. 1942, að fullu kaup og áhættuþóknun samkv. ráðningarsamningi þeirra og stöðu á skipinu frá 14. apríl til 19. sept. 1942.

Greinargerð.

Fyrir tillögu þessari verður gerð grein í framsögu.

## Ed. 700. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 7 12. apríl 1928, um menntamálaráð Íslands.

Frá minni hl. menntamálanefndar.

Frumvarp það, sem hér ræðir um, er að ýmsu leyti óvenjulegt. Það er flutt af fulltrúa kommúnistaflokksins í menntamálanefnd. Það er fyrsta tilraun, sem kommúnistaflokkurinn gerir til að ná flokkslega í hendur sínar með almennri lagabreytingu valdi yfir ríkisstofnun, sem er byggð á grundvelli ýtrasta hlutleysis um stjórnmál og hefur frá upphafi og fram að þeim tíma, þegar frv. var flutt, verið um það bil eini reitur í þjóðlífi Íslendinga, þar sem fulltrúar stjórnmálaflokkanna hafa aldrei reynt að vinna að sérhagsmunum flokkanna. Síðan líða nokkrir mánuðir. Þá ber flutningsmaður frumvarpsins, Kristinn Andrésson, fram dagskrártillögu í því skyni að aflífa frv. og færir þá, eftir sinni getu, fram nokkur rök fyrir því, að málið eigi skilið að hljóta skyndilegan dauða og falla fyrir vopni þess manns, sem hafði gefið því lífið. Í heilagri ritningu er sagt frá illum konungi í Suðurlöndum, sem svipti lífi börn annarra manna og hlaut af því hryllilegt viðurnefni. Atferli hans var að vísu

mikið brot á lögum og manndómi. En þó virðist ótvírætt, að ábyrgðin er enn þyngri á þeim, sem leggja hönd á sín eigin afkvæmi, eins og Kristinn Andrésson gerir í þessu máli.

Frv. Kristins Andréssonar á þess vegna búinn bana fyrir tilverknað hans sjálfs. Ég hafði beitt mér gegn málinu, þegar það kom fyrst til umræðu í deildinni, en sé ekki ástæðu til að blanda mér frekar en orðið er í það, hversu kommúnistar granda hugsjónum sínum. En mér þykir rétt, við útför þess frv., sem má kalla frumgróður í löggjafarstarfsemi kommúnista, að gera allýtarlega grein fyrir upphafi menntamálaráðs, tilgangi þess og starfi og ástæðum til, að kommúnistar hafa hafið ófrið gegn þessari stofnun og stefna að því að hertaka hana og gera að flokksvirki, móti hagsmunum og tilveru þess þjóðskipulags, sem Íslendingar búa við.

Ég undirbjó skipulag menningarsjóðs og menntamálaráðs veturinn 1927—28 og fékk löggjöf þá, sem nú er í gildi um þetta efni að mestu leyti óbreytt, samþykkta á útmánuðum þá um veturinn með atfylgi þáverandi stjórnarflokka, Framsóknarflokksins og Alþýðuflokksins. Menningarsjóður átti að fá í sinn hlut allar sektir í sambandi við ólöglega meðferð og sölu áfengis. Menntamálaráð skyldi skipað fimm mönnum, kosnum með hlutfallskjöri á Alþingi eftir hverjar nýjar kosningar. Þingmenn gerðu ekki ráð fyrir, að menningarsjóður fengi tekjur, sem um munaði. Ef ég hefði þá farið fram á bein framlög úr ríkissjóði, jafnhá og meðaltekjur sjóðsins hafa orðið, mundi slík tillaga fráleitt hafa verið samþykkt 1928. Árið áður hafði Alþingi fellt tillögu, sem ég bar fram um, að Einar Benediktsson fengi skáldalaun, sem honum væru bjóðandi, fyrir árið 1927. Um svipað leyti hafði verið felld fyrir mér tillaga við fjárlög um að verja 3000 krónum á einu ári til að kaupa handa ríkinu málverk eftir Ásgrím Jónsson. Árið 1924 hafði vasklegasti fjáraflamaður landsins, Jón Þorláksson, sem þá var fjármálaráðherra, látið fella niður af fjárlögum smáupphæð, sem áður fyrr og raunar síðar var veitt til að kaupa myndir eftir íslenzka menn í væntanlegt listasafn.

Löggjöfin um menningarsjóð og menntamálaráð var þess vegna alger nýjung. Hún braut í bág við eldri hugsunarhátt um viðhorf til skálda, rithöfunda, náttúrufræðinga og listamanna. Þar komu ekki aðeins til greina þau fjárframlög af ríkisfé, sem um var að ræða, heldur hitt, að hér komu flokkarnir sér saman um að hafa hlutlaust samstarf og utan við venjulegar þingdeilur um þessa tegund andlegra mála.

Menntamálaráð og menningarsjóður höfðu yfir að ráða nýfengnum sjóðum til listaverkakaupa, rannsókna á náttúru landsins og til hagnýtrar bókaútgáfu. Auk þessara viðfangsefna hafði menntamálaráð á hendi úthlutun ókeypis farseðla milli Íslands og útlanda með skipum Eimskipafélagsins. Hafði mér eitt sinn tekizt að útvega andans mönnum og námsfólki þessi fríðindi, þegar Alþingi endurnýjaði skattfrelsi Eimskipafélagsins. Hafa mörg hundruð manna notið þessarar fyrirgreiðslu um ferðalög til útlanda, þar á meðal og alveg sérstaklega menn eins og Nordal, Páll Ísólfsson og Halldór Kiljan Laxness.

Fyrstu árin, sem menningarsjóður og menntamálaráð störfuðu, hafði Sigurður Nordal, fyrir atbeina Framsóknarflokksins, aðalforustu um bókaútgáfuna, var auk þess formaður menntamálaráðs og hafði þá forustu um listaverkakaup. Ekki er vitað, að á þeim árum hafi þess þótt þörf, að ráðið hefði einhvern tiltekinn málara eða myndhöggvara til að annast kaup á myndum fyrir sig. Þá, eins og jafnan síðan, starfaði ráðið ópólitískt og óhlutdrægt. Það hafði á hinum fyrstu missirum yfir að ráða allmiklu fé og keypti þá af helztu listamönnum landsins mörg prýðileg verk. Það sýndi listamönnum þá þegar ýtrustu umhyggju, svo sem með því að borga þeim fyrir fram nokkrar upphæðir vegna verka, sem þeir voru að starfa við. Hefur þessari reglu verið haldið síðan og aldrei komið að sök fyrir ríkið. Svo langt gekk umhyggja menntamálaráðs, að eftir að ég tók sæti í nefndinni, var ár eftir ár hlaupið undir bagga með málara, sem komið hafði sér upp húsi og vinnustofu, og keyptar af honum myndir til að forða því, að hús hans yrði tekið og selt öðrum eftir kröfu veðdeildar. Það má gagnrýna slíka framkvæmd frá sjónarmiði listanna, en ekki, ef litið

er á hinn þjóðlega tilgang menningarsjóðs, að efla þróun andlegs lífs á Íslandi, og að innan vissra takmarka þarf ekki einungis að hlúa að stóra gróðrinum, heldur líka kjarrinu, sem skýlir stærri trjánum. Á þeim árum, sem liðin eru síðan 1928, hefur ríkið eignazt mikinn fjölda mynda, sem eru nú geymdar og sýndar í húsum ríkisins, alþingishúsinu, stjórnarráðinu, ríkisstjórabústaðnum, skólum o. s. frv. Þegar myndlistarmenn höfðu í fyrsta sinn sýningu í hinum nýja skála sínum við hlið alþingishússins, kom í ljós, hve miklu menningarsjóður hefur áorkað fyrir þá og landið, því að mjög mikið af beztu myndum á sýningunni var lánað úr eigu ríkisins. Hvenær sem til þess kemur, að ríkið setur upp listasafn og byggir yfir verk íslenzkra málara og myndhöggvara, verður meginstyrkur þess frá fyrstu og annarri kynslóð listamanna kominn í eigu þjóðarinnar fyrir tilverknað menntamálaráðs.

Öllu lakar gekk með bókadeild menningarsjóðs. Fyrstu árin, meðan sjóðurinn hafði nokkurt fé milli handa, var töluvert gefið út af bókum, en án skipulags eða fyrirhyggju og án nokkurrar nýbreytni, sem um munaði. Mátti segja, að útgáfan hefði enga sérstaka þýðingu eða hlutverk, eins og hún var starfrækt. Liðu svo nokkur ár. Útgáfan safnaði skuldum í prentsmiðjunni, var gjaldþrota og í engu áliti á nokkurn hátt, þegar ég tók sæti í menntamálaráði eftir kosningar 1934.

Eftir að heimskreppan byrjaði, 1930, tóku hinar óvissu tekjur menningarsjóðs að rýna. Þorsteinn Briem var menntamálaráðherra 1932—34. Átti landið þá við að búa óhægan fjárhag, og reyndi stjórnin að koma víða við um sparnað. Lagði menntamálaráðherrann þá fyrir menningarsjóð að greiða af sínum litlu tekjum á nokkrum árum andvirði náttúrugripasafns þess, sem Alþingi keypti af vandamönnum Guðmundar heitins Bárðarsonar. Eitt af fyrstu árunum, sem ég átti sæti í menntamálaráði, voru tekjur stofnunarinnar svo rýrar, að lítið var hægt að gera um haustið nema kaupa myndir af tveimur málurum, sem talið var, að hefðu þess mesta þörf. Annar þeirra hefur á síðustu árum verið óábyrgur óvildarmaður þeirrar einu mannfélagsstofnunar, sem hafði sýnt honum mannlega umhyggju, þegar hann þurfti þess mest með.

Skömmu eftir að ég tók sæti í menntamálaráði, beitti ég mér fyrir því, að hafin yrði áskorunarstarfsemi meðal þess fólks, sem gat haft mestan hag af starfsemi menningarsjóðs, þar sem farið var fram á, að Alþingi tryggði sjóðnum 50 þús. kr. lágmarkstekjur. Alþingi varð vel við þessari málaleitun, og skapaði þessi lagabreyting menningarsjóði öruggari starfsskilyrði. Eftir að stríð hófst, hækkuðu tekjur sjóðsins til muna fram úr þessu lágmarki. Þegar ég varð formaður menntamálaráðs, 1934, hafði það úr að spila um 20 þús. kr. Þegar ég skilaði af mér formennsku í ársbyrjun 1943 í hendur Valtýs Stefánssonar, var í sjóði frá 1942 um 120 þús. kr. og von um 40—50 þús. kr., sem ekki voru enn inn komnar frá fyrra ári. Menntamálaráð það, sem starfaði án breytinga frá 1934—43, hafði ekki aðeins tryggt fjárhag menningarsjóðs og skilað fjárreiðum fyrirtækisins í góðu lagi, heldur hafði það og staðið fyrir algerðri ummyndun og endurreisn bókaútgáfunnar. Eins og fyrr er frá sagt, tók menntamálaráð það, sem kosið var 1934, við útgáfunni í algerðum rústum. Öll útgáfustarfsemi var hætt. Skuld við prentsmiðjuna nam tugum þúsunda. Samningar við bóksala þann, sem hafði aðalumboð fyrir bækur menntamálaráðs, voru óglöggir, og liðu mörg ár, þar til unnt var að ganga frá þeim reikningsskilum. Menntamálaráð fékk nú forstjóra Gutenbergs til að vera ráðsmann sinn viðvíkjandi fjármálum bókadeildar. Tókst honum á árunum 1938—42 að koma í verð hinum gömlu bókaleifum og lúka með andvirðinu gömlu prentsmiðjuskuldinni, sem menntamálaráð tók við 1934.

Jafnframt því, að menningarsjóður fékk öruggari starfsgrundvöll og festu í framkvæmdum, ákvað menntamálaráð að hefja bókaútgáfu að nýju og í nýju formi. Í stað þess, að menningarsjóður kæmi fram sem venjulegur forleggjari og keppti við aðra bókaútgefendur um viðfangsefni líðandi stundar, var nú afráðið að marka menningarsjóði ákveðið svið, stefna að því að koma upp kjarna að bókasafni á hverju heimili á landinu með því að safna föstum áskrifendum að félagsmannabókum og

gefa út eingöngu þær bækur, sem ætla mætti, að gætu haft varanlega þýðingu fyrir andlegt líf þjóðarinnar. Þjóðvinafélagið var ríkisstofnun með merkilegan tilgang og langa sögu. Það þótti óviðeigandi að hefja samkeppni við Þjóðvinafélagið. Í stað þess var leitað samstarfs við það, og tókst sú samvinna eftir alllangar samningaumleitanir. Þjóðvinafélagið hafði, þegar samstarfið hófst, um 1200 fasta félagsmenn. Tala áskrifenda Þjóðvinafélagsins og menningarsjóðs tífaldaðist á skömmum tíma og hefur haldizt óbreytt síðan. Þegar stjórnir Þjóðvinafélagsins og menntamálaráðs gengu frá áætlunum sínum skömmu áður en heimsstyrjöldin skall á, virtist einsætt, að fyrirtækið gæti látið viðskiptamenn sína fá 5—6 bækur árlega fyrir 10 kr. árgjald, með þeim fjárstyrk, sem menningarsjóður gat lagt í fyrirtækið af tekjum sínum.

Þjóðin fagnaði þessari nýju starfsemi menntamálaráðs. Fjölmargir áhugamenn víða um land söfnuðu áskrifendum fyrir útgáfuna með sjálfboðavinnu. Hefur sú velvild haldizt, og á útgáfan mikið að þakka útsölumönnum sínum og mörgum öðrum, er greitt hafa götu þeirra, sem stóðu fyrir framkvæmdum. Viðtökur almennings voru með þeim hætti, að slíks eru engin dæmi áður hér á landi. Það má heita, að öll þjóðin, að fráteknum flokksmönnum kommúnista, hafi borið þessa þjóðlegu útgáfu á höndum sér frá upphafi og til þessa dags.

Takmark menntamálaráðs var frá upphafi að mynda safn góðra bóka á hverju heimili. Reynslan sýndi, að hinn mikli viðskiptamannahópur gat bezt sameinazt um hin þjóðlegu verðmæti. Útgáfustjórnin sneiddi hjá öllum augnabliksbókum og þar með hjá allri samkeppni við venjulega bókaútgefendur, en stefndi að því að koma inn á hvert heimili nokkrum hluta þeirra bókmennta, sem efla þjóðerniskenndina, göfga smekkinn og fegra móðurmálið á vörum fólksins. Skömmu áður en breyting varð á skipun menntamálaráðs á yfirstandandi Alþingi, höfðu allir stjórnendur útgáfunnar, bæði úr menntamálaráði og Þjóðvinafélaginu, markað útgáfunni ákveðna braut og byggt þar á reynslu átta undangenginna ára. Halda skyldi áfram útgáfu á Sögu Íslands í tíu bindum, Andvara í því formi, sem hann fékk í höndum Jóns Sigurðssonar, Almanakinu með þáttum úr sögu þjóðarinnar, eftir að hún fékk stjórnfrelsi 1874, úrvali úr verkum helztu skálda þjóðarinnar frá síðari öldum og einkum eftir 1800, með skýringum og ævisögum skáldanna, svo að hver bók geti haft sjálfstæða þýðingu í höndum manna, sem ekki hafa stundað bókfræði sérstaklega. Þá vill útgáfan koma Heimskringlu Snorra Sturlusonar og Íslendingasögum í vandaðri heimilisútgáfu inn á hvert heimili og auk þess einu bindi af úrvals skáldritum heimsbókmenntanna á ári hverju. Hefur þar verið byrjað á einhverri fullkomnustu skáldsögu, sem rituð hefur verið, Önnu Kareninu eftir Tolstoj, í mjög vandaðri þýðingu eftir Magnús Ásgeirsson. Þegar því verki er lokið, skyldi fylgja Odysseifskviða í þýðingu Sveinbjarnar Egilssonar, sem er við hliðina á verkum Jónasar Hallgrímssonar undirstaða hinnar beztu meðferðar á móðurmálinu í höndum nútímamanna.

Ráðagerð sú, sem nú hefur verið lýst, er byggð á gaumgæfilegri athugun útgáfustjórnarinnar og í samráði við marga af áhugasömustu viðskiptamönnum hennar. Þannig hafa 100 kaupendur í einni byggð á Vesturlandi eindregið mælt með, að kaupendur fengju góða og handhæga útgáfu af Íslendingasögum og Heimskringlu sem félagsmannabók. Má segja, að það málefni liggi nærri Þjóðvinafélaginu, ef tekið er tillit til uppruna þess og hins þjóðlega tilgangs stofnendanna. Ljóðaúrvali útgáfunnar hefur verið prýðilega fagnað og það því fremur, sem slíkra bóka er að mestu eða öllu leyti vant á þúsundum heimila. Saga Íslands á 17. öld eftir dr. Pál Eggert er uppseld að kalla má á nokkrum vikum til áskrifenda, og var upplagið þó í 5000 eintökum. Sést bezt á því, að þjóðin aðhyllist stefnu útgáfustjórnarinnar um að gefa út þjóðleg fræði og þau rit, sem efla þjóðernistilfinninguna, smekk fyrir fögru máli og snjöllum bókmenntum.

Mitt í hinum almennu vinsældum menntamálaráðs hjá öllum þorra þjóðarinnar gægðist á einum stað grá hönd úr berginu með ryðgaða sveðju. Forráðamenn kommúnista hafa frá upphafi lagt mikla fæð á útgáfu menntamálaráðs. Liggja raunar til þess glögg rök. Kommúnistar stefna að því að koma á hér á landi stjórnskipulagi

því, sem nú er í Rússlandi, og að gera Ísland að deild eða hjálendu í þjóðafélagi ráðstjórnarríkjanna. Þeir hugsa sér alger umskipti í lífi Íslendinga, algera umbyltingu í stjórnarháttum, atvinnulífi, skipulagi heimilanna, stjórn landsins og þá ekki sízt í listum og bókmenntum. Kommúnistar hafa uppi þráláta sókn í þessum efnum. Þeir starfrækja umfangsmikla útgáfustarfsemi, sem samkvæmt skoðun flokksleiðtoganna getur vel verið deild í alþjóðlegri bókagerð bolsevikaflokksins. Þeir hafa safnað föstum áskrifendum að tímariti, sem kemur út nokkrum sinnum á ári með einhliða áróðri fyrir stefnu byltingarmanna. Auk þess láta þeir áskrifendum í té skrumkenndar bækur um ágæti bolsevikaskipulagsins í Rússlandi eða þýðingar á skáldsögum kommúnista í öðrum löndum. En til þess að lokka grandalaust fólk til að gleypa áróðursefnið láta þeir fljóta með einstakar hlutlausar bækur, svo sem nokkuð af ljóðum Stephans G. Stephanssonar, leikrit eftir Jóhann Sigurjónsson o. s. frv. Auðséð er þó, að ekki fylgir hugur máli í þessu efni, því að þessi bókmenntaútgáfa er ekki miðuð við þarfir almennings. Rit Jóhanns Sigurjónssonar áttu að koma út í vandaðri útgáfu, en fremur takmörkuðu upplagi, og gátu notið sín bezt með því móti. Úrvalið af ljóðum Stephans G. Stephanssonar var of stórt og hefur af þeim orsökum ekki náð tilgangi sínum. En þessir ágallar eru skiljanlegir. Leiðtogar kommúnista lita á útgáfur sínar af íslenzkum bókmenntum sem gróðafyrirtæki (Laxdæla, Hrafnkatla, Njála) eða auglýsingastarfsemi til að lokka nýja kaupendur til að kaupa áróðursrit þeirra. Vatnajökull Pálma Hannessonar, úrval af ljóðum Stephans G. Stephanssonar og leikritaútgáfa Jóhanns Sigurjónssonar eru veiðibrellur útbreiðslunefndar kommúnistaflokksins á Íslandi.

Það má segja, að árekstur hafi verið óhjákvæmilegur milli áróðursmanna bolsevikaflokksins og menntamálaráðs. Fyrir bolsevikum vakir að beygja Ísland og Íslendinga undir vald og áhrif hinnar rússnesku umbyltingastefnu. Menntamálaráð er stofnsett og hefur fram að þessu starfað á grundvelli hinnar þjóðlegu þróunar og einbeitt kröftum sínum að því marki að efla þjóðerniskennd Íslendinga og sjálfstæða íslenzka menningu.

Mér dettur ekki í hug að áfellast kommúnista, eins og stefna þeirra er, fyrir hatur þeirra á samstarfi menntamálaráðs og Þjóðvinafélagsins. Hver sú stofnun á Íslandi, sem eflir þjóðernistilfinningu og sjálfstæðishneigð Íslendinga, er háskaleg í augum þeirra manna, sem ætla að leggja í rústir menningar- og stjórnskipulag það, sem þjóðin hefur skapað og búið við í meira en tíu aldir.

Kommúnistaflokkurinn íslenzki hefur á undanförnum árum leitað að hverri smugu, þar sem unnt var að koma við áróðri fyrir stefnu byltingarsinna. Málsvarar kommúnista hafa boðizt til að gera allt fyrir alla. Framleiðendur áttu að fá hærra vöruverð, verkamenn og launamenn hærra kaup og styttri vinnutíma. Kommúnistar klufu félag, sem hjálpaði blindu fólki, og mynduðu sérdeild blindra manna undir merki flokksins. Að lokum sáu kommúnistar sér leik á borði að skipuleggja skáld, listamenn og rithöfunda í kaupkröfufélög. Það varð sérstök deild með sínu eigin skipulagi. Þar var líka lofað meiri peningum — úr ríkissjóði.

Kommúnistar hafa sótt á að vera óábyrgir um alla hluti, til að geta sem lengst haldið fylgismönnum sínum við á tyllivonum. Að lokum brást þeim bogalistin, að lofa án efnda. Það er fyrsta óhapp kommúnismans á þeim vettvangi. Það óhapp er tengt við kaupkröfufélag rithöfunda og listamanna, og verður síðar að því vikið.

Kommúnistar beittu fyrir plóginn í þessu efni Jóhannesi úr Kötlum, Sigurði Thorlacius, Þórbergi Þórðarsyni, Þorvaldi Skúlasyni, Gunnlaugi Scheving og Jóni Þorleifssyni. Aðstaða allra þessara manna var þannig, að í fljótu bragði gat talizt fávænlegt fyrir þá að taka þátt í kaupkröfufélagsskap, þar sem jafnt var heimtað fyrir dagsverkið, eins og þegar unnið er við að hræra steinlímsblöndu.

Menntamálaráð og allir aðrir sæmilega skynbærir menn í þjóðfélaginu litu á mál þetta frá gagnólíku sjónarmiði. Þeir töldu, að listum og skáldskap yrði ekki bjargað með kaupkröfufélagsskap. Afrek í listum og bókmenntum eru verk einstaklinga, en ekki hópa. Enginn kaupkröfufélagsskapur getur gefið Ásmundi Sveinssyni

andlega orku til að láta Þvottakonu sína standast samanburð við Kristsmynd Thorvaldsens. Ekki er heldur með utanaðkomandi stuðningi hægt að láta togaramynd Þorvalds Skúlasonar keppa við Skógarhöll Kjarvals.

Sú stefnubreyting, sem menntamálaráð hafði valdið í vil íslenzkri list, var heilbrigð og þýðingarmikil: að hlynna mest að þeim listamönnum, sem sýndu í verki, að þeir höfðu í sér fólginn eld sköpunargáfunnar. Hver ný kynslóð varð að sýna mátt sinn í verki. Einstaklingurinn og afburðir hans var aðalatriðið, en hópfylgið og flokkskrafan sálardrepandi fyrir hvern listamann, sem er einhvers virði.

Kommúnistum tókst með áróðri og vonum um meiri tekjur úr landssjóði að safna nokkrum rithöfundum, skáldum og myndlistarmönnum í stéttarfélag. En eftir því sem leiðtogar þessa félags sköpuðu meiri háreysti, varð minna og minna um afrek hins nýja kynstofns. Fyrir einum áratug voru hér starfandi í víngarði listarinnar Einar Jónsson, Ríkarður Jónsson, Ásgrímur Jónsson, Kjarval og Jón Stefánsson. Þeir höfðu engan félagsskap með sér til að krefja fjár af öðrum. Þeir unnu hver á sínu sviði og hafa auðgað þjóð sína með miklum fjölda ágætra listaverka. Nú bjóða kommúnistar fram fyrir hina nýju listmennt sína Þorvald Skúlason, Jón Engilberts, Nínu Tryggvadóttur, Gunnlaug Scheving og Snorra Arinbjarnarson. Ef litið er yfir hóp skáldanna á miðjum stríðstímanum í hinni fyrri heimsstyrjöld, þá voru uppi Matthías Jochumsson, Stephan G. Stephansson, Einar Benediktsson, Einar Kvaran, Guðmundur Friðjónsson, Jón Trausti, Guðmundur Guðmundsson og Hannes Hafstein. Þorsteinn Erlingsson og Þorgils gjallandi voru nýlega fallnir í valinn. Í stað þessara afreksmanna leggur flokkur kommúnista á metaskálina Halldór Kiljan, Jóhannes úr Kötlum, Ólaf Sigurðsson, Þórberg Þórðarson og Friðrik Brekkan. Reynslan sker úr, hver uppskeran verður, eftir að kaupkröfufélagið hefur ráðið aðgerðum í listum og bókmenntum í nokkur ár og samanburður er gerður við kynslóðina, sem stóð í fararbroddi á tímum hinnar fyrri heimsstyrjaldar.

Elzti núlifandi listamaður þjóðarinnar, Einar Jónsson myndhöggvari, hefur sagt sem lífsskoðun sína, að því aðeins geti mikið listaverk skapazt, að höfundurinn muni ekki eftir, að til mála geti komið, að hann fái fyrir það peninga. Það er enginn vafi á, að þessu er svo varið. Öll beztu skáld og listamenn Íslendinga hafa starfað sér til hugarhægðar að stórvirkjum sínum, en ekki til fjár. Bjarni Thorarensen hefur áreiðanlega ekki látið sér koma til hugar að fá peninga fyrir Sigrúnarljóð né Jónas Hallgrímsson fyrir Gunnarshólma. Um Einar Benediktsson er vitað, að þótt hann væri oft aðdráttarmaður í fjármálum, þá hélt hann skáldskap sínum eingöngu á leiðum óeigingjarnra hugsjóna.

Kommúnistar hafa gert þjóðinni mikið tjón með tilraunum sínum að skipuleggja listamenn og rithöfunda á sama hátt og meðlimi blindrafélagsins. Með því að draga hugi félagsmanna alveg sérstaklega að kaupkröfufélagsskap og frekjukenndum fjáraflaplönum hafa þeir stýft vængi þeirra, sem enn áttu eftir að þroskast. Og um hina eldri menn, sem lent hafa á vegum kaupkröfuforkólfanna í sambandi við listir og skáldskap, þá hefur þeim stórlega hnignað. Þórbergur Þórðarson hefur í höndum þessa félagsskapar lækkað á þrepum bókmenntanna frá Bréfum til Láru og niður að Eddu sinni og Ofvitanum, Laxness, sem hafði til brunns að bera óumdeilanlega hæfileika sem skáld, vitnar nú fyrir Stalin eins og herkerling á strætamótum. Gunnlaugur Scheving var efnilegur málari, og eru til eftir hann álitlegar myndir frá fyrri árum. En á vegum kommúnista hefur þróttur hans dvínað með ári hverju. Skýringin er auðfengin. Listamaður, sem lætur kaupkröfufélagsskap velja sér hugsjónir og viðfangsefni, er kominn víðs fjarri frá ódáinsvöllum listanna.

Í móðurlandi kommúnismans er list og skáldskapur þjóðnýtt. Enginn rithöfundur eða listamaður fær grið lífs og lima í Rússlandi, ef hann er andvígur einræði bolsevika. Skoðanakúgun stjórnarflokksins er alger og ótakmörkuð og í miklu ósamræmi við kveinstafi íslenzku bolsevikanna út af því, að þeir hafi ekki nóg frelsi hér á landi. Valdhafar Rússlands nota þau skáld og þá rithöfunda, sem

nauðugir eða viljugir beygja kné sín fyrir stjórnarflokknum, til að skemmta fólkinu. Skáldin, rithöfundarnir og myndgerðarmennirnir eru þess vegna embættismenn eins og lögregluþjónar í vestrænum löndum. Rússneska ríkið notar þessa svokölluðu andans menn til að forða almenningi frá of miklum leiðindum. Sitt á við í hverju landi. Þó að kommúnistar séu ekki nema lítið flokksbrot á Íslandi, vilja þeir í sem flestu semja sig að siðum stallbræðra sinna í Rússlandi. Það hefur verið föst stefna íslenzka kommúnistaflokksins að halda Bandalagi íslenzkra listamanna undir áhrifum flokksins, láta sem flesta félagsmenn vinna að eflingu hinna rússnesku áhrifa, en íslenzka ríkissjóðinn borga launin. Þegar málið er krufið til mergjar, sést, að hér fara ekki saman hagsmunir kommúnistaflokksins og íslenzka ríkisins. Kommúnistar vilja ráða yfir sem allra flestum skáldum og listamönnum, eins og rússneska stjórnin ræður yfir sams konar fólki í sínu landi. Þeir vilja láta líta á félagsmenn þessa bandalags sem fasta starfsmenn ríkisins, en láta þá vinna að upplausn ríkisins og þeirra hugsjóna, sem lýðræðisskipulag Vesturlanda byggist á. Mesta tjón íslenzku þjóðarinnar í sambandi við þessar aðgerðir kommúnista er, að þeir sæfa og eyðileggja uppvaxandi efnismenn, sem byrja að trúa því, að framtíðargengi þeirra sé bundið við kaupkröfufélagsskapinn, en ekki við afrek einstaklingsins. Sem betur fer, sjá fleiri og fleiri rithöfundar og myndlistarmenn með degi hverjum, hvar hin rétta leið liggur í þessum efnum. Þeir vilja ekki fjötra list sína í viðjum hinnar austrænu skoðanakúgunar.

Kommúnistar hugðust að vinna mikinn sigur nú í vetur, bæði með því að bæla menntamálaráð undir sig og ná auk þess ríflegum fjárhæðum úr ríkissjóði handa einstökum mönnum í kaupkröfufélaginu. Þeir létu Kristin Andrésson flytja frumv. um, að níu menn skyldu vera í menntamálaráði, fimm kosnir eins og hingað til af Alþingi, en fjórir valdir af Bandalagi íslenzkra listamanna. Flutningsmaður sagði, að bezt færi á, að bandalagið hefði á hendi öll störf menntamálaráðs, en um stundarsakir mætti sætta sig við þessa umbót. Dæmið var reiknað þannig, að bandalagið mundi velja fjóra kommúnista og þingflokkurinn fá eitt af sætum hinna fimm þingkjörnu. Með þessu móti átti kommúnistaflokkurinn að geta ráðið einn öllu í menntamálaráði, án þess þó að bera ábyrgðina á gerðum sínum opinberlega. Auðséð var, að flutningsmaður bjóst við, að þingmenn borgaraflokkanna mundu ekki sjá möskvana í þessu illa riðna neti kommúnistanna. Frumvarpinu var fremur illa tekið í þinginu. Lá það mánuðum saman í nefnd, þar sem flutningsmaður átti sæti. Að lokum brá svo við, undir þinglok, að Kristinn Andrésson tók rögg á sig, skilaði stuttu áliti um málið og bar fram dagskrá, þar sem lagt var til að fella frumvarpið. Munu þess engin dæmi í þingsögu Íslendinga, að flutningsmaður frumvarps hafi grandað sínu eigin hugsjónamáli.

Kommúnistar höfðu hinn mesta hug á að ná álitlegum fjárhæðum handa sínum mönnum í sambandi við fjárlögin og helzt að koma sem flestum þeirra í 18. gr. Við 2. umr. báru talsmenn þeirra fram tillögu um að bæta um 30 skáldum, listamönnum og rithöfundum í 18. gr. með tilteknum fjárhæðum. Mjög var þar skipt með nýstárlegum hætti. Laxness átti að fá 5000 kr., Davíð Stefánsson 4000, en Guðmundur Friðjónsson og Guðmundur Hagalín enn lægri upphæðir og mörg önnur góðskáld þar fyrir neðan. Úrvals myndlistarmenn, eins og Ásgrímur, Jóhannes Kjarval, Jón Stefánsson og Ríkarður Jónsson, áttu að vera rúmlega hálfdrættingar í samanburði við Laxness. Glögglega sást hér, hvert kommúnistar stefndu, en þrátt fyrir það studdu nokkrir menn úr borgaraflokkum þessa tillögu. Gísli Sveinsson gegndi þá störfum forseta í sameinuðu þingi og vísaði tillögunni frá af formlegum ástæðum, eftir bendingu Péturs Magnússonar bankastjóra. Ekki kunnu kommúnistar þessu vel og lögðu til atlögu í annað sinn til að koma liði sínu á föst landssjóðslaun. Gerðu þeir nú tillögu, sem nefnd var „klumpurinn". Var hún þess efnis, að 16 rithöfundar og myndlistarmenn skyldu fá 4000 kr. hver í 18. gr. Kommúnistar urðu nú að brjóta odd af oflæti sínu og láta alla í þessum hópi vera jafna. Í stað þess lögðu þeir stund á að koma sem flestum af sínum vinum í þessa úrvals aðstöðu. Hina and-

ans mennina átti að láta vera á vegum guðs og gaddsins. Það var talið víst, að tveir af kunnustu mönnum kommúnista, Halldór Laxness og Þórbergur Þórðarson, mundu ekki komast með svo mikið sem eina krónu gegnum atkvæðagreiðslu í þinginu, enda var þá nýlega út komin níðgrein Halldórs um sveitirnar og sveitamenn. Ég fór fram á við Harald Guðmundsson, sem stýrði fundi í það sinn, að hver af hinum sextán mönnum væri borinn undir atkvæði sér í lagi, því að mjög væri ólíkt um vinsældir og traust manna í hópnum. Hann neitaði þessum tilmælum og lagði „klumpinn" fram í einu lagi, og var þetta eftirlæti við kommúnista byggt á veikum rökum. En „klumpurinn" féll með nokkrum atkvæðamun. Flestir framsóknarmenn og meiri hluti sjálfstæðismanna stóðu móti þessari breytingu, sem var vanhugsuð, óundirbúin og brot á áður tekinni stefnu þingsins, að halda þessum styrkjum utan við venjuleg þingmál. Með „klumpinum" voru 10 kommúnistar, 7 alþýðuflokksmenn og þýðingarlitlir útkantamenn eins og Gunnar Thoroddsen og Sigurður Bjarnason frá Ísafjarðardjúpi.

Meðan þessu fór fram, höfðu nokkrir af þeim mönnum úr tveim stærstu flokkum þingsins, sem áður fyrr höfðu átt þátt í að flæma grenjaskytturnar burt úr þinghúsinu, komið sér saman um nýja leið að því er snerti bráðabirgðaskiptingu á fé til skálda og listamanna: að láta þá í þetta sinn skipta sjálfa milli sín veraldargæðunum. Óróamennirnir úr þeirra hópi höfðu á undanförnum árum hamazt á móti skiptingu menntamálaráðs, án þess að geta komið með rökstudd dæmi um missmíði á verkum menntamálaráðs. Nú hafði talsmaður kommúnista í efri deild, Kristinn Andrésson, lýst yfir í þingskjali, að langbezt færi á, að félagar í Bandalagi íslenzkra listamanna skömmtuðu sér sjálfir launin af landsfé. Þegar skiptingarmálið kom til umræðu í fjárveitinganefnd, bar ég fram tillögu um, að þeim 100 þús. kr., sem stjórnin hafði lagt til, að varið yrði til skálda- og listamannalauna, skyldi af menntamálaráði skipt milli fjögurra deilda bandalagsins. Síðan skyldu félagsmenn í hverri deild velja úr sínum flokki menn til að standa fyrir skiptingunni milli einstakra deildarmanna.

Hér var af minni hálfu sýnd sérstök umhyggja og nærgætni við hið nýja kaupkröfufélag. Forustumenn þess höfðu áfellt mig og starfsbræður mína í menntamálaráði fyrir skiptingu undangenginna ára. Nú bauð ég fyrir mitt leyti, að 100 þús. krónur yrðu lagðar í lófann á sjálfkjörnum trúnaðarmönnum hins nýja verkamannafélags og þeim boðið að skipta fénu í kristilegum bróðurhug og með fyllsta réttlæti.

Varla hafði ég borið fram tillögu mína, þegar fulltrúar kommúnista í fjárveitinganefnd, Lúðvík Jósefsson og Þóroddur Guðmundsson, hófu mótmæti gegn því, að bandalagsmenn skiptu sjálfir ríkisverðlaununum. Höfðu þeir hörð orð um, að með þessu væri skáldum og listamönnum sýnd óvirðing. Engin rök gátu þeir fært fyrir þessum framslætti. Þegar tillagan var borin undir atkvæði, voru með henni sjálfstæðisfulltrúarnir þrír, Pétur Ottesen, Sigurður Hlíðar og Þorsteinn Þorsteinsson, og við Helgi læknir Jónasson. Móti tillögunni voru báðir kommúnistarnir, Finnur Jónsson og Páll Zóphóníasson. Tillagan kom frá meiri hlutanum til atkvæðagreiðslu.

Nú byrjaði frá hálfu kommúnista flóttinn frá ábyrgðinni. Ég lagði til, að félagsdeildirnar skiptu sjálfar og fulltrúar frá hverri deild færu með þennan trúnað. Lengra var ekki hægt að ganga í sanngirni frá minni hálfu. En kommúnistar þorðu ekki að láta félagsmenn taka á sig vandann að skipta fénu og áttu þátt í því, að borin var fram tillaga, sem síðan var samþykkt, um að þeir, sem skiptu fénu í hverri deild, þyrftu ekki að vera listamenn eða skáld. Fyrsta afneitun ábyrgðar kom fram í mótmælum kommúnista í nefndinni. Önnur afneitun, þegar ekki var þegið, að bandalagsmenn einir önnuðust fjárskiptin milli félagsmanna, heldur mætti fá til þess utanfélagsmenn. Þetta var sérstaklega mikill ósigur fyrir Jón Þorleifsson, Þorvald Skúlason og Jóhann Briem, sem höfðu átt þátt í að skrifa Alþingi á þá leið, að engir nema listamenn hefðu vit á listaverkum, og að það væri jafnfráleitt að láta venjulega borgara velja listaverk eins og ef blindir menn væru settir til að dæma um leshæfni bóka. Samkvæmt þessari kenningu hlutu bandalagsmenn að viðurkenna yfirburði sína til að ráða fram úr málunum, er snertu hæfni þeirra og getu.

Þegar þessi tillaga kom inn í þingið, risu fulltrúar kommúnista og alþýðuflokksmenn, að frá töldum Emil Jónssyni, gegn henni, auk sárfárra manna úr öðrum flokkum. En hún var samþykkt, því að meiri hluti þingmanna vildi fyrir hvern mun forðast að fá grenjaskytturnar í sambandi við skálda- og listamannalaun með eril sinn inn í þingið. Auk þess mun ýmsum þingmönnum hafa þótt fróðlegt að sjá, hversu fjárskiptin færu vel úr höndum bandalagsmanna, þó að ekki væri nema eitt ár.

Kommúnistar kviðu því mest, ef þeim og þeirra mönnum yrði fenginn í hendur sjóður til útbýtingar milli bandalagsmanna, ef hann væri ekki ríflegri en menntamálaráð hafði fengið handa á milli. Var þess vegna, í samráði við forsprakka þeirra, borin fram tillaga um að veita sérstaklega 20 þús. kr. til fræðimanna, og skyldi menntamálaráð úthluta því fé. Heildarupphæðin, 100 þús. kr., sem bandalag listamanna og rithöfunda fékk í sínar hendur, var hærri en menntamálaráð hafði haft yfir að ráða. Nú var bætt við 20 þús. kr. og fræðimenn teknir út úr. Var þá sýnilega hægra fyrir kommúnista að fá hækkaðar fjárhæðir handa gæðingum sínum. Kommúnistar samþykktu umyrðalaust, að menntamálaráð skipti fé milli fræðimannanna. Bar það vott um, að lítil alvara hefði fylgt ásökunum í garð menntamálaráðs áður fyrr. Ekki bætti það málstað bandalagsmanna, að sumir þeirra héldu því fram, að trúnaðarmenn þeirra bæru ekki nægilega skyn á fræðimennsku til að úthluta fé til þess háttar manna. En þá leiddi af sjálfu sér, að í menntamálaráði skorti ekki hæfileika til að leysa þann vanda af höndum, úr því að þeirri nefnd var umyrðalaust falinn þessi trúnaður.

Menntamálaráð hélt nú fund og skipti 100 þús. kr. milli deilda bandalagsins. Voru lögð til grundvallar skipti milli manna í þessum deildum síðast, þegar Alþingi deildi þessu fé, og síðasta skipting menntamálaráðs. Deildir skálda, rithöfunda, myndlistarmanna, tónlistarmanna og leikara fengu hver sinn skerf. Síðan leið alllangur tími þannig, að ekki fréttist af skiptunum. Tvær minnstu deildirnar, leikarar og tónlistarmenn, urðu fyrst búnar. Leikarar lögðu mestalla upphæðina í sjóð til eflingar leiklist. Þessi meðferð fjárins er ólögleg og getur ekki staðizt, því að fjárlögin mæla beinlínis svo fyrir, að þessi fjárhæð sé veitt til einstakra manna. Ef leikarar vilja leggja féð í sjóð, verða þeir fyrst að skipta því milli ákveðinna manna og þeir að gefa það sem persónulegt framlag í sjóðinn. Auk annars sýndi þessi ráðstöfun, að fjárbænir kaupkröfufélagsins voru ekki byggðar á veruleika. Litlu síðar skiluðu tónlistarmenn sínum skiptingarlista og höfðu svo að segja nákvæmlega fetað í spor menntamálaráðs. Sást af því, hve vel tónlistarmönnum hafði líkað forusta menntamálaráðs um málefni þeirrar listgreinar.

Hinir órólegu talsmenn stéttarsamtaka myndlistarmanna höfðu vanþakkað manna mest starfsemi menntamálaráðs. Mátti nú búast við, að þeir yrðu viðbragðsskjótir og sýndu ráðdeild og dug við fjárskiptin. En það fór á annan veg. Fundur var haldinn í deildinni, þar sem hinir raunverulegu listamenn annaðhvort komu ekki eða létu lítið á sér bera nema Kjarval. Umræður urðu allmiklar, og reyndist Kjarval jafnsnjall í ræðum um gildi kaupkröfusamtakanna eins og þegar hann málar bezt á Þingvöllum. Engin niðurstaða varð á fundinum, og engin nefnd kosin í fjárskiptin. Í þess stað átti Jón Þorleifsson þátt í því, að menntamálaráði var skrifað bréf í sama tón og þegar lítið barn togar í klæðafald móður sinnar og sífrar keipa sína. Bænarbréfið gekk í þá átt að leita til menntamálaráðs um meiri peninga. Þessi aðferð var óvenjulega grunnfærnisleg. Þeir myndgerðarmenn, sem beitt höfðu sér fyrir kaupkröfufélagsskap í þessu efni, höfðu hvað eftir annað sent Alþingi orðljótar kvartanir um menntamálaráð, en ætíð látið röksemdir vanta. Menntamálaráð hafði jafnan haft minna fé úr að spila til skipta en bandalagið fékk frá Alþingi. Nú hafði menntamálaráð engin fjárráð í þessu skyni. Alþingi hafði aðeins beðið ráðið að skipta milli deildanna. Jón Þorleifsson og félagar hans gátu ekki bent á neitt ósamræmi í skiptingunni, og fulltrúi kommúnista í menntamálaráði, Kristinn Andrésson, átti sinn þátt í skiptingunni, enda var hún samþykkt af öllum menntamálaráðsmönnum.

Þessi framkoma hinna órólegu forsprakka kaupkröfusamtakanna sýndi, að þeir

trúðu ekki á sjálfa sig, að þeir kunnu ekki að vinna skipulega að félagsmálum, að kröfugirni þeirra til ríkissjóðs var langt úr hófi fram, og að þrátt fyrir allt, sem á undan var gengið, treystu þeir menntamálaráði bezt að hafa forsjá fyrir þeirra hönd, þegar mest reyndi á. Margar vikur eru liðnar síðan myndlistardeildin fékk skiptingarmálið í sínar hendur. En ekki hefur frétt borizt um, að nefnd hafi verið kosin í þessu skyni, hvað þá að skipti hafi farið fram.

Ef svo má að orði kveða, að hinir órólegu fulltrúar myndlistarinnar hafi lítt kunnað að fara með hið skjótfengna fullræði, þá reyndust sjálfstjórnarmöguleikarnir enn minni í fylkingu skáldanna. Að vísu kusu þeir skiptingarnefnd þriggja manna: Barða Guðmundsson, Kristin Andrésson og Magnús Ásgeirsson. Hér kom ljóslega fram tvennt: að í hugum hinna kröfufreku forsvarsmanna stéttarsamtakanna var menntamálaráð alltaf mesta bjargráðið, úr því að taka þurfti þaðan tvo af þrem til skiptanna. Og annar menntamálaráðsmaðurinn, Barði Guðmundsson, hafði á undangengnum mánuðum orðið að verja heiður sinn sem trúnaðarmaður landsins í menntamálaráði móti ósvífnum og rætnum dylgjum frá forsprökkum kaupkröfusamtakanna. Hafði Barði Guðmundsson þá gengið fram fyrir skjöldu og hnekkt árásum kommúnista, er snertu málefnameðferð hans í menntamálaráði, með glöggum rökum. Auk þess höfðu Barða Guðmundssyni ofboðið svo mjög ósannindi eins af þingfulltrúum kommúnista nú í vetur um starfsemi menntamálaráðs, að hann bað þingmann, sem átti sæti í efri deild, þar sem málarekstur þessi gerðist, að skila því, að hann mundi hefja málsókn út af hinum ósönnu ummælum. Sá þingmaður kommúnista, sem hér átti hlut að máli, lét þá prenta ræðuna og felldi úr henni dylgjurnar, svo að málsóknin féll niður. En eftir þessa herferð að Barða Guðmundssyni, leituðu skáldin þó til hans um að vera þeirra skjól og skjöldur við fjárskiptin. Jafnhliða þessu kom í ljós, að skáldin treystu sér ekki til að handleika ríkissjóðsframlagið. Má telja víst, að óskin um, að ekki þyrftu félagsmenn í deildum bandalagsins að vera einir um úthlutunina, hafi verið komin frá skáldum kommúnista, sem hafi álitið, að þeim hentaði bezt, þá sem endranær, að vera ábyrgðarlausir.

Um starf þessarar nefndar er ekki enn komin skýrsla opinberlega, en svo mikið vita menn, að hún á við mikla erfiðleika að etja. Kommúnistar heimta, að þeirra menn séu leiddir innstir í kór og látnir hafa ríflegastan skerf af fénu. Á sama hátt er lögð áherzla á, að Davíð Stefánsson og þeir nafnar, Guðmundur Friðjónsson og Guðmundur Hagalín, séu í sem mestri fjarlægð frá öndvegishöldum kommúnista. Davíð Stefánsson á einna minnst upp á pallborðið hjá kommúnistaklíkunni. Þeim leikur öfund á vinsældum hans hjá þjóðinni og hata hann fyrir að vera óháður listamaður, sem treystir skáldmennt sinni, en ekki kaupkröfufélagsskapnum. Óvild sumra þessara manna gegn Davíð Stefánssyni fyrir það, að hann ann meira frelsi sínu en fjárvonum, hefur leitt til þess, að honum hefur verið heitið sérstökum refsiaðgerðum, hverjar sem efndirnar verða.

Barátta kommúnista gekk fyrst og fremst út á það að fá meira fé en áður var handa félagsmönnum í bandalaginu og í öðru lagi að fá að handleika peningana sjálfir við fjárskiptin. Það kom í ljós, að ein deildin vildi alls ekki sjá þessa peninga og lagði þá í sjóð. Önnur deildin fetar í vinnubrögðum sínum algerlega í spor menntamálaráðs. Þriðja deildin neitar að skipta, en biður menntamálaráð um meiri peninga og forsjá. Fjórða deildin tekur tvo menntamálaráðsmenn af þrem til skiptanna og getur þó ekki lokið verkum á eðlilegum tíma fyrir sérkröfum kaupkröfumannanna. Má fullyrða nú þegar, að tiltrú almennings í landinu á sjálfstjórnarhæfileikum bandalagsins um það, sem kalla má veraldleg málefni, hafi ekki aukizt við tilraun þá, sem fjárveitinganefnd lagði til, að þingið gerði í þessu efni.

Nú víkur sögunni til forkólfa myndgerðarmanna. Þeir hafa líka háð sína baráttu. Meðan aðalfundur bandalagsins var haldinn í haust sem leið, undir „vernd" Sveins Björnssonar á Bessastöðum, höfðu Jón Þorleifsson, Jóhann Briem og Þorvaldur Skúlason efnt fyrir bandalagsins hönd til málverkasýningar í Oddfellowhúsinu, að verulegu leyti gamlar og vel gerðar myndir eftir hina betri listamenn. Auk

þess voru þar nokkur klessumálverk til sýnis og sölu. Kjarval átti eina mynd á sýningunni. Virðist hann hafa skemmt sér við að gera þá mynd eftir forskriftum forkólfa stéttarfélagsins til að sýna með þögninni, að hann stæði frjáls og óháður eins og fyrr. Brá nú svo við, að Kjarval, sem hafði selt fagrar og dýrar myndir í tugatali í sumar sem leið á sýningu sinni, fékk ekkert boð í kaupkröfumyndina, enda fráleitt ætlazt til þess. Ekki gekk betur fyrir þeim málurum, sem áttu hnignunarmyndir á sýningunni. Fólki þóttu myndir þeirra leiðinlegar og vildi ekki kaupa þær, þó að kaupgeta manna væri óvenjulega mikil. Heldur mun þeim félögum, Jóhanni Briem, Jóni Þorleifssyni og Þorvaldi Skúlasyni hafa þótt ómaklega skipt þessa heims eftirlæti, þegar Freymóður Jóhannsson seldi um 20 landslagsmyndir háu verði í skemmuglugga Haralds sömu dagana og hinir fésterku Reykvíkingar hristu höfuðin yfir listaverkum þeirra í Oddfellowhúsinu. Fólk virti við Freymóð að leita eftir fegurð og misvirti við hina þóttafullu stéttarbræður hans, að þeir skyldu leita eftir ljótleika.

Síðan þetta gerðist, hefur margt breytzt í heimi íslenzkrar myndgerðar. Mikill og vel lýstur sýningarskáli hefur verið byggður á lóð þinghússins, þar sem þingbúð eða höfuðstaðarheimili aðkominna þingmanna hefði átt að rísa. Í skála þessum er nú almenn listasýning, sem er að mörgu leyti merkileg og þýðingarmikil fyrir margra hluta sakir. Fyrsti kostur þessarar sýningar er það, að hún ber þess vott, að kommúnistaklíkan í félagi myndlistarmanna er stórlega lömuð, ef ekki brotin á bak aftur. Sýningin er blátt áfram og öfgalaus. Þar eru höggmyndir eftir Einar Jónsson, málverk eftir Þórarin Þorláksson og allan þorra eftirmanna þeirra í myndlistinni. Að vísu vantar þar nokkra þá menn, sem Jón Þorleifsson og félagar hans hafa fram að þessu viljað útiloka, svo sem Ásgeir Bjarnþórsson, Eggert Guðmundsson, Eyfells, Kristin Pétursson, Magnús Árnason og hina snjöllu ensku frú hans. Hins vegar eiga þar nú sæti allmargir aðrir málarar og myndhöggvarar, sem áður hefur þótt hæfa að útskúfa frá þátttöku í almennum listsýningum. Þessi skipulagsbreyting sýnir, að hinir mörgu snjöllu menn í myndgerðarstéttinni eru búnir að taka hinar hagnýtu framkvæmdir í sínar hendur og eru staðráðnir í að láta hætta hinum lágsigldu tilraunum að útskúfa miklum hluta myndgerðarstéttarinnar, eins og glögglega hafði komið fram á sýningunni í grænmetisskálanum við Túngötu. Þessi blæbrigði komu ljóslega fram í því, að á sýningunni eru engar myndir eftir Þorvald Skúlason, Nínu Tryggvadóttur, Gunnlaug Scheving, Ásmund Sveinsson og Snorra Arinbjarnarson. Sú myndin, sem mestri hneykslun veldur á þessari sýningu, er eftir Jón Engilberts og er mjög fullkomið sýnishorn af klessulist. Menntamálaráð keypti þessa mynd fyrir nokkrum missirum og borgaði vel fyrir til að hafa hana sem sýnishorn af vissri listastefnu á yfirstandandi tíma og til að kaupa nokkuð af þessum málara. Má á þessu sjá viðsýni menntamálaráðs, áður en kommúnistar taka að leggja stund á að endurbæta það. En svo er hin nýja listastefna óhugðnæm, að einn af þeim mönnum hér í bænum, sem kaupir mest af myndum íslenzkra málara, sagði er hann horfði á þessa mynd Jóns Engilberts á yfirstandandi sýningu, að ekki mundi hann vilja eiga heima í því herbergi, þar sem mynd þessi væri á einum veggnum.

Í ársargreinum sínum á menntamálaráð hafa forvígismenn klessulistarinnar haldið því fram, sem er að vísu rétt, það sem það nær, að hver ný kynslóð listamanna verði að sníða sér sín eigin klæði, en ekki líkja eftir fyrirrennurum sínum. En saga íslenzkra lista, þótt hún sé ekki löng, sýnir, að hver dugandi listamaður skapar sér sitt eigið form eða sinn stíl. Ríkarður Jónsson er yngri myndhöggvari en Einar Jónsson. Hann hefur getað starfað öfgalaust að list sinni, án þess að gera minnstu tilraun til að stæla Einar Jónsson. Ásgrímur er elzti núlifandi málarinn hér á landi. Í slóð hans feta Kjarval og síðar Jón Stefánsson. En hvorki Jón né Kjarval stæla Ásgrím. Þeir fást, eins og hann, aðallega við sömu verkefnin, að túlka dýrð íslenzkrar náttúru. En hver af þessum þrem mönnum fer sína eigin leið, myndar sinn stíl og sitt form. Enginn maður villist á myndum þeirra að því er snertir höfundinn. Þegar Jónas Hallgrímsson byrjar að yrkja, fylgir hann sömu meginstefnu og Bjarni Thorarensen, en hann stælir ekki fyrirrennara sinn, heldur skapar sinn eiginn skáldheim. Matthías

Jochumsson yrkir hin yndislegu ljóð Haralds og Ástu, meðan hann er nemandi í latínuskólanum. Þar er engin stæling eftir eldri skáldum. Matthías var orðinn stórskáld, meðan hann sat á skólabekk, af því að í honum bjó sterkur og frumlegur sköpunarmáttur.

Afsökun Jóhanns Briems og stallbræðra hans, að þeir þurfi að sækjast eftir ljótleikanum til að tákna frumleik, er algerlega ósönn. Enginn ungur listamaður eða skáld þarf að leita að nýjum, lánuðum stíl til að einkenna sig, ef hann hefur ósvikna listamannshæfileika. Það eru gervismiðir listamennskunnar, sem fá sér lánaða útlenda sálarvængi, af því þeir hafa fæðzt ófleygir.

Það er ánægjulegt að sjá á hinni almennu listasýningu, sem nú stendur yfir, þá þróun, sem orðið hefur hér á landi síðan um aldamót. Einar Jónsson er þar brautryðjandinn í höggmyndalist. Næstur honum kemur Ríkarður Jónsson, en eftir að honum sleppir, hafa nútímaöfgar lamað efnilega menn, sem mikils mátti vænta af á myndhöggvarabrautum.

Það var vítaverð yfirsjón af sýningarnefndinni að taka ekki með verk eftir hinn mikla brautryðjanda íslenzkrar málaralistar, Sigurð Guðmundsson. Í stað þess byrja þeir með Þórarni Þorlákssyni, og síðan koma Ásgrímur, Kjarval, Jón Stefánsson, Guðmundur Thorsteinsson og Blöndal. Um alla þessa menn má segja, að þeir séu orðnir sígildir í íslenzkri listasögu. Næst kemur Kristín Jónsdóttir, sem hefur orðið fyrir hollum áhrifum af Ásgrími Jónssyni og Jóni Stefánssyni í landslagsmyndum sínum, en stendur einna fremst í sinni stétt að því er snertir mannamyndir. Þá koma tveir menn á miðjum aldri, sem má gera sér miklar vonir um. Það eru þeir Finnur Jónsson og Sveinn Þórarinsson. Bera myndir þeirra beggja vott um góða hæfileika og tækni. Enn eru ótaldir nokkrir aðrir yngri málarar, bæði meðal þeirra, sem myndir eiga á sýningunni, og aðrir, sem ekki hafa sent þangað verk sín að þessu sinni, sem leita í fullri alvöru eftir að samræma í starfi sínu frumleik og fegurð.

Félagsleg átök líkjast orrustu. Fylkingar síga saman og báðir aðilar leggja fram krafta sína. Allt í einu kemur það augnablik, þar sem úrslit baráttunnar ráðast. Þá sést veilan í öðru liðinu, og litlu síðar byrjar undanhaldið. Kommúnistar hafa sótt fram á tveim andlegum vígvöllum móti hinu íslenzka mannfélagi, á vegum bókmennta og lista. Þeir hafa tapað leik í bæði skiptin. Í baráttunni um framtíð klessulistar á Íslandi var hið þýðingarmikla augnablik, þegar samanburðarsýningin var haldin í glugga Gefjunar vorið 1942, en að því er snertir átökin um framtíðarviðhorf þjóðfélagsins til skálda- og rithöfundalauna, gerðist hið sögulega atvik, þegar Alþingi lagði í eitt skipti ábyrgðina um skipting ríkisfjár milli ríkislaunaðra skálda og listamanna raunverulega í hendur kommúnistaflokksins.

Baráttulið kommúnista hafði sótt að menntamálaráði með öllum þeim niðurrifsvopnum, sem til voru í eigu þess. Sakarefnið var það, að menntamálaráð væri gamaldags og hefði engan skilning á gildi þverhandarlistarinnar. Þá kom sýningin í Gefjunarglugganum á Hótel Ísland. Þar voru nokkur málverk eftir helztu klessumeistarana, Jóhann Briem, Þorvald Skúlason, Gunnlaug Scheving og Jón Engilberts. Auk þess kom Þorgeirsboli í gluggann, sökum þess sérstaka dálætis, sem leiðtogar kommúnista og alveg sér í lagi útgáfustjórn Máls og menningar hafði á því málverki. Síðan var skipt um í sýningarglugganum. Þá komu fögur listaverk eftir Sigurð málara, Þórarin, Ásgrim, Ríkarð, Kjarval, Jón Stefánsson og Blöndal. Svo að segja allir höfuðstaðarbúar sáu þessar tvær sýningar og felldu dóma sína um þær. Nálega engir nema kommúnistar og listdómari Morgunblaðsins lögðu blessun sína yfir klessulistina. Allur þorri áhorfenda lýsti með sterkum orðum, að þess háttar list vildu þeir hvorki sjá né heyra í húsum sínum. Að sama skapi var fögnuður áhorfenda óumdeilanlegur, þegar þeir dæmdu um þá snillinga, sem leitazt höfðu við með allri orku að flytja fegurð himinsins niður á jörðina.

Hvað eftir annað kemur í ljós, að dómgreind almennings um fegurð og ljótleika er að valda varanlegum straumhvörfum að því er snertir aðstöðu listamanna. Nokkru eftir að klessulistin var opinberlega fordæmd í Gefjunarglugganum, hélt Kjarval sína

miklu sölusýningu í húsi Jóns Þorsteinssonar. Sýningin var opnuð kl. 10 að morgni. Ég kom þar 5 mínútum síðar og festi kaup á tveim ágætum myndum frá Þingvöllum, fyrir landið. Ég kom aftur kl. 1 og ætlaði þá að kaupa þriðju myndina, en þá var svo mikið selt á stuttri stund, að ég varð frá að hverfa við svo búið. Talið er, að á fáum dögum þessarar sýningar hafi selzt myndir fyrir nálega 50 þúsund krónur. Það, sem hreif áhorfendur og kom þeim til að vilja kaupa þessar myndir dýrum dómum, var, að þar var íslenzk náttúra eins og mennskir menn sjá hana, en endurskýrð með hinni fágætu nákvæmni, sannleiksást og málarasnilld Kjarvals. Forstöðumenn núverandi listsýningar mæta fyrir sitt leyti vingjarnlegum dómum almennings. Þar gætir sáralítið þeirra listamanna, sem leita að ljótleika. Hinir, sem starfa á grundvelli brautryðjendanna, Sigurðar málara og Einars Jónssonar, eru alls ráðandi á sýningunni. Allar líkur benda til, að íslenzkir myndlistarmenn muni von bráðar losa sig úr þeim fjötrum, sem áróðursmenn kommúnista hafa viljað spenna um sálarlíf þeirra.

Átökin um fjárlagastyrkinn hófust, þegar borin var fram tillagan um, að bandalagið skyldi skipta 100 þús. krónum milli verðugra móttakenda. Þar með var ábyrgð lögð á hina ábyrgðarlausu, sem fram að þeim tíma gátu einbeitt orku sinni til að gagnrýna gerðir þeirra manna, sem höfðu með fyrirhyggju og vinnu reist þá byggingu, sem ráðlegt hafði þótt að taka með valdi. Alla stund, síðan þessi tillaga kom fram, hafa leiðtogar kommúnista reynt að ýta fjárskiptakaleiknum frá sér yfir í hendur annarra. Þeir hafa talið sig vera í þessu efni líkt setta og innikróaða hersveit, sem reynir sitt ýtrasta til að brjóta umsáturshringinn. Snorri Sturluson segir um óaldarflokk í Noregi, að liðsmenn hans hafi farið geyst og rasandi. Þeir höfðu í flokknum fátt þeirra manna, er ráðagerðarmenn væru eða vanir stjórn lands eða laga. Sama hefur raunar orðið um liðsdrátt kommúnista til framdráttar listum og bókmenntum. Þeir hafa farið geyst og rasandi, en haft fátt um ráðagerðarmenn, er kynnu að stjórna félagslegum málefnum. Þess vegna hafa fjárskiptin verið samfelldur flótti frá einföldu verki, sem menntamálaráð leysti af hendi með auðveldri tómstundavinnu. Þessi flótti frá ábyrgðinni sýnir, að ekki þarf oft að gefa þeim tækifæri til forustu, sem hræðast allt nema ábyrgðarleysið.

Þessi sök er þung fyrir áróðursmenn kommúnista. Þó er sú sökin enn þyngri, að fram að þessu hafa þeir skemmt eða eyðilagt hvert einasta listamannsefni, sem fallið hefur í hendur þeirra. Það er heimtað af öllum listamönnum, sem starfa á vegum kommúnista, að þeir meti byltingarstefnuna mest allra hugsjóna og geri listagáfuna að verzlunarvöru á sölutorgi bolsevismans. Þá er hin þriðja sök að halda því fast að skáldum, rithöfundum og listamönnum, að þeir eigi jafnan að horfa á fjáraflamöguleikana í sambandi við störf sín. En hin viturlega kenning Einars Jónssonar um, að góð listaverk verði ekki til nema þar, sem listamaðurinn gleymir öllu, sem heitir fjárhagslegt endurgjald, er enn í fullu gildi. Það er sama, frá hvaða sjónarmiði litið er á þá vernd og umhyggju, sem áróðursmenn kommúnista hafa veitt skáldum og listamönnum. Þar á við það, sem Byron lávarður sagði: „Faðmlög mín eru banvæn.“

Kommúnistar höfðu snemma á Alþingi í vetur látið Kristin Andrésson bera fram frumvarp um að afnema verndarlög þau, er Alþingi setti 1941, þegar Ragnar Jónsson og Halldór Laxness auglýstu Laxdæluútgáfu sína. Svo sem kunnugt er, bað menntamálanefnd efri deildar þrjá norrænufræðinga frá háskólanum að segja álit sitt um málið. Dómur þeirra var samstæð fordæming um vinnubrögð áðurnefndra stallbræðra við Laxdæluútgáfuna. Vísaði efri deild frumvarpi Kristins Andréssonar frá og bætti inn í dagskrána tillögu frá Páli Hermannssyni og Þorsteini Þorsteinssyni um, að Alþingi bæri að herða á verndarlöggjöfinni vegna fornbókmenntanna. Sýndi sig enn við þetta tækifæri, að Alþingi stóð einarðlega móti skemmdarútgáfum á fornritunum. Degi síðar en efri deild felldi þennan dóm um útgáfu Halldórs Kiljans á Laxdælu og Hrafnkelssögu, birti útvarpið langa auglýsingu frá Laxness um, að hann mundi nú innan skamms gefa Njálssögu út með sama hætti. Jafnframt létu kom-

múnistar það berast út, að kennslumálaráðherrann, Einar Arnórsson, hefði veitt Laxness leyfi til útgáfunnar. Bjarni Benediktsson borgarstjóri beindi þá fyrirspurn til ráðherrans, og játaði hann, að rétt væri frá skýrt. Benti borgarstjóri á, að hér væri um að ræða brotlega framkomu af hálfu ráðherrans. Alþingi hefði 1941 sett verndarlöggjöf vegna fornritanna með yfirgnæfandi fylgi þingmanna. Löggjöfin var sett vegna þess, að þjóð og þing fordæmdu Laxdælu Kiljans. Löggjöfin var sett til að hindra, að Íslendingasögur væru gefnar út með sama hætti. Alþingi veitti kennslumálaráðherra þann trúnað að gæta þessarar löggjafar. Meðan Jakob Möller var dómsmálaráðherra, hafði hann fyrirskipað málshöfðun út af frumhlaupinu með Hrafnkötlu. Laxness var sekur fundinn fyrir undirrétti. Málið var komið til hæstaréttar. Efri deild hafði nýverið samþykkt að herða á sektarákvæðum fyrir brot eins og þau, sem Ragnar Jónsson og Laxness höfðu framið með Laxdælu- og Hrafnkötluútgáfum sínum. Samt hafði Einar Arnórsson leyft sér að veita einmitt þessum manni, sem stóð sakfelldur frammi fyrir dómstólunum, rétt til þess að halda áfram, í óþökk þings og þjóðar, með nýja útgáfu af Íslendingasögum. Einar Arnórsson gat engum vörnum við komið, nema þeirri einni, að hann hefði lögum samkvæmt rétt til að veita slík leyfi. Hitt reyndi hann ekki að afsaka, hversu hann fór með trúnað Alþingis eða hversu hann hafði brotið móti velsæmistilfinningu allra sæmilegra manna í landinu.

Þjóðvinafélagið og menntamálaráð höfðu snemma vetrar 1942—43 ákveðið að gefa Íslendingasögur og Heimskringlu Snorra Sturlusonar út sem félagsmannabækur í vandaðri heimilisútgáfu. Tækist það, væru hin frægu fornrit í fyrsta sinn komin inn á hvert heimili í landinu. Af ýmsum ástæðum þótti æskilegt að hafa um þetta efni sem nánast samstarf við fornritaútgáfuna. Formaður fornritaútgáfunnar, Jón Ásbjörnsson lögfræðingur, og margir merkir menn í fulltrúaráðinu vildu reyna til þrautar, hvort þetta samstarf gæti tekizt. En aðrir voru ófúsari í þeim efnum, meðal annarra Sigurður Nordal, sem mun mega kalla yfirmann sjálfs útgáfustarfsins. Hafði Kristinn Andrésson í efri deild eftir Sigurði Nordal, að hann teldi það sama og að drepa fornritaútgáfuna, ef menntamálaráð og Þjóðvinafélagið gæfu fornritin út sem félagsmannabækur. Ýmsir fleiri örðugleikar voru á samstarfinu. Fornritafélagið á nokkurn leturforða, sem það notar eingöngu við þessa útgáfu. Var talið óæskilegt að slíta þessu tilhaldsletri með því að bæta við 12—14 þús. eintökum af hverri bók. Þá koma og til greina, að þó að fornritafélagsstjórnin vildi gera samning við menntamálaráð og Þjóðvinafélagið um samstarf og endurprentun á þeim Íslendingasögum, sem búið var að gefa út, þá gátu þeir einstöku fræðimenn, sem samið höfðu formála og skýringar við hvert bindi, neitað um sitt leyfi og samstarfið strandað á því.

Málum var þannig komið, þegar Alþingi fékk vitneskju um, að Njála ætti að fylgja í slóð Laxdælu og Hrafnkelssögu. Menntamálaráð og Þjóðvinafélagið höfðu ekki ákveðið, hvaða Íslendingasögu skyldi fyrst taka til útgáfu, m. a. af vinsamlegri aðstöðu til fornritaútgáfunnar. Laxness hafði haft í því efni allt annað viðhorf. Hann hafði valið Laxdælu til útgáfu, notað texta fornritaútgáfunnar í leyfisleysi og án endurgjalds og einmitt valið þá söguna, sem var uppseld hjá fornritafélaginu, en átti að endurprenta. Á sama hátt valdi hann nú Njálssögu, sem er ein af hinum stærri og frægari Íslendingasögum, sem fornritafélagið var ekki búið að gefa út. Var auðséð, að þeir félagar, Ragnar Jónsson og Laxness, beittu sérstakri og hlífðarlausri ágengni um samkeppni við fornritaútgáfuna. Ekki mildaðist hugur þingmanna gagnvart þessum árásum á fornbókmenntirnar við það, að Ragnar Jónsson hafði þá fyrir skömmu sent á bókamarkaðinn myndahefti með teikningum af söguhetjunum í Laxdælu og Hrafnkelssögu. Upprunalega áttu þessar myndir að vera í texta bókanna. En útgefendunum hafði legið svo mikið á að koma bókunum út, af ástæðum, sem annars eru kunnar, að myndirnar voru þá ekki til og komu á markaðinn eftir dúk og disk. Gunnlaugur Scheving hafði gert teikningarnar. Voru þær fullkomlega í anda útgáfunnar, ósmekklegar og ljótar, svo að furðu sætti. Þeim þingmönnum, sem höfðu

séð þessi listaverk, var nú nóg boðið með hinum sífelldu og endurteknu tilraunum þessara tveggja manna að særa tilfinningar þjóðarinnar í sambandi við fornbókmenntirnar.

Rangæingum þótti nærri sér höggvið með Njálu. Brugðu þeir þingmenn, sem búsettir eru í Rangárþingi, Helgi Jónasson, Ingólfur Jónsson og Sveinbjörn Högnason, við og fluttu svofellda þingsályktunartillögu:

„Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að greiða fyrir, eftir því sem þarf, að menntamálaráð og Þjóðvinafélagið gefi Njálssögu út nú á þessu ári í vandaðri heimilisútgáfu handa félagsmönnum sínum.“

Með þessu móti töldu flutningsmenn, að bjargað væri því, sem unnt var að bjarga. Ráðherrann hafði veitt leyfið, og það varð ekki aftur tekið. Með því að samþykkja tillöguna var Þjóðvinafélaginu og menntamálaráði sagt fyrir um, að eins og málum væri nú komið, yrði að koma Njálu nú út í ár í 12—14 þúsund eintökum í vandaðri útgáfu, svo að hún yrði til á hverju sæmilegu heimili í landinu. Þá gátu þeir, sem vildu, haft sér til gamans að eignast líka útgáfuna af Njálu eins og Ragnar Jónsson og Laxness voru líklegir til að ganga frá verkinu. En þegar Njála og aðrar Íslendingasögur væru komnar inn á öll heimili, var ekki lengur orðin nein sýnileg hætta fyrir menningu þjóðarinnar, þó að kommúnistar gerðu sjálfum sér til handa útgáfu af fornritunum, sem hentaði lífsskoðun þeirra og þjóðrækni.

Í frumræðu sinni lagði Helgi Jónasson m. a. fram tvenn gögn í sókninni á hendur hinum óboðnu útgefendum Njálu. Fyrst yfirlýsingu, sem Laxness birti í dagblaðinu Vísi 14. okt. 1941 og svo hljóðar:

„Ég hefi tekið að mér að gefa út Laxdæla sögu, færða til hinnar svokölluðu stjórnarráðsstafsetningar, þeirrar stafsetningar, sem nú er lögfest í landinu. — Að því fráskildu, að upp verður tekin hin fyrirskipaða stafsetning stjórnarráðsins, kemur vitanlega ekki til mála, að orðfæri textans, stíl eða máli verði í nokkru breytt í útgáfu minni á Laxdæla sögu.

Reykjavík, 14. okt. 1941.

Halldór Kiljan Laxness.“

Helgi Jónasson sýndi með ljósum rökum, hver fyrirheit Laxness hafði gefið um Laxdælu í því skyni að draga úr áhuga Alþingis að vernda fornritin móti skemmdarútgáfum. Ræðumaður benti á, að heitin voru ekki betur efnd en það, að bókin var hroðvirknislega prentuð, á lélegan pappír, felldir niður margir kapítular og málið brenglað og afbakað. Þá las hann dóm þriggja kennara úr norrænudeildinni um Laxdælu, eins og Laxness gekk frá henni. Árni Pálsson, Björn Guðfinnsson og Nordal sögðu um það efni í hinu nafnkunna bréfi til menntamálanefndar efri deildar nú í vetur:

„Samkvæmt tilmælum háttvirtrar menntamálanefndar efri deildar Alþingis látum við undirritaðir í ljós skoðanir okkar á máli því, sem um ræðir í lögum um viðauka við lög nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt, samþykktum á Alþingi 19. nóv. 1941.

1. Tilefni nefndra laga munu vera blaðaskrif um Laxdæluútgáfu Halldórs Kiljans Laxness, svo sem háttv. flutningsmaður frumvarps þess, sem fram hefur komið á þessu þingi, á þskj. 120, tekur fram. Teljum við því rétt að taka útgáfu þessa til nokkurrar athugunar:

A. **Meðferð máls.** Við samanburð á þessari útgáfu og útgáfu þeirri, er hún byggist á, kemur í ljós, að fjölmörgu því í máli, sem á engan hátt verður talið til stafsetningar, er breytt: a. Ýmiss konar breytingar eru gerðar á orðmyndum. b. Orðum er sleppt. c. Orðum er bætt inn. d. Skipt er um orð. e. Orðaröð er breytt. f. Bætt er inn heilum setningum eftir útgefandann.

Á fundi menntamálanefndar h. 22. þ. m. voru færð mörg dæmi þessu til sönn-

unar, og teljum við þarflaust að endurtaka þau hér, enda auðvelt hverjum þeim, er nennir, að ganga úr skugga um þau. Hins vegar viljum við taka fram, að við teljum allar þessar breytingar til skemmda á máli og stíl sögunnar.

B. **Meðferð efnis.** Meðferð sögunnar er á þá leið, að stórfelldar efnisbreytingar hafi verið gerðar á henni: a. Einstökum setningum er sleppt. b. Heilum köflum er sleppt, t. d. á einum stað 5 kapítulum. c. Einstakar setningar eru færðar til. d. Kaflar eru færðir til. e. Samdar eru setningar inn í textann, þar sem útgefanda hefur þótt nauðsyn til bera.

Allar þessar breytingar rýra stórlega efni sögunnar og breyta svip hennar, svo sem gerð var grein fyrir á fyrrnefndum fundi."

Helgi Jónasson dró af öllu þessu þá ályktun, að Laxness og Ragnar Jónsson væru ekki færir til að standa fyrir útgáfu af Íslendingasögum. En úr því að Einar Arnórsson hafði brotið á móti þjóðar- og þingvilja með því að heimila þeim félögum að gefa út Njálssögu, þá væri aðeins ein leið opin til að bjarga málinu. Menntamálaráð og Þjóðvinafélagið þyrftu að gefa Njálu út nú í ár, í vandaðri heimilisútgáfu handa öllum sínum félagsmönnum. Þá fengi þjóðin þetta mikla listaverk á hvert heimili í landinu. Eftir það væri ekki hægt að blekkja þjóðina með afbökuðum Njáluútgáfum.

Harðar deilur urðu um málið milli Helga Jónassonar og Sveinbjörns Högnasonar á aðra hlið, en þingmanna kommúnistaflokksins á hina. Beittu kommúnistar málþófi, þar til Jóhann Jósefsson, forseti neðri deildar, stytti ræðutíma í samræmi við þingsköp, svo að ekki varð lengur gagn að mælginni. Einar Olgeirsson reyndi að drepa málinu á dreif með svo hljóðandi tillögu:

„Tillögugreinin orðist svo:

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að greiða fyrir því, að Fornritaútgáfan geti vandað alveg sérstaklega til útgáfu Njálu á vegum Fornritaútgáfunnar, þannig að hún geti m. a. verið prýdd myndum og teikningum beztu íslenzku listamanna, og leggi ríkisstjórnin, að fengnum upplýsingum, það fyrir Alþingi, hvað kosta mundi að hafa þessa vönduðu útgáfu svo ódýra, að sem flestir landsmenn gætu eignazt hana."

Tillaga þessi var felld með 17:12 atkv., að viðhöfðu nafnakalli, og sögðu

**já:** Einar Olgeirsson, Finnur Jónsson, Gunnar Thoroddsen, Lúðvík Jósefsson, Sigfús Sigurhjartarson, Sigurður Bjarnason, Sigurður Guðnason, Sigurður Thoroddsen, Þóroddur Guðmundsson, Áki Jakobsson, Ásgeir Ásgeirsson, Barði Guðmundsson.

**nei:** Eysteinn Jónsson, Garðar Þorsteinsson, Helgi Jónasson, Jakob Möller, Jón Sigurðsson, Jörundur Brynjólfsson, Ólafur Thors, Páll Zóphóníasson, Páll Þorsteinsson, Pétur Ottesen, Sigurður E. Hlíðar, Sigurður Kristjánsson, Sigurður Þórðarson, Skúli Guðmundsson, Sveinbjörn Högnason, Bjarni Ásgeirsson, Jóhann Jósefsson.

Jón Pálmason, Stefán Jóh. Stefánsson greiddu ekki atkvæði.

4 þm. (Emil Jónsson, Gísli Guðmundsson, Gísli Sveinsson, Ingólfur Jónsson) fjarstaddir.

Þá var borin undir atkv. tillögugrein þeirra Helga Jónassonar, Ingólfs Jónssonar og Sveinbjörns Högnasonar, sem getur hér að framan, og var hún samþykkt með 19:12 atkv., að viðhöfðu nafnakalli, og sögðu

**já:** Helgi Jónasson, Jakob Möller, Jón Pálmason, Jón Sigurðsson, Jörundur Brynjólfsson, Ólafur Thors, Páll Zóphóníasson, Páll Þorsteinsson, Pétur Ottesen, Sigurður E. Hlíðar, Sigurður Kristjánsson, Sigurður Þórðarson, Skúli Guðmundsson, Sveinbjörn Högnason, Bjarni Ásgeirsson, Finnur Jónsson, Garðar Þorsteinsson, Eysteinn Jónsson, Jóhann Jósefsson.

**nei:** Gunnar Thoroddsen, Lúðvík Jósefsson, Sigfús Sigurhjartarson, Sigurður Bjarnason, Sigurður Guðnason, Sigurður Thoroddsen, Áki Jakobsson, Ásgeir Ásgeirsson, Barði Guðmundsson, Einar Olgeirsson, Þóroddur Guðmundsson, Emil Jónsson.

Stefán Jóh. Stefánsson greiddi ekki atkvæði.
3 þm. (Gísli Sveinsson, Ingólfur Jónsson, Gísli Guðmundsson) fjarstaddir.

Út af tillögu EOl skal það tekið fram, að stjórn fornritaútgáfunnar mun hafa haft útgáfu Njálu til meðferðar um nokkur undanfarin ár, en telur m. a., að hún geti ekki lokið við vísindalega útgáfu nema með því að eiga aðgang að handritum í Kaupmannahöfn, og það getur ekki orðið fyrr en að stríðinu loknu. Tilgangur EOl var því sýnilega sá að bjarga stallbræðrum sínum frá samkeppni um óákveðinn tíma.

Meðan þessu fór fram í neðri deild, voru annars konar átök um fornbókmenntirnar að gerast í hinni deildinni. Kommúnistar og menn þeim vinveittir innan þings og utan hafa á undan gengnum árum reynt að spilla fyrir því, að menntamálaráð og Þjóðvinafélagið byrjuðu að undirbúa heimilisútgáfu af Íslendingasögum. Hefur því verið borið við, að slík útgáfa mundi spilla fyrir starfsemi fornritaútgáfunnar. Þótti nú einsætt að hindra alla togstreitu í þessu efni. Komu nokkrir þingmenn í efri deild sér saman um að gera tvennt í einu: tryggja framtíðaröryggi fornritaútgáfunnar og greiða fyrir heimilisútgáfu af Íslendingasögum. Var hinn 12. apríl s. l. leitað skriflega eftir fylgi þingmanna við yfirlýsingu þá, sem hér fer á eftir:

„Við undirritaðir alþingismenn lýsum yfir fylgi okkar við þá tillögu um útgáfu Njálssögu, sem borin er fram af þingmönnum Rangæinga og Vestur-Skaftfellinga. Jafnframt er það vilji okkar, að hækkað verði úr ríkissjóði fjárframlag til fornritaútgáfunnar, þannig að hún bíði engan fjárhagslegan hnekki við ráðstöfun þessa og geti haldið áfram starfsemi sinni á sama grundvelli og hingað til."

Þessir þingmenn úr efri deild rituðu undir yfirlýsinguna: Páll Hermannsson, Gísli Jónsson, Lárus Jóhannesson, Bernharð Stefánsson, Jónas Jónsson, Þorsteinn Þorsteinsson, Bjarni Benediktsson, Magnús Jónsson, Ingvar Pálmason, Hermann Jónasson.

Úr neðri deild hétu þessir þingmenn málinu fylgi: Helgi Jónasson, Sveinbjörn Högnason, Jóhann Jósefsson, Sigurður Hlíðar, Ólafur Thors, Bjarni Ásgeirsson, Pétur Ottesen, Jakob Möller, Sigurður Kristjánsson, Jón Sigurðsson, Skúli Guðmundsson, Jörundur Brynjólfsson, Sigurður Þórðarson, Páll Zóphóníasson, Ingólfur Jónsson, Eysteinn Jónsson, Páll Þorsteinsson, Garðar Þorsteinsson.

Þessar undirskriftir eru hinar merkilegustu. Með þeim er endanlega ákveðið af hálfu Alþingis, að það ætli að styðja, eftir því sem með þarf, að fornbókmenntirnar verði gefnar út í tveim vönduðum útgáfum, annarri í því, sem kalla mætti þjóðlega fræðimannaútgáfu, og hinni í vandaðri heimilisútgáfu. Þá er aðeins eitt sæti autt fyrir Ragnar Jónsson og Halldór Laxness, og það er að gefa fornritin sérstaklega út fyrir þá lítilfjörlegu byrjun að skríl, sem er að myndast hér á landi. Er með þessum hætti verkefnum skipt til fullnustu um þessa þjóðlegu bókagerð.

Það er erfitt að hugsa sér stórkostlegri ósigur en þann, sem kommúnistar hafa beðið í þessu máli. Um leið og þeir auglýsa starfsemi sína við Laxdælu, rís þjóð og þing á móti framferði þeirra, og Alþingi setur verndarlöggjöf um fornritin. Ragnar Jónsson hraðar sér með prentunina, svo að hann verður að fella niður umsamdar myndir. Bókin þykir hin óeigulegasta og mætir almennri lítilsvirðingu. Næst gefa þeir félagar út Hrafnkelssögu, ætla að fótumtroða löggjöfina um yfirumsjón ríkisvaldsins með þessari starfsemi, en tapa máli við landið og verða að þola sektardóm. Þá gefa þeir félagar út í litlu hefti myndir í Laxdælu og Hrafnkelssögu, og voru þær einkar vel fallnar til að skapa þá skoðun, að söguhetjur fornaldarinnar hefðu verið ræflar og úrhrakslýður. Næst reynir Kristinn Andrésson, vegna flokksins, að fá afnumin verndarlögin frá 1941, en fær í þess stað samþykkta dagskrá í efri deild, þar sem skorað er á ríkisstjórnina að undirbúa breytingu á lögunum í því skyni að herða á hegningu fyrir að misbjóða smekk þjóðarinnar með óvönduðum útgáfum af Íslendingasögum. Kommúnistar svara þessum dómi Alþingis með því að auglýsa, að nú ætli þeir sér að setja sitt merki á Njálssögu. Alþingi svarar þá glögglega fyrir sitt leyti og byrgir kommúnistum allar leiðir í þessu efni nema að búa til sérstakar Íslendingasögur handa þeim skríl, sem til kann að vera í landinu.

Þá er ótalinn sá þáttur málsins, sem kommúnistum þykir miklu máli skipta, en það er dómur norrænufræðinganna við háskólann um hina afbökuðu Laxdælu. Leggja þeir mikla óvild á þessa þrjá menn fyrir að segja það, sem allir vita, að er rétt. Einna lakast mun þeim þykja, að Sigurður Nordal skuli hafa komizt í þá aðstöðu að verða að segja sína skoðun um málið sem fræðimaður.

Eftir að kommúnistar fengu kosinn fulltrúa í menntamálaráð, hugðust þeir mundu geta ráðið þar miklu eða jafnvel öllu. Engin merki hafa enn komið í ljós, sem benda á, að þessi skoðun sé rétt. Í baráttunni um vernd fornritanna hefur meginhluti tveggja stærstu þingflokkanna staðið hlið við hlið. Eina raunverulega undantekningin í Sjálfstæðisflokknum eru þeir Gunnar Thoroddsen og Sigurður Bjarnason í Vigur. Hafa þeir í vetur veitt kommúnistum brautargengi um allar tilraunir byltingarliðsins til að ná með atfylgi Alþingis andlegum áhrifum. Munu þetta vera kjósendaveiðar. Þessir tveir lítt þroskuðu þingmenn virðast gera ráð fyrir, að betri hluti fylgismanna þeirra á Snæfellsnesi og við Ísafjarðardjúp frétti ekki um þessa afstöðu, en að þeir geti keppt við kommúnista á þeirra eigin vettvangi, með því að sýna þeim flokki sem mesta tiltrú og lítillæti um þau efni, sem kommúnistar telja mestu skipta. En það eru áróðursmálin gegn þjóðlegri íslenzkri menningu.

Átökin snemma á yfirstandandi þingi um það, hvort kommúnistum ætti að takast að koma mörgum af liðsmönnum sínum í 18. gr., og aftur í þinglokin um Njáluútgáfuna sýna kommúnistum, að þeir eiga enn langt í land með að ráða í meginatriðum mála á þeim vettvangi. Þeir fá nú sem stendur nokkurn liðsauka frá Alþýðuflokknum. Þegar deilt var um Njálu, sat Stefán Jóhann að vísu hjá, en Finnur Jónsson greiddi atkvæði móti liði kommúnista með framsóknarmönnum og meginhluta Sjálfstæðisflokksins til verndar Njálu. Það virðist eftir meðferð mála á þingi vera öruggt, að engum fulltrúa tveggja stærstu þingflokkanna getur haldizt uppi, fyrir stallbræðrum sínum, að gerast strámenn kommúnista í andlegum eða fjárhagslegum málum. Það er auk þess sennilegt, að mjög verulegur hluti verkamannastéttarinnar muni af mörgum ástæðum rísa gegn óþjóðlegu framferði svokallaðra leiðtoga. Varð sú raunin á í sjálfstæðisbaráttunni við Dani, að verkamenn voru oft manna skeleggastir um frelsismálin, og mun svo enn verða, þegar á reynir. Að því er snertir aðstöðu nokkurra af þingmönnum Alþýðuflokksins í þessu máli, verður því ekki neitað, að þeir gengu ekki opinberlega í berhögg við kommúnista. En Alþýðublaðið tók oftar en einu sinni mjög ákveðið í strenginn móti útgáfustarfsemi flokksins og tilfærði ekki nöfn þingmanna úr þessum atkvæðagreiðslum. Afstaða blaðsins sýnir, að forráðamenn flokksins vissu hug samherjanna utan þings í þessu máli. Er það mikill stuðningur fyrir heimilisútgáfuna.

Mér hefur þótt ástæða til að gera að þessu sinni í þingskjali yfirlit um viðleitni íslenzkra bolsevika til að ná yfirráðum um andleg málefni þjóðarinnar. Þeir hafa víða sótt á og sums staðar orðið nokkuð ágengt. Menntamálaráð og Þjóðvinafélagið hafa orðið ásteytingarsteinar þessarar hreyfingar, bæði eftir eðli þessara stofnana og af því, að í stjórn þessara fyrirtækja hafa af Alþingi verið kosnir fulltrúar úr öllum lýðræðisflokkum, sem hafa staðið öruggir á þjóðlegum grundvelli. Þegar Þjóðvinafélagið og menntamálaráð hófu skipulega bókaútgáfu með lágu árgjaldi, voru þúsundir heimila bókalaus að kalla mátti. En inn á þessi heimili ætluðu kommúnistar að koma áróðursbókum sínum í skjóli við einstaka hlutlausar bækur. Á þann hátt átti, eftir útlendri forskrift, að sá fræjum óánægju og upplausnar í hjörtu unglinganna hvarvetna í landinu og fá þá til að rjúfa hin sögulegu tengsl við fortíðina, en gína yfir skáldsögum áróðursmannanna um jarðneskt paradísarskipulag, þar sem einræði bolsevika ríkir. Kommúnistar hafa gert allt, sem þeir megnuðu, til að spilla fyrir því, að menntamálaráði og Þjóðvinafélaginu gæti tekizt að skapa á þúsundum heimila byrjun að þjóðlegu heimilisbókasafni, en hvergi unnið á. Þá gripu þeir til þess úrræðis að gefa fornritin út í ófremdarútgáfu með skrípamyndum af söguhetj-

unum. Á þeim vettvangi er svarað af hálfu lýðræðisflokkanna með því að láta alþjóð manna eignast fornritin í virðulegri útgáfu. Svo mun það böl bætt.

Hitt herbragð kommúnista, að freista að gera kaupkröfufélagsmenn úr öllum, sem réttilega eða ranglega eru félagsmenn í bandalagi rithöfunda og listamanna, hefur tekizt á yfirborðinu, en ekki meira. Tilraunin er dauðadæmd fyrirfram. Allir rithöfundar og listamenn, sem eru nokkurs virði, treysta á mátt sinn og megin og sín eigin vopn. Af því verða þeir samkeppnismenn innbyrðis. Til lengdar verður ekki hægt að halda nema lélegasta hluta myndlistarmanna og rithöfunda bundnum við töðumeis sameignarstefnunnar. Vöskustu mennirnir í þessum greinum hafa sumpart aldrei gengið á hönd agentum kommúnista eða aðeins að yfirvarpi og eru nú sem óðast að losa sig við öll óþarfa tengsl við þann félagsskap.

Kommúnisminn hefur ekki náð neinni fótfestu í Svíþjóð, Danmörku, Noregi, Englandi eða Bandaríkjunum. Það er þess vegna óhugsandi, að íslenzka þjóðin lendi undir áhrifum þeirrar stefnu, nema eins og þegar mislingar eða rauðir hundar ganga og sýkja fólk um stundarsakir. Meðfædd heilbrigði íslenzku þjóðarinnar mun auðveldlega vinna bug á þess háttar farsótt. Ef til vill er það einhver ljótasti vottur um, að sýkin ber með sér lækninguna, að hver einasti rithöfundur og myndlistarmaður á Íslandi, sem gengið hefur á vegum úrkynjunar listarinnar hér á landi, hefur týnt gæfu og framtíðargengi í þeim skiptum. Um það efni geta þeir, sem á horfa, rifjað upp hið forna spakmæli: Sporin hræða.

Frumvarp það, sem Kristinn Andrésson flutti á öndverðu þingi um að granda menntamálaráði, hefur orðið fyrir þeim undarlegu örlögum, að flutningsmaðurinn hefur ekki aðeins orðið sannfærður um, að það væri óþarft, heldur einnig um skaðsemi þess. Öðruvísi verður ekki skilin tillaga hans um, að frumvarpið verði eyðilagt með dagskrá frá honum sjálfum. Sá áfellisdómur, sem Kristinn Andrésson fellir þar yfir sjálfum sér sem lagasmið, er miklu víðtækari. Dómurinn um frumvarpið er táknrænn um viðhorfið til alls þess niðurrifs og upplausnarstarfs, sem kommúnistar hafa staðið fyrir hér á landi, síðan flokkur þeirra tók til starfa 1930.

Mér þykir rétt að ljúka þessu álitsskjali með því að benda á, að allar líkur eru til, að upp úr ásókn kommúnista að koma óeðlilega mörgum mönnum á ríkisframfæri undir því yfirskini, að þar sé um að ræða stuðning við listir og bókmenntir, skapist nýtt og heilbrigt viðhorf í þeim efnum. Það var mikill sigur í þessu efni að fá fjárveitingar til einstakra manna í þessu skyni út úr fjárlögunum og í menntamálaráð. Ásókn kommúnista truflaði þó í bili þá ráðstöfun. Deildum bandalagsins var fengið fjárskiptavaldið í eitt sinn, til að láta koma í ljós hina sönnu getu þessara samtaka til að ráða vel fram úr málinu. Að öllum líkindum verður bandalagið fegið að losna aftur við þann vanda að bera ábyrgð á fjárskiptum milli félagsmanna. Er þá sennilegt, að Alþingi kjósi fyrst um sinn sérstaka nefnd til að gera þetta eina verk, þar til reynslan sýnir, að menntamálaráð er bezt fallið til að leysa þennan vanda af höndum. En í sambandi við þá þróun þykir mér líklegt, að á næstu árum verði starfsemi þessari breytt í það horf, sem menntamálaráð hafði hafizt handa með, að láta menn, sem feta í spor Einars Jónssonar, Kjarvals, Sigvalda Kaldalóns og Davíðs Stefánssonar, fá frá mannfélaginu, fyrir milligöngu þar til kjörinnar nefndar, fjárhagslega viðurkenningu, eftir að þeir hafa sýnt mátt sinn í verki og að þeir séu þjóðfélaginu bæði til gagns og sæmdar. Hins vegar ætti að breyta framlaginu til byrjenda og ungra manna í utanferðarstyrki, en forðast að setja á föst laun aðra en þá, sem búnir eru að vinna lengi og með sóma í víngarði lista og bókmennta.

Alþingi, 13. apríl 1943.

Jónas Jónsson.

## Ed. 701. Nefndarálit

um frumvarp til laga um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samsiglingu íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands.

Frá minni hluta sjávarútvegsnefndar.

Nefndin hefur ekki getað orðið sammála um afgreiðslu málsins. Meiri hl. nefndarinnar (GJ og IngP) vill afgreiða frumvarpið með nokkrum breytingum, sem ég hef ekki getað fallizt á. Tel ég rétt að afgreiða frumvarpið óbreytt að öðru en því, að inn í það sé tekið ákvæði til tryggingar því, að ekki þurfi að koma til sérstakrar tafar á afgreiðslu skipa á höfnum úti á landi vegna þess, að ekki náist til nefndar þeirrar í Reykjavík, sem úrskurðarvald á að hafa um það, hvort undanþágu skuli veita frá samsiglingu skipa. Aðrar breytingar sé ég ekki ástæðu til að gera á frumvarpinu, enda er frumvarpið og reglugerðin, sem gefa á út samkvæmt því, ef að lögum verður, samin í samráði við og samþykkt af fulltrúum sjómanna og útgerðarmanna, er mál þetta varðar, annarra en útgerðarmanna fiskkaupaskipa. Um útgerðarmenn fiskkaupaskipa er þess hins vegar að geta, að þeir hafa ekki látið þetta mál sérstaklega til sín taka, en rétt virðist þeirra vegna að tryggja betur en gert er í reglugerðinni, að ekki verði tafir á afgreiðslu undanþágubeiðna vegna þess eins, að ekki næst til undanþágunefndarinnar í Reykjavík. Að þessu athuguðu legg ég til, að frumvarpið verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGU.

Við 2. grein. Greinin orðist svo:

Þegar sérstaklega stendur á, má veita undanþágu frá ákvæðum 1. gr., eftir því og með þeim hætti, er mælt verður í reglugerð, enda sé fyrir því séð, að hægt verði að afgreiða beiðnir um undanþágu án tafar.

Alþingi, 9. apríl 1943.

Guðm. Í. Guðmundsson,
fundaskr.

## Ed. 702. Nefndarálit

um frumvarp til laga um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samsiglingu íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands.

Frá meiri hl. sjávarútvegsnefndar.

Nefndin hefur rætt mál þetta ýtarlega á tveimur fundum og kallað til sín til viðræðna fulltrúa allra þeirra aðila, sem hér eiga hlut að máli. Kom skýrt fram, að þeir voru ekki sammála um frumv. eins og það lá fyrir né reglugerðina, sem birt er sem fylgiskjal með frumvarpinu. Að afstöðnum þeim umræðum reyndi nefndin að komast að samkomulagi um breytingar, sem þó ekki tókst, og skila því undirritaðir nefndarmenn meirihlutaáliti, en GÍG minnihlutaáliti.

Öll nefndin var þó sammála um, að eðlilegt og rétt væri, að sett væri í lögin nokkuð af þeim ákvæðum, sem gert er ráð fyrir, að skipað sé með reglugerð, svo sem það, hvernig og undir hvaða kringumstæðum skuli veita undanþágur frá samsiglingu skipa, svo og hverjir skuli hafa úrskurðarvald um það atriði, þótt ágreiningur nefndarinnar yrði hins vegar um endanlega skipun þeirra mála, þar sem minni hlutinn vildi halda fast við, að þessum málum yrði skipað á líkan hátt og gert er ráð fyrir

í 11. gr. reglugerðarinnar, en meiri hlutinn hins vegar á þann hátt, sem fram kemur í tillögum hans um breytingar á 2. gr. frv. Telur meiri hlutinn, að á þann hátt sé hvort tveggja tryggt, að lögin komi að tilætluðum notum og útgerðinni þó eigi íþyngt um of með lögunum, svo að hún af þeim ástæðum yrði að dragast saman á ýmsum stöðum á landinu.

Meiri hluti nefndarinnar vill taka það fram, að hann leggur áherzlu á, að ríkisstjórnin taki upp í hina nýju reglugerð 2., 3. og 4. gr. úr reglugerð þeirri, sem birt er með frumvarpinu.

Með tilvísun til ofanritaðs leggur meiri hluti nefndarinnar til, að frumvarpið verði samþykkt með eftirfarandi

BREYTINGUM.

1. Í stað 1.—2. gr. frv. koma fjórar nýjar greinar, svo hljóðandi:
   a. (1. gr.) Öll íslenzk skip, sem sigla með ísvarinn fisk milli Íslands og Stóra-Bretlands, skulu sigla í samflota báðar leiðir, tvö eða fleiri saman. Þó er heimilt að veita undanþágu frá þessum ákvæðum, ef upplýst er, að ekkert sambærilegt skip geti komið til greina til samfylgdar að dómi þeirra manna, sem falið er úrskurðarvald í þessum málum samkv. 2. gr.
   b. (2. gr.) Ráðuneytið skipar 2 menn og 2 til vara fyrir hverja þá höfn á landinu, sem gefið er út siglingarleyfi til Stóra-Bretlands, er hafi eftirlit með þessum málum og fullt úrskurðarvald um það, hvort og á hvaða hátt skuli leyfð undanþága um samsiglingar samkvæmt 1. gr. Skal annar skipaður samkvæmt tillögu stéttarfélaga sjómanna á hverjum stað, en hinn samkvæmt tillögum frá stéttarfélögum útgerðarmanna, eða útgerðarmönnum, ef ekkert slíkt stéttarfélag er til á staðnum.

      Eftirlitsmenn skulu skyldir að sjá um, að lögunum sé framfylgt. Úrskurð um undanþágur skulu þeir gefa svo fljótt sem unnt er og gæta þess í hvívetna, að útgerðinni sé eigi bakaður kostnaður meira en nauðsynlegt er, án þess þó að veikja öryggi um siglingar.

      Ef eigi er fullt samkomulag eftirlitsmanna um úrskurð, kalla þeir til lögreglustjóra staðarins sem oddamann. Þó má aldrei fella úrskurð um, að skipi skuli leyft að sigla einskipa gegn mótmælum skipshafnarinnar.
   c. (3. gr.) Skipum, sem eru í samsiglingu, er skylt að haga siglingu þannig, að þau séu ávallt í námunda hvort við annað, nema stórviðri eða dimmviðri hamli.
   d. (4. gr.) Ákvæði þessi gilda og um öll erlend skip, ef þau eru leigð eða gerð út af íslenzkum aðilum og starfrækt með íslenzkri áhöfn.
2. 3.—4. gr. frv. verða 5.—6. gr.
3. Þá koma 2 nýjar greinar, sem verða 7.—8. gr., svo hljóðandi:
   a. (7. gr.) Jafnskjótt og ástandið breytist þannig, að eftirlitsmenn telji einróma ástæðulaust að hafa samsiglingu skipa, getur ráðuneytið gefið út almennar undanþágur frá lögunum, þar til þau verða numin úr gildi.
   b. (8. gr.) Ráðuneytið setur nánari reglugerð um framkvæmd þessara laga.
4. 5. gr. verður 9. gr.

Alþingi, 9. apríl 1943.

Gísli Jónsson, form., frsm. Ingvar Pálmason.

## Nd. 703. Lög

um Kennaraskóla Íslands.

(Afgreidd frá Nd. 9. apríl.)

Samhljóða þskj. 689.

## Ed. 704. Lög

um frestun á framkvæmd laga nr. 60 7. maí 1940, um síldartunnur.

(Afgreidd frá Ed. 9. apríl).

Samhljóða þskj. 655.

## Nd. 705. Breytingartillögur

við breytingartill. á þskj. 651 [Dýrtíðarráðstafanir].

Flm.: Bjarni Ásgeirsson, Pétur Ottesen, Jörundur Brynjólfsson, Jón Sigurðsson, Sigurður E. Hlíðar, Sveinbjörn Högnason.

1. Fyrirsögn IV. kafla verði: Heimildir til bráðabirgðaráðstafana.
2. Við a-lið (12. gr.). Liðurinn falli burt.
3. Við b-lið (13. gr.). Liðurinn orðist svo:

   Skipa skal 6 manna nefnd, er finni grundvöll fyrir vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða, er fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara, og hlutfall milli verðlags landbúnaðarvara og kaupgjalds stéttarfélaga, er miðist við það, að heildartekjur þeirra, er vinna að landbúnaði, verði í sem nánustu samræmi við tekjur annarra stétta þjóðfélagsins. Skal í því sambandi tekið tillit til þess verðs, sem fæst fyrir útfluttar landbúnaðarvörur á hverjum tíma.

   Nefndin skal skipuð hagstofustjóra, og sé hann formaður nefndarinnar, forstöðumanni búreikningaskrifstofu ríkisins, tveim mönnum eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einum manni eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum manni tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæjarfélaga. Nefndin skal hafa lokið störfum og skilað áliti sínu til ríkisstjórnarinnar fyrir 1. september 1943.
4. c-liður orðist svo:

   Nú ákveður ríkisstjórnin að nota heimildir (sbr. 5. lið) þessara laga til þess að koma fram lækkun á framfærsluvísitölu, og skal hún þá leita samkomulags við félagssamtök bænda og verkamanna — Búnaðarfélag Íslands og Alþýðusamband Íslands — um lækkun á verði landbúnaðarafurða og kaupgjalds eða verðlagsuppbóta, eða um það, að greiðsla verðlagsuppbótar á kaupgjald og laun skuli fara fram eftir þeirri vísitölu, sem byggð er á verðlaginu fyrsta dag þess sama mánaðar.

   Náist slíkt samkomulag við áður nefnda aðila, er ríkisstjórninni heimilt að ákveða, að það skuli gilda almennt um kaupgjald og verðlag í landinu, þar til því verði sagt upp af öðrum hvorum aðila eða þeir samþykkja báðir, að því skuli breytt.

5. d-liður orðist svo:

Ríkisstjórninni er heimilt að verja á árinu 1943 allt að 3 millj. króna úr ríkissjóði til þess að fyrirbyggja hækkun eða til lækkunar vísitölu kauplagsnefndar. Nú lækkar vísitala kauplagsnefndar og kaupgjald í samræmi við það, og skal þá verð landbúnaðarvara lækka í sömu hlutföllum. Enn fremur er ríkisstjórninni heimilt að auka framlag ríkisins til framkvæmdasjóðs frá því, sem þegar er ákveðið, um 3 millj. króna, og skal því fé sérstaklega varið til framkvæmda, er vinna gegn atvinnuleysi.

## Nd. 706. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 67 31. des. 1939, um dómsmálastörf, lögreglustjórn, gjaldheimtu o. fl. í Reykjavík.

Frá minni hluta allsherjarnefndar.

Nefndin hefur ekki orðið á eitt sátt um afgreiðslu þessa máls. Meiri hlutinn leggur til, að frumv. verði samþykkt með lítils háttar breytingu, en minni hlutinn leggur til að frumv. sé fellt.

Sakir þess að ég tel, að flutningur þessa frumv. og tillaga meiri hl. allsherjarnefndar um að mæla með samþykkt þess sé á miklum misskilningi byggð, vil ég fara um málið nokkrum orðum.

Eitt af þeim ófrávíkjanlegu skilyrðum fyrir veitingu lögreglustjóraembættisins í Reykjavík, samkv. þessu frumv., ef að lögum verður, er, að sá, er veitingu embættisins hlýtur, hafi tekið lögfræðipróf. Svo mikil áherzla er lögð á þetta atriði af flutningsmönnum frumv. og meiri hl. allsherjarnefndar, að ekki má bíða eftir því, að embættið losni, heldur á nú hið bráðasta að víkja lögreglustjóranum úr embætti til þess eins, að því er bezt verður séð, að koma lögfræðingi í embættið. Ekki verður af frumv. ráðið, að til þess hafi verið ætlazt af flutningsmönnum þess, að lögreglustjóranum yrði boðið nokkurt starf, þótt hann verði sviptur embætti, gersamlega fyrir tylliástæður einar, eins og síðar mun sýnt verða. Það hefur vafalaust ekki þótt taka því, þar sem svo mjög skorti á tign mannsins í þessu embætti, þar sem hann hefur ekki próf í lögum.

Meiri hluta nefndarinnar hefur þó þótt betur hlýða að sýna lit á því, að lögreglustjóranum yrði gefinn kostur á einhverju starfi um leið og hann léti af embætti, en ekki ætti að vera miklum vandkvæðum bundið fyrir veitingarvaldið að uppfylla það skilyrði, því að ekkert er tekið fram um það, hvert starfið er, aðeins má hann einskis í missa hvað launakjör snertir. Taki hann ekki því starfi, er veitingarvaldið býður honum, er það laust allra mála. Það getur ráðstafað embættinu hvernig sem það vill og hvenær sem er þeirra hluta vegna.

Manni verður nú á að spyrja. Hver er ástæðan til þessarar lagabreytingar? Engin önnur skýring er gefin á þessu af hálfu flutningsm. en að það sé óhjákvæmilegt, að lögreglustjórinn í Reykjavík sé lögfræðingur, — að í öllum öðrum kaupstöðum landsins séu lögreglustjórarnir lögfræðingar.

Lögreglustjórastaðan í Reykjavík er gersamlega ósambærileg við löggæzlu og lögreglustjórn í öðrum héruðum landsins. Það er óhjákvæmilegt, að þau störf hafi með höndum löglærðir menn. Auk lögreglustarfans hafa þeir með höndum rannsókn mála og eiga að annast dómarastörf. Um starf lögreglustjórans í Reykjavík er ekki slíku til að dreifa.

Með lögum nr. 67 31. des. 1939 var lögreglustjóraembættinu í Reykjavík skipt í tvö embætti. Við skiptinguna voru að kalla öll þau störf tekin frá lögreglustjóra-

embættinu, sem lögfræðilegrar þekkingar þarf til að inna af höndum. Þáverandi ríkisstjórn mun hafa verið sammála um að velja í embættið mann með liðsforingjamenntun, en ekki lögfræðing. Núverandi lögreglustjóra verður ekki borið það á brýn, að hann hafi sótzt eftir embættinu, því að tvívegis var búið að bjóða honum það, áður en hann tók við því. Þá var og Pétri Sigurðssyni liðsforingja boðið starfið, en hann mun hafa færzt undan að takast það á hendur.

Þetta sýnir, að ríkisstjórnin hefur lagt á það megináherzlu að fá mann í embættið með þá menntun, sem hún áleit mestu máli skipta fyrir yfirmann lögreglunnar í Reykjavík. Má og af þessu sjá, að ríkisstjórnin hefur í vali til starfsins ekki bundið sig við neinn sérstakan mann, heldur fyrst og fremst um það hugsað, að sá, er embættið hlyti, væri líklegur til að uppfylla þau þýðingarmestu skilyrði, er til þess þyrftu, að starfið yrði vel af hendi leyst.

Ekkert hefur komið fram um það, að ríkisstjórnin hafi ekki verið sammála um þessa embættisveitingu.

Í lögregluliði Reykjavíkur eru um 100 einkennisklæddir lögreglumenn. Höfuðverkefni lögreglustjórans eru meðal annars þessi:

1. Almenn stjórn lögregluliðsins, þar með talinn nauðsynlegur agi innan lögreglunnar. Umsjón með því, að lögregluþjónarnir ræki störf sín með samvizkusemi og skyldurækni. Að vekja áhuga hjá lögreglunni fyrir starfinu og manna hana í háttprýði og framkomu allri, svo að hún geti orðið fyrirmyndarlögregla og verið bæjarbúum fyrirmynd í látbragði og góðum siðum.
2. Að sjá um útbúnað lögreglunnar. Tæki lögreglunnar eru margvísleg. Sum þeirra eru hættuleg í höndum manna, er ekki kunna með þau að fara. Það þarf að annast viðhald þeirra og val, að þau séu við hæfi lögreglustarfsins. Það skiptir miklu máli, að lögreglustjórinn beri sem bezt skyn á allt það, er að útbúnaði lögreglunnar lýtur.
3. Að þjálfa lögregluliðið sem rækilegast í andlegri og líkamlegri mennt og kenna því, hvernig það á að beita sér í starfi sínu. Lögreglunni er á ýmsan hátt vandfarið við skyldustörfin, og er því afar þýðingarmikið, að hún kunni sem gleggst skil á þeim viðfangsefnum, er hún þarf að inna af höndum.

Ég held, að það verði ekki dregið í efa, að brýna nauðsyn beri til, að lögreglustjórinn hafi sem allra bezta menntun til þess að geta rækt vel þessi störf. Það mun tæpast nokkur maður, sem skyn ber á þessi mál, efast um það. Maður, sem hefur liðsforingjamenntun, hefur margfalt betri skilyrði til þess að veita lögregluliði forstöðu heldur en lögfræðingur, ef hann vantar sérmenntun þá, er liðsforingjar hafa.

Það verður að vera ófrávíkjanlegt skilyrði, að yfirmaður lögreglunnar í Reykjavík (lögreglustjórinn) sé svo vel menntaður, að hann geti séð um þjálfun lögreglunnar og að öllu leyti séð um kennslu hennar. Hann þarf að geta sagt fyrir verkum um allt það, er máli skiptir og að starfi lögregluliðsins lýtur. Það er því gersamlega ósambærilegt, hvað maður með liðsforingjamenntun hefur betri skilyrði til þess að veita lögregluliði forstöðu heldur en lögfræðingur. Og það er satt að segja einkennilegt, að frumv. um þetta efni skuli nú koma fram á Alþingi.

Ef litið er til þeirrar reynslu, sem við höfum í þessu efni, þá hygg ég, að hún ætti ekki að ýta undir, að frumv. þetta næði fram að ganga. Hér gerðist eitt sinn atburður í Reykjavík fyrir allmörgum árum. Útlit var fyrir, að lögregla bæjarins þyrfti meira að láta til sín taka heldur en venjulega, til þess að halda uppi reglu og að fyrirskipun yfirvalda væri hlýtt. Það þurfti að hafa nokkuð meiri og víðtækari stjórn á lögregluliðinu en við venjuleg skyldustörf þess. Þá var vel metinn lögfræðingur lögreglustjóri. Við þetta tækifæri fór öll stjórn á lögreglunni í handaskolum.

Maður með liðsforingjamenntun var þá fenginn til að framkvæma skipun yfirvalda, og er ekki annars getið en að það hafi farið vel úr hendi. Lögreglustjórinn (lögfræðingurinn) kom þar hvergi nærri.

Annað hliðstætt dæmi má og minna á. Fyrir nokkru þótti ófriðlega horfa í einum kaupstað landsins. Þótti ósýnt, til hvers draga kynni í viðskiptum manna á milli. Búizt var við, að komið gæti til þess, að halda þyrfti uppi reglu í bænum með lögregluliði. Komið mun hafa til orða af hálfu stjórnarvaldanna að biðja mann með liðsforingjamenntun um að sjá um stjórn lögregluliðsins, ef óumflýjanlegt yrði að auka lögreglu í kaupstaðnum.

Yfirvöldunum mun heldur ekki við þetta tækifæri hafa þótt sérstaklega fýsilegt að fela lögfræðingi starfið. Sem betur fór leystist þetta deilumál með friðsamlegum hætti, og lögreglan þurfti engin afskipti að hafa af fólkinu í bænum.

Fleiri dæmi mætti nefna, en ég læt hér staðar numið.

Mér finnst, að þetta gefi ótvírætt til kynna, að það þarf annað og meira til þess að vera lögreglustjóri, sérstaklega í Reykjavík, heldur en aðeins að hafa tekið próf í lögum. Að öðru jöfnu má vafalaust telja, að maður með lögfræðilega menntun eigi fremur að fá lögreglustjóraembættið í Reykjavík heldur en ólöglærður maður. En allt öðrum skilyrðum þarf sá embættismaður þó fyrst og fremst að fullnægja til þess, að forsvaranlegt geti talizt að veita honum þetta embætti.

Af því, sem nú hefur verið drepið á hér að framan, má sjá, að hvenær sem horfur hafa verið á því, að verulega kynni að reyna á um stjórn lögreglu og framkvæmd á erfiðum viðfangsefnum, hafa stjórnarvöld landsins leitað til manna með allt aðra menntun en lögfræðinám veitir, til þess að takast vandann á hendur, og hinum lögfræðilega menntuðu mönnum verið vikið til hliðar. Þetta munu flestar, ef ekki allar hinar ýmsu ríkisstjórnir hafa gert, er verið hafa nú um nokkurt skeið.

Þó að laganemendur hafi lokið embættisprófi í lögum við háskólann, eru þeir ekki strax að námi loknu frjálsir að því að flytja mál fyrir rétti, fyrr en þeir hafa uppfyllt ýmiss konar skilyrði, er lög heimta. Meðal annars verða þeir að flytja nokkur prófmál fyrir rétti til þess að sanna hæfni sína til starfans. Á þetta bæði við um flutning mála fyrir undirrétti og hæstarétti.

Þessi störf eru það þó einmitt, sem þeir eru að læra um í háskólanum og taka embættispróf í. Og þó að þeir standist prófið, þá er talið nauðsynlegt að prófa þá sérstaklega í því, hvort þeir geti, svo viðunandi sé, flutt mál fyrir rétti. En fyrst nú svona er um þessi atriði, er þá nokkuð ósennilegt, að lögfræðingur sé ekki endilega sjálfkjörinn til allt annarra vandasamra starfa, aðeins af því hann er lögfræðingur, þó að lögfræðimenntun hans veiti honum ef til vill lítinn eða engan minnsta stuðning í starfinu? Það er auðvitað barnaskapur að ætla slíkt. Eða hvernig halda menn á undanförnum árum, frá því að stríðið hófst, að lögfræðingur hefði staðið að vígi með að gefa fyrirskipanir um, hvernig haga skyldi loftvarnarmálum í Reykjavík? Hann hefði auðvitað verið gersamlega ráðvilltur í því, hvað gera skyldi, og er það sízt tiltökumál.

Vera má, að sumir telji, að slíkt sé aukaatriði í þessu starfi og að ekki beri á það að líta. En er það nokkuð óráðlegt, að lögreglustjóri höfuðstaðarins hafi sem allra víðtækasta þekking á hinum ýmsu vandasömu viðfangsefnum, er komið geta fyrir í starfi hans og undir embætti hans heyra? Ég held, að það fari bezt á því að gera enga breyting á þessu frá því, sem nú er. Og ef það ætti að gera, þyrftu ástæðurnar fyrir því að vera á allt öðrum rökum reistar en þetta frumv. Lögreglustjóri hefur fulltrúa í skrifstofu sinni með lögfræðilegri menntun. Sá maður hefur um langa stund unnið að þessum málum og getið sér hins bezta orðs. Það er því vissulega vel séð fyrir þessum þætti lögreglustarfsins í Reykjavík.

Mér er ekki kunnugt um annað en að núverandi lögreglustjóri hafi rækt starf sitt með prýði. Hann fær, eftir því sem ég bezt veit, hið bezta orð. Erlingur Pálsson yfirlögregluþjónn, sem um langt árabil hefur starfað í lögreglunni undir stjórn margra lögreglustjóra, hefur tjáð mér, að framkoma núverandi lögreglustjóra hafi verið góð og að starfið hafi farið honum ágætlega úr hendi. Hann er strangur reglumaður, röskur og viljafastur.

Hann var að vísu tekinn ungur í embættið, en á því á hann enga sök. Það var

eftir honum gengið til að fá hann til að taka það að sér. Nú hefur hann öðlazt mikilvæga reynslu í þessu starfi. Það væri fávíslegt að svipta nú þennan mann embætti, aðeins til þess að koma lögfræðingi í það.

Lögfræðingar hafa menntun til annars fremur en lögreglustjórastarfsins í Reykjavík, eins og því starfi er nú háttað og verður framvegis. Ekki má skilja orð mín svo, að ég vilji gera lítið úr menntun lögfræðinga. Það er síður en svo. En hún er á allt öðru sviði en þetta starf útheimtir. Vera kann, að einhverjir lögfræðingar gætu hugsað sér að taka þetta embætti að sér, ef það stæði þeim til boða. En líklegt er, að það skipti litlu máli fyrir Alþingi.

Alþingi hafði með skiptingu lögreglustjóraembættisins 1939 lagt grundvöllinn að því, hvernig störfum embættisins er nú háttað. Það má hiklaust fullyrða, að þetta hafi gefizt vel.

Þá má og minna á það, að síðan landið var hernumið, hefur vandinn í þessu starfi stórlega aukizt. Fullyrða má, að yfirleitt hafi samstarfið og sambúðin við hina erlendu gesti tekizt ágætlega hjá íslenzku lögreglunni. Ef nú ætti að skipta um mann í lögreglustjóraembættinu, taka í það ókunnugan mann öllum þessum vandasömu störfum, gæti vel svo farið, að það leiddi aðeins til óhappa, en til einskis gagns mundi það verða. Ég tel rétt, að Alþingi snúi sér fremur að öðrum nauðsynlegri viðfangsefnum, sem yrðu landinu og þjóðinni gagnlegri en þetta mál, og að það fái nú sem skjótast hægt og rólegt andlát.

Alþingi, 9. apríl 1943.

Jörundur Brynjólfsson.

## Nd. 707. Frumvarp til laga

um dýrtíðarráðstafanir.

(Eftir 2. umr. í Nd.)

1. gr.

Auk skatta þeirra, sem í 6. gr. laga nr. 6 1935, sbr. 1. gr. laga nr. 20 1942, og í lögum nr. 21 1942 getur, skal árið 1943 leggja á tekjur ársins 1942 skatt, er nefnist verðlækkunarskattur, samkvæmt eftirfarandi reglum:

Af skattskyldum tekjum lægri en 10000 kr. greiðist enginn verðlækkunarskattur.

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Af | 10— | 11 | þús. | kr. | greiðist | 150 | kr. | af | 10 | þús. | og | 4 | % | af afg. |
| — | 11— | 12 | — | — | — | 190 | — | — | 11 | — | — | 5 | — | — |
| — | 12— | 13 | — | — | — | 240 | — | — | 12 | — | — | 6 | — | — |
| — | 13— | 15 | — | — | — | 300 | — | — | 13 | — | — | 7 | — | — |
| — | 15— | 17 | — | — | — | 440 | — | — | 15 | — | — | 8 | — | — |
| — | 17— | 20 | — | — | — | 600 | — | — | 17 | — | — | 9 | — | — |
| — | 20— | 25 | — | — | — | 870 | — | — | 20 | — | — | 10 | — | — |
| — | 25— | 30 | — | — | — | 1370 | — | — | 25 | — | — | 13 | — | — |
| — | 30— | 100 | — | — | — | 2020 | — | — | 30 | — | — | 18 | — | — |
| — | 100— | 125 | — | — | — | 14620 | — | — | 100 | — | — | 15 | — | — |
| — | 125— | 150 | — | — | — | 18370 | — | — | 125 | — | — | 10 | — | — |
| — | 150— | 200 | — | — | — | 20870 | — | — | 150 | — | — | 5 | — | — |
| — | 200 | þús. og yfir | | | — | 23350 | — | — | 200 | — | — | 0 | — | — |

2. gr.

Um álagningu, gjalddaga, lögtaksrétt, viðurlög og innheimtu viðreisnarskatts fer annars að lögum um eignar- og tekjuskatt (sbr. lög nr. 20 20. maí 1942, 14. gr. a.).

3. gr.

Ríkisstjórnin skal leita samninga við Alþýðusamband Íslands og önnur sambönd launþega um, að þau, fyrir hönd stéttarfélaganna og að fenginni heimild frá þeim, fallist á, að í næsta mánuði eftir að lög þessi öðlast gildi, skuli greiðsla verðlagsuppbótar á kaupgjald og laun fara fram eftir þeirri vísitölu, sem er byggð á verðlaginu 1. dag þess mánaðar.

4. gr.

Skipa skal sex manna nefnd, er finni grundvöll fyrir vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða, er fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara, og hlutfall milli verðlags landbúnaðarvara og kaupgjalds stéttarfélaga, er miðist við það, að heildartekjur þeirra, er vinna að landbúnaði, verði í sem nánustu samræmi við tekjur annarra vinnandi stétta. Skal í því sambandi tekið tillit til þess verðs, sem fæst fyrir útfluttar landbúnaðarafurðir.

Nefndin skal skipuð hagstofustjóra, og sé hann formaður nefndarinnar, forstöðumanni búreikningaskrifstofu ríkisins, tveim mönnum eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einum manni eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum manni tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæjarfélaga.

Nú verður nefndin sammála um vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða og hlutfall milli verðlags á landbúnaðarafurðum og kaupgjalds stéttarfélaga, og skal þá verð á landbúnaðarvörum ákveðið í samræmi þar við, meðan núverandi ófriðarástand helzt. Þó er ríkisstjórninni heimilt að ákveða lægra verð á einstökum vörutegundum gegn framlagi úr ríkissjóði.

Nefndin skal ljúka störfum og skila áliti til ríkisstjórnarinnar fyrir 15. ágúst 1943.

5. gr.

Þar til verð landbúnaðarvara verður ákveðið samkvæmt fyrirmælum 4. gr., er ríkisstjórninni heimilt að ákveða verð þeirra þannig:

Útsöluverð mjólkur verði lækkað í allt að kr. 1.30 pr. ltr. og verð annarra mjólkurafurða í samræmi við það. Lækkun á verðinu til framleiðenda verði hlutfallslega jöfn þeirri lækkun á vísitölu kauplagsnefndar, sem verður í næsta mánuði eftir að mjólkurverðslækkunin kemur til framkvæmda, og verðið til þeirra breytist síðan í samræmi við breytingar á vísitölunni, en að öðru leyti verði verðlækkunin á mjólk og mjólkurafurðum borguð úr ríkissjóði.

Verð á kjöti, sem fyrirliggjandi er í landinu, er heimilt að lækka með framlagi úr ríkissjóði, þannig að heildsöluverð á dilkakjöti verði fært niður í allt að, kr. 4.80 pr. kg. og verð á öðrum tegundum kjöts í samræmi við það.

Ákvæði þessarar greinar um verðlag og ríkisframlag falla úr gildi eigi síðar en 15. september 1943.

6. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt að leggja fram úr ríkissjóði 3 millj. króna í sjóð til tryggingar launþega gegn atvinnuleysi, og nefnist hann Atvinnutryggingarsjóður.

Milliþinganefnd sú, sem skipuð hefur verið samkvæmt þál. 4. sept. 1942 til þess að athuga atvinnumál o. fl., skal í samráði við Alþýðusamband Íslands setja reglugerð um hlutverk og starfsemi sjóðsins. Skal því lokið fyrir 15. ágúst þ. á., og sé reglugerðin staðfest af félagsmálaráðherra.

7. gr.

Til þess að standast kostnað við væntanlegar endurbætur á lögunum um alþýðutryggingar, nr. 74 frá 1937, skulu eftirtaldar breytingar gerðar á gildandi skattalögum:

Skattfrelsi það, sem félögum er veitt samkvæmt 1. málsl. 3. málsgr. 3. gr. l. nr. 20/1942, skal niður falla. Þau félög, er um ræðir í 3. gr. a. l. nr. 6/1935, sem sjávarútveg stunda, enn fremur einstaklingar og sameignarfélög, er stunda sjávarútveg sem aðalatvinnurekstur, skulu hafa skattfrelsi samkvæmt 2. málsl. 3. mgr. 3. gr. l. nr.

20/1942, enda skal allt varasjóðstillag og frádráttur lagður í nýbyggingarsjóð, sbr. b.—g.-lið 14. gr. sömu laga. Þegar nýbyggingarsjóður samkv. framansögðu er orðinn jafnhár vátryggingarverði skips eða skipa skattþegns, eða ef nýbyggingarsjóður er orðinn ein milljón krónur, missir viðkomandi skattþegn það skattfrelsi, er um ræðir í næsta málslið hér á undan. Þessi takmörkun á skattfrjálsu nýbyggingarsjóðsframlagi gildir þó ekki fyrr en sjóðurinn hefur náð 200000 kr.

8. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum fara að hætti opinberra mála.

9. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 708. Breytingartillaga

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Frá Jóni Sigurðssyni.

Við 5. gr. 1. málsgr. orðist svo:

Þar til verð landbúnaðarvara verður ákveðið samkvæmt fyrirmælum 4. gr., er ríkisstjórninni heimilt, að fengnu samþykki Búnaðarfélags Íslands, að ákveða verð þeirra þannig:

## Nd. 709. Breytingartillaga

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Frá fjárhagsnefnd.

Við 2. gr. Fyrir orðin „viðreisnarskatts fer annars að lögum“ komi: verðlækkunarskatts fer að lögum.

## Nd. 710. Breytingartillaga

við frv. til laga um dýrtíðarráðstafanir.

Frá Lúðvík Jósefssyni og Áka Jakobssyni.

Við 5. gr.

1. málsliður 2. málsgr. orðist svo:

Útsöluverð mjólkur í Reykjavík verði lækkað í allt að kr. 1.30 pr. ltr. og verð annarra mjólkurafurða í samræmi við það. Útsöluverð mjólkur annars staðar á landinu lækki hlutfallslega jafnmikið.

## Ed. 711. Breytingartillaga

við frv. til l. um veiting ríkisborgararéttar.

Frá allsherjarnefnd.

Við 1. gr.
Á eftir 11. lið bætist nýr liður (og breytist liðatala samkv. því):
Petersen, Skúli, unglingur, fæddur í Danmörku 26. júní 1925.

## Nd. 712. Frumvarp til laga

um veiting ríkisborgararéttar.

(Eftir 3. umr. í Ed.)

1. gr.

Ríkisborgararétt skulu öðlast:

1. Ágústa Pétursdóttir, til heimilis í Reykjavík, fædd í Reykjavík 9. febr. 1915.
2. Börge Axel Jónsson, matsveinn, til heimilis í Reykjavík, fæddur í Kaupmannahöfn 12. okt. 1911.
3. Delphine María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 23. maí 1887.
4. Edmunda María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Póllandi 24. okt. 1896.
5. Flaviana María, abbadís, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 28. des. 1890.
6. Hals, Anders Ingebrigt Johan, útgerðarmaður, til heimilis í Vestmannaeyjum, fæddur í Noregi 5. okt. 1908.
7. Henriette María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. febr. 1905.
8. Lioba María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. júní 1903.
9. Karóla María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 21. júní 1901.
10. Klothilde María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 27. febr. 1898.
11. Petersen, Axel Jakob, bókari, til heimilis í Reykjavík, fæddur í Danmörku 12. nóv. 1896.
12. Petersen, Skúli, unglingur, fæddur í Danmörku 26. jan. 1925.
13. Sætran, Þorsteinn Bertrand, rafvirki, til heimilis í Reykjavík, fæddur 26. okt. 1911.
14. Theodula María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 25. júlí 1887.
15. Timothea María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. sept. 1874.

2. gr.

Ef ríkisstjórnin telur nauðsynlegt vegna núverandi styrjaldarástands, er henni heimilt að lengja frest þann, er 4. mgr. 4. gr. laga nr. 64 28. jan. 1935 ræðir um, eða veita aðilum með öllu undanþágu frá skilyrði málsgr.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 713. Lög

um breying á lögum nr. 105 1940, um breyting á lögum nr. 62 30. des. 1939, um tollskrá o. fl.

(Afgreidd frá Ed. 10. apríl.)

Samhljóða þskj. 482.

## Ed. 714. Lög

um breyting á lögum nr. 51 27. júní 1941, um breyting á lögum nr. 1 5. jan. 1938, um síldarverksmiðjur ríkisins.

(Afgreidd frá Ed. 10. apríl.)

Samhljóða þskj. 500.

## Nd. 715. Breytingartillögur

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Flm.: Jakob Möller.

1. Við 3. gr. Greinin orðist svo:
   Ríkisstjórninni er heimilt, að fengnu samkomulagi við félagasambönd launþega, að ákveða, að í næsta mánuði eftir að lög þessi öðlast gildi, skuli greiðsla verðlagsuppbótar á kaupgjald og laun fara fram eftir þeirri vísitölu, sem byggð er á verðlaginu 1. dag þess mánaðar.
2. Við 4. gr.
   a. Í stað „sex“ í upphafi fyrstu málsgr. komi: fimm.
   b. Önnur málsgr. orðist svo:
      Nefndin skal skipuð einum manni tilnefndum af hæstarétti, og sé hann formaður nefndarinnar, tveim mönnum eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einum manni eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum manni tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæja. Nefndin njóti aðstoðar hagstofustjóra og forstöðumanns búreikningaskrifstofu ríkisins.
3. Við 5. gr. Fyrsta málsgr. orðist svo:
   Að fengnu samkomulagi við stjórn Búnaðarfélags Íslands er ríkisstjórninni heimilt, þar til verð landbúnaðarafurða verður ákveðið samkvæmt fyrirmælum 4. gr., að ákveða verð þeirra þannig:
4. Við 6. gr. Greinin orðist svo:
   Ríkisstjórninni er heimilt, ef samkomulag næst við félagasambönd launþega eins og í 3. gr. segir, að leggja fram úr ríkissjóði allt að 3 millj. króna í sjóð til tryggingar gegn atvinnuleysi, og nefnist hann atvinnutryggingarsjóður. Félagsmálaráðherra setur reglugerð um hlutverk og starfsemi sjóðsins.

## Nd. 716. Breytingartillaga

við frv. til l. um veiting ríkisborgararéttar.

Frá allsherjarnefnd.

Við 1. gr. 12. Nýr liður:
Sætran, Jón Meyvant Sivertsen, tekn. ing., nú í Kaupmannahöfn, fæddur í Reykjavík 21. febr. 1915.

## Nd. 717. Nefndarálit

um frv. til l. um breyt. á l. nr. 44 23. júní 1932, um skipun læknishéraða, verksvið landlæknis og störf héraðslækna.

Frá allsherjarnefnd.

Allsherjarnefnd hefur leitað umsagnar landlæknis um þetta frv., sem fer fram á að stofna nýtt læknishérað á sunnanverðu Snæfellsnesi. Landlæknir svaraði nefndinni um hæl með ýtarlegri umsögn, sem prentuð er sem fylgiskjal með nál. þessu. Viðurkennir landlæknir hina brýnu þörf fyrir íbúa umræddra héraða til að fá sérstakan héraðslækni, en telur réttara að afgreiða málið nú með „rökstuddri dagskrá þess efnis, að heilbrigðisstjórninni verði falið að athuga málið og leggja tillögur um það fyrir Alþingi næsta haust eða vetur".

Allsherjarnefnd fellst á þessa tillögu landlæknis og leggur til, að frv. verði afgreitt með svofelldri

RÖKSTUDDRI DAGSKRÁ:

Með tilvísun til álitsgerðar landlæknis, dags. 9. apríl 1943, og í trausti þess, að heilbrigðisstjórnin láti fram fara athugun og undirbúning að stofnun sérstaks læknishéraðs á sunnanverðu Snæfellsnesi, m. a. athugun á stað fyrir læknisbústað, í samráði við íbúa hins væntanlega læknishéraðs, enda leggi hún tillögur um málið fyrir Alþingi á þessu ári, tekur deildin fyrir næsta mál á dagskrá.

Alþingi, 10. apríl 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. | Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. | Gunnar Thoroddsen, frsm.

Jörundur Brynjólfsson. Áki Jakobsson.

**Fylgiskjal.**

LANDLÆKNIRINN

Reykjavík, 9. apríl 1943.

Til svars bréfi háttvirtar allsherjarnefndar, dags. 7. þ. m., þar sem leitað er umsagnar minnar um frumvarp um breyting á lögum nr. 44 23. júní 1932, um skipun læknishéraða, verksvið landlæknis og störf héraðslækna (þ. e. um stofnun nýs læknishéraðs á sunnanverðu Snæfellsnesi), vil ég taka fram eftirfarandi:

Þegar litið er á erfiðleika og kostnað flestra hinna umræddu byggða af að leita læknis, er ekki unnt að mæla því í gegn, að íbúunum er full nauðsyn á að fá sérstakan héraðslækni. Ef slíkt hérað yrði stofnað, ætla ég og, að ekki orki tvímælis, að undir það ættu að hverfa einmitt þeir hreppar, sem frumvarpið gerir ráð fyrir. Ef ekki

væri á annað að líta en þetta, mundi ég því geta mælt með samþykkt frumvarpsins án nokkurs fyrirvara. En að vísu mundi mér þá bera svipuð skylda til að mæla með stofnun nýrra læknishéraða á ýmsum öðrum stöðum á landinu, og nefni ég þar einkum til Suðureyri í Súgandafirði, Hrútafjörð, Raufarhöfn og Borgarfjörð eystra. Er um alla þessa staði svipuðu máli að gegna og Snæfellsnes sunnanvert, að því er tekur til erfiðleika við læknisvitjanir og mikinn kostnað af þeim.

Kostnað ríkisins af fjölgun héraðslæknisembætta læt ég liggja á milli hluta, með því að ég ætla Alþingi að meta getu ríkissjóðs til að standa undir þeim kostnaði bæði nú og síðar, er miður kann að vegna ríkisbúskapnum. En á hinu vek ég athygli, að stofnun nýs læknishéraðs á tilteknum stað er út af fyrir sig engin trygging fyrir því, að úr rakni erfiðleikum á að ná til læknishjálpar með skaplegu móti, og getur meira að segja orðið til þess að gera illt verra. Ef enginn læknir fæst í hið nýja hérað, er minna en ekkert unnið. Áður áttu íbúar héraðsins beina kvöð á þjónustu héraðslæknis síns, en á eftir eiga þeir einungis aukakvöð á nágrannalækna um utanhéraðsþjónustu, sem gera má ráð fyrir, að oft verði rækt samkvæmt því. En þá kastar tólfunum, ef læknishérað, sem lafir í þeim fólksfjölda að vera nokkurn veginn útgengilegt, er klofið í sundur í tvö svo smá og rýr héruð, að hvorugt fæst skipað. Áður en varir eru þá í stað eins héraðs, sem að vísu bjó við ófullnægjandi þjónustu eins læknis, komin tvö héruð, bæði algerlega læknislaus.

Af ótta við þetta (þ. e. fyrirfram vitað læknisleysi hins fyrirhugaða nýja héraðs eða jafnvel tvö læknislaus héruð í stað eins, er þó heldur lækni), hef ég til þessa ekki treyst mér til að mæla með því, að orðið yrði við mjög eindregnum kröfum, er á ýmsum tímum hafa verið bornar fram af íbúum þeirra staða, er ég áðan nefndi, um stofnun nýrra læknishéraða. Veit ég og ekki betur en hlutaðeigendur hafi við nánari athugun látið sér skiljast, hver tormerki eru á framkvæmdinni, og talið eftir atvikum rétt að láta kröfur sínar í þessa átt falla niður í bili. Síðan hefur þó stórum dregið úr eftirspurn lækna eftir héruðum úti á landi. Um úrvalshéruð, sem auglýst eru laus til umsóknar, sækir nú ýmist einn eða enginn læknir, og eru fjögur læknishéruð sem stendur algerlega læknislaus og lítil von um, að úr rætist, auk tveggja héraða, þar sem vant er staðgöngumanna í veikindaforföllum héraðslæknanna.

Ef umrætt frumvarp yrði að lögum, mundi af því leiða eftirfarandi breytingar á læknishéraðaskipuninni á Snæfellsnesi og í Mýrasýslu (íbúatala læknishéraðanna samkvæmt manntali 1940, en íbúatala hreppanna síðustu tölum Hagstofunnar):

Undan Stykkishólmshéraði félli Miklaholtshreppur (177 íbúar), og íbúatala héraðsins lækkaði úr 1616 niður í 1439.

Undan Ólafsvíkurhéraði félli Staðarsveit (239 íbúar) og Breiðavíkurhreppur (240 íbúar), og íbúatala héraðsins lækkaði úr 1550 niður í 1071.

Undan Borgarneshéraði félli Kolbeinsstaðahreppur (221 íbúi) og Eyjahreppur (92 íbúar), og íbúatala héraðsins lækkaði úr 1596 niður í 1283.

Í hinu fyrirhugaða nýja læknishéraði yrði íbúatalan 969.

Ég geri ekki ráð fyrir, að breytingin á íbúatölu Borgarneshéraðs og Stykkishólmshéraðs skipti neinu máli fyrir eftirspurn lækna eftir þessum héruðum. Hins vegar yrði fólksfækkunin í Ólafsvíkurhéraði tilfinnanleg. Hingað til hefur það þótt í betri héraða röð, en mundi eftir breytinguna verða talið aftarlega í flokki miðlungshéraða, og gæti vel leitt til þess, að öllu óbreyttu, að læknar sæktust lítið eða ekki eftir því, og með vissu miður en hingað til. Vera má, að læknir, sem í héraðinu sæti og þreyttur væri orðinn á að gegna hinum fjarlægari hreppum, sætti sig fyrir sitt leyti við breytinguna og æskti jafnvel eftir henni, en þannig líta ungir læknar ekki á málið. Þeir telja að jafnaði fyrir öllu, að horfur séu á nægu starfi og spyrja fyrst og fremst um fólksfjöldann.

Fólksfjöldinn í hinu fyrirhugaða nýja héraði er út af fyrir sig við hæfi sérstaks læknishéraðs, og að því leyti hafa þessar byggðir nokkra sérstöðu, miðað við

þá staði aðra, sem hér hafa verið nefndir og kæmu til greina sem ný læknishéruð. Á öllum þeim stöðum er fólksfjöldinn svo að verulegu nemur minni. En það rýrir aftur hið fyrirhugaða Snæfellsneshérað og mundi gera það að sama skapi minna eftirsóknarvert læknum, að þar er ekkert þorp eða fjölbýli, enginn verzlunarstaður né sameiginleg miðstöð byggðarinnar, en fyrir það mundi verulegur hluti læknisviðskiptanna falla til utanhéraðslækna, er sitja á verzlunarstöðunum. Ber á þessu víða um land, þar sem svipað hagar til, og gætir meira og meira, eftir því sem samgöngur verða örari og greiðari.

Að þessu athuguðu tel ég undir hælinn lagt, að þetta fyrirhugaða læknishérað fengist skipað, þó að stofnað yrði, og að vísu má nokkurn veginn fullyrða, að svo verði ekki, á meðan málið er ekki betur undirbúið en það, að á engan stað er hægt að benda, þar sem læknirinn á að sitja, hvað þá að vitað sé, að til sé þak yfir höfuðið á honum.

Ég tel því ekki rétt að hrapa að því að samþykkja þetta frumvarp, og raunar er það ætíð góð regla, að þvílíkar skipulagsbreytingar séu rækilega athugaðar og undirbúnar af ríkisstjórninni, áður en Alþingi afgreiðir þær endanlega. Er og æðilangt síðan breyting hefur verið gerð á læknishéraðaskipuninni öðruvísi en samkvæmt stjórnarfrumvarpi.

Vil ég mjög eindregið ráða til, að frumvarpið verði að þessu sinni afgreitt með rökstuddri dagskrá þess efnis, að heilbrigðisstjórninni verði falið að athuga málið og leggja tillögur um það fyrir Alþingi næsta haust eða vetur.

Teldi ég þá sjálfsagt, að heilbrigðisstjórnin athugaði málið af skilningi og velvild og hefði um það samvinnu við hlutaðeigendur. Má raunar margt til þess gera, að sveitahérað með allt að 1000 íbúum sé ekki fyrirfram dæmt til læknisleysis, og bezt verður það gert með því að tryggja aðlaðandi læknissetur og koma upp snotrum og þægilegum læknisbústað, búnum nauðsynlegustu tækjum. Er hér mikið komið undir áhuga og fórnfýsi hinna væntanlegu héraðsbúa, og að vísu væri ekki ósanngjarnt að ætlast til þess, að slíkur áhugi og fórnfýsi hefði að einhverju leyti sýnt sig í verki, áður en Alþingi og stjórnarvöld láta til sín taka um framkvæmdir.

Vilm. Jónsson.

Til allsherjarnefndar neðri deildar Alþingis, Reykjavík.

## Ed. 718. Frumvarp til laga

um veiting ríkisborgararéttar.

(Eftir eina umr. í Nd.)

1. gr.

Ríkisborgararétt skulu öðlast:

1. Ágústa Pétursdóttir, til heimilis í Reykjavík, fædd í Reykjavík 9. febr. 1915.
2. Börge Axel Jónsson, matsveinn, til heimilis í Reykjavík, fæddur í Kaupmannahöfn 12. okt. 1911.
3. Delphine María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 23. maí 1887.
4. Edmunda María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Póllandi 24. okt. 1896.
5. Flaviana María, abbadís, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 28. des. 1890.

6. Hals, Anders Ingebrigt Johan, útgerðarmaður, til heimilis í Vestmannaeyjum, fæddur í Noregi 5. okt. 1908.
7. Henriette María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. febr. 1905.
8. Lioba María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. júní 1903.
9. Karóla María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 21. júní 1901.
10. Klothilde María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 27. febr. 1898.
11. Petersen, Axel Jakob, bókari, til heimilis í Reykjavík, fæddur í Danmörku 12. nóv. 1896.
12. Petersen, Skúli, unglingur, fæddur í Danmörku 26. jan. 1925.
13. Sætran, Jón Meyvant Sivertsen, tekn. ing., nú í Kaupmannahöfn, fæddur í Reykjavík 21. febr. 1915.
14. Sætran, Þorsteinn Bertrand, rafvirki, til heimilis í Reykjavík, fæddur 26. okt. 1911.
15. Theodula María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 25. júlí 1887.
16. Timothea María, nunna, til heimilis í Reykjavík, fædd í Þýzkalandi 13. sept. 1874.

2. gr.

Ef ríkisstjórnin telur nauðsynlegt vegna núverandi styrjaldarástands, er henni heimilt að lengja frest þann, er 4. mgr. 4. gr. laga nr. 64 28. jan. 1935 ræðir um, eða veita aðilum með öllu undanþágu frá skilyrði málsgr.

3. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 719. Breytingartillaga

við breytingartillögu á þingskjali 701 [Samsigling íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands].

Frá Ingvari Pálmasyni.

*Aftan við tillöguna bætist: á hverri útflutningshöfn.*

## Ed. 720. Frumvarp til laga

um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samsiglingu íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands.

(Eftir 2. umr. í Ed.).

1. gr.

Ríkisstjórnin getur ákveðið með reglugerð, að íslenzk skip eða önnur skip, leigð eða gerð út af íslenzkum mönnum eða fyrirtækjum, er sigla milli Íslands og Stóra-Bretlands, skuli sigla tvö saman eða fleiri báðar leiðir.

Nánari fyrirmæli um þetta efni skal setja í reglugerð.

2. gr.

Þegar sérstaklega stendur á, má veita undanþágu frá ákvæðum 1. gr., eftir því og með þeim hætti, er mælt verður í reglugerð, enda sé fyrir því séð, að hægt verði að afgreiða beiðnir um undanþágu án tafar á hverri útflutningshöfn.

3. gr.

Brot á ákvæðum laga þessara eða reglugerðar varða sektum frá 1000—50000 króna, enda liggi ekki þyngri refsing við að öðrum lögum. Ítrekað brot getur og varðað missi réttar til skipstjórnar allt að 6 mánuði.

4. gr.

Mál vegna brota á ákvæðum laga þessara sæta meðferð opinberra mála.

5. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

## Sþ. 721. Nefndarálit

um till. til þál. um útvegun á efni til virkjunar Andakílsár í Borgarfjarðarsýslu.

Frá fjárveitinganefnd.

Nefndin hefur athugað tillöguna og leggur til, að hún verði samþykkt óbreytt.

Alþingi, 10. apríl 1943.

| | | |
|---|---|---|
| Finnur Jónsson, form. | Helgi Jónasson, fundaskr. | Pétur Ottesen, frsm. |
| Páll Zóphóníasson. | Lúðvík Jósefsson. | Þóroddur Guðmundsson. |
| Sigurður E. Hlíðar. | Jónas Jónsson. | Þorsteinn Þorsteinsson. |

## Nd. 722. Breytingartillaga

við frumv. til laga um dýrtíðarráðstafanir.

Frá Ingólfi Jónssyni.

Við 7. gr. 1. málsgrein orðist svo:

Eftirtaldar breytingar skulu gerðar á gildandi skattalögum og sú upphæð, sem kemur í ríkissjóðinn þeirra vegna, ganga í raforkusjóð.

## Nd. 723. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 715 (Dýrtíðarráðstafanir).

Frá Eysteini Jónssyni.

Við 1. Till. orðist svo:

Ríkisstjórninni er heimilt að ákveða, að fengnu samkomulagi við Alþýðusamband Íslands og Bandalag starfsmanna ríkis og bæja, að greiðsla verðlagsuppbótar á kaupgjald og laun fari fram eftir þeirri vísitölu, sem byggð er á verðlaginu 1. dag þess mánaðar eftir að lög þessi öðlast gildi.

## Nd. 724. Breytingartillaga

við frumvarp til laga um dýrtíðarráðstafanir.

Flm.: Sigurður Bjarnason, Sigurður Kristjánsson.

Við 7. gr. Greinin falli niður.

## Nd. 725. Breytingartillaga

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Frá Jóni Pálmasyni.

Við 7. gr. Orðin „eða ef nýbyggingarsjóður er orðinn ein milljón krónur“ falli burt.

## Nd. 726. Breytingartillaga

við brtt. á þskj. 722 [Dýrtíðarráðstafanir].

Frá Eysteini Jónssyni.

Niðurlag meginmáls brtt. orðist þannig, að í stað orðanna „ganga í raforkusjóð“ komi: skal að hálfu ganga í raforkusjóð og að hálfu til þess að standast kostnað við væntanlegar endurbætur á lögum um alþýðutryggingar.

## Nd. 727. Breytingartillaga

við frv. til laga um dýrtíðarráðstafanir.

Frá Lúðvík Jósefssyni og Áka Jakobssyni.

Aftan við 7. gr. komi ný málsgrein, svo hljóðandi:
Ákvæði þessarar greinar skulu koma til framkvæmda við álagningu skatta á tekjur ársins 1942.

## Ed. 728. Frumvarp til laga

um dýrtíðarráðstafanir.

(Eftir 3. umr. í Nd.).

1. gr.

Auk skatta þeirra, sem í 6. gr. laga nr. 6 1935, sbr. 1. gr. laga nr. 20 1942, og í lögum nr. 21 1942 getur, skal árið 1943 leggja á tekjur ársins 1942 skatt, er nefnist verðlækkunarskattur, samkvæmt eftirfarandi reglum:

Af skattskyldum tekjum lægri en 10000 kr. greiðist enginn verðlækkunarskattur.

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Af | 10— | 11 | þús. | kr. | greiðist | 150 | kr. | af | 10 | þús. | og | 4 | % | af afg. |
| — | 11— | 12 | — | — | — | 190 | — | — | 11 | — | — | 5 | — | — — |
| — | 12— | 13 | — | — | — | 240 | — | — | 12 | — | — | 6 | — | — — |
| — | 13— | 15 | — | — | — | 300 | — | — | 13 | — | — | 7 | — | — — |
| — | 15— | 17 | — | — | — | 440 | — | — | 15 | — | — | 8 | — | — — |
| — | 17— | 20 | — | — | — | 600 | — | — | 17 | — | — | 9 | — | — — |
| — | 20— | 25 | — | — | — | 870 | — | — | 20 | — | — | 10 | — | — — |
| — | 25— | 30 | — | — | — | 1370 | — | — | 25 | — | — | 13 | — | — — |
| — | 30— | 100 | — | — | — | 2020 | — | — | 30 | — | — | 18 | — | — — |
| — | 100— | 125 | — | — | — | 14620 | — | — | 100 | — | — | 15 | — | — — |
| — | 125— | 150 | — | — | — | 18370 | — | — | 125 | — | — | 10 | — | — — |
| — | 150— | 200 | — | — | — | 20870 | — | — | 150 | — | — | 5 | — | — — |
| — | 200 | þús. | og | yfir | — | 23350 | — | — | 200 | — | — | 0 | — | — — |

2. gr.

Um álagningu, gjalddaga, lögtaksrétt, viðurlög og innheimtu verðlækkunarskatts fer að lögum um eignar- og tekjuskatt (sbr. lög nr. 20 20. maí 1942, 14. gr. a.).

3. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt, að fengnu samkomulagi við félagasambönd launþega, að ákveða, að í næsta mánuði eftir að lög þessi öðlast gildi, skuli greiðsla verðlagsuppbótar á kaupgjald og laun fara fram eftir þeirri vísitölu, sem byggð er á verðlaginu 1. dag þess mánaðar.

4. gr.

Skipa skal sex manna nefnd, er finni grundvöll fyrir vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða, er fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara, og hlutfall milli verðlags landbúnaðarvara og kaupgjalds stéttarfélaga, er miðist við það, að heildartekjur þeirra, er vinna að landbúnaði, verði í sem nánustu samræmi við tekjur annarra vinnandi stétta. Skal í því sambandi tekið tillit til þess verðs, sem fæst fyrir útfluttar landbúnaðarafurðir.

Nefndin skal skipuð hagstofustjóra, og sé hann formaður nefndarinnar, forstöðumanni búreikningaskrifstofu ríkisins, tveim mönnum eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einum manni eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum manni tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæjarfélaga.

Nú verður nefndin sammála um vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða og hlutfall milli verðlags á landbúnaðarafurðum og kaupgjalds stéttarfélaga, og skal þá verð á landbúnaðarvörum ákveðið í samræmi þar við, meðan núverandi ófriðarástand helzt. Þó er ríkisstjórninni heimilt að ákveða lægra verð á einstökum vörutegundum gegn framlagi úr ríkissjóði.

Nefndin skal ljúka störfum og skila áliti til ríkisstjórnarinnar fyrir 15. ágúst 1943.

5. gr.

Þar til verð landbúnaðarvara verður ákveðið samkvæmt fyrirmælum 4. gr., er ríkisstjórninni heimilt, að fengnu samþykki Búnaðarfélags Íslands, að ákveða verð þeirra þannig:

Útsöluverð mjólkur verði lækkað í allt að kr. 1.30 lítrinn og verð annarra mjólkurafurða í samræmi við það. Lækkun á verðinu til framleiðenda verði hlutfallslega jöfn þeirri lækkun á vísitölu kauplagsnefndar, sem verður í næsta mánuði eftir að mjólkurverðslækkunin kemur til framkvæmda, og verðið til þeirra breytist síðan í samræmi við breytingar á vísitölunni, en að öðru leyti verði verðlækkunin á mjólk og mjólkurafurðum borguð úr ríkissjóði.

Verð á kjöti, sem fyrirliggjandi er í landinu, er heimilt að lækka með framlagi úr ríkissjóði, þannig að heildsöluverð á dilkakjöti verði fært niður í allt að kr. 4.80 kg. og verð á öðrum tegundum kjöts í samræmi við það.

Ákvæði þessarar greinar um verðlag og ríkisframlag falla úr gildi eigi síðar en 15. september 1943.

6. gr.

Ríkisstjórninni er heimilt, ef samkomulag næst við félagasambönd launþega eins og í 3. gr. segir, að leggja fram úr ríkissjóði allt að 3 millj. króna í sjóð til tryggingar gegn atvinnuleysi, og nefnist hann atvinnutryggingarsjóður. Félagsmálaráðherra setur reglugerð um hlutverk og starfsemi sjóðsins.

7. gr.

Eftirtaldar breytingar skulu gerðar á gildandi skattalögum, og sú upphæð, sem kemur í ríkissjóðinn þeirra vegna, skal að hálfu ganga í raforkusjóð og að hálfu til þess að standast kostnað við væntanlegar endurbætur á lögum um alþýðutryggingar.

Skattfrelsi það, sem félögum er veitt samkvæmt 1. málsl. 3. málsgr. 3. gr. l. nr. 20/1942, skal niður falla. Þau félög, er um ræðir í 3. gr. a. l. nr. 6/1935, sem sjávarútveg stunda, enn fremur einstaklingar og sameignarfélög, er stunda sjávarútveg sem aðalatvinnurekstur, skulu hafa skattfrelsi samkvæmt 2. málsl. 3. mgr. 3. gr. l. nr. 20/1942, enda skal allt varasjóðstillag og frádráttur lagður í nýbyggingarsjóð, sbr. b.—g.-lið 14. gr. sömu laga. Þegar nýbyggingarsjóður samkv. framansögðu er orðinn jafnhár vátryggingarverði skips eða skipa skattþegns, eða ef nýbyggingarsjóður er orðinn ein milljón krónur, missir viðkomandi skattþegn það skattfrelsi, er um ræðir í næsta málslið hér á undan. Þessi takmörkun á skattfrjálsu nýbyggingarsjóðsframlagi gildir þó ekki fyrr en sjóðurinn hefur náð 200000 kr.

Ákvæði þessarar greinar skulu koma til framkvæmda við álagningu skatta á tekjur ársins 1942.

8. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum fara að hætti opinberra mála.

9. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Nd. 729. Nefndarálit

um frv. til l. um viðauka við l. nr. 39 28. jan. 1935, um breyt. á l. nr. 46/1921, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna.

Frá allsherjarnefnd.

Nefndin leggur til, að frv. verði samþykkt, en einstakir nefndarmenn áskilja sér þó rétt til þess að bera fram breytingartillögur við það eða fylgja breytingartillögum, sem fram kunna að koma.

Alþingi, 12. apríl 1943.

Garðar Þorsteinsson, form. Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskr. Áki Jakobsson, frsm.

Jörundur Brynjólfsson. Gunnar Thoroddsen.

## Ed. 730. Lög

um veiting ríkisborgararéttar.

(Afgreidd frá Ed. 12. apríl).

Samhljóða þskj. 718.

## Nd. 731. Breytingartillaga

við frv. til l. um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samsiglingu íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands.

Flm.: Jakob Möller.

Fyrir orðið „samsiglingu“ í fyrirsögn frv. komi: samflot.

## Sþ. 732. Þingsályktun

um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að láta byggja eða kaupa strandferðabát fyrir Austurland.

(Afgreidd frá Sþ. 12. apríl.)

Alþingi felur ríkisstjórninni að láta byggja vandaðan strandferðabát fyrir Austurland af hæfilegri stærð og jafnframt að hefja undirbúning þess, að ríkið eignist hæfilega marga strandferðabáta, sem reknir verði í nánu sambandi við aðalstrandferðaskip ríkisins.

## Sþ. 733. Þingsályktun

um athugun á jarðeignamálum kaupstaða, kauptúna og sjávarþorpa.

(Afgreidd frá Sþ. 12. apríl.)

Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að láta athuga með nefndarskipun eða á annan hátt, hvernig megi veita kaupstöðum, kauptúnum og sjávarþorpum eignar- og umráðarétt yfir nauðsynlegum löndum og lóðum, með sanngjörnum kjörum, án þess að gengið verði of nærri hagsmunum nágrannasveita þeirra, hvernig komið verði í veg fyrir óréttmæta verðhækkun á þessum löndum og afnotarétti þeirra, og hvernig tryggja megi, að verðhækkun á löndum og lóðum, sem verða kann á fyrrnefndum stöðum vegna meiri háttar opinberra framkvæmda, verði almenningseign.

Athugun þessi fari fram í samráði við hlutaðeigandi bæjar- og sveitarstjórnir, eftir því, sem þurfa þykir, og sé henni lokið fyrir reglulegt Alþingi 1944.

## Sþ. 734. Þingsályktun

um aukauppbót á styrki til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna.

(Afgreidd frá Sþ. 12. apríl.)

Samhljóða þskj. 173.

## Sþ. 735. Þingsályktun

um síldarmjöl til fóðurbætis.

(Afgreidd frá Sþ. 12. apríl.)

Samhljóða þskj. 573.

## Sþ. 736. Þingsályktun

um útvegun á efni til virkjunar Andakílsár í Borgarfjarðarsýslu.

(Afgreidd frá Sþ. 12. apríl.)

Samhljóða þskj. 661.

## Ed. 737. Breytingartillögur

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Frá Gísla Jónssyni.

1. Við 1. gr. Greinin orðist svo:
   Stofna skal sérstakan verðlækkunarsjóð til þess að halda niðri og lækka verðlag á nauðsynjavörum í landinu og á þann hátt að lækka verðvísitöluna, eftir því sem ríkisstjórninni þykir nauðsynlegt til öryggis atvinnumálum og fjármálum þjóðarinnar. Ef nauðsynlegt þykir að lækka eða afnema tolla á einstökum vörutegundum til lækkunar á verðvísitölu, skal það fé, sem ríkissjóður missir við slíkar ráðstafanir, greiðast úr verðlækkunarsjóði.
2. Við 2. gr. Greinin orðist svo:
   Tekjur verðlækkunarsjóðs skulu vera sem hér segir:
   a. Lagt sé verðlækkunargjald, 1% — einn af hundraði —, á allan verzlunar- og atvinnurekstur í landinu, þar með talin sala fasteigna, verðbréfa og hvers konar lausafjár.
      Ráðuneytið setur reglugerð um innheimtu, sem framkvæmd skal mánaðarlega, eftir því sem við verður komið.
   b. Ríkisstjórninni heimilast að taka handa sjóðnum allt að 10 — tíu — milljón króna innlent skuldabréfalán til bráðabirgða, ef nauðsynlegt þykir. Skal lánið allt endurgreitt úr verðlækkunarsjóði, og má eigi fella niður gjald til hans fyrr en tryggt er, að hann geti greitt lánið að fullu.
3. Við 4. gr. Í stað orðanna „gegn framlagi úr ríkissjóði“ í niðurlagi 3. málsgr. komi: gegn framlagi úr verðlækkunarsjóði.
4. Við 5. gr. Í stað orðanna „úr ríkissjóði“ í 2. og 3. málsgr. komi: úr verðlækkunarsjóði.

5. Við 7. gr. Greinin orðist svo:
Til þess að standast kostnað við nauðsynlegar verklegar framkvæmdir og jafnframt til þess að draga úr væntanlegu atvinnuleysi að loknum ófriði heimilast ríkisstjórninni að gefa út ríkisskuldabréf, allt að 20 milljónum króna, er seld séu nafnverði. Skulu bréfin vera vaxtalaus og afborgunarlaus þar til ári eftir að núverandi Evrópu-styrjöld er lokið, en greiðast úr því á næstu 5 árum ásamt 5% ársvöxtum, eftir nánari ákvæðum, er setja skal með reglugerð.
Fjárhæðir þær, sem einstaklingar, félög eða stofnanir verja til kaupa á slíkum bréfum, koma til frádráttar við ákvörðun skattskyldra tekna, þó eigi hærri fjárhæð en sem nemur 10% — tíu af hundraði — af hreinum tekjum viðkomandi aðila.

## Sþ. 738. Þingsályktun

um skipun nefndar til að gera tillögur um framtíðarafnot jarðarinnar Reykhóla.

(Afgreidd frá Sþ. 12. apríl.)

Alþingi ályktar að fela ríkisstjórn að skipa nú þegar fimm manna nefnd til að gera nákvæmar athuganir og tillögur um framtíðarnot jarðarinnar Reykhóla sem skólaseturs og tilraunastöðvar fyrir Vesturland. Nefndin verði þannig skipuð: einn maður eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einn eftir tilnefningu hreppsnefndar Reykhólahrepps, einn eftir tilnefningu sýslunefndar Austur-Barðastrandarsýslu, einn eftir tilnefningu Breiðfirðingafélagsins í Reykjavík, og einn skipaður af ríkisstjórninni án tilnefningar, og sé hann formaður. Nefndin skili áliti sínu og tillögum fyrir 1. október 1943.

## Sþ. 739. Þingsályktun

um ráðstafanir út af læknislausum héruðum.

(Afgreidd frá Sþ. 12. apríl.)

Samhljóða þskj. 644.

## Sþ. 740. Þingsályktun

um nefndarskipun til að athuga skilyrði fyrir byggingu og rekstri skipasmíðastöðvar í Reykjavík og allsherjarskipulagi á strandferðum landsins.

(Afgreidd frá Sþ. 12. apríl.)

Sameinað Alþingi ályktar að skora á ríkisstjórnina að skipa, eftir tilnefningu þingflokkanna, fjóra menn í nefnd til að:

1. Rannsaka skilyrði fyrir byggingu og starfrækslu fullkominnar skipasmíðastöðvar í Reykjavík.
2. Athuga og gera tillögur um nýja skipun strandsiglinga, einkum um fyrirkomulag flóabáta og hversu bezt megi samræma ferðir þeirra við siglingar strandferða- og millilandaskipa.

Ríkisstjórnin skipar einn af nefndarmönnum formann. Nefndin fær, fyrir atbeina ríkisstjórnarinnar, alla þá aðstoð við starf sitt, sem kunnáttumenn í þjónustu ríkisins geta veitt henni.

## Ed. 741. Frumvarp til laga

um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samflot íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands.

(Eftir 3. umr. í Nd.)

1. gr.

Ríkisstjórnin getur ákveðið með reglugerð, að íslenzk skip eða önnur skip, leigð eða gerð út af íslenzkum mönnum eða fyrirtækjum, er sigla milli Íslands og Stóra-Bretlands, skuli sigla tvö saman eða fleiri báðar leiðir.

Nánari fyrirmæli um þetta efni skal setja í reglugerð.

2. gr.

Þegar sérstaklega stendur á, má veita undanþágu frá ákvæðum 1. gr., eftir því og með þeim hætti, er mælt verður í reglugerð, enda sé fyrir því séð, að hægt verði að afgreiða beiðnir um undanþágu án tafar á hverri útflutningshöfn.

3. gr.

Brot á ákvæðum laga þessara eða reglugerðar varða sektum frá 1000—50000 króna, enda liggi ekki þyngri refsing við að öðrum lögum. Ítrekað brot getur og varðað missi réttar til skipstjórnar allt að 6 mánuði.

4. gr.

Mál vegna brota á ákvæðum laga þessara sæta meðferð opinberra mála.

5. gr.

Lög þessi öðlast gildi þegar í stað.

## Sþ. 742. Lög

um breyting á lögum nr. 76 27. júní 1941, um breyting á lögum nr. 66 1940, um stríðsslysatryggingu sjómanna.

(Afgreidd frá Nd. 12. apríl.)

Samhljóða þskj. 657.

## Nd. 743. Breytingartillaga

við till. til þál. um útgáfu á Njálssögu.

Frá Einari Olgeirssyni.

Tillögugreinin orðist svo:

Neðri deild Alþingis ályktar að skora á ríkisstjórnina að greiða fyrir því, að Fornritaútgáfan geti vandað alveg sérstaklega til útgáfu Njálu á vegum Fornritaútgáfunnar, þannig að hún geti m. a. verið prýdd myndum og teikningum beztu íslenzku listamanna, og leggi ríkisstjórnin, að fengnum upplýsingum, það fyrir Alþingi, hvað kosta mundi að hafa þessa vönduðu útgáfu svo ódýra, að sem flestir landsmenn gætu eignazt hana.

## Ed. 744. Nefndarálit

um frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Frá fjárhagsnefnd.

Fjórir nefndarmanna (HG, LJóh, PM og StgrA) vilja eftir atvikum mæla með því, að frv. verði samþykkt með nokkrum breytingum. Einn nefndarmanna (BSt) telur það mikið unnið með samþykkt frv., að hann vill ekki setja það í hættu með því að gera breytingar á því, svo að það þurfi að ganga aftur til Nd. seinasta starfsdag þingsins, og leggur því til, að það verði samþykkt óbreytt. Skrifar hann því undir nál. með fyrirvara.

Hinir fjórir nefndarmennirnir bera fram eftirfarandi

BREYTINGARTILLÖGUR.

1. Á efir 1. gr. komi ný grein, sem verður 2. gr., svo hljóðandi:
   Tekjum þeim, sem aflað er samkv. 1. gr., skal varið til að standast kostnað þann, er ríkissjóður kann að hafa af framkvæmd 4. og 5. gr. laganna. Enn fremur skal verja 3 milljónum króna af tekjunum til þess að efla alþýðutryggingar. Upphæðin greiðist til Tryggingarstofnunar ríkisins, og skal setja nánari ákvæði um notkun fjárins um leið og endurskoðun fer fram á lögum um alþýðutryggingar.
2. Við 3. gr. Greinin falli niður.
3. Við 6. gr. Greinin falli niður.
4. Við 7. gr. Greinin falli niður.

Greinatalan breytist samkv. atkvgr.

Alþingi, 13. apríl 1943.

Pétur Magnússon, form., frsm. — H. Guðmundsson, fundaskr. — Steingr. Aðalsteinsson.

Bernharð Stefánsson, með fyrirvara. — Lárus Jóhannesson.

## Ed. 745. Frumvarp til laga

um dýrtíðarráðstafanir.

(Eftir 2. umr. í Ed.).

1. gr.

Auk skatta þeirra, sem í 6. gr. laga nr. 6 1935, sbr. 1. gr. laga nr. 20 1942, og í lögum nr. 21 1942 getur, skal árið 1943 leggja á tekjur ársins 1942 skatt, er nefnist verðlækkunarskattur, samkvæmt eftirfarandi reglum:

Af skattskyldum tekjum lægri en 10000 kr. greiðist enginn verðlækkunarskattur.

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Af | 10— | 11 | þús. | kr. | greiðist | 150 | kr. | af | 10 | þús. | og | 4 | % | af afg. |
| — | 11— | 12 | — | — | — | 190 | — | — | 11 | — | — | 5 | — | — — |
| — | 12— | 13 | — | — | — | 240 | — | — | 12 | — | — | 6 | — | — — |
| — | 13— | 15 | — | — | — | 300 | — | — | 13 | — | — | 7 | — | — — |
| — | 15— | 17 | — | — | — | 440 | — | — | 15 | — | — | 8 | — | — — |
| — | 17 | 20 | — | — | — | 600 | — | — | 17 | — | — | 9 | — | — — |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Af | 20— 25 | þús. | kr. | greiðist | 870 | kr. | af | 20 | þús. | og | 10 | % af afg. |
| — | 25— 30 | — | — | — | 1370 | — | — | 25 | — | — | 13 | — — — |
| — | 30—100 | — | — | — | 2020 | — | — | 30 | — | — | 18 | — — — |
| — | 100—125 | — | — | — | 14620 | — | — | 100 | — | — | 15 | — — — |
| — | 125—150 | — | — | — | 18370 | — | — | 125 | — | — | 10 | — — — |
| — | 150—200 | — | — | — | 20870 | — | — | 150 | — | — | 5 | — — — |
| — | 200 þús. og yfir | | | — | 23350 | — | — | 200 | — | — | 0 | — — — |

2. gr.

Tekjum þeim, sem aflað er samkv. 1. gr., skal varið til að standast kostnað þann, er ríkissjóður kann að hafa af framkvæmd 4. og 5. gr. laganna. Enn fremur skal verja 3 milljónum króna af tekjunum til þess að efla alþýðutryggingar. Upphæðin greiðist til Tryggingarstofnunar ríkisins, og skal setja nánari ákvæði um notkun fjárins um leið og endurskoðun fer fram á lögum um alþýðutryggingar.

3. gr.

Um álagningu, gjalddaga, lögtaksrétt, viðurlög og innheimtu verðlækkunarskatts fer að lögum um eignar- og tekjuskatt (sbr. lög nr. 20 20. maí 1942, 14. gr. a.).

4. gr.

Skipa skal sex manna nefnd, er finni grundvöll fyrir vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða, er fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara, og hlutfall milli verðlags landbúnaðarvara og kaupgjalds stéttarfélaga, er miðist við það, að heildartekjur þeirra, er vinna að landbúnaði, verði í sem nánustu samræmi við tekjur annarra vinnandi stétta. Skal í því sambandi tekið tillit til þess verðs, sem fæst fyrir útfluttar landbúnaðarafurðir.

Nefndin skal skipuð hagstofustjóra, og sé hann formaður nefndarinnar, forstöðumanni búreikningaskrifstofu ríkisins, tveim mönnum eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einum manni eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum manni tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæjarfélaga.

Nú verður nefndin sammála um vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða og hlutfall milli verðlags á landbúnaðarafurðum og kaupgjalds stéttarfélaga, og skal þá verð á landbúnaðarvörum ákveðið í samræmi þar við, meðan núverandi ófriðarástand helzt. Þó er ríkisstjórninni heimilt að ákveða lægra verð á einstökum vörutegundum gegn framlagi úr ríkissjóði.

Nefndin skal ljúka störfum og skila áliti til ríkisstjórnarinnar fyrir 15. ágúst 1943.

5. gr.

Þar til verð landbúnaðarvara verður ákveðið samkvæmt fyrirmælum 4. gr., er ríkisstjórninni heimilt, að fengnu samþykki Búnaðarfélags Íslands, að ákveða verð þeirra þannig:

Útsöluverð mjólkur verði lækkað í allt að kr. 1.30 pr. ltr. og verð annarra mjólkurafurða í samræmi við það. Lækkun á verðinu til framleiðenda verði hlutfallslega jöfn þeirri lækkun á vísitölu kauplagsnefndar, sem verður í næsta mánuði eftir að mjólkurverðslækkunin kemur til framkvæmda, og verðið til þeirra breytist síðan í samræmi við breytingar á vísitölunni, en að öðru leyti verði verðlækkunin á mjólk og mjólkurafurðum borguð úr ríkissjóði.

Verð á kjöti, sem fyrirliggjandi er í landinu, er heimilt að lækka með framlagi úr ríkissjóði, þannig að heildsöluverð á dilkakjöti verði fært niður í allt að kr. 4.80 pr. kg. og verð á öðrum tegundum kjöts í samræmi við það.

Ákvæði þessarar greinar um verðlag og ríkisframlag falla úr gildi eigi síðar en 15. september 1943.

6. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum fara að hætti opinberra mála.

7. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

## Ed. 746. Lög

um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samflot íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands.

(Afgreidd frá Ed. 13. apríl).

Samhljóða þskj. 741.

## Nd. 747. Lög

um viðauka við lög nr. 39 28. jan. 1935, um breyting á lögum nr. 46/1921, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna.

(Afgreidd frá Nd. 13. apríl).

Samhljóða þskj. 628.

## Nd. 748. Þingsályktun

um útgáfu á Njálssögu.

(Afgreidd frá Nd. 13. apríl).

Samhljóða þskj. 690.

## Ed. 749. Breytingartillaga

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Frá Bernharð Stefánssyni.

Við 1. gr. Aftan við greinina bætist ný málsgr., svo hljóðandi:

Skattfrjálst nýbyggingarsjóðstillag, sem einstaklingum og sameignarfélögum, er stunda sjávarútveg sem aðalatvinnurekstur, er heimilað samkv. g-lið 14. gr. laga nr. 20 1942, skal hækka í 33⅓% af hreinum árstekjum þeirra af útgerð. Þessi hækkun skal þó eigi koma til greina hjá þeim einstaklingum eða sameignarfélögum, sem lagt hafa í nýbyggingarsjóð 200000 kr. eða þar yfir. Ákvæði þessi koma til framkvæmda við álagningu skatta á tekjur ársins 1942.

## Ed. 750. Breytingartillaga

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Frá Brynjólfi Bjarnasyni.

Við 5. gr. 1. málsl. 2. málsgr. orðist þannig:
Útsöluverð mjólkur í Reykjavík verði lækkað í allt að kr. 1.30 pr. ltr. og verð annarra mjólkurafurða í samræmi við það. Útsöluverð mjólkur annars staðar á landinu lækki hlutfallslega jafnmikið.

## Ed. 751. Breytingartillaga

við frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir.

Frá meiri hl. fjárhagsnefndar.

Við 1. gr. Við greinina bætist:
Skattfrjálst nýbyggingarsjóðstillag einstaklinga og sameignarfélaga, sem stunda sjávarútveg sem aðalatvinnurekstur, skal hækka frá því, er segir í g-lið 14. gr. laga nr. 20/1942, úr 20% í 33⅓% af hreinum árstekjum þeirra. Ákvæði þetta skal koma til framkvæmda við álagningu skatta á tekjur ársins 1942.

## Ed. 752. Breytingartillaga

við breytingartillögu á þskj. 749 [Dýrtíðarráðstafanir].

Frá Ingvari Pálmasyni.

Í stað „200000 kr.“ komi: 300000 kr.

## Nd. 753. Frumvarp til laga

um dýrtíðarráðstafanir.

(Eftir 3. umr. í Ed.)

1. gr.

Auk skatta þeirra, sem í 6. gr. laga nr. 6 1935, sbr. 1. gr. laga nr. 20 1942, og í lögum nr. 21 1942 getur, skal árið 1943 leggja á tekjur ársins 1942 skatt, er nefnist verðlækkunarskattur, samkvæmt eftirfarandi reglum:
Af skattskyldum tekjum lægri en 10000 kr. greiðist enginn verðlækkunarskattur.

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Af | 10— | 11 | þús. | kr. | greiðist | 150 | kr. | af | 10 | þús. | og | 4 | % af afg. |
| — | 11— | 12 | — | — | — | 190 | — | — | 11 | — | — | 5 | — — — |
| — | 12— | 13 | — | — | — | 240 | — | — | 12 | — | — | 6 | — — — |
| — | 13— | 15 | — | — | — | 300 | — | — | 13 | — | — | 7 | — — — |

| | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Af | 15— | 17 | þús. | kr. | greiðist | 440 | kr. | af | 15 | þús. | og | 8 % af afg. |
| — | 17— | 20 | — | — | — | 600 | — | — | 17 | — | — | 9 — — — |
| — | 20— | 25 | — | — | — | 870 | — | — | 20 | — | — | 10 — — — |
| — | 25— | 30 | — | — | — | 1370 | — | — | 25 | — | — | 13 — — — |
| — | 30— | 100 | — | — | — | 2020 | — | — | 30 | — | — | 18 — — — |
| — | 100— | 125 | — | — | — | 14620 | — | — | 100 | — | — | 15 — — — |
| — | 125— | 150 | — | — | — | 18370 | — | — | 125 | — | — | 10 — — — |
| — | 150— | 200 | — | — | — | 20870 | — | — | 150 | — | — | 5 — — — |
| — | 200 | þús. | og | yfir | — | 23350 | — | — | 200 | — | — | 0 — — — |

Skattfrjálst nýbyggingarsjóðstillag einstaklinga og sameignarfélaga, sem stunda sjávarútveg sem aðalatvinnurekstur, skal hækka frá því, er segir í g-lið 14. gr. laga nr. 20/1942, úr 20% í 33⅓% af hreinum árstekjum þeirra. Ákvæði þetta skal koma til framkvæmda við álagningu skatta á tekjur ársins 1942.

2. gr.

Tekjum þeim, sem aflað er samkv. 1. gr., skal varið til að standast kostnað þann, er ríkissjóður kann að hafa af framkvæmd 4. og 5. gr. laganna. Enn fremur skal verja 3 milljónum króna af tekjunum til þess að efla alþýðutryggingar. Upphæðin greiðist til Tryggingarstofnunar ríkisins, og skal setja nánari ákvæði um notkun fjárins um leið og endurskoðun fer fram á lögum um alþýðutryggingar.

3. gr.

Um álagningu, gjalddaga, lögtaksrétt, viðurlög og innheimtu verðlækkunarskatts fer að lögum um eignar- og tekjuskatt (sbr. lög nr. 20 20. maí 1942, 14. gr. a.).

4. gr.

Skipa skal sex manna nefnd, er finni grundvöll fyrir vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða, er fara skal eftir við ákvörðun verðs landbúnaðarvara, og hlutfall milli verðlags landbúnaðarvara og kaupgjalds stéttarfélaga, er miðist við það, að heildartekjur þeirra, er vinna að landbúnaði, verði í sem nánustu samræmi við tekjur annarra vinnandi stétta. Skal í því sambandi tekið tillit til þess verðs, sem fæst fyrir útfluttar landbúnaðarafurðir.

Nefndin skal skipuð hagstofustjóra, og sé hann formaður nefndarinnar, forstöðumanni búreikningaskrifstofu ríkisins, tveim mönnum eftir tilnefningu Búnaðarfélags Íslands, einum manni eftir tilnefningu Alþýðusambands Íslands og einum manni tilnefndum af Bandalagi starfsmanna ríkis og bæjarfélaga.

Nú verður nefndin sammála um vísitölu framleiðslukostnaðar landbúnaðarafurða og hlutfall milli verðlags á landbúnaðarafurðum og kaupgjalds stéttarfélaga, og skal þá verð á landbúnaðarvörum ákveðið í samræmi þar við, meðan núverandi ófriðarástand helzt. Þó er ríkisstjórninni heimilt að ákveða lægra verð á einstökum vörutegundum gegn framlagi úr ríkissjóði.

Nefndin skal ljúka störfum og skila áliti til ríkisstjórnarinnar fyrir 15. ágúst 1943.

5. gr.

Þar til verð landbúnaðarvara verður ákveðið samkvæmt fyrirmælum 4. gr., er ríkisstjórninni heimilt, að fengnu samþykki Búnaðarfélags Íslands, að ákveða verð þeirra þannig:

Útsöluverð mjólkur verði lækkað í allt að kr. 1.30 pr. ltr. og verð annarra mjólkurafurða í samræmi við það. Lækkun á verðinu til framleiðenda verði hlutfallslega jöfn þeirri lækkun á vísitölu kauplagsnefndar, sem verður í næsta mánuði eftir að mjólkurverðslækkunin kemur til framkvæmda, og verðið til þeirra breytist síðan í samræmi við breytingar á vísitölunni, en að öðru leyti verði verðlækkunin á mjólk og mjólkurafurðum borguð úr ríkissjóði.

Verð á kjöti, sem fyrirliggjandi er í landinu, er heimilt að lækka með framlagi úr ríkissjóði, þannig að heildsöluverð á dilkakjöti verði fært niður í allt að kr. 4.80 kg og verð á öðrum tegundum kjöts í samræmi við það.

Ákvæði þessarar greinar um verðlag og ríkisframlag falla úr gildi eigi síðar en 15. september 1943.

6. gr.

Mál út af brotum á lögum þessum fara að hætti opinberra mála.

7. gr.

Lög þessi öðlast þegar gildi.

**Nd.** **754. Lög**

um dýrtíðarráðstafanir.

(Afgreidd frá Nd. 13. apríl).

Samhljóða þskj. 753.

Sþ. **755. Nefndaskipun.**

(61. löggjafarþing.)

I.

**Fastanefndir.**

A.

**Í sameinuðu þingi.**

*1. Fjárveitinganefnd:*

Pétur Ottesen,
Lúðvík Jósefsson,
Eysteinn Jónsson,[1])
Þorsteinn Þorsteinsson,
Finnur Jónsson, formaður,
Jónas Jónsson,
Sigurður E. Hlíðar,
Þóroddur Guðmundsson,
Helgi Jónasson, fundaskrifari.

Til hennar vísað:

1. Frv. til fjárlaga fyrir árið 1943 (1, n. 268[2]).
   Frsm.: Finnur Jónsson.
2. Till. til þál. um undanþágu á aðflutningstollum af efni til vatnsveitu Víkurkauptúns (10).
   Nefndarálit kom ekki.
3. Till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast fyrir Akureyrarbæ lán til aukningar Laxárvirkjuninni og raforkuveitu Akureyrar (18).
   Nefndarálit kom ekki.
4. Till. til þál. um endurgreiðslu á fé þjóðleikhússjóðs (26).
   Nefndarálit kom ekki.
5. Till. til þál. um flutningastyrk til hafnleysishéraða landsins (39).
   Nefndarálit kom ekki.
6. Till. til þál. um undanþágu á aðflutningstollum á aðfluttu efni til rafvirkjana (40, n. 572 (meiri hl.) og 594 (minni hl.)).
   Frsm. meiri hl.: Þorsteinn Þorsteinsson.
   Frsm. minni hl.: Þóroddur Guðmundsson.
7. Till. til þál. um endurgreiðslu á fé byggingarsjóðs verkamanna (77).
   Nefndarálit kom ekki.
8. Till. til þál. um brúargerð á Hvítá hjá Iðu í Árnessýslu (74).
   Nefndarálit kom ekki.
9. Till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast fyrir Reyðarfjarðarhrepp lán til aukningar raforkuveitu hreppsins (85).
   Nefndarálit kom ekki.

---

1) Sæti hans í nefndinni tók 6. jan. Páll Zóphóníasson.

2) Tölurnar innan sviga tákna númer á þingskjölum, og eru ekki talin önnur þingskjalanúmer en þau, sem málið bar, þá er því var til nefndar vísað, svo og þau, er nefndarálit (skammstafað: n.) hlutu. Sama er um mál, en nefndirnar flytja.

*Fastanefndir Sþ.:* Fjárveitinga- og allsherjarnefndir.

10. Till. til þál. um bætur vegna fjárskaða í Norður-Ísafjarðarsýslu (91).
Nefndarálit kom ekki.
11. Till. til þál. um verðuppbætur á útflutt refa- og minkaskinn (79, n. 552).
Frsm.: Páll Zóphóníasson.
12. Till. til þál. um aukauppbót á styrki til skálda, rithöfunda, vísindamanna og listamanna (173, n. 626 (meiri hl.) og 593 (minni hl.)).
Frsm. meiri hl.: Jónas Jónsson.
Frsm. minni hl.: Þóroddur Guðmundsson.
13. Till. til þál. um raforkumálaábyrgðir í Suður-Þingeyjarsýslu (139).
Nefndarálit kom ekki.
14. Till. til þál. um fjarstýrð talskeytamóttökutæki í Vestmannaeyjum (377, n. 608).
Frsm.: Finnur Jónsson.
15. Till. til þál. um skipun milliþinganefndar í póstmálum (479, n. 606).
Frsm.: Páll Zóphóníasson.
16. Till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að byggja eða kaupa strandferðabát fyrir Austurland (527, n. 677).
Frsm.: Jónas Jónsson.
17. Till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að kaupa gistihúsið Valhöll (579, n. 625).
Frsm.: Jónas Jónsson.
18. Till. til þál. um, að ríkið taki á leigu síldarbræðsluverksmiðjuna Ægi í Krossanesi (501, n. 652).
Frsm.: Finnur Jónsson.
19. Till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast lán fyrir rafveitu Ísafjarðarkaupstaðar og Eyrarhrepps (631, n. 653).
Frsm.: Finnur Jónsson.
20. Till. til þál. um útvegun á efni til virkjunar Andakílsár í Borgarfjarðarsýslu (661, n. 721).
Frsm.: Pétur Ottesen.

*2. Allsherjarnefnd:*
Gísli Sveinsson, formaður,
Sigfús Sigurhjartarson, fundaskrifari,
Páll Zóphóníasson,
Gísli Jónsson,
Ásgeir Ásgeirsson,
Sigurður Þórðarson,
Jón Sigurðsson.[1])

Til hennar vísað:

1. Till. til þál. um útvarpsfréttir (3, n. 65).
Frsm.: Gísli Jónsson.
2. Till. til þál. um tilhögun flutninga á langleiðum (9, n. 61).
Frsm.: Gísli Sveinsson.
3. Till. til þál. um milliþinganefnd í sjávarútvegsmálum (35, n. 332).
Frsm.: Sigfús Sigurhjartarson.
4. Till. til þál. um beitumál vélbátaútvegsins (38, n. 170).
Frsm.: Sigurður Þórðarson.
5. Till. til þál. um ráðstafanir til eflingar íslenzkum landbúnaði (53, n. 335).
Frsm.: Páll Zóphóníasson.

1) Í nefndina var í öndverðu kosinn Gunnar Thoroddsen, en þau mannaskipti urðu í nefndinni þegar í þingbyrjun, að JS tók sæti hans þar.

*Fastanefndir Sþ.:* Allsherjar-, utanríkismála-, kjörbréfa- og þingfararkaupsnefndir.

6. Till. til þál. um kaup á kjarnfóðri og rannsókn á úthlutun síldarmjöls á síðastliðnu hausti (27, n. 226).
   Frsm.: Gísli Sveinsson.
7. Till. til þál. um undirbúning verklegra framkvæmda eftir styrjöldina og endurskoðun á skipulagi stóratvinnurekstrar í landinu (55, n. 333).
   Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.
8. Till. til þál. um flugmál Íslendinga (64, n. 169).
   Frsm.: Gísli Jónsson.
9. Till. til þál. um rannsókn á virkjun Lagarfoss (175, n. 469).
   Frsm.: Sigfús Sigurhjartarson.
10. Till. til þál. um áætlun um kostnað við raforkuveitur í Suður-Þingeyjarsýslu (140, n. 592).
    Frsm.: Páll Zóphóníasson.
11. Till. til þál. um milliþinganefnd í jarðeignamálum kaupstaða, kauptúna og sjávarþorpa (504, n. 589).
    Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.
12. Till. til þál. um skipun nefndar til rannsóknar á Þormóðsslysinu 18. febr. 1943 (523, n. 614 (meiri hl.) og 642 (minni hl.)).
    Frsm. meiri hl.: Gísli Sveinsson.
    Frsm. minni hl.: Sigfús Sigurhjartarson.
13. Till. til þál. um að tryggja Kennaraskóla Íslands hentugt land við jarðhita í sveit (578).
    Nefndarálit kom ekki.
14. Till. til þál. um skipun nefndar til að gera tillögur um framtíðarafnot jarðarinnar Reykhóla (588, n. 667).
    Frsm.: Gísli Jónsson.
15. Till. til þál. um nefndarskipun til að athuga skilyrði fyrir byggingu og rekstri skipasmíðastöðvar í Reykjavík og allsherjarskipulagi á strandferðum landsins (627, n. 666).
    Frsm.: Gísli Sveinsson.

*3. Utanríkismálanefnd:*

Ólafur Thors,
Einar Olgeirsson, varaformaður,
Bjarni Ásgeirsson, formaður,
Magnús Jónsson,
Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskrifari,
Hermann Jónasson,
Jóhann Jósefsson.

*Varamenn:*

Garðar Þorsteinsson,
Brynjólfur Bjarnason,
Eysteinn Jónsson,
Bjarni Benediktsson,
Ásgeir Ásgeirsson,
Páll Zóphóníasson,
Pétur Magnússon.

*4. Kjörbréfanefnd:*

Þorsteinn Þorsteinsson,
Áki Jakobsson, fundaskrifari,
Hermann Jónasson, formaður,
Pétur Magnússon,
Finnur Jónsson.

Henni falið að láta fara fram rannsókn af tilefni vottorðs Kristjáns Jenssonar í sambandi við kosninguna á Snæfellsnesi.
Nefndarálit kom ekki.

*5. Þingfararkaupsnefnd:*

Sigurður Kristjánsson, formaður,
Áki Jakobsson,

*Fastanefndir Sþ.:* Þingfararkaupsnefnd. — *Ed.:* Fjárhagsnefnd.

Páll Zóphóníasson, fundaskrifari,
Sigurður E. Hlíðar,
Ásgeir Ásgeirsson.

**B.**

**Í efri deild:**

*1. Fjárhagsnefnd:*

Pétur Magnússon, formaður,
Haraldur Guðmundsson, fundaskrifari,
Bernharð Stefánsson,
Lárus Jóhannesson,
Steingrímur Aðalsteinsson.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna (81, n. 198).
   Frsm.: Bernharð Stefánsson.
2. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 63 28. jan. 1935, um útflutningsgjald (131).
   Nefndarálit kom ekki.
3. Frv. til l. um framlenging á gildi l. nr. 33 7. maí 1928, um skattgreiðslu h/f Eimskipafélags Íslands (102, n. 254).
   Frsm.: Lárus Jóhannesson.
4. Frv. til l. um innflutning og gjaldeyrismeðferð (192, n. 214).
   Frsm.: Haraldur Guðmundsson.
5. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts (195, n. 368).
   Frsm.: Bernharð Stefánsson.
6. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 9. júlí 1941, um heimild fyrir ríkisstjórnina til ráðstafana og tekjuöflunar vegna dýrtíðar og erfiðleika atvinnuveganna (196, n. 525).
   Frsm.: Haraldur Guðmundsson.
7. Frv. til l. um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943 (322, n. 354).
   Frsm.: Pétur Magnússon.
8. Frv. til l. um verðlag (349, n. 379).
   Frsm.: Pétur Magnússon.
9. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 87 9. júlí 1941, um viðauka við l. nr. 84 6. júlí 1932, um bifreiðaskatt o. fl. (222, n. 524).
   Frsm.: Bernharð Stefánsson.
10. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 3. maí 1935, um virkjun Fljótaár (71, n. 571).
    Frsm.: Pétur Magnússon.
11. Frv. til l. um innheimtu skatta og útsvara (485).
    Nefndarálit kom ekki.
12. Frv. til l. um lífeyrissjóð starfsmanna ríkisins (508).
    Nefndarálit kom ekki.
13. Frv. til l. um lífeyrissjóð barnakennara og ekkna þeirra (509).
    Nefndarálit kom ekki.
14. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 105 1940, um breyt. á l. nr. 62 30. des. 1939, um tollskrá o. fl. (482, n. 685).
    Frsm.: Haraldur Guðmundsson.
15. Frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir (728, n. 744).
    Frsm.: Pétur Magnússon.

*Fastanefndir Ed.:* Fjárhags-, samgöngumála- og landbúnaðarnefndir.

Nefndin flutti:

Frv. til l. um breyt. á l. nr. 44 19. júní 1933, um stofnun happdrættis fyrir Ísland (208).
Frsm.: Pétur Magnússon.

2. *Samgöngumálanefnd:*
Gísli Jónsson, formaður,
Brynjólfur Bjarnason,
Ingvar Pálmason, fundaskrifari.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933, og l. um breyt. á þeim l., nr. 72 1936 og nr. 109 1940 (15).
Nefndarálit kom ekki.
2. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir (113, n. 457).
Frsm.: Ingvar Pálmason.

3. *Landbúnaðarnefnd:*
Þorsteinn Þorsteinsson,
Kristinn Andrésson,
Páll Hermannsson, formaður,
Eiríkur Einarsson, fundaskrifari,
Haraldur Guðmundsson.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um heimild til þess að selja jarðeignirnar Stagley og Sperðlahlíð (6, n. 121).
Frsm.: Páll Hermannsson.
2. Till. til þál. um skógræktarstöð í Hvammi í Dölum (25, n. 84).
Frsm.: Þorsteinn Þorsteinsson.
3. Frv. til l. um skólasetur á Reykhólum (90, n. 550).
Frsm.: Páll Hermannsson.
4. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim (89, n. 375).
Frsm.: Kristinn Andrésson.
5. Frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942 (94).
Nefndarálit kom ekki.
6. Frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942 (100, n. 234 (minni hl.), n. 260 (meiri hl.)).
Frsm. minni hl.: Þorsteinn Þorsteinsson.
Frsm. meiri hl.: Páll Hermannsson.
7. Frv. til l. um heimild til þess að selja hluta úr landi jarðarinnar Viðvíkur í Skagafirði (32).
Nefndarálit kom ekki.
8. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 24 12. júní 1939, um dýralækna (116, n. 200).
Frsm.: Eiríkur Einarsson.
9. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 100 14. maí 1940, um skógrækt (155, n. 261).
Frsm.: Þorsteinn Þorsteinsson.
10. Frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi (185, n. 305 (meiri hl.), n. 342 (minni hl.)).
Frsm. meiri hl.: Eiríkur Einarsson.
Frsm. minni hl.: Páll Hermannsson.
11. Frv. til l. um búfjártryggingar (237, n. 325).
Frsm.: Þorsteinn Þorsteinsson.

*Fastanefndir Ed.:* Landbúnaðar- og sjávarútvegsnefndir.

12. Frv. til l. um framlög til kynnisferða sveitafólks (247, n. 262).
    Frsm.: Haraldur Guðmundsson.
    Frv. tekið síðar til meðferðar í deildinni sem nýtt frv. væri og vísað til nefndarinnar af nýju (473, n. 570 (minni hl.), n. 591 (annar minni hl.)).
    Frsm. minni hl.: Þorsteinn Þorsteinsson.
    Frsm. annars minni hl.: Haraldur Guðmundsson.
13. Frv. til l. um verzlun með kartöflur o. fl. (401, n. 494).
    Frsm.: Páll Hermannsson.
14. Frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942 (470, n. 574).
    Frsm.: Eiríkur Einarsson.

*4. Sjávarútvegsnefnd:*
Gísli Jónsson, formaður,
Guðmundur Í. Guðmundsson, fundaskrifari,
Ingvar Pálmason.
Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 93 25. sept. 1942, um að reisa nýjar síldarverksmiðjur (33, n. 130 (minni hl.), n. 133 (meiri hl.)).
   Frsm. minni hl.: Gísli Jónsson.
   Frsm. meiri hl.: Ingvar Pálmason.
2. Frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Húsavík, nr. 38 19. júní 1933 (142, n. 311).
   Frsm.: Gísli Jónsson.
3. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands (239, n. 326).
   Frsm.: Gísli Jónsson.
4. Frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Hafnarfjarðarkaupstað, nr. 30 14. júní 1929 (230, n. 319).
   Frsm.: Guðmundur Í. Guðmundsson.
5. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 58 28. jan. 1935, um hafnargerð á Hornafirði (68, n. 329).
   Frsm.: Ingvar Pálmason.
6. Frv. til l. um lendingarbætur í Bakkagerði í Borgarfirði (72, n. 315).
   Frsm.: Ingvar Pálmason.
7. Frv. til hafnarlaga fyrir Keflavík (215, n. 316).
   Frsm.: Guðmundur Í. Guðmundsson.
8. Frv. til l. um jöfnunarsjóð aflahluta (306, n. 475).
   Frsm.: Gísli Jónsson.
9. Frv. til l. um lendingarbætur á Vattarnesi við Reyðarfjörð (449, n. 476).
   Frsm.: Ingvar Pálmason.
10. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 51 27. júní 1941, um breyt. á l. nr. 1 5. jan. 1938, um síldarverksmiðjur ríkisins (500, n. 665 (meiri hl.), n. 698 (minni hl.)).
    Frsm. meiri hl.: Ingvar Pálmason.
    Frsm. minni hl.: Gísli Jónsson.
11. Frv. til l. um frestun á framkvæmd l. nr. 60 7. maí 1940, um síldartunnur (655, n. 676).
    Frsm.: Ingvar Pálmason.
12. Frv. til l. um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samsiglingu íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands (675, n. 701 (minni hl.), n. 702 (meiri hl.)).
    Frsm. minni hl.: Guðmundur Í. Guðmundsson.
    Frsm. meiri hl.: Gísli Jónsson.

*Fastanefndir Ed.:* Iðnaðar-, menntamála- og allsherjarnefndir.

*5. Iðnaðarnefnd:*
Gísli Jónsson,
Guðmundur Í. Guðmundsson, formaður,
Páll Hermannsson, fundaskrifari.
Til nefndarinnar var engu máli vísað.

*6. Menntamálanefnd:*
Eiríkur Einarsson, formaður,
Kristinn Andrésson, fundaskrifari,
Jónas Jónsson.
Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um kaup á Vesturheimsblöðunum Heimskringlu og Lögbergi (87).
   Nefndarálit kom ekki.
2. Frv. til l. um afnám l. nr. 127 9. des. 1941, um viðauka við l. nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt (120, n. 575 (1. minni hl.), n. 590 (2. minni hl.), n. 605 (3. minni hl.)).
   Frsm. 1. minni hl.: Kristinn Andrésson.
   Frsm. 2. minni hl.: Eiríkur Einarsson.
   Frsm. 3. minni hl.: Jónas Jónsson.
3. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 7 12. apríl 1928, um menntamálaráð Íslands (118, n. 601 (meiri hl.), n. 700 (minni hl.)).
   Frsm. meiri hl.: Kristinn Andrésson.
   Frsm. minni hl.: Jónas Jónsson.
4. Till. til þál. um heimildasöfnun frá útlöndum um framlög úr ríkissjóði í nokkrum löndum til skálda og listamanna (141).
   Nefndarálit kom ekki.
5. Frv. til l. um stofnun embættis háskólabókavarðar við Háskóla Íslands (146, n. 295).
   Frsm.: Kristinn Andrésson.
6. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt (202, n. 499 (meiri hl.), n. 526 (minni hl.)).
   Frsm. meiri hl.: Kristinn Andrésson.
   Frsm. minni hl.: Jónas Jónsson.
7. Frv. til l. um útgáfurétt að uppdráttum af Íslandi (275).
   Nefndarálit kom ekki.
8. Frv. til l. um Kennaraskóla Íslands (577, n. 635 (meiri hl.), n. 649 (minni hl.)).
   Frsm. meiri hl.: Kristinn Andrésson.
   Frsm. minni hl.: Jónas Jónsson.

*7. Allsherjarnefnd:*
Bjarni Benediktsson, formaður,
Guðmundur Í. Guðmundsson, fundaskrifari,
Hermann Jónasson,
Lárus Jóhannesson,
Brynjólfur Bjarnason.
Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um orlof (13, n. 135 og 240 (frhnál.)).
   Frsm.: Guðmundur Í. Guðmundsson.
2. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 115 19. nóv. 1936, um þingsköp Alþingis (46, n. 199).
   Frsm.: Bjarni Benediktsson.
3. Frv. til l. um greiðslu íslenzkra afurða (49, n. 259).
   Frsm.: Bjarni Benediktsson.

*Fastanefndir Ed.:* Allsherjarnefnd.

4. Frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur (54, n. 172 (meiri hl.), n. 250 (minni hl.)).
   Frsm. meiri hl.: Bjarni Benediktsson.
   Frsm. minni hl.: Guðmundur Í. Guðmundsson.
5. Frv. til l. um framkvæmd á IV. kafla l. nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar (78, n. 245).
   Frsm.: Brynjólfur Bjarnason.
6. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl. (82, n. 347 og 418 (frhnál.)).
   Frsm.: Guðmundur Í. Guðmundsson.
7. Frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar (105, n. 263 (meiri hl.)).
   Frsm. meiri hl.: Bjarni Benediktsson.
   Nefndarálit kom ekki frá minni hl.
8. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 115 19. nóv. 1936, um þingsköp Alþingis (109, n. 207).
   Frsm.: Brynjólfur Bjarnason.
9. Frv. til l. um breyt. á og viðauka við l. nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar (148).
   Nefndarálit kom ekki.
10. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 3 9. jan. 1935, um verkamannabústaði (149).
    Nefndarálit kom ekki.
11. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar (150, n. 534).
    Frsm.: Brynjólfur Bjarnason.
12. Frv. til l. um breyt. á sveitarstjórnarlögum, nr. 12 31. maí 1927, og um afnám l. nr. 43 27. júní 1941, um breyt. á þeim l. (218, n. 273).
    Frsm.: Hermann Jónasson.
13. Frv. til l. um jöfnunarsjóð vinnulauna (241, n. 543).
    Frsm.: Bjarni Benediktsson.
14. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 52 27. júní 1925, um verzlunaratvinnu (98, n. 280).
    Frsm.: Brynjólfur Bjarnason.
15. Frv. til l. um breyt. á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935 (244, n. 374 (meiri hl.), n. 380 (minni hl.)).
    Frsm. meiri hl.: Guðmundur Í. Guðmundsson.
    Frsm. minni hl.: Bjarni Benediktsson.
16. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 112 18. maí 1935, um hæstarétt, og l. nr. 71 28. nóv. 1919 (525).
    Nefndarálit kom ekki.
17. Frv. til l. um eignarnámsheimild fyrir Siglufjarðarkaupstað á jörðinni Höfn í Siglufirði (287, n. 356).
    Frsm.: Bjarni Benediktsson.
18. Frv. til l. um samkomudag reglulegs Alþingis 1943 (323, n. 395 (minni hl.)).
    Frsm. minni hl.: Bjarni Benediktsson.
    Nefndarálit kom ekki frá meiri hl.
19. Frv. til l. um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla (338, n. 483).
    Frsm.: Bjarni Benediktsson.
20. Frv. til l. um húsaleigu (382, n. 478).
    Frsm.: Guðmundur Í. Guðmundsson.
21. Frv. til l. um rannsókn skattamála (452).
    Nefndarálit kom ekki.
22. Till. til þál. um rannsókn á skilyrðum fyrir byggingu og starfrækslu æskulýðshallar í Reykjavík (533, n. 632 (meiri hl.), n. 696 (minni hl.)).

Frsm. meiri hl.: Lárus Jóhannesson.
Frsm. minni hl.: Hermann Jónasson.

23. Frv. til l. um vernd barna og ungmenna (610).
Nefndarálit kom ekki.

24. Frv. til l. um veiting ríkisborgararéttar (616, n. 659).
Frsm.: Bjarni Benediktsson.

25. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 76 27. júní 1941, um breyt. á l. nr. 66 1940, um stríðsslysatryggingu sjómanna (657, n. 686).
Frsm.: Bjarni Benediktsson.

Nefndin flutti:

Frv. til l. um viðauka við l. nr. 39 28. jan. 1935, um breyt. á l. nr. 46/1921, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna (628).
Frsm. Brynjólfur Bjarnason.

Meiri hl. nefndarinnar flutti:

Frv. til l. um breyt. á l. nr. 16 6. apríl 1939, um breyt. á l. nr. 68 28. des. 1934, um útvarpsrekstur ríkisins (348).
Frsm.: Bjarni Benediktsson.

C.

**Í neðri deild.**

*1. Fjárhagsnefnd:*

Jón Pálmason, fundaskrifari,
Einar Olgeirsson,
Skúli Guðmundsson,
Ingólfur Jónsson,
Ásgeir Ásgeirsson, formaður.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 27 23. júní 1932, um samgöngubætur og fyrirhleðslur á vatnasvæði Þverár og Markarfljóts (7, n. 156).
Frsm.: Ingólfur Jónsson.

2. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 48 30. júní 1942, um verðlagsuppbót á laun embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins og ríkisstofnana (23, n. 304 (meiri hl.), n. 318 (minni hl.)).
Frsm. meiri hl.: Ingólfur Jónsson.
Frsm minni hl.: Skúli Guðmundsson.

3. Frv. til l. um virkjun Andakílsár í Borgarfjarðarsýslu (31, n. 461 (meiri hl.), n. 468 (minni hl.)).
Frsm. meiri hl.: Jón Pálmason.
Frsm. minni hl.: Einar Olgeirsson.

4. Frv. til l. um virkjun Gönguskarðsár í Skagafirði (37).
Nefndarálit kom ekki.

5. Frv. til l. um einkasölu á bifreiðum, bifhjólum, hjólbörðum, hjólbarðaslöngum og um úthlutun bifreiða (41, n. 103 (1. minni hl.), n. 138 (2. minni hl.), n. 174 (3. minni hl.)).
Frsm. 1. minni hl.: Skúli Guðmundsson.
Frsm. 2. minni hl.: Einar Olgeirsson.
Frsm. 3. minni hl.: Jón Pálmason.

6. Frv. til l. um virkjun Tungufoss í Rangárvallasýslu (58).
Nefndarálit kom ekki.

7. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 3. maí 1935, um virkjun Fljótaár (71, n. 386 (minni hl.), n. 400 (meiri hl.)).
Frsm. minni hl.: Ásgeir Ásgeirsson.
Frsm. meiri hl.: Jón Pálmason.

*Fastanefndir Nd.:* Fjárhags- og samgöngumálanefndir.

8. Frv. til l. um innflutning og gjaldeyrismeðferð (134, n. 171).
   Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.
9. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 9. júlí 1941, um heimild fyrir ríkisstjórnina til ráðstafana og tekjuöflunar vegna dýrtíðar og erfiðleika atvinnuveganna (196, n. 253).
   Frsm.: Jón Pálmason.
10. Till. til þál. um rannsókn á skilyrðum fyrir rafleiðslu frá Akureyri til Dalvíkur (177, n. 438).
   Frsm.: Jón Pálmason.
11. Frv. til l. um virkjun Fossár í Ólafsvíkurhreppi í Snæfellsnessýslu (194).
   Nefndarálit kom ekki.
12. Frv. til l. um verðlag (243, n. 298).
   Frsm.: Ingólfur Jónsson.
13. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 36 28. nóv. 1919, um þingfararkaup alþingismanna (232, n. 265).
   Frsm.: Jón Pálmason.
14. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 44 19. júní 1933, um stofnun happdrættis fyrir Ísland (208, n. 267).
   Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.
15. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 87 9. júlí 1941, um viðauka við l. nr. 84 6. júlí 1932, um bifreiðaskatt o. fl. (222, n. 435).
   Frsm.: Skúli Guðmundsson.
16. Till. til þál. um athugun á rafvirkjun til almenningsþarfa í Vestur-Skaftafellssýslu (277, n. 439).
   Frsm.: Jón Pálmason.
17. Frv. til l. um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943 (403, n. 443).
   Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.
18. Frv. til l. um dýrtíðarráðstafanir (451, n. 662).
   Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.
19. Till. til þál. um útreikning þjóðarteknanna (530, n. 613).
   Frsm.: Skúli Guðmundsson.

Nefndin flutti:

1. Frv. til l. um heimild fyrir ríkisstjórnina til að innheimta skemmtanaskatt með viðauka árið 1943 (62).
   Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.
2. Frv. til l. um framlenging á gildi l. nr. 33 7. maí 1928, um skattgreiðslu h/f Eimskipafélags Íslands (102).
   Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.
3. Frv. til l. um heimild fyrir ríkisstjórnina til að innheimta ýmis gjöld 1943 með viðauka (112).
   Frsm. var ekki kosinn.
4. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 98 9. júlí 1941, um heimild fyrir ríkisstjórnina til ráðstafana og tekjuöflunar vegna dýrtíðar og erfiðleika atvinnuveganna (167).
   Frsm. var ekki kosinn.
5. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 105 1940, um breyt. á l. nr. 62 30. des. 1939, um tollskrá o. fl. (482).
   Frsm.: Ásgeir Ásgeirsson.

2. *Samgöngumálanefnd:*
   Gísli Sveinsson, formaður,
   Þóroddur Guðmundsson,

Sveinbjörn Högnason, fundaskrifari,
Sigurður Bjarnason,
Barði Guðmundsson.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á vegalögum, nr. 101 19. júní 1933 (8, n. 459).
   Frsm.: Gísli Sveinsson.
2. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 32 23. júní 1932, um brúargerðir (52).
   Nefndarálit kom ekki.
3. Till. til þál. um rannsókn nýrra vinnuaðferða í vegagerð og símalagningu (93, n. 286).
   Frsm.: Gísli Sveinsson.

*3. Landbúnaðarnefnd:*

Jón Sigurðsson,
Sigurður Guðnason,
Bjarni Ásgeirsson, formaður,
Jón Pálmason, fundaskrifari,
Emil Jónsson.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 71 28. nóv. 1919, um laun embættismanna (12, n. 80).
   Frsm.: Sigurður Guðnason.
2. Frv. til l. um heimild til þess að selja hluta úr landi jarðarinnar Viðvíkur í Skagafirði (32, n. 88).
   Frsm.: Jón Sigurðsson.
3. Frv. til l. um búfjártryggingar (60, n. 161).
   Frsm.: Jón Sigurðsson.
4. Frv. til l. um heimild til að selja Stagley (158, n. 328).
   Frsm.: Bjarni Ásgeirsson.
5. Frv. til l. um sölu á jarðeignum ríkisins (184).
   Nefndarálit kom ekki.
6. Frv. til l. um framlög til kynnisferða sveitafólks (247, n. 385).
   Frsm.: Bjarni Ásgeirsson.
7. Frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi (365, n. 502 (meiri hl.), n. 516 (minni hl.)).
   Frsm. meiri hl.: Jón Pálmason.
   Frsm. minni hl.: Emil Jónsson.
8. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 2 9. jan. 1935, um ráðstafanir til þess að greiða fyrir viðskiptum með sláturfjárafurðir og ákveða verðlag á þeim (414, n. 490).
   Frsm.: Jón Pálmason.
9. Frv. til l. um bann gegn minkaeldi o. fl. (531).
   Nefndarálit kom ekki.

Nefndin flutti:

1. Till. til þál. um ráðstafanir til útbreiðslu og eflingar skógræktinni (122).
   Frsm.: Jón Sigurðsson.
2. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 24 12. júní 1939, um dýralækna (116).
   Frsm.: Bjarni Ásgeirsson.
3. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 100 14. maí 1940, um skógrækt (117).
   Frsm.: Jón Sigurðsson.
4. Frv. til l. um verzlun með kartöflur o. fl. (284).
   Frsm.: Jón Sigurðsson.
5. Frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, nr. 54 4. júlí 1942 (429).
   Frsm.: Emil Jónsson.

*Fastanefndir Nd.:* Sjávarútvegsnefnd.

*4. Sjávarútvegsnefnd:*
Sigurður Kristjánsson,
Lúðvík Jósefsson,
Gísli Guðmundsson, fundaskrifari,
Sigurður Bjarnason,
Finnur Jónsson, formaður.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 9. okt. 1941, um fiskveiðasjóð Íslands (20, n. 164 (meiri hl.), n. 183 (minni hl.)).
   Frsm. meiri hl.: Sigurður Kristjánsson.
   Frsm. minni hl.: Gísli Guðmundsson.
2. Till. til þál. um fullnaðarrannsókn hafnarskilyrða á Þórshöfn (5, n. 188).
   Frsm.: Gísli Guðmundsson.
3. Till. til þál. um fullnaðarundirbúning hafnargerðar í Bolungavík (19, n. 189).
   Frsm.: Sigurður Bjarnason.
4. Till. til þál. um dýpkunarskip ríkisins (34).
   Nefndarálit kom ekki.
5. Frv. til l. um jöfnunarsjóð aflahluta (63, n. 210).
   Frsm.: Sigurður Kristjánsson.
6. Frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Hafnarfjarðarkaupstað, nr. 30 14. júní 1929 (67, n. 216).
   Frsm.: Finnur Jónsson.
7. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 58 28. jan. 1935, um hafnargerð á Hornafirði (68, n. 236).
   Frsm.: Gísli Guðmundsson.
8. Frv. til l. um lendingarbætur í Bakkagerði í Borgarfirði (72, n. 223).
   Frsm.: Lúðvík Jósefsson.
9. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 45 13. júní 1937, um dragnótaveiði í landhelgi (70, n. 462).
   Frsm.: Sigurður Bjarnason.
10. Frv. til l. um nýbyggingarsjóð fiskiskipa (165).
    Nefndarálit kom ekki.
11. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 93 25. sept. 1942, um að reisa nýjar síldarverksmiðjur (159, n. 310 (meiri hl.), n. 337 (minni hl.)).
    Frsm. meiri hl.: Gísli Guðmundsson.
    Frsm. minni hl.: Sigurður Kristjánsson.
12. Frv. til hafnarlaga fyrir Keflavík (215, n. 255).
    Frsm.: Sigurður Kristjánsson.
13. Frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Húsavík, nr. 38 19. júní 1933 (339, n. 528).
    Frsm.: Sigurður Kristjánsson.
14. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 51 27. júní 1941, um breyt. á l. nr. 1 5. jan. 1938, um síldarverksmiðjur ríkisins (500, n. 598).
    Frsm.: Gísli Guðmundsson.
15. Frv. til l. um lendingarbætur á Vattarnesi við Reyðarfjörð (487, n. 599).
    Frsm.: Finnur Jónsson.

Nefndin flutti:

Frv. til l. um breyt. á l. nr. 42 19. júní 1933, um vinnslu, verkun og mat meðalalýsis (465).
Frsm.: Finnur Jónsson.

Minni hl. nefndarinnar (GG) flutti:

Frv. til l. um nýbyggingarsjóð fiskiskipa (165).

*Fastanefndir Nd.:* Iðnaðar-, menntamála- og allsherjarnefndir.

*5. Iðnaðarnefnd:*
Sigurður E. Hlíðar, fundaskrifari,
Sigurður Thoroddsen, formaður,
Sigurður Þórðarson,
Ingólfur Jónsson,
Emil Jónsson.

Til nefndarinnar var engu máli vísað.

Nefndin flutti:

Till. til þál. um rannsókn á því, hverjar afleiðingar verðuppbætur á útfluttar landbúnaðarvörur hafa haft á afkomu íslenzkra iðnfyrirtækja, er vinna úr þessum vörum (442).
Frsm.: Emil Jónsson.

*6. Menntamálanefnd:*
Gísli Sveinsson,
Sigfús Sigurhjartarson,
Páll Þorsteinsson,
Gunnar Thoroddsen, fundaskrifari,[1])
Barði Guðmundsson, formaður.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 13 20. okt. 1905, um rithöfundarétt og prentrétt (202, n. 257).
Frsm.: Gunnar Thoroddsen.
2. Till. til þál. um undirbúning að stofnun menntaskóla að Laugarvatni (600).
Nefndarálit kom ekki.

Nefndin flutti:

1. Frv. til l. um útgáfurétt að uppdráttum af Íslandi (145).
Frsm.: Barði Guðmundsson.
2. Frv. til l. um stofnun embættis háskólabókavarðar við Háskóla Íslands (146).
Frsm.: Gunnar Thoroddsen.
3. Frv. til l. um Kennaraskóla Íslands (514).
Frsm.: Páll Þorsteinsson.

*7. Allsherjarnefnd:*
Garðar Þorsteinsson, formaður,
Áki Jakobsson,
Jörundur Brynjólfsson,
Gunnar Thoroddsen,
Stefán Jóh. Stefánsson, fundaskrifari.

Til hennar vísað:

1. Frv. til l. um breyt. á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935 (4, n. 137 (meiri hl.), n. 157 (minni hl.)).
Frsm. meiri hl.: Áki Jakobsson.
Frsm. minni hl.: Gunnar Thoroddsen.
2. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 106 1941, um húsaleigu, og l. nr. 126 1941, um viðauka við og breyt. á þeim l. (51).
Nefndarálit kom ekki.
3. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar (45, n. 151).
Frsm.: Jörundur Brynjólfsson.
4. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 106 8. sept. 1941, um húsaleigu (56).
Nefndarálit kom ekki.

---

1) Í nefndina var í öndverðu kosinn Jón Sigurðsson, en þau mannaskipti urðu í nefndinni þegar í þingbyrjun, að GTh tók sæti hans þar.

*Fastanefndir Nd.:* Allsherjarnefnd.

5. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 106 23. júní 1936, um útsvör (57, n. 136).
   Frsm.: Áki Jakobsson.
6. Frv. til l. um ráðstafanir til þess að tryggja húsnæðislausu fólki húsnæði og um stóríbúðaskatt (59).
   Nefndarálit kom ekki.
7. Frv. til l. um viðauka við l. nr. 80 7. sept. 1942, um kosningar til Alþingis (99).
   Nefndarálit kom ekki.
8. Frv. til l. um notkun byggingarefnis (75).
   Nefndarálit kom ekki.
9. Frv. til l. um eignarnámsheimild fyrir Siglufjarðarkaupstað á jörðunum Höfn, Nyrðri-Skútu, Syðri-Skútu, Neðri-Skútu og Staðarhóli í Siglufirði (76, n. 235).
   Frsm.: Áki Jakobsson.
10. Frv. til l. um einkarétt bæjarstjórnar Siglufjarðar til kvikmyndasýninga í Siglufjarðarkaupstað (95, n. 648 (minni hl.)).
    Frsm. minni hl.: Áki Jakobsson.
    Nefndarálit kom ekki frá meiri hl.
11. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 52 27. júní 1925, um verzlunaratvinnu (98, n. 201).
    Frsm.: Garðar Þorsteinsson.
12. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 79 frá 1. sept. 1942, um dómnefnd í verðlagsmálum (119, n. 125).
    Frsm.: Stefán Jóh. Stefánsson.
13. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 67 31. des. 1939, um dómsmálastörf, lögreglustjórn, gjaldheimtu o. fl. í Reykjavík (106, n. 656 (meiri hl.), n. 706 (minni hl.)).
    Frsm. meiri hl.: Gunnar Thoroddsen.
    Frsm. minni hl.: Jörundur Brynjólfsson.
14. Frv. til l. um viðauka við l. nr. 106 8. sept. 1941, um húsaleigu (143).
    Nefndarálit kom ekki.
15. Frv. til l. um eignarnámsheimild handa Neskaupstað á jörðinni Nesi í Norðfirði (144).
    Nefndarálit kom ekki.
16. Frv. til l. um húsaleigu (219, n. 300).
    Frsm.: Áki Jakobsson.
17. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 115 19. jan. 1936, um þingsköp Alþingis (109, n. 308).
    Frsm.: Gunnar Thoroddsen.
18. Frv. til l. um orlof (249, n. 309).
    Frsm.: Stefán Jóh. Stefánsson.
19. Frv. til l. um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla (278, n. 317).
    Frsm.: Garðar Þorsteinsson.
20. Frv. til l. um vernd barna og ungmenna (285, n. 564).
    Frsm.: Gunnar Thoroddsen.
21. Frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur (293, n. 405 (meiri hl.), n. 412 (minni hl.)).
    Frsm. meiri hl.: Gunnar Thoroddsen.
    Frsm. minni hl.: Jörundur Brynjólfsson.
22. Frv. til l. um greiðslu íslenzkra afurða (281, n. 450).
    Frsm.: Jörundur Brynjólfsson.
23. Frv. til l. um breyt. á sveitarstjórnarlögum, nr. 12 31. maí 1927, og um afnám l. nr. 34 27. júní 1941, um breyt. á þeim l. (364, n. 404).
    Frsm.: Gunnar Thoroddsen.

*Fastanefndir Nd.:* Allsherjarnefnd. — *Vinnunefndir* beggja deilda.

24. Frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar (366, n. 406).
    Frsm.: Áki Jakobsson.
25. Frv. til l. um heimild handa ríkisstjórn Íslands til þess að stofna til útgáfu tímarits til rökræðna um landsmál (266, n. 615 (meiri hl.), n. 620 (minni hl.)).
    Frsm. meiri hl.: Stefán Jóh. Stefánsson.
    Frsm. minni hl.: Jörundur Brynjólfsson.
26 Frv. til l. um breyt. á l. nr. 16 6. apríl 1939, um breyt. á l. nr. 68 28. des. 1934, um útvarpsrekstur ríkisins (348, n. 454).
    Frsm.: Gunnar Thoroddsen.
27. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús o. fl. (440, n. 612).
    Frsm.: Áki Jakobsson.
28. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 74 31. des. 1937, um alþýðutryggingar (566, n. 619).
    Frsm.: Stefán Jóh. Stefánsson.
29. Frv. til l. um breyt. á l. nr. 44 23. júní 1932, um skipun læknishéraða, verksvið landlæknis og störf héraðslækna (660, n. 717).
    Frsm.: Gunnar Thoroddsen.
30. Frv. til l. um viðauka við l. nr. 39 28. jan. 1935, um breyt. á l. nr. 46/1921, um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna (628, n. 729).
    Frsm.: Áki Jakobsson.

    Nefndin flutti:

Frv. til l. um veiting ríkisborgararéttar (515).
    Frsm.: Garðar Þorsteinsson.

**D.**

**Vinnunefndir.**

Auk framantalinna nefnda skipuðu formenn fastanefnda, forseti og fyrri varaforseti eina nefnd í hvorri deild, vinnunefnd.

Vinnunefndir gerðu skrá um fundastaði og fundatíma fastanefnda, er prentuð var og útbýtt meðal þingmanna.

Sþ. **756. Erindaskrá.**

*— Raðað eftir stafrófsröð. —*

Aadnegard, Olsen Ole, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Aðalheiður Pálsdóttir, fyrrv. ljósmóðir, sjá Eftirlaun og styrktarfé 17.
Aðflutningstollar, sjá Rafvirkjanir.
Aflahluti, sjá Útvegsmál.
Afturelding, verkalýðsfélag, sjá: Dýrtíðarráðstafanir, Hraðfrystihús 1.
*Afurðagreiðsla.*
1. Umsögn Sambands íslenzkra samvinnufélaga um frv. til laga um greiðslu íslenzkra afurða. — Bréf 5. jan. (Db. 645).
2. Umsögn Verzlunarráðs Íslands um sama frv. — Bréf 7. jan. (Db. 673).

*Afurðasala.* Húsmæðrafélag Reykjavíkur skorar á Alþingi að gera nú þegar nauðsynlegar ráðstafanir til þess að halda söluverði íslenzkra landbúnaðarafurða jafnan innan þeirra takmarka, sem öllum almenningi er kleift að kaupa þær fyrir. — Bréf 26. nóv. (Db. 409).
Akranes, sjá: Flóabátaferðir 9, Landþurrkun.
*Akureyrarkirkja.* Jakob Frímannsson kaupfélagsstjóri ítrekar erindi söknarnefndar Akureyrarkaupstaðar, dag. 14. febr., þar sem farið er fram á viðbótarfjárframlag til Akureyrarkirkju. 2 fskj. Bréf 26. nóv. (Db. 408).
Akureyri, sjá: Elliheimili 1, Sjúkrahús 1.
Alþingi, sjá Tillögur.
Alþýðusamband Austurlands, sjá: Dýrtíðarmál 4, Dýrtíðarráðstafanir.
*Alþýðusamband Íslands.*
1. Alþýðusamband Íslands fer þess á leit, að veittar verði í fjárlögum 1943 10 þús. kr. til fræðslustarfsemi sambandsins. — Bréf. 15. des. (Db. 545).
2. Ályktanir og áskoranir til Alþingis, er samþykktar voru á 17. þingi Alþýðusambands Íslands. — Bréf 11. des. (Db. 564).

— Sjá einnig: Dýrtíðarráðstafanir, Jöfnunarsjóður vinnulauna 1.

*Alþýðutryggingar.*
1. Umsögn Tryggingarstofnunar ríkisins um frv. til l. um breyt. á alþýðutryggingarlögunum. — Bréf 12. des. (Db. 513).
2. Umsögn Tryggingarstofnunar ríkisins um frv. til laga um framkvæmd IV. kafla laga um alþýðutryggingar. — Bréf 8. jan. (Db. 685).
3. Umsögn Tryggingarstofnunar ríkisins um frv. til l. um breyt. á l. um alþýðutryggingar á þskj. 100. 1 fskj. — Bréf 2. febr. (Db. 832).
4. Umsögn Tryggingarstofnunar ríkisins um frv. til l. um breyt. á og viðauka við l. um alþýðutryggingar. — Bréf 1. febr. (Db. 821).

Andakílsá, sjá Virkjun Andakílsár.
Anders Ingebrigt Johan Bergesen Hals, sjá Ríkisborgararéttur 2.
**Anna Ásmundsdóttir**, sjá: Heimilisiðnaður 1, Íslenzk ull.
Arnarhvoll, sjá Tillögur.
Atvinnudeild háskólans, sjá: Húsakaup, Tillögur.
*Atvinnumál.* Verkamannafélagið Hlíf í Hafnarfirði skorar á Alþingi að efla og styðja atvinnuvegi þjóðarinnar svo, að þeir verði þess umkomnir að fullnægja atvinnuþörf verkamanna og annarra vinnandi manna í landinu. — Bréf 14. des. (Db. 575).
Axel Jakob Petersen, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Áburðarsala ríkisins, sjá Tillögur.
Ábyrgðarheimildir, sjá: Fljótaárvirkjun, Hofsárvirkjun, Raforkuveita, Stúdentagarðurinn.
*Ábyrgðir.* Fjármálaráðuneytið sendir skrá yfir ábyrgðir, sem ríkissjóður hefur tekizt

á hendur fyrir Húsavíkurhrepp, Ólafsfjarðarhrepp, Svarfaðardalshrepp og Skagastrandarhafnargerðina. — Bréf 30. nóv. (Db. 437).
*Áfengismál.*
1. Héraðsþing Héraðssambandsins Skarphéðins, haldið að Hveragerði 2.—3. jan., lýsir óánægju sinni yfir þeirri ráðstöfun ríkisvaldsins að veita undanþágu frá lokun áfengisverzlunarinnar og skorar á þing og stjórn að gera ráðstafanir til þess, að vín verði ekki selt meðan erlendur her dvelur í landinu. — Bréf ódagsett. (Db. 958).
2. Héraðsþing U. M. F. Vestfjarða, haldið að Núpi 27. og 28. des. 1942, skorar á Alþingi og ríkisstjórn að afnema með öllu hinar illræmdu vínveitingaundanþágur, og að skerpt verði eftirlit gegn smygli og bruggun áfengra drykkja. — Bréf 28. des. (Db. 725).
3. Umsögn utanrrn. varðandi fram komið frumvarp til laga um breyt. á áfengislögum, nr. 33 9. jan. 1935. — Bréf 10. des. (Db. 512).
4. Ungmennafélag Bólstaðahlíðarhrepps skorar á þing og stjórn að láta nú þegar koma til framkvæmda algera lokun Áfengisverzlunar ríkisins og á þann hátt binda enda á það ófremdarástand í áfengismálum þjóðarinnar, sem vínveitingaundanþágurnar hafa skapað. — Bréf 20. marz. (Db. 1003).

— Sbr. einnig Áfengisverzlun ríkisins.
Áfengisverzlun ríkisins, sjá: Áfengismál, Skilagrein 1, Starfsmannaskrár, Tillögur.
Ágústa Pétursdóttir, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Áhaldakaup, sjá Rannsóknartæki.
Áki Jakobsson, þm. Siglf., sjá: Fljótaárvirkjun, Hafnir og lendingarbætur 4.
Álafoss, klæðaverksmiðja, sjá Verðuppbætur 3.
Árni Friðriksson fiskifræðingur, sjá: Húsakaup, Bann gegn minkaeldi 2.
Árni Kristjánsson pianóleikari, sjá: Árni Thorsteinsson, Utanfararstyrkur.
Árni Sigurðsson, fyrrv. póstur, sjá Eftirlaun og styrktarfé 1.
*Árni Thorsteinsson tónskáld.* Páll Ísólfsson orgelleikari, Árni Kristjánsson pianóleikari og Björn Ólafsson fiðluleikari fara þess á leit, að Árna Thorsteinssyni tónskáldi verði greidd heiðurslaun úr ríkissjóði, eigi lægri upphæð en 3000 kr. árlega. — Bréf 22. jan. (Db. 773).
Árvakur, verkamannafélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Ásgeir Ásgeirsson, þm. V.-Ísf., sjá Skipatjón.
Ásgeir H. P. Hraundal, sjá Dýralækningar.
Áskell Löve, sjá Smásjárkaup.
*Áveitu- og framræslufélög.*
1. Búnaðarfélag Íslands gerir grein fyrir unnum og áætluðum framkvæmdum Framfærslu- og áveitufélags Staðarbyggðar og mælir með því, að félaginu verði veittur 30 þús. kr. styrkur til starfsemi sinnar. — Bréf 11. des. (Db. 511).
2. Framræslu- og áveitufélag Staðarbyggðar fer þess á leit, að því verði veittur 30 þús. kr. styrkur í fjárlögum 1943. — Bréf 1. nóv. (Db. 481).
3. Jón Pálmason, þm. A.-Húnv., fer þess á leit, að veittar verði í fjárlögum 1943 20 þús. kr. til framræslu á engjalöndum Þingbúa í Húnavatnssýslu. 1 fskj. — Bréf 20. jan. (Db. 753).
4. Skýrsla Búnaðarfélags Íslands um framkvæmdir framræslu- og áveitufélags Staðarbyggðar. — Bréf. 11. des. (Db. 778).
5. Umsögn Búnaðarfélags Íslands um styrk til framræslu- og áveitufélags Ölfusinga. — Bréf 23. des. (Db. 785).

Bakarasveinafélag Íslands, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Bakkafjörður, sjá Hafnir og lendingarbætur 27—28.
Bakkagerði í Borgarfirði, sjá Hafnir og lendingarbætur 22.
Baldur Eyjólfsson, fyrrv. póstur, sjá Eftirlaun og styrktarfé 2.
Baldur, ungmennafélag, sjá Löggæzla á.

Bandalag starfsmanna ríkis og bæja, sjá: Dýrtíðarmál 3, Dýrtíðarráðstafanir, Launamál, Stöðuval.
Bankamenn, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
*Bann gegn minkaeldi.*
1. Sýslumaðurinn í Húnavatnssýslu skorar á landbn. Nd. að bera fram frv. til l., nú þegar á þessu þingi, um algert bann gegn minkaeldi hér á landi. — Bréf 12. jan. (Db. 727).
2. Umsögn Árna Friðrikssonar fiskifræðings um frv. til l. um bann gegn minkaeldi o. fl. — Bréf 30. marz. (Db. 1010).
3. Umsögn Loðdýraræktarfélags Íslands um frv. til l. um bann gegn minkaeldi o. fl. — Bréf 25. marz. (Db. 1006).

*Barnaheimilið Sólheimar.* Dóms- og kirkjumrn. sendir ásamt meðmælum sínum afrit af bréfi frk. Sesselju H. Sigmundsdóttur, dags. 5. jan., þar sem hún sækir um styrk úr ríkissjóði sakir vindrafstöðvar, sem hún hefur komið upp á barnaheimilinu Sólheimum í Grímsnesi. — Bréf 8. febr. (Db. 843).
Barnakennarar, sjá: Barnaskólabyggingar 2, Eftirlaun og styrktarfé 5, 10, Ríkisútgáfa námsbóka.
*Barnaskólabyggingar.*
1. Dóms- og kirkjumrn. óskar umsagnar fjvn. um tilgreindar greiðslur vegna bygginga barnaskóla utan kaupstaða. — Bréf 3. febr. (Db. 826).
2. 7. fulltrúaþing sambands íslenzkra barnakennara skorar á ríkisstjórn og Alþingi að samþykkja, að framlag til barnaskólabygginga verði greitt af ríkinu, að ¾ hlutum til heimavistarskóla og að hálfu til heimangönguskóla utan kaupstaða, og jafnframt verði ákveðið að byggja svo fljótt sem kostur er öll skólahús, sem reisa ber samkvæmt 7. gr. fræðslulaganna, og verði í þessu skyni lagðar í sjóð 7 millj. kr. 1 fskj. Bréf 12. nóv. (Db. 440).

*Barnavernd.*
1. Barnaverndarráð Íslands sendir fjvn. áætlun um kostnað af barnavernd fyrir árið 1943. — Bréf 21. des. (Db. 592).
2. Barnaverndarráð Íslands tilkynnir, að það hafi í hyggju að gera athugasemdir við framkomið frv. til l. um vernd barna og ungmenna. — Bréf 4. febr. (Db. 836).
3. Barnaverndarráð sendir tilgreindar brtt. við frv. til l. um vernd barna og ungmenna. — Bréf 8. febr. (Db. 857).

*Barnaverndarnefnd Reykjavíkur.* Skrifstofa ríkisspítalanna sendir fjvn. yfirlit um stofnkostnað og rekstrarkostnað móttökuheimilis barnaverndarnefndar í sóttvarnahúsinu. — Bréf 15. des. (Db. 542).
— Sjá einnig: Fávitahæli, Tillögur.
Barnaverndarráð Íslands, sjá Barnavernd.
*Barnsmeðlög.* Mæðrafélagið skorar á Alþingi að breyta lagaákvæðum um barnsmeðlög. — Bréf 10. febr. (Db. 862).
Berg h/f, sjá Hafnir og lendingarbætur 6.
*Beitumál.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi 5 nafngreindra Eskfirðinga, dags. 6. jan., þar sem þeir fara fram á, að þeir verði styrktir með fjárframlagi úr ríkissjóði til þess að geta greitt andvirði síldar, sem þeir hafa í hyggju að kaupa frá Færeyjum til beitu. — Bréf 18. jan. (Db. 744).
*Berklavarnakostnaður.* Skýrsla um berklavarnakostnað 1942. — Bréflaust. (Db. 639).
Bernharð Stefánsson 1. þm. Eyf., sjá Vatnsveitur 4.
*Bessastaðir.* Forsrn. sendir fjvn. áætlun um tekjur og gjöld Bessastaðabúsins árið 1943. — Bréf 14. des. (Db. 514). — Sjá einnig Hrossaræktarbú.
*Bifreiðaúthlutun.* Skýrsla frá úthlutunarnefnd bifreiða til Alþingis. — Bréf 14. nóv. (Db. 392).
Bifreiðastjórafélagið Hreyfill, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Bifvélavirkjar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

*Bindindisfræðsla.* Dóms- og kirkjumrn. leitar umsagnar fjvn. um styrk til útgáfu lesbókar til notkunar við bindindisfræðslu. 1 fskj. — Bréf 26. febr. (Db. 905).
*Bindindismál.* Samband bindindisfélaga í skólum sendir Alþingi tilgreindar áskoranir, sem samþykktar voru á 11. þingi sambandsins, sem haldið var í Reykjavík 11.—13. des. — Bréf 7. jan. (Db. 707). — Sjá einnig Stórstúka Íslands.
Biskup landsins, sjá: Eftirlaun og styrktarfé 3, Kirkjumál, Tillögur.
*Bílferja á Hvalfjörð.* Almennur fundur félags mjólkurframleiðenda sunnan Skarðsheiðar, haldinn í Vogatungu 23. nóv. 1942, skorar á Alþingi að vinna að því, að komið verði bílferju á Hvalfjörð svo fljótt sem mögulegt er talið. — Bréflaust. (Db. 435, a.).
Bílstjórafélag Akureyrar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Bjarni Ásgeirsson, þm. Mýr., sjá: Húsmæðraskóli Borgarfjarðar, Skallagrímsgarðurinn.
Bjarni Bjarnason skólastjóri, sjá Húsmæðraskólar.
Bjarni Magnússon, fyrrv. fangavörður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 15.
Björn Birnir, Grafarholti, sjá Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur 2.
Björn O. Jónasson, fyrrv. fiskimatsmaður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 17.
Björn Ólafsson fiðluleikari, sjá: Árni Thorsteinsson, Utanfararstyrkur.
*Blindrafélagið* ítrekar beiðni sína frá s. l. vetri um 5000 kr. styrk, og fer þess jafnframt á leit, að sú upphæð verði skoðuð sem grunnstyrkur, er hækkaður verði í samræmi við vaxandi dýrtíð. — Bréf 19. nóv. (Db. 402).
Blindravinafélag Íslands, sjá Tillögur.
Blönduósbryggja, sjá Hafnir og lendingarbætur 17.
Bolungavík, sjá: Hafnir og lendingarbætur 21, Vatnsveitur 2—3, Vegamál 9.
Boranir, sjá Neyzluvatn.
Borgarfjörður, sjá Vegamál 13.
Borgarstjórinn í Reykjavík, sjá: Fæðingarstofnun 1, Skattalöggjöf.
*Bókaútgáfa.* Dr. Jón Dúason fer þess á leit, að tekin verði upp í fjárlög 1943 10 þús. kr. fjárveiting til að þýða rit hans á germanska og rómverska tungu. — Bréf 3. febr. (Db. 833).
*Bókavarðarstaða við Háskóla Íslands.* Rektor háskólans fer þess á leit við menntamn. Nd., að hún flytji frumvarp um, að bókavarðarstaða háskólans verði gerð að föstu embætti. — Bréf. 8. jan. (Db. 647).
Bókmenntafélag Reykjavíkur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Bókmenntafélagið, sjá Hið íslenzka bókmenntafélag.
*Bókmenntasaga.* Þjóðræknisfélag Íslendinga í Reykjavík fer þess á leit, að þeim próf. dr. phil. Richard Beck og próf. dr. phil. Stefáni Einarssyni verði veittur 5000 króna styrkur hvorum um sig til útgáfu á íslenzkri bókmenntasögu. — Bréf 28. des. (Db. 632).
Breiðafjarðarbáturinn, sjá Flóabátaferðir 2.
Breiðfirðingafélagið, sjá Reykhólar 1.
Bréfberar, sjá Launamál 4.
*Brjánslækur.* Sýslumaðurinn í Barðastrandarsýslu fer þess á leit, að Alþingi beiti sér fyrir því, að endurreist verði hús staðarins að Brjánslæk. — Bréf 14. jan. (Db. 795). — Sjá einnig Greiðasala.
Brunabótafélag Íslands, sjá Starfsmannaskrár.
Brunngröftur, sjá Neyzluvatn.
*Brúargerðir.*
1. Almennur hreppsfundur í Gnúpverjahreppi, sem haldinn var 16. jan., skorar á Alþingi að samþykkja framkomna tillögu um brú á Hvítá við Iðu í Árnessýslu. — Bréf 20. jan. (Db. 854).
2. Einar Sigurfinnsson vekur athygli Alþingis á nauðsyn þess, að nú þegar verði hafinn undirbúningur að byggingu brúar á Hvítá hjá Iðuhamri, og lagningu vegar að brúnni frá báðum hliðum. — Bréf 18. des. (Db. 594).

3. 52 búendur í Hrunamannahreppi skora á Alþingi að veita í fjárlögum 1943 fé til brúargerðar á Hvítá hjá Iðuhamri. — Bréf 20. jan. (Db. 772).
4. Gísli Guðmundsson, þm. N.-Þ., fer þess á leit, að fjvn. mæli með því að byggð verði á árinu 1943 brú á Svalbarðsá í Þistilfirði. — Bréf. 22. des. (Db. 626).
5. Jörundur Brynjólfsson, 1. þm. Árn., fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til að veitt verði fé í fjárlögum 1943 til brúargerðar á Hvítá hjá Iðu, og enn fremur að veittar verði 180 þús. kr. til Krýsuvíkurvegar. — Bréf 17. des. (Db. 556).
6. 26 bændur í Skeiðahreppi skora á Alþingi að veita í fjárlögum 1943 fé til brúargerðar á Hvítá hjá Iðu. — Bréf 29. jan. (Db. 815).
7. Umsögn vegamálastjóra um fram komnar breytingartillögur við lög um brúargerðir. — Bréf 28. jan. (Db. 823).
8. Vegamálastjóri skrifar samgmn. Ed. varðandi lög um brúargerðir. — Bréf. 22. febr. (Db. 897).

Brynja, verkakvennafélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

*Burstarfell í Vopnafirði.* Matthías Þórðarson þjóðminjavörður leggur til, að veitt verði í fjárlögum 1943 fé til að kaupa og endurbæta bæinn Burstarfell í Vopnafirði. — Bréf 28. jan. (Db. 803).

*Búfjárrækt.* Búnaðarfélag Íslands leggur til, að teknar verði upp í fjárlög 1943 160 þús. kr. til búfjárræktar. — Bréf 5. jan. (Db. 779).

*Búfjárræktartilraunir.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf tilraunaráðs búfjárræktar, dags. 28. nóv., um fjárframlag til búfjárræktartilrauna, sem fram fara á bændaskólunum á Hólum og Hvanneyri. — Bréf 9. des. (Db. 492).
2. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf tilraunaráðs búfjárræktar, dags. 28. nóv., um fjárveitingar til búfjárræktartilrauna á árinu 1943; enn fremur erindi Búnaðarfélags Íslands, dags. 31. marz, með fimm fylgiskjölum, varðandi búfjárræktartilraunir í landinu, og erindi rannsóknarráðs ríkisins, dags. 20. marz, um aukna starfsemi við landbúnaðardeild atvinnudeildar háskólans, — Bréf 5. des. (Db. 494).

Búlandshöfði, sjá Vegamál 6.

Búnaðarfélag Íslands, sjá: Áveitu- og framræslufélög, Búfjárrækt, Búfjárræktartilraunir, Endurbyggingar í sveitum, Erfðaábúð, Fyrirhleðslur 1, 4, Heimilisiðnaður 2, Jarðeignir ríkisins, Jarðræktarlög, Jarðræktarstyrkur, Landbúnaðarvélar 1, Landspjöll, Landþurrkun, Landþurrkunarfélag, Reykhólar, Skurðgröfur 1, Smjörsamlög, Tillögur, Tilraunabú, Tilraunastöðvar, Verð á landbúnaðarvörum, Verzlun með kjarnfóður.

Búnaðarsamband Suðurlands, sjá Landbúnaðarvélar 1—2.

Búnaðarþing, sjá Reykhólar 3.

Byggðasöfn, sjá Burstarfell í Vopnafirði.

Byggingarfélag verkamanna, sjá Verkamannabústaðir 1.

Byggingarsjóður verkamanna, sjá: Tillögur, Verkamannabústaðir 2.

*Byggingarstyrkur.*
1. Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. til umsagnar erindi, dags. 24. marz, um byggingarstyrk til Davíðs Stefánssonar skálds. — Bréf. 29. marz. (Db. 1005).
2. Eggert Guðmundsson listmálari fer þess á leit, að sér verði veittur 30 þús. kr. styrkur til byggingar vinnustofu og íbúðarhúss. 1 fskj. — Bréf ódagsett. (Db. 520).
3. Fjmrn. sendir fjvn. bréf dóms- og kirkjumrn., dags. 16. okt., ásamt afriti af bréfi Kristjáns Guðlaugssonar hrlm., varðandi húsbyggingu Jóns Engilberts listmálara. Bréf 26. nóv. (Db. 404).
4. Gunnlaugur Blöndal listmálari sækir um 25 þús. kr. lán úr ríkissjóði til byggingar vinnustofu, enda njóti hann sömu kjara og aðrir listamenn, er lán hafa fengið í sama skyni. — Bréf ódagsett. (Db. 524).

5. Karen Agnete Þórarinsson og Sveinn Þórarinsson, listmálarar, ítreka beiðni sína um styrk til byggingar á íbúðarhúsi í Reykjavík. — Bréf 3. des. (Db. 485).
6. Kristinn Pétursson listmálari fer þess á leit, að sér verði veittur 20 þús. kr. styrkur til byggingar vinnustofu, enda njóti hann sömu kjara og aðrir listamenn, er fengið hafa styrk í sama skyni. — Bréf 28. nóv. (Db. 430).
7. Páll Þorsteinsson, þm. A.-Sk., fer þess á leit við fjvn., að Höskuldi Björnssyni listmálara verði veittur í fjárlögum 1943 2000 kr. byggingarstyrkur. — Bréf 12. jan. (Db. 700).
8. Ríkarður Jónsson myndhöggvari ítrekar fyrri umsókn sína um lán úr ríkissjóði til byggingar vinnustofu, en fer þess á leit, að upphæðin verði 24 þús. kr. — Bréf 15. des. (Db. 525).

Bæjarfógetar, sjá Skrifstofufé.
Bæjarstjórn Akureyrar, sjá Húsmæðraskóli á Akureyri.
Bæjarstjórn Reykjavíkur, sjá: Fæðingarstofnun 1, Húsnæðismál, Skattalöggjöf.
*Bændaskóli á Suðurlandi.* 6 þm. fara þess á leit við fjvn., að hún mæli með því, að veittar verði í fjárl. 1943 300 þús. kr. til bændaskóla á Suðurlandi. 2 fskj. Bréf 8. jan. (Db. 669).
Börge Axel Jónsson, sjá Ríkisborgararéttur 2.

Capitana, sjá Skipakaup.

Dalvíkurhöfn, sjá Hafnir og lendingarbætur 3.
Dansk-íslenzka ráðgjafarnefndin, sjá Ráðgjafarnefndin.
Daufdumbraskólinn, sjá Tillögur.
Davíð Stefánsson skáld, sjá Byggingarstyrkur 1.
Djúpbáturinn, sjá Flóabátaferðir 3—4, 11.
Dómnefnd í kaupgjalds- og verðlagsmálum, sjá: Starfsmannaskrár, Tillögur.
*Dragnótaveiði.*
1. 48 nafngreindir útvegsmenn og sjómenn í Árskógshreppi, Eyjafjarðarsýslu, ítreka tilmæli sín um, að dragnótaveiðar verði nú þegar bannaðar innan íslenzkrar landhelgi. — Bréf í febr. (Db. 950).
2. Hreppsnefnd Gerðahrepps skorar á Alþingi að banna með lögum dragnótaveiði í Garðsjó í Faxaflóa. — Bréf 2. febr. (Db. 868).
3. Nafngreindir útvegsmenn og sjómenn á Hjalteyri, Eyjafjarðarsýslu, 41 að tölu, ítreka tilmæli sín um bann gegn dragnótaveiði í Eyjafirði. — Bréf 10. febr. (Db. 996).
4. Sigurður Þórðarson, 1. þm. Skagf., sendir Alþingi útskrift úr fundargerð almenns borgarafundar, sem haldinn var á Sauðárkróki 8. nóv., þar sem skorað er á þingmenn kjördæmisins að flytja á næsta Alþingi frv. um bann gegn dragnótaveiðum á Skagafirði. — Bréflaust. (Db. 487).
5. Sami þm. sendir Alþingi áskorun 126 sjómanna og alþingiskjósenda í Skagafjarðarsýslu, þar sem skorað er á þingmenn kjördæmisins að flytja á næsta Alþingi frv. um bann gegn dragnótaveiðum á Skagafirði. — Bréflaust. (Db. 488).
6. Sami þm. sendir Alþingi umsögn hreppstjóra Hofshrepps í Skagafirði um nauðsyn þess, að lögbönnuð verði öll dragnótaveiði á Skagafirði. — Bréflaust. (Db. 489).
7. 10 útgerðarmenn í Hrísey skora á þing og stjórn að gera engar þær ráðstafanir, er gangi í þá átt að banna eða takmarka veiðar með dragnót í landhelgi fyrir Norðurlandi. — Bréf 22. des. (Db. 739).
8. Útgerðarmenn í Ólafsfirði mótmæla eindregið framkomu frv. um breyt. á l. um dragnótaveiði í landhelgi og krefjast sama tíma og réttar til veiði með dragnót fyrir Norðurlandi sem annars staðar við strendur landsins og skír-

skota að öðru leyti til ályktana síðasta fiskiþings um þessi mál. — Símskeyti 17. des. (Db. 576).

Drykkjumannahæli, sjá Hressingarheimili.

*Dýpkunarskip.*

1. Umsögn vitamálastjóra um till. til þál. um dýpkunarskip ríkisins. 1 fskj. — Bréf 4. jan. (Db. 643).
2. Sjútvn. Nd. fer þess á leit við fjvn., að hún mæli með því að tekin verði upp í fjárlög 1943 rífleg fjárveiting til dýpkunarskips, sem ríkið eigi og reki, enda verði féð geymt unz fært þykir að festa kaup á skipinu. — Bréf 14. jan. (Db. 708).

*Dýralækningar.* Ásgeir H. P. Hraundal sækir um styrk til að stunda dýralækningar í Stokkseyrarhreppi og nágrenni hans og skírskotar til áskorunar allmargra Stokkseyringa til Alþingis 1940 um þetta efni. — Bréf 16. nóv. (Db. 393).

*Dýrtíðarmál.*

1. Alþýðusamband Íslands sendir áskoranir á Alþingi, um að taka nú tafarlaust til meðferðar dýrtíðar- og atvinnumálin og afgreiða þau á grundvelli samþykktar 17. þings Alþýðusambands Íslands, frá eftirtöldum félögum: Verkalýðsfélagi Austur-Húnvetninga, Blönduósi, Verkalýðsfélagi Skagastrandar, Skagaströnd, Verkalýðsfélaginu Þrótti, Siglufirði, Verkakvennafélaginu Brynju, Siglufirði, og Landssambandi síldarverkunarmanna, Siglufirði. — Bréf 5. jan. (Db. 652).
2. Sama samband sendir samþykkt fundar, sem haldinn var í Verkalýðsfélagi Stykkishólms 4. jan., þar sem skorað er á Alþingi að vinna að framkvæmd samþykkta 17. þings Alþýðusambands Íslands. — Bréf 14. jan. (Db. 731).
3. Bandalag starfsmanna ríkis og bæja senda Alþingi samþykktir 2. þings bandalagsins um dýrtíðarmálin. — Bréf 11. des. (Db. 517).
4. Miðstjórn Alþýðusambands Austurlands sendir Alþingi nokkrar áskoranir, sem samþykktar voru á stofnfundi þess, varðandi dýrtíðar-, öryggis- og félagsmál. — Bréf 4. febr. (Db. 874).
5. Rafvirkjafélag Reykjavíkur vekur athygli Alþingis á þeirri staðreynd, að aðeins þau lög, sem launastéttir landsins geta sætt sig við, hafa skilyrði til þess að verða framkvæmd. — Bréf 4. marz. (Db. 941).
6. Sameiginlegur fundur stjórna verkalýðsfélaganna á Akureyri innan Alþýðusambands Íslands, sem haldinn var 14. des., skorar á Alþingi að taka dýrtíðarmálin nú þegar föstum tökum og gera tilgreindar ráðstafanir, sem líklegar séu til lausnar í þeim málum. — Bréf 14. des. (Db. 610).
7. Sameiginlegur fundur verkalýðsfélagsins Baldurs á Ísafirði og Sjómannafélags Ísfirðinga, haldinn á Ísafirði þ. 20. des., skorar á Alþingi að snúa sér þegar að lausn þeirra vandamála þjóðarinnar, sem enga bið þola, eins og dýrtíðarmálanna, og krefst þess, að gerðar verði nú þegar ráðstafanir til að hefta dýrtíðina á grundvelli samþykkta síðasta Alþýðusambandsþings. — Bréf 21. des. (Db. 609).
8. Sameiginlegur fundur verkmannafélagsins Fram og verkakvennafélagsins Brynju á Seyðisfirði beinir athygli Alþingis að samþykkt 17. þings Alþýðusambands Íslands, einkum varðandi dýrtíðar-, atvinnu- og öryggismál, og skorar á það að fara þær leiðir í þeim efnum, sem þar er bent á. — Bréflaust. (Db. 710).
9. Sameiginlegur fundur Verkalýðsfélags Norðfirðinga og Vélstjórafélagsins Gerpis í Neskaupstað, haldinn 13. jan., skorar á Alþingi að vinna að framkvæmd samþykkta 17. þings Alþýðusambands Íslands. — Bréf 16. jan. (Db. 843).
10. Samþykkt 17. þings Alþýðusambands Íslands um ráðstafanir gegn dýrtíðinni. — Bréf 7. des. (Db. 475).

11. Verkalýðsfélag Austur-Húnvetninga skorar á Alþingi að samþykkja ályktanir 17. þings Alþýðusambands Íslands um dýrtíðarráðstafanir. — Bréf 28. febr. (Db. 926).
12. Verkalýðsfélag Fáskrúðsfjarðar skorar á Alþingi að samþykkja tillögur 17. þings Alþýðusambands Íslands um dýrtíðar-, atvinnu- og öryggismál. — Bréflaust. (Db. 880).
13. Verkalýðsfélag Reyðarfjarðarhrepps skorar á Alþingi að samþykkja áskoranir þær, sem því hafa borizt frá 17. þingi Alþýðusambands Íslands. — Bréf 24. jan. (Db. 875).
14. Verkamannafélagið „Árvakur" á Eskifirði skorar á Alþingi að samþykkja tilgreindar samþykktir 17. þings Alþýðusambands Íslands. — Bréf 20. jan. (Db. 876).

*Dýrtíðarráðstafanir.* Mótmæli gegn stjfrv. á þskj. 451 frá Alþýðusambandi Austurlands (Db. 971), Alþýðusambandi Íslands (Db. 900), Bakarasveinafélagi Íslands (Db. 912), Bandalagi starfsmanna ríkis og bæja (Db. 918), Bifreiðastjórafélaginu Hreyfli (Db. 963), Bílstjórafélagi Akureyrar (Db. 967), Bókbindarafélagi Reykjavíkur (Db. 911), Farmanna- og fiskimannasambandi Íslands (Db. 1034), Félagi bifvélavirkja í Reykjavík (Db. 927), Félagi íslenzkra botnvörpuskipaeigenda (Db. 1033), Félagi járniðnaðarmanna í Reykjavík (Db. 966), Fulltrúaráði verkalýðsfélaganna í Hafnarfirði (Db. 901), Fulltrúaráði verkalýðsfélaganna í Reykjavík (Db. 979), Iðju, félagi verksmiðjufólks í Reykjavík (Db. 916), Iðnaðarmannafélagi Austur-Húnvetninga (Db. 970), Matsveina- og veitingaþjónafélagi Íslands (Db. 943), Málarasveinafélagi Reykjavíkur (Db. 952), Múrarafélagi Reykjavíkur (Db. 968), Rakarasveinafélagi Reykjavíkur (Db. 942), Sambandi íslenzkra bankamanna (Db. 977), Sjómannafélagi Hafnarfjarðar (Db. 972), Sjómannafélagi Ísfirðinga (Db. 953), Sjómannafélagi Reykjavíkur (Db. 915), Starfsmannafélagi ríkisstofnana (Db. 1015), Sveinafélagi húsgagnabólstrara (Db. 935), Sveinafélagi skipasmiða (Db. 931), Sveinasambandi byggingarmanna í Reykjavík (Db. 1014), Sveinafélagi pípulagningamanna (Db. 980), Sveinafélaginu Skjaldborg (Db. 981), Trúnaðarmannaráði sjómannafélags Akureyrar (Db. 944), Trúnaðarmannaráði verkalýðsfélags Norðfirðinga (Db. 971), Trúnaðarráði verkamannafélagsins Dagsbrúnar (Db. 902), Trúnaðarráði Verkalýðsfélags Akureyrar (Db. 965), Vélstjórafélaginu Gerpi (Db. 971), Verkakvennafél. Brynju (Db. 928), Verkakvennafél. Einingunni (Db. 991), Verkakvennafél. Framsókn (Db. 908), Verkakvennafél. Framtíðinni (Db. 877, 947), Verkakvennafél. Snót (Db. 932), Verkakvennafél. Von (Db. 964), Verkalýðsfél. Aftureldingu (Db. 926), Verkalýðsfél. Árvakri (Db. 947), Verkalýðsfél. Austur-Húnvetninga (Db. 926), Verkalýðsfél. Baldri (Db. 946), Verkalýðsfél. Bjarma (Db. 925), Verkalýðsfél. Borgarness (Db. 998), Verkalýðsfél. Fram (Db. 988), Verkalýðsfél. Glæsibæjarhrepps (Db. 938), Verkalýðsfél. Hríseyjar (Db. 978), Verkalýðsfél. Hvöt (Db. 1008), Verkalýðsfél. Jökli (Db. 711), Verkalýðs- og sjómannafél. Álftfirðinga (Db. 992), Verkalýðs- og sjómannafél. Keflavíkur (Db. 934), Verkalýðs- og sjómannafél. Ólafsfjarðar (Db. 906), Verkalýðsfél. Raufarhafnar (Db. 969), Verkalýðsfél. Skildi (Db. 955), Verkalýðsfél. Svalbarðsstrandar (Db. 1013), Verkalýðsfél. Víkingi (Db. 936), Verkalýðsfél. Vörn (Db. 994), Verkamannadeild Verkalýðsfél. Akraness (Db. 917), Verkamannafél. Bárunni (Db. 1012), Verkamannafél. Dalvíkur (Db. 949), Verkamannafél. Hlíf (Db. 930), Verkamannafél. Húsavíkur (Db. 945), Verkamannafél. Reyðarfjarðar (Db. 962), Verkamannafél. Þrótti (Db. 949), Þvottakvennafél. Freyju (Db. 914).

Edvard Friðriksson, sjá Námsstyrkur 1.

*Eftirlaunasjóður.* Atv.- og samgmrn. sendir allshn. Nd. bréf frá síldarverksmiðjum ríkisins, dags. 6. ágúst, þar sem farið er fram á heimild Alþingis til stofnunar eftirlaunasjóðs fyrir starfsmenn síldarverksmiðjanna. 1 fskj. — Bréf 15. des.

*Eftirlaun og styrktarfé.*

1. Árni Sigurðsson, fyrrv. póstur, fer þess á leit, að sér verði greidd eftirlaun. — Bréf 2. des. (Db. 444).
2. Baldur Eyjólfsson, fyrrv. póstur, fer þess á leit, að eftirlaun hans verði hækkuð upp í 1000 kr. á ári. 2 fskj. — Bréf 27. febr. (Db. 447).
3. Biskupinn yfir Íslandi fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til að Guðrúnu Jónsdóttur, ekkju Sigurðar Z. Gíslasonar, prests að Þingeyri, verði í fjárlögum 1943 ætlaður sæmilegur styrkur til framfærslu sér og börnum sínum. — Bréf 14. jan. (Db. 722).
4. Dóms- og kirkjumrn. leggur til, að Ingu Magnúsdóttur, fyrrv. starfsstúlku rn., verði veittar í fjárlögum 1943 1500 kr., auk lögboðinna eftirlauna. — Bréf 29. jan. (Db. 812).
5. Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. afrit af bréfi fræðslumálastjóra til rn., dags. 30. nóv., þar sem lagt er til, að veittar verði 8 þús. kr. í fjárl. 1943 til fyrrv. barnakennara, og því fé ráðstafað á tilgreindan hátt. 1 fskj. — Bréf 10. des. (Db. 499).
6. Emil Jónsson, þm. Hafnf., sendir fjvn., ásamt meðmælum sínum, erindi Ólafs Eiríkssonar, fyrrv. barnakennara, dags. 8. des., þar sem hann fer þess á leit að sér verði greiddur 500 kr. lífeyrir á ári. — Bréf 18. des. (Db. 588).
7. Fiskimatsstjórinn lætur fjvn. í té umsögn sína varðandi styrk til fyrrv. fiskimatsmanna. — Bréf 23. des. (Db. 623).
8. Fjmrn. sendir fjvn. bréf Magnúsar Magnússonar, dags. 10. des., þar sem hann fer þess á leit, að sér verði greiddur lífeyrir. — Bréf 18. des. (Db. 568).
9. Forsetar Alþingis mælast til þess, að fjvn. flytji till. um 300 kr. eftirlaun handa Sigríði Gísladóttur, fyrrv. ræstingarkonu Alþingis. — Bréf 26. nóv. (Db. 428).
10. Fræðslumálastjóri leggur til, að heimilað verði í fjárlögum 1943 að greiða Hallgrími Jónssyni, fyrrv. skólastjóra, Karli Finnbogasyni og Valdimar Snævarr, skólastjórum, úr ríkissjóði upphæðir, sem að viðlögðum eftirlaunum þeirra úr lífeyrissjóði barnakennara, nemi ¾ hlutum þeirra grunnlauna, er þeir höfðu þegar þeir létu af störfum. 4 fskj. — Bréf 14. des. (Db. 557).
11. Gestur Sigurðsson, Stokkseyri, fer þess á leit við fjvn., að sér verði veittur nokkur árlegur lífeyrir frá 1. jan. 1943, og fylgja meðmæli hafnarnefndar Stokkseyrar. — Bréf 9. jan. (Db. 720).
12. Gísli Jónsson, þm. Barð., fer þess á leit, að Guðnýju G. Jónsdóttur, fyrrv. kennara, verði veitt 300 kr. eftirlaun ásamt dýrtíðaruppbót. 1 fskj. — Bréf 8. des. (Db. 500).
13. Sami þm. fer þess á leit, að Sigríði Snæbjörnsen, ekkju Jóns Snæbjörnsen, fyrrv. stöðvarstjóra á Patreksfirði, verði veitt 500 kr. eftirlaun. — Bréf 1. febr. (Db. 829).
14. Guðrún Snorradóttir, Birningsstöðum í Laxárdal í S.-Þing., ekkja Torfa Sæmundssonar pósts, sækir um 200 kr. lífeyri. — Bréf 25. okt. (Db. 407).
15. Gunnar Thoroddsen, þm. Snæf., sendir Alþingi, ásamt meðmælum sínum, umsókn frá Bjarna Magnússyni, fyrrv. fangaverði í Stykkishólmi, um allt að 600 kr. árlegan ellistyrk. — Bréf 6. jan. (Db. 654).
16. Halldór Kr. Júlíusson, fyrrv. sýslumaður, fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til, að honum verði veitt 2000—2500 kr. viðbótareftirlaun. — Bréf 6. jan. (Db. 663).
17. Ingvar Pálmason, 1. þm. S.-M., fer þess á leit, að Aðalheiði Pálsdóttur, fyrrv. ljósmóður, og Birni O. Jónassyni, fyrrv. fiskimatsmanni, verði veitt tilgreind eftirlaun. — Bréf 4. febr. (Db. 865).
18. Póst- og símamálastjórinn gefur fjvn. upplýsingar um tilgreinda fyrrv. starfsmenn póstmálastjórnarinnar. — Bréf 5. jan. (Db. 641).
19. Runólfur Magnússon, Eiríkur Eiríksson og Jóhannes Guðmundsson, fyrrv.

fiskimatsmenn, fara þess á leit við fjvn., að hún leggi til, að hverjum þeirra verði greiddur 400 kr. árlegur styrkur. — Bréf 17. nóv. (Db. 467).

20. Sigurður Benediktsson, fyrrv. póstur, fer þess á leit, að sér verði veitt eftirlaun. — Bréf 19. jan. (Db. 765).
21. Umsögn póst- og símamálastjórnarinnar um þá Sigurð Benediktsson og Vésteinn Árnason, fyrrv. pósta. — Bréf 23. jan. (Db. 766).
22. Vésteinn Árnason, fyrrv. póstur, fer þess á leit, að sér verði veitt 200 kr. árleg eftirlaun. — Bréf 27. febr. (Db. 910).
23. Vitamálastjóri fer þess á leit, að eftirlaun Kristínar Pálsdóttur, vitavarðarekkju frá Elliðaey, verði hækkuð í kr. 500 á ári. — Bréf 1. febr. (Db. 819).
24. Sami leggur til, að árleg eftirlaun Sigurðar Jóakimssonar, fyrrv. fiskimatsmanns, verði hækkuð upp í 400 kr. — Bréf 4. des. (Db. 480).
25. Sami leggur til, að örorkustyrkur til handa Einari Straumfjörð, fyrrv. vitaverði, verði hækkaður í 1000 kr. á ári. — Bréf 4. des. (Db. 478).
26. Sami mælir með því, að Kristjóni Þorlákssyni, fyrrv. vitaverði, verði veitt 400 kr. árleg eftirlaun. — Bréf 4. des. (Db. 479).
27. Þórhallur Andrésson, Hafralæk í Aðaldal, fer þess á leit, að konu hans, Kristínu Eiríksdóttur, fyrrv. ljósmóður, verði veitt 500 kr. eftirlaun. — Bréf 28. okt. (Db. 810).

Eftirlitsmaður sveitarstjórnarmálefna, sjá Fátækrajöfnunarfé.
Eggert Guðmundsson listmálari, sjá Byggingarstyrkur 2.
Eiðaskóli, sjá Tillögur.
Eilif Lönning, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Eimskipafélag Íslands, sjá Skattgreiðsla Eimskipafélagsins.
Einar Arnórsson dómsmrh., sjá Sögufélagið.
Einar Erlendsson húsameistari, sjá Hnitbjörg 1.
Einar Jónsson myndhöggvari, sjá Hnitbjörg.
Einar Sigurfinnsson, sjá Brúargerðir 2.
Einar Straumfjörð, fyrrv. vitavörður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 25.
*Einkaleyfi.* Atv.- og samgmrn. sendir iðnn. Nd. umsókn Jóns H. Ísleifssonar verkfræðings, um að honum verði veitt einkaleyfi á nýrri aðferð við vinnslu á salti úr sjó. 2 fskj. — Bréf 15. jan. (Db. 728).
Einkaréttur, sjá Kvikmyndahús.
Eiríkur Einarsson, 2. þm. Árn., sjá Tímarit.
Eiríkur Eiríksson, fyrrv. fiskimatsmaður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 19.
Elliðavatn, sjá Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur 3.
*Elliheimili.*

1. Bæjarstjórn Akureyrar mælir með því, að Alþingi veiti Stefáni Jónssyni styrk til byggingar og rekstrar gamalmennahælis þess, er hann hefur hafið byggingu á, að Syðri-Skjaldarvík í Glæsibæjarhreppi. — Bréf 16. des. (Db. 605).
2. Kvenfélagið „Kvik“ á Seyðisfirði þakkar styrkveitingu til elliheimilisins „Hafnar“ þar í bæ og fer þess jafnframt á leit, að því verði veittur sami styrkur áfram að viðbættri verðlagsuppbót. — Bréf 23. nóv. (Db. 450).
3. Sigurður E. Hlíðar, þm. Ak., sendir Alþingi bréf Stefáns Jónssonar, dags. 28. nóv., þar sem hann fer þess á leit, að sér verði veittur 75 þús. kr. styrkur til að ljúka byggingu gamalmennahælis að Syðri-Skjaldarvík í Glæsibæjarhreppi í Eyjafjarðarsýslu, og enn fremur verði honum veittur 30—35 þús. kr. árlegur styrkur til rekstrar þessa hælis meðan núverandi dýrtíð varir. 2 fskj. — Bréflaust. (Db. 470).

Emil Jónsson, þm. Hafnf., sjá: Eftirlaun og styrktarfé 6, Tímarit.
*Endurbyggingar á ríkisjörðum.* Atv.- og samgmrn. leggur til, að veittar verði í fjárlögum 1943 100 þús. kr. til húsabóta á jörðum ríkisins. 1 fskj. — Bréf 8. febr. (Db. 866).

*Endurbyggingar í sveitum.* Búnaðarfélag Íslands leggur til, að veittar verði í fjárlögum 1943 500 þús. kr. til endurbygginga í sveitum. — Bréf 6. jan. (Db. 781).
Engihlíðarhreppur, sjá sjúkrasjóður.
*Erfðaábúð.* Búnaðarfélag Íslands sendir landbúnaðarnefnd Nd. frv. til l. um ættaróðal og erfðaábúð. — Bréf 17. marz. (Db. 976).
Eskfirðingar, sjá Beitumál.
*Eyðing tundurdufla.* Verkalýðsfélag Fáskrúðsfjarðar skorar á Alþingi að verða við áskorunum 17. þings Alþýðusambands Íslands um eyðingu tundurdufla fyrir Austurlandi o. fl. — Bréflaust. (Db. 881).
Eyjafjörður, sjá Flóabátaferðir 12.
Eyrarbakkahreppur, hreppsnefndin, sjá Hafnir og lendingarbætur 12.

*Farmanna- og fiskimannasamband Íslands* fer þess á leit við sjútvn. Nd., að hún leggi fyrir Alþingi till. til þál. með tilgreindu efni. — Bréf 15. des. (Db. 550). — Sjá einnig: Dýrtíðarráðstafanir, Fiskveiðasjóður Íslands 1, Hafnir og lendingarbætur 5, Sjómannaskólinn 1.
Farsóttahús, sjá Fæðingarstofnun.
Fasteignaeigendafélag Reykjavíkur, sjá Húsaleigulög.
Fasteignamatið, sjá Tillögur.
*Fátækrajöfnunarfé.* Eftirlitsmaður sveitarstjórnarmálefna sendir fjvn. skrá yfir skiptingu fátækrajöfnunarfjár til sveitarfélaga á árinu 1941. — Bréf 15. des. (Db. 526).
*Fávitahæli.* Barnaverndarnefnd Reykjavíkur skorar á Alþingi að veita nú þegar nægilegt fé til byggingar fávitahælis, sbr. lög nr. 18 1936, og fela ríkisstjórninni að hefja framkvæmdir þegar á þessu ári. — Bréf 16. des. (Db. 581).
Félag bifvélavirkja, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Félag íslenzkra botnvörpuskipaeigenda, sjá: Dýrtíðarráðstafanir, Samflot íslenzkra skipa.
Félag járniðnaðarmanna, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Félag stundakennara, sjá Launamál 3.
Fiskideild, sjá Húsakaup.
Fiskifélag Íslands, sjá: Fiskveiðasjóður Íslands 4, Lýsi 3, Tillögur, Tollamál.
Fiskimatsstjórinn, sjá: Eftirlaun og styrktarfé 7, Starfsmannaskrár.
Fiskimálanefnd, sjá: Fiskveiðasjóður Íslands 2, Hraðfrystihús 6, Tollamál.
Fiskimjölsverksmiðjur, sjá Verðuppbætur 1.
Fiskivogur, sjá Hafnir og lendingarbætur 28.
Fiskumbúðir, sjá Tollamál.
*Fiskveiðasjóður Íslands.*
1. Farmanna- og fiskimannasamband Íslands sendir sjútvn. Nd. umsögn um frv. til l. um breyt. á l. um Fiskveiðasjóð Íslands. — Bréf 12. des. (Db. 549).
2. Fiskimálanefnd sendir sjútvn. Nd. umsögn sína um sama frv. — Bréf 28. des. (Db. 630).
3. 10 nafngreindir útvegsmnn í Vestmannaeyjum skora á Alþingi að samþykkja frv. til l. um breyt. á l. um Fiskveiðasjóð Íslands. — Bréf 11. des. (Db. 993).
4. Umsögn Fiskifélags Íslands um frv. til l. um breyt. á l. nr. 110 19. okt. 1941, um Fiskveiðasjóð Íslands. — Bréf 16. des. (Db. 567).
5. Umsögn Fiskveiðasjóðs Íslands um frv. til l. um breyt. á l. um Fiskveiðasjóð Íslands. — Bréf 11. des. (Db. 548, 567).

Fjarstýrð talskeytamóttökutæki. Umsögn póst- og símamálastjórnarinnar um till. til þál. um fjarstýrð talskeytamóttökutæki í Vestmannaeyjum. — Bréf 18. marz. (Db. 982).
*Fjárlög.* Gísli Jónsson, þm. Barð., fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til að gerðar verði tilgreindar breytingar á frv. til fjárl. fyrir árið 1943. — Bréf 15. des. (Db. 527, 577).

*Fjárskaði.* Sigurður Bjarnason, þm. N.-Ísf., sendir fjvn. umsögn Páls Pálssonar búnaðarþingsfulltrúa, Þúfum, dags. 3. nóv., um fjárskaða þann, er nokkrir bændur við norðanvert Ísafjarðardjúp biðu í ofviðri síðast liðið haust. — Bréf 6. jan. (Db. 676).

*Fljótaárvirkjun.* Áki Jakobsson, þm. Siglf., fer þess á leit við fjvn., að hún taki upp sem breytingartillögu við 22. gr. fjárlagafrumvarpsins heimild handa ríkisstjórninni til að ábyrgjast 6 millj. kr. innanlandslán fyrir Siglufjarðarkaupstað til virkjunar Fljótaár í Skagafirði. 1 fskj. — Bréf 24. nóv. (Db. 405).

*Flóabátaferðir.*

1. Atv.- og samgmrn. óskar umsagnar samvinnun. samgöngumála um erindi skipaútgerðar ríkisins, dags. 23. febr., þar sem lagt er til, að bátur verði tekinn á leigu til ferða milli Reykjavíkur og Akraness. 1 fskj. — Bréf 9. marz og 15. marz. (Db. 954).
2. Breiðafjarðarbáturinn Norðri h/f fer þess á leit, að því verði veittur 20 þús. kr. styrkur til vöru- og fólksflutninga á norðanverðum Breiðafirði. — Bréf 28. nóv. (Db. 602).
3. Djúpbáturinn h/f fer þess á leit, að því verði veittur í fjárlögum 1943 200 þús. kr. styrkur til að halda uppi ferðum. 1 fskj. — Bréf 11. jan. (Db. 747).
4. Sama félag fer þess á leit, að því verði veittur 130 þús. kr. styrkur í fjárlögum 1943. — Símskeyti. (Db. 587).
5. Fjvn. óskar umsagnar samvinnunefndar samgöngumála um till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að láta byggja eða kaupa strandferðabát fyrir Austurland. — Bréf 1. apríl. (Db. 1017).
6. Gísli Jónsson, þm. Barð., sendir fjvn. erindi Breiðafjarðarbátsins Norðra, þar sem farið er fram á 20 þús. kr. styrk til vöru- og fólksflutninga á norðanverðum Breiðafirði. — Bréf 3. des. (Db. 460).
7. Jóhann Jósefsson, þm. Vestm., fer þess á leit, að veittar verði 45 þús. kr. til styrktar bátsferðum milli Stokkseyrar og Vestmannaeyja. — Bréf 17. des. (Db. 571).
8. Rekstrarreikningur m/b Konráðs 1942. — Bréflaust. (Db. 745).
9. Pétur Ottesen, þm. Borgf., sendir Alþingi ásamt meðmælum sínum fundarsamþykkt bænda á svæðinu sunnan Skarðsheiðar í Borgarfjarðarsýslu, frá 23. nóv., þar sem skorað er á Alþingi að veita bátsútgerð þeirri, er annast mjólkurflutninga af Akranesi til Reykjavíkur, ríflegan styrk. — Bréf 29. nóv. (Db. 435).
10. Samþykkt síðasta sýslufundar A.-Barð. varðandi samgöngur frá Reykjavík til Breiðafjarðarbyggða og um 15 þús. kr. styrk handa h/f Norða o. fl. — Bréf 13. jan. (Db. 792).
11. Sigurður Bjarnason, þm. N.-Ísf., óskar umsagnar fjvn. um tilgreinda fjárgreiðslu vegna h/f Djúpbátsins á Ísafirði. — Bréf 10. marz. (Db. 951).
12. Steindór Jónsson fer þess á leit, að honum verði veittar póstferðir þær, sem haldið hefur verið uppi um Eyjafjörð til Seyðisfjarðar, en óskar þess, að þeim verði hagað með nokkuð öðrum hætti en hingað til. — Bréf 28. nóv. (Db. 463).
13. Sveinbjörn Högnason, þm. V.-Sk., fer þess á leit, að fjvn. hækki styrkinn til Suðurlandsskips um 75 þús. kr. 1 fskj. — Bréf 8. febr. (Db. 864).
14. Umsögn Pálma Loftssonar, skipaútgerðarstjóra ríkisins, um uppdrætti að fyrirhuguðum flóabát við Ísafjarðardjúp. — Bréf 29. apríl. (Db. 423).
15. Umsögn samvinnunefndar samgöngumála um till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að láta byggja eða kaupa strandferðabát fyrir Austurland. — Bréf 5. apríl. (Db. 1018).
16. Umsögn skipaútgerðar ríkisins um ályktun fundar sýslumanna Múlasýslna og bæjarstjóra Nes- og Seyðisfjarðarkaupstaða. — Bréf 27. jan. (Db. 801).

*Flugfélag Íslands h/f* fer þess á leit, að ríkissjóður taki að sér vátryggingu á flugvél-

um félagsins, flugmönnum og farþegum, ella verði félaginu veittur 200 þús. kr. styrkur í fjárlögum 1943. — Bréf 1. des. (Db. 438). — Sjá einnig Tillögur.
*Flugmál.* Fjmrn. sendir fjvn. erindi flugmálaráðunautar ríkisins, dags. 10. þ. m., þar sem gerðar eru tillögur um fjárveitingu til flugmála 1943. — Bréf 16. des. (Db. 539).
Flugmálaráðunautur, sjá Flugmál.
Flugveðurfræði, sjá Námsstyrkur 3.
Flugvélarárás, sjá Skaðabætur.
*Forðagæzlumenn.* Atv.- og samgmrn. óskar umsagnar landbn. Alþingis um símskeyti frá sýslumanninum í Húnavatnssýslu, dags. 14. febr., varðandi kaup til forðagæzlumanna. — Bréf 16. febr. (Db. 887).
Fornbréfasafnið, sjá Hið íslenzka bókmenntafélag.
Fornleifafélagið, sjá Hið íslenzka fornleifafélag.
Fornritin, sjá Verndun fornritanna.
Fóðurbætiskaup, sjá Verzlun með kjarnfóður.
*Framfærslumálanefnd ríkisins.*
1. Framfærslumálanefnd ríkisins sendir fjvn. yfirlit um laun og skrifstofukostnað framfærslumálanefndar fyrir árið 1942. — Bréf 16. des. (Db. 555).
2. Skýrsla um störf framfærslumálanefndar ríkisins fyrir árið 1942. — Bréf 25. jan. (Db. 784). — Sjá einnig Vegamál 2.

Framræsla, sjá Áveitu- og.
Framræslu- og áveitufélag Ölfusinga, sjá Áveitu- og.
Framtíðin, klæðaverksmiðja, sjá Verðuppbætur 3.
Framtíðin, verkakvennafélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Freyja, þvottakvennafélag, sjá Þvottakvennafélagið.
Friðrik Þorvaldsson, sjá Námsstyrkur 1.
Friedlaender, Heinz Karl, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Fróðárhreppur, hreppsnefndin, sjá Vegamál 6.
Fræðslumálastjóri, sjá: Gagnfræðaskóli Akureyrar, Íþróttamál, Kennaraskóli Íslands 2, Reykhólar 4, Skólahúsbyggingar, Tillögur, Uppeldismálarit.
Fulltrúaráð verkalýðsfélaganna í Hafnarfirði, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Fulltrúaráð verkalýðsfélaganna í Reykjavík, sjá: Dýrtíðarráðstafanir, Iðnráð Reykjavíkur 2.
*Fyrirhleðslur.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi Búnaðarfélags Íslands, dags. 20. nóv., þar sem óskað er að greiddar séu kr. 3236.00 til fyrirhleðslu við Steinavötn. — Bréf 23. des. (Db. 606).
2. Páll Þorsteinsson, þm. A.-Sk., ritar fjvn. varðandi fyrirhleðslu í Virkisá í Öræfum og fer þess á leit, að veittar verði í fjárl. 1943 6000 kr. til fyrirhleðslunnar. — Bréf 8. jan. (Db. 672).
3. Sami þm. óskar skriflegs samþykkis fjvn. á greiðslu á tilgreindri upphæð vegna kostnaðar við fyrirhleðslu í Steinavötnum hjá Kálfafellsstað. — Bréf 29. jan. (Db. 814).
4. Umsögn Búnaðarfélags Íslands um fyrirhleðslu í Virkisá í Öræfum og við Steinavötn í Suðursveit. Bréf 23. des. (Db. 785).
5. Umsögn vegamálastjóra um fjárveitingu til fyrirhleðslu í Geirastaðakvísl. 1 fskj. — Bréf 1. febr. (Db. 822).

— Sjá einnig Landspjöll.
Fyrirmyndarbú, sjá Tilraunabú.
*Fæðingarstofnun.*
1. Borgarstjórinn í Reykjavík sendir Alþingi samþykkt bæjarstjórnar Reykjavíkur, frá 4. febr., varðandi stækkun fæðingardeildar Landsspítalans og byggingu farsóttahúss. — Bréf 9. febr. (Db. 860).

2. Fundur kvenna í Reykjavík, 11. jan. 1943, skorar á Alþingi að veita í fjárlögum 1943 fé til byggingar fæðingarstofnunar í Reykjavík. — Bréf ódagsett. (Db. 873).
3. Landlæknir sendir fjvn. afrit af bréfi til dómsmrn., dags. 24. nóv. 1941, varðandi fæðingarstofnun í Reykjavík. — Bréf 13. jan. (Db. 714).

Gagnfræðaskólar, sjá Tillögur.
*Gagnfræðaskóli Akureyrar.* Fræðslumálastjórinn sendir fjvn. bréf húsameistara ríkisins, dags. 10. des., um áætlaðan kostnað við að reisa kjallara og eina hæð af gagnfræðaskóla Akureyrar. — Bréflaust. (Db. 505).
Garðar Þorsteinsson, 2. þm. Eyf., sjá Vatnsveitur 4.
Garðsjór, sjá Dragnótaveiði 2.
*Garðyrkjuskólinn á Reykjum.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi Garðyrkjuskólans á Reykjum, dags. 12. nóv., þar sem farið er fram á 18250 kr. fjárveitingu til skólans. — Bréf 16. nóv. (Db. 391).
2. Sama ráðuneyti sendir fjvn. erindi forstöðumanns Garðyrkjuskólans á Reykjum, ódags., þar sem hann fer fram á að Garðyrkjuskólanum séu greiddar 41750 kr. til endurbyggingar og viðhalds á gróðurhúsum skólans. — Bréf 12. nóv. (Db. 375).
3. Skólastjóri Garðyrkjuskólans á Reykjum leitar fulltingis fjvn. um, að skólanum verði úthlutaður vörubíll. — Bréf 17. maí. (Db. 424).

— Sjá einnig Tillögur.
Geirastaðakvísl, sjá Fyrirhleðslur 5.
Geirmundur Árnason veðurfræðingur, sjá Námsstyrkur 3.
Gerðahreppur, sjá Dragnótaveiði 2.
Gerpir, vélstjórafélag, sjá: Dýrtíðarmál 9, Dýrtíðarráðstafanir.
G. Helgason & Melsteð h/f, sjá Skipakaup.
Gestaheimili Siglufjarðar, sjá Sjómanna- og.
Gestur Sigurðsson, sjá Eftirlaun og styrktarfé 11.
Gilsnámuvegur, sjá Vegamál 2, 9—10.
Gistihúsahald, sjá Greiðasala.
Gísli Guðmundsson, þm. N.-Þ., sjá: Brúargerðir 4, Hafnir og lendingarbætur 7—8, Vegamál 3—4.
Gísli Jónsson, þm. Barð., sjá: Eftirlaun og styrktarfé 12—13, Fjárlög, Flóabátaferðir 6, Greiðasala, Mjólkurflutningar, Reykhólar, Vegamál 5, Þingmálanefndargerðir 2.
Gísli Kristjánsson, sjá Námsstyrkur 2.
Gísli Ólafsson, sjá Ritstyrkur 2.
*Gjaldeyriskaupanefnd.* Fjmrn. sendir fjvn. yfirlit um kostnað við gjaldeyriskaupanefnd árið 1942 og áætlun um kostnað fyrir árið 1943. — Bréf 29. des. (Db. 611). — Sjá einnig Viðskiptanefnd og.
Gjögur, Örlygshöfn, sjá Vegamál 5.
Gjöld ríkissjóðs, sjá Ríkissjóður.
Glæsibæjarhreppur, sjá Síldarbræðsluverksmiðjan 1.
Gnúpverjahreppur, sjá Brúargerðir 1.
*Greiðasala.* Gísli Jónsson, þm. Barð., fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til að veittur verði í fjárlögum 1943 500 kr. styrkur ásamt verðlagsuppbót til ábúandans á Brjánslæk á Barðaströnd til þess að taka á móti ferðamönnum og halda þar uppi greiðasölu. — Bréf 11. jan. (Db. 695).
Grænmetisverzlun ríkisins, sjá Tillögur.
Guðjón Sigurðsson, sjá Jarðakaup 1.
Guðmundur Andrésson dýralæknir, sjá Launamál 1.
Guðmundur Gíslason læknir, sjá Lambablóðsóttarserum.

Guðný G. Jónsdóttir, fyrrv. kennari, sjá Eftirlaun og styrktarfé 12.
Guðrún Jónsdóttir prestsekkja, sjá Eftirlaun og styrktarfé 3.
Guðrún Snorradóttir ekkja, sjá Eftirlaun og styrktarfé 14.
Gunnar Thoroddsen, þm. Snæf., sjá: Eftirlaun og styrktarfé 15, Hafnir og lendingarbætur 9—10, Vegamál 6.
Gunnlaugur Blöndal listmálari, sjá Byggingarstyrkur 4.
Gunnlaugur Kristmundsson sandgræðslustjóri, sjá Nes í Selvogi 1.
Gunnlaugur Óskar Scheving listmálari, sjá Myndlist 1.
Gutenberg, sjá: Skilagrein 1, Tillögur.
Gærur, sjá Verðuppbætur 2, 4.
Gönguskarðsá í Skagafirði, sjá Rafvirkjanir 2.

*Hafnir og lendingarbætur.*

1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. afrit af bréfaviðskiptum þeim, sem farið hafa milli ríkisstjórnarinnar annars vegar og vitamálastjóra og hafnarnefndar og hreppsnefndar Keflavíkurhrepps hins vegar, um hafnarmál Keflavíkurhrepps. — Bréf 8. des. (Db. 474).
2. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi vitamálastjóra, dags. 12. jan., þar sem hann fer fram á 15 þús. kr. fjárveitingu til efniskaupa vegna Hnífsdalsbryggju. — Bréf 15. jan. (Db. 736).
3. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi vitamálastjóra, dags. 11. jan., þar sem hann fer fram á 10 þús. kr. fjárveitingu til Dalvíkurhafnar. — Bréf 15. jan. (Db. 737).
4. Áki Jakobsson, þm. Siglf., sendir fjvn. samþykkt bæjarstjórnar Siglufjarðar, þar sem farið er fram á 15 þús. kr. endurfjárveitingu til öldubrjóts staðarins, 40 þús. kr. aukafjárveitingu til sama og 45 þús. kr. til dýpkunar og endurbóta á innri höfn Siglufjarðar. 1 fskj. — Bréf 15. des. (Db. 538).
5. Farmanna- og fiskimannasamband Íslands mælir eindregið með því, að fé verði veitt í fjárlögum 1943 til hafnargerðar í Húsavík. — Bréf 4. febr. (Db. 830).
6. Fjmrn. sendir fjvn. erindi h/f Bergs, dags. 23. nóv., þar sem farið er fram á styrk til þess að fullgera hafnarbætur í Lónsfirði eystra við Hvalnes. 2 fskj. — Bréf 28. nóv. (Db. 431).
7. Gísli Guðmundsson, þm. N.-Þ., fer þess á leit við fjvn., að veittar verði í fjárlögum 1943 13 þús. kr. til lendingarbóta á Kópaskeri. — Bréf 30. nóv. (Db. 455).
8. Sami þm. fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til, að veittar verði í fjárlögum 1943 25 þús. kr. til lendingarbóta á Skálum. 2 fskj. — Bréf 30. nóv. (Db. 456).
9. Gunnar Thoroddsen, þm. Snæf., sendir Alþingi, ásamt meðmælum sínum, samþykktir hreppsnefndar Neshrepps ytri og almenns borgarafundar á Hellissandi, þar sem þess er farið á leit að veittar verði í fjárlögum 1943 minnst 100 þús. kr. til hafnar- og lendingarbóta á Hellissandi. — Bréf 7. jan. (Db. 655).
10. Sami þm. sendir Alþingi erindi Sigurðar Jóhannssonar, formanns hafnarnefndar Ólafsvíkur, dags. 13. jan., þar sem farið er fram á 40 þús. kr. fjárveitingu í fjárlögum 1943 til endurbóta á Ólafsvíkurhöfn. — Bréf 13. jan. (Db. 697).
11. Hafnarnefnd Stokkseyrar fer þess á leit, að fjvn. mæli með því, að veittar verði í fjárlögum 1943 25 þús. kr. til hafnargerðar á Stokkseyri. — Bréf 6. jan. (Db. 660).
12. Hreppsnefnd Eyrarbakkahrepps fer þess á leit, að veittar verði 23 þús. kr. til lendingarbóta á Eyrarbakka. — Símskeyti 15. jan. (Db. 719).
13. Hreppsnefnd Njarðvíkurhrepps fer þess á leit, að flutt verði frv. um hafnarlög fyrir ríkishöfn við sunnanverðan Faxaflóa og að veittar verði til lendingarbóta í Njarðvíkurhreppi 250 þús. kr. — Bréf 16. apríl. (Db 426).

14. Hreppsnefndin í Ólafsfjarðarhreppi endurnýjar beiðni sína um fjárframlag til bryggjugerðar og hafnarbóta í Ólafsfirði. — Símskeyti 9. febr. (Db. 853).
15. Ingvar Pálmason, 1. þm. S.-M., fer þess á leit, að fjvn. taki í fjárlög 1943 100 þús. kr. fjárveitingu til hafnarbóta í Neskaupstað. 1 fskj. — Bréf 26. nóv.
16. Jóhann Jósefsson, þm. Vestm., fer þess á leit, að veitt sé í fjárlögum 1943 87 þús. kr. viðbótarframlag úr ríkissjóði til Vestmannaeyjahafnar fyrir árið 1942. 1 fskj. — Bréf 17. des. (Db. 572).
17. Jón Pálmason, þm. A.-Húnv., fer þess á leit, að tekið verði upp í fjárlög 1943 4546.57 kr. til greiðslu á kostnaði við Blönduósbryggju. 1 fskj. — Bréf 14. jan. (Db. 706).
18. Kaupfélag Árnesinga fer þess á leit, að veittar verði í fjárlögum 1943 50 þús. kr. til lendingarbóta í Þorlákshöfn. — Símskeyti 5. jan. (Db. 636).
19. Kristinn E. Andrésson, 7. landsk. þm., vekur athygli fjvn. á nauðsyn þess, að byggður verði hafnargarður í Húsavík. — Bréf 7. des. (Db. 471).
20. Sigurður Bjarnason, þm. N.-Ísf., fer þess á leit við fjvn., að hún taki upp í brtt. sínar við fjárlagafrv. 1943 tilgreindar fjárveitingar til hafna og lendingarbóta í Norður-Ísafjarðarsýslu. — Bréf 5. jan. (Db. 642).
21. Umsögn vitamálastjóra um till. til þál. um fullnaðarundirbúning hafnargerðar í Bolungavík. — 22. des. (Db. 600).
22. Umsögn sama um frv. til l. um lendingarbætur í Bakkagerði í Borgarfirði. — Bréf 30. des. (Db. 624).
23. Umsögn sama um frv. til l. um breyt. á l. um hafnargerð á Hornafirði. — Bréf 30. des. (Db. 625).
24. Umsögn sama um frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Húsavík. — Bréf 1. marz. (Db. 913).
25. Verkamannafélag Húsavíkur skorar á Alþingi að samþykkja frv. til l. um breyt. á hafnarlögum fyrir Húsavík, sem flutt er af þingmanni kjördæmisins, og hraða afgreiðslu. — Símskeyti 13. jan. (Db. 693).
26. Vitamálastjóri sendir sjútvn. Nd. nokkrar upplýsingar um höfnina á Þórshöfn, varðandi rannsókn á hafnarskilyrðum þar. — Bréf 4. des. (Db. 482).
27. 13 nafngreindir menn í Höfn í Bakkafirði skora á Alþingi að veita fé á þessu þingi til hafnarbóta í Bakkafirði og hvetja þingmenn kjördæmisins til skeleggrar baráttu í þessu skyni. — Bréf 9. des. (Db. 627).
28. Þingmenn Norður-Múlasýslu, Páll Hermannsson og Páll Zóphóníasson, fara þess á leit við fjvn., að hún leggi til að veittar verði í fjárlögum 1943 13 þús. kr. til bryggjugerðar í Vopnafirði, 1000 kr. til bryggjugerðar í Fiskivogi í Borgarfirði og 7500 kr. til lendingarbóta á Unaósi. — Bréf 9. des. (Db. 491).
29. Þingmenn Skagfirðinga, Sigurður Þórðarson og Jón Sigurðsson, fara þess á leit við fjvn., að veittar verði 75 þús. kr. til sjóvarnargarðs á Sauðárkróki til varnar lóðum ríkisins þar á staðnum. 1 fskj. — Bréf 15. des. (Db. 536).

Hagstofa Íslands, sjá: Starfsmannaskrár, Tillögur.
Halldór Kr. Júlíusson, fyrrv. sýslumaður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 16.
Halldór Pálsson ráðunautur, sjá Tilraunabú.
Halldóra Bjarnadóttir, sjá Heimilisiðnaður 3.
*Hallgrímskirkja.* Sóknarnefnd Hallgrímsprestakalls í Reykjavík fer þess á leit, að veittar verði 300 þús. kr. til byggingar Hallgrímskirkju á Skólavörðuhæð, gegn jöfnu framlagi úr bæjarsjóði Reykjavíkur. — Bréf 15. jan. (Db. 729).
Hallgrímur Jónsson, fyrrv. barnakennari, sjá Eftirlaun og styrktarfé 10.
Hals, Anders Ingebrigt Jóhan Bergesen, sjá Ríkisborgararéttur 2.
*Handíða- og myndlistaskólinn.* Stjórn Handíða- og myndlistaskólans fer þess á leit, að veittar verði í fjárlögum 1943 60 þús. kr. til skólans vegna stofnkostnaðar hans. 1 fskj. — Bréf ódagsett. (Db. 759).
Háskólakennarar, sjá Launamál 5.

*Háskóli Íslands.*
1. Háskólaráð fer þess á leit, að tekin verði upp í fjárlög 1943 50 þús. kr. fjárveiting til greiðslu kostnaðar við að stofna til kennslu í náttúrufræðum við háskólann. 4 fskj. — Bréf 6. nóv. (Db. 844).
2. Umsögn rannsóknaráðs ríkisins um erindi háskólaráðs, þar sem ræðir um að stofna til kennslu í náttúruvísindum við Háskóla Íslands. — Bréf 3. febr. (Db. 845).

— Sjá einnig Tillögur.
Heiðurslaun, sjá Árni Thorsteinsson.
Heimilisiðnaðarfélög, sjá Heimilisiðnaður.
*Heimilisiðnaður.*
1. Anna Ásmundsdóttir fer þess á leit við fjvn., að veittar verði 10 þús. kr. í fjárlögum 1943, og verði þeim varið til kaupa á teppum, saumuðum af Þórdísi Egilsdóttur á Ísafirði, enda verði þau eign þjóðminjasafns Íslands. — Bréf 17. des. (Db. 585).
2. Búnaðarfélag Íslands sendir Alþingi samþykktir búnaðarþings um heimilisiðnaðarmál o. fl. — Bréf 16. marz. (Db. 974).
3. Halldóra Bjarnadóttir sendir Alþingi skýrslu um starfsemi sína til útbreiðslu heimilisiðnaðar á Íslandi á árinu 1942. — Bréflaust. (Db. 738).
4. Matthías Þórðarson fornminjavörður sendir fjvn. efnahagsreikninga Sambands íslenzkra heimilisiðnaðarfélaga og Teppagerðarinnar á Eyrarbakka. — Bréf 16. des. (Db. 546).

Heimskringla, sjá Vesturheimsblöðin.
Heinz Karl Friedlaender, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Helgastaðir, sjá Jarðakaup 2.
Hellissandur, sjá Hafnir og lendingarbætur 9.
Héraðasöfn, sjá: Burstarfell í Vopnafirði, Húsbúnaður og hibýlaprýði.
Héraðsmálafundargerðir, sjá Þingmálafundargerðir.
*Héraðssagnir.* 11 þm. fara þess á leit við fjvn., að hún leggi til að veitt verði í fjárlögum 1943 eigi lægri upphæð en 5000 kr. til styrktar þeim félögum, sem beitast fyrir skráningu héraðasagna. — Bréf 8. jan. (Db. 696).
Héraðssambandið Skarphéðinn, sjá Áfengismál 1.
Héraðsskólar, sjá Tillögur.
Héraðsþing U. M. F. Vestfjarða, sjá Áfengismál 2.
*Hið íslenzka bókmenntafélag.* Stjórn Hins íslenzka bókmenntafélags fer þess á leit, að styrkur til útgáfu Fornbréfasafnsins verði aukinn verulega. — Bréf 8. des. (Db. 473).
*Hið íslenzka fornleifafélag* fer þess á leit, að því verði veittur 2500 kr. styrkur í fjárlögum 1943. 1 fskj. — Bréf 5. jan. (Db. 646).
*Hið íslenzka náttúrufræðifélag* fer þess á leit, að styrkur til félagsins verði í fjárlögum 1943 14 þús. kr. — Bréf 8. febr. (Db. 847).
Hildur Kalman, sjá Leiklist 1.
Hilmar Kristjónsson, sjá Námsstyrkur 5.
Hinrik Thorarensen, sjá Kvikmyndahús.
*Hjálparsjóður Verkamannafélagsins Þróttar.* Verkamannafélagið Þróttur á Siglufirði fer þess á leit, að fjvn. mæli með því, að veittur verði í fjárlögum 1943 2500 kr. styrkur til Hjálparsjóðs Verkamannafélagsins Þróttar. — Bréf 21. nóv. (Db. 740).
Hjörtur Eldjárn, sjá Námsstyrkur 6.
Hlíf, verkamannafélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
*Hnitbjörg.*
1. Einar Erlendsson húsameistari leggur til, að veittar verði 100 þús. kr. til viðbótarbyggingar á listasafnshúsi Einars Jónssonar myndhöggvara. — Bréf 18. des. (Db. 583).

2. Húsameistari ríkisins telur nauðsyn bera til að veita 45 þús. kr. til viðgerðar á listasafnshúsi Einars Jónssonar myndhöggvara, til að firra það varanlegum skemmdum. — Bréf 18. des. (Db. 582).

Hnífsdalsbryggja, sjá Hafnir og lendingarbætur 2.

*Hofsárvirkjun.* Þingmenn Skagfirðinga, Sigurður Þórðarson og Jón Sigurðsson, fara þess á leit, að tekin verði í fjárlög 1943 heimild handa ríkisstjórninni til þess að ábyrgjast allt að ½ millj. króna innanlandslán til rafvirkjunar Hofsár í Skagafirði. — Bréf 30. nóv. (Db. 439).

Hornafjörður, sjá Hafnir og lendingarbætur 23.

Hólahreppur, hreppsnefnd, sjá Viðvík 1.

Hólar, sjá Búfjárræktartilraunir 1.

Hólaskóli, sjá Tillögur.

Hólmur, sjá Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur 3.

*Hraðfrystihús.*

1. Fundur í verkalýðsfélaginu Afturelding, haldinn að Hellissandi 13. des. 1942, skorar á þing og stjórn að gera nú þegar ráðstafanir til þess, að rekstur hraðfrystihúsanna geti haldið áfram, með því að verðuppbæta fryst fiskflök eða á annan hátt. Jafnframt skorar fundurinn á sömu aðila að sjá svo um, að verðbættur verði fiskur, sem veiddur er á smábátum. — Bréf 13. des. (Db. 644).
2. Hreppsnefnd Ólafsvíkur sendir áskorun til Alþingis um að gera tafarlaust ráðstafanir til að leysa úr vandkvæðum þeim, sem nú eru um rekstur hraðfrystihúsa. — Símskeyti 18. jan. (Db. 742).
3. Sameiginlegur fundur stjórna Hraðfrystihúss Ólafsvíkur og Verkalýðsfélagsins Jökuls í Ólafsvík skorar á Alþingi að gera tafarlaust ráðstafanir til að leysa úr vandkvæðum þeim, sem nú eru um rekstur hraðfrystihúsa. — Símskeyti 18. jan. (Db. 741).
4. Stjórn sölumiðstöðvar hraðfrystihúsanna greinir Alþingi frá ástæðum þeim, er því valda, að rekstur flestra hraðfrystihúsa hefur stöðvazt, og bendir á leiðir, er verða mættu til úrbóta. — Bréf ódags. (Db. 421).
5. Sölumiðstöð hraðfrystihúsanna óskar breytinga á frv. til l. um breyt. á l. um tollskrá o. fl., á þskj. 482. — Bréf 18. marz. (Db. 987).
6. Sama sölumiðstöð óskar meðmæla sjávarútvegsnefndar Nd. um tvö erindi, sem hún hyggst að senda, annað atvinnumálaráðherra, um endurgreiðslu fjár frá fiskimálanefnd, hitt til fiskimálanefndar, um styrk til eftirlits og leiðbeininga. — Bréf 4. marz. (Db. 924).

*Hressingarheimili drykkjumanna.* Stórstúka Íslands fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til að veittar verði í fjárlögum 1943 250 þús. kr. sem byggingarstyrkur til hressingarheimilis fyrir drykkjumenn. — Bréf 14. jan. (Db. 716).

Hreyfill, bifreiðastjórafélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

Hrísey, sjá Vegamál 7.

*Hrossaræktarbú.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf rannsóknaráðs ríkisins, dags. 8. júní, viðkomandi því, að hrossaræktarbú verði stofnað að Bessastöðum. 1 fskj. — Bréf 10. des. (Db. 506).

Hrunamannahreppur, sjá Brúargerðir 3.

*Húsakaup.* Árni Friðriksson fiskifræðingur fer þess á leit, að fiskideildinni í atvinnudeild háskólans verði veittar 50 þús. kr. til kaupa og aðgerðar á neðstu hæð hússins nr. 8 við Eyrargötu á Siglufirði. — Bréf 21. jan. (Db. 758).

*Húsaleiga.* Samvinnufélag útgerðarmanna í Neskaupstað skorar á Alþingi að samþykkja frumvarp Lúðvíks Jósefssonar um breyt. á l. um húsaleigu. — Símskeyti 12. febr. (Db. 871).

*Húsaleigulög.*

1. Fasteignaeigendafélag Reykjavíkur sendir Alþingi samþykkt félagsfundar, sem haldinn var 21. jan., varðandi frv. til l. um húsaleigu, sem lagt hefur verið fyrir Alþingi af ríkisstjórninni. — Bréf 23. jan. (Db. 808).

2. Stjórn Fasteignaeigendafélags Reykjavíkur skorar á Alþingi að afnema núgildandi húsaleigulög. — Bréf 21. nóv. (Db. 418).
Húsaleigunefndir, sjá Starfsmannaskrár.
Húsaleigustyrkur, sjá Náms- og húsaleigustyrkur.
Húsameistari ríkisins, sjá: Gagnfræðaskóli Akureyrar, Hnitbjörg 2, Tillögur.
Húsavík, sjá Hafnir og lendingarbætur 5, 19, 24—25.
Húsavíkurhreppur, sjá Ábyrgðir.
*Húsbúnaður og hýbýlaprýði.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi Búnaðarfélags Íslands, dags. 4. nóv., varðandi styrk til félagsins til að ráða Ragnar Ásgeirsson garðyrkjuráðunaut til að leiðbeina bændum, í samráði við teiknistofu landbúnaðarins, um húsbúnað og híbýlaprýði í þjóðlegum stíl og undirbúa og skipuleggja væntanleg byggðasöfn. — Bréf 13. nóv. (Db. 379).
Húsbyggingarnefnd sjómannaskólans, sjá Sjómannaskólinn 2.
Húsgagnabólstrarar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Húsmæðrafélag Reykjavíkur, sjá Afurðasala.
*Húsmæðrafræðsla.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. skýrslu um styrk til húsmæðrafræðslu 1941. Bréflaust. (Db. 559).
Húsmæðrafræðsla í kaupstöðum, sjá Tillögur.
*Húsmæðrakennaraskóli Íslands.* Dóms- og kirkjumrn. óskar umsagnar fjvn. um greiðslur vegna Húsmæðrakennaraskóla Íslands. — Bréf 26. jan. (Db. 788). — Sjá einnig Tillögur.
*Húsmæðraskólar.* Bjarni Bjarnason, skólastjóri að Laugarvatni, símar fjvn., að hann treysti því, að hún minnist með rausn í veltiári óreistra húsmæðraskóla. — Símskeyti 26. jan. (Db. 783).
*Húsmæðraskóli á Akureyri.* Bæjarstjórn Akureyrar skorar á Alþingi að veita í fjárlögum 1943 400 þús. kr. til byggingar húsmæðraskóla á Akureyri. — Bréf 2. des. (Db. 521).
*Húsmæðraskóli Borgarfjarðar.* Bjarni Ásgeirsson, þm. Mýr., og Pétur Ottesen, þm. Borgf., senda fjvn., ásamt meðmælum sínum, erindi frá skólaráði Húsmæðraskóla Borgarfjarðar, dags. 5. jan., þar sem þess er farið á leit, að fé verði veitt í fjárlögum 1943, svo að hægt verði að hefja byggingu húsmæðraskóla héraðsins. — Bréf 8. jan. (Db. 671).
*Húsmæðraskólinn á Hallormsstað.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi húsmæðraskólans á Hallormsstað, dags. 9. nóv., þar sem farið er fram á fjárframlag til viðbótarbyggingar við húsmæðraskólann. — Bréf 23. nóv. (Db. 399).
Húsmæðraskólinn á Hverabökkum, sjá Tillögur.
*Húsmæðraskólinn á Laugalandi.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi skólaráðs húsmæðraskólans á Laugalandi, dags. 30. nóv., þar sem það fer fram á að greiddar séu kr. 48500.84 upp í stofnkostnað skólans. 9 fskj. — Bréf 17. des. (Db. 589).
*Húsnæðismál.* Borgarstjórinn í Reykjavík sendir samþykkt bæjarstjórnar Reykjavíkur varðandi húsnæðismál. — Bréf 19. marz. (Db. 990).
Hvalfjörður, sjá Bílferja á Hvalfjörð.
Hvanneyrarskóli, sjá Tillögur.
Hvanneyri, sjá Búfjárræktartilraunir 1.
Hvítá hjá Iðuhamri, sjá Brúargerðir 1—3, 5—6.
Hvolsá í Dalasýslu, sjá Landspjöll.
Hæstiréttur, sjá Tillögur.
Höfn, sjá Elliheimili 2.
Höskuldur Björnsson listmálari, sjá Byggingarstyrkur 7.

Iðja, félag verksmiðjufólks í Reykjavík, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Iðnaðarfulltrúarnir í Reykjavík, sjá Iðnaðarnám.
Iðnaðarmannafélag Austur-Húnvetninga, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
*Iðnaðarmannafélag Patreksfjarðar.* Fjmrn. sendir fjvn. bréf landssambands iðnað-

armanna, dags. 12. nóv., þar sem það fer þess á leit, að tekin verði upp í fjárlög 1943 1200 kr. fjárveiting til Iðnaðarmannafélags Patreksfjarðar vegna iðnskólahalds. — Bréf 16. nóv. (Db. 398, f.).

Iðnaðarmál, sjá: Iðnlánasjóður, Íslenzk ull, Landssamband iðnaðarmanna, Verðuppbætur.

*Iðnaðarnám.* Iðnaðarfulltrúarnir í Reykjavík fara þess á leit, að lögum um iðnaðarnám verði breytt á tilgreindan hátt. — Bréf ódagsett. (Db. 1001).

*Iðnlánasjóður.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf iðnlánasjóðs, dags. 23. sept., þar sem farið er fram á, að greidd verði viðbót við ríkissjóðsframlagið til sjóðsins á þessu ári og að framlagið verði eftirleiðis hækkað verulega eða útborgað að viðbættri meðalverðlagsuppbót ársins. — Bréf 15. des. (Db. 537).

*Iðnráð Reykjavíkur.*

1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf Iðnráðs Reykjavíkur, dags. 11. des., þar sem þess er farið á leit, að rekstrarkostnaður iðnráðsins verði greiddur úr ríkissjóði. — Bréf 17. des. (Db. 578).
2. Stjórn fulltrúaráðs verkalýðsfélaganna í Reykjavík skorar á fjvn. að mæla með því, að iðnráðinu í Reykjavík verði veitt nægilegt rekstrarfé til starfsemi sinnar í fjárl. 1943. — Bréf 22. des. (Db. 599).

*Iðnskólinn á Akranesi.* Pétur Ottesen, þm. Borgf., sendir fjvn. bréf skólanefndar iðnskólans á Akranesi, dags. 2. jan., þar sem þess er farið á leit, að styrkur til skólans verði hækkaður og verðlagsuppbót greidd á framlagðan styrk. — Bréf 4. jan. (Db. 640).

Inga Magnúsdóttir, sjá Eftirlaun og styrktarfé 4.

Ingvar Pálmason, 1. þm. S.-M., sjá: Eftirlaun og styrktarfé 17, Hafnir og lendingarbætur 15.

*Íslenzk ull.* Anna Ásmundsdóttir og Laufey Vilhjálmsdóttir, forstöðukonur skrifstofunnar Íslenzk ull, senda Alþingi skýrslu yfir störf skrifstofunnar árið 1942 og fara þess jafnframt á leit, að styrkur verði veittur til skrifstofunnar í fjárlögum 1943. — Bréflaust. (Db. 558).

Íslenzkir bankamenn, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

*Íþróttafélag Reykjavíkur* fer þess á leit, að félaginu verði veitt lóð í Reykjavík undir hús, er félagið hefur í hyggju að reisa fyrir íþróttastarfsemi sína. — Bréf 2. des. (Db. 446).

*Íþróttafulltrúi ríkisins.* Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. bréf íþróttafulltrúans, dags. 5. jan., ásamt 4 fskj., þar sem hann óskar greiðslu á tilgreindri fjárupphæð, og leitar ráðuneytið umsagnar fjvn. um greiðsluheimild. — Bréf 6. jan. (Db. 650). — Sjá einnig: Íþróttaföll Eiðaskóla, Íþróttakennaraskóli Íslands, Íþróttamál, Menntaskólinn á Akureyri 3.

Íþróttaheimili, sjá Íþróttasamband Íslands.

*Íþróttahús.* Formaður skólanefndar héraðsskólans að Laugarvatni og formaður Íþróttakennaraskóla Íslands fara þess á leit, að fé verði veitt til þess að reisa íþróttahús að Laugarvatni. — Bréf 25. jan. (Db. 820).

*Íþróttaföll Eiðaskóla.* Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. bréf íþróttafulltrúa ríkisins, dags. 4. febr., um byggingu íþróttahallar Eiðaskóla. 2 fskj. — Bréf 5. febr. (Db. 841).

*Íþróttakennaraskóli Íslands.* Íþróttafulltrúi ríkisins sendir fjvn. áætlun um rekstrarkostnað Íþróttakennaraskóla Íslands fyrir árið 1943. — Bréf 1. febr. (Db. 842). — Sjá einnig Íþróttahús.

*Íþróttamál.* Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. afrit af bréfi fræðslumálastjórans til rn., dags. 19. nóv., varðandi fjárframlög til íþróttamála, enn fremur afrit af bréfi íþróttafulltrúa ríkisins til fræðslumálastjóra, dags. 18. nóv., um sama efni. — Bréf 10. des. (Db. 498).

Íþróttanefnd ríkisins, sjá Íþróttasjóður.

*Íþróttasamband Íslands.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf Íþróttasambands Íslands, dags. 12. nóv., þar sem farið er fram á að fá ókeypis byggingarlóð í Reykjavík undir væntanlegt íþróttaheimili Í. S. Í. — Bréf 14. nóv. (Db. 382).
2. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf Íþróttasambands Íslands, dags. 19. nóv., varðandi byggingarlóð fyrir væntanlegt íþróttaheimili. — Bréf 2. des. (Db. 461).
3. Íþróttasamband Íslands sendir fjvn. skýrslu um starfsemi sambandsins. — Bréf 10. des. (Db. 508).
4. Sama samband sendir Alþingi sundreglur Í. S. Í. og bindindisritið „Eyðandi eldur". — Bréf 11. des. (Db. 509).

*Íþróttasjóður.*
1. Fjmrn. sendir fjvn. bréf íþróttanefndar ríkisins, dags. 19. nóv., um hækkun á styrk til íþróttasjóðs o. fl. — Bréf 27. nóv. (Db. 441).
2. Íþróttanefnd ríkisins sendir fjvn. áætlun um útgjöld íþróttasjóðs fyrir árið 1943. — Bréflaust. (Db. 507).

Jakob Frímannsson framkvæmdarstjóri, sjá Akureyrarkirkja.
Jakobsen, Sofus, sjá Ríkisborgararéttur 2.
*Jarðakaup.*
1. Dóms- og kirkjumrn. sendir landbn. Nd. bréf Tryggva Sigurðssonar, dags. 26. okt., þar sem hann óskar heimildar um kaup á hálflendunni Randversstöðum í Breiðdalshreppi í Suður-Múlasýslu, og bréf Guðjóns Sigurðssonar, dags. 24. júní, þar sem hann óskar heimildar um kaup á jörðinni Pálshúsum í Garðahreppi í Gullbringusýslu, og fylgja meðmæli sýslunefndarinnar. — Bréf 12. nóv. (Db. 385).
2. Dóms- og kirkjumrn. sendir landbn. Nd. beiðnir nafngreindra ábúenda á ríkisjörðunum Litla-Hóli í Hrafnagilshreppi í Eyjafirði, Helgastöðum í Reykjadal í S.-Þing. og Kleppustöðum í Hrófbergshreppi í Strandasýslu, um heimild til að kaupa ábýlisjarðir þeirra. — Bréf 18. jan. (Db. 754).

*Jarðakaupasjóður ríkisins.* Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. stutt yfirlit um jarðakaupasjóð ríkisins. — Bréf 17. des. (Db. 573).
*Jarðeignir ríkisins.* Búnaðarfélag Íslands sendir umsögn búnaðarþings um frv. til l. um sölu á jarðeignum ríkisins. — Bréf 17. marz. (Db. 983).
Jarðir ríkisins, sjá Endurbyggingar á.
*Jarðræktarlög.*
1. Búnaðarfélag Íslands sendir brtt. við frv. verkfæranefndar um breyt. á V. kafla jarðræktarlaganna. — Bréf 12. marz. (Db. 960).
2. Umsögn Búnaðarfélags Íslands um frv. til l. um breyt. á jarðræktarlögum, þskj. 100. — Bréf 12. marz. (Db. 973).

*Jarðræktarstyrkur.* Búnaðarfélag Íslands leggur til, að veittar verði í fjárlögum 1943 550 þús. kr. vegna jarðræktarstyrks. — Bréf 4. jan. (Db. 780).
*Jarðræktartilraunaráð.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf jarðræktartilraunaráðs, dags. 10. marz, 13. og 14. nóv., um fjárframlög til ráðsins o. fl. 4 fskj. — Bréf 17. nóv. (Db. 387).
2. Búnaðarfélag Íslands sendir samþykkt búnaðarþings um fjárframlag til tilraunaráðs jarðræktar. — Bréf 19. marz. (Db. 989). — Sjá einnig tilraunastöðvar.

Járniðnaðarmenn, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Jóhann Þ. Jósefsson, þm. Vestm., sjá: Flóabátaferðir 7, Hafnir og lendingarbætur 16, Neyzluvatn, Sjúkrahús 3.
Jóhannes Guðmundsson, fyrrv. fiskimatsmaður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 19.
Jón Dúason dr., sjá Bókaútgáfa.

Jón Engilberts listmálari, sjá Byggingarstyrkur 3.
Jón H. Ísleifsson verkfræðingur, sjá Einkaleyfi.
Jón Meyvant Sivertsen Sætran, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Jón Norðfjörð, sjá Leiklist 2.
Jón Pálmason, þm. A.-Húnv., sjá: Áveitu- og framræslufélög 3, Hafnir og lendingarbætur 17, Laxveiði, Sjúkrasjóður.
Jón Sigurðsson, 2. þm. Skagf., sjá: Hafnir og lendingarbætur 29, Hofsárvirkjun, Leikfélag Sauðárkróks 2, Samband Skagfirzkra kvenna, Sögufélag Skagfirðinga, Vegamál 16.
*Jöfnunarsjóður vinnulauna.*
1. Umsögn Alþýðusambands Íslands um frv. til l. um jöfnunarsjóð vinnulauna. — Bréf 4. marz. (Db. 929).
2. Umsögn Vinnuveitendafélags Íslands um frv. til l. um jöfnunarsjóð vinnulauna. — Bréf 3. febr. (Db. 852).

Jörundur Brynjólfsson, 1. þm. Árn., sjá Brúargerðir 5.

Karen Agnete Þórarinsson listmálari, sjá Byggingarstyrkur 5.
Karl Finnbogason, fyrrv. barnakennari, sjá Eftirlaun og styrktarfé 10.
Karl Strand, sjá Námsstyrkur 7.
Kartöflur, sjá Verzlun með.
Kaupfélag Árnesinga, sjá: Hafnir og lendingarbætur 18, Landbúnaðarvélar 1.
Kaupfélag Borgarfjarðar, sjá Vegamál 13.
Kaupfélag Þingeyinga, sjá Vegamál 8.
Kaupmannahöfn, sjá Nemendabústaður við.
Keflavík, sjá Sjúkrahús 2.
Keflavíkurhreppur, sjá Hafnir og lendingarbætur 1.
*Keldur í Mosfellssveit.* Rannsóknaráð ríkisins sendir fjvn. skýrslu um rannsóknarstöðina að Keldum í Mosfellssveit. — Bréf 18. jan. (Db. 743).
Kennarafélag Eyjafjarðar, sjá Uppeldismálarit.
*Kennaraskóli Íslands.*
1. Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. bréf kennara við kennaraskólann til kennslumálaráðh., dags. 26. febr., þar sem þeir fara þess á leit, að bætt verði launakjör þeirra. — Bréf 6. marz. (Db. 939).
2. Fræðslumálastjóri fer þess á leit, að menntamálanefnd Nd. flytji frv. til l. um kennaraskóla Íslands. 2 fskj. — Bréf 24. febr. (Db. 903).

— Sjá einnig Tillögur.
Kinnarstaðavegur, sjá Vegamál 11.
*Kirkjumál.* Biskupinn yfir Íslandi vekur athygli fjvn. á bréfi sínu til nefndarinnar dags. 20. okt., um fjárveitingar til kirkjumála, og bréfi dags. 14. okt., ritað kirkjumálaráðherra, er mun hafa borizt nefndinni. — Bréf 14. des. (Db. 552).
Kjarnfóður, sjá Verzlun með.
Kjósarsýsla, sjá Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur 6.
Kleppjárnsreykir, sjá Vinnuskólinn á.
*Kleppsspítalabúið.* Rekstrarreikningur Kleppsspítalabúsins fyrir árið 1943. — Bréflaust. (Db. 683).
*Kleppur.* Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. afrit af tveimur bréfum landlæknis til rn., dags. 19. marz og 16. ágúst 1939, þar sem lagt er til, að hafizt verði þegar handa um að reisa viðbótarbyggingu við Nýja-Klepp. — Bréf 12. jan. (Db. 684).
Kleppustaðir í Hrófbergshreppi, sjá Jarðakaup 2.
*Kol h/f.* Umsögn rannsóknaráðs ríkisins um erindi h/f Kol, þar sem farið er fram á heimild handa ríkisstjórninni til þess að leggja fram 250 þús. kr. hlutafé í fyrrgreint fyrirtæki. — Bréf 7. apríl. (Db. 1026).
Konráð m/b, sjá Flóabátaferðir 8.
Kópasker, sjá Hafnir og lendingarbætur 7.

Kristinn E. Andrésson, 7. landsk. þm., sjá Hafnir og lendingarbætur 19.
Kristinn Pétursson listmálari, sjá Byggingarstyrkur 6.
Kristín Eiríksdóttir, fyrrv. ljósmóðir, sjá Eftirlaun og styrktarfé 27.
Kristín Pálsdóttir, sjá Eftirlaun og styrktarfé 23.
Kristján Geirmundsson, sjá Náttúrugripir.
Kristján Jónsson, Fremstafelli, sjá Viðurkenningarlaun.
Kristján Jónsson, Mýrlaugsstöðum, sjá Viðurkenningarlaun.
Kristjón Þorláksson, fyrrv. vitavörður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 26.
Kristneshæli, sjá Vinnustofa berklasjúklinga.
Krýsuvíkurvegur, sjá Brúargerðir 5.
*Kvenfélagasamband Gullbringu- og Kjósarsýslu* fer þess á leit, að veittar verði í fjárlögum 1943 1000—1500 kr. til starfsemi sambandsins. — Bréf 30. jan. (Db. 831).
Kvennaskólinn, sjá Tillögur.
*Kvenréttindafélag Íslands.*
1. Kvenréttindafélag Íslands fer þess á leit, að styrkur sá, sem félagið hefur notið úr ríkissjóði undanfarin ár, verði hækkaður í 2000 kr. í fjárlögum 1943. — Bréf 17. des. (Db. 620).
2. Sama félag fer þess á leit, að því verði veittar í fjárlögum 1943 10 þús. kr. til þess að halda landsfund kvenna á næsta sumri. — Bréf 17. des. (Db. 621).

— Sjá einnig: Kynnisferðir sveitafólks, Ríkisborgararéttur 1.
Kvik, sjá Elliheimili 2.
*Kvikmyndahús.* Hinrik Thorarensen, Siglufirði, mótmælir harðlega frv. til l. um einkarétt bæjarstjórnar Siglufjarðar til kvikmyndasýninga í Siglufjarðarkaupstað og skorar á Alþingi að fella það. — Símskeyti 6. apríl. (Db. 1022).
*Kynnisferðir sveitafólks.*
1. Kvenréttindafélag Íslands leggur til, að fé það, sem ríkið kynni að leggja fram til hressingar, hvíldar og kynningar kvenna, verði falið kvenfélögum og kvenfélagasamböndum til ráðstöfunar. 2 fskj. — Bréf 5. febr. (Db. 846).
2. Samband sunnlenzkra kvenna fer þess á leit, að Alþingi tryggi konum fullan umráðarétt yfir því fé, sem þeim ber samkvæmt væntanlegu framlagi úr ríkissjóði til kynnisferða sveitafólks. — Bréf 31. jan. (Db. 824).

*Lambablóðsóttarserum.* Guðmundur Gíslason læknir sendir fjvn. afrit af bréfi rannsóknaráðs ríkisins, dags. 14. jan., ásamt svarbréfi sínu, dags. 18. jan., varðandi framleiðslumöguleika á lambablóðsóttarserum. — Bréf 18. jan. (Db. 746).
Landbúnaðarháskólinn í Kaupmannahöfn, sjá Nemendabústaður við.
Landbúnaðarnám, sjá Námsstyrkur 6.
*Landbúnaðarvélar.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi Búnaðarfélags Íslands, dags. 9. okt. s. l., varðandi beiðni Búnaðarsambands Suðurlands um styrk til þess að koma upp, í sambandi við Kaupfél. Árnesinga, verkstæði til viðgerða á landbúnaðarvélum. 7 fskj. — Bréf 20. jan. (Db. 755).
2. Erindi Búnaðarsambands Suðurlands um viðgerðaverkstæði fyrir búvélar. — Bréflaust. (Db. 763).

Landbúnaðarvörur, sjá Verð á.
Landbúnaður, sjá: Afurðasala, Áveitu- og framræslufélög, Bann gegn minkaeldi, Búfjárrækt, Búnaðarfélag Íslands, Dýralækningar, Endurbyggingar, Erðaábúð, Frystihús, Fyrirhleðslur, Garðyrkjuskólinn á Reykjum, Grænmetisverzlun ríkisins, Heimilisiðnaður, Hólaskóli, Hraðfrystihús, Húsmæðrafræðsla, Hvanneyrarskóli, Íslenzk ull, Jarðakaup, Jarðakaupasjóður ríkisins, Jarðeignir ríkisins, Jarðræktarlög, Jarðræktarstyrkur, Jarðræktartilraunaráð, Landbúnaðarvélar, Loðdýrarækt, Loðdýraræktarfélag Íslands, Loðdýraræktarráðunautur, Mjólkurflutningur, Nes í Selvogi, Skurðgröfur, Verzlun með.

Landlæknir, sjá: Fæðingarstofnun 3, Kleppur, Læknishéruð, Sjúkrahús 2, 4, 6, Tillögur, Þingsköp.
*Landsbanki Íslands* svarar bréfi fjhn. Nd., dags. 22. apríl. — Bréf 22. apríl. (Db. 410).
Landsbókasafn Íslands, sjá Tillögur.
*Landspjöll.* Búnaðarfélag Íslands fer þess á leit, að fé verði veitt til lagningar vörzlugarðs til að firra landspjöllum af völdum Hvolsár í Dalasýslu. — Bréf 19. jan. (Db. 748).
*Landssamband iðnaðarmanna.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. til athugunar bréf Landssambands iðnaðarmanna, dags. 9. nóv., þar sem farið er fram á 7000 kr. viðbótarstyrk til sambandsins á þessu ári. — Bréf 18. nóv. (Db. 396).
2. Sama ráðuneyti sendir fjvn. til umsagnar erindi Landssambands iðnaðarmanna, dags. 15. des., þar sem það fer fram á að fá 7000 kr. viðbótarstyrk fyrir árið 1942. 2 fskj. — Bréf 6. jan. (Db. 665).
3. Fjmrn. sendir fjvn. bréf Landssambands iðnaðarmanna, dags. 12. nóv., um fjárveitingu til sambandsins. — Bréf 4. des. (Db. 458).

Landssamband síldarverkunarmanna, sjá Dýrtíðarmál 1.
Landssmiðjan, sjá: Skilagrein 1, Starfsmannaskrár, Tillögur.
*Landsspítalinn.* Fjmrn. sendir fjvn. bréf dóms- og kirkjumrn., dags. 14. nóv., ásamt bréfi landlæknis, dags. 28. okt., um fjárveitingu til byggingarframkvæmda á Landsspítalanum. — Bréf 4. des. (Db. 457).
*Landþurrkun.* Búnaðarfélag Íslands lætur fjvn. í té skýrslu um landþurrkun í bæjarlandi Akraness. — Bréf 23. des. (Db. 777).
*Landþurrkunarfélag Safamýrar.* Búnaðarfélag Íslands ritar fjvn. um Landþurrkunarfélag Safamýrar. — Bréf 23. des. (Db. 776).
Langanesvegur, sjá Vegamál 4.
Lars Oleifsson Oleivsgard, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Laufey Vilhjálmsdóttir, sjá Íslenzk ull.
Laugaland, sjá Húsmæðraskólinn á.
Laugarvatn, sjá Íþróttahús.
*Launamál.*
1. Atv.- og samgmrn. óskar umsagnar fjvn. um erindi Guðmundar Andréssonar dýralæknis, dags. 24. jan., þar sem hann fer fram á launabætur fyrir árið 1943. 1 fskj. — Bréf 8. febr. (Db. 851).
2. Bandalag starfsmanna ríkis og bæja sendir Alþingi samþykktir 2. þings bandalagsins varðandi launa- og kjarabætur. — Bréf 11. des. (Db. 518).
3. Félag stundakennara í framhaldsskólum í Reykjavík skorar á fjhn. Ed. að leggja til, að grunnkaup stundakennara í framhaldsskólum verði lögfest. — Bréf 14. ágúst. (Db. 449).
4. Póst- og símamálastjóri skrifar fjvn. varðandi kauphækkun hjá bréfberum í Reykjavík. — Bréf 21. des. (Db. 615).
5. Rektor háskólans kvartar um misrétti, sem háskólakennarar hafa orðið fyrir við afgreiðslu fjárlaga fyrir árið 1943, og óskar að úr því verði bætt. — Bréf 23. marz. (Db. 1002).

— Sjá einnig: Dýrtíðarmál, Dýrtíðarráðstafanir, Kennaraskóli Íslands, Prestalaun.
Launaskrár, sjá Starfsmannaskrár.
*Laxárvirkjunin.* Bæjarstjórinn á Akureyri sendir samþykkt bæjarstjórnar Akureyrar frá 27. okt., þar sem skorað er á Alþingi að heimila ríkisstjórninni að ábyrgjast allt að 2½ millj. kr. lán vegna stækkunar Laxárvirkjunarinnar og Rafveitu Akureyrar. — Bréf 19. nóv. (Db. 419).
*Laxveiði.* Jón Pálmason, þm. A.-Húnv., sendir fjvn. bréf formanns veiðifélags Vatnsdalsár, dags. 25. jan., varðandi ráðstafanir til að tryggja framtíðarlaxgöngu í Vatnsdalsá, og er farið fram á fjárframlög í þessu skyni. 1 fskj. — Bréf 25. jan. (Db. 796).

Lárus Jóhannesson, þm. Seyðf., sjá Skipatjón.
*Leikfélag Sauðárkróks.*
1. Leikfélag Sauðárkróks fer þess á leit, að því verði veittur 3000 kr. styrkur í fjárlögum 1943 til starfsemi sinnar. — Bréf 1. des. (Db. 483).
2. Þingmenn Skagf., Sigurður Þórðarson og Jón Sigurðsson, mæla eindregið með framkominni umsókn frá Leikfélagi Sauðárkróks um styrk til leikstarfsemi þess. — Bréf 10. des. (Db. 561).

Leikfimihús, sjá Menntaskólinn á Akureyri.
*Leiklist.*
1. Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. bréf Helgu Kalman, dags. 26. okt., þar sem farið er fram á styrk handa Hildi Kalman til leiknáms í Englandi. 2 fskj. — Bréf 16. des. (Db. 544).
2. Jón Norðfjörð leikari ítrekar beiðni sína um styrk til kennslu í heimahúsum í taltækni, upplestri og meðferð leikhlutverka. — Bréf 5. nóv. (Db. 384).

Lesbók, sjá Bindindisfræðsla.
Lifrarhluti, sjá Útvegsmál.
Lifrarsamlag Vestmannaeyja, sjá Lýsi 3.
*Listamannaþingið.* Ályktanir listamannaþingsins 1942. — Bréf 2. des. (Db. 443).
*Listdans.* Sif Þórs sækir um 5000 kr. styrk til framhaldsnáms í listdansi. 2 fskj. — Bréf 22. jan. (Db. 769).
Litla-Hraun, sjá Vinnuhælið.
Litli-Hóll í Hrafnagilshreppi, sjá Jarðakaup 2.
*Lífeyrissjóður barnakennara.*
1. Valdís Halldórsdóttir, fyrrv. kennslukona, fer þess á leit, að henni verði endurgreitt fé það, sem hún hefur greitt til lífeyrissjóðs barnakennara. — Bréf 4. jan. (Db. 767).
2. Vilborg Ingimarsdóttir, fyrrv. kennslukona, óskar endurgreiðslu á fé því, sem hún hefur greitt í lífeyrissjóð barnakennara. — Bréf 30. jan. (Db. 883).

*Ljósmyndabann.*
1. Dóms- og kirkjumrn. sendir afrit af erindi frá sendiráði Bandaríkjanna, dags. 5. des., varðandi bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla. — Bréf 29. jan. (Db. 813).
2. Sama ráðuneyti sendir allshn. Ed. til athugunar bréf utanrrn., dags. 16. jan., varðandi frv. til l. um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla. 2 fskj. — Bréf 19. febr. (Db. 891).
3. Sama ráðuneyti sendir allshn. Ed. skjöl varðandi frv. til l. um bann við töku ljósmynda og meðferð ljósmyndavéla. 2 fskj. — Bréf 27. febr. (Db. 909).

Ljósmyndameðferð, sjá Ljósmyndabann.
*Loðdýrabúið á Hvanneyri.* Ríkisráðunauturinn í loðdýrarækt sendir fjvn. sölutilboð til ríkissjóðs frá loðdýraræktarfélagi Andakílshrepps á loðdýrabúinu á Hvanneyri. 2 fskj. — Bréf 14. des. (Db. 522).
*Loðdýrarækt.*
1. Skagafjarðardeild Loðdýraræktarfélags Íslands skorar á Alþingi að veita refa- og minkaræktinni í landinu styrk í hlutfalli við þann stuðning, sem látinn er í té annarri landbúnaðarframleiðslu. — Bréf 5. nóv. 1942. (Db. 889).
2. Stjórn loðdýraræktarfélagsdeildar A.-Húnv. skorar á Alþingi og ríkisstjórn að gera tilgreindar ráðstafanir til tryggingar loðdýrarækt landsins. — Bréf 9. nóv. (Db. 484, 855).

Loðdýraræktarfélag Andakílshrepps, sjá Loðdýrabúið á Hvanneyri.
*Loðdýraræktarfélag Íslands.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi Loðdýraræktarfélags Íslands, dags. 6. nóv., þar sem farið er fram á 6000 kr. styrk í fjárlögum 1943 til félagsins. — Bréf 14. nóv. (Db. 380, 381).
2. Sama ráðuneyti sendir fjvn. erindi Loðdýraræktarfélags Íslands, dags. 9.

nóv., þar sem farið er fram á að veitt verði dýrtíðaruppbót á styrk þann, er félagið nýtur úr ríkissjóði. 1. fskj. — Bréf 14. nóv. (Db. 383).
— Sjá einnig Bann gegn minkaeldi 3.
Loðdýraræktarfélagsdeild A.-Húnv., sjá Loðdýrarækt 2.
Loðdýraræktarráðunautur, sjá: Loðdýrabúið á Hvanneyri, Tillögur.
Lokun Áfengisverzlunar ríkisins, sjá Áfengismál.
Lónsfjörður, sjá Hafnir og lendingarbætur 6.
*Lýsi.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir sjútvn. Nd. frv. til l. um rannsóknargjald af lýsi, sem rannsóknaráð ríkisins hefur samið, og fer þess á leit, að nefndin taki það til flutnings í deildinni. 2 fskj. — Bréf 3. des. (Db. 501).
2. Sama ráðuneyti sendir sjútvn. Nd. bréf rannsóknaráðs ríkisins, dags. 1. febr., varðandi frv. til l. um rannsóknargjald af lýsi. — Bréf 17. febr. (Db. 892).
3. Sama ráðuneyti sendir sjútvn. Nd. umsagnir eftirtaldra stofnana um áður sent frv. til l. um rannsóknargjald af lýsi: Fiskifélags Íslands, rannsóknaráðs ríkisins, lýsissamlags íslenzkra botnvörpunga, lýsissamlagsins á Akranesi, lifrarsamlags Vestmannaeyja. — Bréf 11. des. (Db. 534).
Lýsissamlag Akraness, sjá Lýsi 3.
Lýsissamlag íslenzkra botnvörpuskipa, sjá Lýsi 3.
*Læknishéruð.* Umsögn landlæknis um frv. til l. um breyt. á l. nr. 44 23. júní 1932, um skipun læknishéraða, verksvið landlæknis og störf héraðslækna. — Bréf 9. apríl. (Db. 1031).
Lögberg, sjá Vesturheimsblöðin.
*Löggæzla á samkomum.* Aðalfundur U. M. F. Baldurs í Hraungerðishreppi, haldinn að Þingborg 27. des., skorar á Alþingi að skylda ríkissjóð með lögum að greiða kostnað við löggæzlu á samkomum í sveitum. — Bréf 29. des. (Db. 764).
Lögmaðurinn Reykjavík, sjá Tillögur.
Lögreglueftirlit, sjá Löggæzla á.
Lögreglustjórinn í Bolungavík, sjá Vegamál 9.
Lögreglustjórinn í Reykjavík, sjá: Skilagrein 2, Tillögur.
*Lögsagnarumdæmi Neskaupstaðar.*
1. Bæjarstjórn Neskaupstaðar felur þm. kjördæmisins og 6. landsk. þingmanni að flytja á Alþingi frv. til laga um stækkun á lögsagnarumdæmi Neskaupstaðar. — Símskeyti 16. des. (Db. 659).
2. Hreppsnefnd Norðfjarðarhrepps mótmælir eindregið framkomnu frumvarpi um stækkun lögsagnarumdæmis Neskaupstaðar. — Símskeyti 31. jan. (Db. 757).
*Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur.*
1. Athugasemdir og mótmæli frá hreppsnefnd Mosfellshrepps gegn frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur. — Bréf 4. jan. (Db. 637).
2. Björn Birnir í Grafarholti sendir allshn. Ed. mótmæli sín gegn framkomnu frv. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur. 4 fskj. — Bréf 31. des. (Db. 638).
3. Oddviti Seltjarnarneshrepps sendir allshn. Ed. ályktun hreppsnefndar Seltjarnarneshrepps frá 14. des., þar sem mótmælt er framkomnu frv. á Alþingi, er í felast ákvæði um að leggja jarðirnar Elliðavatn og Hólm í Seltjarnarneshreppi undir lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. — Bréf 16. des. (Db. 584).
4. Sveinn Árnason, Álafossi, fer þess á leit, að jarðarskiki sá, sem hann hefur eignazt úr landi Varmár, verði undanskilinn fyrirhugaðri stækkun á lögsagnarumdæmi Reykjavíkur. — Bréf 23. jan. (Db. 771).
5. Sýslumaðurinn í Gullbringu- og Kjósarsýslu sendir allshn. Ed. bréf oddvita Seltjarnarneshrepps, dags. 16. des., þar sem mótmælt er frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur. — Bréf 5. jan. (Db. 661).

6. Umsögn sýslunefndar Kjósarsýslu um frv. til l. um stækkun lögsagnarumdæmis Reykjavíkur. — Bréf 29. des. (Db. 631).
Lönning, Eilif, sjá Ríkisborgararéttur 2.

Magnús Andrésson útgerðarmaður, sjá Skipakaup 4.
Magnús Magnússon, sjá Eftirlaun og styrktarfé 8.
Margrét Eiríksdóttir pianóleikari, sjá Tónlist 1.
Matsveina- og veitingaþjónafélag Íslands, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Matthías Þórðarson fornminjavörður, sjá Heimilisiðnaður 4.
Matvælaeftirlit ríkisins, sjá Tillögur.
Málarasveinafélag Reykjavíkur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Meðalalýsi, sjá Lýsi.
*Melstaður í Miðfirði.* Skúli Guðmundsson, þm. V.-Húnv., fer þess á leit, að veittar verði 20 þús. kr. til kirkjubyggingar að Melstað í Miðfirði, og skírskotar til fyrri umsóknar sinnar í sama skyni frá aðalþingi. — Bréf 14. des. (Db. 516).
*Menntaskólinn á Akureyri.*
1. Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. afrit af símskeyti Sigurðar Guðmundssonar skólameistara á Akureyri, dags. 6. jan., varðandi námsstyrk til nemenda Menntaskólans á Akureyri, og er rn. því meðmælt, að hann verði að upphæð 2000 kr. fyrir árið 1942, og óskar um það umsagnar fjvn. — Bréf 8. jan. (Db. 667).
2. Skólameistarinn á Akureyri ritar fjvn. varðandi leikfimihús handa Menntaskólanum á Akureyri. — Bréf 9. jan. (Db. 730).
3. Þorsteinn Einarsson íþróttafulltrúi sendir uppdrátt að nauðsynlegri viðbótarbyggingu við leikfimisal Menntaskólans á Akureyri. 2 fskj. — Bréf 25. jan. (Db. 816).

— Sjá einnig Tillögur.
*Menntaskólinn í Reykjavík.*
1. Rektor Menntaskólans í Reykjavík fer þess á leit, að fé verði veitt úr ríkissjóði til að kaupa hljóðfæri handa skólanum. — Bréf 29. marz. (Db. 1007).
2. Sami ritar forseta sameinaðs þings um endurbætur þær, sem gerðar hafa verið á hátíðasal skólans, og óskar álits hans og tillagna um frekari viðgerð. — Bréf 27. marz. (Db. 1028).

— Sjá einnig: Tillögur, Verzlunarstúdentspróf.
Minkaeldi, sjá Bann gegn minkaeldi.
*Mjólkurflutningar.* Gísli Jónsson, þm. Barð., fer þess á leit, að fjvn. mæli með því, að veittur verði í fjárlögum 1943 1000 kr. styrkur til bænda í Örlygshöfn í Rauðasandshreppi vegna erfiðleika við mjólkurflutninga. — Bréf 29. jan. (Db. 805).

— Sjá einnig Flóabátaferðir 9.
Mjólkuriðnaðarnám, sjá Námsstyrkur 1.
Mosfellshreppur, sjá Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur 1.
Múrarafélag Reykjavíkur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
*Myndlist.*
1. Gunnlaugur Óskar Scheving listmálari fer þess á leit, að sér verði veittur 4000 kr. styrkur. 1 fskj. — Bréf 14. jan. (Db. 761).
2. Nína Tryggvadóttir listmálari fer þess á leit, að sér verði veittur 8000 kr. utanfararstyrkur í fjárlögum 1943. — Bréf 9. jan. (Db. 689)
3. Snorri Arinbjarnar listmálari fer þess á leit, að sér verði veittur 5000 kr. styrkur. — Bréf 3. febr. (Db. 825).
4. Þorvaldur Skúlason listmálari fer þess á leit, að sér verði veittur 12 þús. kr. utanfararstyrkur í fjárlögum 1943. — Bréf ódagsett. (Db. 712).

*Mæðiveikivarnir.* Samþykkt síðasta sýslufundar V.-Barð. um frekari ráðstafanir til varnar gegn útbreiðslu mæðiveikinnar. — Bréf 14. jan. (Db. 794).
Mæðrafélagið, sjá Barnsmeðlög.

*Mæðrastyrksnefnd Akureyrar* fer þess á leit, að veittur verði eitt þús. kr. styrkur í fjárlögum 1943 til starfsemi nefndarinnar. — Bréf 14. des. (Db. 569).

*Mæðrastyrksnefnd Reykjavíkur* sækir um 17 þús. kr. styrk til starfsemi sinnar. 1 fskj. — Bréf 16. jan. (Db. 721). — Sjá einnig Óskilgetin börn.

Námsbækur, sjá Ríkisútgáfa.

*Náms- og húsaleigustyrkur.* Fjmrn. sendir fjvn. bréf stúdentaráðs Háskóla Íslands, dags. 11. nóv., þar sem það fer þess á leit, að náms- og húsaleigustyrkur handa stúdentum verði hækkaður í 50 þús. kr. — Bréf 16. nóv. (Db. 398 c).

*Námsstyrkur.*

1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi Friðriks Þorvaldssonar, dags. 10. maí, þar sem hann fer þess á leit, að syni hans, Edvard, verði veittur styrkur til mjólkuriðnaðarnáms í Bandaríkjunum. 1 fskj. — Bréf 14. des. (Db. 535).
2. Sama ráðuneyti sendir fjvn. erindi utanríkisrn., dags. 5. nóv., varðandi styrk til Gísla Kristjánssonar til rannsókna á hitaeinangrun landbúnaðarbygginga o. fl. — Bréf 13. nóv. (Db. 390).
3. Sama ráðuneyti sendir bréf utanrr., dags. 24. marz og 5. jan., varðandi styrk til handa Geirmundi Árnasyni veðurfræðingi, til frekara framhaldsnáms í sérgrein sinni og þá sérstaklega flugveðurfræði. — Bréf 13. jan. (Db. 704).
4. Fjmrn. sendir fjvn. bréf Vigfúsar Jakobssonar frá Hofi, dags. 5. nóv., þar sem hann sækir um styrk til skógræktarnáms við háskóla í Bandaríkjunum, og mælir rn. með umsókn þessari. 3 fskj. — Bréf 5. nóv. (Db. 398 g.).
5. Hilmar Kristjánsson cand. oec. sækir um 2600 kr. styrk til náms í Ameríku í vélaverkfræði til undirbúnings undir skipulagningu og stjórn síldarverksmiðja. 1 fskj. — Bréf 12. apríl. (Db. 677).
6. Hjörtur Eldjárn sækir um 3600 kr. styrk til að stunda nám við landbúnaðarháskólann í Edinborg. — Bréf 14. des. (Db. 734).
7. Karl Strand cand. med. fer þess á leit, að honum verði veittur í fjárlögum 1943 námsstyrkur, sem að upphæð jafngildi 400 sterlingspundum, til framhaldsnáms í læknisfræði í Englandi. — Bréf 14. nóv. (Db. 493).

Náttúrufræðifélagið, sjá Hið íslenzka náttúrufræðifélag.

Náttúrufræðikennsla, sjá Háskóli Íslands.

*Náttúrugripir.* Kristján Geirmundsson fer þess á leit, að sér verði veittur 1000 kr. styrkur, ásamt dýrtíðaruppbót, til uppsetningar fugla og fleiri náttúrugripa fyrir skóla og söfn landsins. — Bréf 8. febr. (Db. 885).

*Nemendabústaður við landbúnaðarháskólann í Kaupmannahöfn.* Atv.- og samgmrn. sendir landbn. Nd. afrit af bréfi utanrrn., dags. 17. des. 1942, varðandi framlag úr ríkissjóði til byggingar nemendabústaðar við landbúnaðarháskólann í Kaupmannahöfn, og óskar ráðuneytið umsagnar nefndarinnar um mál þetta hið fyrsta. — Bréf 6. jan. (Db. 664).

*Nes í Selvogi.*

1. Umsögn Gunnlaugs Kristmundssonar sandgræðslustjóra um frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi. 1 fskj. — Bréf 28. jan. (Db. 804).
2. 21 kjósandi í Selvogshreppi fara þess á leit, að Alþingi samþykki framkomið frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi. — Bréf 16. jan. (Db. 760).
3. 23 kjósendur í Selvogshreppi fara þess á leit, að sandauðn sú, er skilin var eftir þegar sandurinn var girtur frá ósum Ölfusár að Nesvita, verði sem fyrst tekin eignarnámi og friðuð. — Bréf 16. jan. (Db. 756).
4. 3 kjósendur í Selvogshreppi fara þess á leit, að Alþingi samþykki fram komið frv. til l. um sölu á spildu úr Neslandi í Selvogi. — Bréf ódagsett. (Db. 818).

Neshreppur ytri, hreppsnefndin, sjá Hafnir og lendingarbætur 9.

Neskaupstaður, sjá Hafnir og lendingarbætur 15.

*Neyzluvatn.* Jóhann Jósefsson, þm. Vestm., fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til

að veittur verði 20 þús. kr. styrkur til Vestmannaeyjabæjar til að standast kostnað við brunngröft og boranir eftir neyzluvatni. — Bréf 17. des. (Db. 570).
Nína Tryggvadóttir listmálari, sjá Myndlist 2.
Njarðvíkurhreppur, sjá Hafnir og lendingarbætur 13.
Norðfjarðarhreppur, hreppsnefnd, sjá: Lögsagnarumdæmi, Neskaupstaður 2.
Norðri, sjá Flóabátaferðir 2, 6, 10.
*Noregssöfnunin.*
1. Framkvæmdanefnd Noregssöfnunarinnar fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til við Alþingi að veitt verði í fjárl. 1943 sú upphæð, sem til vantar að koma Noregssöfnuninni upp í ½ millj. ísl. kr. — Bréf 18. jan. (Db. 750).
2. Forsætisráðherra Norðmanna í London þakkar framlag ríkissjóðs til Noregssjóðsins. — Símskeyti 18. febr. (Db. 890).

*Norræna félagið.*
1. Norræna félagið í Reykjavík fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til að styrkur til félagsins verði hækkaður úr 3000 kr. upp í 10000 kr. — Bréf 8. des. (Db. 496).
2. Sama félag sendir fjvn. skýrslu um starfsemi félagsins. — Bréf 8. des. (Db. 497).

Oleivsgard, Lars Oleifsson, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Olsen Ole Aadnegard, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Óðalsréttur, sjá Erfðaábúð.
Ólafsfjarðarhreppur, sjá Ábyrgðir.
Ólafsfjörður, sjá Hafnir og lendingarbætur 14.
Ólafsvík, sjá: Hafnir og lendingarbætur 10, Hraðfrystihús 2—3.
Ólafur Eiríksson, fyrrv. barnakennari, sjá Eftirlaun og styrktarfé 6.
Ólafur Jónsson, sjá Þingræða.
*Óskilgetin börn.* Mæðrastyrksnefnd fer þess á leit, að lögum um afstöðu foreldra til óskilgetinna barna verði breytt á tilgreindan hátt. — Bréf 15. marz (Db. 1000).

Páll Hermannsson, 1. þm. N.-M., sjá Hafnir og lendingarbætur 28.
Páll Ísólfsson orgelleikari, sjá: Árni Thorsteinsson, Tónlist 2.
Páll Pálsson, Þúfum, sjá Fjárskaði.
Páll Zóphóníasson, 2. þm. N.-M., sjá Hafnir og lendingarbætur 28.
Páll Þorbjörnsson, sjá Talstöðvar.
Páll Þorsteinsson, þm. A.-Sk., sjá: Byggingarstyrkur 7, Fyrirhleðslur 2—3.
Pálmi Hannesson rektor, sjá: Menntaskólinn í Reykjavík, Veiðimálanefnd.
Pálmi Loftsson, skipaútgerðarstjóri, sjá Flóabátaferðir 14.
Pálshús, sjá Jarðakaup 1.
Petersen, Axel Jakob, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Petersen, Skúli, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Pétur Ottesen, þm. Borgf., sjá: Flóabátaferðir 9, Húsmæðraskóli Borgarfjarðar, Iðnskólinn á Akranesi.
Pétur Zóphóníasson, sjá Ritstyrkur 1.
Pípulagningarmenn, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Póst- og símamálastjóri, sjá: Launamál 4, Póstmálanefnd, Starfsmannaskrár, Tillögur.
*Póstmálanefnd.* Umsögn póst- og símamálastjóra um till. til þál. um skipun millþinganefndar í póstmálum. — Bréf 19. marz. (Db. 1004).
Póstur og sími, sjá Skilagrein 1.
*Prestalaun.* Ríkisféhirðir sendir fjvn. skrá um greiðslur til þjónandi presta 1942. — Bréflaust. (Db. 560).

Rafmagnseftirlit ríkisins, sjá: Raforkuveita, Rafvirkjanir 2—3, Starfsmannaskrár, Virkjun Andakílsár.

*Raforkuveita.* Umsögn rafmagnseftirlits ríkisins um till. til þál. um heimild fyrir ríkisstjórnina til þess að ábyrgjast fyrir Reyðarfjarðarhrepp lán til aukningar raforkuveitu hreppsins. — Bréf 8. febr. (Db. 850).
Rafveita Akureyrar, sjá Laxárvirkjunin.
Rafvirkjafélag Reykjavíkur, sjá: Dýrtíðarmál 5, Rafvirkjanir 1.
*Rafvirkjanir.*
1. Rafvirkjafélag Reykjavíkur ritar Alþingi um hagnýta rafvirkjun og raforkudreifingu í almennings þágu. — Bréf 5. marz. (Db. 956).
2. Umsögn rafmagnseftirlits ríkisins um frv. til l. um virkjun Gönguskarðsár í Skagafirði og um frv. til l. um virkjun Tungufoss í Rangárvallasýslu. — Bréf 8. febr. (Db. 867).
3. Umsögn sama um till. til þál. um undanþágu á aðflutningstollum á efni til rafvirkjana. — Bréf 8. febr. (Db. 856).

Ragnar Ásgeirsson garðyrkjuráðunautur, sjá Húsbúnaður og hýbýlaprýði.
Rakarasveinafélag Reykjavíkur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Randversstaðir, sjá Jarðakaup 1.
Rannsóknaráð ríkisins, sjá: Háskóli Íslands, Hrossaræktarbú, Keldur í Mosfellssveit, Kol h/f, Lambablóðsóttarserum, Lýsi, Rannsóknartæki, Tillögur.
Rannsóknarstöðin að Keldum, sjá Keldur í Mosfellssveit.
*Rannsóknartæki.* Rannsóknaráð ríkisins fer þess á leit, að tekin verði upp í fjárlög 1943 allt að 100 þús. kr. fjárveiting til kaupa á áhöldum og rannsóknartækjum handa atvinnudeild háskólans. — Bréf 22. jan. (Db. 768).
*Ráðgjafarnefndin.*
1. Utanrrn. skýrir frá tilkynningu danska sendiráðsins í Reykjavík um kosningu hins danska hluta dansk-íslenzkrar ráðgjafarnefndar. — Bréf 22. febr. (Db. 899).
2. Þingflokkur Alþýðuflokksins svarar fyrirspurn forseta sameinaðs Alþingis um kosningu íslenzka hluta dans-íslenzku ráðgjafarnefndarinnar. — Bréf 5. apríl (Db. 1020).
3. Þingflokkur Framsóknarflokksins svarar sömu fyrirspurn. — Bréf 6. apríl. (Db. 1021).
4. Þingflokkur sjálfstæðismanna svarar sömu fyrirspurn. — Bréf 11. marz. (Db. 957).
5. Þingflokkur sósíalista svarar sömu fyrirspurn. — Bréf 30. marz. (Db. 1011).

Refir, sjá Loðdýrarækt.
*Rekstrarreikningar.* Skrifstofa ríkisspítalanna sendir fjvn. rekstrarreikninga yfir tímabilið 1. jan.—30. sept. 1942 frá eftirtöldum stofnunum: Holdsveikraspítalanum í Kópavogi, Kleppsspítalanum, Landsspítalanum, Rannsóknarstofu háskólans, Vífilsstaðabúinu, Vífilsstaðahælinu, Þvottahúsi landsspítalans. — Bréflaust. (Db. 472).
Rektor Háskóla Íslands, sjá: Bókavarðarstaða við, Launamál 5.
Rektor Menntaskólans í Reykjavík, sjá Menntaskólinn í Reykjavík.
Reyðarfjarðarhreppur, sjá Raforkuveita.
*Reykhólar.*
1. Gísli Jónsson, þm. Barð., sendir Alþingi áskoranir frá hreppsnefndum, sýslunefndum og ýmsum félögum í Vestfirðingafjórðungi, ásamt áskorun frá Breiðfirðingafélaginu í Reykjavík, um stofnun skóla að Reykhólum í A.-Barð. — Bréf 17. des. (Db. 595).
2. Umsögn Búnaðarfélags Íslands um frv. til l. um skólasetur á Reykhólum. — Bréf 4. febr. (Db. 834).
3. Umsögn búnaðarþings um sama frv. — Bréf 12. marz. (Db. 959).
4. Umsögn fræðslumálastjóra um sama frv. 1 fskj. — Bréf 26. jan. (Db. 806).

Reykvískar konur, sjá Fæðingarstofnun 2.
Rex h/f, sjá Verðuppbætur 2.

Richard Beck dr. phil., sjá Bókmenntasaga.
*Ritstyrkur.*
1. 40 fræðimenn skora á Alþingi og ríkisstjórn að láta Pétur Zóphóníasson, sem nú er 63 ára og hefur verið 25 ár í opinberri þjónustu, njóta þeirra launa, sem hann nú hefur sem aðstoðarmaður í hagstofunni, frá næsta nýári, til ættfræðirannsókna og ritstarfa einna saman, enda verði hann samtímis leystur frá störfum í hagstofunni. — Bréf 23. nóv. (Db. 398 i).
2. Gísli Ólafsson frá Eiríksstöðum fer þess á leit, að sér verði veittur 1200 kr. styrkur til skáldskapariðkana. — Bréf 15. des. (Db. 532).

Ríkarður Jónsson myndhöggvari, sjá Byggingarstyrkur 8.
*Ríkisborgararéttur.*
1. Kvenréttindafélag Íslands fer þess á leit, að l. um ríkisborgararétt verði breytt á tilgreindan hátt. — Bréf 16. marz. (Db. 984).
2. Umsókn um íslenzkan ríkisborgararétt frá Aadnegard, Olsen Ole (Db. 1036), Ágústu Pétursdóttur (Db. 933), Börge Axel Jónssyni (Db. 1038), Hals Anders Ingebrigt Johan Bergesen (Db. 1036), Heins Karli Friedlaender (Db. 985), Jakobsen, Sofus (Db. 1036), Lönning, Eilif (Db. 1036), Oleivsgard, Lars Oleifsson (Db. 1036), Petersen, Axel Jakob (Db. 1036), Petersen, Skúla (Db. 1036), Sætran, Jóni Meyvant Sívertsen (Db. 1038), Sætran, Þorsteini Bertrand (Db. 1038), Thoroddsen, Unni Skúladóttur (Db. 1037).

Ríkisféhirðir, sjá Tillögur.
Ríkisjarðir, sjá Endurbyggingar á.
Ríkisráðunauturinn í loðdýrarækt, sjá Loðdýrabúið á Hvanneyri.
*Ríkissjóður.*
1. Fjmrn. gerir grein fyrir áætlun á öðrum kostnaði við stjórnarráðið á 10. gr. I. 2. b. fjárlagafrumvarpsins fyrir árið 1943. — Bréf 16. des. (Db. 540).
2. Fjmrn. sendir fjvn.: Skýrslu um innheimtar ríkissjóðstekjur til 1. okt., gjaldayfirlit til sama tíma, skýrslu um útgjöld ríkissjóðs til 1. nóv. 1941 og yfirlit um sjóðeign ríkissjóðs 1. nóv. 1940, 1941 og 1942. — Bréf 26. nóv. (Db. 404).
3. Fjmrn. sendir fjvn. yfirlit um greiðslur úr ríkissjóði vegna sumardvalar barna árið 1942. — Bréf 13. jan. (Db. 701).
4. Gjöld ríkissjóðs 1941 samkv. 7.—24. gr. fjárlaga. — Bréflaust. (Db. 442).
5. Ríkisbókhaldið sendir fjvn. gjaldayfirlit ríkissjóðs í nóv. 1942. — Bréflaust. (Db. 574).

Ríkisskattanefnd, sjá Tillögur.
Ríkisspítalarnir, sjá: Stjórnarnefnd, Starfsmannaskrár, Vinnuskólinn á Kleppjárnsreykjum.
*Ríkisstjóri.* Ríkisstjóraritari sendir fjvn. skýrslu um greiðslur til ríkisstjóra árið 1942. — Bréf 30. des. (Db. 629).
*Ríkisútgáfa námsbóka.* Samband íslenzka barnakennara fer þess á leit, að l. um ríkisútgáfu námsbóka verði breytt á tilgreindan hátt. — Bréf 23. marz. (Db. 997).
Ríkisútvarpið, sjá: Skilagrein 1, Tillögur.
Rjómabú, sjá Smjörsamlög og.
Runólfur Magnússon, fyrrv. fiskimatsmaður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 19.
Rögnvaldur Kr. Sigurjónsson *pianóleikari*, sjá *Tónlist* 3, 5.

Safamýri, sjá Landþurrkunarfélag.
Sagnaritun, sjá Héraðasagnir.
Sakadómarinn í Reykjavík, sjá Tillögur.
Saltvinnsla, sjá Einkaleyfi.
*Samábyrgð Íslands á fiskiskipum* fer þess á leit, af tilgreindum ástæðum, að ríkissjóður greiði eftirstöðvar af stofnfé hennar, að upphæð 400 þús. kr. — Bréf 4. apríl. (Db. 422).

Samband bindindisfélaga í skólum, sjá Bindindismál.
Samband íslenzkra barnakennara, sjá: Barnaskólabyggingar 2, Ríkisútgáfa námsbóka
Samband íslenzkra heimilisiðnaðarfélaga, sjá Heimilisiðnaður 4.
Samband íslenzkra samvinnufélaga, sjá Afurðagreiðsla 1.
Samband norðlenzkra kvenna, sjá Vinnustofa berklasjúklinga.
*Samband skagfirzkra kvenna.* Þingmenn Skagfirðinga fara þess á leit við fjvn., að hún mæli með því, að Sambandi skagfirzkra kvenfélaga verði veittur 400 kr. styrkur í fjárlögum 1943. — Bréf 16. jan. (Db. 718).
Samband sunnlenzkra kvenna, sjá Kynnisferðir sveitafólks 2.
*Samband vestfirzkra kvenna* fer þess á leit, að styrkur til sambandsins verði hækkaður upp í 1000 kr. á ári. — Bréf 23. jan. (Db. 797).
*Samflot íslenzkra skipa.* Félag íslenzkra botnvörpuskipaeigenda ritar sjútvn. Ed. um frv. til l. um heimild handa ríkisstjórninni til ákvörðunar um samsiglingu íslenzkra skipa milli Íslands og Stóra-Bretlands. — Bréf 8. apríl. (Db. 1027).
*Samkomuhús.* Fundur ungmennafélagsins Vonar í Klofningshreppi í Dalasýslu, haldinn að Ormsstöðum 20. des. 1942, skorar á Alþingi að veita ungmennafélögunum í landinu ríflegan styrk úr ríkissjóði til byggingar samkomuhúsa og fela U. M. F. Í. úthlutun fjárins. — Bréf 22. des. (Db. 658).
Samsigling, sjá Samflot íslenzkra skipa.
Samvinnufélag útgerðarmanna í Neskaupstað, sjá Húsaleiga.
Sandgræðsla, sjá Nes í Selvogi.
Sandgræðsla ríkisins, sjá Tillögur.
Sauðfjárrækt, sjá Tilraunabú 2.
Sauðfjársjúkdómanefnd, sjá Sauðfjárveikivarnir.
Sauðfjársjúkdómar, sjá Mæðiveikivarnir.
*Sauðfjárveikivarnir.*
1. Sauðfjársjúkdómanefnd sendir fjvn. áætlun um kostnað við sauðfjárveikivarnirnar árið 1943. — Bréf 11. des. (Db. 510).
2. Sama nefnd sendir fjvn. yfirlit um kostnað við sauðfjárveikivarnirnar ásamt styrkveitingum til bænda frá 1. jan.—9. des. 1942. — Bréflaust. (Db. 547).

Sálgrennslan, sjá Stöðuval og starfshæfni.
Sámsstaðir, sjá Tilraunastöðvar.
Seltjarnarneshreppur, sjá Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur 3, 5.
Selvogur, sjá Nes í Selvogi.
Serum, sjá Lambablóðsóttarserum.
Sesselja H. Sigumundsdóttir, sjá Barnaheimilið Sólheimar.
*Setuliðið.*
1. Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. skýrslu um kostnað við nefndir þær, er starfað hafa í sambandi við erlendu setuliðin á þessu ári. — Bréf 18. des. (Db. 579).
2. Fjmrn. sendir fjvn. yfirlit um greiðslur herstjórnarinnar vegna vega 1942. — Bréf 13. jan. (Db. 701).

— Sjá einnig Útvarp vegna.
Seyðisfjörður, sjá: Flóabátaferðir 12, Skaðabætur.
Sif Þórs, sjá Listdans.
Siglufjarðarskarð, sjá Vegamál 1.
Siglufjörður, sjá: Fljótaárvirkun, Hafnir og lendingarbætur 4, Vegamál 1.
Sigríður Gísladóttir, sjá Eftirlaun og styrktarfé 9.
Sigríður Snæbjörnsen, sjá Eftirlaun og styrktarfé 13.
Sigurður Benediktsson, fyrrv. póstur, sjá Eftirlaun og styrktarfé 20—21.
Sigurður Bjarnason, þm. N.-Ísf., sjá Fjárskaði, Flóabátaferðir 11, Hafnir og lendingarbætur 20, Vatnsveitur 2—3, Vegamál 10.
Sigurður E. Hlíðar, þm. A., sjá Elliheimili 2.

Sigurður Guðmundsson skólameistari, sjá Menntaskólinn á Akureyri.
Sigurður Jóakimsson, fyrrv. fiskimatsmaður, sjá Eftirlaun og styrktarfé 24.
Sigurður Jóhannsson, sjá Hafnir og lendingarbætur 10.
Sigurður Kristjánsson, 7. þm. Reykv., sjá Skipatjón.
Sigurður Þórðarson, 1. þm. Skagf., sjá: Dragnótaveiði, Hafnir og lendingarbætur 29, Hofsárvirkjun, Leikfélag Sauðárkróks 2, Samband skagfirzkra kvenna, Sögufélag Skagfirðinga, Vegamál 16.
Sigurjón Markússon, sjá Tónlist 3.
*Síldarbræðsluverksmiðjan Ægir í Krossanesi.*
1. Hreppsnefnd Glæsibæjarhrepps skorar á Alþingi að ákveða, að ríkið taki á leigu síldarbræðsluverksmiðjuna Ægi á Krossanesi og reki hana í sambandi við og jafnlangan tíma og síldarverksmiðjur ríkisins á næsta sumri. — Bréf 11. febr. (Db. 923).
2. Stjórn verkamannafélags Glæsibæjarhrepps skorar á Alþingi að hlutazt til um, að síldarverksmiðjan í Krossanesi verði starfrækt á næsta sumri. — Bréf 2. febr. (Db. 886).

Síldarkaup, sjá Beitumál.
Síldarmjöl, sjá Verzlun með Kjarnfóður.
Síldarmjöl til fóðurbætis, sjá Verðuppbætur.
*Síldarverksmiðjur ríkisins.* Atv.- og samgmrn. óskar umsagnar landbúnaðarnefnda Alþingis um, hvernig skilja eigi 12. gr. l. nr. 1 5. jan. 1938, um síldarverksmiðjur ríkisins. — Bréf 13. febr. (Db. 879). — Sjá einnig: Eftirlaunasjóður, Verðuppbætur.
Sjávarútvegur, sjá: Dragnótaveiði, Eyðing tundurdufla, Fiskifélag Íslands, Fiskveiðasjóður Íslands, Fiskimálanefnd, Hafnir og lendingarbætur, Hraðfrystihús, Síldarverksmiðjur ríkisins, Sjómannaskóli, Sjóslys, Skipaskoðunarstjóri, Skipaútgerð ríkisins.
*Sjómanna- og gestaheimili Siglufjarðar* þakkar áður veittan styrk, en fer þess jafnframt á leit, að styrkur til heimilisins verði í fjárlögum hækkaður upp í 2500 kr. 1 fskj. — Bréf 4. jan. (Db. 726).
**Sjómannafélag** Akureyrar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sjómannafélag Álftfirðinga, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sjómannafélag Hafnarfjarðar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sjómannafélag Ísfirðinga, sjá: Dýrtíðarmál 7, Dýrtíðarráðstafanir.
Sjómannafélag Keflavíkur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sjómannafélag Ólafsfjarðar, sjá Verkalýðs- og.
Sjómannafélag Reykjavíkur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
*Sjómannaskólinn.*
1. Farmanna- og fiskimannasamband Íslands fer þess á leit, að veitt verði ein milljón króna til byggingar sjómannaskólans. — Bréf 2. apríl. (Db. 1019).
2. Húsbyggingarnefnd sjómannaskólans leitar þess við fjárveitinganefnd, að hún mæli með því við ríkisstjórnina, að hún noti heimild þá, er hún hefur til þess að verja 500 þús. kr. til byggingar sjómannaskólans. — Bréf 8. apríl. (Db. 1029).

Sjómenn í Árskógshreppi, sjá Dragnótaveiði 1.
Sjómenn á Hjalteyri, sjá Dragnótaveiði 3.
*Sjóslys.* Slysavarnafélag Íslands sendir forseta sameinaðs þings skýrslu um þá menn, sem farizt hafa af völdum sjóslysa á árinu 1943. — Bréf 20. febr. (Db. 898).
Sjóvarnargarður, sjá Hafnir og lendingarbætur 29.
*Sjúkrahús.*
1. Bæjarstjórinn á Akureyri sendir samþykkt bæjarstjórnar Akureyrar frá 24. nóv., þar sem skorað er á Alþingi að samþykkja lög um að ríkið taki að sér að reisa og reka sjúkrahús á Akureyri, og geri það þannig úr garði,

að það fullnægi kröfum sem aðalsjúkrahús fyrir Norðurland, enda eignist ríkið sjúkrahús það, er þar er nú. 1 fskj. — Bréf 14. des. (Db. 597).
2. Fjmrn. sendir fjvn. bréf landlæknis, dags. 26. okt., þar sem þess er óskað, að tekin verði í fjárlög næsta árs fjárveiting til sjúkrahússbyggingar í Keflavík. — Bréf 29. okt. (Db. 398 e).
3. Jóhann Þ. Jósefsson, þm. Vestm., fer þess á leit við fjvn., að hún mæli með því, að sjúkrahús Vestmannaeyja verði tekið í tölu þeirra sjúkrahúsa, er njóta rekstrarstyrks frá ríkinu. 3 fskj. — Bréf 29. jan. (Db. 802).
4. Landlæknir sendir fjvn. skýrslu um rekstrarstyrki til sjúkrahúsa. — Bréf 21. jan. (Db. 774).
5. Sýslumaðurinn í Eyjafjarðarsýslu mælir eindregið með því, fyrir hönd sýslunefndarinnar, að ríkið taki að sér rekstur sjúkrahúss Akureyrar og annist stækkun þess. — Bréf 27. jan. (Db. 789).
6. Umsögn landlæknis um frv. til l. um breyt. á l. nr. 30 19. júní 1933, um sjúkrahús. — Bréf 15. jan. (Db. 723).

Sjúkrasamlag Akureyrar, sjá Sjúkrasamlög.

*Sjúkrasamlög.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. bréf Tryggingarstofnunar ríkisins, dags. 8. des., ásamt 1 fylgiskjali, þar sem Sjúkrasamlag Akureyrar fer fram á, að hækkaður verði styrkur til sjúkrasamlaganna. — Bréf 14. des. (Db. 563).
2. Tryggingarstofnun ríkisins sendir Alþingi erindi Sjúkrasamlags Akureyrar, dags. 30. nóv., þar sem skorað er á Alþingi að hækka opinberan styrk til sjúkrasamlaganna. — Bréf 8. des. (Db. 495).

*Sjúkrasjóður.* Jón Pálmason, þm. A.-Húnv., sendir fjvn. bréf stjórnar sjúkrasjóðs Engihlíðarhrepps, dags. 5. jan., varðandi fjárframlag til sjóðsins, og fer þm. þess á leit, að í því skyni verði veittar 500 kr. í fjárlögum 1943. — Bréf 13. jan. (Db. 692).

*Skaðabætur.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi bæjarfógetans á Seyðisfirði, dags. 15. sept., þar sem farið er fram á bætur fyrir eignatjón það, er varð á Seyðisfirði af völdum þýzkrar sprengjuflugvélar. 3 fskj. — Bréf 28. nóv. (Db. 432).

Skagafjarðardeild Loðdýraræktarfélags Íslands, sjá Loðdýrarækt 1.

Skagastrandarhafnargerðin, sjá Ábyrgðir.

Skagfirzkar konur, sjá Samband skagfirzkra kvenna.

*Skallagrímsgarðurinn í Borgarnesi.* Bjarni Ásgeirsson, þm. Mýr., sendir fjvn. erindi formanns garðnefndar Skallagrímsgarðs í Borgarnesi, dags. 15. jan., um fjárveitingu í fjárlögum 1943 til að fullgera garðinn. 2 fskj. — Bréf 5. febr. (Db. 838).

Skarphéðinn, héraðssamband, sjá Áfengismál 1.

*Skattalöggjöf.* Borgarstjórinn í Reykjavík sendir Alþingi samþykkt bæjarstjórnar Reykjavíkur frá 4. febr., þar sem skorað er á Alþingi og ríkisstjórn að breyta gildandi skattalöggjöf á tilgreindan hátt. — Bréf 9. febr. (Db. 861).

*Skattgreiðsla Eimskipafélagsins.* Eimskipafélag Íslands fer þess á leit, að Alþingi framlengi lög nr. 33 7. maí 1928, um skattgreiðslu félagsins, þannig að þau gildi áfram árin 1943 og 1944. — Bréf 21. nóv. (Db. 427).

Skattstofan, sjá Tillögur.

Skálar, sjá Hafnir og lendingarbætur 8.

Skeiðahreppsbúendur, sjá Brúargerðir 6.

*Skemmtanaskattur.* Fjmrn. sendir fjvn. skýrslu um skemmtanaskatt, sem runnið hefur í ríkissjóð, skýrslu um tekjur Tóbakseinkasölu ríkisins árin 1932—42 o. fl. — Bréf 5. febr. (Db. 839).

*Skilagrein.*
1. Fjármálaráðuneytið sendir fjárveitinganefnd reikningsskil frá eftirtöldum ríkisstofnunum: Áfengisverzlun ríkisins, Landssmiðjunni, pósti og síma,

Ríkisprentsmiðjunni Gutenberg, Ríkisútvarpinu, Skipaútgerð ríkisins, Tóbakseinkasölu ríkisins, Viðtækjaverzlun ríkisins. — Bréf 17. des. (Db. 554).
2. Lögreglustjórinn í Reykjavík sendir fjvn. skilagreinir yfir útlagðan kostnað vegna útlendingaeftirlitsins og ungmennaeftirlitsins frá 1. jan. til 31. okt. — Bréf 5. des. (Db. 469).

*Skipakaup.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. til ályktunar erindi utanrrn., dags. 3. marz, um færi á kaupum á skipi frá Svíþjóð. — Bréf 9. apríl. (Db. 1032).
2. G. Helgason & Melsted h/f sendir fjvn. afrit af skoðunargerð varðandi tilgreint skip. — Bréf 12. jan. (Db. 687).
3. Sama h/f sendir fjvn. lýsingu á gufuskipi, sem er til kaups fyrir tilgreint verð. — Bréf 8. jan. (Db. 662).
4. Magnús Andrésson útgerðarmaður sendir Alþingi bréf, er hann hefur ritað ríkisstjórninni, dags. 19. marz, þar sem hann býður henni til kaups m/s Capitana. — Bréf 19. marz. (Db. 986).

Skipaskoðunarstjóri, sjá Tillögur.
Skipasmiðir, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
*Skipatjón.* Ásgeir Ásgeirsson, Sigurður Kristjánsson og Lárus Jóhannesson fara þess á leit við fjvn., að hún beiti sér fyrir því, að sett verði í fjárlög 1943 heimild handa ríkisstjórninni til að verja allt að 160 þús. kr. til þess að styrkja þá menn, sem misst hafa fiskiskip síðan núverandi styrjöld hófst. — Bréf 15. jan. og 25. jan. (Db. 735).
Skipaútgerð ríkisins, sjá: Flóabátaferðir 16, Skilagrein 1, Starfsmannaskrár.
Skipaútgerðarstjóri ríkisins, sjá Flóabátaferðir 14.
Skipulagsnefnd, sjá Tillögur.
Skipun læknishéraða, sjá Læknishéruð.
Skjaldborg, sveinafélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Skjöldur, verkalýðsfélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Skógrækt ríkisins, sjá Tillögur.
Skógræktarnám, sjá Námsstyrkur 4.
*Skólahúsbyggingar.* Fræðslumálastjórinn sendir fjvn. áætlun um skólahúsbyggingar 1943. — Bréflaust. (Db. 504).
Skólasetur, sjá Reykhólar.
*Skrifstofufé sýslumanna og bæjarfógeta.* Ríkisféhirðir sendir fjvn. skrá yfir skrifstofufé sýslumanna og bæjarfógeta 1941 og 1942. — Bréflaust. (Db. 462).
*Skurðgröfur.*
1. Umsögn Búnaðarfélags Íslands um fjárframlag úr ríkissjóði 1943 til kaupa á skurðgröfum. 1 fskj. — Bréf 8. jan. (Db. 670).
2. Verkfæranefnd leggur til að pantaðar verði og keyptar nú þegar 3 skurðgröfur af dragskóflugerð. — Bréf 21. des. (Db. 608).

Skúli Guðmundsson, þm. V.-Húnv., sjá Melstaður í Miðfirði.
Skúli Petersen, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Skömmtunarskrifstofa ríkisins, sjá Tillögur.
Slysavarnafélag Íslands, sjá Sjóslys.
*Smásjárkaup.* Fjmrn. sendir fjvn. bréf atvinnudeildar Háskóla Íslands, dags. 12. júní, þar sem þess er farið á leit, að Áskeli Löve verði veittur 4000 króna styrkur til kaupa á smásjá eða honum falið að kaupa slíka smásjá, en heimila honum full not hennar fyrst um sinn. 3 fskj. — Bréf 4. sept. (Db. 398 h.).
*Smjörsamlög og rjómabú.* Búnaðarfélag Íslands leggur til, að veittar verði í fjárl. 1943 20—25 þús. kr. til stofnunar smjörsamlaga og rjómabúa. — Bréf 30. des. (Db. 782).
Snorri Arinbjarnar listmálari, sjá Myndlist 3.
Snót, verkakvennafélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

Sofus Jakobsen, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Sólheimar, sjá Barnaheimilið Sólheimar.
Sprengjutjón, sjá Skaðabætur.
Staðarbyggð, sjá Áveitu- og framræslufélög 1—2, 4.
Starfsmannafélag ríkisstofnana, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
*Starfsmannaskrár.* Eftirtaldar stofnanir og ríkisfyrirtæki senda fjvn. starfsmanna- og launaskrár fyrir árið 1942: Atvinnudeild háskólans (Db. 436), Áfengisverzlun ríkisins (Db. 445), Búnaðarfélag Íslands (Db. 429, 436), Brunabótafélag Íslands (Db. 436, 445), Dómnefnd í verðlagsmálum (Db. 541), Fiskifélag Íslands (Db. 429), Fiskimálanefnd (Db. 429), Fiskimatsstjórinn (Db. 622), fræðslumálaskrifstofan (Db. 429), gjaldeyris- og innflutningsnefnd (Db. 429), grænmetis- og áburðarsala ríkisins (Db. 429), Gutenberg (Db. 436), hagstofan (Db. 445), húsaleigunefndir (Db. 617), húsameistari ríkisins (Db. 429), landssmiðjan (Db. 466), löggildingarstofan (Db. 429), lögreglustjórinn Reykjavík (Db. 429), póstur og sími (Db. 680), Rafmagnseftirlitið (Db. 445), ríkisféhirðir (Db. 406, 490), ríkisútvarpið (Db. 429), sakadómari (Db. 429), skattstofan í Reykjavík (Db. 436), skipaskoðunarstjóri (Db. 436), Skipaútgerð ríkisins (Db. 628, 733), Skömmtunarskrifstofa ríkisins (Db. 429), stjórnarráðið (Db. 466), stjórnarnefnd ríkisspítalanna (Db.690), tollgæzlan (Db.686), tollstjóri (Db.666), Tryggingarstofnun ríkisins (Db. 436), útflutningsnefnd (Db. 613), veðurstofan (Db. 436), vegamálaskrifstofan (Db. 445), verðlagsnefnd (Db. 436, verkfærakaupanefnd (Db. 614), Viðtækjaverzlun ríkisins (Db. 466), Vinnuhælið á Litla-Hrauni (Db. 445), Vinnumiðlunarskrifstofan í Reykjavík (Db. 612), Vitamálaskrifstofan (Db. 580).
Stefán Einarsson dr. phil., sjá Bókmenntasaga.
Stefán Jónsson, sjá Elliheimili 1, 3.
Steinavötn í Suðursveit, sjá Fyrirhleðslur 1, 3—4.
Steindór Jónsson, sjá Flóabátaferðir 12.
Stjórnarnefnd ríkisspítalanna, sjá: Starfsmannaskrár, Tillögur.
Stjórnarráðið, sjá Starfsmannaskrár.
Stokkseyri, sjá Flóabátaferðir 7.
Stokkseyri, hafnarnefnd, sjá: Hafnir og lendingarbætur 11, Eftirlaun og styrktarfé 11.
*Stórstúka Íslands* ítrekar beiðni sína um, að styrkur til hennar verði hækkaður í fjárlögum 1943 upp í 55. þús. kr. — Bréf 12. jan. (Db. 691). — Sjá einnig Hressingarheimili drykkjumanna.
Strandferðir, sjá Flóabátaferðir.
*Stúdentafélag Reykjavíkur.* Fjmrn. sendir fjvn. bréf Stúdentafélags Reykjavíkur, dags. 15. maí, þar sem það fer þess á leit, að því verði veittur 5 þús. kr. styrkur til starfsemi sinnar. — Bréf 16. nóv. (Db. 398 d.).
*Stúdentagarðurinn.* Fjmrn. sendir fjvn. bréf byggingarnefndar nýja stúdentagarðsins, dags. 28. sept., varðandi 150 þús. kr. ábyrgðarheimild. — Bréf 16. nóv. (Db. 398 b).
Stúdentar í Kaupmannahöfn, sjá Tímarit.
Stúdentaráð Háskóla Íslands, sjá: Náms- og húsaleigustyrkur, Stúdentsmenntun.
*Stúdentsmenntun.* Stúdentaráð Háskóla Íslands fer þess á leit, að Alþingi taki skólakerfi landsins til gagngerðrar athugunar, einkum þó reglugerðir þær, sem gilt hafa um stúdentsmenntun, og verði framkvæmd reglugerðar þeirrar um stúdentsprófsréttindi Verzlunarskólans, sem gekk í gildi 5. nóv. s. l., frestað á meðan sú endurskoðun stendur yfir. — Bréf 1. apríl. (Db. 1016).
Stúdentspróf, sjá Stúdentsmenntun.
*Styrktarsjóður verkamanna- og sjómannafélaganna í Reykjavík.* Stjórn fulltrúaráðs verkalýðsfélaganna í Reykjavík fer þess á leit, að styrkur sá, sem Styrktarsjóður verkamanna- og sjómannafélaganna í Reykjavík hefur notið að undan-

förnu, verði hækkaður til samræmis við dýrtíðarhækkunina. Bréf 22. des. (Db. 598).
Stýrimannaskólinn, sjá Tillögur.
*Stöðuval og starfshæfni.* Bandalag starfsmanna ríkis og bæja sendir Alþingi ályktun 2. þings bandalagsins, þar sem skorað er á Alþingi að koma á stofn hið fyrsta við Háskóla Íslands ráðleggingarstöð um stöðuval og starfshæfni þeirra manna, er starfa eiga við stofnanir ríkis og bæja. — Bréf 11. des. (Db. 519).
Suðurlandsskip, sjá Flóabátaferðir 13.
*Sumardvöl barna.* Bráðabirgðareikningar Sumardvalar barna 1942. — Bréflaust. (Db. 682). — Sjá einnig Ríkissjóður 3.
Sútarameistarar, sjá Verðuppbætur 4.
Svalbarðsá í Þistilfirði, sjá Brúargerðir 4.
Svarfaðardalshreppur, sjá Ábyrgðir.
Sveinafélag húsgagnabólstrara, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sveinafélag píplagningamanna í Reykjavík, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sveinafélag skipasmiða, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sveinafélagið Skjaldborg, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sveinasamband byggingarmanna, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Sveinbjörn Högnason, þm. V.-Sk., sjá Flóabátaferðir 13.
Sveinn Árnason, sjá Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur 4.
Sveinn Þórarinsson listmálari, sjá Byggingarstyrkur 5.
Sveitafólk, sjá Kynnisferðir.
Syðri-Skjaldarvík, sjá Elliheimili 1, 3.
Sýslumaðurinn í Barðastrandarsýslu, sjá Brjánslækur.
Sýslumaðurinn í Eyjafjarðarsýslu, sjá Sjúkrahús 5.
Sýslumaðurinn í Gullbringu- og Kjósarsýslu, sjá Lögsagnarumdæmi Reykjavíkur 5.
Sýslumaðurinn í Húnavatnssýslu, sjá: Bann gegn minkaeldi 1, Forðagæzlumenn.
Sýslumenn, sjá Skrifstofufé.
Sætran, Jón Meyvant Sivertsen, sjá Ríkisborgararéttur 2.
Sætran, Þorsteinn Bertrand, sjá Ríkisborgararéttur 2.
*Sögufélag Skagfirðinga.* Þingmenn Skagf., Sigurður Þórðarson og Jón Sigurðsson, fara þess á leit, að Sögufélagi Skagfirðinga verði veittur nokkur árlegur styrkur í fjárlögum, og verði sú upphæð eigi lægri en 1500 kr. — Bréf 15. des. (Db. 562).
*Sögufélagið.* Einar Arnórsson dómsmálaráðherra fer þess á leit við fjvn., að styrkur til Sögufélagsins verði hækkaður í fjárlögum 1943 upp í 5000 kr. — Bréf 7. jan. (Db. 656).
Sölumiðstöð hraðfrystihúsanna, sjá Hraðfrystihús 4–6.

Talskeytamóttökutæki, sjá Fjarstýrð.
*Talstöðvar.* Páll Þorbjörnsson, fyrrv. alþm., sendir sjútvn. afrit af bréfi, dags. 8. jan., sem hann ritaði póst- og símamálastjóra varðandi móttöku á skeytum frá skipum, sem hafa talstöðvar. — Bréf 28. jan. (Db. 837).
Teppi, sjá Heimilisiðnaður 1, 4.
Thoroddsen, Unnur Skúladóttir, sjá Ríkisborgararéttur 2.
*Tillögur* um fjárveitingar í fjárlögum 1943 frá eftirtöldum embættismönnum, ríkisfyrirtækjum og stofnunum: Alþingi (Db. 398), Arnarhvoli (Db. 398), Atvinnudeild háskólans (Db. 533), Áburðarsölu ríkisins (Db. 398), Áfengisverzlun ríkisins (Db. 398), barnaverndarnefnd (Db. 566), biskupi landsins (Db. 398), Blindravinafélagi Íslands (Db. 398), Búnaðarbanka Íslands (Db. 398), Búnaðarfélagi Íslands (Db. 398), Byggingarsjóði verkamanna (Db. 649), daufdumbraskólanum (Db. 398), dómnefnd í kaupgjalds- og verðlagsmálum (Db. 398), Eiðaskóla (Db. 398), Fasteignamatinu (Db. 452), Fiskifélagi Íslands (Db. 398), Flugfélagi Íslands (Db. 398), fræðslumálastjóra (Db. 398), Garðyrkjuskólanum á Reykjum (Db. 398), gagnfræðaskólunum (Db. 503), Grænmetisverzlun

ríkisins (Db. 398), Gutenberg (Db. 398), Hagstofu Íslands (Db. 398), Háskóla Íslands (Db. 398), héraðsskólunum (Db. 503), Hólaskóla (Db. 398, 596), húsameistara ríkisins (Db. 398, 551), húsmæðrafræðslunni í kaupstöðum (Db. 567), Húsmæðrakennaraskóla Íslands (Db. 398), Húsmæðraskólanum á Hverabökkum (Db. 398), Hvanneyrarskóla (Db. 398, 596), hæstarétti (Db. 398), kennaraskólanum (Db. 398), kvennaskólanum í Rvík (Db. 502), landlækni (Db. 398), landsbókasafni Íslands (Db. 398), landssmiðjunni (Db. 398), loðdýraræktarráðunauti (Db. 398), lögmanninum í Reykjavík (Db. 398), lögreglustjóranum í Reykjavík (Db. 398), matvælaeftirliti ríkisins (Db. 398), menntaskólanum á Akureyri (Db. 398), menntaskólanum í Rvík (Db. 398), póst- og símamálastjórninni (Db. 398), rafmagnseftirliti ríkisins (Db. 398), rannsóknaráði ríkisins (Db. 398), ríkisféhirði (Db. 398), ríkisskattanefnd (Db. 398), ríkisútvarpinu (Db. 398), sakadómaranum í Reykjavík (Db. 398, 448), sandgræðslu ríkisins (Db. 398), skattstofunni (Db. 398), skipaskoðunarstjóra (Db. 398), skipulagsnefnd (Db. 398), skógrækt ríkisins (Db. 398), skömmtunarskrifstofu ríkisins (Db. 398), stýrimannaskólanum (Db. 398), stjórnarnefnd ríkisspítalanna (Db. 398, 566), tollgæzlunni utan Reykjavíkur (Db. 398), tollgæzlunni í Reykjavík (Db. 398), tollstjóra (Db. 398), Tóbakseinkasölu ríkisins (Db. 398), Tryggingarstofnun ríkisins (Db. 398, 604), veðurstofunni (Db. 398), vegaeftirlitinu (Db. 398), vegamálastjóra (Db. 398), verksmiðjuskoðuninni (Db. 398), vélskólanum (Db. 398), viðtækjaverzlun ríkisins (Db. 398), vinnuhælinu á Litla-Hrauni (Db. 398), vitamálastjóra (Db. 398), yfirhúsaleigunefnd (Db. 398), þjóðminjaverði (Db. 398), Þjóðskjalasafni Íslands (Db. 398), Ýmiss konar útgjaldatillögur (Db. 398).

*Tilraunabú.*

1. Búnaðarfélag Íslands sendir tillögur búnaðarþings um stofnun tilrauna- og fyrirmyndarbús fyrir Austurland. — Bréf 12. marz. (Db. 961).
2. Halldór Pálsson ritar fjvn. varðandi stofnun tilraunabús í sauðfjárrækt á mæðiveikisvæðinu. 1 fskj. — Bréf 26. jan. (Db. 787).

Tilraunaráð jarðræktar, sjá: Búfjárræktartilraunir, Jarðræktartilraunaráð.

*Tilraunastöðvar.*

1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi Búnaðarfélags Íslands, dags. 17. nóv., um að valdar verði og tryggðar jarðir fyrir væntanlegar tilraunastöðvar á Austur- og Vesturlandi, sbr. bréf sama rn. varðandi fjárveitingu til jarðræktartilrauna, dags. 17. nóv. — Bréf 23. nóv. (Db. 401).
2. Sama ráðuneyti sendir fjvn. bréf jarðræktartilraunaráðs, dags. 14. nóv., um fjárveitingu til tilraunastöðvanna á Sámsstöðum og Akureyri, og óskar jafnframt umsagnar fjvn. um málið. — Bréf 17. nóv. (Db. 386).

*Tímarit.* Alþm. Emil Jónsson og Eiríkur Einarsson fara þess á leit, að styrkur til stúdenta í Kaupmannahöfn, til útgáfu tímarits, verði hækkaður í 5000 kr. — Bréf 14. jan. (Db. 775).

*Tollamál.*

1. Fiskimálanefnd mælir með því, að Kassagerðinni verði endurgreitt aðflutningsgjald af innfluttum, óunnum pappa og límböndum, sem hún notar til fiskumbúða. — Bréf 24. febr. (Db. 904).
2. Fjhn. Nd. óskar umsagnar sjútvn. Nd. um frv. til l. um tollívilnun á pappa og límböndum, sem notað er í umbúðir utan um fisk til útflutnings. — Bréf 16. febr. (Db. 882).
3. Umsögn Fiskifélags Íslands um tollívilnun á pappa og límböndum, sem notað er í umbúðir utan um fisk til útflutnings. — Bréf 17. febr. (Db. 884).

Tollgæzlan í Reykjavík, sjá Tillögur.

Tollgæzlan utan Reykjavíkur, sjá: Starfsmannaskrár, Tillögur.

Tollstjóri, sjá: Starfsmannaskrár, Tillögur.

*Tóbakseinkasala ríkisins.* Rekstrar- og efnahagsreikningur Tóbakseinkasölu ríkisins fyrir árið 1942. — Bréf 20. jan. (Db. 786). — Sjá einnig: Skilagrein, Tillögur.

*Tónlist.*
1. Margrét Eiríksdóttir pianóleikari leitar þess við fjárveitinganefnd, að hún mæli með því, að sér verði veittur 10 þús. kr. styrkur í fjárlögum 1943, til frekara framhaldsnáms og reynslu í pianóleik í Englandi, enda hafi hún ekki notið styrks af hálfu þess opinbera við nám sitt. 3 fskj. — Bréf 15. sept. (Db. 411).
2. Páll Ísólfsson orgelleikari mælir eindregið með styrkveitingu til Margrétar Eiríksdóttur, pianóleikara, og telur að mikið megi af starfskröftum hennar vænta. — Bréf 8. jan. (Db. 732).
3. Sigurjón Markússon fer þess á leit við fjvn., að hún leggi til að Rögnvaldi Kr. Sigurjónssyni pianóleikara, syni hans, verði veittur hæfilegur styrkur til að ljúka hljómlistarnámi sínu. — Bréf 4. des. (Db. 529).
4. Þorsteinn Hannesson fer þess á leit, að sér verði veittur 3600 kr. styrkur til söngnáms í Ameríku. 4 fskj. — Bréf 30. nóv. (Db. 434).
5. Umsagnir tónlistarmanna og blaða um Rögnvald Sigurjónsson sem pianóleikara. — Bréflaust. (Db. 601).

— Sbr. einnig: Heiðurslaun, Utanfararstyrkur.

*Tónlistarskólinn* fer þess á leit, að honum verði veittur 10 þús. kr. styrkur í fjárlögum 1943. — Bréf 11. febr. (Db. 870).

Trúnaðarmannaráð Sjómannafélags Akureyrar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

Trúnaðarráð verkamannafélagsins Dagsbrúnar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

*Tryggingarstofnun ríkisins* sendir fjvn. skýrslu um lífeyrissjóðsgjöld árin 1938—1941 og skýrsla um innheimtulaun af gjöldum, er tilheyra slysatryggingadeildinni. — Bréf 12. jan. (Db. 699). — Sjá einnig: Alþýðutryggingar, Sjúkrasamlög, Tillögur.

Tryggvi Sigurðsson, sjá Jarðakaup 1.

Tungufoss í Rangárvallasýslu, sjá Rafvirkjanir 2.

Unaós, sjá Hafnir og lendingarbætur 28.

Ungmennafélag Bólstaðarhlíðarhrepps, sjá Áfengismál 4.

*Ungmennafélag Íslands.* Dóms- og kirkjumrn. skrifar fjvn. varðandi 600 kr. fjárlag til U. M. F. Í. — Bréf 12. jan. (Db. 705).

Ungmennafélagið Von, sjá Samkomuhús.

Ungmennasamband Eyjafjarðar, sjá Verndun fornritanna.

*Ungmennasamband Kjalarnesþings* sendir Alþingi samþykktir frá 20. þingi sínu, sem haldið var að Brúarlandi 13. des., um viðreisnarstarf að lokinni núverandi styrjöld. — Bréflaust. (Db. 591). — Sjá einnig Æskulýðshöll.

Unnur Skúladóttir Thoroddsen, sjá Ríkisborgararéttur 2.

*Uppdrættir af Íslandi.* Vegamálastjóri sendir menntamálanefnd Nd. frv. til l. um útgáfurétt að uppdráttum af Íslandi, með tilmælum um að nefndin taki það til flutnings í deildinni. — Bréf 14. des. (Db. 528).

*Uppeldismálarit.* Dóms- og kirkjumrn. sendir fjvn. erindi kennarafélags Eyjafjarðar um styrk til uppeldismálarits, sem um getur í hjálögðu bréfi fræðslumálastjóra, dags. 15. des. — Bréf 28. des. (Db. 618).

*Utanfararstyrkur.* Árni Kristjánsson pianóleikari og Björn Ólafsson fiðluleikari fara þess á leit, að þeim verði veittur 15 þús. kr. utanfararstyrkur. — Bréf 5. febr. (Db. 840).

*Utanríkisþjónustan.* Fjmrn. sendir fjvn. bréf utanrrn., dags. 12. jan., varðandi laun og staðaruppbætur utanríkisþjónustunnar erlendis. — Bréf 15. jan. (Db. 717).

Útflutningsnefnd, sjá Starfsmannaskrár.

Útgáfuréttur, sjá Uppdrættir af Íslandi.

Útgerðarmenn í Hrísey, sjá Dragnótaveiði 7.

Útgerðarmenn í Ólafsfirði, sjá Dragnótaveiði 8.

Úthlutunarnefnd bifreiða, sjá Bifreiðaúthlutun.

*Útsvarsinnheimta.*
1. Bæjarstjórn Neskaupstaðar mælir með því, að frv. til l. um heimild fyrir bæjar- og sveitarstjórnir til útsvarsinnheimtu árið 1943 verði samþykkt. — Símskeyti 20. febr. (Db. 888).
2. Umsögn borgarstjórans í Reykjavík um frv. til l. um innheimtu skatta og útsvara. — Bréf 29. marz. (Db. 1023).

*Útvarp vegna setuliðsins.* Útvarpsstjórinn sendir Alþingi greinargerð sína varðandi samning, undirritaðan 27. febr., um útvarp vegna setuliðsins. — Bréf 8. marz. (Db. 940).

*Útvarpsfréttir.* Útvarpsstjóri vekur athygli Alþingis á nokkrum atriðum varðandi framkomna till. til þál. um útvarpsfréttir. — Bréf 27. nóv. (Db. 420).

Útvarpsstjóri, sjá: Útvarpsfréttir, Útvarp vegna setuliðsins.

*Útvegsmál.* Verkalýðsfélag Norðfirðinga sendir ályktun fjölmenns sjómannafundar, sem haldinn var í Neskaupstað 12. des., þar sem skorað er á Alþingi að hlutast til um, að sjómönnum og útgerðarmönnum verði greidd nú fyrir áramótin lifur úr þeim fiski, er veiddur var á þessu ári, og telur fundurinn óviðeigandi, að sjómenn skuli eigi fá aflahluta sinn greiddan jafnóðum. — Símskeyti 17. des. (Db. 565).

Útvegsmenn á Hjalteyri, sjá Dragnótaveiði 3.

Útvegsmenn í Árskógshreppi, sjá Dragnótaveiði 1.

Útvegsmenn í Vestmannaeyjum, sjá Fiskveiðasjóður Íslands 3.

Valdimar Snævarr, fyrrv. barnakennari, sjá Eftirlaun og styrktarfé 10.

Valdís Halldórsdóttir, fyrrv. kennslukona, sjá Lífeyrissjóður barnakennara 1.

*Varmahlíð.* Skólanefnd héraðsskólans að Varmahlíð fer þess á leit, að veittar verði í fjárlögum 1943 allt að 100 þús. kr. til bygginga þeirra, sem reistar hafa verið í Varmahlíð. — Símskeyti 8. jan. (Db. 681).

Vatnsdalsá, sjá Laxveiði.

*Vatnsveitur.*
1. Fjmrn. sendir fjvn. erindi Vatnsveitu Víkurkauptúns, dags. 31. júlí, varðandi tollgreiðslu af efni til vatnsveitunnar. — Bréf 27. nóv. (Db. 417).
2. Sigurður Bjarnason, þm. N.-Ísf., sendir fjvn. reikninga yfir tollgreiðslur fyrir vatnsveituefni til vatnsveitu Bolungavíkur. — Bréf 29. des. (Db. 619).
3. Sami þm. sendir Alþingi erindi hreppsnefndar Hólshrepps, ódags., þar sem farið er fram á 40 þús. kr. fjárveitingu til nýbyggðrar vatns- og skolpveitu í Bolungavík. — Bréf 6. jan. (Db. 675).
4. Þm. Eyf., Garðar Þorsteinsson og Bernharð Stefánsson, senda fjvn. erindi vatnsveitufélags Glerárþorps, dags. 7. des., þar sem þess er farið á leit, að ríkissjóður veiti 20 þús. kr. styrk til vatnsveitu hreppsins. 7 fskj. — Bréf 17. des. (Db. 586).

Vátrygging, sjá Flugfélag Íslands.

Veðurfræðinám, sjá Námsstyrkur 3.

*Veðurstofan.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi forstjóra veðurstofunnar, dags. 28. sept. f. á., varðandi hækkun á símagjöldum veðurstofunnar. — Bréf 5. jan. (Db. 648). — Sjá einnig Tillögur.

Vegaeftirlitið, sjá Tillögur.

*Vegamál.*
1. Bæjarstjórn Siglufjarðar símar fjvn. varðandi vegalagningu um Siglufjarðarskarð. — Símskeyti 27. jan. (Db. 809).
2. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi framfærslumálanefndar ríkisins, dags. 30. júlí, um vegalagningu að Gilsnámu í Bolungavík. 1 fskj. — Bréf 23. nóv. (Db. 400).
3. Gísli Guðmundsson, þm. N.-Þ., fer þess á leit við fjvn., að veittar verði í fjárlögum 1943 6000 kr. til Þistilfjarðarvegar. — Bréf 30. nóv. (Db. 453).

4. Sami þm. fer þess á leit við fjvn., að veittar verði í fjárlögum 1943 20 þús. kr. til Langanesvegar. — Bréf 30. nóv. (Db. 454).
5. Gísli Jónsson, þm. Barð., sendir Alþingi erindi undirritað af 64 íbúum í Rauðasandshreppi í V.-Barð., dags. 15. nóv., þar sem þess er farið á leit, að fé verði veitt úr ríkissjóði til vegalagninga milli Hvalláturs og Gjögurs um Víkur, svo og til lendingarbóta á Gjögri við Örlygshöfn. — Bréf 7. jan. (Db. 651).
6. Gunnar Thoroddsen, þm. Snæf., sendir Alþingi, ásamt meðmælum sínum, erindi hreppsnefndar Fróðárhrepps í Snæfellsnessýslu, þar sem endurnýjuð er beiðni hreppsnefndarinnar um, að Alþingi taki upp í þjóðvegatölu sýsluveginn frá Ólafsvíkurvegi um Fróðárhrepp á Búlandshöfða. — Bréf 6. jan. (Db. 653).
7. Hreppsnefnd Hríseyjarhrepps fer þess á leit, að veittur verði 3000 kr. styrkur til ræktunarvega í Hrísey. — Símskeyti 12. febr. (Db. 872).
8. Kaupfélag Þingeyinga telur þörf á aukafjárveitingu á þessu ári til atvinnubóta og lagningar mjólkurvega o. fl. í S.-Þing. — Símsk. 3. febr. (Db. 835).
9. Lögreglustjórinn í Bolungavík sendir samþykkt hreppsnefndar Hólshrepps, dags. 4. nóv., þar sem skorað er á Alþingi að veita svo ríflega fé til Gilsnámuvegar í Bolungavík, að unnt verði að ljúka þeirri vegagerð á næsta ári. — Bréf 10. okt. (Db. 414).
10. Sigurður Bjarnason, þm. N.-Ísf., fer þess á leit, að fjvn. mæli með því, að veittar verði í fjárl. 1943 20. þús. kr. til Gilsnámuvegar. — Bréf 14. jan. (Db. 713).
11. Síðasti sýslufundur A.-Barð. ítrekar beiðni sína um, að vegurinn frá Kinnarstöðum til Brjánslækjar verði tekinn í þjóðvegatölu og þegar verði lagt fram fé til hans úr ríkissjóði. — Bréf 13. jan. (Db. 793).
12. 7 þm. fara þess á leit við fjvn., að hún leggi til, að veitt verði í fjárlögum 1943 350 þús. kr. viðbótarfjárveiting til Þorskafjarðarheiðarvegar. — Bréf 12. jan. (Db. 693).
13. Stjórn Kaupfélags Borgarfjarðar skorar á Alþingi að veita nægilegt fé til þess, að Borgarfjörður komist í samband við akvegakerfi landsins sem allra fyrst. — Bréf 14. jan. (Db. 869).
14. Umsögn vegamálastjóra um framkomnar breytingartillögur við vegalögin. — Bréf 20. jan. (Db. 791).
15. Vegamálastjóri gerir fjvn. grein fyrir nýbyggingu þjóðvega 1942 o. fl. — Bréf 15. des. (Db. 531).
16. Þm. Skagf., Sigurður Þórðarson og Jón Sigurðsson, fara þess á leit við fjvn., að hún leggi til að veittar verði 50 þús. kr. til Út-Blönduhlíðarvegar. 1 fskj. — Bréf 11. des. (Db. 523).

— Sjá einnig Setuliðið.

Vegamálaskrifstofan, sjá Starfsmannaskrár.

Vegamálastjóri, sjá: Brúargerðir, Fyrirhleðslur 5, Uppdrættir af Íslandi, Vegamál 14—15, Verðlagsuppbætur 3, Þverárfyrirhleðslan.

Veiðifélag Vatnsdalsár, sjá Laxveiði.

*Veiðimálanefnd.* Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. erindi Pálma Hannessonar, formanns veiðimálanefndar, dags. 30. okt., þar sem hann fer þess á leit að nefndarmönnum veiðimálanefndar verði greidd þóknun fyrir störf sín. — Bréf 12. nóv. (Db. 374).

Veitingaþjónafélag Íslands, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

*Verð á landbúnaðarvörum.* Búnaðarfélag Íslands sendir Alþingi samþykkt búnaðarþings um verð á landbúnaðarvörum. — Bréf 23. marz. (Db. 999).

*Verðlagsuppbætur.*

1. Skýrsla um greiðslur þær úr ríkissjóði, sem greiða þarf verðlagsuppbætur af samkv. fjárlagafrumvarpi 1943. — Bréflaust. (Db. 633).

2. Stjórn Verkfræðingafélags Íslands beinir þeim tilmælum til fjhn. Nd., að hún hlutist til um það, að þeir verkfræðingar, sem starfa í þjónustu ríkisins fái launauppbót, er nemi a. m. k. 30% af grunnlaunum þeirra, og fulla verðlagsuppbót á þessa hækkun frá 1. júlí þ. á. — Bréf 19. ágúst. (Db. 415).
3. Umsögn vegamálastjóra um frv. til l. um breyt. á l. nr. 48 30. júní 1942, um verðlagsuppbót á laun embættismanna og annarra starfsmanna ríkisins og ríkisstofnana. 2 fskj. — Bréf 28. des. (Db. 674).
4. Vísindafélag Íslendinga fer þess á leit, að fjvn. mæli með því, að félaginu verði greidd verðlagsuppbót á styrk þann, sem því er ætlaður í fjárlagafrumvarpi 1943. 2 fskj. — Bréf 4. des. (Db. 459).

*Verðuppbætur.*

1. Atv.- og samgnrn. óskar umsagnar fjvn. um, hvort síldarverksmiðjum, sem eru í einkaeign, og fiskimjölsverksmiðjum verði greiddur verðmismunur á selt fóðurmjöl til innanlandsnota, á sama hátt og síldarverksmiðjum ríkisins. — Bréf 13. febr. (Db. 878).
2. Sama ráðuneyti sendir landbn. afrit af bréfi h/f Rex, dags. 8. jan., varðandi verðbætur á gærur, sem sútaðar eru hér á landi. — Bréf 27. jan. (Db. 807).
3. Félag íslenzkra iðnrekenda fer þess á leit fyrir hönd klæðaverksmiðjanna Álafoss og Framtíðarinnar, að þeim verði veitt fé úr ríkissjóði til verðbóta á þeirri ull, sem þær hafa greitt og kunna að neyðast til að greiða. — Bréf 15. des. 1942 og 9. jan. 1943. (Db. 688).
4. Nafngreindir sútarameistarar í Reykjavík fara þess á leit, að Alþingi ákveði að þeim verði greiddar úr ríkissjóði verðbætur á gærur þær, sem þeir hafa keypt til framleiðslu sinnar á árunum 1941 og 1942. 1 fskj. — Bréf 22. jan. (Db. 762).

Verkakvennafél. Brynja, sjá: Dýrtíðarmál 1, 8, Dýrtíðarráðstafanir.
Verkakvennafél. Eining, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkakvennafél. Framsókn, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkakvennafél. Snót, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkakvennafél. Von, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðs- og sjómannafélag Álftfirðinga, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðs- og sjómannafélag Keflavíkur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðs- og sjómannafélag Ólafsfjarðar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Afturelding, sjá: Dýrtíðarráðstafanir, Hraðfrystihús 1.
Verkalýðsfél. Akureyrar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Austur-Húnvetninga, sjá: Dýrtíðarmál 1, 11, Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Baldur, sjá: Dýrtíðarmál 7, Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Bjarmi, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Borgarness, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Fáskrúðsfjarðar, sjá: Dýrtíðarmál 12, Dýrtíðarráðstafanir, Eyðing tundurdufla.
Verkalýðsfél. Fram, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Glæsibæjarhrepps, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Hríseyjar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Hvöt, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Jökull, sjá: Dýrtíðarráðstafanir, Hraðfrystihús 3.
Verkalýðsfél. Norðfirðinga, sjá: Dýrtíðarmál 9, Dýrtíðarráðstafanir, Útvegsmál.
Verkalýðsfél. Raufarhafnar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Reyðarfjarðarhrepps, sjá Dýrtíðarmál 13.
Verkalýðsfél. Skagastrandar, sjá: Dýrtíðarmál 1, Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Skjöldur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Stykkishólms, sjá: Dýrtíðarmál 2, Dýrtíðarráðstafanir
Verkalýðsfél. Svalbarðsstrandar, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

Verkalýðsfél. Víkingur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Vörn, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfél. Þróttur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkalýðsfélög Akureyrar, sjá Dýrtíðarmál 6.
*Verkamannabústaðir.*
1. Byggingarfélag verkamanna, Ísafirði, mótmælir því, að sú breyting verði gerð á l. um verkamannabústaði, að meðlimum byggingarfélaganna verði gert að skyldu að lgggja fram 25% byggingarkostnaðar í stað 15%, enn fremur skorar félagið á Alþingi að samþykkja frv. til l. um verkamannabústaði frá GÍG og BBen. — Bréf 21. marz (Db. 1009).
2. Umsögn stjórnar Byggingarsjóðs verkamanna um frv. til l. um breyt. á l. nr. 3 9. jan. 1935, um verkamannabústaði. — Bréf 8. febr. (Db. 849).

Verkamannadeild Verkalýðsfélags Akraness, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkamannafél. Árvakur, sjá: Dýrtíðarmál 14, Dýrtíðarráðstafanir.
Verkamannafél. Báran, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkamannafél. Dagsbrún, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkamannafél. Dalvíkur, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Verkamannafél. Fram, sjá: Dýrtíðarmál 8, Dýrtíðarráðstafanir.
Verkamannafél. Glæsibæjarhrepps, sjá Síldarbræðsluverksmiðjan 2.
Verkamannafél. Hlíf, sjá: Atvinnumál, Dýrtíðarráðstafanir.
Verkamannafél. Húsavíkur, sjá: Dýrtíðarráðstafanir, Hafnir og lendingarbætur 25.
Verkamannafél. Reyðarfjarðar, sjá: Dýrtíðarráðstafanir.
Verkamannafél. Þróttur, sjá: Dýrtíðarmál 1, Dýrtíðarráðstafanir, Hjálparsjóður.
Verkfræðingafélag Íslands, sjá Verðlagsuppbætur 2.
Verkfæranefnd, sjá: Skurðgröfur 2, Starfsmannaskrár.
Verksmiðjuskoðunin, sjá Tillögur.
*Verkstjórasamband Íslands.*
1. Atv.- og samgmrn. sendir fjvn. afrit af bréfi Verkstjórasambands Íslands, þar sem þess er farið á leit, að sambandinu verði veittur 5 þús. kr. styrkur í fjárlögum 1943, og mælir ráðuneytið með styrkbeiðni þessari. — Bréf 23. des. (Db. 607).
2. Sama samband fer þess á leit, að veittar verði í fjárlögum 1943 5 þús. kr. til þess að koma á kennslu fyrir verkstjóra. — Bréf 14. jan. (Db. 715).

Vernd barna og ungmenna, sjá Barnavernd.
*Verndun fornritanna.* Ungmennasamband Eyjafjarðar skorar á Alþingi að taka hart á brotum gegn lögum um verndun fornritanna og móðurmálsins. — Bréf 30. marz. (Db. 1035).
*Verzlun með kartöflur.* Atv.- og samgmrn. sendir landbn. Nd. erindi grænmetisverzlunar ríkisins, dags. 25. nóv., þar sem hún sendir álit og tillögur nefndar þeirrar, sem skipuð var af landbúnaðarráðherra 8. maí 1940 til þess að gera tillögur um breyt. á l. nr. 34 1936, og er þess óskað, að aðalefni tillagna þessarar nefndar verði lagt fyrir Alþingi. — Bréf 7. des. (Db. 486).
*Verzlun með kjarnfóður.* Búnaðarfélag Íslands sendir Alþingi tillögur búnaðarþings um verzlun með kjarnfóður og sölu síldarmjöls til fóðurþarfa innanlands. — Bréf 16. marz. (Db. 975).
Verzlunarráð Íslands, sjá Afurðagreiðsla 2.
*Verzlunarskólastúdentspróf.* Umsjónarmaður og skrifari Menntaskólans í Reykjavík senda ályktun almenns fundar skólans, þar sem mótmælt er reglugerð þeirri, er veitir Verzlunarskólanum í Reykjavík rétt til að útskrifa stúdenta, og skorað á Alþingi og kennslumálaráðherra að koma nú þegar í veg fyrir, að reglugerð þessi komi til framkvæmda. — Bréf 1. febr. (Db. 817).
Vestfirzkar konur, sjá Samband vestfirzkra.
Vestmannaeyjar, sjá: Flóabátaferðir 7, Hafnir og lendingarbætur 16, Neyzluvatn, Sjúkrahús 3.

*Vesturheimsblöðin.* Umsögn Þjóðræknisfélags Íslendinga um frv. til l. um kaup á Vesturheimsblöðunum Heimskringlu og Lögbergi. — Bréf 5. febr. (Db. 863).
Vélaverkfræði, sjá Námsstyrkur 5.
Vélaverkstæði, sjá Landbúnaðarvélar.
Vélskólinn, sjá Tillögur.
Vélstjórafélagið Gerpir, sjá: Dýrtíðarmál 9, Dýrtíðarráðstafanir.
Vésteinn Árnason, fyrrv. póstur, sjá Eftirlaun og styrktarfé 21, 22.
*Viðgerðarstofa ríkisútvarpsins.* Rekstrar- og efnahagsreikningur Viðgerðarstofu ríkisútvarpsins 1941. — Bréflaust. (Db. 679).
*Viðskiptanefnd og gjaldeyriskaupanefnd.* Viðskmrn. sendir fjvn. bréf viðskiptanefndar, dags. 19. des., um tekjur og gjöld nefndarinnar á árinu 1942 og áætlun fyrir árið 1943. Enn fremur er sent yfirlit um kostnað við gjaldeyriskaupanefnd árið 1942 og áætlun um kostnað árið 1943. — Bréf 21. des. (Db. 593).
Viðtækjaverzlun, sjá: Skilagrein f, Starfsmannaskrár, Tillögur.
*Viðurkenningarlaun.* Kristján Jónsson, Fremstafelli í S.-Þing., fer þess á leit, að Alþingi veiti Kristjáni Jónssyni, Mýlaugsstöðum í S.-Þing., 1000 kr. í eitt skipti fyrir öll, til viðurkenningar fyrir dýralækningastörf. — Bréf 6. des. (Db. 811).
*Víðvík.*
1. Hreppsnefnd Hólahrepps mótmælir framkomnu frv. til laga um heimild til þess að selja hluta úr landi jarðarinnar Víðvíkur í Skagafirði og telur vatnsvirkjunarskilyrði til almenningsþarfa í því landi, er selja skal, og hafnarstæði. — Símskeyti 7. jan. (Db. 668).
2. Hreppsnefnd Víðvíkurhrepps lýsir yfir því, að hún fái ekki séð, að það sé sveitinni að neinu til óhagnaðar, þótt hluti af landi Víðvíkur yrði seldur. — Símskeyti 13. jan. (Db. 709).

Víðvíkurhreppur, hreppsnefnd, sjá Víðvík 2.
Vigfús Jakobsson, sjá Námsstyrkur 4.
Vilborg Ingimarsdóttir, fyrrv. kennslukona, sjá Lífeyrissjóður barnakennara 2.
*Vinnuhælið á Litla-Hrauni.* Forstjóri vinnuhælisins á Litla-Hrauni leitar fulltingis fjvn. um, að hælinu verði úthlutaður vörubíll. — Bréf 12. maí (Db. 425). — Sjá einnig: Starfsmannaskrár, Tillögur.
Vinnumiðlunarskrifstofan í Reykjavík, sjá Starfsmannaskrár.
*Vinnuskólinn á Kleppjárnsreykjum.* Skrifstofa ríkisspítalanna sendir fjvn. yfirlit um stofnkostnað vinnuskólans á Kleppjárnsreykjum. — Bréf 15. des. (Db. 542).
*Vinnustofa berklasjúklinga.* Samband norðlenzkra kvenna skorar á Alþingi að veita fé til byggingar vinnustofu fyrir sjúklinga heilsuhælisins að Kristnesi. — Bréf 22. jan. (Db. 798).
Vinnuveitendafélag Íslands, sjá Jöfnunarsjóður vinnulauna 2.
Virkisá í Öræfum, sjá Fyrirhleðslur 2, 4.
*Virkjun Andakílsár.* Umsögn rafmagnseftirlits ríkisins um frv. til laga um virkjun Andakílsár í Borgarfirði. — Bréf 11. jan. (Db. 678).
Vitamálastjóri, sjá: Dýpkunarskip 1, Eftirlaun og styrktarfé 23—26, Hafnir og lendingarbætur 3, 21—24, Starfsmannaskrár, Tillögur.
Víkingur, verkalýðsfélag, sjá Dýrtíðarráðstafanir.
Víkurkauptún, sjá Vatnsveitur 1.
Vínveitingaundanþágur, sjá Áfengismál.
Vísindafélagið, sjá Verðlagsuppbætur 4.

Yfirhúsaleigunefnd, sjá Tillögur.

Þingbúendur, sjá Áveitu- og framræslufélög 3.
*Þingmálafundargerðir.*
1. Ályktanir fertugasta og fjórða þing- og héraðsmálafundar Vestur-Ísfirðinga á Flateyri 22. og 23. jan. 1943. — Bréflaust. (Db. 907).

2. Gísli Jónsson, þm. Barð., sendir Alþingi tvær fundargerðir, aðra frá hreppsnefnd Reykhólahrepps, dags. 13. sept. 1942, hina frá hreppsnefnd Geiradalshrepps, dags. 9. nóv. s. á., báðar varðandi ýmiss konar óskir um framfaramál hreppanna. — Bréf 11. jan. (Db. 694).

*Þingræða.* Útvarpsstjóri sendir erindi Ólafs Jónssonar, dags. 4. febr., þar sem gerð er athugasemd f. h. nokkurra hlutafélaga í Gerðum og Sandgerði út af ummælum í þingræðu, sem var útvarpað. — Bréf 8. febr. (Db. 858).

*Þingsköp.* Landlæknir fer þess á leit við forseta sameinaðs þings, að hann beiti sér fyrir tilgreindum breytingum á þingsköpum Alþingis. — Bréf 12. des. (Db. 515).

*Þingvallanefnd* fer þess á leit, að veittar verði í fjárlögum 1943 25 þús. kr. til vegagerða innan þjóðgarðsins á Þingvöllum. — Bréf 19. jan. (Db. 749).

Þistilfjarðarvegur, sjá Vegamál 3.

Þjóðgarðurinn, sjá Þingvallanefnd.

Þjóðminjavörður, sjá: Burstarfell í Vopnafirði, Tillögur.

Þjóðræknisfélag Íslendinga í Reykjavík, sjá: Bókmenntasaga, Vesturheimsblöðin.

Þjóðskjalasafnið, sjá Tillögur.

Þjóðvegir, sjá Vegamál.

Þorlákshöfn, sjá Hafnir og lendingarbætur 18.

Þorskafjarðarheiðarvegur, sjá Vegamál 12.

Þorsteinn Bertrand Sætran, sjá Ríkisborgararéttur 2.

Þorsteinn Hannesson, sjá Tónlist 4.

Þorvaldur Skúlason listmálari, sjá Myndlist 4.

Þórdís Egilsdóttir, sjá Heimilisiðnaður 1.

Þórhallur Andrésson, sjá Eftirlaun og styrktarfé 27.

Þórshöfn, sjá Hafnir og lendingarbætur 26.

Þróttur, verkamannafélag, sjá: Dýrtíðarmál 1, Dýrtíðarráðstafanir, Hjálparsjóður.

*Þverárfyrirhleðslan.* Vegamálastjóri skrifar fjhn. Nd. varðandi Þverárfyrirhleðsluna. — Bréf 15. des. (Db. 530).

Þvottakvennafélagið Freyja, sjá Dýrtíðarráðstafanir.

Þýðingar, sjá Bókaútgáfa.

Ægir, sjá Síldarbræðsluverksmiðjan.

*Æskulýðshöll.* Ungmennasamband Kjalarnesþings skorar á Alþingi að veita þeim félagssamtökum, sem beita sér fyrir byggingu æskulýðshallar í Reykjavík, ríflegan fjárstyrk. — Bréflaust. (Db. 590).

Ættaróðal, sjá Erfðaábúð.

Ættfræðirannsóknir, sjá Ritstyrkur 1.

Öldubrjótur, sjá Hafnir og lendingarbætur 4.

Ölfusingar, sjá Áveitu- og framræslufélög 5.

Örlygshöfn, sjá Mjólkurflutningar.

Sþ.

# 757. Þingmannaskrá með bústöðum o. fl.

**Skammstafanir:** a. = allshn., fjh. = fjhn., fjv. = fjvn., i. = iðnn., k. = kjörbrn., l. = landbn., m. = menntmn., sa. = samgmn., sj. = sjútvn., u. = utrmn.; þ. = þfkn.
A = Alþýðufl., F = Framsóknarfl., S = Sjálfstæðisfl., SAS = Sameiningarfl. alþýðu, Sósíalistafl.

| Tala | Nöfn þingmanna og staða | Kjördæmi | Fæðingardagur og ár | Heimili | Dvalarstaður um þingtímann og sími | Í hverjum fastanefndum | Tala áður setinna þinga | Stj.málaflokkur | Þingdeild | Tala |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Áki Jakobsson, lögfræðingur | Siglufjarðarkaupstaður | 1/7 '11 | Reykjavík | Rauðarárstígur 32, 2735 | a ; k.; þ. | 1 | SAS | Nd. | 1 |
| 2 | Ásgeir Ásgeirsson, bankastjóri | Vestur-Ísafjarðarsýsla | 13/5 '94 | Reykjavík | Hávallagata 32, 4300 1060 | fjh.; aSþ.; þ. | 25 | A | Nd. | 2 |
| 3 | Barði Guðmundsson, þjóðskjalavörður | 5. landskjörinn þm. | 12/10 '00 | Reykjavík | Ásvallagata 64, 3924 | sa.; m. | | A | Nd. | 3 |
| 4 | Bernharð Stefánsson, útibússtjóri | Eyjafjarðarsýsla, 1. þm. | 8/1 '89 | Akureyri | Hótel Borg | fjh. | 25 | F | Ed. | 4 |
| 5 | Bjarni Ásgeirsson, bóndi | Mýrasýsla | 1/8 '91 | Reykir í Mosfellssveit | Tjarnargata 18, 3357 5655 | l.; u. | 21 | F | Nd. | 5 |
| 6 | Bjarni Benediktsson, borgarstjóri, 2. varaforseti Sþ. | Reykjavík, 6. þm. | 30/4 '08 | Reykjavík | Eiríksgata 19, 2261, 1200 | a. | 1 | S | Ed. | 6 |
| 7 | Brynjólfur Bjarnason, kennari | Reykjavík, 5. þm. | 26/5 '98 | Reykjavík | Brekkustígur 14 B, 4757 | sa.; a. | 9 | SAS | Ed. | 7 |
| 8 | Einar Olgeirsson, ritstjóri | Reykjavík, 2. þm. | 14/8 '02 | Reykjavík | Njálsgata 85, 1489 | fjh.; u. | 9 | SAS | Nd. | 8 |
| 9 | Eiríkur Einarsson, lögfræðingur, skrifari í Ed. | Árnessýsla, 2. þm. | 2/3 '85 | Reykjavík | Njálsgata 87, 5819 | l.; m. | 15 | S | Ed. | 9 |
| 10 | Emil Jónsson, vitamálastjóri, 1. varaforseti neðri deildar | Hafnarfjarðarkaupstaður | 27/10 '02 | Hafnarfjarðarkaupstaður | Hafnarfj.kaupst., 9181 | l ; i. | 13 | A | Nd. | 10 |
| 11 | Eysteinn Jónsson | Suður-Múlasýsla, 2. þm. | 13/11 '06 | Reykjavík | Ásvallagata 67, 3277 | fjv. | 14 | F | Nd. | 11 |
| 12 | Finnur Jónsson, forstjóri | Ísafjarðarkaupstaður | 28/9 '94 | Ísafjörður | Vesturgata 27, 5849 | sj ; fjv ; k. | 14 | A | Nd. | 12 |
| 13 | Garðar Þorsteinsson, hæstaréttarmflm. | Eyjafjarðarsýsla, 2. þm. | 29/10 '98 | Reykjavík | Vesturgata 19, 3442 4400 | a. | 13 | S | Nd. | 13 |
| 14 | Gísli Guðmundsson | Norður-Þingeyjarsýsla | 2/12 '03 | Reykjavík | Eiríksgata 27, 4245 | sj | 13 | F | Nd. | 14 |
| 15 | Gísli Jónsson, forstjóri, 2. varaforseti Ed. | Barðastrandarsýsla | 17/8 '89 | Reykjavík | Bárugata 2, 4084, 1744 | sa.; sj.; i ; aSþ.; | 1 | S | Ed. | 15 |
| 16 | Gísli Sveinsson, sýslumaður, 1. varaforseti Sþ. | 10. landskjörinn þm. | 7/12 '80 | Vík í Mýrdal | Hótel Borg | sa.; m.; aSþ. | 21 | S | Nd. | 16 |
| 17 | Guðmundur Í. Guðmundsson, hæstaréttarmálaflutningsmaður | 9. landskjörinn þm. | 17/7 '09 | Reykjavík | Kjartansg. 15, 1108, 4277 | sj.; i.; a. | | A | Ed. | 17 |
| 18 | Gunnar Thoroddsen, prófessor | Snæfellsnessýsla | 29/12 '10 | Reykjavík | Fríkirkjuvegur 3, 2822 | m.; a. | 4 | S | Nd. | 18 |
| 19 | Haraldur Guðmundsson, forstjóri, forseti sameinaðs þings | 3. landskjörinn þm. | 26/7 '92 | Reykjavík | Hávallagata 33, 4521 | fjh.; l. | 21 | A | Ed. | 19 |
| 20 | Helgi Jónasson, héraðslæknir | Rangárvallasýsla, 1. þm. | 19/4 '94 | Stórólfshvoll | Hótel Borg | fjv. | 9 | F | Nd. | 20 |
| 21 | Hermann Jónasson | Strandasýsla | 25/12 '96 | Reykjavík | Tjarnargata 32, 2291 | a.; u.; k. | 13 | F | Ed. | 21 |
| 22 | Ingólfur Jónsson, kaupfélagsstjóri | Rangárvallasýsla, 2. þm. | 15/5 '09 | Hella á Rangárvöllum | Njálsgata 108, 3953, 4767 | fjh.; i. | 1 | S | Nd. | 22 |
| 23 | Ingvar Pálmason, bóndi | Suður-Múlasýsla, 1. þm. | 26/7 '73 | Neskaupstaður | Garðastræti 35, 2828 | sa ; sj. | 25 | F | Ed. | 23 |
| 24 | Jakob Möller, fjármálaráðherra | Reykjavík, 3. þm. | 12/7 '80 | Reykjavík | Hólatorg 2, 3117 | | 25 | S | Nd. | 24 |
| 25 | Jóhann P. Jósefsson, kaupm., útgerðarm., forseti neðri deildar | Vestmannaeyjar | 17/6 '86 | Reykjavík | Bergstaðastræti 86, 4884 | u. | 25 | S | Nd. | 25 |
| 26 | Jón Pálmason, bóndi | Austur-Húnavatnssýsla | 28/11 '88 | Akur í Torfalækjarhreppi | Ránargata 34, 2157 | fjh ; l. | 14 | S | Nd. | 26 |
| 27 | Jón Sigurðsson, bóndi | Skagafjarðarsýsla, 2. þm. | 13/3 '88 | Reynistaður í Skagafirði | Stýrimannastígur 9, 3033 | l.; aSþ. | 17 | S | Nd. | 27 |
| 28 | Jónas Jónsson, skólastjóri | Suður-Þingeyjarsýsla | 1/5 '85 | Reykjavík | Hávallagata 24, 3603 | m.; fjv. | 26 | F | Ed. | 28 |
| 29 | Jörundur Brynjólfsson, bóndi | Árnessýsla, 1. þm. | 21/2 '84 | Skálholt í Biskupstungum | Laufásvegur 38 | a. | 30 | F | Nd. | 29 |
| 30 | Kristinn E. Andrésson, magister | 7. landskjörinn þm. | 12/6 '01 | Reykjavík | Njálsgata 72, 5199 | l.; m. | | SAS | Ed. | 30 |
| 31 | Lárus Jóhannesson, hæstaréttarmálaflutningsmaður | Seyðisfjarðarkaupstaður | 21/10 '98 | Reykjavík | Suðurgata 4, 3294, 4314 | fjh.; a. | | S | Ed. | 31 |
| 32 | Lúðvík Jósefsson, kennari | 6. landskjörinn þm. | 16/6 '14 | Neskaupstaður | Hótel Borg | sj.; fjv. | | SAS | Nd. | 32 |
| 33 | Magnús Jónsson, atvinnumálaráðherra | Reykjavík, 1. þm. | 26/11 '87 | Reykjavík | Laufásvegur 63, 3877 | u. | 28 | S | Ed. | 33 |
| 34 | Ólafur Thors, forsætisráðherra | Gullbringu-ogKjósarsýsla | 19/1 '92 | Reykjavík | Garðastræti 41, 3551 | u. | 23 | S | Nd. | 34 |
| 35 | Páll Hermannsson, bóndi, skrifari í Ed. | Norður-Múlasýsla, 1. þm. | 28/4 '80 | Eiðar í Eiðaþinghá | Sóleyjargata 7, 2278 | l.; i. | 21 | F | Ed. | 35 |
| 36 | Páll Zóphóníasson, ráðunautur | Norður-Múlasýsla, 2. þm. | 18/11 '86 | Reykjavík | Sóleyjargata 7, 2278 2151 | aSþ.; þ. | 13 | F | Nd. | 36 |
| 37 | Páll Þorsteinsson, kennari | Austur-Skaftafellssýsla | 22/10 '09 | Hnappavellir í Öræfum | Hótel Borg | m | 1 | F | Nd. | 37 |
| 38 | Pétur Magnússon, bankastjóri | 8. landskjörinn þm. | 19/1 '88 | Reykjavík | Suðurgata 20, 3533 | fjh.; k. | 9 | S | Ed. | 38 |
| 39 | Pétur Ottesen, bóndi | Borgarfjarðarsýsla | 2/8 '88 | Ytrihólmur á Akranesi | Stýrimannastígur 9, 3033 | fjv. | 34 | S | Nd. | 39 |
| 40 | Sigfús Sigurhjartarson, ritstjóri, 2. varaforseti Nd. | Reykjavík, 8. þm. | 6/2 '02 | Reykjavík | Miðstræti 6, 4606 | m.; aSþ. | 1 | SAS | Nd. | 40 |
| 41 | Sigurður Bjarnason, cand. jur. | Norður-Ísafjarðarsýsla | 18/12 '15 | Vigur | Þórshamar, 3108 | sa.; sj. | 1 | S | Nd. | 41 |
| 42 | Sigurður Guðnason, verkamaður | 1. landskjörinn þm. | 21/6 '88 | Reykjavík | Hringbraut 188 | l. | | SAS | Nd. | 42 |
| 43 | Sigurður E. Hlíðar, dýralæknir, skrifari í Nd. | Akureyri | 4/1 '85 | Akureyri | Laufásvegur 16, 3325 | i. fjv.; þ. | 9 | S | Nd. | 43 |
| 44 | Sigurður Kristjánsson, forstjóri, skrifari í Sþ. | Reykjavík, 7. þm. | 14/4 '85 | Reykjavík | Vonarstræti 2, 4020 3945 | sj.; þ. | 13 | S | Nd. | 44 |
| 45 | Sigurður Thoroddsen, verkfræðingur | 11. landskjörinn þm. | 24/7 '02 | Reykjavík | Freyjugata 38, 4575 | i. | | SAS | Nd. | 45 |
| 46 | Sigurður Þórðarson, kaupfélagsstjóri | Skagafjarðarsýsla, 1. þm. | 19/7 '88 | Sauðárkrókur | Garðastræti 4 | i.; aSþ. | 1 | F | Nd. | 46 |
| 47 | Skúli Guðmundsson, kaupfélagsstjóri, skrifari í Sþ. | Vestur-Húnavatnssýsla | 10/10 '00 | Hvammstangi | Hávallagata 47, 1405 | fjh. | 9 | F | Nd. | 47 |
| 48 | Stefán Jóh. Stefánsson, hæstaréttarmálaflutningsmaður | Reykjavík, 4. þm. | 20/7 '94 | Reykjavík | Ásvallagata 54, 2077, 4277 | a.; u. | 5 | A | Nd. | 48 |
| 49 | Steingrímur Aðalsteinsson, verkamaður, forseti efri deildar | 4. landskjörinn þm. | 13/1 '03 | Akureyri | Hótel Borg | fjh. | 1 | SAS | Ed. | 49 |
| 50 | Sveinbjörn Högnason, söknarprestur, skrifari í Nd. | Vestur-Skaftafellssýsla | 6/4 '98 | Breiðabólsst. í Fljótshlíð | Mjólkurst.v.Hringbr. 1160 | sa. | 12 | F | Nd. | 50 |
| 51 | Þorsteinn Þorsteinsson, sýslumaður, 1. varaforseti Ed. | Dalasýsla | 23/12 '84 | Búðardalur | Suðurgata 18, 3106 | l.; fjv.; k. | 14 | S | Ed. | 51 |
| 52 | Þórður Benediktsson | 2. landskjörinn þm. | 10/3 '98 | Vestmannaeyjar | Hótel Borg | sa.; fjv. | | SAS | Nd. | 52 |
| | Í sjúkdómsforföllum ÞB tók sæti hans 19/11: | | | | | | | | | |
| | Þóroddur Guðmundsson, 1. landsk. varaform. Sósfl. | | 21/7 '03 | Siglufjörður | Rauðarárstígur 32 | | | | | |